

•		
		•

# (मायश्रकान्ध

। शिक्ष म द

# " प्रवर्त्तनां प्रकृति हिताय पार्थिवः सरस्वती खुतिमहती न हीयतां।"

ানিক মূল্য ১ টাকা, জঞ্জিম বাৰ্বিক ১০ ) কো জঞ্জিম বাণ্যাসিক ৫৪ টাকা ৷

नग ५६१०। ६ व्यास्त्रम् । ५৮७७ । ३० अ नद्वयत

मक्ष्यत्म मञ्जूतमस्यक कृष्टि कृष्टि होका बोन्।मिक्षान, क्रिकेट्स

# বিক্লাপন।

ইউ ইতিয়া রেলওয়ে। বিশেষ জমধেক দিলের টিকটি সকল হাবড়া হইডে প্রশস্ত হাবড়া হইডে প্রশস্ত হাবড়া

> वीकी शुन्तः स्थानिकी प्रमानुद्रं स्थान स्थानः कामभूतः स्थान श्रीवानः स्थान

श्रामा नार्वकिक विरन्ध व्यापक म

- ३२० ग्रेका ।

বেশের অমনের টিকীট সকলের বে ভাতার হাব উপার লিখিত হইল, আরো-হিগান হার ঐ হাবের উপার শভকরা ২০ টাকার হিগাবে অনিক প্রদান করেন, তবে গা-হারা এই বিজ্ঞাপনে লিখিত। নিয়ম অপেকা অভিথিক আর ছই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট সকল ব্যবহার কলিতে পাতিবেন। অন্যান্য প্রধান ইপ্রেসনেও উল্লেপ নিয়মে টাকিট পাওয়া হইবে।

উপবিউক্ষ বিষয়ের অন্যানঃ বিষয়ৰ বাঁহারা জানিতে ইক্ষা করেন, কাহারা হাবড়া ইক্ষেনের ভেলুটী ট্রাফিক মেনেজব সাহেবের নিকট জাবেদন করিলেই সমুদার জনগত হইতে পারিবেন।

সিবিল **কিংকলন**।

বোড**্জন এজেনী** ইষ্ট ইণ্ডিয়া রেলওয়ে হৌস কলিকাতা ১৮৬৬। ৩১ এ অক্টোবর।

### विकाशन।

अव्यवि वाष्ट्र वाष्ट्रभावितान वाष्ट्र अविव भवावित वाष्ट्रमार्थ अक अक्राश्चेष्ट अविवय वाणाना कार्य विक्रमार्थ अञ्चल आहि। देशास्त्र प्रव्याप्टर अप्रति इस्प्रांट । देशा मूल अव प्रकार अव्यक्तीय विद्याप्टर वेशा मूल अव प्रकार अव्यक्तीय विद्याप्टर व्यव । अस्ति जावा याच्याप्टल भाष्ट्रीय क्रिकामा क्रिका विद्याप्टर अव्यक्त विद्याप्टर व्यक्त । अस्ति कार्याप्ट अव्यक्त विद्याप्टर भागाप्टर अव्यक्त विद्याप्टर भागाप्टर अव्यक्त विद्याप्टर भागाप्टर विद्याप्टर विद्य विद्याप्टर वि

# বিজ্ঞাপৰা.

अञ्चान। नर्स नाशानगरके कार्य केनी प्यटक देखन शूर्म विचारमंत्र व्यक्तिक इंटराकी राजना ७ समना क्रांसहिक चानानी जिस्सम मारमा ३० ३४, ३३ २० अ ग्रेड इंट्रेस !

বে বে পৃত্তকে ইংক্সি বাজ্ঞা ইনি পরীকা হইবে, তাহা ক্সিকিলিজ ইইনা ইংরাজী। চারপার্কিক ক্সান হাড়েন

> वार के स्थानकार के शहराब क्रिकेट के रेश्हाकी क्राक्टिश के वर्ग एक क्रिकेट के

दोक्ता।

नाविष्ठहर्नुस्कृतिहासम्ब

नामिनांवछ। छल देवहोनिकः

ক্ষেত্ৰ। ইউ নিজের প্রথম অধ্যার কুনোল। পূথিবাব চারিখান্তের বিচ্ ভারতবর্ত্বে নাধারণ। ১৮

শরীকার্থীদিগকে 'ভারতবর্ণর অথবা কিয়নংশেয় নক্না করিছে দেওয়া

ant agil

્ ૧૦ 🎕

# (मायश्रकान्ध

। शिक्ष म द

# " प्रवर्त्तनां प्रकृति हिताय पार्थिवः सरस्वती खुतिमहती न हीयतां।"

ানিক মূল্য ১ টাকা, জঞ্জিম বাৰ্বিক ১০ ) কো জঞ্জিম বাণ্যাসিক ৫৪ টাকা ৷

नग ५६१०। ६ व्यास्त्रम् । ५৮७७ । ३० अ नद्वयत

मक्ष्यत्म मञ्जूतमस्यक कृष्टि कृष्टि होका बोन्।मिक्षान, क्रिकेट्स

# বিক্লাপন।

ইউ ইতিয়া রেলওয়ে। বিশেষ জমধেক দিলের টিকটি সকল হাবড়া হইডে প্রশস্ত হাবড়া হইডে প্রশস্ত হাবড়া

> वीकी शुन्तः स्थानिकी प्रमानुद्रं स्थान्द्रंश्वानः कामभूतः स्थानं स्थानं स्थानं स्थानं स्थानं

श्रामा नार्वकिक विरन्ध व्यापक म

- ३२० ग्रेका ।

বেশের অমনের টিকীট সকলের বে ভাতার হাব উপার লিখিত হইল, আরো-হিগান হার ঐ হাবের উপার শভকরা ২০ টাকার হিগাবে অনিক প্রদান করেন, তবে গা-হারা এই বিজ্ঞাপনে লিখিত। নিয়ম অপেকা অভিথিক আর ছই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট সকল ব্যবহার কলিতে পাতিবেন। অন্যান্য প্রধান ইপ্রেসনেও উল্লেপ নিয়মে টাকিট পাওয়া হইবে।

উপবিউক্ষ বিষয়ের অন্যানঃ বিষয়ৰ বাঁহারা জানিতে ইক্ষা করেন, কাহারা হাবড়া ইক্ষেনের ভেলুটী ট্রাফিক মেনেজব সাহেবের নিকট জাবেদন করিলেই সমুদার জনগত হইতে পারিবেন।

সিবিল **কিংকলন**।

বোড**্জন এজেনী** ইষ্ট ইণ্ডিয়া রেলওয়ে হৌস কলিকাতা ১৮৬৬। ৩১ এ অক্টোবর।

### विकाशन।

अव्यवि वाष्ट्र वाष्ट्रभावितान वाष्ट्र अविव भवावित वाष्ट्रमार्थ अक अक्राश्चेष्ट अविवय वाणाना कार्य विक्रमार्थ अञ्चल आहि। देशास्त्र प्रव्याप्टर अप्रति इस्प्रांट । देशा मूल अव प्रकार अव्यक्तीय विद्याप्टर वेशा मूल अव प्रकार अव्यक्तीय विद्याप्टर व्यव । अस्ति जावा याच्याप्टल भाष्ट्रीय क्रिकामा क्रिका विद्याप्टर अव्यक्त विद्याप्टर व्यक्त । अस्ति कार्याप्ट अव्यक्त विद्याप्टर भागाप्टर अव्यक्त विद्याप्टर भागाप्टर अव्यक्त विद्याप्टर भागाप्टर विद्याप्टर विद्य विद्याप्टर वि

# বিজ্ঞাপৰা.

अञ्चान। नर्स नाशानगरके कार्य केनी प्यटक देखन शूर्म विचारमंत्र व्यक्तिक इंटराकी राजना ७ समना क्रांसहिक चानानी जिस्सम मारमा ३० ३४, ३३ २० अ ग्रेड इंट्रेस !

বে বে পৃত্তকে ইংক্সি বাজ্ঞা ইনি পরীকা হইবে, তাহা ক্সিকিলিজ ইইনা ইংরাজী। চারপার্কিক ক্সান হাড়েন

> वार के स्थानकार हैं। भग्ने के स्थानकार के करवाद क्रिकेट के देश की क्रिकेट के स्थान वर्ग क्रिकेट के स्थान

दोक्ता।

नाविष्ठहर्नुस्कृतिहासम्ब

नामिनांवछ। छल देवहोनिकः

ক্ষেত্ৰ। ইউ নিজের প্রথম অধ্যার কুনোল। পূথিবাব চারিখান্তের বিচ্ ভারতবর্ত্বে নাধারণ। ১৮

শরীকার্থীদিগকে 'ভারতবর্ণর অথবা কিয়নংশেয় নক্না করিছে দেওয়া

ant agil

્ ૧૦ 🎕

्रम्ब ४०- अ<sup>र्</sup>ात सन्। इंड्रक्ट . क्षत्र (६०ग्र) शहेला।

: প্রীকার নধব দিবার সমগ্রে হস্ত লিপি-व्यक्ष्यं स्ट्रिय ।

নঃ 🌬 রীকাও ব'লস ছাত্রকৃতিন ५१ है फिर्मिश्टन ब्यांन्स ३३१२। व्यक्तर प्रवह बद्धत शत कृत चुं तवागत शबी-नर्क कांशन कांश्व नाम अनीत (४ श्री) 'राष्ट्रं निक' निविद्या भारीकेटन करेरव । মেরতের পর কাছাবও আবেনর এটি। हैत्य का। कार्यमन महा। निम्न निचित्र গুলি লিখিয়া দিতে হইবে:

- ) **প্রীকা**র্পির নাম :
- ≀) ভ′ইরে পিডার নাম।
- श्रीमञ्चान ।
- ৪) ব্রুখ।
- (৫) বর্মা। বনি হিস্কু,হয়, তবে জাতি।
- एक) स्य विकास्तरम् **अ**थासून क रेखारह ।
- (१) शक्किकांड अध्य कड़िया (य विकासका हर देखा करता
- (६) य कास भरीका निरंद।
- ५ **६ । भ**रीकार्थिका भरीका निवाद अध्य পৰ প্ৰাতঃকালে দে হাজির প্রতি ফী আলায় व छात अ'किरव, डें।शहर र हाका की भिद्रोद्ध ।

১ অন্তের বাদসা ভাত্রপুত্রির পরীকার

**তৃতীয়**ভাগ 4761 চাৰপাঠ এবং

ৰ্যাক্বন এবং চাক্ষাঠ ডুডীয় কৈরণ ৷ ভাগ হইতে প্রভালবন।

ভাৰতবৰ্ষের ইভিহাসের প্রথম তহাস।

भृषिवे<sup>भ</sup>व हात्रिस्ट छात्र - ३८ वस्छ ংযোগ। नक्र। कविए**ण** (मुख्या गाईएव

প্রা**কৃতভূগোল। রাজেজনা**লের এাকৃতভূ (n)M

**টোগ**িড । সামান্ত ৮শ্মিকভাগিশ कुनीम व्यवसाय अवर ठक्र दृष्टि । वर्णमृत्य ।

क्षणम् ४ ही निश्रम् ३ र्निष्ठ । देहिक्ट इस अध्य विश्ववि ।

াকৰে পরীক্ষাবিদিগকে পরীক্ষার প্রথম र्वतियम श्रीफाकारम काहार हर छ ३ हेग्का की প্ৰদান কৰিছে হইবে এবং পূৰ্ব্যক্তি আইম নিব-াপুসাবে ডেপুটা ইনস্পে কবেব নিকট অ আনাম नि चेद्रा इर्रगारमत्वद्र यरकद्र व्यव,वहिक भरवहे আংকেন করিতে হইবে।

> ই, জি, পোর্টির। উত্তর পূর্দ বিভাগেৰ ফুল ইনস্পেটন।

#### বিজ্ঞাপন।

বে বে জ্বাল গড়াদেশীয় ও ইংবাজী ভাষা অধীত হয় তথাকা • ছ'ত্রনিগের গশ্মপু ত্রক পাঠে ট্রংসার দিবার নি.১ র কলিকাভাব নিসম্বি সভা नर्यक्री अवस्थाव क्षमास्यव क्षन्याव कविर**्टर** । हे शबी वा**हेबर्स**त काम काम मिक्टिश्राहर যাকারা বিৰেষ নৈপুণ, দেশাইতে পারিবেন, ভাকা ণাই দেই সকল পুৰস্কাৰ লা∷ভৰ উপগুৰু ছই⊸ বেম : ব্রিটিম ও বিশেষীয় বাইবল সোসাইটিব অত্রতঃ সহকারীদিগের অন্ত্রাহে কলিকাডাপ মিসনবি সভা নমুলি বিভ ১৩ টী পুরকার দালে जनभ इहेपार्डन। यथा : १ होका कब्रिया जाति। होका कश्या हा दिने > • ने नेवार अक्ने ।

বে যে ক্ষালে এ হা দেশীয় ও ইংবাজী ভাগ অধীত হয়, ভত্ৰাত্য হিন্দ্ৰ ও মুদলমনে ছাত্ৰ বা श्या अल. ७, शरीका मिन नाई, करन होशहाई **এই প**ৰীক্ষাৰ্থী হ**ই**তে পারিবেন।

भवीकाशीं हिरान छे व्यक्ति अक्ती विस्त প্ৰিমাণ কৰা হইবে, ঘাঁহায়৷ সেই প্রিমাণে উৎকৰ্ম দৰ্শাইতে না পাৰিবেন, ভাঁহার৷ পুৰস্কাৰ লাভের যোগ্য হইবেন না। অ'গামী ১৮৩৭ অব্দের এপ্ৰেল মাদেব শেৰ সপ্ত'ৰে কলিকাভায় পরীকা গৃহীত হইবে।

প্ৰীক্ষাৰ লুক ও জন নিখিত প্ৰসমাচার নির্বাত্ত চইল। আরও পরীকারীদিগতে ধর্ম 'कांब्रफवर्सव जार्यः न विवयः , श्रुक्तरक विश्व**लिख अश्यक**लि वश्रद्य कदिए**उ** পরীকা হটবে, এড ছিল্ল পরী। ইউথে। বথা মারুলিখিত প্রসংগারের এম. ৬ ই কাৰ্মিকিলকে ভাৰতবৰ্গৰ ও ৭ ম অধ্যায়, যাহাতে বংক্তি সান্ধান অন্ मसुवास व्यथवा कित्रवर्रामक कि माउने व्यारक, ख्रामान म ১२ व व्यप्तान छ প্রথম কোবিশ্বিয়ান্স ক্রয়োদশ করে,বিয়া

> স্থান ও সময় ঘটিত বিশ্ব সমাচার ভবিষ্যং । বিজ্ঞাপন ছারাপ্রকাশিত হ-বে।

> > অন, ডি, ডন. গেকেইব্লি

বিক্ষাপন ৷

" বুৰ্বে কি না ? " নাবে একবানি এছনন। সনৱের পৰ স্বতন্ত্র করা উচিত। **স্থা**ৰ

Bijatein telli ... ১ এক টাবা মাত্র। ২'রা নবেষর। ১৮৬৩।

#### বিজ্ঞাপন ৷ ১

জীয়ক বাৰু দীনবন্ধু মিক্স প্ৰণীত পুত गकल जरकुछ यरबन शृक्षकामस्य विकश স্থাপিত আছে।

নহীন ভপশ্বিনী (বি**ভীন্নবার মুদ্রিভ**) সধ্বার একাদশী ( ফুডুন ) ঞ্জীচ ভীচরণ চট্টোপাধ্যাত্ব **437** t

#### বিজ্ঞাপন।

নিগ্ৰ'নদ'মাৰ গলি ১৫ নহৰ বাদীতে ২০ ণীক ও মংপ্রচারিত নিয়নিধিক পুঞ্জক। रिक्ष ध्रेड्फर्ट्--

Sec. 20 এ সইভিহাস <u>কেমইজিলাস</u>

ভূগৰসার ব্যাক্রণ নী তদার (১ ম ভাগ)

নীতিলান (২ মুভারা) প্রবাহিত : মুক্তোধ ব্যাক্রণ

ই' খারকানা।

युक्त

1 6

বিষয়:পম। " 平叶才更长时 : .

ত্ৰীযুক্ত বাৰু ব'ক্ষৰচন্দ্ৰ চটোপাধ্যায় প্ৰবীষ উক্ত এর মুর্টাত হইবা কলেকাত। **সংস্কৃত ব্যাহ**ন পুৰুকানয়ে বিজয়াৰ স্থাণিত **আছে।** 

मुन् ३ अक होका

## সোমপ্রকাশ!

**६ हे जबहार्य (मामदाद्व ।** করেছি। ক্ষিসন।

करत्रक माम रहेल, अदर्गरमे ब ও অৰ্ণ মুদ্ৰা প্ৰচলন বিষয়ক এক ক্ষিণ নিযুক্ত করেন। ইহাঁরা সম্প্রতি রিপে করিয়াছেন। **কমিদন বলেন, টাক**খ त्वत्र व्यक्षारकत्र छ त्यांचे व्यवसारमङ का

**रमान्यक्रम (मा**वे अवस्थार्यक्रकताङ् 翰 इंदि केश कर्त्रया। काम कार्य **बर्मानात जारम, ज्या**प २०० हेर्न **शहाब क्योंके उद्देश** करियोग विश्व करा हुंछ ५ विभिक्त मञ्जापाटहर मेठ এहे किन्न (यांचे अहिन्य का । अवन्या कार कार्याहर कार्याहर को क्यां कार विकास **াৰুলা আহিছ্ বটে কিন্তু এত সংগ্ৰামূ** কাল हरि अहिमाक १५श क्ठिन। गरेट

লংগ **ল শ্লেকার অন্তর্গ** করিয়ালেন । ्र श्रे बेह्म यसम व्यवशास्ता गवर्गरम्के. हा क्षिक के किया है अपन हम, उर्थम ७ ए ইংগ্ল আৰু কিন্তু হা কৰেন। তিনি বংলন, অন্তিরাক্টেশি মুলের নোট আচে कि हमा कि जना राज्या निवा परण क्लाकुष्ठ के ब्रिक्टिया स्था विकाय कडिया क्ष ब्यान्टिम, उर्थाणि लाउँ मन्य है र्भिन द्वाराध देशहरूआ. स्वाडकः स्व याद्वे ८०:15 | গতেতে, ভাগ প্রেমি-

কাঠক কিন্তুৰ প্ৰামান্য मदरात महा विकास विशेषिक माना। खाइत दिटानी का न बड़े, मकथरम स्मार **अभिन महस्र** महरू । महस्र बहेशीय म**ख**े **मान भारभ**्रिक्षिमन त्यस्य कडलगार्थ बुडमः कर्षात्रात्रीर्भन्दद्वाप ७ हज्जनाङ् भरता शक्ति कविवार स्व शक्तान गात-

बक्ददर्द श्रीशानक्र(भ<sup>र</sup>)

্ন, তা-१८७३ এ অভীজনিমির । সংক্রিলকীয়ন এর ফিলেস্পা ু চইবে কেনা আমানিরের এক ক विका गाँचे।

अन्भवः इच्याना करेएउएक। वार्यात গ্রাহা দেখা সাইত্তেছে। অতঞ্জ খন क्या मकः ८२६मव मार्गव क्योदम कर्षे हुनः क्षेष्ठलहरू १४१व वाधा ८५४। याहर उर्ह নাযাধারা বাঁটা প্রভৃতির আনুপরি কবিংখন, উল্লেখ্য ধেন আনুর্ধ কংকে. प्रोकः। **काकाहरू ७७ वर्षे क्षारम**् विद्याल्य भीव (लासका अंतर दिनारे कामन मार्ड, अर्थ देश करा काला अह माह छ। है। तिष्ठु शूणा नांके. धेवेज्राम विरव्हनः वहन । मगरम मगरम क्षेत्र' विद्यहः" करन, छेंग भैवनंदार्किन अक छ। १७० शकायमा। किन्नु कार्यय भाग काण कार केंद्र भारत सा । विभिन्न र १ क গ্ৰুষ্ণ **স্বিশে**ষ উপকাশী ছংকে ाष्ट्रक नार्ड ।

छेशक शांकारल वक्त राज्यों, (बाहे **छलि এण्ट**नं स्थ धकांव वाहरू**व** छ हु ३ **চর'া থাকে ভাষা**ব গটিবর্ক টিবা किकिर कोशे कांशरक हरू। हेरिहा व्यवन, (विहासक्टिल अव्यत्। (म कक्रे নুৰৰ নোট পাওয়া যাত, ভালাৰ বিচলে ক্ষিদ্ৰ কোন প্ৰীতিকৰ অভিপূণ थाकां ने कटरन माहे। आंगामिटशर विद्व हमा । कामिम लहे : हो गा ほの種 ইছাৰ প্ৰক্লুত উপার।

कृष्टिक रिएए अपारका धार कर विद्यार । १९१७ । ४८त व किया का अर **व्यासक्षा (बाह्याक्षिक इहेला) विश्विम करियमण ८० ५ कहिला/इस । मधन यम्पर कारण ५०% (व्याक्षा) विश्व নুষ্টো প্রচারিত নরিবার : ভার করি ছুর্ভিক - ল 'লাল চতুর্ভাক চাইছে পরাল এটারত লা, বর্তনার**ুর্ভি ছেল 🛊 ভীহারা ১৫। ১০ ও ৫ টাকে টী বাল া িডিড হয়, তহরালে যদ । প্রবাধ এক ফন গোর্নি বেন ৮... **য়র এক্রেলীয় যোহৰ প্রচানত কৰিতে** ্বীছন সংহে । কনিসলা নিয়োগা করিয়া ছাতি । ভূতি কোককে ১৯০০ ৮৭ ডাইছে । সনা, **মিরামী সবরে**শের মূল্য সচবা- | জেল সর্ল্যান্ত । বাবেজেন, হলভাগ্য ভালিপ্যর নালের কমি হিচ, হ ১০/১० व्हेश शादक। बार्युक्षक क े अभागत्वन धाव वचा करेख, वबर बुद्धिन भेगा, नजीहा, वर्णमान, स्थानी, दा क्षांदेश, क्ष्यमा युक्तिंगद्ध गत्म। খান কাৰ্যাল আন । ও ক্ষিত্ৰকাৰী ব্যাকৃত্য, মানভূম ৰ পিঃ ছভূগেৰ বিজ্ঞেলিয়ের বলেন, রৌপঃ ও মূর্ণ বিলয়া জীব্য ক্র ক্র ঠাছিল, আছার জালা সেলিটিল

पश्चितिका इसि हरेख मामा কিন্ত ভালাল অবুনাতন এই এক খ ধানতা ওঁহোর ভূতপুকা যাবভীন लिंक द्यान करिया (क्षिताहरू, ब्रोहात **संस्था**त्मरेखा व्यक्तिकार सिंह । डिमियकि निवर्ग्य व्यवदा म क्षा कर निर्मा की हैं। जन, 'नाहाज को ब्ब्रिटिन काथ (क्रिक्स जागर ক্ষুক কইতাম না<sub>।</sub>

" **4". \$26.8**4941 एडान्न्यक्ष, श्रम्भाग्। অক্তাহনে কিং ে খান্ 41.18[745[13] 49] \* ुरस्य स्म को उन्तर खन हिना, ज ोर अहा ने छे इन्हेंग्रह, आहार का ে ব'তিল বিভুমান গুণ নাই বে এলি। যাহাতে মলি ব্লান হণু নাই মলকাৰ ভাল, কিন্তু হাচ,তেওঁ মণ্ডি

হঃখাছিল, ড:হা৷ প্ৰ ভালা :

ग्<sup>राक्ष</sup> ६ ५२, ६ उंक द्वारा क्रान्

侧点不下 医门

शिशाह्य, अ

অনিজ হইল, ভল্নাত জ্লান এ यानमार । बहे ११कु **बह, बह, उ** इत माइहर्य / निर्माश आमानिरशय মোদনীয় হটতেছে না। তাশিকার স मनीयांच रियमनम अ स्वितिके स्व ১, নহা বিশেষ্ট্র ভিনি এ: .न'र ल ∴न । PB 6 13 기위 기작가(EAT)

গমন করিবেন। ২৪ বার্ত্রী ও উল্লেখ্য বিভাগত, অভনার এনক পুলকার অনুস্থান করা গবর্ণমে ভিত্তেত নতে। ডি.ছ প্রথমতঃ শিক্তি দশন করিয়া তথ্যমে গাইবেন লাবভীয় সরকারী পত্র হাঁছাকে দেখাইবাল আক্রা । গবর্ণমেক ভাছাকে নিয়লিখিত ভিয়ে অনুস্থান করিতে বলি

৬৫ সাজের নেস্টেরটোর স্থোত বা ব্যিষা যায় এখন কন্ত শ .. নিঃ সোলায় ছিল, এবং বাজাট

র্ভপের প্রথম লক্ষণ ;

৬৫ অকের সুধ্রে অথবা শেষে পীজিত প্রদেশে কত শদ্য অমে থবা রগুানী চইবাছে।

७४ अटब विष्ठ स्थापन श्रीन इहे

না কেপ্লকাৰ মূল। কৃত্তি হয়।

মেশ্ব জানে জানে শ্বা সহয়।

তে বাস্তাও খালেব অবস্থা কি /

মেনেচনের কি উপান ছিল গ এবং

কৃত্ত দূব গেট তপান আগ আগবহন

हो निवरः । वं (लार्ट्स्टः निरम् । । क्ष्रीवादी । व्यक्तियां मधन वादः । भेषे अवस्य कि कि विश्वपंत्रितन । । भोषात्र अवस्य कर्ष्ट्रा व्यक्तियां । र माव्या करिहार्ष्ट्रा ।

विद्विष्ट होता कर देश, खरण पर ज । कड हें का काहें। मा

রকাণী ছড়িশ কণ্ড হংকে কণ্ড দেওয়া হুইং'ছে।

प्रनीव **कछ ६६८**० ८००४। केल दण

রকারী রাজ ২০০৬ পুর্তত থে। বিদাব্যর ২২সাছে। গবন্ধেত কভ চা ইল আমরানী করিয়া
আনল অথব। বাজার হবে বিক্রম কবিবাভুল, অপেকারত অপা মুল্যে কভ
চাঙল সাহায্যকরিশী সভা সমূহকৈ
লেওয়া হইয়াছে, এবং গবন্ধেত কভ
চাঙল লাভবা অরপ বিভাবণ করিয়াছেন।

সাহারকোরিখিই রক্তা সকল কিরপে ভাগেত হয়। সমিক্তিপ্র

ভাষারা কি নিমতম সাধ্যক্ষ দিয়া-ছেন।

क्षित म्हार्थ दिना साम व्यवस्थ वर्ष व परेपा वास क्षाप्त कि महिष्य (१९७३) इंक्टिंग

fe for atte court ent

সীতেও গোচনিধের আবোলাও প্রীড়ালবান্য ব্যানা কি কি উপাস অবলম্বাক্ষা হয়।

প্রথমতঃ আগ্রবার্থ অ.ড এ। সমুছে বিতীয়তঃ এদেশের অভ.ডেনে, স্থীয়তঃ অনাহারে এবং চডুর্যতঃ শীড়ার কড লোক প্রাণ্ডারি বরিসাছে।

কোন্কোন্প্ৰেণ হৰ্ডিকে কই লাল, কিন্তু কি কিবিশেষ কারণ প্ৰভাবে প্ৰভোক শ্ৰেণাৰ পক্ষে বৰ্তে ৷

শে আত্ম দেওয়া হয় তাই। পর্যাপ্ত ও ঘ্রাসন্সে দেওয়া হইবাছিল কি না দ এবং দেই সাহাব্য দান কোন কোন বিবরে অসহীন হয় ?

ভানীয় কথচারিগণ কি কি নাহ'ব। চাহি । যাহিলেন অপত পান নাই, যাদ ভাঁহার। আবও টাকো পাইতেন ভাহা হইলে আর কি অধিক আশ্রেয় দিতে পারিতেন।

बहे नक्ष छे॰ एसम निया स्मर्किन है हेर्डिन मार्ट्स जिल्लिन मार्ट्डिस महल-शूत उन्नालांक क्विमि:डिल्ड डेड्ड शूर्स दि डिल्ड मरमात बोकार्ट्ड बन-क्रिकेडा डिल्ड मरमात बोकार्ट्ड बन-क्रिकेडा डिल्ड क्रिक हेर्ड काहार्ड ड स्मब्द्र ड श्रुड क्रिक स्ट्रेड काहार्ड ड स्मब्द्र ड

হওরাতে দেশের কত দূব ইউ দৰ্শক, निष् श्रेशाह अधूमधान क्तिएक,वृक् एक । रम्भीनके गर्भारतक व्यक्ता वियोग चाह्य, कभीमात अ महाबाह्य একবাকা ছইলা চাউল লুকানিত ক্রি गर्थिशक्टिनम्। ८०८कः उग्ति **स्टलम् सः** विक " চমে পর্যান্ত কানীয় কর্মচারিকার্কা <sup>নারি</sup> मिश्त हरेता माजेचिशात्म ब्राह्मिशा<sup>म्बि</sup> म्बन, अवः जीकाता अमानिक विति (要用, BITCH, 1gr was 1年时) 智慧 (1. मिरभेत्र करण रणीयरणेय श्रेरकः श्रद्धाः श्र बरेख, किछ भूनकीत भना हर्देख ना यान कतिया महासन 😘 समीव 🚉 भाग গোলাষাত বৰিয়া ক্লিছিলে। পকান্তৰে সৰ্জনাধানৰে ৰাজী প্ৰথমা-ব্যি শ্যা অংশ সঞ্চিত বি**শ্ৰেম বহুলার** बाजारव व्यक्तिक स्ट्रेल वास्त्रामी खिन्न को बन श्रांचन कहिन् ছিল না। এটি সভঃ কি জেরে নাধারণ নিরম পরিমাণে কি জনা চা তাহা স্থানা অভিগন্ন আ क्षिमनदत्रत्र दिएभाटिकपुर्वे अधि আমাদিদের অভিপ্রায় বিক্রিকরা বিক্র **एरेट्ड मा, उथानि सम्बद्धा कि**ज्ञा বলিয়া কান্ত হইতে পাৰ্টিট্ৰৈছি না। শৰা না থাকিলে ও বাধারণ **ক্রিবিলা**র নিয়ম बटल ग कि बामात अहिन्दूर्व इंदेव १ লেপ্টনত গৰণৰ স্থানীয় কথচারিদি বাকো বিমোহিত হন। **অ**ধ্যাপি অবস্থায় আছেন। যদি মুক**লেনের** विकरे भगः नुकारेश द्वाचिता ६ अज्ञण धामांग सा, **ाक् स्टेरल**ड (२०४ ७ चानीत कर्यठाद्भिष्टन निर्द्धा তেছেন না। তাঁহারা বিশ্বন দেছি आधिरका रह, डीर्डाहा प्रदेशि त्वत छेलात व्यवस्य कतिरस्य मा (य मक्त कर्यात्रातित जेगात बारमन्त्र

काह काहर, देशिक्षात शक्ति ल्याहरू ব্ৰইক কি প্ৰকাৰ নং কাৰ জাৰাবে প

हेन अध्यातक श्री उच्छा स्थान लारकारे मः सात्र कामार्गाष्ट्र कर्रात्र मार्थ व्यविक्म था के भीन सेनम करिट्य इर्डिक निवारण मञाबन। काছে। अ.म শের ভূমি অতি হকাৰ, কিন্তু পার্ক্ত দেবেব অনুতাতের উপ্রান্তির করিতে ইরবাল্যা **बरु भगना हालेव अखाद्य ४**५ वर्ष ছাৰ্ভক হইয়া গেল। মেদিনীপুরে যে থান্ত **ब्रह्माटक, खाँगाय साथा कछ मूत** छलका রের সম্ভাবনা ও এপ্রকার থান আরে করা छिठिक कि ना १ भवर्ग मिकी हेकार ह र उ भूद मान्नाया करिट 5 लाखन १ कनिका ठः হইজেঁ কটক পথ্যত বাস্তার কি অবভা ় চির**ছা**র্য়ী, বস্পোবস্ত করা উচিত কি না 🤊 त्य मक्त स्वयोगानीएड धाइ बास्याव छ ুইয়াছে ভাচাৰ অনীবার ও মেয়াদি दमांबर्डा अञ्चनवनकारी समीप्रार्शन.

क्षंत्र मार्गावात व्यक्ति १ ্ব সকল বিবস ডাম্পিয়র সাহেবকে বিশেষ করিয়া অলুস্থান করিতে বলা रहेब्राट्ड।

এ সকল গুরুত্ব বিষয়ের আনুস श्रीन अरु सन लाइकर पाडा कर माइनव मेर्या मण्डोपिक रुख्या मस्य नव। এक **ক্ষিস্ক নিযুক্ত ক**ং। আৰুভাক, ইহাৰ মধ্যে ৰণিক, ইঞিনিয়র এ ভৃতিকে লওম: -উচিত। কটকের গাও সকল অভি: সের চাউল মফস্থলে াটেও পারে। ব্যাদাৰ, আর বে টাবিলিয়ান লাগন-য-'ফ ভঞ্লিত ইট্যা শালাতি मा। शवर्षश्माटल्डेत व्यक्ति वास विवरस्य । कुर्जाः - द्वर, समञ्जास स्थान । অস্থ্যুটাৰ আৰুপাক, ত্ৰভভালাজ চাংল ! भरवाक उंट्करण (शांवाक इया उत्तर বশ্বর বা ধানতে ধ্রাসানে। সে স্কল আন্মাদিখের সমাশ্রের ভাগুন্তন সে পরিয়াত জন আমাদিখেন সমাশ্রের माभाग हा नाहे खदर खा क हाडेल व्यवका कारणका विकास कर्यका व्यवका हहे। हिन हरेर हर हा स्व कारक काम नके एरेशारक। विकास व कमन केठियारक। क्षातील मध्यमात्र काएकमा वारक, अन्य मात्र जारमाञ्च इ পইতে বৃদ্ধর করিলে উভম হর ভাষত- করেন, নেপ্রি মন্ত্রেন ধর্ম, সরল ধ্যে- পুনর্কার তেওা কলিন ছাল

মেণ্ট বলি ধথাৰ্থই এলেশের ক্রানোতি । ला. १ वर्ग थाएका, जाक, करेल खड <sup>। इर्नियम</sup> सियुक्त करिशा **भा**रे संक**ल क**न्नू-স্থান কলেন। ভলেপাৰে সাহাৰৰ বি ि भाषे (व भरिट्डानकर बहेद का हार। अक शाराव वृक्षा मा हेट छ । हे हा व िवनी कारक चार्ड -- श्रथम डिनि এক জন দিবিনিন্দান। দ্বিতী, ভাঁচাকে ৰজা হইবাছে মহানভাব আহিৰেশনেৰ পূর্বের বেন ভাঁচার হিনোর্ট ভেটনেকে টাৰিব হজে উপনীত হব। কেক্ৰ भारम महामञाय व्यक्षित्रमान दहेर्द । **फि:्मइ:नव शोरत इ निर्देश है।** কবিলে খবাসময়ে পে ছিছিনাৰ সম্ভাবনা कारे कारियान° भाटहर दिन मश्राः बाब मन्ध्र भारेर । ना देश र माश्राज्य अ বিশর সহাস্থ কর। সম্বাধিত নয় : ভূড<sup>র্ম</sup> कें हार्ट ए ध्वकार्य छे थरम भ मिक्या हड़े-१८६, खोहाट ज न्या डे दरशा बाहेट **३**८४ সাংখ্যাৰ মজালেৰ জানা যাত না চউক, সৰ विभिन्न वीक्त्यर तास्त्रीति समर्थनार्थ डीश्रंत तिर्लाडे लिथिड क्हेर्द। नत भिमिल दीप्रत विलक्षण कारतन, डाहार আত্মশুদ্ধি এই বিলেটের উপর নির্ভব কবিতেছে। মহাসভাব হৃতিখের আমে। लब इडेरव मरभाइ नांडे। यति व्यवना সাচের মড়ভিব কথা সভা সপ্রনাণ ক-বিতে গ্ৰেন ভালা চইলেই সৰ গি সল িবীডনের বকা!। সচেহ বলয় ৰথনা। তাল রাজ্যান। বালকে উপকু ৪ ছেগ্ননাল(০) তিনি বশিশাকেন শ

12.45 - ct ...

ৰর্মে প্রার্থ উপকল অতি ভয়ত্ব। গ্রণ- হিন্দ, পার্থানত পান ভোজনাদি ও ইইয়া উঠে। এ অবস্থার সংশো

অনান সামাজিক তাণ ক্রমণ क्ट्राइट । सद्धाः <sub>व</sub>ष्ट्यतीत को चारकन कहिया बाहकत, आ ধশ অভি জঘনা, ইং৷ উপং कराष्ठ छेपहरु, मार्थाधक देवि 'छ क्रव । विद्रमण्डित्तवा खळन सटला .का । दिलाल कतिया ब्रह्मम, आहा তাদুশ সমসূতান নাই, <sup>১</sup>২সাচ : পায় নাম মাত্র, সামাজিক উৎব প্ৰস্তাৰ মুধেই লীন হইছা যা वर दगदवद्या अध्यान का बाजूनार थात्क. आमानिस्तर खन्ःशूत ক্ৰি'ৰ্ণা, ধ্যাসং হাবে এড়াত উ वित्र कहेगा विद्यारक, धानवा পীগদিমেৰ ৰাহ্য আড়ৰুস ও প সের অভুকরণে রস্ত ছইবার্নি **्छाक्रांस यह भूत इंडेक.** (१८ মানেদিধের সভ্তে। • মার্কিন্ বাকুক, আমবা অপ্রিও ভাগ बाषम डेनाम व्यवसम्म क. ८० म नाम ना , जामानिश्चित पृथ्यियात क्षर्व, वाजि भाक्तिभिक्षर्व नाः ও চকুলিকে ক্লছ, ভাষাও আং-ারিপূর্ণ, আমরা কউভোগ ক क:खेड कारन व्यवश्व इंश्रेडिंह, ল। চদাংগ'লে আলস্য ও 🔞 नोटा खड्या १८० भगर्थ ७ 🚉 मध्य अ.\*- क्लान यश्चान ४३८% जिल भाउत्स ब्रुवर क्रेल हे॰ 1क व केटेस्स, कहात ब्रह्मण प्राप्त ুঁক্তি আমাৰণ ভাষা **চ**ৌ্ভ বিচন <sup>।</sup> কণ্ডি সমর্থ ইইডেছি না। উ. নি दिङ, छाहा এक बार बिटबहनी 🕬 [\* 4 1\*

मुख्य बढ़ है । बहुन था उपार्थ है । स ক্ষত: দুজীভূত কর্ণাছে, পুরু মহাবা<u>ী</u>ীয় লে;বারা, শীণসূজ ai Swaq Boka fice(154 gaa) मञ्जादनः को है। इस्ट्राम ४ अन्त भौति । कियान क्रेटिअक, अर्वट्यन्ते विद्रा 'युवीय भौभन**ा** । तीर ७२ वर्ष नास्टन ভা হাইবাড়েন। মত দুৰ সভাৰ পদ¦থ गिमनमः काष्ठ ४२ (स माधन भवर्ग, म া**দা**া **≉ই**টেডে আংও হই√া विना भारिक् । किन्द्र मधारिक अवनीरम ं **इस्राक्ष**ण विषय (व क्यसिराय को के. কার **থ**ঃকিলেও ইং: ১ হস্তাপ্ন डोको सरभव आकाञान गर**ा** हेका পেও সে হওকেপে অনিড বিনা ইড়া मधाबना बाहै। विख्यात्वे अहणा ्रक (पश्चाहि कर्र)। समाहस्त ह भाषन मया८कः निक्षत्र कर्छवा। यति ब्रोक होता ना करेत, कार াদিলেৰ সমা:জা ⊃<sub>ন</sub>্5 কাছা′ ও কিব্রুশে চইবে ` ধট, মচন্দ্র ও প্ৰভৃতিৰ কাল আগত চংগচে। क्तिरंगर (मरभंत अक्षेत्र विद्यय हा मोज़ारेशएइ । व्यानरा व्याप्तिय । ग हेकान व्यवदा जना हमान देश हो त লিপের সুলা শুনহ্দেম নাহ যে, কান উপরেশ পামারি,গর জানা এ দুড়ভরর ে বিশ্বসূপ ক্টবে। আমে। ात **व्याजीन ६चं** ७ ८गाठीन वार्गत হ।বৃহিলে। এ শ্রুব ভাগে নরিয়া डीश्रीता व्यमन्यस्य पतित्रक स्टेशा | डे**|श्रामिश्यत प्रा**क्ष (सर् व गर्द)। भक्त इहेबांक अक्षांता शहि।

র্ষে লাভের ডালের চিল খান এল বিষয়ে নেইরপ জাতিবাধাবলের উন্নতি শক্তি দ্বাণা নে অভীট সাধিত নগ্ধন চেউ। কৰা অভিযাক। আমাদি ৰ। তাহা ক'চ দূৰ সুক্তিন'ছ চঙ' গেব উচ্ছেশ্য এই দেখোৰ প্ৰধান প্ৰধান **्रांटकवा हे** एक्टर क मार्चा क विकास गर्नाव " ( स्मिमाल माहेराका दन'डा (मह ) नाथि अक रका कक्रम । भर्मा भर्मा *जि.*चंत कारम कारम महात व्यक्तिसम्ब कार हे ही हिल्ल हे अधिक में कि महस्र हरेगा एक्षिवाट्य । मञ्जा । भगाटख्र ४ ष्यवरा उ डेइडिव श्रष्ठांत उ उरमण्याक्त চেটা করন। 'গ্রাল স<sup>ু</sup>লে যথার্থ কা**ল** व्हेर्स । राज्यभूकिनो । नक्षीवन्न व स्टार्ग ध्याः खाल्लाक्षारस्या अक्नाका इहेरा र्वश्रद्धाः व्यवस्**ड वाय ७ मिश्र** वन्ता হতা নিনাম কবিয়াছেন। একভার এই ক্ৰা ব্যিকাতা, ভৱৰ প্ৰিচ্মঞ্চৰ, १७११, (बाबाई ७ मान्यादकर अधान প্রধান ে,াকেরা গভ। কবিয়া এই সকল 'ৰৱতেৰ আলোচনা ও তক্ত ক্ৰুন**াই**ংল তী। ' সামাজিক বিজ্ঞান সভা ' অনেক काम किन्द्रकालन, कामरमेख स्म श्राकात ना केहें(व (कन १) विवस्त छ। लाइ आहार व ন্ধে এই চেটা পান, কিন্ধ ভাষা স্কৰ-वर्धः इरन्हि। श्रामाः। **जा**शनारा *(छः*छे। না পাইলে অভীট লাভ সম্ভাবনা নাই। आमानिद्धर कंटन आंगानिद्धावहे करा क हैं।

> अब निवर्गन्तिम आचि खेब्यदान foca 1 1 5 4. ;

ंग्न निम क्रुशिकायी अ वालिकाः वड - ग्रन्थ स्टेट्डर्स, (मनबाठ जुहा का उच्च विर्ताल भी उस्ट्रेडिस, अवर ভরিবাস রবানামগ্রী ও শ্রমের মহা-चा :. राज ध्रद्ध ठटा, ७७३ क्रविकी4ी ও জানীনী গোকের অবস্থার উন্নতি इत् ८६७ । दक्षत्र स्थलमञ्जूषानीय আই মহাবাতা এই উন্নিডর কারণ এরপ अप्र कार्ड कार्ड किंक विकास कार्य कार्य

দে এই--- ব্ৰিটিশ সভ তাৰ তা৺ লাগিছা कार्या के हे कि इन्हेंग अतिहारहर । कारन (कबरे मुख्य मुख्य वि: : हैक्स् म्हारिक् হইলাছে পুতৰাং ্তৰ মূতৰ প্তাৰ্ও কম্পিত হইগাছে, কাল বালেই তথ भूर**ार्थ (ठकी यञ्च ७ आ**स्मर दृष्टि इहे গছে।কিন্তু বিকাধ ও কোলের বিষদ এই, কভকতালি এরণ অনুষ্ঠাহার্ড ড গো**ৰ আহে, ত্ৰি**টৰ সভ,ভাভাপও ভাহাদিগকে উষ্ণ কবিতে না পাবিদ্ধা প্ৰভাৱ ভাষাদিমেৰ স্পৰ্মে শীচল হইয়া পিথাছে। এই কাংনে ভাছাবা নিভান্ত ি:শ অৰ খায় <mark>অৰম্</mark>খিত করিতেছো **আম**য়া महर्गहर बहुल क्डक्छलि लाक (स. থি ত পাই, ভাৰাদিগেৰ ব্লীভিম্ভ খুদ্ হাৰ নাই, অঙ্গ েড্ডজ আহত করিয়া বস্ত্রপরিধান করিল এরপ্ত প্রায় দে থিতে পাওয়া যায়না। পান ভোজন ০ শরনাদি ব্যবস্থা বে নিভাস্থ নিকুন্ত এ কথা **ৰলা বাহু**লা। ইহাৰ। এ<sub>ক</sub> অবস্থায় থাকিয়া ক্লেশ পার, আবে 🧳 भरा देशपिर्गत चनकात अन्ति महिल ना करिया प्रत्याशामिक विश्व এটা উচিত ২ইজেছে কি না ? বাঁহারা चळ्च ० हो होता. डी होता व्यागाहितमञ বাকোর ভাৎপর্যা বেথে বিশ্ব হইবেন शटमहमाहै। किन्नु भारक्ष संकालत विटेखरी বা,ক্তঃ কৰন ঔষানীন্য অবলয়ন করিতে পারিবেন না। আমরা 'নতে ধেরুণ প্রস্তাব করিতেচি, উাহারা যবি ভদস্ নাৰী হইয়া ভাহাদিগের ভহনাহ শক্তির अञ्चलन, जुडन जुडन विषक्त इन्हांत छेकी भन, अवर तमहे तमहे मदनात्रय शृतद्यम कुंशाप्त मः घडेन कतिया एनन, जाहाबिटनप्र भीतुन्ता ७ शैनका नीर्यकान साही रहेएक भौद्र ना ।

श्रात बहे, श्रात श्रात बक बक्की সভা করা আৰুখ্যক। সভাগণকৈ মানিক मिश्राम इडेक. चात्र अन्कारत र्डेक्. क्रू किङ्क तान कतिहा आविभाक मृत्रान এছ করিতে ছইবে। সেই মূলগনে হাষ্য লইণা ভাহাদিগকে নিয় িপিড পে **কাজে খ**টোইতে হইবে। শ<sup>চচতি</sup> **त्र कृषिकार्याभरगणी** कृति ना<sup>हे</sup>. রিক্ষনবল ও প্ৰিক্ষন সংখা বিশ্বচন রিয়া ভাহাদিগকে মৌনস্করণে চউক ার ঠিকারতেশ হউক ক্লবিকার্যনর্থ কি ≱ছু—ছুমি সংএাহও সেই জুমিৰ *ই*ি াৰ্যা নিৰ্কাহাৰ্য হাল গতুও বীল্যানে, - যোর করিয়া দিতে ইইবে। যে সন্ াহাদিলের চাবের কাজ ন। থাকিবে হকালে ভাহা*দগ*কে ভাহাদি<sup>প্র</sup> ধ্যোষক ভিন্ন ভিন্ন ব্যবসায়ে প্রবর্ত্তি • বিতে ছইৰে। যথন ভালাদিপোৰ বোন ৰ্ম না থাকিবে, তথন ডাছালিগৰে গ্লামি পৰ কাশন আপন বাটীও গৃহ নহাণাৰ্থ বিনিয়োজিত করিতে হইবে। বস্পারের শুম্পনিমধ ভাবা যদি কালিফানে পরক্ষারের সৃহালি নিঝাণ িয়ালইবার চেডাকরা হয়, সমধিক প্ৰায় দৰ্শিতে পাবে। সভা এইক্লপে াহায়। ও উৎসাহ দান করিয়া কার্য। রাইয়ালইলে ভালদিসের শ্রম দাবা ষ উপস্বত্ব কাভ হাবে, তাহাৰ ছুট **েশ অ**থৰা যাহাতে ভাহাদিগেৰ পৰি ারের ভবণপোষণ চলে এইরুণ বিবে মা পুৰ্বক ভাশ্দিগকে প্ৰদান কৰিয়া **ৰেশিক** ডিল ক্ষত প্ৰচাক বিন এবং

<sup>চট্</sup>ৰে সম্পেচ নাই। তথন বলি জানীলা-<sup>रररा</sup> महान कहत्रन, ८४**३ ८५३ प्र**कृतकः এক। দ্বারা আপেনাদিংগৰ অংথিকৃত ভূ- <sup>†</sup> নির উৎকর্ষ দাগন বিশ্লি লইতে পাবি 🖡 বেন। অপর, যাহাতে একার সাহাজীন ।কল হয় যদি ভাঁহাদিগের এরপ আছ ैं क एक्का चारक, छाइरिंग व्यवस्थित नःशंकित्यत-कि: क्षेट ि: क्षिट व्यक्तामा .नर উপায় विश्वास अस्ति। छाहां विश्वास प्रतिकालि (जात स्थाप्ता समर्थ **इ**हे (741)

#### व्यवस्था क्षेत्र १५५१।

---;0;----

গণেশ আছে, কাক মণ্টেব পক প্ৰয়া মধ্ব সাকিয়াছিল, শেষে প্ৰ লাক ও মণুৰ উভাচ **দল চ<sup>চ্ন</sup>ত ই ভা**ডিভ লয়। আমিবাএকেণে সেই মণুব স**ভ**লা পভাক্ষ কবিভেছি। নৰাদলের কভক-গুলি অনাৰ লোক ইংরাজী পড়িলাম গাৰেৰ চইলাম মনে কণিয়া সংগাও দশ্ভৰ দ্ৰবা ভোকো অপুৰত চইনা উঠি - १९५२ । वेदाराङ अविकास मान व्हेगरह. ভাঁচাৰা হিন্দু ও ইংরাজ উভয় দলেরই অগ্রাচা হউ ।ছেন। তাঁহাশ হিন্দু**দিগে**ব নিষিদ্ধ আভক্ষা ভক্ষণ ও আপেয় পান क्टबन बित्रा हिन्छुदा घुना क्टबन। श्याव मार्करवना व्यमान ३ व्यशानार्थ छाविश অভানা কামন। উ**ত্ত দলেন এম**প অশ দ্বেণ হইয়া ধালা বিজ্যনা সংশহ নাই: নই উপাতে 🗬 সুপ্ৰস্পুট কৰিল। ২০সাজেলা শেক্ত, লাক চইয়াছেল সে 💍 ১। মানসাক্ষ, ভূটিসভাগ। বলি **ইবেন । জ**নীত নিন্ধ ই এই সভা । পা্নড়েজাজনের গুল্প ন্স, ভাষাজিপেত ন্ম**াল বিদ্যালয়েব এখা**ন নিজ্ঞান থ**তি**ঠাক : ও সং াত হওয় তিত। বিশেষ গুণ ও বিশেষ শ্বতা আছে। বাহু গোপাগেচন্দ্ৰ ব,কনগোধনায একারা উচ্চ, মান বাস, ভাষাদিগের জাহাদিগের অসুকলণপ্রারত হয় গোল বচনা ক্রিয়াছেন। ইংতিও গুণন চি वाकादणावणी व... ( ) क्रम अव्योद्ध (जाकदम वक्त इकेश नवाण्डलव जय्या । विकास अवीत कहा हिल्लाह वार হাছারা অলপ ব'ণ ও গণায়েরে হ'ব্য কৈনে সভুবান হওগাই উচিত। ন নপ নিংশাবের পাঠশাশা। নাম্য। প াধন ক্রিয়া লগতে পাশিবেন। গ্রাজালী | বলিবেন, আ "'দিগোৰ সমাজ এলপ সা । যে বীতি আছে, ভাগার কিঞ্ছিং '' वि এইরপে উপর হ হ', ভাছাবা আ । যে ভতংদ্তা, জনি চেতী। কবিষা কৃত ় কথা হইয়াছে। যথা — "চাবিকে প্ৰাছইতে হাত্ৰ ও বাব; হইয়া কাৰ্য্য হওয়া বাব। প্ৰতি পদকেশোনানা তাৰ করিলো ৪ ডিনে বাব শ ইত ---- স্পান্ত প্রকার প্রান্তিবক্ষক আদিয়া উপাত্ত এরীতিতে পাঠকরিতে গেলে বি

रह । नदाणात्त्व कर्रुवा, **नमाव्य** म- ट्रमांशन कति । दमहे दमहे विश्व ক্ৰম কৰিবাৰ চেটা পান। সমাজ সং দিত হটয়া যদি পৰিশুদ্ধ হটয়া ব **ই∙ বাজে**কাৰে যে গুণেব নিমিত উল্লুচ চ্ইলা উঠিগছেন, গেই সেই গ শ্বিত বত্দংখা লোক এই হিন্দুস करेटक ध्यादर्भ के करेटन मान्यक न একতা অধ্যবসাম ও সংক্রিয়া भाकित्वा वा वा अगन कर्म नाहे। গুণাখিত লোক হিন্দুদমাজ মধ্যে বি बट्टेन किन्नु ५८४१ महश्र (य এক ব্যক্তিকে দেখিতে পাওয়া ভাঁচাদিকোর ভত্তদ্তৰ প্রভাবে হি মাজেৰ বভূতৰ উৎকৰ্ষ দাখিত হই ও इड्रेट्डिइ। यक्ति अज्ञान विहेत, ए দংখ্য ব্যক্তির যত্ন হটপে যে হিন্দুদ জোন সংশোধিত চটাৰ না, ইচা ধাক্য নাষ। কালও মলকি সভাগৰ বি ব্লপ সহায়তা কবিৰে। কাল প্ৰভাবে ৰংসরই ৰহল পৰিবৰ্ত নলনগোচৰ **७% ६ । উপদং হাবকালে নবাসপ্তা**ৰ পুতি বক্তব্য এই, তীহারা জীজনে পানভোজনা দিতে মন্তনা হইয়া পু চিত কার্যো প্রবৃত্ত হউন।

ফুতন পুত্ৰ !

এ সভাচে নিয় নিখিত প্ৰঃ আমানিগের হস্তপত বর্গাছে।

হত হয় কি না. সন্দেহ হুগ। এস । बालक कित्राव भारती भरवाती मदल য় লিখিত হইয়াছে। ২। নীতিগাঠ। ঐযুক্ত বার যদেব-बस् देशव अयोगमञ्जी हिलाएड স্ভোত্ত, বিদাংশিকা, পি'ভাষাভাব বৈৰেশৰ, শিক্ষকেৰ প্ৰতি ছাত্ৰেৰ াদ, সময়, মানৰ মনের প্রতি উপ ,শিক্ষক ও ছাত্রের ক্রোপকর্থন ক<sup>ৃটিট</sup> বিষয় সন্ধিৰেশিত **সংযাতে**। নি পদনেষ**! অনেক ভবেট গ্ৰন্**ৰ ক্ৰিত্ৰ শক্তি ব্যাহত দুট হইল। o। बंधे काल मणर्छ। छाकात्र 🖺 युक्त কৈলাগচন্দ্র দে ইহার প্রশংন করি-া'ই≢াতে এীয়া ব্ধাণি ছন্টী ঋতু⊹ **इहेश्नार्छ। आ**ष्ट्र (किन व्यान्तक-গুণ ধাকিত হইল, নামটা তদ্মুল্লণ ই।ইহাতে মৃতনবিধ ভাব এবল শিত ইইয়াছে। পাঠ**ক্**পণের ধৰিষ।বৰ্ণনের বিয়দংশ উজ্জ (मञ्जा (५५०) दर्शा

क मभा बाग्न इंडर्स, काङ्यब अ ही कि

बुभ काव, क्रमुना तस्म, উ.ডুবা<sup>ড</sup>়াশ মাণ্ড (হলেলে **ভা**সি, (बङ्ग्यः । सम्य नोनास्यः। महोत्रदा बंदन (मन ५न). बाबु आंडवाइड क्रम्स ४, বস্থা কাশ্ৰ বৰ্ণ গছত কাৰ কাছ্যু, कुष्ट्रा १ ते ज वर्ष कर । 6 A 27 - 914 5 7 454 अधियन दापुर्वार्ष्ट्र T 전[4왕] 스타시, ( \*\*,) 기술, 역동 47, 역, 多时期 机丁烯 化二 भन्दत्रागः । **प्**षि ३३ ५,३ क्राक्षा,नया (इ.स. (वीस सं: ४ म तथा। राध गांचु केदिया मि अर. केंद्रेटन का क'रल १५ १५ . है अनु अव र ' उद्धारता है स् বিশ্বাণির উপদ্মান, ৷ ६३% द्वा कर्य वर्षिक् মগন কংগতে জেপ ইস বে,াম নিয়ে শ্লে ক্নিডা এ ৪, হয়ে, উঠেছে উপান্ন স্থানিয়ু

a むし がりa 方り bl本lっ ষায় নাবুঝা অসা কে বাকা, দেখা নাই কোধ শলী সহতে সজিল রাশি भएक र नाम वान्हरूरक शका। নদ্যুস ভাপিতা ধৰা এৰে छ भोष्य वर्षण श्रुखार र∙ চাতিক কৰুণ মাৰে কি**ঞ্**ধ গ্ৰেছ **ভা**ৰে, स्र १८५६ वा एक मा भी मण्डल। ५ % - क वड़ी बब एब, এ নক কন্তুরে ঘন ঘন रश्यक्षा ३ का ३ कि. जिल्हास विकास क्रम क्षः रुष्य इस्यास्य (नविश्वतः) (२६ मृज तार अ अधन. シ9: 13 本ででます 4 x क'रनव .वीर पाक (धाक, घी) (धाव वर्ग क्राट्स. दिशः, ङा, **उत्य** क्ष**रान्त्रम् ।** দৰ্শতে প্ৰস্তাহন প্ৰতিষ্ঠ জন নিয়া ইবলাদ ভাগের, জিয়াত্র ১৯৭ জরে, প্রার্থ জললি গরে, केशस्य दश**कास् आ**खि । ৪। কৰিতা কলাপ। এখানি 🖺 যুক্ত ৰার ভূগানাবায়ণ চৌধুবী জনীত। এখা শিব চনগ্ৰ **মন্দ হর নাই। কলেকটা** 

भावभौग्र (भीर्गमात्री। क्रुबोन का कारन छेति शूर्व मनवद्ग. মাব ক মোহন এপে মোহিল অন্তর। भी उन किन्द्र धूर्व कांत्र स्वादन्त क्रूपर्व बहुद्ध एक एक करें के कि प्रकृत । ष्ट्रदश्टल । वश्य भव विभीत्य वयम, শাখীর শাখাসু 'গুয়ে কবিল শহুম। वृ:अत् क्वाध्य व्हेटल व्यष्टकानि **सर**, व ६ रण हो। व ल्टिक केदि (कहावद : অন্নিত হৃত্যে ভাবা হ্যাবত হয়ে, ७.<८७८७, के.द<sup>™</sup>र⊌ त्रद द्वरस द्वरस कुः एव (वनदाने) कीते अर्शावस, কাংছে মধুত বৰ প্ৰকান মেলেড। নিশ চৰ গুণ্ড যত স্বাবেশি পাস্তৰে म्।स थोगः, स्थानः रहा अश्रव अश्रवः िश्च प्रमेश्च .वर्ग शंब-ट्यांगांत्रन, विद्यामेद्ध यम मिन्न कवि मिन्नथन । शाष्ट्र करन प्रश्<sup>च</sup> म भव्यत्र कर द्देशाः भाका काउ भवम कुम्बद्धः (थरक (थरक मञ् डार्ट चानि मध्येत्र), यथेन गर्मा (तर कर्न कारणान्त । তখন ভাগাৰ সেই লগ্নী লীলান্ত, শশক্ষের প্রতিধিয় শতবা দেখায়। वाजाराज रीन रष्ट्र मलिस यचन, দেখা ৰামু ভাব তলে হুতন প্ৰসম। % क्या नियानाथ छाट्ट यस स्टार,

ক্ৰিডা উদ্ভ ইইল।

क्षेत्र, लिए एक्टरन बायु कोल्ल मोर्स । मन गाँउ 'छ। हैं एम मित्रचि छचन. অমিত অন কেম মাহয় মীনগগৃ। মাকোম খে ছেবিবল ডাবকাসকল, ' ন্ত্রীল গগনতল নরিছে উচ্চাল। ভাঃব দে প্ৰতিৰূপ প্ৰবেশি জীবনে, বেকে বেকে শশিষ্ কাঁলে কৰে কৰে ! উপৰে চকোর চেং বি (-স্তুণা জান, ক্লে তার প্রতিরূপ অংগে মন হরে। নিশা কৃষি কোনক দে লয়ে দল চয়, किशो वो उरहरू ग क नवर्श छ-त। বেলি কম শেশ গিকাম টি ছৱা আহৈছি, ষ্ট্রাড়ে বিকশিত কল নানা ক্লান্টি। बैन न'न, ध्यन दिव ४२५ का**व.** ৰয়েছে জানাম স্থানী লাখার আধার। मण १९ (स. ११ स. १४) जार हा जार अर्थ के पर को त्र प्र<sup>म</sup>ध कट्ट स्वीपक एक का था। अहेर में काल के के किए ने भार र অট্ল শেভায়ধ্বা মুখলপ 🕶 j त्य नां के अ बहुना, श्राप्त बहुन्। खान प्राप्त सरक शांक शांव**र कीवस**। ष्ट्रर के कार्यों करते से गिंग का है है रहे हैं কর। কুপেতে কেন মগ্ন হৰ ভাব। বর্ষ মান, অক্সপেতে প ন্থনি বের, कि भए किश्वदन किश्व के के बिदनन। ষাবে পাপ, মনকাপ হাকিকে ন। আর অনিসংহ হৰে পুর অঞ্চান আনার।

# কাশীস্থ সংবাদদাতা লিখিয়াছেন:---

)। काली प्रतिल्वा इहेन्ना । जानिए सन्न किनान वाहाइन, विकायन प्रश्न करान का, विज्ञान निरु का का वाहाइन, विकायन प्रश्न करान का, विज्ञान निरु का का प्रवास प्राचित निरु का का प्रवास प्राचित का का प्रवास प्राचित का का प्रवास वाहाय का व्याप का का प्रवास वाहाय का का प्रवास वाहाय का का प्रवास वाहाय का का प्रवास का प्रवास का का प्रवास का प्

र। ज्यामानिकात विकिती कथिमनत माहत्व इक्तिनी एक व्यक्तिनितात माहाव्या १००० होको श्वास कित्रिया छ भिष्ठेषाका छात्रा कालि इस्ट्रे अधानकात कथा महाजन महानत करात्व विकित्त होना ज्यापात स्टाबन महानत माहत्व विकित्त होना ज्यापात स्टाबन महानत माहत्व वर्ष असे मश्कार्यात निवास ज्यामानितात महान्या हिल्ला क्रिया है।

৩। ৩১ এ অক্টোবর,ও ১ লা নরেম্বর নিগ-নছিদিরেগর,মাংনরিক শিকাসংক্রার সভার,কার্য্য ममाना स्टेबा शिवादह । এই गाजा का समन स्टबार ७ के उद्योग किमाकारण व व्यानक श्रीत सिम-सिंग के पश्चित १९८७ ।

৪ঃ জীয়ুকাবৰ গোকন'থ গৈয়া এখানে সম্প্রতি গেমিডপেথিক মতে চিকংসা ক্রিয়া ছবেক শোককে আবেক্য করিয়ার্ডন ও করিকে ছেল। ইহার কভার ক্রতি উন্মা ে া বদ স্কণ্ট্ৰ সৃষ্টি ইন অম্যায়িক ভাৰ প্ৰকাশ करिया थ'र्फन । श्रेड मेर्सन श्रेड देशन किन्न অরু চনিয় লিখিত দুখাওলী থাবা ডালাব পরি इम्र इट्रेंट्र । अक्री इ: रिभी खी शरू १४ अन् 🗃 अविकार अर्थ रहेका **अ**स्थाय करे शाहरण्डित । क्षेत्रिय अशाम काबीय (दश्हे किया ना अर॰ একটী পথুদাৰ যুক্তে এমত ক্ষণাও চিল্মা देवज महानव हेड्। स्वत् करिश खरकवार उन्हे कारन खेरांक्रम इन अवर घरनावानांस्त्र करे चीकार कर्त्रता छेत्रम छेत्रम खेवर था 1 हरे (यहा हिकिश्मा क तथा और शब्दी कि क'रशारी की प्राट्डन ।

१। अवादन भारतक निवत क्वाबि वृद्धि इहः
नाइ। श्वनिष्ठिक देशाया अहे तमस्त्रत नामः
क्कि क्षि इहेर गृहः।

। কালীবলা উপদক্ষে এখানে করেছ
দিবস ক্রাবেলার অভান্ত প্রায় ঠ'ব ধ্রয়াছিল
প্রতি বংসর যে নাস হইয়া থাকে, সে সময়ে ছুবি
ভাকাইতী প্রসাতরও অভান্ত গ্রেছটার হইবে।

্। প্রেডতবের উরতি সাধনার্থ এথানে একটা সভা সংস্থাপিত ১ইখাছে।

আছানাৰাকত সংবাদদাত। লিখি কাছেন:---

विक प्रश्नित का राज्य कर विक ना विक का राज्य कर विक ना विक का राज्य का राज्य कर विक का राज्य कर राज्य

লেই আহ'র প'ইবে, বালকগণকে প্রক্রেই প্রক্রের करक लिस (बाका कतिया हिति क्षाहेना) কাৰিকে হইৰে। ইহা না কণিলে এখানে থাইতে प्रवाहरूत ना. हेरा श्वालिका फीशना विति-লেন ফটাশ্য। ভাপনি লেক পর্সার খেবতি িয়া 🗸 ও নথ প্ৰসায় হোৱীম চান, এ<del>থা</del>নে ১ কোমা যোধীমের মূল্য নয় পরসা. ও বোচা चानीम कुणाहेश कासिशा कण्ला शक्तिक ইহাল ৰ আহমে পড়িয়া থাতিয়া এক সম্বা भर है सहित र बालकशनएक काहर सा विद्रा ∸লিয় দেওয়াতে শিশুগাণ উলৈ সংব বোস क**िएड क**िए**ड इ निया (शन**ा दानकार्यद राजन ্তির পার্বল (ফলুলী স্ন লিচ্টুরটর <sup>ক্রি</sup>কর্ণার •বান উদ্প্র দ হইল না। ১৭ ই কার্নিক পীরুপ'ট ভল্ল ব্যুত্ত সম্পাদক সহাশাস্থ্য (১৭)টা মাজিটোট াৰতে ৰলিংকান, মহাৰ্য এখানে আমি নিযুত ছবস্থিতি কবিডেন্ডি। অন্য অ'পন্নি উপস্থিত নাছেন, এই কা-দে আলি আমি উপত্রির न शक्ति । इनित्य भागनि खब्द मकत विव য়ের ভঞ্জাব গান ককন। সম্পাধকের কর্মছারিরা কম্বেশ ৯০০ নয় শত লোকের আছবি প্রস্তুত कतिया मध्य भिन निष्ठा निष्ठ नाजिन, अभिक ডেপুটা বাবু লোক বাছ'ই কৃথিয়া চীকীটবিলি देशमक कतिया महार्शाम करिया मां हा ১० मन ধন্টার সময় ৩৮৫ খিল শত পীচাদী কর্মাক্ষম লাককে টিকীট দিয়া অৰ্থিই ৩ : ৭ পাঁচ সাস শত কুধার্ককে অকর্মন্য জানিয়া আছার না দিয়া तहे अधिर शक्तिएखहे **अत्रध्य व्हर**ण देश क्ट्रफ क्कूम बिरलय क्रथार्क विद्रान'स e : · প্রিচ সাত সত লে'ক চীংকাবশন্দ কবিয়া ক্রম্মন মুব্রির লাগিল, তথাপি বাঙ্কু কিছুমা<u>র চয়</u>। **्हेन ना । क्यान व,श्कि मास्त्रिक्टिक व न**्टन, रान्यू । क्षर्यन शकाय लाटक्य आशाम धर् ५ গ্ৰাহ্য ও৮৫।তম শত প্ৰাৰী ক্ষম লোকে এং ধ ইতে প'রিৰে শী। আলিকার মত াইয়া গলে ভাল দেখার। ত'ছ প্রনিয়া ব'র বলিলেন वास्त्रिमा इद्र (कृर्य मा अ अ अम्मानक अकृतिम

 जो ब्राजिट नाइड कुराहें व भटन,

वाब कर कर लाक बाज हरे शहरन नमय

वीविनित्द, व विन्तानान व स्थादक कारहा छैल

कुछ हरेवा किए किए जानाव भारेडा धारन वर्ग

हरा भव किन धार्फ की तभारे आक्षित धूर्म

वार्ष वान, स्वर्ध कार्यको हर्मन बानक रव वालको भिक्ताहिन, स्वनिया बीविन वालक रव वाब हय देशा महत्व जानकर कार्यके वर्ग वाब हय देशा महत्व जानकर के आक्षित वालक प्रमुख्य भारेटवा

উপविত नः थाकारण (ः भूति वाद्रत वर्ष्म्परण कामानीः। वा अरण जाशत भारत, णाहात सर रमत रहेन ना ।

চাকান্ত সংবাদদতে। লিপিছাটেছন। ২ । গভ চলা নংখ্যৰ সৰ্ধ ভিন দিবৰ

এখানে ছেপুনী মাজিটেউনিগের পারীকা হইছা গয়াতে। চহার দল পশ্চাতে কানাইব। ২। চাকার বর্তমান ডাক্তর বিটস্কু সাক্তর

ব। চাকার বর্তনান ডাক্তর বিটসন্থ সায়ন্ত্র লওবে গমন কর্মানেন। কানার পথে উন্নাল ওলাই ন মান্তবান কি ক্ট্রাজেন, বিট্নার সায়ন্ত্র বেশ এ স্থান পারভাগে অনেক অনুস্থার মুধ্য সম্ভাই নহাব।

ा जाशभी २१ अ सरवद जबूबि शृत् दिन छ। भद्र दक्ष दिन, । १४ अपूर्ण छाउँ छाउँ १९३ वर्ष्ण का इ.स. १८७ १९४ का एक्ष छाउँ १९३ अपूर्ण गा रुख, कि कड़क दिवस दिस ज्ञान श्रीका अधीन कांत्र अम, अ, बाबू, वि. अ. जुनून श्रीका क्षेत्राट्य ।

৪। সঞ্জি এবাবে ও এতথ্যবীপবস্তী প্রী নমুদ্ধ ধান চাউন সম্ভাহত, গ্রেছ ১২। ১ই সের চাউন টাকার বেজীত ক্রুডেরে। এয়ার ই নেকে অভাত মাউন ধান্য স্থানীয়াকে।

का व्यक्तिक रहेता श्रकार्य में तिकहि, हाका विक्रिकों क्वितिहा अपन क्वित्र क्वीश्वरी भीड़ श्रम्पत क्विति क्वा मका मा गढ रहेत्राप्त भाष्ट द्रिक्ति के मकाव व्यक्तिक रहेत्रा का श्राह द्रिक्ति के मकाव व्यक्तिक रहेत्रा का श्राह द्रिक्ति के समामका के रहेशा करक।

ा अभा । जीराह (देवकुत्रे सादूर) जाह अक गम्मूर्गामह कथा छनिश्चा ग ४१ वहेनीय । छि नाकि विक्तमनुद्राय श्रृष्ठीश्वरत ( 'लामहिक' रमुद्राणिनी आदय) उस्ते गव (दिन्हें गाहाब कछ इंग्लिशिन मरक्षान नह ८६१) कविटल बन अछ ६ व गम्मारन कहिटन देवकुत्रे बादू में है (नह जनगा रहाव'गाह स्ट्रेंदन । বিতে,ছিযে চাক। ১পরেব লালবাগ নামক নে নদীয়াকিলোর হ'বু বাটতে ও হ'ল্যা| ভার বারুমোণন বাবুধ বাসিংড ছটা এবিচ সভা । তিভিত হইয়াত খাল বৰ সংবাধনান হইয়া 1 95

🕹 । আনমি আরেত। ক'ন এছ প্রধান ফুলে 📗 জ্ঞাক করিয়াছি যে শিক্ষকেলা অপর ধী ছাত্র গের মস্তাকে আগাড ক ংঘ' থাকেন। এড– द्वा (यंक्फ मृत्र क्वनिहें इय एएश केंदाना र्वडमा करत्न ना। विरवधना कवा के हेळ ख **৪কে আ**দ,ভ কৰিলে বুদ্ধিব কাণাৰ ম*ি*ং ভ ালিয়া থাকে। ফুতবাং বৃদ্ধির লাখধ্য স্থিতে পারে না।

> প্রেডভব্। ২৫ শংখ্যা। (গতপ্ৰকাশিভেৰ পৰ)

बहाधिय मध्य ७ अवस्य व व वद्या । ভেবিদ মহোদয় সীয় এম্ব সংক্রে বছ প্রকাব **াগেরলক্ষণ ওত্ত**ংগ্র**ডীকাকের উপায়',বস্ত**িক শ লি:ৰয়াছেন, ভাছা অভি বভল,প্ৰযুক্ত হলে উদ্ভ করাগেল না। গিন উক্ত বিষয় শেষক্লপে অবগত হ**ট**তে বাড<sup>্</sup> কবেন, ডিনি । এছ পাঠ ক.রলেই কুতকার্য। হই:তে পাবি– ন। ফলডা ডেবিদের মতে 'পাছ'া, নিদ্রা, ইক্ষ, ঝায়াম, জন, বাবু, আলোক ভাপ ও भरमध्यम् व्यर्थार (नोशांत्रम<sup>ी</sup> न क उन्ने करत्र-ী বিষয়ের যথোচিত ব,বাংব ক**ল আ**ত্ত, ভের প্রকৃত উপায় ৷ যে স্থানে ঐসকল উপায় কেরপে অবলাগত ইয় তথানার লোকেবা 🖲 🗝 बी ७ ३० व. २३ प्रः बारकः।

ভেবিৰ শাৰী ক সংগাৰণ ভ সত্ৰভা নিৰাৰ-**র্ব বে ব;বস্থা ,ণরা**রে≽ন তাঞ্ছ'র্তারাবচিকি 'সা **ালীর উ**শহরণ করণ এছলে **প্রক**টিড

যে ব্যক্তি সাধারণ টোর্ন লালত ভাঁচাব **ইবাৰে চি.**ন এডাদন প্ৰভু•্ৰ গ¦<u>ছে</u>†প′• রুদ্র। সময়ের উপাত্ত বস্তুপান বৃদ্ধি **ही कथनारतवु क चाहरल वाहरल धानरा**य **র্গত হইবেন** এব গ্রেছ প্রভাগন্ম ১০০ :-

হুন্দীপিত করে -

क । आभारा क।काः । १२३३ १६।० ८८काच | श्रीइत्याल । क्रीट ब्राइस खाइल प्राप्त अक स्थाप (याक र मा कि कारहा वस परिवर्तन भूका नह कि अने | क.ब्रिट्ड अवड इंडेर्डना । भावरक रतन 🍑 🕏 रिवर पूर्व छ , यह अकान अब घड़ें: विका प्राप्त खान হয় এবং নিজা বাইব'ৰ গ্ৰাকালে পুৰ্ণোক নিয়-মানুসাবে :-বাস ত্রাস কার্য, সম্পন্ন করা कर्मकः । आहे अध्यम (अल्पान पूर्ण (क'न अकार মানস্থিক পরিশন করা খেরেয় নছে, বেছের তংং-কালে কোন সংবাদপত্ৰ ৰাপুখৰ পা<sup>†</sup> **অথব**ঃ क्षत्रः क्षत्रात् मार्भायक कात्रः क दश्यः भान्ति पश्च স্বাচু, আন্ত ও বড়েব কিবল আবও ইছি

আয়াবেৰ পক্ষে স্বন্ধ, এই যে ভোজনকালে ভংকাৰির সভিত ফলানি ভক্ষণ কলা ছুৰ্ফাল ব্যক্তির পক্ষে হ'ল নংহ যেহে র উহাতে জালা-শ্রুমণ্ডোকাব নত কার্চ, স্থাপ ১ নেক এক র শ্ৰপৰাকক বাষ্প উপৰ হয় যাগ খাল কল কালের মধ্যে আন্তরণৰ প্রত্তি উপরেব পীড়া জ্ঞাতিৰ পাৰে: ভন্ন জগৰা কটীঃ সহিত ছুইনী গাত্র উভিদ দ্রব। একক'লে আছার করা কর্ত্ব। এবং কোন প্ৰকাৰ মাংস তথ্যা পিটুক বা মিটুার চোকন কৰা অস্ চিত।

বে সকল ব,কিন বৃ ৳গ্ডিঃ আৰভাজ পরিচা-अनः **च ता भन्ने वरक विकल अ क्र्मल क**नियार्ड ভাহাদের শারীবিক বন্ধ সকলকে সমভা প্রাপ্ত কবাইবার উপায় বিশেবরূপে লিবিড হই-ভেটে।

প্রথমতঃ । যে দ্ব, আহাৰ করিবে ভাহান হাণ ও গৰ পুদকিত ও কুডফাটিতে এইণ क दूरन, व्यर्थाय छेहाद शक, सन स मधुन्छ। व्यस কয়ণে ভাবিবে। বে ভক্ষা বা পানীয় প্রব্যের গ্রন্থ ফ্লখনৰ বোধ না হয় ভাহা ভক্ষণ বা পান কৰিবে না। যাবং ভোজন করিবে ভাবং অন্য কোন বিষয়ের চিন্তা করা উচিত নতে বেংকু ভবার খাকেব হানি হয়। **তথন কেবল** আহায়েব বিষয় लहेत्र हे आरमामक्षामा क्षाचा कान इर्वजनक ক্থোপকখন কৰা কৰ্বন। প্ৰকুলচিত, সংখ্যাৰ अ कुळ क क क क को शिक्ष कुछ (नाटम व क्यार्स) **উ**ণ্ধ ৷

विडीयुक्तः । लाजःकारम किला. अश्यव, ভিরিজন বস্ত্রাগ বভাগে প্রক্রিক আছিল ৷ নিচা আহনাস ও ধান কবাভাল কিয় আহিক চিছা । कविदा चारका होते हहेरा। विशा हरे अहरनत ছেবিস পানন বে পাস্থাপে। বুলে। প্রনেশন ভর্ক বা বিজ্ঞানশালে পাঠ করিবে না मारमयु चोईरम उद्दे हिलवांद्र प्रत्मे एवं 🐤 🖅 🗷 ऋलवारू ८ घ छोत्र लव (वांस कठिन, भूर दा चाह्रक शिखान्त में तुष्क अ कार्रियन हर्य । काश्या चित्रक विश्वात विकास के कि विद्राप्त भी किर्देश 🛉 এবং সায়ংকালিক আহাতের পর বিশায় 🏲

(गः शञ्च अन्यक्तकाः, नाही १७०**, ज्यूका फाल्स** शेहिन समाधक होनेना के. (वे नी !

ভূত'য়তঃ ৷ জাহাব, প রক্ত্য ও ব্যায়াম বিব

कार्शतः। व्यान टरन प्रयः व्याहात कतियात्र ৫ গোজন মাই। উদ্দিদ কিয়া আম্ব অল্ল পরি मार्॰ अक्षीया क्षता मा १६८म (अध्यानत् क्षत डें निर्ति रहे में, कड़ कर (य भर्य) छ जूबा ग्यार्च ও বলৰ গী অৰ্বাৎ প্ৰডে,ক নাম উপাদের বোৰ ा इंद्र, (म পर्व। छ । क धन, कि छन्न (कान थ है। व अव। आहार क.ब्रेड्बना बवर छेड़मक्रण क्रुटा ६०८न ३ क्वन । भ श्व ३ ग्रेष्ट्र **क्ट्रांस क्ट्रांस** कार्त्र(व, हेब्रिट वावल शाक्यत " स्वाद्धा होल, बाद्यः भाउ क कट्ड. ख्रवाड चाट्नाव चान सह्ब পূ ধক পাবন্দিভ**রূপে আহার উদরস্ কবিবে** ৷

भारतकरः हृद्यसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्ध ण. १४१म का रहत अदर भावे स्त्रह **स्य भा**रभ *इर्जा स* শ্বাতে সবস কল **অপেক্ষা অধিক বন্ধ আদ্ধা**-

ব,'য়াম: শরীবের অপূর্ব ও ক্ষীণ অবর্ব ৰ কলের বলেনপালন উদ্দেশে কালাৰ আবশাক, ত র্মত প্রডে,ক ভব্বে একটা ব্যায়ামস্থল ষৰ'ং আৰক্ষা প্ৰতিষ্ঠিত কণ উক্তিত। পদত্ৰক্ষে या दक पथ बनन कहा काल नरह, उनरभका देव हारत जन १७ न हरे बार होर्न श्रृप्तक *(दक्र* म डेउम । क्षणकः कवारशस्य (बक्रम मर्स्सार-क्टे। कि ३ वक शकात्र बराहात्र भावा भद्रीत्वयः বিশেষ উপকাৰ দৰ্শে না, বেছেডু জন্মাং। শাৰী-विक् नम्राव क्रम नम्भानम् नक्षानम् इत्रमा . শার ইহাও ক্ষর্তব্য যে বাহাকে " বিপ্রাম " বলা বায় ভাষাৰ মিডাঞ্চ কৰ্ম ভ্যাগ নছে, প্রভুতে কার্ব্যের পরিবর্তন বরূপ, অর্থাৎ সেই সকল পেনী ও বৃত্তি নিচরকৈ প্রকানান্তরে সঞা-मन कहा वाज ।

পরিশেবে এই উপদেশ দেওয়া বাইডেছে বে ধর্মবিষয়ক কুসংস্কার ও অস সকল পরিস্তাপ পূর্বক পরবেশবের অসীম প্রেম ও জ্ঞান বাহা এই পৰিবুল,মান হস্টিতে ও আপন স্ক্রীরেও দেশীপ্যমান ভাষ্। স্থয়ক্ষর কবিরা প্রভাষ্ট আপন श्टनर खार ७ हिका अञ्चल नियम हाचिटन गा-হাতে জুভরু খাসুলোভজনিত নিতঃশভিনুশ व्याचारम कविट्ड अक्ट १७३१ वर्षे ।

उपनः श्रेकानाः।

বিবিধ সংবাদ । ২৭ এ **আখিন গোহৰার** :

বোধায়া হইতে এক জুন মুত কাৰুলে আসি-ाक्ष्याः। वेदात केरमणा अवे कवितान विक**रण**  আমীর, ভারতবর্ধীর গ্রেইটের ও ডুবনের পুলভানের সাহাবং লংভের চেইং করিজেন। ইউ রে'পে জুলভানের অধিক গৌবর নাই বটে কিল মধ্যমানিয়ার সকলে উত্থাব আফা কবিয়াশ আঁফা অপেকা অধিক মান্য করে।

ইংগতের মন্ত্রেরা গড়ে জীপুকরে ৮/১০
ফাল্লু শা/ও জার নলতে ৫৮৯ তিপার্শ ন
করে দ্বিটেন ও জারাবলতের মন্ত্রেরা এলকারে এতিবংসর ৪,১৮ ১০,০০,০০০ টাকা
পাইয়া থাকে। শেব সংখ্যালী বছা বিশ্বাধান
নারে। কিন্তু সভা হরালাও ইরার অর্থেক স্থান
পারে হায় ভারা বলা ঘাইড়ে পারে।

**डिश्करमन क्रांक्रम लहेश देशमा**छ निर्मित च्यारमालम इकेट्ड क : ठाडेमन च्यारे क्यार अवर्र সেদ্ধীৰ প্ৰতি অনবগ্ৰহণৰ দোৰ দিয়াৰেন। 🐡 শেলাই হৈ ইহাৰ অনুযোগন কৰিয়া আক্ৰেপ ক भारक्त है जा छ अक सन लोक समाक्ति सान फतात की एम म निया तरा पर के छ छ छ स्र स्र का কা না ক্যাধালের্থে এবটা ত্রতে ৯০ জন কলা হ'লে পাণতাগ কৰে ওথাপ কেছই বিশেষ বিশাস ও শেক প্রকাশ করেন নাই। স্পেটেইর এখানকার ই'বাজ দিলেব এই বলিয়া োধ দেন, फेल्टा चाओं देक दर्गमान्त्र प्रकृति इंडिंक শীক্ষিত গোকনিয়োর সাহ'ষা কবিভেক্ষেন বটে कि इ अक्टब्स्मीयनियात स्नाटक केशिक्टिय ্শাক হয় না। এটা সম্পূর্ণ সভ্য। এওকেশীয় দিয়ের সভিত উ'হাটিখের সমছ'ব জ্বতা নাই बेश्बे कारन ।

सवनशृद्ध थान्। सन् इन्स् मा देव सार्थ कार्य स्थान कार्य कार

বিশ্বসংখ্যা সূত্র কণ্ণা ও বেবার ও সুক্ষেত্র বলে লগালের বিশ্ব বারে লগাহি-ভাশোজ বিভাবের সভাপাত হই না

बारमचरत्रव क्रमिन्ट हो करहा सन्। सूच्य भागः स्थान करिएल्डम साँ।हो स्म स्थाहर स्र कारा जनीक वानद्वा शक्तिक स्टेग्डिश

क्षेट्रक कावेशनतः हिनियान कार्यगारहतः अस्य त हाकेन किस्मिर गर्छ। एरेग्नारह कर्वार

्रिश्चे व्यवस्थ ३०॥० (तर विक्रीण इदेख्यः । भूतीर व्यवस्थित् । ००००० व्यवस्थित । व्यवस्थ विक्रेत भूतीर व्यवस्थित । व्यवस्थ विक्रेत वर्षः । द्रारम्बर्ग्य प्रदेश व्यवस्थ वर्षः । वर्षः । द्रारम्बर्ग्य प्रदेशः व्यवस्थ । व्यवस्थितः । । द्रिश्चर्यः। प्रद्यश्च । ० त्रम्य च मामस्थ । । वर्षः । त्रवः । जून व्यवस्थ । । वर्षः । वरः ।

है 'अन्हात भवन किनाइत, वहर नीय व.बहु 'मन महाद आधारी आंद्रतमस क्रिट्ट कू जम 'क्राइट भारत माविवर्ष रहेरवा विश्व पारत कू जमश्री वह करिया अस्ति हेर्दि । बहे आहेर कामाम अकाह एइन भएक बार्स्ट्टर ।

উদ্পদ্ধ আগতে চইগাছেন প্রচাত আছেই, লগত ১৫ ই মেপর্গ আচর্ত্তপ্রান, বাচাত আছেই, লগত জালিপ্র ক্রান্তপ্র, লক্ষ্মপুর, নপ্রাী ও নিবসালার সর্পিন্দ হ,১৯ ৪২৭ একার পতিত ভূমি ২৭,৮৬,০৬০ টাকার বিল্লীত হইরাছে। ইহার মধ্যে ৪,৯১০৫১ টাকা আলান হইবাছে।

উक्ष भव राजन, एक्षित माथु भीय मात्रक्रिक्त जित्य भयन क रेशा छन्। त स्मिथिक जैका निर्वाद राज्य वर्ष्ट करियन। डीइश्च भीया-दश्च तक्ष्यूर, विनाष्ट्रपुर, मानप्रह, यस हो, राजनारी अभावना शाकितः।

निव्रविषय वर्षान स्वर्था छेन्। क्ष्य (यह । व्यव्या क्ष्य क्ष्य वर्षा क्ष्य क्ष्य वर्षा क्ष्य क्ष्य (क्ष्य क्ष्य व्यव्या क्ष्य क्ष्य

किल्याम का नियुष्ट स्मानिका । यहा यहाँ विज्ञान रूपान राक्षः वर १ का छुद्य। दार एक मा भा नेत्रा निष्ठानम एतान कति ॥ एइम । राहाद की नम् । उपना गायदनय निक्दं प्रभा । व्याह्म की नम् । उपना मार्थ का स्मार्थ । याना उपना नहीं नाहा । विश्व कार्यादनाः उपना नहीं नाहा । विश्व कार्यादनाः उपना नहीं नाहा । विश्व कार्यादनाः उपना करिएक निया देश स्व छ न भा दक्ष नत्न । याद क्रिक क्रांका निका ।

) जा त्य अवस्थि । ই মা । यह शय छ कलिया । विकास स्टेटव, व्यव-शाहेत्र ७ । वरणास्त बहु तार विकित्रिमा निक्रि । १२० कि बरागह छ वास स्टेटव। ইसात भारत व भीतारह सा गारता ज

२०१६ मण्डस्य भनीय निर्मम कतियोद्या । इकिंक निरमन युगुमश्या अक स्वेग्नांक स् स्थर छ नोकाद मरयन होय कदा स्टेटन ।

সম্প্রতি এক বাজি বিশেষপুরের চারি থান বেশাকে ।মই মেশ সভিত বিবাঁ খাওয়াইবার চটা পায়। কিম কেবারা জানিতে পারির ভার কে পুলিয়ে দিয়ালো: আমানিগের সংক্ষ হইতেতে চারেতন বেশার কোনবড়বর থাকিতে

विश्वीति । ज्यानि ।

হিন্দুপেট্রিয় ই প্রবন করিবাদেন, উংকলে কৃষিতে জল সেচন ব বিরে উপায়বিধানা প্রব্যেট ক্য়েক্তন ইঞ্জিনিয়াকে ক্ষিদন ক্ষ নিযুক্ত ক্রিয়ারেন।

हेक भव क्यांक प्रदेश हिन विशिष्ठिति । ब्रामा कार कि कार मागाइव देशमध **१३८** इ.स. ११४म किया इस . इसाइ १४ (१४**६) (१४** (वच इक्षिप्य । १९४४ । तर्माने क्यांक्ट (१४) इस्टिंग ।

के हा । इ.स. १८०० वर्ष कि नाम है वार व्यवस्थान व्यवस्था वर्ष कि नाम श्री व्यवस्था । १७६ मा । वा का कि नाम व्यवस्था वर्षा व्यवस्था । १९५ मा । १९६० वर्ष व्यवस्था । १९५० वर्ष व्यवस्था ।

कामता केश भट्डा (मिस्साम, तार्यन के श र्व केश्करता (म्हाइन्डा) वरणावस कि बाद म कि मिसि लिल्या का। ता तिनिक वीर श्लाद करता. (व अर्ज कि निक्रो वरणावरण्यत (बाध) द्रेश एड, खोदाव विश्वा वरणावरण्यत (बाध) द्रेश एड, खोदाव वर्ष কারণ প্রদর্শন কবিয়া জাবেদন কবেল টেব্রায়ী। বন্দোবস্ত করিছে পারিবেন, কমীদর্গিগকে শতকরা ৫০ টাকা মা লক্ষ না বেওরা ২ইবে। ১৮ এ ক্যার্কক ক্ষেত্রা ।

সম্প্ৰতি ইংল্ডীয় সাম কাৰ্ডান লগৰ (मझह (असवस मत ७) व व का न्य दिखा क्र किट्रक्षेत्र दिवास अक भाव अर्थ कारण १८४० व अप्राटन्त द्वारेकार्र्य,व सन्तः 🥆 त "मण्यस्य £रश्राक्षम, किश्वर्यमक्तम ०ती ख.८३ ए:३ए७ ছালের জভার নাই, বী।তমত গাল বলন সার্যা। ±हे केल (महन कानट्य घट्च हे रए। यद च्यावंत करेन बहुला, भने बेरभही छ उ भारत बनाई क्रक প্রানে না এক স্থানে জডিক হয়। মাস্ত্রীক रव व्यवस्थ चाल इंदेरड इस त्राध्न करा इह **खबात हर्किक रहा ना** । शवर्गत हे बहुनन, ज्याल कार्त्रेट क राहन भी शतन नवाभारक हराक काल हरू । **जब कार्यन्न** कहेर हहात अपूरकार व नवा **्ह्रम सक्तर प्रक्रिक घर्ड एकर ११४। यह हे मु**लका छ शिका सम, प्रमृष्टिमा हहेटन लाइ'व शालाको : बाद्य **व्याप्यका** श्रुष्टस अर्थ (कालि नाता २) कतिरम क्लाम इस्र। यव कावश करेस अन सन विश्व देशियत, माला एक भान भवन श्रवानी थैं। इंद्र कुछ । एक्सि य कथ्। कहिए उद्देहर, खान बार् कतिल विभिन्ने रेडेमाड रद्वार महादेवा ।

मञ्जूषि के उड हैं गुलाम नामक मिलाशुरुव

এक चानि (हमीब छ।हास मर्गन, द्रम, समाक **श्रक्षक सरेवा निर्**कानव बीर्ण वानिस, कड़िक्त सञ्जा के स्थादनव बहुन।वी काशास्त्र जातिहा व्यथाप्य स्थानिकामभार्क क्ष्री : 'बोक्कन काल्या ৰধক্ষিয়াছে। তিন জন নাবিত **ভারাজে**র ওলায় পন'ইয়া রকা পায়। সকার শার ভাহার। উপরে উটিরা দেখে কেবস শোপত ও করেকটা **হস্ত পত্তিয়া র**ঞ্চিয়'ছে। অঞ্চমপকাবি ও মৃত माबिकलिकार चार (कान हिरू नाई। नाविक्तरा खरक्रवार (माध्य का'हरा विशा काहाल नहेंग्रा भनावन कविद्वारक । २८ व्यक्ति मृतुः रहेवारक । সমাই ভূতীয় নেগগিয়ন বহুমূহ রোগঞ্জ इदेवारक्त, अध्यक्ष के देशारात्र याव औत्र स्मारक केरक किए इवेबाटक्य. नावन क्ष्में द्वारंभक्र बालि **कामकारा**भ न भरवेत तेशव मिर्कत कांबर**ाह**। **সম্রাটি ইং**ল<sup>িখ</sup> লাগেট ''রে লিখিত ব্রয়ায়ে महोत्मेद व्याध मार्था उक्र महरू, अवनद अ वि-**च्छक् वृष्टि (जबन व्यारम) स्टब्स या अर्था अर्था अर्था**व ষাব্রাবিট্র আর্থন ু বেশ্প ান্ত্র এত বিষ্ট্রে পারে। अद्विक्षण के बेर क क्ष्म, त्य के पूर्व के दिवा के कि ষ্টামারের না কেনাইয়া বিজেবের প্রেরণ করিছে।

अवर्ष । एकारण (व अपना मर्फाइटक एइवाटर) আহ্বান করিরাজেন তাহার মগ্যে কয়েক জন নানা কারণে উপস্থিত ২ই:ত অসমত হইয়া (इस । ज्यानिकाएकृत बालाव मधानार्य कारा-বন্ধ হওরাতে ভিনি আহাসিবেন লা । বাণেদ सवाब (म्इ.नेरशात्रम ची मुख्य ड खाळा व दिवारह वक्षत होता व.म करिमार्डन. मन्वार्य व्यापः ব,য়সাধ্য, ও'হা কৃতিতে হুইলে িনি উৎসন্ন হুই বন প্লেক্তর বাজার পিডারে বারলভা রেম भम्ह, छ कदा इत्, छिन पत्रव दिव का नित्न ने अति मुखानार्थ कामान क्टर्स ना ! ५ जी ५ शवाहन । ্বৰয়ৰ লয়। ডি.ন আসিবেন মা। এই স্কল্ न्त्रवर्षः **अञ्चलक्षे** त्र वाका छ मह्मावशरूवन विष्युत्र বায় হয়। উঁহোরা আসিরা কেবল ভূরেন ' আপ্ৰ'বা নিজ নিজ রাজ। উত্তযক্ষে শাস কবিৰেন, বাজীৰ প্ৰতি অধুবন্ধ থাৰিবেন ভাষা ১ইলে গুব্ৰ পৌতাদি ক্ৰমে বাজত কৰিছে পা 'वम । जन,**वा जागांग्राज जन्म ( धू**रा ० व'रावा जानक राव अवशा खुमियार्डन, हैश श्रीपन स्ट्याइङ । ख'त्र हत्रशास कामियः कटा हर ब्लबा निष्ठ रहेब्रा गाना कि'वता ख्यश ह रहेकाउ वर्गात्तव प्रवरादा को दाना भी में देनदान मध्य 1 অধিক রাখা হইয়াকৈ, নাজসৰ পাছে কোন ছাতেটা কৰেন বলিয়া প্ৰাচ্যক গৈনিককৈ ২০ টি সাভিন্তি ওলিটোটা দেওয়া ইইয়াছে। এ সক্ষ भाक्षद्वत क्षर्याकत कि १ हेर एक क्रेज़्र शहक भोशक वर्षम ना श्रेष्ठा अक **नरक**त्र भनःशीकः প্রপর প্রের অবিশাস প্রকাশ পায়। উভ্ত শক্ষেত্র বিজয় টাকা জগর।য় হয় মান্ত্র।

বোধাই গেজেট বলেন. বোধাই গ্রাথমেন কট্যাফর লিগুলি সাহেবকে বোগদানের ইথি গাস প্রসিদ্ধ স্থান সমূহের ফট্রাফ আনিবার নিমিত্ত প্রের্থ করিয়াছেন।

### ২৯ এ কাৰ্ডিক বুধবার।

বোৰাই হুইতে টেলিপ্রাম আসিয়াতে, ভারতঃ
প্রধানতম বিচারালয় বলিক প্রেষ্টার রায়টারকৈ
এই নিয়মে পুনর্নার ব্যবসার করিবাব অনুসতি
টিরাডেন বে এক বংসবে উহার বত আর হুইরে
তিনি ভাহাব অর্ছেক মহাজনাদগকে দিবেন।
প্রেষ্টার বায়টাতের বে প্রকাব বিষয় বুন্দি, ভালাতে তিনি যে এই ব্যবস্থার পুনর্শার মন্তকোল
ভালন করিতে পারিকেন, এ কথা পুন্যে বলা
ব চাতে পারে।

বাংলাকৰে চাউল অন্নয়লা হত্য'তে ভত্তত আন্তর্গালা আন্নয় বাদী সকল প্রায় বন্ধ হইয়াছে। পু.ী ও কেটকে অন্যাপিও উজমূল্য রহিয়াছে। মান্দ্র জ টাইমস হলেন জে, বি, নটন সাই ব মান্দ্রাফ তার্ন্য করাতে পাচিয়াপা বিদ্যালয়ের অধ্যক্ষার ০০০০ টাকা ব্য়ে করিয়া জাহার এক চিত্রিত প্রতিমূর্তি ঐ বিদ্যালয়ে স্থাধিবার সম্বন্ধ করিয়াহেন। বিধারে শিল্পী এফ, প্রাকী সাহিত্ চল্ল করিবেন। শিল সাহের এনেশীয় বিদ্যাল শিক্ষার এক জন পেশন উৎস্ক্রাতা।

निर्भिरणकारि निर्मिष्ठ इदेश है. अपि निर्मिष्ठ देश हैं निर्मिष्ठ राश्या कि निर्मिष्ठ हैं निर्मिष्ठ ह

উক্ত পাত্রৰ কাবুল স্বিত সংবাদনাতা বালেন,
ক্রির আবছল বহনন থা কান্দাহার জন্ম করিবার
গতিপ্রায়ে আনসব হইতেকেন। তুর্কিস্থানের
বালেই শাসনকর্মে জঠজ নহন্মন থাকে শাসন
কবিবার জন্য একগল দৈন, বাইতেকে। বান্দাগবের সন্নাবেরা আক্রমন থাকে আনাইয়াতেন
গহারা সিরার আলির প্রতি অপ্রস্থা নাগেন।

देशन मान राभन, गासिशुन स गाहावारम्ब देशन फोकारेड दिन शहन क्यांनानी स्टेना गर्मना जाननामिरमान मान गरवाम निम्ना मुठे महान । कर्कृषक देश कानिएड गामिनार्द्यः प्रेडन श्रीकामाञ्चन दिन शहराखन समन देशन जाहा।

উক্ত পত্ৰ অবগত হট্য দেন টেন্সের বিদ্ধানে ভারত ব্যায় গবর্ণমে ট এক বাম পুতক মুক্তিও করিবেম । ইহার এখন অংশে প্র
তেওক প্রেমিডেলিব পতিত ভূমি বিক্রায়ের নির্ম থাকিবে । দ্বিতীয় অংশে পতিত ভূমি করিম থাকিবে । দ্বিতীয় অংশে পতিত ভূমি করিম থাকিবে । দ্বিতীয় অংশে পতিত ভূমি কর্ম ধাকিবে ।

#### ১ সা অগ্রহায়ৰ রহস্প ভবার।

विधानका विधानमा विकास कितारहम विधानका मनमान वर्षा परमा काका निर्म भावित्वन मा । अकाक (व कानान्द्र) इंडेड मा क्वम खादा निर्माण कावा थान का भीग क्षरामका विधान महा हते । विधानम-काल मनमान क्वमा दिस्त्रमान का भटना भार डीइंट्न (महे न.स. (मकाहितन कार भार वं,तसा कहेनाद्व विधे,भारी च मृहमान हेरे का राज्य मा इस कवता क्यम बमानः महानाश कामा दाउँ मानीमहत्र काहा हहेला क्षित सम्मान अक् कारम वक्षा मा कविता विधानभित हम् कव्य-भित्रे हम महेना कादमन महानाश हम् क्या

्वायां है (भटक वटन नाड ओहगार उडिए)
मू तर्य ०७०१ वि यकसमाप्त ७०१६ जन (नाक, र । यह । वार्य वर्ष वर्ष हम । २०, ५०० है। को क ब्रम्स अस्ति एडे प्रारह। स्थार श्रीडिमिम भटक रक वि यकसमा उडिया मकसमीय १ होक। भारत्यानः को १९ वर्ष हमा ।

मण्यान निर्मादिक लोक मण्या हिर्माह ।
स्थाप ३४ २०,४४६ खन लोहिक वर्गा ।
११६ कक स्थादन २,६०,४०४ लोहिक खनाद ।
११६ कक स्थादन २,६०,४०४ लोहिक खनाद ।
११६ को स्थादन २,६०,४०४ लोहिक खनाद ।
११६ को स्थादन अन्य प्रति को खनाद ।
११९ को स्थादि ।

व्यक्तिक्ष रक्ष्या स्टब्स् । वस्त्र । जन्म वस्त्र कि इच हमात मासः २१ सम चार्वाहीत सान करे रेप्र **७ ९ ८० कम कार्**क रूम। (ब्रुग **९**१४ काल्ला নি সমূহের ৫০০০ আছেছে;র মধ্যে ১৮ জান হত ও ১৯ জন আহত হয়, তাঁহাদিনের নিজেব मिटि रहे १ का भगिमिटिशक क्रमें श्रीमाणा १४ वर्ग एउ ७०४ कन काइड इहेशाइन । वना **রন্ত্র হৈছে** প্রবেশ বারিয়া ১১জন হস্ত হন। অধাৎ मधुनाय का उन्दर्शत स्वतःश्रद्धाः ১१৯ सम् ५७ ७ ५१३ कम व्याह्य इंदेश १६०। श्रृश्वरमद्र गण् 'লে'কের মৃত্যু হয়, এবংগর শতকরা ৪ জান কল इड्रेब्राट्ड। व्यदार मुख्य हत्। ब्याइक्रम व्यक्ति व्या .बाही शबन करत्रमः ख<sup>रत्र</sup>क्षत्रशेष्ट्र शवर्शन व्याच्या विद्यारकन क्षांकि (हेनरन) वन्तीय कार्याव আরে:ইালগকে সভার্ক কবিয়া এক বিজ্ঞাপন (म अप्रा गाहाब (यन का नाड़ी क्रिक स्ट्रेवार श्रुटर्स श्रांबहे कथला बिहिर्स ड ना इस, कथना কেই গড়াব পার্থেনা দীড়ান। বেলভয়ে কঝ हान्निभिन्नद्रक मञ्जू करा रहेन'द्रह रीश्या अनकन ,मेशुव विक्र**क** क' अपना **क**र्दन ।

২ রা অগ্রহায়ণ শুক্রবার।

म्ब क्रम नद्धरम् । এই अवधि कोत्रदात विषय वीहात (इष्ट्रोप्त अस्मिन द्वमनदात व्यक्त केर क्षमाधक व्हेष्ट ।

आश्रतांत्र प्रवृतांत कामसाह 'अर्थात आ'ता ষ্ট্য়াছে। ঐ দিবস গবর্ণৰ জ্ঞানবল প্রাত্ত কালে शकानः प्रवाद ए देवकारम (भागनीय प्रतदेश । करत्व। में महरत् धर'न श्रंतान मर्स राज्य ख'हे .সন্। মুসল্বাৰ কাৰ এক গোপনীয় *সেব*'ৰ ও ভালমহন আংলোক হারা শেভিত কণ হয়। लक्ष कला भवर्षय (कानदल मह्मायमिदभव हे ८८० লিয়া পুনরার সাকাৎ কবিয়াছেন। জানাসী कन, क्षेत्र हिड्ड (ए३ग्रा स्ट्रेस) भनियाय वह नास সিভিয়া গ্ৰহণ জেনসুল লেপ্টন্ট গ্ৰাণ সেক্টোৰি প্ৰকৃতি সৰ্মশুদ্ধ ৫০০ লোকক জ্ঞান্ত দিবেন। ঐ দিবস তাঁথার বাবে এনেবীয় क्ष्यानीरङ खाङ्ग्यह्न भारतासम्बद्ध स्ट्रेस्ट । स्ट्राम ৰাৰ সক্ষেধান স্ববাধ কৃষ্টে এবং উত্তৰ পশ্চি माक्कारणय त्लल्डेन हे शर्यं व शर्यं व स्थानरमान्त्र [ **खाळ किट्यून। मञ्ज्यावीय क्लिक मार्यक मृह**्र ५ ভোজ দিৰেন। আগৱায় যথেষ্ট বাদ্যাবং বাই-তেছে। এতভেশীয় শামান, লোকেরা ভাতুর निक्ट वाहेट्ड भौतिटक्टइन मा .

বিখ্যাত আমেবিকা, যুদ্ধ আহাত সেনা-লোয়া কলিকায়ায় আসিয়াছে। ভাষাআগনি কুলিবাভারের নিকটে লাছে। আহ'নের অবয়ব সেথিবার বাধা।

আসামের চা-ক্ষেত্র বিশ্বর মন্ত্রের মৃত্র হওরাতে ইহার অসুস্থানার্থ এক ক্ষিণ্ড হইটে ক্ষিণ্ডনর রিপোটের প্রর্থে সর সিশিল বীভ ভাগতবর্গ ভ্যাগ ক্রিবেন । বাশস্ত প্রস্তৃতি ভানের মারীভারের রিপোট উইয়েব পেটে হ্য হর্রাছে।

ত বা জন্মহায়ণ শনিবার।

हेर निजयान दर्जन, २० के नर्द्वत श्रवः स्थानन व्याजका हाल किया क्रिकाका वार कविर्द्दन । व्याप्तरम्बद स्थान्तिक श्रवश्ति ४৮ व्याभिराहरून । अञ्चलीख स्थान

উক্ত পত্র বলেন, গ্রাহানট কুলিবাজা হইতে কনিস্থিপট গুণান সকল উঠাইয়া। মাতলা নচেও হাবভার লইয়া বাইবেন। রে গ্রের নিকটে আডডা কবা গ্রাহনেটের ইন্ডা হাবড়ায়ই উন্নয় জান, মাতলার একণে গ্রাহিন্দ্র মূর্য।

जिस श्री व्यवश्य स्ट्रेशिट्स, जुड़ाहिए व्यक्तिस्ट्रेड, अश्रीख स्थारम्य सर्वार क्रिक्स स्ट्रिड जिस स्थार क्रिड्स । श्रु विद्यातित क्रिक्सित क्रिड्स अव्यक्ति क्रिक्स र क्वा स्ट्रेड । वर्षभंग स्थाप व्यक्ति स्वता अग्रीकार्य सर्वारम्य स्थाप व्यक्ति स्वता आग्रीकार्य सर्वारम्य स्थाप क्रिक्स स्थाप आग्रीकार्य सर्वारम्य स्थाप क्रिक्स स्थाप स्वता क्रिक्स क्रिक्स स्थाप क्रिक्स स्थाप स्वता क्रिक्स क्रिक्स स्थाप क्रिक्स स्थाप

शास्त्राध्य श्वर्थाय है प्रश्चम निवाद्यश्य है आव ६०,००० है का श्वरान कविष्य रहन।

গ্ৰহি জেনহল আজা দিয়াকেন, এম সৰ্কত্ৰ গ্ৰহণে ট নোট ও মহিন্দাই ব প্ৰদাসী য়াছে। আভএৰ গ্ৰহণেটেৰ ৰণ্ডচাৰিগ্ৰ বেভানেৰ কিয়ন্ত্ৰ বিনা ম'হেলে ভণ্ড কাই-বে অহ ছিল, ভাছা আৰু খাকিবে না।

# ইউরোপীর সমাচার।

म तम २७ अ का है। यह - ने दिसम म हिंद । अखार म म किना हिंद शिक अहे बांगवा । स मान करा इहेबा कि माम विक विकास के मान मान कमा कर्त्र बांद (य कहा द्वार करतन, क किस का हा मान दिया। समाविक विकास हिंदी

मध्य २५ व ४८ वर-- वर्ड वर्ण्ड १ विष् १ विष् मधी इहेगाइन । स्थान कर हिन्दनम् । कार्य विद्याद्य । स्थान कर हिन्दनम् । कार्य विद्याद्य व्याद्य व्याद्य विद्याद्य व्याद्य व्याद्य विद्याद्य व्याद्य व्याद्य

निवाहेशान ७ बाडावादमः मार्श्वतः 'बाहरा ভাগে কৰিয়াভেন। সাঞ্জৰ রাজা ভেন্তেন প্ৰভাগমন ক্ৰিয়াছেন গ

अखन १ ना नरवरवा भगांखक मल प्राप কৌড়িয়ায়ুদ্ধ কৰিবাৰ গৌশল শিক্ষা দেওয়া ह्येट्डिट्ड। काशिक्षाट्ड (भान्छ १ मृद्ध १६४) বিদ্রোহির পরাজক হুঃরাড়ে , তাক্ষর খাট अष्ठः वीकव कवरक प्रांधारकः भारतः। ্যতে এক দৃচতৰ যুদ্ধ হ'ব। র দিলীয়ের। দুবী इक्ट इडेबाट्ड ।

न्थन २ द्वा नद्वक्षर-- भ०वाच *रक*ा किक ৰুণ্কে এক পত্ৰ লৈ খবা বান,ভাৰ লেনিয়ন कट्य प्रसिद्ध के कहा के ब्रह्मा अञ्चलीय कर्त्रया-. ৯ন**় প্ৰসিমাৰ স**ংহত কৰিয়ার গৈ**ন**ি ইইরাছে ।

লওম ৩ বা নবের---স্বিয় সারু±ক ও धनतोबर देवसर्किशदक त्रम्थुर्ग मन्यतः मरअ**स** इतिवाद **प**्राक्षी **५३**४ ८३ ।

সাইমর বিট্স জারণও বোধাইয়ের শাসন **দৰ্ভন্ত গ্ৰহণ** কৰিছেছেল :

शक्त ६१ वहत्वर-नश्याक का नियारक, यारमिका (भौतरकात त्रकावकी स्थेरदमा ঘটীর মন্ত্রী ৰেষ্ট্র এক স্বকুলর ছাবা জানাইয়া-রুন, আইটয়া পূর্ব রাজনীতি তার করেয়া বাভিমূলক শামনীতি অবলংন কার্টেলন। সংবাদ আমিয়াহে পূলেব ক্ষিপনৰ যক্ত্ৰী জ বল্ল কাৰ্ব্য ক্যাতে বালটমোরে অতিশয় পালযোগ বইয়াছে।

लखन ७ ६ नरवदत---'अ¥ेत (नमान**र**लद প্রতন ব্যোক্ত আরত হট্যাছে। আগামী 4সম্ভাল পৰ্যন্ত ফেল্যস ন ভেবিসের<sup>†</sup> বিচাধ ত্বগিত থাকিবে।

मध्म १ हे नर्थर --- माध्या वः।(कात्र कार्यः) প্রধালীর বিক্ষাপন পত্র প্রকাশিত হুইয়াছে। য়ীৰ ও বিল্স লং ৰেব প্ৰভিন্নধি হুইবেল।

माक्रमिनियान भिन्दानम छ । व करियाद्वन । ধোম নইস হইটে।

**कारमको मुखा अ**न्ति ५ प्रमधीनक कर्यहरू-विविद्यात बारम महत्त्रमा न तेना । प्रामन करिया-হেন। জেল, পকালুট হও চচ্চত হাইলী জেনবল **बिहारक्ता वाक्ष्रात व**ंद्रात कर झालक एका 📭 🛊 করিয়াছেন য় সুস্থপ্স 🗟 স্থীনাহন **हिर**श्च ।

अर्थि , रारं भी १ ५० १ वेग्राह्य मिक्क कार्ड थ बाद कहा वित्र ता तह कहेता • बहारहेद क्षा एवं २, क हारो बहेब्राइ

# গবৰ্ণমেন্ট বিজ্ঞাপন। दक्रमणीय लल्डेनले शर्वादत्र আদেশাসুসারী নিশোপ 📳

(नदरहेख ७, ७, मार्जि मार्टिव (महेपन का পিছ ল ও প্রেনিডোক্স জেলেব প্রান্ত নিধি চাপ-(क्य हर्रे/द्रम् ।

লে এছন সাংগ্ৰেৰ অপুপত্তি কাল পথা -ভথবাহে প্রয়ম্ভ জন, একুম না হয় সৈ, টি বেট काक न'रहर मुद्रमध्य क्षा का का ने वाह है। या स (हे हे **स** (इ.यूक्ते कारशक्तेव इहेरवन :

পি, এ, চ্প্রি সাহেৰ রাজসাহীর প্রতিনিধি क्राहे के मास्टिट हे छ ८५ पुनि कारम<sup>क्</sup>र इंड्रेस्स ।

আলিষ্টাত কমিগনৰ লেপ্টন ট ডবলিউ এব. টুটৰ সাৰ্হে গোয়ালপাড়া জিলাৰ ধুৰড়ি উব নি লাগের ভাব প্রাপ্ত হইবেন।

৮ ই নবেহর। ব লিনাস পালিও বিশেষ কার্যে। নিয়োজভ হওয়াতে বাবৎান্তঃন উপাস্ত না इस (हरू भेश एक का बना बानर करा, स्कूम को हरू स्वादर राष्ट्र प्रकानम्य भूटबालाधात्र १৮८० **कटन**र ১৪ फोइंट्य अञ्चन त्म क्विनेश्व किविस्त. প্রান্তনিধ ডেপুলী মালিষ্টেট এবং ১৮৩০ 📽 (भद्र à भारतिस अध्यापत (१६६मी कामिकेत वर्ष (वन : कि.न होसा-द्रवाटम श्री-करवन : चार ने विकारनव कान अवना मधुपग्र अन्तन विकीह শ্রেণীয় অধীন মা.জট্টেটের ক্ষমতা প্রাপ্ত হচ (वेन ।

 इ सदबद्र। अठ अल व्यक्तिकां के नाट्यट्य? অমুপস্থিতিকাল প্ৰযুক্ত অথবা বে প্ৰযুক্ত জন্য **৬কুম না হয় ভাবং এচ ঈ জি লিলিংটন লোহা**র ভাগার প্রতিনিধি ভেপুটা ক্ষিসনর হইবেন।

১ - ই মৰেছর। বে পর্যন্ত লালাফকিরচ ।দ লাল कष्ट्रशृक्षिक चार्यमा अवदा अमा हरूम मा दश ए**न्डी माक्टिकेट ७ एन्डी काल्डे**न बार् बहुनाच बक्क किहु। महत्तव स्थानाः पुत्राः উপ'वन्ताः (शर छार श्राञ्च रहेरदन अवर माहावारम महिल ছে টের ক্ষমভাস্থসাবে কার্য্য করিবেন।

ত্বলিউ জি ডিয়ার যেগগ,স্ত অনুপরিত থাকিবেন অথবা জন্য কোনু কাজগানা হয় ভাৰৎ নড়াইলেৰ আনিষ্ঠান্ট সালিটে টা ও জে পুটী কালে হৈ ডবলিউ এম সাউটৰ সাংধ্য কিছ দিনের জন্য মাথ্যা উপবিভাগের ভার প্রাপ্ত म्हेर्यन ।

এন, এচ, টমসন সাহেব যে পর্যন্ত ভলুপ-

.ख. as, a. बानत्र माह्य कलिकाफ: (क्) मानामध्य क्षाप्रति।वे विष्ठी प्रकार स्ट्रेस्स ।

জি, দি ধেলা সংখ্যে কলিকাণ্ডাস দক্ষিৰ विकारमात्र आंख मनि भुनिय माकि;हेई इहेरबम ।

১७ ई बटबबर--- (य भर्गत्य कार छव विस्ट. ति. अत. झार्क नाट्टर दिट्या काट्या किट्यान ্ট্র কলুপাক্ত থা কলেন ভাবং এম, ও, বয়েড वानारवत व्यक्तिहा हे कश्चित्रवादत शिक्तिवि बनर विक्ति (अनीज बनीन बाज्यिकेट) व समस्य প্রাপ্ত ইইবেম।

লেপ্টনত জে, এগার নাগাণ গছেব ছেপুন क मनमन स्ट्रेटन ।

अह, अम, क्वाल्लप्रत मार्ट्स विरूप कार्ट्स নয়োগ হেতু ধাৰং তপুণ হেত থাকিবেন অথবা মন, কোন জাঞানা হয় ভাৰং আর, বে, চাশ ণান সাহেব নধীয়া বিভাগের প্রতিনিধি তেবি ৰিষ্ট কমিসময় হইবেন।

প্রেরিত। •

মান্বর শ্রীযুক্ত নোমপ্রকাশ সন্পারক মহাশর সমীপেযু ৷

স্বিনয় নিবেলন মিদ্ং---

মহালয় ৷ এই ক্লা ক .মাননীপুর ফোলার এক বিভাগ, ইংার অধিকাংশ স্থান মৃত রাজা বারব वाम वाद्य खुद्राला चीवमातात्रन तात्र महानटप्रत क्योगती। अक्त वानवश्यव क्योगती **यः ज्यारम विकल हरेग्रा छेळ महान्त्रात लोहिङ**-शनटक अ बीजनाहा प्रत्य अभी वाजी वि अरु स्थ বিভক্ত হইরা গাঁহাব পৌত্র ও প্রপৌত্রকে অর্থি-ब्राइ । किन्छ ১२१३ क्नजी मन अवधि छेन्।व -डेक समीवादी इक्टरन क्टबर मिथिए थान रह. ও খাসমহলের ভত্তাহরখান জন্য এক জন খড়বু ভেপু**দী কালেট**র নিয়োজিত আছেন। গভ ইস্ক থাদলীতে চতুৰ্দল বৰ্ষ স্থাপন হইয়াছে। এমড सम्बन्धि त्र केंद्र प्रशंचानित्रात केंद्रताविकारि গণ অ অ ভূকানিছে অধিকার দীর প্রাপ্ত হই-হটবেন কৌথিব পুর্বাও দক্ষিণ সীমা সমুদ্র, खेडात नती. तमूब, अवर मनी शक्रणाह विकार থ'কাতে নদীর অলও সমুদ্রের নামে লবণাক্ত। जे महीत्र नाटर्ष प्रष्ट्यश्याक सार्वानक प्रवि আছে। ঐ সকল ভূষিতে লবণ পোজানের অব্যানীকাট ও ভূগ ভিন্ন অন, স্বস্যাদি व्यक्त मा। वस् विमाविष के जक्त पृथिए লগ্ৰ শোকান হইত। বৰ্তমান রাজাবি-चित्र थोक्टरन कथरा जना कान स्थूम न। स्या कारत के कार्या **करियत के** बांच स्थान

পোন্তানাদির কার্চ, সম্পাদনার এক কন সিংব লিয়ান সল্ট এতেওঁ নামে ও এক জন সিংবল शार्क्य ७ हरे सब मिनीय हिक्शिक ७ हाउँ वक् वक्ष्यरश्यक क्यांगवी निष्माक्षिक हिरमन। क्षवाता वर्षा करहरू मान श्रामः छै श्लालस्य छ অৰ্শিষ্ট শীত ও এীক্ষকাল লবণ পোঞ্চানের কার্য্য করিয়া ধান, ছারা উদয় পুরণ ও লবং ব মূল,াদির হাবা রাজাক দিয়া ও আময়াণনাটি হ√আছে কৰিয়া বংট কাল্যাপন কবিড। বুজি বুছিত ও দেই বৃ.ত জনে, স্মৰ্পণ কবিয়া অধিক হি, এই কাঁথি বিভাগত ত্রিশ ক্রোণ পরি ৷ মাণ ভূমির মধ্যে অভান বার্কি প্রচ্য লক ! है।का शव (१६८ हेव कः न बहेल । विदर्भ व " लिय द्रभूक्षी कलवन काम निष्ये इत्रेवाटक कामान्दिशत প্ৰব্যেষ্ট এন্টেমীয় প্ৰভাৱ সেই জীবনোপায় লবণ পোস্তান এককারে বহিত করিয়াছেন কেছ মধেও জানিত নাবে লবপের কার্যারহিত इहेर्ट । यथम श्रद्धा के कथा कमा श्रम श्राह काश विश्वात् करव्यम माहै। यथम त्राल हे अक होर्ग ৰুশ্বচাৰীৰ পদ উটিয়া পেল ও ল'ব্ণিক ভূমি स्रमोशिवाक शब्द अला कहा इडेल ज्यान माधाव-(बह विदान सम्बन, इक्ष्यंत १ .न मा विक्त मा । মহাশয় ! একুলে কুড বদ্ধা সাহসিক মনুৰ্ জ फि विवस । रेश्मकिक धान्य ५ सबन वार्डी ड अरह শীয় মন্ত্রের কোন উপায়ই নাই। কেছ কোন বাৰিজ্য ব্যবসায় কি বিদেশ গ্ৰমন করিয়া কোন श्रकारत किंदू छेणार्कन क वटन अमेड मारा नाहे। **४ वस अदिनिष्टे अक्याज टेर्म, अरु धान, नक्टल** ध मीन्द्रनाभाग्न हरित्र, अवर धानः कर्षव कार्यक्र अक्टान अकाच चानुरक रहेत । विशव विशवि সন্দাদ সম্পদের সহায়ত। কবে, একথাটা আ ৰ্'যু কোথায় ৷ এক ব্ৰস্ব লবৰ পোকানের कार्यः वर्षेष्ठ इहेर्ड मा क्हेर्ड १२१४ मरनद श्चन विकाल जनशायन छ ३२१७ महन्द क्रमाद्रष्टित्व अक्षरमञ्ज कीवदमानाम् (प्रदे भरिन) र ক্ষিকাংশ ক্ষতি করিয়াছে। ভাহা অন্যান, य:नारभक्षा এই सङ्ख्या प्रत्न शत्मद्र भर्क कि পর্ব্যক্ত অনিষ্টকর সম্ভবন্ধ ব,জিমাত্রে অনায়াদে बुक्करफ भाहित्वम । अफ भूकी वर्षिय कारिका छ क्रमञ्जावतम् वद्गरः व्यक्तिक धामः क्रिन, अवश्याम বহুল সংক্রান্ত কোন স্থানের অর্ডেক ও কোন श्वात्मत्र कृष्टी द्वारम् द्वात्मय अवर्गम हेरेए मान रहेशाहित। गछ सर्दत्र ध्वतादृष्टि ७ शनः अत्य नाइ बिलास ७ इब्र. कि इ ब्राज्य मान २३म मा। व्यानि ना काम विहाद्ध अ ब्राव्य विष्ठ ११न । चन विना हाहा क्षति अमुविक हहेताहर, हावि विक स्वेट्ड बङ्ग्रहात्र व्यवन्यवन्ति मृद्रा नश्वाम । विद्यान्य, मध्याति व्यवस्य भूनियाद्यन । व्यक्ति

भा क्या गाई(एटड , क्याक्ट्रान वटन थाना वार्ष : সঞ্জিত ছিল, ভালা আনৰ বড় নাই। আবাৰ मङ्ग्रं छेलव चाङ्ग्रं चा, এই नमश्रं चानगर्तन्त्र रेका ला बहानरवृत्र वाल्या जानारवर छेपान ক্তিতেছেন। সুস্থানক মহাস্থা। ব্ৰন্ধ একেশের बन्न - त्रत्र पञ्चल ' लवल (९ फाने व । छर्त्रा-: **रेफ स्टेग्नोट्ड, फश्य कार मन**्त्रत क्षक, निर्माक र श्रकावरम्य भवर्षस्य के अदल्दनव (माटकव वित्र াক উচিত কাৰ্য্য ক বন্ধাকেন ? অসএৰ যে : (मट्म वहकालाव<sup>र</sup>ने लंदन (भारत)दन कार। ५० স্থা পিড ছিল, সেই সেই দেৰে প্ৰজ্ঞাবংসল গ্ৰ (म.डे श्रृप्ताञ्चल स्वत (भारतास्त्र क'र्र) श्रुव में अभिने के रेम्री किन वक्ती करून, नट्टर (में সেই দেশ উৎসম ছইবে সক্ষেত্ৰ নাই।

फेक मात्र हे अरक के चाकिएमत भूमी (मर) खानांत्र जीपुक वांतु मञ्जूष्टम न रिष्ठी महानरप्रत বছল আয়ালে কঁ।ভিতে গ্ৰথমেন্ট্ৰ সাহায্।কুছ একটা ইংবাজী ও বাললা বিদ্যালয় সংস্থাপত হয়। সাহাব উপস্থিতি পর্যাত্ত বিদ্যালয়টী ক্রমে **উत्रक्ति लाख क**विरक्तका लग्न (शास्त्रादन কাৰ্যা বন্ধ ৰওয়াতে সোৱেন্তাদার মহাপয়ের সেরে खाना वी अन शारम अब अब विन्यमहाँ अदन रमा নায় দীন বেশ ধাৰণ কবিয়াছিল, চাঁদাৰ অভাবে নামলা নিকাবিভাগটী উঠিয়া ব'য় भद्र व्यवसीचर उल्लाभ रम श्रीपुष्ट क जाउँदर मारहर मरहानम्र श्रृत्र दश्यरा को वि विकास्त्रव (ए शृष्टी माकिरकेर्पेर भग्नाक्ष रहे:न डेक्ट मरहान्स्य यदा विकास भूम श्रम दिल्ल का अप इत अव ধৌভাগ।ক্ৰমে শহ অৰ্থি প্ৰধান শিক্ষক পৰে জীয়ুক বাবু শিবনাস ভট্টাচার্য মহাশর নিয়ে। ब्रिड रुरेयारहर । हे न विश्वास शिक्षे अधी निक्र हास विषय अस्ति । स्था । अस्त्रा कि अस्थाने स **बिक्क महाबद्धाः प्राध्नमत्म विकाशकृति का**र् বলিলে হয়। খাসমংলের ডেপুটি কালেট> জীয়ক বাৰু বন্ধপ্ৰদাদ ঘোষ মহাৰয়েরও বিনা লয়জীৰ স্থানতা ও উন্নতি পক্ষে বিশেষ হয় कारक । की तरक केळ भहाजालर व कालमन मे **গ্রংশ বেন্য সমূচী ছতলশাল্লী হইত সম্পেছ নাই**। वयरन छे क रशक्षाभारनत विकार करनुरहे आर्थका কৰি যে বাজনা শিকাবেডাগ পূৰ্বিৎ সংস্থাপন का सा अभाग रव की छ व क्रिक करून।

खेलांत केल (**एल्डी मालिटिड मर्शक्स ह**ोमा সংগ্রহ কবিয়া গড চৈত্রগা: ,ববি কবাথ দীন দরিয়ারণক্ষে প্রতি দিন তপ্ত ল বিভারণ করিতে कामानी उल्न उ कह अस्य केरिया श्रान कतिरुद्ध। वनख (तार्श ७ व्हर्स विख्य म প্রাণ্ড্যাগ কবিডেছে : এতানে হৈমভিক : উত্তন ৶ঝিয়াছে। বোধ হয়, মাদের পর্যন্ত অরকষ্ট থাবিবে না

এक क्रम क 1. पष्ट शहिक।

--:::---

মান্যৰর স্তীযুক্ত দোমপ্রকাশ সন্পা মহাশয় নমীপের। ६ **३८व**का मोरसम्बद्ध বস্ত্রপ্রদায়িনী সভা :

মহাশর ' আ।ম ৭ ই ৬'এ বুধবার গড়বে মেৰেড ৮ বুএল এব নিশায় বস্থকট দেটি । খি হ'ল্ড কাৰে বাহাজে ও।হানা এক এক ন্ত্ৰ পার ভাইবায়ে রুডের প্রাটকার প্রচায় (अ) मरकाशन शूर्धक है। मरअपूर्व छात है এर्न केद्रियाङ्गाम, केस्टर्न हेन्हास अकटन यरप्र क्रुडकार्यः १ऐतारह । ३ म: कार्क्षिक <u>क</u>् मश्डेमी निवरम ७-२ थानि शवद्वाक वद्य वि বৰ কৰা হইব্লাছে। সম্পাদক মহাশ্র। আৰু ও সহারর পাঠকরর্গের জ্ঞাপনার্গ এই সভাতে টাকা জমা হইয়াছিল এবং যে যে বিষয়ে ব ব্যন্ন হইয়াছে, নিয়ে ভাষা লি এত হইছে প্রকাশ করিয়া চিরবাধিত কবিবেন:---

K-10-ষ্ট্রখরিদ ---₹9-44 3 6 1 হ**ন্ত বঙ ক**ৰিবাৰ **জন**ং হলিয়াক্রমুপ্রমন্ত্র ৩৬ का हिएवं हे ₹'n

3 354

अवर्भ हे ५०१ होका खामाव निकृते ভূল বন্ধ দিবাৰ উপযুক্ত দাইছে যা পাইছা ৰতাৰ সোকেল বিলেক কমিনীৰ সভা नी । के वानु । असम्बद्ध कहा वह 'बाइब्र क्टाउ ह কলয়াত শিনি ঐ সকল মুহাতে চণ্টল क. या कालाली दिलाय विश्वय मिन्द्रम् अक म হেব উপদুক্ত চাউল প্রধান ক্রিবেন। পরি াহারা কুপাপরবৃশ হইয়া এমত সং বি বাহায্যদান করিয়াছেন ক্ল**তজ্ঞ**ায়ে ওঁট भरक बहु बहु धमाबान आमान कानेट अहि डाँशनिगरक मर्स्यकारव सूची कबन ।

গড়বেডা

**ጓጓ**ቾች ፣

मगदक्षि ।

२० अकार्विकः

क्षीकीरवासहाम कवा नक्टनस्य अवाह

সভার ব্যাস্থ্রক

# মান্যবর **জীযুক্ত সেংম**গ্রহাশ সপাদক মহাশয় সমীপেয়ু।

बहाल्ड । (अभिनेश्वादः अञ्चलक हास्त्रक्ष বিষয় আমি কয়েকবার আশনার হেন্দ্র, প প্রধানিত করিয়াছি, ভাষা স্থারণ কা এ এংন भर्तक अरक्ष्म देशकिए १५। ११३ मार. स জাল মাসে এখানে চাবাল ৮০৫ বেব ৮ ট্র-रहेब्राक्रित । काश्वित याद्याय तथाद्य जेकान क , ५ (तव प्रक्रित छ ১১। १२ . ना व रङ्ग्ह **प**र ধিক হয় নাই , তাহাতে ভাবার ক কে মানেং १ किरम भर्ग छ दृष्टि भा १७११ एक स्वर्णन्यः মনে এড।ত আৰক্ষা জনিয়াছিল।কন্ত কা,শুক ৰাসেব ৮ ই ৪৯ হ এখানে একটা জুত্তি হও থ্রতে শংসার পকে বিভার উপবাব হ**ই**য়াছে এবং লোকের কাশকাও পুরুগত কর্ম তে । এবং नत्र अवादम व्यक्ति नाम, काप्रशासक्रम स टेडम জিকি ধানাও উত্যয়ণ কাৰেয়াড়ে। এপন এখ নে প্রতিন্দ্র ছবেলকে ধানা ও চাউলের দ্ব সস্থ। हिटाह अस्म कि १० ठ का ईक बाद म २५ अ हार्खिक भर्ग क अन्त्र ४०।४६ मिर्निय म**र**्गके ান্য ও চাউল অভিনয় *মূলক কইয়া*ছে। ।কৰে টাকার প্রভন চা<sup>ত্</sup>ৰ ২০ । ২২ সের এবং लि १ देव । १७ (त्रव शर्व । व्हेशहरू । किन्न आहे इनि अथन आही हुई नाई,२।১ किन काछव प्रवाधिकाल स्टॅटहर्ट्स । शहा रुक्केक कार्किक रिन्द्र सर्वाचे भागा अ हा दिल्द वाळाव मणा বিয়া এখানকার সাবারতেই হলে রুবীন জাক্রা ভৈ হইরাছেন। আগোনী পৌৰ এ যাথ মাধেত ব্যে আহে৷ কিছু সন্তা হইব'ৰ সম্পূৰ্ণ সম্বাৰনা बाट्ड : मात्रा अक्षेत्र स्वत्र स्वाहास्य हक् **र्मि इरे' छहे प**ानमन्त्र'न इ**रे**ट उटह अदः मारकत **५:८४३७ करमकार्टम २** १२ - हेटल्डर्ड : **गारिकेय (दक्षण प्रःच इ**हेबाक्किल खोहाद फ्रांनिक রিবর্ত হইরাচে। সকল দিন কখন খনান খায় া। "চক্রবং পরিবেউক্তের হ ধাতে সুধানিচ এ **কলই অগ**নীপ্রের ইক্ষা। পুলিবলৈত জাহার সাধ্য কিছুই নাট ভিনি মূলত নগো ভটিনাৰ রিছে**ও পারেন** এবং ক্ষা করিছেও গারেন।

মান্যবর জিযুক্ত সোমপ্রকাশ সভা (বক)। । মহশেষ সমীলেয়।

(4 - . 3 2 2 1

স্বিময় কিবেদল দিল্ল-

মহারাজা।ব্যক্ত প্রতিট্রাল্ডর বর্জ লালিপতি। স্বার আহাত দিন দিন মহত দল্ভ হট্-

(उद्भव । इंडियू: अ आनकार क्यांबककार्य আহ্রত্য দেবলৈবা ধর্মভার বে সমাচার প্রকাশ क्रेब्राक्सि, मशब्राज छार (४७ मण् **७ र**न मार ' ५ मा कार्कक च्याच अथ सामन मनाअरखन्न भर्दक्षण केवल १८३१. प्र ४०८मण काउप्राट्छन । ১৯৩৮ সংক্রে এবংনক ব সংক্রেডে বে পরিমারে वाका काम क्षेत्र रूप का काम वाका काम का वाका इंट्रेट्ड्र (अर् 10 11)द - श ीका क्ल बाबा मात्र চাউলেব ব্য হ: েওে। সন্ত্রত *আ*ডেপার। নমুমৰ সংযোগিলালৈ এই কাৰ্যালিক **२३त्रा ज्यानिटर्**डांबन अक्षर १ म व्यक्ति करत्रक*ें* টাকায় ছুইমৰ ক্ষেক্সের মাত্র বিভাগিত *११९७६६। जना* म. ५५) गण्त ४ वे सूर्य स्थाउ প্রাপ্ত **ষ্ট্রাড়ে।** ১৯ ছমিল। রত কালনা । তুমি वर्षमान ब्राह्मदश्यान । महत्त्रश्रष्टे वार्तिष्ट्रभ ব এরা বিশাতি ছিলে, বর্তমান মধারাজের জার ाय करन अध्य क्य क्वेट्र ला शतल। महाब्राटकर পৰ্ণত বাসই জনীয় ধনত্ব'নে শনি বন্ধপ হট वारकः अञ्चलन (शर्कि मन्न्नाक्ष प्रकृत्य ম:পনকাৰ মনোবাহ্য ও পুৰ্ব ছইল। ৩-এডাগ চেৰ এছকেশৰ গেল্ডেটেৰত বৰ্ষমান মহারাজেৰ व्यक्ति चेटनदा च कहे कि न्यामान क्ष छाटवत अहा ह মাৰ একবাৰ লেখনী ধাৰণ ফ্ৰিয়। খেদৰল অৰ ।শই বাধন তৎসমুদায়ের নিংশেষ চেষ্টা করুন।

यहानत ' काननार निकित्वीं नितानित ना-पर छाटन नक्षी निकेत्र स्टानित क्षेत्र नितानित हि। कामजीभाजा निर्वाभी हाति क्षेत्र मुगलमान क्षेत्री क्षेत्राचा कामनीत अनक्ष चर्गमान (लाएक छार्गदेव रहा। कर्त्व, छात्त्राच ग्रह्म निक्रि (ना-कानत्र।केन ना बनिवारे हर्ष्ट्रेश मक्षांत्र शरहे छेरात वथ माधन करत्। शास्त्रकारण शुनित्वत् (लाएक छिनकारक ध्राक्षांत्र कवित्राहः। क्ष्क्रम् भगादेशाहित गर्फकार भाव्यात्र ध्रात्र धरा भिज्ञा क्ष्यानकार (क्ष्मचानात्र क्ष्म चारहः। मक्रावहे काम श्रीयांत करित्राहः। विहाद बाहा हम् भर्ति निवित्र।

কালনা ) ক্স্যুটিং জনস্য ২৮ কার্ডিক

### मूना कार्ति ।

শ্রীণ জ বাবু নবসিংহ দত্ত ব্যাহ্মগর ১০৭০ বা, ইক হইজে ধাণ ১০৮৬ সেপ্টেম্বর হইজে ধাণ ১০৮৬ সংস্টেম্বর হইজে ধাণিবায়ক ১০

শ রামগ্রতি ন্যাপ্তরের ব**হরসপুর** ১৫

৯ - ৯ ক্ষেত্রনাথ চট্টোপাধ্যার ১০৭৩ বর্মধারণ হটটেড মাধ্

-:::-

শের।

# সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

জন্মিম মূল্য ও ভাক ম'ফুল না পাইলৈ মধ বলে সোমপ্রকাল প্রেরণ কবা বায় না।

ইবার জানির মূল্য বাধিক ১০ এবং শাং বিক ৫।। টাবা, বক্বলে ডাকমাস্থল স্থের বার্নিক ১৬, বাং বাদিক ৭ এবং ক্রৈমাসিক ৩৬০।তন মাসের মূলের জানির মূল, লওয়া ব্যান বাহিত, বরাত চিটি, মানজর্তির, নোট, ও স্থান ইনিকট, ইবার জন্যভার বাংগতে বাংগর স্থানিক করে। তিনি সেই উপায় ধারা মূল্য প্রেরণ করি।
বন।

বাঁধারা স্টাম্পনিকট পাঠাইবেন, থা গাঁরা বেন এক অধ্বা আধ আনার অধিব ্ৰোধ ও রসালের টিক্টি প্রেরন না করেন

वयन विनि मक्षण इक्ट मामध्यात्मन्

मा भागित्वन, छादा यन द्विष्टिति कृतिक ब्री कि भावकानाथ विष्णाकृष्य वद नाम भागिकेह

যাঁহাছিগের মূল্য দিবার সমর অতীত হই।
নাসিবে, এক মাস পুর্কে তাহাদিগতে চিটি
নাগিয়া জানান বাইবে, কাল অতীত, হইরা
নালেও একবার চিটি লেখা হইবে, ভারার, গর
নাসকাল প্রতীক্ষা কবিয়া কাগজ। বার করা
বিইবে। শেষ বারের পত্র বেরারিও পাঠিক
হইবে।

যাতনা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেস্বের ভাক যরে চিঠি আইলে আমরা শীল্ল পাইব।

वंशित्रा बाक्ष्म ना विद्या गञ्जामि त्यत्रम कहि। त्वन, चार्शिक्षात्र त्यदे गञ्जामि त्यद्य कृत्रा याद्देव ना।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিজে ইক্ষণ করিলে ওঁ লাকে প্রথম জিনবার প্রতিপংক্তি ৮০ আনা ভাষণে পর ৴১০ আনা নিজে হইযে। যিনি অধিককাশ হিজাপন দিবার ইক্ষা করিবেন। ভাষাৰ সহিত বছত্র বন্ধোবক্ত ক্ইযে।

বঞ্জ এই পত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্ম নাতলা মেলওরেব সোনাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চাল্ডি-পোতার ক্রিণুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যার্থনের বাসতে মেতি সামবার প্রাক্তাকালে প্রকাশিত ব্যুব

# (मायश्रकार)

১ ব কাগ:

२ मर्था

# " प्रवर्त्तनां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरस्रती अतिमद्यती न दीयतां।"

मः जिक्र पुन्तः ३ होका, व्यक्तिम वर्षिक ३० } नन ३२१७। ३२ व्यक्तिम । ३৮७७। २७ व्यक्तिम টাকা অধিৰ যাণ্যাসিক ধা টাকা।

মকসলে মাস্ত্রসমেত অঞ্চিম বাধি টাকা যাণ্যাসিক ৭, ও জৈমাসিব

# বিজ্ঞাপন।

वेके देखिया दबलक्षरम । विद्रमंब क्षेत्रराष्ट्र हिरानंद्र हिंकीहे अकन रावका रहेएक श्रमक हरूदि ।

সর্ক সাধারণের সজোবার্ধ এডধারা প্রকাশ করা যাইডেছে বে, বাহারা বালীয় রবে রেল পর্যে বিশেষরূপে অমণ করিবার অভিলাম করেম, প্রর্কে বিজ্ঞাপর দেওরা হইয়াছে ) ভা**হারিসকে** आगामी ১৮७१ चृष्टीरभद (क्षञ्जन्नावि मारमव শেষ পর্বান্ত মাসিক টিকিট হার্ডা **ইর্টেস**ম হইতে প্রদত্ত হুইবে · দেই টিকীটগারিগণ আপনা দিগের ইক্ট্রান্সারে উত্তর পশ্চিম প্রেদীয় সমূ **৮'র-ভুগুনিভ মনোরম এবং আকর্চ্য স্থান সকল,** দর্শন করিতে পারিবেন এবং নিমুলিখিড স্থান সকলের সর্ব্যক্ত হা বে স্থানে ইক্ষা হয়, তথায় भवब ७ छवा इहेए अङ्ग्रियन पूर्वक निक निक ভ্ৰম সমাপন করিতে সক্ষ হইবেন। ঐ সকল स्थातिक नाम अहे---

> भूरकत्र । योकीशुह्र। বারাণসী ছুবার। মূজাপুর व्यक्तास्ताम । কানপুর। ব্দারা नाक्षित्रायाम् अवर विसी !

केक क्षकां श्राक्तिक विरूप सम्बद्ध म পের ভাড়ার হার।

3 ध्रथम (व्यनी ২ ছিডীয় ঐ

५२० होका ।

4. A

বিশেষ জমণের টিকীট সকলের ভাত্যুর হার উপরে লিখিত হইল, আবো-হিগান বাদি ঐ হাবের উপর শতক্ষা ২-টাকার হিসাবে অণিক প্রদান করেন, তবে স্ফার উত্তর পূর্বা বিভাগের বর্তমান পাহাবা এই বিজ্ঞাপনের লিখিত নিয়ম অপেলা ' ইংরাজী বামলা ও বাদলা ছাত্রহৃতির গ অভিত্রিক্ত আর ছই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট সকল ব্রাণামী ভিসেম্বর মাসের ১৭, ১৮, ১৯ ৰংবহাৰ কবিতে পারিবেন অন্নান্ধানা रेट्डेम्टनल जेक्कम 'मग्रुटम हिक्कि भारत्या करेटन।

याँहोत्रा कामिट्ड हेम्हा करतम, हीहात्रा श्वका **ইস্টেসনের মেণুটা ট্রা**ফিক মেনেজর সাহেথের। निकंड चार्टकन कविरावह नमूराय व्यवशक स्टेएक পারিকেন :

সিসিল কিফেশন

বোড অব একেনী , ইষ্ট ইন্ডিয়া বেলএয়ে হৌস कमिकाका ५৮७५। ७५ अ घरहे।वत् ।

#### বিজ্ঞাপন।

अभिवृक्त वाबु बरमान्नानिमान ताप्र अशीख '' জন্নবন্ধী ' নামে এক অধ্যুৎসৃষ্ট অভিনয বালালা কাব্য বিক্রয়ার্থ প্রস্তুত আছে। ইহাতে স্চরাচর প্রচলিত চল ব্যতীত, কভিপয় ফুডন ছম্মও সমিবেশিত হইয়াছে। ইহাব সূত্রা এক টাকা, এডলভীভ বিদেশীয় প্রাহকদিগকে इह जानात जाकशासन शांत्रीहरू स्ट्रेंस् এহণাজিলাধী মহালয়েবা কলিকাতা বেখিডুল মিদন কালেজে অথবা নিম্নিখিত স্থানে আমাৰ विकृषे अञ्चनश्राम कवित्त शाहेर अशिद्रवन । কলিকাডা, ভূকেৰ জীট নং ১e

## বিজ্ঞাপন।

এডখারা দর্ম দাধাবণকে জ্ঞাড করা ২০ এ গৃহীত হুইবে।

যে যে পুস্তকে ইংরাজী বাল্লা ছাত্র উপরি উক্ত বিষয়ের অন্যান্য বিষয়ে পরীক্ষা হইবে, ভাষা নিয়ে লিখিত চইলং इंश्वाकी । চারুপাঠ ২য় স্থাগ হইছে : **जोए७ महत्र महत्र** विषयः

বাদ করিভেত্ইবে। উহার भद्रीकार्थी विद्याद हेर जञ्ज्ञान कविवाद कन्य इरब्राजी वहाकवटन बुरश বৰ্ণ শুদ্ধ করিয়া লিখিবার তার পরীক্ষা হইবে।

२ व ' ३९ ब्राजी भना ७ शनः १३८७ वः ঘটিত শব্দের বুংংপত্তির ও বাক্য বিনয়কে: দেওয়া বাইবে।

**अन्ता** ।

শ্যারীচরণ সরকারের পঞ্চ পাঠ্যপুত্তকের ৪ ব অধ মন্য কইতে বাদলা অনুষ व्य**ा १५७ मा १६८व**ा - বারা প**রীকাথীদিগের** লাতে অন্ত্ৰাদ কবিবার : ও वाक्ता वतक्रात कृ ও বর্গ শুব্ধ করিয়। লিটি পটভার **পরীকা** হইবে।

পাটাগণিত। গুরু জ্বৈরাশিক।

**ক্ষেত্রতন্ত্র এই কিন্তের এই ক্ষ**েব পুথিবীৰ চারিখণ্ডের বিশে ভূগোল। ভাবতবর্ধের সাধারণ বিক

भद्रीकः श्रीमिश्वक छात्रख्यस्त्रं न अवरा किश्वन्दरभन्न नक्ना कन्निएउ (मक्क्षा यां

मार्गम्त्राम मोट्स्वकु उ वक्रस्तरमञ् ই,ডিহাস। इंटिइ**टिन**व ১० मन क्रमाटसब नए ১०० शृक्षीय मनः कहेर्ड । প্ৰন্ন দেওয়া ঘাইৰে :

াখ : প্ৰীক্ষাত্ৰ ল'ব দিবাৰ সময়ে হস্ত লিপি-বিবেচনা হইকে

৫ম এই গ্ৰীফাও ব'কলা ছাত্ৰিটা क ११ डे किरमध्दर **का ४८ ४ डेट्टा अड**ट्टर । াদদেৰ বজেৰ পৰ জ্ল খুলিকামাত্ৰ পৰি'-⊬পকে আবাপৰ আবেৰ নাম কাৰীর েপুট স্প<sup>ক্ষ</sup>বের মিত্রই সিধিয়া পাঠাইতে *হ*গবে। िस्टिनवरनत् शत काहावत्र कारवस्त अ<sup>तिक</sup>ः श**्टेरव ६६। ज्यारवहत घर**ना निद्र स्वीता ८० २ लि कि चिद्र 'म**टल हरे**दर' -

- (১) পरीकार्तिक नाम ।
- ং : ত'গর পিডাব নাম :
- (७) वामकार ।
- (৪) ব্যস্থ
- (৫) ধর্ম। যাদ হিন্দু হয়, তবে জাতি।
- (७) (२ विकास्टर अर्ध्यम कवित्राटः)
- (५) हाळ्ड्रीय प्रश्न कडिया (य विश्रीनर्श

য়ে**ত ইচ্ছা কা**ৰ।

🕝) বে স্থানে পরীক্ষা নিবে :

দেৰ প্ৰাক্তঃকালে যে ব্যক্তির প্ৰ'ড কী আৰায় वान छात्र बाकिरन, उँ।हाटक र होका की ন কহিবে।

১৮৬৬ অনের শক্ষণা ছাত্রবৃত্তির পরীকার

পু স্কা

কৃতীয়ন্তাগ চাৰণাঠ এবং ! সা,∌ভো। 5111

বনকরণ বং চারপাঠ ভূতীয় र १कदर, ভাগ হই: उ জাতলিখন।

ख्यान्ख्यर्गद्र हे जिल्लाम्ब अवस \$:@\$\*r .

%दिवेत्र । तेष्ठ ७व विद्**ष्य** हः Pinia i 'करमञ्जदार : माधावन विववस्थव '

> শ্ব্লৈ হঙ্গৰ, এতছিল পরী क्षाविकिः। क भावस्वर्गत अभुशास अवश कियुवश**्त**स

नकः कविएउ (५७ष्ट्रा साहे द्व ।

लाकुष्टकृत्वाम । द्रारणक्रमातिक चाकु**ण्ड**-

স,মান্ত দশ্মিকভগাংশ ाजियां १७३। कुर्भीक कावनाव अवर इंड

इ.क. ७ वतपूर्ण । কথের হ কী ক্রমত। ইউদ্লিডের প্রথম অধ্যার।

भी क्षरन कतिवात बना एवं वास्तित देशन ভাব থাকিবে প্ৰীকাৰ্বিদিগকে পত্নীকার প্ৰথম দিবস প্রাতঃকালে ভাঁহার হক্তে ১ টাকা ফী প্রদান ক বডে ফইবে এবং পুর্ফোক্ত অষ্ট্রম নিয়-মাধুসাবে ডেপুটী ইম্পেইরের নিকট আআমার লিখিরা চ্যোৎসবের বান্ধের অব,বহিত প্রেই चार्यम्म कतिएक ध्रेरव ,

> ই, 🗑, পোর্টর : উত্তর পূর্ম বিভাগের জ্বল ইনস্পেটর।

#### বিদ্যাপন ৷

'' রুফলে কি না ? শ নাবে একথানি প্রছমন সাত্র ভ মুদ্রিজ চইয়া বড়বালাবের ১৭২ সংখ্,ক ৬ নিছেপ প্রেসে বিক্য়ার্থ প্রস্তুত আছে। মূল 🖟 বিক্রয় হটবেক। ১ এক টাকা মার।

० नी मरवहर । ३० **७७** ।

### বিজ্ঞাপন।

#### কপ:লকুগুল:

भ्री कुछ व'तू व समहस्य हरश्रामामतात्र अनी ह উঞ্জাঃ দুদ্রিত হইরা কলিমণত সংক্রন্ত ব্যন্ত্রের ৬ ট । পরীকার্বির: পরীকা দিবাব প্রথম | পুস্কালয়ে বিক্রাপ স্থাপিত আছে।

मुन्ता ३ ≗क हे:कार।

#### বিজ্ঞাপন ৷

वनाशक के 'शामी (वन्तानस्मय स्थान विक्-ফের পদ আপাত ডঃ ভিন ম'দেব নিমিত খুন, , **ই≷য়'ছে। ঐ পদেব মানিক বেডন ৭০ টাকা।**। কলিকাড। লালবাঞার ) जीवायमान नरमः,। किन्म व्टान २५ अ महस्व

#### বিজ্ঞাপন ৷

ভিন্থানি কাপানিব কান্ত চুব গিয়াছে : क्षर प्रकार रेप रहर । एक का स्वास्त्र होते । काह्य नदरमचे ४०००.

8 र अंद ५२ ४ वर्ग १ वर्ग १ वर्ग १ वर्ग কোৰ প্ৰফে ট ১০০০,

**८००% वर ६२०२ वर ७३ ज वार्क ३४०७**। কোৰ পর্যে উ 👀

জীৱাৰ পালিড কলিকাডা ৰ স্বাচার, রাভার २ ४। खब्रधः ५० कार्रेसः । 32931

বিজ্ঞাপন ৷

ভূমি সম্পত্তি এবং নীলকুটি বিজ্ঞান্তের বিজ্ঞাপন।

কুঠি মোলাহাটী কলারবেব অন্তর্গত কৃঠি ক্সপুৰ ডিবিজৰ আগামী ও ডিসেম্বর সোমবার ও ভংশর পব দিবসে প্রকাশঃ নিলামে কুঠি মোনা হাসী যোকাম বিক্রয় হইবেক।

উক্ত ডিবিক্তনেব্র সাহিল ডিছি উলাপীর ২৯ মৌজা, ৩৫ ডিছি মোলাকাচভাৰ ২৬ মৌলাভিটি বাগজাচভার ১৮ মৌলা, ডিছি সামটা পিপড়াগাড়ি ১৭ মোজা, ভিট্ চলিড। বাছিকার ও মৌলা, ভরক বেনাপোলের ্ त्यां था ७ ज्ञारत्रमकासन विकास हो। २ त्यां आसू এবং ৯ নয়টা নীলকুটিও অন্তর্গত পাটাই কমী व क्षां उ व पदिना वृद्धि छ सनका ईडानि

প্রতিদিন দিব। ছুই প্রছরের সময় নিলাম আরম্ভ হইবেক বিশ্রুধের নিয়ম এবং জলরাপর ভান্ত নিমেৰ লিখিত সাক্ষরকারীৰ নিক্ট পা বয়া স্বাইবেক।

> 🔊 যুক্ত মেং জার্ডি, ভিল লাছেব : কুঠি যোলাহাটী বন বামের ভাক ঠিকামা ৷

#### বিজ্ঞাপন।

মিমুখনিশামার গলি ১৫ নম্ব বালীতে মংপ্র নীক ও মংপ্রচারিত নিমুলিখিত পুস্তক্তলি বিক্লয় কইডেডে --

द्धरी उ	45
এীসই,ডিহাস ১ট	1₹:
বে!মইডিহাস ১	*
ভূষণসার বংকিরণ	1.
নীভিবার (১ ম লাগ )	J.
নীতিসার (২ র ভাগ ) প্রচাবিত।	ŋ,
মুখবোধ ব্যাবরণ	4.
🖺 ধাৰকানাথ পৰ্মাঃ	1

#### সোমপ্রকাশ। ১२ हे व्यक्षश्रंत्रन (मामदात्र ।

**बियुक्त बादू मटनाटमाहन टवाव क्लि-**কাতার উপনীত ছইয়াছেন। পাঠকগ-মের নিকটে ইছার সূতন পরিচয় দিতে **इदे**र्थ ना । मिथिन मर्दिम क्षिम्बर्द्रद्रत १ अरमरनंत्र द्यांक रव व्यनात्र कतितारहरू,

ইনি তাহার মুর্তিমান প্রমাণ। ইনি । অসুখিত করা চ্ইরাছে, এবং এতযুগক বাবিষ্টর পথে অধিকার লাভ কবিষা আসিয়াছেন। আমরা সোমপ্রকাশের व्यर्थ करत्रक शशक्ति प्रांत्रा डीहात पाछि नक्त क्रिलांब, (प्रामंत नक्तरक अ अपू. বোহ করিতেছি, কোন অভিনম্দন চিছু , প্রদান করিয়া উাহার ও তৎপণাবলয়ী ব্যক্তিদিগের উৎসাহ বর্জন করুন : মনো-মোহন বাবুর প্রতিও এক অসুবোধ এই, তিনি ইংলতে বাদ করিয়া ইংরাজদি-श्रत चरमभानुवार्शव मिद्रिणम श्रीहरुम থাপ্ত চ্ট্য়াডেন সম্পেহ নাই, অতএব যদি তিনি অধিকাংশ কিন্দুযুবকের महान क्वल देश्वामित्शव मायानुकत्ता শিকিত না ইইয়া গুণের অব্কবণে শিক্ষিত হইয়া খাকেন, দেশের যাবতীয় কল্যাণকর কার্যো অগ্রেসর হইয়া স্বদেশা-युवारभत शहिष्ठश्च क्षणान कब्रन ।

--:0:--টাইম্স পজে লিখিত হইয়াছে, ইংল তেব বিস্তব লোক লগুনের লার্ড মেব रित निकरणे शिक्षा छोरछवर्षत इर्डिक পীড়িতের সহায়তাৰ জন্য টাকা দিতে-(इन। घटनटक काटक टोका व्यवस्थित। য়াছেন। কিন্ত লার্ড মেয়র এই টাকা প্রত্যর্পণ করিবেন। তাঁহার সংক্ষার क्षांच्यारह, लार्ड क्लान्दात्र वात्र करवीय शवर्गामण्डेक भद्रकाती धनात्रात इहेटक যে টাকা দিতে বলিয়াছেন, ভাৰাই প-या । श्र इहेरत । नमस्त्र कहे माहाया भाहरण

অনিক্ষানিৰক্ষন এদেশীয়দিগকে কত নাতি মানকাবাৰাসভাতে উত্তাদি, কিন্ত একটা বিশেষ গুণ এই যে যক্তিই

কত অনিষ্ট হইবার সন্তাবনা আছে। कार्डे मार्ट्स्य विमिन्नार्ट्स्स • देश्हार्ट्स्या অহকার করিয়া ভ্রম বশত; যাহ৷ বলুন না কেন ভারতবর্ষীয়েরা দেশীয় রাজ भटनेत्र त्रांकाञ्च खाल काटमन ।" (च्लाकटडेडेत वटलन " खारखबरीहिन्दिशंत भौमन मद्रास উচ্চপদ লাভের পথ **दश्च क**র। অসংখা-रमत अक्षी अभाग कात्रग। व्यामानिरमत भागरनत अरे १९५० जत (मार प्राप्त) বিজোহেও সংখোধন করিতে শিখিলাম না, একণে যে সকল যুদ্ধপ্রিয় কাতি আমাদিগের দেনাদলে প্রবেশ করিভেছে আইন অসুবারে তাহারা অধ্যক্ষতা পদ পাইতে পারে নাঃ কুমারসিংত্র নায় ल्कारकता निव्य निव्य (मनामरणत व्यर्क्तक व्यापन व्यापन क्यीमारी स्ट्रेट मः अह করিতে পাবেন, তথাপি ইহাঁবা আপন শাপন রেজিমেটে এনদাইনের পদ্ও भाग मा, देशां निगरक देश तर्भत अक्षी विश्व खाम स्थाप स् एता " आरमभीरवाता अक्वारका अहे व्यक्ति । हात शत जामानि चिटित। कोक्ष ভের প্রতিবাদ করিয়া থাকেন, কিন্তু। আইনের ৬১ ধারায় নিনীত হইয়া भवर्गस्य विषय विषय इहेगा आहित। अभवाद्य अभवादी अभवादी किवल अदि

অপাও শানীরেক ৮৪ :

অতএব তাহা লইয়া কুটিল ভৰ্ক হইবার। প্রভৃতি বিক্রীভ কবিয়া অবিমানা অ সভাবনা অপ্পা। কিন্তু সম্প্রতি ২৪ প্র-! করিবেন। দওবিধির ১০ ধারার স গ্রবর্ণমেন্টের ফ্রতি হইত না। এছলে গণার মাজিট্রেটের বিচারাল্যে একটা কৌজনারী আইনের ৬১ ধারার বি আমরা একটা কথা কহিয়া রাখিতেছি, ওক্তর তর্ক উপস্থিত হইয়াছে। আমবা বিরোধ দৃষ্ট হইতেছে। জবিমানানা ছার্ডিকানিবছান ক্ষতি মূল করিয়া যদি। বিচাৰপতি, ব্যবহারাজীব ও বাবস্থাপক । নিয়াদ ধাটা হউক আরে না হওক বি ইনক্ষটাক্স করা হয়, অন্যায় করা হইবে ৷ ুদিগকে এ বিষয়ে মনোযোগী হউতে বিলয় ছয় বংগরের মধ্যে টাকা অ অনুরোগ করিতেছি। ৬৭ ধারাতে লি- ; করিতে পারিবেন, **অনে**ক বিচার বাঁহারা মহীত্রে প্রত্যর্পণ ও এদেশীয় । বিত আছে বে অপরাধে কেবল অর্থ । এইরূপ নিদ্ধান্ত করিয়াছেন । এই নিগকে উচ্চপদ দানে অনিস্কু, তাঁহাবা ্দত্তেব বিধি আছে, তাহাতে যদি করি । সারে হতভাগ্য অপরাধী মিয়াদ খার্গি নিয়োজ্ত ছুটা বাকো এক বার কর্ণতি মানা আখায়না হয়, ৫০টা বার নীচে হইলে । ফ্রিয়াস্ত হইতেছে। ইদানীস্তন ব্য कतिहा वि दिस्ता कतिहा पिथितिन, अरे हुई माम, এবং এक শত টাকার মূল স্ইলে । দকল যুক্তিমূলক। বিশেষতঃ দণ্ডবি

एवं मारमत छर्क कात्राप्त वहरत ना थात्रात्र चार्ट कतियांना विटल चथरा দারা সম্পত্তি প্রভৃতি বিক্লন্ন কবিয়া भानाम रहेटन मिन्नान स्हेटव मा। थाताम निर्कातिक रहेबाट किंदू मिशान बार्धिश वनि व्यवनिके हेकि। क्ट्रमी मूक स्टेट्व। त्वांथ कह, धव क्तित ५०० होका पक्ष व्हेन, त्म पिट পারিরা চারি মাদের জন্য জেলে এ बक मान भट्ट एपि तम १६ छ।का আইন অসুধারে মুক্ত হইবে। হুই পরে ৫০, এবং তিন মাদ পরে ২৫ দিলেও ভাহার প্রতি ঐ প্রকার স্ম धर्मार्भंड स्टेर्ट । यह करवक्षी পাঠ করিলে স্পষ্ট : তীয়মান হয়, : माना ना क्रिल व मिश्रोक बार्टिट ভারতেই ভারার পরিশোধ হইনা ব शकांत्रद्ध ५० शांदांत्र काट्स, ५७१ পা জরিমানা সম্পূণ অথবা ত व्यशक विद्या मानिएड मार्श खारा जातात कतिएड इरेटव, হুইবাৰ বিধি আছে, ভালতে জৰিয পরিবর্তে মিয়াদের আজ্ঞা হউক না দওবিধির ধাৰাও লৈ অক্ট নয়, বিচাৰপতি আইন অনুসাবে সং

ভাত ৷ এতদৰুসারে ব্যবস্থাপক-ব 'সভিপ্রাধবি' বচ**ন। করিলে নিঃসন্দি** পে প্রভীরমান হইবে, জ্বিমানার ব্রকে মিন্দ থাটি**লে ভাহার পরি**-य हहेता। त्वाथ कत्र, अक वास्ति काल কিল পৰিশ্ৰম কবিল, ভাছাৰ পরি ম যে যে অৰ্থ উপাজিলত চইল, তাহা নীব ধনাগাড্ভ ভ **চইল,** সেকারা-থাকিয়া আপনি সাধীন পৰিতাম ায় উপাৰ্ক্স কৰিতে পাৰিল না। দ। দুরে মিরাদেশ যশুণ ভোগ হটল. ক্রেৰও ক্তি চইল, আবার ভাষাব বি বিক্রয় কৰা কি নাায়া*রু*গাত হ**ই**তে র ০ ১৯ ধারাৰ অর্থ এই, জবিমানার অংশ বেওয়া না হইবে, তল্লিমিড বাহিংকে কাৰাগালৈ থাকিতে হইৰে : আংশিক জরিমানা দিয়া মুক্তিলাভ তাহা হটাল অবশিক্ত অংশ কিছু ই প্রাপঃ কইতে পারে না। ভবে e কেছ এই তৰ্ক করিবেন **অ**ধিমানাব বেমিয়াদ হয়, সে কেবল জাপৰা **ক আ**টিক করা মাত্র**. ম**র্থাথ টাঙাব তক্ত স্বরুগ অপরাধীর সংগীর ক্লডু । इत्र । नीत काहेश्यद व छेरक्ता *5*, ডাছা হ<sup>ু</sup>ে'৷ এক মাণ মিয়াদ খা-!৭৫ টাকাদি: মৃত হওয়া আমাইন **দ্ধ হইত সং**লংগাই। ১০০ টাবার समि चाउँ र करा जार्थर्या इस. २०१ ोत कामा ना इन क्या १ २९ भरतानाप्त **इक्** डेब्सिड रहेगाए**ड**, श्रवान्डम विहा য়ে ভাহাৰ সীমাংসা *হইবে সন্*দেহ । এ বিষয়ের একটা চুড়ার সিদ্ধার , া একান্ত আৰশ্যক। যদি প্ৰধানতম ারাশ্রের বিচাবে মিয়াবের পরও **मांनाह मांग्र शाहक, खाहा हहें हुन** । হাপক সভার হস্তক্ষেপের *ত*েশ্লেন । কারণ, এক ব্যক্তির এক প্রপরায়ে ব্ধ দণ্ড হওৱাই সঙ্গ । কিন্তু ভাত্ৰি ধে পতি সহাক শে বুডি সিদাহ্বনং ৷

व्ययम्, कार्तावाम। श्रेष्ठारः, कार्तावामानवः ন্ধন তাহাৰ অলাভকর পরিপ্রম ও মিজের উপার্জনরোধ। ভৃতীয়, তাহার সম্পত্তি नान । आहेरनद कथन बद्धा पुर्क्तिकृष डेक्समा इंस्टि शाद ना।

## रुके <del>के</del> वा

সম্প্র ইংলগ্রীয় স্পেক্টেটর প্র আক্ষেপ কৰিয়াছেন, ভারতবরীয় গ্রণ-্নেটো বাজনীতিছ্য বৎসরাজে পরি-বর্তিত হইতে আরম্ভ চইয়া**ছে। জন ব**ৎ-দর পুর্বের লার্ড কানিড এতকেশীয়ারাজা-विश्वटर प्रवेश धाइटवर जनम् अवस्य **क**-विद्या म्लाको कत्व वत्त्रम्य सङ दिन छ। हाना বাদ্ধীর প্রতিভ অনুরক্ত থাকিবেন, ওত দিন আপন আপন বাজ্যের স্থায়িত্বের কিঃদংশ অগুলীত রহিল, ভাছা পুর্বতন क्षमा और मिनादक विश्वा कडिटक स्टेटर , विम्छू तोक वश्मीत अक वानकटक स्वित्रा না ৷ কিন্তু মহীত্তের বিষয়ে কার্যাতঃ ' হইল। তংকালে বেস্থালিপত্র হয়, ভাচাতে এই अजीकात अञ्च कहा वहेटल्टा । तांका वहेन्न न तांका आहेल, एक निव हक्त पूर्यः नखरकारम कतिशारहर, कि**श्व शवन्यके** ৰাজ্য শা্দন সহস্যে তাঁহাকে অধিকার প্র-দান করিতেছেন্না। স্পেকটেটর হিন্তুলাস্ত্র ও ফিল্ডুলগের ব্যবহারের কোন প্রালক নাক্রিনা দামান্ত, এই নাজ কহিয়া ८इ.५, भश्चित श्रुतः अमान कडा कर्छना, ইঃ না করিলে রাজনীতিনিকুদ্ধ কাজ हरेटव. धवर चाइजबर्वीय आवनन भवन-মেণ্টের প্রতি অবিখ্যান করিবেন। ভারত ৰধীয় দেকেটাবিৰ কৌশেলের অধি কাংশ সভঃ লাজার আনুকুল, মেক্র ইবাস বেল ছিডীয় বাব এক পুস্তক 'গ্ৰণ্মেটেৰ স্বাধীনতঃ থাবিৰে, তচ ध्यकाम क्षिया क्षिताल शिक्तिम किन मिक्क व्यवाह अधिक्त मर्थह नही। সাহেবের মত পণ্ডন করিবাছেন। পুরু- ইংলও, ফুাজাও ক্লিয়া জীলের স্বাধী-বোভাম মুকলিংটোর জুলা এতদেশীয় নতারকার দায়ী, হদি এই তিন গ্রণ-রাজগণেব নিত্র আর নাই। তিনি এই ; মেক্টের অন্যতরের লোপ হয়, তাহা উপলক্ষে এ॰ পুস্ত হ প্রচার করিয়া ह**ইলে অপরেরা কি রাজ। জর্ফের উত্ত** রাজার সংখ্তাকবিয়াছেন।

वहरक दाया कर्दा व्यवन दाकारक विक्रिंग गर्नरमध्येत य महक्त, औरमह

ক্ষেরা দেওয়া ডাচড, যাদ ইহার মীমাং সা व्यादभाक रह, व्याद्ध हुई विवरप्तत विद्य-চনাক্রা আৰিশ্যক। প্রথম, টিপুর পতন स्रेटन ১৭৯৯ व्यरकत २२ व क्रून एव मिक्स হয়, ভাষা রাজাব উত্তরাধিকারিদিলের পক্ষেত্ত ৰৰ্জিবে কি না ? দিতীয়, ব্ৰিটিশ भवर्गमण्डे भागन वालगारहत शल्य हरे-गरहन, चडबर महरुशहर्ते खश्चाहा क-রিয়া উভরাধিকারী নাই বলিধা রাজ্য আপনারা লইতে পারেন কি না ় টিপুর नहित्र धर्मन युद्ध हत्र, छ १ काटन माकि পাতের নিজাম, মহারাত্বীয়েরা ত্রিবা-ক্ষুত্র ও কোচিনের রাজা একত্রিত চ্ইয়া ছিলেন। যুদ্ধের শেষে ক্ষেত্রণ রাজ্যের অধিক কংশ ভাগ করিয়া লইলেন। দে গগনে থাকিবেন, তত দিন গাল; ও ভদীর উত্তরাধিকাবিগণ মহীপ্তরে রাজত্ব করিবেন। প্রিজেপ সাচ্ছেব এ বিবয়ে যে কথা ৰলেন, তাহা নি চাত্ত कक्शिश्कर, **এ**व∙् **স**ক্ষির विक्रका नाउं उत्तरनती বৰ্ত্তমান রাজাকে পদস্থ করেন। ত্রিটিশ গ্রণ্মেন্ট निकाम अ महाता द्वीरमता अक्वांका इनेता রাজ্যের প্রতিভূম্বরণ হন, তাঁহার শেৰেকৈ ব্যক্তিদিপের স্বাধীনতা লুগ্ৰ হইবাছে সভা, কিন্তু মত দিন ত্রিটাল । माधिकारी ना शांकिटन के त्रण श्रम् নহীত্র ভারতব্রীয় গ্রণ্মেটের করিছে গারিবেন ? মহীত্রের সহিত

महिन्द्र क्रक्षाकां की भवनंद्रमण ममुद्रक প্রায় দেই সম্বর। মাহার উত্তরামিকাণী ना थाकिटन जितिन भन्नियन रमहे हाका গ্রহণ করিবেন, এটা লার্ড ডেনহা উদির আর্থপরভাতুরিত ক্ষপোলক শিপত মত। काविदाहिनाम ১৮৫१ भ-আমার মর ব জের বিদ্রোচে ইহাব অনিটকাবিতা সপ্ৰমাণ এবং রাজ্জীৰ ঘোৰণাও লাভ कानिहा त्र मनम हेरात त्या कांत्रशाहाः विश्व देशक अश्वानकम विवासमध्य अक জন শ্ৰশীয় উদীল এক পুস্তক অকাশ कत्रिया এই मण्डत थंगन क्तिहार्ट्न। বর্ণাট ডে গহা ইশি वर्धन লাড়' महेबात अधिकावी स्म, ख्टलाटल मत ৰাৰ্শেস পিকক ভাষার মতে অসুমোদন करब्रम नाहै। मखक क्विन शही जाव निक मण्डेलिक काशकार्य हम, हाटकात कशि काती इस मा, की दिन्द्रभाष्ट्रत विक्रफ बाका। शिक्षां मोरहर ७ मत हातमम क्रांकमन श्रंकृष्ठि बर्तन, यथन महरू श्रह्न द्राक्षाटक कानाहेग्रा कतिएक रुव, उथन স্পাঠ বোধ হইতেছে, রাজা তাহা অ এ। হা করিতে পাবেন। কিন্তু ভাঁহার। বিস্মৃত হুইরাছেন, একণে ১৮৬০ অনেব ২৭ আইন অনুসারে উত্তরাধিকাবলক সম্পত্তির সাটিফিকেট লওয়া অর্থাৎ গবর্ণ (मकेटक डेक्टोल्न करतत चार्म विक्रिश (पश्या धारमाक । भवर्ग**मिट** कि मित्रा माहिक्टिक है सहैट एवं दिनता कि भारत्रक छेख्याधिकारित छाहात देश. ভূক বিষয় হইতে, বঞ্চিত করিতে পা বেন ু ঐ প্রকার পূর্ব্ধ হন সমাটদিগকে महक्काइर १३ में वाच निश्च किছू নজর দিতে হইত। কোন মোগল সমাট कि सक्क आइन विवास व्यवपाठि अकारण नवर्थ इडेब्राट्सन ? मज्यक्तारन द्यान ভন্নৰ তে পুত্ৰ রাজা হইলেও সম্রাটকে कामारेट हरेल, छाहा विलग्ना कि व्य ut= अर्जन्यके स्वयांगर्कक

একাশ করিয়া রাজ্য আপনারা এছণ करिएड शास्त्रव १

মতক্রাহণ সিম্ভ বা অসিম্ভ এটা কা क्का कथा नरहा जिल्लेभ शवर्गस्थ<sup>क</sup> বাজাব হইয়া প্ৰায় ৩৫ ৰংসর মহীপুর খাসন করিয়া আনিতেছেন। এই রাজ্য इंश्वाक क्यावादिविद्यार व्यश्वीत पाकिशा অনেক উন্নতিলাত করিয়াছে। বিশুব কাফিকৰ, ধণিক এভ্তি মহীপ্লবে ধাৰ कत्रिशाह्य । अहे मक्ताब चन्द्रवाद्य मही पुत्र अञ्जर्भन कठिन रहेता एकिंगाह्य। कर.क भाक देश्याक कमहानी अवारन শ্বর করিয়া থাইতেছেন। ধকা পোধানী मिल भाराणा यनि **यशिक इस मिथि**ङ পায়, ভাষার আবার যে গরু ফিবিয়া দি बाव देखा एव ना। अव्यत्न विद्वहना करा উচিত গ্ৰণ মণ্ট এ বিংয়ে कि नक्षित ? আমেরা গ্রণমেন্টের সহিত স্থীকার কবি তেছি যত দুর সম্পতি ও ফীংন রকা, वाशिका अ सम दृष्टि वदः भावि अ सूर्वि চারের আশা করা যায়, তাছবয়ে ত্রিটিশ भवन्तिक कडरकभीय द्राव्याप्रित्मक व्य-পেক। বহু গুণে শ্ৰেষ্ঠ। অবোধাা, নাগ পুৰ প্ৰভৃতিৰ একৰে যে উন্তিছইয়াছে দেশীয় রাজার অধীনে তাহা বদাচ হইত না। কিন্তু ত্রিটেশ গবর্গনেক এ যু ক্তিতে পর রাজ্য সহণ করিছে পাবেন না। এহা হইলে উচ্চদিগতে **পৃ**থি-दीत मधूनाय व्यन्तमान समुनाय कूप दाका হস্তগত ক্রিয়া লইতে হয়। বিশে ক্ষতা কেবল হত্যা ভয়ে দী ষতঃ এতদেশীয় রাজ্যে ভাষতব্যীয় । হইবা আছে। ভারতবর্ষের শংসং দিশের উন্নতির বে একটা পথ মুক্ত নীর বিষয়েও এই কথা বলা चारण, जिपिन भवर्गत्मतीह स्थीरन नारर, य सद्धा भवर्गमणेड াছা এককালে ক্রছ হটয়া যায়। স্পেক চাতী, কেবল উছিদিদের নিজের চেটর স্থার্থ কথাই ব্লিয়াছেন এই শয়তা ও প্রস্থার মানগিতত কারণে ভাবতবৰীয়েল পানীয় লাখন ও তাহার প্রতি আছি গ্রা প্রথাদীর বিশ্বলা দেশিয়াও ত্রিটিশ ক্ষতাকে সীমান্ত কলি বাংগি গ্ৰণ্নেটের অধীন চইতে চাহেন না। পৃথিবীতে যত যথেঞ্চানী সং অমত দেশের স্থাধীনতার ক্তিপুরণ কিছুতেই গালী আছে, ভাবতবর্ণ, শাসন

कतिएक शादत्र मा। अहे काहरन प ধ্যার সমুদায় পোক ইন্তিরেশরবল কিব আলীর জীর কন্য অবি নিকা करिद्राहितन ।

কলত: মহীকুৰ প্ৰভাৰ্পৰ কর र्ख्या। जिप्तिम अवर्गस्मेल धर्मनीस्त्र, ও দল্পি অসুদারে ইয়ার বিপরীত शेव क्तिएड शीर्वन ना। श्रामः। श्र দিত হইগাম ইংলতের যে ব্ৰুল क स्मित्र विषया महनात्याल विद्या थ ভাঁদারা প্রায় দকলেই একবাকের প্রের পক্ষ অবলম্বন করিয়াছেন ভারতবর্ণীয় গ্রণমে**ন্টের স্বন্ধুত অর্** প্রতিপালন ও মহীক্তরের কল্যাণ ব ধাকে, ভধায় এক জন উপযুক্ত ভেণ্ট রাখিয়া দিয়া ঐ রাজ্য প্র করুন। রেদিডেন্ট মব্রিস্বরূপ থ ब्राकारक मर भट्य लहेबा याहेदाब क्विर्वन। विटम्राट्ड शत्रु त ঘোৰণা ও শার্ড কানিডের সমন্দ , হর গৃহীত হয়, এজ: রাজগণ কোনজানে ব্রিটিশ গ্রণ্ বাক্যে বিস্থাদ করিবেন না।

भव्याति द्रापान क्यांग्र アウベライだらし

এক জন ফরালী পণ্ডিড র শাননপ্ৰালীয় এই ব্যাখ্যা কৰিছ যথেকচাচারিতা ইংরে মূল,

ांगा मकत्वत बत्यका डेश्क्रफें। कृत সেব সূদুৰ সভাত্ৰ দেশেও সংবাদ ত্ৰেৰ স্বাধীনতা নাই। অন্য কোন গৰ্ণ 🕴 মণ্ট প্ৰভাব মনোগত ভাব ও সংস্কা-িব প্রতি এত আছে। কবেন না। 'ড' ভেশহাডিদি কেবল উপেক্ষা করি हिल्लन, अक्षार कत्तव स्हेशाहित । ৮৭ অংকর থিড়োহ আফ্রিও স্বলেব ন ৰেলকণ্ডাগর্হ ২কিলছে। স্থা া ১৯ নয়য়ে অভাত প্ৰথমেটের কাজ তি অভি চন বাদ, ইংডে জাডি চদ ও বর্ণতেক নাই। কি এতকেশীর े: शकी मुक्त शर्<sub>थि</sub>य **कथा** भ्रत्य । কী স্থানকপে ভাৰণ করিয়া পাকেন। সুৰাদ ক নিৰোগ এই সহাশ্যতাৰ ফল। হু এবটা বি-য়ে প্রণামক্টের ভ্রুটি থ্ড ভ্টতেছে। আনং। ট্রাক অবি द विकास भिर्माण्य करियुक्त व्यक्ति स বৰ আনাদিৰেৰ বিশ্বাস আছে, গৰৰ ুক্তঃ গোচা: হউলেই ইহার সংশোধন বে। সংনিতা প্ৰিত যুক্তি ও ধ্য ভং বিরুদ্ধ কাজাই অবিচার ।

ल महना माधा जालगानिकान कार्य।

हान माणानकिनिश्च शाहका। मान्यान

हान माणानकिनिश्च हेशाव अक अक

हि बिनिट लारि शव हमारिके निर्माण

हि बिनिट लारि शव हमारिके निर्माण

न अवश्व हरेश हाश्च हमारिका अभि

रहमा किहिश आलगानिकात अहि

र वास्त कर्वन। आतमा जाहिमाशा
शिकिनिय महार कार्या मानविद्या

हि हेशा शहर । किछ अक विद्या

हि होशा शहर करा हरेटहर । हमारे।

हि होशा शहर करा हरेटहर । हमारे।

हि होशा हिन्दिम से हिन्दु । हमारे।

हि होशा शहर करा हरेटहर । हमारे।

हि होशा हिन्दु । हमारे।

কে আপেনাদিলেৰ শাসন হাবালী

'ভাবে তৰ্কীল ' ২ নে গ্ৰেপৰ (মেণ্ট i

নংক্রান্ত বাবতীর রিপোর্টগুলি প্রদান क्रिन ना। डेडांत कांत्र कि १ श्वर्गस्मे কি মনে কবেন, দেশীয় সমাচারপত্তেব পাঠকৰণ অধিক বিষয় জানিবার নিমিন্ত উरक्ष महत्र श्रामना व्यक्ति उत्तीहाति গেব চিত্ত নানা স্থানেৰ বুডায়ে কানিবাৰ নিমিত একান্ত কোতৃহলাক্রান্ত চ্ইরাছে। উত্তৰপশ্চিমাঞ্চল, পঞ্চাৰ, বোষাই, মা उत्तांक, अत्याक्षा, ताक्षश्रुव, उक्ताम्ब 🧸 🤝 তির কোথায় কি হইভেড়ে জানিবাৰ জন ভাঁহাদিগকৈ একাদ্ধ ব্যঞ্জ দেখিতে পাওয়া যায়। **যদি অভুগারন** করিয়া (मर्था य!:, न्या हे व्यक्तिश्वमान इंडेर्ट, बा क्या मभाषाहरू ज मन्यादकविश्वतक के दिद्वाष्ट्रिक्षां चार्यक्षाः महिद्दान्यः व्यापनाः । र्याहारा हे॰ बाक्षी आत्मन, जीहापि अर **षानक डेपांग आफ़, किन्छ वीहात्रा है**? राकी ভाताय यनचिक, बाजन: मःवान পত্র তাঁহাদিখের এক মাত্র গাত্র। অত <sup>9</sup>व दोचला सुमाहादल्ट्रात सम्भातक प्रमहरू यमि शक्षाविक दिएगाई और रहरूमः मः स्त्रः छ। व्यक्तित्व भाष्ठिकन्नवटक ञ्जिष्टिय अञ्जानाक्य कविया त्राचा ३३८६. থাজিও আমাদিগের দেশের অনেকের এট দংকাৰ আছে, ইংলতেশ্বী কেবল ज्ञाद करार्थित व्यर्थ (भाषण करियात करा এদেশ শাসন কবিতেছেন ব্রাথের জুল্য

स्था ना छोडा खोळिख सत्तर तृक्ति भाग निर्मा कहे खा दिन नाई। शाम की साम निरम्म कहे खा छ । तिस्न कि शिरा शिरा खा छ । तिस्न कि शिरा शिरा कि कि साम खा छ । तिस्न कि शिरा कि कि सिंग कि सिं

स्नोह भवन्यके ममुस्हत स्य मक्त तिरुपार्वे हेर्यको मन्त्राव्यकता श्रीष्ठ कन स्मिनीह मन्त्रावकित्रादक स्पन स्मिक्त स्वत्रा हहा।

# व्याधवाव सरवःद्रः।

व्याभवीत मत्रवाटवत्र ८भाग महेग्राटमः ভাৰতৰৰ্ষের ভিন্ন ভাৰ হইতে विश्वद त्राक्षः, मन्त्रात ও सभीतात अदः গবর্ণনেক্টের ভিন্ন ভিন্ন বিভাগের অনেক প্ৰধান কথাচাবী এই উপলক্ষে ভখা भवन कटत्रमः। व्याभिना व्यक्तित्र त्राह्म रं प्रथानी, मामिक्टान्ड मना व्यवस्थि ভকাৰ ক্ৰমণ: শ্ৰী শ্ৰাণ ক্টতে আরম हा। किन्छ ३० हे मदबन्नत व्यवस्थि ३৮ हे প্যান্ত এই শুক্ত তক্ত পুনৰ্কাৰ সুত্তন প্লৰে শোভিত হইয়াছিল। প্ৰায় এক লক লোক তথার সমধেত হইরাছিলেন। व्यक्तिता के क्या किन हेर्डे निर्धात शतिक्र न बजुशृह, व्यव, इस्त्री, नक्ट ଓ नाना वटनंद বসন ছারা এন্নি শোভিত ইইরাছিল যে এক জন উপযুক্ত চিত্রকর ভাবা কইতে এক পরম রম্পীর চিত্র প্রচণ করিতে लाबिट डम । ১० हे महबस्य वात समा वटात्रका व्यापनात (त्रलक्ष्ट्य (क्षेत्रस्य क्षेत्री ह स्य। नगरतत शास्त्रकारम स्य विकाश कारत भारम्, त्यहे भारत अववंत त्यापान अ गण।तान्द्रभेत **बळ्यूर महि**द्दिन् ठ इत्। পর দিবৰ গ্রপ্র ক্লেনরল ফ্পাণ্ডি ক্ষেক জ্বন পারিবদক্ষে মহারাজ নিজিয়া ভূপালের বেগম ৭ সোধপুরের রাভাব वाकः कानिवाह कनः (शहर करवस। बाक्शनक के व्यक्ति भिक्षीतात व्यक्ति ক্ৰিয়াছিলেন। তথ্পত্তে ছুই দিবস পোগ नीय मत्रवात इस। श्राटकाक मध्यात ३६ মিনিট পর্যান্ত গ্রণ্ড কেন্ত্রলের লহিত क्टबानक्यन क्रिया (बट्ट ब्याउर ख পাन नरेवा दिवाह स्त । शटलाक नमात्र ১৫ ও এটেড ক বছচর এক এক স্প্রেমারর

त्राक्कोत्र अफिनिश्टिक **छे** पटिनेकन मिश्न- } ছেন : স্বর্গজ প্রায় এক শত সর্দারের भागमन एवं। महाताल द्वालकार देनग পুষের রাজা ও রামপুবের নবাব গীড়িত थाताटक व्यानिटक शारतम नाह। १० हे এতদেশীর ও ইউরোপীয় যাবতীর প্রা-ধান লোক প্রবর্ণ ক্ষেন্যুলের প্রাথান चार्जार्थना शृष्ट भमन करवन। के चारनज উপরিভাগে একটা বৃহ্থ বিভান, মধ্যে নি•্ছাদন ও তহুপরি অর্থচিতচক্রাউপ ছিল ৷ উত্তর পাথে উচ্চল স্থান্তলমতিত चात्रान मध्यातभव, त्य्राचिनके भववंद्वता अ প্রধান দেনাপতি প্রভৃতি উপরেশন ক- (स्म ! मर्कादशक्ट उँक्लिश्वत निका निक श्रम सर्वातानुगाद्य अवनंत (क्रमव त्वय दामकार्श कान स्वतः इहेगाहितः খন, জন্য লোকেরা খাপন খাপন নাম ক্ষিত এক এক পত্ৰ প্ৰদান কৰেন, এডি क्ष डाँशिरिशव नाम शार्ठ वर्षन। ভাঁছাৰা এক দার দিয়া আনীত হইয়া অপর দ্বার দিয়া বিস্তিষ্ঠিত হন: তাঁকালা গ্রধর ক্ষেমরলকে এক একটা দেলাম ৰুবেন, আর গ্রপ্র জেনরল ক্রমাগত মস্তক কিঞ্ছিথ নত কবিয়া বাখিগছি (भन, काशांत्र महिन्द्र बाक्यांनाश कट्टन নাই। ক্সত: এ সকল দরবারে প্রায় এই क्षण्डे इन्हा थात्य। वित्मव शर्विष्ठ इहेरल बामनक्का इहे बक कथा कहिया পাকেন। কিন্তু উপস্থিত ভালে কিছু বি भार किन, मत सम नार्त्राम्मय व्यवसार्वशिष्टे ·· ই্রাজ্মিগের প্রভাব প্রদর্শন গ অভি খেত ছিল, সুভা! তিনি বহাবৰ এ ক ভাবে অব্ভান করিয়াছিলেন।

১६ हे रेमनाप्रियत निकारिनश्र्या व्यवर्षिक इत्र । १००० हे डेरहो भी व अ क-(मानीक रेमना अवर्गत (समत्राहक मणुर्थः) वर्गिष्ठि अ श्रकाम क्रियाहिन, श्रभान मिनाशिक निष्म व्यथाक्षाका कार्यन वर्र

একটা ডাম্লিক মুদ্ধ কয়। গোলন্দাল বহুতে গালেলোকিতাও গলবন্ধ । য়া দিগোর ক্ষিপ্রভান্ত পদা তক্দিগের ইত্তে টার্টা দিলেন। তথপরে গর্ণর গ্ৰন কে শিল ও অধাবোহিদিগের ভয় কেনরল িছুফানীতে এক বক্ত ভাক ব'্রিফ্রীড়া দর্শনে মনজেই স্বিশেষ বেল। যোধপুরের বাজাকে ভিনি ব'ল-मरश्चित्रवां छ करवन। कि के अरहा भी कि लाग । আপনি পুরিধীর মধ্যে অতি এতকেশীর বাব ভীয় দৈনিক পুরুষই সবি , প্রচৌন রা করংশোদ্ভর, আপোনার কেমন শেব রণনৈপুণা প্রদর্শন ববে। এতদে । কুলম্য্যাদা আছে, সেইরূপ রাজ্য শাসন শীয় রাজগণ পুরেই জানিতেন এবং বিষয়ে প্রাথান, চইলেই পদেব শোভা अथन ९ मिटिशन अहे मक्स रेमान र नि . इह सामात अ: बकाय अधिन। " यन कटें डैं। इंक्टिश्व व्यक्तिविक्ड रेमनाशन , यह किट्यीलव शक्ता महन्त्रीक्टक मार्टी (कान कारण व नरह। अडे कांशिक गुरुद्ध | धन कांद्रशा वका कहन, विरुद्धारहत अमरत क्राक्की इम्हेना च्हिशंह । वित्नम हिनि ७ डीइन अब्मी रक्ष्युक रेमन नन चारकरणेत विरय करे, करू कन कर्म १८०१ ही। शवगरमानी । अधिराम महायका कर्यन, মধানৰ হইবার সময়ে অশ্ব সহিত পতিত ; তাখাতে ইংলও ও ভাৰতেশ্বী সমুখ व्हेशा व्यानकाश क्रिशाटन। काभार्यन व्हेशा डीवाटक अव मधान क्रिट्डाइन। শব্দি কথেকটা কন্ত্ৰী ভয়ে পলায়ন কৰায়ত্ত ্পীৰ মাজ উত্ময়পে শাশন কৰিয়া তিনি कम्बारा दिन कम इक ७ अवि ३० छन वनकी इन, देहाई देश्या अविति । अवितर গুৰুত্বৰূপে আহত হট্মাছে।

১৫ ই গ্ৰণ্ড কেনরল প্রধান এগান राज्यानित्यर डेव्रिट विश्व डेक्किश्वर । শহিত লাকাং করেন। মহারাজ নিজিয়া ভূপালেবু বেগম প্রভৃতি বংশক্ষন সাত্র **बहे मधानज्ञासन इन** १

১৬ इ नटबयब ध्यान मनवात इदेहा अभाविष्टेत सम्बद्ध सम्माद्धिया औतूटक का-সিতে আরম্ভ কবেন, যাঁহার থে প্রাকার সন্ধান, সেইরণ তোপ হা। ছই প্রাংবের मम्पा अवश्व (अन्यः डेश्विड इहेत्सन, २५ 🕽 (अंश कव्ज : मक्टबर है,हार मसार्गर्थ प्रकारमाम इन्टेन्स । खर्नात (भटकाने।वि सूरेत मारहत देशताको छ हिन्दूकानी क : क्ष्रीर भाव मनन भार्ट ক্রিয়া জানাইনেন, ভিনি অসুক অসুক मकात अ मञ्जाद वाक्तिक नाइडे भन প্রদান করিয়াছেন। তথপরে প্রধান দেন। পতি প্রত্যেক নাইটকে গ্রেণ্ড ক্লেনরলের मन्द्राच नहेश त्परलन । मत्र व्यन नरतका

। क्वित्रहात हेन्स्। उ द्यार्थना । के द्यवार বলবানপুৰের ও মাধামাউএর রাজ্ঞে বলা হটগ। তথপৰে পাণ্ৰি কেনবন मार्थाहरून मर्वास्य कहिया विभटनम वाव डोग्न नाइक अ महत्तदक ्कण्णानिकनदक ) তিনি পূপক পূথক ক'ন্য় সম্ভাবণ ক रिटड भारतिस्थान मा। किस मामानाडः মৃতন ভার প্রদান করা হয়। বেলা সাতে : সকলকে এই অনুবোধ কবা ছইল, ভার ভ ব**ীয় কীৰ অতি প্ৰধান সন্মান চিছ**। इ.फ्रो निक्ष हर शहर तिशक्ता शिक्ष धव धरसम अभागमा))। अठ এব বঁটোটা এ সন্মানভাজন চ্ইলেন্ উ।ল'র। রা**জনীব ঔদার্ঘ সমরণ** কশিং। যেন ভাঁছাৰ প্ৰতি ভক্তি ও ভাঁহার ইন্টা कुक्र न देश करदन।

19 हे नत्ववत महोदोख मिक्किया एकाळ (पन। के पिदम दिशांक काञ्चनहा छ डिश्वकरेक्ट्री डेम्सम मामा करनव सील মান্যে ভূষি 5 হয়। সহতে সহল নাণ यमुनार करन खानाहेशा (नवश हर 🔑 🕬, ইতিপুরের আগবার মিউনিদিপালিটি ঐ

यह कारताक किताछ्टनम। रविवास হু। নঃই। সোমবাব গ্ৰণ্ণ জেন व ीपः इंडियार्ड प्रदेशक देश्र इरा লব্বি সুঠা প্ৰধান নব্বাস হয়। ঐ দ বাৰ ভীৰ সদাস ও গৰণ্মেটোৰ हर्भे अकामप्रशाहि शासन कर्यन क्रम स्टब्स आप वकुष्टीय व्यक्तिक : s প্রচর্মার ও টারস্করণে **ধা**পান আপোন কে,তা∘লঙন বিছুইছিল না, জন , শাং, এটে। শিক্ষা হটরাটেই । কিন্তু, পৌৰন প্ৰাকৃতিক সম্পানা কিন কানিও দে পা খ্ৰীৰ্যাও বিনয়ন ৯ত 🖠 र्वे करि पे छर्लन, गर स्वन अर्रन्त्र প্রকর্ম সমর্থ হন । টা র জভাব । ক্রিকুত্তন শিধি তি এইবাছে। ধারা ' , जिमि मरवारदा स्वाप्त्रासाउ १९८**क कर क**िश्वाह्य । व्यानका র দরবারের রুজান নাম বর্ণ করি , কিন্তু ইয়াৰ যে যাল ফালোৱাড়ে এব-ोक रहालकांत्र मंदशादा कार्रभट्ड का इ क्रिक्रोड़न, उद्वित्य अवश्व हरे নিমিত ১ চেকগণকে অপেশীবাস म् अञ्चिषः र द्राट्ट रुग्नाः

(2501P4 9 7 - 49 1 8

সাক্ষাপ্ত এইটা হ'ল'বে লিখিট রুট १ (तिर्पेट ए के. अव्हार्टन १ ना प्रति प्रमुख है। इस विकाद सम्बद्ध :**ট**ু চাক"⊥কাশ বেষঃক'শেব

ালাবৰে, আনবাজতের ভালার সংশোদ | কিন্তু উন্তৰ ভালার রচনাগত বছ বৈল-ধন চেকী নাকবিশা পূর্ব কালের ভাষা কিলা আছে। উভাভাদার ব্যাকরণ্ড এক यशानावन कविष्ठ (अयाधि । अविष्टार । विष ना । लाग्नि, धी ह अपृत्ति आहीन ঘ'া ঋমেরা কি উত্তর দিব, বেংব হ িজ্ঞাপনীর গ্রুব লেখা কোন আরজা 📜 লোকে েইকা উচ্চারণ করিছে শুনিষা । তামার ব্যাকরণ লেখকে । সংস্কৃত বাক ্ও স্থাবনিগ্রে বাজ্ঞীৰ প্রতি গানিবেন, ভাজতেই ডিনি স্থাপ্ত ক্রি- বিধের মত অনুকরণ ক্রিডেছেন, ভয়ই न रहर व अकाल्य मक्त (लाहर होता , দাসন করিবাস অনুধোৰ কবেন। উচ্চ বন চরে, ৰাজ্ঞিক ভাষা নছে, বদি। ভেছে। সংস্ভেতিক নিশ্যেৰ অভিধানট ু বেছ অভিন বশতঃ কে'ন শ'ক্ব ক্ষেণ্-🗝 🛪 . 🕾 रूप में बार्क है । महाल प्रविद्यात है । विशेष्टिक देश करता, सभा छ। दे भरवाने उदस्य

বিজ্ঞাপানীৰ প্ৰস্তাব লেখক এক ষ্ঠানে ! লিখি মছেন, **অ'মবা এ অঞ্**লেব সৌনব । বিন মপুছ ডেই উঁচ:দিধের ভাষা দেখে ীপ্র ও তথ্সংশোধ্যের উপাদশে ্রুত্র <sup>হ</sup>রাছিলনে, চিনি এই ৫স(খ অভিকাত্যের কথার অভিনয় কেলিয়া-कृत । संका कक्षेत्र, अ मक्रात् श्रम छेश স্থিত কৰা ভাঁচাৰ বিশ্বেচনাসিত্ব কাৰ্যা চৰ নাই: ড'কা? ক'শ জ মাদিগেৰ পতি তে ইংলিদ্যান বে নাকী গাঠ বিধেন দেখের, আর তিনি আয়ুগৌর-বেব আংশেপ করিছেছেন, উহবে আনন-ু ক্র ক'ন্টা প্রমাণ হটাব ন্যদি অসমুধা বন কবিণা দেখা যায়, স্পাষ্টই প্রতীনমান , ছইবে, ওঁচ দিজোর পর্**ল্পারে**র বার্কা পর-্লিপানের দে'যাবিলপের **র্বপ্তন** করি**তেছে**। ্জ মধা ইভায় কেন দেখে দুবিট নহি, বংস্থাবিক আমে ৷ সুহৃষ্টাবেই উপদেশ ৰি।ছেলন ।

না চৰকা একাবের উপসংহরে বরা विषया कर्ने इन्हान ना । विकालनीय अखन দে বিংক্ষ দেবারোপ পরিমাতি । দেখাক বালন কাবৎ সংক্ত ও সংক্ত ি কুছা পল্লীর এক্ষ ব্যাপ্ত ক্ষা হয়। বাংবংশের উপত্র সম্পুর্**রূপ নিভর ক**রা s ও সে,মত ক শংক যুক্ত করিল হছন : <sup>†</sup> না + দৈবে, ভাবৰ পু**ক্তিঞ্**লীণ ও পশ্চিম'+ উ, চার এই প্রদেশ সে নপ্রব'শকে । ও . ় । উত্ত। ভ, ব'র একতা দইবার সম্ভা-हुन्दुन्त करहरू ही प्रात्त हरे। एक्ष्या वर्गा स्वेष्ट विवरण व्याम, विरुगंद विकरा

তিনি বলেম এ অঞ্চলের লোকে নৌক কে বিট, সংখ্যুত ব'দ না ভাগার স্থুল বটে, ज व. इट्रेंड १२ (य छ,दा क्रम आहन कृति गटक्. उद्दर्शके धारे निष्या वास्त्रा তঁ,হাদিগের ব্যাকরণ অনুপদেয় হই এক ন র গতি ৷ ধিন্ত সচরচের দেশিতে পু: ७ । याप, चौ.हाता मईला मश्यूरकव हर्क्टा कविरुक्तहम्स. कॅड<sup>्</sup>निरशव अभवत्त् रमान निष निर्वाकारः खन खरण। ে সাভিব'তেও কি ঐা কাণ সংস্ভ धिवादनव कानुष्रदेश करिए हें हर ह আন্তেগক নিক্ৰিন জু। হিধেন ছা বু বিষয়ে লোকেরা কি সংস্কৃতের এইৰূপ অংশী হিক অনুস .৭৮ে উপহ:সকর জান কারেন না - " হঁ, হার বারো কার্য্য সাধন दब " अष्ट., ६ इ.व अधी महस्त कानक उदा । व्यवाय समः, धहेक शावला व्यक्तिक নতভ হা, না, উচ্চের ঘারা এটা করণ করক এই ৰূপ ব্রিখা বিশিষ্ট ছও 1 উচিত্রর বিভক্তির আনকার কি এই ৰূপ ' বুফ ভইতে এ প্ৰয়েশ্ব "আয় রুক্ষ সংখি এপবাস্ত " এছলে আমাদি-গের বক্তব্য এই, হইতে যদি জ্বপাদান কাৰক বিভক্তি হইছে পাৱে, অব্ধি শ্বনী বিভক্তিৰ নেমা প্রিগণিতনাত<u>া</u> কেন - এম্বলে ডিজাপনীর এস্থাক লেখক এক বেলার একটা বিষ্ঠের এক লাভুখণস,বের এতি রহুসা সক্তেতির কটাকা निर्फाटका ए अन्य कविष्ट ह्रम, त्म অনেটেগের মৌগ্রল্যনই | विद्या। कार्रशतकमा मन्नर्छ न्यक क्वान निटब्रमावण वहेवांवे चुवनमाटव (म.ध:-রে,পে এরড চইরাছিলেন । ভাহার ওমাণ এই, ভূষ্ণসার কোন (बड्डे (म १०) इन म.हे, इहरा**मस**ध्यात

গ:লি দিবেন এই উদ্দেশ্য করিয়াই ব্যক্ষার इट्ट अक्षं मि क्निया पारतम । किन अमनि विद्यवः स्व इर्घाष्ट्रत्मन । य कान् ही স্থুবৰসাৱের নিজের সেখা আর কোনটা উন্ত, ভাষা বুজিশা উঠিতে পারেন নাই। **क्**रक्षपात्रतकरवेत महत्र वाषणाय हैकी-রণের নিয়ম নাই, অতএব তিনি সে निवयं करवन नहि। करव मश्कृष्ट কিবুপ অ'ছে দেখাইবাা নিমিত্ত বিদ্যা-म अदिव छे शक्क स्व । इन्ट कि । मर्भ ; উচ্ত করিখা দিলছিত্নন : বছসাসক্র-कात (प्रडे जाल्या सर्देश हे घड का इवर ) किंगिर्डिन । ता शब्भानि मर्नना भ , म देशी के बन्नार्डन । ए.न क्रक्रम हेड्रेशानी । সমস্ত্রপে এচলিত হ'া গিয়াছে ভাষার मूर्व (इ.के.टइ कि दहमामसर्ककार्य रकवल बिरुवय ८.क.भमात कन **इ**श माहे कृषिम'दिव श्रीलियात १ मान छात्राव जिन्हा तत है तो किन थाशपि**रण? व्य**थि-ফ ঃর করুকাও মূলার বিষয় **এট, ভূ**ৰণ ম,ব্যু থ প্রত অপাদান করেকের কার কত্ব সংস্কৃপিন করিছে গিণা বহসাসন্দর্ভ-কার কেবল "সংস্ত বাকবণে একপ নাই श्वल बाहे । य लगा के नती आहेशारहत, কিছ বস্তা ভাষণা অপ্ৰসান বলিগ একটী স্বতন্ত্র কাষ্ণক স্থাক'ৰ না করিলে যে কি দেখে চৰ, তংগ্ৰস্পনে সন্ধ হন स दें।

> বিবিধ সংহ.ন · 5 · 1 (下, ル. | 1に即事 9

मुख्य के बर्श्याम् । व किंग्युक्त । इस अ के कारका कामनाय के कि मारहबर है का अनकान है १ करन कश्चिमाद्वन । खानुकरार ० एवकार ॥४ विक्षित कृतिक वटकावटकार विवटत अविभूतिक व क्षेत्रं **अन्।**श्रक्तम्यः श्रमान् क'त (एवन, 'टॉ-'হাৰ (নামৰ কুড্**মা**ড) **স্তুপ** ক'টন্দনসন্তু (मध्या दर्शिकः। सम्बंधः (हे ं माप्तरः विकास अ काशक अन के के तो थिए अमान के छेगा बड िद्ध्याः

इत्यम् समीताद्वाः (रम् श्रामः कृतः देशः युक्त के विकादित । काप्तान के स. स्वयंत्रक ানংক **এাবৰত্নে খ্যাতি লাভ** কবির", রন। উত্তস ल किमाकामुद्र कारम गुर्दा १९ के बनान के दे-क्" इन ।

বে রাইছে 🐪 'ও" ক্রান্ত কার্বেন্ত ভিতেইর 🖟 नंत्र बारमक्ष्रसान जानी बाह्मण कविद्रारहन तुनः कार्यद्रक्षय काज गश्याः तृत्व क्वेदारकः कि इ अने केन्द्रकेन के दिना केन प्रति । रांड्याट्ड। महाद्वाचीन डाकारवता भारती न्ट्यत कर्मका विकाशिकाम अभिकलन कस्**र**क পাংগীয়া স্ভান্দগংক সংখ্যান মাত্র নিজ भाग कटरमा। व्या हेद बर्जन कामकी समदा'क्र . ৬ .পাত্ৰ , ৬ল জার ,কান প্রবান পাবনা यानीय काउन भएनात्म निका भारेराक स्था था€(फर्डन) श्रमभेदा व'नकः फ'न वारम≖ क्षण्डाः छीर निरंशन व्यत्न विका शहरा Ra G #Bola es m. 1

के.नकास्तर कुन (वहें) है यह भवक्षण (मृ.स वृद्ध प्रावेश्वि देश हाराज अथम विकास शास भवद्भार हेत् १८४६ । काम हिंदील घाएकसामा । अक्रमा चार्नक गम व शाकः। स्रोके क लाउँगा स्थान मात्र १४ : अवाद्य हे 🕶 , ५ ४ व्यक्तिक्षित् काउनी तुरु श्रष्टक, नर्मः निष्ठ **२१**वर । **सक्त्यर**म को क्षम पन्त छ। अब धक्षान भवन्ति हेर भरकत् हे কীল থাকা 'ও চত। প্ৰভন কাইনীৰ স্বল্য ১০০০ ं का मात्रक वस बहुत्त.

অন্তর্গামত্র ক্রেন মিধ কালেকির আলে कार्यास्त्र कि इस्ती अपन्न कर्यान समार अपन व्यनी करियान अपाय का साम्बर्ग (बादाई । अवर्गाय हे हेराइक अच्याद इतेशाइका । विभ कारण चेत्र क.लक.डाङ चाःनिष्ठा टाक्टवरीष्ट्र गदनस्य ন্ত্ৰকৈ প্ৰভন্ন বিকাশেরের সাহত লামের জন্য কর ্যাধ কবিবেন , হ'লাং পৰ চি নি ফু এনে একর अभूत के ब्राइन र

पूर्वत्यामध काश छे हे इस साम व विक्। अपन्य, सामासिशा,क व्यामना अपन पर एके छ। ४ अष्टि भाक्तिरहेते (००४) ६४ क.च ,म.२, उद् ३१३) न्टिनद् अभिष्ठ मन्द्र थे.३. उप्पाटिक स्वर्टकत् भाष्मार भवत्य कान्यके कहे हार । किन कार्य से मा क्षेत्राच करियु'रहम अभवन होत दिइ वर् लासुन क'हेन भरीक. ibgl iकs lea क्रकाल र करिंद्दन भारू क्यार है, इस्की आहर है, है तह, たんろし

देवकमार्थक करि न छेश्रादेव हु मानुस अवस प्रकृषे(दिवर्त 🐲 सर्राध ५ **फर्**मम स्रोह इक्षरम इस इर्डालारतार्वत कार्य,०व्यन्ता चौकार कार प्राप्त के कार के में प्राप्त के कार में एक ५०० छ १५% ब्राइ ६० होश्री दर्भाव क साहस्त . with the cast of the series of the series भारतमा कम अग्रासीत कतश्राहा छ। इंद्रिक्शकार्यः वा चंद्रसः

s ल क्षेत्र (प्रविदाद'त वसम कार्या क्रिका किन दिक्रामीदाः वि बंग्राह्म क बास दूसि :क्षात अभिक्रमात्र । सहस्राप्ततः कश्य अस्ति। कारमा वक्त दिया है एटरिक के क्रांक भाग हो हो कि तर क कह ,रस्म किया का,मेंटक्रम थी विशे सह क्राक्ष्यं विश्वव बक्षा धान्यः क्रवः क्रविति त्त्रद करण त्रभम क त्राज करण विनीत है। पाछ कू सन्दिश्य पारखीय कड़े इश्रष्ट चल्हा शिक्ष

श्रकान करिया अक्योबि भूतक श्रकान कर्त ।

কটকের কমিসমর টেলিপ্রায় করিছাছের उथाप्र भुवास्त्र हार्डेन १७५ महाँव । ११४ (११ এৰং মুখ্যৰ চ'উন ৴৭৴ নেৰ বিক্ৰীত হ**ই**:ডাছ । পুরীকে পুরাত্তন 🖊 📶 সোম্পুতন ৷৫৮ বের -वारमस्थिक कारमहेव वरमम एथ्स्।। (व ৰস্তাত্ব ৭২ সেই ও ভন্নকে॥> সেব চাইলের হর। ক।লকান্ত।মু অন্যাপিও ছা একেব ধৰ বু ইয়াছে।

ছড়িক পীড়িডের সাধাদ্যার এপর্যাশ্ব হ. १४. ०० - छोका भ-वृश्य व्हेन्र रहा संख्या लाउ (वश्व होमा) धरन मा कशाएक शिवश्र**त्**त वह महा स्टेड्राला भी व खावहबार्व विखय रोकी दशक्ष दहेंदि ।

(सभीटमरमार्वे २८जन सत्त्व।१७७ भव अवर्षः) क्रमण्या (वाष्ट्रा विष्ट्र क्षमण काष्ट्रम । क्रिकिकः এবনৰ এবানে ভাল শীত পঙ্গে নাই।

উক্ত পত্ৰ সংখ্যান্ত পাইয়াছেন, টেউসেকে ६। ५ (भटनाम्राटनत प्रश्नीयन्यान वस कत्रिदान) < ४ अग्र दहन : अहे धर्मनिकान मह क्षेत्र शहर । (अन अक के कि । अकरा को रू २० **मक** हाका कर्य 4.7417 2 3'4 4 1

व्यामको विकासिक विक्रितिमालिकी विजनः মাবলীৰ মাৰেঃ দৰ্শন কৰিবাম কোন ৰাণ্ডিক কমি : সুন্ত্ৰিগোৰ মনুষ্তি ব্জিয়েকে কোন স্থানে : कुल, लुकावनी, वा माला कविरुष्ठ गाहिरवन मा। वःमेव नक्ष्मिक कृत्भव भएक कि कई विवय भुक्तंत्रनीत विवदस अञ्चल अस्य अस्य अस्य नहरू। कामामित्रक अस्य श्रीकांत मन्द्र कह कि.मिडे এম পুৰু বৰী ক বিয়া খদেন, কিছু অনেক স্থান अक्षान भागानन व्यक्तिरहेत्र (६५ सः।

्रशिक्षके वर्षात्र, वासु स्क्ष्णकारमास्य प्रहर् यन्त्रि स्ट्र लाइल । b. करमा माञ्च ८४) प्रत कडिएक अथन कत्र ४:८का ः नार्याः ७ कश्तर(भ**्ताः भ**र्तामाः नर्भाष्ट्रांच क्लेड्डार्ड्स । क्ष्यांडः स्वीधकतन् ক বৃহাত্যৰ মাট্ডাল কাৰেণ্ডৰ প্ৰথমা পত্ৰ নগ্ৰহাকটোক ক্ষেত্ৰকাৰ জন্মনিজ এডিনৰ গ্ৰ विषु जरस्या को छ को छ करेगा नहींका নে ভিনিকিছ দিন সভন বিশ্ববিদ্যালয়ে : राभ ल १ व्यक्त १३ हिस्तुन, किइ मुझा राजः नाइ था, रंग्डका का किंग्डेया, अवस्ति संयान শিক্ষকের পদ করাতে তিনি মাড়ানার তল इ.स. ६९ में के प्रेश अर्ड हैं, से के रे होरिक्ट (

日本 こなけずれ ちゅうすいりょ

क्षेत्र हाले कर मालक है। कि हारा न मार्थिक माहित्र नाम्य क्षित्र प्रेम्। १६ अ विभिन्न अ कर्यन बद्दात कथा अध्ये स्था गाहेरास्ट्र ।

अभारतान्य शहरियारमा मासि वर्षेत्रपतः । अकसन अक्टार् नेया अकिस्पत अक कालक भारतिक (मनम् नामक विद्वाही सामकूत्री) भ्रात्त काद्रातक रहेग्राहतः कर्दता (सप्र'न मान्त्रीत्रिक श्रेष्ट्रीय होत्रीय प्रकारीय नगर ' अहे (शांसरमाथ वित्रकत वित्रक्षि कर्णात अ ফাংশেশান বোপা হয় নাই, আলোহী ব্ৰে इ**िक ६६**दाइ मधादमा ।

আমণ্ক্রিয়াতাঃ লুড্য ম্ভিটেই লি .ফ. ख का " कार- समित्राथ अधिक विकासित्र,

मिश्रि, कृतिकाम काशक चक्र क्षत्र के केटिर भेगन s জন চৌকিদাবকৈ প্রহার ক্বাতে ভা**হা**র মা পরি**ছমে ছ**ই সঙাহ ফেয়াল **হই**ড়াছে। ম উচিড ও হেমবিম'গলৈ আই একাৰ অংশবাণ াতেও ভাহাদিতেরে ধনি পরিশ্রের সহিত **मकार कांद्रोतान अहेशारह । खालम नार्टर्व** চল ছই এক টাকা ফৰিসানা মাত্ৰ ববিডেন। ৰোৱাইয়ে পুনৰ্ফার ওলাব বা একঃ বৃদ্ধি ইই ছে।কিন্তুৰ্যনিকেন।অসকত মূল, ধাংগুক-ভে ভাতৃৰ জীবৃদ্ধি ১ইডেচে না। এববিও নকে অংশ এ- দুবিতায় নিৰ্থন মডিড পুৰণ রুষার ক্লুয়োগ পাইবেন। এব র 📑 🖘 । যেন धिस रम ।

ণুট জলহায়ণ বুধবাৰ ৷ ১৭ ইনবেগর সব সিসিল বীডন আগেবা ভে দিলীতে গ্ৰন করিয়া তত্তত, যনুনাব 🛊 দৰ্শন কবিয়াছেন। পাঠকগণ অবগত থাবি ৰ, কাৰ্য্যেৰ <del>সু</del>ৰিখাৰ জৰ<sub>ি</sub> ভারতব্যস্থি বেলও-त्रभूकाय ज्ञान स्मन्डेनके अवर्शतत्र ज्यारेनक. চএৰ এডফশন উহিার স্বাবশ্যক কথা।

আসামে কয়েকটা ফুডন উপবিভাগ হই-র। উপাবভাগের সংখ্যা রুছি হইলে উপ क्षार्ट्स वर्डे, किन्न वान योशः लाक्टि ত্ত ভাষ্ট্র ভার সনপ্র করা হয়।

दूरदक्त **ञ्चन**डान **का**श्व **रहे**एक कार्यन था अप विदर्शन रक्षांनी कविएक निरम्ध काव-इस । सिक्ष, भड़कारण व्यथं ८ श्रदनं न १ व्हेरल 🖯 जान कानका कात्रम, कावर *तन* मीख कार র চেষ্ট্রা পাইরাজিলেন। কিন্তু উহোব অঞ্চ-दिका इंद नाइ। विरम्दम व्यव स्थादरनंत्री ধে নাক্ৰিয়াধাহতে এখ সংখা। ভূতি হয় নাই করা উচিত ভিল<sub>্</sub>

দিৰস দৰ্বাৰ হয় নাই :

**54**5 1

**শাধ্যম মড লেপ্ট**নন্ট গ্ৰথবৈর *ইচ্ছা*কে #লাম্ব করিয়াছে। সর সিসিল বীডন কেবল **লম্মর সাংহ্রেফে উ**ৎকলে *শ্লে*রণ করিতে **ক ছিলেন, কিন্তু গ্ৰ**ৰ্থৰ ফেনৱল এ আছোৱা 🖟 **ড করিয়া এক** কমিগন নিশুক্ত কবিরাছেন : প্ৰস্থ সাহেৰ বিচারপতি অর্থ্য কাথেল এব॰ র পশ্চিমাঞ্জের গ্র<sup>া</sup>নের টর প্রলিক্তয়ার্ক **াদের সেভে**টার লেণ্ডেনন্ট কণেল মটন প্রের পভঃ কর্মাটেন। থামরা ভর্ম। ইছার সকল ।বংয় ভাক'বংরাপে বর্ণন **विमाक्ष्य भूद्र तक्ष्य इंदेश १६० अवर्ग्य ह**े

अकृषि कर पूर्व १७३१ मधाः विष्ठ । अवः न वानः । দরপে যেন ববেচিভ হয়।

अर्थाक्ष्यः, श्रकाविदाश 😘 प्रमध्यः व 🕶 म বারিক প্রস্তুত ১হডেচে। বিবা ইড দৈন দেগে কংকাৰ জন, কাৰে স্থাবে পুডৰ বাহিক কংখে विद्वारहर मध्य कर्य करण नक होको वार्य मधन-মায় বে বা উক্ চয়, একাণে ভাষা আৰুষ্টে ক বলিয়া পাৰত্*ক হইডেছে। সেনা*সংএ। অপংয়েই ভারতব্ধের অকুলানের করিব ২ই ब्राट्य ।

অন্নৰ্ট ট্ৰন্স কৰে ইতিয়াৰ নিচলি বি नभाक्षत्रक्षिक माध्यान्य आह्यान्य स्थ्नाः। का छै सन्नदाब न'का अ:भग वार्कः करप्रक<sup>ा</sup> विम्ना লয় স্থাপন কাইয়াছেন ৷ ধারণ বিচাঞ্জণালী রও करमक छेरकर्व भारम कावद्वारदम, जकरलहे अस বংয়ে বাটীর নিকটে বিচাব প্রাপ্তাইন তথাত টি-পায় করা হইতেছে। 'ভাউ নগৰ দরব'র সে (छाटे » नामक अक महक दी (शरक है । अक्नीन ह **रहें.फर्टा** गर्वर्थश्रदेत (शरकराव न**ीय हेर्'**फ যাৰতীয় ।নয়ন প্ৰভৃত্ত প্ৰকৰ্ণশত হয় ।

৮ ই অগ্ৰহায়ৰ বুহস্পতিৰাব ! পেনিনপুলাৰ কোম্পানি আগানী আনুয়ারি অবধি বোহাই ও প্ৰএজেৰ মধ্যে সাপ্তাহিক মে– িইশ লইবা বাইবাৰ মানস্ক বিয়াচেন। কেম্পো

নির খিটেবপুৰস্থিত ভক বি নীত হইবে।

আবিসি'নয়াব কছ ইংবাছদিলের মুক্তির অন্যলাড ই.নাল কুডি সাহেবকে বাজা খিও :ছাবের নিকটে প্রেরণ কারয়াছেন। রা**ক্রী উ**প ং হইবে। ইংরাঞ্চ কক্ষল এনিযম পাবেষ্ঠ কবা 🏿 চৌকন ও একখ নি পঞ্জ প্রেবণ কবিয়া রাজ্যকে রঙ্ক ব্যক্তিদিগকে মুক্ত ক্রিডে অসুযোধ করিডে ছেন। যদি হড**ভাগ্য কল্পেছিগণ ভীবিত থাকেন**, खाना **व्हेर**ल अवार मुख्य ब्हेरख लाख्य ।

আমনা কুওজড়া সহবারে জীকার কবি-সেংমবার ক্ষর্থন জেনরলের পীড়া হওয়াডে 🖟 ডেছি, ভারতবর্ধীর সভার সংখ্যায়ক কার্য্য ' বিধরণ প্রাপ্ত হইয়াভি । সভা সচরাচর সাধার হিকিৎসালয়ের সাত জন ইনশেপ্টর ও ডেপুটা । পের চিডকর বিষয়ে যে মনোগোল প্রদর্শন করেন স্পেটর জেনরল উইন্দ্রের বর্মের কাল ; ডাফা এডজারা ছুপ্পষ্ট প্রদান চটাতেছে। কলি হইবার পূর্কেই ক্রাণবোবণের প্রভন নিয়মা ' কাভায় ক্রতিদেয়া নগরের টাকার যে অপ্রায় ক্রে শেক্তানর আবেদন কবিয়াছেন। ভাবত - করিতেছেন, সে বিষয়ে সভা লাভ ক্রাণ্যো-ক্সি **টিকিংসকটিগের প্রতি**ংশ সম্বাহার করা। রণের নিকটে এক আবেদন ক্রিরাছেন। কিন্তু ভাষাতে পাথারা যে টে কেয়া থাকেন ইংলই - জানবা এপর্যন্ত ভারতব্যায় সভার একটি বিলেষ ক্রণ্টী দেখিয়া জাসিডেচি। সভাত দেখের विम्हिनिका गरका छोल मन किङ्ग वर्णन ३१।

> বিশাপ কটনের স্মানার্থ চিত্রের জ্বান্ত প্রায় ४६••• क्षेको कोना **ब्हेसाटका कि**श्व ६•••• টাবৰে প্ৰয়োজন। আৰ্ক ডিকন প্ৰাট জন্মহাত্ৰ करतन अक लक छाका छेटिएत। कि ह ईशव ! সম্ভাবনা অভিক্রের।

উত্তর পশ্চিমাঞ্জের সংবাদ পত্র সমূহ সাম প্ৰেৰ অধ্ত বিচাতপ্ৰণালীর চলী উলাহবৰ দিয়াকেন এক বংকি হতা করাতে ভাচার 'अर (महत्र नद्र को क्ष) इयु । धूप्रसमान काईन काङ्स সাবে জনাদ ভিন কে:প দেয়, ইহাতে .ব বাচিয়া । সাহাব্য দান কাবলে এত লোকের প্রাণ, খাকে, ডাইকে কার ব্য করা হয় লা। এক **व्हेंफ कि** मा १ व ६ ७ ५वा रहेग़ाए छाहा। राख्ति এই काथ रहेर ३८ व विद्वाहिन, संशासि अ कि मा अनर वृद्धित वर्णावण बाल श्रम शुमारीत ए हात्क आहारत्व हरेल (म बन्ना हन्ना

नार कार्याक कोधिक होते कार्याच्या होते कार रेख কাটির। উঞ্চ তৈলে ও বান হর। সে শোরি াতে ও বএব'য় কাৰতবাগ কবিয়াছে। ইয श्विभ इण्डिक्ट क्षा विक्रिय प्रशास काः ङा १ छ वर्षी व शवर्र भन्ने व व भ होत्स निर्दे हैं। ক্ষেণ্ড প্ৰথা উঠিয়া য ইতে প'রে।

क्रावर्ग्टव अध्योगः आहित्सरशत् हाय र ्डाच । उथाय अवर्**ष्मा विशेष** चाहिएकत । युक्ती ষ্ট্ৰে। যে লাভ ক্টুৰে, তাৰ্। রাজাং নাগ ार्च १८८व । देवा कार**क्षत्रीय ११२५८म हे छ** र चे अरम्भव इस्तिभ त विवन्न ।

দি<sup>ুন</sup> হইতে অসুত্তমর পর্ব ও বেলওয়ে হ ৺ক্ষাত হটভেছে। ছই বংসরের সংখ্য ৫ স্বাড হইবে।

সম্প্ৰতি জামালপুৰে এক জন প্ৰট চাৰ চল হই:ত কমলার গা**ড়ীতে বাই**বার সম পতিত হইবা হত হটবাতে। রাণীগঞে ঞ একখানি মাল গাড়ী হাইডেছিল ভখন ও ব্য থক বেল পার ষ্টনার চেষ্টা পাওয়াতে সং কালাৰ উপৰ পড়িয়া ভাৰার প্রাণ নষ্ট ক 3175

লাছে'র জনিকেল বলেন, সম্প্রতি মার্ वाका वयः धान्तं रहेगा अक प्रदर्भव कर्तः २००० क्षकः जो समग्र हिमान्निक दिल्लास है: সকলকে বলিলেন একণে ডিমি প্রাপ্তনার হওয়'ডে প্রতিনিধি গভার কারে)ব লেব ছ धोरक, अदेर नकरल मिक्का प्राक्त के का करिरवन। ब्राह्म भागान क्या हेवी , (११) ও ব্যক্ষার শিক্ষ শীর্ণাগ সিংহের হয়েও দেও इंदेशारक । अथम मजी कृषि, शतन, (सोक, राह ও চুক্তিৰ বিষয়েৰ অব,কভা কৰিবেন, বিষ্ট मजो भूककारमान कर॰ मुख्यका कोकरा अ. १४ वर्गानी अकस्त्रमा कावद्वन । वाका चालदृश् खिम निर्देश से हार विहास काइटबम, अदर वि व्ययमधी अध्यानगढ़व कार्यव अधि विस् वृक्ति वाचिद्वम । जि.न सारवा दलिदनम, श्री निश्रिमरभव करीम छेराकात सहरवत श डिन, किश्व अकरन स्व क्यांठात्री अ स्थाप कर् বেন উট্টাৰ গুড়জৰ দণ্ড কট্ৰে। প্ৰজাদিগ তিনি আপন জাপন সন্ত'ননিংগর বিদ্য'নিংগ দিবার অনুবোধ কবিয়াকেন। বাজা নিজে বিদ লয় চিকিৎসালয় ও চা-কেত্র করিয়াছেন এতদ্বেশীর রাজগণ শাসন বিষরে উৎকর্ব সাধ করিতে বরবান হইতেছেন, এটি বিশেষ আঞ্ দের বিধয়। ঠাহাবা যদি পূর্বাতন কালি প্রভু ভিৰ পৰিবৰ্ত কৰিয়া ক'লক'ভা, মাজুলাল ব বোষাই হটতে কর্মচারি ও বিচারপতি লইঃ যান তাহা হটলে ভাল কাজ ३≩তে পারে।

शबर्द्द्र (क्रमवन (बोब्रो,नब्र): शबन क्रिक्ट **्टर्डन। अहे क्रिनटक एकुल कर है** खिड़ वटना, " महाताम तिनिया र मानिक एरेटब विनया गर कम नारद्रभ भाषानि तर्व याहरू क्न, एथाम मशाबादसत देनना मेटलाव निक् কৌশল দশন করা হইবে। আমরা বোধ ক हर्गने जामानिरगत स्टल शांकरव कि मा अ श्रीकम अकार अकरन दिनिधिक रहेरत मा निक्षित्र अक प्रमे अधिक्रिक कामारमह सम् सार

(यक्षानुर्वक व्यामानिशहक निशाहक, छ।।। ক্ষম পুনর্বার অর্পণ করা হইবে না । " বেক্ছা-श्वाद वटि, (यमन व्यक्तिशृक्षक काम्राजीरात्व নিজাম বেরার দিয়াচেন, এবং অবোধার রা**লা সিংহাসন** ভগ্যা করিরাছেন।

ইংলিসমান সংবাদ পাইয়াছেন, আফলুল 🜓 র কাবুলীয় ও তুকী স্থানীয় সৈন্যদিগের शक्तकात बोबा स्टेबा किया स्टाइ करवर कर ब्रु ब्रेब्रोट्ड ।

#### 🕽 हे व्यवशंत्र । सङ्घातः ।

২১ এ মৰেছৰ মুখবার ভাবতব্যীয় সভাগেছে কালিও স্ময়ণার্শ সভাব অধিবেশন চয়। জন ক্ষেৰ সংহেৰ সভাপতি। বালা প্ৰতাপচক্ৰ সিংহের মৃত্যু হওয়াতে কুমার সভাবনা ছো-यान मन्नापक महामानीक स्त । लाई काबिएअत व्यवःस्रह श्राष्ट्रिष्ठं स्टब्ह १०५२ । होका होना হয় । ৩৫০০০ টাকা ভাত্তব <sub>ন</sub>লালি সাহে। बरक मिएक इंदेर । ১৮७५ व्यास्थ (भ म'रुव মধ্যে প্ৰতিমূৰ্তি প্ৰস্তুত চইৰে। গণৰাস্ত নানা বিষয়ে ২৮,০৮৪।১০ ব্যন্ন ক্টরাছে: অবশিষ্ট २२·७8२५औऽ • डेक्सिक्सिया काइड । क्रेड क्हेंड्रा षर्मक होका छेष् च बाक्तिया अविभ न्यवनार চিথের কি বইল 🖟

(वाबाइटब्रव नागावन क'र्या, ब्र का शबर्यक विकास ৩- এক টাকা কর্ম্ম করিতেছেন। স্তব্দ শতকর। পাচ টাকা। তিনৰংসৰে কিন্তিৰলী করিলা ১০ <del>বি ও চালফ টাকা শোধ দেওয়া হইবে।</del> সাধারণ কার্ব্যে জন্য কর্ম্ম কবিবার প্রথা ক্রমণ্য এবর্ত্তিভ হইভেটে। বা রক্ষের বার করে কমিবেঃ खोक' इंदेरन व कोका काटक खाहाई म्राब्हे हमू <sub>।</sub>

গ্ৰহ্মেক ভারতবর্ষের সর্বান্ত মণ্ডিকভার शहनिष्ठ क्रियात मानम क्रियारहन । मनिम्नर्ड বেৰ সন্থিত সেবিওব্যাক্ষ করিলে বৰাব কাজ হয় ব कि ३ अरहरन आछ होन जारहरका काल लाक 可读:

इंश्लिमधान अवन कहियादश्य ভाষতवर्षीय ८४म ६८४८७ प्रया कामग्रह्म र मार्थ कामर हु. व ≱ते । नेता **इन्युना २७३१टिल पू**कि व्याधक कर् (क्र. (क्रांट्रिका चरके यहेवात अक्षात वश्चात्र कर नाशारेषा भीट व्हेटड हाटमः बन्धाः कृष्ट छ गटक अवर फारांद्रा व्यवस्थारम भग'इन कटवः । এ এবস্থার শক্ট স্থাতি করিয়া হর। সভা বিভ নয়। মৃতন প্রকাব চুরি বটে।

काशादाक्षक क्षान कुनर्भ भूदन कुँकारा (६०) कर्यन। कामदा कुक्तान क्षान कि कि িত্তে আসিতেছেন । ভিসেধবের শেষে আমহা অন্য উপ্ত প্রবৃত্তি কর্মান্ত্রী কর্মান্ত্র छेन के इ इदेश्वम । अख्दक्षभीत वाक्यत्यक वता | वाक्ष कहेगाम । উটিত ইউরোপীর রাজগণের নায়ে ভাঁচারা অনুসংখ্যক বে.ক লইর, অন্যত্র গমনাগ্যন কিডা প্রভৃতি যানৰ প্রভৃতি স্থয়ীর সমুদ্রঃ क. १८वन । त्व अष्य निवा এए त्यांक वाहेर्य. कता । त्यांवांक मध्यक । अस्था वाहंच अस्थानर कह कः लारकत्र विरम्य कट्टे स्केट्र अवर भूतिरक्षत्र । अहे अरमात्रक्षित्र सम्बद्धाः मध्य निर्देशम कर्यः मञ्जूर्व ऋरण भाग्वित्रका कर्ता कड़ेकत क्हें ता

১ - ই अध्यक्षत्र नविद्याः

चल्लाम् इत्याहरू (स'हरू: क्ष्ट्रे ऋदिक क्रांम রাছে। **অনেক কুবক আ**খক পাহ্বার গোডে ঋণক ধান, কাটিয়াছে।

অদ্য বিস বেন্দ্র কার্পেন্টর বছবাজারের হিক্ বালিকাবিদ্যালয় সকৰ্ম এবং বালিকাগণের হংকাজী বাজাকা ও নিজ কার্ব্যেব পশক্ষা একা ক্রিয়া বিলক্ষণ সম্ভোধ প্রকাশ কণিয়া পিয়া ছেন। বোধাইয়ের ন্যায় অত্রত্য সম্ভাক্ত ও <del>ফু</del>ড বিদেবে ভাবে উভার সন্মাননা করিয়া म्बर्भात को द्व विश्व करहम. अहे कामाहिताह

সর দিসিক বীড়ন গড় কল্য ১ টাব সময়ে আগরা হইডে আগমন করিয়াছেন।

রেবিশিউবোর্ডের ভাগগঞ্চার পুটব ছড়িকশীভেডের সাহায়গার আর হল হাজার मिका (मध्या स्ट्बाहरा

# ইউরোপীয় সমাচার।

मध्य के है नरवदन क्षाफाकाम्--(मान्याद ওডিলাও কাব বাডিকাল দলের প্রাভার মবোনীত হইরাছেন। মারুমিলিয়ান সিংচাস.. জ্যাপ ক্ৰিয়াছেন, বালয়া যে জনসুৰ হয় ভাষ্য ভাৰা অলীক চা প্ৰতিপন্ন হটব'ছে ;

क्लिक छाट्ड स्क्रियान क्रिया वर्ध इड-য়াতে হউনাটটেড ষ্টেটনের সর্ম স্থান সভা। হইরা ইহার বিরুদ্ধে বোধ প্রকাশ করা হটয়াছে : বুলি বিষ্টা ইমান্টএল প্রকাশ,রূপে বিনিসে श्रदम कत्रिवाद्यम ।

न ७२ ४२ वे नरवषत्र आखःकान--क्रीह्हत् विद्याविभिरणात्र व्यवा करा व्हेरव (वावना करा ः एवेबाटकः।

রোম হইতে দৈন্য প্রতন্তন্ত্র জন্য ধরালা श्राहाक नकल वाजा विविश्व छित्रांश करि-

**करिहेब्दि कार्य** द्वारा त्र काराह কোটি ভলার ক্ষিয়াকে। দেনাপাত মান্দ্রাণ ইক্তে প্রিচমাঞ্লে বিস্কৃতভাৱে উচ্চারিত হ ষেত্রিকোন্ডে গমন ক স্থলাতেন।

(বিজ্ঞাপনী)

" -गामध्यकान ७ शुक्रा**कश्वित छ**न्मः।

২ বা আৰিনের পত্রিকার দোমপ্রবাশ গুর্কা-केक अब व्यवज्ञ इहेब्राइन वह शक्क कन कित्वकारा विद्याना महा अविषे ব'বাছৰ ১০,০০০ লোক ও ৫০০ হল্ফী লইয়া ! কাল কৰেন। চাকা প্ৰকাৰ উভাগ প্ৰতিবাদ পু.ত্রং সাইত কালীপুরের রাজ্যর কন্যার বিবাহ। বাল নাই। কিন্তু বিষয়ন্ত্র অকতের। একেএল

আচাৰ ধ্ৰহাৰ ভাষা বাছনীতি, সামাজি । ধাইতে পাৰে। যে পৰ্যান্ত কোন একটা বিশয়ে শিষ্ট দোৰণুট নাহণ সেপৰ্যান্ত ভাষাৰ সংশোধন রেবেশ্যা সাহের রিপ্রেট কর্বন কটকে চাউল । পক্তে মনুবেরে মনে কোন প্রকার চিন্তারও 🕏-

अक रम मा। यनि छारा**रे हरेन, फार आ**म কাশ পূৰ্মঞ্চনৰ ভাষাগভ দোৰ উচ कविद्रा अञ्चरवादः स्ट्रेग्नाहम्, देशं जनमङ् सुर्व সভাত বিক্ৰ। বরং এপকে সোমপ্রভাশ थार्थ रक्षरहे काम कार्यग्राहरून अवर अखिति সোমপ্রকাশ পুর্বাঞ্চনী রানগের কুডাঞ্চতা ব নই ধ্ইতে প্ৰেন: ইহাতে বিকৃত্ব ভাৰুত कविरम कोश शूकान्छलीयहिरशस्य स्टारीर निटम्पर साहै।

(गांबशकांव गल्दानकरक वक्कवा अहे, मञ्ज्ञभाव का या विवरत्वहरू स्थाव अमर्पन क र्डेक. डेरा अत्राजात्वरे कता कर्वतः । यो स्मिन छ < अक्वा **एत. काव** श्री द्वांत्र ( ম্পান্ত অপুভাৰ হটতে প<sup>†</sup>বে, এক মাদ্ৰ <del>হ</del>া হিতের।ন্নিত্র উকার। করা হ**ইভেচে**। डेन्ट्रमण्डल्ड **डेन्ट्रम्म क्षाम काटन के छा** স্পষ্ট গুণানিত না হয় তিনি উপদেষ্টার উপ वाष्ट्र विभिन्ना भरा स्ट्रेटिक शास्त्र मा। स्ना উপদেশ হ'বা কোন উপকারও দর্শে না ! বি करु (र ছोडर्स) के छेश सम्बद्धान करवन, । न अ य. में टबरनाटका छोडानिशटक मर्माना निम ক্তিৰে খাকেন, ভবে ছাত্ৰ খৰ্মত আপন চ শণশোধনে মেটিত নাংইয়া বরুং শিক্ষা প্ৰতিক্ষতিকৈ ভাইই প্ৰকাশ কৰে। এই সোমপ্রকাশ চিন্তা করিয়া দেখুন, সময়ে সং বতবাৰ পুকাঞ্লেৰ ভাৰাগত দোৰ এচ ক্ষণ ব্ৰয়াকে, ভাৰতে তাহার কিন্তুপ নান্তি ভাৰ প্ৰকাশ পাইয়াছে? সোমপ্ৰকাশ ব্ৰিয় ছেন, ত পুৰ্ণ ক্লীয়ের। প্রথমার্থি একক্ট শিক্ত চৰ নিকটে।শক্তিত না বইলে ভাষার ( হাছতা সন্পাদন কবিতে পারিবেন মা, এ এ অঞ্চলীয় ব, জিব গোর। নক, উপধ্যিত ক্ট্যে এই बारकात्र मूचा कर्ताक कामा प्राप्तता रही बर्कन न्लु इ। नर्ड् शिक्त्या कर्त्रव छोवा कि । करनः वरमाय १ अस्वरधीन भन्न श्रृही। थारक, उरमरर्भागम शर्क स्मामक्षकान स्व । দিন একটা কথাও বলেন নাই।

 बडरफ्नीय (ल-क मकका भिन्न बांसहा श्रां २१४। (इन. त्यायक्षवान छेशावत मण्युर्व (१ , प्राक्षात्वयां इकाल्याः काम करम्म मा ় গদি উভয় কঞ্চের ভালুষানিক লোক সং तित्रा करणक पर्वय के स्त्र अक्कारत बक्कार ें शक् वरिद्रा अञ्चल बना इंडेख, छ।क, इहेंद्रल वें (के नदाप्र गङ्गात बना साईख ।

पाण्डमाक्ष्मणेट्याः। शक्ताक्ष्महोत्राम्बद्ध यात ৰলিয়া প্ৰায়েই কি:কং দুখা ভাব প্ৰকাশ কৰি थात्कन, ताथ रह त्मामञ्जूकामन अकथा का কার কবিৰেন না, আন এজাতঃ ও বিহেতু · আত্তৰা সম্প্ৰদায় বিশেষেত্ৰ কাৰু(১)sc न स्था । निष्ठमाक्षतीस्त्रतः छाद्दात काम भावन काबन र कामना क के हालेनटा हैइ কোমটাই পাৰণ ক'বতে দেখিতে পাই ম।। ভা जेतम पूर्वा फारवत कानव कि? विक्रिक्ट एवर কথাই নাই ৷ এই কৰ আভিক্ল তা লইয়া বিশে इसः। প्रिमाक्ष्मित्रका वन्यक्ष्यसम्बद्धाः 📦 वन, द्राप स्टेटडएड वा : वाजाना त्राच खार्क **क्ष्र, देवला अहे** किस महार्थी थाला निर्माण দিশুর কর্ত্তক পঞ্জোংকেব যে পঞ্জ জাক্ষাণ তি হইয়। ইন, এতং শীয় ব্ৰাকাণের মধ্যে ারাই সর্বভোগ। ঐ পঞ্চ রাক্ষ্যের প্রথম কান এই পূর্মাঞ্চল (কিন্তুমণ্ ) এখনও বর্ষ आहि। के भ्र अकाल ने हिंदन महान জির সংখ্যা শবিলেও বোধ হয় এই জঞ্লউ विकास कि कित्रिया दो सामुद्रका साम्रास्थ প্ৰিসমাজগুতি উট্নাফল ভাষাৰ केषु अहे श्रृक्षीक्षरतहे (गर्बाह्न, व तमान ) किर्मात बर्मा (मनकारी शक्त खान्य) वर्ष ra অধিক মান<sub>া</sub> ডাগাও এই পূর্দাঞ্লেই । তবে তার প ক্ষাঞ্চলের অংকিসাতা ৰে কি বৃষ্টিল ২ **ভা**ৰে কি লীছ'বা গাংলাজনে ন | বিদ্যা বৃদ্ধি প্রভৃতিতে অপেকারত ভো<sup>ঠ</sup> ক্ৰিয়াছেন বলিয়া গৌৰৰ ক্ৰিয়া খা-় আমাদের বিবেচনার পদালল উছাব ণ বলিয়াবোধ হয় না, উহা লাজাবানীক হদি বালধানীটা কলিকাতার স্বাণিত না l, চাকায় স্থা*শি*ড হটড, ডাংগ হ**ইলে বো**ং **ট্**কণ পাক্ষাঞ্ল বিদ্যা বুক্তিতে পুসাঞ্চল य किंडू भण्डातमामा क वग्राहरू, जाहा करा हेड मा । वत भूति **भ्**रत्वक (अर्थेष ना छ , আমরাকেবল কলনাশক্তির প্রাভ নিওব য়া একথা ৰলিভেছি নাং ধৰন সন্টাদ্ধেব ভার সমস্যে হখন এই পুর্কাঞ্**লে** বাজাধানী ভখন সর্ম বিষয়ে পুলাঞ্লের এেইড় ছিল ও এই অঞ্চলৰ অনেক ব্যক্তি অপৰাঞ্চল 5 পাবস, ভাষার সমধিক পটু আছেন। ব্ৰেপ্ৰধান বিদ্যালয় (কালেজ) স্থাপন ও হাঞ্চের প্রাধান্য লাভের আরু একটা কা– হুদি উত্তয় অঞ্চলে এক সময়ে অধান বিদ্যা চালিত হইড, ভাহা হইলেও বোধ হয় পূৰ্বা क अथन राष्ट्रिक शैन कम्म रहत। यात्र उदह ঐপবিবাহে থাকিও না।

উভর অঞ্চের পরস্পর অনৈক ভাব আং-করিয়া গোমপ্রকাশ অত্যক্ত হ:খ ভাব প্র করিরাছেন। উহা সমনক ব্যক্তি মাত্রেবই तु विषय मुत्सक माहे। (मामश्रकान "क्रामः ভাকেই একসাত্র অবৈকে,ব কেত্র বলিয়। করিয়াছেন, এবং ডক্তনা উত্যু অঞ্লেব ার একডা সম্পাদনার্গ অনুধে:ধ কবিয়াছেন, <del>রা কেবল ভাষ। ভিরতাকে অ</del>বৈক্যর *ভে*ত্র n এংশ ক।বডে পাবি নাঃ ধর্ম আংআংগৌ ৰ্মি ভাষা ভিল্লভা এই তিনটি উদ্দেশ সং কারণ শল্প আনাদের প্রভীর্মান হই-। উভয় বঞ্লে ধর্মগত কোন জনৈক। এইদণ অংগ্ৰেগীৰে বোণও ভাষাভি । এই চুইটিৰ মধ্যে আৰবা সৰ্বাচন পশ্চি **নকে** নিকাৰণ আমুগৌরৰ প্ৰিভ্যাপ, ২ উদ্যুত্তখু শকে ভাষাৰ একতা সম্পানা অসু দ্বাধ ক' শাওঁছে। সামান, কারণে উত্তয ে একতা প্লি⊹'ৰ ক**িলে বালালী** দিৰের ভা নাই ৯ বঞ্জা যে একটী চিবপ্রকাল

আহে, উংগ আরও গুচীকৃত কর্মা দেশনীকে কল ক্ষিত করেবেঃ এবং দেশীয় দংগর স্থানিকার যে কি ক্ষং গৌরৰ আছে, ভাষাও বিলয় প্রায়ে কইবেঃ

সেম্প্রকাশ পূর্বাঞ্চাকে সম্পূর্ণরূপে পশ্চিমা ঞ্লের ভাষার অন্থকরণ কবিতে কন্তিভেনে, গৌ।ক্ষকতা স্থাপনাথ বলিবাছেন, ভাষাৰ জন্ম গত বনাকরণ সম্বরাং বে প্রচেশে অধিক সংখ্যক এওকার উভূও হইয়া ভাষা বিস্তার করিভেছেন, সেই প্রদেশের ভাগাকে আদর্শ করিয়া বেশ শুদ लि'रक्त हका कर्वरा। अहे (श्युद्र क्षांत्र निर्हर কার্য়া ডিনি পূর্বাঞ্চলকে পশ্চিমাঞ্চলের ভাষার অসুক্রণ করিতে ক**হিতেছেন,** কারণ পশ্চি-माध्यान अपनाद्वतम्यः। कविकः कमरा अक्यः। থীকাৰ করি, কিন্তু এই অংশে সোমপ্রকাশ জ মেৰ হস্ত হটতে অৰ্যাহতি লাভ করিতে পাৰেন নাই বৰুলা ভাষা এখনও পূৰ্বতা লাভ করিছে পারেন নাই। উহাব পূর্বতা লাভ একমাত্র দংকু ভের সাহাধেনে প্রভিষ্ট নির্ভন কৰিছেছে ৷ তবে .ৰ যে স্বলে সংস্কৃত ব<sub>া</sub>কিরণকে আনর্শ কলিলে অনর্থক ভাষার কাঠিন্য হয়, সেই সেই স্থানেই বাং উপায়স্তর অবলগ্ন কর্তব্য । আজি যদি বা কলা ভাষা সংস্কৃতের সংজ্ঞাব পরিড্যাগ করে, তবে ইহার কিব্লপ হর্জণা উপস্থিত হইবাব সন্তা बना शार्ठकवर्ण है विराहना कतिहा सम्बन्ध । छाहा হইলে কি বালনা ভাষার সেই পূর্মকার অবস্থা উপস্থিত হয় না ৷ এইক্ষণ ত ব্যস্তা ভাষাকে নানা মনি নানা পথে লইয়া টানা টানি করিছে ছেন। কেছ লপাঃ ভাষার শব্দমাত্র এছেন নাক-বিরঃ কেবল সংখ্য দক্ষ মারাই ভাষার পূর্বডা কবিতে চহিতেছেন, কেহবা এক্পকাব চলিত প্রধান প্রধান বে ক্ত'বা কউক শব্দ বাহব করিয়া উহার পূর্বতা কবিতে অভিলাবী হইভেছেন; উনার কি সর্পবাদী সমত কোন মীমাংস। হই য়াচে : সোমপ্রকাশ স্মরণ করিয়া দেখুন ডিনি, বাদলা ব্যাকরণের মুক্তন প্রণালী সংস্থাপন ক বিতে গিয়া রহস্য স**ল্পর্কারে (কিরুপ সং**স্কা সংক্ৰিয়াছেন : ধাহা হউক আলাৰা উভয় আৰ গুলকেই সংস্কৃত ব্যাক্তৰ, আন্ধ্ বাখিয়া ভা বাব একড়া সম্পাদনার্গ জন্মবোধ ক্রিডেছি তারা হইলে শীত্রই কুডাইতালাভের সভাবনা আচে। পূর্কাঞ্চল যদি কেবল পশ্চিমাঞ্চলর ভত্ত कद्रव कतिएक शास्त्र काहा बहेता "भूकीक्षण मा मामा विष्विष इंहेर्यन मा २ भिकासम स्वेर्ड যেমন উত্তম উত্তম এছ নিৰ্গত হ**ই**ডেছে সেই**ল**প '' रुक स्कात भनिवात " '' वक्र क्षूरचय हविवात »

"आड नक् रम कमात्राह » क्ष्मिक क्ष कमात्र मूक्तक श्रका निक हरे कि हा मा आदि है का का बाद मामिक। मा क'रह तहना श्रमानी, मा आरह काशास्त्र भारते। महाराज्य । मामश्रकान कि भूकी क्ष्मिक है हो र क्ष्मित्रम कहिएक कहिर्देग।

সংজ্ঞ ব্যাকরণকৈ আদর্শ করিয়া উত্তয় অঞ্ লের চ.লবাব আবও একটা বিশিষ্ট হের এই কতকণ্ডাল শত্দকে পশ্চিমাঞ্চলীয়েরা জভ,স্ত-विकृष्ठ करिहाई फेकांद्रन कविद्रा शास्त्रम स्था. ''লৌকা ৯ '' আঁবি ৯ ঘৰৰ উহাত মূল সংস্কৃত ৰৰ "নৌ » "আছ "তখন "নৌক।" আৰ উকাৰণ কৰাই অধিক, ন্যান্ত সম্মত। কিন্তু পশ্চি মাঞ্চল বেচ্ছাচার পরিভ্যান করিয়া ভাচাকরি বেন মা। তাহারা ভাষার মিষ্টুডো সাধনার্থ বিঞ্ হলে ৰিফ্ বৃঞ্ হলে কৃষ্ণ বলিতেও লাইডে খন मा कथिक कारकरभद्र विषय कहे (मामश्रकान ভাষাগত হোষ বিচারকালে পশ্চিমাঞ্লকে এক্দিনও এই কথাটা শুধাইতেও অবসর পান নাই: পূৰ্ব্যঞ্জের কোন কোন ,বংজি সোমগ্র কাৰের বিছের বুছির কথা বে উল্লেখ করিয়াছেন त्वार इत छाहा अहे (रुष्ट्र शहिवाहे बला कहें।) থাকিবে :

প্রাঞ্চনীরদিগের সধ্যে ধারারা বলেন 'কা
মরা পশ্চিমাঞ্চনের ভাষার অঞ্চরণ করিব
কেন ? ' তারারা সামান্য অবে পাওত হন নাই।
কোন চিব মলীন ব,জিকে সাত্র ধৌত করিবার
উপদেশ দিলে ভাষার '' কেন মালা থৌত করিব'
এই উত্তর যেনন উলিখিত ব্যক্তিদিগের উত্তর
ভাষা হইতে বক ভিন্ন নর। উচ্চারণ দোলে পূর্বা
কলের ভাষা যার পর নাই কর্নশ ভাষ ধাবণ করি
রাহে। পূন্যাঞ্চলের গ্রেছ স্কৃত্রক হল্যালাপ ভা
নিয়া ও ভলগে মিইছ অঞ্জন করা বার না বাহা
হউক, উপসংহার কালে ব,জন্য এই, উত্তর অঞ্চলার ভাষা সাধারত দোল পরিভাগে করিবা উৎকর্ষা
স্থারে পরকার পরকার পরিভাগে করিবা উৎক্রিয়া

त्रिमध्यमान मन्नामक महानद्गरक हेरा अ वान्त्राह्म छन्न, य " रहेरवक म " वाहेरवक म ' वानिह्नाह्म राज्य वा महेराति याच छात्र पूर्वाध्यमीद्राहित्य स वा वार्षक स्मिष्ट जरू गाँउ करून स्मिर्फ शाहेरवन। उछाति स्मिष्ट विज्ञा छाँहात मरत्नाथ वार्ष छेन्छान साम करून। किछ छेहा भूर्याध्यम स काम कर्ना हम ना। मे

# প্রেরিত।

## जानाकत जिल्ला स्मानकाण गणांगक बरानम् नगीरभष् ।

আমি এক দিবস একটা বিজ্ঞাপন দেখিলান, ১৬ এ কার্ত্তিক রবিবার বেলা অপরার ৪ ঘটি-কাব সময় ভারতবর্ধীয় আঙ্গাসমার সংস্থাপনাগ किनिकालात हिर्श्व तर एव र र मर स्थान अक् मका स्ट्रेरन, किंड काम् राकि वास्ताम क तिराज्यक्रम, देशव खेटलच विकाशस्य मा था-কাতে আমাদিগের মনে কিঞ্ সন্দেহ উপ-क्षित इहेब्राहिन। खबानि यहेनाही वहरक स्वि-বার বাসনা করিয়া আমি কংলক জন বন্ধুৰ সম ভিষ্যাহায়ে তথার উপাত্ত হাল হা সভা अक्षी वक्ष निर्मिष्ठ १८६ इहेश्वा इन । मधान्यान প্ৰায় ২০০ শত ব্যক্তি উপস্থিত।চলেন :

সভাব কাৰ্য, আরম্ভ হুইলে প্রথমেই সভা করিবার প্রস্তাব হইল এক ব্যাক্ত আপত্তি করি লেন, কে আদ্যকার সভা আক্রান করিতে ছেন ভাহার নিশ্চয় নাই। অভএধ কোন বি শেবব্যক্তিবাদল এ বিষয়েশ অধ্কে বঞ্চ না বাঞ্চিলে সভা স্থাপন নারাত্রণত হইতে-ভেনা। আপতিকারী মহাব্যের বাক্য আমা রও স্মুস্থ ও বাধ হট্ল। বিস্ত ঐ আগতি আছ,ুমা ছইর। সভাস্থাপন এতাব ত্রিব হইলে भव अक्ष का कि मका भ छित्र भटन ३ ७ ६ हेर न न । উপাসনা কাৰ্য্য শেষ হইলে গর সভাপতি আপ विकातीत देखतहासकत्त क.स्टल्स व अह--ক্ৰেণভার আহ্বাম কে'ন ব্তিক নছে. ইয় चयुर क्रमभी बारद्रह का फ्रांक्स्य छ ग्रीहान हेक्ट्रांब इहेब्राट्ड । मण्यानक महानय । यं २ (वट এकी মন্যপানকারিণী সভা করিয়া বহে ১৫ মেই मका मेचारत्र बार्यस्य वा देकात्र स्टेशाल, लाग **२३८म८ कि फाइ'एड लाएक ४ छ**वक्त ३३८न : ভংপরে জীবুক বাবু কেশবচন্দ্র দেন একটা व कृष्ण कविरमम, छेशव कृत ७। ११६, ४३ ভার**ভবর্ষীয় সম জ** স্থাপন হার। तम विर्-लेक् ভিন্ন ভিন্ন ধোৰীস্থ সমুদাৰ প্ৰাক্ষাকে এক শৃত,লে रण फड़िया आन्द्रशर्म नर्नाज श्राप्ता कराहे दश्य উদ্দেশ্য, যে হেডুক ভিন্ন ভিন্ন প্রেমী থাকিলে মতের ভিন্তা থাকিবে, অতএব সকল লেটি এক ডিড করিয়া বর্তমান অবস্থায় বাহা কিছ करेमका हाथ फाट्ड काहा पुत्र कतिया य'हा-তে পরক্ষার বৌহার্দ ক্ষবিয়া পরক্ষারের উপ-কারিতা শক্তি ও লাহায় হ'রা প্রকৃতরূপে ! আজিখন কিন্তাহিত হয়, ভাহা কর' কর্মব্য। তিনগ্রেমাধ চাকুব মহাশয়, বেরপ রেশ শীকার

তাঁহার বজ্জাদী অভি উত্তৰ হইয়াজিল। **डॉहांद्र वरुट्डा स्थव इड्डा अक सम**्रेबा<del>या प्र</del>का য়ৰান হইয়া সৰ্মাপ্ৰথৰে বৰ্জমান স্থায় উদ্দেশ্য वर्तन कृतिका हरेकी ८ भा कृतिहम्म । साध्य सम्ब এই, স্থাণিত মাতৃসমাজ হইতে এক্লণ পৃথক সমাজ সংস্থাপনের ভাৎপর্য, কি ্ মাতৃসমাজ **হইতে কি দেখের সমধিক উত্ত**ি সাধ্য চই-ख्टाइ सार जे तका स्टेट्ड कि शीक्षक **तका**-निर्म 😘 उक्का शहाज्ञन काहार्य, मकल (सम বিদেশে প্রাক্ষাধর্ম বীক্ষ বপর করের নাই > ঐ সভা হইতে কি ভিন্ন ভিন্ন স্থ'নত শাধা নহাল ও विरम्भीय किकास वाकिमिशक नीकि निवय ও উপদেশ প্রদান করা হয় নাই? একংৰ কি সেই মাতৃস্নাল পূর্কাণেকা ক্রমমন্ন এবি চইয়া নিয়মিত কাৰ্য্য নিৰ্কাহ করিতে সম্ব ইইতে ছেন না? ভৰে কি লুভন সমাল সংস্থাপক মহাশরের একপ অভিগ্রায় ক্রিয়াছেন, বে মাতৃস্থাম বেরুপ আছে গেইরূপ থাকিবে কেবল ব্যবসায়াপার ও বিদ্যালয়ের ম্যায় সমা (धन मध्या वृद्धि कहा क्ट्रेटन ? अथना कि छा-কাবা মাতৃণমালের অনুষ্ঠানালিতে বিবক্ত ক্ট स्रोट्डन ?

विक्तीय श्रम अहै, (व डाक्सश्चित विकारनव জন্যই বা এমন কি নিয়ম প্রচার আছে, যভারা नकरनदे तिहै निहरा वह शाकिरवा । यह अक माज देवात्रव एक मा कता है शाकाशास्त्रव है एक मा হয়, ভাষা ষ্টলে এলেশের বা ভির দেশের মুখার ব্যক্তিই রাজান কারণ সকলে বি উপাসং দেবতা এক ভিচ গুই নাই। বদি কেছ আলনামং क्षाति खेलानम याहा रेज्डना, बर्चन ७ वृङ्क्त অবতার শব্রণ বলিয়া আচ্ত হন, ভবে কে এক্সিবাকে অভাকানিশ্চল হইল না. অভেএব প্ৰস্তাৰিত বিষয় স্থণিত বাৰিয়া দেশ ৰাল, পারোচিত এরপ নিয়মবদ্ধ কর। আবদকে, বে কেছ খেক্ষাচারী নাহন। পাহার কথাওলি আমাদিগেব যুক্তিনিছ বোধ হইল ৷ কিন্তু আন্চ-र्थःव विश्व कड़े. \*\*'होत्र वोकःखंत कक्कारल অ . হে হটর। ত'হার পর কয়েকটা প্রস্তাব করা **क्ट्रेश । এक . डेम्पॉर्श छ औष्टिविषयक । फिफी**य . মানব জাভিত্ত জীও পুরুষ উভয়ে সমাজে উপা সমাধ আগমন করিতে পারেন।

इ.चे.त. स्थारक मधुमात क्षप्त स्ट्रेरक मीखि ও ধর্মা বিষয়ক সভ্য গ্রহণ কলিয়া 💥 জন্মদেমিক माउँ शक्त क्षा शक्क कहा स्ट्रेस

**इपूर्व. माजुनशाद्यत क्षत्राम चाहार्वः क्षितुष्ट** 

कतिका कांब्रस्मानवाटका अध्यक्ष बाह्या नवारकर कार्यः भकन बहावा श्रांबंदमास्य हा विलाज शक्षमायदि निकृषिकश्राम निकीए करि वांगिराज्यक्त, काशास्त्र कीशास्त्र भूतकात्र वी मर्थि भवरी ও এक अधिनक्षम नज कर्रा कार्यभक्ष ।

**কলিকাড়া** ) हा जजकात

মান্যবর ত্রীযুক্ত দোমপ্রকাশ স্পাদ মহাশর স্বীপেছু।

মহালয় ' আপনি গত সোহবারের পা কাতে ৩ য় ভাগ মানসাক্ষেব বিষয় বাহা লি রাছেন, ভাষ্। পাঠ করিয়া বিশ্ব রাবিত ক্ট্রা श्रथमण्डः जानि कार्डिनरमङ मंद्रश किथि (इन " চাবিকে फिन खन कविता s रि বার " ইত্যাদি। এই স্থানে এক**টা ভূল চ্ই**র s फिरन यात्र मा निश्चिता " ७ इतंत्रि सा लचा छे.विक कित : कात्रन **सामाद निश्चर**त प ৪৭ক পৰে ৪৭। রালি উক্ত হইবে। আ লিখিয়াছেন " এ রীটিডে পাঠ করিছে গ कि किर करिक त्रमग्र व.म हरूति में किशामि ! কেন নে অধিক সময় সাগিছে আমি খ বুলিতে পাবিভেটি বা । আপনি কোটেস भरतः त्य त्य कथा नि चित्रारहत अति अस्ति अ সেই সকল কথা বলিতে হয়, ভাষা হইলে জ সময় লাগতে পারে, কিন্তু আমার পাঠঞ দেরপানয়, আপনি ২৪ পুষ্ঠার **প্রথম ক**রু পাঠ কবিলে বুঝিডে পারিবেম। (১)

প্রত্যাপালচন্দ্র বন্দ্যোপারা

२১ अ नहबद्देव

16845

যান্যবর জীযুক্ত গোমপ্রকাশ সম্পা মহাশয় নমীপেছ।

गण्नाभक महानग्ना मनीत बादा वा कंछ উপকার লাভ ংটয়া থাকে, ভাহা সকলেই ( চনা করিতে প্যাৱন ৷ এমন কি, ডবারাই স্থা দিব গৌরব বক্ষা পায় ও কো**নের না**ম। প্র উপকার দর্শিয়া খাকে ৷ কিন্তু আমাদিগেব : নগরীব নিমুস্থ সূড়ীগঙা নদীর আধুনিক আ प्रचेटन दोध **रहेटडर**ङ द्व काझ नवरम् व वर এ সহথের মান সভূম ও শোভা প্রকৃতি বি रहेवा याहेत्व अवर लाहकद्र विविध अन्य स

( ) ) दाखाका शहूक व्यव हरेंद्रोहित।

उ इरवन्न घटितः উक नहीट असन दृश्यः । इत निक्ष्यं ए असनः छाहा वृद्धः नाहे । इत निक्ष्यं हिंद नाहे । इत निक्ष्यं निक्यं निक्ष्यं नि

লকার স্থীপত্নারারণগঞ্জ নামক স্থানে লক্ষাও ধলেররী প্রভৃতি বিশেষ প্রোত ও গভীরা কতিপর নদী আছে। এ নিমিত র ইহং রহং নোকা সুজুক ও জাহাজাদি ডিজ পারে। স্ত্তবাং সেখানে থানিজ্য ডিরের সুন্দর উন্নতি হইডেছে। ঐ স্থানে দেশীর লোক, মগ, ইংরাজ, আর্দ্রনি প্রভৃতি

বি÷সেউ ছাকাতে ই॰রাজ পাগলের বাসের শে দিয়াছেন ঃ

का ।

জীপ্রসরচক্র গুছ।

মাৰস প্ৰযুক্ত গোমপ্ৰকাশ সম্পাদক ্ মহাশয় সমীপেযু !

তে ২ রাকিলাইয়েণ শুক্রবার বাত্রি অনুমান भणिकात नमञ्ज अधारम अक्री मक्कव विवः १ দ**র্ম্ম মতে সম্পন্ন চই**য়া পিল্লাচে শুনিষা নাদিত বইবেন। পাত্র বৈদ্যকুলোভৰ গৌ-নিৰাসী 🔊 বুজ্ঞ বাৰু রামকুমাৰ সেনেৰ 角 মান প্রসঙ্গুদার সেন, কন্যা ব্রাক্ষণজাতি ৰেবুৰ নিবাসী জীবুক্ত বাৰু কিশোরীলাল ক্লেকন্য জীমতী রাজনন্দী। কার্য্য হইবার ক্ষায় ০০ - আকাও আলিকাও পুকীয়ান ক্লৰ প্ৰায় ১০ : ১৫ এবং অন্যান্য লোক क हिल्म। डाहाता अप्तेत नकत्नहे विना-ক্ষাহারাদি করিয়ে সর্ভোর প্রকাশ করি-े चुद्रिकी अक्की बाक्सनितं आया, नगः सम ক্টা ২৯ বংসৰ, বেলগুয়ের এগটা প্রধান 🕯 **টেয়েয় ,একটা প্ৰে**ধান কেবাণী : এটা ইছ,ব ক্লীয়াক ক্লিবাত, প্ৰথম জীব প্ৰায় ৫ বংসক ভাগ প্রিয়াছে। এত দিন বিবাচ করেন **डाहाइ है। इन क्व**न जा**माग्र**क विन इक्वि व्हे **देखा हिंग। कना**।त वसःख्यम ४९ वर्शन,

वालिका, अरमक बाद वश्यूमा (नानात भर्मा भूद कात्र शाहेग्रारङ्ग । इःरथत्र वर्षः। स्विष्ठ अय-নও নিডান্ত ছোট, ৮।১ বংসরের মন্ত দেখার বলিলেও হয় ৷ প্ৰসন্ধাৰু বেমন এও দিব অপেক: কবিয়া এই হস্তভাগ্য ৰ**স্পেশে এক**টী দুক্তান্ত দেখাইলেন যদি আর কিছু দিন **অংশক**া ক্ৰিয়া ৰাজ্যবিবাহ নামলী যুচাইতেন ভাষা হই-লেই সর্নাঙ্গ ক্লমর হইড। বাহা হউক, আহ্লা-দেব সংবাদ সদেহে নাই, একেব'বে সকলই আশ। করা যাইতে পাবে না। এই কন্য শাপনাকে না স্থানাইয়া থাকিতে পাবিলাম না। বিবাহ ধে প্রধানীতে সম্পন্ন হয়, ভাহা সংক্ষেপে বলি-ভেছি। গভাতু মহাশল্পো আ আ আগন এছৰ ক্বিলে পর আচার্য্য হয় শ্রীযুক্ত বাবু প্রভাপচন্দ্র यस्त्रमात् । जीवृक्ष वाद् क्रेमः नाथ ११ स (दक्षिए) আসন গ্ৰহণ কবিয়া উপাসনা কহিলেন এবং বিবাহ কি, উপদেশ ছলে বুঝাইয়া দিলেন ও পব স্পাবের সৰক্ষ অদ্যাবধি বাহা হইল, ভাহাও বলি লেন, পৰে উট্যক্ত কেশবচন্দ্ৰ দেন ব্ৰহ্মানন্দ্ৰী ক্ষ্যার পিডাকে বলিডে বলিনেম বে '' আমাৰ (कार्डकम्) क्रिमकी हा**जनकीय छात्र राजन**-দীর মনোনীত পাত্র জীয়ান প্রসর্কুষার সেনের হত্তে প্রদান করিলাম » প্রসরতুমার বলিলেন ' আমি গ্রহণ কবিলাম » পরে রাজলমীকে বলিতে বলিলেন '' ক্লুখে ছঃখে জাঁহার ক্সুবান্তী ষ্ট্রা চলিব » প্রসরকুষার বলিলেন " আমি অনুধাবনি ডোমাকে জী বলিয়া এছণ করিলাম <sup>চ</sup> বেলি চইতে আচাৰ্য্য মহাশয় ক্রিকোল " এইমান প্রসমুক্ষার ভূমি অন্যাবধি জীমতী বাজলফীকে আপন অল বলিয়া জীরণে এছণ কবিলে ? » প্রসম্মার বলিলেন '' এছণ করি-লাম ৯ পৰে বাজলখীকে জিঞ্চাদা করিলেন ' জীৰতী রাজনামী ডুমি জীমান প্রসম্কুমারকে আপন স্বামী বলিয়া গ্ৰহণ কৰিলে » রাজল্মী বলিলেন " এছণ করিলাম" পরে ভাহালিগকে श्वनदाश क्ष्मधूत छेश्राम्भ अमान कविरमन अवर नेप्रतार्थ निक्रे शार्थमा कविष्ठा भाग जावण रहेन এবং ভিনটী গান চইয়া সভা ভঙ্গ হইল।

এক ভার দর্শক :

মান্তবৰ **প্ৰাৰ্**ক নোমপ্ৰকাশ সমাদক মহাশয় সমীপেৰু।

স্থিনর সিধেন্স ফিনং ) মহাশয় ! বাস্কা স্থাদপত্র পড়া আহার

অটা একটা বৈশ্বন ভুলের প্রধান প্রেণীর প্রধান
বালিকা, অনেক বার বঙ্গুলা সোণার গহনা পুর
কার পাইয়াছেন। হংগের মধ্যে দেখিতে এবনও নিডান্ত ছোট, ৮। ৯ বংসরের মন্ত দেখার
বলিনেও হর । প্রসন্ন বাদু বেমন এড দিন
অপেক। কবিয়া এই হতভাগ্য বসনেলে একটা
দুন্তান্ত দেখাইলেন যদি আর কিছু দিন অপেক।
কবিয়া বাল্যবিবাহ নামটা ঘূচাইতেন ভাহা হইলেই সর্পান স্থানর হিড । বাহা হউক, আলাদেব সংবাদ সন্দেহ নাই, একেব'বে সকলই আলা
করা যাইতে পাবে মা। এই জন্য মাপনাকে না
ক্যামাইয়া থাকিতে পাবিলাম না। বিবাহ ধে
পানীতে সম্পান হয়, ভাহা সংক্ষেপে বলিপানীত সম্পান হয়, ভাহা সংক্ষেপে বলিপানীত সম্পান হয়, ভাহা সংক্ষেপে বলিপানীতে সম্পান হয়, ভাহা সংক্ষেপে বলিসন্ধানীতে সম্পান হয়, ভাহা সংক্ষেপে বলিসন্ধানীত সম্পান হয়, ভাহা সংক্ষেপে বলি-

 এই ভানে, প্রথম বধন সহালয় সীনবন্ধ বাবু। ''সংবাৰ একাদশীকে ৯ জ্বন্য বলিল্লা সমালো:-চন কাৰ্যা সম্পন্ন করিয়াছিলেন, ভখন এ বিষয়ে মহানম্ভের সহিত বিত্তা উপস্থিত করা বৃক্তি দিছ বিবেচনা করি নাই: সধবার একাদশীব যে গুণ আছে ভাষাতে গোমপ্রকাশের নিকট প্রতি ষ্ঠিত না হইলেও জনসমান্দে ইহা আৰুত হইতে পারিবেক। কিন্তু মহাশয়ের ২৭ এ কার্ভিকের পত্রে দেখিলাম যে মহাশয় কমিজ প্রক্রমের লোবোদেবাৰণ উপলক্ষে প্ৰহুসনাধির বেহাৰ গুণ বিচার সহতে করেকটা হ্রে সংস্থানের চেষ্টা পাইরাছেন : বদি ভারা মহাপরের পাঠক বরাজে গৃহীত হয়, ভবে কাব্য রসামালন ক্ষমভার खाँशता भारतक मुख विकाक स्ट्रेरवन । अट्टे सामः ডংবওনে এরুড হইলাম । মহাশ্রকে বেরুপ উদারচরিত্র সম্পাদক বলিয়া বোধ আছে, যদি আপনি বেইরপ যখার্থ হন, ভবে অবল্য এই লিপি আপনার পত্রীত্ব করিবেন।

सहानदात हरक ही नवक वंतृ व ताद्य अवन ताव अहें—" नाह का मही मान मान मान स्वान अवन ताव अहें का मान स्वान अवन अहें हर मा। नवता अवन मान हरें ता है ता हरें ता हरें ता हरें ता है ता है ता हरें ता है ता

यागा वरिक क्यन लियनी यात्रम क्रवन नाहै। তিনি কহিয়াহেন বে কয়েকধানি পত্ৰ ( চিঠি ) লইয়াও একখানি নটক হইতে পারে: এবিষয়ে সাহিত, দৰ্পনাদিতে বাহা শিখিয়াচেন, ভাহা বিশ্বত হউন। সে পকলেব দিন কাল একংৰ नाहे। राज्य कामानिर्शव शांत्रीन रणाणि तिर-দিগতে উপেকা কৰিয়া লাপাস ও কুৰ্পলেব बिक्टे बालाम विशा मिला कतिएक हम, त्रहे ৰূপ প্ৰাচীন আলক্ষণ ক্ষ নগতে ভাগে কৰিয়া दिर्शन ७ (११८<sup>२)</sup>, ि०७ अल्फाद ज्यान्य करून । माष्ट्रक छ अहमदनन किंद्र खिद्र खिद्रचन्द्र ক্সজাৎ মাইকে ব'হা প্রয়োগনীয় এচসনে ভাষা **क्षांत्रामनी**स ना क्षेत्रच शीर '। का नेत्र (की**म** अपस् श्रद्ध **भारत्माक वर्ष्ट्र**ाउ श्रद्धार्थ आवेषाक स्टब्स्

विडीय सम. १ १०१ में साहित है लिए, बेर्स वह नात कोभागद विषय । य वनाय बार्य ना । नाहे কেব গল্পের চাতুর্যা, তব্ব বং িপ্ল অভি সামান্য अना स्थम कुक्करी खीरकारकर इहे अक चानि সামান্য অলক্ষারের অভাব থাকিলে ভাহার সৌক্ষের লাখৰ হয় না, তেখন নাটকেব এ ওপ না থাকিলে বিশেষ উ কর্ষের লাম্ব হয় मः। रख्यकः कार्क नामानः शह नहेवा अहुः **०**कृष्टे নাটক রচিত হইতে পাবে, অভি সামান, গর 🖒 )ুবইয়াপুথিবীতে জনেক অভ্যাত্তি নাইক বৃত্তিত হইয়াছে ৷ সে সকল নাটবের নিড়া বছাৰলী প্ৰভৃতি ফৌলস্ম্ম নৰ সংযুক্ত নাটক ७२ में >८ऋद भिक्के चंद्रशादक्ष माख द्वार क्या। (अपूष्ट्रेड किवाडीय माहिक करहेड अञ्चलि कि व कि पूरे मा। डाहा फिन इट्रा दला याग्र। पर्टन ফটের প্রব প্রাপ্তিয়া, মেফাষ্ট্রাফলিস ভালাকে कृत्र 🕍 कतिवात स्थमः नेश्वरवत स्मञ्जनिक महस्रम । भारत करहे । महिक स्त्रीशार्क क देवा छ। हारक প্রবন্ধ প্রাপ্ত বিশ্বাচ কোক দর্শন কথান। এই माञ्च । हेश्व व्याभका मध्यात अनामभी एउ গল্পের পৌশল আছে। অধ্যয় ফটের ভুকা নাইক शायालाः) व १११ काव विक्रि स्त्र नाष्ट्र । सुनानी नार्रे (कर मह्यह अव्यक्तित्व अनीक ' श्रामिथि-৬স ৯ অপেকা আর নাইক নাই, বোধ হয় ভূম-एटन छोड़न महिक खोद्र प्रक्रिय रह नाहै। कि व এ নাটকের গল্প ফটের অপেকার সামন। উচ্চ কবিব "সপ্তবাজা ৯ নামক নাইক অভি বিৰণত। কিন্ত ভাষাৰ গল নাই বলিলেও সমু। इब्रे काठा द्राया सम्भः विश्वास करत, भाग भवन्त्र

রের মুখ্রে পরস্পরে আছত হইরা উক্তরেই মাইস্কা বায়। এতদিরিক্ত ঐ নাউকের সল্লে বধার্ধই আর ।কুহুই নাই। অবচ যিনি এক বা∢ উহা পাঠ कतिप्राट्टन, जिमि यांत कथन छेश विश्व छ हहे-বেন না'। সেদশিমুরের ইভিহাসাম্ব নাটক গুলিতে কি চমংকার গল্প আছে ন চতুৰ ছেনবির सरे थाए, शक्षम व्हनती ७ एउँ व तिकारक . অষ্টৰ হেনধীতে কি গল আচে বাচা কিছু न्नारह छोड्। कोडायमा वान्यकाल व्यवस्थितहरू न अ थारक न करव एकन की मकत नाउक । বন্ধ বলিন্ধা পরিগণিত হয় ২

বস্তুতঃ প্রহ্মনের গল্পের নিকে বিশেষ মনো-যোগ দিলে ভাছাৰ মুখ্য উদ্দেশ্য বিক্স ছব। প্ৰছদন ইংরাজী হক্তি, সেমুগুল ফুক্ট ও ভেবিড গাঞ্জিক প্রাকৃতি ইবাব প্রস্তা। জ্যানিগ্রের বচিত दा अगटरव ब्रव्धि अव अ अ अमि हेरवाकी श्रव সন বাই যে ভাহার গড়ে কিছু বিশেষ চাঙু বি প্রকাশ আছে। তাবে নীনবদ্ধ বাবুব অপরাধ ১ जाननि निचित्रादङ्ग '' शक्क गैव तब्ना चित्रद्य खन्न कारदा कि ह माज रेमपुरा श्रकान इस माहै। अख এব এতংগাঠে যে চিত্তের বিষক্তি ক্লয়িবে জাহা काष्ट्रश्री महि। १ १ व न कि केदन स्वत ब्राह्म **छ व करत. क्षेत्र या** छाइग्व विवृक्ति स्वित्र । काडा व्याक्त नहा । (लावजी कीटनर मा व्याप-মার ? আপনার ১০ক সংবাধ একারনীর ভিত্তীয় । মরবানে কি ভাগার অপেক্র कित बहे स " **जुण्ला**ति । प्रात्रेकालिका कु क्यांगामभियावनी प्रकार छे॰गालिया अन्यस কৰিয়া সুৱাপান বিষয়ে এই কোন হৈ পাল বিশ্বাস হি পাল মন,পাকে এই পাল দিয়াছেই मन क्वारे देशव डिटाना । कि हा छारा अधि । ক্ষ নাই। নতুকেশ্ব ও নিমেল, ড যে কংগাপ क्षम र्य, ख्याता देशरे अख्यातिक इतेताहरू যে সুরাপান নবাবনী পভাগ্র জোন কাজ কই **ंडरह मा, अल्डांड क्लंडेडा लोट्यन ६ व्हडीन इह** .ডছে । » আপেনি এ গছন্ম খনি বুলিতে भारतम् नाहे । सुराभारमद् अमिक्टेकावि हाः शहर्यम करान मधरकर फेरहन। घरते, लिश्च प्रशंभाग নিবারণী সভার উপধোলিতা দেখনে যে এড कारबब छेऽस्टरः व कथा स्मानात नार्टन्य २ कुवाभावसिवादवी मचाय अञ्चलद्वार्गाञ्च अस र्मन ( २ ) क्यांहे अष्टकाराज केरमणः। दक्काः

(২) আনহাজননি, বঁহোৱা সহপার কব लक्त कविया कुल्किया निवाद्याव कुन्ने भाग এম্বাবের ভারাবিবের সপদতে 💨 ও উ-সাচ ति क्या केहिल, कि इ विकि कदिनशैक र नदाव | कादि या पूरी कि व वामाध्य वादकारतम् क्यका श्रकाम । जावानः कावत् वाद्रो हिद्देश डीहानिरान्त (१९ व देवन) अल्लानन । इदेत्र। शहरतः कई कावित्रा विकास क्षमामानः इत्र अहे कामना एकन स्थितियान। मा कलन, जिनि देशिय द्यान इतेन कामानिश्यन देशेल दिएल दिएल व्हेट

(यांगी नटर, पद्धार अ मुक्तीय (क्यून कर्मिक জনিতেঙে ৷ এছকাবের এ উদ্দেশ্য বে সিম্ব ছ प्राटक कारा महानवह जीकाव क्रिक्ट्रहरू মুড্রাং আপনি বাছা লেখ ব লহা সিক্তিত ক রাকেন, ভারা একটা গুল বুলিয়া স্থানিত रहेर्द ।

হৈার পর জাপ.ন লেখেন, " এইটা খের উপদংকার করা হইরাছে ভারতি ক্লীক্রিকর केटचन, मानदमान(चाजी न्द्रश द्वामपन क्रीकृष :शर अधिनय ও बाहरन (म:धमा छ।शहस क्रिक् करतम, এই भाउ भाउतित नः। क সামান্য মাট্র। ১৮রাচর এ ঘটনা 🗒 रेकालि। मालनात कछ कम स्वतारेके विकास মাতালের শান্তি ২ইল ? আর খোটা আইটি नारे ? को दलव स । भारत कि मार्कि महिला টেড়ুকুতি সকল যে পশুৰং নিছুক্তি 🕍 🍇 🛣 रहेत, हैश कि माखि नटह है देश की ,পত্ৰ, পত্ৰীৰ,ত। সঙ্গতে হইবুটা, नटर ? त्य .च त्वनात्र क्षमः विश्वति । ছিল, ইয়া কি তাহাৰ শাক্তি মহে বিশ্বনী আৰু ্য তাৰ জন্য বেশার নিক্টকুন্তারী लात हैश कि ना छ नहर ने नेपूर्व की की মনভুক হয তবে কি তাৰা ়ি 'চডেৰ অধ্যপাত ই মন**ংপদু স্থা** शहर करो, खराबर ९ को 👹 स्क रटका दि:सय भनिष्ठम **रेटीसम्बद्धि मे** ना के बना श्रदार नाहि पिडिस का অলকুত ও দানান্য হইক গুলীবৈশ্ थ, किन्छ सः। 🕰 ,भाषत 🐯

অ'ব্ৰ ফিলাস, কৰি, প্ৰাঁপ্ত বৰ্ষ ন্তের যার ভাষার শিক্ত পিকুষ্য কার্ এংধাই বা সামনি, শালৈ ∰ে, কৈ कर्यका किस्त ज्ञानक 🖣 के क्षकान्त्रा वह हाल सन् क्किटनाध्य व्देश्वर गांत अक्रम विक्री (कान काल **बर्रेड**क्टर ना, **कारी वेहें हैं** ्काल मर ८५ हो करा इस मा। (काम किन पूर चीट हा पुरत्त था किएक भारतम मोहा है।

( ७) क्षारवर यामे व्यवस्थानीय व বিবি না থাকিত, অমুক চুবী 📆 🕉 আন ক্ষিয়াকে, উহার চিন্তপুতি নিব

<sup>( ) )</sup> श्रेष्ठी भाषायः अवर व्यवसानः विवरत

ৰাহা সচরাচৰ ঘটিবা থাবে ভাষা কাৰে। স্কৃতি-ক্ষুত্ৰিত কৰা লোধ না গুণ ?

देशक भरत, कोन य मन झांकन विनया विकास स्थान है, देश अरहत कार विनया किरमिक कर्माट्टन । वेशक अरहत का । अर्थन महा झांकिए भाविन मा देश अरहात काल माखि। किनए मुंबी अरु वाव मनाभक देशन काल मना केल्डिक शास्त्र मा। देश यहि अद्याव अरिभन कर्मिक शास्त्र मा। देश यहि अद्याव अरिभन कर्मिक शास्त्र मा। देश यहि अद्याव अरिभन कर्मिक श्री कर देश है।

ভার পর আমাতা। আপান এছের কয়েক ভারতি তাল করিয়া করিয়াছেন ' শালা বিশ্বিক এ গুলি কি আমা করা নয় ? বে কার্কি করেছিন নে হয় তাহা কি প্রীতিকর করিছে গালে ? শুলাব উত্তর একথাওলি গালি করি নতে, অব বে নাইকে এ গুলি বিনান্ত বা ভারতিক। ' ১ ) হইতে পারে।

मिन्द्रिके वाम कथा कहिएक वर्ण ? याज मिन्द्रिके विश्व हिंदे हैं से अपने कि कार्य मिन्द्रिके कि वर्ण - वर्ष एक्षि मशद हैशा अपनिवर्ष मिन्द्रिके कि वर्ण क्षाणिय वर्ण मा गर्ड क वर्ण ? मिन्द्रिके कि वर्ण के कार्य कि कार्य करते, कि वर्ण कि कार्य के कार्य कि वर्ण में कि वर्ण में कार्य करते, कि वर्ण कि कार्य के कार्य कि वर्ण में कार्य करते के वर्ण में कार्य करते के वर्ण में कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के विश्व करते के वर्ण में कार्य के कार्य के कार्य के विश्व करते के वर्ण में कार्य के कार्य

ক্ষানি ক্ষানি কথা চইলে, কেনই বা বিদ্যান ক্ষানি অপ্রীতিকর চইরে লোমা বাবের ক্ষানিক কথা ( e ) এমা কথার ক্ষানিক সংস্কৃতি চ্ছাবে? বিশ্বের লিখিয়াছেন, " সংবার নিস অবর্থ হয় নাই। একথা খীকার

নাবে ক্ষাৰ হয় নাই। একথা স্বীক র নাবে কি? জারও লিখিয়াছেন স্থায়িজাৰ বে হাস্য, ইয়াতে ভাষা শোৰে ক্ষাৰ যে মনুতে মিষ্ট (১)

নার প্রাথানিগের পের্নাপত অভাবতঃ উক্ত নার বাহানিগের পের্নাপত অভাবতঃ উক্ত নার বাহানিগের পের্নাপত অভাবতঃ উক্ত ক্রিক্তাব বিষয় চাব এক ভিনিঞ্জ, ক্রিক্তাব বিশ্ব চাব প্রথা পুরুষকে পথে কর্মার বর্ণনে বিশ্ব দর্শন ও প্রবন্ধ বিশ্ব ক্রিক্তাব্র প্রাথানিক না ।

সধ্বার এবাদশীর আপ্ন যে যে দোব। আরোপিত কনিয়াছিলেন, একে একে সকলের প্ৰতিবাদ কবিলাম। কোনচীই দোৰ নহে, ভস্তক্ত जर्भक निर्दे छन, देश भिक्ष ग्रेश । साथाने देश वीकांत्र कतिहरून मा, किन्न कार्यान धान महासुवन হন, ডবে অবৰ, এ পত্ৰকে সোমপ্ৰকালে স্থ'ন দিবেন। তঃপনি, 'গ্র'পন পঞ্চে সিম্বান্ত করিতে েই। পাইয়াছেন, আমি গ্রানার পদে দিভাস্ত ক বিজে চেষ্টা পাইরাছে, কে ঘথার্প ন্যায়ধানী ভাষা সাপনার পাঠবেরা বিচার কবন। এই পঞ में घ, त्यामध्यकारण देशाव थुन्स ४३८व मा, स्री এমত আপত্তি করেন, তথে আমার অনুযোধ ও নায়প্রতার অহুরোধে এক খানি ক্রোচ্পত্রে ইন মুদ্রিত কবিবেন। ভারাতে অভিনিক ব্যয় হইতে, দে বায় যদি স্বীকাৰ না কৰেন, ভক্তেড বায় ফ্টবে ভাহা প্রায়ে প্রকাশ করিলে, ভাকে व्याननार निकट व्यर्थ भोहित्य : व्यात यपि किङ्ग-তেই আপনি এপত্রণ একাশ কণেন, কৰে ভাষাও লিখিবেন, উপাল্লাস্থৰে এপতা আমি আপনার পাঠকদিনের সমীপঞ্কবিব (৭)। रकान कविद्युत्।

## म्ना व्यक्ति।

(१) (नरमंत्र धरे मिथाहिकू सिथिया ज्यामहा অধিকভব কৌতুকাবিট হইগাম। পত্ৰপ্ৰেরক लोक छ जन्न अनर्गत्म भन्नोकमूच रून नाहे। किन्न त्यामश्चकारनय अ हरे (त्यामरे नाहे, प्र इंडेक, এ অকিঞ্চিংকৰ কথা। দীনবন্ধু খাবুর লিখিবার किक्षिर मंक्षि कवित्राहर, प्रश्वाय अकामनी (इहन ধেলা বলিয়া আমাদিগের বৌগ হইয়াছিল, তিনি এরণ ছেলেখেলা না কবিয়া দে শক্তি ভাল বিষয়ে বিনিয়োজিত কবেন, এই আন্দি भित हेम्हा। विकि सथवात अकामनी छिस्क्रष्ट हाँद्रा थातक. ज्यांत सम अमुख्य कामाहा कामात केरकर বুঝিতে না পারিয়া থাকি, তাহাতে আম্রা অপরাধীনহি, অব প্রযুক্ত বিশ্রীত আনে হওয়া বিশ্বয়ের বিশ্বী নয়, জার সে অম বীকার করাও अनाक्षारत्य<sup>क्ष</sup>विवय म**रक** किन्न त्र अप काश्री, পত্ৰ প্ৰেরক যে ভাহার নির্বয় প্রস্তাব করিয়াছেন, ভারতে জাবরা আমন্দিত হইল্যে। স

জীগুক্ত এস, রাউস্পেন নাহেব ব্যবস্থুর ১০৭০ অগ্রহারণ হইতে ৭৪ বৈশাণ প

## নোমপ্রকাশসংক্রান্ত কয়েকটা বিশেষ নিরম।

শ্বিম মূল্য ও ভাক মাধ্য না পাইলে মদ-খংগ সেমেপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

ইংবি অগ্রিম মূল্য বার্থিক ১০ এবং ধাণা।
সিক ৫।। • টাকা, মক্সলে ডাকমান্তল সমেত
বার্থিক ১৩, ধাণা।সিক ৭ এবং ত্রেমাসিক ৬৯০.
ভেন মানেব ভূনে অগ্রিম মূল্য লওয়া যায় না।
ছঞ্জি, বয়াড চিঠি, মণিজ্ঞার য়, নোট, ও স্থাপা
ভিকিট, ইংবি জন্যভার বাংগতে ধাহায় ভ্রেবিধা
ংয়্ল ভিনি সেই উপায় ধারা মূল্য প্রেরণ কবি
বেন

বাঁহারা স্থালাটীকিট পাঠাইবেন, তাঁ হারা বেন এক অথবা আথ আনাব অধিক মূল্যের ও বসাঁদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

यथन विनि मनग्रम स्ट्रेस्ड मामक्षनार्यन भूमा गोठीट्राचन, जारा स्वन द्वस्थिष्टेनि कविश्वा क्षिपुष्ट श्रांत्रकानांच विष्यापुर्वस्त्र नारम गोठीटेश्वा स्वन

न हिमिर्शत मृन्य भिरात नवत करोड हहेथा कानित्य, এक मान श्र्य डीहाहिस्ट्र हिन्नि निचित्र स्नामन सहित, कान करोड हहेशा श्राह्म अकरात हिन्नि स्नथा हहेर्द, डाहात श्रद अक मानकान क्षडीका कतित्रा कानक वस करा सहित् । स्नव वारतत श्रद्ध स्वातिक श्रीहान हहेर्द्ध ।

মাতলা রেলওরের সোমাপুর ছেসনের ডাঞ্ ঘবে চিঠি আইলে আমন্ত্রী লীজ পাইব।

यौरात्रा बाक्षण ना निम्ना श्रदानि स्थापन कवि वन, डीरानिट्यब म्बर्ग श्रदानि अर्ग क्या यारेटन ना।

त्वर (माध्यक)त्व विद्यापन निष्ठ हेक्या कतित्व डीहारक श्रथम डिमबाव श्रिडिमशक्ति अ जाना खाहार पत्र /> जाना निष्ठ हहेरत। विनि जिनक्सान विद्यापन भिवास हेक्या कविर्यन शहात महिष्ठ चन्छ स्टब्स वहार हहेरत।

ক্রেন্ট পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্স সাতলা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেসবের দক্ষিণ চাল্ডি-পোভার ক্রিক্রে দারকানাথ বিদ্যাভ্যণের বাসতে প্রতি হোমরার প্রাক্তাধানে প্রকাশিত

# (माश्का

৯ম ভাগা

# " प्रवर्त्तमां प्रक्रितिचिताच पार्थिवः सरस्वती श्रुतिमचती न दीयतां।"

টাকা অধিয়ে যাণ্যাসিক 😝 টাকা। 🕽

ষানিক মূল্য ১ টাকা, অবিম বাৰ্ষিক ১০ । সন ১২৭৩। ১৯ অগ্ৰহায়ণ। ১৮৬৭। ওয়া ডিলেম্বর

# বিজ্ঞাপন। रेखे रेखिया जिम्बद्धाः।

विरमंद अमरनक् मिरशंत विकेष नकन श्वका श्रेटक श्रम्ख

रुहेरव ।

সর্দ্ধ সাধারণের সম্বোদার্থ একদারা প্রকাশ করা হাইভেছে থে, বাহারা বাজ্ঞীয় রখে রেন পথে বিশেষরূপে অমণ করিবার অভিলাব করেন, (पूर्व्स विकालन म्बन्ना श्रेप्नाट्ड ) काशामित्रक আগাদী ব্রু৮৬৭ খু স্থাম্মের কেব্রয়ারি বাসের খেৰ পৰ্যন্ত মাসিক টিকিট হাৰড়া ইটেসন হটতে প্রদক্ত হইবে। নেই টিকীটধাবিগণ আপনা দিগের ইন্দান্ত্রসারে উত্তর পশ্চিম প্রদেশীয় সমু भाव द्वश्रीतम् भरमात्रम् अवश् चाण्यश् द्वान नकन দশন করিতে পারিবেন এবং নিম্লিখিড স্থান नकरनत्र नर्नाक वा व्य क्षारम हेन्द्रा स्त्र, क्यांत्र গমম ও তথা হুইতে প্রত্যাগমন পূর্মক নিজ নিজ অমণ সমাপন করিতে সক্ষ হইবেন। ঐ সকল স্'নেব নাম এই---

> মুকের। व की भूव। যারাণসী ছুগার ৷ মূজাপু ব আলাহাবাদ। কানপুর। আগ্ৰা গাভিদ্বাবাদ এবং विही :

উক্ত প্ৰকাপ সাৰ্কজিক বিশেব অমণেক, গ থের ভাড়ার হার।

১ প্ৰথম জেপী ২ বিজীগ ঐ

১২০ টাকা :

9. 4

অমধ্যে টকীট সকলের যে ভাড়ার হার উপরে নিখিও হইল, জাবো-शिश्रन मिल के शास्त्रत देशन माख्या २० টাকার হিসাবে অধিক প্রদান করেন, ভবে পাহানা এই বিজ্ঞাপনের লি,খিত নিয়ম অপেকা অতিবিক্ত আয় হুই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট সকল ব্যবহার করিছে পাবিবেন। অন্যান্য প্রধান ইটেসনেও ঐরণ নিয়মে টকিট পাওয়া হইবে:

উপরি উক্ত বিবরের অন্যান্য বিবরণ ৰীহারা জানিতে ইক্ষা কবেন, ভাহারা হাবড়া ইটেসনের ডেপুটী ট্রাফিক মেনেজর সাহেরের निक्र जार्यम्य क्षित्रहरू मधूनात्र अवश्रक स्ट्रेस्ड भाद्रिस्व ।

সিসিল কিংক্সেন।

 বোড নব একেনী ইষ্ট ইণ্ডিয়া বেলওয়ে হৌস कलिकाला ১৮७७। ७১ अ व्यक्तिकाः

#### বিজ্ঞাপন।

আইমুক্ত বাবু বনোলারিলাল রায় এবীড ''ললাৰভী শ্নামে এক অভাৎকৃষ্ঠ অভিনৰ বালালা কাৰ্য বিদ্ৰুৱাৰ্গ প্ৰস্তুত আছে। ইহাতে সচরাচর প্রচলিত ছন্দ ব্যতীন্ত, কবিপয় শুতন इक्क नित्विचि इहेन्नाह । हेराव स्ता अक টাকা, **এত**হাতীত বিদেশীয় প্রাচ্কদিগকে ছই জানার ভাকদান্ত্র পাঠাইতে কইবে। এহণাভিলাধী মহালয়েরা কলিকাতা কেবিভুল মিলন কালেকে অথবা নিয়লিখিত স্থানে আমাব विक्षे अञ्चलकाय क्षित्र शृहित्व भावित्वतः। কলিকাডা, ভূকেন জীট নং ১

## বিজ্ঞাপন।

এডবারা সর্বা সাধারণকে আড কা এই-সেতে উত্তর পূর্ব বিভাগের ব**র্ত্তর**্ভিক इरबाको बाक्ना ७ बाक्ना हात्रकृषिक्रिकारीका ष्यांशामी जिटनवत्र भारतत्र ১१, ১৮, 🥦 ২+ এ স্থাটিত হইবে।

ৰে যে পুস্তাকে ইংবাজী বাসলা ক্লিক্টেডর পরীকা হইবে, তাহা নিয়ে নিবিত্ত হইটে 🖟 हे॰द्राब्हे । চারুপার হয় ভাগ ক্রাক্টেইটো-जीएक महत्व महत्व विवेदेश क्य वाम कडिएक रहेकि । विकास सामा नत्रीकार्थो विद्यार है स्वाहत ष्यमुद्राप कत्रिवास अविकास ४ इरबाजी गाक्तरन बुक्ति छ বৰ্ণ শুদ্ধ করিয়া লিখিবীয়া ক্ষম-ভার পরীকা হইবে। 🖔

२ म । देश्यांकी भग ७ भग रहेएंक साक्त्रव ঘটিত শব্দের বু.২্পত্তির ও বাক্য বিন্যাদের প্রশ (म बग्ना बाकेरव ।

शंकता ।

প্যারীচরণ সংকারের পক্সথও পাঠঃপুস্তকের ৪ র্থ স্ক্রারের মধ্য হইতে বাজলা অন্তব্য জ্ निएक (५७वा वहेर्स । केवें षात्रा भवीकाचीकित्मन वास् শ্লাতে অপ্রবাদ করিবার ক্ষাইট্র ও বাললা ব্যাকরণে বুংংগন্তি ও বৰ্ণ গুদ্ধ করিয়া লিখিবার পটুতাৰ পৰীক্ষা হইবে।

পার্টাগণিত। শুরু ত্রৈরাশিক। ক্ষেত্রভার : ইউক্লিভের প্রথম **অ**ধার।

পুথিবীর চারিখণ্ডের বিশেষতা ভূগোল। ভারতবর্ষের সাধারণ বিবরণ ৷

भहीकाचीं भिगरक कावखदर्शन मधुरान्न व्यथना किञ्चम्दरन्त मक्ना कविएक एक्क्या वाहरना

মার্শমধান সংহেবকার বসংগ্রের ইভিহাস ৷ इक्टिइन्टिन् ३ - ४ म अपन्तित्रव त्वस ১ o श्रुष्टेश्व भयः इष्टेट्ड **প্রস্ক (**৮ওয়া ধাইয়ে।

ৰ্ব্ৰ প্ৰীক্ষার নহর দিবাব সময়ে হ স্তালপি विद्विष्ट्वा १३८४ ।

🕬 🌉 প্ৰীক্ষা ও বাজলা ছাত্ৰকুভিব का क्षापूर्वे हैं फिरमश्रद कांदल कहेरद . व्यक्त बद se<del>য়টুৰ্য় বেংব</del>র পর স্প বুলিবামাত্র পৰী-(নি**শ্রেক-কাপন** জাপন নাম স্থানীর ভেপুট **प्रमुद्राद्व निक**ष्ट निषिश्च। शःश्री**रेए**ख इरेख । ব্লিকেম্বরের পব কাচাবও আবেদন *লাক*, ৰীইবে না। আবেদন মধ্যে নিমুলিখিত শি **ছলি লিখি**য়া দিতে হইবে:---

- ১) প্রীকার্বির নাম।
- ২) আছোৰ পিভাব নাম।
- ০) বাসভান :
- 🖇 ) ৰয়স ।

গ্রেইউর ।

প্ৰসূত্ৰ

क्षांग ।

देशांग ।

- ६) ধর্ম। দদি হিন্দু হয়, তবে জাতি।
- 📤)- বে বিস্যালয়ে অব-যুত্ত করিয়াছে।
- १) डाइइंडि बाइन कनिदा (य दिन्हानाम **ভ ইম্ছা** করে।
- 🛩) ्य 📆 स्मारम भवीका हिएव।
- 🕩 भ मेडीकार्थिय। প्रवीकः विवास अध्य কি **প্রাক্তাকালে** যে ব্যক্তির প্রতি কী আছাত্ব क्तिकात थाकित, उँ।शतक २ है।कः की **क्**दिद्व :

**৮৬৬ অং**শৰ বা**ল্**লা চাত্ৰৰণ্ডিৰ প্ৰাকার **भुक्क**।

তৃতীয়ভাগ চারুণাঠ এবং বচন: ৷

ব্যাক্রণ এবং চারুপাঠ ভূতীয় ভাগ ইইতে শ্রুতলিখন।

ভাবভৰটোৰ ই ভিছাসের প্রথম

পুৰিবীৰ চারিখণ্ডের বিশেষতঃ **ভার চররে । সাধারণ বিবর**েবং পরীকা হহরে, এডভিন্ন পরী পাধিদিগকে ভারতবর্ষের সমূল্য অথবা কিয়-ংশের নক্লা কবিতে দেওয়া ঘাইবে :

শ্বিকুটোল - রাজেক্রনালের প্রাকৃতভ্র-

াজীগাৰ্ভ । স্মান্ত দশ্মিক জ্লাংশ ( कृतीन व्यवस्था अवर सङ् হৃত্তি ও বৰ্গমূল।

**बेडेक्टिड्ड अध्य प्र**मान्न । ক্রেডভ ৷ की शहब कविवाद छन। य वास्क्रिय छेपड़ ভাব থাকিবে পর্বীক্ষার্থিদিগকে পরীক্ষার প্রথম দিবস প্রাতঃকালে উাহাব হত্তে ১ টাকা ফী প্রদান ক'বতে হইবে এবং পূর্ণোক্ত অষ্টম নিয়-মানুসাবে ভেপ্টী ইনগেপ ইরের নিকট আল নাম লিখিয়া ছুৰ্গোংসবের বঞ্জের আৰ,বহিত প্ৰেই আবেগন করিতে হইবে ,

> ই, জি, পোটৰ। উত্তৰ পুৰ্ম্ম বিভাগেৰ জুল ইনস্পেষ্টর।

#### বিজ্ঞাপন।

"বুকলে কিনা ? শনাে একখানি প্রহুসন সম্প্ৰতি মুদ্ৰিত হইয়া বহুবাজাবস্থ ১৭২ সংখ্যক ঠননহোপ থেলে বিক্যার্থ প্রস্তুত আছে। মূল্য ১ এক চীকাম'তা।

০ শা নধ্বেরর। ১৮৬%।

### বিজ্ঞাপন।

#### কপ:লকুগুলা :

क्षियुक्त वाबू व अनहत्त्व इटक्राभाषतात्र अनीज উক্তরার মুদ্রিত হইয়া কলিকাত। সংস্কৃত বয়ের পুত্রকাররে বিক্রয়র্য স্থাপিত আছে।

মূল ১ এক টাকা।

## বিজ্ঞাপন।

ভিন্থানি কোম্পানির কাগজ চুরি গিয়াছে। ৯৫২৬ নং ২৭২৪০ ৷ ২৮ এ বেরুয়ারি : काहिव शत्र रमाने ५ • • • ,

8 - ) 최숙 승구노용는 ! 소 정치 2는 68 ! ঞাৰ পরদেন্ট ১ · · · .

म् अटचर वेश्य का देश भार १८२८ मार्च अभवन কোৰ প্ৰয়েষ্ঠ ৫০০

কলিকাতা ঐীবাম পালিড *> বা আ*গ্ৰহণয়ণ वक्रव'क्षांबू, तास्त्राव वाहेवः । ३२१० ।

### বিজ্ঞাপন ৷

নিমুখানগালার গলি ১৫ নধর বাদীতে মংগ্র শীক ও সংপ্রচারিত নিয় দিখিত পুত্তকঙলি विक्रम स्ट्राउटह --

द्धनी उ	*	मृनः
এীনইভিহান		३ क्रीकः
<u>বোমইডিহাস</u>		٠ ،

নীডিদার (১ ম ভাগ) নীভিদার (২ শ্ব ভার) প্রচারিত।

মুক্তােখ বাবরণ ঐ যাবকানাথ শৰ্মা।

J.

## বিজ্ঞাপন।

মোলাহাটী কলংবেৰ অন্তঃপাতী ক্রপ্রব ভিবিক্ষৰ বিক্ৰয়েণ দিবদ ৩ বা ভিদেশৰ ভাৰিৰে নির্দারিত করা হইয়াটিল, একণে নিউ বেলাল ইণ্ডিগো কোম্পানির একেন্টদিগের আনেশায়-সারে তাহা রহিত বইন।

এ হিলস।

## সোনপ্রকাশ।

১৯ এ অনহারণ সোহবার।

क्षेटकत इर्डिक मश्रक्त य कमिनन नियां चिक कवा इहेबाएह, डीहापिशदक य य विषयः व अञ्चलकारम डेशरम (मध्या **एम, तम मम्**लामखनि मह्हालकात সন্দেহ নাই, কিন্তু নিম্নলিখিত ভূটী বিষয়ের विट्निस्त्रार्थ अञ्चनकारमञ्ज्ञ आरम्भ द्ववश्र অধিকতর আবশ্যক। এই ছডিক সময়ে কত রেজিউরী ওকত ইটাম্পবিক্রয় रहेशाट्य १ व्यना व्यना वर्ष महत्रहातहत यिक्रण इत, जम्टर्गका विम अधिक रहेश बाटक, कि काजरन अधिक हहेल ? ইহার অসুসন্ধান হইলেই থাজনার দেনার নিমিত কত আর উদারার সংস্থানার্থই বা কত বিষয় বিজ্ঞাল হইয়াছে, তাহার निक्रिये इंदेर क्रिकीर, स्य अमर्ग এক বার শব্য জুজাুণ্য ভ্ইয়া আং বিয়া-ছিল, দে সময়েও ঐ স্থান হইতে শদ্য ক্ৰীত হইয়া স্থানায়ৰে নীত হইয়াছিল কি না ? শেবোক্ত বিষয়টার অপুসন্ধান इंदेश के कांब्र विक के के कि ছর্ডিকের তত প্রকোপ হইয়াছিল, এবং মক্ষলছ হাকিসেরা ছর্ভিকের জ্বন নিরীক্ষণ ও ভবিবারণ চেডায় কিরুপ বড় বান ছিলেন, ভাষার নির্ণয় হইবে।

#### एक्काहरक सन्त ।

আগরার দরবারে কি উদ্দেশ্য সাধিত **इरेन १ इर्डिएक शदर्गरमन्छे २० ४क है।** কাৰ শ্ৰা পাঠাইয়া দেন, ভালার মগ হয়তে উর্ব খ, পাঁচ লক ট.কা লো-क्त करे निरात्तवार्थ अपन स्टेग्नाहा। অবশিষ্ট ১৫ লক্ষ টাকার শদ্য বিক্রয় কবা হইখাছে। পক্ষাস্তবে, দৰবারে ১০ লক্ষ টাকা বায় করা ছইল। এমত কর্টের সমরে দশ लक्क है। का बाब कतिवान अध्यासन कि १ সব জন লবেকাও ভাঁহাৰ অসুর্তিকাবিরা वरनन, देशव दादा बाक्यों कि मदर**्ये** वह ফল লাভ হইথাছে, ভারতবর্ষীদ-বাজারা আ কৰ্বের রাজধানীতে ইংলত্তেশ্বীৰ প্রতি নিষিকে সন্মান ১ দর্শন করিতে আসিয়া ত্রিটিশ গ্রণ্নেটের ক্ষমতা দর্শন করি-लात। इंग्लिंगित अभन कर्क बहे, अभि য়াব লোক মাত্রেই বাহ্য আতৃহর ভাল बारमन, मत कन लरबन्न श्रेन्टम रा श्रीत मार्ग क्रुणग्डा अमर्मन क्रिशोहितन, সেই পরিমাণে আজ্মব না করিলে তাঁ-হাৰ প্ৰতি লোকেৰ ভক্তি ও ভয় হয় टेक १

ভারতব্যীয় রাজগণ কি পঞ্চাবের যুদ্ধে বিশেষতঃ ১৮৫৭ অব্দের বি-দ্রোছ কালে ত্রিটিশ গবর্ণমেন্টের ক্ষমতঃ ও প্রভাব জানিতে পারেন নাই ? ঘাঁ-হারামনত্বীও ডেক্কী পুরুষ, অগতগ অধীনত। পালে বদ্ধ হইয়া আছেন, দেই ' অধীনতাত্মক কোন ব্যাপার অথবা চিত্র যদি তাঁহাদিদের সমুপে উপস্থিত করেন। এ ভহ কি প্রকার ভয়, তাহাও একটি কবর। সুদলমানের স্মদেহ ইছার कता ज्ञाचन व्यक्त करान इह, डीहारा .কি ভাষাতে সুখিত হন ্ অনেকেব এই क्रिश क्रिक्टिक कारह, तम्हें विद्व प्रमान করিয়া অধীনতা নিগড় ভঙ্গ করিবার -চেফী কথে। ইতিহাৰও ইহা সঞ্মাণ করিয়া দিয়াছে। কোনুরাকা স্বাধীনতা লাভের সুযোগ পাইয়া তাছা পরিতাগ ্রাধিকাবী করিব না। " সেই ভাবে লাউ মাংস হারা ইহার অপবিত্রতা সম্পদি-করিয়াছেন ? আসিয়াখতেই চিরকাণ কানিও রাজাদিগকে প্রভুত্ত হুইবার তও হুইয়াছে; উভরপশ্চিমাঞ্লের মুনল

এই दोडि हिना आमियाटक, विनि दा গান রাজা হইতেন অধীন রাজালা নিগ মিতরূপে তাঁ**হাব চ**রণ সেবা কবিতেন। বিষ্ণ এটাকি **রুচি ও ইট**কর প্রাথাণ আমরা কাব্য নাটকাদিতে ধ্থন গ্রথন

অস্তাপান্তসমস্তভানি নতন: পারং প্রয়াতে বরা-ৰাস্থানীং সময়ে সমং নৃপক্ষনঃ নায়ন্তনে সম্পতন্। সম্প্রত্যে সবোরুহহুটেমুর: পাৰাং স্তবাদেৰিডুং क्षी दृष्टक**र्यकृष्ठ। मृ**णापुनव्रन-(मःदम्पहित्वादीकटङ ।

পাঠ কবিভান, ভখনই ইছা দুবিভ বলিয়া বোধ হইত। এই দুখিত ও নিকুট প্ৰথাৰ অনুমোদন ও তাহাতে উৎসাহ मान कि मका भवनरमान्छेत्र विदवस इस १ যত দিন ভারতবধীয় গ্রণ্মেন্ট এ প্রধা প্রবর্ত্তি করেন নাই, তত দিন কৈ প্রবর্ণ মেন্ট উপেক্ষণীর ছিলেন ? অপর, আদি মার লোকেরা আড়ধর ভাল বাদেন, ৷ নবাবকে স্বাধীন রাজার নাগ্ন ধ্রেকা কিন্তু এ আজ্মরকে জাঁহাবা একটা তামা- কনিবেন, কিন্তু কার্য্যতঃ তিনি ব্রিটিন मा विनया स्कान करतन, व्यवना देश अञ्च ভক্তি বছমূল করিবার উপায় ৰলিয়া নিশ্চম থাকিলে বাহা সন্থান কি পা বিৰেচনা করেন জানা উচিত। যদি বল রাজগণ দরবারে গবর্ণর জেনরলের ক্ষম ভার পৰিচয় পাইয়া ভীভ হইবেন। সে এবেন ইহাব বিপরীত কাজ করিতে दिश्दत्र व्याभाषिरभव बक्तवा करे. मर्शत्क अ लाहरू छग्न करवन, बााचरक ३ वर करवन এক বার জ্ঞান আবশ্যক।

भवामर्ग निवाहित्वन । द्रा**क्शन विट्या**ह भल भिन्दी । दिशस्य माश्या मान कृतिय ছিলেন বলিফা ভিনি ভাঁছাদিকের নিকটো কু ভজ চাও প্ৰকাশ করিয়াছিলেন। কিং गत कम लारवस्त्र विश्वामिशास्त्र अवस् अव প্ৰকাৰে অৰুমাননা কবিয়াছেন। কেই ভাঁহাৰ প্ৰেটিভ ভোপের **অনুমতি** ই नाडे विवशा विवक्त इहेग्राट्सन, काहारव यथारवांना व्यामन स्वया इस्माई, दक्छ প্ৰবেশ কালে দৌবারিক দ্বারা নিধিং হন, কেচ ভ্ৰম ৰশতঃ জুতা লইয়া লাবেণ ক্ৰিয়াছিলেন **বলিয়া ভিরক্ত হট**য়া ছেন। তিনি এদেশের ব্যবহার ও লে क्षित्र मध्नद **ভाব कार्यन विद्या आ**गार्श থের সংকার ছিল। কিন্তুরাজনীতিজ্ঞ যাহা জানা উচিত তাহা তিনি জানে না। এদেশীবের। বাহ্য সম্মান লাভেই ছা কভব লোলুপ। ১৮১৪ অব্দের ১২ ই ম यन व्याप्रमा वार्ट्स नरकोरात दानिर् ন্টকে লিখেন " বাবতীর প্রকাশ্য কার্যে शवर्रास्टें अशीमक पाक्रियन। अर्डे মালে দেওয়া গেল তাহা বিবেচনা কৰি বার প্রাণ্ডাক্তন নাই। "কিন্তু সর কর (ছন }

দ্বিতীয় অনিষ্টি এতদপেকা শুকু আবার যথার্থ প্রদ্ধান্দের প্রধানকেও ভয় তব। ডাজসংল কৈঠকবানা নতে, ইঞা , নীচে আছে। যোগল সজেতে খু**নল**মান লাভ কানিও যে দরবাব কবিয়াছি জিল আব কেছ্ছলার মধ্যে প্রযোগ ক-লেন, ভালাতে স্পাবদিপের প্রতি স্বেচ্ রিভে পারিভেন না কিন্তু গভ দববাব ও সদ্ধার প্রদর্শিত হইয়াছিল। পিডা যে | উপলক্ষে ১ কালেবের। ৬ দেবল খে প্রকার পুরুকে বলেন " বলি , মৃণাণে না <sup>†</sup> ইহাতে ক্রেশ করিয়াছিলেন এমত নছে, চল, ভবে আমি তোমাকে আমার উত্ত∣ এই বাটীতে ভোজ হইয়াছিল। শৃ∉ের র-বিভ ভ বিশ ড হন নাই∤ প্রি**ভি** ভ ছাতির প্রতি হলার অপেক্ষা আগে কিনে | ন্ধিক ঘণা প্ৰকাশ কৰা হল্প কোল र क्लिट पहार ना इंटाएफ क्छी इस १ सी व কান আলাচি ট॰লও জা কবিদা নেকী চাল গিংকাণ ৰনিয়ান দেল, অথবা 97 উলিনভ∷ আৰি ভন্ন কৰিয়া কৰ≈ र कल बके करिया जाबार छ डेम्स्स कराब र छ ट! **३३८ल हे**ं शक्किपिशिय (य कर्छ **क्र**य ভাজনণলৈ আহাৰ পান কংগতে সুণ্গ ন্নে(দ,গৰ দেই মনোবেদনা চ্ইয়াছে।

#### —₽o; —

### √उट्टब्रीम् त्राच्यत्र छ ौहाति**रश**र なずままり

ज्यरमाधारत नदावटक यथन शमकुः उ কঃ, ১ঃ, ভংকালে লার্ড ডেলছাউনি এই দ্রক্ ক্রিয়াছিলেন, তিনি এপ্রকারে বাজ হ বরেন যে, ভাষাতে তিটিশ शवर्षमञ्जूषा व्यवमानमा दश। नवर्षात्व স্চিত বেরাপ দিয়া হয়, তদ্পুদারে কোষ্পানিকে অযু,পক্ত ও বহি,ক্তব ইস্ত ≁६८७ शक्राःह रक्षा करिट**७ व**हेठ। এই ध्यमदन एडनहाटिंग आपन मिनिडे মধো লেখেন ও বাকাৰ নিকটে ত্রিটিশ हेमना द्राचा इंडेशएड । डाझारा यक बाद ব্রোর বিশান্দ্রিন সামী্দ্রিসের হস্ত क**रेट** ५ डेंश्हाटक ४फ वर्गराष्ट्र । विवा त्मा त्यवारत इधा ना त्रन, पूर्त पूर्व দোহ দ্যাল্থি লিটেশ বিল পান্দে উপ , প্রকারা অন্ত্রাংশি করে, তাহার অসু |

ানেব! ইছাতে চি যাহাৰ পৰ নাই কিড ছইতে হয়।" লাভ ভেলিছাউসি ওংক্রেরখালির শাসন প্রণালীগভ দো-ষেব যথার্থ বর্ণন করিয়াছেন। ভাঁছার धार्तिकानकारल व्यवस्थान य स्मृश्रना ছিল না, ডাহা আমৰাও অসীকাৰ করি না। কিন্তু এ বিশ্যালার কারণ কি ? ওল<sup>্ডি</sup> কমালির সহিত ত্রিটিশ গ্রণ্মে-েটৰ যে সহজ্য ছিল, যদি অসুধাৰন ক বিষা দেখা যায়, ভাচাই ইহার মুখ্য কাৰণ বলিষা প্ৰজীয়মান হইবে। ওপা-ভিদ গালিব নিজেব ছোন্যত হউক না इंडेक, ख क्षनांत्री क्षजारत डाँहार व्यवि রত সুবাপান, ভাঁড় ও বেখ্যা সংস্থ সমূদ্ধে কোন নিতেগ ও আশকা ছিল না, (मह क्षनानीतरे के लात। य नकन লোকের হস্তে শাসন ভাব থাকে, প্রকা-দিপের অসংখ্যাস ও তথালক বিদ্যোগ भाष्ट्रा व्याप्तक अभारत औष्ट्रांसिसर्क समञ् ঠান প্রবর্ত্তিত কৰে। ধর্মনীতির প্রতি অদিকতৰ ভক্তি, কৰ্মৰা কৰ্ম জ্ঞান ও দেশ হিইতিবিতা কন্য অন্য লোককে দৎ পথে लहेशा बाहेटड शास्त्र बटने, विश्व नामनक-ৰ্বাৰ সম্বাস্থ্য এ বৰুলের তাদৃশ প্রাহর্ডাব থাকে না। ড়ভীয় নেপলিয়ন ও সর ছে वर्षि लट्डट्सनर नाम्नि नाम्यश्रेत नामनक्री । ক্য ক্র পাওয়া যায় ৭ ভারতবর্ণীয় রাজ शनक रच अकार वसरोव नहांत्र अक अक श्राप्तरम कृद्ध अ व्यवः व्यवः व्यशः व्यशः डिड नः ट्या दीन वितिशा तथा व्वेशाएक · যুখন নবাবের প্রজ্ঞা সভিত বিবাদ হই- ¦ ভাণতে ভালাদিলের শাসন সমুজে সদ মাছে, তথ্নই দৈনগণ সাকাণা কবি- । সুজান প্রক্রিকামবার সন্তাবনা অভি কিন্তু প্রশাসন না হথলৈ এ সকল রাজ, হু''ছে, একণেও যুখন শেছ হাজা। আজি । আজি । উচিলো আন্তাচাৰ করুন, 'বিভ্রনামার । সৰ কন লাবেজা সেনিবন অগ্রাহা কৰে, তথনই সংহাত্ত দেওলা আপনাৰা আলস্য কৰিয়া সমৰ কেপৰ ট্লিক করিয়াছেন সাধাৰণে এতদেশীয় হয় বিজ্ঞালপ কান গত হইল, রাজা , করুন, আবা ইন্দ্রি চবিতার্থ করিবাব পানী ছোট কোশ দুবে এন কন বি- নিমিত সমস্ত অৰ্থ নিঃশৈসিত করন, দে शे मन्दर प्रकार्थ नवाव माझाया , কোন চিতা नारे, श्रकावः विद्वारी रहा निष्ठिशाही ) প্রণাদী থাকিবে, তত দিন उत्तर्यक गत्रम, इहे ४२ १८७ अस्र माहे, अवर्षमार्केत देमनाअन आहि उदक्षांद ै বাস। টোর ভাবের নিক্টে বৈনিক্তি তাহাদিগকে দমন করিবে। কি কারণে

সন্ধান ও তংপ্রতীকাবের চেটা নাই ৷ रैननिक ও क्लीका कार्या नदस्या जाव्यानि-গের হস্ত পদ বদ্ধ কবিয়া রাখা হই য়াছে। কোন রাজ। পর্বনেক্টের অমতে এक है। मिला ही इषि करिटड लाइब ना, কিন্তু শাসন বিষয়ে তিনি যাহা করুন भवर्गस्थे समितक मुक्तिमान करत्र ना, কেৰল বিপদ পড়িলে অগ্ৰনর হইনা রকা করেন। লাড ডেলছাটনি ও ঠা-হার অসুর্ভিকারিদিপের এই মত যে লোহিত রেখা ভারতবর্ষের মানচিত্রেব मर्केन प्रान पिया भगन कक्रक, अप्रकी। বালগন হভিতেগগী মাত্র হইয়া থাকুন। किन ३४४१ चरकत विद्यारह मध्यान क्रेशाटक अटमनी। नाव्यश्रन वा अधिकटन (सभवाभी बक्षे महान विद्याह हरेड, এবং इंडे दश्मरिव खोहा ৮०,००० देखेरवा · পীন নৈন্যেৰ দ্বারা নির্ব্বাপিত হইত নং। कर्द करमभीव अध्यार्भव विषय कि क्ट्रा कर्खेरा ? व्यायामित्मत वित्वहर्मा ভাঁহাদিগকে এক্ষণে যে প্ৰকাৰ বৰ্ণী ভাবে রাধা হইয়াছে, তাহা ভাব কবিলা দেওয়া হউক, বাহাতে ভাঁহাদি গোৰ সং বিষয়ে উৎসাহ রুদ্ধি, প্রকার कनाः। मध्य दोम्बा अदर व्यापनाता সুশিকিত ও প্রজাগণকে সুশিকিত করিবার চেউ। হন, তত্পার অবলয়ন कत्रा ভाइতवर्षीत्र भवर्गामाल्डेत कर्डवा। রাজগণকে পদত্রাথা প্রশ্মেকো निद्यादक व्यक्ति दिवस व्यक्ति व्यक्ति । রাজ্য দকল সুশাদিত হয় না। আময়া विनिष्ठि इंग्डिमिन नाहोश्यकाती (मव शक्रत्मनीय त्राकानिश्य निकटि यथार्थ थुभागत्वत भागा कता विकत्ता । ু আমানা এতক। ভারতবেরিয় প্রেণ-

(म्राक्ट्रिक कर अन्यक्तिक क्षान कि क भाकत चार्कार व्यवस्था । अत्य CRITICIS CON THE REMAIL TEN क्षांत्रहेर्वाश्वः विकासमा । विकास (Bishalan allet (40 ... in the H के देखा व पडिया का मान मान मानम CNOS 4 ड क्रिन च्यार मा से सार नाक्सीयाल ofend e 2 1 eTB1"用句C e ( <T研げ用 MIT POPPER TO THE UNITED बुक्त मा को इत्रहान, या भन अपना श्र.क विक्रांचन ४ भ म्मर्ग्स्ट श्रीवड 对中国电 化下层台 利 "带 药(茶)"。 经活动可用 Gist I Flan Minn at Att 415 A क्षाद्व अमा अभिष्य छ । प्राप्त अपा । भीत हर्देश के अवात विक्रांत्रिकार क्षेत्राः विश्वतः (५४) कड़न । अ क्षेत्रं विष्टाः €छ-१४१८ क€८१ आधार। नाद मन सङ्ग भाषन करिए ५ ११दन क मझत गा भागः स्वरंतरम्। भद्रम् व गं न्य वि<sup>स</sup>्टर चंद्र<sup>°</sup>ड त्र! ०९८१ व्यक्त ८०१म ०४:व प्रक्रित संक्रित (हेंचा विक्रित विक्रित 李伊田公司中 福布山 山東村田 「1014 也 भूति। इयातीः छरार्वे सथन कल्मा (म भ- C:.१८०३ स'4- द स शास्त्रमारा ali Tat d Afly defient van · हेशबुक्त ,शर् अह मान्माक हा चार्ड । र्क्रका शिव खर्डि मध्य वस्य (८१, मुख्य धनाशी अ मुख्य (का म्याव भाम। खितिन संन्त्रं नके ध सभानीयम क क्रिपुणि वाक्षिद्दं के क स्थान कामाव्य कर **क्षरक** है राम्रह लग्न इक्षान करिए।स स्थ क्ष्यात्रक्षात्रक्षात्रक्षाः । क्ष्याः हेर रिस् १० मां अधिक कार्या है (क विश्वनक्षतिमाञ्चल प्रदेश ऽा **३३वि८भन्न भारत्रत कार्ट्यः सियु क इत्र्यः ७** भारत रवन। सरवक वाकानी क्षत्रपुत्र कारण क्षान कल्लि हात्म भटन र ४२ में माधन वितिष्ठाः हर, व्यंष्ठ देशीय हर्ष स्थलीय ੵ

(तर क्षांचा तरक्षत् ३० मध्य १४० १४० १४० विर्देशक अर्थकरदेशब्द्र संस्थान 🚅 देव. प्युटन 🖟 कीत सन्तर अझिकित के आहा है। अर्थ कर्दन. ाळवल्ड अस्टिन्स्स्य अस्ति स्वयंत्र एक दन। का ध-ी दि(भाग ⊲क्रश ध esta खिडेन भागायके फेल्लिस ≅ম্বাচন লা চেতা কেখালৈ জাংগানি (अर बार्बन का सम्बद्ध का कार्ब ।

केके कुल्ले करोला क्षी, त्याक बर्गत् छ। दबर है पण्ड का प्याचन प्राप्त B. Wanter. Man. 'व <sup>--</sup> ल हे । इस प्<sup>78</sup> fetপা বার্ড জুব্র का र मर्शन म पंक्षिक स्वाप्त मानुष्त्र (क्टरकेन्ये अपर्यक्त अप मिनिका क्रिका मा देव इ. इ.स. १० इ.स. १९ वर्ग हैं। मा ६वड ---नारे : क्षित्र करें वास्तु दिन हमें श्रामा में क्षाद्र हैं कि मुच्या, ज्ञान णानिहरू ना शानिका चर**ा व्यक्ति**श्रव करिर्देख कारिराखाँक गा. हेकारक का १ দ্বেৰ অভিশা কোন্ত ভাষ্কৰ। আৰুণ बाब ( कि केश्नारीति केशक का कारका बार्डर ह रवीचे, अथवा रकान यूरे मरक मार শ্বভ্ৰম্ভ মেক্ষাচাথী কে**ব**তে পাই, আনশ কি আনক্ষিত চ'ৰ ৫ সাধান ও विकारी वायु शन्निया किमासः विष्या वृत्ति वाकण्यावस्त्रः स्टालकः (०० ८ प्रकारती करें। भारत भारत अस्थित चाहार करिया चार्थन, जाराह कार्य आकाम कराइड कि स क्षेत्रक अपर्यहरू ल्ट्रनाहित वा क्षेत्रं अनाम नाहेतारह १ वा डाकाक्षभाग्यन मण्यामन्याहि इ कास हर्शाह अपर्यंत करिएमाकात्री यूव কে. 1 যে উচ্চ পদক বাহ্যিদি পৰ উচ্চ बामनाव नगरव नगरह

প্রবিদ্ধ এছংক জার প্র शंक्षाच्या वाहेश सुद्र सिनिया वी ति<sup>त्</sup>षेारहर, **फि**नि এक दार ( न प्राप्त ६ । १८ वर वालिएक श्रिमा क्रीस 'র'শ নি' ছ আগাপ ক**িয়া আ**টি नः भिष्य वरक भागत्वासमापि छै। का मार्ड राहे। 🔄 सकता स्त्रीत ४**चेन अञ्चालन किन्द्रित सान, ए** बहर 'मा बारकर, मन भिनित दे 'ক বেশন ভাৰাত গ্ৰাচার লইগাছিলে न महीर हेर मनः विरुक्त स्थल सदर <sup>१८९</sup> २ मधीन नव:चरा बर्जनीत **स** <sup>पर्</sup>ष युवन्तिमादक सञ्चाह छ छ छ नास् । ে যে `সাহিত করি**তেছেন, ভং**ষা <sup>ক্ৰোনি</sup>গেৰ নাহাত্ৰ প্ৰকাশ ও আশং १ क्षेत्र हर ग.संत्र अधार व अनेट इट् CAME STEELS BACK & BS Time

ACC.

ग्रामाण प्रमुख कि छेनेकार की a.s.s. 4 ( 7 1**4**, 413 चारकाइकाक च और्कक्य स 🛊। 🔄 🗈 मुजाय उपनींन कि नवर्ष करेंद्रकार 4श कत द्वारा'ण श अर्थाक कारी। ११८६२ १ विम्ह्रीयर्श्वर ४ द्वाल १ छ। ४ व ८ ४६ वि ६० व्य १६०२ मु अध्यक्ष म 479 457計 [ 图[8] 事就有 编写 [ व्यानातः वृत्त्रकातः हो हरेएका । स्था শৰ মাণ্ড 🖎 'ছনটা কৰ্মতা' পালে ৭ श्रिक्षाहरूम । म∞ाक महस्क कर्डवा छ। भन-एक । शक्षात क विद्यारी का**नु** ( পাশ ক্ষম কবি 1(,4গবে মুকুড্জ स्मार्थ पृथ्छ परेनार्कन अञ्चल मः 과학(4호 #1) #1점(조 2위4인의 (4절 #요 4) ७ भी बहेग्राहर । शकात क विहा बस्तान बाइन करतम, खादा कि एक जिल्हें। नाजद वीम क्राया हुन थ अमृत्या क्र इंदेश थाः. इति । न∙र⁄क ो**ट**ल कर्नकविष छलाना नायन एक भार्राह्म । डैरझर्च अर डेप. भ. मः न र्राष्ट्रहारा कर्मा न अर राजा ) मार्कित करें। देवित , eter f(帯・fe \* おいみずだり (マッ) ボ 添<sup>c。</sup> a. मदरङ ऋदे ७ विक्र तिहाल अपस्ति प्रदेश के प्रमाण के नाहरण स्थाप १०७० क माडे। स्थित उत्ता क्षा का का का रिक्ड कि ठ (ठाउँ) कि हिस्स क्रिक्ट किंद्र थें के देश के किंद्र के ति है कि किंद्र के ति है कि কুক্তেৰ প্ৰতিৰক্ষক আন্তঃগ বি ছাত্ৰিকেলঃ সম্প্ৰিল কলিবেল বিচি প্রক্রিক্র কংল আন্তল একা द्धि क्षे.क्ष्म्ति सं, केच्य क्रम्प्रा. शहन ্ৰেন সংদেহ নাই (যুগ**্ৰু** বাজ্ৰিছ क नगम गाहा स्विणिति वर्गाः भूते समाज a, CHARTEN STATES भी के अंग क्षेत्र करतेला अन्हांक (क्शान्त रेप्रद्रश्यात्रकी श्रष्टक अस्ति अस्ति 付付 密密作る 3万六年中 繁 April 1 चित्रहार का अन्य का कि णि महरू। ध्वला २०१७ **स्टब्ल**ा किल লি হাকুষ ৮শাস লাভ 🗠 ১ পতি-ብ (**ምር**ቀ)ን (ቀነርቅን ር ምርን "ቀነጭት [

क्षांदिकान करिया किन. भारी समान

জীতে যে ৰে প্ৰকিৰক্ষ কিন্তু ইছ

175. उत्ता अल्झात्व अत्या याः

क्ति, य जामा भर्भव य नावास्थः वर्

ৰাকিন্ত ভাঁলা (প্ৰস্থান ভা

का द्वा दर कि एक केर बाट होता है।

şন, ভারণেড অভ°তনিমি ÷াংস

াৰ বিস্লেক্ষ্যের। প্রহান বিষ্ণ এই,

is) ऋषियान करिदं।

수**가**. 첫 등록 : 휴식 : <sub>이</sub>국 승위 :

🤰 व्याप्तवः कलाज्ञ 🛪 🐣 🔭 हारा 🐠 र अर्था पर्वे साथ विष्ये में ছি। "যুক হার ।ি" চকু চা∄াশ1 रस्टेडर हैं। िक्रस्ट्रस्य वर्षीय RI ( 2 5 M (4.3 10 10 1 1 1 2 2 12 つん ダ ケ アルブ ・ 要かって 再などさ ピ <sub>ን</sub> ፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞ CAT " CATE N ু িুক বাণুকু কুকুৰ কালে মা**লি** -- दे व्यवस्था विश्व ON MATTER AND AN ATT And The Part of the Part of States अन्तर अन्तर **अव्या**ल (यञ्जल व्यवण) नाक्रमण्ड हेक्ट्ल इक्षेत्र। याद्यान करे हुङ्ग विकास र रहा । प्रशासन कि र পুরু প্রারুত হউসায়ের, জোঁহারি বা ুদি আংশে ইয়ট নাছই ৷ অনিকটি য कत्र क्राह्मक न्योगकाल क्री भित्रपुर क्रमार्थेन्य विराम्ह्यमः विराम कर्म ं रज्ञ अस्तरमार्गः के १८२९मा क्<sup>रिल्स</sup> करक ० के सम्बद्धाः सम्बद्धाः व्यक्तः क्राहरू के किए। विकास लर्ग • चर ४ वे जिल्लास क्रिक्स गाः कि ची · man and all was the manufile রিং দুশ সংকোপ বিশেষ পাঁ≀ে al algunates and a services

कि महाम दिन वा, दिन वा कि वाह कि महाम दिन वा कि महाम व

বৰ বিশাহেল ভাৰতে ভাৰণ ওভাৰ तान **७ व.।।१८ र अप्युद्ध क**्षा छ । العد كالداهك ساو خامي اسي في ي<sub>ر ال</sub>م 88 3 MIGT 451 "41 4 164 TES 1 がら、\*\*\* エニーティー 1 \* 安路(野) ब**्रकारिविह्स**् जिस्ति । ज्यानुस्य कर्म**र्स द**त ural mid母 bulm states - Stat \* कृष्णा ह अधावता । इस्ते दा र देन ा (जनापना सजी कोट्टाइकडी साम, র্ভান সংগ্রহণ ইন্ত 'কা ক্রিছা সহিল্লন্ रब करिरवास अक्तिरा (व्यार्कार व श ॰ 'গাপড়ি † ছন. কিলি । আংনি । ारुपाम नहीं मार्देषन्। किंद का र रण्डित अवनान हडेत अवन जिले ङ अकरे १ **घ**ण्या भागः। **१८१** म कति-त्य। हेस्छ ४३ विज्ञान करिक १८८८ उक् यो 'एल्विट्र (मर्थिएक शाक्रमा) ा प्रतिक फालान स्ता भन्ति । अन्ति । নে এবি 1 ভ লাকে আলেন কুটাৰে ার। যেখা। কনাডে <u>ইরে ।। এটো রক্</u>র तानिका भूषि केत्रंग भागक क बहा। भागानिक भागिष इंडेश्हें तम। दिनिह ्षः नादिकः। हिन्तं स्रोप्तहादप्राप्त ८ । व अञ्चल बहेग्रा नवजुद्धार ग्व व कार ८६ छ। ाव अपनि दिल्ला। स्मिटा क्राडकांची कड़ेश সাধ্তিক বিৰাচ কৰিয়া ভাচ্যৰ সমাভাগা -.८त २०७।२ वरिक्त । श**धिन्**रश्रास**्**र ে বেশ পূকাপত্নী শব্দাৰে চীৰ সন্থিত সাধাৰ क्षेत्र र र्वान बबनरकात्रात स्वेदा कार्कि লেখা ৭৮। কিয়**াছিলেন। কিন্তু ভিনি** े केट के कि रेट के 11 देश के कि कर के कि ाउ। ३ अपूरक वडेतन। शब्दा :म्ब्रोट ड डाॅंग्डाब य चाथिणडा हिल्, "এনি ভাষ্ডে বিমর্জন বিয়া ন্তুমা-तह मन्दागार्थनी **महत्वता। किन्न** मदकूर মাৰ তাঁহার সম্বাবে পরাঞ্মুধ বই-रणनः। शक्षावञ्जी,यदन करिरामनः कशानः ফ**ও**লা জাঁহাৰ সপত্নী, ডিনি সুহে ' वान्टिफ केंद्रित महीध्निष्ठि हरेटन मा ।

শত্ৰুৰ কণালকুগুলাকে মেশাব্ৰিড করিবর্ত্তি নিমিত ভাষার চেউা ক্ষরিব। ও বিকে সেই কাপালিক কপলিকুওলার প্ৰতি বৈরনিষ্যতনাৰ্থী হইৱানবকুমারের ৰাটার নিকটক বনে আ সয়৷ উপস্থিত হয়। ভাষার সহিত প**ন্ধাবতীর সাক্ষা**ৎ হইল এদিকে ঐ রাত্তিতে কপাপকু. গুলা আপনাব ননমুপতিকে মনদের ৰশীভূত কবিয়া দিবার নিমিত্ত ঔষধ আনেন করিতে ঐবন মধ্যে পিয়া উপ-স্থিত হন। পজাৰতী পুরুষ বেশে গিয়া-ছিলেন। এই সূত্ৰ পাইয়া কাপালিক নৰকুমাবের মনে প্র**থমে কপালকুওলা**র ৰাভিচাৰ শকা ভাষার পর ভাষার প্রতি विदयस अवारेश (मग । अमनि विदय्योगन খুলিয়া উঠিন, যে কাপালিক জীহাকে অহতে কপালকুওলাকে বলি দিববৈ समीकात कराहेशा गहेगा असिटक भर्माः বতী কপারকুওসাকে বামী জ্ঞান করি ৰার প্রতিজ্ঞা করাইয়া লইলেন। কপাল কুওলা ৰাল্যাৰ্থি বনে প্ৰতিপালিভা হইয়াছিলেন। বন অস্ণাদিতেই উাহার অসুরজিক ছিল। গৃহ বা আমীর এডিড ভাঁহার অনুয়াগ ছিল না। স্বাহিতাগে সক্তি দানে উচ্চার <u>কাতরতা কবিল</u> ना । वाहा व्हेक, व्यव्यानमध्य नवक्षात्र কাপালিক দত সুৱাপানে গোহিত হইয়া प्रस्त विविधित (शराननः) को शीनिक नृजा चात्र इकतिम अवर मवकूमात्र एक কছিল, কপালকুওলাকে স্থান করাইলা আন। নৰকুষারের পশি মধ্যে সহাবের কিঞ্চিথ বাপথত হইল, ভাঁহার স্থে: ও দরা প্রভৃতি প্রায়ভূতি **হইল।** তিনি অঞ্চ মোচন ও ছঃৰ প্ৰকাশ করিছ কপা-अक्रुश्रमाटक शृटक गरेवा वार्षेवाव हेन्हा धाकाण कतिहत्व। क्षि कश्रीतक्षणा ভাষাতে সক্ষত হইলেন না। তিনি কলের शांद्र की फ्रिक्शिक्टिनन । कूटनत सून नुंदरमं समस्यरम चक स्टेग्नाहिल, वक-

এৰ উহা ভগ্ন হইয়া ভিনি জলে মগ্ন ' रहेटलन। नदकुमान डीहात डेव्हातार्थ कटल পতিত হইলেন, কিন্তু উচার উদ্ধান সাধন করিতে পারিলেন না। শেষে कार्यानिक चानिया नवक्षांतरक जुलिन. বিস্ত কপালকুওলাকে পাইল না।

যে কপালকুওলা যে নবকুমারেখ প্রাণ রক্ষা করেন, সেই নবকুমার সেই কপালকুওলাকে স্বত্তে বলি দিতে উদাত दन। अधि व्यक्तिक क्योन করিতে পারেন, কিছু এতদ্বারা গ্রন্থকা त्रव ममधिक रेमश्रुवा क्षकांच शाहराहह। নৰকুমারের মন একে ইব্যানলে প্রান্তিত হইয়াছিল, ভাহাতে সুয়োর বোগ হয়। এ উভয়ের একতা হোগ হইলে মাসুষ না কৰিতে পাৰে, এমন কুক্ৰা নাই। ইয়া প্রতিপল্ল কৰিয়া গ্রন্থকার মালুনের क्षांव या विश्वकर्ग कात्वन, जाहात्रहे পবিচয় দিরাছেন। অপর, জীলোকেব मপত्रीतार य किङ्ग्ल इ: नर, श्यारठी স্থাতি ও আ্চার পরিজ্ঞ ইইরাও কপা লকুগুলাব, সণত্নীভাব সহা করিতে পারেন নাই, এতদ্বারা ভাহা সুক্ষররূপে প্রতিপদ্ন করা **হইরাছে। গ্রন্থকা**র কপা লকুওলার যে সভাবটী বর্ণন কবিয়াছেন, তালা অধিকতর হৃদয়প্রালী হইয়াছে। তিনি ৰুদে পালিত হন, বন বিনা আর ওীহার কিছুই ভাল লাগিত না।

" किश्वरभूरता न कश्रह মুন্ত্ৰিক্ষুকাণ্ডং নাপেক্ষতে যা নিকটোপ গভাং করেণুং। সন্মার বারণপতিঃ পরি-মীলিতা**দ:** व्यक्षाविश्वत्रवनवाम मटश्य

मवीमार् । ११ -

আমিরাএডকণ এতের প্রণ বর্ণন করিলাম। গ্রন্থকার ও তাঁহার বান্ধবগণ

मत्मर मारे। किंद्ध छीशा विश्वमश् व्य छ जामानिशतक हाहिकात मत्म कति তেছেন। অভএব আছের গোব কীর্ত্ত করিয়া উচ্চাদিগকেও ক্ষিয়থকণের নি মিত সম্ভত কর। আবশ্যক। আবশ্য এ কথা কহিডেছি, ভাহার কারণ এই আমর। যে কর্মে ত্রতী, ভাষাতে আমা मिर्मिन क्रेटिक मकरमात्र कामग्र दक्षरमा मञ्जादना नाहे, यमि धरे छेलाद्य तम् वार्यानी नाथिल हहेशा छेटो। आस्ट्र ভাষাটী অধিকাংশ ছলেই ললিভ ছা नाहे। य फारन स्व अन्य आरहात्र कत আৰশাক, ছানে ছানে ভাহারও বাতি ক্রম ঘটিয়াছে। **ভার একটা দোব এই** এম লিখিডদিগের কোন কোন ব্যক্তির अध्या विकास वाका जातक कहा हहे-য়াছে। শেবে ভাষ্ট্র রাভিক্র ঘটি वेटिहा तथा--कार्नाकक, व्यक्तात म किन हर्ष एक क्षेत्र उदा व्यक्ति कट्रान, त्मारत वाजनी कर, मार्था ब्रह्मा बाजनात गट्या हुई अक्टी महेर्क छंद अवस्थितहाटक এরপে না করিয়া প্রথমাব্যি বা<del>স্</del>কাতে क्या क्रांहे(लहे छाल हरेछ। कांशालिक ৰদি কেৰল পূজাকালে সংস্ত কহিত তাহাডে আমরা আপতি করিতাৰ না। ভদ্তিল সময়ে ছই একটা সংক্র কহিয়াছে, আবার শেষে পূজাকালে: সংক্ত কয় নাই। ৫তক্তিল, যে কিছু अमधानकृष्ठ स्वाय भाष्ट, छार्। डेस्सर्थ मा कड़ाई डेडिड किल, किस বিপক্ষতার প্রীভার্য ভারারও প্রায় করিতে হইল। যথা--মহতী আত্ম বিমা ৷

কালনার সংবাদদাত। লিখিয়াছেন। क्ष्यानदात्र (क्षीक्स.बी. हे स्था व्यादशाया करमदन वे यथानगरत है। इ. १८ ७ था दन सं मिछद्र (भ होक्न न। निहलई क्रुडिव'र जयन प्रश् व्यामानिटनंत छेनट्य मुख्छ इदेशद्यान, मान क्रेटन्हे अधिरात्तन गार्व प्रतिक है। अ টনা হট্যা পিয়াছে, ভাষা লেখা ঘাইডেটে। রজীপাড়াবিষালীএন:ড সেখ নামক এক কি ছুধুমানকাল স্বীয় নক্লিতে পাবেনটে, বা ন ন: ই। টালের ছাবগা বারু রাধারমণ করে। ন্য য়ু সমন ও প্ৰাণসহ উক্ত এনাতেৰ বাটাজে প<sup>নী-</sup>ে কইরাড'হার প্হ√'বের\_ডজে' খুলয়। ক্রণ কবিতে প্রায়ত হন। এনাচ দ্র'ভেডে লেখন, নিৰ্দৰ হ্টলেও যান সভূমেৰ প্ৰকি শেষ বয় আন্তে: শুনিলাম লাকণ বাৰু নহস্য श्रंत्र बांगिएक श्रादम कविरम अनाउ अन्नभ াধপর্য়ণ হয় যে ভাষার হিভাহিত এই ন র না। সে ছোবার ছারা উঞ্চলরেগা বারুকে ষ'ত কৰে। কাগ্যেশ্য আঘাডটা বকে না গিয়াবাখ্যুরে লাগিয়াছে। আংঘাতটীবড় ল নহে । ডিনি ডংক্ণাং হ্যপিটলে আনীড ল চিকিংসা আরম্ভ হয়। এনাড সেখ দাবগা खाशव चव घ'व व्येष्ठ कवित्री हरून विनाश ায় এলাহাব দিতে আসিতেছিল এয়ানেট গাড়ে সেই খালেই যুক্ত হইয়া হাজতে इ : विष्ठादि याहा हम भटि निधिव।

काननाव निकंत कन्दानभूत निवासी यात्र वि अक इटइ-स्ट्रमाटनाहिनीतं जीनवय क्यार पूर्व्य 'सानश्रकाटन ताथा व्हेत्राट्ड । जे इ. रामटनत्र विवाद बुद्धार कावि व्हेटक मुक्त ः मुक्तटक (शायन क्याय क्यार्थ यूनर्वार एक निवादक । शांत्रिरहेत्रिट हेर्ड विवास व । विशाद्धारम त्र'मगाझ तारस्य वानिएक केशत क्युक त्य एव त्र क्ष व्हेशत विश्वस् ह :स्वा क्युक त्य एव त्र क्ष व्हेशत विश्वस् ह :स्वा क्युक त्य एव क्यार्थ त्राप्ता (अपूर्णि काहत मत्या महाम मिलत्रक विकक्षत त्यान विव त्यायक्यां क निविधारी क्यार्थ विवास विव त्यायक्यां क निविधारी क्यार्थ (यान

শুপ্রতি এখানে জ্বংলাগের জ্বান্ত আছু

ইয়াছে। হাইড়ে ডাক্রেব মাহেল্রেবান !

ইয়াছে। হাইড়ে ডাক্রেব মাহেল্রেবান !

ইয়াছে। কর্মা করিয়া, কেই লোকান

করিয়া, কেইবা ক্রিবান্ম পরিজ্ঞান করিয়া

ইয়াছে। ইয়াছে। ইয়াছে।

ইয়াছেরালি করিছে প্রতিল কেনা বিন্দিত হয় !

ইয়াছেরালি করিব লুই র্মান্ত করিব লোকার করিব

ইয়ালা গ্রহণ করেছে দেখা নিয়াছে। ভাপান

করার এই দল লইয়া আন্দেশেন করিব

লোল করিতে প্রায়ত হয়। তাহাতে অনেক 'ধনা নালে' কত নিনে ইয়ার প্রতীকার হইবে ভাটোর হইরা আকোন ১৬১৯ই আন্থায়ন যে বলাও যায় না কভাকান বইনা জিলা সক্ষেত্। বিনা হইয়া সিয়াছে, ভাহা শ্রেখা ঘাইভোগে। এখানে এখন দুখন চাউল ওখন স্বিকা পুরাতন অঞ্জীলাভা নিবালী এনাত সেখা নামক এক চাউলেং দ্ব ১॥০ বিশা মানেক মালন।

# विविध .. ९ **वाम**ा

১০ ই অগ্লেণ সোমবাৰ।

সামবা দে গালেছি, বেশ্বাইয়ে সু-তে এইছা বন্ধ কবিবার এক সাইন হইয়াছে। কিন্তু কলি-ক তার অনেক খানার সন্মুখে জ্বয়া খেলিবার এ: ডাডা আছে।

এতকেশীয় নাজানিগের অধীনে যত ইউ-বোলীয় বক্ষানারী তেওয়ানী সৈনিক অথবা চকিংলা কার্যে নিযুক্ত ভাতেন, ভারতবর্ষীয় গ্রহণিক ভাতার এক ছিলার চাহিয়াছেন। প্রবাজ্ঞান্তর প্রকৃতি ব ল ইকার উদ্দেশ্য না হয় এ কল্লকান প্রীতিকর বটে।

লঙ সাহেব সম্প্রতি জালীগড়ে গমন করাতে
ভত্ততা সভার সম্পাদক সৈদ জাহম্মন সভার
প্রতিমিধি শর্মন উহিচকে এক জড়িনম্মন পত্র
প্রদান করেরাছেন। সম্পাদক ঘ্যাথই বলিয়াছেন, মিসনার দ্বিজাদিগের জন্য যে বছ করিয়া
থাকেন, ভাহাতে ভাবতবর্ধের সকল লোকেব
হাহার উপর প্রগাস ভাক জার্মাছে। বাহার।
বলেন, ভারতব্যীরাদগের কুত্রজা নাই
হাহারা এই সক্স ধুটাত দশ্ব কার্বেন।

ভারতবর্ষীর প্রবাসের উৎকলের ছার্ছিক চার্মপ্রের মধ্যে এক জন চিকিন্সক ও ককেল বাংহ্রকে নিযুক্ত ভারিয়াছেন। ককেল সাহেব একাকী বেহারে বাইকেছেন।

ধ র ওয়াবে জাদা পিও আমনষ্টে বহিয়াছে। শস, ভঞ্জ আছে, সোক দরিয়া বলিয়া ভাষা উক্ত মূলে। কর করিতে পারিভেছেন না।

শুন্র বাব বারাবপুরস্থিত গোলনার দলের এক জন সার্জেন্ট, এক জন করপোরাল ও ছই জন সৈনিক গ্রেগ্রেষ ৬০০ টাকা লইরা গলারন করিয়াছে। ভাহার অন্যাণিও গৃত চয় নাই।

हेश्लिममान व्यवज्ञ हरेशारहन, शाक्न निश्ह नामक अक कन मिणुतीस मधीन मिणुरत भीत्र व्या कविनात छेरमान कविरक्रहन। मधी-शुत्र विकाशित्र गर्वश्यमे कर्म्यहास्त्रिय अविना-त्रमान पूर्ण मान्याम हहेश। छ.ह्यांत्रस्य छेणांत्र व्यवस्त्रम कविरख्डहन।

ে কন্ত উপদেশ দিয়াকেন, কৈ কিছুতেই ' ক্রিক পত্র থলেন, ২৪ এ নবেছর শনিবার দের ধর্মে ও সহাপ্রাণি বংগভন্ন হইল ন**া গবর্ণর ছেনেরল গোলালিছরে গমন ক**নিয়াজেন, বদলবার আনধার প্রভাগনন করিবার কথা আছে সর জন লরেল তৎপরে কলিকাভার নিশে আগমন কবিবেন। এ পর্যন্ত ভারতবর্ণীর ও ইংলণ্ডীর সক্ষ্যাধারণের সংখ্যার ছিল ভারত বর্ণীর প্রধান শাসন কর্জাকে গলর ন্যার খাটিতে হর। লাভ তেলহাউনি ও কানিও পরিক্রম করিরা প্রাণভাগ করিরাছেন। কিন্তু সর জন করেরা প্রাণভাগ করিরাছেন। কন্তু প্রাক্তিকে ইহা সংখ্য হাকরী হয়।

उक्त शक्र कार्म इहेल मःवान शहिताहरून, उक्का वर्षनाम भागन कर्द्र ग्रेन भरणम स्वरूष संदिक स्वरूष अ कान कार्यन (श्रेन कहिता महीत्रिमाटक विलेता शाक्रीत हिन, सांशिमिशाव विश्वकाव श्रे कि स्वरूप अक्कम आधीत अ १० सन मरुष्ट्राक कार्यन श्रिक्त करतम । आस्त्रम संविष्ट वर्षन महीत्र करिताव स्वरूप श्रे कि स्वरूप महीत्रिमाटक महिला करिताव स्वरूप श्रे क साक्षित्र वर्षन भागम संविष्ट महिला करिताव स्वरूप श्रे क् साक्ष्य करिता आसम्बन संविष्ट महान करिताव स्वरूप स्वरूप करिताव स्वरूप करिताव स्वरूप करिताव स्वरूप करिताव स्वरूप करिताव स्वरूप स्वरू

कामा निराद स्वार इहे (उद्दूर, कारिनिनिन्नोव বন্দীলণকে বৰ কয়া হয় নাই। ক্ৰাভ সাহেৰ বস্তুপদী ছিলেন, ডিনি আপন নী ও সন্ধান দিগকে প্রভিত্ন শহরণ রাখিয়া ইংলতে সাজা बेक्टडाटरद अरु १ व सहेद्रा यान । हास्त्री क्षेत्राक नवामस्य व्यवदान बहन कविद्राहित्सन, বাজা থিওডে।র অস্তরোধ করিরাছেন, চমু জন উপযুক্ত ইংলাজ শিলিকে হাতার রাজ্যে হেরণ नता क्या, अवर देश्लकीय शवश्यक छाँकात शुर्व বাৰহার বিস্মৃত হন। বাজী স্বহতে এক পত্র बि.चेड्रा ७३ शार्थनाय मध्यक व्हेन्ना इत्र कर · नेह्नकाहरक (श्रहन कहिंद्रा'रहन । विक्टांव दमा নক্ষেত্ৰ নাই, কিন্তু কবিয়ার প্রথম পিটব্রেক কড়ক 🔾 ७१ रोहारच तथा याहेरछ है। मार्क है। निन এবিবরে লাভ রসেলের অপেকা অধিক বুদ্ধি-यका समर्गन करियाद्दन।

कित् म विश्वविद्यानाय (छ, अछ, विषेत
े नार्व विद्यानाय हुए अङ ना श्रकान
कित् विद्यानाय कुछित्र अङ ना श्रकान
कित्र विद्यानाय कुछित्र कात्रावेशारुन छित्र
श्रिम महत्त्व अस् अश्रामक कात्रावेशारुन छित्र
कित्र महत्त्व अस् अश्रामक कात्रावेशारुन छित्र
पर्येत क्षेत्र क्षेत्र केशास्त्र विरुग, क्षाक्रव श्राधन।
वेश्वाक अञ्चलकित्र नार्वाव छित्रमा छित्रम क्षेत्र क्षेत्र क्षित्रमा अञ्चलका छित्रमा छित्रम क्षेत्र क्षेत्रमा क्षित्रमा क्षाव्या क्षाव्या

केक नाम भाषा विश्व विश्व महामाणः वरमान, भूषभीष ১৯.०० होको वः १४ छ। सम्बद्धा चारमाक विश्व कहा स्ट्रेस । এ होका कि जिल्ले विनिधालिक विद्वम ? अब सम महत्वहरू स्थायका পরিবিত বারী জানিতার, কিন্তু একংগ দেখা बाहेरफरह खारा स्क्वन गरहह खना ह

১ • हे व्यक्षशत्र मनगरात्र ।

दालबरदद काल्डेंद्र दिलाई कवियास्त्र, **इ.डि.ल**ब मुलः नमान वश्त्रिहः । कर्माक्तमः ला-কের সংখ্যা অনেক কমিয়াছে। এস্থানের অন-इक्र नकत शांत्र यस रहेता।

ভুপালের বেগম গ্রহণর ফোনরলের সঙ্গে ক্রিকাডার ভাগিতেরের। চাঁকশাল, চিত্রশা किका, पूर्व ७ अमा अमा विक्रित वक्त मकत प्रत्नेन করা ভাঁহার উদ্দেশ্য। নপ্তর বাসিং। মিদকার্পে উরের সহিত বেগমের আভার্থনা কংগ্র, অংকাদির্গত এই অসুরোধ। সেক্তরা বেশম সামার্ ব্যক্তী नन ।

নেপালের দক্ষিণংশের জুর'ইয়ে কামা হুইরাছে। ভরতা গ্রথমেন্ট সাভট ভেলার ब्राह्म क्रीइडि (ब्रह्माय कर धरन नार्ट (म**फुनक है।का** मिक्सिमिश्चर खाहारान ७ (मफु-लक इंक्रा बीखदानु कविबाद करा (१०३) ३३-ब्राट्ड। (नर्रशस्त्र क्रीका क्रमनः चामात्र स्टेट्ट। ক্ষত্ৰ ৰাষ্ট্ৰ এবিবয়ে সৰ সিমিস ৰীডনেৰ আ-भनं जरकह नाहै।

বন্দেশীর স্বর্ণমেন্টের প্রস্তাবস্থাতে ভার उद्योष (दमक्रम काम्मानित गढनक मंद्राक्तान | व्याननामिद्रभन्न शूलिव कर्षानामि मेश्ररक शतिकराशः। कतिया अवर्थाक्षेत्र श्रुलिय कर्षाविविश्वास हा-বিতে সমাত হইয়াছেন। আপাততঃ পরীকার इत्र मारमव सना हेर् हहेरव। পुलिय शहतीता ব্রলওরের অভ্যন্তরত্ব কোন বন্দোবত্তে হস্তক্তে পর কবিতে পারিবে মা। উত্তরপশ্চিমাঞ্লের থৈলওক্টেড ফুডন পুলিষ সবিশেষ আবদকে म्हेद्रार्क उथात्र विश्वद ब्यब्राकृति हरेत्रा बाएक ।

 ই নবেশ্ব বেশুন সোসাইটির বেশন হয়। লে টনা ট কর্বেল মালিসন উপস্থিত নং থাকাতে উদ্রোসাহের সভাপতির আসন এরণ করেন। উড্রে সাহেব আলক্ষা করিলেন कर्तन मानिमनरक स्वाप इब्न कार्यशक्तराहर সভার **অধ্যক্ষতা পরিভ্যা**গ করিতে **হট্**বে। . তৎপত্নে কলিকাডার লাড়`বিশপের মৃত্যুর ক্লর व्यारक्तन कहा रहेग । विभन वहाँ शक्य ७ ८८६ শীর সমাজের উৎকর্ম সাধন চেষ্টাম্ব প্রসিদ্ধিলাত করিয়াটিলেন। আসাবে গমন করিয়া ডিমি । সুসারে ভয়পুরের বাজা পুরাজন গর যেওঁ বা ৰলিয়াছিলেন তথায় তিনটি আৰশ্যক বস্তু নাই : थामा नाहे, एकी माहे, ७ कुछा माहे। ब्राह्म

সভাগতি বলিলেন বাজা অভিনয় সহাবর, নাতা ও শিষ্ট ছিলেন। গুৱাজখন্তপাৰলা হইল, এক দিবস বেধুন সোদাইউতে যথন বাজা অধ্য ক্তা করিতেছিলেন ভখন আমি নির্মল্ভান করিয়া কথা কহিয়াছিলায়। কিন্তু তিনি বেরুপ ভটতা ও কর্ত্তব্যত্তপুষ্ঠার সহিত আমাকে নিয়ম অবল্যন কবিতে ব্লিলেন আমি ভাই কখন বিস্পুত্ৰ ইব না। উচ্চাৰ যে কওঁবাকৰ্ম। করা উটিড ছিল, ডিমি ভাচা কবিলেন , কিন্তু এই ভাবে কবিলেন বে ভাষাতে স্পষ্ট প্রভীরমান দ্ইল, তিনি যোগ্য সভাপতি ও ষ্থার্থ ভয়লোক ছিলেন। « বিশ্পকটন ও রাঞা প্রতাপচ্ছ্র নিংহ উভবেণ মৃত্যুই আমাদিগের দেশের কভির নিমিত হটয়াতে।

नाट्सट्र अक वर्षिक ज्ञानाक स्टेबाट्डन । লাংকারের সহিত কবাছিব বেল্ওছে ছাবা সং-त्यांत्र व्हेटन विकारवय वालिकः कित्रक्रभ वात्रव শ্বিষে। অভএব ভগালু বণিক সম্প্রদায় কেবল শেষ্টে যাত্ৰ নহেন।

এবাৰ সিমলাতে মজিশয় শীত ছইয়াছে। এহাব মধ্যে বরুক পাত ও খেত কুয়ানা হইতেছে এনেশীয়দিগেৰ কথা হয়ে ধাকুক ইউরোপীয়েবা পশ্রের কাপড় পরিয়া ও সর্কণা অমি জালি বাও কাঁপিতে খাকেন : সিমনা হটকে প্রায় সক र**ारे श**्चांन कत्रित्राष्ट्रम । (कदल कर्त्रकसम खीरमाक चारहन ।

৩ বং মধেৰৰ অমৰ বিংহ নামক এক বংক্তি मारहारत्रत्र किकिश पृरव अक वरनत्र निकरणे शिवा **श्रभ्रत्म वर्श्वा**क्ष्य करता । का<sup>र्रा</sup> अभीकृष्ठ स्वेटन राज স্থান পূজা করিবা ভাছ'তে করি দিরা ভতুপরি আন্ত্রেছের পূর্দ্ধক প্রাণভগ্যর করিল্লাছে।

বেবাবের বাধডীয় ভীল ও বিস্তর আবৰ ও রেছিলাদৌবাব্য আবেষ করিয়াছে। क्द्राहे हेर्राचरशव श्रधान फुरमना। श्रामनावा দেব নিজামের ৬ সালাধ্যারী ৬ সেনাদলেব (नक्टेगान्डे मिन्नहार्टि जाम्मिनारक म्यन कहिरूए গমন করিয়াকেন ৷ বেবাৰ ভাততবৰীয় গৰণ (भट्र-हेत्र व्यतीनक् उथाणि ख्यान्न शानरगान रुष्ट्र (क्य ? निक्षारमञ्जूषित रहेरत मूजनमायीय অবোগ্যভাব কথা হইত।

#### ১**१ हे जबरायन पुरवा**य :

গত বুধবার মহারাজ সিঞ্চিয়ার দুটাভা-টীতে গ্ৰ*ার ফেন্ডলেব সম্মানার্থ ভোজা ও মৃত্য*় ভাল খলির। আম্বা আম্লিক ফ্টতেডি, প্রঞ विद्वोद्दित्व ।

১ লা আছুরারি সাধাবণের জন্য রেইস্ওলে ৰোলা হইবে।

গৰ(র জেনরদ ফলিকাডার আমিবার সময়ে কাশীতে ছই দিবসাও এক দিন ভাগালপুৱে অৰ ছিতি করিবেন। কলিকাত সব জন লয়েকের পক্ষে নামা প্রকারে অভ্রথকর।

আমীর সিয়াব আলী খাঁ সম্রান্ত গিভানিত্র নিকটবর্ত্তি হ'লর। জগোর নগর অধিকার করিছা ছেন। কিন্তু স্থানাস্তবে উছোর বৈনগেণ গুমার খার নিকটে প্রাজিত হয়: আমীর বিশুর টাকা কর্ক করিয়া সৈন্দেগকে মিয়মিত বেভন বিভেছেন। বেডনই ভাকগান দৈনিকেব নিত্তভার প্রধান উপায়। আচম্মন খাও বলপুর্দ্ধ কর্জ লইতে ছেন। আভিস্থী কালাহার ও সর্বসার খাঁ। ভূ কিস্থান আক্রমণ কবিতে আনিতেছেন। এরপ জনপ্ৰতি ভূকিস্থানের শাসনক্ষী কট্জ মধ্য র্ব। আকল্পন র্বাব অধীনতা ত্রীকারে সম্বত হই ब्राष्ट्रम । किन्न काथकृत था व्र विख्यु रेनमा पत ভাগে কবিয়া পলায়ন করিভেছে।

সোমবার শিবপুরে অধি লাগিয়া কএকথানি কুটার দথ হইয়াছে ৷ মিউনিসিপালিটির একটা মাত্র দশকল ছিল বলিয়া শীল্ল অগ্নি নির্মাণ হয় নাই।

কটকে পুৰাত্ৰন চাউল । আ সেব মুখন। আ সেব। পুরীতে পুশাতন।১ সের সূতন। ১ অবধি ্রার সের। পুরীব কসল নষ্ট প্রায় হইয়াছে। সদর্গপিও কষ্ট রহিয়াছে। কমিসমর বলেন আব कर्मक मात्र अशास्त्र माश्राधः (मञ्जूष कांत्रनाक । २८.\* • • मन ठाएँम कनम शाई(हे जानिहार्ड । এক্ষাদেশ ক্টাতে ৫০,০০০ মণ জনিতেছে। ভিনে बट्टिय मट्दा का 1 5-5, . . . मन का मियान बटमा वस बहेबारमा बहासम अक्षमीपारवर्ग रहस्य कतियां ठाउँम बाथित अध्य अक्राप्त वहेट हा উল আনিঙে ২ইৰে বেন ?

বস্থেৰে হঠাং চাউল সন্থা ছওয়াতে উত্তর अ शक्तिम स्टेट्ड ठाउँल जामनानी यस स्क्तार्ड : েইলভয়ে কোম্পানি বিলেগ ট্রেণ সকল ত্রিত করিয়াছেন। কলিকাভায় ৩। ৪ দিবশৈ সণক্ষা ऽ॥ मृतः कशिष्ठांदङः कावन कशितः अवात ऐ २४ क्रमल स्टेग्राट । ४:८४४ पर अप रुब्रे ।

बार्लकरून कारकहेत्र दिश्लाष्ट्रे कर्टन ८ था मर्व्यक्त । य मश्चीरहत (मय हत्, ऋग्राप्तः ७ - ५ स्मा (लाक स्रमार्'द्र शांवडरात्र करिशाहरू । मरमव । मधीर प्राधिका ५२० क्रम क्रम मा बहारका मानामा কনিপুর ধা লক্ষ্যে পাখা রেলওয়ে প্রস্তুত : পার্প্রের কবিতে পারে এমন ১১,৯৮৯কন লোচ প্রভাগনজ্ঞ সি । ইর মুদ্ধুর জন্য আক্ষেপ করিয়া। ইইয়াছে। উবাও পর্যন্ত এক্ষণে কল কাইভেছে। ই আছে। নিডাত অক্ষ্যের সংখ্যা ১৪.৯৫৮ । ইয়া র জন্য মানে ২, ৪৪৬ টাকা ও ০,১৯৯ ৬° ল বিভরিত হইতেছে।

চারতবর্ষীয় রেলওয়ে দীয় পঞ্চান ও বোধা
।ওয়ের সহিত একজিত হইবে। এমধ্য এক
।তে পঞ্চার ও বোধাই হইকে যে সকল গাড়ী
।ই চইয়া আসিরে এমকালে ভালা
। বর্ত্ত হইয়া প্রবা ও আরে ইদিগ্রেম শকট:
। সওয়া হইবে? না ঐ সফর শক্ত ভ বজ
য় বেলওয়ের কলে আনি ত চইবে? শামরা
গাক্ত প্রস্থাবের অনুমোদন ক্ষিত্ত হিবে? শামরা
গাক্ত প্রস্থাবের অনুমোদন ক্ষিত্ত হিবে? শামরা
গাক্ত প্রস্থাবের অনুমোদন ক্ষিত্ত হিবে? শামরা
গাক্ত প্রস্থাবের অনুমোদন ক্ষিত্ত গান্তি
। ক্ষাত্ত প্রস্থাবনা। ক্ষাত্ত গান্তি
লাভ ও সাধারবের প্রবার স্থাবা রুকায়া অনাহারে
। মাক্তির সংখ্যা

গুলিকাভার জন্তিসদিসের ওবর্ণার্থ বাই সাহের আট্নী প্রইনহো সাকেবের খাড়ার টে এক রক্ষ বোপন করেন। ভূমি ভাটিবর রে, কিন্তু প্রইন্ধো সাহেবের জ্বলপথ বন্ধ প্রাতে ভিনি রক্ষ উৎপাটন করেন, পুন্দার বসাইবাতে পুলিবে নালীশ হয়ঃ ওবর্ণারর লির নাম মাত্র এক টোকা জরিমানা হই

১৫ ই অগ্নহায়ণ বৃহস্পতিবায়। এ পর্যক্ত শিবিব সকলে চৌকিদারী টার নিক ছিল না। গ্রথখেন্ট ইহা প্রচলিত করি আজ্ঞা দিয়াকেন। বাসী ভাকার শভকর। টাকার হিসাবে কর আদার হইবে।

পঞ্চাৰ টাইবদ নামক একখানি প্ৰজন সংবাদ প্ৰকাশিত হইতে আৰত হইৱাছে। লাহোৰ কিন্তু পঞ্চাৰের এক মাত্র সুখ্যাত্র আছেন, এ খানির লেখা প্রীতিকর নতে। স্তন খীকার করিয়াকেন কর্মচারিগণ বাহা বস্তুন, গাবের শাসমপ্রণালী দেশবাসিদিগের পক্ষে কর । আমাধিগের বরাবর এই সংস্কার হেঁ। লাভ ডেলহাউগিব বাবজীয় কংব্যেব ব এক এক করিয়া প্রকাশ হইতেতে।

মাজ্রাজের প্রধানতম বিচারালয়ে আর দিবি
নান ও বাবিষ্টর বিচারপতি এবং উকীল ও
রিষ্টরেব প্রভেদ করা হয় না। সম্প্রতি দিবিনাম বিচারপতি হল ওয়ে ফৌজনারী দেশিয়নে
ক্রিডারপতি থাকিতে আন:া ফলিকাভার
বিধিতে পাইব না। অভিশয় আক্রেপের
ন্ম সর বার্ণের শিকক এমত উপযুক্ত ব্যক্তি
নাত জাতি ও জেনী ক্রেদ করেন।

॰ জাবের আমলাদিগের বেজন ছাল করিবার গ্রাম ক্রিয়াছে।

ললপুরের বংশার শিশুবা বিদ্রোহী শাওল লাল লাহোরের হর্মে রুছ আছেন। এই লাল সুল্বাধের বিদ্রোহকালে সর হারবাট লাল্যা সভাসেবাপতি হুইলের বিশেষ সহান্ লাল্যা সভাসেবা

দামবা আলাদিত হইলান, বোরাইয়েন
নাইসেব, দেশীয় বিদ্যালয় সকলেব জন। আন
দামী ক্রিন্তান ইউরোপীর মিউনিসিপালিট সমূহ
ইয়া করিয়া থাকেন। কলিকাভার অন্তিসেবা
কেন্তা ক্রা মাধ্যের উদর পুরণ করাই ইংকাল
ও পরবাধ্যের কাজ ভ্রিক করিয়াছেন।

কথিয়েব। বোখারার সন্নিকটে আসিয়াছে। এক জন বোখারীয় ছত কাবুলে, আসিয়া সক লকে, জহাদে (ধর্ম ঘছে) প্রবৃত্ত কবিবাব চে ইয়ে আছেন। ভারতবর্ষীয় গ্রথমেট বে মৃতকে বঙ্গলাসিয়ায় প্রেবন করিয়াছেন, ভিনি এই সংবাদ নিয়াছেন।

আর নিব হইল, কলিকাভার ভির ভির আফিসের ২০০ টাজার অনথিক বেডমভোগী কেরাণীরা বেডন বৃদ্ধির বে আবেদন করিয়াটি লেন, গবর্ণর জেনহল ভাষা অরাধ্য করিয়াটেন।

লাভ ক্রান্থারন লাভ মেলিয়রকে এক শত্র লিখিয়া সবিলেব প্রশংসা করিয়াছেন। তিনি বলেন "আপনি অচকে উভয় বিভাগ সকল দর্শন করিয়া বে সকল উপায় করিয়াছেন, ভাষা উত্তম কইয়াছে, এজন্য আমি অভিনয় আ্লা-নিভ ক্ইলাম। ৯ সামান্য বেডনের কর্মচারি মিগের বেডন বৃদ্ধির প্রভাব প্রান্ত ক্রিয়াছে এবং প্রেক্টারি লাভ নেলিয়রকৈ বলিয়াছেন "আপনি নিক্য় জানিবেন, বর্তমান কর্মী নিবা-রণার্থ বে সকল বন্দোবন্ত করিবেন, আমি কার্য মনোবাক্যে ভাষার অন্ত্র্যোগন করিব। ৯ লাভ মেলিয়র ও সর সিমিল বীভনেব কি প্রভেদ!

জনরব এইরূপ কাড জাণবোরণ এক পত্র লিখিরা লেপ্টন ট গর্থরকে অভিলয় ডিরস্কার করিয়াছেন: এপ্রেণের পূর্ণেই লেপ্টন ট গর্থ-রকে পদত্যাগ করিতে হইবে। সর সিনিল বীডন বেরূপ কঠিন ছালয়ডা প্রদর্শন করিয়াছেন তা-হাতে এ জনরব সভ্য হওয়া বিচিত্র নহে। কিড সর জন শরেশও ভাল কাজ করেন নাই।

আসামের চা-করেরা গবর্ণনেক্টের নিক্টে আক্ষেপ করিয়াছেন, কুলি আইন অন্থসারে তাহালিগাকে মজবদিগাকে এক টাকা নণ চাউল

क्षित कर्य. कि अ मही आत्य काँकात शहर केंग्रित विकास नीति काँकेल भाग ना । अ क्या काँकावित्यत कि अब वृद्ध वृद्ध क्ष्यात्क । अविद्ध के देश्य विद्ध क्या काँकि क्ष्यात्क । अविद्ध के देश्य क्ष्य कांग्रिक नियम निवास कि तिया कांग्रिक नियम निवास कांग्रिक तियम क्ष्यात्क तियम क्ष्यात्क तियम क्ष्या क्ष्य क्ष्य कांग्रिक कांग्रिक

निषु नहीत निक्षेत्र (द्वनश्रदाद निवनिधिष श्रदाव रहेवारहः —

১। মুলত'ন হইতে কোত্রি প্রায় ৫০০ মাইল

২। লা**ংহাব হইডে পেসোরা**র ২৯**০** এ

७। मकुत्र व्हेटक मानत १७० मे

ह। श्रामेशवास इंदेख किया २७० अ शवर्षव त्यानतम द्वित कात्रशाहन, शवर्षम त्वेत वर्त्त ज्यान त्या द्वित कात्रशाहन, शवर्षम त्वेत वर्त्त ज्यान द्वित क्या त्या व्या माना स्टेर्डर जारा महकारी हाक्य विश्वा महि श्रामिक स्टेर्डर ना। त्र विकास क्या स्टेर्डर, गाहाता ज्यानीरिक पृष्ठ कहिएव ज्याशिक स्टिन्ड विस्थित कात्रर भूतकात स्टेश स्टेर्डर ।

हैश्मित्रमान व्यवश्व रहेद्र'रहन, क्षांत्रक्यों व द्रमक्टन श्लोभावि काङ्ग रहेट्य मीकामानपूत्र क मचीनवाहे व्यवश्व व्यामाशयान भग्न हरे व्यामी दिनक्टन व्याका निवादन । की दृष्ट्रिय कांक।

উত্ত পত্র তাবৰ করিয়াছেন, কাবুলে জনরব উরিয়াছে ব্রিটিশ গ্রথনেন্ট আসীর সিয়াব আলীকে টাকা দিয়া সাহাব্য করিতে চাহিয়া হেন। সিরার আলি খাঁ পুর্সাণেকা অধিকতর' আগ্রহম্কারে কাবুলে অগ্রস্ব হইবার জন্য সক্ষা করিতেহেন। ইহাতে বর্ত্তমান শাসন কর্তা সন্ধার আজিষ ও আফস্কার্ডা ভীত হইয়াছেন। কার্যান্তঃ প্রকাশ হইয়াছে, সিয়ার আলিই ব্যান্ত উপস্কুত লোক।

हिक शह्य अन कन कनिकालात हो मनीत ' हिकिश्मानत अमृद्ध निविद्याहन '' हिकिश्मक अन क्षण्डह गण गण लागिएक जमामाना देशकी अगितानमहकारत हिकिश्मा करवन। जातात विन अहें शिरात नाम नक्षण प्रश्वे जात्मन । हेश जाकत स्वनित्र गणाश क्षणरमा मन्न । हिकिश्मा मानव जिसे जिन क्षण्ड जानम नामित्व कर्दक रहिका विमा जर्म कर्दण (मानीतिमहक हिक्शमा करता । क्षण्डित जातिक व्यक्तिक मानव क्षित । क्षित क्षण्डित विनित्र महान क्षण्डित अहिक्श এওও ে, হানী আপুণ নতাত কৰি।টেছ কৰায় অব্যান্নানী ৰোগীৰ সংখ্যাত আৰু ী ষ্ট্য়াড়ে ২৭ জন ককক শ্রোস এই। কিন্তি চলত জন্মধ্যুত্ত স্থ

हारोप्रकारतम् अध्यातं कक्षात्रस्य कणनः या कारो कक्षांदी (अभित्रमानं सक्तारा करेट्रा

्रे स्ट्राट स क्यम (१४वर कर माट v

সেইবের কর্মানিক ক্ষেত্র করে। সেইবের কাল নিজকে কর্মানিককরে।

স্পুৰ্যি বাসু বাসুনার চন্ত্ৰী বাটিছে। স্থিত কৰ্মনাৰ লগত কৰা ক্ৰেন্ড সহকো ক্ষুত্ৰীপ্ৰত্ৰ টুক্তিক ক্ৰয়ালোক। স্থানিক ক্ৰিন্ত্ৰ

काशकारहैकीर्रेष काम व किकिश्मालय कारह, काश कार किश्वास स्वीतिक की किश्व काश्वीक के किका

আৰোব্যব । ানে এক ুৱ চৌৰ্যাপৰাথে জাবাক্ষ ক্ষয়াছেল।

শুক্তিয়ান গ পেছুলান গানুৱেশন পে,সাইটের ক্ষানিককা সন্ধান প্রথমের তান ভিরেটির সামিক ১০০ টারে আপ্রভূতন প্রধান কার্য্ন। ক্ষোন

🕍 🕏 अञ्चायुर म्लियांव ।

हर्गतिकार वास्त्र, विकित्यह वास्त्र न्यानी कर्त-(१९४६वार्व १८ व्याचार कर्म्याटक वेद्याटक (ब्राम्यक ६००० वास्त्र क्षत्र क्ष्याटक कार्यकार वार्यका क्षयिक विक्र कर्म क्षार्थक व्यादका अवन्द्रमक हेर् विद्यक्त कार्यकार

देश नह बर्जन, हिन्द्रानिशति छाद्रछबर्टन मैशक मर्ट्स मार्ट्सिक स्टेर्ड । कर्ण प्यापा क क्यार्ट्स मण्ड खवानि विष क्या कार्ट्स कर वालक्ष अकाल के पास वाचा स्टेर्ड

के अन्य बहुत्वतः ज्ञात्ति निवादकार्ते चेत्र स्वतात्र के कृष्ट महत्त्वतः ची जन्नतः १०५६ । मुन्दत्वः स्वाहक्या ज्ञाकक्त चीवित्वद्वः विद्याती १९६६ ।

ः । सङ्क **निविक पूर्मा भवर्गदक्केत्र काशक** । स्टार्क

# 32 2

( इतिशिक्षण )

बहिनारमञ्जाकाम क्रमामः दिन्द्रमञ्ज

. 1 . 四 . 기 시시 의 이 전 1. 14 . 4 मका का नकाव प्रश्लेल क्या है। فرقع فالمحافظ والمنافز والمنافز المنافز المناف ं गाँउ विकास ना अस्ता में क्या · 水(する 赤木 にゅ 引達者) 五(明) المعلوق والإلجابات المائمة بماما ور J %4' : '521 3 🛊 et ern fill antite idene einen िरामान । समाप्तारिक राज्य अस्तु वराक्ष क्षेत्रक (= esitem the s state writes াৰ্থ বাৰ দিশ চাৰ্থ লক্ষ্য লংগ, feath the electricates we لمصاحبه يعيشه العالية إدا يسكين ि। 🕾 ात्र १७५० के कर है ही इंडर है। र्वतराज्ये व विकास स्वताकार्य हिमाञ्चल वर्षेत्रः अंश्वेत त्रावतः नृष्टः अर्थः , स्वत्रश िटन- पास्ट्रका ब्हरूनीम भीटन-टक्क ►र्व श्वकान जावर त कुनश्कात क्षेत्र भू काह ार के क्ट खोरमान धर्मर प्रक्रिक खालांश कर त्य शर्द क्षेत्र । नैकार्य त्यारे चात्राट्य प्रत्यक्त । भ रकुके व्हेप्नाइटल्या विभागत्त्रय काट्सर्टेड मान नामक प्राप्तिय अब धरेना जनम ·সংক্রত ও আফোলিক ইছবালেকেন্দ্র বি ध्ये (कार्यय बारहतीभाषा १४४२० (तर्नीरः के **৽ব ব হাহাছলেও নেকট**াল শয়: পা<sup>২</sup>নে रज्**रक्टेन्ब**के भवर्गत दोकाष्ट्रम । अवदर्ग र ११५५ इहेब्रा मंब्रिय महस्राय क्षवान भूक्ति भद्र हि श्रिदारका (व.श्रेष्ट्रभगः घः•ाः•ः / • ४ ६ ब्ह्रम् र छ जित्राद रिम्नामित नेइक विश्वता नाय ्रद्र**ण्डल कर्द्रस**्काचान वास्त्र विश्ववि <ाट् '(a)द्वान स भाग प्राप्त भा द्वा प्रकारत स प्रमीटि । ≀सिंद्क भारत, (लप्डेट्र ।के अपर्व " बोहाप्टव प्रदेशक केर्बुद्ध कविष्ठारस्य । कि.स.चार्या वर्त्वर, 🕮 र रम्बर कारका साकारक रण्याच् अहे क्षेत्राः **य**ा ा .बहे लक्षप्र क्षेत्राहरू निवाय अञ्चल विद्योत |त्कक्रिक्**म्यक्**र्वकर्मिशनीड मार्वक्रयान त •क्षिपुर्द्ध अञ्चलकार प्रशासन किसी कर अहें हु। इंग्लिस किस राज्य (अप कालाश का क) क्षित्रक्षित्रम् सामे । सहन्तेत्वनी पनर्वत्र खालाय । ा के निष्णुष्ठ (स विश्वलान के इनाव अपूर्ण ( के रामा 'अब हेडा विभा**सरे हिन्का वरेग्राह** मरागर ा¦डे। **पा**ड्रिकः न्योधानाः क्रिकेशकुक्तिहार देवुः केला आरह माश्राम श्राह्म का. 61 । कृतिहा (मार्क्टरान्डे अधर्गनाम शक्क जिल्हिया कांच्या क्षित के कि कि "के कि कि कि कि कि कि अ**बंदे प्रदेशी बीट्रिया अ**हार के आहार अहुनक आला नरवाजीरहरकार हेन्सक्तिया भारतस्वटहे, কৈছ খাওৱার মারেই (ভাজনাদাত প্রক্রি 🗘 প্ৰকাৰ ব্যৱতা 'ক্লেন জাহা চিন্তা কৰিছ, জ্বাচা शिर्मिय **व्यक्तियाँ। साथ इक्क** प्रदेशपुत जुमहाहाँक क्राल में कांस्क्रिया मार्थ्यन्त्रिक एकाक्र विक्र चाइतम च्यान्त्र' कारः कृत्यक्षा केतिएक भारते मा

of the agent and adel by white, **网络**有时 \*\* \$53\$\$\$ VE'PE #3" 1. SOI PLA 4 DA. #\* \$₹ # 44 1% 4 \* #**Q@@\*4 \$**\$\$\$\$**#** हुआन प्राचन सक्ष वर्षा व्यवस्था वर्षा वर्षा · निम्ना का किलोड़ किल्लाइक काल क्या ना १९६वे. कसाता@ाद G miteste कर्म का# स THE METER OF THE PIECE HAVE HATTER WE WIRE 问题 4 野()等 唯行学员 各种类((基础、) (B. A. (新聞) <sup>2</sup> এই লেখোন। ১৫ একার কবছার স্থান করিয়া**ও** त्रमानी, पाक्षके 🚁 🕽 📢 धार । 🖘 🗗 🕏 रहता 『기の』等 れほえもはつは今 (おり返す 支食事) 前雪 ' को है अपे के कि के कि कि कि कि कि कि कि कि कि (१९१८) वर्ष का वर्ष कर कर कर किया किया के **सम्ब**र्ध के विषय । केंद्रिया केरे। विदेशका केंद्रिया की ती, याद्रेशेला । शेर्नु ए.स. त्युन्ति ५१**६ एक् विद्वास अ**क् या मा ब्रह्मा (कवा (१९१५) (व) । कांश्रवात्र (क्वि.) कार्षि नाइका नमः । अन्य कविद्वा अद्भव 「中午リー み物」。 町1つ モンイト: 「新江東海江東」 र्याद्वर्वा सेन्सांन्ट्यक नद दिन द्वांत्री दा स्वदास 。 Note 不過數 160000 14100 新華 新華 かいか かいい おっぱめ かいはん ・1種に 相降・事業所郷・ d'a cidion actività in sit naid ୍ତ ବଂ ବିଲୋକ ବ୍ୟେତ ଜଣ ବଣି ବଞ୍ଚିତ ଅନ୍ତ アルマンチョウェル 変われば 4.3 門にほん 一行者 中海ル ^^'() [과 **시**길(기)는 선용· )

विषय क्षेत्र क्षेत्रण नावावित्र मिन्द्र हैं हैं उन्हें क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य मिन्द्र क्ष्य क्

# ইউরোপীয় সমাচার।

्या १८ १ **१६८७ ए**नम् **गक्न** क्षारा स्थापन राजा है। हेल्लान युष्ट कालाक स्थापन मा च स्थापन यु

ভাগত । চীৰ ও ভাগানের ব্যক্তির চিনার গ্রেয়া কর্মা পের ক্রিটার ভারা ইয়াছে।

में अने ५७ है। ग्रह्म अग्राप्त गानिक स्थानिक स्थानिक स्थापित स्थापित

ंब्राने शक्ताचे प्राचा तथा आहा विचित्रिये सिनुष्क कारनी मिराज्यस्य परम् ८५६.२म । में अपो भग १, ५ न १००० इत्या मानस काम अवस्य कड़ियाँ १० १० १० १० व्यताय (इस शहा कर १००० १००० को विकायक विकास है। कड़िकर व्यक्ति व्यक्तिस्था

क्षाक्षा (अप) का कार्यक व वायक का गाउँ (अप) का अप) हाथ (अप) कि अप) का वायक का गाउँ

विश्वित । का गान्य होता । का १ र १ र का कुम्पालय अस्त मक्त होता । ये वर्ष त प्रकार का कि शाहित प्रदेश हैं। वर्ष १ र विश्वद्व के कि या अहरू ते हैं। वर्ष ते वर्ष विश्वद्व के व्यक्ति हैं। वर्ष ते वर्ष ते वर्ष विश्वद्व के व्यक्ति के स्वाद्ध हैं। वर्ष ते वर्ष विश्वद्व के व्यक्ति के स्वाद्ध हैं। वर्ष ते वर्ष का वर्ष वर्ष हैं।

্টার্ড ক লাজে বিয়াকে তাতিসার দল্প । সাহিত্য

্নিৰ্প্তস্কৃতি জান্তিৰ সাদ্ধিন । গৰাত ৮৯ অনুস্থানত কিংক সংস্থিতি হৈ এটি উক্স জান্তিৰ সন্তেখন সভা কিংক কিংক নিৰ্প্তভাৱন ক

----

## এেশিত।

মানারর **উন্ত** ধোনপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় নবীপেসু।

"क्षेत्रपुर्व दायू ते क्वयू १०६वर " ग्व ११ क्षेत्राक्षेत्र में १०५६व महावदार वेक्व ११६ वाक्ष जावक्षपुर्व, एर ६४६व क्ष्यांच (वे १४८, ११ क्ष्यांच मानाइ मान एक्ष्य क्ष्यांच क्ष्यांच १८६, श्रक्षांच काष्ट्रक व्यक्ति के स्ट्रिंग ।

কৰে গোৱাক বৰু। তথ্য কৰা ব্যা

न ऋविवञ्चल बहाब्य ?

का पृक्षि (अ.स. काम्र, के भावकाल (व. भाव त्र सञ्चारकतः, खण्यम्ब अति । कार्ति के नामार-4 का र किएस. अध्यक्त १९ शरकार अव्यक्ति व 医甲基 的复数 化铁铁 电流 布书,也不是 क्षा कारहेबल । कायान मारुपा उपल . का (कान के बाद जो पान पश्ची 17. संब<sup>त क</sup>ान ·寶·泰·特·克·斯·特里·斯·特里·本·美罗(斯·斯拉·河內)。 ज्यात **देशे** अकान. कार्यः **वर्ष** क्रीकार., अक्षर कार्यरण्या १ वर्ष क<sup>्</sup>र्यास्थान हरू। (ብርሩብ ) 'ዜነጣብ! ' ይጣ"ላት **ዜ**ማ ቊ ጭ **የ** ወ . ^ क्षा कार्यक्ष कर्णक । वस्तान क्रम्मान कर (शार वहें:" भूक कथाजड़, कालक वांदर · ] 李明[4] 在下班[15]。 " 4"《此中战" "3"等 🕬 🕶 १९६ फलाइक ज्ञालकरा स्थानाह सञ्जन क्षिकाम्बर्गासः स्ट्राहर, एथः १ कामगाः

Se of \$1.79 Me of the confidence and alternative TO A THE PLANT WATER WATER TO いな。 (ガブルマtiff ガニヤiff Beltist 行か) इ.स.च्या स्थापुत्र स्थापा स्थाप দ্ৰান্য স্থকল প্ৰাস্থি र र र १८६ लो सम्बद्धिय विश्व कर देशाल ६६०६ ।शील- का सम्बद्धान करण र रात र रत रक्षण्यूण व नीत 野州 nation of the light of the control < प्राप्त कर अक्षाप्राप्त के के दिल्ल , / . . T 2 1 . THE T TESTS. x2 7 415 Mir. MITTER ALL THE STREET \*\* \$7 \* 47 BI\* 19 B# 1 7 1 - अप्रकार गार 👉 है। है अस्पाय करण 🥂 🕽 ः प्रविश्वस्थास्य मानास्थान्य विषय विषय विषय नकास का या रिवर्ड शांक १ पत्र । रहे रक्षण त क्षेत्र (१मवी २३, १४१४ के बहु शाम d sまって イードマッ マオ ロリエア・東リングラール ger zuremm erfeme mill mimbe ableren रत क्रांक केलाम विक्रम काम सा रहण मारू ' स्थाप्त स्थाप द्वार प्रकारण प्रतिकार प्रदेश हुन्छ 🐣 बक्रु बामव (त्रवापन क्रिमा - साहे। जेन - इस ्रीबार ३ पर प्रश्ता बन्नवार इ. वि.क. (स. स.स. पर्व करण, सङ भागस्य रम्पर्य विद्यागिरत र सदा की अस्तर का विभू कि ।

मान व सिर्वव । कार्यानम्ब पर्यं वयरः अभिका दार कहा में प्रशासन्तर अतिहास, किन संबर्ध के निगम करिक अस्ताना क्योरक क्यां ; गः मुद्रमा संन्योप्य तम् ०० वात्र अकृत्वः प्र 441 3 - Tr 41 NH CA BE 3 WEG +1 1 अभिकास की संग्रेश सम्मासक (न १ हरूस <sup>(क</sup> 中 工作 医胃胃 中心 不食性可用 中田 海泉 期下之日 क्षित्रक्षेत्र को जो भी जन्म या है, राजराई न्तृतः 'चन्काम म महत्त्वम स्राप्तम आर्थास्य र्व -∍1. **७**१स हा क किस्तान कर साहित (साहा श्रीत्रात अस्तात्र के केल्स लाल्स ३ व्यवस्थ तारे ५ भूर नामके स्राप्तिक अक्षेत्रक स्थापना । प्रसादक प्रमादक स्थापन रुर्गुक्तस व्यवस्थिति काला स्टिमान वर्गस्तर । क्षि काश करमञ्जल कर्य के स्थल का दलाया विका, ्रवान भाष्ट्र र प्रदेशक मा 📑 क अभिष्यान् स्थीत कोड़ रा २ प्रशंसद्व । स्टर्भ पञ्चाहर कित्रुंश हैं।वस्यु न्त्र के अपन ते. अविज्ञाननिकारी, म्हान कि है ⊶' बुर क्रमेन ) हो तम के उक्ताफ (२) प्रत्यति म रामनी अप्राप्त संबंद व स्वत्य क्री हिमाकर न अर শ্র সাম্যা জাপ্যায় তথ্য সমূব সাম নকা करून , मान्यक्रक मान्य कडाल व नेत्राद्वत,

कोलेलो : करेल लडीर एन कर्य ( रहेन स्वर्गस IL R TREE SILE STATE WE ALTER में । अब्रा भारतकार माना क श्रवा का अप 🦓 प्राचाके चन्द्र र मृज्योद्वास माणा प्रदेश करणा । टन वर्तमा पण प्राप्त । त बाज्या वि ००४। हि 化油油催气器 经实际 计分子序令指示的 电回线 可憐 水田 对似 40、10年11年,1日日 4年第 कार्यान कान्नक गोर्स्स विकास अर्थ न प्रकार हरून SON STANKE AND A COMPANY र द'ईक्रु'नर क्षेत्र वो≸रू ्**ब**ा व विद्यार सम्बन्ध का क्राप्त का विद्यार o wo siet ima ina, afa fiaia (me · »। २ प्रथा भ मधान्न वर्गनात्र खुट्ट विकास ) "५ ०० हार्डू । वाह संक्षित व वर्दा कावेस ÷ान् ५६००१ ६३ × तीड्र अष्ट मण्डलाङ्कलः क बढ़े मना बन्तम रे 🖰 बड़े राज सहस्र मान संबद्ध कोज समस्य करिएक भारती वहेंap fiet in digengenete habite र्शनाम क्षा । प्रा.म व अरहत्व काहिनकरता । क्व-भाग अक । वदच अफ़िकूर्षि अवक क्रुक्यवकाल भाष सं 1 क्या. त्व वस समा त्वल हा जलाइन - চুপাই সা গোর মুখ্যুবছি চু বভার্য কাম্বারু उने। शहबा हर। किथ क्यांगाम्यान कूमान-টুলিব কুমাণ ( বাহাও কু**ড সুদলিদার ভ**ম ते १४ । ११ ० ३१९. धून श्रक्त छत्र बाह्यभूति क्रिया त हे ) १ कम (बन्द्रन होर्स पविद्वा । व **शू**/प्रुप भेरदम २ 'य-"नव *मांख्य*ंकित वस्त्रका (भाष स्वत्त्वः ७१ इत्। आकातिक १५५तिका, विश्व ,व्याहरू ह्यान कर नाम दिश्वाहरू के प्रकृत हैं लाम म'रम र मीनवकु शव कुछ,न जिहा दीना का दिल्ल कियुरा इस काइन्ड कि त्या वस किया

क .सन ५८ वान वृक्षि ल के जनादन जानाको स्नेक्ष्मिक काव. वक स्माहनक महिस्स व्यानादनव सद्ध वक बहुबन मात्र लका कहा, उरमास कीवानिहस्स, मान्य महिल्लाक वर्ष करिया के কবল তাহা ভোগ কবিৰেম, প্ৰকে গালগানী নিলে কি হইবে ? প্ৰহসন ও নাটকের যে প্রভেগ বলা হইবাছে, সে বিস্তো মহাশয়ের মত আগার আহা, কিছু প্রসংনং উদ্দেশ্য যদি প্রোভ্রগকে াশন হব, নীনবন্ধু বাবু সে শার ধাবেন না, তবে নিল্ডগে বিশেষতঃ মহাশ্যের স্মর্গনে লোক হাদান ব্যেষ্ট হইল।

গ্রাস্থ। উদ্দেশ্যের বিষয়ে আপনি সম্পানকের সঞ্জি মিখা ব'কল্ছে প্রবৃত্ত হইরাজেন। সম্পা मक रटनम सुदाभारमत क्यमिष्टेकात्रिका भनमान ०००३३ वश्याप्र बर्जन अधकारतम् (म উल्हिन्) ছিল, কিন্তু প্ৰয়াপাননিবাৰণী সভাব ভত্তপদ্ধান গিয়া প্রদর্শন করাই ভাষার প্রধান উদেশা, (मधी मण्णामक नुमिर्फ भारतम माहे। रुपु हे-(प्रमा: व्यक्तिक भारत, विकि अञ्चलतिक मृत्ये উদেশ শুনিৰ'র স্থান না প;≩র'ছেন, ভিনি বে ল এর কাঠে বুরিতে পাবেন না। প্রবাশান 'নব'বৰী সভা কপটভাব উৎসাহ দিছেছেম. महान्युष क कथा दला काफिल्य सन्ताम कहे-য়াছে। সভা অভিনবিত্ব কাল কবিতে পাবিতে (इस मा बढ़ी, कि हा महात व्यक्षिताशम महा, म অফপটক্রম এ কথা আগ ন কি প্রক ে অংথী-কাৰ করিয়ত পার্থন স

আপনাৰ মতে নীৰবন্ধ বাবু আচাৰ বৰ্ণনে ৰত নিপুৰ, ভাষাৰ কৃত একটা আভাৰ ধৰি এখানে ভুলিয়া নিলাম ভগুনৰ কবিয়া এক ৰ ব শস্তুন

> ি মালতি মালতি মাল ত কুল। মহালে মহালে মহালে কুল। ১

कामहा कानि अवस्थित शुक्त केवन 'म-काल कुल प्रक्रिया चार्यक प्रदेश मा। एर्स काक्ष्म व ची.अन (कान के महत्त्व यक्ति माही ; (भाम उपासी चार्क बना संग्रहा :

वालि बार्श्य प्रावित न्द्र कर्या यहः राज्य छाहा आधार कर्षः, भवनीय । किल अप्तार । कि. मरे मखनात प्रवि हतेयादिन । क्येन लिए तः । भवी इत्राव क्षेत्र छ छ। स्व भाषा (वन्याद भार । प्राथ कि इरेट्यन । क्षेत्र क्षेत्र भाषा (वन्याद भार । प्राथ कि इरेट्यन । क्षेत्र भाषाद्वाद भिष्णः १८६० । भाषा कि इरेट्य के प्रावित्र क्षेत्र के छात्र । भारत । बाकाल करेट्य हे ख्रिय के छात्र । १८६० । बाकाल करेट्य ख्रान थाक जा । १८६० । बाकाल करेट्य ख्रान थाक जा । १८६० व स्व करेट्य । क्षेत्र ख्रान थाक जा । १८६० व स्व करेट्य । क्षेत्र ख्रान थाक जा । १८६० व स्व करेट्य । क्षेत्र ख्रान थाक जा । १८६० व स्व करेट्य । क्षेत्र ख्रान थाक जा । १८६० व स्व करेट्य । क्षेत्र ख्रान थाक जा । १८६० व स्व क्षेत्र । क्षेत्र ख्रान थाक क्षेत्र व १९६० व स्व व्याव । ু কোন ওলি গ্রাম, কলা, বাঁহার এ বোধ নাই, তাঁহার সহিত প্রামাতা দোহের প্রসঞ্চ করিয়া বাগড়া কণা আমার অস্কৃতিত। অত এব এবিশয়ে আমি মৌনাবদ্বী চইলাম।

উপসংহাতক:শে কবিবন্ধুকে আমি একটা অন্তরেশ কবিতেতি, তিনি গেন গাহাব বন্ধুকে প্রাথশ দেন, হ'হাতে কোন সন্থানেশ নিকাব সমাবনা নাই, গাহা পড়িয়া কোন কুত্তবিদেশে বিশুল্প ম'নসিক ফুলসম্মোলের স্থাবনা করা যায় না, ব'হা কোন কংকতলি পচা বসিকভায় ও ইত্তভাবার পুন, তেখন প্রম্ব গেন না কানে। (১)

কবি। পদোক **বন্ধু**।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সপাদক

মহাশব সমীুুুুেপ্রু।

क्षत्र । हो संद्राप्ति ।

यहार १ ए किया शांक्रस्त्र, वाली आहर रिक्मिन्यू ते लेलकर्छ राबाक्युव नारम अक्यानि ক্ষা এ'ন কাচে। তথায় ব্রীকে প্রসম্পার कित नाटम अक ने <sup>र</sup>क्त न हु ' इ कांग्रङ् नान व (रनः कोलि १) ৮ किन इहेल, (बला ६ हे व সম্মূ এক বৰ্ণকৈ পুৰতে ও বেংলা প্ৰায় ভুটা সং দক্ষেদ সৃহিত এর পাত্রহৃত্তে উল্লাবই বারীতে **अर्जन** कविश' कहिं। सङ्गानग्र । कामि इतिमाध भारतार ( এই मार्च अक्र क्षण अख्रिको आहम बार, किन्न जिमि हेरान दिन देन्त्र व लाइमन मा। वधी इहेड कानिएड हि। क्लक्ट ई १ छ। । मध्य जालनार दारिङ अहे अ किहरे अहे न ब है विक्षा के दी बहे 'मा महस्मा किया अस्म कारोग्र ल हे हैना ' राजन अध्य करना । वह द जग्ना १९ **शक्षान व**िला केनवर्यसम् । १६ २) <u>अर</u>ान पूर १ई है३५, ४क्ट्रम न्याहर कहा पर नार्थ (य प्र करूर काहे। टिन अहल म: फ्रहर्स, १ शहर (य केटिया मान्यवामती हडेर्स्ट अहिंस य ड क्टिन । ७ **६६ के गर**ा। कराउटन बहेबा शरफ । াম্বলন সেই প্রবাধ ভাষেত্র স্বাহলার বিচেয়ন হছল পাত্ৰণাও বিশেষ্টনা কাংলা ছোৱেবা নিশীথ সময়ে সাকু গ্ৰন কান্ত, ধাসগতে প্ৰবেশ करिल कर विकित्त धर्म कि धरून कराहर अर्थन बहुद्ध स्कर्त है जिए हहेगा स्थ्य (६), रहा (५ हन কস্ব সামপাত্র বয়াদি **সঞ্**পে নাথ পাইল হ। হাই মাক্স লইরা পলায়ন কবিল। 'বিপন

( . ) এ বিশাবে কোনে পত্ৰ আ; ক;মেরা কংশ ব'বনা ১;

दिलप्रसञ्चर्काल के अहे बाकाई मध्यभाग इहेन। পর দিবস ঐ সন্দেস ভক্ষণ করাতে সে**ই ব**ছ পৰিবার মধ্যে অভিবিদং বুলব্য পার ঘটিশা কেছ বমন করিতে লাগিল, কেহ বিচেতন হইয়া পঞ্চিল কাছারও স্মিরীর অবসর হইয়া আসিডে লা-লিলঃ তথন প্রদম্বাবু আশনাং ও পবিবার বর্গের ফ্রীবনে নিবাশ হটয়া ও প্রতিবেশী বে ' ছই এক জনেৰ বাদীতে ঐ সঞ্চেদ পাঠান হইয়া-্ৰিল, এক ব্যক্তিকে ভাষাৰ ভোজন নিষেধ ক-বিত্তে পাঠাইয়া অসুণ ভাৰুৱে মহানয়ের ৰাষ্ট্রতে গমন কবিলেন ও উচ্চ'কে গমন্ত বস্থান্ত কহি-লেন। তথন : হাব খালোর অভুতা ও শ্বীব-প্লানি উপ্ৰেক্ত ১ইন'ডিল। ডাজেৰ উমেশ বাৰু ক্তংক্ষণাৎ ঔদ্য দেৱন ঘ'া ক্ৰীয়াকে কিছু স্থস্থ করিয়া শীখ্র উহার ব'টিতে আসিলেন ও স্রুবে কমে সকলবেই স্লপ্ত কবিছে জানিলেন। এখন সময় পুলেষের পান। জাবত হটল। সম্পাদক মহালয় , আপনি ও আপন'ৰ আভজ্ঞ পাঠকৰণ कालका कर्मत्र निकः लुनिस्यव धनासन किसूह व्यक्तिक साहै। (भाव भगाहेला (क्लि धूमशाम इड्डा स् इक. (तर्देव पं व्हेट्ड **माशिस : अ क्रा**न বিশ্বাসোনায় বে'লগা ২ইল, সংশস বিয়াজ बिनिया कडारे शरफर ७ जरायक व्याव**स स्टेस** १ । प्रतिस्थान के विकास स्थापन विकास स्थापन । स्टब्र होत्स्वर्तः २३'छ

কস্যচিং। পঠকক্ষ।

মান্ত্ৰৰ শ্ৰীযুক্ত গোমপ্ৰকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেযু ।

क निर्म्य किर्नुनका शिवर- -

प्रश्नित कि दोश्वा तर शकार प्रश्नित कि दोश्वा के प्रश्नित के प्रश्नित के कि दोश्वा के कि देश ভ পৰিশ্ৰম কৰিয়া ছডিডেন কংগ্ৰেণা**স হইডে** [ ক্রেলার সহস্রে সহস্রে সবিচের ভালদান কবি-एडन । अन्नात अव्हेक्कड (अचनीत भारति (ग स्टब्रुक्त स्थादिक**ाल व**ान करता मन्त्री**कक** হাশরাবাৰু হেমচজন কর কেবল যে ডভিডেই সীম প্ৰিশ্ম করিয়া জনগণের প্রম জেমা-পদ ও অগন ধনবেটেনৰ পাত্ৰ হুইয়াটোন এমত য়ুংকি এনগ্ৰিক্ডা, বি লানভটেডিয়ড , কি हिन्द्रोप्य क्रिकेट कि तीर्थ प्रकेट विकास कर् লকু ড এ ডামানের অসংখ্যা দেৱবাদের পারে । াচা বাহা ১ টক যেমন ৫ শাগৰ ইটা গলৰ মক म भीन कविहा अनुशाय:कम्पन हेर्भास वार्क्ष द ৭গান কৰি:ভঙ্কে, ভেমনি যদি প্ৰভাবংসল প্টেন্ট প্ৰবি মহোদ্য এই অসাবারণ বুজিমান মচশ্ৰ বাৰুৰ প্ৰতি কুপাকটাক নিক্ষেপ কৰেন, ভাৰইলে আমৰা বক্তনেৰ সমূচিত পুরস্কার নিক্ষিয়। নয়ন ও মনেন চনিভাবিষ) লাভ ৰ ৷ভৰসাকৰি, সৰ সিসিল ৰীডৰ মঙে দয় विषया अवनः स्ट्रनायन्तं कतिरास्त ।

২৯ এ বাংডিক পুদৰাৰ অব্ৰস্ত 🗴 দ্বাদ্ধনিবা:-

ী সভার অর্থ' ংগিলিক লোক।লকমিটীর সভ'-उ ও **सब्द**शन (२.४मी भुरूबर कार्**बहेंद्र मार्ट**- | ৰ অভিমতে নিয়োক্ত কাবণ কতিপয়ে এখান ৰ অৱসানৱত উদ্যাপন কৰিয়াছেন ; ' ঞ -, এখানে আউদ ধানং গথেই অঞ্চিষ্ণুক, : र्खिक भागात अहूत कहेंग এवर देक्यां अपकर <sup>।</sup> ার্যাপ্ত হইবার সম্ভবনা, দিন দিন চাউলেব বা ব নরম হইয়া আসিতেঙে এমন কি অএহাগ্র प्रत् ३ ६ व। ১५ निवरत ठ<sup>००</sup>५ स्वयं मन ३५० ন্ম হটতে পাবে। অতএব এখন স্বাৰ ছবিক ই। **ছিতীয়**, যদিও একলে তথানকাৰ আনু- <sup>†</sup> **ত্র প্রত**্ত ২০ বা ৩০০ শত কাল;লী উপ-ভ হয় বটে, কিন্তু ভালাদিগের অধিকাংশই হেৰতা নিবাসী ও কমক্ষ। সমস্ত দিবস পৰি ।**াছে ভাহাব। সকলে অভ্যাসৰশভঃ দিব**ৰে-নে অন্নহত্ত্র উপক্ষিত হয় ও এ:প্র ২ বাড ' 1 ভাত লইয়া বাটী গমন কৰে। অত্তএৰ ডাংগ াকে অন্ন দেওয়া নিবপক। তৃতীয়, উহাদি-র মধ্যে বাহার। নি ডাক্ত জার জীপ ভাগে বিলেব মিস্ত দাতবং চিকিংসালয় আছে, ( এই নাডবং करमानअभी मैं नवकु म्या मध्य (इम्टक्स वाबू গুৰুষ্ণিত হইষাছে) 🏖 স্থানে ভাহারা ম আহাৰ ও চিকিৎসা পটেতে পাৰিৰে 🗸 মহারতের উদয়পন দিবলৈ আনি অলম্ভরে ' শ্বিত ছিলাম, দেখিলাম প্রত্যেক কালালীকে , क्रिकाम द देशवरक काका वास हान्द्रे न आरक्षण

ধল প্রদান কৰিয়া বিদায় দেওবা হইল, বিদায়
সদয়ে সভাপতি জীগজ্ঞ বাবু দেনচন্দ্র কর,
শ্রীয়াস বাব দীনগুলাল অগস্থী জীগজ্ঞ বাবু জাগল
বাধ বিংহ তথা জীগুজ্ঞ বাবু চাগচক্ষ কর,
জীগ্রন বাবু বিহানিলাল দত্ত, জীগজ্ঞ বাবু মহেল
চল্দ নিয় সবইনদেশ্রীয় তথা জীগজ্ঞ বাবু প্রান
চল্দ হাল্লা স্পিক্ষ বাবু স্নবউদ্দীন মহন্দ্রন
প্রায় এবং জীগজ্ঞ বাব বামনারায়ণ পাঁড়ে
পাল্লাব ক্রিয়াল আপেন প্রাণ্ড জ্ঞাল প্রসাদি
নাজ্ঞান করিছে ক্রিয়াল বাব্যক লাভ লাভ ধন্য ধন্য বার্য করিল। ধন্য বেম
বাবুণ জাগনি হথার্থ প্রনাধ্য ভাজন বাবা

২৯ এ কার্তিক গভাবেতার বন্ধনাবিনী সভাব সম্পাদক উন্মুক্ত বাবু ফ্রীনোদচন্দ্র কর সভাব লবনিষ্ঠ ১০৭ টাকা দ্বিন্দ্রগণকে চাউল নেবাৰ লাল্য বিলিখ ক্ষিটীৰ সভাপতি মহাশ্যেব হত্তে জ্পাণ ক্রিয়াটেন। দানেব সময় এই ব

ডেপুরী বার নানা কর্মে ব্যাপ্ত থাকিয়াও ।
এখানকার পীড়ার কাবন গ্রাম অপবিকাবের
বিষয়ে মন নিয়াছেন। দক্ষণ প্রকৃতি কাটান হট
তেছে । গ্রাম পন্জার সহামানীর চমংকার।
উল্লেখ্য বিন সকলের মনে থাকে '

গাইবেডা ) একান্ত বশধ্য। ৪ ঠা অগ্ৰহায়ণ ) জীবা---

ইমান্বের জীয়ুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেরু। মিস কার্পেটির। ' এস এস বিদেশিনী।"

্স এস বিদেশি নি ' বস্ত দিন তবে বঙ্গেছি আময়া তব আশাপথ চেয়ে, কি বলিব ' ' মনোগাড জানাব কি বলে আনকে অধীর'বক্ত আজি দেখা পেয়ে।

ভারিষা অপাব সিন্ধু, ছাড়িয়া ভবন সুধেব জনমতুমি করে পরিষার, এ বিদেশে একাকিমী কিসেব কারণ ? কিবা আতে দয়াবভি । হৃদয়ে ভোষাব ?

্ শ্বভাগিনী বসবালা অঞ্চান জাগাবে কাৰাগাৰে নিৰূপায় জীবন হাৰায় ৷ ৷ › স্থান কি স্মাচন ভাবে সাগবেৰ পাৰে ভাগিনীর ছাত্র প্রানে কাঁদিছে ছালয় ? এব্যেছ মুক্তিতে তার ন্যনের জ্বল ? সেলেছ চরবে সূত্র ছেলিয়াছ ভার এসেছ সকল কেলে হইয়া পাণল ?

ৰশনা ভোমাৰে বস্তুপে কি উপলা। দিৰে আজি গণব'ড। বসবাসি জন এ ভজি গণে প্ৰী,তপুশেল গাঁহিয়াছি হ'ব বিমল হৰয়ে কর হুময়ে গ'রণ।

ভাই বন্ধু হতে ভূমি লইয়া বিশয় আসিয়াছ আমাদেব হিতেব কাংল ; আপন হৰুয়ে বন্ধু বাখিবে ,ভাম য় পিদিকি বলে ভাকিবেক বন্ধবালাগৰ।

১৮৬৬ } ভবানীপুর ২৭ এ নাবেশ্বর

ষদি কোন মহোদয় এই কয় পণ্ডি ইণ্যালী পদে অনুবাদ করিয়া কোন প্রকাশ, প্রিকাতে প্রকাশ কলে ভাষা হইলে পরম উপকৃত হইব।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সনীপের। জনাথ নিবাস।

अश्वासी इवप्राट, कलिका हाथ नामा मिनीय लाकटक नामावित कार्यशाना प्राप्त कार्यशाना प्राप्त कार्यशाना प्राप्त कार्यशाना प्राप्त कार्यशाना प्राप्त कार्यशाना प्राप्त कार्यशाना कार्यशान कार्यशान

মায় পাইবে বলিয়া কোন ব্যক্তি এখানে আগ ন করিল, কিন্তু দৈৰ ছম্ম টনাক্রমে ভাষার াত্মীয়, স্থানাগুরিত বা পৃথিবী ২ইডে একব'রে ক্তেবিভ হটরাছে। এমত অবস্থার আগিয়ক জিং আ আঁরহীন হইর। কিরপ ফেব অনুভব য়ে, ভাছা একবাৰ বিবেচনা কৰিলেই বুঝা ।ইবে। আরু সচনাচর এরপেও যটিয়া থাকে বে লিকাতায় অবস্থিতিকালে হঠাৎ নির্দ্ধিকা-লব ভয়ানক নিশুণ্ডায় অভিভাৰকবিহীন ইয়াকত শ্রীও ব'লকগণ অপ'ব ছঃখবাবি-তে এফবাবে নিমগ্ন হইয়া পড়ে। **মক্তরে**র ায় এস্থানে অধিক ংশ লোকে ই পরস্পব সহ-ারিড। ও আবাত্মীয়ত: না থাক'তে উক্ত ছয নায় তাহাৰা খংপৱে'নাজি কই ভোগ ধৰে: ৰেণ অবস্থায় তা*হ শ*াণা বিবাৰ স্থানই পায় ।, উन्दर्वर क्यांना (क्यां का किन्यु। अवस्थि টেনায় জীগণ অস ১৫. লছী ও বলৈকগণ ~ ক্ষা সেনীর অবস্ত ন'বই হইয়া উঠে।

ातक सम्भीव धनवान् अ कु अविष्ठ (मारक েক রলে এইরপে নিবাআয়দিগের ফ্রেশ নিবা ণে কবিডে সমর্থ হল। <sup>১</sup>ার্গ রা ইংলও প্রস্কৃতি ভি, দেশের নামু কালধান মু অনাথনিবাদ x:পন করুন : ভাষাডে ভন'থদিগের বৎপরো নান্তি উপকার এবং দেবের মুখণ্ড সম্বিক १ 🗝 अ গাগ কর্ম এমত নতে, যংসামান,রূপে সকলে এককালে দান করিলেই, একটা মূলধন দাঁড়া-ইয়া **ষাইবে এবং ভা**ষার উপস্বত্ত **মারাই এই** মহৎকার্য, সম্পন্ন হইতে পারিবে। আরু, যাঁহার। गमधिक धनमानी, अविवासूत कता. घ९ किकिर ম বৈক্ষাৰ ক্রিডেও হাহাদিনের কেশ হোঃ টেবে নাঃ অভেএব এ বিধনুস্পানন করিতে শশুরিক চেষ্টা ও ষয় করিলেই বোধ হর ক্বত-विष्या मन मकत्र यह व्हेर्ड शास्त्र, व्हेर्नमाञ्ज ব্যায় বা বজ্ ভায় দেশের উপকার হয় না ।

## শিকাবিতাগের নিয়মের আবশ্যক্তকা।

२। नियम, मध्याय कर्णात प्रमुखना मादन वर्षा । य कार्षा नियम नाहे, फाहा प्रमानकरण मण्ड हरेर विनया कथनहे जाला कर्जा । ना। बहे जनाहे भद्रस्थत स्ट्रे मध्याय भाग छ। बिश्व कार्षा कर्जाच्या कविनयत नियरम्य व्यक्ति कर्जिता साथियारहम । को क्य वावशाय । मध्या छ। स्ट्रिया क्षित्रहकारत स्वित्रम त्रका स्ट्रिया स्ट्रिया क्षित्रहकारत स्वित्रम त्रका स्ट्रिया स्ट्रिया क्षित्रहकारत स्वित्रम त्रका

কার্য্য পরিচালনের নিষিত্ত ক্রমেই উৎস্কৃতিকৃথ আইন বহির্গত হইতেছে।

অনোদিলের গ্রথমেটের বে ক্রেক্টা বিভাগ चारह. खाशस्टिश्व मक्टलब्रहे कार्यः भारतान-নের নিমিত কতকঙলি ক্রিয়া নিয়ন নির্দিষ্ট র্কিয়াছে। ভাধার দ্বাবা সেই সকল ব্লুগেব কার্য্য ও অন্যান্য বিষয়ের নিজ্যতি সু পার ইটয়া থাকে ৷ কিন্তু এ পর্যান্ত আমানিগের উরতিশীল শিক'বিভাগ উহাব অবীনতা কীকাৰ কৰে নাই। निकाविकारमञ्जूष्य कर्मप्राविक्रिय स्थान संभाव বেরপ ভাল লালে ভিনি সেইবংগেই ইলার কার-निसीहकरहम । देशरेल कथन कथन ५५। ঘটিয়াউঠে যে, এই বিভাগস্থ কোন ব ভি. য মিয়ুম্ প্রচ'বিভ কবিয়া গেলেন, গাঁহ'ব ফুলোর উক্তবাধিকারী অনিদ্য আবাৰ ভাষা সমুশ্য পৰিব্ৰিটিড বা অধাত্তবিত কবিয়া বসিংনন মুডরাং এরণ অব্যবস্থিত হ'য়, ইয়ার কাল-প্রবালী যে কিয়প ফুদর পে সম্পন্ন হইছেছে. হাহা অন্নত্তৰীল বা গ্ৰমাক্তেই বুঞ্জিত পাবেন। তবে, এই বিভাগের যে যে অংশ্ৰয স্কিন্ত, গ্ৰ-ব্ৰিটেক অন্যান্য বিভাগেৰ নিভাল সংস্থাৰ আছে সেই সেই বিভাগত্ব নিয়ম বাবা ইহার সেই সকল তাংশ প্রতিপালিত হয়। জপ-বাপৰ অংশে নিয়মাভাবে চিৰপ্ৰদিদ্ধি। ভূতেৰ ৰাপেৰ স্থান্ধ ৯ ইইয়া থাকে।

০। বড়েক সপ্তাছাবধি বন্ধবালাদেব ' প্র ভ্রেক্ত কর করাছে। সম্প্রতিত চারেল অত্যক্ত কর হইরাছে। সম্প্রতিত চারেল হই বাসীতে সকলপ্রমায় ইইর'ছে করিব অকন এক গৃহত্ত্ব আল্ডা আছিল। ১ দিন নিবল ইরা গিয়াছে দেশেকের অক্নান করেতেছেন বে, নাদকাসক্ত লোক ঘাঁবাই এই কার্য্য সংগ্রম ইউডেছে। বাজ্ঞবিক্ত অধিকাংল স্কর্মাই উক্ত

विषय अहे १४, अहे छहानक अदः शहनरमञ्ज्ञ छनः चार्माणरभव मका भवनरम हे चार्मत्र छेरमाह् समान क्रिएटहन !!!

ঃ। এছকর্ডারা বশোলিপার বশীভূত হইরা অসাধারণ পরিশ্রম স্থীবার করিয়াও পুখাক রচক্রি माध्र अञ्चल स्म। किश्र भत्र प्रभारत्वत्र व्यभू सं (क)-শলে তত্ত্বারা জনসমাজেরও বংশরোনাতির উপক'ব ছইয়া খাকে ৷ ইয়াব দারা স্থায়তি ল'ভেব নায় গ্রন্থকাবলিগের কিঞ্চিৎ অর্থলাক্ত **হব। কিন্তু সময়ে সময়ে জীহাদিগোর অর্থলাভ** বিষয়ে বিপরীত ঘটিয়া উঠে। ভাঁছাদিগের মু-দিত সমুগয় গুল্ফক সম্পূর্ণ নিংশেষ হইবার प्टर्म्ड जुनकीन मुद्राक्षन व्याज्य क्या दिश्वि এবং ড'হা হইদেই আর সেই পুস্তকের অভাব व्यु ना : .क व प्राप्तः माथः अवक्रक्रिकित्व व्यवस्मा यात ३ . म'रत वर्णामश्रद्ध **बुझीक्य मा इंट्यांट्ड** ান কোন পুস্ক অভয়ে জম্পুণে হইয়া ইঠে। তথম পুলাক বিক্রেডা ছষ্ট লোকানদার সকল একত হইয়া ই কানত মুল্যে ইহার বিশ্রন্থ আরম্ভ করে। ফুডবাং উহা এম্বকর্চার লাভ व्यवक ना रहेब्रा गाय'ना (मोकामनाव्यक्तिपाव व्यवह भारत व्यवीभरमत छेशात रहेता छेठि । উतिविके কাবণে আমাকৈ সাপ্রতি হল মানা মূল্যের ছট शकारत्व भुष्टक, शरकारक तक है।का भूम, विद्रा ক্রম কবিতে হট্যাতে এবং কলিকাতাম কোন र्धा गतः अवस्थातः अन् न्यासा सुरतः व नुस्रा केत वह हरे जान। रहेक्के के ज़िल्ला है ब्राइट । कि श दिन अधका खा अ विनर्ते के के के मरमारमाणी कन, खाश स्टेर्न बार्न गांधांवरन क्लिअन्छ 😘 हीस्निर्मन् ना अक्टून य रञ्जाल नप्रमा। हेल्छि।

২০বাজার ১০ ই অপ্রভারণ :

दमस्य । (मधकः ।

32951

মান্যৰৰ জীযুক্ত সোমপ্ৰকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

কাপনাৰ তে এ সাধিকের সোমপ্রকাশে সন্থাবাধিনী হউতে উদ্ধৃত '' সাধাবন আদৰ্শন এই প্রবন্ধী পাঠ করিয়া সমুনায় অংশ অপুষো-দনীয় বেশা হইল না। এবস্থাবি আদি ও অন্ত ভাগে বেরাল উনাবতা ও ব্যাক্তিকতা লক্ষিত হইল, মধামাধেল ভেমনই অপুনায় ও অবে'-ফিক ভাবের সন্ধাবন দেখা,গল। তত্ত্বোদিনী সম্পাদক কিন্তুপ ভাবে চালিত হইলা এই প্রবাদিনী লিখিয়াছেন, ভালা নিশ্চিত বলিতে পানিনা। मृष्टिया क्रिया क्वम मध्यमाम वि**रम्**यक् । ভিন কৰাই ভাহার প্রধান উদ্দেশ্য। উজ দক এক স্থানে লিখিয়াছেন " খুষ্টের এমন ল যে ভাষা ভ্যাগ কবিয়া ভি<sub>য</sub>ুন ভ্যাগ রের দৃষ্টা**ন্ত হটতে পারেন <sup>চ</sup> এই বাকে**রে স্পষ্ট প্রতীর্মান হয় যে রাশি বাশি ধন ভি শরিভ্যান করিতে শারিলেই ভগগ র করা হয়ঃ যদি ত্যাগ খীকার কেবল ধন সম্পত্তির ছারাই হয় তবে বাহাথের ब्राभि ध्रम गम्भखि नाहे, धार्म्बिट इहेएउ कि পের ডাাগা শীকার কবিডে হয় না ৪ বনি সামান্য ব্যক্তিরাও কেবল গর্মের জনে, তা : স্থা ক্ষম কাৰ্য্যে সাৰ্যপৰতা ও কুটিলত! ভ পরিভ্যাগ কৰে, ডবে কি ভাছারা ভ্যাগ **टवर मुडीच स्टेंट**ज शाह्य मा २ धन, यान, জীবন **প্রভৃতি সানা** বিষয়ে ত**্যান স্বাকা**ব পারে। অভএবই ড্যাগ স্বীকার বিষয়ে ভ্যাগ বীকাবে ধনীর, মানেব ভ্যাগে ম এবং **সুখে**ব ভগালে সুখীর বিলক্ষণ হওর: বাইতে পারে। পুট যদিও ধন ভ বিবয়ে ভ্যাগ স্বীকারের দৃষ্টোম্ভ নহেন, ने क्वम मेचद्रत निभिष्ठ छूत ७ जीवन ৰ্মন করা ধাহার গুরুতর ভ্যাগ স্বীকার **उ स्टेर्ट** । क्वाच्या महन्त्र अत्या कीवन পকা অধিক ভ্যাগ খীকার আর কি হইতে

ात्र अक शता निश्चिष्ठ क्**रेज़ी**टक, (व " थ -এমন কি অবস্থা ঘটনাছিল যে সাম্ধ্য **ও অন্যক্তত** অপকাৰ সহ্য করিয়া ক্ষমা গদর্শন করিয়া গিরাছেন <sup>গ</sup> এই বাকেতে কর বিলক্ষণ বণকপাতিতা লক্ষিত হই-। কারণ খুষ্ট মবন সময়েও হত্যাকারীদি-কোৰ প্ৰকার অসকল প্ৰাৰ্থনানা ক্ৰিয়া ात निक्रे **काहारमत यक्षणहे श्रायं**ना कति-শেন। যদি বলেন ''যে ঐ সময়ে ভিনি ৰ্থ্যনিবৰন সহি**কু**তা এলপনি করিয়াছি~ • अक्रविकृत्य अहे वना वाहेरक शास्त्र (व **লে উচ্চার অন**্ধোন ক্ষমতানা থাকি হত্যাকানিদিশের বিরুদ্ধে প্রার্থনা করিতে : ভন। এরণ ব্যবহারে যখন তিনি তাহাদের প্রার্থনা করিয়াছিলেন, তথন কি **ভাঁ**হার<sup>া</sup> ক্ষার ভাব প্রকাশ পায় নাই ৷ ইয়া আৰু অধিক ক্ষার ভাব কি হইতে

নিভিন্নে লিখিয়াছেন যে, ''খ্টের প্রতি '' অস্থাব নিমিক জগতা কোল কলিকন ।

নীয় কাবণে বদি জাঁহাকে এই উন্নত সৰয়ের উপধ্রু সম্মায় সন্মিত করিয়া প্রচারক্ষ্রণেই লোকের ৷নকটে বাহির করা হয়, ভাহা হইলেও প্রচাবক বঃতীত সংগারের আর কোন সম্প্রদারী পুষ্টের অক্সকরণ করিছে পারে না। অন্তঞ্জ पृष्टेक माथावन आहर्भ कदिवाद सामा किन्नुरक्तरे প্রিপূর্ব হয় না ৬ এডফারা স্পট্ট উপলক্ষি হই তেছে:ৰ এই পৃথিবীতে যেন প্ৰচারক বলিছা क्क किन मञ्जनाम स्टेटक भारत, श्रांत कार्यः সাধারণের অধিকার নাই। বাস্তবিক আত্তের উক্তি। ক্ষীর ক্ষতাসুসারে প্রভে∉ক্রেই প্রক্যেক্তে প্রচাবক বলিয়া বিবেচনা করা উচিত। পৃথিবীতে এখন লোক নাই বে চেটা কবি,ল প্রচারক হইডে না পারেন। **ইখ**রকে লক্ষ্য কবিয়া কাৰ্য্য করিলে সকলেই আপন আপন কাৰ্য্যে সমূ স্থান্ত ছারা প্রচাৰ কার্যাপ্রকু ভক্লপে সম্পাদন কবিজে পাবেন। অভএবই শৃষ্ট কোন কোন বিষয়ে সাধারণের আদর্শ হ**ইতে** পারেন**া সকলেরই বলি সভ্যের দিগে** গৰন করা উচিত হয় এবং সভ্যের নিষিত্ত जीवन (मक्या कर्खवर इत **कटव कवन)**हे वृ*द्धित* पृष्टीच **जञ्जरमानम क**ता दिरश्त्र। वास्त्रदिक**ः** পৃষ্ঠ ঐ রূপ অনুষ্ঠ সমরে যেসকল মুষ্ঠান্ত প্রদ ৰ্শন কবিয়া গিয়াছেন, ভাছা ৰদিও এই উন্নত সময়ে কাহার নিক্ট কোন কারণ বলঙঃ সামান্য বলিয়া বোধ হয় তথাপি ডাছাকে অবজা করা আমাদের একান্ত অসুচিত।

উপসংহাবকালে ঈবরের নিষ্ঠ প্রার্থনা এই যে, আমরা বেম গুণী ব্যক্তির যথার্থ গুণ সমূহ সবল অ্তঃকরণে ধর্মন প্রপ্রহণ করিছে পরি। কোন মন্দ ভাষের হাষা চালিত হইরা যেন কাহারও প্রস্তুত গুণের বিস্তৃত্তি করিছে না চাই।

২০ এ কার্ত্তিক ) চাকা। স্বামরা করেক জন।

## **मृना** व्याखि ।

ব্রীয়ক্ত বাবু ভরবতীচবণ দেব আলাহাবাদ
১২৭০ অগ্রহারণ হইতে ৭৪ কার্ত্তিক ১৩

'' মুঞ্চীবর দুবান বালেখর
১২৭০ অগ্রহারণ হইতে ৭৪ বৈলাখ ৭

'' 'শিবচন্দ্র মুখোপাধ্যার আলীগড়
১২৭৩ কার্ত্তিক হইতে চৈত্র ৭

'' বাজা গোপীলাল পাঁড়ে পাজোড়

" চক্রমোহন ছোব করিবপুর ৩

 " বাধাবোহন গোখানী বঙ্গুবৃত্তি

 ১২৭৩ কার্ডিক হইডে ৭৪ আখিন

 ১২৪

 ১২৭৩ কার্ডিক হইডে ৭৪ আখিন

 ১২৪

 ১২৭

 ১২৭

 ১২৭

 ১২৭

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

 ১৯

" শুগুষাচৰৰ চৌধুরী যেদিনীপুর ৩। " গোষ্টবিহারী মন্ত যেদিনীপুর ৩।

## —:•:--নোমপ্রকাশনংক্রান্ত করেকটী বিশেষ নিয়ম।

অবিৰ মূল্য ও ডাক মান্ত্ৰ না পাইলে নদ-খনে সোমপ্ৰকাশ প্ৰেরণ করা বাস্ত্ৰ না।

ইবার অঞ্জিম মূল্য বার্থিক ১০ এবং বাণ্যা- ।

সিক ৫॥০ টাকা, মক্তলে ডাক্মাক্সল সমেড
বার্থিক ১৩, যাণ্যাসিক ৭ এবং জৈমাসিক ৩৬০,
ডিন মাসেব স্থানে অঞ্জিম মূল্য লগুরা যায় না।
ছব্ডি, বরাড চিঠি, মণিঅভার, নোট, ও স্থাপ্প
টিকিট, ইবার অন্যতর যাহাতে যাহার ক্র্বিন।
হয়, ডিনি সেই উপায় হারা মূল্য প্রেরণ করি
বেন।

র্থাহার। স্থান্দানীকিট পাঠাইবেন, তা-হারা বেন এক অথবা আয় আনার অধিক মূল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বধন বিনি মক্ষণ চইতে সৌমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা বেন রেজিস্টরি করিয়া শ্রীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাজুষণের নামে পাঠাইর। দেন।

वंशिक्षित्रत्र पूना निवात नमग्न अकीक इदेश।
जानित्व, अक मान शूर्त्य डीशिक्षित्र किछै
निविद्या जानान वाहेत्व, कान अकीक इदेश।
रात्न अकवात किछै लावा इहेत्व, जाशा नव अक मानकान अकीका कतिया कानज वस कता वाहेत्व। त्याव वादात श्रम व्यापिक शामित इहेत्व।

মাতলা রেলওরের সোমাপুর ষ্টেসনের ভাক বরে চিঠি আইলে আনর। শীজ পাইব।

ব'হোরা মান্তুল না বিরা পঞারি প্রেরণ করি বেন, তাঁহাদিগের সেই পঞারি এইণ করা বাইবে না।

क्ष्र जामश्रकार विकालन निष्ठ हैका कतिरा छाँशस्य श्रवम किनवात श्रक्तिशक्ति । जाना काशत लड़ /> जाना निष्ठ स्ट्रैस । विनि जशिककान विकालन सिवात हैका कतिर्यन काशत निरूप प्रकार स्ट्रिस ।

ক্ষেত্র ক্ষিত্র কলিকাতার দক্ষিণ পূর্ব বাজনা রেলওগ্নের নোনাপুর ক্ষেত্রের দক্ষিণ ভালকি-শোভার ক্ষিত্ত বারকানাথ বিদ্যাভূতণের বাসতে প্রতি লোকার প্রাভাকারে প্রকাশিক

# मियशका

# " प्रवर्त्तनां प्रकृतिहिताय पार्विवः सरस्तरी अतिमहती न हीयतां।

টাকা অধিক বাণ্যাসিক 🛊 টাকা। 🕽

বাসিক মুল্য ১ টাকা, অৱিদ বার্ষিক ১০ ) সন ১২৭৩। ২৬ অঞ্চায়ণ। ১৮৬৬। ১০ ডিলেবর

ৰফস্বলে ৰাজুলনৱেন্ড অঞ্জিম বাৰ্থিক ১৩ টাকা বাণ্যাসিক ৭, ও জৈমাসিক ৩৭০

# বিক্সাপন। रेके रेजिया द्रमण्डम । विरम्य जमर्गम् किरान हैकी मनम হাৰড়া হইতে প্ৰদন্ত श्रदेव ।

সর্ক্ষ সাধারণের সম্ভোবার্য একবারা প্রকাশ না ৰাইডেচে যে, যাহারা বাজ্ঞীয় রূপে রেল াথে বিশেষরূপে অমন করিবার অভিলাম করেন, পুর্মে বিজ্ঞাপন দেওরা হইরাছে ) ভাহাদিগকে গাগানী ১৮৬৭ খৃষ্ঠান্দের ক্রেন্সারি মানের শ্ব পৰ্য্যন্ত মাসিক টিকিট হাৰ্ডা ইটেসন ইতে প্রদত্ত হইবে। সেই টিকীটধারিগণ আপনা 'গের ইন্ছাপ্রসারে উত্তর পশ্চিম প্রদেশীয় সমূ ার স্থ্রপ্রসিদ্ধ মনোরম এবং আশুর্য্য স্থান সকল শন করিতে পারিবেন এবং নিম্নলিবিত স্থান <del>কলের সর্বতে,</del> বাবে স্থানে ইচ্ছা হয়, তথায় यद ও खबा इंदर्ड श्रफाशियन श्रुक्तक निव्य निव्य ৰণ সমাপন করিতে সক্ষ হইবেন। ঐ সকল

> व भिनेतुव। ৰাবাণসী **ট**ুধাব। মৃজাপুৰ चानाशवान । কামপুর। বাগ্রা शक्तियांचाम अवर विक्री (

ানের নাম এই---

উচ্চ প্রকার সার্জিক বিশেষ অমণেকু গ ৰ ভাড়ার হার।

বিশেব অমণের ট্রকীট সকলের যে ভাড়ার হার উপরে লিখিড হইল, আরো-हिंगन यक्ति के शादव केशव भक्तकता २० টাকার হিসাবে অধিক প্রদান করেন, ভবে পাঁহার। এই বিজ্ঞাপনের লিখিত নিয়ম অপেক। অতিরিক্ত আর হুই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট সকল ব্যবহার কবিতে পাতিবেন। অন্যান্য প্রধান ইটেসনেও ঐরপ নির্মে টকিট পাওয়া হইবে।

**छेभवि छेक विवरत्रत्र अन्तर्शनः विवर्श** বাঁহাবা আনিতে ইক্ছা করেন, গাঁহার। হাবড়া ইটেসনের ভেপুটী ট্রাক্সিক মেনেজর সাহেবের मिक्ड जारवहन क्रिटनई न्यूनाग ज्वशक हहेएड পারিবেন ।

দিদিল বিকেশন।

বোড়া অব এজেকী ইষ্ট ইন্ডিয়া বেলগ্ৰয়ে হৌন কলিকাতা ১৮৬৬ : ৬১ এ অস্টোবর ;

## বিজ্ঞাপন।

জীয়ক ৰাৰু ৰনোয়ারিলাল ৰায় প্রণীত ''জয়াব'ডী <sup>ক</sup>বামে এক অভুংক্ট অভিনৰ বাদালা কাব্য বিদ্রুদার্থ প্রস্তুত আছে। ইলাডে স্চরাচর প্রচলিত চুন্দ ব্যতীত, কভিপর সুত্র इक्क अञ्चितिभिष्ठ रहेन्नाटकः। देशव स्मा अक টাকা, এডধ্যতীত বিদেশীর প্রাহকদিগকে দুই আনার তাক্ষাপ্রল পাঠাইতে হইবে। এহণাভিলাৰী মহাশরেরা কলিকাতা কেথিযুল त्रिजन कारतरक अथवा निव्नतिथिक कारः सामाव निक्रं जञ्चनकान कतिरम शाहेरक शाहिरदम । কলিকাডা, একুঞ্গোপাল ভক্ত

## বিজ্ঞাপন।

এডঘারা সর্ব্য সাধারণকৈ আড মরা বাই-**ভেছে উত্তৰ পূর্বা বিভাগের বর্ত্তমান অংকর** হংরাজী বাঙ্গলা ও বাঙ্গলা ছাত্রহুন্তির পরীক্ষা আগামী ভিষেষ্য মালের ১৭, ১৮, ১৯ এবং २० अ ग्रहीख हहेर्द ।

যে যে পুস্তাকে ইংবাজী বালনা ছাত্ৰহৃত্তিৰ পরীকা হইবে, ভাহা নিয়ে লিখিত হইলঃ---हेरद्वाकी ।

চাকপাঠ ২য় ভাগ হইতে ইংরা-জীতে সংজ্ঞ সংজ্ঞ বিবয়ের অনু বাদ করিতে হইবে। উহার হারা পরীক্ষার্থীদিগের ইংরাজীতে অনুবাদ কবিবার ক্ষমতা 👁 हेरताब्दी काकवरन बुरमण्डि 🗷 বৰ্ণ শুদ্ধ করিয়া লিখিবার ক্ষম-ভাব পৰীক্ষা হইবে।

२ म । देश्याकी शना ७ शना वहेट का कहन ঘটিত শক্তের বুংংপত্তির ও বাক্য বিন্যাসের প্রশ দেওয়া ব'ইবে।

す(研究) 」

क्रशान ।

প্রাবীচবব্র সক্ষাবের পঞ্চমধ্য भार्रःभुक्तरकत ४ थ अवराहत्र মধ্য ক্ইতে বাল্লা অনুবাদ ক-বিজে দেওরা হইবে। উহার बाह्य भरीकार्थोक्षरगत्र वान-লাতে অপুৰাদ কবিবার ক্ষমতা क रामका वर्शकत्व बु,९५कि ও বৰ্গ শুদ্ধ করিয়া লিখিবার পটুতার পরীক্ষা হইবে :

পাটীগণিত। গুরু ত্রৈরাশিক।

ইউক্লিডের প্রথম জব্বার। (করডর**া** 

> পুৰিবীর চারিগণ্ডের বিশেষতঃ ভারতবর্ধের সাধারণ বিবরণ।

ভিন্ন নাম্যান সাংক্রক ভ বস্তানন্দ্র ভডিছাংসের ১০ সন্ধ্রার্থিত নেয় ১০০ পুঠার মধ্য **হটাতে** শক্ত নেওপু সাই বেং

ধ্ৰ প্ৰক্ষিক নশ্য তিৰাৰ সমায় সম্ভলিপিন বিবেচনা হহৰে ৷

ংস এই প্রাক্ষা ও বাচনা ছাত্রব তব দি ১০ ই উন্নতি বি শ্র ইচার । অভ্যান ংসানে বাজের প্রাক্ষা সুনির্মার প্রী-কিল্ডে অপেন আপন নাম স্থানীয় চেপুটা দ্টেপ্তের নকট বিভিন্ন পাঠাইটে হুইবে। । ১০ সেইবের প্র কাইবি আবিব্যান গাই মুহ্রে ১০ আবিদন স্থান্ত নিয় বিবিত

- 11 4 Ash, 17 ald 1
- २) ७'३:१ स्था

<sub>বি াশ</sub> লিখিয়া দিজে ছইবে.—

- ু ২ সম্ভা
- 15,75 (8)
- (ং) ধার্মী সংগ্রহ করে এই (এ)
- पा विल्डाच्या व क करभाइतः
- (우) FI도로 '중의 나무를 다 하는 중고를 된 (우)

তে ইদ্ধ: কৰে।

(৮০ **ষে স্থানে পরীক্ষ**াদরে ৷

৯ ঠা প্ৰীকাৰিব প্ৰাক্ত চৰাৰ প্ৰয় । বের প্ৰাক্তকালে গ্ৰেমিক জ. ১ কী আদাস বাব ভাব থাকিবে, ডাগো ২ সব হো । ম কৰিবে।

১৮৬৬ **নম্পের ব**ঞ্জন, ছাত্রমন্তির বিধীকার

कु कुन ।

সংখিত। ভূকীয়ভ'গ ং কলচে এবং

450

বংশিবণা কণকৰং এলাচ'লগাঠ ভূডায় ভাগ হইছে ২০ চ'লগা

ইভিছ'গ ৷ ৬,বতানাবারী, চহাসের প্রথম

শুগু ৷

भूरभाज्य । भृथियोष हानियाद्यत्र विद्यानातः स्थानकदानव मान दणनदददन

भवीका इकेटन । बख्या वर्णी भारतिकारक जावज्यस्य अभूगत्र अस्या कियम स्थय सक्षा कविस्ट अस्या गाइटन ।

क्षां**कृ**ष्ण्यान्य । द्वारकस्मानात्त्रयः अत्यक्षाः

(১,†ল

পংকীপ্ৰিভ । সংন্ৰুভ দশ্নিক ভগংশ

বৃদ্ধি ও বর্গমূল।

बीक्शनिक। अंश्रेन' हो मित्रम।

ক্ষেত্রতিন। ইউক্লিছের প্রথম অধ্যায়।

ফী প্রতন করিবার জন্য যে ব্যক্তির উপর
ভার পারিবে প্রীক্ষারিদিগকে পরীক্ষার প্রথম
নিবস প্রতিক্ষালে ভাঁছার হাস্তে ১ টাকা স্ফী
প্রদান কবিতে হইবে এবং প্রক্রোক্ত অন্তম নিকমানুসাবে ভেপুটি ইন্সাপেইবের নিকট স্বাস্থানাম
কিনিয়া প্রশোহসকে সংক্ষার অব সহিত প্রেই

কারেদন কবি,ড হইবে।

है, छि, लाहित। कुट्र पूर्व विद्यालय सुक्ष **हेनएन्लेट**न।

#### বিজ্ঞাপন ৷

#### क्ष्यान्यक्षाः ।

ক্রীযক্ষ বাবু বক্সিচন্দ্র চড়োপাধ-ার এনীক উজ্জন্তর মুদ্রিত হইয়া কলিকাড়া সংস্কৃত নয়েও পুস্কালয়ে বিক্রার্থ স্থাপিত ভাছে।

মুলং ১ এক গৈকা

## বিজ্ঞাপন।

তিমধানি কোম্পানির কাগজ চুবি গিয়াছে। ১৫২৬ নং ২৭২৫ । ২৮ এ কেন্দ্রারি । কাইব প্রসেক্ট ১০০০

্ষ । বং ৩২৮৪৮ । ৩॰ স্কুন ১৮৫৪। কাব গরসেউ ১০০০

४००% मा ४००० मा ७५ का मार्ट ४४०७ । स्थितिहरू है १००

কলিকাত। ) তীবাম পালিত ২ বা অংগহ'য়ণ ) বড়বাজার, রাজাব ১২৭৩। কাঠব।।

#### विकाभन !

নিমুখানদাম'ব গলি ১৫ নধর বাটীচে মংপ্র িড ও মংপ্রচ'বিত নিমুল্ধিত পুস্তক্তলি বিশ্বধ্য ১ইড়েছ—

34 64 1 11 14	
د <sup>ي</sup> ع	মূল্য
बीभहे दिस्प	১ টাকা
(বামটা চলাস	۳ د
कृत्र स <b>्त</b> ्र १क√०	1.
নীভিদাৰ (১ ব শান)	ป.
নীভিদ্ৰ (তুলাগ)	٠ لو
প্ৰচাৰিত।	
शक्रदाय च√कद्र <b>ा</b>	h +

ভ্ৰীদ্বারকানাথ শর্মণ।

## োনএকাশ।

🌙 🤫 এ অঞ্চাষ্ণ সোমবার।

অনেকের সংকার পাছে, সমাচার পত্র কিছু অধিক দিনের হইলেই স্থায়ী **হয়। কিন্ত হ্বকরার** দেহাতিপা ত এ সংক্ষারের অমূলকতা প্রতিপন্ন করিয়া पिता**रह। रतक**ता ১৭৯৫ थुः व्यक्त, श्रीड ষ্ঠিত হয়। ৭২ বৎসরের পর ইহার সভু হইল। শুনিয়া আমরা অধিকতর হুঃখি ত **रहेनाम। अधिक छत्र हृः (श्रेत कार्य এहे,** অধ্যক্ষেরা লিখিরাছেন, মফস্বলস্থ আহ্ক গণ নিয়মিভরপে হরকরার মূল্য প্রদান বরেন না। এটা যথার্থই ছঃখের কথা। अहे मार्टर व्यानक मर्वामश्राहरे व्यक्तरन দেহত। প করিয়াছে। বাঁহার। সমাচার পত্রের উপজীব্য, উাহারা এক্লপ ব্যবহাব বরিলে এরপ ঘটনা হওয়া বিচিত্র নচেঃ বাঁহারা নিয়মিত সুলাদ∤নে অনিক্ व्यवदा व्यवसर्थ, डॉह्मिएश्वर क्लानकरमहे ভচিত হর নাথে ভাঁহারা প্রাহকভোণী-ञ्च रहेया अधाकविश्वतक विश्ववकारण পাতিত কয়েন।

আমরা এতকণ হরকরার সহিত
আহকগণের ক্ষত্রে দোষ ক্ষেপণ করি
লাম বটে কিন্তু যদি যথার্থ কথা না বলি,
প্রভাবায়ভাগী হইতে হইবে। হরকরার
অধ্যক্ষদিপের নিজের দোষ নাই এমন
নয়। ওাহারা অনেক সময়ে আহকগণেব
প্রীতিলাভ করিতে পারেন নাই। আমাদিপের প্রবজ্ঞান আছে, যে পণ্যকীবী
উৎকৃত পণ্যন্তব্য আপণে উপস্থিত করে,
ভাহার লাভ বিনা কথন ক্ষতি হয় না।
হরকরা যদি নিয়মিভরপে আহকগণের
ক্ষতিবোগ্য ভোজা উপস্থিত করিয়া মানস
ক্ষা শান্তি করিতে পারিতেন, ভাহাকে
কথনই স্ভামুখ দর্শন করিয়া অদ্য আমা
দিপের শোচনীয় হইতে হইত না।

✓ বিস্কার্ণে কর r

षात्रका कुर्कीनस्थात्री मिन कार्ट्यकेरतत যে সমুচিত সমাধ্য করিয়াছেন, ভাষাতে আমুরা অভিশয় আনন্দিত হইগাম। তিনি ভারতব্বীয় অক্তানান্ধ রমণীগণের क्षकांक महरनाटकरण करतरण जानमन क्तिशार्यन । अख्यात, डीहांट मणानना করাতে ক্লভবিদ্যদিশের অদেশীর রম্ণী গণের উন্নতিসাধন বিষয়ে বে আছি৷ ও যত্ন আছে, ভাষার পরিচয় হইয়াছে। তিনি জীনমাল বিদ্যালয় প্রতিভার যে প্রস্তাব করিয়াছেন, সেটা উৎকৃষ্ট সন্দেহ मारे। यादर अरमणीत खीरनाक पाता এদেশের জীলোকের শিক্ষা কার্য্য সম্পা দন করা না হইবে, ভাবৎ অত্ততা জীশি কাঞ্গালীর স্থাকপূর্ণতার স্ভাবনা নাই। শিক্ষিত্রী ধাণ ভূষিত ভব্র কুলা-क्रमात्रा जीनकाजिक्तिशालस्य निकार्य चाशमन कविद्दन ना, व भक्ता चांत्र नारे। अर्थन व्यातक क्रांडिक्स श्रूक्त ७ जीएक मकल कार्र्या व्यथमत स्वयः सहिर्द्धाः জীনগাল বিদ্যালয় যদি পুক্ষদশ্ৰক শুন্য হয়, ভদ্রকুলাখনাদিগের মধ্যে ষাঁহারা কিছু কিছু শিখিরাছেন, তাঁহারা ভথায় অধ্যয়নার্থ গমন করিতে সহুচিত হ≷বেন না। আপাতভঃ কিছু দিন ইউ রোপীয় রমণীগণের উলিখিও বিদ্যালয়ে অধ্যক্ষতা ক্রিবার ও কোন কোন বিষয় শিক্ষা দিবার আৰশ্যকতা হইবে বটে, किन्न अरमभीत व्यवभागत्व सम्दर्भ स्व প্রকার শিকাসুরাগণিথ। এদীশিত হইরাছে, ভাহাতে খণ্পকালমধ্যে এ জাৰখ্যকতা দুরীকৃত ছইবে সন্দেহ নাই। · **उट्टर अध्यम अध्यम कि**ष्ट्र चेशिक चटर्रत श्राद्धालन व्हेटव। यांश्राह्म निकासिजी 'পদ লাভের আশিয়ে অধ্যয়ন করিতে কোসিবেন, উচ্চাদিশের লোভনীয় হয এরণ মাসিক পুরুল রতি বিধান ক্রিয়া বিভেত হইবে। গ্রন্মেণ্টের সহিত

क्रुडिसाइया विष कार्णना शिव्रामा । करतम, व क्रुडिश मिद्ध रुव्या इक्षर रव ना। कायवा वक्षी क्रुडिश क्रुडिश क्रिडिश क्रुडिश क्रु

ভাকক্ষ্যচাবিদিগের অনবধানত।।

ভাকের বিশৃষ্ণা নিবন্ধন বে কত অসুবিধা ও অনিষ্ট ঘটেতেছে, পারাদি প্রেরণাদির দারা ভাককর্মচারিদিগেব সহিত ঘাঁহার সম্পর্ক হয়, তাঁহারই মুথে প্রায় তাহা শুনিতে পাওয়া বায়। অদ্য আমরা সেই বিশৃষ্ণাম্পংসী একথানি পরে এই ছলে প্রচারিত করিলাম। এপত্র বানি ১০ ই অগ্রহায়ণের, ২১ এ অগ্রহা-রণ আমাদিগের হস্তগত হইয়াছে।

মহালয় ' আপনার ২ রা কার্ভিকের পত্র

আন্ত ১০ ই অগ্রহারণে পাল্ড হইলাম। আমার
প্রেরিত লোমপ্রকাশের বাণ্যাসিক অগ্রিম মূল্য
আপনার নিকট উপস্থিত না হওরাতে চার্যত
হইলাম। ভারমাস অতীত হইবার পূর্যে নামি
এক বন্ধুর ধারা টাকা পাঠাইয়াছলাম, তিনি
আমার নামে টাকা কমা দিবাছেন, এইরণ
বিহাস ছিল। আপনার পত্রে অবগত হহয়া
ভাহার অসুসভানে প্রস্তুত্ত হইলাম, যাহাতে শীল্ল
টাকা পিছতে, এরপ করিব। আপনার ২ বা
কার্তিকের পত্র ১০ ই অগ্রহারণ পাওয়াতে
পত্রের প্রস্তুত্তর লিবিতে এত বিলম্থ ইল।
বাধ হয় পত্রিয়ামন্থ ভাকষ্থের কর্মচারিদিলের
অন্ধর্মার প্রতি অম্নোধ্যামাই লক্ষার কার্য
হয়া থাকে।

मभवता ।

हेश्याकी सूल।

५ - हे काळहारावा

32901

এ বিশৃষ্লা কি ছারিনী হইল ' ইহার নিবারণ হইতেছে না কেন ? ডাব ঘরের কর্মকর্তারা কি শুনাক্ষম ? ডা কের বিশৃস্থলা ভ্ইলে লোকের যে অন্ত বিধা ও অনিষ্ট হয়, তাঁহারা কি ডদোরে ममर्थ नटहन १ विश्व हत्न, विश्व शता निव রণ বিষয়ে ভাঁহাদিলের ভাতৃশ বত্র নাই তাহাই বা কিন্ত্ৰণে বিশ্বাস করা যাইৰে যথন চতুৰ্দিক **হইতে উত্তেজ**না ৰাণ পুনঃ পুনঃ আঞ্তিগোচর হইতেছে, তথ **डॉहां अप्रिंड क्रम्टर चाट्टम, अ**र বোধ হয় না। উল্লাল্ল চেডা পাইয়া ক্লুতকার্য্য হইতে পারিতেছেন না, ইং সক্ষত বোধ হয়। ইহার কি উপার হ বার সম্ভাবনা নাই ? আমরা পরী कतिया विश्वियोहि, विशिक्षक जान **পরবর্গ एইরা বালক্দিগতে বিদ্যাল** निश्म लब्दान अञ्च हरेवात भवनव ८ किन कथन बालक्षिशतक खबरण हारि क्षक हैवा मोध्यम समर्थ इन नः। आमा ংগর সংক্ষার এই, ঐকুপ পর প্র ব णानिमिरशंत चालमा **(माटवरे छा**ट বিশৃত্বলা ঘটিতেছে। হরকরারা নিটি ব্যক্তির নিবটে যথাসময়ে পতা দিল না, যদি ভাঁচারা ভাছার সবিশেষ গ मधान करवन अवर काहात किस्किय क्रिके दिश्विता स्थापिक मध्य व्याप করিয়া ভাহার সংশোধন চেঊা প विण्यला मारवत नश्लाधन इब्रह

ন।। এখন হ্রকরাদিশের পত্র বিলি

নে পত্র পঁড়ছিল কি না, ভলিণ্ডেব বিনাই। কিন্তু যদি ছরকরাদিরেপব एटे बरू बरू थान प्रतीपद्दि (प्रवर्ग कदः स्व स्व वाक्तित नाम পत्र वा ব, তাহাদিগকে হাক্ষৰ করাইণ নিধার রীতি কবা হয়, আবে, পর পর বিপদ্ভ ক্ষ্চাবিধা আল্স্য তথ্য য়া স্বিত্যে যত্ন সহকাৰে ভাৰুবিধান i न, विक्षाका (माट्य काटनक निवातन ত পারে:

(क्षेत्रे स्मरक्षकेत्रीय क्लोक्सन : ১৮৫৮ चारक यथेन जिमस्यति गोरहर পানিব হস্ত হইতে ভারতবর্ষ রাজীর লইবার বিল মহাসভাষ উপস্থিত ন, তংকালে এই তর্ক উপস্থিত হয়, চৰ্বীয় দেকেটাবিৰ মন্ত্ৰিকপ্ৰে চজন সভ্য নিযুক্ত হইবেন, ভাঁহাদি-মহাসভায় প্রবেশ করিতে দেওয়া কি না ? মহাসভা অনেক তৰ্ক বিত পর স্থির কবিলেন, থেটি দেকেটা মস্ত্রিক মহানভাগ আগমন ববিলে রে বিশুহলা ঘটিবে। কিন্তু যদি াবন করিয়া দেখা যায়, এ ভীরমান , মহাসভাগ প্রবেশপর রুদ্ধ হও নাকাৎ সম্বন্ধে কতবগুলি অনিট ৪ছে। এটা একটা প্রদিভ হইয়া হৈছে মহাসভংগ ভাৰতবহৈর নাম া**সভো**র আনিন সকল শূলা হ≷যা মভাগণ খ্রীন, সুরস্থা, আমেরিক। আবাফুকাৰ থিৱন লইয়া ভৰ্ক বিভৰ্ক । बारक्त। १४५ हेर बरखर अशीनक । स्टिमंत नाटम रेवभूका ध्यमर्मन । ইহাৰ কাৰে। কি ্প্ৰেণমতঃ সভ্য দেশের ভূমিব বংশাবস্তঞ ভৃতির । আলানেন না। দ্বিতীয়ত, যাঁহার। বর্ষের বিশয়ে বক্তা করেন, জাঁ-

যে নিয়ম আছে, ভাহাতে ভাহাবা হারা এদেশের বিষয়ের বিশেষজ্ঞ নংক। ক্সে ব্যবহার করিতে পারে। নিদ্দিউ <sup>।</sup> সামাদিশের সংস্কার সাহে, যাঁহার। এদেশের অবস্থা উত্তমরূপে অবগ্র আছেন, ভাদুৰ লোকে ধক্তা করিলে মত।গণ বিরক্ত হইয়া কথান উঠিয়া যান লা। কিন্তু কি **প্ৰকার লোকে সে প্ৰকা**র ৰজু ভা করিতে পারেন ? বাঁহারাভারত বৰ্গ ছ ইণ রাজী সংবাদপতে পাঠ করিয়া এনেলের বিষয় অবগত হন, ভাঁহানিগের অনেন কুনংক্ষার জন্মে, ভাঁধারা প্রাক্কত বভান্ত অবগত হইতে পারেন না। স্তবাং উটোদগোর কথা ধাহার ভালও লাগে ন'। ছই এক বংসব ভারতবর্ষে वाम कतिरला अरमरभाव विरमादछ इहे वाव मञ्जाबना नाहै। २०।२० वटमत যাঁহারা বাস করিয়াছেন, তাঁহারাই কে-বল বস্তুত হইয়াছেন। একণে ফেট দেকেটারির যাবতীয় মস্ত্রিকে ভারত-বর্ষের উদুশ দীর্ঘবাদকারির মধ্য হইতে मन्नानी क कहा इह। इंडॉबा एके स्मरक টাবিকে যে পরামর্শ দেন, ভাছা অনোর व्यवश्य बहेवात खेलात नाहे. इंहाँ विद्यात মহাসভাব বাইবারও অসুমতি নাই, সুতবাং ইংলণ্ডীয় সর্কসাধারণে ভারত वटर्षव विष्ठदर व्यक्त श्रीहरून : खात्रखबर्स मीर्वरामकाही व्यना व्यनः दास्कित स्वि মহাসভায় ৫ বেশ সুগম হইত, তাহা হই লেও ভাবতথর্ধের হুছান্ম জ্ঞান লাভের সন্তাৰনা থাকিড, কিন্তু ভাষাও ছুল্লছ क्रेश डेडिग्राटक। এक्टल शृटक्त नाश কদেক বৎসর মাত্র এখানে ভাব-স্থিতি কবিয়া ' নবাৰ " হইরা ইংলতে যাইবার উপায় নাই। ২৫ বংসর কর্ম করিয়া যে নিবিলিয়ান এক লক টাকা লইয়া যাইতে পারিলেন, তিনি অপেকা কৃত দৌভাগ,শানী। মহাসভায় প্রবেশ জন্য যে ব্যয় লাগে, তাঁহারা ভাহা দিভে পারেন না। ত্তরং মহাশভার ভারত-

वर्षद विषय अञ्चलाद लाखे निर्मारशह नावि व्यविद्यायक वाकिस्टिशन स्वाता कर्क বিভর্ক করা হয়। সম্প্রতি ইংলভের অ-भटक व्यक्तांव कतिशाद्यम, खेहे महक्त-টারির কে জিল উঠাইনা দেওরা উচিত। ক্তি আসর। ইহার প্রতিবাদ করিতেছি। ইংলণ্ডীয় মন্ত্রিবর্গের সর্বাদা পরিবর্জ হ-ইয়া পাকে। বিনি কেবল ভূগোলানি পাঠ করিয়া ভাবতবর্ষের বিষয় অবগত হইয়াছেন, তাঁহার নেফেটারি হওয়া বিভ্রনা। তাদুশ ব্যক্তির স্বাধীন হইয়া কাজ করিবার কি সম্ভাবন। আছে ? র্জ ভারতবর্ষীয় কর্মচারিগণ ভাঁছার মন্ত্রি ষরপ না থাকিলে তিনি কি এদেখের ভূমির বন্দোবস্ত, আইন, বিচারপ্রণালী ও দেশের আচার ব্যবহারাদি সুক্ষর রূপে বুঝিতে পারেন ? লার্ড হালিফাস্থ অনেক সময়ে মন্ত্রিদিগের পরামর্শ গ্রহণ করিতেন না সতা, কিছু বছকালাব্ধি তিনি এদেশের বিষয় লইয়াছিলেন। সর চারল**ন উডের ন**ায় মন্ত্রী কি **স্বড**় লার্ড ভীনলির সদৃশ বুদ্ধিমান মক্তিকেও দর্বদা মন্ত্রিসভার মত গ্রহণ করিতে रहेक। याँहाता कोन्निल উठाहेबा स्वित প্রস্তাব করেন, ভাঁছারা বলেন, উপনি-বেশনংক্রান্ত মন্ত্রির কৌলিল নাই। অভএৰ ভারতধর্মীর সেক্টোরির ম-স্ত্রিতে প্রয়েক্স কি ? ঘাঁহারা এরপ ভৰ্ক করেন, ভাঁহারা ভাৰতবৰ্ষ ও কানাড়া প্রভৃতির প্রভেদ বুঝিতে পারেন না। প্রথমত: ভারতবর্ষের হুই জেলার লো-কের ভূল্য লোক অপ্প ওপনিবেশে আছে। কানাড়ো প্রভৃতি নাম মাত্র ইংল তের অধীনছ, তত্তৎ ছানে নিয়মিত শাসনপ্রণালী ও জাতিসাধারণ সভা भारत, देश्तरक ककश्राहरभन अल्ले विव য়েরই সীমাং না হয়। পক্ষান্তরে, ভারতবর্ষ बृह्द सम, ब्रवाटनमानी अकात विद्यारी

योर्थ पृष्ठे रहे। असीमकात आतमक विश रहत लिय मीमार ना देर नर्स्य क्रिया जाव नार्क रहा। यहि कर्मे कि आदेन देर नर्स्य आर्थि ना रहेल, लांश रहेरन अरहरणंत्र क्रुवक्त्रन कि जी लहारमत ज्ञातिक रहेल ना ? त्रांकी अ महान्छा माम माज, क्षेष्ठे रमर्द्धकोति यांश करतन। अहे वृद्धिक यहि चक्क रून, अ अक्कुला मर लांश्यनत छे नात्र मा थारक, लांश रहेरन कि अक्षिल-विरक्ष क्षित्र चित्रा लेशित के क्षित्र मात्र क्रिया क्षित्र का कर्त्वा, तांकीत मित्र क्रिया मात्र क्षित्र महाराज्य मात्र क्रिया मात्र क्षित्र महाराज्य मात्र क्षित्र नात्र क्षित्र महाराज्य मात्र क्षित्र मात्र क्षित्र महाराज्य मात्र क्षित्र मात्र क्षित्र महाराज्य मात्र क्षित्र महाराज्य क्षित्र क्षित्र मात्र मात्र क्षात्र महाराज्य क्षात्र क्षात्र मात्र क्षात्र मात्र मात्र क्षात्र मात्र क्षात्र मात्र क्षात्र क्षात्र मात्र क्षात्र क्षात्र मात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र मात्र क्षात्र क्षात्

বিশ্ববিদ্যালয় ও প্রশ্ব চোর।

एक्किंटिकत्र अक्तितक कविशाहित, चामि अक्रांश मिक थनन कतिय, व লোকে প্রাতঃকালে দেখিয়া যেন প্র-भर्मा करत । विश्वविद्यानस्त्रत्र अश्र চোরেরাও নেইরূপ লোকের চিত চমৎ ক্ত করিয়া ভুলিয়াছে। দিণ্ডিকেট চৌর্য্য निवाद्गरनंत क्छ हासी भारेर छट्टन छिन ট্রার কত কড়াকড় করিতেছেন, ইউরোপ হ্ইতে প্রশ্ন ছাপা হইয়া আদিতেছে, किन्नु अभूटकात्रसिटशत निकटि व मधुनात्र বালির বাঁথের ন্যায় হইরা উঠিতেছে। ইহাদিনের নিকটে হোদেন খাঁব কোলল কোথার আছে ? প্রশ্ন চুবি যাওয়াতে ताम मक्त इरे निवरनत भवीका तथा **इहेग्रा शिल । याहाता निर्कार, छाहामि** · शतक द्रथा कको भारेटिक हरेल, अवर अन, এ, পরীকা ২৯ এ ডিদেম্বর পর্যান্ত বন্ধা ছইল। কেবল কলিকাতায় নয় **মক্তলে**ও এ বিষ সঞ্চার ভ্ইরাছে। ১৮ ই অগ্রহার পের ভাকা**প্রকালে লিখি**ত হইয়াছেঃ—

'' গড় হুহম্পতিহান প্রভুঃ যে কলিকাভার বে

शामि विश्वविद्यालरत्त्र श्रादिभिका ७ श्रथम प्या-<sup>ট্</sup>স পরীক্ষার এখ সমুদায় আসিয়াছে। মাক वरः वस्त शुनिका (वाना वह, फब्न फाक्यपुरु কর্মচারীরা দেখিতে পায় পরীক্ষার এরগুলি বে नम्यात लिकासीत २६ क्रिन, खाहाद अक मूच কাটা। সর্বাশুদ্ধ চলিশতীবও অধিক পুলিকা তা है(म, डाहात मध्या २६। ७० हीहे खेलाल कारी রহিয়াছে। সমুধার কাটা লেকাফাগুলিই পুনবায় বছ কনা হইয়াছিল কভকগুলি বছ ছিল আলাস কতকণ্ডলি এরপ ভাবে খোলা ছিল যে ভালব यथा रहेर व ८५७ लि जानमा हहेर है दाहित र ইতে পারে। পোষ্টমান্তার সাহেব সেকাকাগু<sup>লিক</sup> এই অবস্থা দেখিয়া তখনট কালেয়েব প্রিলিপান শ্ৰীণক্ষ ৱেনেষ্ট সাহেবেৰ নিকট এই ৰ নিয়া পত্ৰ লিখিয়া তৎসমুদায় পাঠাইয়া দেন, যে ডিনি शृशिकात्वन अहे कारकार है अहे के कार्याहरू । **ট্রীণক্ত রেনেট সাহেব এবং** আমাদিগোর ফুডন कुल हेनएल हैर झा के जारहर छन्न: छ।कहरत हा-ইয়া সবিশেষ অসুসন্ধান করিয়া এই জানিতে পান এবানকার ডাক্ড্রেব লোকের খাবা ভাষ अञ्च त्रवय वर्षा (लक्षांकोश्वनि करोजा (चाना इत নাই। পোষ্টমান্ত্রীৰ ডেব্র সাহেৰও অসুস্থান হাতা ইহাই জানিছে পান : বল্পত: এখানে श्रम्भ की र्यांका इहेप्राट्ड हेगाव रकाम निम्में नहे প্ৰকাশ পার নাই। জাব কলিকাতা *হই*তে চা কার কান্য বেঁ পুলিক্ষা বস্তু করা ইইয়াছিল তাহা পূৰ্ব অবস্থাতেই আগিয়'ছে ড়াকদরে এমত প্র মাৰ পাওয়া ৰাওৱাতে ইয়াও নিশ্চয় অস্তুত্তৰ হয় পথেও কোন হানে 🌣 ফার্থ চব নাই। কলি কান্তা হইতে লেকাকান্তলি ঐ অবস্থাতেই রওনা হ**ইবাছিল। এখন কলিকাভাতে** ব<sup>া</sup>হাব **দাব**টি লেকাকাগুলি খোলা ছইয়া থাকুক। **»** 

ভাককর্মচারিবা যে কেমন সুন্দবরপে অকর্ত্তরে সম্পাদন করিভেছেন, এটা
ভাহার অপব প্রমান। যেরপ বাপাব
দেখা যাইভেছে, ভাহাতে দক্ষিন হস্তকেও বিশাস করা ভার। প্রশ্নের মুদ্রন
সবক্ষে যত অধিক লোকের সম্পর্ক হইবে,
ভতই চৌর্যাক্রিয়ার অধিকত্তর সন্তাবনা
আকিবে। রেজিপ্রার যদি প্রশ্নেণ্ডলি
নিজে কম্পোল করিয়া এবং ছাপাখানার স্বরং উপন্থিত থাকিয়া ছাপাইয়া
লন, অথবা লিখোগ্রাফি যত্ত্রে মুদ্রিত
ক্রেরন্ম এবং মক্ষলে পাঠাইবার সমরে

चनः जाक्यतं निशे श्रीम कर्चनिति हिस्स जांक्रे मिश्रा जांक्रेमम, जांत विकाशित कर्मनिति विकाशित कर्मनिति हिस्स कर्मनिति हिस हिस्स कर्मनिति हिस्स कर्मनिति हिस्स कर्मनिति हिस्स कर्मनिति हिस

र्णकाराजा ७ मत सन महत्रम ।

भौगन मध्यक्त भौगता नह निर्मि बीख:नत निकटेंहे कान विषया भगी नरि এक क्रविश्रामनि वाण्डितारक नांशांतर श्रक्ष कलानिकत कार्र्यात व्यक्त তাঁহার দ্বারা অপবা তাঁহার ব্যক্ত অ দারাও হয় নাই। পুলিষ প্রভৃতি যে বি यदा मुख्यिक्त कता यात्र, जाशाह भूताः দেখিতে পাওয়া যায়। বিদ্যাশিকা প্র তিনি বুরং কণ্টক রোপণ করিয়াছেন তিনি পদত্ থাকিছে এ বিভাগের ছতি দৰ্শন সম্ভাৰনা নাই। উৎক্ৰে ছুৰ্ভিক ভাঁহার দরা**গুণে**ৰ বিল**ক্ষণ** পৰি **हत्र मित्राटक। यमि (क्ट डीकांत की**रि স্তম্প নির্মাণে উদ্ধৃত হন, উৎকলের স্ মনুহোর অস্থিতে অনায়ানে তাং। নিৰ্ম ক্রিডে প্রায়িবেন। কেবল এক বিদ উচ্চাৰ স্বিশেষ আগ্ৰহ দেখিতে পাঙ হাম। তিনি আসাদিপের সমাজের উ कर्च माधन दिशस्त्र ममश्चिक गञ्जनाम । वि क्यांटित विद्या अहे, छिनि अविदर यभन्नी इंट्रेंट श्राहित्सन ना। य विश তাঁহার হস্তকেপ অন্ধিকার চর্চা বলি লোকে ভাঁছার উপরে অসম্বট হইতে ছেন। তিনি স্বয়ং ইহার স্বরূপ বোধে সমৰ্থ নহেন। নিম্ভলাৰ গাট উঠাইৰ **टिको विकत इंडेटन आमता कावित्रां**  চুহুল (ই। अर्१ केन्द्रपति नात्र कार्ट्स, कांकी थे-

শর "গঙ্গাযাত্রার » প্রস্তাব পাঠ हा त्लर्फेनले गवर्गत भन्नागाजा वस्त বার চেন্টা পান। প্রথমাবধিই এদে মুরা ইকার প্রতিবাদ আরম্ভ করেন। বেগপানি জোচেব নিবারণ সহজ । তিনি অধিলয়ে আসাম, চট্টগ্রাম, s, রাজসাহী, ভাগলপুৰ, নদীয়া **ও** र्त कमिननविभिष्य शक्षायाञ्चात উকারিভাব বিষয়েরিপোর্ট করিবার क्ष मिटनन। योजुः शमद्रक्रमात्र ठोकून, ৰুৱ মিজ ও রাজা সভাশরণ ঘোষাল ্বিচাৰপতি দিটনকার ও ট্রের ্এক আর কজেন সাহেবেৰ মত **লালা করাও কইল। এদেশী**ৰ ভাত কেরা বলিলেন গঙ্গাযাতা ও অন্ত-নিৰ্ভাৰ কথন কথন-আনিট হয় কিন্তু দামান্যতঃ ইহাতে কোন অপ **इस मा। (लक्टेन्के अववंदार कहे** च्चिक स्कान करण त्य श्रेष्ट्रीयोजात हन ল্লা **অনেকে আখ**ীয়দিগকে ৰধ করে। ্দিগছর মিঞ স্পথীক্ষরে ভাহার **ভৰাদ ক্**রিয়াছেন। তিনি বলেন, চিকিৎ **রে। হতাশ হই**র। ডিকিৎস। পরিত্যাগ **নিলে পদাবারা করান হ**য় না এবং च्यांक्रक मा इरेटन व्यक्तक क्या रहा मा। हाकि भक्ता स्ट्रेटिंड क्लिंश्रहा प्लास्ट्रिक. **দাত্যন্তর হ**র বলিয়ালেপ্টন**ন্ট প**র্ণ বে আরে একটা ত্রম ক্রিলাছিল, দিপ্তর মিত্র ভাষারও অপনয়ন করি **ম ৷ জথা**পি লেপটনত গ্ৰণ্ব এক र वित्रक रहेट इ शाहित्सन ना । अनि-

ভে পারি না। মারুবের কেমন

। এ বিগয়ে তাঁহার চৈতন্যাদর হই- ' **হইডে নহজে চিততে নিবর্তিত করিছে** ह, किन्नु कार्सा (पथा वाहेरजस्म, गांत्रमा। अभि मानूरवत चनाय। वाश रुडेर, उथा।ि छिनि श्रेस्टार स्तिमन মুখুৰাজির সমতিও চিকিৎসকের অসুসতি লইয়া গঙ্গায়াত্রা করিতে হ**ই**বে, গঙ্গাখাত্রার কয়েক ঘটিকার পূর্কে আ ড়াই কোশের নধ্যে হইলে থানায় সংবাদ দেওয়া আৰুশ্যক। এ বিষয়ে কা रात्र काम अकात क्विंगि हरेका हुई दरमव মিরাদ অথব। ক্ষরিমান। অথবা উভরবিষ দও হইবে। চিকিৎসকের যদি কোন अलाब अवस्था काना गार, डीहाब हर गाम स्पार्यात्मत श्रास्त्राव इत्र । त्वर्णनेने গবর্ণর আরও প্রস্তাব করিয়াছিলেন পুলিষ কর্মচাষিপ। যদি দেখেন যেকছার নীত ব্যক্তির স্তুয় সম্ভাবনা অংশ্, ভাষা হইলে ভাঁছাকে গৃহে পাঠাইর; पिटक भागित्वम। श्रीवायतक कवित्राकी শিখানও সব সিসিল বীডনের ইচ্ছা विन ।। यान इंडेक, भारतारमत विश्व अहे. मन कन लाइका अ विशव श्यार्थ ताक নীতিজ্ঞত। প্রদর্শন করিয়াছেন। তিনি লেপ্টনত গ্ৰণ্ডের প্রস্তাবে অসুমোদন ক্ৰেন নাই ৷ সমাজের উৎকর্ষ সংখন भयारकात लादक्षे क्टबन मह कन कटब-ক্ষের এই মত। তি.নি বলেন " গঙ্গাবাতা ভঠিগা গেলে ভিনি সম্বস্ত হন ৰটে কিছ বিশেষ ব্যবস্থা প্রথয়ন ছারা ইছাব্যুক্রা হাঁহার **অভিমত নহে। বিশেষতঃ পুলি**-यटक मर्वाम मिख्या व्यव्धा कर्खवा, अवि ধিতে তিনি সমতি দিতে পাবেন না. कावकदर्य हेश प्रशिष्टित मुन इहेरव। " পর্বর জেনরল সর্বসাধারণের মনোগভ ভাবই यथार्थ अकान कतिशाहन। नत সিসিল বীডনের পদজ্যাগের সময় সমী-আমরা লেপ্টনত গ্রণরকে দূষিত ! পতরবর্তী হইয়া আফিয়াছে, অতএব এই क्य मिन किथिश्य रेश्या व्यवज्ञान कतिया ী বি**জাতীয় অভিমান আছে, এক** <sup>†</sup> কা**জ করিলেই ভাল হয়। ভাঁহা**র উ-

ক্তি তিনি কোন্ধৰতে কি করিতে फोरा कारनन ना । अक श्रेष्ट्रांचा শ্ৰীয়া ভিনি যে সময় অভিবাহিত ক লেন, ভাহার অর্জেকাংশ শিক্ষাবিদ त्त्रं केंद्रिक माधन दिवदत विनिद्याधि করিলে অনেক কাজ হইত।

---:0:---

উৎসাহদান। নমাট ভৃতীয় নেপোলিয়ন অং বিষয়ে পৃথিবীর অনেকবিধ উপক করিয়াছেন। কিন্তু ভাঁহার এই বাক। কেৰল বে লোকের চিরস্থরণীর হই এরণ নয়, অভি দীর্ঘকাল পর্যন্ত লোগ वैरात छेनकात स्काश कतिर्दन महस् नाहे। मञांष्ठे बर्टनन, এकविश खाता, अ বিশ ব্যবহার ও একতা বাস যত লোবে चारह, उँ।हानिर्शत मक्टलत এक श्रव মেন্টের অধীনে হওয়া উচিত। ক্রে বৎশর পূর্বেইটালী করেকটা কুদ্র বাজে বিভক্ত ছিল। সমাটের সাহাত थहे नकन बाका बाका विकेत हैगानि करनत चरीनक रहेशरह। सर्वनीटक व প্রণালীর অসুসারে কার্যা হইতেছে। দেশ ভারতবর্ষের ন্যায় ব্রুকালা্ব क्रम क्रम वांधीन प्रांद्या विकतः १३ वामिएएए। मध्यक्तिश मित्रात प्राक्त हे बांध्रानंत्र करवकी बाका अक्लिफ करि ছেন। কর্মণীয় মাজেরই ইচ্ছা এ (मर्मन **धरे**टाकात अक्कार्य । मे **बर्ड हेम्ड्। मण्युर्गंध इहेट्यः इं**छेट्यः चंद्रका व्याग व्याग व्याग्य व्याप्त त्नर्भाविद्यस्त्र मरक काम कडिएक छम स्रेशाट्यन । औत्रवानीता शालका कालिया बीटलप्र विद्यादिविद्यात मह श्रठा कतिहरूद्रहम । नमूनांत्र खीक स्ना क्विक रहेगा क्रक्तिनरक मृतीकृ

क्रम, क्रांशांतिक्षंत्र अरे देखा। यूनक

রকার জন্য স্থাক্ষ্য মধ্যে ক্ষাতিসাধারণ প্রতিনিধি সভা ছাপন করিয়া তাঁহানি (अत्र भरफ भागम कतियात्र शामन कति-রাছেম। ভারতবর্ষে এই নিরমাসুলারে কার্যা **इंट्रेंड लाट्ड कि मा, अक्टर दिर्द्यमा** করা আবেশ্যক। প্রায় এক শত বৎ-লর হইল, অর্থনীর ছ্রব্ছা প্রেল্ড করিয়া এक सम अञ्चात चार्चन करतन, এবাদকার লোকবিগের এই কুবভাব (मर्था वांवेट डाइ विकि त्व क्रूप कार्याः) ভাষিরাছেন দেই নামে পরিচিত হইতে हार्ट्न, क्षि आर्थनीत अहे विरणवय যারা প্রদিদ্ধ হইতে কেহই অভিলাবী হন ना । " देश्त्राक्षवित्वत्र व्यविकातत्रत्र शृदर्श ভারতবর্ষীয়দিলেরও এই ভাব ছিল। বন্দ দেশ, উত্তর পশ্চিমাঞ্ল, বোহাই শ্রন্থ-তির লোকেরা আপনাদিগকে বডর বেশবাদী বলিয়া জ্ঞান করিতেন। এতথ্ লক পরস্পারের প্রতি উর্ব্যা ছেব প্রভৃতি রও বিশব্দণ প্রাত্তীৰ ছিল। কিন্তু একণে ভাহা অনৈক ভিরোহিত হইরাছে। স্কৃত विरमात मन्था यक इषि मनेष्टर, पठ हेर्होत्रा मकरम अव माधात्रन चरमण अम রক্ষুতে বন্ধ হইতেছেন। বাজানী, হিন্দু चानी, भीक, महाबादीय, शायनी, टेडमक अक्डि नक्टाई द्विदाहन, ঘাঁছার বে প্রদেশীর নাম হউক সাধা সকলেই ভারতবর্ষীর, এবং ুমাভূজুনির কল্যান সাধন সকলেরই क्रबंदा। करे जना स्था वारेट्डस বহীকুরের রাজার নিবিত এক জন নহারাষ্ট্রীয় লেখনী ধারণ করিয়াছেন ভাজমহলে খুকর মাংস আহার কবা स्रेत्राटम् बनिया वण्डलमः स्रेट्ड जीवात প্ৰভিৰাম কৈয়া হইতেছে। ফ্ৰেপ শৰ ইতিয়া আত্মতির গৌরব বর্তন क्तिया विनद्गारस्य, अष्टि खिडिमा गर्वर्यन-কের কার্য। আভি সাধারণ একডা মকোর মটনে উচ্চাজ জমতার শেষ পাইয়া পাকেন। কিছু যদি লোকে গের ন্যায় ব্যবহার ডাং গাং ও

रहेदर, देश्याटकता देश कानिटल्डाइन, তথাপি ভাঁহার। ইহার প্রভার নিতেছেন। ব্যক্তি বিশেষের প্রতি বেক্লপ ছউক, भागन मद्दरका माधात्रद्या हेट्याकविद्यत । নার কোন ভাতি পরাজিত দেখের थिषि केमार्थ थकांभ करतन ना। विशे ৰবাৰ্থ গৌরবের কথা সম্ভেছ নাই। ভৃতীয় নেপোলিয়ন অনিচিক রাজ बर्भीविष्टिश्व चटकाशः जन्मकि भर्वत्रः ৰাজে আঞ্চ করিয়াছেন। ক্ষেত্র অব ইতিবার শহিত অকপট ছাদরে আমরা ত্রিটিশ গরর্থমেন্টের এই শুণ স্বীকার করিতেছি ! বর্ষেক্টারী শাসন কর্ত্তপ ক্ষের সময় প্রায় আপনাছিলের ক্ষমতা রক্ষার চেক্টার অভিবাহিত চ্ট্রা যায়। कि कातकवरीय भवर्गमान्त्रेय क्षामान श्रित कन्नान नाथनरे मुश्रा डेटमाना ।

ফ্রেপ্ত অব ইপ্রিয়া ভারতবর্ষীয়দি-গকে সাধারণ্যে বিশেষতঃ বাদ্যালীদি-भटक चन्नुद्राध कत्रिहाटकम, देखेटहाटश বেরূপ জাতিদাধারণ একতা হইতেছে, তাঁহারাও দেইরূপ অকর্মণ্য এডদেশীয় রাজাদিগের সহায়ত। ভাগে করিয়া नकरण जिपिन नवर्गस्यत्केत स्थीनस् হইয়া আভিসাধারণ একতা ব্যস্ত করুন। কিন্তু ইউরোপ. ও ভারতবর্ষের প্ৰস্থাপত কত প্ৰজেপ তাহা ফুেণ্ড বিষ্ত হইয়াছেন। অধীয়ার অধীনে থাকিয়া বিনিসকে অভ্যাচার সহ্য করিতে ষ্ইতেছিল।বিনিসিয়দিগের শাসন সহয়ে । সর্বাঞ্ধান অধীনত রাজ্যকে তথপ্রদায় गर्दा डेक शव शाहेबात मञ्जाबना हिन विश्व इटेट्ड हिन। आहीन मस्यनात शूर না। ওদিকে, বিক্টর ইমানিউএলের ভিন রাজবংশের প্রতি মারাও বংদশী সেনাপণ যেমন নগর মধ্যে প্রবেশ করিল, ধর্মের অনুরোধে বিদেশীয় ভিন্ন ধর্মা তেমনি উহারা রাজনীতি ঘটিত হাবতীয় श्व नाए विकारी हरेन। किन्न वर्शान ইহার বিশরীত ঘটনা। গোয়ালিয়র वाधीन चारह। रेमनिक विठात ७ मामस সংক্ৰান্ত যাৰ্ডীয় পদ দেশবাসিয়া

वाष्टिमाशायन अक्षाह व्या होबादिक দুরীভূত করিয়া ত্রিটিশ গ্রণ্থেতের अधीनक इन, कि कत लांक रहेटर १ हैश्य থের বালকেরা সেনাপতি হইবেন। দর্শির সন্থানেরা সহাস্থায় গোক্ষি-গের সহিত অতি নীচ- লোকের ন্যার বাবহার ববিবে। ভেপুটা মার্লি ট্রেট ও ছোট আঘালতের জন্মের পদ क्रुकिविमामित केक श्रम लाक बान नात व्यक्तिमा इरेट्य। अर्थ करा এতকেশীয় রাজাদিগের রাজত্বের বিশু धनां कारक जान बार्यन, खबालि जिप्तिभ भवर्गस्यर हो ब्राह्म मे जिल्ला अधी. नक् इंदेट्ठ हाट्डन ना । इक्किन व्ययभः भागनश्चनाकीत्र स्माय मःस्मायन कतिहा ত্রিটিশ গ্লণ্মেন্টের নার বিচার, পুলিষ প্রভৃতির উ২६४ সাধন করিবেন, लात्कत्र बहे यांगा चारह । शकाश्रत जिप्नि अवर्गस्यके देशनिक, भागन अ विकात मद्यास क्षेत्रानियात अहे मकत चन्न क्षापान कतिर्देश, स्म चाला नारे। মিসরে জাতিমাধাবণ প্রতিনিধি সভ হইয়াছে। তুরুদ্ধে হইতে চলিল। প্রতি নিধিসভাতাপনপ্ৰবালী हेर ब्राट्स ब क्षि करिशास्त्र। देश्यक अवाह वाश নতাও কৰেব কৰা ছান বলিয়া গৌর-করা হয়। কিছু সুরক্ষের সুনতান সাক্ষ व्रष्टिशतक व्यवस्था अवस्थित जात मार् উদাতহক্ত হইয়াছেন, ত্রিটিশ প্রণ্মের্ नदीतिरभन अभीतक इंडरक हारदन न षात्र, क्रुडिंदरशता त्राष्ट्रनीखिष्टि व পাইবার আশা নাই দেখিয়া এতদেশী ब्राज्यभटनव महायुष्ठा क्रिट्ड इस्त। अट ভারতব্বী মদিধের সহিত ইটালীুন वरी प्रमित्रक हेंगेली प्रमित्नन ন,†য় িচ্নাধারণ একতা ভাপন করিতে লিও, শোভা পাইৰে।

त्रव स्थ्य लाज्यका जिल्हा ३१९ । व्यागिष्टिश्व शवर्गत क्यान्यक मृत ন হবেকাবভ্দিনের পর কলিকাডা াসমাছেন। আমিয়া যে অধিক দিন काटक अधारिक मिथिएक गाहिब, स्म <mark>ভাৰনা নাই। কে</mark>ক্ৰণারি **পে**ব হইতে না তৈ তিনি বিনলাণ প্ৰনাৰ্থ বংগ্ৰাছই ন। ভাঁচার তুলা ধর্মাসুৰতা অকর্ত্তর ঠ প্ৰৰণ জেনঃলের শৈলবিহার ও বারের প্রযোদ সুখ অসুভব করিয়া ।র অভিবাহিত করা বিধেয় চ্যুনা। রতবর্ষের কিছু কাজ করিয়া যাওয়া টেড। বলি উচিধি নামের আকাতক। ধাকে, ভথাণি ভাঁহার হকভব্যজ্ঞান शंदक व विषया (ध्वरंग कड़िएऊएए। যাদিকের কর্টী প্রার্থরিতবা আছে, ৰুর পারেন, ভাষার পরিপুরণ চেন্ট।

১। ভারত বর্ষ দীর্ঘকাল বেরুপ চনীয় অৰম্বাশন হইণছিল, ভাহার শোধন হইতে দীঘ্কাল লাগিৰে **দহ নাই। তদৰ্থ এথেম আ**াল্লীয় विद्याभिका। गाँ**हाता अक्**रिके :ब्र करवजनदर्यत डेव्हांड कामना कटबन, দশিকাই বে তাঁহাদিগের একমাত্র াহইবে, ভলিবলৈ অণুমান সংলয় । বিদ্যাকোতি ব্যতিদেকে আর রৈ এইপে সাধ্য নাই যে কুস<sup>্ত</sup>া কোপ গাঢ় অহাবার ভারতবর্ষ হইতে **বারিত** করিতে পাবে ৷ মর জন লবে **াটে** বিদাশিকার হতন পাওন **उठ एरेटन** नाफ सुडन डेनाग्र हेला ক্লশ স্বীকার কবিয়া শিরোধেদনায় ভূজ **হইতে হইৰে না**ঃশিকাৰি

मा

नः भाषन क्यन, छाहा स्टेलिर अबीके निष्कि रहेरव । श्राथम, फिमि शृर्स्क रव **अहे धीखांव कतिहाहितन, होउद्यह** ৰেভন ও চাঁৰা উঞ্জেল সম্ভি করিয়া যত চইবে, গ্ৰৰ্থমণ্ট হইতে ভাত দেৱল यारेट्न, जन्मुनवन क्षिया कार्या कराहे कर्तवा। जान स्रेटन सिचिटन भारेदन, মফসলে অনেবগুলি উৎকৃত বিদ্যালয় আৰিউ্ত হইৰে । উৎকৃষ্ট ৰিদ্যালয় প্রতিষ্ঠা ব্যতিরেকে ভারতবর্ষের প্রক্লভ উন্নতিলাত সন্তাৰিত নয়! এখনে মফ স্বলের অধিকাংশ স্থানে যে প্রকাব বিদ্যালয় আছে, ভাহাতে শিক্ষা বিভ শ্বনা মাত্র হইতেছে। দ্বিতীয়, নিয়ম না থাকুক, কার্যে, দেশা যাইভেছে, শিকা সংক্রাত কথাচারিদিপের ইফ্ছাও চেউ। **এই यে এদেখীর ক্রীবারদিগের হত্তে** বিদ্যালয়ের ভাব সমর্পণ কবেন। ভাঁহার। बिट्बब्बा कटतन, अभीमाद्रमिरभत्र आत নির্দিত পাছে, তাঁহাদিপের হতে বিদ্যা लञ्ज थार्किटल ऋषी स्ट्रेटन। फुरहामर्गन ছারা প্রমাণ হৃষ্যাছে, এটা ভাষাত্মক नः कात । विद्याशय दक्षण स्वामी स्रेटनरे कि इडेट्य १ यदि काळ ना इडेल, व्यर्थ बाह विकल । अभीनात्मरलात मर्था याँकाता कूनिकिन नम, जीवामित्रित बट्ड विमा লয় সম্পিতি হইলে ভাছা একটা আস बारबत मरका स्हेता উठ्ठ । डीमाता विमा রসজ্ঞ নছেন, স্মুক্তরাং বিদ্যাবিষয়ে উাহাদিগের অলুরাগ ধাকা সন্তাৰিত नत्र। भनदूरक याक्तित एक इ विद्यान রের অতিরকাল মধ্যে পরস্পার অনসুরত্ত जीशुक्रटरद मः मातश्यक्ति नाम श्रीनम्मा क्रेशा छेऽ। व्यञ्जब, याकार्ट्य विमानिश বভ্ন পরিমাণে সুশিক্ষিত ব্যক্তিদিপের ম্প্রত হয়, সেই চে**ভা করা কর্ত্**রা। বে স্থানে ঘটিয়া উটিৰে, প্ৰতিৰোগিতা माता देशात 🖺 नायन क्रिका कता छेति छ । বে সমস্ত বিশুখলা মাছে, তাহা ব<sup>া</sup> ভূতীয়, সাহায্যদানপ্ৰালী **যথন প্ৰতিত** |

হা, উৎকালে তাহার বিরম্ভালি প वरिया आसामित्रात अहे मः कात स হাছিল, ভেপুটা ইনক্ষে**ন্ত**রেরা বে নে বিশ্ব হ**ইতেছেন**, ভীকারা নিরক্তকা**ল** গ সংগে ভাষণ করিয়া কোন্ছানে ভ পড়া হ**ইভেছে** না হইভেছে বেখিৰে: ভাল পড়া না **হইলে তাঁহাদিলের** রিচ টাস্সারে সাহায্যদান ৰশ্ম হইবে। বি কাৰ্যো ইছাৰ সম্পূৰ্ণ ৰাতিক্ৰম দে यारेटउटह। अधिकाः म टक्यूकी हेस्टन উন্নের সহিত বছ বিদ্যালয়ের বছকা নাকাং হর না। যদি কদাচিং সাক হর, তাহা বিছাছ**লে**বের নাায় স্বল্প কা মাত্র ছারী হয়। আসরা এতেকে করি একথা কৰিতেছি। আমরা ছয়মানকা अक्षी विकासिय कार्त सर्वन करि ভাষার মধ্যে একদিনও ভেপুটি ই স্পেষ্টরের ধর্মন পাই নাই। ছর্ভগ্যক্র এক দিৰ্দ অসময়ে আনিয়া একটা গো रवान व विश्वदेश निशास्त्रितन । यथन क कार्कात कार्यत्र कारम करेन्द्र म, उपन म তর অদেশে ভেপুটি ইনস্পেষ্টরের। ব किञ्चन कार्यः करतन, खादा व्यनातार चन्नान कतिया लख्या साहेटक नाट्र चक्रवर, जायानित्वत्र आर्थना वहे, न सन गढ़िसा अहे कहिया मिन, **छि** यूहि हे (न्नड्डेरतज्ञा व्यनग्रक्षा वहेता नित्रमिड **त्ररण जानन जानन जरीनक विकास** छनि नर्मन ७ वर्षादिवि डिट्नाई क्ट्रब तिर्थार्षेकारम राम विकासराव स्वाय **अ**र्थ यथायथं वर्गन कहा रहा छाराट्ड कारा मुबीटनका ना वाटक। छात्रा इहेटल हे ल्लिकेरहरू साथे हिट्ना विश्व नरव्रत पदाप ७ लिफक्षित्र मार्थाः করিয়া দিতে পারিবেন। ভাষাভে বিনি गढर्न ना रहेर्सन, फीरांत्र स्थीनक् विका रवन नाक्ष्या काम क्या करिया स्थाप बरेक्टल कार्या मा कहिटा रहेटन १ क्षेत्र मक्त्रकण्डः विकासदात वाक्षात्रकः **डेइडि हरेटर मा**।

चारा चामा चामा कार्यक्रिक्या गत चन : লয়েনের গোড়র করিছে সেবে প্রস্তা যটা নিভান্ত দীৰ্ঘাৰয়ৰ হইয়া উঠে অভ अव, भाक्ष्मकरक चानावीवात भर्याच वाजीका क्षिट्य रहेन।

मार्ड शंकिकारकर शकास्त्र ।

लाखं को लकाक अटक्नीविक्तत्रत्र पख অভিনমনগতের যে প্রতু স্তাপ্রদান করি-য়াছেৰ ভাষা পঠে ক**িলেই পাঠ**কণণ বুলিতে পারিবেন, ভূতপূর্ব ভারতীয় সেক্টোরির অস্তকেরণ কিব্রপ উপার. আর এ কেনের এডি উ:হার কিবপ সমূ द्रांश चार्ट्य ।

#### " बहाभद्रश्र !

আমি ভারতবর্ষীয় সেকেটারির পদ ভাগে করাতে কলিকাত র টৌ হালে এক সভা হইয়া আয়াকে অভিনন্দনপত্ৰ ৫ ছা-(बहु अक्षा इहु, का दि क्षा कहन ये प शिवानमा इंडेड, छाहा इंडेटलंडे अ ममदत् আঃমি ভুতিক হইডাম না।

অনুগ্রহ ও রেচপরবশ হইয়া মহৎ ব্লদেশের সভাতম লোকেবা আমাকে যে অভিনক্ষন প্রধান করিয়াছেন, ভাষার चारशका अमन चात्र किहुरे नारे ए অংসাকে অধিকতর আনন্দ প্রদান করিতে भारत ।

भारतक वित शहसवश्चिश्च हास्की আবার হতে গুরুতর ভার সমর্পণ কবি माहित्सम । छः द्रख्यवादिश्रदाश्व व्यापादिक বিশাস করিতেন। অভিনদ্দনে আপনার। প্রাশ করিবাছেন " লোকের বেছাজাত প্রভূতক্ষির উপরে আমি নির্ভর করিডাম এবং আমার খাসনকার্য্য কালে আমি অ'ধ কসংখ্য লোকের অধিক উপকার করিবার চেত্রী পাইয়াছি। " আপনারা বিখাস कतिरदम मरलह म.हे, चावात कर्यना कार्ट्या एवं श्रीतांक्षम क्र्रेक, व्याशमाणित्त्रज्ञ এই মনোগঠ ভাব অবগত থাকাতেই তিহ'তে মহিবের প্রাণ নাশ হওয়া চুরে থাকুক

ভাষা পরিস্তাম বলিয়া জ্ঞান কইভ না।

পদত্যার করিবার সময়ে আমি বৃদ-(मन स्ट्रेड विजीशवात এवः अवस्वर्यह चना चना द्यास स्ट्रेट्ड वर्ट स्त्रहभून हिन्न পাইলাম। ভারতবর্ষের লোকের মধন সাধনার্থ আলার চেকী হত অসম্পূর্ণ চউক না কেন. দেশবাসিগণ সদাশয়ভা ও উদার্ঘ্য সহকারে এই চেফার এখংসা করিরাছেন। ইঙার অপেক্ষা আমাকে অ'র কিছুতেই অধিকতর অস্কুর্ত্তিন ও আন্তরিক সুধদান করিছে সমর্থ নচে।

षाप्ति अथेन बाद्र रेपनमिन कार्र्या **ख**ंद्रक्यकी शिमिरशंद्र विश्वतंत्र लिख सहि । কিন্তু অ'নি নিশ্চৰ জানি আপনারা বিখাস করিবেন আপনাদিগের মঙ্গ ও সুন্ধর দেশের প্রতি আমার যে অনুর'র আছে. কিছুতেই ভাষা কমিবার নতে, সুযোগ প ইলেই অ'মি ভারতবর্ষের মখল সাধ-নের চেকা পাইব, ঘালতে ব্রিটিশ সাত্রা-**ব্যের সহিত ই**হার সহ**ন্ধ দু**ত্তর হয় এবং আপনার। পরম মহিমপূর্ণ রাজ্ঞার ৫ ডি খে ভাজি ও থেম এদর্শন করিয় ছেন ভাকা চিরস্থানী কন, এ চেক্টা করিব।

आवात क्षकि स्वरू ७ मधा रने वर्षे চিক্ল প্রদর্শন করাতে আমি মহাশ্রদি-१८ इ चास्तिक धनावाच मिटछ्डि । ध्वर অ'প্রাদিবের অভিনদ্দ আমার বংশের এক বছষুল্যের সম্পত্তি বলিগা সহযেত্বে व्रक्तिक स्टेर्स ।

> একান্ত বাধ্য ইতণাদি হাতিকাকা। '

কোরহাটিছ সংবাদদাতা লিখি-য়াছেন।

करशक मिन ब्हेल, हत्रत्वावशांत्रे अ'दब अक्ती বৃহৎ হনঃ মহিব আসিয়া সকলকে এককালে ব্যতিব,তা করিয়া তুলিয়াছে। এই দিবন ুই হান **অন্তিপ্রধান শিকারী রুব হ**ইডে खाज्ञां शास्त्र श्रेम विस्मन करान, किन्न

बपुष्क ता श्रुक्तारमधा उद्यानक इहेवा छैडि-ब्राह्यः (मधिन द्वीनगराम श्वान'त देवर्ज्जाहेन ন.ইবের বিনাশাশরে ভাগার চক্তার্মকে চরচ্ছিক লোক ধাৰা বেড় দিয়া ও লা কয়িবায় উপক্ৰম করেন। কিন্তু হথিৰ বস্তুক মূর্ণনে প্রভারনের চেষ্টা পাইরা যেইনকারীনিধ্যের এক জনকে হত করিয়াছে: ইনশ্পেটার একুতি সকলেই জন্মনে হতবুদ্ধি হইয়া কিবিয়া গেলেন।

২। বছুবোগিনীনিবাসী কোন সুশিক্ষিত ওসংকৃত ব,ক্তির উৎসাহ ও বাবে জাঁহার বাষ্ট্রতে এবটা বুৰতী বিদ্যালয় সংস্থাপিত হই য়াছে। ভবিতে পাইলাম স্থাপন্নিভার মাভা এবং দ্রীই শিক্ষাকার্য। সম্পন্ন করিভেছেন। সুব डीबिरभद्र व्यानव्यायं रामान्त्र द्वावः स्वैद्रारहः। ধন্য বিনি এশ্রপ হিতার্ছায়ী।

७। श्रुविज्ञान, करवक विन ११न, धरमधनी नशैएक (मोकाय अक्षेत्र काकाक्ष्य क्षेत्र। विद्यादक, উক্ত নশীর পাবে রাজিবোগে এক খান " বো-কাই পলাৰ ১ লাগাইয়া মালার। নিজিত থাকে, इर्न्युटखद्राख्यन वार्ष्ट्रक हिंद्राहर द निक्री নৌক। শইয়, যায়। ইতিমধ্যে মারাগৰ আগরিত हहेल, खाशास्त्र अक समहक रू**छ ७ जनन** किन समरक कड विकास कांद्रश्री यथानर्वय अन्दर कांत्रका कहेबा जिल्ला है ।

 श्रमात्र करत्र क किन शुर्ख काका स्वेरप ক্তিপয় ব্যক্তি নেকাখোগে বাসাইল বাত্র करद्र। भागमदेश धरलबारी मधीरण अङ्ग छेतिह ·मोका असमप्र इप्त, फाइ'८७ अर्क वः खित्र मुद् şērice i

ে সম্প্রতি এখানে চ.উল পূর্সাপের বর্ষুল্য হইয়াছে। এখন কতক দিন এর ১৬ ৷ ১৭ সের ভাবে চলিলেও মন্স সংক माई।

---:o:~-

জাহামারাদক সংবাদদাতা বিখি श्राट्डनः---

একৰে এপ্ৰেশে ২০ নয় সিকা কৰি हाउँत्वत मन भाखका बा**दे**रठइकः शनः वर्ष इट्याट्ड, **कांत्र इक्टिक नाहै** : ठ:वीटनार्कान्ट আনন্দের পরিসীনা নাই। যাহ'লিগের চার है অর্থাৎ তাঁতি এড়ডিরই কেবন চটিক। যান ভাঁতের বাবদা কবিত, ভারাদেব যে আয় কং (मोजारताह सबका छेपन्नित हरूरेन अवड (व ময় না। হাড়ী ডে'ম প্রভাত এবার নিষ্ণ নি ক্ষান্তীয় ৰ,বস্থি কৰেল্বৰ সংখ্যা । নগাস ब्रिट्ड मान्टिंग है स्थिति। द्धानी विदेश नी চটেট মহামান্য 🗟 'ক পার্ক সাহেব মহো-চক্রকোণা, ক্ষীরপাই, ঘঁটোল এড়ডি স্থা-অব্যাত্র ও ছাড়িঞ্পী ডেড লোকের এবলা লোকন কবিয়া নানা বিধায়েৰ অনুসন্ধান ব্লা (বড়াইডেছেন । কে ছপারে একত ভদিপের বিশেষ উপক'ব হর, ভবিষয়ে এখান ভেত্রেলাকের সভিত প্রামশ ক্রিডেচেন বেরপ অনুসন্ধান কণিডেদেন, ভাহ'ডে বাধ া আন্ত আহানাবাদ মহকুম ব দ্বিলুগাংর पद क्रेलकांद्र मः**भट्ट**ा प्रांटिश्यत कथायाकी ৰ ও ৰাবহার দেখিয়া বোৰ হব এলপ নয়াপ্ত চৈক্ষণ বিচারপত্তি সাতেব কিংকাল স্বামী । विद्रित्न अक्षरप्रसम्भाग्ने विरूप्त रूपन प्रकेटन । रबंभ कारमञ्जेष म'रठव घरू'नव व वे नरवरू-(मामक्षकाम ज्यानाकेषा क्षावन करत्न। फाs লেখা ছিল, জাহানাবাদ সংস্থার ডেপুটী লোকের অবস্থার প্রক্রি রুফিপাড নঃ করিরা দত চাঁদা ধার্য্য করিয়াছেন। সামান্য লোকে পিত চালা দিজে না পাবাজে মহাসকটে ब्राट्ड। ड्रीमात विषया व्यवसात 😂 🕫 🕏 '**ক**্ৰিল ভাল হটত। দোমপ্ৰক'শ **ভা**ৰণ চা সাহেৰ মহাৰয় কোন ব্যক্তিকে জিঞাসা ল্ম বে সকল নৌকা রবিবার ঘাটাল চইটেড কাভার যার, সেই সকল নৌকার মাজিদি-व्यवहर्श्वय विभिन्न शारत ५ ६१क: कविया कि ধাৰ্য, হইয়াছে ? ভাষাতে ভিনি উত্তৰ করি 🔻 হইরাছে। লাভী মাজীরা সামান্য , আহতি কটে নৌকার দীভু টানিয়া যৎ ।ৎ উপায় কবিয়া দিনপ্ড কবে। । কেবল ভেপুনি বাৰুব ভয়ে চ'লা দিভেছে। क्ष्म विश्*र*ब्रुद्ध डोकः खर्मामान **व धनमानी** क्व निकृष्ट प्रशासक हरे.ल काल रहें छ। धी সন্ধার সময়ে বংকালে ঘাটালেব প্রায় লিখ খানা নৌকা মহাজনগণের দ্রব ংকি । কলিকাড। **যাইবার নি.মত সলিচত হ**য়, সময়ে ঘাটাল অরছ:ত্রব সম্পাদক অধাং ীর ভাইস ভিয়ারম√ান উΩিয*ক* বারু মাবৰ-চটোপানায় মহাশয়ের অধীন এক পেয়ানা बिरभद्र :मोका अहे दिनद्वा च्याउँक क दन, লোম চাঁদার টাকা আভি৷ না দিলে ভোদেব । क्लिकाफाव व:हेरफ दिव माः मासिनि-গালাগালী ও অপমান করিডেও আবড । উহার মাে এক জন নালী ওয়াটসন ৰের জুঠির আমলা ৰাবু কৈলাসচতঃ সরকা-।হিচ্ছ কালেইর সাহেব মহাশরের নিকট 😎 হইল। কিছু দিন পুর্মে চাঁদা আদার 🖛 🗗 मासीटक स्थ शहरत वर्ग महेन्नाहिक. ধহাতের চিক্ত এই নাজীর পুরেই জাল্যা**প**্রবর্ত্ত क्षिप्रादक कारलहें गा - व अभारवद्र हिस् gi मध्यिक किएक मानात्र हरू । (त श्रियान) **भा**र अर्थाञ्जा सिर्धे था। १ स्था बेलिस, वे (लाक नर्म क्रि. यह नाम्याव मार्यहे द्वान अपर्यन्त्र (सो श नकन प्रतिक राजि (सब'हेब्रा व्हिड ल : .र ) मार्ट्स प्रहे सम र्बार और भंग तर्बन । ए क्यार (महे **আ**ংৰ'ট্ৰয় পোৱাৰ'টে পাৰ্য্য সা**হেত্ৰ**র বি

নইতে মাজী দিলের চাঁদান বিল্ডলি কাড়িয়া লইরা ভাগনাব নিকট রাখিলেন, চাঁদা আদা-রের পেরাদাকে বলিলেন, আর দাঁড়ী মাজীব নিকট চাঁদা আনার করিতে যাস না। যাজীয়া অব,হেতি গাইরা পংল আকাদিত ও কালেই ব নাহেবের অসংখাধন,বাদ করিয়া নৌকা লইরা কলিকাতার প্রস্থান করিল।

यंश्कारम कारमञ्जू नारस्य महासंद्र सांवारम উপন্থিত ছিলেন, তৎকালে ঘাটালের এক কন वय- अवगांगी विश्वनाथ देवत्राची अहे व निम्ना मारह (यद निक्रे अखिरशं कहिटड (प्रत, (य शहात **অবছত্ত্বৰ নিষিত্ত আমাকে সম্পাদক মাৰু ১০০** ष्ट्रीका बाबूना प्रिया **रख उ**ल्लाह करि**एक बरलन**। कामि है हिर्देश कार्यकानुगरित कमर्यन ३०० मफ টাকার বস্ত্র পরিভাষ করিয়া নানা স্থান হইডে খারিদ কবিয়া আমিয়া উক্ত ব্যস্তুকে বল্ল ও চা-লান দেখাইলাম। বাবু চালান দেখিয়া নানা গোলবোগ কবিয়া বলিলেন ভোনাদের হিসা-বে বঞ্নী আছে । অভএৰ ভোষাদিপ্ৰে ! ফৌলনারীতে সোপরত্ব কবিব ইত্যাদি ভয় मिथारेया व्यायात निक्षे अक मछ है।कान अक (कटा भोगे ए**०** कविया सहेग्राह्म: **य**स्कर चांश्री विष्ठांत्र क त्रेष्ट्रा केंक मरश्रत होका रक्ष्य मियात्र आरम्भ करवन । अरिहर्यंत विहाद्त किंद्र भ निन्धाः व्हेद्वारक भरत विराध कविद्या सौनिया সমাচার লিখিব। — অর্ছন্ত বিষয়ের ভলারক कतियात सन् । यथन अय सम (उनुष्ठी मास्त्रिके নিয়ত ভৰণ করিয়া খেৰিয়া খুনিয়া বেড়াই-ভেষেন, তথম এলপ অভ্যাচারের কথা স্থানিয়া व्यथब लास्क कि बरम कविरव ?

বংকালে এবানে ছড়িক উপস্থিত **७२कारत भानीय** क फेट्रा विश्व दश्य কোন উদ্যোগ ছিল মা। ঘাটালের ওয়াটসন ग'र्ट्ट्यत क्रुडित श्रधान क्रफ्रांची खीवुक हेत्रन्यून সাহেব দরিস্তগণের প্রতি ক্রপা করিবা উদ্দেশ্য भावेता होता याता किंदू किंदू नश्कर कड़िया काका निर्देशन की दन प्रका कृतिवाहिताम । তৎকালে কোন কাঞ্চালিকে প্রহার বা গালাগালী দিতে ভানা বাপ্প নাই। এক্সবে স্থানীয় কর্মচা-রির হব্যে অরহত্তের ভার অপিতি হওয়াতে যাটালের কান্সালীয়া মারি খাইডেচে দেখিয়া व्यानरकरे द्वराचित्र रहेक्टरहरू। (व व्यक्ति शब्र ष्ट्राच्य काण्डेत हरेत्रा अवदय केंद्रहात्र भारेक्स अक শত লোকের জীবন রক্ষা করিরাভিলেন, সেই ব্যক্তির হতে এই ভার অপিত হইলে কি কেই এক্লপ অভ্যাচারের কথা শুনিতে পাইভ । ঘাটা-लित है। जमारतीया बाबू काळागरवत क्षांक वि-(लय ज्वाहर का अब्र व्याहर व्या প্ৰতি অভাৱ অস্বস্তু ৷ সম্প্ৰতি টালু আদালের দ্যরোগা বাবু অভগ্তাবে প্রবৃত্ত হই-ব্লাছিলেন। এই কারণে ঘাটালের এক বংক্তি बारामाबाद्यत को बयात्रीएक राज्यातात्रात्र नाट्य অভিযোগ করিয়াছে। বিচারপতি বেরুণ বিচার করেন, পশ্চাৎ বিশেষ করিয়া লিখিছ।

বুলি চালী : সাল নালন। ত কনাৰ সেই

আংনাদ্যাল গোলালাকে পার্যা সাহেবের উপস্থিত ছিলেন, চোকীনারীটার রহিত হয়।

আংনিদ্যালয়ন বাং পান্ধার নিকট এই প্রাথনার বঙ্গবধ্যক স্বরিস্থ প্রকা সাহেব্যে ।

क मार्ड्य "इटनन । नाट्य अवादम कान कवा अकल कार्ड्य यान मार्ड । कीहांत क्वल वृद्धांत् यान कार्ड्य यान मार्ड । कीहांत क्वल वृद्धांत् यान कार्ड्य कार्ड्य कार्ड्य कार्ड्य कार्ड्य कार्ड्य या क्ष्मांत्र । कालानी गंगरक दक्षांति विद्या किया व विकास कार्ड्य कार्ड्य कार्ड्य कार्ड्य कार्ड्य या क्ष्मांत्र । कालानी गंगरक दक्षांति विद्या किया व विकास कार्ड्य कार्य कार्ड्य कार्ड्

विमानानं महाण्यत क्षत्र क्षत्र में प्रतिम्य विमानानं महाण्यत क्षत्र क्ष

#### • বিবিধ সংবাদ।

১৯ এ चार्रशसून (मामवातः

जान विश्वविद्यानस्ति अस्विन छ अत. अ नदीका जावण इदेश्वाकः। त्राण वर्त्रव जास्त्रक अञ्चलकुक झाज निर्मा निर्म जात्रिय जिल्लाम जाराज लान्डेन के अर्थाद जात्राच अकान कर्त्रमः। अदे रहतू अवदि विद्यानस्तित जात्रक्ष्मभन भूर्त भूर्ति वर्त्रस्ति महात्र जादिकतर्थाक झाज श्राह्मभ कर्यम माहे। अर्थिकांद्र शांत्र ३०६० छ अन्, अर्फ ६२७ झाज ६देवारहः।

কুবিবেৰা ভাডার জন্ন করিয়া ভাইড়া লোক দিগকে দৈনিক করিছেছে ৷ কল জাতি হইছে करब्रफ गरुक्ष रेतमः तरश्रहीय रहेवारहः त्राच्यक्ति এই পুষ্কর দৈনংখিগকে উত্তরপার লোকেরা चाक्षत्रन कतिहा गतानिष करन, कि इ अर्थिय বৈন্যগণ কৰা সময়ে জানিয়া শত্ৰাদিগকে পরাস্ত कविद्यारक। वाथानात्र मिक्टो अक मन ऋषित्र रेनन, बाह्य ६ अञ्चल सम्बन्ध कि अव नम जिस्हा প্রেরিত হইরাতে ৷ ক্ষবির সেনাপত্তি বোখারার রাজ্ঞার নিকটে বেরপ অভিপ্রায় প্রকাশ করি-য়াছেন ভাষাভে ৰোশায়াকে হয় অধীনস্ভাষ্য इदेटच इदेरव मरह९ क्षित्रात चन्दर्गछ इदेरङ **হটবে। বোধারার রাজা ন**ধ্যতার্ডবর্নের যাব তীর মুদলমানকে ধর্মকার্থ বুছে এরড कविशात क्रष्टीच आरहम, किस अ क्रिटी नक्न হয় বোয় হয় দা ৷

স্প্রান্তি আগরার বর্ষার উপলকে নহারাজ সিন্ধিয়া ও জয়পুথের রাজা যে ভোজ দেন, ভাহাতে করেক জন অধিসর স্থাপান করিয়া

অভিশয় দৌরাক্স করিয়ারিলেন। সিক্সিয়ার ভোজেব দিবদ গৰ্ণয় জেনয়ল উঠিছা গেলে এক জন আফিসর অংকণাৎ গাঁহার আসনে বসিরা প্রবাপান আব্য করিলেন: ছই জন আফিনর একটা জীলোক লইর৷ মারামাবী করি द्वारहर । अ त्रकन महाकारत प्रदेशत पूर्वएय কোম্পানির সেন,দলে প্রায় দেবা বাইত না।

শ্মিবার গবর্ণর জেনরল কলিকাভার আগ-মন করিয়াছেন। লেপ্টন উ গবর্ণর ও পুলিষ ক্ষিসময় রেলওয়ে ষ্টেসন ছইতে সর ক্ষন লয়ে-ক্ষেত্র প্রমন করির। আনরন কবেন। হণ সাংখ্যে জন্টি শুদিণের সভাপতির সরপ , ভারানি গকে এতর্পদক্তে আগমন করিবাব ভযুবোধ कत्रिवाहित्मन । किन्न श्रीत्र (कर्डे शर्मन कर्त्रम माहे ।

সম্রতি করাচিতে সমস্ত রাজি উল্ফাপাত ছইবাছিল। সময়ে সমধে রাজিতে দিন বোধ হয়। লোকে ইহাতে মানা আমলল পক্ষা করি ভেছেন:কেছবলেন, ইংবাজ বাজাছেব শেব बहेल, (कब मांगी अब किर वां इर्किक भक्ता क-রিয়া জীত হইরাছেন : আশ্চর্ব্যে বিষয় এই. এই উপদক্ষে যে সকল প্রস্তার প্রভৃতি পাতিত হয়, ভাহার কিছুই হর নাই।

विभाग करेरावह स्मावनार्थ व्यावहिरहा हे छेट्हा পীয় সমাজ আপনাদিগের সম্ভানগণের শিক্ষার এক বিদ্যালয় স্থাপন কবিবেন।

পেদোয়াবের শীকঞ্জ বছনাথের মৃত্যু কই द्वारक। बहानबारवार्ट्स हेर्दीय बृहत्त्व शकाखीरय আনীত হইরাছিল। পঞ্চাবের সকল স্থানে রয় नारश्रद्ध निया चारहन ।

বোৰাইছের প্রধানতম বিচালারম্ব ওকালভী পরীকার নিয়মাবলী প্রকাশ করিয়াছেন। পরী-ক্ষাধিন্দিগকে শত্ত কৰা ৭৫ নৰৰ রাখিতে হইবে। পুশুক বি, এলের নংক। ৪+ এর কম কোন বি-या नवत रहेत्व वा । भन्नीका लेपना अधान उम বিচারালয়ে ওকালতী করিতে পরিবেন। ওকা লভী পরীকা সকল স্থানে একবিধ প্রণালী ভন্নবারে করা উচিত।

স্থানা যাইডেছে, ২৪ প্রগণার কর্মান জাতি ্ হিজ্ঞ অঞ্চ সি, পি, হব হাউস সাহেব "ভারতব-ধীর ব্যেশ্বাপক সভার সভঃ হইয়াডেন ে তিনি ১৮৫৯ অন্বের ১০ আইন সংশোধন বিবয়ক আ-ইনেৰ এক পাঞ্লেখ্য সভায় অপৰ করিবেন।

শনিবার অবধি বছরেশীয় বংবছাপক সভাব व्यभिरवधन श्रहेब्रास्ट ।

পাঠাইখ্লাছেন, ব্লোকা বাধাকান্ত দেব সংসাব ।।- সের। পুরীতে।১ শের অবধি।৫ সেব। আ পুতন চাউল হওরাতে করেক দিবস চাউল

फड़ांश कतिहा चार्वाह कि समा बहुबादत छोत লইতে গিরাছিলেন ? রাজপ্রসাদ অঞ্জাহা করিতে নাই, রাজার এই সংস্কার আছে ৷ বাহা হউক, সংসার ভ্যাণ করিয়াছি এই কথা বলিয়া ষ্টার চিহু অবীকায় করিলে অধিক গৌর-বেব হইত। ভিসরেলি সাহেব মনে করিলে অনেক দিন পুর্দেদ লাভ কইতে পাৰিতেন। অথচ ডিনি সংসাবী।

অদং প্রধানতম বিচারালয়ের কৌজদারি সেপিয়ন ভারত হইয়াছে। বিচারপতি নশ্মাৰ। ৬৪ টি মকলমা আছে। গুরুতর অপরাধের मर्थतं कहा।

वक्र प्रभाव क्रेट्ड गरवाह काणिहारह. श्राका-लाहेरव कान भागरमाथ माहे, हासा भूनर्साह আপন ক্ষমত। সম্পূৰ্ণরূপে প্রাপ্ত ভ্**ইরাজেন**। কর্নেল কেয়ার মন্দালাটরে আছেন। প্রধান মন্ত্ৰিব সহিত তাঁহাৰ অনেক বার সাকাৎ হুই-য়াছে। কিন্তু এ পৰ্যন্ত বাজার দর্শন পান নাই। প্রাধন কমিসনবকে গ্রহণাগ রাজবাটী যভ দিন কুণজিলত নাহই ডেছে, তত দিন রাজা দেখা निएउ हिन मा। १७७एक यह है है कि स्नि 317E I

ভূপালের বেগম দিন্তীতে কমিসনবের বাসীদে দৰবার করিবা ওত্রত্য বাবতীয় ইউরোপীয় শুদ্র লোক ও খ্রীলোকদিরতে অভ্যথনা করি-বাছেন।

১२ हे व्यवधि ১৮ हे नरवधन भर्याष्ट्र कात्रक-বৰীয় বেলওয়েতে জাবোহী খাবা ২৫০১ ১০॥/৫ होता. प्रतिक बार्वा २,०४,०५४॥/३० हेका, कालाय इतेयारह । राग्यन काञ्च वृक्ति इतेरकरह. (फ्रांनि यनि व्यन्ति। जिनातन् विवास वह शास्त्र. ख्रिल्डरहात सना माधातन धनामात व्हेर्फ होका দিতে হয় না। লাড ডেলহাউসি বলিয়াছিলেন রেল ওয়ে সম্পূর্ণ ইইবায়াত্র শত কর। পাঁচ টাকা লাভ দী ভাইৰে। কোম্পানি সম্ভৰ্ক হইবা বয়ে কহিলে এ বাকা সকল হইত সন্দেহ নাই।

মনিক্তার প্রচলনের জন্য নিয়লিবিত চরু द!'B इहेब्राएक:-- तक्रामन, फेलुबे शंक्रमाधन. क्षक्रारम्भ, (वश्व, शकाव, मध्र ভाষত दर्ग. বোহাই ও মান্তাল । এত্যেক বাজধানীতে এক এক জন ক্ষিসনৰ থাকিবেন। কলিকাভাব ক্ষিসময় স্প্রধান ইইবেন।

২০ এ অৱহায়ৰ মঞ্জহায

कहेटकर कमिननद हिल्झाम कदिवादहर, এক ক্ষম আমাদিগকে জিজাস। করিয়া। কটকে চাউল।৬ সেব অবধি ৮৮%। নদীতীরে

निवा कांदोक हदेए ৫ -, • • वचा हा নামিরাছে। বালেখনের চাউলের মূল্য বি অধিক হইরাছে। টাকাম।৮ সের বিক্রীক্স তেছে। বালীপালে #১, জলেখনে ##, ছুক্রী #२ ও ব্যাসদেবপুরে Ib- সের।

মণিপুরের লোকেরা সর্বলা ভারভবর্ণ त्रवर्गरान्त्रेत्र जीवा मर्गा क्रिनास्य कर्त्य स्थि গ্ৰৰ্থেণ্ট নাগাদিগেৰ দেশ সাক্ষাৎ সৰ শাসন করিবার মানস করিয়াছেন : ক্ দিপকে শাকাৎসহকে লাসন স্কুরিয়া স্বস্তা প বীতে অধিয়োহিত করিবার হৈষ্টাই উত্তৰ কা

করাশী কলল কলিকাভাত্র কটএানি সভাকে বলিয়াছেন, আগানী পারিসের মা श्रमर्गात मकन (माम देखिन श्रामणिक स्ह শতএৰ এদেশের যত আন্তর্গ্য উদ্ভিদ্ন আন ক্টবান্ডিতে ভাহাব চিত্র ব্যেরণ ক্রিলে ক্ষি नद्रश्रम वाधिष्ठ स्टेरबन । এ विकास नाहाबा र অভি আবশ্ব । পারিদের প্রদর্শনটি অভি ই क्रुष्टेज्ञन स्ट्रेटन (बाव स्ट्रेट्ड्ट्) प्रक्रांग्रे अव विज्ञार्क्त निक्रेड अक श्रकांत्र जनवान इटेर क्ट्रिविट्रिय मा।

১৮৬৯ অন্দে বৰলপুরের রেলওয়ে খুলিং नाना नारक्रवह मृङ्गाह नगाह व्यवसभूरतह स ওয়ে খুলিবাব বিষয়ের নিশ্চর বাই।

ইংলিসমান বলেন, অধোধ্যার নবাৰ বি জ্যেইপুত্র বাজসুমার সংখ্যার হাবিদ আটি যাসিক ১০ 💀 চাকা হুত্তি মিৰেন অলীকার 🛚 য়াছেন : গ্ৰণ্মেক নৰাৱের কিন্তু ৰাজীর ব (एउट्टान नियुक्त कतिवात हैरेक्टा कांश क বাছেন।

আসিয়াটক সোসাইটীর গড অধিঃৰ ভৰলিউ, এচ কমসন সাহেবের এক পত্র প হয়। ইনি ভিৰৎ দশন করিতে গিয়া দেখিয়া কাঝীবের রাজার অধিকার মধ্যে বিশ্ব নদীর্থ হিন্দু ভাতাবেৰ বাদ আছে। দ্ৰাদ ও ইকালে मत्त्रा अधिक प्रविषक भावता बाह्रा देशनि আৰু তি ড:ভাবের ন্যায়। কিন্তু ইহারা আপ দিগকে বিশুদ্ধ হিন্দু বলিয়া পরিচয় দিয়া খা ইহারা গরুকে এড ভক্তি করে বে হুক শ পান করে না। জনসম সাহেব বধাবই বলি ছেন , পৌরাধিক হিন্দু ব্যবহার এই সকল ও ক্ষেমধ্যে দৃষ্ঠ হইতে পারে। অতএব ইহাদি जाबा ଓ ইভিহাদেব বিশেষ অञ्चनकान प

२১ এ ज्याराष्ट्रव वृथवात्र । क्टेटक्ट्र क्यिमन्द केलिकाम क्रियार र्देशकित। किस अक्षा इन्यंत्र, व्हेरक्षः । शुद्रोटक अधनत व्यक्तिक क्षेत्रहित्राष्ट्र। सार १-चात्र किन विन वाकिस्वत मृत्या ३/५ रहेरक्षः ।

মাড়োয়ার চোলপুর ও ছনগড়পুরের বাজগণ।
গবর্গমেউকে বলিয়াছেন, ভাছানিগের বাজা
দিয়া রেলএয়ে গদন কাংলে বিনা মূল্যে ছুনি ।
দিবেন। বোধপুরের রাজাও এই প্রকার ভূমি।
দিতে চাহ্মিছেন। একণে রেলওয়ের উপবো
গিতা সকলেই বুরিতে পাহিয়াছেন।

ইংলিসমান বলেন, চপোধাণ এবাব প্রচুব । গানং ক্রয়িয়াছে। সকল একার সাল্যেই , ফুলং জন্ম ১ইডেডে। সকল স্থানেই এবার এই কথা।

লাড বিশ্বের মৃত্যুর কাংণ অসুস্থান করিবার জন্য বে কসিসন নিগুক্ত হন, ইংলিস-নান বলেন, উল্লিখ্য অধ্যক্ষ প্রাটণ সাহেবের অনবধানভার দোল দিয়াছেন। সিঁডিখানির লাবে বিশ্বপ কলে পভিত হন। লেপ্টনন্ট গ্রহণ ভারাজে থাকিলে কগন ভগ সিঁড়ি নেওমা ছইত না।

বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রীকাব প্রজুবি বাওনাতে এল, এ প্রীকাব ১৯ এ ডিসেবর
নাই জ স্থালিত রহিল। প্রায়ত লাম প্রীকাবিকে
কার্ বহিলু ড করা ফইরাছে। প্রবিশিকা
নিরীকার মুডন প্রথা দেওরা হইরাছে। সোম
সলবাবের প্রীকা মিধ্য হইল। কবে জ্যাচার এই সময়ে মিধ্যা প্রথা মুদ্রিত কবিয়া
নির্মাণকৈ জুলাইরা টাকা লইরাছে।
ইডিনাস ও অজেব প্রশাহিল। চাকার প্রেরিডে
নাগাইরা দেওরা হইরাছিল। চাকার প্রেরিডের
নারের পোষ্ট জাকিস হইতে প্রেলা চুরি হার।
নামরা জবগত হইলান, মুই কান কর্মানরী এ
নার কর্মের স্থাতিত ইরাছেন।

১৯ এ অৰ্থি ২৫ এ মবেশ্বর পর্যান্ত ভারত বীলু বেলপ্তয়েতে প্রতি মাইলে ২৯০।/৫ লাভ ইরাছে। পূর্বা সপ্তার অপেকা এবার অধিক ধার দেখা যাইতেতে।

উইলিয়ৰ মবে নামক এক জন ইউরোপীয় কি মান্ত্র বি কেলিয় শিশু সম্বানের স্থাস রুপ্ত করিয়া মণ্ড করিবার চেষ্টা পায়। ধাত্রী চিৎকার করাতে রে কাছাকে ঐ প্রকাবে বধকরিবার চেষ্টা করে। জারোর কে ভাছাতে কুতক্ষি। হইতে না পারিয়া জৎপরে অভন্তে প্রহার করিয়াছে। মাজিটো ই ব্যক্তির কঠিন পরিস্থানের সহিত হয় মাসের ক্ষেত্রাকে ক্ষেত্র প্রিস্থানের। নিসাঞ্জনীর স্থাচে।

ইউরোপীয় অপেকা আমাদিগের নিমু খেলি গার্মপ্রকাৰে ভাষা।

২২ এ অপ্রহায়ণ বৃহস্পতিবার। গত কল্য এট্লচেঞ্চয়হে নিম্ন লিখিত টাকার অহিফেন বিক্রীত হইয়াছে:---

সিন্ধুক প্রতিসিন্ধুক সোট বেহারের ২০০০ ১২০৩॥১৫ ২৪,৭০.১০০ বালীর ১০৭০ ১২০৩॥১৫ ১৬.৫২,৮০০ কালীস এতিকো প্রায় বেহারের অহিকেনের ভুলা কইডেছে। গ্রহণমে ই পূর্ণীরাতে ১৬ টাক। কইডে প্রতি সেবে ২০ টাকা মূল্য সৃদ্ধি কবি-য়াছেন।

এপনাত টাদার ছব্জিকানবারণী সভার হতে 
নেংব,৪৩৯/৫ টাকা জানিয়াছে। চিংপুরে 
ভাব কালালী না থাকাতে ভব্রত্য অরহত্র বন্ধ 
হইয়াছে। সভা রেবিশিউবোর্ডকৈ ছই চাক 
টাকা দিয়াছেন। তথালি প্রায় ১.৭৫,০০০ 
টাবা সভার হতে থাকিবে। এই টাকায় একটা 
মূলধন বরিয়া ভালাব উপসত্ত হৃহথিদিলের 
বার দেওয়া কর্ত্বনে। একশ মূলধন থাকিলে 
ক্রমশ্য সাধারণ লানে ভাহার অবরব পুরী হইতে পাথে।

√ है<िलगमान खरगं उ इहेसारहन, रावाहराहर
अक सन विश्व अक रकान्श्रीन संथा श्रान्था।
कहेर उरकार भाषा जनस्य कतियारक्त । अठरमन्य मनमाधिकातिया अहे जकन
कार्या अवस्य इन अभि विरम्प कानस्मा विषयः।
किछ रावाहराय विश्व स्त्रा अक्षे ख्वमा कर्वरः
विषयः गरमानिर्म क्रिएडर्ड्स नाः छोहारा
वर्षात मनानिर्म क्रिएडर्ड्स नाः छोहारा
वर्षात मन क्रिएस रवाहाह याख्य विक छात्रछ
वर्षात विषयः स्वाहरू ।
</p>

অদ্য গ্ৰাবি জেনরলেব বাটীতে এক দরবার ইইয়া গিয়াছে। "দরবার » "দরবার » এই বৈ অন্য কথা নাই।

२० अ प्रशासन शक्ताता

বিজ্ঞাপনী লিখিয়াছেন, তিনি কুডবিদ্যের সংখনোকা শব্দ ছলে লৌকা শুনিয়াছেন। ফি রূপ কুডবিদ্যু ? । ঃ পান্ত ইংরাজী পড়িলেই কি মাসুবকে কুডবিদ্য বলা যায় ?

মান্দ্রাকে আজিও জাতিকেন্দ্রনক কুসংভাবের বিলক্ষণ প্রান্তনিব আছে। ডব্রতা নীচ
আতীব্রদিগের বিবাহের সময়ে পালকিতে
আবোহণ করিয়া যাইবার রীতি নাই। করেক
আন সেই চেষ্টা পাওয়াতে বিরোধিজাতীরেরা
প্রতিবাদী কয়। তথ্যক এক দালা হইয়া পুলি
বের কতে এক জন হত ও এক জন আহত হইআচে ।

শাক্তাজেও এবার সুর্থী হওরাতে প্রচুর শাস্ত অধিরাছে এবং শাস্তের মূল্য অনেক ক্ষি রাছে। এবার প্রান্ত সামি স্থান হইতেই এই শুভ সমাচার পাওয়া বাইভেছে।

विवाह विश्व विद्यालगुत भूतीका इहेगा गिप्राटः। नभूभारम ७०२ क्रम भूतीकाशी इहेगा-हिल। श्रद्धिकाभृतीकाशी ४८०, अस, अ ६৯, वि, अ ७७, अम, अ ४, यल, अम, वि ३३, अस अम ७. निविलहेकिमिम्राविक श्रथम भूतीका ०, अवर क्रथमाश्रमका (भरति मश्रूष्ठ होज्ञ वृज्जित भूतीकाशी २३।

আটাই ত্রিদ মধী উচ্চলিত হইয়া যোগলে জন প্লাবন হইয়াছে। অর্থেক নগর ও জন্য ত্রন্য প্রীরাম জনময় হর।

সর সিসিল বীডনের ইংলও গমন সমর
সমীপবভা হওয়াতে ভাঁহারই প্রভাব ক্রেম
জে, পি, নর্জান সাহেব ডেল্ফাউসি ইনষ্টিট্টটেব সভাপতি পদে মনোনীত হইয়াছেন।

২৪ এ অগ্রহায়ণ প্রিয়ার।

ইণলিসম'ন আবৰ করিয়াছেন, এইচ, ট সব বাটিকাফ্টিয়ার অশ্ব হইডে পভিত হইয়া অভি-শয় কাবাড প্রাপ্ত হইয়াছেন।

এইরপ জনজ্ঞতি বাঙ্গাল পুলিষ ইনশ্পেইর কেনরলের সংখ্যা কমান হইবে। অমাধনক কর্মিচারী রাধিয়া খায় রুছি কর। কোনজ্ঞান উ.চত হয় না।

गर्नरमणे जाका श्रांत करिया विद्याहित, तोककर्षवितिता यथन काल वास्त नाहरतन, डाँहाविशाद निकटि तास्तात रहेक, जात भारतत रहेक, काल श्रकात माञ्चल श्रांतिक रहेक एट-क्यार विट्य रहेक। भारत दीहाता किन्दिक ने निम करिया छाहा जातात करिया । क्यार श्रीत कर्मवितिता यथन महकाति कारण वाहरून, जाहाता माञ्चल ना विद्या वाहरूक भारत्य।

নিম্ন লিখিড মূলেং গ্ৰহ্ণেউর কাগজ বিক্রীড হইডেছেঃ---

৪ টাকাঁ সিহা ৮৬॥০--৮৬॥১/০ ৪ '' কোং ৮৬৯--৮৭

\$ " " 3.040-7-84

६ " প্রবিক্তরার্ক ১০২৯/--১০২। ধাংশ কোর ১০৯১/--১০১১

(416 7.2%-7.21%

# ইউরোপীর সমাচার।

লগুৰ ২১ এ নৰেবং—ফিজরালড সাহেব বোষাইয়ের শাসনকর্তুপনে প্রতিষ্ঠিত হইয়া- ছেন। মাঞ্চের ক্ষিত্র (মহাসভার সংকার)
সংক্রান্ত এক মহাভোজ হইরা নিয়াছে। হলাবীর মহাসভার অধিবেশন হইয়াছে। স্থাট
সভাদিগকে প্রদেশ সকলেব পরস্পর সম্ভ বিব
করিবাব অক্রোধ করিয়াছেন। ইহা স্থিত
হইলে স্থাট গুবন্ধর মন্ত্রী নিয়োজিত করিবেন,
অসীকার করিয়াছেন।

জনস্বের সভিত কণ্ডগ্রেস সভার বিবাদ ভঞ্জন কবিবার চেষ্টা ছইতেছে।

লগুন ২২ এ মতেছং—মন্ত্রিগণ প্রায়র্শ করি-বার ক্ষমা প্রায়ই সভা করিতেছেন।

स्था २० अ महत्व — स्थान वाने विशेष पिरित, अञ्चल महातमा करा हहेगाट - माह्र-भिनियान सिहित्का एएन कंप्रदेश 'एवं हहे-माहरू।

সভাৰ ২৪ এ সৰেছর—১ সা ফেট্য'ন কর্মা শীস মহাসভাৰ অধিবেশন হটাব। মিদানে মত সভার অধিবেশন আৰত হট্যাটো টুক্স গ্রা নেউ আভিসাধারণ প্রতিনিটি শাস্ম শৌ

কর্ণের জন্ধ, অন্ত সিসাপুরের শাসনকর্ণা ক্রয়াছেন। রুবাই ওয়েষ্ট নেটাপের শাসনকর্ত ক্রয়াছেন। নিমাবিকে ফেনিয়ানগণ ১৩ ৭ই-মাছে। কর্ণে ভাল্ডিগের অন্ত পাও্যা বিষ্ণাছে।

লপ্তন ১% এ নবেছর—ই পণ্ড ও কুল উন্তর বাজ্যের অপরাধিগণকৈ প্রশ্পরের হঙ্গে সম্পূর্ণ করিব'র সন্ধি আগামী গেপ্টেবর প্রথাত অপরিবর্ভিত রাখিবাদ জনং কাল রভি করা মধ্যেছে।

काशियारक मन्त्र्रक्रण खेलहरूद माहि इव बाहे। कात्रक युक्त इहेग्राइ । हेग्रेलीन विन्तर बिर्यारगढ़ सन्त्र शका लाल्यद महिल महि कवि वन असल मक्षायमा कहा इहेग्राइ :

লগুন ২৭ এ ন্থেছ?—কেশালড থ্লান, ডাবোরকার ছুড আডামস সাক্ষেব ইকুডাই আলাবামার হাবা কুড কৌর'ছে।র ক্তিপুরনেশ এ ভাব পুনর্মার উলাপন ক্রিয়াছেন।

গ্রথনেক ট্রেস ইউনিয়ান সংশ্রণায়কে। প্রিরোজ পার্গতে বিফাস (মহাসভার সংকার)। সংশ্রাক সভা কবিবার অনুমতি দিয়াছেন।

# প্রেরিত। মান্যবর জীযুক্ত সোমগ্রকাশ সম্পাদক মহালয় সমীপেয়।

ংলে ভোগী হইবার জন্য লোকে ব্যক্ত বগন

করিয়া থাকে। ঐ বীজ বথাকালে অভুনিত হয়। ক্ৰমে ক্ৰমে ঐ অভুব বৃদ্ধি হট্গ্ৰা ছই ভাগে বিভক্ত रम् । त्य श्राम स्रेटिंड रूक अरे जान यह शास र्ग काशास्त्रक क्रम सम्भ अवर के मुद्दे कागरक काश बरम । के काश बन्न है ब्राइक अधान वीह यत्रभ : छेरा स्टेएडरे कानक्रम भाषा श्रमाथा প্লবাদি নিৰ্গত হইয়া উহাকে শোভিত করিতে बाक्त। कानाञ्चनारव छेहा मञ्जविष्ठ इहेगा हित স্ঞীয়মান আশা সকল করিবান মানসে কলে ৭ পানন করে। সর্কদেশীয় মানবগণেরই ভাব ছটা প্রধানতাগে বিভক্ত হইবাছে, যথা---সা-হিত্য ও বিজ্ঞান। ইহা হইতেই আবাৰ কাৰ্য कनकात, ইতিহাস, फूलीन, चलान, नमर्थ छ মন-সংক্র প্রকৃতিনানাকল প্রতেকে বাহির হইয়া এই ছই প্রধান কাওকে স্তলোভিড করিয়াকে: কি প্রাচীনকালের ভূপ্রসিদ্ধ দেশ সমূহের ভাষা কি ইলানীন্তন বিধাত ইউবোপাদি সহাদেশা-কৰ্গত লাভিদিগেৰ ভাষা, আমবা ইছাৰ যে দিকে অনুসন্ধান করি, সেই দিংকই দেখিতে পাইযে সাহিত্য ও বিজ্ঞান উভয়ই শাখা প্ৰশাখা, ও পল্লৰ, পুষ্পাদিতে চিব স্থানাডিড **চইরা আসিতেচে। কোনবালে কোন সুপ্র**-সিদ্ধ লেশের ভাষা কুক্তের কে কাপ্ত শাক্ত প্রায় একপরকাণ্ড যে অন্তিশয় শোভাহিত হট-লাছিল, ভাষা প্রাচীন ইতিহাসে দেখিতে প্:ওলুযায় না। এখনও দেখা যাইভেচে বে হুটীকাও সুনোধিক ভাবেশেভিভেছে। বেসমস্ত নেশেৰ ভাষা এডজপ শাভিড আহে, ভাহারা সভা জ্বেণীর মধ্যে পরিগণিত। সেই সেই স্থানে অবিবাসিগণের মন:কোত্র অসুক্ষণ জ্বানালোকে পূৰ্বাকে। আমাহিষের বঙ্গুল্ম কি সভ:ভ্ৰেণী-মনেং প্ৰিগ্ৰিত মাত্ৰ ?

চণালয়। আমানিগের দেশ ইংলগুও

তথানি প্রস্কৃতি নেশের ন্যায় লাল্যন্য, তানপেলা

তানক ন্যায় ইউরে, সুত্রার ভারানিগের ভাষান

ইফলাভ ক্ষের নার ক্রামণ অল্যানেললাভ

ইফলাভ ক্ষের নার ক্রামণ অল্যানেললাভ

ইফলালা কিছে পারি না কিল ভজ্জনা

রেফলপ্রতি বিগরে এবেবারে নিরাণ হইটি

এমনও কিছু না। অবলাই আশার অর্জেক ফলও

পাইর, কিছু সম্পাদক মহালায়। অভিপ্রেড ফল

ত কিছুই পাইভেছি না। আমানিগের ভাষান

ইজের সাহিভাবোও খনন দিন নানা ফলে

ইলের সাহিভাবোও খনন দিন নানা ফলে

ইলের সাহিভাবোও খনন দিন নানা ফলে

ইলের সাহিভাবোও খনন দিন কিল নানা ফলে

ইলের সাহিভাবোও খনন দিন কিল ক্রামনা

ভাষা রুক্রের এক কাও ইলোভিড ও অন্যা

কাও ভুক্ত কবিয়া ভজ্জাত ফলের অন্যা ভিত্র

ভাতির ভাবা বুক্রের নিকট গমন কবিব ই আমা

मिरमञ्ज भरक कि अभि भामिकत नरह ? क्यांत्र স্ক্রানী হওয়া কি গৌরবের বিষয় ? যদিও কো ভাৰান্তৰ্গত বিজ্ঞান স্বৰ্গাল পরিৰোভিত, হ নাই, তথাচ জামাদিনের অপেকা কোটি ৩ উত্তম। আমাধিগের যে মুলে কিছুই নাই। জা वान्यकारम विकास मदरब स्व किंद्र किंद्र विकास পঞ্জিরাহিলাম, অন্যাশিও বে ভাহাই মে বিভেটি সাহিতঃ বিষয়ক যেমন নিশ্য দুখন পুস্তক রচি **হইডেচে বিজ্ঞান সহলে কেন সেরুপ ম**ংক এ বিষয়ে আমাদিগের দেশীর সভ্য মহোদপ্রনি গের কি কিছুমাত্র প্রবৃত্তি নাই ? ইছার ফল বি সাহিত্যের ম্যাব রসপূর্ণ নহে ? ইহা' কি ভৃঞ্জিয अवर च्यांच्य इर्पश्रम न(इ.? क्यांग्न ৮। ৯ वरन অভিবাহিত হইল, সুনীধাএগণ্য 🔊 বুক্ত ব বাজেজ্ঞলাল মিত্ত মহাশয় প্রণীত যে প্রাকু ভূগোল পড়িয়াছিলাম, ডাহার পর ডংসহা আর কিছুই দেখিতে পাই নাই। কালসহকা। যখন ঐ সহজে কিছু অধিক ভানিবার প্রবৃতি প্ৰস্থিল, ভখন দেশীয় ভাষার নিক্ট আন ধন করিলাম, কিন্ত আর কিছুই পাইলাম না আমরা একে পরাণীনতা চিম্নকাল ভাল বাসি থাসিডেছি, কাজে কাজে পরেব প্রত্যাণী হা **ट्रिका**भमान्त्रिक दङ्ग द्वी विद्युष्टमः कहि এই ভাবিয়া ইংবাজী ভাবার নিকট গেলা ভাহাব নিকট আনি যে কিপ্ৰণস্ত পরিছে লাভ করিরাছি, ভাহা বলিজে পারি না। । प এব সম্পাদক মহাশয় ! বিবেচনা কয়িয়া সে দেখি অংমানিগের ভাষার জন্য **আম**র। ও कि व पृष्टिक बिराज भावि ? अरमनीय (१ मः वाष्ट्रि इत्वाकी कावा निका मा कविद्वम, पै (भव भ**्यः विकान कि अध्यान यह**ण शकि:व কাহাদেব এবিষয় আনিতে কি প্রবৃত্তি ক্ষমে ন श्रद्धार्थ विषय स्वत्य व्यामाधिरशत सम्बीय का मृत्य, अञ्चलकाती शीत हुकामनि और अ वानु क কুমার দত্ত মহাশয় বে বে বিবয় লি.পিবছ খ্লাছেন, উহা হারা কি বিজ্ঞান কাও হাৰী। इहेब्राह्न, आंद्र अधिक कि आदिन,क करत সাধারণ্যে সকলেই কি সেই করেকথান এছ ব আলোচন। করিয়া বিজ্ঞানপারদর্শী হইবে বটতলার ছাপাধানা এক মুহ্ 🖷 ও ছিব 🤏 ন। কড লক লক মূর্তিমান প্রায়কর্থ श्राष्ट्रिकरण **अन्न भिरक्ररह** । किञ्च रहः जनन প্রস্তাত হইতে না হইতেই জন্মণ্য হইয়া ভেছে। আবার অক্ষণ্যশৃষ্ট্ বা কিপ্রকারে ব পারে, ' ইফার্ড মানের বন্ধীর বাট, ৯ মা

किविट हरे ?। ६ अधिनम हरेगा लागा उ

বিমি প্ৰথমে হস্তাপৰি কৰিয়াছেন, বিনি উহায় ভাষা শিহোকোগানুগত চইয়া নামা ক**ট**াভাগ ক্ৰিয়াট্ছৰ, এব<sup>্</sup> আৰু ভাল ইংহালা খ্ৰাকু কলেবর হইয়া ভাষিষ্য অঞ্চাণ চিন্তঃ কবিয়া ঘা**হা যাহা কিছু দীয় পণি≍'ম**জনি'ও *ঘল*পরপ कुष्ट ब्रह्श अक्षांत विश्विचारहन, जाहातिरशत লাশাকলবভীও পৰিজ্ঞ সাৰ্থক ছডয়া দুৱে (कुक, बरक्ष अक शक काल এक अकने विद्याप রাগাক্রাক্ত হ্ইয়াছেন ৷ সামাণিগের ণেশের দেশাসন্ত্ৰকারী মছেদেশগন এ বিষয়ে হস্তঃপাশ - ব্রিয়াকেন ভাষার দৌরৰ *সুদ্ধি না বায়েন* -শক্ষা সমাজের অধ্যক্ষণ কেন এই বিষয়ে মধিকতর বন্ধ না দেখান ? উচ্চাদিগোর হজে ৰ**জ্ঞান সংক্ৰান্ত যে কোন পুশুক প**ডিভ হয় াহ। কেন পথিতদিগেব শিকার জনঃ নংমাল দে প্ৰেশ ৰা করান্থ বিজ্ঞানঘটিত কোন ভন পুত্তক অবলোকন কবিলে তাঁণাবা বলিয়া **াকেন যে '' ইহ**া বালকেব উপযক্ত হইবে না **চন না এই সমস্ত কুজন বঠিত শ**ক্ষি ( নাই **াজন, সলকেট, ফো**মংস, দিচেদিক: বিলী) । ছ'রা বুরিতে পারিবে না। ইছা ধ্থার্থ কটে। **স্ভ ভাষাজ্পভিতগণের ই**হার *পরু*ভার্য **साहेब्रा स्व**द्या कटिन। खटन कि.क. (न्टम ভোৰ**শায় শিকা** কৰা আনব≖্ক কৰে না≥ াকরণের কোন ভাতে লেখা আছে, ক্রিভূ স্বৰ্গত কোনসমন্তি চই সমকোণ হয়? ' চা টি বালকের। কিন্তপে ইউন্নীদকে জিহ্নাগ্রে র**ভেছে ? ইং**। ভানিতে কি বুদ্ধি প্রয়োজন র না ? ভবে ফোমবদের নাম শুনিলে কেন হাদিশের বাক সোধ *হ*ইবে ? উটোদিগেবই বা i য কি ৪ দেশীয় প্ৰিদৰ্শক মহাশ্যেষ্ট এবি 🖠 **বে জন্য সম্পূৰ্ণ দায়ী। অত**এব *ই*াহারাই বা ন এবিষয়ে উৎসাহ না দেন ? প্রায় এক সপ্তাহ ৰ, আন্মি " শ্বীবডজ্ব সাব ৯ নামে এক **ধা**ন পাইরাছি। ইহা চারি বংসব মুক্তিত হইরাছে, ছ আৰু কেইই ইয়াক ভলুবাখেন না। ইয়ার লে বেকায় 🕮 গ্ডৰ এচ. উচ্চো মহোলয় ৫০ **পুস্তক ভ্রু**য় কবেন, কিন্তু ভ্রুবনি একবাৰও রি নামোচ্চারণ কালে নাই এবং যদিও উহা <del>থ্যে উপেক্ষিত</del> ভাবে বহিয়াছে, কিন্তু ার আমে কথমট কর্প ছইকার নছে: কোন না নকালে প্ৰে'কে উহ্ন উৎসাহপূৰ্কক ক্ৰয় ক– ৷ পাঠ কা, বে : কিন্তু সহাসয়া আংমি পুনঃ জিজাস্থ : ২:ডিছ বে সাহিত্যের ম্যায় আমা

**ई। ३ चारुट**क मल गुरुथ मिन्ना वित्रा व्याहरून।

কিছে আংকেলেণ্য বিষয় এই যে বিজ্ঞান বিষয়ে

भेना है भिक्ति किन कर विवास रहार्शन मा निका कथा वित्वव व्यवस्थ अरे पूर **क**्षक २ राजक क्षाह्य **एक क्षान्य अस्त्र** कर्ण्य ४६ <sup>१</sup> १८३२ मध्यामः **मामानः अष् कर्**व (अला ५८) का रुप्त है **अका नमांक दान है शह** তন কে দুব উপসাধ্না দেন**ু আনি দেখিতে** পাৰ্ক পাৰ্ক ভেৰীয় **লোকেৰ ইয়াতে ধেন স্বস্তা** বসিদ্ধ মু≏া এ\*ছে। গত শনিবাবে প্রেসিয়েলি ₹₹~

''কেট কফ দি আহাৰ্থ এই বিষয়ে একটী <sup>†</sup> .লকচব দেন। প্রোভার সংখ্যা অনিক ২ইবে এই ভাবিয়া। নার্দ্ধির সময়ের আয়ু এক ঘটা পূৰ্ব্দে তথায় উপস্থিত **হইলাম। যথাবালে ছেৰি** লাম যে ৰাজালিও সাঙ্েৰে ২॰ । ২১ টী জৌভ: উপাস্থা। উপদেশক ক্রেমে ক্রমে যত ভূতত্ত্ সংখ্যে বলিডে আবস্ত করিলেন, জ্যোতৃহর্গঞ **চই একটা** কৰিয়া চালিয়া ঘাইতে লাগিল, ব্ৰশেষে অভ্যৱসংখ্যক খাকিল। কিন্তু যদি খন্য কোন বিষয়ায় লেক চর হইত, ভাহা হইলে বোদ হয় স্থান পাওয়া ছক্ষে হইড। লোকের অভাৰত: এবিষয়ে মূৰা কেন? বিজ্ঞান হাবা কি একডিয়েখ লাভ করা বায় না 🌶

कलिका 'इ। কঃথিডুলে মিসন,কালেজ।

# মান্যবর 🟝 যুক্ত গোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় নমীপেয়ু।

পুর্নে সংবাদপত্তের সম্পাদকেরা বেকাপল-কলিত অভুড সহাদ সমূহে কিছা কোন আছ: শোকের বিবাহ বা আছে বর্ণনার নতুৰা কোম লোকের দেববং বন্ধনা হারা বা কাহাব অনুচিত विन्तावारम अवर स्ट्नाअव विकास अन वर्गनाप्र পত্রিকাব কলেবর পূর্ব ও পাঠকব্যুহের মনগুরীর চেষ্টা পাইতেন। এখন আৰু সে কাল নাই, বিল্যাৰ্জন দাবা ও সভা লোকের সহবাসে বাদা লির বৃদ্ধি বেরপ মার্ভিড হইডেছে, পুর্মের ক্চিও সেই সঙ্গে সঙ্গে ডিরোহিড হইডেছে, **उर्द प्रे अक बान ग™ामक (मरकरन ''कान्नम)** গুলি উঠাইয়া দিজে পাৰিজেছেন না। জাঁহাদি-त्तित ववरक्षम अधिक बलिया (तक्षित सारवन मर्गा গণ্য করিলাম না, সে সকল বুদ্ধের প্রলাপবাক্য। গ্ৰগ্ৰেণ্ট জন্মবাদকের হাতা এডমেশীর সহাদ পত্রের মর্মান্ত্রাদ অবগত হইয়া খাকেন, এজন্য काकि कांनि श्रवामा प्रशामश्रद्ध श्राप्त प्रशामक ও প্রেরিডপত্র লেখকগণ সাধ্যমত সকল বিষ-शिव (५८० क. ८५व .≈म अप्रिक्ति नाहे ? अध्य (द्वार श्राहरू वर्गना श्राहात करतन, आस्थित अहे√, क्षसावनै निष्नाम ।

প্ৰায় १।৮ মাস গভ হইল, জীবুক্ত বাবু দীনবন্ধু শান্যাল মুদেবের ডেপুটা মাজিটেট ও রেজিষ্টার কর্মে নিয়োজিত হইয়া অবধি জাপন কশ্ম অভি ফুচারুরূপে নির্বাহ করিভেছেন। ইতিপুৰ্বো ইনি মুরসিদাবাদের অঞ্জ আদালভের অপ্রাদকের বর্ম করিভেন। জীবুধ্য রগন, বক্ষন, বার্চ, মেলোনি এড়াড বিচারপতিগণ ইহার কমদক্ষতায় বিশেষ সজোৰ লাভ করিয়া ছিলেন ও ভাঁহাদিলের এশংসাপঞ্জ মৃত্ খালাল भवर्गस्य केत विकड़ कार्यक्य क्लोस्ट्र म्हर्स अरे डेक भगाजियिक श्रयन । हेनि हेश्वाकी কাৰায় সুপঞ্জিও জাতি সংখ্যাবাহিত। এতাদৃশ ফুপাৰণ ব্যক্তিকে রাজকর্মে নিযুক্ত ক্রিলেই উচ্চপদের যথার্থ সৌরব থাকে ও ন্যায় সঙ্গত বিচাৰ হইবার বিল্ফণ সঞ্চাৰনা ৷ এখান कार करप्रकथन " 🖏 हिस्कारी " छैं।हानिरशङ्ग মনের মত বিচাব ইহাব মিক্য হয় না বলিয়া बस्हे। यत्क, बदुवा अवश्वातः এ वातकात जनन লোকের স্থীপেই ইনি এক জন কথাপ প্রশংসাব পাত্র। উত্তরোভ্য ইচাব পদ রুদ্ধ হ'উক, আমর! काष्ट्रमरनावारकः क्रेश्चेत्र मधीरल अहे श्रावना করে।

মুক্ষের এবাদিরোজনক্ত :

🏏 माहेरकत महस्त्रकत वर्षः मधुनम मधुमारन (माहन जीनदी। বান্ধান নিকুঞ্বনে রাধাকান্ত হবি । শুনি গোণ গোণীগণ আমন্দে বিহাল। চকিত স্থপিত নেত্রে হেবে বনস্থল। তেমতি বংশীর ন দে জীমধুস্থদন। থেয়ানকে ভাসাইলা গৌড়জন মন ॥ रोताल्या, अलाल्या, फिर्माख्या गुरु । ভাননয় সঙ্গীভের ধনি শুনি স্থাধ। পুন মেঘনাদ মুখে রণ ভেরি শুনি। नक्ष्पिक बीद्र दिया काशिक क्षमणि ॥ নবৰস প্রপুরিত ভোষার সঞ্চীত : ं काब्रश्यित वाकाणिय गार्ट् करण और 🖟 कार्याङ्ग काननमिरक शूम कर्न थाप्र। শুনিতে মুডৰ খন ডোমাব গাখায় 🖟 餐

🏒 হণাণছুওলা। क पूर्वि बार्शिमीत्यस्य विषय नग्रसः। ত্ৰা **ৰ্ক্ট্ৰা কৰানীয়ে ভাবিভেছ** মনে ॥

যুক্তী হইয়া কর তের্থী সাংন। সংসারেতে প্রীতি নাই সদা কর মন ॥ পঞ্জনবদ্দী বামা মুক্ত ৮ ককেব। পর্মভদ্বিতা বেন ভাবেন মহেল। धन्य नगांद्रास्य गत्न क्षेत्र । পেরেছ ধ্রম হলে স্থেপ অভিনয়। পরে দ্বিজ্ঞ আপালিক বিজনকাননে ৷ পালিল ভোষয়ে সভী অভি সমূহনে॥ কপালকগুলা ডুমি চিমে, এখন : ভূলিৰে নাভৰ নাম হ'ড ০েঃ 🕝 🕫 **অকি যুগে অঞাবিদ্য প**ড়েম্ন মন **ন্দ্ৰ বুলে তোমাৰ খেল** পুণ নচগ্ৰ । 1:77সপুর :

্মান্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশ্য স্মীপেয়ু।

--;•;-

🏏 আছি কাল সংক্তাভ্র কাজমাত্রেই | সংস্কৃত বীতে জনা অংকল বজ ভাষায় প্রচলিত কারবার জন্য সম্থিক উৎসূব্য প্রক'ণ করিতে- | ছেন, কিন্তু এইর শ সকল সৰয়ে সংকৃত বীতিব অপুসরণ কঃবড়ে সেলে যে কালে বসভাধান. বাহলানা সংস্কৃত এক বিচাড় ১ইবা পাছবে ত্তব্যতি কিঞ্মিত্র জক্ষেপ কাব্ডেনে না অন্য আমরা বছভাবার সমাস সংক্ষি ক্তিপ্র রীতির বিষয় উলেশ ক বিষা আমাদেণের মত প্রকাশ কারতেছি, ধ্রুনার পুনাক এড,ধ্বংগ্ল অপুনার মতামত বিজ্ঞারিতক্ষণে নত্*ণ* কবিংশ বাবিত কারবেন।

ৰকভাষা এখনও স্কা> সুক্ৰ ১ৰ নাই. প্রতিনিয়তই নান। ভাষা ১৯,৪ এখন এখন শৰাৰলী সংখোলিত হুইয়' হহ ব পুৰিচ বন্ধন **२६८७८६ ऋख**क्षार **८**४०० भर ७५ म**५८७**१-ভাৰে কোন স্থিব বীভিয় উপৰ নিচৰ বৰা বাইটে পাবে নঃ > কিন্তু আৰু বন্তৰ প্ৰাই বে ব্ৰুভাষায় একেবাৰে বাতে নাই এফন বা াৰাৰ **व्यक्ति । वर्ष्टे** (५ - १५ ०<sup>५</sup>५३) यात्र

अधाद मृत्र रे । उ. . কুপ্ৰাৰ<sub>ি</sub>ড, ু ক্রমে বিশুদ্ধ হইয়াছে, স্থান্তব:- সমুসায় ভাষ ভেই এই মূল রীভির স্মাসংগ বরা বিভিন্ন বস ভাৰার পুর্বাতন ও আধুনিক ক্রকার এ কি-ক্ষিৎ প্ৰজেদ দেখা বাইতেজে স্ক্ৰাব তাই ভালান মূল কারণ বলিয়া স্পষ্ট নিঞ্নে কলা যাইতে পাৰে এবং সমুদায় প্ৰাচীন ভাষাত এই বীতাস্কু-নারে পবিশোধিত হইয়াছে।

সংক্তভাষা বলভাষার জননী, ক্ষরাং । সকলে সংক্ত বাভির অসুসরণ করিতে গিয়া অধিকাংশ হলে সংস্কৃত রীতিব **অনুস**ৰণ কৰা শ'ইনে আক্ষানহৈ, কিন্তু ভাছা বলিৱা যে সকল স্থলেই সংক্ষৃতের দামাবরা হইয়া চলিতে চই'ব ণান নয়। বস্তুতঃ ধেকুলে সংস্কৃত ধীতি অবিস্থাদিত ঃপে বস্ভাষায় বিনস্তে চইতে পাৰে কৰন মাত্ৰ পেই,ভ নেই সংস্কুত বীডিং অনুগৰণ কৰা উচিত, অনংক্ৰ ৰঙ ভাষাৰ ব্লীডংসু স'বে চলটে সর্গতোভাবে কর্ত্তর। এ স্থলে অনেতে এরপ ডিজ্ঞাদা করিতে পাবেন, বহুতা ষার সীতি কেন কজভাষা সর্বাভোভাবে সংস্কৃ াষৰ অন্তৰ্যৰ কৰিছেছে, স্কুতরাং ভাষাতে ভৰি ভাৰী ভিথাক' কৰাচ সম্মৰিত নয়। তছত্তে । थान्यः न जिलाग्र प्र≵ास मक्कनन कतिरख हे. किश्चिक कल्लादम करिया (पश्चितको सक्र अवस्य সংস্কৃতভূলক বিভিন্ন বিভাষানত পাই প্রভীয় হান হইতে প'িয়ে ,

সংখ্যিতাৰ স্থানপ সমাল এটাল প্ৰনিত अ'र्ड. रङ्कासार उरु १ पूर्व रे १**५ करता भूगार** दर्भ उर्रावालीय अञ्चलका तरा स**ेहरू शाह**र. কিয়কভিপয় স্থলে সংস্ত স প্রথাবে সমীস क इंदिन अस्टा अक स्किन् के देश हैं। अल्ड अर নেই নৰ লাভৰে সংস্তে <sup>গু</sup>িৰ অ*লু*সৰা ন! করিয়া বিশুদ্ধ বঙ্গণাধার শীতান্ত্রসংখে চপাই ভাল বোধ হইতেচে ৷ ১১ জ্বত ই'ব এসালে কুঞালিভ, দুপ্শ ডিড, পিতৃসম, গ্রুম ১ ৯: কন পোন ইডাপিক ডিপয় ফুপের ৮৭ লাখিত। কুপরপ্রিভঃ, পিক্রা স্থা, পুরুয়ে কিংশ ক্রায় 🙃 লালং ইতাদি বাণগ্ৰাণ্ড ড প্ৰাৰ্থিমান হইষা থাকে কিল সমতাবাম অনিবাস তথা-ভের অনুসরণ করিতে ইউলে বাধাকে আ-শ্বিচ, কুপকে পতিছ, বিতাৰ লাগ সম পুৰাকে ছিড, এৰণ ক্ৰণৰ দান ইত্যনি স্মাস 🗥 ব্যাস ও ভালস্ত্রপারে সমার চইটা খারে কি " ামানুভাৰভিজন বাজিন মাজেবট পূর্ণিও এপ ্া ৭ স্থাৰ সহজে কৰ'লচ হয়না এক চনা করিয়া দোধানে অনেকণ্ডল বি 😁 🐃 , বন্ধতালা । বীভিত্ত ভনিত্র পথা স্থানন কৰি - 🖫 ভোৱ। অভএৰ পূৰ্বোক্ত স্বলানিকে সংস্কৃত ধীতির অনুযোগে গুর্মোন্তরণ জ্ঞতিক) ও (১) গ্রেপ্সেরক ১- ই স্থানারণের স নাধ ভাষাই এন বিভালুগাৰে পৰিবৰ্তিত কইয়া । গুলেন্ধ সমাস বাকানা করিয়া ক্ষতাধাৰ বীতা । প্রকালে দেখিবেন, পূসাঞ্চলায় ভি ধা প্র পুদাৰে কুঞেৰ আঞ্জিত কুপে গুড়িত। পিডাৰ, যে প্ৰস্তাৰ লিখিড হয় ত গঢ়। সামধ্য । বং সম, পুরের হিত এবং কনগেকে দান এইক্স <sup>†</sup> পনীর;প্রতিধান কবিদঃ "পট এলজ অভিগ ব্যাসবাক্য ও ভদুম্বান্টী সমাস ব্রাই বিছিত বৈজ্ঞ কবিয়াছি, সংস্কৃতের এবাস মন্ত্র বোধ হইতেছে। বিশেষতঃ ভাষাতে উহাব ভূবি করিছে, গেলে বাজগ্ঞা বাবেন টিন ভূবি দৃষ্টান্ত প্রাপ্ত হওয়া যায়, কথা কজিবার সময় বিকৃত হইরঃ উঠিবে 🗀 🤏 🧸 🦻 সকলেই "ইনি আমার আলিত ৯ ইত্যানি মূল বঢ়ে, কিন্তু উভয়েন । । প্রদোগ করিয়া থাকেন, অভএব প্রমোক্ত স্থল বিলক্ষণ্য সাহে। স

े ছর্কোধ ব্যাসবাক্য ও বীতি বিপরীত কাজ কর। অপেকা সুগম ও কী,তহাদ নমাস ও ব্যাস্থাক কবাই ভাল বোৰ হইডেছে ; বস্ততঃ সর্বস্থো-ভ'বে সংখ্ডের ভলুনরণ না কহিলা প্রয়োগ ও ম্ভাৰ,ভাসুদাৰে চলাই উচিত, মচেৎ সংস্কৃত বীতিৰ অন্তৰ্মৰৰ কাশত বাইয়া ৰছভাষার প্রান্ধ করা কোন মতেই বঞ্চনে . স্কুর্যাদনীয় ংইবে না⊤ একবে বেরপ সংখুভাভি**কে**রা সক্ষাভাৱে সংস্কৃত বী সংস্কৃত সম করিছে উন্ত, সেইর সম্পান্য ভাবিতেও সেই গেই ভাশ হইতে বলভাষাৰ মৃতন মূতন রীতি আবিকার কবিতে পাবেন। কিন্তু তাহা হইলে বে বঙ্গভাষার কিবল ছর্দশা সংঘটিত হইবে ভাহা সকলেই বুলিতে পাৰেন, বস্তুতঃ সংস্কৃ-ভাতিমানী দিল বস্তাধাৰ মসলবামুক অনং কেচই বস্থাবান সংস্কৃত বীতিৰ সৰ্বান্ধৰ আধি-পত্য শীৰণর কবিতে সমত হইতে পংরিবেন না। অভএব ভাষাওাৰে রীভিব অসুসৰণ ন কৰিয়। বিশুদ্ধ বঙ্গান্ত বাব বীতির অনুবর্তন করা আমাদিলেৰ মতে চাকুও উটিত বলিয়া ৰোগ + हे) 💞 हेंब

অন্নেশ এই পদ্ভ লিখিয়াই ক স महिलाम, प्रांती हरण श्रारम्थान इंडेरल विक्रासानः ী¦৴৴৴৸ ভাৰও কৰেকট কথা **ভিজ**াগ

> 검뻐취류 1. 1 基 经保护基本 母でり本 বঙ্গ হাৰা প্ৰিয় ।

মান বৰ জীয়ুক্ত সোমপ্ৰকাশ স**া**দি

মহাশয় সমীপেয় :

:,বিনধ্নিব্যলসমলিং — ্ৰান্ত ২০ ও কাভিকেৰ সোমগুৰ ⊾ি∋ায়ে বিষয় পাঠ কৰিয়া যার প্ৰ

**বিক্তি হটল'**ম ( মুখন ভবালুপ কৰ্কিন এ'-**ংছে দৃষ্টিপ**ে ধইয়াছে, তথন বলাভিনয় গ্ৰন্থ **প্ৰে পদ'ৰ্গৰ কবিয়া কাফিক্ড ফল**সংটুৰ ষাদিগকে ক্ল'বাড় করিবে, ভাষাতে অধুম'ক ক্ষেত্ৰাই। মহাশৱ ইচাৰ যে যে *প্ৰ*ণালী শ্ৰ ৰ করিয়াজেন, সভাৰঙই ঋতি উৎক্লই, কিন্দ গদ কোন বিষয়ে আমি সম্যক প্রকাবে এক চাৰল্মী হইলে পাহিলাম না ' কাবৰ, জাপ নি আধুনিক ব্যেষ্ট্রপবিষয়ে নাই, বিভিন্ন ভাল-श्वय व्यवस्थान कविटक है श्रम्भ मिल्लाहन হা বর্তমান সমাজের অবস্থায় কিরুপে ব্যবহুড তে পায়ে ১ শকুত্বৰা পুৰাকাৰীৰ ভাপৰ হোর্য বস্কল পারধান কিখা ঋণু মুনি কৌপীন इन भूक्तक नमश्राद्व एरेडा तक्ष्युरम फेनाकिफ লে সভঃগণ কি খডাব সুখ অসুভব করিয়া **ইডুপ্ত হুইবেন** ? আনি বোধ করি ববং ডা ভে উহোদিগের মনে প্রামঃ ও ত্রীড়াকর ভাব ষ্ঠাড়ে পারে, মাডএৰ এস্থানে ৰশ্বাদিব কিঞ্ছিৎ विद्धन कविद्रा क्रद्रनाष्ट्रन क्यक्तित्र कार्यः यक्त সম্বত হইতে পারে এঞ্চপ বসন বিধান করিলে ষান করি কোন ধোৰ ঘটে না। (১) পরিশেষে বাল্লা নাটকের চলিক কাবা ক্ষ কেবল বির্ক্তি প্রকাশ না করিয়া বদি ার উপায় উভাবন কবিয়া দিতেন, ভাষা শ্বশাভিনয় আপনার নিবটে চিবৰাধিত **ঃ সে বাহা হউক, অ**শ্মদাদির সামান্য তে এ বিষয়ে কোন বিশেষ দোৰ লক্ষিত ভচ্ছে মা, কার্থ নাটকে বে ভাষা প্রয়োজিত **ভচ্চে, ভাহাই আ**ৰাদিগেৰ পঞাৰবিদ্ধ। ৰ সচধাচৰ দেৰিতে পাওয়া বাইতেচে বে লোকদিগের মধ্যে কি বিহান কি মুখ সক ঐ অভাৰসিদ্ধ ভাষা ব্যবহার করিয়া খাকে, ব্লাং ক্ষৰণ ইহাডেই মনেৰ ভাৰাদি সুৰ্ভে াতে প্রকৃতির প্রভা বিলম্পর দীবিসান হয়, ধ্বিত বিশুদ্ধ ভাষাতে নাটকাদি বচিত

গদিতে ভাষা দিকার উপধারিতা সৃষ্ট

১) খুনিকে বাজোচিত শারক্ষ পরিধান
বিভ্রমণ সন্দেহ নাই। দেখিয়া সভাগণের
মা হয়, এরপ মুনিকে বি মুনিকে পরাম
না ১ বজের ভনার পরিবর্জন বিধের,
র ক্ষিক উচ্ছ নহু। স

দ'খভাবেব দেৱাপ শোভা কখনই বন্ধা

৪ পারে মা, বেহেডু দে আমানিগের খঞার

ভাষা নয়। কুৰীতি সংখোধন করাই মাট--

র উদ্দেশ্য, ভাষাতে ভাষা বিশুদ্ধির ভরুসা

সম্ভাৰিত হইতে পারে না। তবে সংস্কৃত

হয় তাহা আশ্বন্ধ ব বিতি হইবে। বেহুড় গণস্কুতেন কথান ও লিখনে ভিন্নতা নাই। হল পদান ভিন্ন ভিন্ন ও নাই । হল পদান ভিন্ন ভিন্ন ও নাই । হল কাৰতে হয় বিভান কাৰতে হয় বিভান কাৰতে কাৰতে সভা ভাষা ব লিয়া শীকার করিছে হটবে। এই মালনিক ভাষার প্রশংসা সকল ভালেই দঠ হয়। কালন প্রস্তেহ ভাষার প্রশংসা সকল ভালার দিও হয়। কালন প্রস্তেহ ভাষার ও এই প্রচ লিয়ে ভাষার বিশেষ প্রস্তেহ নাই, কেবল চলিও ভাষার ভিজ্জির থলিতা করা হয়। ভবে বলি কাম ভতন পদ্ধতিব উভাবন করিয়া হন, ভাষা হটবে নাটক রচরিভানিধ্যের প্রতি শাসীন কুপা বিভ্রন করা হয়। ( ২ )

হাৰতা ক্ষ্যচিৎ। ২৫ এ নধেৰতঃ পঠিককঃ

## मृना व्यक्ति ।

क्षित्रक वाद महत्त्वनाथ वक्र यस कृ ১৮৬৬ ডিসেম্ব হইছে ৩৭ ভিসেম্ব 381 '' ' শশিভবণ বঞ্চ লাহোৰ ॰ " कामाचराव्यक मूर्वाणायाच्य त्रण्युव ४२१० कांस्कि ब्हेट्ड देव्ज কুকৈলাস বাজা সভাশেরণ ঘোষাল ১২৭০ জগ্ৰহায়ৰ হইতে ৭৪ কাৰ্ডিক গোরাড়ি " " इश्किक महिक ১২৭৬ অগ্ৰহায়ৰ হইতে ৭৪ বৈশাৰ মেদিনীপুর '' '' वोबर्टीय पर्स ১০৭০ জন্তায়ন ষ্টুডে ৭৪ কার্জিক

(२) जाता जाता आहा (वक्र-) कांचा वाव-হত হয়, নাটকে ভদ্মবহারে কোন দৌৰ দেখিতে পাওবা যায় না। দেশের কুরীভি সংশোধনের ন্যায় ভাগাদোৰদংশোধন নাটকের উদ্দেশ্য নর, এ কথা আমরা স্বীকার করি না। '' খাচিন, বিচিচ, নিচিচ ৯ এই সকল শব্দে আমহা **অভ্য**ন্ত ষ্ট্রাচি, সুভরংং সেওলি পরিভাজ ষ্ট্রে नाष्ट्रेक जान नर्गशहर ना. এই जानका अधि-(फर्राष्ट्र, विश्व क्याः श्रकाद्ध यति क्रकाश्व हरे फाहारे विष्टे नानिध्य। यम्बाबाहिय माधुरी छ গাভীব্যাদি না থাকিলে নাটক কথন উৎস্কৃত হয় ना, क्षि नाइक वृष्टि नामाना खावाब वृद्धि हुनू, রসভাবাদির মাধুর্য; গাভীর্য্যাদির কি সভাবনা शांतक ? जाभामिरशत अहेन्नण त्यांथ ज्यारक, र्गेशको क्रुटनथक फाँशको थाकि विकि निकि ভলি পরিজ্যাগ করিয়া উত্তৰ নাটক রচনা করিছে পারেন। স

" " একেজনারারণ রার ভাতৃক্রাছি ১৮৬৬ ডিবেশর হইতে ৩৭ মধেনর ১৩৮

--1+1--

## নোমপ্রকাপসংক্রান্ত করেক্টা বিশেষ নিয়ম।

জ্ঞান মূল্য ও ডাক মাস্কুল না পাইলে হুক-বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

हेशत अक्षिम मुना वार्षिक ३० वदर वाना-निक ४॥० है। मनपत्न फाक्साझन महम्क वार्षिक ३७, वानानिक १ कदर देखमानिक ७५०, फिन मार्गित एएटन अक्षिम मुना नश्चा वात्र मा। हस्ति, बताफ हिटि, मनिक्क ब्र, साहि, छ है। ला किकें, हेशव अन, फत्र वाशास्त्र वाशांत्र स्वित्र नत्र, फिनि मिटे फेलाइ बात्रा ब्रुगा स्थान कर्नि रवन।

বাঁহারা স্থান্সটিকিট পাঠাইখেন, খা-হার। বেন এক অথবা আধ আনার অধিক মূল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

ৰখন বিনি মকৰণ হইতে সোমপ্ৰকাশেৰ মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা বেন বেজিপ্তরি করিয়া জীয়ক যারকানাৰ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠাইয়া দেন।

वाहामिश्रत मृग्य मिनात नमत अञीख हरेश आजित, अक मान भूटर्स डाहामिश्रत किंडि निचित्रा जानान नाहेरन, कान अञीख हरेश श्रास्त्र अकरात किंडि स्नथा हरेरन, खाहात पन अक मानकान श्राञ्जीका कतिश्व। कामक दश्व कत्रा नाहेरत। स्नव वास्त्रत पत्र स्वतातिक शांकीत हरेरत।

যাতলা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেসবের ডাক বরে চিঠি আইলে আমরা শীক্ত পাইব।

বাঁহারা মাজুল না দিয়া শঞাদি প্রেরণ কৰি বেন, ভাঁহাদিগেব সেই শঞাদি প্রহণ কর। বাইবে নাঃ

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইক্ষ্য করিলে তাঁহাকে প্রথম জিনবার প্রতিপংক্তি । আনা তাহাব পর /১ - আনা দিতে হইবে। বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষ্য করিবেন তাহার সহিত শতন্ত বন্দোবস্ত হইবে।

ক্ষেত্রই শত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্দ্ধ সাওলঃ রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেশনের দক্ষিণ চালড়ি-পোভার জীবুঞ্চ বারকানাথ বিদ্যাভূবণেব বাসতে প্রতি সোমবার প্রাতঃকালে প্রকাশিত বর ।

# (माश्का

# " प्रवर्त्ततां प्रकृतिविताय यार्थिवः सरस्ति अतिमक्ती न कीवतां।"

ब्राधिकः हुमा ३ डीका, व्यक्ति वार्षिक ३० ) मन ১২৭৩। ७ इ१ व्यक्ति । ১৮७७। ১৭ ডिग्निइड केका प्रश्लित यांशाजिक दश काका।

বৰ্ষতে সামুগদ্ধেত অঞ্জিন মার্থিক होका बालाजिक १० क रेड्रबानिक

## বিজ্ঞাপন।

रेके रेजिया जिम्बद्धाः।

बिर्म्भ अमरशम्ब मिरशत क्रिकेष्ट नकन

हारका स्ट्रेस्ट शहर

#### स्ट्रेटन ।

সর্ক্ত সাধারণের সম্বোবার্গ একবারা প্রকাশ क्या बाहरज्ञाह (व. वाहाबा वाक्रीब ब्राट्व (वन পথে বিশেষয়ণে ভ্ৰমণ করিবার অভিলাব করেন, (शृदर्भ विकाशन एक्ष्या स्रेडार्ट् ) खाशनिचरक আগাদী ১৮৩৭ খু টাজের ক্ষেত্রারি বাদেব (भव भवं, ख मानिक हिकिंछ शवका बेरहेमन वरेएक क्षत्रक व्हेट्ट । त्यहे क्रिकेटिवाहियन प्यानमा লিগের ইচ্ছাত্র্যারে উত্তর পশ্চিম প্রদেশীয় সমূ कांग्र कुक्षणिक भरमात्रम अवर व्यान्तर्गः साम नकत দর্শন করিছে পারিবেল এবং নিয়লিখিত ছান नकरमत्र नर्का वा त्व कारन केका वह, ज्याह ,গৰুৰ ও ডখা হুইতে প্ৰত্যাগৰন পূৰ্বক নিজ নিজ अवन म्वानस कतिएउ मक्त्र इहेरदन। वे मक्त ত্বাবের বাম এই---

बुद्धन ।

ৰ কৌপুর ৷

বারাণসী

Eath I

'मुकाशूर

আলাহাবাদ।

কামপুৰ।

rate:

भोक्रियांचाम अवर

विश्वी ।

` **উচ্চ একার** সার্জ্ঞিক বিশেষ অমণেক বিবেশ্ব ক্ষাকার বার।

১ প্ৰথম জেৰী

५२० डोका ।

২ বিভীগ 🖨 🕛

4. 4

বিশেব অমণের টেকীট সকলের যে ভাড়ার হার উপরে লিখিত হটল, আরো-হিলৰ যদি জ হাবের উপব ৰজকরা ২-টাকার হিসাবে অধিক প্রদান করেন, ভবে হাঁহারা এই বিজ্ঞাপনের লিখিত নিয়ম অপেকা অভিথিক আৰু দুই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট সকল बावश्य कहिएक भावित्तमः। अन्।मा श्रधान ইছেসনেও ঐরণ নিয়ুহে টিকিট পাওয়া হইবে।

উপৰি উক্ত বিষয়ের অন্যান্য বিবর্গ र्वेश्वां आनिएक रेव्हा करवन, टांश्वा श्वका बेर्डम्या (प्रभूति है।किक मार्स्य मार्स्यत मिक्टे जार्यम्य क्लिएनर् मधुनात्र व्यवश्य स्ट्रेस्ट পারিবেন '

সিসিল জিফেন্সম।

বোড়া অব এজেজী रेष्टे रेखिन्न' जनवदन सीन क्रिकाडा ५৮७७। ७३ अ फरहोबद्र।

#### বিজ্ঞাপন।

নিমুৰানসামার গলি ১৫ নম্বৰ বাসীতে মংগ্ৰ নীত ও বংগ্রচারিত নির্নিখিত পুত্রকভলি বিক্রম হইডেছে---

द्यगेष	<b>मृत</b> ्	
बी महे जिस्म	১ টাকা	
বোমই/তিহাস	٠ د	
ভূবনসাব স্থাকরন	1.	
নীডিসার (১ ম ভাগ )	٠ او	
নীভিগার (২ ছ ভাগ)	٠.	
প্রচারিত।		
মুজবোধ ৰ্যাকরণ	<b>8</b> 1 *	

🚇 ছাবকানাথ সৰ্জা।

#### বিজ্ঞাপন !

"প্রস্থৃতিবাদ = নাবে একথানি অভিধান সংগ মুত্রিত হইয়া সংস্কৃত বস্তালয়ের পুতকা ও শাঁখারি টোলা মাখনওয়ালার গটি জীবুক্ত ঠাতুরবাস মাষ্টারের স্কুলে বিক্রমার্শ, ডভ আছে। ইহাতে প্রায় প্রত্যেক শব্দের পত্তি অৰ্থাৎ ৰাডু প্ৰত্যুত্ন সমানানির উল্লেখ भ्डेज्रास्ड् ।

यमा द लेकि है।कामा

এक, (मनिः

#### বিজ্ঞাপন।

कुक्रमश्रद्ध मि, अब, अम, देश्हाकी बाब कुरमद्र पूजे भिक्यरकत भवनूना भारत्। एव ২ মু প্রেণীর শিক্ষকের বেডন ২৫ টাকা : ভূতীর শিক্ষকের বেডন ২২ টাকাঃ কর্মপ্রাণ শীন্ত আপন আপন সাইক্ষিকেট সমেত আ পত্র আমার মিকট প্রেরণ স্থরিবেন।

कुक्मनत्रद्वात्राक्।क्, ১৮৬৯। ৮ ইডিসেহব।

# সোমগ্ৰকাশ।

৩ রা পৌষ সোমবার। इक्षिक कविनव ।

डेश्करतत इर्डिए चनः वा रहेशारक, किन्त देशारक अवन्र्यमणे ज शिका कांश्व रहेशात्रम । भरर्गत्मत প্ৰভূপজি ৰত ব্যুগুল হউক, নাধ মতের বিরুদ্ধ কাজ করিলে দারী হা হয়। গত ৰৎসর অনার্টি হেডু ব कार्टिवात मूर्ट्स भागा नक्षे हरेशा यात्र, ए क्षरक्षन, करमणीय ७ देखेरत्राणीय गर जबर मर्बाम्पाज मञ्जू जमबाका र श्रीपुक्त त्रावकवन विकानकाद श्रवीक श्रवर्गध्य श्रवर्गध्य गर्ज करतम । व्याव कत त्वम बादः उँ। हावित्तत्र अधिना খাঞাছ করিয়া যেরপে চলিয়া আইসেন, स्वाक्त क्षा क्षा वश्य क्षा क्षा क्षा কখন দেরুপ করিয়া আদিতে পারেন না ৷ তিনি প্রার্থনাকারিদিকের বাকে উদাস্য না করিয়া বদি প্রতিবিধান চেষ্টা পাইতেন, এত কি অনৰ্থ হইত ৭ ছয় লক লোক অনাহারে প্রাণত্যাগ করিয়াছে ! অম্যাপিও গড়ে প্রতি সন্তাহে ৩০০ লোক প্রাণভ্যাপ করিভেছে! ইহা কি লামানঃ ছঃ**খে**র বিষয় !

भवर्षत्र (क्रमत्रवाक केमानीमा मार्यान-ৰাদ হইতে অব্যাহতি পাইতে পারেন না। সর জন লবেজোব হতে সমুদারভার **उदर्शंद्र छोत्र चोर्ड, यथन व्य**ीन**क भागन** कर्ता चकर्त्वा माध्यम भग्ना अमूर्थ श्रेरनम, তথন প্রধানত্ম শাসনকর্তার অঞ্জসর হওৱা উচিত ছিল। তিনি অগ্রসর হন নাই, এজন্য ভীহাকে পর্যেশ্র ও মান্ধ নওলীর নিকটে অপরাধী হইতে হই-ষ্ণাছে। " এত যে হইৰে তাহা জানিতাম নং প এই বাকাভিল সর সিদিল বীডন **७ मुत्र अपने अर्तराज्य र प्रकार मार्थन नाहे**। का अध्यव क्षिकिक का तर्रात व्यवस्था वि क्षियन नियुक्त क्रेग्राट्यन, डाँक्षिटभव बिरहाश्र कारने गत्र बन तरतका रव कमी-ক্ষমে এই কথা বলিবেন, তাহা আক্ষরের विषय-नरहे ।

· লার্ড জাগবোরবের উত্তেশনার কমি क्ष्म विद्युक्त बेहेशाइन। शक्ति क्षमहत हिलाम के बाजायिक किमान निर्देश विवरत

হইলে গ্ৰণ্ডমণ্ট স্থাণীন বাণিজ্যে জলা- ভাঁহার মত ছিল, কিন্তু জকালে ইহা ক-প্রাথিতে লক্ষ্ চিত হন না, কিন্তু এবার বিলে কোন কাল হইছ না বরং আনি-স্বাধীন বাণিজ্যত্নপ হেত্ৰাদ (ছল) টের সভাবনা ছিল। কিছ স্বাস্থ্য জি-ক্রিয়া সাক্ষাংসহয়ে হস্তার্গণ কবিতে জাসাক্রিতেছি চতুর্দ্দিক **হইতে কোলা**-व्यवाद रूम। वक्रस्यान्द्र त्व की सर्वेत है हम छिविछ रूमेल नार्यामात्मद्र व्यक्ति-নিজে উৎকলে গমন করেন ৷ তত্ততা বাছে এক জন কমিসনর প্রেরণ করিলে কি (लाटकडा म्मरोजिशात बटलन, डीहांगा : " काक " इहेक ना ? **प्रतिके हहेड़ा (गटन** अञ्चकके भारेट उट्टन, किछ जिनि य छे- । जीवात कावन अध्यय कता अक कांच আর ঘটনার সময়ে ডামটিড কফি নিরা-বলের উপায় **অবগত হুইরা অবিগরে** ভদবলম্বন কয়। আর এক কা**জ। যথ**ন लाहकत कीवन लहेश कथा, छधन " অকালে " লোক নিয়োগ কি অপরা-गर्भा १ म व्यवना भ कार्यात वर्ष कि अहे भी उदारल कलिका डाय मा श्वामित्रा কোন কাজ করা যায় না ? ডাম্পি-য়র সাচেত্রের নিযোগ কার্যোর সমর্থন क्रिशा मह सन लट्टक वटलन:-- "अटलन हरेट इर्डिट्या करफेंद्र स्व अकन প্রেরিড হইয়াছে इंडाउ हैश्नए ভাহাতে যে বন্তুগংখ্যক দরালু লোক ভারতবর্ষের মঙ্গলের বিষয়ে যতুবান আছেম ও ভাঁহাদিগের মনে শোক ও চিস্তা হইয়াছে, এটা ম্পাট দেখা বাইতেছে, সভাবভঃ ইহা হইভেও शास्त्र । এই ভূর্যটনার কড অনিষ্ট করিয়াছে, ভড়ি मरा ( देश की श्र) लार कहा मरन मरणह অভিয়াছে। এই অনিশ্লাত্মক বুদ্ধি হইবাস विटमार कात्रन वर्ष, वर्षातम क्षकामात्रदर्भ व्यवः मुक्तकर्रः वता व्हेशारम, अवर्गरम-টের কর্মচাবিগণ কটের প্রতি সমরে: डिंड मत्नारवांश लिन नारे। **এই कर्म**हाहि দিশের প্রতি দহিচারও সাধারণের সংখ্য দূৰ করিবার জন্য যুক্তিনিছ হই एडाइ (य, य नकन हरुनि व्यत्नन कड़ा হ্ইয়াছে তাহা যত দুর **সম্ভব পঞ্চনা**ৰ অথবা তাহার সংশোধন করা আব भार । भ

नदर्ग क्रमत्रम द्याक्षात्राच्यत्र भावकः

বৰীয় সৰ্বাদায়ৰ ও সংবাদণজের প্রতি 'মেবারোপ করিতেছেন। আমরা হি रेश्मकीव नर्सनाशंहरवह মন ভার করিরাছি ? বে লক্ত রুভাত নিখিত হইয়াহে, তাহা সম্পূর্ণ সভ্য नटर १ व विवदशत कमित्रन भीता भी-मार्गा क्रिंडरम, किंद्ध आंत्रता विन রাছিও এক্ষণেও বলিভেছি, সর্ব नाशकर्वक जय एव मारे,--- शवर्वद्यक প্ৰথমবিধি অমে পতিত চ্ইয়াছেন। একলে আর একটা অভিযোগ আছে, भरर्गत (क्यत्रम अथानकात मर्समाधात्रः ণের কথা এক প্রকার অন্যাহ্য বলিয়া-छन । देश्नटक स्मान्ध्याम स्ट्रेग्नाटस् वनि त्रा कमिनन नियुक्त कहा इहेट उटहा छात्र छ বর্ষীয় সর্ব্যবাধারণ লোক সাক্ষাৎসহক্ষে मत बन वटतरकात निकटि किहूरे मरहन, च्यक वह मर्खनायात्रन वक्तरन शवर्गस्य-ঞ্টের বিচারপতি হইয়াছেন এবং গ্রেপ্র ক্ষেনরল দেখিবেন তিনি নাধারণের ক্ষ-मठा अभीकांत्र कतिएक शास्त्रम, कि म् अचीकांत कतिएक शांतिएवन ना।

বঙ্গলৌয় গৰণ্ডেফ্ট ডাম্পিয়ৰ সাছে बरक रव छेशरमञ्ज स्वयं, कांश अच्युर्व इंडे-রাছে, ভথাপি গ্রণর জেমরল কমিন-नटर विटर्नरप्रटर्ग चनुनकाम क्रिएड विविद्याद्यमः---

"১ म। इर्फिट्यन कोत्रन कि ? २ त्र। अनिके निवातगार्थ वयानमस्त यटवाञ्चि डेलाब व्यवस्य क्या स्हैशास्त्रिय कि ना, रशि ना इहेशा बीटक, दिन इह নাই ভাহার কোন যুক্তিনিত্ব কারণ আছে कि मा ?

श्वर्गद्र (क्षमद्रम (यमन छेन)(मण हिटलन, क्षित्रदनद्र निक्टडे व्यावासिट्यु ७ তেমনি কিছু ৰঞ্চৰা আছে, বলিকাণ ও অত্তেলীয়স্থাক বৰ্ণচাৰা ক্ষিতে চা ट्न, *व्यन्त्रेमके भवर्गत छोड़ा कंत्रिएक व्य*न माहै। क्षित्रवं अविवत्रकी फेलमक्टम विटव म्मा क्रिक्रम। क्रीक्र व्यंत्रम क्राव्यक्त काका स्टार क्रिक्र क्रिक्रम क्रिक्रा क्रिन् । क्रिक्रम क्रिक्र क्रिक्रम क्रिक्रम क्रिक्रम कार्यक्त क्रिक्रम अग्रेमक (क्रिम। क्रिक्रम कार्यक्त महिल क्रिक्रम केरकरण इत्रव क्रिक्रम कार्यक्त क्रिक्रम क्रिक्रम क्रिक्रम क्रिक्रम कार्यक्त क्रिक्रम क्रिक्म क्रिक्रम क

#### হাবীভয় ।

এত দিন ছর্ভিকেব পেল, এখন মারী-ক্ষ্যের অধিকার হইয়াছে। আমরা শুনি-তেছি ও দেখিতেছি, যে যে ছানে ছৰ্ডি **ক্ষের প্রকোপ হইয়াছিল, ভত্তৎস্থানে** মারীভয়ের প্রাহর্তার হইয়াছে। আমা-দিলের এখানকার এক ব্যক্তি পীড়িত হইরা জল বায়ু পরিবর্ত করিবার নিমিত পাটনায় প্ৰথম করিয়াছিলেন, তিনি ধলি লেন, তথার তার বিকার ও ওলাউঠার আভাৱিক প্ৰাহ্ডাৰ হইয়াছে, দেই চেতু ভথাৰ অধিক দিন অৰ্ছিভি করিভে সাহনী হইলেন না, সত্তর কিরিয়া আনি-স্থাছেন। আমাদিলের বাদ আমেব সন্নিহিত ভান সকলেও বিলক্ষণ নারীকঃ হইয়াছে। পলীগ্রামের একছানে এককালে ৪।৫ টি চিতা নারি নারি খলিতেছে দেখিলে कोहात कामरत चा उरहत है पर ना इस? ুসধ্যে মধ্যে এ ঘটনাও হইতেছে।

माती खरत्रत व्यक्तिक वृद्धि वृद्धे । विद्यान कामने करे, क्षे किन व्यवस्थ । व्यक्ति कामने व्यक्ति व्यक

खालन एरेएएए, क्लान् ख्रदा शीक्षां कर खाला है। क्लान् ख्रदा शीक्षां कर नार, खाला है। क्लान् कर कर है। क्लान् है। क्लान् कर है। क्लान् है। क्लान् कर है। क्लान् है। क्ला

ঐ সকল লোক ঐ রূপেই কি বিনা চিকিৎদায় দজুামুৰে পতিত হইবে ? প্রতীকারের কি কোন উপায় নাই? र्याप (कह अक्टल अक्रम शक्त करतन, ভাছার মহন্তর লাভের সম্ভাবনা দেখা ষাইতেছে না। প্রামের মধ্যে ব হারা সল-তিমান, ভাঁহারা চাঁদা ছারা উভয চিকিৎসক ও উভম ঔষধ সংগ্ৰহ করিয়া ভাহাদিশের চিকিৎসা কার্য্য সম্পাদন করিবেন, দে আশা নাই। প্রথমত: পলীগ্রামে এরপ সঙ্গতিমান লোক বিরল। দ্বিতীয়তঃ ভাঁহার। এরপ কার্য্যে অভ্যস্ত নহেন ৷ ৰদি∼কাহার পুমতি হয়, অপর ব্যক্তি অমত করিবেন, সুতরাং উদ্যোগকারির চেষ্টা বিকল হইয়া যাইবে। ভবে বলিবে, আমরা প্রথমেণ্টেকে উত্তেজনা করিনা কেন ? তাহাতেও অভীউনিদ্ধির সম্ভাবনা অংপ। আমা सिर्गत बारका विश्वाम कतिता अवर्गस्य-েটর উদ্যোগ করিতে করিতে অগ্নি নিৰ্কাণ হইয়া যাইৰে। বারাসত প্রভ তির মারীতয় ও ছর্ভিকে ইহাব বিলমণ **भद्रीका इंदेशांटह** ।

्र जीतन्यांन दिन्। नद्र।

जिन कार्यांन दिन। नद्र।

जिन कार्यंन कार्यांन दिन। नद्र।

जिन कार्यांन दिन। नद्र।

दिशांगत अधिकात अखाद गरेता कृष বিধ্য হলে ভূমুল আন্মোলন উপস্থিত श्रेष्टारह । त्वर् क्रिएक्ट्न, व्यक्ति अस्तरभ जीनमान विमानम व्यक्तिका সময় হয় নাই। কেহ কৰিতেছেন, শিব क्रिको हरेवात উদ্দেশে তথাৰ ভদ্ৰ লে ক্ষেত্ৰীকন্যদি অধ্যয়ন করিতে বা (दन ना। (कह कहिएउएडन, अरमनी श्रदेशवीयनदी जी अथवा असमाठी जी मधानविष्यानस्य भिक्ति स्टेर এদেশের ভদ্রলোকেরা তাঁহাদিগে निक्टि वालिकामिश्रदक विकार्य शार्क ইয়া দিৰেন না। আমরা এত এসংফা একথানি পত্ৰ প্ৰাপ্ত হইয়াছি, ভা স্থানার্যে প্রকৃতিত হইব। পর্প্রের ब्राजन, अथन्य नमग्र रहा नारे, अवर प কুলাঙ্গনারা তথার অধ্যয়ন কবিতে য বেন নাঃ সময় হয় নাই, এ আংপা অকিক্সিংকর। কোন বিষয়ের নুতন স क्षांम स्हेरन महराहद व्यहे व्यक्तात चाल इ**डेग्रा थाटक । इंश्लट**७ यथन दहलाखर এখন স্থি হয়, তৎকালে পালি গ্ৰনে এই বিষয় লইয়া ভূমুল বাদ বিভগু৷ হা किल। व्यत्मरू अप्ति व्यत्नोशः दलिशा क्षांत्र कतिशाहित्सन। वीश्वाता नांवा वि हमा करनम, डींबाजां नामाध्यकां प भक्र। कविश**्राह्म्यतम । भ्या**स सम्बद्ध उरग्र क्रेल, जन्म जन्म उक्ता नर्लर ৰ্যাপী হইয়া উঠিল, এখন কে না ড উপকাৰভোগী হইয়াছেন ? অধ্যে প্ৰ শ্বাল বিদ্যাল। **প্রতিস্তা করি**য়া পরী क्रिया (क्थ, अमग्र स्टेशांट्स कि ना, हात्र शत बुका गाहेटर। आयामता र দেখিতেছি, ভন্তকালনারা আক্রধ लियाँ। इरेशा गार्ट्य ७ विविधा সহিত একত্র পানভোজনাদি কবিডের ভখন বে ভাহার৷ জীনস্থাল বিদ্যা व्यवाद्मन करिएक या रेट्सन ना, कि দিগের সহিত পান ভোজনাদির কি ইহা হিন্দু শাস্ত্রের নিষিত্ত ? বিশ ৰোহের ন্যায় এটা কি ছক্তর কার্যা ? াদিবের ধেরুপ অন্তঃপুরপ্রশালী চ, সেই প্রকার কিঞিং ,নভ্ত रा जीनकान विमानटरत कार्यात्र **८८३ यजीविमिति २३८५।** 

य इ प्रिम क्योगिकटकत निवट है जीटना ব শিক্ষা এখা প্ৰবিভিত না চইবে, हिन अम्बर्भ क्रीनिका करनार्था ै हहेंद्व ना। अर्थनकात वालिका विमा ওলিকি ছেলে **খেলা নয়** ৭ **ড**থায় ভালক্রণে লেখাপড়া চইতেছে গ ৰ লেখা পড়া ইইবার সভাবনাই ব⊅ ? वालिकामिरभेत a . ১० वर्नाह চে হয়, বিষাচের পর প্রার কেছ ্লেট্র বার না। এই সময়ের মধ্যে ব ভ কা **ছইতে পা**রেণ কিন্ত **জীন**র্মান োলয় হইয়া যদি জীশিকক পাওয়া , ধালিকারা বিবাহের পরও অনেক । शुर्थायः विकासित्यः राहेटक शीदतः, হাতে আপুতি হইবার সভাবনা কে না।

এদেশের ভদ্রলোকেরা আক্ষিকা द्या अम्बन्धि अञ्चयन्य वन्निमित्राव कटडे कमाधावहक निकार्थ भाषाहरूपन , এ আপ্তিও নিতাস্থ অকিফিৎকর। ক্ষক যে ধৰ্মাবলম্বী হউন, তাহয়তে Fo fo ?শিক্ষক অধ্যাপনাকালে ধৰ্মো एम्ल किर्दन मा, अहे भाज निर्घर ক্ষিত্রত লোন কৰিছেছি না। এখন তাল কাফি, সভা নাই, ইংলভীয় মহাসভা

जीनिक्क बाहे, निकासन्धनानीक ভাল নয়, ভাছাডেই পত্ৰপ্ৰেরক জীলি-ক্ষের প্রতি বালিকানিগের ভয় ও ভঞ্জি দেখিতে পান না, কিন্তু যথন ভাল জীশি क्रक शांख्या बाहेर्टर व्यवश् शिकाशांन द्येशां मीत्र माय मर्टमाधन इहेर्द, कथन शब প্ৰেরক দেখিতে পাইবেন যে বালিকায়া ব্রীশিক্ষককে ভয় ও ভাক্তি করিভেছে।

(बहेन मारहरवद करें कि जाहेन। কোন কাৰ্য্য করিবার জন্য চুক্তি করিয়া বদি কেহু সেই চুক্তি ভঙ্গ করে, ভালকে কারারুদ্ধ করিয়া পুনর্কার দেই কৰ্ম করাইবার চেডা ভারতবর্ষীয় গ্রন্ মেন্টের একটি রোপ হইরাছে। উট নেকেটারি বীতন সাহেবের কন্টাক্ট বিল विकि मारहरवत कर्के कि विक भन्न भन्न অ্থান্য করেন, এবং ভারতবর্ষীয় কৌব্দি লের সভাগণ, ইংলঞ্ডীর সর্বাদারণ ও মহাগভা এক বাক্যে কণ্ট্ৰাক্ট আইনের প্ৰতিবাদ করেন ভথাপি এখানকার গ্ৰ ৰ্মেণ্ট তাহা ছাজিয়াও ছাজিতে পারি-তেছেন না, যত নিধারিত হইতেছেন, তত্ই ভাষার লাভার্য ভাঁহাদিগের বাঞ্জা বৃদ্ধি ইইডেছে। নৎকার্যা বিষয়ে वास्ति विट्नाद्यम् अधिकाम व्यवसाय श्रभः ननीव मध्यम् नार्दे, क्छि वर्धन প্ৰস্তাৰিত त्राभंत लाहिक अक्वेटिका चाह्यकाटक स्वाकत, चलाहाटतत स्व ও রুপারর ক্রীভদাস্য স্থাপন বলিয়া বিলেই চ্ইল। একৰে কি ইউলোপীয় অনিজ্য প্ৰকাশ করিতেছেন, তথন দেশা নীরা ভন্তব্যক্ষিধের অন্তঃপুধে গিয়া। ধিকানী হইয়া বারহার প্রভার স্বাধীনত। কোদান করিতেছেন না ? যে বিদ্যালয়ে হরণার্থ স্বয়ং শৃস্থল প্রস্তুত করিবার উবোপীয় শিক্ষণ থাকেন, এ,দশীয়েরা ∫ চেন্টা করা কি লজ্জা ও আগোরৰের বিষয় দেউ স্থানেই অধ্যানাৰ্থ বাতা হন নিষ্ণ **ভারতব্বীয়েরা বেন " অসভ**্তা ্ বংশিকার। জীশিকককে ভয়ও নিব্ছান গণবর্ণমেণ্টের সদাশয়ভা (!) ক্তিক্রেনা বলিয়া পত্রপ্রেরক্ষে বুকিতেনা পারেন, লাভ হালিফাক্স ড গ্ৰাপতি ব্রিলাছেন, ভাছাও আমরা <mark>অসক্তান্তেন, ভারতব্রীয় কৌলিলেও</mark>

७ नक्रमाबात्रप्र चम्बू नर्टस, উাহারা ইহার প্রতিবাধী (44 ) (4 নৰল কারতে ভারতবর্ষীয় গবর্ণনেউ क्षांत्र विज्ञांश्रधायन स्टेटल्ट्स, क्ले कि বিল বিধিবত করিবার চেন্টা ভাহার मरश क्षांन। काहात कना करे चारेन আৰশ্যক ? ভারতবর্ষের বিংশতি কোটি लाटकत मर्था अक सन्छ देशंत शीध-क्छा क्रजन ना। किक्करत्रत्रा देश छोटहर मा, ठा-करत्रता एवं विटमेश चार्टेन भारे-য়াছিলেন, ভাষা রহিত করিবার চেন্টার चारहर । देखेरवाणीत दनिकशनरक जल-র্যান্ত ইহার আবশাকতা বোধ করিতে হয় নাই। তবে খাঁহারা বলেন " ভাবত रार्यत्र मर्कामध्यात्रात्य अस्वारकः वर्के हि চাহিতেছেন " ভাঁহাদিগেৰ ৰিষম জম। সে সর্বসাধারণ কে? " ভারতবর্ষের সর্বানারণ " ইহার অর্থ কি গুনীলকরেরাই কি কেবল ইহার প্রতি-পাল্য 🤈 ভাঁহারা ভিন্ন ভারতবর্ষের সর্ব্ব-नाशाह्रव भटकत अकिनामा भाव नारे १ আমরা ও দেখিতেছি, নিম্ন বঙ্গের নীস. क्टब्रबा दक्बन वह चारेन ग्राहिट उट्टन !!

সর হেনরি হারিউটন এদেশের এক জন পরম বজু। গ্রহণ্মেন্ট ভাষার ছারা মৃতন দেওয়ানী আইন সংশোধন বিবয়ক **पारेत्वर भाकुत्मका वत्या क्ट**हरूकी कले कि शाहा बनारेबा नम। क्षि बख ठः (महेन गाहित्हें हेहांत्र एकि वर्षा। मठा-बट्डे स्वरेन मास्य धार्यम क्राप्टमं चानिहा क्ले के बारेटमत अधिकार कतिमाहि-त्मन, क्षिष्ठ वावशांत्रीकीवश्चन विवय विरम्पाय व्यवना विरम्पत्र कार्यायनानीत्र णिश ७ वस वास्टिक नाटतम ना। रमहेन নাহেবের বিয়া, ও বক্তৃতাশক্তির श्रम्भा नक्टमबर्च क्डिएड स्ट्रेटन, किन्न **जिनि निक्रणक प्राथनी किया न**रहन। त्यनी विद्रमस्त्र किएशावका का डीहात अक्की अधान लाव । अहे कातरन

मिट्न नक्तिशाहर दी होते विश्व । विश्व केन्द्र मिर्क्त करत्रम मा। देन्सर्थ विश्व वाक्ति कर्ते के बाहरमत्र विश्व कि

ार्ट्सन करतन, मह सम नारतन छोडा रभत मर्था अरू सम हिर्मान। किस रमर्थन मीमात नाहिस्त स्थानिस्य

रणएक नानात्र पार्टिंग रत्नाक्षणितत्र चकार्यत्र महिनक्षं स्टेत्रा रत्न व्यक्तव्यव कात्रक्षवर्य चानिया व्य

গ্ৰহার মতের বিপ্লব **ষ্টিবে, ভাহা** বিস্ফা যুৱ বিষয় নহে। যাহা হউক, আমবা বাহ্যামিত হইলাম, ইংলতের চিস্থাশীল

ধ্বেচক গোকেয়া ইহাতে আপতি করি। গুছেন। ভারতবর্ষের আইনক্ষিণন অ

ভা গ্রণমেন্টের মন্দ অভিস্থি র্কিতে

পারিয়া কণ্টুটি সংক্রান্ত ধারাগুলি পরিতাপে করিবার পরামর্শ বিহাছেন।

টাহারা বলেন, " এই ধারাগুলির অয়ো -- সংক্রমান ভাষা কাষাব্য উপকার

দন নাই, ইহার ছারা কাহারও উপকার শিৰে না, প্রভূতিবিধিক হইলে কেবল

অত্যাচার হইবে।" ক্ষিণন বছদেশের বীলকর্ষিগতে দৃষ্টান্ত স্বরূপ প্রদর্শন

र्शितप्राह्म । छोहाता म्मछोजिशास रिमाफ भारतम नाहे बर्छ या नीलकत्रनिः

বের নিমিতই এই ধারাগুলি দেওয়ানী আইন মধ্যে সরিবেশিত হইরাছে কিন্ত

थकातावटत स्वा स्टेताटसः चण्यस

এতদেশীয় সর্বাসাধারণে নিক্য জানি বেন ইংলতে ঐ ধারাগুলি পরিত্যক্ত

इड्रेट्ट । असन ,क्कामा इड्टफ्ट, इंडाइ नइ७ कि म्बर्डन माट्ड विन कर्नन क्रि बाब मक्टब के धार्तकणि वास्टिन ?

উহা কি ৰিখিবজ হইৰে ? ভারতবর্ষীর ধৰ্বমেন্ট কি শেষে সম্মতি প্রকান করিয়া

ষ্টু, আময়া এতক্ষেশীয় ব্যবস্থাপক্ষি গকে অসুযোধ ক্ষিতেছি, তাঁহারা বেন

স্পটাতিয়ানে কণ্ট্রাই ধারাগুলির প্রতি

बार क्टब्रम ।

সব উইলিয়ম মানস (কণ্ড ও কাপ্তেন ফ পিন।

व्यापना करतकात कारश्चन कर्सिन ও সর উইলিব্রম মানদ কেলডের বিবাদ উপলক্ষে মত প্রকাশ করিয়াছি। আমরা পূৰ্ব্বেও ৰলিয়াছিলাম এক্ষণেও বলিতেছি প্রধান দেনাপতি এডিকগুদিপের উপরে নিজের কার্যান্ডার সমর্পণ করিয়া ভাল काव्य करत्रम मार्डे। माध्तिक विहासनत्र কাণ্ডেনকে দোষী ৰলিয়া তৎপরে তাঁ-হাকে ক্ষমা করিবার যে অনুধ্রোধ করেন, প্ৰধান দেনাপতি বদি তাহা রকা উাহার সমধিক ঔদার্ঘ্য मटम्पर मारे, किस्तु के कार्याची महाव्रशत-তার অনুমোদিত কিনা থিৰেচনা করা আৰশ্যক। ভাঁহার এই কার্য্য দারা গদি रमनामरण रकान श्रकात विमृश्ना घटि, ভাঁহার ক্ষা প্রদর্শন কোনতামে ন্যায়াসুগত रुन्टिज शादित ना । अ विश्वति दर्शनावनवन क्ता चार्माहिरशत हेम्हा हिल, किन्दु योगता দেখিতেছি, ভারতবর্ষন্থিত ইংরাজী नः वानशक ७ देशीमित्मत्र बाता त्याहिक ইংলত্তের লোকেরা প্রধান দেনাপতিকে অপদত্ত করিবার চেক্টায় আছেন। ভাঁহার৷ বে প্রকার কোলাহল আরিও क्तिप्राट्म, जाशएड म्लक्ष्ये (प्रश्री गारे তেছে ইংলগীয় প্রধান সেনাপতি সর উইলিয়ম মানস্ফিলডিকে পদচুত করেন, এইটিই তাঁহাদিগের অভিপ্রেড। এক জন ৰথাৰ্থ উপযুক্ত ও ভদ্ৰলোককে অকা त्व नक्षे क्तिकात (ठक्के) इटेटल्ड्, 🖛 ५-এব ইহার প্রতিবাদ করা আমাদিলেব কৰ্ত্তব্যকৰ্ম সম্পেধ নাই। কাপ্তেন ক্রিন বোধাই অব্ধি সর

कारश्चन कर्किम विश्वास स्वर्धि मह छेहेलियम मानम्बिकारण्ड मश्माविक कार्याव छहावशान कतिरण्डन। मह हेहे-लियम मानम्बिकाण खांत्र छवर्षत क्षशान रममाश्चि हहेला कर्किम छाहात क्षिण क्ष हन, क्षर कर्ह काक करतन। क्षशान

विभारिक कारखन क्षान स्मानिक थोक प्रवाणि गरेशा यशः छेनारमान উপভোগ করি:।ছেন। ইচার অভুস নাৰ্থ এক সভা হয়, এবং ভাষায় ব থেন ফৰ্মিশকে খাতাপত লইৱা খ নিতে বলা ব্ইয়াছিল। তিলি আজ্ঞা অগ্ৰাহ্য এবং প্ৰথান সেনাপ তাঁহার উপর অভ:াচার করিতেছেন ভাব প্রকাশ করেন। ভার্মিণ আ **অথবা হো**ৰী প্ৰধান সেনাপতি প্ৰথ **अज्ञ**ा क्या वर्णन मार्चे, मट প্ৰযুক্ত তিনি হিনাৰ পরীকা করি क्रांहिशाहित्वन। **क** दिश्दश क्यांन् का क्षेशिक क्षारी कहिर्दन १ व शिक्ष र অর্থ ব্যয়ের ভার পাকে, ভাঁগার হিং দর্শন করা আর ভাঁহাকে অসং বলা সমান ? যদি এডিকও সহজে হি **ब्रिट्डन, डाहा हहेटन क्यांच क्यांह**ी न।। এ विষয়ে এত গোলবোগ न। इ অমনি অমনি তাঁহার দোব ভালন হা किस डिनि कि वावहात कतितान १ वि क्राक महत्त्व है। कांत्र शांवि शिक्षा क्ष দেনাপতির নিকটে পাওনা বা নাণীশ করিলেন !! ছিডীয়, প্লা नानीन इहेन। अटक व्यवसाखा, जा উপর আবার মালীখের উপর মা হুইল। প্রথান দেনাপতি সামরিক অ व्यक्रमाद्र कर्किटमत निक्षे इहेटच प ধার চাছিয়া উচ্চাকে রভিত্ত করি আছে। দিলেন। এরপ অবস্থার এ জ অসমত বলিয়া বিবেচিত হইতে গ না। পকাশ্বরে কাপ্তেন ক্ষরিস এ ভ প্রায় করিলেন না। তিনি হিসা বৃতি **দেখাইডে অনমত হই**লেন। এ অবস্থায় প্ৰাধান দেনা পাতি চি কা

পারেন ? ভাঁহাকে অগভা কাংং

नारम चामाञ्चामि छड्ज्रा करा

খ্ৰাধ্যভার অপরাণ দিয়া নামরিক

চারালয় যেত্রপ বাধীনতাও অপক-ভিডা নহকারে বিচাব করিয়াছেন, ছাতে প্রশংসা কবিতে হয় সম্পেছ हे । हिर्देशी कोर्स्सन्दर्भ उद्देशीय পরাধ চইতে মুক্ত করিৱাছেন, কিন্তু হীং চতুর্থও পঞ্চন অপের†ধে——আব**া**stর অগ্যাংগ---ভাঁচাকে প্র<mark>চ্চ,ত করি</mark> র আহ্বা দেন। সাম্বিক বিচা লয় কমাৰ অনুরোধ করিয়াছিলেন, শ্ব জুরি ও দামরিক বিচারাগর মার অনুবোধের সময়ে বে প্রবাব হুত্র কাৰণ প্রহর্শন করেন, এক্লে কি ক্লপ কাৰণ প্ৰদৰ্শন করা হইয়াছিল 🤊 র, কাণ্ডেন জাঝিসও কি সেই ক্ষাব ত্ৰ হইবাৰ হোগ্য কাজ কৰিয়াছেন ? ধানের প্রতি বাখ্যতা সৈনিক সংক্রান্ত वृक्षण डांव व्यथान कोइन, किस्न कोटडेन ৰ্বান বার্থার ইহাব বিপরীত কার্য্য त्रहारहर । अकस्त्र नामाना रेमनिक পে করিলে কেবল উচিং পদ ত ন', ভাঁচাব মিধাৰও হইত। স্ব লিয়ৰ মানস্ফিল্ড ব্ৰাণ্ট্ৰলি ছেন " যদি এই অনুরোধ স্কা া ৰায় তাহা হইলে ভাবতৰৰ্ষের 🕫 ডি तिरक रेमनिक्शन वजाविज कडिरव নিক্দিগের পক্ষে একরপ ও আফি দিসের পক্ষে অন্যত্তপ সাইন। " दोका प्रोडा म्ला छे अभाव प्रहेरफरण, ধান দেনাপতির নায়পরতা এবল। ৰ ভীষ্যৰ ঔদাৰ্থ্য অপেকা নাবিশয়তা ধল হয়, ভাৰাতে কি চিনি পদ্মুক্ত বাৰ বোগ্য হইথেন 🤊 আইন, ধৰ্মনীতি प्रिक्त नद्र डेहेलिइम मानम्बिनएड াক্ষতা করিতেছে। তথাপি তাঁহাকে লি দেওয়া হইতেহে কেন্ত্ৰায়ডৰ **ভূত ইংরাজী** সংবাদ পত্র সম্পাদ রা প্রার হলাদলি কিয়ণ কার্ডেন হার । उ चारेत्वर ७:ई रका शाम, विख रिक्ट वहे अकार मः कार, जानतात्र

অন্ত্ৰাগাৰ হউতে বন্দুক সকল জীহার আজ্ঞাতসারে বাহিব হইবার অসভাবনা बाहे बढ़ि, किस डाँहात कुर्खवा कटर्यव প্ৰতি যে অনৰ্থানতা প্ৰকাশ পাইয়াছে, ভদ্বিয়ে অবুমাত্র সংশয় নাই। অভএব भवनीय के किया जातित वस वहें कि मिला ধানার ভাব লইয়া অন্য হত্তে দিয়া কি অনাায় করিয়াছেন ? তথাপি এতজেশীয় इ॰ त्रौकी शक्र मशामदकता कारश्रम स्रोत ওয়াড'কে " প্রবর্ণনেটের বৈরনিষ্ঠাতনের পাত্র প্রকিয়া ভূর্নাম করিতে সক্ষ্ঠিত हत नारे। मङा कथा अहे--अधारन इंडे-(गाणीशिक्षणात प्रकृष्ण इत. अवीमकांत देउं বোপীয় সমাজেব দেটা অভিপ্রেড নছে। ইহাঁরা সহতে দোষ করুন, তথাপি পাছে ভারতবর্গীখেরা এক্সপ মনে करवन (व नानकर्य कड़िल रेडेरड़ा-শীঃদিশের সহিত ভাঁছাদিগের উচ্চ নীচতা থাকে না, এই ভয়ে ভাঁহারা নকল দোষ গোশন করিয়া বাথিবাৰ চেন্টা পান। কাপ্তেন ক্ষরিদের সপক-তাব গোপনীয় কারণই এই, আম:দিসের এইরপ অসুমান হাঃ

উপদ হাবকালে আমরা পুনর্বার বলিভেছি, এক ভ্রমাত্মক সংস্কারের বলীভূত হইয়া সর উইলিয়ম মানদ ফিল ডকে নট করিবার চেটা হইতেছে। ইংল জীয় কর্তৃপক্ষ যদি এই চীংকার প্রবণ করেন, অভিলয় অবিবেচনার কাল হইনে।

--:0:---

হুতন গুৰুক প্ৰপঞ্জিক।

আমর। কৃতজ্ঞতাসহকারে শ্বীকার করিতেছি, নিম্নলিখিত ন্তন পুত্তক ও পত্তিকা আমাদিগের হস্তগত হই. হাছে।

३। स्वाकान विश्वतत्रत्र स्थानन त्रास्त्रा स्थान त्रकाषः। इदे वैछ। स्विक स्वाक स्थानी क्षाता स्टेटक देश्याकीएक सञ्चान

क्रतन, जात नि निर्मक (क्लिनि हैश मुख्यिक अ कार्राहरू कहिहारहन । अञ्चन याता दिन्छु ऋाटनत्र दक्षविष्ठतत्रत्र विटम्बर्फः মোণল রাজ্যের অনেক প্রস্তুত র্ভান্ত ব্যনিতে পারা বার। অবেওলের প্রভৃতি চারি ভ্রাভার বে গৃহবিবাদ হয়, ভাছার ৰিস্তারিত র্ভান্ত ইহাতে বর্ণিত হই-রাছে। বর্ণিরর ১২ বংশরকাল হিল্পু-चारन हिर्मिन, देशत मरश ৮ वर्गत व्यात अटब्स्ट वत्र कांद्याटन द्वार कार्या किन्ना ছিলেন। আরওফের বর্থন কাশ্মীরে যান, তথন তিনি সেই সম্ভিব্যাহারে গিয়াছিলেন! তিনি সমুদার স্ফক্তে व्यविग्राहित्सन, अडबद डीहात दर्शिङ রন্তা**ন্ত হে সম**ধিক প্রামাণিক একপা বলা ৰাজ্যা। আছেখানি উত্তম অক্ষর ও উত্তম কাগতে মুদ্রিত হইয়াছে, বাঁধাইও উত্তম হইয়াছে।

২। তত্ত্বিদা। 🖲 যুক্ত বাৰু ছিলে-क्षत्राथ ठीकुत्र देशह धानम्य कतिहारहर । ইহাতে নিম্নালিখন্ত কয়টা বিষয় আছে। क्षाचम, छेलक्रमिका, विकास, मूनक्ष निक्तात्वन अनामी, जुडीत, देखित वाय বৃদ্ধি ও প্রজা; চতুর্ব, ইক্সিয়ঘটিত মূল তত্ত্ব, পঞ্ম, বুদ্বিষ্টিত মুগতত্ত্ব, বঠ ध्याप्रस्ति सूत्र हत् , नश्चम, उर्गमः स्वः অইম, পরিশিউ। উপরিলিখিত বিষয় ক্ষালর সুক্ষরত্বপ আলোচনা করা হই शास्त्र । अस्य स्व स्व स्विद्यतः स्वारमानन कहा इर, डाहार महिक अल्पीर ७ हेडे-(क्रांनीव प्रणंत नाटक्कत व्याद्य वर्ण একা আছে পরিলিকে তাহা উত্ত क्त्रिया (एउम्रा क्रेम्स्ट । क्रमठः अप 🗓 ৰানি তত্ত্বিজ্ঞানু ব্যক্তিদিগের পক্ষে विराग्य छेनाकाची स्टेर्ड। छोहाता यकि এই এছবানি অভিনিধেশ নহকারে चारमार्थाच्यु शक्तक क्रद्रमः चाबीमणारव केश्वतियमक छन्। निर्गरत नगर्ग रहे-



তখন তোষার বৈশাস অসমিবধর্মনীয় ও বিশ্বা, আর সহিত সমসসভূত হইবে।

काम (व कि नवार्य छाइ: श्रकान कहा कहिन (व रक्कू छेड़। स्म्यन से काम बाहाई रवाधनमा रत, छाड़ारक दृष्टि रकाम कार्यः जाहेरम सा। कनकः काम महस्र काम, अ मिर्मान-पृक्ति, अहे कहिने मस्मान अकहे व्ययं, छेराहा अक व्यथिन कित कित विश्व छेनाधि माज । काम मस्मान (आर्थ धर्मा (व रक्कू छेटा अधिहक धर्मान महिन्छ हतः। छेरा महर्यात अक्याज वधार्य जानकर्या। छेरा बाहा महस्य नक्षणाव, व्यवक्षणा अ वार्यन्त्रका हरेरक छेतीर्व रहे, अवर चीह मावारक मर्मावारी नहमावाह महिक मिलिक्षिक करतः।

শিখাগোরস সক্রেটিস রেটো, ইন্ত প্রভৃতি প্রাচীনকালীন নহান্থারা উপ্ত সহজ জ্ঞান হইতে থে সক্ষা বাক্য কহিয়া গিরাছেন ভাষা জীবজ সভ্য ও চিরকাল মানবজাতির জানরবীয় ও বিখাল বোগ্য থাকিবে। কিন্ত জাহারা মুখি বিভাগ হইতে ইতিহাল প্রভৃতি ব্যবহার শাল্র ঘটিত থে সকল বিষয় ব্যক্ত করিয়াহেন, ভাষাতে লম থাকার এক্দকার স্থানিকিত লোক যারা ভাষা জ্ঞান্য হই রাছে।

ত্রীকাভির এই একটা মহৎ ৩৭ আছে বে ভাৰা বা বিছ্যুভের ন্যার কটিভি বিৰয়ের সভ্য সভঃ উপদক্তি করিতে পারে অর্থাৎ কোন বিষয় দৃক্তিৰাঞ্জ ভাষার বধার্থ সিদ্ধান্ত করিতে সমর্থা मप्त । छेरा मस्य कान दा दि शुक्त वृक्तित्र कार्यः । কোন জীকে জনমণ নিভাজের হেডু জিজারা করিলে জিনি ভাষা কদাচ বনিজে পাটারেন मा। ইহাতে আত্মার ছর্মলতা বুঝার মা, ফলত। বুদ্ধিৰ আছতা নাত্ৰ প্ৰকাশ পায় : প্ৰাকু ডিক विकार भावविश्वक्षित्र पूक्ति महकारत शीरत शैरा कमनः नर्गतक्तन पूर्वक निद्यालय छेड তম গোপানে আরোহন করেন, কিন্তু জীলো-কেবা ভাঁহার অধ্যে একডালে সেই সোণাবের মপ্তকে উপনীক ধন। ইধার হেছু এই বে স্ত্রী- | (म<sub>ा</sub>टक चीत्र महस्र स्थाय क श्राचिमक महस्रात्रटक বিখাল করেন ভাহাতে ভিনি প্রায় অনে পভিড হন নাঃকিন্ত যদি কেখল বুক্তির উপর নির্ভর करतम खारा रहेरन भूतरपत नहान खाँशाहर अव क्रक्रिएक शास्त्र । फर्क वा विहास्त्र स वर्षे व्यक्ति প্ৰশস্ত, কুজরাং ভাহাতে গমন কবিলে বিশুষ युक्तिरक अक्ष भार्ष (क्षनिया वाहेवातक मध्य, ভুতপাং বৰার্য জানরাজে: উপস্থিত হওর। महिन रहेश केंद्रे ।

क्षकनः श्रकान्।

----

# विविध गरवाम ।

২**৬ এ অঞ্চহাত্তৰ সোমবা**ত্ত।

विकृतिरेखिनि वे वहन " जानहा त्व त्र अश्वाद्य जाया क्याना व्याना है स्व क्याना है से क्यान क्याना क्याना है से क्यान क्य

প্রধানতম বিচারালয় আজা নিয়াছেন, চোট আনালতের বে সকল মকদমার চড়ান্ড নিপান্তি ও ডিক্রীজারি হইয়াছে অথবা শেব ডিক্রী জাবি অবধি জিন বংসর গড় হইয়াছে, সেই সেই সকলের নথি প্রডি বংসর দক্ষ করা হইবে। আনালতের সমনের পুশুক ও রেজিটর থাকিটল যথেষ্ঠ হইবে।

প্রধানতম বিচাবালরের অনুবোধে গর্থমেন্ট মুজেকদিগকে ডেপুটি মাজিটেটদিগের ন্যায় এক এক অন পার্বাসানা দিরাছেন। কপার শোব।

वारमधार्य कारमहेत हिमिश्राम कतिशाहन स्थान हाडेन हैक्सिश मधा (मज, भूगांकम ॥३ (मज। बारमधार किकिश मखा, वर्शमध्यमपुद्ध किकिश हर्ष्यू महा क्वरकता थान काछित्रा भाषा किया द्वांच वारह, थान बाजिएखड ना, स्थान बामारव विक्यार्थ कहार हाडेन कामिएखड ।

३१ हे सर्वश्रद (य मश्राह्त (यय इत छाइरिछ गामिश्रद क्षेत्रक काश्रवा कृतियांत्र स्मनः ३७७९ ३,३৮,६१६ सन्दर्क माश्रवा कृतियांत्र स्मनः ३७७९ यन हास्ति च नगम २१०० होस्य विख्या हरे-शाह्य। अहे मश्राह्य स्मानात्र निरम्मन ३६३ स्मन शास शान्छांत्र कृतिशाह्य । भूस मश्रव स्थानमा ३६० सम क्षा (०५) याहेरसहरू।

प्रतिवाद देवकारम गर्यद्र स्थानम निक्ष गर् इत्थन स्व करहक कर देखेरवाणीत छन्न खाला इत्थन महिक खारवित्रकान वृद्ध खालाम रामारणाता इन्हेंनार्थ गित्राहिरम्य । गत्र क्षम मर्द्रक गर्था हिछ गणान महकारत ग्रहीख द्यम, स्व १० खालास्य गर्छन, नाविकविराध क्षिका, कामान, श्रकृष्ठि स्विद्धा मन्द्रदे द्वेद्राहिरम्य। गत्रकान मर्द्रक नीख खाकिमत्रविश्वरक वाशकानुद्र (क्षांकर्म व निक्रक्ष क्षित्रमः) बक्षर्भ स्वर्गास स्वर्गास कार्यत्र व विष्ठात रहा गर्वश्यके त्यहे त्यहे प्राप्त स्वर्गित प्र विष्ठात कित्रियां कांका विद्याह यान्य कित्रियां स्वर्ग स्वर्था स्वर्थाः कनवेषी श्रवनवणी श्हेरण्य स्वर्गि प्रश्नेष्ठे, मान्यहं माहे, स्वित्र मकन मा प्रभाव स्वर्ग मत्नाभी के कहा हुए मा विष् (कार्या हुन ।

व्यक्तिक छोत्र अञ्चाटक न नार्य अकः वेखेदानीय '' हिकि श्रिक के हिश्मूद्द्रय अकः विव्यक्तिय '' हिकि श्रिक के हिश्मूद्द्रय अकः व्यक्त विद्यक्तिय निकृष्टि २०० शकः प्रमुक्त । व्यक्त विद्यक्तिय निकृष्टि वर्षा। नामवीवादि व्यक्ति व्यक्त विद्यक्तिय निव्यक्तिय व्यक्तिय विद्यक्तिय विद्यक्त

निव्निवृत्र बर्जन, मुख्यकि जरमधात जव गर्था स्मनाद পश्चिक कृषित श्रवि अकात दि ३० ग्रोकाव विश्लीक व्हेब्रास्त । अस्मनीव स्मन् जिस्स । यथन नीलास कृषि विश्लीक व्हेरक जयन हेडेस्वानीव मून परनद अधिकाविषित स्था बांब मा स्कन ?

কানপুষের ক ট্রাক্টর পামার কো পানি বে লিয়া হইরাছেন। ইং নিগকে সইরা আর্ডব ্রলওয়েতে এত গোশবোগ হইরাছিল।

লাহোর ক্রণিকেল হবেন গড বংসং
সকল আফিসর ও অন্য অন্য কথাচারী ক্র ডলার রাজাব বাটাতে অভিনিথ হইরা সমার অবস্থান করিয়াছিলেন, ভাঁহারা কুভজ্জা এ বনাধ রাজাকে এক বৌপ,পাত্র উপচেট নিয়াকেন। এনেকীয় রাজাদিপের প্রতি ইউ পীয় কর্মচারিগাণের এইরূপ ভাব হয়, বিশেব ক্রখেব বিবর।

मिली (शास्तित कावूलश्विष्ठ नरवानम् वाजन, बृद्ध अ अर्थाएउत (व नकत नमीव नि साजी भी त नहांत्रका क्वाएंड साजित थी। १ व्राप्त श्लायन कविष्ठ वाश्वित हम, तमे इस मिलीत्रक शृष्ट कविता साजित था। होशिया स्वराकत्म कवित्राह्म । विश्वति साजित व शृद्ध (साजावृद्धित था अर्थन्त्र अ साजित व साक्ष्म वित्रका हहेता। सालनाव साप्ति समय कित्रहाहमा। गोहोत्र श्राप्ति मिल्हान ह साक्ष्म सा होहाहक ए कवित्रा सामि समय कित्रहाहमा। साज्य थे। नीय साम्यक्ष समय कित्रहाहमा। साज्य थे। नीय साम्यक्ष

75



বিভাগ হিতীয় বুলি বিভাগ তৃতীয় কান চাল।

জ্ঞান ও বৃদ্ধি উভয়ই এীতি বিভাগ হইতে প্রে হইয়াছে। শীতিই সন্ধান শারীবিক মানসিক সমুদার প্রকৃতের মূল দর্শা।

মানাসক রাজ সকলেব মধ্যে থীতির জিই
যাজ বলবানী। উটা মনেব উত্তেজনা, জনমেন
ক্ষর, ও জীবন সম্বন্ধীর সমস্ত ক্ষিয়ার বল
পাদন করে। হস্ত পদাদির গোলর, বক্ষাস্থবিশালতা, দল্প পংক্রিব গৌক্ষা, বদনেস
ভনতা, ও মন্তিকের ছ্মিল ও উৎকৃতিয়া
বাদি সমুদাম শারীরিক সৌহ্ব থীতিব্ভিব

মন তত্ত্ববিৎ পথিতের৷ ক্রীতিবিভাগের মধ্যে का खर्डनन्त्र्रहा, क्रियां ना श्रविधियना গালিকা, বিবৎসা আসঙ্গলিস্পা,[ঋপভ্যমেক কাম প্রভৃতি নিকৃষ্ট প্রবৃত্তিব অবস্থিতি ৰ্দ্দৰ করিয়াছেন। ব্দিও অৰ্ক্তনম্পূ হা, প্ৰডি বিসা ও জিঘাৎসা হুতি শ্রীতিবিভাগের অন্ত খাকা অধুক্ত বোধ হইতে পাবে, কিন্তু ডে-এইরূপ দীমাংসা করিয়াছেন বে উক্ত ভিন : जाजूदका 🗸 जीविका मिकीरहर चाराविक ায়। ইছার প্রমাণ এই, যে বিভাগ অপনাব ীর শাবকের প্রতি অনুরাগ বশতঃ প্রতিবি– দা রুন্তি ক**পু**দারে ভক্তজীবের পশ্চাৎ ধার ষ্ট্য়া জিঘাংসা ও অর্জনপদ্'রুত্তিব উত্তে-ক্রমে আহার সংগ্রহ কবে, ভাহা না করিলে র আপনার ও শাবকেং প্রতি প্রতি প্রকাশ ।ইয়াবরং নির্দিয়তাচরণ করা অংবল্য আনন তে চইবে : এই বিভাগ সহজে মহুব্যের ভ ইতর জন্তব কোন প্রভেদ নাই, কিন্তু বধন নের সাব ও বীজনরণ উক্ত প্রীতিকৃতি ক্লিপ রুক্ষে আহোহণ পূর্বক বৃদ্ধিও জ্ঞান াগকে প্ৰস্ফুটিক কৰে তথ্যই মন্ত্ৰ্য প্ৰকু महत्त, (गीरव ७ प्रवत्त श्रकान शाह ।

वीर्ष विकाश मस्टर्कत शन्तात काशत कथि कतिया काट्स, किन्न स्ट्रांत यात्र करण मस्टि मधास्त्र काट्स, किन्न स्ट्रांत यात्र करण मस्टि मधास्त्र काट्स, कथर स्ट्रांत स्ट्रांत स्ट्रांत स्ट्रांत स्ट्रांत स्ट्रांत यात्र मशीरत न्यांत स्त्र प्रांत स्ट्रांत स्ट्रांत स्ट्रांत काट्स कीर्य द्वांत स्ट्रांत विकास कीर्यांत क्रिकी मात्र मधास विकास कीर्यांत स्ट्रांत क्रिकी स्ट्रांत स्ट्रांत क्रिकी स्ट्रांत स्ट्रांत क्रिकी स्ट्रांत स्ट्रांत क्रिकी स्ट्रांत स्ट्रांत क्रिकी स्ट्रांत स्ट्रांत स्ट्रांत स्ट्रांत क्रिकी स्ट्रांत स

ছিবিভাগ মন্তিকের সন্মুখে অর্থাৎ ললাই স্থিতি করে। মনস্তত্ত্তিং পণ্ডিডেরা উক্ত

বিভাগের মণ্ডে বৃদ্ধির তি সকলের আলর নির পণ কবিয়াছেন। উজ্জ বৃদ্ধি নিচয় ছাবা বজার আকার, বর্ণ, গুরুত্ব, কাল, ঘটনা ও উপনা প্রজ্ তিব জান উৎপর হয়।

ষে ব্যক্তিব মন্তিক চন্দুর উপবিভাগে কর্ব পর্যাক্ত অভাক্ত দীব ও প্রশাস ভিনি বৃদ্ধিনান হন, জাঁহাব দর্শন ও প্রবণ প্রকৃতি সন্ধি বিসক্ত থাকে কিন্তু ভাষ্টেরক অলোচনা সন্তি ভাষ্ট্রল থাকে না। যদি এবস্প্রকার মন্তিক বিশিষ্ট মন্ত্র বেরে পশ্চারাল রহুৎ ও নিম্নগামী হয়, ভাহা হুলৈ সে বিবাদী, প্রতিবোধকারী, হলা, উচ্চত ও গোপনশীল, অথচ মিত্রাস্থ্রাগী কামী, শিক্ষ প্রিয়, গৃহাসক্ত ও নির্মাণান্ত্রক্ত হয়। আনবজা-ভির আলিপুরুষেরা এই প্রকার মন্তিক ও চরিত্র বিশিষ্ট ছিলেন।

মন্তিকের সমুগায় উর্ভাগ জ্ঞানের অধিকার : মনস্তত্ম শালাসুসাবে এই বিভাগের মধ্যে উপচিকীৰ্বণ, আকৰ্ষ্য, শোভাছ্ডাবকভা, ড'কে, আশা, ন্যায়পবভা, অধ্যবসায় প্রস্কৃতি উৎকৃষ্ট বুল্ডি সকল নিছিত আছে। মস্তিকের এই প্রদেশ ষ্থাৰ্যস্ত্ৰণে "ধ্মক্ষেত্ৰত ৰলিয়া বিৰ্ণেড हरेद्वारक। উक्त विकाश स्टेरक प्रशा विदास, ভক্তিও উপাধনা, অনরত্ব ও নাায় প্রভৃতির काम, जाशाजिक विषयाञ्चनकारमञ्जू देखा, यून স্তঃ দুৰ্শমেৰ শক্তিও আত্মৰল ও গিছাজের ক্ষমতা বভাৰতঃ নিঃহত হয়। এই বিভাগ যাবা মনুহাকে পশু হুইডে প্রভেদ করা বার, বেবেডু কেবল মনুষ্টে উক্তরূপ উম্বত মস্তক থারা বিভূ বিত হইয়াছেন, অপর জীবের ভাহা নাই। কিন্ত য়ে ব্যক্তির জান বিভাগ অভিশন্ন উচ্চ হয়, এবং প্রীতি ও বুছি বিভাগের সীমার সহিত মিল লা থাকে ভাষার চরিত্র বিষয় ও অব।বস্থ হয়। ভাহার অসাধারণ কমন্তা থাকে বটে কিন্ত বিবে চনা শক্তি থাকে মা। এ প্রকার ম**স্তিক হই**তে অনেক উৎকৃষ্ট ৰচৰ মিৰ্গত হইতে পাৰে, কলভঃ ভাহার সহিত কাল্পনিক ও অনস্থাইর विषय विक्रिक पारक।

এখন পর্যন্ত সানবগণ আনের বিবর অরই
আনিরাছেন। উহা বৃদ্ধি হইতে অনেক ভির।
আন মূলগতেরে উৎস অর্থাৎ উহা হইতে মূল
সত্য সকল মনে উদিও হর, আর বৃদ্ধি কার্বের
ভাঙার অর্থাৎ উহা ছারা প্রভাক্ষ বিবর সকল
মনোমধ্যে সঞ্চিত হয়। প্রীতি সংজ্ঞা ও প্রর্
ভির মূল কারণ। বৃদ্ধি নাজিক, জ্ঞান একেশ্বর
বাদী, ও প্রীতি পৌতলিক। বৃদ্ধি বভাবতঃ সংশ
রাপর, জ্ঞান বিশ্বাসবৃদ্ধে, প্রীতি উপাসক। বৃদ্ধি
পুরুষবং বীর্থান্ত এবং সকল বিশ্বর অ্বগত

रहेशात साना जनगण्डहे जान्यान हम। छहा
विशानसून, इहेमा विश्वात सहस्र सहज्ञान सहस्र
छाहात स्थान नक्ष्म करतः वृद्धित नहस्र सान
नाहे, फविराम स्थान नाहे, ५० सामाहिस्राठ नाहे,
এवং कार्णात साहन ७ प्रशासनीन वृद्धित्यक
कार्णात साहन ७ प्रशासनीन वृद्धित्यक
कार्णात विश्वात निर्माण करिए नमर्थ हम ना
पृथ्व क्वित स्थान स्थान करित करत, अवर
स्थान भाहेगा विश्वान करित ना, क्विम स्थान
हम अहेगा है। एक नक्स विश्वान अक्षात्म
विश्व हम।

**উक्ष काम विश्वस युक्ति पद्मन । बुक्तिहासि** সকল বিষয় লইয়া কাৰ্য্য কয়ে, উহাদের পরি চালনার নান ভক্ত, এবং নেই স্কর্কের ফলকে निश्वाक रता वात्र। किथ फर्क व्यानका वृक्ति যক্রণ থেঠ, বৃদ্ধি **অংশকা ক্ষানও নেইর**প। এীডি চৈতনং শ্বরণ, কিন্তু দর্শন শক্তি রহিড জান সেই চৈডনা পূৰ্বতা এবং ভাষা দৰ্শন শক্তি वुक्ता कामी वृक्ति कार्वा ७ कृत्यावर्गम् म-পেকা করেন মান জ্ঞানকে একেশ্বরবাদী বলি বার ভাৎপর্য্য এই বে উহা দেবতা স্বস্ত্রপ মন্তব্যের चक्रश्रद शक्तिया अत्रशेदहरू देशनदि करा । উহা বিখাসকারী হুছি কিছ সেই বিখাস সহজ कान दावा फेरलब रहा। दुव्हि क्षक कि विद्युव উপর নির্ভর করে, ভাহাতে বিশ্বাস ক্রমে না। क्षि कान पून गरफात छेनत निर्देश क्यार्फ নিৰ্মান বিখাস অৰ্থাৎ আত্মগ্ৰহত্যের অন্মে। বলি ডোমার বিখাস প্রমাণ সাপেক হইল, তবে তুমি ড বিখাদ কর মা, ক্ষেত্র অবগত হওঃ আছ यरि फूमि गरम स्थाम प्राप्ता विदान कर, फाहा **इहेरन कृति अकःस्तर्भ आगिरक शाहिएक र**व -वरे प्रदर्शनम राज्यत सरास्त्र अक सन स्थार चारहर, जिनि नजस्यान, नर्सर्हनी 👅 विका

७। विश्व विषय विद्या विद्यानायतइफ केलकमित्रकात देश्याकी व्याना ।
ध्याविकिकारियालय व्याना व्याविकारियालय विद्याना विद्याना विद्याना विद्यान विद्यान

৪। প্রকৃতিবাদ। এখানি বাদলা অভি ধান। 🖲 যুক্ত রামকমল বিদ্যালয়ার देशात महालन कतिहारहर । देशाया था कुछि श्रेडायरवार्ग अछि भरक्ष्य्यूर्गिछ ७ जिलापि निर्वेश कता व्हेत्राटक, कान কোন ব্লে প্রমাণও সংগৃহীত হইরাছে। भास्त्र व वर्ष कता श्रेताह, जारां पूत्रक्छ इरेहारह। कलफः वर्षामि वक बानि मर्क्टि উৎकृष्टे पांच्यान हरे शहर, बक्षा चनाशहर निर्मान करा बाहरक शास्त्र। देशक धार्माना विशय এই মাত্র বলিলেই শর্ব্যাপ্ত एইবে, সংগ্রহ कात्र উदेनमन नाट्ट्टरत क्रुष्ठ प्रशिशान त्राचा त्राधाकान त्रात्वत्र भक्तकण्यास्य अवर बार्यमुक्ते ७ खत्रख्यमिक अकृष्टित ক্লত অমরকোবের টাকা অবলম্বন করিয়া देशात्र नक्षणन कतितारहमः

१। काणीरिकार्यभागिषि। असानि गःकृष्ठ मानिक शिवका। गःकृष्ठत प्रकृषीननार्वदे देशत शिकिका एदेशाष्ट्र। पात्र किष्टू विन शरत देशत श्रीठात पात्रख कतिरम पान एदेख, असन देशत प्रकिक आहरू देवात अस्तिन। राष्ट्री गाहे-खाहरू ना।

কোরহাটিছ সংবাদদাভা লিখি-রাছেন।

১। এ অঞ্জে ওলাউঠারোগের প্রায়ন্তার ইংরাছে। প্রভাই ৫। ৬ জন কবিরা ওলাউঠা রোগাকাত ও ২। ৬ টা করিয়া কালগ্রাবে শুক্তি চুইতেছে। কাউনিয়া, নানিহানী, পাইক

পাড়া ও খড়িয়া প্রভৃতি স্থানে উহার সমধিক প্রাক্তিব লক্ষিত স্ইতেছে।

হ। আমবা সোমপ্রকাশে বেরিবী কোম্পানি
কৃত আরোহকর বিষয় অবগত হইরা ওলাউঠা
বাগের প্রতীকারার ভাহা আনরন কবিরাছি
লাব। অনেক লোক ওভারা আরোগ্যলাও করি
ভেছে।

ा जार १। ६ किन इहेन, चाँचेत्रा आहम कोन एंड्डिन एट्डिन इहेन्न किसाइ । नगर उन्हिल्स क्षांस ५००। ५२६ होका जारक्ड इहेन्नाइ ।

 विकथलुद्ध इहे बन बद्धा हहेग्राटकः अरू अरू महन अरू अरू का कि क्षांन व्यर्था र मन পতি আছে। ইহারা প্রান্ন সর্বত্তই আপনাদিগের ব্দবদ্বিত বৃত্তিব বিস্তার করিতেছে ৷ মধ্যে মধ্যে পদার শাধানদী কীর্ছিনাশা ও মুসীগঞেব নিক টকু মেঘনানদীতে অনেক নোকার ভাকাইভী করিয়া থাকে। ইগরা প্রায় ধরা পড়ে মা, যদি भएड़, मेरे व्यक्ति रहे मा। खाहात कारण अहे हेडा बिर्गर निक बार्स (र नक्त मध्य क्यांक খাছেন, থাছাবা ভাছাবিগের ভারে এমান ভীও त्य विशव्ह इंदेरन शाह्य डींशनित्य र तर्सव इ विज्ञा লয় এই আশক্ষায় ভারাদিলের স্পক হইয়া মুখ্জিৰ উপায় কৰিয়া দেন। এই দহ্যদল ছায়ঃ অন্যন্তর সেদিন কী উনালা নদীর মধ্যে কাপড় विवाह महाक्रात्व अक लीका स्क कविशाह । ইংাতে তিন জন মালা আহত হুইয়াছে। এই घडेमा दाखि आप इसे अरुद्धात मन्य स्त्रा सूर्व কারী দহাগুলিব কেক্ই ২ড হয় নাই। পুলিব মনে:বোগ পূর্ণাক কন্দ্রবান করিছেছেন। উলি বিত লক্ষ্যুবা সময়ে সময়ে বরিশাল, মন্নমনসিংহ ও কুনিলাতে ঘাইয়া সকার্য, সম্পাদন করে :

মেদিনীপুরস্থ সংবাদদাতা লিখি-রাছেন:---

अवीव (यांच्योनुद्वत विकादिकार मद्दव भावत एडि পविद्वादः। वाज्याव प्रक्रिन श. क्य विकादम् प्रकृषि भू न देग्दर्भकेत (यश्लिके गार्ट्य (य. याभवनीमा मददन कतिवाद्वत, छाहा ग्रांच्य व्यवंग्र व्यव्याद्वतः व्यवंग्य व्यवं ग्रांच्य व्यवंग्र व्यवंग्य क्रिका क्षेत्र माद्द्य व्यवं विकाद पूर्व इदेश क्रिका क्ष्य ग्रांच्य व्यवंग्य व्यवंग

माणिन न'द्रव को नाम निवृक्ष व्येषा 'आनित'।
(हन। हैन लोडे दिल्लेड के कहिला के आहे हैंने आहे।
(हन् ही हैन लोडे दे वांच्या का निवास देवा वर्णेड वांच्या के के माद्रद्व प्रवास की वांच्या की व

২। জনত। ইংরাজী বিদ্যালয়ের প্রথম শিক্ষক জীয়ুক্ত বাবু রাজনারায়ণ বসু মহাশয়ন্ত প্রায় ৩। ৭ মালু হইল একপ্রকার মন্তক বৃধি বোলে আক্রান্ত হইল। কিয়ংকাল নামতে ও কিয়ংকাল এখানে অভিবাহিত করিয়াছিলেন। কিয় এপর্বান্ত আয়োগ্য লাভ করিছে মা পারাতে আবার ও মালের অবলর লইয়া বাজী গমন করিয়াছেন। শুভরাং বিদ্যালয়নী মার পূর্ক বং চলিভেছে মা। আমরা ইপ্রথব নিকটে কার মনোবারের প্রথম। কবি যে, তিনি শী্র সারো গ্রানাত কবিয়া স্থানে থাকিয়া মেদিনীপুরের বিদ্যালভি ও থাকার ভি করিতে থাকুন।

७। (भागानहत्त्व शाव मारम अक कम पृष्टेपद्मावनकी कला कमीनाती उर्थाम् कृष्टिवित कर्षा अनुक विरम्म, दिनि मुख्यकि कर विन पाष्टि करिया अभवारम्म करिया आक्रिय पद्मा आग्रहका मन्नामम करियाह्म । यहा क्षेक, उर्वाम पाष्टि मकन पद्मावनकीय महा कृष्टे क्ष्म, अवर है। जात्वापाकरणा प्रवर्गन है। क्षित विवास अन्ति स्वम भागा प्रवर्गन है। क्षिति विवास अन्ति स्वम भागा विवास हदे हिल्ह क्षिति ।

৪:প্রাহ্মানের বিষয় এই যে, একরে এথানে ২৫। ১৬ সের ৮ উল চাকায় পাওয়া মাইডেছে, আরও অধিক চইবার সভাবনা। জেলাস্থ ছাতিক লীচিডাহিলাকে আছে ভাষ আছে ভার বন্ধ ও ৬। গ দিনের থালোপ্যাক্ষ তথুল ও বিস্থ কিছু প্রদাং নিয়া বিচায় করা চইডেচে।

প্ৰেডভব্। ২৬ নংখ্যা।

( ११७ वर्गान्टिय शह )

मान्तित अकृष्टित भरतार्थ हमा। ममुस्यात स्मान जल्डह् किस्ड स्मिट्ट स्थित स्मित्ते भृषक ज्ञारन दिनहिंद्ध हम्न श्राप्त क्षेत्रम केर्ट्स विकीय श्राप्त क्षेत्रम स्थितित क्षाप्त स्थाप्त स

SABHONE AS & U.

এবাৰ কলিকাভাষ দেউ আঙুৰ স্মৰণাৰ্থ ভোৱা হয় মণ্ট। কিছ বোধাইছে এই প্ৰথা পুন লীখেন্ত হইয়াছে। কলিকাভায় স্কৰ্ণদেব পীৱেৰ শ্প্ৰতি ভক্তিৰ সঞ্চা হইয়াছে।

हैश्लित्सान अवन करियाक्ति, सनी भूक्तिया भाषां स्वरंगत अक्षा कार्य, क्ष्मतवस्थ नण्यत स्वद्रोट्ड अवर्शन हे भृतिस्य क्षनानी उक्ष्मका वृद्धि करियान सोसन करियु'एडन ।

উজ্জ পদ্র বলেন কপু বতলাব বাঞ্চার জ'তৃপুন কেবল গৈতৃক সম্পাত নয়, বাঞাকে বিলোহেব সময়ে অবোধায়ে যে সকল আয়ুগীর দেওয়
হয়, ভাষা তি কংশ লইবার চেন্টা কৃতিভেনে:
আমরা ইং লিসমানের ভন্নামন কার্যা বলি
ভেছি যাগতে মীমাণসা হয় পঞ্চার গ্রহণিয়ে
ভৌর সেই চেন্টা পাওয়া উচ্চিত।

কিছু দিন হইল গ্ৰণ্ডেন্ট মধ্যাসিয়ায় কৰিয়ার কাৰ্ব্য দশনাগ পণ্ডিত মানকুলকে প্রেরণ কবেন, জনরৰ উঠিয়াছিল পণ্ডিত হত হইয়াকেন। কিয়ু সম্মতি তিনি ভাবতবর্ষে প্রস্থা গ্রহন করিয়াহেন। পণ্ডিত শীল্প কলিকাতায় আসিবেন।

ক্ষিয়েরা মধ্য আসিয়ার স্মান্ত অন্তির
ক্ষান্ত করিবার জন্য অনেক টাকা বংর
করিছেছে। এরণ জনকাত ভিরতের লামা
ক্ষিয়ার ইতিভোগী। ফলতঃ ক্ষাম্য দিশের
কার্য্যে সকল লোকেই সপ্তই বইয়াছে। প্রভূপান্তা
মন্ত্র্যা করিবার এই এক উত্তম উপায়। সা
ক্ষিম্ম আম্মা এক জন আফগানকে জিল্লাসা
করিয়াছিলান "ক্ষিয়োগা করিব লাইলে ভোম্যা
ক্ষিত্রিকান করিয়া ব্লিল "গালি ব্রীয়া
ফলবার হান্তে প্রাণ্ডলোগ করিব লাভ করিয়া
ক্ষেত্রার সভিত বক্ত কর্ম জাত করিব।

হিন্দুপেট্রিরই সপ্রাত বংশাহনের মাজিটেট মন্ত্রো সাহেবের আইন বেরুছ কার্য্যের কয়েকট মুনাকর উদহেবন গুলুসন করির ছেন। গ্রন্থের ক্টের এবিষয়ের অস্ত্রসন্ধান করা আবেল্যে।

স্প্রতি কানাড়ার রাজধানী সুইবেক নগরে
আমি লাগিয়া প্রায় ৩০০০ গ্রহ দক্ষ হটরাতে।
সুইবেকের অভিকাংশ ব টী কান্দরিত বলিয়া
এড অনিষ্ট হয়। প্রায় ৬৬ লক্ষ টাকাব সম্পত্তি
গিয়াছে। গৃহ হীন লোকনিগেন সাহায্যার চানা
সুইসেত্রে, তব্রতা গ্রেশ্ব কেনর্স ২০,০০০
জীবু প্রেরণ কবিরাহেন। এদেশে এরণ হ্র টনা
সুইলে শাসন কতুগণ কথাও কাহতেন না।

२१ अ अधिकार सम्बद्धाः १ । १९ क्षेत्रकार सम्बद्धाः १ वर्षाः १ वर्षाः वर्षाः ।

বাবু প্রসরক্ষার ঠাকুর পুনরার বাদদেশীর বাব-স্থাপক সভায় প্রবেশ করিয়াছেন। প্রসরক্ষার ঠাকুর অভিশর রুখ হইরাছেন, অভএব দিগস্বর বাবুকে পুনর্কাব মনোনীত করিলে ভাল হইত।

গত শনিবার এক জন মুটে লালদীধীর নিকটে ৪,০০০ টাকাব নোট কুড়াইয়া পার। সে
তংক্ষাং পুলিবে গিলা ইহা প্রনান করাতে নোটব অধিকারী তাহ র সাধ্তার পুরস্কারের জন্য
১০০ টাকা প্রধান কবিয়াছেন। অধিকারী এক
হন এতাদেশীয়।

মধতে হিতব্ধিব প্রাধান কমিসময় টেম্পল
সাহেব আপনার নিকট আখীয় কার্থাক সাহেবেশ
তথা তুলাব কমিসনেবর পদ হবি করিঃ। তাঁহাকে ইহাতে নিযুক্ত করিয়াকেন : মার্সিক বেডন
২০০০ টাকা : কার্থাক সাহেব অজি সম্প্রানিন
সিরিলিয়ান হইরা আসিম্নাভেন। নিয়মিত কাল
করিলে জিনি ছি চীয় প্রোণর আই ই মাজিটেন
হের বেজন ২০০ টাকা মাত্র পাইভেন। ইংলিস
মন্ন বলেন, কার্থাক সাহেব প্রধান কমিসনরেব
ভোজের উত্তম উল্লোগ করেন বলিয়া এই পদ
পাইগ্রাকেন। যে দেশের প্রধান শাসনকর্তা প্রজাক
১০৫ টাকা ভাজা লইরা বংসরের অপিকাংশ
প্রতে বাসম্বান নানা ক্রীড়ার অভিবাহিত কলবেন, সে দেশের নিয়ত্ব লাগনকর্তাবা ভালপ্রশ
কাল করিবেন সন্দেহ কি ১

কলিবাভার পুলিবের মূপরিকেও ট এবন ছতিকের সময়ে সবিলেব কার্যদক্ষতা প্রকলন ক রাতে সভাপতি জাঁহাকে শাল টাকা পুরকার ও প্রশংসা করিয়া পত্র লিখিরাছেন। এটাকা ই ভিয়েনর ফণ্ড হইতে দেওর। মাব্রেচনার কাজা ইইরাকে সবব্দেটের এসকল পুরভার করা উঠিত।

কলিকাভার পুতন মা.জটেট, এ।লন সাহে । বের নাায় ইউবোপীয় অপরাধিনণকে আজি-নিজে সমুচিত নহেন। মেরি মাটন নামে এক। ইউবোপার জীলোক স্থ্যাপানে উবস্ত হইয়া লোকযোগ করাজে জাধার ২৪ ঘটিকা মিরার হই। লাভে। ত্রালন সাহেব ' সভক করিয়া » হাজিয়া লিজেম।

কংটি ও বোৰাই পৰ্যন্ত এক সামুদ্রিক টেলি আফ করিবার প্রস্তাব হইতেছে। ইহার বিশেব প্রয়োজন দেখা ঘাইতেহে মা।

ণ ই ক্ষেত্রয়াবি বোধাইয়ের আছাপান ও ভারতহর্ষের পরমবন্ধু শাসনকর্তী সর বাটন ক্রিয়ার প্রভাগ করিয়া ইংলতে সমন ক্রিবেন। ২৮ এ অগ্রহায়ণ বুংবার।

টিপুবংশী ব্রনিবাদে ববন ৫২ লক টাকা দেও
রা হয় ওৎকালে লাড হালিফার এই হথা
বলিরাভিলেন বাঁহারা রসাপাগলায় লা থাকির্য়
ভির ভির হামে বাস করিবেন। কেই কেই ভাষা
করেন। কিন্ত প্রায় সকলেই মুখন বালী বিক্রন্র
কার্য়া রসাপাধলায় প্রভাগিমন করিরাছেন।
ভারতবর্ধীয় গবর্ণদেও ইহাজে অসজোব প্রকাশ
করিয়া রাজকুমারগণকে বলিরাছেন, ১৮৬৭
করের অভীবর পর্যান্ত বলিরাছেন, ১৮৬৭
করের অভীবর পর্যান্ত বলিরাছেন, ১৮৬৭
করের অভীবর পর্যান্ত বলিরাছয়া দিতে হইবে। পেলনের ভত্তাবধারক বলেন, রাজকুমান
রদিবেব অণ পুর্নাপেকা অধিক হইরাছে। এসকল ব্যক্তির শীজ হৈডনা হইবে না।

নিলী অবিকার করিবার সময়ে বিদ্রোহিদি গোব যে সকল সম্পত্তি সৈনাদিরের হওগত হয়, ভন্মধ্যে মতি বেগলের ৬০,০০০ টাকা ছিল। বেগম বিদ্রোহে লিশু হয় নাই। ডিনি এই টাকা পুর: প্রাপ্ত হইবার অবেদন করেন এবং ওয়াগনিট্রির সাহেব জাঁহার সহায়তা করিয়াছিলেন। বেগম মৃত্যুকালে এই টাকা উইল করিয়া ভয় খানিট্রির সাহেবকৈ দিয়া খান। দিলীর কমিনরের নিকটে এই মকজনা হয়। একবে পঞ্চাবের প্রধানতান বিচারালর ইহার অংশীল প্রথন করিছেকে।

কলিকাভার গড়ান ই রাট কোম্পানি দেউ লিয়া হইয়ানেন । চাক্ষেত্র এই কোম্পানির ধাংসের কারণ।

৪১ গণিত এতকেশীর শদাতিক দলের কা-প্রেম রবাটন আগরাতে ভয়পুরেন বাজার প্রদত্ত ভোজ দিবনে মাতাল হইরাছিলেন বালিয়া তাঁ-হাকে সামরিক বিচারালয়ে অর্থণ করা হইবে।

লাহোরক্রণিকেল সংবাদ পাইরাছের সম্পত্তি কিলাভি নজিলিতে সিয়ার আলিখার সহিত আজমখার এক ভয়ানক যুগু চইয়াছে। একদল বণিক পেলোয়ারে এই সংবাদ আলিয়াছে।

वाख्यात्वात्र जाल्यत्र मह बर्गम किम गर्नेका करिया विवाहस्म दिख च गर्ग वृष्ट इरेन दिख क्वम निस्न अपूत्रकाय त्रका भाषा। मर्ग प्रश्नम करिए भावित्व विक्य मृणा। त्यारक्त मरकात वर्ष क्षिण गर्ग प्रश्मास केवथ जारम जाव्य प्रकार भावर केवरगत मरवन्याय वर्षम करित। जाल्यत्र मह वर्षम व्यवस्थाय क्षम्मक। दिख्य मुक्त अपूष्टि क्षण मक्ष्म इर्द्यत् गुप्त ग्रह्म गर्कि क्षम अस्म इर्द्यत् স্থানে বার। এক দর্শ অপন্ন সর্গতে দংশন করে লে কিছু হয় না। ভাজার দট হটে সর্গকে পর न्नव हरनम करादेशः (प्रविद्यादकः।

বস্তুত্তনীয় স্বাস্থ রক্ষণী সভা আগবা কানপুর मामी कानी अमानानुद्रत याका वक्ता दरमा বস্তু দর্শন করিভেত্তেন। তাঁহার এমারের পেনে ঞ্জিকান্তার জানিবেন। এীবা কয়েক মান নতা ব্যাপনাদিগের অ'স্থ্য বুকা সিমলায় বসিয়া ক্ষেন। শীত ভিনমান নৈনিক শিবিকের প্রতি মুটাবাভ হয়: ভাঁহারা বে নাম গা<ণ করেন, এবং যে জন্য মাসিক ১০,০০০টা চা বংয় কবান खाहोत किष्ट्रहे स्यू मा । जब सम भएतएम : अशीरम कत्त्रहे कर्महाती चकर्तवा माधन क देएहरहून। ু এডসিন ২৪ পর্গণা মণীয়া ও যশোহর নদী-क्षा विकाश नार्य विद्याख दिन। अदन व्यवसि ইহার প্রেসিডেন্সি বিভাগ নাম হইবে।

নীম্ম ও নসিবাৰাদের রাস্তাব জন্য উদয় भूटदर द्रोका ३,५०,००० होका श्रशन क(दर्श ८इन ।

রাম্ব সের অকুলান হওয়াতে মালি সাহেব কলি কাতা বোৰ'ই ও মান্ত্ৰাজের ছোট আদালত স হের উচ্ ত টাকা সকল সাধারণ ধনাগারে লইবার স্কন্য ভাবতবর্ষীর ব্যবস্থাপক সভার আগামী অধিবেশম দিবনে এক বিল উপস্থিত কৈবিবেন :

ফাড নাও সিলার সাহের কলিকাডার বানিক সম্প্রদায়ের সভাপতি। তপর্যন্ত ঐ সম্প্রদায়ের সভাপতি মাত্ৰেই ভারতব্যীর ব্যবস্থাপক সভার र्न'कः स्टेव'र हन । किन्न गत सन मरवण निमाव नार्ट्टिक बह्द मा कवित्रा काछ म किमाव का ল্যানির অংশী কিনার সাহেবকে মনোনীত कविद्याद्यतः विकासन ७ वेडिस्तानीय नमाव विवक्त इहेग्राट्डन। किंड के शिहारिता लाग चा ৰশ্যক আমাদিধের এ ক্ষেত্রপ ক সভা প্রতিনিধি ज्ञा नरुर, अवर जिलाव नारुर हेरवाय मरुरन

করাশী বজাট আরোগ্যকাভ করিয়াছেন। একংনি ইউবোপীয় সংবাদ পত্ৰ বলেন ভিনি এক্ষে পারিদে এড,াগমন করিয়া নিয়মিত আমণ ও ব্যক্তকার্যা করিছেকেন।

নিল্লীতে ওলাউঠা হইডেছে।

সম্প্রতি মিড়লটনরোর বিবি মরের বোড় বাদীর কাপ্তেম মারিনারের উড়ীয়া ভূত্য পদা দাগ হাদ হইতে পভিত হইয়া প্রাণডাল করি রাছে। করণারের জুরি মত দিরাছেন, মৃত ব্যক্তি বেক্তাপূর্মক ভূমিতে পঞ্জিরা আত্মহত। করি बाटह । कुछा हुति कतिप्राहित, धता शक्तितात बाटह । এक बाटमत बटश खाँशामिरशत शाह शामि

अवर कारश्चन माहिमाहात क्रवानवन्त्री फुक्किक नरहा अविषरग्रत शुक्षक्षां अञ्चलकाम आविष्यक्ष

২৯ এ জগ্রহারণ রুহস্পতিবার।

বোৰাইরের সূতন শাসনকর্তার এই বর্ণনা কণ হইয়াতে, ভিনি পুর্কে টোরিনান্ত্রনর্চের স্থীনে অণ্ডর সেক্রেটারি ক্লিনেন। ডিনি বাস্ত-বিক এক জন বোগ্য ও শিক্ষিত বঙ্কা ও ভৰ্ক-का ती, खीश्व करमक विष्टत मुक्ति कारक अवर গৌরিদলেব ডিনি এক জন প্রধান প্রতিনিধি। বর বাইমর **ফিটজারালভে**র সামাজিকও**ও** প্রশংসনীয়। ডিনি অহস্কাব শূন্য ও মিষ্টভাষী। শেষোক্ত ওণ এ দেশে অভিনয় আহম্বে।

সম্প্ৰতি পঞ্চাবে এক জন দীক স্থাত্ৰধৰ এক ভূতন মত ব'চিব করিয়া বিস্তর শিব্য **করিডেভে**। পঞ্চাবেৰ স্থাসনকর্ছা এব্যক্তির উপরে চুক্টি রাখিকেন (

देखियान अभिनियन वरतन. काचीरवर वाका ভিৰতে **ए इंडे श्रदान कर्य क**र्वनाडितान, छोड़ा পরিত্যাগ কবিয়াকেন।

মধ্বাৰ বিধ্যাত গদী শেঠ লক্ষ্টাদ বাও वाराष्ट्रदव मुष्टुः स्ट्रेगाटमः विद्यादम्ब भव देनि এক জারগীর ও রাও বাহাছব উপাধি প্রাপ্ত হম। ধার সমীর্চাদকে দেওয়া উচিত চিল। এরপ জনকাডি ইনি ৪ কোটি টাকাব সম্পণ্ডি বাখিরা शिय़द्रिक्ष । क्रुप्तत्र शन्तियाकाल नचीहीद्रवत्रः। নার ধনী কেবল সাবিধারীলালকে দেখা! শার।

আসিরাটক সোপাইটিব গড় অধিবেশন দিবসে বি, ৰঙ্গ সাহেৰ এক পত্ৰ পাঠ কৰিয়া विश्मिक शकात बमा भाक छ कामत वर्गना कति শ্বাছেন। ছর্জিককালে মানজুমের লোকেবা এই সকল খাইয়াছিল। ইহাব কল্লেকটা অভাত্যক্ষ নহে ৷ বজ্ঞ : সাঁওভালেরা বনেব অংনেক ফল ৰাইয়া থাকে।

(वीबाइर्ष्ट्र अकाल वलन्तिवृत इहेब्रार्ट्स । वल-िहेरदश्रम बहुदका बहुद्व और क्षेत्र कारण गरः কবিছে পাবেন না।

क्यूबावारम अक्षी स्थान इहेस्टर्फ, ए.स.ज. लात्कत यस भार्षिक जारश्य देश कतिराज्यक्ष । बक्यरम व्यासक वा क्ष इत्या का साराय विवय ম্যে: মগরের লোকেগা বুবিয়া কাজ করিডে काटनन, किन्द्र शतीबामयात्रीया এक नात गर्ना-चाक्ष क्ष्रेरम चाव अध्यत्राहेरा न द्वान ना ।

পেনিনমুলার কোম্পানির কি ছর্মশা ধরি-भाग हेश कृतिप्रारह। किन्न समयुव पाना अकात । स्नाहास विकास का का स्हेगारह। अहे शानारवात

निवधन क्ला इप्रि त्यहेन अक विवास चाति-ब्रोट्स ।

পণ্ডিত মানফুলের সহিত মুজি করেমবঙ্গ ও মৌলখী বহুপদ হোনেল ভিন্ন ভিন্ন পথে সধ্য আসির'য় প্রেরিড হন । **ই**ইা**রাও প্র**ড্যাগমন করিভেড়েন। পণ্ডিত মামফুল মুমেন কাম্দীর অপেকার বংকসান মনোহর স্থান। ডিনি তথা श्हेर्ड अत्नर धाकुत जामर्ग जामिदारहरन । द-স্ততঃ এই এদেশে ধাতুৰ **অনেক ধনি আ**ছে গ পশুত বনিকের বেশে গিয়াছিলেন, ছুভবাং ভাঁহাকে কেংই কেছু বলেন নাই। ডিনি খোগি স্থান, গোরা ড় ও দাব দিয়া গ্রন করিরাছি**লেন**, इच्छिमिरात्र वया गर्नेख खावन सहिरमन, किस অরাওপার বোধারীয়দিগকে পরাজ্য করিবা পর ভারারা খোভেদেব এদিকে আইদে নাই (य नक्त प्रम अन क्वा क्वेग्नाट्ड क्रविट्रात्रा ख्या व्यानमाहिरशत भगडा हज्यक् क्षिएक बार चारकः इश्वेत भूटर्ग मात्र चन्नमत् स्टेरन मा काबुरमद्र विषया मध्मकृत वरनम बाङ्ग्फ हो। कश्का पाकित बाँत र एक जारह, आरम्भ व নাম মাত্র আমীর। পণ্ডিভের কথা শুনিয়া এ বিবরে প্রাচীন বিষয়ের অনুস্বায়ীদিগের কৌব হল বৃদ্ধি হইতে পারে : কান্দীর প্রাচীনকারে क्षत्रवाव श्री अव : देकला (म स्थारम (बब्र बान विन বর্নিত হইরাকে। ও কালেরা পোরাসান হইট व्याहेरजञ : दहकमान छ रेस्ट्रुई नरह ?

महत्रमाईदिवेत बांबुल मरवादिक मर्पा व চ**ট্ৰ, সম্প্ৰতি বেখোবাৰ ব্যক্তা আকল্পল ও** निक्रें हु ह (श्रद्भ कविया प्राक्ष श्रार्थना कर কিন্তু আফল্পল ক্ৰী বলিয়'ডেন জীহাৰ সাই করিখার ক্ষত। নাই। মুক্ত এক শত সা প্রথাক বুল হইটেড পেলোয়ারে ধারা করি (इस । (ब'चाया व त्राङा अक शब्द अवर्षद्र (सन লকে ও এক পত্র ধার্চীকে লি।ধয় ছেন। গা .জনবল স'হ'যাদানে অসমত হইলে ডিনি ব है।हिस्मानस्य क्या क.ब्रस्य। यश कानि লোক দিলের অদ,াপিও সংকার আছে ছব स्ग्राहास महाभक्तियात । मुख्य यटनन, स्रवि বোধারার ছই ফোন মুবস্থ এক পরীরাম ত কাব করিয়া নামা অভ্যাচার কবিভেছে। ই কলে বিস্তৱ ক্ষিয় দৈন্য আদিতেতে। বি गर्वाप्टित कर्डवा (र उँःश्वा क्षिप्र भव উক্তেৰলেন বোখাবাৰ স্বাধীনতা রক্ষা ক वर्षंत्र चारीमजा तकार्य स्रायम,सः। हिः विवास अहे कथा वना सहेगाइक । (वा (वनस्त्र विशास कवि कि ?

**पश्चिमन जा**तल व्हेद्द ।

ক্ষেত্ৰৰ ইতিয়া বলেন, এ বংসর ১৮৫৯ **গজেব : আইনে**ৰ সংশোধন হইৰে না। বছ-দশীয় গ্ৰণ্মেন্ট ব,লয়াছেন ভূমিংংক্ৰ স্ত এত লাইন হট্রাচে যে কিছু দিন বিভাষ আবশ্যক। ৰামরাও এই কথা বলি ১ ১ আইনের সংশো-ধনের প্রয়োজন নাই। প্রশান্তম বিচারালয়ের আআমায় কর বৃদ্ধিব নিষ্ম বি্ব চইয়°েচ।

উক্ত পত্ত বলেন, মাৰ্শমান গাড়েবের ভারত হবেৰ ইতিহাসের বিভীয়<del>ণত ব</del>ীত্র প্রকাশিত **হেটাৰ । মাৰ্নমান সাহেব সহস্ৰা**ও প্ৰকাশ কলন কিন্ত ভাঁহার ইভিহাস নীরস, ইনা বিশ্ববিদ্যাল-(भ्रत्न भार्त्र(भुक्षक नर्धा स्वत मा भारक।

मञ्जूष्टि क्लम्प्रहरेने विकार लाहावरी আহাজের নাবিকেরা পরক্ষার হাজ। কবিয়া নানা অস্ত্যাচার করাতে গ্রব্মেট আলোক বাসীব स्वतिरहेर केरक मामिक्टिन क्या है। विकास মানদ করিয়াছেন।

ইংসিগমান ৰলেন, সম্প্ৰতি বোৰাইয়েন বিশ্প সিমলা জাছামে উঠিভেডিলেন, উাচাব -পুর **স্থানিত হয়, কিন্ত** সৌভাগ ( বলতঃ এক দড়ি अतिहा किमि क्रिश्च शास्त्रम, क्राहारकव मा वि-(क्या क्षेत्राहिक द्रव्या करवः

উক্ত পত্ৰ বলেন, ইংবাকদিগের অধিকৃত **রক্ষানেশ হইতে পশ্চিম চী**নে বাস্থা কবিবার কর্। সমুদায় বাছ কেওয়া গ্ৰহণ্য স্মেনহালৰ অভিত্ৰেত মহে। ডিমি বিটিশ দীমাৰ বাহিরে বাস্তা প্রস্তুত कवियोद कथना अतिम कवियान नाम निएक हा (इस वा । এ व्राच्छािट उत्ताविष्यात्र निक्त विस्तवः क्रविता स्ट्रेंट्ड शास्त्र। किन्ह वड मिन मिक्किन हीन ও ব্রহ্মদেশের বন্য সোকেয়া সাজভাব ধারণ না করিতেছে ওড দিন বাস্তঃ করা রুধা কর্থনাশ।

#### া হাচক্তে দহারচ্চত ৩

जाबद्वा अ मुखाद मानिक मानक म स्वी-এ**উলে** গরকুলর " নামক একখানি ইংলঔীয় সংবাদপত্র প্রাপ্ত হইয়াচি : এই সংবাদপত্রের অধ্যক্ষণ এতকেশীয় সংযাদপত্র সকলের সহিত विभिन्न आर्थना कविएउट्डन । य'नवा हेर्'ए'ड ক্ষেক্ট ভারতব্ধীয় ভাষার বিজ্ঞাপন দেখি-লাম। বাইনা ভাষাৰ বিশুক্তা নাই বটে কিছ আন্তিমির শক্তব্য এই, বাখলঃ সমাচ'কাত্র হিছা সংগ্রেকর ব্যয় ১৬২৫ বটাকা ! লবণ হইছে ।

व्यालामी कथा जातकरवीं ह द:दशायक महार्थ निव्याहक विराय विराय महक व्हें हा नकन विव রের আলোচনা করা উচিত।

মুক্তিকেৰ কমিমনবগণ আলঃ প্ৰাতঃকালে কিরোজ বাস্পীয় জাহাতে আহোহণ কবিয়া প্ৰীতে বাত্ৰা কৰিবাছেন। তথা হইতে জাহাবা কটকে, তৎপৰে বালেশ্ববে, ও খেলিনীপুর হইয়া স্থালী দিয়া রাল্পানীতে প্রত্যাগমন ক্রিবেন। হাঁহারা বোন প্রস্তাব করিতে অথবা কোন বিষ-য়ের সংবাদ দিতে চাঙ্গে, কমিসনরগণ ডাংগ बाक्ताम भूर्यक बहुन किर्दिन ह

ভানতব্যীয় সভা সম্প্ৰতি লেপ্টনত প্ৰৰ্ণ-**(वड़ जिक्द्र) कुर्जिक महत्त्व এक जारवमन क**विहा ফাল ও অন্য জন্য ইউরোপীয় দেশের নংখ্র এখানে কৃষি সংক্রান্ত এক এন মন্তিনিরেংগের প্ৰস্তাব কহিবাছেন। স্থাগানী বাবে এ বিষয়ে আমাদিগের কিছু বলিবার ইক্ষা বঞ্চিল।

ইংলিসমান জ'বৰ কবিয়াছেন, বৰ্মানেন ক্ষিসনৰ ও বাঁকুড়াৰ মাকিটেট এক অন ছে-পুটি মাজিটেটকৈ স্থানাত্তিত ক্রিবার বিষয়ে विवास कतिया छैक्टब्रेड शवर्व मटकेव निकट्डे প্ৰস্পুত্ৰে বিৰুদ্ধে বিশেষ্ট কৰিয়াছেন। সিবিলি য়ানের সহিত দৈনিক কর্মগারির নগার পুরিতন সিবিলিয়ানেৰ সাহত পরীকোমীৰ সিবিলিয়ান-मिरशत नर्वमा दिवान (मथा वाहरणहा

উক্ত পৰে বলেন, সত্ৰা ড বন্ধদেশ ও উত্তৰ পশ্চিমাঞ্লেব লেপ্টনন্ট গ্ৰহণ্ৰেবা আগবায় এই স্কির করিয়াছেন বঙ্গদেশের ন্যায় উন্ধব পশ্চি মাঞ্চলৰ অস্তৰ্গত ভাৰতব্যীয় বেশওছেৰ অংশে পরীকার্য গ্রহ্মন্টের পুলিব স্থাপিত দইবে। অপবাধীদিগকে যুক্ত কহিবার বিষয়ে উত্তর পুলিষ সুপরিক্টেণ্ডেক্টের উত্তর বিভাগে সমান ক্ষড়া থাকিৰে। অধাৎ উত্তৰ পশ্চিমা-ঞ্চল কেই অপরাধ করিলে ডব্রত্য পুলিব বিনা অনুষ্তিতে বৃদ্ধেশে আসিরা অপরাধীকে শুক করিতে পারিবেন। জন্য জন্য বিষয়ে জীহান শ্ভব্ৰ শ্ভব্ৰ সায়ী থাকিবেন। ভারতবর্ষীর রেল एरब्रा १०४ माहेन रक्षणान ७ ११६ प्राहेन छेखर পশ্চিমাঞ্লে আছে। এক জন প্রণান সুপরি *्रे*ट७ के बाका व्यावन;क।

## ১ লা পোৰ শবিবার।

गाउ जांशष्टे बार्ज यथा कावडवर्ष ०,२०. শীর হে আহা হইবে তাহাব বিলক্ষণ সভাবন। ৬৭৮ টাকা আর ও ৪,১৭,১১৪ টাকা বাছ আহে। আৰবা আফাণিত হইগান বাললা অৰ্থাৎ ১,৬৮,২০৬ টাকা অকুশান হইরাছে। भद्भव स्त्रोत्रव केरमद्वल इक्टल्टर । अवस्त कृति इक्टल ১,১१,२১१ क्रीका कात्र क्रेब्राइ,

৯৪১৪ টাকা মাত্র আলার কিন্তু লবণ বিভাগের ৰায় ৩৬, ১১২ টাকা ' কমিসমৰ ও ভাঁছায় অধী-নত্ব কর্মচারিদিগের নিমিত্ত ৩১,০২৭ টাকা পঞ্চি ब्राट्ड. कि ह विहास थ श्रुलिट्यत किया ३,६৮२३३ ष्ट्रेर अर्था वाहरखरह। देहीन्थ स्**हेरफ १०,०** · ৮ টাকা ও আৰুকারী হইতে ৮·,৪৫১ টাকা वास रहेश्राटक । श्राच्यात मरवाहरू वस्य २,३७५ **७ विजीरमूत २७३२ ठाकः। यत्नम्र वाम्रा मा**क्र ক্রমশঃ অধিক হইতেছে। তুত্তপুর্বর রাজবংশে। পেলনের নিটেজ ৮০,১২৫ টাকা পঞ্জিরাছে। এই হিমাব ভূতিকর নছে। বস্তুতঃ প্রথম স্বেধা বাইতেছে নিয়মবহিছত এলেশের সৌভাগা योशे कोशरक रम्या योग्र । स्मोक महर्षे मर्कन, थवाचे काक ६ इस मा। (य नकाव भागरमह सम्ह সর কর করেন্দ উপযুক্ত শাসনকর্তা ব্যৱস্থা 🥫 শের গ্রাব্যালন্ত্র না হওয়া পর্যান্ত) যশোলাভ कर्यन, मिहे शक्षाव अकर्त विमुखना ७ काउता চাবপূর্ব বলিয়া বর্ণিড হইরাছে। **ভবে ভথা**য় এবল সাধারণ মত নাইবে শাসমকর্ডাহিসের (धार गर्कामा नाशावन (भारत एहा)

ত্রাতে প্রাহের শীজ ব্যক্ষণ্ড সভায় এই ভাবের এক বিল অপন কবিবেন বলি কোন ধর্মনত ব্যক্তি (নে,ড়া) কোন ইউরোপীয় कर्महाजितक वश्र करत, छाड़ा इट्टेंग नियमिक मामानुष्ठ विहात छ एक्टिक्स विलय मा कहिन्द्र জত বিচার কবিয়া কেবল বিভাগীর কমিসন্তের মত লইয়া অপরাধীর দণ্ড হয়। এই বিল কেবল शकारवर् अन्। इहे:जहहा भामता न्यक्षीव्यक्तत ইহাব প্রতিব'দ করিডেছি। এমন আইন কবিলে ত্রিটিশ গবর্ণমেক্টের পুর্বান্তন বাদশাহদিগের সহিত বড় প্রভেদ খাকিবে না। বথারীতি খণ-রাগীর বিচার হইতে হমি কিছু বিশ্বর হয় তাহাতে প্তি কি ?

পূর্মবাদাদার রেলওয়ের ছিডীয় খেনীর नक्टी अबरे लांक रव बलिया अरे आनि देविया বাইডেছে। এখন খেণির ডাড়া রুখি বইবে। এবং দিতীয় ও ভৃতীয় শ্লেনিব ভাড়ার বাকী কাটিয়া বাহা থাকে ভাষার অস্থাংশ সূতন দ্বিতীয় ত্রেণির ভাড়ার উপরে অণিক লওয়া व्हेटव : इन्द्रपं क्यांन्य काक्ष्ण मधान वासिटव : ভৃতীয় জেনির শক্ষ চতুর্ব জেনির না করিলে এবন্দোৰতে সাধায়ণ অসভোৰ ব্ইবে।

আমরা ক্ষণত হ্ইলাম ভরতব্যীর গ্র্ব-मिने रमामभीत अवर्थामन्द्रिक अरमामत अधि (सताव शब्द a (तोक मरकाव दिनाव) निरक्ष विकारहर । केंद्रस्थात स्थित्वत कि व्हेटव ह

निव जिथिक प्रशा शर्थाय हेत्र कालल विक्रीक क्रेस्कर हा--

ইউরোপীয় সমাচার।

গ্রহার জেনরল টেলিরাম পাইরাছেন—
"লওন ৪ ঠা' ডিসেম্বর । ডে,সডেনছিত
ইংরারত্তের পদ উঠিরা গেল । মকদ্দার
কোলেন্ডোর প্রতিকৃশ ডিক্রী হইরাছে।

হোমনিউস হটতে।

मधन ३ - वे नर्वष्य। निष्ठेरेष्ठर्कत्र (मार्क्य) मखा कवित्रा ( चाद्यदिकान ) शर्वाद्यक्रेरक जञ्चरत्राथ कवित्रार्क्य, कानाष्ट्रात व मञ्ज किय प्राम करत्रमी चारक, खाराबिरशय भूखित विषर्ध रुक्तान करा केत्र।

কুইবেকের ক্রিকাতে বে সলল লোক গ্র-হীন হইয়াছে, ভাষাদিলের সাহাষ্যার্থ ইংলতে বিভার চাঁদা হইভেছে।

জেকার্শন ডেবিসের বিচার বসস্ত কাল পর্যন্তে স্থানিত থাকিল।

পালার্ম্মোর বিয়োকে বিশুর স্থাত বাজি লিপ্ত ছিলেন।

গোষড়ক প্রায় নাই।

নিউ প্রতিভেক্ত ভরকর চুন্বার হইয়া নাসোনগরের অর্জেকাংশ নষ্ট করিরাছে। বন্দ-বের এক শত ভাছাভ (বন্ধগের রাজীর এব থানি কামানের নৌকা চিল, ভাছাও) বায়ুব এবলভায় ভীবে উঠিয়া পড়িয়াতে।

পারিলের অনেক লোক কোন গোপনীয় স-ভার সভা হওয়াতে খৃত হইয়াছে।

লগুন ১০ ই ন্বেরর প্রাক্তংকাল। বাঁদাও কড়াইরের ক্ঠের টাকা বিভরনের জন্য রাজকীয় প্রয়ানা আক্ষরিত হইরা ভারতবর্ষে প্রেণিড হই য়াহে। ভারতবর্ষীয় স্থারের প্রাণ্ড জন লাড বেশিরর ও সাইমর কিটজাবলডকে প্রদান করা হইবে।

চারলস ওয়াইরণস বাজালোরস্থিত গবর্ণমেন্ট বিস্যালয়ের অধ্যক্ষ হইয়াছেন।

এরপ অনুক্রতি বোহাইরের বিশ্ব-পদত । গ ক্রিয়ার সম্ভৱ ক্রিয়াছেন।

আনামী বংসরের প্রারুত্ত সর গাসপার্ড লি মার্নান্ট ইংলতে প্রক্যোগসন করিবেন। এমত

অৰঞ্জি হয় সেবাপতি লিউহাৰ অধ্বা জীনতু-পূই খীহায় পলে নিৰুক্ত হইবেন।

আরারলথ্ডে কেনিয়ান বিয়োবের আশহা হওয়াতে তথার আর তিন রেজিনেক সৈনিক প্রেরিত হইরাছে। এরণ জনক্রতি ট্রিকেডখার উপনীত হইরাছেন।

শশুন ২৮এ নবেরর। ট্রেডস ইউনিরন প্রিন-রোজ পর্কতে সভা করিতে অসক্ষত হইরাচেন। গবর্ণনেউ তাহাদিসকে রাধনিতে বে স্থান সিতে চাহিরাহেন, ভাহা জাঁহারা এহন করিরাচেন। কিণ্ডার্শনি শীজ পদত্যাগ করিবেন এবং মানিক সাহেব ভাহার পদে নিবুক্ত হইবেন।

मधन २५ अ मरबद्दा । अञ्चल क्रमञ्जूष আমেরিকার একনল গৈন্য যেক্লিকো রক্ষা করিলে, নেমাপতি সাম্মাণ করেই তথার পানৰ করিয়া-(इस **अदर कि डाउन रैनन**) शन मार्गियानाम अधि कांत्र कतिहारहा नकरन अञ्चाम करतम, माझ-মিলিরান ইউরোপে আনিডেছেন ৷ যে দেশের স্থিত বাধ্যবাধকতা নাই, ভালুপ নেপের আইন विद्यानार्थं अक ब्रासकीय क्रियन सिवुक्त रहेश्र क्रम। (बाद स्त्र लाख क्रांन@द्रार्थ देशव व्यदुव्य। জামেকার প্রোবস্তমার্শাল রামজের বিরুদ্ধে হড়ার বে অপরাধ দেওরা হর রাও জুরি ভাহার বিল अबाश कतिहारकन । व्यक्तिम ७ हाइनहेरमद সাধারণডন্ত্রপ্রিব্রনল ছই অন কাফ্রিক মহাসভার প্রতিনিধি মনোনীত করিরাতেন । ইর্কসিরার ও লাছেসিয়াৰে অলপ্লাবন চঙয়াতে অনেক সম্পত্তি ও জীবন মত হইরাছে। সর জন জুক্ত লিনের প্রস্তরময়ী প্র'ডমুর্তি ওয়াটরত্ বাটাডে প্রতিষ্ঠিত হইয়াছে ৷ ১৪ ই নবেশ্ব রাজিতে ই লণ্ডে বিস্তব উল্ফাপাত হয়, দেখিতে অভি কু দর ক্ইয়াছিল।

লগুন হ ঠা ডিসেবর। সভাপতি জনসন মহা
সভায় যে বস্তৃতা করেন তাহাতে ওাহার পূর্ম
তন রাজনীতির সংক্ষেপ বগনা করিয়া ডিনি
মহাসভাকে ভদস্পারে কাল স্বিবার জন্ত্রাম
করিয়াকেন। গভ বংসরের ব্যথ অপেকা আরু
১৫,৮০,০০,০০০ ভলার অধিক হইয়াছে। সভাল
পতি আরপ্ত বলিয়াকেন বিদেশীয় আভি সকল
প্রাপেকা আমেরিকাননিগোর আভিসাধারণ
শভাব ও অব্যের অধিক প্রশংসা করিতেকেন।
কুলার বলিয়াকেন আগামী বসস্তকাল পর্যন্ত
মেরিকো হইতে নৈনা প্রভানয়ন স্থানিত থাল
কিবে। আমেরিকার গবর্ধনের এ বিয়রে আপভি
করিয়া প্রার্থনা করিয়াকেন, করাবী গবর্ণমেই
আপনারিগের প্রস্তাব পুনর্কার বিবেচনা করিয়া

व्याप्तिकां द्रशासकितां वर्ष इत मर्थे व्यापा भित्रपूर्व कर्द्रम् । सम्मम स्थित्रपूर्व क्ष्यां एक वर्णि-राम देश्मर्थ महिभद्रियर्थ क्ष्यां एक व्यापानां नां क्ष्यां क्षिप्तर्थन सीमारमा क्रेट्स विमय् क्रेट्सर्ट् । देश्मध्य अदे श्रार्थमा व्यापमात भित्रा-क्षित्र गांधीर्थ मरकारत मञ्जात क्ष्यां क्ष्य क्षित्रा-राम । भीत्र देश्य भीमारमा क्रेट्स क्ष्य स्थापनां क्य नमा मात्र मा ।

ট্রেডস ইউনিয়নের রিকরন সভা বিনা গোল বোণে হইরাছে। সভাব দিন বড় র্কি হইরা ছিল। ২৫,০০০ লোক একর হইরাছিলেন।

লগুন ৭ ই ডিলেছব। হলারীর মহাসভ সম্লাটকে সংখ্যাধন করিয়া এই ভাবে পত্র লিখি বার প্রস্তাব করিয়াংহন বে ১৮৪৮ অংশ ও সকল আইনের প্রস্তাব হয় ভাহা স্থাপিত হয় হানোবারের শাসনকর্তা বিলোহ দ্বনার্থ সূচ্য উপায় অধ্যয়ন করিয়াছেন।

# প্রবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপন। বৃদ্ধদেশীয় লেপ্টমন্ট প্রবর্ণরের আদেশাকুসারী

#### নিয়োগ।

इति शासित शासिकीय श्रापन नकरण का को के स्थितिकेट के लि, जि की गारित का है। के किननार जा काका श्रास स्हेता हुन । व बाता है। इति भाषावास स्थान। खितिक हुई अवर खबलिके, कि श्राहे, गारित जा शूर्त्यांक क कीय श्रापन नकरण निवृक्त हुई योज स्था हिन खारा कन, बाकु करेग।

বাৰু বছৰাৰ সুখোপাধাৰ জনেৰর হা বেলিৰ পৰ্যান্ত যে একটা পৰ প্রান্তত হই ভাহাৰ জন্য এবং কেনাল কোম্পানির জন্য ক্রমু করিবার নিবিত নিয়োগ প্রাপ্ত হইয়াকে

বাৰু সঞ্চীবচক্ৰ চট্টোপাধায় বশোষ ভেপুটা বাজিটেওও ডেপুটা কালেটার ২ইয়ায়ে

ত্রিপুরার ডেপুটা মাজিটেট ও ডেপুটা ব উব মৌলবী লোলান হুসেন চটগ্রামে স্থান রিড হুইলাকেন।

ভবলিউ ফিলিপ্স সাংহৰ বৰ্ষমানের বি সিপাল কমিস্কর ধ্ইয়াছেন।

লেপনৈত ভবলিউ এবং বার্চ সাহেব মেশীর পুলিবের ডিজীট স্থানিটেওন্ট মাছেন।

**लक्ट्रिके अञ्चात्र, छेड्ल**किनमन र

খাৰকাৰ পুলিখ ডিক্টাই স্থপরিনেটভেটের প্রডি निधित चन्नम नियुक्त श्हेदारकत ।

ডি ভৰলিউ ব্লিচি সাহেব ৰাধরগঞ্জের পু-লিব ডিক্টীট সুপরিটেডেটের প্রতিনিধি স্বরূপ विवृक्ष रहेत्राटहर ।

वर्षसात्त्र श्रीमम डिस्टीडे स्माविद्याने हे এমবে'য়ার সাহেব জিহুতে, স্থানাজারত হই-क्षां इन ।

আরু এইচ, সি বিভসতেল সাহেব কাছাড় কইতে মুক্তে পবিব্যিত ইংসাছেন।

a, तिक्रष्टे गारहर इत्रथ क्रंट्रेंट कांड्रास् शिश्लोटइन ।

আ, প্রাচংকাড়' সাহেব চাকা হৃষ্টতে ভাগল পুরে পরিবর্তিত হইয়াছেন।

এইচ, ভি এইচ বুৰাটিন সাংহ্ব ছগলী হইতে ভাকাতে পরিবর্জিত ব্রয়ারেন।

বাবুদিননাথ চট্টোপাধার হুগলার অপম क्षभाग मन्द्र अभिम हरेगारहर।

বাৰু কেদাৰনাথ বক্ত্যাপাধ্যায় ছগলীব विकीय श्राम मनव कामित्वय भाग मितुक वरे-ब्राट्टन ।

बाबू (शानीमाथ रङ्ग वसमात्मतः अभाग मनत व्याभित्वत् श्रम शास्त्र व्हेग्नाइन ।

वादू भरहत्वमाथ यक्त वर्षमारमय भवत कामि নের পদে নিবুক্ত হইয়াছেন। কিন্তু উক্ত প্রদে শের লাডিসনাল, প্রধান সদব আমিনের প্রতিনি शिक्षाल कार्या कतिएक १**३**८व ।

ৰাৰু বছনাথ মন্ত্ৰিক মেদিনীপুৱের সদত্ৰ আমি (अब्र भक्ष निष्क स्टेर्बन ।

बाबू बहुबाच भूरबालाधाय ४३ अप्याप मन्य •बाबिन स्टेब्राट्टन ।

बाबू ७,क्रव्यन मात्र जनीवाय तन्त्र जामित्वर **अम क्षांश्व इहेम्राह**न ।

ৰ:ৰু মধুধানাথ গুপ্ত পাটনাৰ সদর আসিনের #ভিনিধি করণ নিবুক্ত বইয়াছেন।

পক্ষেতার ডেপুটী মাজিক্টেট ও ডেপুটী লালেটন বাবু হেমচজ্র কর অক্লমিনো নিমিত 🖚 বিভাগে পবিবর্তিত চইয়াছেন। এতদার। ৰাছু দরাল দাস মুখোপাণ,ায়ের পুর্কাক্ত विकाश अदिवर्धिक श्रेवार (य म्हारमा जिन, चारात अगुधा प्रदेश।

**एडजुडी माक्टि**केंडे २ (५**जु**डी कारन हेद राद **একাণ্ডার চটো**পাধ্যায়, কিছা-নের মিমিন্ত প্রভাবেতা উপবিভাগের ভার প্রাপ ইইয়াচ্চন **এবং বেদিনীপুরে ও ব**াকুড়ায় একজন মাদিকে 🏄 ভূমতা যাবহার করিতে পারিবেন।

এইচ বিভারিজ সাহেব নোবাপালির মাজি क्टेंड ७ कारमहेरता क्षांतिथि स्ट्रेडारहम।

हि, इ, ठाउनम मारहर विश्व थरम्य मकरमहा টাকা দিবার সুপরিক্টেণ্ডেল জেনরত হইরাছেন।

# প্রেরিত।

মান্যবর জ্রিবৃক্ত নোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাপর সমীপের।

আমরা ৬৮ অন্দের প্রবেশিকা গরীকাব পুস্তক সকল ৬৭ অব না পড়িতেই প্রাপ্ত ইই-লাম ৷ কিন্তু হজ্জালং বাললা বিদ্যালয়ের ছা-ব্ৰেৰা ছাত্ৰহুভিত্ন পরীক্ষার পুস্তক সকলের অপে ফার পথ চাহিয়া বসিয়া আছে। কৈ আঞ্জিও কোন সংখ্যা ভাষাদের ভূষিও কর্বুগলে অনুভ বর্ষণ কবিল না ? ভাহালিগকে না আর ৮ সাস भारहे शरहद भुक्षक शरह वाचित्रा भद्रीका मन्मिरह উপস্থিত হইতে হইবে ? আমরা ত ৬৬ অংশন পরীকার স্বাক্ত জাতুয়ারি পড়িতে মা পড়ি-হেই জানিতে পাবিব। কিন্তু সে হডক গেঃরা আৰু কন্ত দিন শব সাধন করিবে? আমাদিগেৰ यञ्जन ১৯।२० वरनत, आसता ह≷ दरनस्त সকলে প্রবেশিকা পরীকার পুত্তক করখান পড়িয়া ফেলিডে পাবিব, কিন্তু ভাহাদেন বন্ধুণ দ্বাদশ বংসকের অধিকত্ইবার বো নাই। ভাহার। কিরূপে আট মানে কুড়ি খান ( প্রায় গড়ে এই-ক্লেই দাড়ায়। পুস্তক পড়িয়া উঠিবে? পরীক্ষা मिं अप्राक्ति धुरनारचना ? वाकना कुरलव क्य টাকার পশ্চিত ও দশ পয়সাব ছাত্রের। ক্ষক পাতিক্ল বসিক্লা আছে ভাষাদেব প্রাণে সকলট স্কিৰে। বেমন ওক্সভাবে পীড়িত হইলে চাৰার ইবদদ প্রথম প্রথম আর্ডিখরে আপনার কষ্ট প্রকাশ করে, কিন্তু কোন প্রকারেই নিন্তার ন। পাইরা **चरानाम नीवर हम ७ टावगरन वहिएक वास्क**, সেইস্লপ ভাহাবাও কর্ত্তপক্ষেব অবিচার ২ বলিয়া ক্লাস্থ চইয়া পড়িবাঙে, আর চেচাইতে পারে নাঃ এখন বা দর ভাই হবে বলিরা ভাগ্যের হত্তে আত্মসমর্পণ করিয়া বসিয়া **আছে। ফলতঃ** আমালিদের বক্তাবং এই. বাজলা ছাত্ররভিব পরীকাব পুত্তকগুলি সকাল সকাল, নির্মায়িত कदिशा (मञ्जूष कर्डवः ।

**ন্ত্ৰী** শিঃ---

माग्रदत जीयुक्त स्थामध्यकां मान्याहरू মহাশয় সমীপেয়ু ৷

ेगरहत्र श्रवंत्र निक्तन वहानरहत्र चन्नुरहार५ केक विशामात छेनचित्र हहे। लिक्टीत नुचाक ক্রমিন্টী বালিকার মাম দেবিলাম। কিন্তু আগ লখীপুৰাছিল বলিয়া ১২।১৪ টা উপন্থেত **२रेडाहिन। क्षांत्र गक्न (अनीतरे इरे अक्नी** : করিয়া উপস্থিত ভিল। আনি সকলওলিতেই কোন না কোন বিষয়ের বিশেষতঃ প্রথম গ্রোনীর श्राप्त मान विषयात भद्रीका कहिनाव। अहे व्यनीरछ हेरहांकी श्रथम शार्ठ, राम्ना श्राप्त वृष्टी इ, व्यक्ररवीमञ्ज, श्रूचरवीय श्रीकृत्व ७ क्रुट्या গহন পড়া ও নিজ্ঞাওণন পৰ্য্যন্ত অক্স কৰা रह । देशत्र भटपा वालिकाता क्षाप्त तकन विवस्त्रहे উত্তৰ পত্নীকা দিয়াছে। কেবল ব্যাকরণের পরীক্ষা ডচ্ছ সভোষকর হইল না। কিন্তু হংবা--জীও ভূগোলের পরীক্ষা অভি সম্ভোধনায়ক **হইর'ছে। ইহারা ইংরাজীতে অঞ্চ রাখিতে ७ क्विए भारत अवश् अन्छनियान (म्थिन**!म (य हेशास्त्र रूपाचन च वर्शक्तित शामरत्र) ৰোগ্য কলতঃ দেখিয়া বোধ হইল, যে রখার কাৰ্য বী।তমত চলিভেছে। অধিকস্ক বালিকা-विरुप्त अरमरकार **राज अक अक्ती आ**धा वा পশৰ ও কাৰ্পেট দেখিলায়। প্ৰানীলায় কয়েক ৰূম ইউলোপীয় বুমনী মধ্যে মধ্যে আসিয়া ভাছা দিগকে ঐ সকল কাৰ্য্য শিখাম এবং নানাগুকার পশ্ম ও কার্পেট প্রদান করেন। উল্লেদ্ধির এই উদার কার্যে,র বিষয়ে আরু কি বলিব, প্রার্থনা कति अन्नशेषते छोहातिकात वर्ष नक्त दस्य।

১২৭১ সাল बक् सन् प्रतंक । ३ मा (भोगः

# মান্যবন্ন জ্ৰিযুক্ত নোমগ্ৰকাশ সম্পাদক মহালয় সমীপের।

স্বিম্রুনিবেদন্সিদং---

মহাশয় ! বোধ হয় বর্তনান ৭৩ সালের निका-पर्गन प्रविष्ठाह्न । १७ मारना करतक **४७ भिकामगर्रा ए गक्त एम दिख्या चपूर्व** প্ৰস্তাৰ লিখিত হইয়াছে, তৎসমুদার পাঠ কবিলে নেধক মহাশরের অসাধারণ রাজনীক্তিকভা, বদেশহিতিবিতা ও তৎসংক্রান্ত প্রসাচ পরিপ্রম अवर यहार विज्ञासन श्रीत्रव्य शाक्ष ए त्रवा यात्र 🎜 भिकानर्गत्तम् ब्राम क्षि क्षा, जत्मद्र अ सम् ভাহার পরিচয় প্রাপ্ত হন নাই।

নিকারপর অশব একটা অসাধান্য রহে বিস্তু आभि 38 हे Estres त्राजनूर वानिका विन्ता िष्ठ । अ श्रद्ध वामानितः व नकन शृक्क

अकान कड़िड़ाट्डम, 'खदनबूंगीसरे केह्बान मात्र, व्यवन व्यवन या स्ट्रिंग भूत्रत संबद्ध गाउँ। কেবল ভীক্ষী মৃত্ত রাজকদল বাবু পুতন ক্ষেত্র-ভৰু রঙনা করিরা থিয়াছেন। শিকাদর্গণে কয় वात्र मट्ट अवः भूडवा कावः नट्ट, अम्छ अकथंनि मुख्य ब्रेड् ब्रेस निष्क स्ट्रेटफर्ट । या ब्राइ त्राह्य ৰুত্না হিন্দুজাভিব অভ্যাদের বিশরীত। সেই গ্রন্থ मार्ज (विक्रिक्त व्यविकारतत्र गत व्यवधि वाक्मात ইভিহাস । সমরাচর যে প্রণালীতে ইভিহাস किचिक एव. (र श्रनानीत मार्थ अमनीरहरा ইজিহান পাঠের উপকা রডা দ্বজিকেনা পাবিয়া বিরক্ত হন, ইয়া সে প্রধানীতে লিখিড ক্টডেছে भा । देशांक स्था पृष्टीक, शवर्षत, व्यवशाददे विवत विश्विष्ठ इस्ता। वाक्षणात्र अवशिष्ठ देखिश्य प्रदे খানিজে বেষন ইংবাজনিগের কুথামাত্র লিখিত ब्हेब्राट्ड, ब्हाट्ड त्म्ब्रण स्ट्रेट्ड्ट् नी, बेर्ड्राड नावर्रावर्षेत्र व्यवद्वितित्रवतः स्थाकानिक रहे ভেছে। ৰাজনাদেশের পূর্ককালীন অবস্থা এবং কংসহ বৰ্তমান ও কাৰি অবস্থার সৰক ৰাস্থালি विश्वत श्रधान निक्षनीय : खदमपूराय निकास्त-(भद्र देखिदानवर्थ विरमवद्गरण मिथिछ दत्र । এই ইতিহাসখণ্ডই শিক্ষাবৰ্ণনের বেশদীপক নির্ণায় **प्र**वश ।

ক্ষুত্ৰঃ বাৰ্লালিয়াজেকুই বিশেষ মনোযোগেৰ স্থিত শিক্ষানর্পণ পাঠ করা উত্তিত। শিক্ষানর্পণ স্বায়সূল্য হইয়া সঞ্চলর স্থানতও আছে।

**जाराक विकारणात्र वित्यव श**तिहार ক্ষান্ত নহেন। বিশ্বাবৰ্ণণ কাহারও অৰ্থোপাৰ্ক-(बन्न केशांत्र श्रम्भाग नरह, केहांत श्राम ग्रमुशांक केशा-মুট উন্নতি সাধনে ও নিশ্বনিত ব্যয়েই প্ৰাৰ্থিত इत् । उद्योग्ध क्या वह हिटेखरीय यद नार् अदर अक अम क्षान्तिक क्षतिहरून राजान ঋহৈতনিক ক্ষ্তাবিদ্ধণে শিকালপ্ৰের কার্ব্য নি র্নাছ কবিতে**ছেন**।

अञ्चल विकासर्गतित त्ववंक गर्शस्त्रहरू ३ कि इ जिर्देशन करिएक स्ट्रेंग। निकानर्शन मध-भिड नवरत श्रकानिक इत मा बनिता करनरक कारकश कविता धारकन।

মে কম পুৰ

🕻 मानावत्र 🖲 युक्त (मामध्यकान मन्नीपक महामन्न ममीरमञ् ।

हेमफीन विद्यानहा

चीहात्रा नवारकत खेशकर्य नाथन कविएक बान. ভাঁহাদিগের ভার অভি ওক্তর। অবিচলিত

ক্রিডালা, <u>বু</u>দ্ধির স্থিরতা এবং বেশ ও বেশের লবস্থাৰ ছাল ক্ষান একাড জাবন্যক। সংকরণ क्रिके निष्णित क्रेट्रिंग त्य व्यक्तिके मियात्रहेनत्र कक्सका হর, ভাহার আরও ৃদ্ধি হইর। খাকে। পুর্মাণর বিবেচনা না কৰিয়া অনিকডৰ ঔংস্কা প্ৰদৰ্শন নমান নংকারকারির অনু চার্থতার প্রধান কা-রণ। করানী বিপ্লবকারিণা উচ্চতম তোলীর হস্ত হইতে সমুগার লোকেব হল্ডে, দেশ শাসনেৰ ক্ষমতা দিবার চেষ্টা পান। বুঝিয়া চলিলে এ উ-দেশ্য সাধিত হইত কিছু আত বৈত উৎফুক্য নিবথন ভারারা অক্লভকার্য; হইরাছেন : জামা-দিগের বর্দ্ধমান সমাজ সংক্ষারকাবিধা এই দোখে কৃতকার্য্য হইছে পারিভেছেন না।

यिन भित्र कार्ट्सकेर अक्टलमीत खीरलाकमि গেব অবস্থার উৎকর্ষ সাধমার্থ ব্রন্ধ বয়সে এদেৰে আগমন কবিয়াছেন। উইার চেষ্টা অভি প্রশংস मीव, अवर जायबा चारमणेव्यक्तिश्व श्रास्त्रिम श्रास्त्र স্ক্রণ উাহাকে অকৃত্রিদ ধন্যাদ দিডেছি। সিস কার্পেন্টবের সন্ধানার্থ সম্রেভি কয়েকটা সভা হয়। ইহাব অনেকগুলিতে ভোজ হয় এবং এত-्त्रमीय कर्यस्क स्मन पुरुक ताला महीक रहेशा **डाँशंव अर्डार्यना कतिहा।इटलन। त्रिप्ति कनि** বাতার ত্রাক্ষদযাত্র বাসীতে মিদ স্বার্পেন্টর আগ बन करतन । खश्कारम भक्षिक सेश्वतृहक्त विद्या-সাগর, বাবু কেশবচন্দ্র সেন প্রভুতি করেক জন ভদ্রনোক উপস্থিত হিলেন। তথায় এই প্রস্থাব হয়, এতকেশী **মুক্তী লিক্ষক প্রস্তান্ত ক**বিবার জন্য नर्षात विष्णातम् कवा प्रावन्तक अवर खबर मबर्गमान्द्रेय निरुटि चार्यनम् क्या छे.हेछ। अह উদ্দেশ্য সাধনার্থ এক কমিদী নিযুক্ত করা হয় विष्यानां भेद्र खेशरभर अक्ष क्षत्र क्रिटनन । क्यामर। যখন প্ৰথমতঃ এই প্ৰস্থাৰ অংখণ কৰি, ডেখন कार्क्टर (शोध के त्रियोक्ति म । कार्य र बाबा এश-স্তাব হইভেচে'? দেশে ধকি ইহা অপ্নাদনীয় ? বর্তমান অবস্থায় ইহা কি সম্বাচ ় এবং এতনমু-সারে কি কাঞ্চ হইতে পাবে ? আমরা আশন। আপনি এই প্রশ্ন করিলাম, কিন্তু ইহার ভূমিকে। সংস্থান্ত সংখ্যাপকথন কবেন। সফলেরই স ं छे छ व श्री श्र हो नाम ना । जेंच वह श्रेष विद्यानागव लोनिकात क्रेक सम ज्यापान खेराउपी, स्वामारण र्स्ताहात नाम (करहे अदिवरम् अधिक काम कविरक । वा सम्मादक श्रियम् छाहा करतम मा। अञ् भारत्व ना । जिमि कोर अहे असार मचक कहे | मम बर्ड कि ह यथन आरह, जबन हैशा क য়াছেন, শুনিয়া আমা আয়ও আশ্চর্য বোধ করা উচিত নয়। এজন ঘটণিন অভ পুর ক্ৰহিন্তা ছিলাম। কি হু গড় দোমবারের হিন্দুপেট্রি ছটে বিদ্যাস্থারের এক পত্র প্রদাশিত **ছই**~ ও সম্পর্ক নিষ্ক্র সমাল প্রদর্শন লা হই ब्राइ । जाराइ निधित रहेबाक जि.ने श्रदा- । ७७ निम ब्रीमिक्क । जो कास रहेदन विकि धरादि किस पाकिएक मण्ड सहस्य। क्री विकास अपनेक स्था स विकास असे की नर्पन

दुवित काळ व्हेत्राट्य, काश अंक्टलंडरे व **फब्रिएड श्हेरव**।

মিদ ভার্পে-উর বঙ্গদেশের বালিকাবিদ্যা অবস্থা দর্শন করিয়া সম্বত্ত হন নাই ৷ অসহৰ প্রধান কারণ এই প্রায় বাবতীর বিদ ত্ৰীশিক্ষণেৰ স্থলে তিনি পুরুষ শিক্ষক দে .ছন। স্থীৰোকদিগেৰ মনেম গণ্ডি পুক্ৰে । রূপে বুঝিতে পার্থেন না, এবং জীশিক্ষকের বালিকানিগের যে প্রকার শিকা হইবাব সম্ব আছে, পুক্ৰবেৰ দ্বাৰা তাহা নাই। কিন্তু এ আমধা মূল নিরম মাত্রেষ উল্লেখ করিল এकरन (हथा केहिड अस्तरनद य व्यवदा छः প্রীশিক্ষক অথবা পুক্ষ শিক্ষকের যার। গ काक इस ? विकेशक: खीलकरकद कार्यतः কাল আলিগাছে কি না ২ এবং নৰ্মাল বিষ স্থাপিত করা কত দূর সাধ্যায়ত ও সঙ্গত ১ কেয় যে প্ৰকাৰ বিদ্যা, সংখ্যভাৰ ও শিক্ষা বি পটুতা আবশ,ক, ওঁ'হ'র প্রতি ছাত্রের ভয় জ্ঞিও দেইরূপ আংশ,ক। ইহা না **হইলে** শিং জন্য সকল ওশ বৃধা হয়। তারণবর্ত্ত ছাত্রণ বল স্থেহে বলীভুত সমন্য, মূলনিয়মগ্রিমুক্ত বাহা বলুন, ব'ৰ্য্ডঃ বাঁহাৰা লিক্কডা ক (ছন, **ভাঁ**হাৰ, ৰ লংখন ভন্ন একাক ভাৰ-क्षा हरेएक क्षमना खबा उ खबा हहेएक इयः। जानदा *य अञ्चान शहारवय च*रत्रद्र पै কবিজেড়ি না, ভাষা সনা বাইদ্যা। আমার্ স্ত্রীলোকদিয়ের প্রথাবে প্রভি বা কিন্ধণ স্পাৰের বে প্ৰায় একর প্রতি স श्चनचंद्रित द्वीष्ठ काटः, खीरनाकन्टितद्व **छाहा त्मक्षः** यात्र मा, विश्वा<sup>क</sup> वस्त्रद्वा ক্ষম ৬০ বংশবের বৃদ্ধের দক্ষিত এক 🗷 🤅 व्यथक होत्र, को हुक कटा भा, कि सु अ ह काम:(जिट्यत ही लाटन व वटन) याहे। मन्य বালিকার হুম্বার সহিত্য কোন গুড় সর্গ্য বি मृत्याद्वयं अट्डिंग कोट्क को । बांका वसूटगत्र है কেরা এক করে সমবেত কর্মা সংস্থার ও এ বিষয়ে স্থীতার। এজন্য পুদ্ধে পি (मधिशा (व श्रकां अन्य कदवन, खें रिनारक भिका निवस्त सीरमाकनिरात भारत्भारका চা ক্লুডরাং ভাল হয় নাই, এবং পবিলেবে 'লোকেই আক্লয় বোধ করিবেন। প**তিতের " আগ্রের** প্রয়োজন কইয় ছে।

शुर्कास जानकि मामान, मरहः हेशां ज-হু অর্থাকার করিলেও জিলাস। ইইভেছে, লৈ বিদ্যালয়ে কাহাবা শিকা করিবেন ৮ এবে ছ বিধ্যাগৰ ২ খাষর: ২৷পডে**ছি এ শিক্ষ**কের ধ্য অভি অল হইবে। উজলাভিব প্রায় কোন ৰা আসিবেন না, চাকায় এচটা নম্মাল বিদ্যা क्रम्यार्ट्ड, किञ्च कथाय श्राय देवलवेच मःचता কো আমবা ইছাদিলের অব্যাননা করি-ছি না, কিন্তু বলিডেছি, টবঞ্বীবিগের রে সর্সাধারণের ভব্জি অতি অল্প। এ জি<mark>কুর বিৰেষ কা</mark>রণ আছে, এবং লোকে আনির শিক্ষকের নিকটে যদি কন্যাগণকে ণাঠান ভাহা হইলে আকৰ্ষেন্ত বিষয় কিছুই । बाबाद: यथ: धाक्ष इदेशा श्रुट्ड व्यवसात বীয় স্থুখ ও সভামগণের চরিত্রের আনের্শ ৰে, ভাহাদিগের শিষকতা এ শ্রেণির স্থীলো । কাঞ্চ নং । বর্তমান প্রস্তাবের অপ্রয়োদন-রদিলের মধ্যে কেহু কেহু বলেন, এদেশীয় দ্বানদিশের স্ত্রীলোকেবা অনায়াদে পুডন া**ব বিদ্যালয়ে পাঠ করিয়া শিক্ষক**ভা করিভে রবেম। বৈঞ্বীদিগের প্রতি চরিত্রয়টিত बार्गान बारह, अस्त्रनीय श्रीकेशन श्रीभरनय क डोहा माहै। यदि (कान (आ)न नावाय(ना মীডি স**হয়ে বিশুদ্ধ অ**ভাব হস, তা*হ*, হইলে ই প্রশংসা এদেশীর খৃষ্টীরানদিগের আছে : পরিবাবে অধিকাৎশ কিরিসি চুক্তরিত্র ও শ্মিক, সেই পরিষাবে এদেশীয় খৃষ্টীয়ানগণ ভোব সম্পন্ন। ওখাপি ধর্ম সম্বন্ধে এদেশীর ীয়াৰ শিক্ষয়ত্ৰীসৰ আমাদিলের অভঃপুরে वा बालिका विम्तानस्य गृहीक इंदेरबम मा ११ ১२१७ व्यवसंय इंदेरज १८ कार्किक ীয়ানদিগের অনেকেব অন্যাপিও বুঝিডে ए. १४ धर्मभतिवर्त स्ट्रेस । काञ्चिभतिवर्त स्थ 🗀 🕒 ७७ किरमदत स्ट्रेस्ट ७१ मरवदत ে এ জন্য কুড বিদ্যুষগুলী ভাঁহাদিলের শিক্ষ– 🕆 া এহণ করিতে অসমত। প্রাচীন ভব্ন অব- 🗄 ১৮৬১ ডিসেবর হইতে ৬৭ মে ধৈ**র্ম নইরা** খোরভর জাপত্তি করিবেন। <sup>‡</sup> কারণে আমরা বলিডেড়ি প্রস্তাবিত নর্মান য়েলয় কোন কাভের হইবে না। নৰ্দ্মাল বিদ্যা দ্ধে '' শিক্ষক ছাত্রের ৯ সংখ্যা অধিক হইতে 🖞 ১৮৬৬ নবেশ্বর হইতে ৬৭ অক্টোবর 🛪 🗫 🖎 এই সকল শিক্ষক যদি সাধাৰণে 🚶 😘 मा इन, जाश 🖆 त्य विष्यानम् काम 🕽 २१७ कार्थिक स्टेटल टेब्ज अप्र रहेन ? चाउ-अद अध्यानमार्यात करत्रक স্কা হলি তথাপি ভাবেদন কৰেন, সে ১২৭৩ অবাহায়ৰ হইতে ৭৪ বৈশাৰ

ছ, বালিকারা শিক্ষাত্রীর গাত্রে উটিয়া**ড়ে** , জাবেদন গ্রণ**নেট বে অপ্রান্**্ করিবেন, জাগ ল দিয়াছে এবং ভাঁহাকে বিদ্ৰুপ কবিয়াছে, ' পূৰ্বেই দেখা বাইতেছে, এবং ইহাতে অৱ

> উপসংহারকালে আমরা প্রস্তাবকারিদিগকে अकति कथा विमाणिकि, जीशिक्तियत् छेरवर्ष गांध्य (हर्ष्ट) श्रन्थश्रवीय गरमह नाहै। किन्न क्षांत करवन ७ क्षांतात शकाना कतिहा বিলম্ব কৰা সমাজ সংস্থাৰকারিৰ ক্ষমতা ও বুদ্ধি মন্তার প্রধান পরিচয়। অকালে কোন চেষ্টা করা উচিত নর। আমরা অনিষ্ঠ দেখিতেছি, ভোগ করিডেছি এবং ভাষা নিবারণের উপা-वृत दश्वारक कानिएककि, किख कान द्वारगंद কি উৰধ আৰশ্যক, তাছা বে সে চিকিৎ-यक बुविशा भिएछ शास्त्रम मा । श्रीमधान विन्हा-नव्र ज्ञानरात्र अखारवर अक निर्म भीमारमा इद ना, पृष्टे हादिकारनहरू काक नग्न : धर्मा ও नामा-জিক উন্নতিব নিকট সৰম্ব আছে, কিন্তু কাৰ্য্যভঃ আমরা পুথিবীর প্রারম্ভ অবধি দেখিতেছি, ধর্ম ঘোৰকেরা সামাজিক উৎকর্ষসাধনকারী হইতে পারেন না। পৃষ্ট অভিয়ার সর্বসাধাবণের সমীপে क्ष दावना ना कतिया यहि (वाटमद (पहिन्तिय-**पिराधेर प्याचात व्यवहारतत मर्गाधन कतिए**ड বাইতেন, ভাহা হইলে উপহাস ভাহার এক নাত্র পুরস্কার হইত : **2**1--- /

## मृग्र व्याचि ।

क्रीवृष्क वायु इविटबाइन द्राष्ट्र কলিকাডা ১২৭৩ জন্মহান্ত্ৰণ হ**ইতে** ৭৪ কাৰ্স্তিক ١. " कानीकुक हरहोगाशास **ब**ङ्ब**म**शुद्ध ১२१७ कार्किक हरेरक १८ जात्रिम ەد ' अन्द्रक्तः शक्ष्यं भाषां व्या कर्रक 30 '' কিন্দুসিংহ রায় त्रमशुक 30 মূজাপুর " अखनोच द्राव '' कानीकाश्च बूर्यांगांशात्र ब्राक्तारी "

70 মিশুলির" " यहनाच एर ١. কলিকাড়া " বিপিনবিহারী মিজ ei. '' '' বিশিমবিহারী ভাছজি \*\*\* !

" ঈশানচক্র ব্রায় উকীলাবাৰ ১২৭৬ অএহারণ হটতে কার্ত্তিক 30

## বোদপ্রকাশসংক্রাপ্ত ক্রেকটা

#### विटलंब निवस

অগ্রিম মূল্য ও ডাক বাঞ্চল না পাইলে ২ক-বলে নোৰপ্ৰকাপ প্ৰেরণ করা বার না।

देशंत अधिम भूमा वार्विक ३० अवर बाब्रा-সিক ell • টাকা, যক্ষলে ডাক্যান্তুল সংখত বাৰ্দ্দি ১৩, ৰাণ্যাসিক ৭ এবং ক্ৰৈমাসিক ৩৮০, তিন বাসের স্থানে অঞ্জিম মূল্য লওলা যালু না। ছণ্ডি, বরাড চিটি, মণিঅর্ড'র; নোট, ও স্থাপ क्रिकिट, देशंत जनाजत वाशाय वाशात कृषिया বর, ডিনি সেই উপায় বারা মূল্য প্রেরণ করি বেন।

ৰ'ব্যালা প্ৰাশ্ৰমিক পাঠাইবেৰ, ৩া-হারা ধেন এক অধবা আয় আঞ্চল্ল অধিক মূল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

वर्षन विवि मक्त्रण स्वेट्ड मामश्रकारनंत्र মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা ধেন ক্লেক্সিক্সি করিপ্লা क्रीयक बादकामा व विद्यापन्द्रवह माद्रव शाठादेत्र।

य रिक्टिनम पूना दिवान मन्त्र चकीक रहेशा আসিবে, এক মান পুর্বের বাহারিগতে চিটি নিৰিয়া জানান বাইৰে, <del>ফাল</del> অভীত চ্ইয়া গেলেও একবার চিটি জেখা ক্টবে, ভাহার পর এক নাসকাল প্রতীকা করিয়া কাপজ বন্ধ করা, যাইৰে । লেখ বামেন্ত পত্ৰ বেক্লান্তিভ পাঠাৰ रहेटव ।

মাতলা রেলওরের সোনাপুর ষ্টেসনের ডাক যরে চিটি আইলে আবন্ধ শীত্র পাইব :

योशंत्रा माञ्चल वा पित्रा शकापि ब्याप्त स्पत्रि त्वन, बाहामिरशत तारे गाजानि अक्न कता बाहेर्द्य ना ।

কেই দোৰপ্ৰকাশে বিৰুপ্ৰে দিডে ইন্ধা ক্রিলে ভাঁহাকে প্রথম ডিন্নার প্রতিশংক্তি 🔑 काना कारात शद 🖊 ३० काना विरक्त स्ट्रैस्य । विधि अधिककात विकाशन तिवात हैका कतिरनन ঙাহার বহিত বতন্ত্র বলোবত বইবে।

🐲 এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্ব্য মাড্যু রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেসনের হন্দির চাল্ডি ণোষ্ঠায় উচ্ফ ক্ষাকাৰাৰ বিদ্যান্তৰৰেয়<sup>2</sup> ক্ষিকাতা বাটতে প্ৰতি নোৰবাঁই প্ৰাত্যকালে প্ৰকাশিত

(मायशकार्

à 4 WH :

" प्रवक्तनां प्रकृतिविताय पार्थिकः सम्स्रती सृतिमद्दती न श्रीयतां

मानिक मुक्ता 3 होका. खितास वार्थिक - ) हैका खिता वानानिक क्षा होका।

সন ১২৭৩। ১০ ই পৌষ। ১৮৬৬। ২৪ ডিলেইর

মদত্বলে মাজুলসমেড জাত্রিম বার্থিক টাকা বাণ্যাসিক ৭, ও ত্রৈমাসিক

## বিজ্ঞাপন।

कें के किया दबलकरमा

বিশেষ অমধ্যক ুদিসের ক্রিকীট সকল হাত্ত্বা হইতে প্রক্ষ

#### रहेटर ।

मर्क मावाहरवह मरखायार्थ अख्याहा श्रद्धां ने स्वाहर हो स्वाहर हो स्वाहर हो से स्वाहर हो स्वाहर ह

মুদের।
বাকীপুষ।
বাকীপুষ।
বাকীপুষ।
হলাব।
মূলাপুর
আনাহাবাল।
কানপুর।
আগ্রা

স্থানের নাম এই---

উক্ত একার নার্কত্রিক বিদেশ অন্পেন্দু, বিধেয়, ভাড়ার হার।

ऽ क्षथम (खनी ५२- हैका। २ विकीम के १- के বিশেষ অধনের টিকীট সকলের বে
তাড়ার হার উপরে লিখিড হইল, আরোহিপথ ধনি ঐ হারের উপর শতকরা ২টাকার হিসারে অধিক প্রধান করেন, তবে
হারা এই বিজ্ঞাপনের লিখিড নিয়ন অপেকা
শতিরিক আর হই স্পাহকাল উক্ত টিকীট সকল
ব্যবহার কবিকৈ পারিকেন। অন্যান্য প্রধান
ইংগ্রসনেও একণ নিয়মে টিকিট পাওয়া হইবে •

উপৰি উক্ত বিষয়ের আন্যানঃ বিবৰণ বাঁচাথ আনিতে ইক্ষা করেন, কাঁহারা হাবড়া ইঠেগনের ভেপুনী ট্রাফিক মেনেজব সাহেবের নিকট আবেদন করিলেই সমুদার অবগত হইতে পারিবেন।

বিবিদ **ভিজেন** :

বোড়া **অব এজেনী** ইষ্ট ইপ্রিয়া বেলওয়ে হৌদ কলিকাডা ১৮৬৬। ৩১ এ **অটো**ন্য ।

#### বিজ্ঞাপন :

নিমুখানসামার গলি ১৫ নবর বাটাতে সংপ্র নীত ও সংপ্রচারিড নির্নিখিত পুত্রভালি ' . বিক্রয় চইটেডে---

7	
<b>ब</b> गी ७	মূল্য
<b>ब्रोग</b> हे <i>ं</i> रहात	३ हैं।का
(বামটাতথাস	, ,
ভূৰণসাথ বংগক্ষণ	1.
নীতিদার (১ মৃভাগ)	d.
নীভিদার ( য়ে ভাগ)	٠ او
প্রচারিত ।	
बुष्टवाथ वर्शकत्रन	<b>i</b> g •

ইছারক্ষমাধ শর্মা।

विकाशन ।

**क्रिक्** हार्क्सन विशानकांत्र श्वीप

"शक्ति करेवा अरम् कर्याम क्यियाम नरः मृक्ति करेवा अरम् क वक्तामस्त्र नुष्टका स मोधारि होता साध्यसमात्र गरि श्रीपृष्ठ प्राकृतमान साष्ट्रैः स्तर कृत्म विक्रमार्थ क्षा कारम । हेशास श्रीप्र श्रीप्र स्टब्स् मस्मार निष्ट कर्यार थानु श्रीप्र मसानामित केरमध्य करेवारम ।

মুল্য ৫ লাচ টাকামা

#### विकाशन ।

কৃষ্ণনগরস্থ সি, এম, এস, ইংরাজী বার মুলের ছুনী লিক্ষকের প্রস্কুন আছে। তথ ১ মু প্রোণীর শিক্ষকের বেজন ২৫ টাকা ভূতীয় শিক্ষকের বেজন ২২ টাকা। কর্মপ্রাধ শীপ্র আপন আপন সাইকিকেট সমেত আন পত্র আমার নিকট প্রেরণ ক্রিকেন।

কুষ্ণনগরগোয়াকি, এক. মেলিন ১৮৩৮ চ ইডিবেশবা

#### বিজ্ঞাপন।

ইটট ডিয়া রেলওয়ে। পাথবিয়া কয়লাব কণ্টু টি।

জাগামী ১ লা জান্তবারি জবন্ধ । মান কালের নিমিত এই কোম্পানিব পাব। কর্মার প্রয়োভন হটরাতে। বাঁহারা ভাষ্ঠ সরবরাহ করিতে পারেন, ভাষারা এই ভিশ্নে মানের ২৮ এ শুক্রবার ছই প্রহর পর্যান্ত নি লিখিত ব্যক্তির নিকটে আবেদন করিবেন। জানাইলে টেগুরের ক্রম পাইতে পারিশ্ন

বোর্ড অব এতেনী ইট্রইণ্ডিয়া রেলওয়ে ডেল্টাউনি ভোয়ার ফলিকাডা ১৮৬৬: ১৭ ই ডিসেবর

সি/সল ইফেক্সম ।

## বিজ্ঞাপন।

আগামী ১৬ ই জাঞ্যারি বুবোৰ কলিকাতা श्रादम'श्रींशागव शरीका भ्यामवि*म*्। मृद्ध আরক হছবে। পশ্চনিখিত বিষয়ের প্রীক্ষ গু**হী**ত হইবে। সম্প্র'ত ৭ গি ৪ চা র*ু* ক্লোর রতি शंकि स्थाइ।

दोक्त नीक्षिए ए क्रीकर्य #\$ ## የ ተባያት ተባያት መጀት य'अभाव के व्हान : हरप्रार्क्षत हाजि विकास्तव हाल हुल विवर्द्धत .চয় ।

বাং নিক পট্টালা, আরুতি ও ব্যাধ্যা। এইচ, উ,ড়ো।

১৯ ≩ किट्रमध्द • বালপাৰ মনবিভালেৰ क म प्रमुख्य हैन। अन्ति । . . . . .

## বিজ্ঞাপন। নীলামের দ্বারা ভূমি সপাত্রি এবং নীলফুটি বিক্রঃ।

----

গুলত সমস্ব ভাকুক পতান দৰপছান আয় : ' এম क'छून महत चं क वृद्धि (कार्ति क्रेस) बर পাট্টি আমী এ নীল কর্ম চলিতে পালে मंड बाहे दृष्टि । होते हुई कुछि छ लाकाम ঞ্গক্ষের শ্রুটি উৎস্কৃত্ত পার। মর, সমুনয় ই:हे 🖓 क्लाडि सब्दा क्रुप्ता पुत्रिक पूजर पृथ्य 🖟 क्ति श्रकान, नीलाइन (व ल्य क्≷इत्।

 व । प्रत ३४ ४९ म'दाच : १ हे आधुधाँ? ो প্তিতাৰ দিবা চুই প্ৰবেত্তকত ব সময় খাল স্থালিয়ার বুঠি শেকানে নী নাম আবস ১১৫ পন্য সমূহত বিশ্ব বিশ্বত্প না হয় তাৰ্ড ार्ड के अध्यात 🚉 🚉 🕉 कि 🖟

 अक्तिक वर्ष में अक्ति कारणान दश्य 'য় লমীল'নী কিয়া ভাষাৰ কাষ*া* 'লা আকলে ह्य : नवयुक स्वर्भाष्ट २ ६ अवं ४ : • ३ छान्न

ৰ ডা.বেখ প্ৰংক্ত আত্ৰ কাল মাইবেল क नत्त्र अर्थानगढ भावि कर ।

> श्चिम 'बारा, '० 'इल म दहन विश्वपुर्मात (कोग इमिन द्वाप्ती S - 4 (3)

<sup>†</sup>त∼ एषत अध्यः

ta sportfice

ভাকিতে পাতিকে ৷ বিলেছার অধ্যক্ষ প্রত্যেক ভাকের উপর যে গ্রিখান রুদ্ধি ভাকিতে হইবে ভালা অবধারণ কবিয়া দিবেম : বদি ভাক সৰকে কোন বিখেদ উপস্থিত হয় ভবে এ विर्ताधि छ। कित शूर्ति (य प्रांक इत्रेश्ना किन तिहे ড'ক ১ট'ত পুনাগ় ভাক ছট,ৰ। কেই কোন ভাক ভাকিয়া ভাষা **অপহুৰ কি অবীকা**র করিতে পারিবেন ন।।

২ ৷ বে মুরের ভাক বাব, তঃ হর 🐿 হাব চ 🗝 পাংশের একংংশ খাত ।র ও ফ বন্ধ ব্রবামার ভংক্ষণাথ বিক্রোন্ডার অধ্যক্ষকে দিবেন এবং वर्वान हे प्रवृष्य है। हा मीलाइम्य किन व्यवधि हन দন মধ্যে প্ৰিশেধ ক' দেবন। ভাৰা না কবিলে में लाम वन अवर किएड दार्थ होका सन्दर्भ शिक्षा থাবে ভা**হা বেবাক (ব্যাহ্নভার হটবে। এব**া :दर क्रफ' ने **बच्च व्या**लरम **वा श्रकाम**ः कीलार-পুনর্কার বিশ্রন্থ করিছে পারেবেন। বিজীয় বৈক্রয়ে প্রথম ভাক অপেকা বে মূল্য কমি বা ক্তি খেলাবিত ও যে বিভূ খংচপত্র হয় তাহা সমুক্ত । ঐটিকার প্রথম ভাকনিয়া পুরুব করি**বেন**। যদি ্যা কুৰিবলাৰে খাল বোলালিয়। হান্দৰণে বা দিউ য় বি যে পুৰাপেকা লভ, হয় ভাৱাও , একেডা পাইবেন। বিভাৱেং প্রধানেই থাবি– न्देर अहे समार । बहुर्य का विश्व कहेशा अकरोत াল<sup>ি</sup>খ্যা দিবেন।

का .यहडू विदङ्खा यात्र'ल हे.छ:ता কোম্পানিব বছক এইীভার নেকট সৰ ১৮৬৫ মানে সাশান্ত পরিদ কারবাম সময় ছবিয়ত न २ भंबरूप ७६ कि ह जिस्स बरा ३ है ३ केन । बाध्यक कृषिहरू क्रेट्रिक ह्या विक्रिका १४ ६६८। १ "४ स्टेप्न"(इ., जसाबा १,श्व १ म्म.४१ १८,४ ". । प्रद्वान धवर मालिक क्षेत्राह्मन, अटावडः अल्ड महद्व श्रम्कांत काच । १६ व ≖' × ८ डेशान क्हा 14 न**्**कः

০০ ববিদা সম্প্তির দ্যোগতের ক্ব,প্<u>র</u> 'ল'শ চ পঞ্জিকে সমুদায় বংগু মুল *ম*লিলেং रमधा वा बारबजा सकरलव छ ।विक्रिटि चतुर क्षे: अ काश्रदकत मूलः अदर अविमनादात्र वर्षः ৪ : অপর রাজ্য নিয় আনবংগ্রের নেকটা জানলাবি সেরেখ্যার আরিলা সাখিরের অন্ত াইড্রালি যে বিছু ব্যয় ভাষ্য সমুদায় অবিদ্যাত किट्यन ।

e। १७ मि न्द्रभक्ति अकृष्टि शशकिरणव । निक्रे नक्त्रा प्रदेशाञ्चित काश्रामित्रात पून १।क-য়জের বলিল অনুসঞ্চান ব্যতিরেকে ঐ সমস্ত . १८ वर्गक २०११मा रेक्स ५ फॉक्स्वम | **वस व्यक्तविस क**हिया मि**एक छाहानिस्तत मन्त्र** ( র বিক্রের বিক্রের । বার্রের । কল ব্রেরেক । ক্ষমতা **ছিল এমত অস্কুর্ক করিতে ব্রুবেক**। ংঘ'ংকে ৯ক ডকে ৢ এবং ঐ সমস্ত পস্তনি দঃপত্তনি স্হালাভের

দন্তাবেল অনুসারে শেব কিন্তির খালাবা পশ্-भारतत्र क विमाध्यः **डवा जे श्राकामा प**हिल्ला (धर ज्ञान माजायकानक क्षत्रान क्षत्रान क्षत्रान ভাষা ঐ সমস্ত পত্তনি মরপত্তনি সংক্রাপ্ত ভাবং मरेबद्र ও निवृद्यय मण्डन **इत्या विका अथवा** শারদ হওয়াব সময় প্র,ভের সমস্ত ওজর মিট मार्ड विकासिका जे भवित अकृष्टि ७ सन्ताना দ্ভাবেকাত এ সংখ্যু সৃদ্ধ এবং ব্যবং বলিয়া ব<sup>8</sup>কাৰ কৰিলে **ক**ইবেক।

🕦। विदङ्कानिस्यव सम्यानः विवस्त्रतः महिन्त এক যোগে যে বিষয় বিশয় হয় ভাহার দস্তাবেজ বিজেশ আপন ২০৫ লা গৰেন। যে বস্তু সামা-न करण विक्रम करा य है त्वक उद्देश्द में अस निक রের পরে বিনি অপি চ মূলে। ধরিন করিবেন, क्ष्यंत्र गिनि अवान चायनभाव इडेरवम डि.इंस्क সমর্পণ করা ধাইবেক এবং বিক্লেডা বা প্রধান ক্রেতা এই উভবের মধে। মগু:বেশ ই'হার নিকট थाकिरक रूप व अवश्वत, चित्रामारकर्वा स्थान मर्फ अक्तिकान । सक्ते चाउ भव सहया मूत्र দ**ত্তঃবেজ দাখিল করা ও দাগুর মক্ল দেহ**রুব এফরার লিখিল্ল। নিবেন।

१ : यस ३२० - १९४ : १२ म रलक स्वयं ७३ : শীল বাকি কাগ্যের লিখেত যে ব্যক্ষা ঘালনা বিক্সয়ের দিনে প্রভার নিক্ত পাওনা হয় জাতার দশ জানা রকম ি গ্রেষ কিন ১ইডে ছয় মামেৰ सत्या किन्छिवन्तिक **स**ञ्ज अधिकतीत वि: एड एक দিবেন, এবং ঐ বাকী পৰিলোৱেন ভাবিন দিশা য়ক বোধ কৰাৰ দলিল লিখিয়। নিবেন :

৮ বৰ্তমান সালেও যে ধাঞানা হস্তাভাৱে দিলে প্রভার নিকট পাওলা থাকে ভারীব মধ্যে সর্জান ৰ ভক্ষা ১০ দশ টাকা ছিনালে দিনত ৰ'নে বাকী সমুৰায় টাবা নাগাইন ১২৭৩ সংসেৰ क देवज सम्बद्धार कि अवसी छात्र श्रीवृत् শার বিক্রে**ভাকে দিবেন।** 

১। খাউ কৰ্মনা ও ডিঞ্চীৰ ও নীল লান নি মহুনা বাৰত বে সমস্ত টাকা একাও কনে, নিয় লে'কের নিকট পাওনা আছে ড'লা িরেভার বেক্ষাপ্রশারে কুটির মহিত এক হোলে বা পৃথ্য-ক্লপে বিক্লস্থ হইবেক।

## সোমপ্রকাশ।

১॰ ই পৌৰ সোমবার। মে**ইন সাহেবের জাত্মপ**ত্র সমধন।

পত্ৰত্য ব্যবস্থাপক নভাকে যে সমস্ত त्तार्य पृथिक कहा। वह, भगर्था जुकन সূতন ব্যবস্থা আধান ভন্নব্যে একটা

क्षशंग। भरनरक सरमक बाग अहे चाँछ-প্রায় প্রকাশ করিরাছেন। অব্প দিন इहेन, चल्का भवर्गमर्के कात्रकदर्शीह উত্তরাধিকার সংক্রান্ত আইন হিচ্ছু ও মুসলখানবিগের উইল সম্বাদ্ধে প্রবর্তিত कड़ा डेडिड कि मा ? अ विरुद्ध नर्सनाथी-त्रद्वत्र ७ त्रास्कर्यहात्रिश्रद्वार विख्यात कानियात्र व्यक्तिमात्र करत्रन। मास्त्रारस्यत প্রধানতম বিচারালয়ের অন্যতর বিচার প্रक्रिक्ट्स माट्स्य अ विषय मण विशा • ৰলেন ও একণে এদেশে বে প্রকার শীঘ भीक्ष बाहेन हहेटलट्ड, डाहाटड व्यक्ति বিনা ইউলাভ ছাতেছে এরণ বলা याईटफ शांदत ना। मि अहे कारका हटन, क्षां इंदेरन विहात गंकि ७ वाव हातां भीव গণ কথন কোন্ 'মাইন প্ৰচলিত হইল, कांद्रा कानिएक लाजिएक मा, गर्ममान-त्र ( क्या के कथा है स है । यशि मार्यश्राम स्हेग्रा बाबका क्षत्राम कता ना एवं, जारा स्ट्रेल অনিটেরই রৃদ্ধি হয় এবং যত অধিক ব্যবস্থা প্রণীত হন, ভত মংক্ষার সংখ্যার্ডি इहेटल थाटक। "विजात्र शिक श्मवटम् मा-খেব যে অভিপ্রায় প্রকাশ করিয়াছেন, সাধারতেরও এই খত। মেইন লাছেবের এদেশে আগমন অবধি বিভার মৃতন आहेन इरेड़ाटइ, मर्थाश्यान क क्यारे নাই। ± জি বংসর গড়ে ৩০ টি আই-(सद्र मूर्त इ.स. १) व्यक्त (व व्यक्ति मृखिः পৰে অৱতী হইতেছে, কল আৰ তাহার দর্শন পাওয়া ভার। তরিবদান অনেকের মনে তাবিখাস জলিয়াছে ব আইনে সুৰিধা খাছে, ডাছা বহিত হই-বার পুর্বের ভাষার ছারা আপনার উপ-कांत्र माथन कतिया कहेवांत क्रमा व्यटनटक ' অনাৰশ্যক মকক্ষায় প্ৰবৃত্ত হইতেছে। কর র্দ্ধি ঘটিত মকক্ষার এক প্রকার निकाय स्रेब्राह्म। क्यि ३० मारेटनब्र भीख मर्भावन स्टेटन, अहे सनतेत खनन क्तिया व्यानारक कत्र इसि ७ मितिएवत

শসংখ্য মকসমা উপস্থিত করিতেছেন। ভারতবর্ষীর ব্যবস্থাপক সভাব প্রথম व्यथित्यमन प्रिवटम त्यहेन मारहद এहे ব্দশবাদেৰ উত্তরদান কালে বলেন, চারি ৰৎসর হইল তিনি ভারতবর্ষে আসিয়া-(इन, देशांत मध्या कृष्टि माज आहेन इहे. রাছে। এক এতকেশীর ধর্ম ও দ্বিতীয় সমান্ত্র প্রকার। এতদ্ভির তিনি ইংলও ও ভারতবর্ষের ব্যবস্থার ভুল্যতঃ বিধা-নার্থ কয়েকটি আইন করিয়াছেন। তিনি वरे अकारतत षारेनशकाटक जिन শ্রেণীতে বিভক্ত করিয়া বলেন, ব্যবস্থা পক দভা অসংখ্য আইন করিভেছেন বলিয়াৰে দোবাবোপ করা হয়, ভাহা নমূলক নতে। তিনি ধে অবধি এদেশে **भागिशाट्यन त्मेर अवधि अटनक आहे**ल स्रेग्नाट्य बर्टे, किन्त अधिकांश्म आहेन हेरलक्षण बाह्य क्षित्रन हरेएक हन्। তিনি দেইগুলির কিঞ্চিৎ পরিবর্ত মাত্র করিয়া বিধিবদ্ধ করিয়াছেন। কিন্তু ধনি অসুধাৰন করিয়া দেখা যায়, প্রতীয়মান **হইবে, কমিসনের পাঞ্**লেখ্যে তিনি এত পরিবর্ত্ত করিয়াছেন যে পূর্ব্য উদ্দেশ্য অম্পাত্র আইনেই লক্ষিত হইতেছে। ভাঁহার সহিত আমরা শীকার করি, এক এক বিষয়ের আইন একতা করিয়া সংগ্রহ করাতে অনেক উপকার হয়। দে**ও**য়ানী ও কৌজনারী আইন ও দওবিধি সংগ্রহ ছারা ইহার উপবোগিতা সপ্রমাণ হই-য়াছে। ঐক্লপ যদি ভূমি সংক্রায় আংইন সকল একজিত হয়, তাহা চইলে স্বি-শেষ উপকার দর্শিতে পারে। কিন্তু মুেইন লাহেব যত আইনের বিধিবত হইবার বিষয়ে সাহায্য দান করিয়াছেন, ভাহার অধিকাংশ সাধারণের হিতক্র নহে। ভবে বিশেষ আইন ছারা বিশেষ বিষয় व्यथेना मच्छारात्र निरमर्थेत शरक स्य किहू পুৰিধা হইয়াছে, এই মাজ। মধ্যে মধ্যে मूखन चारेन चारचाक रहते, किस चनार निर्देश महश्र महश्र म चालहरू द दिस्तकत

**भाक भारेन भनिकेक्त मर्द्भर नार्दे** মেইন সাহেৰ বাহা বলুন না কেন, ভারত ব্যবস্থাপক সভা গান্ধারীয় नावि लाटकत समिश्चेकत समर्था सहिन প্রানব বুকরিভেছেন। কথন কোন व्यक्ति का, मकत्व क्यांबिट्ड शास्त्रम मा। বিচারপতি ও ব্যবহারাজীবগণও এইপ্র কার অনিশ্চিত অবস্থার কাল্যাপন করেন : নগরে যেরপ হউক, মফছলের অনেক ৰিচারপতি ও উকীল সকল নুতন আইন দেখিতেও পাৰ না। এটা অনিউক্য কি না ? অভিরিক্ত ঔবধ দেবন পীড়া ভূবের না হইয়া পীড়া রুদ্ধির কারণ रुडेश बंदिक।

का , खरवेरें इ मक्ष अ कावि इर्डिक ।

অপ্পাদিন হইল, ভারতব্যীয় সভা ভবিষাৎ ছব্ভিক নিবারণের নানাবিধ डेशांत्र अस्तादकारम अनम कतिवारस्य বজদেশে প্রতিবংসর কতে শসঃ ক্লকে তাহা জানিবার জন্য একটা পুথাৰ বিভাগ ও পৃথক কংচারী নিবোলিং করা কর্ত্তর। সভা বলেন বর্ত্তমান ছর্ভিক ষ্টনার দার। এই প্রমাণ হইয়াছে c: ভারতবর্ষীর কথচারিপণ আপন আপন প্রদেশের শন্যের অবস্থা অব্যাত ছিলে না। তাঁহাদিগের হক্তে এত কার্যোর ভার य ब विषय मधानकत्थ मत्नार्याध (मक्ता डाँश्वित्तंत्र माशायक नत्र्। कैं होरा यकि गया नगरा माना विश्व विश्व-য়টী নিশ্চিতরপে অবগত হইতেন, তাহা क्केटल भवर्गरमञ्जूक व्यक्तीकारार्थ व्यव-র্ত্তি করিভেন সক্ষেত্নাই। এড লোকের হত্যু ও দেখেব এত ক্ষতি হইত রা। চিরছায়ী ৰদ্দোবস্ত ও জল সেচনার্থ খাল খনন ছারা ছর্ভিক প্রকো পের অনেক শাস্তি হইতে পারে বটে কিন্ত এককালে এডমিবারণ সভাবনা

আবিভাব সম্ভাবনা আছে। তবে শাসন , लाना मारा यमि अक्रम कान बरमा-বস্ত থাকে যে অনিষ্ট ঘটিবামাত্র ভাহার প্রভাবার হইবে, তাহা হইলে ১৮৬৫।৬৬ . षद्य (व यमिके इहेशा (भग, अन्नभ यमि (छेड शूनक्र्मन मञ्जादना पाकित्व ना। खार इनर्य मार्रान (मन, अरमरनाज काश्व-कार का लाहक के क्रिकार्या की बहना शाहा গাণ্ডিয় তৌর হাজতেখন প্রায় অর্ক্তেক অংশ ্ৰনি হইটে সংগৃহীত হয়। এদেশে গ্ৰণ ८भके ३ ० थान कुम थिकां थी। अनाहकि, কলপ্লাবন প্রভৃতি দোষে শদা না कां भारत अवर्गरमण्डेटक काभीनाटवज्र नाम হয় বাজার ভাগে নারুবা ভাগে অপেণু **ज्याप्त गः अह कतिएक इय। हेन्द्रात इ**डेक আব অনিজ্যে ইউক এ কর্ত্তর কর্মের ক্ষ্যভাব সম্ভাবনা নাই। ছডিক घटेना करत हिद्रकाती रटनावल करतान ধাধী হয় না। স্বাধীন বাশিজেও ভ কথাই নাই। দুাফোর ন্যায় সভাওম *(मर्ना* अ य**भग** मर्रू विद्युति श्रीय अवर्गस्य কৌৰ মুখাপেকা করিছে চয়, তথন, এদেশীয়ের। অধিকাংশ বিষয়ে অক্ত গ্রণ্মেটের যে মুখাগেক। বংগ্রেন তाश व्याक्टर्याव विवा भटा। कनाठ, শ্বাস না জ্বিলে ব্ধন গ্ৰণ্মে উক্তে কাত धारा हरेट इब, उथन (११न् ४२ मन कि পরিমাণে শ্বন জাম ভালা জারা ছতি আবশঃক। পুর্কেই ৬৭ ছে কবিছ: রাখি,ক व्यक्तिका व्यक्तिके अहेवात मञ्जाबना वाहरू না। **কিন্তু আ**পিন ডণ্ডিড ছইলো ভাছোর প্রতীকারার্থ ব্যতিগতে হটতে হা, , क्षा अधिक के विश्व कि स्थापन সহিত অনেক টাচ অপবায় হইয়া বার। (कान बदना कितान जना करण, ত ংসমাচার সংগ্রহের ৩১। এমবে কালে প্রয়ের উ**পরে** সমপ্তি আছে। কিন্তু এই

তভাগা কথ্যাবির প্রধ্যে এত কার্য ছার

নিশিশু হইয়াছে যে ভিনি যে নিয়মিত तर**्थ च**कर्तवा विठात ७ ता**क्य म**्याह काञ्च कतिया छट्टन, हेहाहे चान्टर्साय বিনয় ৷ এক্লপ অবস্থায় কালেক্টর যে রিপোর্ট দেন, ডাচার সম্পূর্ণতা ও প্রত্যয় যোগাডার সম্ভাবনা অন্প। ভারতবর্ষীয় সভার প্রস্তাব এই:---বিভাগীর কমিসন त्रत शास्त्र अरु का किएक " क्षतिकार्यात्र ক্ষিন্নর " উপাধি দিয়া নিয়োজিত করা ंठिछ। इंगोत अशीत करवक सन कर्य-চাণী পাকিৰেন। ভাঁহারা সর্বদা মকস্ব-নের নানা ভানে থিয়া শদ্যের অবস্থা দর্শন ও ভদ্ধন করিয়া রিপোর্ট কবি (वन । कश्मिनद मिटक मर्१) भर्दा मकत चारन यारेटवन। य हिमाव मः शृही छ হইবে, ভাষা নকৰা গৰণদেওী ও সক माधारराव शाहत करिरल इंडिक घडेना ও তল্লিবস্থন ক**উ জ্ঞান**াৰ প্ৰতিক্তৰ সন্তাবনা থাকিবে না।

क्षम, हेरोजी, अनीश अङ्ग्रि पर्म রবি সংক্রান্ত এক এক জন পৃথক সন্ত্রী थारहम। त्क्वल देश्लर्ख बद्धनाली नाहे। কাৰণ ভত্ৰত, স্বাধীন শাসনপ্ৰণালীৰ শুণে नः मात व्यवसा नर्दमा नर्दामाशाहरणक গোচৰ হইয়া থাকে। বিশেষতঃ ইংলও कृति धारान धारम्भ नत्व, व्यक्तिर्भ भगः विद्राप क्रेट्ड यामनामी स्त्र । जङ এব তথার কৃষিকার্যোর শ্বভন্ত মন্ত্রি निरम्रोरशव अर्खाक्य गारे। शकास्रत ভারতবর্ষের অবস্থা বিবেচনা করিলে এ একার কর্মচারিব নিয়োগ একান্ত অনুৰ্শাক বলিয়া প্ৰাতীয়মান হয় সন্দেহ नाहे । किछ भागता प्र: विक प्रदेशांम, আমরা এ প্রস্তাবে অসুমোদন কবিতে পারিলাম না। ক্রবিবংকাত মন্ত্রি-निर्द्राभ भाता विभिन्ने देखेनार्डत मञ्जा-বনা দেখা যাইতেছে না, প্রত্যুত কতক-छलि कर्म हार्तिह दिख्य हार इथा अर्थ नके

ছইবে। রেবিপিউ বেচের্ডর উপর ও এ ভার ছিল, কিন্ত ঐ বোর্ড ছইছে এবাঃ কি উপকার দর্শিন ? ভারতবর্ষীয় নত যে কর্মচারি নিয়োগের প্রস্তাব করিছে ছেন, ভিনি যে রেবিণিউ বোডের ন্যাঃ ফইবেন না, তাহার প্রমাণ কি ? ভার**ত** वर्ष क्रुविधावान व्यटमण वटणे, किय चामानिरभव विरवहनात्र अर्थात्न कृति मः कान मंद्रनिद्यारभन श्रामन नाहे अथारन वर्षा निव्रमिष्ठक्रारश इंडेवा चारक ভাষার ব্যক্তিক্রম হইলে অঞ্জেলানিয়ে পাৰা বায়। চতুৰ্দ্দিক হইতে তৎশংসী কোলাহন উপিড হয়। সমাচাৰপত্ৰ मन्त्राम ह ७ डीहामिरशत পরপ্রেরকের আশক্ষিত বিশাদের বিষয় গ্রণ্মেটেঃ কর্ণগোচৰ করিতে পরাওমুখ **হ**ন না। ध्यक्षांन शूक्रदिया यकि श्राक्षांवरमञ अ প্রজার কল্যানকামুক হন, উহোরা আশি-ক্ষিত বিপদবার্তা ভাবণ করিয়া কথন উ দাসীনভাবে অৰম্ভিতি করিতে পারেন না, ভাঁহাবা ব্যঞ্জিতে ভাহার অহুসন্ধান ও তংপ্রীকারের উপায় চিন্তনে প্রায়ুত इन मरम्पर नाहे। या ऋता दाशन शुक्र ষেধা বিপরীভ অভাব সম্পন্ন হন, সেই ছলেই কেবল ৰাতিক্ৰম ঘটে। গভ इर्डिटक व्यक्तिक अहे बंग्नेता एरेश গিয়াছে। দেশের গোকে আশক্ষিত ছর্ভি কের বিষয় রাজপুরুষদিগের প্রবণ গ্যেচর করিতে বিমুখ হন নাই। কেবল প্রধান পুরুষদিধের উপেক্ষা দোবেই अकातन व्यानिहरू इरेन। उँक्षित यंगि मनदा व्यक्तिविधान कडिएडन, क्थनहे भड অনৰ্থ ঘটিত না, ইছা স্পান্তাক্তেই निटर्मन कता बाइटिड शास्त्र । डाँशामिटश्र ক্রতে ধনি সংশার ক্ষিয়াছিল, ভাঁহারা ক্ষিপ্নর নিয়োগ ক্রিয়া সময়ে ভাগার অপনোদন কয়িলেন না কেন ? অভএব जामास्टिशत विदेवहमात्र अहे रह, स्वित्र -- 818--

🎜 দাহায়,কুত (বদ্যালয়।

व्यक्षिकार्म माहायाक्कुछ विमानिद्रा যথোচিত ভত্তাবধান হয় না, কোন বিষ নেরই প্রায় পুশৃষ্লা নাই, লিক্ষকেরা নিয়মিতরূপে বেতন পান মা, পড়া **শুনাও ইহার অনুরূপ হয়। অব**দর উপ-ভিড হইলেই আমরা এই আক্ষেপ করিয়া থাকি। এরপ কতকগুলি ডেপুটী देन(न्नाक्केत्र व्याष्ट्रिन, स्र्राणंत उन्निष्ठिमाधन **डीइफिर्मद अख्टिश्च नय, प्रार्थमधनहे** छेटलमा। उँहिता भागिष्टिशत वह चारक्ष्मवाहा अञ्चलक अथवा विद्यय-मृतक द्वाहा देन**्या हे** ब्रिक्शिक न्या देश দেন। সুতরাং আমানিগের বাক্য ফলো-পথায়ীহয়না।কিন্ত হাঁহারা সদাশয় অদেশের উন্নতি দর্শনোৎসুক, ভাঁহার क्थन क्षजानगणवज्ज हरेगा हेनटम्लेके-द्रविद्रश्रद्र हरक धुलिमुखे क्लिश करद्रन ना। **डोइोब्रा मदल इन्स्टा मकल विव्यय**त चक्रण वर्गना क्रिया पाटकन। उँग्लांतारे यथार्थ (वांशा लाक। पार्वत উলেখ না ক্রিলে ভাষ্রি সংশোধন ও তব্লক উন্নতি হইবার সন্তাবনা কি ? এই উ

বোগ পোপন করিবা রাধিলে চিকিৎস্ক কি কখন তাহার প্রতীলারে সমর্থ হন ৭ বিক্ষমপুৰ বিভাগেৰ ডেপুটি ইনস্পেষ্টৰ যপাৰ্থ পথ অবলয়ন করিয়াছেন। সাহা-যাক্ত বিদ্যালয়ের উলিখিত দোষগুলি मः भाषित इत, व विश्वतः जीहात बकान यङ्ग व्यक्तिकारह। ২ রা পৌষের চাক্ত্র-कारण निश्चिष्ठ इहेशारह " बहे व्यक्तिके निवातनार्थ रेवकूके वात् (विक्रमश्रुरवत ডেপুটি ইনস্পেক্টর) প্রস্তাব করেন, कर्कु नक्ष अहे निश्चम मर्कता धाहार करिया प्रिडन, माहासाक्ष्य अध्याद मण्याप्रका **৭কে প্রতি মা**দের ২০ এ তাবিধের पूर्व तम्हे भारमव ছाजरवजन, कवि. মানঃ ও ক্ষানীয় চাঁদ। আদায় করিয়া ए पूर्णि देशा म्लाक्ट विषया कि कार्या कतिएक इहेरवा एडपूर्णि हेन**्**रम्भक्केरतता তাহা নিকটবন্তী বালেক্টরিতে জনা कतिया त्राचित्वन। कात्मक्रेव के हाका পारेग्रा अक्थानि त्रिक्त पिरवन। यात्रारस নেই রনিদ প্রার্থনি পুরুকি কালেক্টরি स्ट्रेट डेक होका अध्य क्रिया बदर গংগ্নেশ্টের নিয়মিত সাহাবেঃর টাকা লইয়া শিক্ষকদিগকে নিয়মিউক্লপে বেডন धरान क्रिलिंह छेख्यत्र श कार्या निर्काह **१६८७** भातिर्व । मण्णांषकविर्धान निक्षे হইতে টাকা এচণ ও ভাচা কালেক্টরিভে ক্ষাক্রিয়া দেওয়ার নিজিট সময়ে ডেপুটি ইন**েশ্**ষ্টবেরা করেক দিন ক্ষেলার षांकिटल हे बिना शांतरबारंग अहे श्रन्ता বাসুযায়ী কার্য্য নিজ্পন্ন ছইতে পারে। रिक्षे बाबू बर्जन, अहे निश्चम सुमृष्ट्रहरून প্রবর্ত্তিত হইলে অনেক সাহায়াকুত विनानश छेकिश याहेटक शादत वटहे, কিন্ত ভাষা অপ্রার্থনীয় নয়। বিশ্বরলা পূর্ব বহুসংখ্যক বিদ্যালয় পুশুৰাসপৰ হুই চারিটী কল থাকাও ভাঁহার মতে সম্ভোগজনক। "

रेरकुर्थ बादू होश मिर्नेत्र क्लिब्रोट्डन

बट्टे, किञ्च किमि स्य क्षेत्रदश्त बावक वितिष्डाह्म, भिन्ने अक्ट छेवथ नहरू তাঁধার অস্তাবে পশ্চালিখিত করট আপত্তি আছে। এথম, পদীগ্রামে মাসের ২০ এর মধ্যে বাবজীর ছাত্রেশে বে তন ও চাঁদা সংগ্রহ হওয়া বড় কঠি ব্যাপার। আমাদিলের হত্তে একট ন্দু লের षारह অধ্যক তাভার चामता दस् धादान शाहेबाड ज विनय कुष्ठकार्यः इटेप्ड शाहित्त्र्याच्या । अप करिबाइ७ धाराक्य नाहै। मान शर হইলে পর মাদের ১ লা বা ২ রা শিক্ষ দিপের বেতন দেওয়া আবেশ্যক। অত এव মালেব শেষ দিবলেব মধ্যেই টাক আদায় হইলেই হইল। দ্বিতী '. ডেপুট हेन(न्या हेरतता मः शृकी ५ होका सहय কালেক্টরিতে ক্ষমা দিবেন, প্রস্তাব কর **হইয়াছে। ইহাতে ভেপুটা** ইনস্পের্কার त्थात्र ममञ्जूषा नके इरेशा याहेट्य । ८ ভেপুটা ইন**স্পের**া **७**द्वावशहरा व्यक्षीत्न अधिकमःचा विकालह व्यक्ति ভাঁহা হইতে এ কার্যা সম্পন্ন ইইয়া উৰ্ दांत्र मखादमा नाहे। आमना महराह দেখিতে পাই, অনেক ভেপুটা ইনস্পেষ্ট षामनामिश्वत कर्खवा मन्त्रीवन कर्यः ना, डीहाडा (ए अहे पार्डाडक कार्र সুশৃত্বলরূপে সম্পন্ন করিবেন, সে আল নাই। হয় ও কোন কোন ছলে সংগা দকের সন্থিত ভেপুটি ইনস্পেষ্টরের মুড়া মুক্তি বাঁখিয়া বাইবে। ভৃতীয়, বালেন্ত রিতে টাকা জমা দিবাব কথ। আছে একে কালেউরিদিগের মন্তকে এত 📫 ভার নিকেপ কবা হইয়াছে যে ভাঁহার মস্ত্রক উন্নত করিতে পারেন না, ডাহা डेशदा डीहाता (य अहरक अ कार्य) छ? अध्य क्तिर्वन, अभन त्याथ ह्य ना। दर् नः का विकानत्वत होका समा लख्या ভাহা প্রভাপণ করা কাঞ্চী বড় লঘু ভার নহে। এক্লপ করিবার জাবলাক তাও দেখা বাইতেছে না। ভেপুটি ইন. স্পেক্টবনিগতেই যদি কালেক্টরিতে টাকা ভসাদিতে হং, ভাঁহারা কেন মাদের (मटम **এकका**टन भिक्कविशटक मर्डे টকো দিয়া আপুন না। কাৰ্যনামৰ সম্ভবিলে কাষ্য'গৌৰৰ স্বীকাৰ সোহেৰ বিমিত্ত হয় ৷ চতুর্থ, ভেপুটি ইনশোষ্ট त्वश यमि विकासिए इत आज खरीन वर्मा বজে হস্ত্রণ করেন, সব চারলস উড়েবর লেড হালিফালেব) যে চিটি অমাণ ক্ৰিয়া জানাৰ সাহায্যদান প্ৰথালী প্রবৃত্তি হটমাছে, ভাছার উদ্দেশ্য विकत कहेता या केटन । विकास वादाद **अव**ह युवीन काट्या मन्त्राप्तकस्तित्व **याशीनका** अवानरे के किठित मुक्त खेरणा। जे স্থৌনতা ব্টিলাকেও সাহায়গান প্ৰবা লার উংকর্লাভ সম্ভাবনা নাই। যে যে र्दलार्नरम कम्हे मन्भरिक आह्मत, हाराता एवं एडपूछि इन्टब्लाक्टेबनिटनद ন্ধ্ৰতি ক্ৰিকাৰ অনুমোদন কবিবেন, একুপ , বাধ হয় না।

रेवकुर्छ बादु व्य अभिष्ठे निवाहरणय চেটা পাইটেছেন, তাধার উপায় ছাতি সংক্ষা ভেঁপুটি ইনকেপক্টরের। যথাবিধি च २ ७ व. भण्डोहर कडूर । **टीवांदा का**ल किएम करिया श्रीत्यकाम **वाशना प्राप**र न्धारशास्त्र अशीमक विकासकाति . व्यंत वरिद्युन । ८५ विकासिए इ. १९७१ ওন, ভাণ হইতে,ছ না, কাবণ নিৰ্দেশ পূৰ্বেক ভংক্ষণাথ ভালার রিলোট কার ८२०। इनस्लाकेरण्या साहे स्टिमिके भा**रेख ग**ण्यास्त्रीतशःक शत्र्क वृत्रिश मिट्रा । छोट्टि गरि डेंग्स्ता मार्यान নাহন, সাহাস,দনে বল করা ছইৰে। এরপ করিলে যে বিদাশ্যে যে যে বিশ্ बना चारक, मटरक मञ्चाम मर्मा १४ व हहेश व्यक्तित्व । कारण कारण के नामा व शिक्तरक नियमिष्डक्ररी भिक्किक्टिनेड

পভা শুনা ভাল হইবে না ৷

প্রভালনাকার।

আম্বা আনেক সময়ে কার্যোব প্রাকৃত कारण निर्वास ममर्थ ना इहेब्रा व्यक्तव्यक कात्रण विलया निर्माण कतिया थाकि। याँ एक्ति वर्तान, वांक्रमा खावा व्यक्तिक्षिर-ক্ব, ইচার এরপ সংস্থান নয় যে যেরপ हेक्का क्रहेर्स, हेकारफ म्हेक्का कार राज्य क्या याहेट्य, अव्याध्य वर्गमां अ देशां उ ना । विद्यमोद्याना त्य बद्याद्यत पादराभ कतित्वन, काका जाम्ब्रार्थात विषय नत्र । উচ্চারাইহার অন্তপ ও ভেলজ্ঞ নহেন। किन्द्र योशाना रेम्प्याविद अपे जाता कहिएउट्हन, डाँकात! (व मिशादार्थ करतन, ভाहाहे यथार्थ विश्वराव विवय। थामता (व बाक्ता जाराटक देश्तांकी স্পৃত্তি সম্পন্ন প্রভৃতি ভাষাব নায় দেখিতে পাইতেছি না, মেটা ভাষাৰ (माय नय, मिछा व्यामामिरभर निर्वाद দোব। আমাদিকের মধ্যে আঞ্চিত অধিক সংখ্ৰুত্মিন ও ক্ষভাৰান্লোক बाखन नाहै। प्रकरात साधार इववसा र्राह्र : रिष्ठ । यभि अनुशांदन कतिया (नर्था যাং, প্রভীবমান চইবে, ভাবার উন্নতি বুদ্ধিমান ব্যক্তিদিগের বুদ্ধির পরিণাম বিশেষ। বুদ্ধিমান ব্যক্তিদিপের মনে যত সূতন সূতন ভাবের উদয় হয়, তত ভাঁছারা বাকা দারা তাহা বাক্ত করিবার চেটা পান, ভাষারও ক্রমে উন্নতি হইতে वाटक । अक अन कवि निविद्यारहन.

> बर्रेन: किलिटेश्टबर अधिकमा चरेत्रतिब । অনন্ধা বাস্ত্ৰয়স্যাহে পেঃস্যেব ৭িটিজভা । करशक्ती माज चत्र बाता प्रक्रिक

বৈতন দিতে হইবে, না দিলে কথনই | হয়, কতিপা অক্ষর দ্বারা এবিত বাঙ্ মর শাল্ডেবও তেমনি অনম্ভ বৈচিত্রা स्हेबा चाटकः

ब रेबिटिखांत कांत्रश कि १ बुद्धियान मिर्मन वृद्धि रेविष्ठा रमहे कातन। य দেশে যে পরিমাণে বিচিত্র বুদ্ধিসম্পন্ন बाक्ति सम अहन क्रिज्ञाह्बन, त्महरू (मार् সেই পৰিমাৰে ভাষারও বিচিত্ৰ ভা क्रेब्राट्ड। अहे कांब्रट्गरे कृति क्र माँक-ভাল প্রভৃতির ভাষার বৈচিত্রা নয়ন-গোচর হর না।

ৰাজগা ভাষা যে আমাদিগের ইঞ্চা-সুরূপ রচনার উপযোগী নয়, এ বাক্য প্রামাণিক নছে। ইহাব সংস্থান ও উৎ. পত্তি স্থান বিবেচনা করিলে আমাদিগের বাকা সঞামাণ কইবে। সংস্ত ভাষা ইলাব প্রস্থতি। ভারাতে রোদ্র বীর ভয়ানকাদি নয় প্রকার রস আছে। ভিন্ন क्रिय बरमत क्रिक क्रिय तहन। मृत्केरशाहत इहेशा थाटक। तम (कटन श्वन अ क्रीजि ভেদও নিশ্বপিত হইয়াছে। যে প্রস্তির এত গুণ, তাহার সন্থান বে ভাহাতে विक्थित स्टेटव, देश मञ्जाविक वया । विटम वकः भागता वाभना भागत अक्नी वि-(भव ७० (मस्टिंड शारे, देशांड बना অন্য ভাষা স্থিবেশিত করিলে ইয়া अमि करू हम ना। यहि अज्ञान क्हेन, আমাদিগের মধে, যত বুদ্ধিমান ও ক্ষম-ভাষাত্ লোক অস এছণ করিবেন, वङ डीहामित्त्रत मान भूखन भूखन खरादद উদয় ও ভাষা বাক্ত করিবার চেডা ক্ষাৰে, ডডই ভাষার উন্নতি হইতে शाकित्व। मण वर्गत्र शूटर्स वाजना काबाद कि व्यवका हिल, धर्मनहे वा कि व्हेज्ञाटकः। यदि हेका रक्ष्यु कत्रिया वालला ভাষার ভাবী উর্ভি অসুমান করা যার, ইহাবে ক্রমে খন্যতর উৎক্রট ভাবা बंगिया शतिश्राणिक एरेटन, कवियद

नर सम महत्राजद नक नदर्यः। আপরার বয়বার উপলক্ষে ভাল সহ লের ভোজের বিষয়ে আময়৷ বে কথা কৰিয়াহিলাম, ২০ এ ডিলেম্বরের ফ্রেও খব ইতিয়াতে ভাষার প্রতিবাদ দুউ रुरेण । स्कुल बरणन, भवर्गत स्थनत्रस्म স্বাজ্ঞানুদারে ভোজ হর নাই, তিনি निरक , कारक किरणन मा, अवः क्राय ना व्हेश डाक्यम्राम्य मरमध् धक भूषक शृह्य एता । व टकांक श्वर्गत्र टक्षन्यम दिन नारे, महाताच मिलिया विशिष्टितन। **খতএৰ আময়াবে আক্লেপ কৰিয়াছি** লাম, ভাষার কোন কারণ নাই। সর জন लट्रहरूव सहाजनाटत दक्ति अहे नमर्थन कता इहेबा बाटक, हेहा त्य आमानिटमत কি পর্যন্ত আহলাদের হইরাছে, আমরা व्शिष्ट शांत्रिया। यात्रावित्त्रत कारान রাজপুরুষেরা যাহাতে প্রজার মনে কোন অংশ কোন প্রকার শকা ও বিরাপ না करण, अक्रथ काक करतन, देश व्यानामि-গের একাত প্রার্থনীয়। ভাষার কোন প্ৰকার ব্যক্তিক্রম সম্ভাবনা দেখিলেই আমরা সতর্ক করিয়া থাকি। বাহা ছউক, व्यामास्ट्रित ब्रुक्त वर्षे, मत कन नटत्रका करमान त्व इदेशास्त रक्ष व्य देखि-য়াও রুদ্ধ সংধাদপত্র, তথাপি ভাঁহারা খাব্রিও এবেশীরদিগকে বিশেষতঃ এত क्ष्मीत मुगलमामिश्रदक विनिष्ठ गाति-লেন মা। ভোজটো যে গৃহে ইয়, পূর্বে দেখানে ভুরমহলের আরণার্থ দরিত্র विशटक अञ्च साम कता रहे छ। मुनलमारनता সচরাচর সেই গৃহ্টাকে ভাক্ষমহলের चन्द्रर्गक विनिधा विद्यवना क्राप्तन। स्था गरक्ष पूक्ष ठक कतित अक्त (Gia मादन यकि स्ताय ना इत, किन्द नाथांत्र লোকে সামান্যতঃ লোব জান করিয়া থা-क्त। कान नित्रकात उठाम कर परभा कतिरण पृष्टिशास्त्रश कि बरणन ? शदर्गत জেনগ্ৰ ভোজে উপস্থিত ছিলেন বা.

एक उपन अ कथा कहिए उद्दर, खबन এ বিষয় লইয়া বিভগ্ত। করা **আগাদিনের উচিত इश्चा। किन्द आधारित्यत** বিজ্ঞানা এই, ডাক্মংল আগরার মিউ-নিনিপালিটির দপতি কি নাণু এবং তাঁহাদিগের অসুমতি লইয়া ভোজ দেন কি না ় যে বিষয় বে নিমিত্ত হয় নাই, ভাহাতে দে বিষয়ের অভুমতি पिटन पानी स्वेटक स्त्र कि ना १ डेख इकारत अञ्चल कारात्र कांक ना क्य, शब-পর জেনরল এরপ কোন কথা কছিয়া-ছিলেন কিন। ? যে মিউনিসিপালিটি যে এতকেশীঃদিগের টাকায় তাজনহল শালোকণতিত কবেন, তাঁহারা সেই এদেশীয়দিগকে ভন্মধ্যে প্রবেশের নিষেধ कत्रिशिक्तिसम्बद्धाः कि ना १ श्रेवर्गेक (स्थनतः লের সমূধে এই সকল কার্থের অনুষ্ঠান হইড়াছে কিনা ৭ একপ তলে আনমাদি পের আন্দে। ৰাক্য অমূলক ও অসজত ৰলিয়া বিৰেচিত হইতে পারে কি না ? " পুৰুবের মাংসভক্ষণ গ্ৰাক্টী অভুক্তে वना इहेबाट्ड, किंद्ध स्ट्राटिटनत अक्षाक क्लिनात्र भारत्रतत्र दिल प्रमीन ना कत्रिया व विषय किছू बला डेडिड इस मा ।। वरम শীয় সংবাদপত্ত সম্পাদকেরা বেচ্ছা পূর্বক নাধারণের অনস্থোব রুদ্ধি করিতে-एक, अरे ज्ञानीएल क्षा जिल्ला क्षा अस -र्मन क्रिया स्थानावनवन्त्रे क वित्रसह अक्रड धन्त्र । श्वर्रम्यो कार्यात প্রতিবাদ করিলেই প্রায় এই কথা বলা इरेक्ट्रा राहक।

আগানের ধরনার যে উদ্দেশ্য কলা হয়, ভাহা সকল হইয়াছে কি না ? সে বিবয়েব আন আমাদিপের আন্দোলন করিবার ইচ্ছা নাই। তবে করেক জন ইউরোপীয়ের সজোব সাধনরূপ উদ্দেশ্য যে সম্পূর্ণরূপে নিজ হইয়াছে এ কথা আমরা মুক্তকণ্ঠে কহিছে পারি। ফ্রেণ্ড অব ইভিয়া ইচ্ছা করিশে রাক্ষা সভ্যশরণ

খোৰাল অথবা তংসদৃশ ব্যক্তিকে গ बिट्ड मीट्डन, किन्नु सामरा म्माडीय ক্ছিতে পারি, জুতা ত্যাস করিয়া বারে বাওয়া এদেশীরদিগের অভি নতে, ভাহাতে ইহঁবো অপ্নান জ कतिया बाटकन। दिनिएएके निकाय এই সম্মান প্রদর্শন করেন বলিয়া ফে ভখন কেন ডভ রাগ প্রকাশ করিয়া लाम ? अ वियरत इंडेटब्रां शीत छ असम উভয়ের পক্ষে একবিধ ব্যবস্থা কি বিধে मङ्ग १ अटलमी इकिटमत छे शटब मेटमत जी বতত্র এই হেতু ইঞ্.র। উপবেশন কা উপানৎ পরিজ্ঞাগ করিয়া বদেন, তা **छिरे रेडेट**ब्राशीसबा शत्म करवन, डेन নৎ পরিত্যাগ করা এদেশীরদিটে রীতি, কিন্তু ৰাজ্ঞবিক ভাছা নছে।

---°0°---

আমরা ভাজনঘাট হইতে নির্ন থিত সমাচরগুলি প্রাপ্ত হয়।ছি।

১। মহাশার। একটী ফুখের সমচার এ ক্রিডেছি। যে যে অভ্যাচার নিবারণে ও হইয়া বহাত্মা লঙ সাহেব ভিননাস কারাতে বঙ্রণাও সহত্য মুদ্রাদও সহয় করিয়াছেন, অভাচার নিবারণে হস্তকেপ করিয়া কেঞ্চ গৰৰৰ আকি সাহেৰ অধিনত্তর অগহলপ্ৰ ক **ও श्रमांत्ररमद चाणदिक छक्ति श्रास ह्हे**त्र ह এবং বে জন্তাচার যাবা নীময়া যশেকের প্রভূ .बालात निरंखाय निश्च श्रकाता **क्रम**ेक ८ ভোগ কার্যা ভাগিতেছিল, তাহায় মুলী নীলবপ্নক্রিয়া এবংসর বলা হইবার 🦫 🕆 হণ্যাতে: প্ৰিটে পাইডেছি বে, কেল্ল ব্ লো কোম্পানি উছেদিলের নদীয়া জেলার 🗟 कृष्टि गकन विकास कर्ज़िवादी हारेशेंद्र जाएंद গেই জন্য পাহাবা নীলবুটির সমুদ্র কর্মার शहक विनाय भियाद्यम । अध्यान शकामित ্সাভাগ্যক্ষমে কোন ভন্নলোকে উহ<sup>ু</sup> এছণ *ব* লেই স্পাদিকে মঞ্জ : নতুৰা প্ৰজাদিলেৰ ष्मानम विवासस्तर्भ भद्रिन्छ इहेरव । ष्मान्ड: े विषय अहे रह, ज्यामाहितात भवनेत्यटकेंद्र डिक কর্মচারীবা এই অভ্যাচারের কথা বিখাস ক না। হাঁহারা ভাবেন যে জন্তলোক কথন এজ পাপাচরণ কবিতে পারে না। কিন্তু উচ্চাদিং ছৰাৰ জন্মধাৰন কয়। উচিত দে, '' গঞ্চণ্ডীলে। कुछ व'न करव म: » २

২। আন্তশ্য আফোদের সঞ্চিত নি**রে**বন हिट्डिकिय अक्षरमाज्यान अन्तर्भ विषयिक समित **पर्यक्षक देवे अब १३ हे अहिला अन्यास्त्र हिन्दिस्त**ार ইমান ভৰয়া যেরপ্রে খড়েডি, ভাষা তেউিং। ও 'উৎকু≱∉৺ ড'লবে ভাঃতে সন্দেহ ই। চাউলের পভিমণ উৎবর্গপ্রধানে ২৮ টাক। লৈড আৰু টাৰা গলেখ মুখা 'ব কীত ৰইডেছে **ভগুকে ই**নাৰ ৮৫ ১৯০ ২ইকে ৮ট কা পৰ্যাক্ত

। এই आहम ५ (क)ल से स्वर्ण्य क स्वरंभपुर বাসী ব্যক্তিগৰ হেলা া লওয়ে কোম্পানিষ कट्डे प्यारवहत कविया प्रश्नास अवधी (क्षेत्रक महारह्य । उत्तर अवकार्य (व. (वस्तुः) पण्यानि खाशास्त्रप्रक दोलप्राट्टन .स. 🕏🗸 শ্ব দিয়া প্রতিষ্ঠানে অভুষ্টা পঞ্চাশ্ব ব্যক্তি মোগমন ব'ড়িল উছা চিৰস্বায়ী স্ট্ৰে। এই ল একংণ ভাষুরামপুৰ ভৌশন বিধেচনাৰীন (5 t

 उ तक्क पुलिस्थ । भः नदलकार है। যান। নামাস্থান পরিজনপুণর হালা আহার স चीकि अविवादभ, या, देश निरमः कोडिएकाद াদুল উপযুক্ত নহৈ। বেখানেই গ্ৰহন কৰি। সেই गुरुन**हे हेराज आरमा**णा नाज पांटरज आष्ट्र हरे . ামি সমাজ ভাতন্ত্তি উপস্থিত ২২৯ টি : **স্থানের চোর্টের জন্মানক পোরাক্ষের বর্জা হ**লি। **७ পाই**ডिছि। ইहाव मर्गः २७० जै ।गॅ६ ३३ াছে এবং শুক্তির পাওয়ার গ্রে, ব্রতি স**্ত্র**ি **एडे खबर**हुद्रो चकरिहर्शररजन बना क्रवारने भार বিষ্কিরিটেডে। শাদাভাবে হখন চহ*ি*ত হোকার হব উঠিয়াছিল, ওৎনকবি<u>ছ</u> ৪র বখা, श्वतः है महत्र किला प्रकाशित हा अवदान है स्टेट लाबक श्राप्तकीय द्विताहारीहारे जानार्थाः ্ষর ব্রিতে হইবে। সম্পিক ছঃতের বিষয় এ১ । দ, চোরগণ গ্রুক্ত স্ক্রি লট্য়াও ০ ছট নহে, বুৰাজ্জ বিরশ্ব নির্মীক আকাদিলের প্রায়েধারণ ৰু লাস্য **প্ৰ,ত্তৰ অপং**রণ কবিতে ভারেও নিয়াছে। কিন্তু পূলিৰ ভাষার কিছুই কা ডেড ্রিটেইন না। রাচ অঞ্চলর নামে এখানেও সারকার্থ সোচে চৌকীদার নিমুক্ত কবিলে , াধ হয়, এই দৌরাত্ম নিকাবণ কইডে পারে <sup>চ</sup> াছ যদি কুৰক্দিনোৰ গোষ্ঠভিত শন, রাফড া, **ভাছান্টলে ভা**থাবা গছের চৌর্ক,৭।রী .বড য় ন্যায় মাঠের চৌকীশারের বেডন 🖟 ডেও तन्य अध्य नो। अविष्टप्रव स्थला भुद्रिण लग्द्रारण 🗄 🗄 য়া যায় করি**নেই স্কুত**কার্য **চইচা প**াবেন।

a। পূৰ্ববালাগা রেগওয়ে কোম্পনি গাহাদি ाव धर्मान श्रवाम होनन नकरल खीरलांक रू পুক্ষদিগোৰ অন্ত্যাৰশ্যক ক্ৰিয়া করিবার স্তন্য খতন্ত্র খতন্ত্র স্থান **প্রস্তুত করিরা**দ্দেন। ইহা সুখ কৰ সংখ্যৰ সঞ্জেছ নাই। কিন্তু ছাঁহাদিগের কর্ম চাবী দিশকে আয়োষ্টার প্রতি সদ্ধান্তর কবিতে উপদেশ দেওগা **উলা অপেকাও এয়ে৷অ**নীয় :

৬। ডোকের কপরে হথার আছেন লাগি-योहिः हेशत तार्थः कि **क्थनहे जून्धर**खात নিৰ্কাহ হঠ:ৰ না ? ংকে দিন ভানিলাৰ যে প্ৰৱে শিকা শ্ৰীকাৰ চাকাগামী প্ৰশ্ন ভাকে চুবি গি গুড়ে। ভাগর জন;ই নানা অসুস্থান ও নানা গোল্যাগ হউকেছে। আবার কলা গুলিলাম .स. वर्षालिविमाध्याद्वर श्रवीयात क्षत्र स्थलिय **ঢাকদ্যে আগিয়া পড়িয়াছিল, পরীকাব নিবস** বলা দশ্টাৰ সময় পত্নীক্ষাৰীদিগকে প্ৰীক্ষাৰ আসনে উপবেশন করাইয়া ডাকদর হইতে প্রশ আনয়ন পূর্বাক ছগলিনন্দালের পরীকা কংগ निर्नः हिन्द इहेत्राटक। अञ्चल हेटा छेटन बक्या কাৰৰ কেবে, প্ৰীকাদিনেৰ ৮১৯ দিন পুৰ্কে উহা ক'পকাতা হইতে প্রেবিড হইয়াছিল। আবাৰ অন্য শুনি ডেছি বে, **চাকা নৰ্মালস্ক** লেব ক্ষম যে সকল এখ ডাকবালি ছারা ভথার প্রে-বিভ দইয়াছিল, কাছ'ৰ সমুদ্দ তথাৰ পোঁচে নাই তাহাতে উক্ত নর্মালের প্রধান শিক্ষ প্রীপার নিভাবিত নিয়মানুসারী এর না পাও সাত্ত ২৮. ডক্তন্য কলিকাভার টেলিএ**য়ে সং** यान भारे देशाह्म । अझे काल या विवासत भनी কা হা গ'ব বখা হিল, ভাছাৰ পরীক্ত ক্ৰিয়া क्षन अ. में विश्वासत्त क्षाता कामान्द्रित् कार्यः (अ.१क.) क्रेड्राएड । स्**र**ामञ्जा (क्रेस्ट **स** ে এংবেই আকেন একাপ পোলবোনা একাপ নাৰে 🔻 हेशत मरण वि १८३३ अहेद्रभ विभू**धना चार**का ত্রে এর প্রেবনে লোক্টের বিশেষ যুদ্র ও ভাষার মেন্যাল হওয়াতে লোকের সাভিশ্ব কার্ব্য খনত হ'ব। উহা সক্ৰ সাধান্ত**্র নিকটে প্রচা** ্িড ড ডটয়াড়ে । সুখেব বিষয় এই যে, প্রবেশিকা , প্ৰীকাৰ প্ৰাপহাংক কলিকামা পোষ্ট আছিব क्टें, इ.स. १७ इट्डा शुनित्व बीख इट्डाट्ट।

काणीक मर्वामगांका लिथियाट्टनः---১৯ এ মধ্বেদ্ব গ্ৰণ্ড জেনবুল বাহাছর এখানে का तथन करिया सर्गभात कामानिरशंत महाता-(क्षत बर्टाम अक दाखि कांग क**र**वन । स्हांताक । त्रण्ट्य १३८७ महानगादांक शूर्वक अवर्गत हैम्पत नाम अहे, आवंत्रा आहे किर्म नाणि।

সাহেরকে আহ্বান করিয়া সইসা আইদেব। বিঁয়াত্বহারাজ এখানে আসিরা গ্র4র ভেমর শের সহিত সাক্ষাৎ ববে**ন**।

২। ভূপালেরপ্রেনিছ বেগম দীস্ত এখানে माधमन कतिर्दम । शःनिर्द्धकि (नधम जार्द्द এখানকার প্রসিদ্ধ স্থান ও সন্দির স্কল্দর্শন্ कर्रितमः। (वशहमद अहिन्छ अक्कम हेश्ट्रस वार्यम्य धाक्रिका।

 নত্থতি পোই কাফিনের ভাইরেটর -লনেরল সাহেব এখানে আসিয়াছিলেন। ডিনি এখানকার ভাক্ষবের কার্য, প্রধানী দেখিয়া এত।ত খানন্দিত হট্মাছেন। বাস্তবিক পূর্বা .পদা কাশীর ভাকষরে। অনেক উন্নতি হই-রাছে। পূর্ণে আমরা ধা । টার আগে কখন চিঠি পত্ৰানি পাইডাৰ না, কি গু এখন প্ৰান্ত ১০ টাব গুলেই পঞালি প্ৰাপ্ত হয়। নবসুমাৰ বাবুকে कार्नाम'ड कामाहत्त्व धनावाः (म'लग्ना क्रिकेक)

৪। কাশীৰ অভঃপাতি স্বাইটাকী নামক আমেৰ একটা কুংগ এপ্ৰসমানে একটা মৃত স্তীৰ नव भा अप्र' योग्नः के नहरू कहनकश्चनि काषाञ हिक्स कृष्टिर गांहर क्या अवश म्ल है स्वाथ क्या स्थ के क्षीरकः कहन करियारका कि व समारय পু লব ২ত। কাবিঃ কিছুই মিণ্যু কারতে পাবেন নাই। সাহতে এক লো গোএক অ'রা হত্যকারী ৰুত হইষ'ডে <u>৹ সু</u>ৰ্বান করি য় অবৰত হওয়া গিয়'ডে যে ঐ মৃতাজী গঞাপুং নামক আহেব একজন চামারের জীঃ বিদেশে চাকরী হওয়াতে अध्यात जाननात्र खीटक अक्कन वक्कत বালীতে রাখিয়া সেই স্থানে ধাই তে এন্তত ত্র : কিয় ঐ ত্রী ইহাতে সমত না হায়া বীয় বামীর ममञ्जित किटिव काहेटक छिमाज हा। प्रष्ट हामाव ইহাতে কর্ম্যা উপস্থিত করিয়া 🕫 ছন্তারা 📸 🖚 अञ्जल कर्डिम श्रमात कर द एए एवं प्रनाद खाहाज প্রাণ বিছোগ হয়। নিগুর ওখন জার কোর উপায় ন। দেখিয়া ঐ মৃতল্পীকে গাডিখোলে নিজবাদী হইতে প্রারু তিন মাইল দুখে সরাইটা-কীর একটা কুশে নিক্ষেপ করিয়া প্রস্থায় করে। माक्रिक्केंग्रे मार्ट्य देशांक (मन्द्र मवर्पः) क.उसा ছেন। বিচাৰে যাহা ২য় পৰে লিখিব।

e : সম্প্রতি একজন হোর রাজি প্রায় ৩ টার मध्य सामानिरात मासिट्डिने मारश्यत राम म'एक अद्यम शूर्कक निजयार्ग्य नियुक्त द्य । कि इ राजां है कर्म मिरमन्त्राह्न काशतिल रहेबा हाल ভালিদিগতে ভাকিবামাত্র চাপড়ালিরা তৎক্ষণাৎ (होब्राटक युक्त करते । महालब्र । (मधुन अवान কার কোরের কেবন সাহুস। বড় বড় সাহেব

७ । बारावनी काहलक इंहेरफ अवन्त्र उन्ने । इ' अ वि. अ. शहीका मिएक शिम्राट्स । इ'हाना खिन सन्हें अञ्चल পরিভাষী। दांश करि हे**र**ाटा জনায় সে পৰীখাতে উজীৰ্ব হইবেন।

यितिनी भूतक मःवादमान निध-ब्राट्डन:----

- >। এখামকাব क म हेनट्र शहर की गुक्त कां», अन, माहिनना इस महलाल्य अवादन लोहि রাছেন। ইহার কাঠাদকতা দেখিলা বোধ হই-ভেছে, ইন অভিডয় ও শিক্ষা বিভাগের উপ-बुक्त (न! रू ।
- ২। এখানকার ছেপুদী ইনপ্লেটর 🙉 হ ৰাৰু কংলিশাস দৈত্ৰ পীঞ্চিত হটয়া তিন মানে-**অবস্ক ল লই**রা বাটী গ্রমন কবির'ছেন। ভা**হ** ভে শ্ৰীয় ক ৰাবু সাৰ্কস্থ চট্টোপাগবায় টেনি ইনকে ক্টর আফিলেব (হড়কার্ক) মহাশর ভাঁছার পদে অভিনিধি নিজে ২টরাচেন টোন অভিভয়, ব**রুদ্র**িও নমুখ্যাবের লোক।

ও। সৰ্ আ দঠাত সাঞ্জন প্রিয়ক্তবার চিন-बक्क प्रस्त महानाम अस्तिम् अनश्माद मुक्ति कार्य করিতেছেন : ইহঁবি চিকিৎসায় অনেকেই স্কুই 'बाइन । हैनि थाछ उम्र प्रमान् २ भरतानकारी, देशीत त्रीक्षरमः व्यास्तरक स्रेपी व्हेग्राह्म।

 ४ । अवराज अवरमद कापरा क्षेत्राभ मनः विद्योहि । अहानियात म्(भारे मानात मूना ব্দতিশর স্থান হইয়াছে। একৰে মুক্তন চাউল প্রান্ত ১৬০ সিকা মধ হইবাজে। অনেকে ভাসুনান करतन चारता मछ। इवेबात दिलक्ष महायना ।

का सनदार छनिया इः विक हहेनाम (य विकारगत्र अधानकम (काष्ट्रायाप्तक) (छलुडी) हेमरूल्लाहेन द्वीयुक्त वायु का लगान रंगर अन्न पृत्र ষ্ট্রাছে। এ বিষয় কত দুব সভা ভাগে এবন "लहेन्नर्ण खाना वाद्य माहै।

# বিবিধ সংবাদ।

---

ত রা পৌধ সোমবার <u>।</u>

देश्वकान रामन कायकामित हासः जाना गारहर देश्मरक गाहेबाद मानंत्र कदियार्डन । देनि দাব্দিণাডোর এক জন সভ্যতম সন্দার :

अज्ञेष क्रमञ्जूषि वार्ष कांगरवारंग बही हार প্রভাপন করিবেন। রাজী রাজাতে এক পত্র निविद्याद्यम. देशक शहर भागमकात व्यर्गत्यत नवम ध्रानितः

**राज्यात्र जिन कारश हेत्र छैर**हा अ आहिक-পান সাহেৰ ঈশাংগ্ৰা বিদ্যাসাগ্ৰের সহিত উত্তৰপাড়াৰ বালিকাবিদ্যালয় দৰ্শন কৰিয়াছেন। আগামী ক্ল্য ডিনি বেধুন বালিকাবিদ্যালয় ९,व सीत प्रभीन कविष्ठा कुक्षनशर छ यामाक्ट्र बाहे (वस । सिन कोर्ट्य•हेद अकरण भवर्षत्र (प्रबद्ध**ा**व राजिएक च्यारकम ।

কাবুল হইতে সংযাদ জাসিয়,তে, ভত্ৰতা বৰ্তমান **শ'সনকওঁ৷ আ**ফিজ্ল খ<sup>ৰ্ড</sup> ও আজিম খ<sup>ৰ্ড</sup> निवनवाह्य नक्षीय महत्यमं विकित्र सीटिक वस কৰাজে কাৰ্লেৰ প্ৰধান খোলা চাকেকে উতে-জনায় লোকে ভাঁছাদিগকে কাবাক দ ব বয় ছে। कार्य। छः प्रचा बाहे एडए विदायका व ची शका-দিগকে পীড়ন কৰিছেন না, আফ্ৰেল খাঁ কাহা **नर्म धकारत कविराज्यक्रम । विष्ठ धहे अन्यारम** বড় বিখাদ করা হার নাঃ

व्यक्तिक इंटिंग म, तम्हानीय शवर्गम েটর সেক্ষেটারি ইডেন সাহের অভিনয় পী:ডুন हरेत्रा ममुद्रम् वाष्ट्र **अविवर्कतन्य स**न्दर्भग्रस्य कवि-ভেছেন। জনিধৰ সেক্টোবি গোগান সাহেবও পীচিত হটৱা ইংলতে বাইতেডেনা এস. সি. বেলি সাছের সেক্টোরির ভার পাইবেন।

কলিকান্তাৰ ভোও আলালভেৰ জভেবা নিৰ্ম ক্ৰিয়াছেন যে সকল মক্তমার জাট্নী অংব বাবিষ্টৰ আসিবেন, সেই সেই স্থলে বাবিষ্টৰ গু আটণীলণ পুৰ্বা ছিবৰ বেলা ৩ টার পূর্বা পত্র দ'রা বিচারপতিকে **জানাট্**বেন ৷ প্র দিবস চই এচরের পর এই সকল মকদ্রমার বিচার হইবে।

গত বৃহস্পাতিবাৰ ছক্তিক নিবাবনী সভাব সম্পাদকগণ কলিকাভাব পুলিব কলিসন্ত্র ১.२०.००० है। का निम्नाटकन। हेहाद मट", २० • • • টাক বায় করিলা আরু করেক মাস জনাপ চিকিৎদালয় সকল রাধা **হট্**রে। মাড়পিড় ই<sup>9</sup>ন শিশুদিনের জাত্রায় গুরুষ ক্রমা এক লক্ষ্টাক মূলধন অৰুপ দেওয়া বছবে। এই গ্ৰহী চিনশু'ন্ कर्वा बहेरवा हेर्राव समा वांचु ब्र'रस्ट्य मिन्तको विध्यानस्य ऐकीन क्रम्याम नाइस्व मास्ति চিরকাল মাসিক ১০০ টাকা ও বাবু গমপত সিংক । নের পাক সমগ্র ক। তেছেন। মকদমাবা বি मभ वर्षत्रव भविष्क २०० क्रीका भिर्वत । बाबु होता । किहू विविधित शासाक्षत शास्त्र ना, किहू कार লাল শীলও সাহায, করিছে সম্মত হইয়াছেন। হাবওয়াডেব মিত্রগণ উহিংকে এ বিষয় ক্ৰিওবাজার বাসতে জনাথ আলমু হইয়াছে ৷ বিব্যুত্তনা ক্রিয়া অনিজ্ঞাচিত কার্য, ব ৰাজাধ্যে ডাড়ার শ্বরণ ছর্তিকমিবারণী সভা । তেনে । উপমগবের মিউনিসিপালিউকে ৫০০০ টাকা श्रिक्षा ।

প্ৰ**ত শুক্ৰবার ভারতবর্ধীয় ব্যবস্থাপ**ক সভাব ৷ **রাজে** , প্রাহালিকেব ৫০ জন হলে স্ট্র্যাপ্ত প্রথম অধিবেশন হইয়াছে। এতালেশীয় সভ্যাল ্কারে বা ১খু - সুন্ত প্রা ৰত্বস্থিত ছিলেন।

होरेमन अब रेखिया बरनन, ४ वे फिरा শেব রাজিতে কয়েকখন ইউরোপীয় লো বোৰাইয়েব খোজা গলির এক মানুরা বাটীতে চুরি কবিছে বায়। গৃ**রস্থেরা ভারা**সিং চৰভিদ্দি অবগও ংইয়া গোলবোগ কর मिकारत्त्रः इहे अक्टिक वर ७ इहे अर শাংঘাতিক **আ**ঘাত করিরা প্রান্তন করে সৌ ভাগ্য বশভঃ পুলিষ অনভিবিদৰে ভাষ্ গকে ধৃত করিরাছেন। নীচ ক্রেনীর **ইউরো** বেরা কেবল এদেশের ফলিষ্টের ছেডু হইয়ায়ে

পিয়নিধুৰ ব্যেন, মাস্ত্র জ ক্লেওয়ের ড बराबटकता निव्रम कविश्वादङ्ग, एव नकत प् প্রভূর শিশুসকাম নইণা বার, ভারাবা বিশ শেনীর ভাড়া দিয়া প্রথম শ্রেনীতে বা পারিবে। এ বক্ষোবস্ত অভি উত্তয়, ভারতব ্বলপ্রারে কোম্পানি ইহার **অনুস**র্গ ক্রি कि शहरी इहेरका ?

উক্ত গত্ৰ বলেন, ব্ৰিউটাৰ কোম্পা অ'বেদনামুগায়ে প্রথ্যেন্ট আঞা দিয়া व्यवसम्बद्ध प्रदेशास्त्र श्रुट्स खाँगानिस्त्रत्र प्रद (वेलिबारक कातिरव। विकेशिय अकरन मर পত্র সমূহকে টেলিগ্রাম প্রেবণ করেন, কিছ সংবাদ প্রায় বাহিক,সংক্রাস্ত'। সাধার সভোষকৰ রাজনীতি সংক্রোপ্ত সংখ্যাদ দ काहेरमा चाव्यवर्षीद्र प्रस्थीयभक्त प्रमृह क नातः अक*ान्द्रक* छेलाय कृतिया अरनात ना चान मानम काब्रुट हरू, खादा रहे:ल दिखे £हे छ।वंशां बाक, काञ्च ५३।

কাপ্তেন হাবওবাড় সাগরার নাজি পোলক সাংগ্রেবং নামে ক্ষান্তপুর্বেত প্রাণ e · · · हे त्नांत्र मा ति छ बालीन कर्त्रशहरू कार्ष्ट्राच्य किहर हुनव कादर कह आहे। সেলাপাম ব **অন্ত** চুবি যাওয়াতে মাতি विश्वत के हेश्वर कोई अस्टिक को इंटर किया व বিচাৰ কৰিল'ছিলেন ৷ ৰাবৈষ্টৰ প্ৰিচ'ড সং ক':প্রের পাক কার্ছেন, থারানার গুধান

है न वहेरक मण्यात काशिवादक, का ্ষত্তগত কলেছে ৬তে কৰাৰীয়া পৰাক্ষিত ক ও আক্রমণ করিবে, এ মিভিন্ত ভরতে কর্কু । মাছে। १ मण वसः।

भिन कार्षाकेत्रक नमान्द्र क्षण्न कवियोव েজাগিয়াটিক সোগাইউচে এক সভা

केर्नान्याम गरवंभ भावेगारक्त, अन मन स्थित्र कार्य निव नवस्थान अक नहीं जान लोहें। য়ে। সংনক অভ্যাচাৰ কৰিয়'ছে। এই বছৰ লীজ লাসিড হইৰে না দেখা বাইতেছে। উত্ত পত্ৰ বংগৰ, সম্প্ৰতি আগ্ৰহাৰ বিখ্যান্ত श्लास कलिकाउ:२ *भूष्र\र*हाय **(हारम स**ं.ह ত একত্র হুইয়া নোপপুৰের বাজার বালীকে । এক ডোড়া নোচৰ ভোজ বিদ্যার 🕏 চাইয়া ়া পৰে গেৰেৰ পুনৰ্মৰে কাইলো ব'লা ড়েং খুলিতে উলাভ ছওযাজে হোসেন খা। বিলয়া নিশের করে। যে ভাঙা করিলে মোহর रहेरव । क्षेत्रक स्वताद्वात अहे क्षकार्य লাকে নিচুকা কবিয়া পলায়ন কবে, পৰ দিবস কা পুলিয়া বাজা লে।খ'লন, মোহৰ নাই. বল পরুসা আহেড, জুলুড়োগেকা যুক্তইয়া জিটেটের হবের অর্পিড কল্যাছে: হোসন এক জন বিখ্যাত লোক ৷ যে সকল ব জিন र्षे कार्य, क्यांक विकास कि लाहे. उन्हां निवास সাকী সেধাইয়া এবল জাউ শাৰ্ডন কবিবা কৈ । ইংলির দণ্ড সাধানতের মঞ্জার কাবণ বে ৷

৪ ঠা পোৰ মঞ্চৰবার ৷

পত শানধাৰ রাত্রিটে কালক। চার পাছিবী-লাব গলিতে এক মৃতদেং দৃষ্ট হয়। ইহ। এক निकृष्टेवर्की मुनित्र त्यष्ट स्थित इदेश्र'र्ह् अवर টী এক বেশ্যালয়ের সম্মুখে ।ছল। আহিরী-লা, সভাবাজার ও সোণাগালী শনিবার ব্রডে লওমের বদনায়েশ বিভাগের চিত্রপট । এই বারে এই বিভাগে অনেক খুন হইয়া ' क, मांका काहात 'ठ क्यां हे नाहे। अडा प-' भानवाकारत्र » अधिक **प्र**ेषक भूतिव ী ব্ৰাৰা অভিনয় আসন্ধ্ৰ।

**আসারের অন্ত**র্গত সিবাই চ। ১**৯**০ের জন। •,••• ग्रीका वाग्न स्त्र । किश्व अभिवान ।

क रेकाहेब्राह्या क्रम अम. उ अहेब्राभ हे तिक्षा एवंदि हो - (कर्म्य प्रमा प्राप्तिक क्रमा प्राप्तिक क्रमा

সকল করিভেডেন। কিন্তু আনু মণেব কোন । কলিকাভাব ছর্ভিকনিবাংশী সভার কার্য, দ্ধ দেখা যায় নাই। জ্ঞাপানের শুতন টাইসুন । বল ষ্ট্রাছে। অধ্যাপিও স্থানে স্থানে জীনা হই মিও দিগকে আছোম ক*িয়া বলোবস্ক কবি- ' তেছে, সম্ব*ং এই টাকা নানা চিকিৎসালয়ের ছেন। ই ন উপৰুক্ত লোকভি বিদেশীয় দিগের 🍦 জন্য দিতেছেন। সভা যে প্রকালীতে কার্য্য করি সংলাভা। জাপানের গৃহ্যক লীত বক্ষই স্থাতেন, ভাষাতে ভাষার সর্বাধারণের রুভ ় অভা ভালন হটরাছেন। হণ ও উড সাহেবেব নিকটে সকলেৰ কুজজাতা প্ৰকাশ অতি আৰু महकः इक्षिक महम् विश्वनकारम यक्ष यात्र होता আৰশ্যক হইছাছে, উড সামেৰ ভক্ত বার সম্পা मर्कत कार्वः कविद्यारहमः

> ইংলিস্থানের দিল্লী স্থিত সংবাদধাতা জন वर्ष ब्राद्य कविद्वारक्त खुलात्मत त्वशस्य मृहा হইয়াছে। আগরাতে বেগমে। পর্জে ওলাউঠা **३३८७८६ : ७ कम्प्रेय मङ्ग्रहरूम अव-८मके व्यय** भाहे मध्यान भाहे(छन।

> अमा ब'हरकरङ, लाइ च्याबारवानन छेरक **(शतु प्रक्रिक केल्लाक वक्रास्क्रीय कवरामा केत** विषया निविद्यारक्षम, यक्षि मन मिनिन बीस्ट्रमय পদজ্যাগের সময় নিকট না হই ড, ডারা হইলে তিনি রাশীকে এই অনুবোধ কবিতে বাধিত কই তেন যে লেপ্টন ট প্ৰথ্যকৈ পদচুতে কৰা হয় স্ব সিবিল বীড়ন এইরপ বিরাপ ভাজন হইরা (इसह वर्ड ।

वाबावे (शरक वे बरमन, श्रह कर्जन कि ब्राह्म এর হটতে পতিও হটয়। যে আছাত এতে চন, ভালা হইতে অল্যানিও আবোলালাভ কাৰতে পংকেন নাই । ভারতবর্ষ ত্রাগ করিবার পুর্বের ভান এক বার আপনার প্রিয় প্রবেশ সিন্ধু ৮শ নাথ খাইবার মানস কবিয়াছিলেন। কিন্তু চিকিৎ , সংক্রা নিবেধ করান্তে এই ইচ্ছা ভ্যাপ করি क्षांट्रक्स ।

টাইমস অৰ ইতিয়া বলেন, বিখনত আঞ্জিকা জনব্যারী ডাক্তর দিবিতটোম যে কল্লেক জন ভারতবর্ণীয়কে গলে লইয়া থান, জাঁছারা নিবাশা र (प्रत निक्रवर्श्डि मार्डाका नामक अक स्मर्थर्व নগর পর্যন্ত পিয়া পীক্তি ব্রয়া প্রত্যালমন করিয়াকেন। ভাষারা বলেন, ভাক্তর লিবিভস্টোন कावज्वर्ष स्ट्रेफ (व जवन अन्ध नहेबा किट्राहि লেন সে সমুদার প্রাণ্ডগ্র কবিয়াকে ৷ ডাজুর শীত্র করেক জন আরব বশিকের স্বারা এক পত্র লখিৱেন একপ সঞ্চাহন। জাছে।

বাৰু পীডাধর ধর জোট আদালক্ষের ভূতপুর্য ামে এই উদ্যান এক দতে টাকায় বিক্রীত ্উকীল মানলীয় নামে ১২০ টাকার এক ডিকী : irs। शक्त क्यू है क्यांग्शानि भिडेशिया कि दिया विशय कर, अप, मास्टिम्ब विश्वदे

উাহার জৈপ্তাবি পরস্থানা দেন্য বেলিক মান নীকে হড করিয়া ছা জ্বা পেওয়াতে ভাহার बार्य स्थाद जानागरण अहे डाकात जना नागीन र्ग्न। कि**स पार्टेन प**ष्ट्रगारत जिल बारनत गरन नार्वे न ना स्वदारिक रिशायनकि मकमामा ज्यारह कितादृश्य । वसमाया भूकीशः रुक्तिक, कित्र देशए**उ अकान भारेएकरह<sup>ा</sup> (डां**के जानाना**रक**त्र উকীল ও বেলিকটিলের তালিকার সংশোধন অতি ভাৰৰ।ক। এই আলালতে পরীক্ষাতীৰ উক্তি ভিৰ আৰু কাছাকে বাইতে দেবৰু উচিত मध् । अभि करव स्ट्रेटव ?

र्शिवनांव (क्यों ८००० ग्रेकार अक इ.स আল কবাডে ভাহার সাত বংগর হীপান্তর वारगत आका स्टेत्राइ ।

কাবুল হইতে সংবাদ আসিরাছে, ওয়াব ৰ্বা এক জন্ম বুল্কে বিয়ারজানী বাঁব বৈনং क्षिप्रक भदाक्षिक क्षित्रहारहम । मुक्ति कालिय वी शिक्नीएक बाह्यात आत्मा शाह्याएक । कारुक्षम ची छोशाह अधि मत्मह करत्र । मर्फाद (खना श्विम चै। विद्वारी स्टेब्स (करनशानान व्याक्तमन कविष्य केन्द्रक स्टेग्नाट्स . हेनि व्याक दा यं व भूजा।

६ हे :शीय दुधवात्र ।

विनायक मानद्वत ४৮७९ व्यक्तित छना (वारा हैरब्रव महिक इवेबारहन । है जिशूदर्व कान अड-্দেশীৰ এই পদ পান নাই। জাভিডেদ বোৱা-इर्ध अबह आहा मिक्किका है। बहेबाद बार र विलय आह्न । अकस्य ब्याटकारीय । य नप भाग उत्शास्त्र सम्बद्धा**री छात्रक्षवीरवर क्र**मधि

আসংগ্রী ১ লা জামুয়ারি অবধি দিলীর সেডু সাধাবন বানিকাগথ খোলা इट्टा । यनूनाव इट्टि রুহৎ ও উত্তম সেতু হইল। কিন্তু ভলিকাডায় देश करा चर्रनिक्षरतत्र बुक्तिक परिवा देविरक्रक 411

ণ বা ডিসেশ্বর পর্যান্ত কলিকা**ডা ভিন্ন**ং অ-माथ हिक्टिनानरह ५०,१७३ सन स्रो, शुक्रम 👁 भिन्छ हिन्दिनगर्थ **काशयम करतः। वैश्वामिरशत बरश** ०१७३ कर बार्ट्साश स्ट्रेग्राट्ड अवर ६२१७ सन প্রাণড্যার করিবাছে।

১৮৫६ जस्म नार्ख एकतारोति चाका सम সরকারি কর্মের জন্য বে শক্তা লোক আবেচন করিবেন বালাদিলের মধ্যে বাঁহারা ক্রভবিদ্য रीक्षारक वेश्व (अवत्र) क्वेंट्र । ७ हेन्स्य केव् (रफ्रानंत्र शव (नवा शक्ता कार्यन अवक काक्रक দেওয়া লাভ' ডেলইইলির অভিজেড ছিল।১৮ ८৮ अध्य दहरमानत नागात्र विमानिकात किर्त

ভার ইয়ত সাহেব এক মবকুলার ছ'বা এই নিয়ন
বলবং কৰেন। কিন্তু বলদেশে ইয় হথা হয়
বাছে। আলালত ও আফিন সমূহের কাল ফুলা
বিন-ম,ডীত কাহারও ছইবার উপার নাই।
বাজালে ইয়ার বৈপরীতা দেখা ঘাইডেছে।
প্রতিবংসর তথার রাজ কার্য্যের প্রাথিদিনের
পরীক্ষা হয়। এজন্য পরীক্ষক বর্গ আছেন। প্রম
ইংলতে মুদ্রিত এবং পরীক্ষাবিদিনকে কী দিতে
হয়। এবার ২৩৯। জন পরীক্ষাবি আইদেন।
ইংশদিনের মধ্যে ২২২৭ জন পরীক্ষাবি আইদেন।
ইংশদিনের মধ্যে ২২২৭ জন পরীক্ষাবি আইদেন।
বিনাম বিষয়ে উত্তীর্গ হইলাছেন। গতবংসব
অলেকা পরীক্ষার কল অধিক তুরিকার হইলাছে .

চেষ্টা দেখিতেছেন।

আমরা আহ্লাদিত হইলান কিংহলে ছতিকে,
ভয় নিয়াছে। অএহায়নের লেবে চাউল এড
সন্তা হইয়াছে বে অনেক বণিক ক্তিএন্ত হইমাছেন। সিংহলে এবার কাকি উত্তম জন্মে নাই

**भूटअन्त्रिः स शवर्गरम**े **छात्रा स्ट**ार कार्यव

প্লাছেন। সিংহলে এবার কাকি উত্তন জয়ে নাই জন্মস্ট হওয়াতে কাফিকারেহা মন্ত্রদিগকে অধিক বেতন দিতে বাধিত হন। স্থতহাং হাঁচা দিগের এবার লাভ হইবে না। সিংহলের প্রথ

(अन्डे थान थमन विषद्ध विदन्त यहव. । १६ ग्राह्म : निरस्ता निकामात्र हार १६८७ (ह ।

ক্ৰেল কেব্ৰার অক্সমেশের রাজার সহিত সাম্ব করিয়া খিরাটমিউতে প্রত্যাগমন কাব্যা-তেন। রাজা বা পজ্যের অক্সবিধাকর ক্ষেক্টী শুল্ক উঠাইয়া নিয়াছেন। অক্সনেশের সমির একজন ইংবাজ কর্মচারী শুল্ক আদায় কাব-বেন। কর্ণেল ফেব্রার নিজে সাত্ত পত্র লইয়া কলি কা ডার আলিবেন।

ং রা ভেসেবর অবধি ৯ই ডিসেবর পর্যন্ত ভারতবর্ষীয় গেলওয়েডে আবোহী থারা ১.৫০, ৯৯০ ও ছবে; , ০,৯৫০ টেও সর্পান্ত ছ ৪২৪৯৪৪১৫ টা গ গেন্ব হর্যাছে। প্রক্রেক মাইলে ৩৭০৯১০ নানায় ধেরা বাইডেছে।

त्रम् १ होहेशः । जन तकारम्यन विद्वाही इक्ष्म्याद्रम्भितः । वद्र मर्थः भव्यतं विकार्षः इत्या हहेग्रारहः। का. म भाव शकारवव श्रीमाञ्च व्यक्तिश्च सम्बद्ध क्या भवाव मवर्गस्ट हेन्द्र रेडक्टनः हहेग्रारहः।

এল, আর, টা হাম সাংহর প্রধানতম বিচারালরের আপীল বভাগের স্থায়ী রেডিইর ইইয়ান্টেন

নিয়লিখিত তালিব।র উৎবংগর সাপ্তাহিক আঃ যুগ্রাবির স अन्य अन्य विषय विषय विषय केट्ट - १३,४७--- १३,४४८-- ११ हे स्ट्रब्ब श्रीएड केट्ट - १३,४७--- १,४४--- १,४४--- १,४४--- १,४४--- १,४४--- १,४४--- १,४४--- १,४४--- १,४४--- १,४४--- १,४४--- १,४४--- १,४४

কলিকাভার পরনাল্য কবিষার ভাব এর্নি কোম্পানিকে দেওবা চইয়াছে। শীল একাশং আরম্ভ হইবে। সম্প্রতি ইঞ্চিনিয়ত স্থিত জবিশ কবিয়াছেন। ক্লাক সাহেব কোথায় ১

৬ ই পৌৰ বৃহস্পতিবাস।

विश्व हैर्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स करता कर्तन कर्तन स्टिन स्टिन क्षित्र हैर्स स्टब्स स्टब्स कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म क्ष्म । क्ष्म स्टिन क्षम स्टिन क्षम

বোধাইয়ের বিক্টোরিয়া আলবাট চিত্রপালি
কার অনেক ঋণ কইবাছে। রস্তমন্ত্রী খাই থসক
নামক এক জন নীলামকর বিজ্ঞাপন দিয়াকেন
ঋণ পরিশোধের অন্য জিনি আপনার কর্তেক
আর প্রদান করিবেন। চিত্রশালিকার ওতার
খারক এই বদান্যতা ক্তজ্ঞতা সক্কারে খীকার
ক্রিয়াকেন। বোধাইত্তের পূর্বজন দাতব্য অদ্যা
পিও আছে। আফেপের বিষয় হার্ভিজেন নাহের
বিশ্বকালে ধনিকগণ করে আছেন, নচেং কারা
রক্ত মুখাপেকা করিজে ক্রজ মা।

सदमभूतित ३॰ क्षांभ कृति (मानानि आम)
शहूत कृत्वा भारतः। स्वाचारे समग्रतः काशहूत कृत्वा भारतः। स्वाचारे समग्रतः काभानि प्रवाद अस् माथा कृतिस्या। भारतक स्वाचि प्राप्ति स्वाच्या कृतिस्य।

स्टन अथनक कट्टे कन ठानाम स्य । यक्ष का वर्षत्र थनिएक काळ जावक स्ट्रेस हेरा स्ति स्ट्रेस मा।

কাবুল হইতে সংবাদ আসিবাছে, হিং
হইতে সাহাব্যকানী সৈন্য আসাতে আমীর সি
আলি খা ব্যক্ষাহাব হইতে কিলাতে অঞ্জ হন। কালা কেলায় আসিয়া তিনি সৈন্যান্ত তথ্যক রাখিলা নিজে কালাহারে সমন করিছ হন। শীতকালে ব্যাহর আর বৃদ্ধ হইবে যত সমর গত হইতেছে।

हेलियान क्रिक्ति निर्केशन कर्या १० है।

मूल (ब. ४० धारा १३ गार्डा १ ४ १, व्यव १ वर्षः १३ गार्डा १ ४ १, व्यव १ वर्षः १

পঞ্চাবের অনসম সাংহর ১৫ দিবস খোট ভিলেন। তিনি তত্রস্থা সেনাপাত মহম্মদ ব लीक विशेष्ट्रय भाग शास्त्रव । ४३ कविया का उक्कोत्र€्य भ*ञ*्चे (चंद्राटडन, मकलका) खारा क्षेत्रां न केरेप्रार्ट । क्यम गर्म **गारक्त** वर प्रकृत्रक कालित ६० दश्तर वर्गतः अक् क्रम र লাক্স নেওয়'ক পডিবাৰ সময়ে দেখিয়ালি হাতার পদের এক অঙ্গলি নাই। নামা সাহে माध्यन भरमय अस् व्यवस्थी । इस्य ना । इस न: इत करणन "प्रकृषित प्राक्षी अर्जान है টাপ নপ্তাক দেন, কিছু এক বাব ভিনি জা প্ৰিত গৃহবন্ত পৰিবৰ কৰিয়া আইসেন, ছ আমি লেখিশাম গাহাব পাগড়ী মহারা বৰণে বাধা জাতে। একটা দি**ন্তনে কো**ল্প আনংক্ষির রহিয়াছে। ডিনি প্রথমতঃ কিন্তুর লামেন ন বলিয়াছিলেন কিন্তু পৰে স্বী कविरासम छिन्छ। हिन्द्रसामी छ है वास्त्री प জানেম এবং ভাষতবর্দে ইউবোপীয়দি স্থিত অনেক কাল সভাভাবে বাস কলে মহম্মদ काली बरशन हुई **५५**शव हुईल वि খোটানে আনিয়াছেন, কিন্তু জন্য জন্য কে চাবি বংসর বলিয়াছেন । বা∝সন্তঃকাসির । प्रश्यान काली कार्युल एका (विशि**टन शम**न क राहात मंदिर १६ खन लाक फिलान, अक **ভূত্য ভঞাৰ এক জন দীৰ্ঘাকাৰ সুক্ষৰ** । মান। এবংকি আফিমুখা 👣 ভিরু করা সাছে। মংখ্যদ আলী খোটানে উত্তম স্বাৰ মান্তেন এবং প্রস্তান পর্যায়ক্রমে ৩০০ বি ্বীক ভোক দেন। জনসন সাহেৰ ভাগ জিঞাসা করিয়াছিলেন ডিনি যখন ভার্ড ছিলেন, তখন ওখায় পুনৰ্কাৰ সিয়া নিব অপেন সম্পত্তি ও কুশল ভোগ না করেন ব ভাহাতে মহম্মদ আলী উত্তর কহিলেন ''জ যাহা অৰ্থ আছে, আপনি লইছে পানেন, किक्र होहिना। यथन आधात अउ क्रेस्स हि আমি ভাষার কি ব্যবহার করিরাকি 🚓 এরণ ভ বুৰে প্ৰথমৰাৰ একধান কাহাল কক है॰ न्य क्रेएक इस्ट्राट्स शिवाहिन । । अञ्चलक बालिक, क्षमः निव स्टेटरूकः হুব্লক **অব্ধি চটুলাম প্**ষ,তা সাপ্তাহেক িন ৰাজ্যীয় স্কঃভান্ত চালাইবাৰ প্ৰস্তাব ছে। আবাকান কিছু দিনেধ্যন, চট্ট গ্রামকে सर्व । किन्द्र दादिका च अदम्ब कर् । हेश मधुरक्षत्र निकश्च नर्गम् अस्ती कथ র গলা আংপাদা প্রচত্বের ও গভীর : চুতুব ৰ ভিক'ট যে চডা ল'ডুয়াছে ড,হাৰ সংক্ষয় ল অভি রহং জাহাল চালামে দাইতে : 'आभारमन मर' ह अचारम भाषा ठा-४' रवन क् इन्हेंद्र । शवनश्मिष्ठ कि अन्हें बन्नरवंद स्थानः াধ্বরে করে**তে সাহসী হইবেন > বা**রিধ का अन्तरम (दशर्य वृत्य वृत्ति होका भांकरव मा ! अक्टब अक्ष्य घाटने *व*ा १ ह ভাহাৰ অবস্থা লক্ষ্যাক্ষা

वित्र नवात मनस्मात शर्त (मिट्टें) वा. केर नित्रा व्यापिक करित्राहिन, रत्यस्य मन्त्र हे मन्त्रे वाजनीकि मध्या पार्यक्ष करित्र व्याप्तित क्षणां कर्मक्ष करित्र । क्ष्रे व्यापिक व्याप्तके क्षांहर क्षणां, रिश्व वाणीक्षम क्ष्रे व्यापिक्टिक मक्ष्मभाव । किश्व व मुक्ल मामान्य विषय् हेश क्षा

## १ हे . भीव खड़ावाद।

ভ কলা গ্ৰহ্ম কেন্দ্ৰল লেপ্টন ই গ্ৰহ্ম,
ক্ষেত্ৰ প্ৰকৃতি যাতলা দৰ্শনাপ ধনন কৰিক্ষেত্ৰ যাতলা দৰ্শনাপ ধনন কৰিক্ষেত্ৰ যাতলাৰ ক্ষেত্ৰত কৰ্ম্ম সকল ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰত ক্ষেত্ৰত ক্ষেত্ৰত ক্ষেত্ৰত ক্ষেত্ৰত ক্ষেত্ৰত দশ্ৰ ক্ষেত্ৰত মাতলাৰ মিন্তপালিটোৰ সভাগতি ক্ষিত্ৰত ক্ষিত্ৰতি ক্ষিত্ৰতি ক্ষিত্ৰত ক্ষিত্ৰতি ক্ষিত্ৰতি

अ मत्वस्य (य मश्रीहरूत (या हसू. १८%) । स्व नगर्य श्वित्रम कहिएक मणम २ ५% के लाक व्यास्त्रम भाष्ठ, हेर्डान्स्य मर्गा १ व्यास्त्राश्च नश्च हिला। व्याभमित्रमय मर्गा व्यास्त्राश्च त मरणा ५५४५ । अभिश्चय म चा १०५५ । हला व्यारि व्यामित्र मगद्वत्र ह पूर्वारम् । क्ष महिला (यश्चा १२९७८६ । हेर्डामिन्स्य । स्व महिला अभित्रस्य १८९५ ।

भागामित्र कृषितिरात्र कस्मरक श्रावणात्र उत्तर्वस्थिते वक् स्क्रियम सिनुक कवि स्मिन कहिन्नार सः। বর্জনামে নারীজয় হওয়াতে বলদেশীয় নার্থ মাট কমিসমধের অপুরোধে করেক জন এতাদেশীর চিকিৎসক ও উবল প্রেবণ করিয়াদেন।
ভোলনিউলে মারীজয়ের বুজান্ত পাঠ কনিয়া
গর্ম নিরে অনুস্থানের আজা দেন। গ্রাম মানীভয়ত বর্জনান ছর্তিকে গ্রেপ্তিরে বি উলা-সীনা প্রকাশ করিয়াছেন, ভাগান্তে এই সাধ্যাধ্য দান কতক প্রশংসার বিষয়

নক্ষদেশে ছর্ভিক ষ্ট্রার বে জয় চিল তাহা গিয়াছে। তথার এবাব প্রচুর শস্য ক্ষরিয়াছে। ক্রমে শকা চাউলের বাকার সংগ্রা চইয়াও চইডেচিল না।

সব জন প্রাণ্ট লামেকার বিশেষ প্রশংসা সই
তিনে । এই থীপের বিচারালর ও বিচার
প্রশ্নী অভি লগনা। ১০০ ক্রেলি না আসিলে
কেই মক্তমার কিতিও পারের না। শীত্র কোন
নক্তমার নিশ্পত্তি হর না। নতের পারনকর্তা
বিচারশিয়া সংখ্যা র্ছি করিবার মানস করিয়া
কন: ভায়েকার প্রশুভার প্রোবষ্ট মার্শন গার্ড ন
ভায়েকার বিক্ষে হল, র অপরাথের বিল অপ্রাচ।
ব রিয়াছের । এই প্রন কার্ডি কে প্রহারের আজা
হর কাল্লি প্রচাথের সময়ে রাম্পের নিকে ভীত্র
হরি ক্রান্তে ভাহার ভংকরাও কার্ডি কে
বিচারশ ভি রাম্পেকে বেচারের যোগ্য বলের।
কিন্ত আমেকার কার্ডিকরেরা ভারাকে নির্দেশ
করেরাকেন ক্রিরাহেন। প্রাণ্ড প্রাণ্ড বির্দ্ধিক ক্রিরাহেন। প্রাণ্ড প্রাণ্ড বির্দ্ধিক ক্রিরাহেন। প্রাণ্ড প্রাণ্ড বির্ণার ক্রিরাহেন। ক্রিরাহের ব্যাণ্ড ব্যাণ্ড বির্ণার ক্রিরাহেন। ক্রিরাহের ক্রিরাহেন। ক্রিরাহের ক্রিরাহের প্রাণ্ড প্রাণ্ড বির্ণার ক্রিরাহের প্রাণ্ড প্রাণ্ড বির্ণার ক্রিরাহের প্রাণ্ড প্রাণ্ড বির্ণার ক্রিরাহের।
ক্রিরাহের প্রাণ্ড প্রাণ্ড প্রাণ্ড বির্ণার ক্রিরাহের প্রাণ্ড ক্রিরাহার ক্রিরাহের প্রাণ্ড প্রাণ্ড ব্রাহার ক্রিরাহের প্রাণ্ড ক্রিরাহার ক্রিরাহের ব্যাণ্ড ব্রাহার ক্রিরাহের প্রাণ্ড ক্রিরাহার ক্রাণ্ড ক্রিরাহার ক্রাহার ক্রিরাহার ক্র

### ৮ ই পৌৰ সংনিবাৰ।

লাহোব এ শিকেল বলেন, সম্প্রতি কল্পেকন

ইংবাজ আনক্ষর কাশ্মীরে গিল্পা ভল্পানক অভাগ

চাব কবিয়াকেন। রাজা গবর্ণনে টকে এ বিষয়
জানাইবেন। ক্রশিকেল সমুদায় লক্ষ্যাকর বিষয়
শীল্প প্রকাশ কবিবেন। গভ বংসর এক জন
আফিসর এ প্রকার অভ্যাচার করেন, কিন্তু গবর্ণ
এমত অবস্থায় যদি লোকে আপনানিগের হস্তে
দণ্ডের ভাব লগ্ন ভাকা হইলে আভারেণির বিষয়
হইবে না। এই সকল শক্ষ্যাকর কান্ডের দণ্ড কবে

হইতে থাকিষে ?

গাত কল। সক সাহেব গংগ্ৰেক্টেবপ্ৰতি নিথি হল্প সিলিবিটি জাহাজে কটকে গমন কৰিয়া– ছেন।

পঞ্চাবে এ প্রয়স্ত ৫ জন ইউবোপীয় ও ছই জন এতদেশীয় উকীল গিয়াছেন। পূর্ণে ওথায় উকীল ঘাইবার আজা ছিল না। লোকে উকীল

পাইলে সভ্ঠ চন, কিন্ত নিরম বহিছ্ত প্রচেত্র শেষ সৈনিক বিচ'হণ তিদিগের ভবে কেই সাহস করেন না । নিয়ম বহিছ্ত প্রধানী কেবল সর জন লখেল ও পঞ্চাবেত ক্রচাবিদিত গ্রু নিকটে প্রশংস্থীয়।

টাইম স অব ই গুৱা বলেন, কাবল নামক এক চান জার্মাণীয় কানজিবাহের ব'লাব ভূজা অরপ থাকেন। বাজাব ভাগিনী ভাঁহাব প্রতি আসক্ত হওরাতে উভয়ে এডেনে শলায়ন করিয়া আসিয়াহেন। রাজকুমানীর সহিত কাবণেব বিবাহ চইয়াহে, এবং তিনি খুন্ডিয় গর্ম অবল-যন কবিয়াহেন।

গত হয় বংসারে ভাগলপুরে ১১৫- জন বংগ্রিধানা হত হইয়াছে। এই সময়ে ৩% চী নাত্র ব্যাহ্র বণ করা হইয়াছে। আসামে ৭০০ এন বংগ্রের মুখে প্রারজ্ঞান করিয়াছে। শীকারীগণ ৪৪৭৪টি বং সাবধকরিয়াছে।

कर्तकत क्षिमनद वश्रास्त्रीय गवश्रार हेत्र निक हिः तथा है कि विद्याद म उज्र छ छ म स्वार (वर्ष व हश्री काद्य। श्राक मान म स्वार वन्ता हरू हश्री वाद । जानक लाक इंद्याम गव वन्ता हरू हश्र । वन इंद्री वन कि तथ्य गवर्गम हेट्स वा । क्षिमन दिन , ख्या । श्राक माइम क्ष्य मा । क्षिमन दिन कि विद्या मान कि त्याद । कहेन छ मयल श्रु दिन विद्या है छ हमें आदि , क्ष्यादम यामा कि तिदल की हहे छ हमें आप अप क्षा क्ष्यिक म श्रु कही था । श्रु ।

নির লিখিত মূলে, গবর্ণমেন্টের কাগজ বিঞ্জীত হইতেছে:—

ইটাকার সিক্রা

4 11413	1.140	5 0 0 0 0
* " c	কাং	۰ ۱۱۵۰ ۹۰۰۰ التراء
¢ ' (	कार	7 • 0# • 7 • 8
e " 1	বলিক ওন্নার্ক	7-787-78%.
48°" (4	गर	٠٧٠ دددد

# इंडेटहालीय मयाठात।

न्यन ३ - हे जिएनर — थाउःकान । नार्ड कानर्यात्रन विकासन निम्नार्यन, छात्र उपर्यंत (व समस्य अवर्गरमन्त्रे काशस्त्रत (मन। ३৮१० व्यस्त्र ३१ हे स्नाहेएम् निवात कथा किन छाहा ३৮৮० मह्मिव स्नाहेरम्ब शूर्ट्स (मश्या हहेर्स मा)

ভাষানটেয়র, নিএসকে বলিয়াছেন মার্চমাসে করাশী সৈন্যগণ মেক্লিকো ভ্যাগ করিবে।

न धन ७० अ नरवहरू-- मांशता वशास्त्रतः, অংশ বারির ইইয়াকে। অংশের অভিন্নিক আবে मन रहेशारक। वर्शास्त्रत काल शुन्द्रावर्टीय क्रफ यदम्पानख इहेटखरइ। हाति काची हानाँव महा-ক্রমণ অ প্রস্তাবে সন্মত হইয়াজেন।

न धन २ द्वा जित्नहत्र--- निमाहित्क नामतिक षाडेनकादि इहेश्रार्कः। फ्रयंशिय कामकाक হাজতে দেওৱা ফইবাছে ৷

कान श्रेष्ट्रांहे श्रम स्वाद त्याय है वल्टका स्मरह होवि ७ धनाधाक नियुक्त इहेग्राहरून।

लक्षम १ हे जिरमपद---आखःकाल । इतिनीत গ্ৰগ্ৰেট ট্ৰেলোকে ছুড বক্সণ বোমে প্ৰেৰ্ণ করিয়াছেন। বিজালি তথ'র ঘাইতে অসীকুত ₹नः

र्विभावनात् २० में मिनिनीया व्यक्तियाहे স 'গ্রহ কবিবার মানদ কবা হইয়াছে।

गमार्वे मामिनिवास देखेदगादा कानिएक ক্লে। ফিট ইইতে প্ৰাপ্ৰ বিপ্নীত সংবাদ কানিতেছে। এমত জনক্তি নীক দৈন্তা ্ত 🕸 ধর সীমায় সমধ্যের হউতেছে।

অনসনের মরাসভাব সহিত সৌহার্দ্র হাস ' নের (চ'রী হইডেডের।

मरवान व्यामिशारक व्यासातमस्य स्मिन्नान विष्टाह ब्हेन'दह, खानक खन्न हुछ व्हेगारह ।

## প্রেরিত।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

সবিনয়নিব্রন্থিরণ---

भरावय ! व्यान ने श्रीक्षांकतीत्र कागद दी कि भारत्या त समा (इही कवित्रा त अक्षाव (इह বেৰ এমত বোৰ হয় না। কাৰণ পূসাঞ্চৰত ছই মংবাদপত্রের সহিত্ত আপনার মেরপ ব'দ গ্রু-কাৰ চলিতেছে লৈনে ভাষা জাপেনার পাঠকন (१) स्थारकारक क्षेत्रा केंद्रिटाइ । प्रशंक-**अब गरवांक्लज सम्मानी ! स्वायांत्र स्वाया श्रीकां**त्र , এবং সংকোধনেৰ চেষ্টা না করিয়া কেবল পাল্ড মাঞ্জের ভাষাগত দোষ বিস্থাব করিয়া উভয় হঞ্ ति इ लिक्सिन भरत **প**⊲म्लक्षित क्रिक्स सम्मा वेटंडरहर : कलाङ: ज्यामान्टिशद ( पृष्ट्याक्षरेश ) ভাৰাগত যে দোৰ মদ্যাপ বৰ্তমান আৰু ভাছ (म<sup>1</sup>. चक कथन प्यरंभका लिश्नभठेटन प्रस्न । আপান বৃহদেশের সভা সাধারণকে প্রধান अधान नगरत अक अक्की '' वक्र हाया मर मा-ধনী " সভা স্থাপন করিয়া সমস্ত স্পলেশের

कांथा मः भारतार्थ कहारताय करून । उत्ताता ভাষার দোষ সংশোধন এবং যে সকল মুক্তন भक्त हेरवाकी विकास प्रश्काख शुख्य हरेएक বসভাষায় শ্বপ্রাদিত হইরা পরস্পর ভিন্ন হইর। খালে, ভাষার ঐক্য হইতে পারিবে।

कामामिटगव (१८म ( श्रुकांक्टन ) (र मटक्त मो चिक वावशादन कवर किसमर्शादन देवलगना দেবা যায়, সাবাবতের জ্ঞাপনার্গ নিমে লিখি-তেরি ৭৩টো সংশোধন হওয়া বে নিডাঞ জাবশ্যক, বলা বভিল্।

्राप्तः चना वाङ्गा	
<i>चि र</i> नम्हेदन	भौतिक कश्चरत
ব,বহাব	ব্ৰেহাৰ
উ  হাব	ভাষগ্র
मा शिम्।	न हेना
ক বিহণ	<b>ক</b> ইবা
ลิ∉ลิ <sub>เ</sub> ≻มเ	উৰ্ভ্যাসূ
কু দা	<b>बु</b> हेश्चा
ক্ষবানী	ধ্ব'নী
<b>ভাই</b>	বা≹
ৰ্ব :শ	বাশ
পাঁচ	পাচ
φ#	BIF
<b>च</b> †स	বাদ
<b>খ</b> াইব	ক:ইনু
के हो दे क	(कहरू ह
শাক .	হ গ
বামসাঞ্ক,	वायाजिका
সাক্ষাব	ह'क़ार्
कृत्वि	क्रक

এরপ শব্দ ক্ষানেক প্রতিক্তি ভিত্ত ভিত্তলাকে ব বছ-ব ৷ বছ ০ / টি নিজেপ ব বিরাহিলেন এলত নয়, মে কলেন। তথাপি নাড়ভাষা, জাম⊲া আনুহর নি\*পুং কেনাম ফানে ভানে ভান ভানি ছেটি সাক্রান হইতে চেই। কবিয়াও ক্লেবার্লেইডে । গাঁডেড স্থিপালের গীয়া শাণ্ডি করিলালেন পালি না। এমন বি, পরিব চনিংগর সক্ষে ক্রোন । এতীয় এই মতকুমার মুক্ষক জীয়ক প্রকর্তান প্ৰথম কালে জ্ঞান্তিগাকে বাসং চইয়া ঐক্লা কা। ইন নানা প্ৰকাৰ নিচাপ্ৰাংগ্ৰি কুণ্ শব্দ ধাৰহ'ৰ কবিজে কর্, নচেং ট্রপ্রাসাল্যান उर्देशक राउट

এক জন পূৰ্কাঞ্চলবাসী

मानावत्र 🙈 युक्त भागायश्चकांमा भागातक মহাশয় সমীপেয়।

( ধন,বাদ )

महान . ' अव्हर्ण जामा किर्णद नगरि १ वन-গণার সেই প্রচ\_ শিখাবিশিষ্ট কডিকানি একে ' বাবে নির্মাণিত হয়, জ। পুরের ল ১৯০ । বি হরান জীয়ক বারুনা কৈছিল। স্বাদ্ধ

মন্ত্ৰ্য অনাহারে কেবলমাত্র অভিচর্মার্ড मदीत वहन ७ ६। त दात चार्तनाम का ক্ষিত্ত এখন ভাহাদিগকেই ক্লমক মণ্ডলীব গত ও কর্মকম হইডে দেখা যাইতেছে। প্ৰস্ণাধ অধিকাংশ বংক্তিই,কুবিবংশ্বাপঞ্জী निष्टित छोत्र चा.छ कम. यचात्म प्रदिश हैं ম্বিক নাই দেখানে হুর্তিক অধিক কাল স্থ

সম্পান্য মহানয় ৷ অকাল ড গেল. 🕆 দিন প্রকাল আগত কইতেতে, কালারও ব অপনা ছ:খেব নিধিত্ত সময় অংশেকা কৰি বলিয়া থাকে না, বে প্রকাণরই হউক দিন চটি ৰায়। যথন টাকায় চনহি সের করিয়া চাই াৰক্ষু হুট্যাছিল, তথনও দিন গিয়াছে এ এখন যে শান্তাইদ সেব কবিয়া বিক্লয় চটতে এখন ও দিন যাইতেছে। हाम ' क्र कि न नमस्य ব্যক্তি সম্ভিস্ত্রেও দবিদ্রগণেরসাহায়নার্থ কি माञ्च अकि कि का धननारन आर्थिक अव কাবয়াছে সে কি নিৰ্লোগ ও ভাষার স্কৃত্য কঠিন প্রস্তির ' এবং যে যে মঞ্চার। এমত । रियदम् भारतेष्ठमादर यह ७ दलान छ। अक করিয়াছেন, ডাঙানা কি সনাব্য ও কাছালি মঞ্জরণ নি নিশ্মণ এই প্রস্তাব দাবা य महान्यस अकट्यकः । अवट्यक मोद्रकाट्नस ह নিমাণখনা ব বায়ননোবালৈর প্রয়াস পাইয়াতে কুত্ত জ্বরে বছ ধন্পানের স্থিত গোমা कारण किंक्सिन्स्यय माम श्रक्षण कराउँ हिस्स क्षेत्र-वाष्ट्रक क्षणम ''च्य अनीमकाव (ए० এইরপ বিস্তা এক জাতে। বিশ্ব হাতি : ইনি নে শুরু গড়বেতার দাহিলগাবে প্রতি পাকিষাও প্রেচ আন্মন্তে উপস্থেড কেইডে গাংব ক্লীটোমত কাজালিগৰকে পা**ছার ক**ৰাই তেন । তৃতীধ, এতদগ্রমেনিব'দী জীগুরু বং তগরাথ নিংহ ৫ জীয়ুক বাবু দীন্দয়াশ জগে ১ मक. नग्र ५ग्र । इ.स.च. चित्र चित्र चित्र अकारन श्र প্রস্তাহ করছত্বে উপাত্মত হইতেন এবং নাস্য গণের বাহারনথ মাসিক চাদায়েত্ত সঞ্জি ডঃ माद्र विलक्ष्म क मिल क'दशहरून । ठकुन ত্রীয়ুক্ত বাবু যাদবেক্ত চট্টোপাধ্যার, তথা প্রিযুত

वादु भिरमः वाष्ट्रन वाद्र, द्वाष्ट्रक वादु काली अन्तर

াৰু জগৰদ্ধ পাঁছে 🕮 দুলে ব'ৰু মংগ্ৰহন্ত মিত্ৰ, । সকল ডাকঘরেই টিকিট পাওয়া যাহু মা, অনে )গুৰু বাৰু পরাণঃজ্ঞানগ্রাও ডখা 🕮 গুৰু ৰু প্ৰসন্নকুমাৰ বিশ্বাস । ইচায়া সকলেই সাধন-দাবে নানা প্রকারে কাজালিগণের হিভাবেবৰ বিয়াছেন এবং আবাপন কাপন সঙ্গতি অনুসাৰে কিং কিঞ্ছিং নাসিক টাশ দিভেও লেটি বেন নাট। ঈৰব ইট'দিপকে প্ৰথী ককন। 🗥 ে গড়বেড। চড়মি কডিড আলে দিন পুর্ের্ব মান গ্রেম ছিলে, এক্ষরে ক্যেক ব্যক্তির প্রভা-নে এ কণ্যুক্টী সক্ষণ বৰ্ণজ্ঞার আবাস স্থান য়া দিন দিন উন্নতিপথে পদার্থণ কবিতেছে : বে ভোমাৰ উৎকৰ্ম সাধন করিলেই আলাদি-र প্रश्न मुक्ता।

গড়বেডা /

বশব্দ :

৯ এ জ্বাহারণ।

33901

জীরা,মা ----

## ধান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

গ্রথমেন্ট প্রজাদিগের ছিতের জন। নানা হার সঙ্গায় মিউলাবত কবিয়া রাখিয়াত্রন. ष्ठ ध्रामिरभव निष्ठम् कर्यक्रातित सारव छ सुन् লার অভাবে, ভালা প্রলাদিগের ভারণ উপ-র জনক হইতেছে না। বিশেষতঃ উহা মফ त **बजीहै कन**नामुक ना कड़ेग्रा दयर कथना। ধন বিপরীত ফল প্রসব করে। নিয়ে যে বিষয় থিত হইল, ভালা খালাই একখা সম্বিত रद।

সঞ্জ বংশ্ন ও বিনা ক্লেলে প্রভাব। শীল্ল দূরস্থ াচার পাইবে ও পাঠাইতেও সুনুধ ছইবে, 🖟 কৈভিপ্রায়ে ভাক ছিলাইমেক সংস্থাপিত ' ষ্মাড়ে। কিন্তু মকস্বলের অধিকাংশ ভাক-রই উজ্জনভিগ্রায় বীতিমত অলুধিত হয় । ध्रश्यकः मान्यक्षत्र चार्मक स्वाक मृत्रिहे - এক **লামেৰ অনেক**গুলি পতানা জুটলে ब छाड़ा निर्मिष्ठे वर्गक्तिरिशय निक्रो श्रियन রন না 🕻 ইহাতে কাক্ষরে কখন ৮।১০ किथन वा ১२ । ১৪ किन दिक्षांस नाकतिया কেৰ পত্ৰ হাৰ নিৰ্দিষ্ট বঃভিতৰ হন্তগত না : ভাষতে যে বিরূপ কার্যফতি হয়, হা **অস্তৰ**শীল বাজিদাত্ৰেই বুটোতে পাদেন বা অনেকেই ভাগতে ভুক্তভাগী আছেন দহ নাই। কিন্তু মহাশ্র । ড.ক ভিপাটিমেটের মান্ত্ৰাতে বোন ভাব মুকাই কোন পত্ৰ ২ঃ। ার অধিক সময় আপেনাদিলের নিকটোরা ত পায়েন না। বিভীয়ত: মহক্ষের প্রায়

কের মুখেই শুনিভে পাওরা যায়, বে, টিকি-টেব জভাবে গাঁহার। পত্র প্রেরণে নিরস্ত থাকেন মুডবাং এরুণ স্বলে প্রয়োজন সত্ত্তে লোকে ড়াকে পত্র প।ঠাইতে পারে না। এই ছটা কারব মফবলের ডাকঘবের উন্তির সামান্য অস্তরার নহে। এই সব কাবণেই ভাক ছারা লোকের নামা প্রকাব গোলবোগ ঘটিয়া পাকে। উচ্চ भन्न कर्माजानी निर्शय देशेय अश्रमाभरत स्वा ছওয়া নিতাম্ব আবশ্যক।

बहालप्र । अञ्चल कायतः (स. स्टनः) वीकः दःव कर्यमा ज्यानिनाम, तारे छेटमनः अथन স্পষ্ট করিয়া প্রকাশ করিডেছি, আবণ করুন। নশীয়া শ্লেলাৰ অক্তঃপাতী কুকগঞ নামক স্থানে একটা ডাক মর আছে। ভালনমটি নামক স্থান जात क्ट्रेट क्ट्रे शकेलात **घटनका फ**रिक प्रश-वर्जी भट्ट। किन्न महाभन्न ' এই क्षाप्तम आक ঋাগত পত্ৰ সকল এও বিলয়ে অ বিষা উপস্থিত इयु, (य. श्विमिक्त व्यानिमि विश्वयानि स्ट्रेरिम। এই আমের পত্র সবল সচবাচব ৮।৯ দিন বুঞ্গণ ভাকষ্টে পতিত না পাকিয়া আরু এই बाद्य अंशनम करन ना ! कथम कथम हेश अर्भ ক্ষাত্ত অসহত বিলগ্ধ হইয়া থাকে ৷ এমন কি /कान निर्मिष्टे वार्राप so : se मिन श्रुटर्स कनि বাতা হইন্ড এখানে পত্ৰ লিখিলে সেই কাৰ্যং .শৰ ধইবার ৮ । ১০ দিন পলে উহা আমাদি ্গার নিকট উপস্থিত হয়। একৰে মহাশর বিবে চনা ককন যে, এরপ বিলয় ছাবা জামাদিদেব .করুণ ক্ষতি সহ, কৰিতে হয়। ইহ:তে পত্রপ্রে-वाका व्याख्याय ७ कोई। मिनी इत्वर कर्य (र কেমন কুশুথালভাবে জুসিত্ব হয়, ভাষা সকলেই বুরিতে পারেন। একলে ইহাও উল্লেখ করা সাবশাক যে, ডাক কলিকাডা হইতে এখানে সদ,ই আসিয়া উপস্থিত হয়। তথাপি এই আ-মের পত্র আসিকে এড বিলম্ম্য কেন বুরিডে পারা যায় না । অধিক কি, কুঞ্গঞ্জের ডাকের মোলর দেখিয়া পাছে কেছবিলয় বুরিডে পাবে, এই অন্য উক্ত স্থান হইতে যে সকল পত্ৰ বিলি হয়, তাহাতে মোহব পর্যন্তও প্রদন্ত হয় মা। আবশ্যক হইলে মোহগ্রাক্সিড বিনা অনেক পত্র শ্বাপনাকে প্রদান করিতে পারি।

পত্র প্রান্তিব এরপ অসুবিধা ঘারা নানা প্ৰকাৰ ক্তিত্ৰত হইয়া উহাৰ প্ৰতীকাৱাৰ্ধে इंटिश्रक्त कायता कुक्शरकत **डाक्यूकी** बहा-শ্যের নিকট জানাইয়াছিলাম। কিন্তু ভাষাতে কোন ফল দর্শে নাই : অতঃপর ইছার সংশে:-

খনের জন্য মহাশরের নিকট নিবেহম করি-ডেছি। ধলি জিনি ইহাতেও সাৰধান না হন, ভবে'টির্কলেষে আমবা পোষ্টমাষ্টার কেনংলের निक्षे चारवन्न क.तर् वाशः इहेव। महानयः ! শেবোক্ষ উপায় ঘাষা ভাষাৰ ওক্তৰ জ্পকা নি সভাবনা ভাবিয়া আমরা এও দিন ভারতি নিবস্ত আটে ইতি।

জেলা মদীয়া ¢ हे (श्रीष ১२९०।

रअवन । ভাজনগাটনিযাসী ক্রমগণ।

### মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেরু।

মেদিনীপুর কেলার অন্তঃপাতি কাড় এামের এলাকার ডিবি নামক আমে তাস্ব ব,বস্থী ৫ জন ও ধক্ষববেদায়ী ৭ জন সমুখায়ে ১২ জন লোক গত ২৮ এ অক্টোবর উক্ত এামে অব-স্থিতি করিয়াছিল। ভাষাদের নিকট নগদ ১৩০০ শত টাক। ও অন্যান হেব্যাদি সহিত ১৫০ টা--কাৰ দ্ৰব্য ছিল্ক ৷ বাজি হুই প্ৰহুৱেৰ সময় অসুসান ২৪ ২৫ জন দুহু∉ বৃদ্ধক, তববারি ও ভীব এড় ডি জন্ত্ৰাদি সহিত তথায়ু উপস্থিত হইয়া্য্যৰ मान्नीमिनहरू व्याक्तमन कहिन्ना ह्याद्व इत अहात কবিতে লাগিল, ভাষাতে ৩ জন গুক্তবরূপে আঘাত প্রাপ্ত হইয়া অদ্যাপি ভাক্তার খানায় আছে। ডাকাইডগণ এইক্সপে ব্যবসাধীদে। সমুদায় অর্থ ও হাবাদি অপহবণ পুর্বাক জন্মলে : মধ্যে পলায়ন করে। তথাকার পুলিব ঝাড়গ্রা-যের রাজার অধীন প্রভরাৎ ভাকাইভি হইবার পর দিবস উক্ত ঝাড়গ্রামের রাজার দেওয়ান ও 🕮 ধৰ নারাহণ সিংহ প্রভৃতি করেক স্লন ভাকা ইভির অধুসভান করেম, কিন্ত কিছুই স্থিব হয় নাই। এমত সময়ে এখানকায় জীবুক্ত ডিক্টীট **পুলিৰ ভূপবিল্টেণ্ডেন্ট সাহেৰ ঐ স্থান** দিয়া নোপীবন্তুভপুৰ এলাকায় একটা খুমের ভদাহকে বাইভেছিলেন। ডিনি পথিমধ্যে এই ডাকাইভিব সমাচার পাইয়া মেদিনীপুবের স্থাবাগ্য ইনম্পে-ইর জীবুক্ত বাবু হরপ্রসাদ দাস্কে আনমূল ক্যি या हेराव वित्नव अञ्चलकारमञ्जल अनः आरमन প্রদান করিলেন। তদপ্রসারে গত ১ লা মবেশ্ব উক্ত ইনশ্পেটর বাবু ঐ স্থানে উপস্থিত হইয়া দেখিলেন যে অধাকার লোক মারা ইহার অলুস-कान कहा कर्डिन, अक्रमः किनि स्मिनीशूर स्ट्रेटक ७ कम महीत ( महान्या ) महेन्रा शिवा शहरा,व দারী হইরা ছক্ষবেশে ভক্ত মধ্যে অমণ করিতে कड़िएड डेंडर डिवि बाम रहेएड अञ्चलन प्रहे ফ্রোশ অস্তরে একটি অন্তের মধ্যে একটা থলেপ फिक अधिक्री विदेशको करिएलम त्य. त्याथ रह अहै

ডাকাইভি নিকটবর্ডি এই প্রাথের লোকবের भातार रहेता शांकरवा अरे क्षित्र कतिया किति ভথাকার লোকদের খানাভলানৈ করিতে আ-র্ক্ত করেন, ভাষাতে এক জনের ভাতের বীভিত্ত ভিডর হটডে এক খানি বন্ধ বাহির হয়। এট জাবামীর নাম বনসিংছ । ইহাকে মৃত কলতে जागांत्री अकदाद कविद्रा जनशन( जान २) स्ट्राट्स নাম প্রাকাশ করে, কিন্তু **বাহাকে**র নাম কবিল खादारमञ्ज (कान विक्रिष्टे बानक्वान नाहे। खातारा क्षेत्रभ म्यू देखि कहिया मण्डरे वरन वाम करत ও বনে বনে বেড়াইয়া থ কে। এইরূপে বর্নাস *হবে সঙ্গে লইনা জগুল ভয়াবুক কৰাতে অপস্থা*ৰ अर्थ महिट १ राज फाकाहेड प्रकार, एक्ट्रस द्वारपंद अलिएवर अवजी दद्रकम्मास हिला। ऐंटर एवं विकंत बन्न लाय उन्न भाष **होका स प्रव**क्ष बर अपनक सरा ११ छन्। यात्र । हे**स्वा १ सर्**बाहे अक्र काथ करियारिक। अहे त्रश्वाह भारेषा अधीत-বার চেপুটা মাজিটেট জীযুক্ত রিকেট সাহেব श्राक्षारम् रामुः अं कृतिस सहिता हिल्ल सकलमान বিচার করেন। ভাষাতে সকলেই জাপন অ'পন ডাকাইভিণ কথা শ্বীকাৰ কৰে। ভদসুদাৰে মাঞ্চি ক্ষেট্র মার্থে ভাষানিগকে সেসিয়নে সমর্পণ ক∙বিয়াছেন ।

है, ब्र्युरस में कृति ६न४ करनह खोकाहेंपि कहेगा शियाद्वर, किया, कहहे पुरू स्य नाहे। अवस्त इदश्रमान द'त्र हाद, धने व कोई छत्रे र्छ १८-য়াতে হাম্যা এতিশর অ'ফেটেড হইয়াছি। कन्द्रजान बांबु रयोगन जरूर अ निम **बुधिवर**ल ा कर्मकी बद्ध बड़ छ।को है ये मुख क विश्वरहरन, ফ হাব সমুগাল্প সংবাদ আপনাৰ সোমপ্ৰকাৰে टका निष्ठ इडेमार्ट्स, द्विष अनामि देशेष्ठ किङ বেতন বুজি না হওয়াতে আমা থাতিশয় হ'-্বিত হইওেছি। প্রার্থনা করি **কর্তৃপক্ষী**রের व िस्ट्रा वित्नय महनाहवाली बहेत्रा हेर्ड् द वरणन বুদ্ধি সহকারে ইহঁবি উৎসার সৃদ্ধি করেন। সদ-৬েৰে পুরস্কার কবা অবশ্যই ফর্ডবা ইন্টি। . म म जी शुक्र ।

३३वे स्टिनवत १४ ७७ । -

# মানাবর জ্বিষ্টুক্ত দোমপ্রাকাল সম্পাদক মহালয় সমীপেয়ু।

ভাৰা দেখিবার অভিনাধে কিয়দিবন তথায় হৰভিতি ক বলাৰ। গেৰিলাৰ তথাৰ ৩ : ৪ টা खेरकुछ देवडानेक अव° अक्षी क्रदेवर्खानक দ্বিদ্র বিদ্যালয় আছে। শেবো' রখিত বিদ্যাল-अ<sup>क्रा</sup>टिक भीन **इःथी जनाथ य**ास्कृतिकार जनक সঙানেরা বিদ্যাভগাস করে, ভাষাদের ভিন্ন বক্স পরিধান এবং দ্বান ব্যন দেখিয়। কোন সদ্ধ-হালয় ব্য**জ্ঞি অঞ্চপাত্ত ব্যক্তিরেকে প্রভ**্যালমন क.त्राफ भारतम् मा । अ विषय्ने अञ्चले अवस्थान । পান সমস্ত বিবৰণ আহবৰ করিছা আলাম জেডিশ্র চনংকৃত হইলান, এবং আফার অভাবৰঃ কানক সাগরে সম্ভবৰ কবিতে লাগিল। কুঞ্ন গরস্থ কালেকৈর কডকওলৈ উচ্চ প্রেণীর ছাত্র हेर'त व्यविधाका । क्षांशांविरशत केवा व वटक ०४५ संभागात्त्र व विनातमप्रतित कार्यः अभाक्ष भू. **ক্ষম অবধি একাল পর্যান্ত স্থচারুত্রণে** সম্পান হইয়া আসিভেয়ে। তারারা লব্দা 🗸 সালে । वन किन पिष्ठा अ विकास प्रश्नीय स्थला सभी वर स्थ দিনেৰ বাবে খাৰে ভিকুকের মন্ত ভিকা কৰিব! বেড়ান। কিন্ত চীৰার পুক্তক দেখির: আমার বোধ হইল যে পাঁহালিগের মান তথ:কার গহও মেটেটৰ কামচাৰী ইংৱাল মহাস্থার:ই অধিকাংশ র। গ্রাহেন, কালে চাঁগ্র খাতার ইংরাজ बश्चानित्तत्र नार्थत्र मर्थतं खरिक, सम्बैष् মরাশ্বাদিলের সংখ্যা জতি আর। ইরাতেই স্পৃষ্ট (बांध स्ट्रेटफट्ड १४, ८कवश हेश्वाच मट्डामब्र्अटन३ नाबारवाहे करनाव न विन्तावप्रतिय को उन कारह , সম্পাদক মহাশয় এটা কি সেস্থানের ধনান্ত মহা-श्वाक्तिक राज्यात्र विषय नर्भ १ की होता कि श्राप्त শেব উপকাৰের নিমিত কিঞ্চিৎ কিঞ্চিৎ চালা क्ष**ान कतिया जमाथ दान**कनिर्शय विशामध्येति ত্ৰী সাধন কঠিতে পারেন না ? অবশ্যই পারেন। त्याथ कवि खाँक्षिरशत मध्या तक तक व.ग्र কঠ থাকিবেন অথবা কের কের বিবেচনা। करतम रव अ नकत विश्रात करी वात्र करा कर-रेका हेशामद्र प्राप्त वाद्धा अग्रामा, त्यांच वाच्य £दर क्ट्रेस्टन कान्यान कामनाव कार्य कहा ভাল, এবং ইহারা ক্রিয়াও থাকেন। শুনিলান। त्य मिन्य विमानारमञ्जू व्याप महानेरम्या अहा-নের কতক্তলি দেশীয় জন্ম মহোদয়গণের নিকট महिल विकाशका कि कि कि है। जो के विकाश कार्य कविवाहित्वम, दौहामिरशन स्टाश त्कर त्कर भारत आति अहे रक्कृषिक माना मध्य अवर क्षारम । विरम्हना कहिया केवत किय विराध मातियादहर । श्रीकाम कृतिया व्यवस्थित नहीड़ा व्यवस्थात क्यम १ । म्बाम हम्बीह मर्शका निवृत्ति असरण श्रथाम मश्रद्ध कृष्णमश्रद्ध च्यानिद्धाः क्षेत्रविक रहे- । होशा श्रमाम क्षिर्टक्त । अल्लाहक दर्शनद्व । शाम, अवर ति शास कथावति विम्हात्रव आहा. । अभि कि इः त्थर विषय नव त्य, त्य देश्यास महरू-

मेग्र २ ॰ भड़ गिका विख्यम्ब अविक भान मा ভিনি জকাভরে মাসিক ২ টাকা করিয়া চীধ क्षमान करिएकहरून, अवर **क्षामामिरशत्र रहनी**। বহাত্মা, বিনি মাসিক ৫০০। ৩০০ খন্ত টাক উপাৰ্শ্বন করেন, জখবা বেস্তন পান, ডিনি 🖞 चाडे बाना होना श्रमान करिएक उ कुर्निक इस **হা > বলড়মি ' ডুমি ইছাডেই উৎসর গারাছ** বনি ভোষার সকল সন্তামগুলি পরস্পার উপকা শৃথালে বন্ধ থাটিত, তবে ভোম'র এরপ হর্মপ কখনই হইড না। বাহা হউক, একাৰে আন্তি विमीरकाद कि एमीय कि विद्रशीय मक মহাত্মাৰ নিকট প্ৰাৰ্থনা কৃষ্টিত ছি. বেম কাহায় তপুগ্ৰহ প্ৰকাশপুদিক এ বিশালয়টীর জন বিদেশ মনোগোলী #য়েম, অর্থাৎ কিঞ্ছিৎ কিঞ্ছি কৰ্ম দান কৰিব। ইহাব 🕮 ৰে সাধন করেন कात्र एक निलाभ (न अहे विनामा मुद्द अक का निकक बहुतमपुर्व भिन्ना औपकी महावानी वर्ष ষ্ট্ৰীয় দেওয়াম জীবুজ বাবু রাজীবলোচন বাং भशन्तरपुत्र मिक्टे अ विशासप्रतिष्ठ विषय चार्टरा পাস্ত বৰ্ণন কৰাতে ভিনি বলিয়াছন '' ৰে আমি এ সমস্ত বিষয় সহারাণীকে জ্ঞান্ত কথাইর খাৰাতে তিনি এ বিদ্যালয়নীতে কিঞ্ছিৎ লা कृष्टवन, खोश एविक अण्लाप्टक प्रकानव विश्व-**्य्याप्त स** म ५ 'उथग्रजी सुगम्ब्यामिक **इम्र, कार** हरेल विषयं अप्रजेद व्यक्तिक 👼 🖟 हरेगाः मञ्जादना ,

कन्न,हिर पश्चिक्तर ।

প্রান্যবর উন্যুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক महानग मभीर पशु ।

🏏 भार'त ''।ध्यान ककि निरय ড় রে প'ব , "

উপন্থিত বাধ্যতী সহগাচর ন্যালপ উলায়েলী কৃত হইরা ভাববাম ল হইয়া পাকে, এস্বর **लक्षण इंडेएडर्ड मा। या ५८५८ विद्याद क**ि क्रिया स्विद्या भारक कथा जिल्ला र द्हेरण्टक।

क्यांन्त्रा यक (बहाघांड (बाचे, अवक्षानह वि পালের প্রায়ন্তিক জ্বা কিং কারার ভারি क्षेत्र विश्व भारत्य ५७ छ। न क देशके विश्वाचा সকলের হৃষ্টি করিয়া থাকেন, ভবে বিশেষ ক্ষম ভাপদেশ কি হন দও লাপ্ত হয়না, এব नित्रीक शरी व (वहाद्राद्ध दे व। कि छव, कांधराख প্রসাধিয়াও অধিকতর কট্ট ভোগ করে 🥍 कथा श्रीम बाहामस्यक्ताला गाउन गाउन वर्षे जरह वर्षे कित मञ्ज्ञकि काप्रकृति भारते शहल शबका व्याष्ट्रशात्र । अधीर्याचनी क्षरभव विद्यार स्मित्र श्राहि, खारुटिङ ठेज्रभ छ व व अधिक है गहर মনে উপজিত হয়।

ক্ষুদ্দী ধাটেতই লোক পাদের পাস নি গ্র ्मके कं कुक अक शया दाया कि के करा बार्ड, क्रिकेट दुर्भारता। रत्न मार्ट्स का, १ अकृरिक बर्चकोर्ब इंड इंटन ,नोका ५ भ প'द स्हेंट इ इस् পিয়া কথ'কাৰ মাজুল হই প্ৰথা। কেও ব্ৰহ থেঃলু ২ স্থানে নৌকা ছাবা পাব হ্রতে হয় না. क्वन श्रुक्ता 🗲 (मोका धाना भ'न इंश्रेड इस sবন্ওুডবল মা**সুল দিচে হ**ব **(**ঞাব কি ' नवाश्राय कड़ेब्रभ नकन विभारत-हे भाउलि বস নিডে হয়। এবার আমাদেন সঙ্গে একথা ন াল্ডি আমিডেছিল কিন্তু আম'লের সংস্থ াটে মাসিতে গারে নাই। ভ'হার আবোই হোৰর পীড়িত ছিলেন ব লগা ম'সুলেব ফর্জ मधिएक भारतन माई। क्रुक्ताः हैकातामारत्रत াওয়া অস্থুদায়ে উলোকে ৬০ অ'না মান্তল পরা পালিক পাব কবাইডে হয়। মৰ্থাৰা ভিন্ন শশর ডিনটী যাটের লোকের। পাশ্কির মাকুল d- আনা করিয়া দাওরা ক্রে, মা**সু**নের डामिका **(मधिरक हास्टि**न छ।हात्रा वर्षा**क्ष**क्र ৈতুল যে।৶ আনা করিয়া, ভাৰাই আনীধাব সাদাৰ মধাস্থিত ভাজিকাৰ ফলনে প্ৰদৰ্শন করে। চালার **উপরে যে** ব্রাঞ্জ র নিয়া লেখা **আছে**, তাহা সহজে কক্ষ্য হয় না। কিন্তু আমর ভোহা-দর প্রভারণা টের পাইয়া ভক্ষত্র মা**রুল** d) - করিয়া লিয়া পাব হ**ই**। ধেবল পাথরার ভালিকার ফলকটী বাহিৰে ছিল ৷ কিছু তারা ধাকিলে কি হইবে, ভাহায়া ব্যায় মাসুল দেখ:-ইয়াই ঠাকাইর। থাকে। আর তথায় শীও ও **ছীমকালে নদীতে পুল ব**াধা হয়। মুক্ত দিন পুল 🕻 খা না হয়, ৬৩ দিন পৰ্য্যন্ত তথাৰু বৰ্ণ--अफु क्षवन वंदिक। (बाव स्यू, सान्कन देहा) মা**লেও য**দি পুৰা না যীধা য'য়, তাৰে তখন ৰ্বীঋতু '' ৩ া আমএখনুল প্ৰতিত্ত বহাঞ্চুৰ স্থিতি শুনিরা আসিবাছে। যাহা হউক, উজ द्र**ण एरलरे २**डें॰ अथवा वरल**रे २**डेक डेशिबिड बार्डे मकर्रम् मरु १०५२ । ७।३ छन अर्थः छ मा-क्षुत्र व्यक्ति है कर्ना १ देश १५(अर्ग व्यक्ति सर्गन कश्चित्राहि ' ३३ ° े াই এ বিষয়ে অধিকভাৱ **াক্ষাতে অপরেরা ছে** জন্ত াচার

**ৰাস্থ্যৰ** পাৰ . '

ও প্রকার খাইয়া খাজে। পরশ্বে জনতা। বেলী মাজুল দিয়ের বাধিত হয়।

এডভিন্ন আর একটা প্রবঞ্জন। আছে। হঞা
বাণারদিগের করেক থানি কবিয়া আকপানী
থ'কে। দীঅ ও বিনা গোলদেশের পাও হইবে
বালয়া এই সকল ডাকের পানী নির্দিট হইয়াছে। পর পাবে বিয়ার নৌকা (সেই এক
যাত্র) থাকিলে জনেকে বিল্যের (১ই ঘনী)
ভারে ডাক পানীতে পার হইতে বাহিত হয়।
ইংজে ভার প্রসা করিয়া বেশী দিতে হয়।
চাক প নীতে ঐ বেশী পদ্দর্শ না দিলে প্রারই
বিলয় ভোগাইকবিতে হয় গ থিয়াঘাটের বিল্যের
কথা লেখা বাহলা। ডাকপুরুবই রভিয়া
গিয়াছেন, ''পথে যাও দৌড়াদেনিভ্নি, বিল্লাঘাটে গড়াগাহি। ৯

এই সকল বিষয়ে গ্ৰথমেন্টের আশু সমো-যোগ দেওয়া কৰিব। বোধ হয় নিমুলিখিত ৪ টী ব,বস্থা কৰিব। নিলে এ সকল অভ্যাচায়ের ক্ষেক নিবাৰণ হইবে।

১। মাসুল অংশনের কাঠ ফলক এমত স্থানে উচ্চ ইষ্টক বেটীর উপদ্ধি স্থাপিত হইবে বে, পাব হইটে গোলই যেন সকলের দুটিগোচর হয়।

২। বর্ণাক্ষত্রর ও ধ-কথারুর মানুস জ্ঞাপনের ভিন্ন ভিন্ন কাঠ ফলক হইবে, এবং বর্ধার ফল-কটা বর্ণাতে ও অপর্টা অপবকালে বাহিরে বেদীব উপবি প্রদর্শিত হইবে। স্বাস্থ্য স্থা-ভীত অন্য সময়ে প্রদর্শিক হইকেনা।

০। ইসাবানারেল ডাক পার্থারপ প্রবঞ্চনা ক'ছতে পারিবে না, অথবা বেশী করিয়া থিয়ার নৌকা রাখিবে।

ট। এক অন পুলিব কর্মচারী ছাটে সর্মদা উপস্থিত থাকিবে। ভাষা হইলে উড়েদিরের নিঞ্ছটা নিবাবিত হইবে। ছাটে বেরশ আর হয়, ভাষাতে ঐ কর্মচারীর বেতন দান অভি সহস্থ ব্যাপার।

**a** --

## मृत्य व्यावि ।

ই। যাহা হউক উল্লেখ্য ১২৭৩ পৌৰ হইতে ৭৪ জ্যোষ্ঠ সুন্ত সিদ্ধানাল বলেই হউক উল্লেখ্য ১২৭৩ পৌৰ হইতে ৭৪ জ্যোষ্ঠ প্ৰতিষ্ঠ কৰা "হরনাথ দত চৌধুরী আহলাছারি ১৩ লা অংসনা অচকে নশন " কুবনমোহন দাস কালীপুর লা শই এ বিষয়ে অধিবভর " মোগেশচন্দ্র হস্ত কলিকাতা ১০ শকাতে অপরেরা যে " অললাপ্রনাদ মুখোলাখ্যার উলা শহু দিতে গিরা গালি ১২৭৩ অঞ্চামুধ হইতে ৭৪ কার্ডিক ১৩

" '' মদনমেৰ্কী ভেঙয়ালি বৰ্মনান ১২৭৬ কাৰ্তিক হয়তৈ চৈত্ৰ ৭

-----

#### নোৰপ্ৰকাপদংক্ৰান্ত কয়েক্টা

#### विटलंद निष्म !

অগ্রিম মূল্য ও ভাক মান্তুল না পটেলে সস-বলে সেমপ্রকাশ প্রেরণ কর। বংল্ল না ।

रेशंत अधिम मूना वार्षिक ३० अवर वाना-निक क्षा॰ ग्रीका, मक्षाल जाकमाञ्चल महम्भ वार्षिक ३७, बान्यामिक १ अवर देखमानिक ७५०, जिन मारमत स्मारत अधिम भूना न छन्। यात्र नः । कृषि, बद्राफ किति, मनिकार्यत, त्यांगे, छ है। अ ग्रिकिंगे, देशंत अन्यक्षत वाश्वार वाश्वत अधिन। स्त्र, जिति स्तरे जिलान बादा मूला ८८०० कित्र स्वर, जिति स्तरे जिलान बादा मूला ८८०० कित्र स्वर, जिति स्तरे जिलान बादा मूला ८८०० कित्र

ষ<sup>®</sup> হোর। স্থান্দানীকিট পঠেইবেন, কা-হারা বেন এক অধবা আব আনার অধিক মূল্যের ও বসীদের টিকিট প্রের্থ ন। কবেন।

यथन विनिधक्यम इहेएक लामधर'त्व मूला शाठीहेरवन, जाहा त्यम शिक्षक्रेयि करिया श्रीषुख्य बात्रकानाव विकास्त्रवर्गन गार्थ शाठीहेग्रा सन्।

व शिक्षित मृत्य क्रियात ममग्र कर्रोक इतेश व्यक्तित, अक माम श्रुट्य एंशिक्शित विति विचित्र व्यक्तित वार्ट्य, काम क्रिये इतेश जात्वक अक्यात विति क्षाचा इतेष, क्षांस्य वद्य करा अक्यातकाम क्रिया क्रिया क्षांस्य वद्य करा वार्ट्य । त्या वार्यत श्रुप्त व्यक्तिक श्रीक्रिय इतेर्य ।

হাতলা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেসনের ডাক বন্ধে চিঠি আইলে আমরা দীয় পাইব।

বাঁখারা খান্ত্র না দিরা পঞাদি প্রেরণ কবি বেন, ভাঁখাদিপের সেই প্রাফি এহণ করা ঘাইবে না।

(कर जामक्रकारण विकाशन निर्ध रेक्: क्षत्रिक क्षेत्रक क्षयम क्षिमगत क्षित्र रेक्: क्षात्रा कारात शत ८३० कार्नाः निर्क रहेर्वः। विति क्षिक्काम विकाशन निर्मात रेक्श क्षित्रक क्षत्रित प्रक्रिक क्षत्र स्टमायक रहेरवः।

ক্ষেত্রই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্ব যাতনা রেলওয়ের 'নোনাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চাল্ডি-নোভার ক্রীবৃক্ত মারকানাথ ব্লিয়াভূববের বাসতে প্রতি লোখবার প্রাভাকালে প্রকাশিত হয়।

# मियशका

1 755

# " प्रवर्णतां प्रक्रतिविताय पार्थिवः सरस्ति श्रृतिमध्ती न श्रीवृतां।"

मानिक मुना > চাকা, অবিৰ বাৰ্ষিক ১ । বন ১২৭৩। ১৭ ই পৌষ। ১৮৬৬। ৩১ ডিলেখন । ष्ट्रोका व्यक्षिय यान्यातिक क्षा प्रीकः।

ৰ্জ্পলে মাকুলসম্ভে অঞ্জিম হা हाका सान्।तिक १, ७ देखमानि

# বিজ্ঞাপন।

इतिमाजि देश्वाकी मरक् छ

विद्यालया

व्याशामी ६ वे काल्याति छेळ विशानति ১৮৬१ परस्त्र अलेकान झाम स्थाना स्ट्रेस ঐ জেণীর পাঠার্বিয়া ঐ দিবস ১১ টার পথ s চার মধ্যে ঐ বিদ্যালয়ে উপত্তিত হইয়েন।

🕮 হ রকানাথ শর্মা।

मन्भाहक ।

---:0:---

**७ स**निम्हाः ।

প্রথম খণ্ড জানকাণ্ড।

জীগুল বাবু দিলেজ্বনাথ ঠাকুর কর্তৃক এণীতঃ কলিকাত। গ্রাহ্মসমাল পুস্তকালয়ে বিক্রব্যর্থ প্রস্তুত আছে। মূল্য এক টাকা।

ভবানীপুৰ লগুন নিগনবৈ গোসাইটা বিদ্যা-লয়ের কালেজ ডিপাটবেটে এক জন সহকারী निकटकर श्रद्धांयम श्राहर जन्माम श्रापीत অপেকা কলিকাতা বিশ্বদ্যালয়ের ছাত্রকেই অন্মে মনোনীত করা হইবে। রেববেও ভবলিউ জনসন বি, এর নিকটে আবেদন করিডে स्केटन ।

ভবামীপুর লগুন মিগনরি

সোসাইটা বিদ্যালয়।

क्रिकीका विश्वविद्यानस्त्रत क्षत्र भरीकात ছাত্ৰ প্ৰস্তুত ক্রিবার নিষিত আগামী ৭ই লাছ-ब्रावि केकं विमानरत विकीय वर्षत्र अक्ते मान খোলা হইবে । কালেজ ভিপাটমেটে সাময়িক मयदम ऋगन्निएमत भन्नीका शृहीख इहेटन ।

> বেৰবেণ্ড ভবলিউ জনসন বি. এ. " জে, পি, আষ্টৰ এম. এ, জে, মেলব বি, এ, ইচারা ঐ বিদ্যালয়ের অংগপক।

ইফ ইণ্ডিয়া রেলওয়ে।

विटनव अमरनक्कृतिरशत विकेष मकन

হাবড়া হইতে প্রদত্ত

स्टेट्ट ।

সর্সা সাধারণের সক্ষোধার এডগারা প্রকাশ कड़ी यहिराज्य है (ब, बाँहाड़ा वा श्रीय दान পথে বিশেষয়ূপে ভ্ৰমণ কবিবাব অভিলাধ কবেন (পুর্ব্বে বিজ্ঞাপন দেওয়া হইয়াছে ) ভাহাদিগকে আলামী ১৮৩৭ শৃষ্ঠাকের কেরুরারি মাসের 🖰 শেষ পর্যন্ত মাসিক টিবিট হাবড়া ইট্রেসন হুইছে প্ৰদন্ত হুইবে। সেই ট্ৰিকীটবাৰিগণ স্থাপুনা দিগের ইক্ষাপ্রসারে উত্তর পশ্চিম প্রদেশীয় সমু দায় সুপ্রাসন্ধ মনোবন এবং আকর্ষ্য স্থান সকল দর্শন করিছে পারিবেন এবং নিয়লিখিও ভান স্থালের স্থানে বাবে স্থানে ইচ্ছা হয়, তথায় গমন ও তথা হইতে প্রত্যাগমন পুর্বাক নিজ নিজ ভ্ৰমণ সমাপন করিতে সক্ষম হইবেন। ঐ সকল 🖯 হাবের বাম এই---

> मुरकर । वं कि भूव ।

বারাণসী ছetর ı

মূজাপুর

আলাহাবাদ।

কানপুর।

গাজিয়াবাদ এবং मिली।

উক্ত একার সার্বব্রিক বিশেণ জ লিগের ভাড়ার হার।

১ প্রথম জেণী

১>+ हाव

**২** বিভীগ ঐ

বিশেষ অমণের টেকীট সকলে ভাড়ার হাব উপরে লিখিত হইল, ব হিগান যদি ঐ ছারের উপর শভকর **गिकात्र हिमार्य व्यभिक क्षमाम करत्रन,** ঠাছারা এই বিজ্ঞাপনের লিখিত নিয়ম খ

অভিবিক্ত আর ছই সপ্তাহকাল উক্ত টিকীট ব্যবহার কবিতে পারিবেন ৷ অন্যান্য ইস্টেসনেও ঐক্সপ নিয়মে টিকিট পাওয়া হ উপরি উক্ত বিষয়ের অন্যান্য

বাঁহাবা জানিতে ইক্ষা করেন, ভাঁহাবা ইট্সনের ভেপুটী ট্রাফিক মেনেকব সাং निकड जारदमन कतिरताहे अभूमात्र जनशङ । পারিখেন ৷

সিলিল জিফেস

মূল

5 T

٠.

বোচ অব একেগী ইঠ ইভিয়া বেলওয়ে হৌস क्लिक डा ३৮७७। ७३ क बहिन्त् ।

মিধুখানসামাব গলি ১৫ নম্বর বারীতে : ণীত ও মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পু<del>ত্</del>তক विक्रम म्हेरज्ञ्ह---

প্ৰবীত ঞীসইভিহাস বোমই/উহাস ভূবণদাব ব্যাকরণ নীডিসার (১ম ভাগ) নীতিসাব ( ২ দ্ব জাগ ) প্রচাবিত : मुक्राध वर्गकरन

<u>जीवविकालाथ भवा ।</u>

আনুধুক্ত বামকমল বিদ্যালয়বার লগীত · প্রকৃতিব'ৰ দ্বামে একখানি অক্সিশন সংপ্রতি মুদ্রিত হট্যা সংস্কৃত বস্তালয়ের পুতিকালয়ে ও খাঁখাবিটোলা মাধ্যওয়ালার क्रियुक हेर्कुरमांग माहेरद्रद्र खुटन विजन्मार्न श-ক্ষত আছে। ইহাতে প্রায় প্রভ্যেক শদেব বুৎ পত্রি মাণ্ড পাড়ু প্রভার সমাসাদির উল্লেখ কক 李章與代字 :

মুল্য ৫ পাঁচ টাকামার ।

ভাগামী ১৬ই জালুয়াবি বুৰবাৰ কলিকাভা क्षरबनाबीर्मिट्यन प्रतीक बर्मान्यविकामरम আবস হইবে ৷ পশ্চালিখিত বিষ্ঠে প্রীকা গুকীত হটবে। সম্রতি ৭ গী ৪ চারি টাকাস রতি थानि थाएक।

বাললা মাহিত্য ও ব্যাকাণ। আছে দৰ্শমিকু ভগাংৰ পদ্যস্থে। ৰাজনার ইতিহাস।

कुरशारमध होत्रि विकारभव कृत पून विवरहा পৰিচয় ৷

বাচনিক পরীকা, আরুত্তি ও বাংখা। ৭ই১, উচ্চে।।

১२ ই ∻িসেরব। বলেলাৰ সন্বিভানেৰ স্কুল সমুকের ইনস্পে ইব।

নীলামের দাবা ভূমি নম্পত্তি **এবং নীলকৃঠি বিক্র**র।

অন্তৰ্গত সমস্ত ভালুস পভান দৰপত্তনি ভালুক ला अब को झून महत चाँत्रका दृष्टि मोहित समा अबर भाड़ेक्ट करी छ जीन कथ हलिएड भारत এমত জাট কুটি ও ছেটে ছই কৃঠি ও মোকাম क्रमश्रदकत प्रश्नेहें जिस्कृष्टे जाना घर, ममुख्य व्रेटिंग बक्यांटी प्रथल अविश जूबित शृथक शृथक मार्ड अकाना मीलारम विकास स्टेट्व।

इरुफाछियात मिया हरे शहर अक्षीत जनम चान বোহালিয়ার কৃঠি যোকামে নীলাম আরম্ভ হুইয়া যে পৰ্যন্ত সমুদ্ৰ বিবয় বিক্ৰম্ব না হয় ভাৰত **थजार जे उक्त नगरत मीनाम हहेरत।** 

৩ ৷ উক্কালীন সমূহয় নীল কানস্বৰ অধ্যা সমূদ্য অমীদারী কিছা ভাষায় কডআংশ আপদে বিক্ৰয় বিশয়ক দবৰাস্ত ও প্ৰস্তাবাদি ১০ ই জাল য়ারি ভাবিখ পর্যন্ত এহণ কৰা বাইৰে।

৪। অপর র্কাপ্ত নিমু খাক্রকারির নিকট ভন্ত কবিলে ক্লানিডে পারিবেন।

> ত্রীষে, স্থার, চি, হিন সাংহয বালফোব কোম্পানির বাদী কলিকাডা

থিত ছেব নিয়ম।

১। যে বর্ণক সর্সাপেকা উক্তমূলত ডাকিৰেন ঠাংগর নিকট বক্সয় করা যাইবে। কিন্তু প্রত্যেক নীলানে বিকেডাদিগের কথাধাক এক ডাক ভাকিতে শীবিষেন। বিফেডার ক্ষাক্ত প্রভে<sub>১</sub>ক ভাকেব উপৰ যে পৰিমাণ বৃদ্ধি ভাকিতে হইবে द्धारो अवश्वत कविश्वा मिरवम । यमि **छाक** সম্বন্ধে কেনি বিনোধ উপস্থিত হয় ভাৰে ঐ বিবোধি ডাকের পূর্ণে যে ডাক হটগ্রাছিল সেই ড:ক হুইডে পুনবায় ভাক হুই,ব। কেছ কোন ডাক ডাকিয়। ড.হা অপহুব কি অত্বীকার করিতে পারিবেন না।

২। বে মুলোডাক সাব্যস্ত হর **ত** হাব চ*ু*-গা পেৰ একাংশ খবিদায় ভাক বন্ধ ইইবামাত্ৰ 'डरफना': विक्रिकांद्र ज्यम<sub>ा</sub>कक मिरवन अवः अवनिके महम्म होका मीकाएमत मिन प्रदर्भ स्थ ।ধন মধ্যে পবিশোধ করিবেন। ডাছা না করিলে भीनभारत এदर कित्रव शा होको (मश्रम) शिष्ठा থাকে ভাগ বেৰাক বিক্রেভার হইবে। এবং বিভেন্তা ঐ বস্থ আপদে বা প্রকাশং নীলামে পুনর্বার বিক্রয় কবিতে পারিবেন। থিডীয় বিক্ৰয়ে প্ৰথম ড.ক অশেকা বেমুল্যকমিবাক্ষতি (धनाप्रक स य किंद्र धहरू श्रेष्ठ सम्र कारा ममूर्य ১। প্রবিধ্যাত খাল বার্যলিয়া কানসবণের : ক্রাটকাবি প্রবম ডাকনিয়া পূরণ ক্রবিবেন। যদি দিতীয় বিক্রয়ে পূর্বাপেকা লকা হয় ভাহাও বিক্রেন্ডা পাইবেন। বিক্রয়ের পরক্ষণেই খরি-দাব এই সমস্থ নিয়মে আৰম্ম হইয়া একবার निर्विद्या पिरवम ।

ও। যেংভু বিক্লেডা বাদাল ইণ্ডিলো কোম্পানির বছক এহীতার বিকট সন ১৮৬৫ সালে সম্পত্তি বহিল করিবার সময় হকিয়ত २ । मन २०४१ महिनत २१ हे बाङ्गति मपूर्गतर्थ छहकि छन्छ क्या हरेग्नाहिन । प्रक वाद व्याप समिन निविदा निवित ।

**শত**এৰ ৰু ৰৈতে ব্ইৰেক বে বিক্লেডা বে কবলা প্রাপ্ত হইবাছেন, ডক্ষার। জীহার সম্পত্তির সম্বাক ऋरण चवराम अवर मा निक स्टेब्राट्सम, अखायका ঐ সম্পত্তি সহত্তে পূৰ্মকাৰ কোন ভার বা আপতি উধান হইবার নহে।

৪। খরিদা সম্পতির হস্তান্তর করণপঞ লিখিও পঞ্চিতের সমুদার বার মূল দলিলের चनका वा रात्यका सकत्वत छ विक्रिति चतुक रेडीन्त्र कागटकव मूना अवर चित्रभगटवत्र मान আমদারি সেরেস্ডান্ন বারিল দাখিলের ব্যব্ত ইজাদি যে কিছু বার ভাহা সমুদার খরিদদার क्टिंग्स ।

<। প্তান দ্বপত্তনি প্রস্কৃতি বাছাদিলের निकडे नश्वत्र। इहेब्राडिन छाहासिरशत्र बूक इ.क.-রতের দলিল **অনুসন্ধান ব্যতিরেকে ঐ** সমস্ত বস্ত বন্দোৰত কয়িয়া দিতে তাহাদিগের সম্পূর্ণ ক্ষতা ছিল এমত অভুত্তব করিতে হইবেক। **बर्ट के मुम्ल भर्जन म्हण्ड**ि महानाटकर ম্ভাবেল অসুসারে শেষ কিন্তির স্বাচ্চানা পরি-শোধেৰ দ:খিলাজাত বা ঐ খাজানা পরিশো রের অপর সভোষজনক প্রমাণ প্রদর্শিত হট্লে তাহা ঐ সমস্ত পত্তনি দরপত্তনি সংক্রাস্ত ভাবৎ সম্বের ও নিয়মের সম্পন্ন ছঙ্গারলৈয়া অল্থবা ধরিদ হওয়ার সময় পর্যক্ষের সমস্ত ওঞ্চর মিট্ট য়াছে ৰলিয়া কিলা ঐ পস্তনি প্ৰভৃতি ও অন্যান্য দ্যোবেজাত ই সময় সিম্ক এবং বলবৎ বলিয়া ত্বীকাৰ করিছে হইবেক।

७। विक्रिकामिर्शय अमर्गमः विश्वसित्र मुक्कि क है । यो एमें एक विषय विकास स्था, छोहीत में खादिया বিক্রেডা জাপন হত্তে বাখিবেন। যে বস্তু সামা-নারপে বিজয় করা বাইবেক ভাষাব দলিগ বিজ ख़र शद्र सिमि अभिक मुक्ता श्रीम क्तिरवन, व्यर्थाय विनि श्रवान चत्रिनतात्र, इट्टेंबन खाँतारक সম্পূৰ্ণ করা বাইবেক এবং বিজেতা যা প্রধান **क्लिक्ट) अहे केंक्टब्रह मदश शक्तादवल बीहा ह** निकड़े থাকিবেক জিনি অন্যান্য পরিদ্যানগণের প্রথমা মতে ভাছাদিগেৰ নিকট শায়চ পঞ্জ লইয়া মূল संख्यात्वक माथिन कहा क जाशह सक्त (संस्त्रोह अकदाद निषिद्वा निर्दन ।

१। तम ১२१- १ १३ । १२ मारमङ समार्थश শীল বাকি কাপজের লিখিড বে বকেরা খালনা বিশ্রুরের দিনে প্রজার নিকট পাওনা হয় ভাহার হুল আনা রক্ষ বিজ্ঞান্তের দিন ক্টতে ছয় বাসের मत्या किश्विवश्वित्र क्षेत्रक चत्रिममात्र ईवटककारक विद्यम, अपर के बाकी गतित्यारथय छारिय निर्ना

है। वहाँमान माद्रमध्न, य श्राक्तमा इस्तालित । हित श्रामात निकंत्र भारता भारक कार्यंत्र महिता हिता श्रामात निकंत्र भारता भारता कि है। हिता सामी मध्यां केरिया मानारेंस ५०१० महिता हिता कार्या किस्तिस्मी साता स्वतः हिता विद्याक्तिरक विद्यां ।

৯। খতি কৰ্মা ও ডিক্রীর ও মীল গাদনি মহনা বাবত বে সমস্ত টাকা প্রজাও জন।ান। লে'কের নিজ্ঞ পাওনা আছে ভাষা নিক্রেডার শেক্ষানুদারে ফুনির সহিত এক বোগে বা পৃথক-ছবে বিজ্ঞাহট্যকঃ।

#### ------

১১ ই ও ১০ ই মাধ ইণ্র'জী ২৩এ ও ০৪এ জালুয়ারি রুগ ও বহণপতিবাব জগলী নর্মান বিন্যালয়ের প্রাণ পরীকা হইবে। নিমুলি লিড বিয়ে সকলে পরীক্ষা এইণ করা ইটিবে।

আঞ্ড লিখন ন হস্তাধর।

ভেস্প ৰ বিবৰ।

পারীগণিক (

ভুরতাম্ব।

বাহ্নার ইভিয়ান।

ভিনেমর ) আজনাত মধ্বিভ সেব আচুল ১৮৬৬। ) সমূহের ইনস্পটব।

----

मध्द्रकानकालाय यहनामाद्व ज्ञामात ए কাৰবারী পলি আছে ভাষার কর্মিকার্ণ স্বক্ষে আলাচ্ইটেড এই নিয়ম সংস্থাপন কৰা হইল যে ফুডা ইন্ড'দি ধখন যাহা .ব ফলে ৰ'রদ কথবা विक्रम स्ट्रेडक, खाहाय व'य उपन स्य ও এগুমেন্ট ইত্যানিতে মন্তব্যত করিতে হই ৰেক ভাহা জীগুক কৈলংসনাথ প্ৰধান, জীগুক কালীলাস পাঁঠেও উল্লেজ আবহুক প্রধান, এই ভিন্তুক্তিৰ সংখ্য বৰ্ণ যিনি উপতিত थाकिया जाबाद नाम दक्षात्म के अञ्चल मण्यक कतिहरून, फाला काम व श्रीवङ्गात्व मान्त्र शंक क्ट्रेट्रक, हेश कित्र अभव (शाम जाश्रक'रक कि দা**লাল ইভ**াদি **কোন লোকে য**ি বোনা রক্ষ चात्रिक का विकासिक स्थान कार्या कि स्वान नकम मञ्जूषक करवन, जन्म व्याग्यः स्वेदनक, अव १ ভঃহার কোন রক্ষেদ গ্রী আনি হইব না, আব ঐ কাৰ্য্য সমুখ্যে আমাৰ যে কোন নকৰেৰ পাওনা টাকা ভাষা সেই সকল টাকার বাবত চিঠির **पृष्ट अप्राणिम ना निया किया छैन्छ छिन वास्त्रिय** মধ্যে কোন ব্যক্তির বস্তব্ত রুমিদ না লইরা কেং কোন টাকা অগর কোন কর্মকার্ডনিগকে बिरन किया जामान समा होकात काम हिटिए

উজ্জ ও ব্যক্তির মধ্যে কোন ব্যক্তির দত্তবতে সাক্ষর না হইলে ভাষা আমার এ'হা নহে, এব' মানি ড'হ'ব দ'য়ী হইব না।

किदादकारात फेला।

সোমপ্রকাশ।
১৭ই পৌন গোলবান।
পঞ্চাবের হয়:চিটা নিবারপের বিলঃ

य मक्त काहरून केरब्राक्रक्रिशंव ক্ষমতা এদেশে বন্ধসূল হ্ইয়াছে, তথাধো ভাঁহাদিকের উদারজ্বরতালভ সহিষ্ঠা একটা প্ৰধান। শীক্ষ্ক সেই সহি-**ক্ষুত। সর্কাসময়ে দৃষ্ট চ**ল না। ছুর্কল হাদর মানবজাতির ডক্মন বিবাসের বিষয় নহে। আমবা এক গণ্প পুস্তকে भाठ करिशाधिनाय, अक स्वत भाम वी মূর্য যজমানদিপের স্বিশেষ সন্মানভাজন , ছিলেন। ভিনি বে কথা বলিভেন, ভাষা ভাছাৰা ঈশ্বরেৰ বাক্য বোধ করিজ, সুতরাং তাঁহাকে সাধারণ নমুষ্য অপেকা প্রধানতম জ্ঞান করিত। এক দিবস এক বিধবা জীলোক ভাঁছাকে নিমন্ত্ৰণ কৰে। शामत्री किस्मिर व्यक्ति प्रताशान कतिहा কিঞ্জিল ও জনশঃ বিধৰার ক্রপের তং পরে ভাঁহার মুখের প্রশংসা কবিমা পরি শেয়ে মুখচুম্বন প্রভৃতি সম্পাদন কবেন। পুরোহিত প্রভাব করিলে জ্রীলোক विक्रम " आप्रीमिर्तिन स्था भागशीय अ রক্ত মাংমের শারীর ! শ দিলীর লো-क्ता करहक अन शांगशीक रेगनिकरक वश्र क्याटिक नामित्रमाम् व्यक्तिये नश्रवनानि विशटक माथात्रका वश्व कतिवात च्याञ्चा দেন, বিদ্রোহের প্রায়ন্তে মেনাপতিনীল शकुं कि करत्र कम ले श्रकांत्र मार्थात्व इका कहारक व्यवधाय मामागठः मकरल बाजुशांत्रय करतन, मकरलहे वीकांत क्तिशाह्न, नार्ड कानिएड र पश ७ रेशर्या श्वम ना थाकिल विद्याह मास्ति वड़ সহক ব্যাপার ছইত না। দেখা শাসন

কঠিন কৰা। বৰ্ষ জেতৃজাভি ব্রুচা একার্য্য করিতে হয়, তথন এভার ভারে। গুরুতর হয়। অপেকাক্সত দভাকাতির भागत्मत ७ कथारे मारे। भागन मद्द्रका ভারতবর্ষ ইংরাজদিগের ক্ষমতার এক প্রধান পরিচয় ছল। ভারতবর্ষের পুর্বে উচ্চারা প্রাজিত জাতির পাসন আৰ (काथां करत्रन गाहे। चारमतिकात जा-होत्रा आधिमनियानिकारिक निर्माण करि রাছেন, কিন্তু ভাছাদিগকে স্বৰণে আ নিতে পারেন মাই, অক্রেলিয়ার ঐক্সপ হংয়াছে এবং নিউজিলাতে ওইতেছে। বালা ছউক, ক্লাইৰ, হেটিওল প্ৰকৃতিৰ রাক্ষনীতি অসুসরণের কাল অতীত হই-शर्दा अस्मरण माधात्र मक विन मिन প্রবন হইতেছে। ইউবোপের ন্যায় এখা-त्वत नामनकर्वामिभाक माधानन विवाहा-লয়ে দ্ভায়মান ছইয়া কাল করিছে ₹折!

<u>टक्र</u>शे व्यवस्थान खार्छण नारहा व्य আইনের পাতুলেখা এস্ত হ করিয়াছেম, ভাষা লেভুকাভির স্থানোচিত ও সংধারণ মতের অনুমোদনীয় নর। মধ্যে ম:হা পঞ্চাবের দীনাব নিকটে গোঁড়া মুনলগানেরা ইংরাজদিগতে বধ কনি বাঃ চেন্টা করে। গত বংসৰ পেনো হাবেৰ এক জন প্ৰধান কৰ্ম্চারী এই প্রাৰ্থ কা কাজিৰ ২৪ ঘটৰাৰ মধ্যে विচার क्षिया के.मा क्ष्मा । इंडेटबालीय भगास '3 मन कर करास्त्र अडे किया দত্তেৰ অসুমোদন কৰাতে ভাতেপ মাহেৰ এমৰে এক আইনেৰ পাপুৰেখা विद्या श्रष्टाच विद्याद्यात, विज्ञातीय ক্ষিমন্ত্ৰরা কেকিদানী আইন অসুসারে বিলম্মা করিয়া আপনাবা হত,াকাবীর एकुःम ७ मिट्बन । म ७ दिभिए ३ इ.अ.११ চেকীৰ নৃত্যুদও নাই। কিন্তু ঐ পাওু-লেখ্যে তাহার প্রস্তাব করা হইলছে। একণে প্রস্থ ইতে:ছ প্রভানি

चारित्रत शासन चार्ड कि म। ? खाट**७** व नाटक्त हुँबटलन, च्यानक देउँदिश नीरव्रदेश अहे मड, भीष्र मध मिरन (भौज्ञानिकात इटण्डकात निवात व हरेटन । ইংার প্রমাণ কি ? গোঁড়ো সুসলমানদি পেৰ সংক্ষার আছে, খৃতিয়ানকৈ বধ कडिटन वर्गवाम इयः ७ व्यवसाय याहाता হত্যার চেষ্টা পার তাহারা আপনাদি পের সভ্যু নিশ্চৰ করিরাই আইনে : সভ্যু प ७ वर्ग<sub>न</sub> कांशांबरभंत चर्गनारमञ्जूष ৰলিয়া শ্বির রহিল তথন তাহাদিগের ভাষাতে কাত্য হইবার সম্ভাবনা কি ? এই দংল পোঁড়। প্ৰায় দীমান্তিত ৰন্য व्यातम व्हेटक काहेरम। हेश मर्शव य धीकात्र भागम । विष्ठांत्र धानाती, जाहारक हेरानित्त्र श्रीय व्यापतात्वत श्रहे ए७ কইবা থাকে। ভাহাবা ভাহাতে অভ:স্ত ক্টগাছে। অভএব ভাহাদিগের নত্ত্ব **पञ्**ष**ः पर्नात ७३ अ विद्यार** ३३ महाबना नाहै। बदः विजय विद्या व्याहरनद्र महिमा পুদর্শন করিলে ভালারিগের ভদানীরন 🔌 २ 🗙 का भाषि इहेश अवटा प्रज मका ८त्रत्र मखावना थाटक।

মদস্বলে ৰে সকল ইউবোপীয় বাস করেন, ভাঁহাদিগের চরিত্র লাগুতাব व्यार्थ्य वह । राधान वेद्योक्तित मन्द्रा चन्ने, त्रशात व्यञ्जाहात আহও অধিক। পঞ্জাৰ, কাশ্মীৰ, পেনোয়াৰ প্রভৃতি ছানে দে সকল ইউবোপীয় **ખાદક**ન; હૈાર્શનિદજાત્ર મદયક ખદનદજ ভত্ততা লোক্দিগের প্রতি মিদ্রের क्लानिरभन्न नाम बावश्य करवन, मछ। ৰলিতে সমুচিত চইয়া উচিত ন., चरनरक के चकरत करमभीत क्रीरमा-कमिश्रदक इस दशेभारत वाखिकातिनी गटा रणपूर्वक वाशनाविद्या हुन्।-য়াজ চরিতার্থ কবে। কাশ্মীরে প্রতি ब्यमक्र (प नक्न घडना इह, छाहात्राई व्यक्तिरात बाका मुख्यमान इन्ट्र । अहे

गरून प्राप्तद *(बाटक " देखा*र *" ब*ीदन অপেকা ওয়ত বজান করে প্রতরাং অত্যাচাবকারীকে হত্যা করি**তে** গুরুত হয়। গোঁড়ামি নিৰক্ষন হড্যার সংখ্যা তত নয় একণে ভাতেখনাহেৰেয়ৰিল यपि विश्विष इत्र, मालिट्डेट्डेंट क्यांक প্ৰাপ্ত এক জন কথচাত্ৰী কেবল হড়াকো-রির নয়, হত্যার চেন্টাকারিরও ২৪ ঘটিকার মধো বিচাব করিয়া ফাঁশী षिट्छ **भा**तिर्वन। शृर्द्ध नवारवद्रा निरमत আজায় এ কা**ল ক্র**রিতেন, **একণে বাব**-द्रांशक मछ। कर्षेत्रातिनिमटक निर्विश এই ভাব দিভেছেন, গ্রেদ এই মাতা। এইরপে আইনের অবমাননা ভারতবর্ষীয়েরা তাঁহাদিশের প্রতি কি व्यक्तियात क्षकाम कतिर्दन १ छोद्र देशकि राहे निर्श्व रुव, देश्तारकता श्रीलय पाता শত্যাচর বস্থ করিতে না পারি**রা ভ**রে त्मरक्रम निष्ठु बर्फा अकाम क्रि**डिट्स**न, এकथा कि मक्टन बलियन ना। युक् विद्याशिव विद्रमध् ममद्य अञ्चलोत्र नित्रम খোভা পায়, কিছু প্রগাচ শান্তির সময়ে এংবিধ যুক্তিও নীতি ৰিক্লছবাৰতা প্ৰণ यन लड्कांक्ड मटम्बर् नाहे। आदाहलट अह क्षरकता आहरे देश्ताक क्यीमातमिश्रहरू গুলি করিয়া থাকে। শত শত কেনিয়ান অব্র বহিত হ'ত হ'ইয়াছে। কিন্ধু বেই यात्राह्मण कि बक्षकात्र याहेरनत् थाः স্তাৰ সইয়াছে। সক্ষলবাসী ইউরোপীয় দিপেৰ অভাব ১ য়িই উঞা। এক অন 🌣 মহাপুরুষ 🤊 বাজােরে গিরা এক টাকার ज्ञात्वा हरे जाना विष्ठ हास्टिन! বিজেভা সমত হুইল না, সাছেৰ তাহাকে প্ৰহার করিলেন ! শক্তৰাদীয়া এ অপমান দহ্য করা হত্যু অপেকা কই কর জ্ঞান করে। **অভএব বিজেতা লাটি** व्यथवा जुलबात वा हूति উচ্ছোলন कतिन, সাহেৰ অমনি "ব্যোড়ার আক্রমণ শ विनिधा राजीन क्षित्रान्य । जनवर्षा स्थितः

বহিভূতি প্ৰবেশত কমিসনত্ৰ বিচাত্ত ক रतन, भारवदनकाती नारहद **मु**क्का বলমী, প্ৰভাগ ভাষার বাব্য প্রাম ररेन, व्यक्तियारीह ७ छाहाह जासे বাকা অগ্ৰাহ্য হইল, ডাহার ফাঁশী হ গেল ii এ অবস্থার সমাজ কত বি চলিতে পারে ? কিন্তু গ্রহণ্টেই স্বেট भूक्तक करत्रक सम छीत्र ७ मिछ्त । क्ष्य नतामार्थ चारेत्वत महिमारक र क्षतान कतिएकरङ्ग। जात्रवा न्याद्याक বর্তমান বিলের প্রতিবাদ করিতেনি ইহার,মুগ নিয়ম জমাত্মক ও নীতি युक्तिविक्रम, देशंत कन भागीय हः १ হেতু ছইবে। শণরাধির দও দাও, বি আইনের মহিমানা বার! মহিমার তা **क्रेटल वेर्डाकनिश्क ट्याटक का** भानमस्तित व्याप ওঁংকুউচরিতা আচান করিবেন না। মা ্রেটের ক্ষমতা সম্পন্ন ব্যক্তির হ স্ভূা **দতের ভার ? এই মান্সিট্রেট আ**ৰ নিয়মব'হড়ুত প্রদেশের সালিট্রৌ **কলিকাতার ছই শত ক্রোশের ম**ে अरु **मन मार्ने मामिट्डि** जरु वर्ग বৰীয় শিশুকে বেভাষাতে বধ করি (इम, च्यष्ट अवीरन माधात्रन चक्र क्षत्रः शक्षाटव कि ना स्टेटव १ जारमकात्र भा নকর্তা আয়ার অনিয়মে স্ত্রাহও দ্ व्यानमञ्जत त्यामा इदेशाएएन, क्यि त्य আরার পঞ্চাবে শত ল'ড আছেন।

> জগন্ধকেন্দ্রের বাস্থান সংক্রাপ্ত আইনের পাঞ্লেশ্য।

--:•--

वन्नराभित्र देश्यां भिन्न भणात द्यां व्यक्तिमान विद्या । भूतीत वामावृत्ति मध्याच अक व्यक्तित भागूरमध् भणात केशिक कता क्रेतारक। त देशारक व्यक्ति क्रेता, व्यापता वृत्तित क्रियाम, क्रियां पर्यां गरेता वाद, क्रियां

निर्मंत व्यानात्क भर्थ व्याहात्र ७ वानका त्वत्र करके व्यावज्ञात्र करत्। चामहा रगहे नमदब चनुद्राध कत्रिवादिनाम, शांका দিধেৰ অসুমতিপত্ত প্রছপের নিয়ম ছওঃ। **উচিত। ভাষাৰা যত যাত্রী লই**লা যা**ই**বে, काशंत्र मध्याः भूतित्व ७ माजिर्द्धेरहेव निक्टें ब्रिट इहेट्य। वाजीव क्खांडा यनि याष्टि द्वेट हेत निक्टि शिश व्याशमा बिरुभत मणाजि (पन, फाहा इकेरन ना-लाजा बांदी नहेशा चारेटल शाहित्व, এবং পথে কালার স্ত্যু হইলে ভারার मह्यांबकत्र कारन ध्यमर्थन कतिएक ना शांतिक शांकारक मात्रे इहेट इहेरव। গ্রিকোপ সাহেব আইনের যে পাও লেখ্য উপ ভ্ৰত কৰিয়াছেন, ভাষা কেবল পুরীর দোকানলাং দিগের পক্ষে বর্ত্তি তেছে। তিনি প্রস্তাব করেন, ভবা ৰে নকল ভাড়াটয়া বাই: আছে, ভাহাৰ অধিকারীদিগকে অসুমতি পঞ লইতে स्रेट्र । निर्दाहिक मर्थाक बाजीह पश्चिक লোককে কোন গৃহে রাখিলে ভাগাব **४७ इरेट । यांकिए** के छ श्रीतिय स्ता जकरणत्र छखादशांन कविरदन, এवर **আৰশ্যক হইলে অ**ধিকারীকে তত্ত্বাৰ ধায়কদিলের অত্যে যাত্রীদিগকে উপস্থিত कडिएक स्टेरन। विरागत ৯ शाहारा अखाव कत्रा वर्षप्रदेश रव नक्त यक्ष श्रामा थान श्रद्धभ बाडीकिश:क विकास करा इटेरव **छोशात कन्नुनक्षान इ**देख, यनि व्यवादः কর বলিয়া বোধ হস, পুলেন ভাষা बाहेटक किट्रबंग ना, मक्ते क्षिया (क्लि (यन । ) २ शात्राष्ट्रनाट्य वात्रात्र व्यक्षिकाः बीटक भीका व्यवसा एकात मश्याम वर व्यक्षा स्था जःकारन पूर्व ताबिव याजीत मः साप्त वक जानिका मिट्ठ हरेरव, निया कालिका नित्न प्रकार हरेत। ১৯ খারার আছে মাজিট্রেট বিশিউ হেতু দর্শন করিলে অনুমতি পঞ্ রহিত করিতে পারিবেন। বিল্বানি সিলেক্ট কনিটীর स्टब (स्वया स्टेब्राट्स ।

भेड बर्यात्रत वा इलाजात्यत्र त्रित्भार्षे 🕻 यर्था क्रेटिकन मिनिश मर्कन शिविधारङ्ग. এক জন পাণ্ডা ক্ষেক জন যাজিব সধাে এক স্থীলোৰকে পুন্দনী দেখিল ভাৰাকে অলমার দর্শন প্রলোভন আপন ৰাজিতে লইয়া যাব। দেই আনাই আনা। মুরাত্মা বলপূর্কক জীলোকটির मञीय बच्चे करव, बादः शारक रम नालीम क्ट्र अहे भक्ताय छाहाटक वांत्रेय वाहित **হইতে দেয় নাই। স্বাফ্রী ও** পবিবাবের নহিত বিজেন, ভাল্টি উপর সভীস্থনাল হওয়াতে জীলোকটি উদান হয়। ছই ৰৎসৱের পর সিবিল সর্জ্জন ভালাকে दाकात करेटल बाजुलानट्य लडेया गांन **দেখানে আরোগ্য লাভ** করিণ্য গে সম্ मात्र ब्रष्टां यु वरमा। मास्मिर हुँ हे व्यन्तर ধীকে ধৃত করিবার আজ্ঞা দিলেন, কিন্তু পাঞা তথন প্রাণডাগে কবিঃ৷ সর্ক্রোফ বিচারপতির নিকটে পিয়াছিল।

बरे ध्वकाव चलाकात्र काटल व देशा-হরণ বিরলপ্রচাব নছে। এইতি বংগব র**বের সময়ে মান্ত্রীজ ও** মধ্য ভাৰতবর্ষ হইতে ক্রীভলান ক্রেড্গণ পুরীতে चारेता। देशंबा भावात्क होना निहा कोशीटक वा जुलारेज्ञा अवर कोशीटक ये: বলপুর্বক লইয়া বার। মহ্য ভারতবর্ষেব মুদলমান অভঃপুর অক্লমজান করিলে वक्रान:भात्र व्यानक खोरनांक स्विधाः পাপ্তয়া বায়। যত দিন যাত্রীবা পুরীতে অবস্থিতি করিবেন, তত দিন তিন্দেপ मारहर्देव दिल डींश्रामिरशंत त्रकांत्र नमर्थ इडेरव । शृजीएक (द कके इस, अफ्सार) তাহাৰ অনেক নিবারণ হইৰে সন্দেহ नाहे। किन्द्र अञ्चलाता शरथत क्ये ७ অভ্যাচার নিবারণ সম্ভাবনা नारे। আমরা অভ্যান্তি করিভেছি না, পথে कान याजीत श्रीका स्टेटन शाकाता ভাঁহাকে বিক্লিং চাউল ও জল দিয়া क्लिया यात्र। आफ़ारे दरनत एरेन,

আমাদিগের এক বস্তুব এক জন নিক্ षाधीत वरे क्षकात आवकात का श्रारह्म। मन्हरतता बागिएक প্রা ছিলেখ গমন করিয়া অভুয়ে সংবাদ অনেকে আংগালাভ করিয়া বাটাবে প্রত্যাগমন করিয়ালেন, এ কথাও অফাণ নহে। অপর অনেষ্ট এই, পুরীতে ধার बात्र मध्यत्र भावात्रा याजीमिटवार मटा यांत्र, क्यि आक्रांभमनकारण आग जानः गट्य व्याहेटन ना। के बर्काटबर्बा भूडी ২থো বিধা স্ত্রীলোকম্বিত্ত অস্ত্রীল ভাষা गानि मिरा थाटक, व्यत्नक्टक क्षश्तर নহ্য কৃষ্টিতে হয় " চোৰের মাৰ কারার न्याग्न उँद्वां का का का कि कि कि का विकास भारवन मा। भरवर खीरमाविकार বেশ্যাও দাণী রভির নিমিত গুড কং क्य । भरषहे ब्यानकाक ब्याद्य ७ व्याक्ष প্ৰতাৰে প্ৰাণ্ডাগ করিতে হয়, কোট দ্ৰীলোক ১৫ দিবস পৰ্যাত্ত ক্ৰমান্ত প্রভাহ ১৬ ক্রোল পর চলিতে পারেন ालारा जीवादियरक देश कहिटा वाधिक करत, पूछतार व्यक्ति लादिनः ৌড়াও সভা হয়। যাঁহারা পদ্ধা <sup>भ</sup>ड़िया **बाटकन, डाँबाविटमत अ**मृद्ये হাত্ৰধৰা সভাৰ **অগেকা অধি**হাত क्टब्सब व्यक्तिकाती ब्रीट गुरेना इट লিকোপ নাংহনের হুও পা**ওুলে**∜ অনিজেব নিবারণ पूर्वाहि खना সমূৰ্বনা আনু ও লা থাকিছে এ দিংয়ে স্বতন্ত্র নাইন করা রুখা ১৮৬৪ জব্দের ৩ আইন ও সঞ্জবিধি প্ৰদাস। বাটা হয়তে যাত্ৰা অবধি প্ৰত গমন গ্ৰাপ্ত যাহাতে যাত্ৰিদিগের কোন विश्वना इव, शिखारा छाहात मार्हे इदेश এই निश्रम कत्र, जानामिशस्य **অনুস্তিপৰে লইতে ৰাখিত কর** তৈ। होता वाजित कर्डामिश्यत विमा अञ्चर তিতে যাহাতে যাত্রী লইয়া সাই:ত ন भारत त्वहे विश्वास कत्र, वदः याः एए াপেৰ ভাবে ভাবে চিকিৎসালয় হয়, ! हां इति का वादा कर, हाहा इते हाल यशार्थ ाक कहेरव । यथन 21क क 55 किंगाना रमा १ डेक करा:': म ७ करा, जिं। জ্প কৰিয়া ওলাইটা ফত√। ভির রহি ice. उथन महा श्रभाम सहेया हे!महिस्न तः विकला आध्या खतमा वृति, वाव िक महा क विश्वत्य मन्त्रारमात्री कहे । न । **भाम**िष्टशय श्रस्तात्व**शटत भा**हेन ইলে ধর্মের প্রতি হস্তকেপ সন্তাবনা ा । , वार कत्र या वाहेन **हट्टल** कट्टन শ্ব সকল লোকেই **অ**কপট হৃদ্দে কুভ । ৩। পদশ্ৰ কৰিকেন সংক্ষেনাই।

#### देवल, ० देवल मारञ्जू 3711

मण्युनंद्रल ना इडेक, व्यागानिर्ध्व শেৰ দৰ্শন বিজ্ঞানাদি শানেস্তর ন্যায় কিংমাশাস্ত্রও একদ। অনেক উন্নতি च कविशाद्यित । अक्टल डे२माक्त्रित्र ह भात की नवभा क्रेबाटकः धाकी नवाटलाह इक्टिका खनानीयन त्यांकारियन সোও শাকু প্রভৃতি বিবেচণা কবিয়া (य अपय कावका कहिया याम, अवस्त । ল সহকারে লোকেব অবহাও ধাতু ভূতিৰ পৰিবৰ্ত হওলতে ভাকাৰ বহু ধে সম্পূর্ণকণে কার্যকাৰী হয় না; লায় ভাছার অসুবাদ করা

पारक अञ्चल (बार एवं मा। हेर्ब्राकीत চৰ্চা বাজন্য হওয়াতে সংক্ষাত লাজ্যের पिन पिन (एमन **क्षिम इंडेट** उ**ट्ड, डांख**ाडी **टिकि**्मांत **श्रांतला इन्ताटक रेनमा** नारबाक हिक्टिमाइ७ (क्यां हीनक्या क्ष्रेगाटक <sup>।</sup> शृद्धित नात देवसः नाट्य প্ৰগাঢ় নুংৎপন্ন লোক প্ৰায় আৰু দেৰিতে াও"। ৰাগ না। এখনও বাঁহারা আছেন, उँकारा गण रहेटन खाँशामित्मार महन লোক পাওয়া ভাষু হইবে। যাহার এরপ गवणा, प्राक्षांव व्याचनव्याम बाजिरत्य জাহাব রক্ষার সম্ভাবনা নাই। কেবল চিকিৎসাশাস্ত্র কেন, রাজসাহাব্য ব্যক্তি-েকে বোন বিষয়ই ন্থি**ভিশীল ও বর্জ**ন শীল হব না । ধর্মা যে এমন বিষয়, ভাষাও বাজার আশ্রয়ছারা না পাইলে বিশুল ও মলিন হইয়া বায়। হিন্দুখর্মের হী-দশাই ইহাব প্ৰমাণ :

टाला ए विषया अकरन व कवा अहे. लिल्डेनले श्वर्गत करहरू खन विम्ह जास्त्रत मत्नानी क कांब्रश अकति मचा कांब्रवांत्र चारतम कज़न। के गढ' रेक्समारकाक . छेमध्यक्तिर खन स्वाह भरीका कविद्वा দেখুন। যে শুলি পৰীকার উৎক্লয় বলিয়া প্রজীবসান হইবে, ভারার রক্ষা करा चारणान। बक्तांत्र उत्तास वहेः---

১। देवसः भारत्वद या या का का तर ভিক্ৰম ঘটিলাছে, প্তবাং সমুদায় উংকৃট ঔষণ লিখিত আছে, ৰাজ-ভূজাফিও এলপুৰ চাতাল ৰীৰ্ষ-ৰং, অৰং, কলিকাচা মেডিকাল কালে ৰ দেখিতে পাও। যা, ভাছাৰ শেব ইংরাজী ও ৰাজনা উভয় প্রে-बाभ कः नाम रह। । वरणत्क, रामकण नीटण हरे कन विकारिक दिला निर्वाकिक প্র অনেক দিন ভোগ কবে, ভাহার করা হউক। যে সকল ছাত্র ভাতারী চীকার বিষয়ে দেই সেই ঔষধের চিকিৎসার প্রীকা দিয়া ওভীপ হই-জ আরু স্প্রধার দৃত হয়। এই মধো বিন, ওঁছোর। ছয় মান কাল উক্ত ारक 🤡 । उ. देवसमारञ्जाक देवसा व्यक्तां शक्तित विकटे हे देवसाची. হৎসা বিলুৱ হইরা যাব, ই**হা অতার**ু **স্থোক্ত উলিবিত পরীকিত ঔষহওলি** েজর বিষ্ণ থেকপ কাকার দেখা প্রস্তুত করিবার প্রণানী লিক। করি-टब्र्ट्स, इंश् रव मोनतान व्यविश्वक्ष ' (बन्।

२। नर्याण विमाणित्यत्र नामः स्थादन कारन देवना श्रञ्ज रहिवान निमिष्ठ अक এক সী বিদ্যালয় ছউক। মেডিকাল কালে কের যে সবল ছাত্র ভারতী ও উলি-থিতরূপে বৈদ্যশাস্ত্রোক চিকিৎসা অংগালী শিকাকরিয়া পরীকায় উতীর্ণ क्टेर्टिन, डीहांश मिटे मिटे विकासिट भिक्तः पिर्वन । अहे अक्षेत्रं विरुभव निवस कतिएक ब्हेटब, व्यञ्जकः सम्हेटिन विकास नरत्र व्यथ्नत्रन ना कड़िटन (कह हिकिश्म) क्तिए७ भातरस्य मा। अ नियम हहेत्य এই প্ৰস লাভ ১ইবে, যে সে বাঞি ঐবধেব ভিগে হাতে কবিয়া বৈদ্য म:किया यटभव कार्या कटव, जाहां मिट्राड़ হস্তপদ বলা ২ইবে। যধন নৰ্মাস কলুল, ওকটেণিও কুলও জীনমাল বিদালয় প্ৰভৃতি হইভেজে ও ফইতে চলিয়াছে, তথন আমরা যে বিদ্যালয় প্রতিঠার श्रस्त करिए इहि, हेश (ए व्यवका कर्स्ट्रबा ভবিৰয়ে অগুমাত সংশয় নাই। জীৱন वकार हिन्दी नदरात्य कर्ववा।

 । य मजल देवमा वकार्थ विकाल विश्वान, बाँशमिटशव देवमानाटञ्चाक প্রণালী ক্রমে ঔবধ প্রস্তুত করিয়া চিকিৎসা করা ব্যবসায় আছে, সময়ে नगरत वर्ष ७ व्यमाविध मधान क्रक शूद्र-कात यांवा डायानिशत डेरगार वर्षन कता कर्खवाः

अञ्चल कडिल क्यन देशनाट्यांक রীভিতে ঔবধ প্রস্তুত করিবার প্রশালীর हका क्रेटन खङ्गा नहा, त्व त्व मटहालकाह লাভ হইবে, তাহাও উপরে পরিগণিত रहेग ।

> আগরার দল্লার ও ওংসংক্রান্ত প্ৰতিবাদের প্ৰতিবাদ :

क्ष्मा ७ विक्रिक व केतरत्रत्र महस्<u>क</u> অভিলয় " শেচনীয় ै। " লেঃভনীয় " क विरम्पंत मिटणिश, डाश्त्र काइन करे,

बाबूरवर स्थ्यज्ञुम जिल्हात खेमार्थाः प्रव विव्यक्तिनी सूचकरी चाबीनका, विश्वक चुकि ७ भार दश डेनएएम ९ क्रुकि नक्ला करे हेश.इ निकट्ड बर्फ लेहा परेटक करा। क्रिकारचन्न (क्य मखा विश्वास ७ फिल्मक् इकेन मी, জেহা বলিয়া অভিযান তাহার হৃপয়কে কলুবিত করিয়া রাথে। ভাষার চিভের क्षेत्राया विज्ञुल हरेत्रा यात्र, विक्षक युक्ति ও শাস্ত্রোপদেশ ভাষার নিকটে ভান প্রাপ্ত হয় না, এবং বিজিত কি পারীরিক কি মানসিক কোন প্রকার স্বাধীনভার সমুচিত ব্যবহার করিতে সাহসী হয় না! ৰাকা বিশুদ্ধ যুক্তির অনুমোরিত হইলেও যদি ডঃহা জেভার অন্ডিমত হয়, বিজি-(बन्न मुध रहेरक विविजीत हरेरमहे छ।हा অপরাধ বলিয়া পরিপণিত হইয়া পাকে। প্রাচীনকালের ক্ষেতৃপণ বিজিতের সহিত যে এক্রপ ব্যবহার করিতেন, ভাহা ুমানা क्रिश्च विच्यत छैश्लायम क्रेंब्रफ<sup>क्र</sup>लाह्य ना। किन्द्र रेमानीयन जला प्राकृतन व्य এতপ ব্যবহার করেন, তাহাই নিভাস্ত विष्यत्रकत् । व्यामानिः अत्र श्रदर्गतः एकनत्रम चार्त्राप्त व्य मह्नदाह्न कटह्न, चामहा छा-श्रात्र अधियोग कत्रिप्राहिनाम । अधियान করিবার ছুটা কারণ ছিল। প্রথম, আমা-मिर्मन दिव्हामात्र महवान कहा ह्या वर्ष बाप्र, कत ७:इात सनुक्ष रव ना । आवदा ভাষার প্রতিপোবক যুক্তিও এদর্শন-করি भ्रा भनाम । बिकीय, महनादत त्य राय क्रेश रशन, क्राहा कुर्किक वियति वाह क,तिरम भारतक आनित्र आन त्रका रहेख । কিছ আনাদিধের এই বাকাগুলি কেতৃ .. জাতীর,দধ্যের অনভিনত, সুতরাং এতহাক্য याह्य व्यवद्वाय विलाहा शहिलानिक स्टेहाएड २> এ फिर्महरदद देश्लिममान देशद शांक বাদ করিয়া একটা তীত্র এতাব লিখি-. 唐代电平 )

्रांक्ष्मिक स्पर्ध्य चामाण्डित्र द्वि

उसकात वर्ग करे, हरबाटकता वामानि গের যে উপকার করিরাছেল, আমরা ভঃগ বীক্র ক্রতেছিল। পর্বারের कर्षवाक्षकाका विविध्यां मृत्य च्यूक्टका-कात व्यक्तिया मामाना विकास स्टा ভাষার পর ে সের স্বাধীনতা ভাইয়া বথা ভূলা হইরাছে। ইংলিসমানের অভিঞায় बरे. बरम्भी, नमाहाद्रभरतद्व वर्धीवडा व्यध्यिक हमें। क्रिनि बटलन, अटमनीटग्रहा अ वाधीनकाह व्यवस्थाती नटरबः देश्वाटक-हारे विवास क तरा निरिद्याहर, देश अपन শীংদিগের অনুসাঁচ লক্ক, অস্তোবল লক্ক নহে। অনু**গ্ৰহ লক সন্দেহ** নাই। আমরা **धर्चन, रेश्त्रारम्या ७ अनुअम क**तिहारस्य বলিয়া সর্বুদা উভাবিধ্যের এশংসা ও ভাঁহাদিগের নিকটে কুলজালা প্রকাশ क्तिया श्रीक । क्वाजीमिरश्रह ममुल क्वरण লোকেরাও এ স্বাধ্যমতা ভোগে সমর্থ **এটেন, ইয়া আমা,ফিলের অম্প আম্পর্**রে विवय नहां। दिर्भवकः यथन न्यक्ति स्था যাইভেছে, কেতৃগণ সভা পদধীতে অধি-ৰ্চ হইলেও বিভন্ন যুক্তি ও শাজের উপ্রেশ ভাঁহাদিগের নিকটে অধিকার প্রাপ্ত হর না, তথ্ন ইংরাজেরা মানুব, चायबाध यानूब, देश्बादञ्जा देश्लरअदेवीत প্রায়া আমরাও উলের প্রেলা, অভএব हे-ब्राटकता वृत्ति अन्य भीन**ा (क:रन प**रि काती स्टेटलन, जामहा अधिकाती ना হই কেন, এ অভিযান মহদের নিমিত্ত सद्र। कलकः च्यामद्रा (य देश देशहास-বিদের অনুম্রীধীন পাইয়াছি, ইচা আমা भिरमञ् अवस्थाना मान्यस् नार्थे। किन मदबद क्या श्रुलिश दलिएड कि. चामड़ा याश बुख्यितिक विद्यक्ता कृतिन करेश ব্ৰিশ্বাস্ত্ৰ করিবার আমানিবের ক্ষমতা मा शास्त्र, बरमणीत नवाहात्रणद्वत साथी নতা বন্ধ হওরাই উচিত। তৃতীয়, ইংলিস মান কৰিয়াছেন, এদেশীয় রাজ্যণ হটিশ

व्यक्ति शहाबी दिवस अस्तिक स्थान व्यक्ति स्थान व्यक्ति व्यक्ति

আসরা একটা সংস্কৃত স্লোক উচ করিয়া লিখিয়াহিমাম, পূর্বে ভারতঃ **करे तीकि हिल, यिनि मजा**ने लग করিতেন, অধীন রাজাদিরকে তাঁহার সেবাক রভে হইত। আমাদিলের স গবর্ণমেণ্ট রাজাদিগকে বাধিত কা (म**ेंस**ण जन्मानलाखार्थी इन, हेश 🕏 **इस मा। देहाटक दे निज**्ञान निश्चित्रार আমরা ইভিহাস বিষয়ে অনভিজাঃ কার ক্ষেত্রগণ আপেনাদিগের ফ্রয়েছ कारल भशक्तिक द वर्तनरक मधक्ति । ह लहेका चाहेर जन, अधन रमञ्जूभ नाहे। ब যে প্রভুর প্রতি হেবুপ সন্ধান ফে আবশ্যক ভালাই দেখান হইয়া খা এক্ষৰে পূৰ্বের মন্ত ব্যবহার করা হয় ' মরা এ ক্রা বলি না৷ প্রাচীন হে উদ্ভ করিঁটা দিবার ভাৎপর্যা এই, বাা कदिहा मधाम धारन कही मखा काटनह সভারকার উচিত ক,বা নহে। য बाधिक कतिया महतादह अन्यान टाइन व **इटेरडटइ. ७४२ अका**बार**्म** मा ३६ ক্লাংশে এ:চীনকাল ও ইদানীন্তন স **কাল উত্ত**ংর ভূ**্যতা হইতেছে।** 

हिमाणि देश्याणीतश्कृ र सिशानय।

पाणवा पाणामिल देश्या धार सिमाणि देश्याणी नरक् विद्यानसम्बद्धि होते धाल धार्यानिक। भ

late dalla ubntenn . farma mi

स्व विश्व करे कृषि माज इ.ज महीकावी
हरेता सूमन कित्राहित्सन कृष्टि छेठीन
हरेता हरून। कृष्टी के विद्यालयात क्ष्यान
लिक क्षेत्रक वान कानकीनाथ मुर्था
लाधाम (वि. क. । क्षेत्रक वान छेरमन
ल्या एक (हिन क्षाव दि, क. भवीक।
हर्ज एक (हिन क्षाव वि. क. भवीक।
हर्ज एक (हिन क्षाव वि. क. भवीक।
हर्ज एक (हिन क्षाव वि. क्षाव का हिन क्षाव व्याव का हिन का हिन्दु के विकास का हिन का
हर्ज के विकास का विहास का हिन्दु के हिन्दु के विद्याल के हिन्दु के विद्याल के हिन्दु के हिन्दु के विद्याल के कित्रक का हिन्दु के हिन्दु मुद्दा के कित्रक का हिन्दु के कित्रक का हिन्दु के हिन्दु मुद्दा के कित्रक का हिन्दु के हिन्दु मुद्दा के कित्रक का हिन्दु का हिन्दु के कित्रक का

-- : • : ---

প্রাপ্ত ৷

्रीकाश्रमाभार मा<sup>™</sup>श्रामा ।

আমরা আহ্লাদিত হটরা প্রকাশ ক্রিডেভি, কলিকাতার নাটক অভিনয়ের ৰে প্ৰাণানী হইয়াছে, মফস্বলে ভাহায় ध्युत्रवय कता वरेटकट्ट। मिकिनग्र रव প্ৰকার চওৱা উচিত ভালা সম্পূৰ্ণএপে क्ति परमर्वे हरेटड्ड ना बटें, किन्न विषदः प्रेमनीसम उद्गाक्ति शक्ति हरे-তেছে। নটিকের ভাষারও উর্ভি হইবে a **আশাও কয়া যা**ইতে পার্ম্বী: এবিষয়ে षर्वरकत्र कृतरकात्र घाट्य ग्रथार्थ, किन्द्र **ক্তিছ ক্ৰ**টিয় **নিকটে ইহা বহু চাল স্থা**রী ११८७ शाहित्व सः। इष्टकृषिय व्यक्षाः **াস্ত, কটেগড়া,** এ. সূচিৰ ওজাৰ किः नि ३ विहार्षः । किन्नु पर्यन त्यार् টে অভাব বুলিডে পারিয়াছেন, তথ্য क्। भी अपनुत्र ३१८५ मः स्थारे ।

৮ ই গৌধ শমিবার আৰম্ জ্যায় ও বিদাপজ্যারের ও অভিনয় ইয়ালিয়াছে। এই উপল্লে জ্যাজা শিকার সংগীত লগ উপভিত ছিলেন। ই মন্ত্রী মূতন হুইয়াছে, এবং ইহার গ্রে মেন্ড্রন শেক আছেন, ভারানি গ্রের সম্বাংশ মূবক। তথাপি আমরা

দংগীত প্রবংগ মন্তট হইবাছি। এ পর্যন্ত nostos coine, Gani, Giangi, (बर्गना ७ प्रस्मिता चामासित्मत मः भी छ যত্ন মাতা ছিল, কিন্তু দুতন দলে ইংরাজী ्लूडे ( वांनी ) कारवने, शिशलू ্ৰোট বাঁশী) ওবাস (বড় বেছালা) देशकी यञ्ज महन लख्या इरेग्राट्ड। भागिरिशत आहीत दीता, ६ कत्रजान खह्न कड़ो इरेब्राट्ड। माठिरकान देवस्वर पिटमत कत्रकाश महून कतित्वन ना, अह **কব তাল চারি খানি অউ অসুনি পরি-**মাণ গৌহৰও, প্ৰতি হতে হুই বানি शहेता बाकाहेटक इय अवर हेश वाकानक किति। इंडा किन्न म्हात, जानपूरा, এসবাব ধেছালা ও ঢোলক ছিল। गः गोजन अकिनर्शेत मरक्ष मरका **सर** निका शक्तिक कहें न वास करहन । त्या अभार अहे । ६३शहिटलन, विश्वष्ठः वात् नीत्रमास्य स्पाटनव क्षूत्रे, बार् ग्रांच मर्यं (बहाता क मर्सर (अका बायू इतिहमान्त कर्मकाटका (छालक बाक विदल्पत म मा इत इहेबा छित। त्यचारन यञ्च वास्तान इत, त्यचारन वास नार न्याडे (रामछनि रिटमर मिक लारम । ७८∢ ज्यामता मश्भी उ परलब a4 जो विद्रमय माय मिथिशहि । अखिन রের এক এক আছ শেষ হইবা মাত্র নংগীত হওয়া উচিত। কিন্ধ আমৰা र्लाश्यक्षा विक्रक स्टेबाबिकाम अधि वाज तः तो छ तत व्यक्ष व विद्यान । यक्क मिना हेटफ, क्षान् गठ राजाहरीक शहेरव छोडा শিহর করিতে অনেক দময় বায়। এ স বা भूटर्स चित्र करा डेविस अवर अरु सन वाधान ने क्रेटन करन मा । विचीतन नकट्टम अञ्चलि श्रममंत्र क्षेत्रिएक ठाएक्त, रमश्रास निभूषणा घट्टा चार्त वस्त्री माव करे वफ दामीत मध्या स्वान केति क । केंद्र क्रदेति कतिया केलवं वय क्र्यूपे जाचिद्रण वदये । जात्र सत्रकाण व्यत्नामा

मिक्ति व्यक्ति विके, व्यक्ति क्यू-ভাল ৰাজান তাঁহাকে রাজি খেবে 😼 बार्ड्सरेश अरु घटिया काल बाह्यिक হয়। এ যম্মতী ংবিভাগে করা উচিত। रेशांव भाव महत्ताश्व नत्त्र। आंश्रक्षशासात्र ष्विनतः अङ्गठ नाष्ट्रिकाञ्चिनत्र नतः। देश शुद्धाः ও নাটক মিজিছ। অভিনয়ের পূর্বে দেউ म्बद्धाः विकास विकास विकास গত, তথপৰে ধূরপদে শ্বামাবিষয়ের भीड व्यन्ड इडा यथन मःभीड दिल, कथन रेहात अस्तासन दिल मा। प्राटबस् ৰীত ছটা অনংলয় হইৱাছে। এখ-মতং রক্তুমি তাল হর নাই। সংগীত मरणात्र चात्र अक स्माय अहे. डॉावामिरशत न क मकन श्रीप्र क्रिट्यूरम । दमके दमद वहन দামিয়ানাৰ নিচে মাত্ৰ ও সভৰঞ্জি মাত্ৰ डेलरवसम बना (मडा) इह। (लीव मार्म अ शकार फारन दमा मकत भंदी:ब (भागमेत्र ना। ज्यास । मःगीक मन्त्र स्टिंग द्वार्थत्र इत्, किन्न भागाविद्धत्र परभ विषया माता। वाजिएक लाहक मध्यां रक्त्र कामरन विभिन्न षञ्ज आहोत करवन, निमञ्जूत स्ट्रेटन महा পৰিকৃত ভ্ৰাভুরপূৰ্ব এলেনে ভালের क्रेशद्द निवातरन बनिया (बना किन्छोत ममरत कननी नराइ भारात कति छ रहा। नश्तीक हरेल बनिवात कछ, दिन ध प्रगंकु कछेवाइक एर । अत्मर्थ गर्सनाथा-प्रवास माथील व्यवन महिएक विश्वाप 2.41 पंकार'क रिनदां का महत्य एवं. কিন্তু রাষ্ট্রকের অভিনয় বিশুদ্ধ প্রতিবিলিক্ট *रमारकारे जारगारम्ब जना रत*। अक्रान লোভার সংখ্যা দীয়াবৃদ্ধ ক্রিলে কভি मार्थे । भागक्षणकात मार्ग्यन मुर्गात REST TABLE TEN MI I GC4 MINCHA **क्षेत्रकारहरू अवस्थि कामस्यात असे दिन** ATE AND PERSONS PIEN SINIS NO सहस्र मेगा की शिक्षा रह । यूक्र वाय-क्षा व्यक्तिक स्वाह डेशरवणन क्रिका

हिरमन बर रिक्नोश्टमं बर शारवड উপর হইতে মালিনী বিদানে স্ফর वर्णन क्यारेश्वर्रिएलसः । अही वाडीव शहरत **इरेशिक्ति अदर अन्याद्य अधिनश हरे**रन अ पूर्विश पीक्टिंग मा। मार्टीक वाकि-पिर्मत र अपिष्ठ प्यत्मक साथ हिन। विष्णात बला ध्येमहोश्रदानीविध्यत न्यार इत्र अवर (बक्रटण वष्ण)क्राणत श्रवेन स्य ভাহা অস্বাভাবিক এবং সামান্য বেশ্যা द्रां को दे धाकारत खन कामर्गन कड़िएड পারে না। বিখ্যা কংক্ত উত্তমক্রণে व्यक्तित्वन, अधकात औरवारकत अवन्त ২ন্ত নিতার অরচিকর। সুদরের বস্ত काक्षीशूटब्रह बञ्ज नटर, देश वर्खमान यूवक राष्ट्रांकीर रञ्ज,---(लक्क्यून, हालकान उ জরির টুপি। উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের চাপ কান, পালামাও পাগড়ী দিবার কি ক্ষতি ছিল ? রাজার হস্ত কতক ধ্ইরা ছিল। কিন্তু ইউরোপীর জীলোকের। वकः स्टान व्यवह ( व्यवहात व्यापत ) यात्रव कटतन, हालाह भनीटत छाहः मुके शः। को होन ७ धारतीतिमात वज्र **উच्च ब्हेग्राह्मि, किन्दु मञ्जी कनकीत्**लिवि शूमिट्सत (कांत्रका च कटतक हेशि क ৰস্তুক ধারণ ক্রিয়াছিলেন। অভিনয়কারি अन् मञ्क स्रेटनम, भूमिटवन दक्ष नाव হাৰ করিলে দণ্ডৰিধির সহিত গোসবোগ स्टेट्य। मालिमीन व्याभ क्रिक इटेशाहिल, विश्वात इन्द्र, किन्द्र भून्ड तिख विश्वासि (भव माप्त दमानात भागा, ७ कम वि न्धान दिल। म्बीन्द्रिशत युक्त रूव नाहे, विकास अवटब सांगांडीन बटळात हकान विज ना, यात्रता अष्ट्रांत वद्धा पात विका ও मधीविद्यात्र माहकत द्यांतक পরিভাগ করা উচিত। বালিকারা মোলক পরিয়া थारक, विश्व क्ष यूवाठी भागरन मात्रक र च्यानिटक मार्थी रून, अयुष्ठ रहत्वम रूरे- ।

वियत नार्व कति नार्षे । अ नकल मध्यामा लावं चटि, क्यि चटनक्थलि मार्थान स्ति अरुजिए कतिल श्रेम्ब इत। व्यक्तिरात्र वाकिविरात्र मध्य मानिनी দ্র্বাপেকা স্বাভাবিক অভিনয় করিয়া-हिटलन, छटव चुन्मदत्तव महिन " मांगी " मन्त्रक इहेरम्ख " छाहे " बनाहा वर् কটু শুনাইয়াছিল। বিদ্যার সহিত পুন্দ (रत कथा, उाहात मन चार्क्स कता छ দূভীর প্রক্রত চতুরতা মানিনী প্রকাশ क्टबन । ८३ जिरामती शतिहम प्राप्तरवत স্বায়ে লোখ নিকেপের চেন্টা ও কাম্পা নিক ক্রন্দন প্রভৃতি স্বান্তাবিক হই ,াছিল বিল্যাও আলনার অংশ মহাবিধরণে मन्भावन करतन, किन्दु भन्दार स्टेस्ड दिलाहा तिटाउ इत्र अभाष दिना नर्रामा श्रामर्थन करा क्रेडिक स्था। व्यापना स्वयन्दर **थार्ट्स महस्राय राज्य कति मारे, विमारत** সহিত প্রথম আগাপের অভততি বাকা ও প্রোকে অনৈক পাত্ম বৈপরীতা প্রদ ৰ্ম্মি হয়। তথে বিষয়ের বিবাহকালীন ছান ना उनात्र पून्ते द व्यविमा हो द्रिक्ट नहीं ह चांखादिक क्रांश मश्राप्तमान प्रित्मन, बरः পুর্বের অভিনয় ঘটত দোব জ্রী আচা-রের সম্বের কানমলার স্থালিত চই-प्राहित । द्राक्षात अरम **उक्षम स्टे**शांक्तिः আমরা এ বাজির গাড়ীর্যা বাকাও অজ ভজিতে যথার্থ সধ্যেষ লাভ কবি য়াছিলাম, তৰে ভবিষ্যতে তীহাকে শাঞ होन व्यवस्थात अप्रभान ता करिया यथा र्ब कविद्यत्र है (दूरण द्राप्त्रभाग करा कर्त्वर व्हेटल्ट्स । दर्ग हेरलामिटमञ्ज व्यः में उ छेल । इंदेशिहन, मर्ज्यक्रम *भा*रव **्रिक्क एटिक वर्षात करिया अकृतिय जानक** ভোগ কটোন। উভয় জ্বাকৃতি ও বজে विश्वाकात कान देशकर्ग विश्व मा, क्या ও পালের ত কথাই নাই। অভিনয়কা-अधिका, कीशांत 🙉 विष्ये महिन, धारे १ जीन (य मक्का शांन विष्ठ, कांदात व्यक्ति दर्शनाहे आध्यक्ष विषाति व अनदारतत । कार्य केन्नम द्वीम स्वैत्राध्य । दिर्म

वण: (आक्वर्ग वातू बह्नाथ ब्राम्स्-পাশ্যানের দীতে বিশেব আৰক্ষ জোগ क्टब्रम । देनि नहे गांक्षियाहिरणम । वश्चकः ইনি অভিনয়ের জীবন শ্বরূপ। বাঠোঁয়া বালার ভাহার মুখে ভাল লাগে না, এবং অসভান্ধ গাহকের অলভাইত্র बद्धभ । यह बादू व दिश्दत मण्लूर्ग क्षण्र मांव छेलगुळा: आफ:काटन हरेंके जीत्नाक्रवमधाती वात्रक मृद्धा करत्र, न ठा छेल म स्रेश हिल, अवर (म**रे नम्ह** गःशीक स्टबार शांका व्यातक मटनाक्त र्देशाहिन।

যাহা ৮১ক, আমবা আগড়শাড়ার मनिराज्ञाकि यूट्य यानम क्तिश्रक्तिः লাম। শিশির ও বদিবার কট পীক্ষাণা রক হইয়াছিল। এপর্যান্ত অভিনয় এক্রব अवादी क स्टेटकट्ट ना, हेराटक छेदकुई থাত্ৰা ৰলিলেও চলে। কিন্তু অধ্যক্ষ**দি**লে। यङ्ग या:इ, वर्षन याणी विद्रा ७ हुन रक्षात्क, खरान भीष्य देवकि व्हेटन ज আশা ধরা বাইতে পারে, এম্বল আমর এक कथा बना कर्खशा कर्याखान कहि তেছি, রাজা নাগুভাষার প্রায় কর बर्गन, हेराएक (आकृत्रन व्यवस्त्रे इर मारे। वार्किविटनद्वत शटक रेडत हिन्द कथा राधिना भारतकल माधुष्याया प्रिट्र **উएल य रह छ। दोन महत्या नाहे। आध्या** ভবৰা করি শীঘ্র সর্বাত্ত নাটক অভিনহে भारांतरन व वियरण मरमारवानी व्हेरवम আর যাঁহার যেগীত বলা উচিত, ভাষ হইলে ভালু হয়। শীন্তা ইহা হইবা: সম্ভাৰনা নাই, কিন্তু এটি মেন দূৰি প্ৰের বৃহিত্তিনা হয় :

কোনহাটিক সংবাদদাতা লিখি য়াছেনঃ---

১ নবাৰগক থানায় এটন কোন স্থাত  उस जीशांक (क्षण प्रशा विस्त्रवाम वाम) ह गुनिष्ठ । क्रमकत्र क्रिक्रिया करन कि ह शर्व, हहे: ड श:८३ मा । करल्यःव राष्ट्र 🕏 -্ৰষ্ বিধান করাতে জীলোক ভারোগ। किंद्रग्राह्म । सर्नतिनि कून॰ के द्रांदिष्टे त्या-ভূতপ্রেক্ত বিস্থান করিয়। ধারেক, বছ দিন आस निकात पहिना ना इहेरन अलाइक নাৰ খারি নাই :

» , প্রকল্পেরিডিনে পে পড়িয়া আন্দেশ ণ পান্তায় আন্তন্ত নিয়া এনেক চেই ও । से स्थ्यी कुछ इहेग्रा निपार ।

১ কিন্মপুরের কোট জালালত ভিন্ন সমুদার দ্বেই প্রায় উৎকোচ এছবেব সম্বিক গায় দৃষ্ট হয় বৰ্ণী প্ৰভঃখীবা পয়সা খন্ডীত লা মহংক্যানিগের সহিত বথাটাও কহিতে इ स। व्यामिष्टी है (रक्षिक्टि) मारहर कि सून-ৰাৰু কি বেলিষ্টাৰ য'বু কাছাকেও ইংার ারণার্ম বন্ধ কবিতে দেখা ধার না। 🔭 হালি ৰংখাচিত শাসন না থাকাতেই ও উপকোচ ী আহলাদৰ প্ৰশ্ৰণ পাইয়া বাইডেচে এব ধিক্ষুণ গুলি হত গৌরবক ররা জুলিতেং : ' का बन के हाटड अकट्टेंट हकी विदयन क , फारा स्ट्रेंटन छ रंग ?

s । **অবগতি হই**ল, মুন<sup>ু</sup>ন্গ্রের মেকিকেটী । নুরী বছরে জাগিবে। সম্প্রতি বহরে মুন ৈ ছোট আনালতের আফিৰ স্থ'শিও **F** 1

 ধ্রারপুর কাড়ির অভিসমীপবভী ন স্থানে অনতি বৃৎৎ একটা চোৰ্য্যবৃত্তি হইছা II \$311

। চৌকী ঘাটাৰ কে'ন চঙাস ক'ছ'ব জীকে **চর হারা মন্তবে আ**য়াত করাতে ভাহার स्टेब्राट्ड । इन्डाम पुष्ठ श्हेग्रा स्कोकमात्रीटल स्केष्ट्र :

**१९ सहीमाना** पिश्व'डिल ।

क्षांव विश्वभाग र श्राः १३ ।

à । : । वि . ~ कं वि व मा रहत अद्भक्ष चित्र রক্ত প্রাস্থা আচন করা অপরাধে **জিবসরে পোষ্ট** म.हेट२० कथाः। य अञ्चल स्वक्रात्र और प्रद-गाप काल 'वार्यक क क्ष्म इहेब्राटक । विक्रासनुबन्ध অন্যান্য পোইহাই : এ হবকরাগনের এতং প্রতি সবিশেষ দৃষ্টি লাভা এক স্বাস্থ্য বৰ্জহয়।

#### कालनाक भरदावताचा विविद्याः हनः --

श्राप्त । अ विदिश्व कालका व नेक्षु कर्क स्थान র লের সাধ্বর্শ রক পরীক্ষা হইয়া গিরাছে। भवीकाञ्चल अध्यक्ष सम्बद्धन अस्ति । भारतम ब. छक्र, हाहे छ, माक्किके नारहर अवर भिन क.सर হাম ও আরও এখানকার অনেক ভার লোক উপস্থিত ছিল্লন। একটা মনোহর সীত হয়। ाविटाधिक कार्य रहेता स्थार (मट्यन क अध्यक, उनक भूखक अध्य इहेरम (मज्रष्टानम मार्थ के विक रहेगा वानकवान्त्र विमान क्यू বাগ ও শিক্ষকদিলের উৎসাহ ও অল্লখান মধ্যে वामः।।व विरम्भ क्षेत्र क्ष्म विषद्भ अक्ष्मी हस्यकाष्ट्र বজুতাক বিলেন। পর দিন মিশেস এডিজ वालिका विष्यानद्वयक शहीका धर्व कविद्वा भडाक मध्दे स्ट्राम । मानाचे चार्यक ब्रीकि ना थाकारक स्राम । स्मातिर केर छ वे व्यवस् ঠনাথ বে মহাশ্যুকে এ পছ.ত প্ৰবৰ্ত্তিত কৰিতে कप्रदाय कतिया (शनन : १३५% वाबुक अक्षम) मस्मारकाती स्रेग्नाटका

এখানকাৰ দাভৰঃ চিকিৎসালয়টী বেল্লপ উন্দিশীল ও রোগীর সংখ্যা ক্রমে বেরুপ রুত্ত হইতেছে, এখন একটা পৃথক খাটী হওয়া নিতাস্ত ভাবশ্যক। আমরা প্রনিয়া আহ্লাদিড হইয়াছিলান, যে ব**ৰ্ছ**মানাধিপক্তি মহাবাল বৰ্ড-मान मारमञ्ज्ञ करवात कामनाम ज्यानामन कविट्यन । টনি একবাৰ ডাক্তৰখানাৰ অবস্থা দৰ্শন করি । কোক্সল হাটের একজন দোকানদার। টেল বোধ হর একটি পূথক বাটী হইতে পারে। লবৰ বিদ্ৰুত্ব করার সময় এতনে এক ছ টাক কিছে জ্বৰ ক্ষতি বিকটগুর্ত্তি গারৰ কৰিয়া প্রজা ময়, ক্তিএন্ত ৰ,জি চাকর বৌলদারী পীড়ন কবিডেছে শুনিয়া প্রাধার আসা ব্রল লডে লোকানদারের নাথে -ভিযোগ ক-় না। শীতের বিলক্ষণ থাছভাব **হইলেও অনে**র ভাছার ১০ দশটাকা দশু হইয়াছে। ইতঃ বিক্রম হু স হইতেছে ন।। কি আনালভ, কি र्व अफ्रम्भनम् अवस्थान वर्षाकाहर को है पुलिय, नरून मास्मिरे सार विसम्ब यम श्राम ষ্কের কালে কম দেওয়াতে গ্র*িয়েটে । কসিতেছে। অসময়ে ক্রের প্রভাপ দে*কিয়া বর্ষ चारमत्र निवित्र नार्कम डास्नम स्मेन नारहर ৷ ২০ এ অএহায়ন ১৪-, ব', ম াবগঞ্চ , ঠন | অত্তঃ দৰ আগিটাট সাৰ্জন বাৰুকৈ কাৰণ व्यक्ति सक्तम् । अवस्थि अक्तम् एकक् विद्यवस्य वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः । वर्षः भक्षकिनीय म इस्तावासान कर्रता हिन्दा स्थीन**त्या विकास महाबद्धक व्यापकक्षित को**जन अदर्भन करिया करीर वन सक्टराई भूमेंब्राधिका

मादी वर्षा श्रद्धां करमण भारत श्रामान कविश्लो ব্লিপোট করিয়াছেন। ত'হার **অবিকল কমুব**াদ উটোরা পাঠাইবার ইঞা রাইল। নবীন বাসু আরও একটি উত্তম সংকল্প কার্যসা বর্জনামের मास्टिक कीयुक्त द्या तथा शहरूवरक निवास (इन, कि<u>ष्ट्र मिट्स</u>द्र अक्षक एक्ट्रीय फा**ख**ाई · किंद्र केंचन ( कानक मा :माटन बुद्दनाइन ) ध्यतंत्र कात्रत्व यानमात्र मिक्टवर्की क्रास्त्रत् ब्रानक केंग्रकात रहा। ब्राइत क तह, ब्राह्म स खनाक्रें। इ करम करम समा । भरत है। देशह केश्राम केवरण करिकेश्याल । जाक नायक देह-धाः । (७९६) मा अ(अ) वार् भी कुछ रहता क्षे भारत्मत क्रुले को चना कार्यक्षाट्डल ।

**४५४ (६० २३८, याद्रमान क) भक अक (५४,1** थान स आामसा अध्यक्षत त्मस (व छ।हात म्यक्ष वन्ति एकार्टन इन्न कायुश्वर्थ । भिटनम् वनाय अर्दश्रम शिव इंदर्श है शिव क. स्वर्ष व्यवस નત્નાત્યામી સ્થલ્તન કર્ય પ્રતાભાજન મુખ્ય, अवहार द्राष्ट्रातम । ५८लच भःत्रज्ञान कार्युक करमक ৰপ্লস্থান করেবেন, যায়র জ্ঞাতবে শনীর স্থ্য ब्बबन ७ (वोनम धूनक रोश्र.वगरक क्ष (क्रांग) काररित क्रमान वर्षात्र (कान प्रकार) **१६७ न) १ (४नई १६८न) ह**ैंद ह। यह द केड क्षान बन्धको शहना जाश्रमार कात्रवात सन्द्र **बहै (कोमन कान दिखा**त कातप्राट्ह, भड़गा व्ह कारा बुल्केटक भारत । अ. इ.हो। स्थापन अक्साप খীয় শ্বৰে অগ্নি নিয়া এইরূপ ভাব করির জিল। পুলিৰ ইহাকে শাসন না করেন কেন? এ পাপী রুমী বার্যার এইরূপ করিতে করিতে বর্ম বধাৰ্থই ভয়কু আসিয়া ইহার ঞীবা ভয় করিছে ভাৰনি জানিৰে বিখ্যা কৰার সমুচিত কল रहेत ।

#### কাটোরার সংখ্যমধাতা লিখিরাছেন 🛊

कारों द्वार रेन्ट्र के इन्हें व्यवस्था (य नक्ष क्र क्रेज क्या ताचा व्यक्तिक, निष्ट **एक्षित्रम श्रक्तानिक व्हेट्फर्ट्**।

কৰিকাভার কোন সমূচক স্বয়ের একট श्चीरताक, उद्दर्शक हात्र श्रेती मध्किरहाहादत পশ্চিম হাইডেছিল। কেবুল ভাই'র সামী সভত विभागितम् अदिकत्, अपेरे विकास्य वाकी स्ट्रेटक निर्मा प्रेमिक्, मुनाम अविवत् अकारमञ् श्रद्धां क्ये माहे हे । हिस् .

फरका में की लिटीयांत्र औका बाहारेया करते बीह्नाहक निकार वाना नह । बाद्धा

मात्र स्प्राह है। ७ वः छिहात क्राद्ध निक्र कि काफ। भन्नामन चीकान कट्टा स्नुनाटनारम्बा म.विटयब प्रकृतसाम भारेष्ट्रा । एवं हेः ८ भारे । । । (क्रक्तकोवश्या (वस्तात्व क्रिया छोरावि-গকে কৰিল, " ভোমণ কর্তৃপক্ষেব অসমভিতে আসির'ছ ভোমাদের নাম ওয়ারে ট হইয়ারে। 🗈 ভাছালের জাপন লোবে বিলক্ষণ বিশ্বাস দিল. ফুডরাং দোবের প্রতি লগ্য থাকাতে চলেব প্রতি ভত দৃষ্টি হুইন না ; এচবারে ভারে বিছলে अ माजिला बाज बडेगा छेरानाहा श्राप्ता कदिन। छै।इकाइ आहिता छै।हत्र ह हरेगात পুর্দে দেরপ গাড়ীর্ব, ভাব অংলংন বংব, ডাহা द्रांत (विश्वत्य छेश्यकात अहम छ (गाल य दर्श फ'हामिराग ककारक व्यानक कंत वर्ष व अव क्षि इय शंड कविशा (उपयो अभन स्टेट শীক্ষ প্রস্থান কর, এই পরাংশ দিয়া চলয়' যাউক: ভাহাবাও কাণোব্রাব চুট ক্রে'ল উত্তব কালী গল পে ছিলা মুখ্য দি মিলাইবার সম্বে অপজ্জ দ্রার,র সমান পাইল এবং তখন বুরিতে পারিল যে ভাষারা প্রকৃত বামপুরুৰ মছে।

শ্বনন্তর ভাইবা পুন দিব ক গোরায় আবিয়া শবিহাবে করিল । বাবু কালিকাদাস দত্তর শবিহাবে ভাইাদের একজনের দেন্ত বংসর, এক জনের হুল মান, ও বে জীলোকেই বাফীতে বাণা দর, ভাইাব সহযোগিতা লোকেই আন হুল মান কাবোৰাৰ ও প্রভাবের কে পঞ্চাল টাকা করিয়া অর্থ দও ইইয়াছে।

কাটোয়ায় আজি কালি মুখন অভান্ত প্রায় র্ডাব হুইয়া উঠিয়াছে। এন কি কোন গোন ভানে উংগৰ কথে। প্রকাশ, ভাবে চ.ল-ভোৱে।

अस्ति हाडेन इहे होता यन कन्छ। अडर विकास स्वयास स्वनात नक्स स्थान अहर स्थान स्विद्योग्छ।

## বিবিধ সংবাদ

#### ু • ই পৌৰ গোৰবার।

আটার গালের প্রসিদ্ধ ধনী বাবু ধনপাঁত গিংচ = রায় বাহাছর > উপাধি প্রার্থ ছইয়াছেন। ইনি নাধারে হিভার্থ বে বে সহংকর্ম করিয়াছেন ভাহাতে ইবার অপেক্ষা ভাঁছাকে উচ্চ উপাধি দেওয়া উচিত হয়। বাবু রাজেফা মন্তিকের প্রতিও বিশেষ সম্মান প্রস্থান করা করিব। ভিনি মুর্ভিকের সময় অসানান্য বদান্তা প্রকাশ করিয়াগুল। नर्स न'वातर बरखाव क्षवान कड़ां छ इश नार्ट्ट है हिन है होगम नूम शित नार्गहर्त्व वात् कड़िता बिड़ा हिम । कि के क्षेत्र कड़िताव वी छि त्रिक हहेगा ज़बर बाहावा होका भिया हिल्लाम नेह वा खाहा भूम क्षां ख हहे. वमा हो ने वार्ट्ड व होता मा बाका छ बद्धल कहा बहे वादिया। हो है ताली हात्रा क्षव्य हो मदार क्ष्यं ने नित्तम, ब्राइ जब बिवर ह देहा मिर्गद मह ग्रंडा करा है हिन्द

হবকরার ভত্তপূর্ব সম্পালক আক্রর রান্ত্রনি পূব ভারতবর্গে প্রভাগেষন করিবালেন। তিনি কলিকাতা হইতে মাজলা পর্যন্ত থালা খালানত প্রভাব করাতে অনেকে উচ্বে প্রভাবে ওল্পানে করিয়াছেন। লাভ ক্রাণ্ডেবারণ এবি যে ভাব ভবরীয় গাবর্ণমেন্টের নিকটে হিলোট চাহি মাজেন। বখন রেলওয়ে হইমালে তখন থালা সাবিব চেষ্টা করা উচিত হয় না। একান সমুদ্রার জামেরিকার ১৮,৩৫,৪৮৫ বস্তা তুলা হইতে ভারতান করা হইবাছে।

বসনেশীয় গ্রাহেশট কটকের খাল মহল সমূ ধের শেষ কিন্তি প্রহণ করিবেন ন।

व्यावता श्री क्यां क्यांकाशिक हरेगाय हिहेयन कर रेखियात मालाशिक स्वाह मार्टेड माहित जा-कर्स क्षणांगामन क विद्याहरून, है माहिल त्रित विद अवकान हिटेलिंग है होत्र भूगलांगमान मह सह मार्ड हेडेर्सन

ভারতবর্ষ গ্রাবন্ধ হা লা । নিয় তেন, দ দক্ষ সূত্র অ'বিজ্ঞিয় র শাদ্যা নির্দের সালা দশকে মান্ত হা তারা, কেন্ত পাটে ট আইল ভারতি নিজে গোপন কবিজে পবিবন না। একার্য টি উজম বটে কিছু অ'বিছ, বকে পু' ভার দেওয়া কর্ত্রতা জনা জনা দেশে অন্ত ক্ ১৪ বংসৰ পর্যন্ত ভা বিভারক নিজ মাবিজি, যার লাভ ভোগ কর্মেন।

গত শুক্রবার বিচারপতি ফিয়াব মের কাশে উরের সম্মানার্থ আপন বাসতে এক সভা করে-ন: অনেক এডজেপীয় ও ইউরোপীয় ভাল-লোক এ সময়ে উপস্থিত ছিলেন।

নিস কার্শে উর চাঁপাতলার একটা অনাধ বালিকাবিদশলয় স্থাপন করিয়াহেন। পৃথিয়ান বাবু জগচ্জ গলোপাব্যার ইরার ওজাবধার কোবন। এবং বিদ্যালয়ে অবস্থিতি করিবেন সাপাওতঃ তিনি নিজে ইহার বাম গিবেন।

বাবু মান গৈছিল বোৰ প্ৰধানতম বিচারালয়ে বাহিউবেৰ সমন্দ প্ৰাপ্ত ভ্ৰীয়ায়েন। বাৰু মাই-চেল মৰ বলন হস্ত বাবিউল্ল হইলাছেন ৯ ভিনি মীয় বালেশে প্ৰাস্ত নামন কলিবেন।

গত শুন্ধাৰ গৰ্গ জেনবল গঠাং কৰি কাতাৰ মাতা পত্তীন শিশুদিবৰ আবস্থ দৰ্শন করিছে গৰন করেন। ডাজ্যাব ইনিরঃ শেই নময়ে উপন্থিত ছিলেন। গ্রহণ ক্ষেত্র বার্থীয় ব্যোবস্ত দর্শন করিয়া আজান প্রক'ন কণিয়াছেন।

চার চাবে লাভ হইডেছে না বলিয়া সম্প্রতি শিশার সাহেবের বারীতে এক সভা হয়। চা-ম বেণা সকলে একত্রিত হইয়া এক সভা স্থাপন कत्यारहर । देशेश नाल्ट्सम् प्राप्ते प्रकार प्रकार মুক্তা লইয়। য.হ তে ভার চাবের উন্নতি হয় সে . ६३) भ:देशमा व्यायका का-कामिनारक मण्डक করিভেছি লাওখেলছার সভার আঞার এইব কাংবেই উহাদিগকে ভনর কভিবান্ত হইছে হ্**ই**বে। এড়কেনীর সর্মধারণ **এই সভাকে** নীলকর সভ বলিরাভ নেন। ম**সু**ং দিলের প্রতি • व वहाय करू. अए३ छ ह कार्नेनिशक्ट स्टिक्ट গত্রব্যায়ক কবিওনা, কাহার দোব প্রকাশিত চকলে ডংকলাৰ দণ্ড দিবাৰ চেষ্টা পাইও, ভাছা ह्हें(ल गृथके मम्बद प'हेरव नाफ e स्ट्रेरव। এক্ৰে মন্ত্ৰিক কৰা ভাতাত্তিক বাছ হয় शहरहे अन्। उर अधान कादन।

वन्द्र ने ते व प्रश्निक महाव क्रांस क्रिंग क्रेंग क्रिंग क्रिंग

দলীলের রেজিটান জেনবল বিজ্ঞাপন নিয়া
করিবার অ'বেদন জেন্ডা ও বিক্রেডা নিজে
করিবার অ'বেদন জেন্ডা ও বিক্রেডা নিজে
করিবান, তথন বেজিটা উহিচিক জিলানা
করিবেন, এ সম্পাত্তর পূর্যে কোন রেজিটারি
ইইয়াভিস কিনা গ এবিবস্থেং বে উপ্তার্য মালা
প্রীল ও বে'লাই বি পুস্তাক লি বাভ খা করে।

बहेति रहेत्र हिन कि मा आनि८३ ७ (२)ल सी ड १६/४।

हिन्द्र (भारे हाई अवन करिश ८०० छ ७०० करि আপনাদিলের অথ্য বিলোট গ্রাণ্ডী हे स्थादन करियादहर्म। छ। हो ते दालन हेर । প্রায় ৮০০০ নিবাপ্রর ২ জ্বিভূ ইন বর্ ६। **देश**मित्याः नो≢!युःतं अवर्व, ब डे ०० वर्षः विद्युत (५५) था छम्। 🕏 हेउ ।

मिली (मरबार्धित कोइसाइड मन्द्रीकोण) म पुरिश्रास्त्र मानमकत्त्र। भर्गणभ्यत् सँ न काङ्गरन कद्विश्व सन्तु अनुन्न इंटेन्स । जिल्ला अक्टनर व्यामी र भिनार कर्ना शाह াৰ, চাৰিয়াছেন। বোখানা হুইং চ ক্যুেক্ডান ক সংবাদ আনিয়াছেন ডাইডা কাঞা কাল র স্থিত <u>কুমার কলে গমন কবিলু'ডেন রু</u> : গৈৰ ক্ৰিয়নিগেৰ সংহত কিপ্ৰকাৰ ৰ'ত্তী, \_ **गधन क्**ब्रिट्सन, (म क्टेड्र (स्स्काई अन র সময় ও অভীত হয় নাই। তঞ্জন ৫৫ : **पत निकटी** श्रीय ७०,००० क्रन्थ्य है।

क्रेड ब्राइट हेरलाइट काल्लाकी १,००, ••. ••• ड्रीका व्हिन, १८७। ब्रह्मा ज्ञान ऽ,••,•।,••• द्रीक्ष ब्रहेग्यःद्रव्याः । १,१४,०० · · · টাকা হইতে বপ্তানী ২.১৮, · · · क्रेका ब्हेब्राटक । वाक्षण १२,१५ . . . . **७ ७९,४४,२०,००० हेर्स्स इक्केस**्ड र ५४, 83 **বংগরে ২**১ কোট টাকার ক**্টি**টিয় 7.

১১ **हे (भोस म्बल्स व**'रः

) **८७९ वा(क्**यास्त अस्य अस्य कृति प्रशासन्।≻ **ল ভি প নিকা হই**য়ে। এল প্রারু ট্রেন হ'র টি, প্রিকেশ, বজ, ই-ক্ষ ও এ১, সি **थिम नाटश्य ७ रा**त् अधनानम मूट्स शाकार **২২ নিবুত** কইরাছেন: জাল্চর্ট্যের বিশ্ব बांचांना (भटका) भनेक व विश्वत्रवि পিও একাশিত ংল্লা, অখচ এই **।ট অবিকাংৰ শৰ্মনা**েৰ অবস্থনীয়া। টের অস্থান বিখায় এল ন বিলেষ বিশ্ব-দেখা ষাইছেগ্নে।

ংলিসমাৰ সাধ্য কৰিয়াংচন প্ৰীয়াৰ গ্ৰহ বিশ্বিশ্বসূত্র নাহ ' জালোম ধান স্থা,ৰ बहुदे अधियाद ।

**रम्भ कडेरनत** काल-१र्यक्तुक ३०,४४४ সংস্থীত হইয়াটো নভান স্থানায় বেশে निमिश्च का हरें। १,११८ । रम्प्सर ।

FOR FULL SHE PHE CHA TO WIN GIERA জন, জন, জন্য পুরস্থাবদান্তার মধ্য, আমহা হারু महाशास्त्रक करिएक सम्बद्धाः चार्चा है हिन्द्रक पाउ **य तु**र संभ्य वर्ग का (मायराज शांग साहे।

याबुरल विधानधनाती माहे बनिटन बग्रा বাৰুস, বাৰুণহাব ও আনে, আনে, প্ৰধান नगर्त् बहे अक स्था दाल कोर्ट मा। सर्हेस এায় লিখিত হয় না, কৌগদাৰতে এ এখা এক बर्दा नाहे। भने आ'रन भभ'रत्। मकल कारे उप प. त्यम प्रथाय साक्ष्य या फाक्का वर्ष, दि ह ज के मध्य क्रिय कांग्रेश किश्वित करियत क्रियत क्रियत -বিচ্ছে ঃ উপৰে অভ্যাচার কবি**লে নে** ব্যক্তিকে গ্ৰাওচ,ত হইতে হয় :

১০ ই পে।ৰ বু বেরে।

लए फ़ रास्त्रहें साम ह क्ष्मानि हिन्द्रश्री त्रात श्व ६८म्स स्थावलक्टर्स अवतः इहेटल ণ্ডুক্তন অভিনয়পুত্র স্ত্রীলোক মাণিয়'ছে। ল'ভাদ নিবন্ধন ইহারা অনেশ জ্ঞাল কবিয়া যে 'নে ক'চাৰ পায় সেই স্থানে ৰাস কৰিবাৰ মা ন্দ্ৰ ক্ষয়ন্ত। সংগাধক অসুমান করেন ইর্ছ ऽत + शुक्त मर कांख नरहर (वचर्र क्हेरव ।

যোদেবার ভূতপুর্ম শাসনকর্তা আরাবের বিগ্রেমালীশ কবিবার যে কণ্ড ইইয়াছে, লক -পে, বিশ্বব সম্ভান্ত লোক ভাষার সাধাব,পি ें प्रतिहा हम । व्यासाटका प्रश्व की क्ट्रेटल १' . अ **व**िश्वत क**लड १हेरव** ।

विक्रें अनाटक देवेटनानी रहत्र मश्द्रा :, 5., be - स्मा, केशेव महत्र देशमिकविशास स्वा स्त्र पारे । कार्यमनियानीकित्तम् ८६, · · मा अ ৰীনিজ ভাতে, ইহাৰা ক্ৰমনঃ লোপ পাইভেছে। এ স্থানা বৰা।

গ্ৰন্থ ব্ৰহম্প ভিবাৰ প্ৰধ্ৰ ক্ষেত্ৰবলের বাটীডে বাত্রিকালে ধে মঞ্জিদ হয়, তাহ তে বাবু সভ্যে জনাথ ঠাকুরের ল্লী আমানিগের লাভীর বস্ত পরিধান করিয়া উপস্থিত ছিলেন। ইভিপুর্কে কে ন ছিত্ম রমনী রাজ প্রতিনিধির বাটাভে গ্রম क्रुवन नाहे ।

छ कात्र .स व. कि विश्वविकाशियद्वत्र श्रम हृति মরে, ভাগার এপ্রানি বাছিন ছওরাতে সে 🕮 হ প্রে পালারন কবিয়া**ছে**।

মক্ষৰ ই টা: একজন প্র:প্রয়ক বলেন ভিন । कि अन्त्रेशिक्त अंख (अयानक स्त्र। देश जिन मर्या दृष्टेशन अक्तानामनी इहेब्रा कु-ভীয়কে ড'হার উট্র হইছে নামাইয়া বদ কবিলা ভাহান মাংস বৃদ্ধন করিব। কতক আহার কৰে त्य हरेता करूता है। १ ११९३ हरेख। अकटक किसी एस। देशती मृख **१रेसाट । हिलाप केसा स्टेसाटस्य।** 

अवर द्वाटाटम स्राम्ध्येष होतहात स्ट्रिक्टम । नरवात क्षे दोष २ आत तकम त्वान स्टेर**णतः**।

(वीबीवेट्स (स. ६ ई बन त्वाकात **इवेशन (कोका** ন্দ্ৰান্তে হয়। কৰে ও হাদিগকে সেমিয়নে সম পুন করা ইইয়াছে। এই দলের পাপ ক্রমনঃ বৃদ্ধি **२३:७:३। २४५:८० द**ाकिकार विवादस्य **अ**वश् でき ぬみでき あばずいず

সঞ্চি ভাৰতবৰীয় ব,ংশাগক সভায় এক বিল অর্পণ করা হলয় ১৯৮ ইগার উদ্দেশ্য এই স্থানীয় প্ৰংক্ষেটি প্ৰধানতদ বিচাল'লয়েৰ মত না লইয়া। श्रीकार मधःक इंकेटवार्गीय कट्यांविविधाःक अक ভেল চইতে অনা কোলে প্ৰেৰণ ক'ংতে পালি वनः अक्ष्यत्मा स्मात्म हेफिलाकीय काम्राहस ৭**০**০ কি বাখা হইবে ১

১০ ই পৌৰ বৃহন্দান্তবাৰ ,

माञ्चारक मात्रक कर्नन हेटल्याहेन मृहः इहे ब्राइड। हेन खर्म ल इंडस्त्र करीत व्याप्तकार्ख যুদ্ধ কৰিয় ।ছলেন। ভাষভৰৰ্ধে এ প্ৰধান স্থান্ধ-मा भार गरे। हेश्मर्थक असमः क्य रहेश वः[मःउ:६।

म्। अप कमिनन मि**तुक्ष २**७४१ **सर्**ति हेरक लिय सम्बद्धारियण '' (म.स्किन्) इन्छ ० आद्य करिशादानः वादनबद्दव हिक्शिन'न्यान सन् মুডন চালা হই:তেছে ও জনহত্রের অধিক ত্ত্বিধান ও মৃত বাজেবিনের অভি সকল সমাহিত হঠংতছে। তথাশি প্রসূত বিষয়পোপন क्री स्थाद क्रिया

সম্প্রতি বিচারপতি কিয়ারের ব দীতে তিস কার্পে গ্রের সমানার যে সভা হয়, তংকালে ৰিচাহপতি বলিয়াছিলেন " আমি বখন এখনে এদেশে আসি, ডান শিশুদিগের চরিত্র সংশো– ধনাধ কোন আলগু দুৰ্খন না করিয়া আৰুছ্য ৰোধক্ষিয়াছিকাম। ফেবলকাবাৰাদে ভাৰতবংক পাপের নিবাবণ হয় মা। কিন্ত ইংলও অংশক। এদেশে শিশুনিপের পাপ জনেক জন্ন। ইহাব कांद्रन अहे अभागकांत्र भविवाटवंत्र बटकावस এমন যে কোন বাসক অথবা বালিকা এককালে करवरणायाच्या सन विद्यालात्र हरू ना । अ महास প্রায় ১০,০০০ নিশুর রাজ্যাপ্তা ও আর্থারের कान विकिष्ठ हैनायनाई। अहसमा हेराया म ना চক্ত নিক্ষা করে। অংবাদিগের সামাধ্যিক বন্দোৰতন্ত ইহা হইতে পাবে না। আশ্চানের विषय अहे 'हिडानील इंडेरबानीसाता आवार-গের দাবাজিক নিয়ম ও তাহার উপকায়িতা वृतिष्ठ भातिष्ठाहम, किन्न मार्थन अक् मन (ग!क अक्कारण म्लाधारक देखेरहानीय करिया

23

मध्यकि एक मारहरवर विद्यानस्त्र भावि । कि वाम के प्रमास्त्र के कि मारहर्ष के प्रमाद के मारहर्ष मारहर्ष के प्रमाद के मारहर्ष मारहर्ष के प्रमाद के मारहर्ष के मारह्

সম্প্রতি পাতিচারির বারিকের বারুষ ওলামে ষঠাং আগুল সালিয়া বা রক উড়িয়া নিয়াছে। চারি অন আফিলর যোল অন ইদনিক ও প্রার যাবজীয় ভুত্য প্রাণ্ড্যাগ ক্ষিয়াছে।

शीम (गरम वहकाम व्यक्ति क्यांविक्तिया भारतिका मिश्रम रहा । केक्यर राम (क्वम व्यक्तिया केक भर (करहे भारता । क्षाप्तः श्र क्षारम् भारति । क्षाप्तः मिश्रिक क्षा क्षाणे इत्र वाश्रे व्याद्धः । क्षाप्तः मिश्रक क्षाणे वालि १ श्रुक्तिया क्षेणे व्यक्ति व्यक्ति । श्रुक्तिया क्षेणे क्षाणे वालि १ श्रुक्तिया क्षेणे क्षाणे वालि व्यक्ति । श्रुक्तिया क्षेणे व्यक्ति व्यक्त

বোৰাইছের জল সেচন কার্ছে।র জন্য গ্রাণ- বারা আপ্রান্ত হত্যাতে অভিনয় বিজ করিয়া নেউ ৬০ লক্ষ্যকা কক্ষ করিবার বিজ্ঞাপন আগ্রের চাহিয়াছেন। সাক্ষাং সহায় এ আগ্রের

्मम, किन है। केमर्था ৮৮, 89, ००० है का विदान जारकाम कहेत्रारक । मिर्झ देशांत कालिका स्वक्रा साहरतरकः---

উক্ত পত্র বিস্কার্থে করণ তির করা বিধিয়াছেন, তিনি বহি গোঁড়া পুরীরান হইরা এডকেশীরদিগকে উক্ত ধ্যাবস্থা কথিছে আসিছেন, তাহা হইলে এডকেশীরেরা করিছেন, তাহা হইলে এডকেশীরেরা তাহাকে এড সমাধর করিছেন না। ভাগপর হইরা আমারা এই জগতের হিতৈবিবী স্ত্রীয় সম্মান করিছেছি, জুডের এই মড়। বিস্ক কার্পে করিছেন করিছে নাই। বিস্কারিরা ভাগপর্ব, বুরিছে পারিবেন সন্দেহ নাই। বিস্কারিরা প্রকাশ রেশে পৃষ্টিয়ান করিছে এদেশে আসিয়াছেন, এডকেশীরেরা কি তাহালিরের প্রতি অক্তি প্রদর্শন করিছেন মা। সর্বাত্ত বিস্কার প্রতি অক্তি প্রদর্শন করিছেন মা। সর্বাত্ত বিস্কার বিস্কার বিস্কার হারা প্রতীরান করা কি ক্তেন্তের বিস্কার বিস্কার হারা প্রতীরান করা কি ক্তেন্তের বড়া বারা প্রতীরান করা কি ক্তেন্তের বড়া

#### ১ঃ ই পৌৰ **ভাক্ৰবা**র ৷

हेरिकामान यरमन (गरमामुद्धि (वाचाना हरेरिक जात अक मुख जामिनारहमः। होने विज्ञी एक गकारबन्न (मण्डेमान्डे भवर्गत्तत्र महिन मण्डार कविरक भगन कतिरामः। ताला क्रिक्सिशान बाह्य जात्राच हराह्यारक जादिणम् (जिल कतिना जात्राच हराह्यारक जादिणम् (जिल कतिना जात्राच हरिन्नारहमः। गाजार महास्य अ जात्राम मिन्द्र वृक्ति निश्व नम् यद्धे किन्त नवर्गस्त्र विश्व नवर्गस्त्र विश्व नवर्गस्त्र विश्व नवर्गस्त्र विश्व नवर्गस्त विश्व स्थाप स्वाप्त विश्व स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्था

উজ্পত্র বলেন উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের সংবাদ পরে বাং। লিখিত হর বে এবজন ইংরাজ আন্তি দর কালীরের রাজার ভূত,দিগকে আক্রমণ করিয়াছিলেন, অমৃত সরের কমিসনর অলুসভান করিয়া ভাহার বিপরীত রিপোর্ট করিয়াছেন। রাজার ভূত্যেরা আফিসরের ভূতাগণকে এহাদ করিয়া মিধ্যা করিয়া এই অপবাদ দেয়। আর ও অলুসভান আবশ্যক।

উজ্ঞান বলেন সম্প্রতি করপুরের একজন
মৃতি আপনাকে রাহ্মণ বলিরা পবিচয় নিরা
আপন কন্যাকে এক রাহ্মণের সহিত বিবাহ
দের এই ক্রাচুরি প্রকাশিত হওয়াতে এবাজির
বিচার হইয়া যাবকীবন কাবাবাসের আজা
হইয়াতে। ইংরাজ রেসিডেন্ট মন্ত অপরাহ অপে
কা গুরুত্ব বিবেচনা করিয়া ইহা করাইবার
কেইয়ে আচন।

দিলীগৈকেট সংবাদ পাইয়াকেন আক্সুল খাঁর কব সংগ্রাহক সিকলর খাঁ সিমার অলিয় দিলে গিয়াছেন। ফেলেলাবাদের নিক্টে আর এক বৃদ্ধ হয় ইংাতে আক্সুলখার সৈনগণ অয়লাভ কবিয়াছেন।

১৫ ই পেঁয়ে শনিবার ৷

नारशत्रकिनिक्त जानका कविद्याद्यतः क्वात नमादि जमादिक स्वद्यादक सम द्वानन कर स्ट्रेट्य्य मा । यभिक क्षेत्रकात माप्त मा स्क्रेक, क्वाभि जाताभी दर्द क्यात चाल प्रवा कर्ष का स्ट्रेट्य :

करणायान सर्वारय (का.के शूटम्ब करनव कमा २३ शहरानांच करमाय कालामाक श्रेष्ठ कमा करतकि देखा क्या मीमारम विक्रीक व्यसारक। এ मकल परेमा मक्काकत।

देशीनमान धरमन, अविरक्षता विश्वातित्र वाळाटक किळाटक शताकिक कित्रिता क्राइशिक ; स्थातकरणात गिर्म कक्षमत्र क्षेत्राद्धः कार्यता अहे नशरतत नम्न (क्रांस प्राटक कार्यतः अहे गृरक्ष शताकिक स्वतारक्षत्र ताका श्रमतीत्र प्रकारम् कवित्रारक्षमः। अत्र क्षामिग्राप्त किर्मारम् विक्ष्ये स्त्र माहे। (वाच स्त्र, (वाचात्रात्र वाधीनकात्र (भाष स्ट्रमः)

শাসক হলা, জুর আলি ও গোলাম মন্ত্রন নামক কলিকাতার পোষ্ট আদিনের ভিন বংজি भूलिय क्लिंड इड्यार । .ब्रांब्रहीत रेनम त्राम क विद्याद । ৮ সাহেব অংথি∌পে ∞্∖ুলান হইয়াছি– आहर्ने विवि छैं। गर पक मनर्थन पर म ।ক্সিড। অবিল∀√িংনৰ জানীৰ क्य बाहे लाइकिन ए श्टाउ क्ला. 3 1

লিখিত মূলেন প্ৰথমেনে চৰ লাগত বিদ্ৰীত ري:---

1410--564. টাকার সিকা · > . --- - 64. '' (কাং 3.5-1.84 \*\* (本t?

· '' প্রলিক্তয়'ন ১০১।৵--১০১॥~'\* >> -- >> . .

# ইউরোপীয় সমাচার।

₹+11 (本代

खन । हे डिट्मबर - किल ब्रास्टिव करान ার কর্মেকজন লোক প্রতিনিধি অক্সপ । ওঁ হোরপের সহিত সাক্ষাৎ কবিয়া ভাষ্ট্রবৰ **ংশকের টেলিগ্রাফ প্র**বাদীক সংশোদনের वाध कविशास्त्रवः

ভোৰনা করা হইয়াছে স্বাট মার্কনিলয়ান ধানি শঙ্কীয় লাহাকে জিববালগৱে নামি-

চুবক্ষ গৰণমেটের পত্রে প্রকাশিত হইগ'কে s ছার প্রধান প্রদেশ সমূকের বিজো**ন** শান্তি চ্ছোত্সন ছিল ভিল হইয়াসে।

শ**ওন ১∙ ই** ডিসে**বব—.ম**য় এবং কর্কে ' রিক আইন প্রচলিত হইয়াডে। গ্রণ্মে ট র জেনরলকে টেলিগ্রাম বরিয়াছেন ৮ ই ষ্টের পত্রে এমত কিছুই নাই বাহাতে জন্ম-করা বাইতে পারে বে ই'ফকোরের কোন ন সি**দ্ধান্ত** কবিয়াহেন যে অপরাধে সেনাদল । ত বন্ধিদু ত করা হয়, সেই অপরাধন। হইলে কে ষ্টাককোর হইতে দুরীভূত কর। হইবে

। **সাধাৰ**ণ শত্ৰু এই কলা ৰলিয়া**ছেন**।

. राज्यानाक्ष्य अरु २ मा ५। उत्तर ति कि नियान विषय नरहा में शक्तिकी यहि नश्यामणीयका या

ল্যালয়ের প্রথা চ্বি কবিয়া দিয়া,ছল। আহাজ অক্সান করা হইয়াছে। বাবভীয় ক্যানী

হুলানীর মহাসকা স্যাটকে অভিনন্ধনশত্র িলা সহ্যোগ কৰিয়'ছেন পুৰ্যিতন প্ৰতিনিধি আৰি ন শাসনপ্ৰধানী পুনঃ স্থাপিত হয় : ইংল-दीय সংবাদপত্র সমূহ বিবেচনা করেন মধ্য व्यानिप्र'त कृष्विव खग्न कहेरल हर क्रिकिरशद वानिकात अ.विशे कहे व । क्विताश व्यक्तिम প্রাপ্ত রেল ওয়ে করিবাং মানদ কবিয়াছেন।

कथम ১० ६ ডिসেव:—त्रा**क**ी हेडेकिम (वार्य य हेट उट्टम ।

ল ওন ১৪ ই ডিলেম্বৰ— ইংলপ্ৰেখ্রীর চাপ-কেন নেবনেও কেম্পকে কলিকাভার বিশপের পদ দিতে চাহা হয়, কিঙ জিমি জন্মীবাৰ করি-য়াকেন। জনক্তি, বোৱাই অথবা মাস্ত্রাক্তেব বিশ্বাকে এই পদ দিয়া তথায় এক অন সূত্ৰ শিশ্ব প্ৰেয়ৰ কৰা হইৰে।

लक्ष ३० हे जिट्टा — असिट्टा विवासिक विदाय क्रमांगांच होते (महक्रोतिक निकरी चर्क হুইনাতে। অপক্ষপাতি বিচাবপতিগৰ যে সিম্বান্ত কবিয়াছেন ভাষার বিক্তমে কোন ভর্ক বাহিন হর নাই। ভাগতবর্ষ হইতে এক পত্র ভাগিয়াকে, ইহাতে মানস্ফিলডের কার্টের যাখার্থির সুমর্বন कहा इहेब्राट्ड ।

লগুৰ ১৬ ই ডিনেছৰ—টাইমস বলেন বোদা ইয়ের বিশ্বপ পদত্তনার্গ করিলে বেকরেন্ড গোল ত্রনীর পরে নিগুজন হইবেন। মা**র্যানে**র বিশপ কলিকাভায় মাসিৰেন এমত সম্ভাবনা আছে :

# প্রেরিত।

মান্যৰর **জিযুক্ত দোমপ্রকাপ স**ন্দারক মহাশর সমীপেরু।

মহাস্যু ' জাপনায় প্রেরিড ২৬ এ জগ্রহায়-গেব সোমপ্রকাশ পত্রিকা **৫ ই পৌব প্রাপ্ত হই**-সেমুকে বহিষ্ণুত কৰা চ্ইবে। লাডি জোণ- , লাম । ( এ**ছনে বলা আবদ্যক বে পুৰ্নো** शृर्भ अक मियम मर्याहे से शक्तिका आश्व वहे-ডাম ) এই পত্রিকাধানি ২৪ পরগণা অরুনগরে না আসিয়া যুগোহর লায়নগবে প্রেরিড হইয়া-ছিল, পরে ভাষাকার পোষ্টমান্তার এব নে পাঠা-मध्य ১১ हे छित्रवर-- एवलिया अस्मकः हेन्नास्थ्यः। विश्व विक्रण वृक्षः अकरत् यो शक्तिकाग्र ংকে হাজতে দেওয়া মইয়াছে। আৰ্ক বিদ্ৰণ। নিবোনাম ভাঠিকানা লিখিত ছিল, তাহা জন্ম ৰ শিখ্যদিগকে এক পত্ৰ লিখিৱা কেনিয়া- ¦ বা এডভাষাঠক নিডাপ্ত **অনভিক্ষ ভিত্ৰ কাহ্য**-्डल मुक्तिराणित रहेदात जनकावना माहै। स ।তন ১২ ই ডিবেবস-–২।রলোমে কয়েকখানি ∤ খলে একণ তাৰ হওয়া আন চঃখের ও আশ্চর্কোর

इंहेग्रा (क्र'न देखूंय प्र.**कात जना**न क्**या** ज**रूका**या সংস্লু'ল কোন ওঞ্জর বিষয় সৰজে লিখিত ষ্ট্ড, ডাহা ষ্ট্লে লোকের কৃত ছা**থের বিষ**র हरेड अव: डीशांशिशक कड कडिश्र हरेड क्**रे**फ, ए:इ: ज्रुट्य व क्रियाख दे विस्कृत ক্ষতিতে পাবেন। এইকুপ ঘটনা স্থানি শুনিতে পাওরা দায়, তথাপি পোষ্ট আফেদের প্রধান कर्द्धभक इंशा अजीकाताथ (काम क्रेशायविशाम कतिराटरक्त माः जन्नास्य महाभग्नः कर्नुनक गद्य विष्ट हिल'स प्रदल्पम ना कि लि शका ममुद्रद भटन भटन कछ अछ य छि इहेट उट्ट छ eছবে ভাগাৰ পৰিসী থা নাই, এজন্য ভঃসা করি य त्याङ्के ब्याक्तिरशत कर्जु गक बर्द्धामस्त्रान व्यान-नामिरात परीम क्षाना देनिशरक अमर नाक्र ক্রিয়া দম যে ক্ষ্মসাথিতাৰ প্রাদি প্রেরণের পুৰ্বেষ্ণ নয়ন উনীলন কবিয়া প্ৰাপ্ত পত্ৰিকাওলিৰ শেরোনাম ও ঠিকানা আগন অপেন চঞ্চে দেখিয়া প ঠাইয়া দেন।

সম্পাদক মহাশ্রা ঐ পত্রিকা সহছে আৰ क्रकी विरुवय कथा आश्रमारक मास्यान हेया ক্ষাত্র থাক্তে পাংকাম না। বেদন কেন লোক হটন না নিৰ্ণক অৰ্থ ৰ,য় সকলেবই অপ -बाब्र वालयुः, १५६५०मा स्य । जानमान व्यानुष के नांद्रका थानिए मा छन हैं कि ए दिसा था। क লেও ২৪ প্রশ্বর ভাতঃগ'তী তায়নগরের ছেপু मि शाहे याष्ट्रीत वहामद्र क गरवामग**ा वर्**णा হবে গিয়াছেন বলিয়া অভিনেত এক আন। মাখল নাৰি কৰাতে জামি জনত্যা ভাৰা নিছে বাধঃ হইয়াতি কিন্তু এক ব্যক্তির অনবধানভাত্র অপরের দও হওয়া সমত কার্যা ইইডেছে কি না ভাষা আপনার নিকট জানিতে বাহুণ করি :

कन्।हिर भारतकन्। ३३ 🔾 लोग

🖊 বান্যবর 🕮 যুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়ু।

মহাশয় ৷ ফেলা হগলীয় অন্তৰ্গত দীমন্তই একটা প্রসিদ্ধ পদ্ধীরাম। ইহার লোক সংখ্যা নৰকে এই কথা ব'ললেই প্ৰ্যাপ্ত হইতে পাবে मन वश्यत शूर्ता देशाया खब ठाषात्वत वयकि আড়াই শন্ত ঘরের অধিক ছিলঃ তংকালে এই आदि व मक्त पाकि बाम कविएक, वाहा खाकात मनार्गंश कतिरश क्षेत्रां प्रशिक्ष स्थळीए एव गरू मणाप्र हिन्द जिल्ला मान विद्वार जेगनिक रहेक मा । शहर्स कर जारम रवज्ञन नरक प ভাষার আলোচনা ছিল, ডাছা ব্যারণ করিলেও বিশ্বরাপ্র হইতে হুর | শিক্ষাবিভাগের ডিয়ে-ইর মহোদরের অনুষ্ত্যসূপারে ভিন্ন ভিন্ন র্কামে কত চতুস্পাঠী ছিল, ভাষার গণনা ইইলে দীখ ফুই সাহাৰ্যকৃত হল বিল্যালয়ের ভূতপুর্ক সম্পা-দক 🔊 কে বাবু কলেলৈসম মুখোপাধ্যার মহা-শ্যু সাজিশয় যম সহকারে অপুসদান করিয়। দে। বিয়াছিলেন, এই গ্রামটিতে এক সমরে ৩৩ খানি চতুপাঠী ছিল। সেই সকল চতুপাঠী ভ ন্যায়, দৰ্শন, অলক্ষার ও জ্যোডিয়াদি শাস্ত্র অবীত হইত এবং সুনোধিক সুই শত বালক व्यवतामक किटनात निकडे कह बच्च का छ कहिहा विन, १४, यन कविन्छ । अकर्म भविन्छार भव विमय **अह या मीशकुर बामनेत श्**र्यातका एकाल छेर সুষ্ট ছিল, বর্তমান অবস্থা তাহার সম্পূর্ণ বিপ বীড'হইরাছে। ২০ এ আবিনের প্রবল বাজা ইহার আংশিক ক্ষতি করিয়াছে। এই গ্রামনী जित्वनीत मन्यवर्टी अहे कथा वलिएनरे अहे স্থানে মহামাবীর কড পুর প্রায় ঠাব, ডাম্বর্কন ইহার কত লোক অকানে কালগ্রাসে পণ্ডিত ছইয়াছে এবং অবশিষ্ট োকেরাই বা কিশ্লপ অবস্থায় জীবিত আছে, বোগ হয় তাহা জনা-য়াদে সকলেই বুঝিতে পাবেন। গত সনেব ছর্ভিক্ত এই প্রামটির নিধন সদক্তে তল্প সহ-कातिका करत नाहै। अहै तकन इरेक्टन तरा क.व য়াও এই প্রামত্ব আর্থ জীবিত মনুধ্যের। কথ-ঞ্চিং ক্লৰ সক্ষ্ণভায় কালাভিপাত কৰিছেটি লেন। বাবু নীলকমল বন্দেনপাধ্যায় এই আমেৰ अक्की यह पश्चम (कटनम । डॅंग्स्व नहरांन कुथ অঞ্জৰ কৰিয়া বোৰ হয় আগ্ৰয়ভুৱ ব্যক্তিও কিয়ৎকালের জন্য শান্তিলাভ করিতে পারিত। অভএৰ এছফেশবাসী লোকেরা নান। প্রকার দৈহিক ও মানসিক পীড়ায় পীড়িত হইলেও তাঁহাকে লাভ করিয়। কিন্নংপরিমাণে স্থী চইবে আংশ্চর্য নতে । নীলকমল বাবু বিবিধ টশায় অবলহন ছার। চিডের প্রফুলতা সম্পাদন পুৰ্নক ভাহানিমের দেই সকল ক্লেশকে ক্লেশ ব'ল अक्षे केलल कि कविएक पिएकम ना। किन्न होन्न (मर्द्र कि इंडांशः। विधि कि श्रेमः। कान कक স্মাৎ নিঃশব্দ পদস্পারে স্থাগত ব্ট্র। এড-प्रभवाती लाकमिरण्य त्रकत्रन शार्थनात्र श्रिष्ठ কৰ্ণাড না করিয়াই বক্ষাস্থল বিহারণ পূর্বাক তাহালিদের অনুস্থন সেই মহা রছট অপহবণ कत्रिप्राटकः। वास्त १ हे स्माध्यात्रभ बूधवात क्रीप পথাৰাত রোগান্তাত হইয়া নীল্কমন বাবু লাগ পরিভাগে করিয়াছেন। এই সহালার মৃত্যুর

मरम मरमरे मीयक्ररेरात क्रथमर्था अस्वशासर जल विष्ठ हरेब्रारहा जानि वा खविशहक देशव कि नवा स्ट्रेंद । बाक्क दिक मीत्रकमन वाद् अकडी **অভ্ত মনুব্য ছিলেন। উ**ভার ন্রায় স্চানর समहिटेखनी बहाचा चाडि च्छाहे सना नाग्र। ভিনি দেখিতে বেরণ দীর্ঘকার বলিষ্ঠ গন্ধীন স্বভাব স্থান ও স্থপুরুষ ভিলেন, উচ্চার মান-সিক বৃত্তি সমুদায়ও ভদভুরণ সমু**ৰত ছিল**ঃ তিনি ইংবাজীভাবা জানিতেম না ও উচ্চার ধনসম্পত্তিও ভারুল ছিল মা বলিয়া ধনিও ভিনি দহাস্থা রামগোপাল ঘোষের ন'ম সাহেব মও-লীতে সমধিক প্রতিপত্তিলাভ করিতে পারেন নাই কিন্ত আমরা ভাঁচার বিবায় বত দূব জানি পঞ্চপাত ভূম্য হইয়া বলিতে পারি বল ও বীর্যের বুদ্ধি ও সাহসে এবং সমস্থিতেচনার তাত্তেশ বাসী হইয়া ভিনিই একমাত্র গৃহার সহিত প্রতি যোগিত। করিতে সমর্গ ছিলেন। রাজধানীত্ব প্রায় সমস্ত দেশীয় মহোদয় নীলক্ষল বাবুকে কেবল আনিডেন এক্লপ নহে ডাঁহার ওণেরও স্বিশেষ প্রশংসা ক্ষিভেন । জমিদারী বিধর জানে তিনি এক জন অধিকীয় লোক ছিলেন বলিলেও বোধ হয় অভু,ক্তি হয় না। ভাঁহাব অন্তঃকরণে কুদংকারেব গেশমান্তও ছিল না। ভিনি শুদ্ধ বাজ্সা ও পারসীভাষা জানিয়াই निश चाकाविक वृद्धिगत्तः थए। शहिदारवः स **খনে**শ্ৰ উৰ্বভিসাধনক**লে** যে সকল মহন্তর কাই৷ করিয়া গিয়াছেন একণকার ফুডবিদ্যদিগের জনেককে জাঁহাৰ শতাংশেৰ একাংশও কাৰতে तन्या साम्रज्ञा । काहात्र वट ३ ७ व्यत्वेकारम वर्दन्न দী**যন্ত ইয়ে একটা ব**লবিদ্যালয় স্থাপিত হইয়াছে। এकने देश्वाकी विशासम् मश्यापम विवस्य में १ কমল ৰাৰুৱ আন্তেৱিক ইচ্ছা ছিল কিন্তু নিক'ংছ এক পলীতে ঐশ্লপ একটা বিদ্যালয় থাকাতে শিকাসংক্রাক্ত নিয়মালুসারে ডিনি সে বাসনা-গ্রিত কুতকার্য হইতে পারেন নাই। বর্তমান विमानक्रीय श्र्निमीन मध्य भीनक्रन यात्रे সম্থিক সাহাব্য করিয়াছিলেন । স্তু**হু**মার্ম ডি বালিকাদিগের শিক্ষার নিষিত্ত তিনি এই এানে क्रमायाम् बृहेवाद ब्रहेकी वानिका विकासम मध्या-भन कतिशाहिरणनः किंश (मरणत श्रृष्टांगा वस्प्रः जाहा भीष काम ऋषी स्त्र माहे। नीवक्षरे रहेएए মগরার রাজবয়া অর্ছ কোশ ব,বধান। নগংগ রেলওয়ে ক্লেশনে প্রমাগমনের নিমি: পুর্যা **এই স্থানে একটা** নামমাত হাস্তা ছিল, বৰ্বাকালে ডাহার অধিকাংশ স্থান প্রায় এক প্রকাব সম্ভরণ बातार खिली रहेटल क्रेड, महामाझर फुरन वास क्यांत अनन अवकी छ के व्यांतानी ला

বিখ্যাত গোমধকাশেও এক বার এই রাস্তাচীর इत्वयात् विवयं वृत्तिः इहेग्राहितः। कन्नन्त्रमम् मीलकप्रम वानु मध्याद्रदश्य भवनागवद्मत वाद श्व नाहे क्रम नमर्भन कविया वह ब्रम् चीकांत्र भूकंक একটা প্ৰশস্ত উৎকৃষ্ট হান্তা প্ৰস্তুত করিয়া দিয়া-

সম্প্ৰতি দীম্মুইয়েৰ সন্ধিক্ট ও পাৰ্যস্থ भन्नीत मन्द्र बाजी जान हो शकरन **डाँ**शाहरू महिक यदंब अवधी ভाकबर शानिक इंडेब्राइस । ऐक बाबु জীবকশায় ভাক্ষরটার স্থায়িত সম্পাদন মান্ত্র মাসিক ৪। ৫ টাকা ৰ মুখীকাৰ করিয়া আৰ-माक ना स्ट्रेशन का भीन प्रवन्त नमना भवादि লিখিতেন। মহামারী যেন সেই মহাত্মার সঙ্ভি সকল প্রিচাল্ডের কর্মকেত্র শহুণ হট্য अस्तरम উপস্থिত हरेब्राहिन। कि धनी कि निर्दा भी। इंड स्टेरन नीलक्षण वायुट्ट खाद्यांनरभव अव माज वक् हिल्ला। निष्प्रहाश द्वागीरक क्षेत्रधार পথ্য প্রদান ভাহার একটা নিয়মিত কর্মের মধে পরিগণিও ছিল এবং জজ্জন, ডিন্নি আপনা বাস ভবনে একটী ক্ষুদ্র উৎবালয় স্থাপন করিয়া हिरम्म । क्षक्र श्रक्तारवहे इंडेक, व्यवता हिन् দেশ ধাৰাই ষ্ট্ৰক, ডি.ন লোফেৰ উপকাৰ কৰিয়। অবস। কাল্যক্পৰ কলিভে পারিনে আপনাকে সুখী জ্ঞান করিছেন। নীলকমল বাবু চাহন্তৰ অভি পৰিম ছিল। কেবলভিনি জাপ নাব বিশুদ্ধাৰে শ্ৰীকে বাবু দেবেলনাথ ঠাকু রের তিয়পাত্র ও বিধানভাকন হইরা মাসিং ৪০০ শত টাকা বেভনে দাগৰ জনীদারী अशास बर्चाशाबी इहेगाडिएनम अवर भहाय দেৰেণ্ডমাৰ ঠাকুৰও ও হাত্ৰ হল্ডে সমস্ত বিষ বাহেঁছে ভাৰ সম্পূৰ ক্রেখা নিশ্চিত ইইয়া ভিলেম। এইরূপ সন্ধিয় দেশবিকৈটী মহামা मृद्द में ध्युके महत्र भूम नवीन लोकमिराय कर क्र मनस्त्रार<sup>्</sup> , अङ्ग्रहात महत्त्र दर्भाक्ष गाः अ ভাষা অনায়ামে বুকিতে পাবিবেন : বাছা च्यक्टरव की घडाई कूम्यप्य स्टबारङ। मानि व হতভাগা বিদানবাটির চশাই বা কি মইবে বিদ্যালয়সীতে অনেকগলৈ ভয়সম্ভান কথাৰ করিতেছে এবং বেবল উচ্চানিদের উপবি अकृत्। अहे बारमत कावी केमकि निर्कत करि ভেচে। সৃত মহাত্মাধ অভাবে বলি ক্লট স্থায়িত্বে প্ৰতি কোন ব্যাধাত ক্ৰমে, যে দি সেটী উঠিয়া যাইবে, সেই দিমই ভাছাৰ সা সংক্রেই প্রাক্তের ভাষী উন্নতির আশা ভর अक्कारन मुक्ष इहेन्ना याहेरत। असरन खीतुः

ৰাৰু জীনাথ মুখোপাধ্যায় মহালয় কিল ব

ট ়া এনন এবস্থায় নিছ্সিডক্টে স্প্রিক , ব্যৱ কৰিয়া 'ৰদ্যালয়নীৰ মলন বিভান বিয়ের পারেনন ১৯০ জা - বৈক্ষমল ব'রর মূত্র ষুণ্ডে, এ মা জগুৰীপুৰে নিক্ট **কাম্**গিয়েও াশলা এই যে যেন 'তুলি নীয়াকুমল **কারু**ব (१)न क्टेन्ट **पर्**नका दिन्त्रवासी। **स**्रि ৰয়ে ও টিল্ডিসাবন*বা* নাল্ড কেড ও ব্যৱস্থ

> ६ द: २ न १९८० । क्रमाक्रेर वेश्मक्त ३३ ।

#### মানবেৰ জীযুক্ত সোমপ্ৰকাশ সন্দাদ হ মহাশ্য সমীপেয়ু।

বৰ্ডনগৰ ছিল্ম ধূৰ !

্চান্য 'বোধ ১০ জাপনি অবগত জ' ছন । ৯ই বসারসংগ্রে আম এক বংগর হটল একটা ব্যক্তী বিদ্যালয় স্থাপিত হটয়াছে। উমাব না<del>ন</del> বাহনগৰ তিন্তুক্ত। ইহা গ্ৰন্তন্ত সংহাত সু ভ 👣 हेश बाजुन्त। ४.७९५ छप्रशास्त्र मम् हर्ट क्ष हांशरण्डरका हैश अनावालुशरक <sup>†</sup>नकु न्य ाम्नी **रहे**एलहे **प्र**रच्य दिस*् भाग्य माने* । ४८३ न, (अहे (भीट्य) हेबाव भीज निगरक गी-ব্রিক পাবিভোষিক প্রদান করা হইয়া গিয়াঙে । ই কাষ্ট্রোপলকে অঞ্জ ভিন্তু র ব'ু চন্দ্র।-মুণ বদ্যোপাৰণায়েৰ ৰাজীৰ উঠানে ইহাৰ ধিবেশন হইয়াছিল। ত'নিস কিয়াব ভাহাব। क्षर्मिती अवर आब अक्डम नारहर ७ राष्ट्र ক্রেলেলাল মিত্র, বাবু সুক্ষবমল এই চার্য ,, বাবু क्षिप्रकृष्य मूर्याशीवराष्ट्र अवर जान कार्य कार्य e• ভদ্ৰলোক উপঞ্চিত eইয়া ছবেন। *আ*ফিস থাৰ সভাপাতৰ সংসন একৰ করিয়াছিলেন স্তক নিজরণান জয় সঞাগাঁত ( ধেমন সচবাচৰ প্লা খাকে ) বিদ্যাবিষয়ক কিঞ্চিৎ বক্ত ত রুলেন। পথে সভা ডেক ছটল।

মহাশয় বেরাহ্নগবে একটা বালিকাবিস্যা-( अवस्ति रक्षकी विम्हान्स १ वर अवसी विम्हा দ্যালয় স্থাপিত হইণাছে। প্রথম ছটীব সেক্রে-दि जीवुक्क योनु मनिङ्ग्यन दर्ग्याभीयाम् । ন এক তাম বালাপ্ৰাণলখী এবং আৰু জাম 🗎 শ্ৰীণক বাৰু কেলাসচন্ত্ৰ 🛪 ধান দেশছিটভানী। এই সিদালের জ্ঞান দৰ্শনার্থ। ১০৭৩ পৌৰ হুইতে ৭৯ ইঞ্জুট ति कार्ट्य हेव वोदु मत्नास्मोहन प्रश्तवः ममञ्जि 🕴 🤫 । हार्य क्षारम ऐपिकिक ३३वा 🚉 धन । , ३२१० कार्किक ३६ए७ १८ व्यासिन मधान विद्यालय २०४१ थर्नः नमः भरतक ! हुन्छ। कविर्मान । ऋखन्य। अञ्चल अधिका अधिक । ३२९० व्यवसम्बद्ध वर्षेट्ड ५३ कार्निक ঃ অবজিমক্ষর পত্র প্রেরণ কবিয়াছেন। শুলি 🖟

লোক বালিশাবিদ্যালয়ের উক্তেদ নিমিত প্রয়াস পাইখ্লাভিলেন হাতাবা অভিনদ্দনপঞ্জ দান াব্যস্থে অনেক সহাসুতা ও আত্রহ প্রকাশ করি-प्राप्तक । এখন পর্মেশ্ববের নিকট এই প্রার্থনা .য এই বালিকাবিদ্যালয়টী স্থায়ী হইয়া স্থাকন 4 ሻብ **ক**ቀም !

गरांह्न शंद । अरु स्वय मन्दर्भ । ইংশাৰ ১২৭০।

#### মান:বৰ 🖺 যুক্ত দোমপ্ৰকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়।

স,বনমু নিকেছন সিদ্ধ —

স্পান্ধ মহাশ্রা (জলা গোয়ালগাড়ার িটিড বিধালিকী ৯ সভাব **আতু**কুল্যাপ উজ জেল'ৰ অধীন প্ৰগ্ৰা নেছপাড়াৰ জমিদাৰ क्षित पर बाबु अबु<sup>व</sup>ठाम क्षीयुकी बाह्य साहाय गरहा भर १६ हेर्द्ध त्य कविशास्त्रमा भन्ना, लाई সাল্যে এক। পূর্মক কত জ'ন। প্রকাশ র্য ভ'হাকে पुरा त्याः धनायात ळात्म कदिराहरून अवर " '३ " व वरलायुःक / १ शंकारक धनावृत्ति শহান - শৈতে,ত কিন্তু হিত্তিশায়িনী সভা ্ন্ত্ৰ্ব চিত সিধান। গ্ৰহ্মবসায়্স্তবাবে যে কন্ত अहा करिएड(एम. अव॰ क्लि **अस कारन**व লব্ধ কে বিশিষ্টের হিতসাধন কবিয়াছেন ায় বাহার্থ মরেলয় য: সভাব সেই সকল কীৰ্কি একবাৰ পৰ্যবেলণ কথিছেন, বোন কৰি ু:¦হা ⊋টাল তিনি যাব পৰে নাঃ সস্কৃতী ¢ট্যা আএহাতিৰয়স্ত্ৰ।তে সভাৰ সমুদ্ধতি সাধনাৰ্থ স্ক্ৰিৰ সালাব্দানাৰ সচেত্ৰ ভ্ৰতেন সন্দেহ মাত নাই। ঘাহা হটক, একবে ছবসা করি, এ জেলা । अक्षर्व । अमहाना कुमानिकारी महा নরেরাও সকরুণচিত্তে কবিত সভাব প্রতি এতা দুৰ দানৰীলতা প্ৰকাশ করিয়া বাবিত করিছে ্বন পৰাক মুখ না চন এই প্ৰাৰ্থন'।

গোরালগুণ্ডা: ) জনৈক হি, বি, সভার ১ লা পৌষ সক্ত 33901

#### • मुनः व्याखि ।

বস হলগর 4#. কান্দ্র " कार्नोक्षत्रह मूर्यालाकाय 30 ' যতীপ্রমাহন ঠাকুর क्षिकाञा '' শ্রামাচরণ প্রীমানী च चल्ला के स्थित करें हैं। स्टब्स च

কলিকাডা নৰ্মাল স্কুল জোভাগীকো ১২৭০ অএলায়ণ হইতে ৭৪ কর্তিক

> ু সোম প্রকাশনং তারত করেকটা বিশেব নিয়ম।

۶.

অনিস ধূল্য ও পাক মাস্থল বা প'ইলে মণ-বলে সোমপ্রকাশ প্রেবণ করা যার না।

ইবার অভিনে মূল্য বার্ষিক ১০ এবং যাণাং সিক ৫॥ • টাকা, মকস্বলে ভাকমাক্সল সমেত বাৰ্ষিক : ৩, ৰাণ্যাসিক ৭ এবং ক্ৰৈমাগিক ৩৭০, ভিন ম'লেব সুত্ৰে ক্ৰিন মূল্য ল ওয়া যায় না। ছণ্ডি, বরাত চিটি, মণিজ্ঞ চর, নোট, ও স্টাস্প विकिष्ठ, हेरात अनाखत गारा **छ गरात छ**िवसा **জর, তিনি সেই উপায় হার। মূল্য প্রেব**ণ করি (ধন।

বাঁহার৷ স্টাম্পটীকিট পাঠাইবেন, হ:-াৰা যেন এক জগৰা আধা আনায় অধিক पुरमाव र जमीरमञ्ज विकित श्रियन मा करका।

এখন বিনিমক্ষণ হইতে সোমপ্রকারের मूला भारतिहरूबन, छोहा त्यन दिखिष्टे विकविशा গ্রীছক ধারকানাধ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠাইয়া

যাহাদিগেৰ মূল্য দিব'র সমৰ অভীত হইতা আদিবে, এক মাস পুর্বা ভারানিগকে চিঠি লি খয়া আনান যাইবে, কাল অভাত হইয়া গেলেও একবার চিটি লেখা হইবে, ডাহাব পর এক নাসকাল প্রতীক্ষা কবিয়া কাগলে বহু করা শাইবে। শেষ বাবের পত্র বেরাবিও পাঠান रुदेद ।

মাডলা বেলগুৱেৰ সোমাপুৰ ষ্টেপনের ডাক ঘরে চিঠি আইলে আমরা দীয়া পাইব।

याहात्रा भाक्न ना निज्ञा शक्राहि थ्यातन कवि বেন, ভাহাদিগের সেই পত্রাদি এহণ করা बाइट्ड का ।

कर जामश्रकारन सिम्मानम निरुष्ठ हेम्हा कवित्म फीश्रांक श्रवंत्र जिनवात्र श्राज्ञिश्राक्त 🚜 -आमा छाहाव शत्र />- आमा कित्छ हहैत्व। বিনি অণিককাল বিজ্ঞাপন দিবাব ইচ্ছা করিবেন বাহার সহিত শতর বন্দোবস্ত হইবে।

🚛 এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্ব্ব মাডলা রেলওয়ের শোনাপুর ষ্টেসনের দক্ষিণ চালভি-পোডায় প্রায়ুক বারকানাথ বিদ্যাভূষণের **ाँहेर** क्रिन्निमान क्षाप्रकारम क्षमानिक

# उन्याश्री

৮ भरपह

# " प्रवक्तमां प्रकृतिविताय पार्थियः सरखती श्रृतिमद्दती न दीवतां।"

मानिक मुना ३ होका, क्वाबिक् वार्षिक ३०

সন ১২৭৩। ২৪ এ পৌৰ।১৮৬৭। ৭ ই আন্মায়ি

### বিজ্ঞাপন।

হরিনাজি ইংবার্ডী সংস্কৃত विश्वालयः।

६ वे काञ्चाति छेन्त विन्तानस्य १०७१ र्फरस्त अन्तान कान त्याला स्ट्रेबारक। 🖹 ঘ'রকানাথ দুর্ঘা

可吸行不安;

ভন্তবিদা।

श्वम चय कामका थ।

बीपुक बाबू विकासनाथ शिक्त कर्जुक এবীত। কলিকাতা ত্রাহ্মসমাল পুস্তকালয়ে বিক্লয়ার্থ প্র**ক্ষত আ**ছে। মূল্য এক টাকা।

ভবাৰীপুর লগুন বিসন্ত্রি সোসাইটা বিদ্যা-শ্যের কালেজ ডিপাইমেন্টে এক জন সহকারী <del>শক্ষের প্রয়োজন আছে। অ</del>ন্যান্য প্রাথীর म्दर्भका कविकाला विद्वित भारत हालानहे बर्ध मरमानीष क्या १३८२ । (दवरवद्ध छव:नष्ठ 'ন্সুম বি, 'এর নিকটে অ'বেন্ন করিতে रेटन ।

ক্ষানীপুর হতন মিগনার,

क्रायाक्ति विम्नानम् ।

क्षिकाका विविविद्यालस्य क्षेत्र सङ्गीकात 再进电路 神经电影 经国际 电对角 人名 明治一

খোলা হইবে । কালেজ ডিপার্টমেটে সাম যুক কলবন্দিশের পরীক্ষা গৃহীত হ**ই**বে।

> विवर्षक छवलिष्ठे अवन्य वि. . . ন্ধে, পি, আষ্ট্ৰম এম এ, त्यः. (मनदं वि, ७), इंश्रंत जे विकासदात क्यांनिक।

**बि**एक त्रांमकर्मन विन्तासकात स्नीफ 'প্রকৃতিধাদ ৯ ন'মে একধানি অভিধান সংপ্রতি । মুদ্রিত হইয়া সংস্ত যন্ত্রালয়ের পুস্তকালয়ে त व्याचात्रित्रीता शाचन अश्रातात 🛮 🗗 के विक्रमान माहारत्व 🤏 रम विक्रमार्थ छ-ক্তত আছে। ইহাতে প্রায় প্রত্যেক শব্দের বুং-পত্তি অর্থাৎ ধাতু প্রডঃর সমাসাদির উল্লেখ করা रुरेब्राएक ।

মুল্য ৫ পাঁচ টাকামাত্র।

আগামী ১৬ ই জালুয়ারি বুধবার কলিকাতা नर्फानविष्ठा महत्र व्यक्त्याओं मिरगर शतीका আরক হইবে। পশ্চান্তিখিত বিষয়ে প্রীকা ইহীত হইবে। সম্প্ৰতি ৭ টী ৪ চাবি টাকার ব্ৰতি খালি আছে।

राक्षता माहिला ९ साक्षर्य। জন্ধ দৰ্শহিক জগ্নাংশ পৰ্য। 😻 । বাজনাৰ ইভিছান : •

कुरशास्त्र क्र'दि विकारिश्य कुल इल विवरद्वर প:বিচয়া।

বংচনিক পরীকা, আরম্ভি ও বাধ্যা ৷ এইচ, উদ্ভোধ **३२ हे** जित्तहत् ।

বাদল'র মধ্যবিভাগের ছ্ ল সমুহের ইমপ্লেক্টর। 3F3#!

३३ दे ७ ३२ दे माथ देरवाकी २७० छ २८० मानि छोडांत नांत्री वहेंद मा । क्षिक विश्वाबाद विकीय स्थान अने क्षान व्याध्याति द्रम अ वस्नाधिनात एगाने नामान 

विष्णागरस्य श्राटकिका भवीका स्टेटर । विश्व লিভ বিষয় সকলে পরীক্ষা একণ করা ঘাইবে :

আনত লিখন ও হড়াকর।

ष्ट्रांच ও रतक्त्रन।

পাসীগবিত।

ভূৱতার। বালসার ইভিহাস।

वाक्तांत्र मन्। विष्टः दश्य स्र 3 1 04 6 4 5

সহঃ চলিকভাৰ **বড়বাজারে** আমার যে কাংৰাব্ৰী গদি আছে ভাষার কন্মকাৰ্য সৰুদে व्याप्त हरूरिक अर्थ निवस्य नरका भन्न । इहेन (स. क्रु<sup>6</sup> हेन्द्र)<sup>4</sup>नि गथन शाक्षा (स **क्रुटन भ**द्रिम क्रथरा বিক্রু হইবেক, ভাহার বাবত বধন যে চিঠি ও এগনেও ইত্যাদিতে দ্তর্গত করিতে হই-বেক ডাছা শ্রীণুক্ত কৈলগেনাথ প্রধান, জীণুক্ত कानीमान न'राष्ट्र क जीवृक्त सागहक सर्वान, এই ভিন ৰ্যক্তির মধ্যে বৰম বিলি উপস্থিত ধাকিয়া আমাৰ নাম বকলনে ঐ সকল নস্তখন্ত করিবেন, ভাষা আনুষার স্বীয়ক্তের ন্যায় গণ্য व्हेरवक, हेहा खिल्ल खाशत (कांग कर्णाकांत्रक कि দলোল ইভগনি কোন লোগে যদি কোন বক্ষ পরিদ বা বিজ্ঞানের কোন কার্য্য কি কোন রক্ষ मञ्जूषक क<u>र</u>कत, कांश क्यांका क्वेट्वक, अवर তাহার কেনি রক্ষে দালী আমি হইব না, আব ঐ কার্য্য সম্বন্ধে জামার বে কোন রক্ষরের পাওনা টাকা ডাহা সেই সকল টাকার বাষত চিটিব পুঠে গুৱানিল বা দিল্লা কিবা উক্ত ভিন ব্যক্তির मर्था कान वाकित मस्यक द्रिमित ना भहेता কেহ কোন চাকা অপর কোন কর্মকারক্রিয়কে দিলে কিবা আমার দেনা চাকার কোন চিটিডে উক্ত হাজির মধ্যে কোন ব্যক্তির দত্তখতে যাকর বা হইলে ভাষা আমার এান্য মুহে, এবং

জীয়ার্ডাদার বিভা।

#### নীলামের দারা ভূমি দপতি এবং নীলকুঠি বিক্ষয়।

১। इविवसा ३ स्रोत .४'गाहित्यः कप्तमः ८४७ ।শুর্গাস সমান্ত ভাষ্কে প্রনি নবপ্রনি ভাষ্ক राज्य काञ्चन पहल अर्थना इ.उ .भोर्यान अर्था ।বং পাট্ট জনী ও নীল কম চাতে পাৰে ( এমত আট কুটি ও ছোট ছই কুটে ও গোকাদ हक्षत्र एक एक के के देव लागा बर्ज, १७४४ है 🐯 🤊 এক:শেষ্টে অথবা স্থাবিধা পুৰিলে পুখৰ পুখৰ नारः श्रकामः मीलास्य विक्रय स्थेत्य ।

২। সুন ১৮৬৭ সালের ২৭ট ভালুয়াবি ৰুছস্পতিবাৰ দিব। ছই প্ৰধ্ব একটাৰ সময় খাল भाष्ट्रालियात कृष्ठि भाकारम भीकाम मान्छ १९ छ। ৰে পৰ্বাস্ত সমুদল বিৰৱ বিক্লোনা হয় ভা**ৰ**ক अफार जे अक्ट गमाय भीनाम हरेता।

০। এককালীন সমূল্য নীজ কানসং , এখ্য সমুদন্ন ক্ষমীলাৰী কিবা ভাষার কভাগংশ স্থাপনে বিক্রেম্ব বিষয়ক মন্তব্য স্ত ও প্রস্তাবংশি ১৫ ই জ'ল দ্বান্তি ভারিখ পর্যন্ত গ্রহণ ক<sup>া</sup> য'ইবে ৷

৪ - অপর রুভান্ত নিমু আক্ষরকারিব নিকট ভত্ত কল্লিলে জানিতে পারিবেন।

📾 যে আর, চি, ছিল স'তেব বালফোর কোনা নর বাটা कशिक ए

विक्राप्तव निव्रमः

हैं। हो से किक्के विक्रम करो वाहरतः किए शएक व १ पन्यका 'क्रम अग्रक अञ्चलक करिएक व्हेर्स । নীলামে বিজেভাদিমের কথাবাক ধক ডাক এবং ঐ সমস্ত প্রান দরপত্নি মহালাভেব স্থাকিতে পারিকেন। বিক্রেডার অগাদ প্রতে:\* . ১ স্থাবেড একুসারে শেষ কিন্তির স্থাক্তানা পশ্-ভাকের উপর বে পরিমাণ রুদ্ধি ভাকিতে ক্টারে নােংগের দাখিলাছাত বা ঐ খাজানা পরিশো फाइन आवशावन करिया हिर्तन। यनि ७ फि (४७ घर) अर्थादक्रमक श्रमान श्रमनिंख इहेरन সমূহের কোন বিবোধ উপস্থিত হয় তবে টি ভিন্থা টা সমস্থ পত্নি দংপত্নি সংক্রাস ভাবৰ विद्वाधि छारकव शूर्त्य (व ए क इहेब्रा किल (वृष्टे : न्युव्य ও विद्युष्ट्र मण्डा इंड्या बिलिया अथवा ভাক হইডে পুমরায় ভাক হইবে: কেই কোন ধারিদ হওয়াব সময় প্রারের সমস্ভ ওজর মিট **ढाक छाकिया छाश वर्णस्ट**्रिक, <sup>कि</sup>कार प्राप्तद देशमा किया जे शत्र सिक्कि **उपना**त्र,

২। বেছুলে। ভাক সাব স্থা হব ভাজার চট্ট - ্নীকার কবিতে স্ইবেক।

খেলারত ও যে কিছু গ্রচপত্র হয় তাহা সমুদ্র ब्राहेकात्र शथम डाक्तिया भूरन क्विरनः यप्ति षिक्षीय विकास श्रृतिशालका मका स्त्र खाशक ।ব্ৰুক্তা পাইবেন। বিশ্বস্থ পরক্ষণেই খরি-भाव अहे अभन्छ । नगुरम कावल स्रेबा अक्वांत .स.च्या मिट्यम ।

৩) যেহেডু বিক্লেডা বাঞ্ল ইপ্তিগো কোম্পানের বর্ণক অধীতার নিকট সন ১৮৩৫ সালে সম্পাত পারণ ক্রিবার সময় ছকিয়ত मधुनकर्ण उहित्र खन्छ कता हरेम्राहिय। অভএৰ ৰু মিতে হইবেক যে বিক্লেডা দে কৰদা প্রাপ্ত হট্যাছেন, ভন্মারা ভাষ্যে সম্প্রিব নমাব কলে অহবান এবং মা'লক ফটয়াজেন, এডাবডা এ সপাত সম্ভে গুক্ৰ কোন দার ব আপাত ওখান হইবার নহে।

৪। ধরিলা সম্পত্তিস ইস্তান্তর কবণপঞ লিপিত পড়িডের সমুদ্ধেবার মূল দলিলেং धनका वा गारवका नकरमञ्ज अविकेशि वहा क्ष्ट्रीलः, दाश्चर व मृत्रः अदः **च**वित्रनीऽन्त्र स्थि ও,মনানি সেরেস্ডায় কাবিত দাখিলো খণ্চ कराकि (सायकू काप खाक मसूनाम अविन्नान .∞হেন ।

৫ পত্রিদাপার্নি প্রকৃতি বাহাদিকেব নি ১ট প্রয়, হউরা,ছল ভাধ,দিন্ধের স্থা দকি । য়তের সলিল অনুসকান ব্যতিরেকে ঐ সময় ১ ৷ বে ব্যক্তি সর্কাপেকা উক্তয়স: ডালিং বন । বস্তু বকোৰত ক্রিয়া নিতে ভাষাদিগের সম্পু করিতে পাবিদেন না। 🚅 💮 🕒 । 🌣 । চন্দ্র বেড়াত ঐ সময় সিম্ম এবং বলবং বলিয়া।

লাং**ৰের একাংশ ধ্**রিদার ভাক ব্রু ইইবাসাত্র । ৬ বিক্রেডাদিলের ক্রমীন; বিশ্যের সহিত ভৰক্ষণাথ ভিত্ৰেন্ডার সধাক্ষকৈ দিবেন এব'় এছ বোগে বে বিষয় বিক্রয় হয় ভাষার সভাবেক শ্বশিষ্ট সমুদয় টাকা নীল,ধের দিন অবণি দশ <sup>ক</sup>িন্তিক চা আগন হতে বাখিবেন। যে বস্তা সামা-দিন মধ্যে পরিশোশ করিংকন ভাগে লা করিংশ । মারুপে বিরুদ্ধ কুরা মাইয়েক ভার্যে দলিক বিরু िलाम तम अपर स्टिटत (१) छातः १०७३। भिन्ना (... भट्ट विमि स्थितिक भूटना अजिम कतिटवर्गः েকে ভাগ বেৰাক বিভেন্তার হইবে। এবং । হ'' ধ্যিনি প্রন্নি বরিষলার ছইবেন ভাঁটাকে | वेर क्षा के बाब का भरत वा अकाया नी मार्थ | अवर्ष, कहा बाईरवक अवर विद्वारत वा अधान | नकरत्र शक्षम **कारू** मध्यमा (गष्ट्रन कमिना कन्ति । श्रीक्रायक किनि कम्यामा सन्निम्मात्रमरनुत्र श्रर्थमा । **१०**६% सीक्रिस्।

মতে ভাহাদিয়ের নিকট খাচ পত্র কইবা মূল ৰক্ষাবেচ দাখিল করা ও তারার নক্ষ দেওয়ার একরার লিখিয়া দিবেন।

🏶। সন ১২৭০ ৷ ৭১ ৷ ৭২ সালের জ্বাওয়া শীল বাকি কাগ্যক্তর লিখিত যে বংকরা খাজনা विक्रस्त्रत निरम श्रकांत्र निक्रे भावमा रुप्त छोशाह দশ আনা রক্ষ বিশ্রুয়ের দিন ব্ইতে ছয় যাদের মধ্যে কিন্তিৰ্ন্দির হয়েত খরিদনার বিক্রেডাকে निर्दत, अवर ये वाकी भतिस्थादनव छाविथ निर्दा য়ক ৰোধ পদ্মপ দলিক লিখিয়া দিবেন।

৮।বর্তমান সালের বে থাজানা হস্তান্তরে দিলে প্রজার নিকট পাওনা খাকে ভাষার মধ্যে সর্কামি শভক্রা ১০ দশ টাকা হিসাবে বিনহ বাঢ়ে বাকী সমুগয় টাকা মাগাইন ১২৭৩ স'লের o- अ देवज अमहार्ट्स किन्तियने होता श्रांबर দার বিক্রেন্ডাকে দিবেন।

৯।খডিকৰ্জা ওডিজীব ওনীল দাননি নহনা বাবত যে সমস্ত টাকা প্রকাও জনগান্য লে বেব নিকট পাওনা আছে চাৰা বিক্লেডার পেক্ প্রসাবে কুঠির স্কিত এক যোগে বা পুথক-क्रां विद्रय स्रेवक।

নিয় দিখিত মধবের নোট ছারাইয়া গিল্লাছে, বি'ন আনাৰ নিকট অথবা সোমপ্ৰয়াণ সম্পা-मरकत्र विकर्षे छेत्र। इंड क विद्वा मिर्ड भारित्वर. डै।शटक २६ में इस होका भावि आविक व्यवश्र याई(वा

নোটেধ নহর এই:---

**ኤ**৯ የ ቃሎ

७०१७० वर ३०० होकांच्र हिर २०० है,का

. 8687

• 57 66

\* 4964

. 864.

. 95 27

. अनुकार भर ६ व विकास किंद क . व विकास समुमान ६०० हे का (

জীবিপিনবিহাবি সরকার कृषान वाक्या अवडिक्टिक इनडायः भूकिव

कृतिन निक्षम् वाजनम्दर विक्र त्यका कतिवात निविष्ठ काश्री ३५७१ कास्त्र ३ मा अरक्षम व्हेर्ड १४% व्यक्ति १० व मार्च नर्गक अक प्रमाण विक्रम कात्र विविध । विजिय क्रिका अहे के अरबह मरना मक्कारक में महात मिक्के विवास भी मिरक सिंप आक्रकाड़ी

, शिक्ष भतिवात निकित्य यक कुम कि निरक्ष कर्या। बाहरत, जाहात कि कुम कि श्रांक २० के कि शरद बाहरत निरक इहेरत, धृष्ठ इस्ति अवत, हर्या, कहिबात जाविकात श्रांवयक शर्यवर्गर हेत्र वर्गिक-रक्ष । ग्यवर्गयके अन्त्र किंद्रक हेन्द्र के ना इहेरत है माभारत यः किंगन अन्त्र किंद्रक महेर्या क्षित्र वाहित्र ।

ভাষানা আহম্যক বিবরণ নিয় আফন কারীর নিকট অয়ং উপস্থিত হইয়া কি পত্র দার। কিজাসা কবিলে জানা বাইকে পাতিবে'।

(इश्री कं समस्ति का जिल्ला ) स्थितक (१. ५क. भएगाककी। } हेड ि मण्डन ५० हे व्हिट्सबर । ५७७७ । (इश्री कांग्रासन

#### নিচৰ্শন পত্ৰ বেজিইবি সম্প্ৰীয় বিজ্ঞাপনপত্ৰ।

स्वतं मणिए प्रमुख्यात् कार्यः

स्वतं कर्गाणिकार्यं मक्त रिण्डिवि कार्यः

स्वतं कर्गाणिकार्यं मक्त रिण्डिवि कार्यः

स्वतं कर्गाणिकार्यं मक्त रिण्डिवि कार्यः

सिक्षिति करिवारं स्वाः विश्वां रेल्प्टिवि विश्वं किर्मिन कर्गाः

सिक्षिति करियाः स्वाः विश्वं केर्प्टिवि विश्वं विश्वं केर्प्टिवि करियाः

सिक्षिति करियाः स्वाः केर्प्टिक विश्वं मध्याः

सिक्षिति भाग्ये स्वाः प्रमुख्य विश्वं विश्वं करियाः

सिक्ष्याः विश्वं कर्गाणिक स्वाः विश्वं करियाः

सिक्षित् वाः किष्ठ स्वाः करियाः

सिक्ष्याः वाः विश्वं स्वाः करियाः

सिक्ष्यः वाः विश्वं स्वाः विश्वं करियाः

सिक्ष्यः करियाः

सिक्ष्यः करियाः

सिक्षं स्वाः करियाः

सिक्षं करियाः

सिक्षं स्वाः करियाः

सिक्षं करियाः

सिक्षं स्वाः करियाः

सिक्षं करियाः

सिक्पं करियाः

सिक्षं करियाः

सि

अहे श्रकात काश, स्टेर्स काम श्रक विश्व है वि स्टेसात समा उपिष्ठ क्या विश्व कि विश्व कि श्रक क्रिकेटि विरुद्ध १९२१म स्थाना शहेर्स, क्रुक्तार देशक साविकाल क्रिक विश्व स मामक निरादन स्टेर्स अहे क्यार अस्टिस्स गर्म गामान्य प्रकारिकार श्रीम श्रीकर्ष ।

क्ष'क्षिवि दिक्षित्रेष्ठि क्षान्त्रम् ।

ু নিৰ্বাৰ্থনিয় গলি ১৫ নহর বাটাতে মংল শীক ও সংগ্ৰহায়িত নিয়ালবিত পুত্ৰতাল বিজয় চইতেতে—

TAN AACOR		
<b>এণীত</b>	मृश	
<i>অ</i> নুইডি <i>হান</i>	<b>ኔ</b> ያየቆነ	
রোম <b>ই</b> ভি <b>হাল</b>	<b>, .</b>	
ভূবৰসায় ব্যাকরৰ	1.	
নীভিনার (১ ব ভাগ)	- ئ	
নীডিনার (২ মু ছার)	- او	
वाहरिक्क ।		
बूबर्वाध बंशकप्रन		

#### সোমপ্রকাশ।

#### ২৪ এ পৌৰ সোমবার।

১৮৬৬ অন্দের প্রবেশিকা পরীকার मन अवानिक व्हेशाटक। अवात मनुबादत ১৩৫০ পরীকারী চইগছিল। ভরতে ৭৬ জন প্রথম ভাগে, ২৯৮ জন-ছিজীর ভাগে, ২৬৪ জন তৃতীয় ভাগে সমুদায়ে ७२৯ जन उंखीर्व स्हेग्नाट्य। व्यक्षिकमः श्रा ৰালক অক্ততকাৰ্য্য হয় বলিয়া গভ ৰং সর वाक्रमारमध्यम स्मर्केमनी भवर्गत्र मुद्र সিসিল ৰীজন যে ভীত্ৰ মিনিট লিখিয়া-हिटलन, फाहाटफ विटलंब फटलांबर हुए नारे। ए पर्भाषु मकश्रलात निकाशीना-লীর দোব নংশোধিত কইল উপযুক্ত ও পৰিপক শিক্ষক নিয়েক্তির না চইবেন, তবিৎ সে ফল দর্শনের সম্ভাবনা করা বাইতে পারে না। আমবা স্থানি, অনেক মফস্বল বিদ্যালয়ের শীর্ষ স্থানে এপ্রকার जन्भयुक विक्रिक छ निक्क निराक्तिङ আছেন যে, কোন্ বালক প্রবেশিকা शतीकांनात्न ममर्थ, त्रवा व्यममर्थ, जाहा বুৰিয়া উঠিতে পারেন না।কোন শিক্:-চার্ষ্যের প্রকৃতি এমনি কোমল যে ডিনি আবদারে বালকদিশের অগন্ত প্রার্থনায় वाधानाटन भक्त रून ना।

দ্বিয়া ও মধ্য কাগিয়া।

खेवलंद निकटे इस्टलंद यूच्ति हरेता थाकिनांद्र या नाहे। कांद्रजलिय मध्य व्यक्तियांद्र दावांत्र निकास्त्र कांत्र यानि किंदिणहिलंद, कृतियांद्र मधांत्रे छाहानिगटक छेटबिलंड किंदियां जूलियां-एकता कृतियांद्र व्यक्तियां जूलियां-एकता कृतियांद्र व्यक्तियां जूलियां-एकता कृतियांद्र व्यक्तियां व्यक्तियां खटनमं व्यक्तियां कृतियांद्र व्यक्तियां व्यक्तियां खटनमं व्यक्तियांद्र व्यक्तियां व्यक्तियांद्र विवक्तियांद्र व्यक्तियांद्र व्यक्तिय হইরা আপনার সুধালান্তির নিমিস্ট্ ভাদুশ কাৰ্য্যে প্ৰব্যৱস্থ ইয়া পাকে। পঞ্চা: खटत क्रविशांत कर्षावादिषित्रात वाक्निक् আছে ভাঁলায়া লগংকে এই প্ৰবাৰ पियाह क्रिकेश चार्ट्सन, डीहाहा (ए मश्र चानियात करांची इरेशांट्यक तन तक्वत জগতের উপকালার্থ ভারতে বাণ্-ब्बाइ इंकि क्टेर्ड बदर इस्ट्राइ अक्टि অভ,াচার নিবারিত হইবে। বাহাদিগের बाक्निकि चाहि, कांगरक्राम छाश्रीमर्शन मुच रहेरक करत्रव्हात जिल्ल किन ध्यकात युक्ति बहिर्गठ इश्व । कवि क्लिकांग इक् বংশের বর্ণনকালে লিখিয়া পিয়াছেন चन्टम विकितीयुगार भ यभ व्हेटव বলিয়া রমুবংশীরের। দিখিলয় করিছেন। रेमानीयनकारल अ युक्ति पृथ्वित विनया . উপে**ক্ষিত দু**উ চই**ভেছে। এখন** ন**ভ**াতার পথ পরিকরণরূপ উংক্রট ছল অবলয়ন कत्रा स्हेशांद्र । किछ यपि चनुशांवन कतिहा रम्बा बाग्र, जूबेज् छ एत्रय व मर्था बहा-**अत्य क्षादम चाह प्रश्वाक,कारी राध-**भर्षत्र ज्ञाकामर्याः क्रविद्य रेममाभर्गतः প্রবেশ, ফলাংশে উভয়ই ভূল্য। বোধারা প্রস্তি রাজ্যবধ্যে যদি প্রসার প্রতি वानांत अञाहात बाटक, कृषित तमान-ণের অধিকতার অভ্যাচার ব্যভিরেক ভাষার নিবাৰণ সন্তাৰনা নাই। পদু অভ্যা-চার নিবারণার্থ গুরু অন্যাচার অসুমোদ-नीत नग्र।

আমাদিনের এরপ অভিপ্রায় ব্যক্ত করিবার তাৎপর্য্য এই, ক্ষিয় কর্মচারিরা মধ্য আসিয়ার অয়ের হেতৃবাদ অরূপ সভাতার পথ পরিকরণ, অভ্যাচার নিবা-রণ ও বাপিকা রুদ্ধি প্রভৃতি প্রক্রোভন -প্রদর্শন করিয়া ইংল্ডীর্নিগের চল্ফে ধূলিমুন্ডিকেপের চেন্টা পাইভেছেন। বাস্তবিক এণ্ডলি ছল মাত্র, আপনাদি-গের প্রভূপতি রুদ্ধি করাই ক্ষিয়ার প্রস্ত উদ্দেশ্য। সময়ে মন্তি ভ্যিন্ত कुः अब्देश कराना स्य, देशांत्र प्रश्रम् । कार्यक्रवर्षः काश्वामित्भन्नः व्यवस्थ- । sispi দৰ্শন ক্রিভে না হয়, এই আমাদি 🧜 %व हेळ<sub>ः ।</sub>●

कारहत्यीय शत्त्रभंदे मानार বহুংগ্র ভাষেদিলের নিধিকার এরতি রোধ ংশিকে পারেল না। বাজনীতি এরপ ন্দ, এপ্রকার জাতীয় নিয়মও নাই। অভ এৰ গুৰুত অৰ হাত্যা যে পুণ আৰল্ম নেব প্ৰামশ দিয়াছেন, ভদসূন্বৰ করা≷ কর্ম্বা: বোখানাৰ দৃত প্রবর্গ জেন্ব-শের নিংটে আদিষাছেন। তিনি গ্রিসিশ গ্ৰণ্মেটেৰ ফ্ৰিড ৰোখাবা বাণিক। भवकार्थी इत्रेशास्त्र । खितिन श्रद्धार्थक যদি এই সম্বন্ধ শৃষ্টে: বদ্ধ হন, রুলোব জর বাঞ্চার নিবারণে অনায়াদে সমর্থ ছেবেন। তথান বাণিকা ক্ষতিরূপ বুভি আনৰ্শন কলিয়া স্বান্ধ্যকৈ যুখ্য বথা কৰিছে %1.विट्यम । \*\* भट्ठे माछार ममान्टार " এ নীতিতে ইবানীয়ন রাজনীভিত্রেবাও व्यवस्थः अपूर्णन करतम नः। (४ ८०)न ম্বারে হটক, ত্রিটিশ সিংহ তথায় স্থাসন वाक्य कहिर्द्ध कृष्टिय काच्य क्लांब क्लांब क्रांब ভাষার সমূখীন হইতে পালিবে না, প্রবর্ণার লোকেরা ভারতবর্ষে পর্ক্রীশ, ফরামী দিনামার এড়েডিকে লক্ষাধিকার ও ব্যৱস্থা দেখিব।ছিলেন। ক্রাম ক্রমে क्षेत्रा यद्वद्धि इ इक्स्ट्रिस 🗷 इक्ट्रे क्ति । क्रविद्यां ४ ९ तके समा करेटा मध्यान गाई।

**क्षिया बाह्य हार १ जानन जानन** पत्र काहाता प्रकार करेगा केकित्य । कांचक । वेक्शांत्र वावेटकाक कि ना १ शक्या काटन ৰে তাহালিগেৰ একটা প্ৰধান লোভনীয় , কোন বিপদ ঘটিবাৰ সভাবনা আছে कि न! १ देखां पि । मञ्जूत यपि बादे उँखत দের যে দে কানিয়া শুনিয়া ইচ্ছাপুর্বক याहेर छर्छ, खाबा बहेरन माजिर द्वेषे छा-क्टिक लहेश योगेबाद व्याख्या (बन, नट्टर ভাৰতে ছাত্ৰিয়া (मध्दा दग् किन् व्यामता निष्म भन्नभन्नान कतिहा (मर्थि-श्राष्ट्रि, धनिष्ठ चाहेट्स এहे सक्त च्याट्स, ৰাৰ্যাত: ইহাৰ কিছুই চইতেছে না। কুলি षिभटक (म**हे पृ**टर्कत नतात कुलाहेरा आन-रम केत्रा इए। मंश्वाहित्तरा वटल, केलि কাতা ছাড়িয়া ছুই ভিল দিবদেব পথে अक्षांत्र जोहापिशतक याहेट उ व्हेटव । বেতন ষ্ঠেক দেওগ ष्ट्रिट. जबर शांक्रिक हरेरव ना। त्रहे चार्न श्रीक प्रदा अञ्चित्र अल्ले मृत्रा, अवर शवर्गस्य ल्डेव निरखद काम मुखा भीना नाहै। यथन डाङानिशटक याखिए द्वेरहेव निक्रिहे খানা হয়, সংগ্রাহকেবা মঙ্গুৰ্দিগ্ৰ বলে শদি ভাছারা যাইতে না চাল তাহ; हरेल माखिए हुँ माट्य काशिए गर करियान। कतिर्वत । याकिर हेर्डे निश्चिष्ठ थन् किन्द्रामा कवित्व मक्त्व छत्र এহুক্ত ' হাঁ '' ৰলে। সংআহঞ্দিগেব আৰ একটা বিষম প্ৰভাৱণা এই, ভাহানা पुरे এक समहित में एक कहा हैशा हारिया। তং গালে কুলিব তালিকায় তালাদিদের নাম লেখা থাকে, কিন্তু ভাষারা ভাষা নিগে**ণ শিক্ষিত লোক। সং**কা**হকে**রা , काशामिश्रदक रथमन बिला स्मा, एकमनि बदल । ठोशांता कर्यन व्यामादम यात्र मा া সাজিট্রেট জিল্লাসা করিলে আমরা আসাম প্রভৃতি স্থান সমূহে যে। সকলে ইচ্ছাপ্রেক যাইভেছি, এই কথা म'स्त्र कूलि (श्रायिक करणा थार्यक, व्याहेन , वर्षणा व्याल क्याना कृतिका "अतिवासात » कार्माटक 'डोडास्थिट⇔ भाकित्द्वेट्डेब ़ ख्रास • वा भ वरण । व**रे व्यक** लाटकका बिद्दे वहेता वाहर के क्या मार्कि दूरहेता | महरक नकल कथा विश्वान करते। खोशांत्रा মাজুরদিগাকৈ জিজনে বাবন ভাছাবা বংলাক্তের চাপরা**ন প্রথমেন্টের** 

एर्पाताम क्यांन करव, अवश् काशांत्रा शब र्गटमट्लेड काट्या याहेटल्डाह, नकटनड এই সংক্ষাব। আমেরা অত্যুক্তি করি-एडिइ ना, अञ्चलकान करित्वहे आधारि-নের লেখার যাথার্থ্য সপ্রমাণ হইবে।

कर्त श्रम् इहेट्डाइ, क्रे अनिक নিৰারিত হইতেছে না কেন্ সহজে ष्यानरक मास्टिट्रेडेनिरगत काव किर्वन. क्षि बरे रुड्यागा कर्यहातिमिश्र स्थान-মেণ্টেৰ বাগানের মালিগিরি অব্ধি मकल कास्य कतिएक एवं। देहीमिट्शत নিয়মিত কাৰ্য, এত বে এ নকল অতি-तिक काम **उ**ष्टामिरशत माता प्रहास-রূপে সম্পন্ন হইবার আমা করা অনায়। कृति विकिष्ठेरवत अव अक क्रम त्वथानी আহেন।২০।২৫ জন কুলি আসিলে তিনি মাজভৌটের সম্মুখে উপস্থিত হন। মাজিষ্টেট অধানতম বিচারাস-य ७ श्वर्गरमान्त्रेत च्हा मक्क्नात वाक. **ত্রেও স্থাক্ষর কবেন, কুলির বিবরণ্ড** শ্রবণ করেন, সুভরাং জাঁহা হইতে তত্ত্ব নিৰ্ণয় হইবাৰ সন্তাৰনা কি? আমিয়া ভদ্মিক প্রস্তাব করিতেছি, কুলিদিপের तिविकेतात क्या मश्राद्य अक विद्याय ছিন ও বিশেষ সময় নির্দ্ধি**ট** কর। कर्वरा। अर सन (७९७ मासिट्डेरहेत উপরে এই ভার দেওর। হউক । ভিনি बरे निर्मिष्ठे पिर्दात ७ निमिष्ठे नगर्त ष्यात (कान काम क्तिर्यन ना, এই काम कैं। हाथ मानिक काटबात महबा लेडिशांव ह इदेटव । यदि भक्षमधात नः था। व्यक्ति श्रामन कतिया श्रामक्य विष्ठातान्यव मध्यार माध्य कतिएक स्थ, काश क्रेटन ज अक्रोड निक्षि व्हेर्स्य मा । ज शर्याप्त चारेन क्रमाथवाडी स्त्र नारे, तारे श्रामा-क्षम दनवे केंब्राइति हरियादा। प्रेकि अरमह स्मीमशाति १७ ७ वाश आकः पत्र क्षेत्रप्रक गाउ।

नव सम मददस छ त्रम करम । अन्न करत्वा जात्र उदर्दित भवर्गन নরল প্রকাভ অব্ধি বেলগুরের কার্য্য भाजीत स्मर्थि मश्रामाधन विषया मर्थि-व यञ्ज्यान इंडेग्राट्डन। अक्टन व्याटहा-গণ যে কিছু স্থবিধাতোগ করিতেছেন, ভেন লয়েজা ভাহার মুগ। সভাতি ারভ্ৰধীয় গ্ৰণ্নেন্ট এক পতা ছারা क्रिक्टवर्षीय (उनकात रुगम्भागित वरे ধা জানাইয়াছেন, ভূতীয় শ্রেণীয় জারো গণেব নিকট হইতে ভাঁহাদিগের উপা-দ্বের অধিকাংশ টাকা সংগৃহীত হয়, ত্রত উচ্চিদিণের বাহাতে ক্ট হর ক্লপ কার্য্য করা, অথবা কট জানিয়াও চন্নিবারণের চেটা না পাওয়া অতি অসু চত কৰা। আড্ডায় আড্ডায় আৰশ্যক দাৰ্ঘ্য কৰিবার নিমি**ত নিভ্ত স্থান এ**বং मार्गा ७ भारतत बना नवाहे कता क-§ৱা। যধন পা**ত্**য়া অধৰা বাণীপঞ রলওয়ের সীমা ছিল, তথন এ সংল দেশাৰক্তের বড় প্রয়োজন ছিল না কিন্ত (ब्रज्य विश्ली १ **र्य. ४ इ**यहाटक व्याख्-ভার আভিভায় এলপ ব্যবস্থাকরা একান্ত আৰশ্যক হইয়া উটিয়াছে পুৰ্বেধি **লখৰা** বিশেষ প্ৰয়োজন স**ৰক্ষ** ব্যতি-রেকে কেছ প্রায় প্রদেশান্তরে গমন করি তেন লা, কিন্তু একৰে এক সপ্তাহেৰ অৰ নর পাইকো অনেকে ৰঙ্গদেশ হইতে উত্তর পশ্চিমাঞ্লে এবং উত্তর পশ্চিমাঞ্স **म्हेटक क**क्षिक्र कांत्र व्यालयम कट्टन । (न-পের কোঝার কি জাছে ? তকর্সনে এবং भद्र**ण्या** इत्र विक्**रि** देशकी वृद्धान कथन व्यातक क्षाप्तिकात मृष्ट्र कविशासि । कित-काका छ हा कात्र (लाक किटबर भरकाट दर्द বে প্রকার পরিচর ও বন্ধুতা, আগীগড় ও আগবার লোকদিপের সহিত ক্রমশঃ दमहे अवात स्ट्रेटक्टर । यह केटमणा गांध-नार्व (त्रमंद्रदादक समन सारमाकः। किन्द चारत्रास्त्रियः योग भटन रुष्टे एः, चानः

। (कत छेरमाइ कम बहेता साहेटक लाउत। সৰ জন লৱেন্সের পুরের ভৃতীয় শ্রেণীর चारतारिक्तिर पुत्रान कुकुरतत गात काम ক্ষিয়া ভাহাদিগের প্রতি তব্রুক্রণ ব্যব হার কৰা হইত। টিকিট লইবার কউ, भक्ट डेठियात्र ममस्त्र क्षक्तिमिरभन्न नि কটে প্রহার ও অপমান হইত। এবং (छेनन मास्टेरतता भक्टणे स्थान **पारह** कि না ভাষা বিবেচনা না ক্ৰিয়া যত সাধ্য লোক এক শবটে বগপুর্বক প্রবেশিত করিয়া দিভেন। এক্ষণে ইহার অনেক কট কমিয়াছে। যে কিছু আছে, ভাহা রেলও (शब व्यक्षकिरिशव (मार्ट्स यक ना इडेक এপেশীয়ও নিম্ন শ্রেণীর ইউরোপীয় কর্ম षातिमिश्यत्र स्मार्य **स्**रेग्रा थाटक। **4** ठ-ক্ষেশীর প্রহরী ও টেসন মার্থবেরা স্থদে শীয়দিগের সম্মেটেবৰ প্রতি মনোযোগী क्ट्रेटल अ क्ये आह थारक ना। शर्गर **ब्य**नत्रथ **करमणीत जा**रमा कप्तितत्र विभिन्न ষ্টেমনে পৃথক সৃহ ও পৃথক শকটের প্রস্তাব করিয়াছেন। এ হটা করা অভি আবদ্যক স্ত্রীলোফদিগকে টেসনে আ-সিয়া রাজ্যের পুরুতার মধ্যে অবস্থান করিতে এবং **অনে**ক তথে **অল্লীন**ত। দৃবিত ব্যঙ্গ ও বিজ্ঞাপ শুনিতে হয়। পূৰ্থক গুহ থাকিলে এ অপমান হয় না। পুথক শ্রুট না থাকাতেও স্ত্রীলোকদিগতে **क**्नक मम**्त এই প্র**কার অবমাননা সভা करिटठ इत। याँहाडा ब्राजिकारन जी-त्नाक कहेगा (बन खराट्ड वितारहन, উচ্চারা আনেন ঐ সমযে নিম্ন শ্রেণীর মাভাল ইউরোপীর,ও ছুশ্চরিত্র এদেশীর মিগের সহিত ভ্রমণ করা কেখন কউকব। भदर्गत व्यनवन अधियात एवं व्यक्तात व्यक्ता विश्वीद्यम, अवस्मीदत भीख योशास्य कोच হর তাব্যর অভি দৃষ্টি রাধী উচিত। পঞ্চাৰ ৱেনওয়েতে পৃথক সকট আছে **प्रवादनात अञ्चल (इंग्लॉनि पारनक** ছলে জ্রীলোকের শক্তে পুরুষ উঠিতে

(सन का । चाउवद मक्लं (इलक्ट्रिट्ड এরপ না হয় কেন ভাহা আমরা বুঝিটেড পারি না। গবর্ণর কেনরলের আর এক विषय महमारवाणी एखता कर्खना, विम ভৃতীর শ্রেণীর শক্টে আলোক দিবার শক্তিন দেন, বিশু ভাখা অন্যা**পিও ব্**য नारे। अजी एरेटन नक्तनाथात्त्व जीकात িনিকটে অধিকতর বাধিত হইবেন।

सुरुव जुलक।

১। দক্ষীত স্বতাৰলী। প্ৰশিদ্ধ কৰ্মক ভূত <del>শ্ৰি</del>ধর কবিভূষণ বে সমস্ত স**্থী**ত রচনাক্রিরা যান, জীযুক্ত পরমেশ্বর বেদরত্ব ভাষা সংগ্রহ করিয়া 🥶 সহী 🍜 त्रष्ट्रावनी " नाम पिया मुख्यित 😻 अन्त তির করিরাছেন। ইহাতে নানা বিষয়ক সন্ধীত আছে। বেষরত মহোলয় এই कार्यांने कड़िशा स्करत स्व कोदन कीर्क স্থায়িনী করিয়া ভাঁছাকে চিরন্সীণী করি-লেন, এক প্নয়, বিন্ধেশাস্থ গীত গুলি রকা করিয়া সাধাবদোর ক্রডজেন্ডা काकन इंहेरणन ।

২। সংবাদনার। এবান পাঞ্চিক পত্ৰিকা। মুধসিদাৰাদ হইতে প্ৰচারিত **হইতে আরম্ভ হইয়াছে: এথ্য থণ্ডের** লেখা যেত্ৰপ ও বেরূপ বিষয়ে হস্তক্ষেপ করা হইষাছে, ভাষাতে ইহা ক্রমে উন্নতি শীণ হইবে, অনুসান হইতেছে। সম্পাদ- (क्व विवासमञ्जा क्ष्मणीत किष्णिक चतु-রাগ দুউ হইল। আমরা পরামর্শ দি-, কোছ, তিনি যেন এ অসুরাগ পরিজাগ यद्भम । एव नमारकत्र जीरलारस्त्रा स्मान ব্দনে সাহেৰ্দিগের সহিত পানভোক নামি করিতেছেন, তথায় জীনহাল বিষ্যা-লয় হইবার সময় হইয়াছে, একথা বলিলে ष्यकृत्तिः स्वाद्य मृत्रिष्ठं स्वेद्द्य द्याना ।

· রালাবাটছ সংবাদশাতা লিবি-सार्ट्सः--

১।১০ই পৌষ পুর্নায় হল সার প্র জীনি

क सूर्य शिमी सिन कार पे हेड़ (दराय छ एक , सारहत, भाग कि नेप एहन, अवर में। सा र्श्वपाही মকেলের কেশব বাবু সংবাহেশানে যোগ প্রভাতি महामध्यम् । यम् । सम् । अभ्यास्त्रम् । লন ভাঁগাক বালক গণেব নৱীকা এছণ চরিবা এবং এখানকার রোন ব,ভিড় হেছে। চরার ও অবৈজ্ঞানৰ ৮০৫৫ উত্তানি সকে। শিখা ले.कड्राच्य, हेश च्युण इंग्लंड बहेला विद्यास साम्राम् ।কংশ ক শ্ৰাচেন । ধৰি কীনেমাল বিদালয় গ্ৰাপৰ প্ৰাৰ্থনায় নেপ্টন ট গৰাকেৰ নিকা সংক্ च करियात क्षम, **व्यक्त**ल, का फालाक उञ्चलका र्मित्रम् तिप्राद्रम् । स्वत्रद्र स्मा, ह्य छ।० প্ৰাৰ প্ৰবিদ্যালয় ডাছাতে স্থীনশ্ব চনৰ অনাস भाषा अस्तिमक व्यवा क्यांन्याच पात्र हो। বি মাৰু জীপোপাল পাল চৌগ্ৰী মিন কংশু हेड अञ्चलक अञ्चल अञ्चल का का 🕡 🥱 🖫 ।भू विष्ठ के हेव, छ। यक्ता करियार्ट्डन ।

২ : সম্প্রতি এধানকার তিওক ঘোষের বিচনা র্নির মুধ্য হওয়াটে করতে। পুর্নের উঠা বর্নির विकानियाता । इठ मार्थ बालेग्रा उपलान এনক করেয়াছেন। কিছু এপর একটা প্রতিলান ।শেনাকে মৃত কাজিং পুত্ৰবৰু কটায়া পালচয एक्टर । जो खें जे कारतक हिन क्यारन हिन का । থং উহার প্রতিবেশীর। কেং কে**ছ ম**য়া-रिटाइटइ। अर्थका कामबा भूमियरक सहस এতেছি যেন য'ত। নি**রূপ**ণে আস্তুনা হন।

.का किছ भिन एहेन, একটা ভোগ ইয়া ব∉সংখ,ক লোক পী∫ড়ড হয়, बद्धाः मान्त कारमह (१०) मुद्धः वृहेप्रोट्ह । ५१५ हो केरिट करहता. अवता येव कराव अस महरू। শ্রামানের নত ভাজেবের শ্রামান বস্তা विवेद्र व नदा अध्यक्तात (गान अध्या अञ्चल वस्तराज्यसम्बद्धाः . ক'শ্রুল"ক ং,ডেন। তান সেটা পুরু कह रहेश। मरूपाल यान, जनः व्यापनादक ङ्ग्रमा¤ भारती च.लग्ना भारतध्य त्वता आयश्चर वरकारन हिन्दिः ना वत्यनावनै मधारक्षय वर्ष क्षित्रे कर्त्य करवृत भवतः, छ बन्दा विष्ट्रः पदाई पार्टः। াল্টা " ডিংনা ৯ ধারী ভারত সলবর

য়াছেন। ইনি এখানে থাকিতে যে ৰাড়ী সাহাং কারতেন, পুর্নোক্ষ ব্যক্ত সেই বাড়ীর লোক. গুড়বাং সেই সুত্রে ডিনিও ডাজুর হইয়ারেন , .वाध इत, अथन खार विश्वांत्र कार्त्रेया हेर्टीं व टार्ख নঃ ঋণন ৰৈ কৰিছে কেছ লাপ,তি ক,হিখেন নঃ।

# বিবিধ সংবাদ ।

১৭ ই পোধ সামবার :

মহাবাজ সিজিয়া ইউবে। শীয় দগকে আপন व.क. बर्य, मुश्रमा क.त्र.क विद्यम कावग्रारह्म -भवर्गमाने भाषानिहत्व हर्षा अन्यात्र देनमा अ-বেশ ব (ইণা ভাষা আগে ভাগে ব দিকেন হা)। প্তাতি কৰা বি কোনবল কথন পোলুটালগ্ৰ সুশ্ন कर्रन 'डचन ब्राक्ट कीकाद महिन्छ प्रदर्भ याहेरू হলেন। কিন্তু জীহার পাস্থে তল্পার প্রাকাশে मानि अरवन कर्निएक (भग्न माहै। कारन, । नग्रम হইয়াতে কেলা মধ্যে ধোন এক্তবেশীয় কল महेला वार्टिंग भावित्यम मा। अहे विविद्धित पूर्व के जाका इहेगा भागत्व।

त्य विकासन कथाठविद्यक्ति आकश्चर्य असिका ধুলিয় প্র'ক্ষাৰ কাগজ চুৰি কবিবাৰ অপ্লাত क्ष्मि वर्ष्ठ सम्योग कवा स्त्र, डाहाद अव काक बामवाव कार्यम निद्या नुक इहेताएक।

খেল্টারণ সূত্র পাণ্যকর্তার স্ত্রীবাই ভাঁলার পুনাবধ্ ছামের কার্যের ফেন্ডাবং'ন ক্তিয় থাকেন। সৰ সাইমৰ ফিটজাবলডের পুত্র গাছার .भाषनीय मरक्रकात् स्टेब्रा कामिटङ्का ।

माञ्चादव २७,००० वाङ्गल आहरू, ६५० প্রিক্রিক্টতে পারে । ইয়া দেবিয়া তে স্বায়ী । মধ্যে ২০০০ কড্রান্ত উন্মন্ত । কিন্তু ভারত্য গ্রাবর্ণ (অধিক-: ভাজনু গণের সাবদান হওর। ভাচত। । মে: টর বারুললেয়ে ১৮০ ক্ষম কান্ত বারুলেব के 🕍। ও মান অভীত ১৪ন, এথানকার স্থান আত্র জাত লেপিয়ব সম্প্রতি কবিবনে 💐 ব্রিক্সাণ যুবক ডাজ্ঞানি করিবার জন, যার 🕴 এক মেনিট লি। ধন্ধাছেন। তিনি আক্ষেপ করেন **ক্ষ্মি বাবসংখ্ৰ ডাৰে কৰিয়া মহন্দলে ব**হি । জী, পুকৰ উভয়বিৰ বাভুলকে এক স্থানে রাখা হাইবিটিছন। জাগ আপনার পাঠকল হয়। যাহার। আভান্ত ভবত, ভারাটেগের জন, পুথক বৃহত্ত পাছে ভাষারা ছেলালে আঘাত করের ভাষা হত্যা কবে, তার্নিক্ত দেয়ালে हुन, बनान मन्हे । यद्गैय मक्कानस्मत्र क्राम माहे । लघ भारेजारम्ब स्थला हिस्सान मृत्री क्यू मा । এछ-ছির সমতে ময়লা নেবিতে পাওয়া যায়। আপা फफ २०० (मारू शहर अगल अवनी ऐश्कृष्टे बाङ् शामम् शक्क कवितात शक्काव श्रेत्राहर । रण-विक्रांकी अवस्थ और (14 g lit pa) (p. कर्ब (माइन बाबुमानक जरूरत अ. नकन व्यक्तां

रम्'त्रुर्तका वर्भव ना कितिर को विनाह कृषि ' अक्षाक मह क्ष्क अवारहरहेव मुक्त कृषेत्रारक। | (सत्र ( शक्कशक्कर ) कृष्णारक क्षेत्रकारण

हैनि विराप्त अवादा है अर्गण शकाम करहम। बहेरी अधिकीर महार महस्राक अर्मा छ ।

গত বুধবাৰ মিদ কাপেটিয় হাৰভাৱ এই উপদেশ বেন। खीनिका ও खीलाकिकिटमाई <sup>रे ब्र</sup>िमारन डेल्टनरमा श्रवान डेटपन्। अप्र वावि बाटनव अथन (स्टेरन हरे **७**०५की जी है भामस्य अखिनयम कवित्रमः।

आमा आक्रानिष्ठ रहेग्रा क्षकान कविर्द्धक्रि, কানবভাবের বারু প্রেয়নাগ হ'ত ও তাঁই'র ওপ-বতী জী আগনা দগের বাটীতে এইটা বালিশা বংগালয় স্থাপন বংবির'ছেন। ইহার মধে। ১৪ স रा नका इहेब्राट्ड : नियम भठेन अवर रूस्टन াক্স শ্ৰহা আৰম্ভ হইয়াছে। বালিকালন দে ্বনা ব যে শিখিতে হৈ ও'হা বলা বাছল। এফ क र पष्टी छ अञ्चयनदवन्न छिन्दु छ ।

স্প্রনিত ভক্ষ সাহেবের বিদ্যালয়ে ( ছাত্রনি-নের পুরস্কার প্রদান সমধ্যে সভাপতি উচ্ছে াচেৰ আফেল কৰিয়াছেন, এডে শ্ৰীয় নাৰ वाज्ञ रातम हिटेडबीवा (अरवानशरकः जन्मान কেবাৰোৰ হয়.) শৃহীয়ানদিগোৰ উপৰাৱাৰ কে ন বিদ্যালয় অথবা অন্য বৈষয়ে চ'াৰা দিছে वर्णन मः अर्थरण (यमकल दिवतालय व्हेन्नार्ड ভাহাতে ইহঁকো চালা দেওয়া জনায় বিবেচনা াবেন। মধ্য পুড়ীর'ন মিদনবিগণ এফ ফেলী-দুদিরোদ ভানা কাচ বিদ্যালয় স্থাপন করিয়ারেন। । मननिशान अविषय स्थाप छेशकात कत्रिया हिन. তান কোন্বঃ ক অখাকাব কয়েন ?াকগ্ৰ উড়ে। সাহের নিজে कि चीकात करण्य ना, पृष्टे पर्य शहलन जिल्लाहरणत क्षरान केरणमा ३ (अ.८) है। के देश्वाकतिर शत कछ कर कावनिक विन्। मार्यस्य स्वनः होमा निष्ठा चारकन ? जामता कः चिठ हरेगाय, किमि अवर्ग्य के विष्णानत असू स्व भारतम्बक प्रदेशा " वर्ष » छ । जिरेदन नहेव्या कारणान्य कविरहरका

কলিকাভার কার্ড বিশাপের,মৃত্যু হঞ য়'ডে বাড ফ প্রো:প এক শোক্সচক গ্র লিখিয়াছেন।

हे 'शिनमास बरनाम, मध्यक्ति श्रामालय विश् तानव क्रमान मानिएक्रिमिश्क अहे चानुन फर्निन। क्रियाएक, केश्री विशेष कार्य क्रम করিয়া থাকেন, অধচ শীল্ল ইছা দিগকে**ই ভালের** কাল করিতে হইবে : পুর্বের না লিখিলে এ কার্ব্য উত্তমন্ত্রণে সম্পানন করা কঠিন, এ কথা সভ্য।

উক্ত পত্নে এক সম গোংকপুর হুইতে লিখি ভারতবর্ধের हैं श्रामा महारायक निर्माणक महारायक निर्माणक महारायक महारायक निर्माणक विकास

শনিবার জন্টিসদিনের সভা হইরা উইলিয়ন
পারি তেবিস সাহেব সহকারী সভাপতি মনেনীত
হইরাছেন। ডাউলিস সাহেব পারিসের প্রদর্শনে
ভারতবর্গীর কমিননর হইরা হাইভেছেন। ডে
বিস সাহেব ছর্তিকেন সমরে যে দক্ষতা প্রদর্শন
ভরিরাছেন, তাহাতে ভাঁহার খাবা বধার কাজ
হইবে সভাবনা করা হাইতে পাবে।

গত গোষত্বক ইংলগু ও ওরেলেনর ১৯. ৩৫.৩৭১ টি গরুর মধ্যে ২,৭৩ ৭ ৮ টের পীডা হয়। ইহাব মধ্যে ৩৩৪১ ৩টি আবোগ্যলাভ এবং ২৭৩,০০০ প্রাবভাগে করিরাছে। ৫২৩৭৭টিকে ভয়ে বধ করা হয়।

আবেরিকার মানেবটেন প্রদেশে ছই জন কা.কু ব,বস্থাপক সভার সভা হইয়াছেন। সভা পতি জনসন কান্তিনিগকে রাজনীতি সংব্রাস্ত অব্দানে অসমতঃকিন্ত সর্বানাধারণ ও মহাসভা ভীহার মত অগ্রাহা কবিতেছেন।

शिक्त एणि वहें वालन वृद्धिक क्रिमममर्गमाथात्रान्य मन् एवं माकीशिक्त क्रयानविक अका
क्रम्मान क्रिएएक्रमः। क्रेट्स्य लाक
शिक्षय मरकाय क्रिएएक्रमः। क्रेट्स्य लाक
शिक्षय मरकाय क्रियाह महामजाय श्रिमम विद्यान
हम, अक्षम क्रयाह कर्य क्रार्थ विवय विश्वा
क्रिएएक्रम मा। क्रिममयम ए क्रयाद क्रम्म
क्रिएएक्रम मा। क्रिममयम ए क्रयाद क्रम
क्रिएएक्रम क्रां। क्रिममयम ए क्रयाद क्रम
क्रिएएक्रम क्रिएएक्रम क्रां क्रयाह्म क्रयाहिक्म,
क्रिएएक्रम विद्याद क्रयाह्म क्रयाह क्रयाहक्म,
क्रिएम् विद्याद क्रयाह्म मन्त्राह क्रयाहक्म
क्रिएम् विद्यास क्रयाह मह्याह क्रयाहक्म
क्रिएम् विद्यास क्रयाह क्रयाहक्म
क्रयाह क्रयाह क्रयाह क्रयाहक्म
क्रयाह क्रयाह क्रयाह क्रयाह क्रयाहक्म
मा। क्रयाह क्रयाहक्म विद्यास क्रयाह क्रयाहक्म
मरवाहण्य या मर्युक्सिक्ष कर्या मरहा।

विकेशिनाम जिन्दा विकास विकेश कर व इत दरेख? व्यावता व्याप्यण कतित्रोकिनाम गाउ भारता बनित पूर्य खरेम अब देख व्य भक्केशि भवसीत्रम्यत व्यक्तिय कर्ड द्य । काहात भत क्राव मूकि प्रीदिन क्ष्मा दरेशाह, क्षित हरे निरम्य भी व्यक्तिय क्ष्मा स्वत्रा (प्रमक्षा नि-विकास मण्ड्य व्यक्तिय क्षमा क्ष्मा व्यक्ति । চীন হইতে সংৰ'দ আনিয়াছে করাসী সৈত্য গণ কোরেয়ার অন্তর্ণত কা এহাও নগরে বে লু ই কবির'ছে, ভাষাতে প্রকাশ পাইতেকে কোরি বেবা অভিনয় সভা ভানত। কোরিয়ার রাজ্য কীর পুত্তকালর ভূঠ কবির। পুত্তক সকল পানিসে প্রেরিড হইডেছে। স'লের নিকটে ভরা নক ঘর্ণ বায় হইয়াছিল। ইয়'চোহালাতে ভর' নক অগ্নিকাণ্ড হইয়া লেনীয় নগতেব ভিন অংলব করিকাণ্ড হইয়া লেনীয় নগতেব ভিন অংলব হই আ শ এবং বিজেনীয় বিভাগের গাঁচ অংশের একাংশ মই হইয়াতে। ৪০ লক্ষ ভলাব মূল্যের সম্পত্তি নই হইয়াতে। বিদেশীয় লোক ও কনসলদিসের সর্মণ্ড ওও টি বালী দল্প ভ্রমাতে।

#### ১৮ ই পৌৰ মঙ্গলবার ঃ

সম্প্রতি নাম্রাজে একখানি মৌরা জনমন্ত্র স্টায়া ডব্রত্য নিউনিসিপানিটার স্ভাপতি কর্থেল টেমপল কাপ্তেন হোম ও মিস বিকার নামী চুই ভারিনীর মৃত্যু স্টায়াছে।

১৮७६ वृद्ध कनिकाला इतेएक २,३०,०३ ०६॰ এदर १৮७७ व्यक्त ४,१৮२५५२१ है।कार इना इक्षानी रहेबाएए। किस अवस्मत कुना का लकाकुक क्रम क्सानी इतेद्व ।

ইংলিস্থান অবগত হট্যাছেন গ্রেণ্ডিল গারোপর্বত সমূহ একজন প্রধান জেপির সহসারী কমিসনবের অবীনে এক বিভাগ সক্ষপ ক্রিবার মানস ক্রিয়াছেন।

खेळागद रामम निवरमूग रहेएउ जनविश्व ज्ञान क्रिया क्र

আমরা বেবুন সোনাইটিব গত অধিবেশনের
কার্যা বিবরণ পাঠ করিয়া চাখিত হইলাম। সমাকার্যা বিবরণ পাঠ করিয়া চাখিত হইলাম। সমাকার্যা করিয়ার করিয়ার থা এবার
সমাজের কার্যা বিবরণ প্রকাশ করিয়ার টাকা
নাই। একংশ ২৫০ সজ্য আছেন , কিন্তু ভাঁছারঃ
নিয়মিত রূপে টাকা প্রদান করেন না। সমাজের
কার্যায়েত বিষয়ে বিবেচনাথ একটি ছাত্রী সভা
হইয়াছে। সভাদিব্যের চাঁদা প্রদানের বিষয়ে
বিশেষ কৃতিরাখা উচিত। চাঁদা নির্মিত না
দেওরা এদেশের একটি গোষ। ইউরোপীয়েরা
কি এই রোধ্যে আজ্রান্ত হুইলেন ?

একজন মাজি জন্মতি পদ্ধের নির্দেশের অধিক আরোহী ও প্রবাধ লওয়াটে ক সকাভার মাজিক্টেট আহার করিন পরিজ্ঞানের সহিত এক মাস মেরাদ দিয়াছেন। সামান্য জরিমানায় এই অমিষ্ট নিবাবিত হয় মা। তদ গণিত ইউরোপীর হলের ভারত লান প্রথপ'নে উবাত হইরা নেজিলের কবেদ তলবার বারা আক্রমণ করিবার রাহিলেন বলিয়া তাঁহাকে সামরিকার অর্থণ করা ইইরাছে। সেমাগলে এ ব্রুক্তির ক্রমণা অবিক ইইডেছে।

नारमंत्र क्रिक्स बर्गन, श्रमाहरी निवक्त भग, रुक्स मेडे स्ट्रेगड़ क्रिक्स अवाद जामाद्र भाग प्रश्नात वह क्राह्मि भिन्नी व नारमाद्र रामसाव क्राह्मि

দিল্লী ও লাংহার হে**লবন্ধে ক্রম্বর্কী** হওয়াতে উক্ত শত্র আক্রান প্রকাশ করিব

আমেরিকা ও ইংসাণ্ডের
লোক চিকিৎসা বিলা নিকা ভারতিকা
সম্প্রতি নিউইয়র্কেব ডাজের মেরি ওয়ানাক্র লগু আগমন কহিয়া এক বজু ভা করিবারে সভাস্থান ডি.ন পুক্রের বল পরিধার আসাতে খোড়বগ বির্ভিত প্রকাশ করেন। স্থানোকেরা চি,কংসা নিকা ভারতে কাহারও ভাগতি নাই। কিন্তু

সব বাটন কি য়াব অব হইতে পড়াের আই যাত হইতে আরোগ্য লাভ করিয়'ছেন ই বিনি ভারতবর্ষ ভালের পূর্মে নিকু ফর্মার্ড কান করিয়াছেন। নিকুর ক্ষিণনারের কাল করিছা। নর বাটল প্রিয়'র প্রথমত বল লাভ প্রথম দ বোহাইয়েন মৃতন গ্রহতে আনিতে ক্ষিণানি বালাইয়েন মৃতন গ্রহতে আনিতে ক্ষিণানি বালাইয়াক বাজ প্রেরত হইবে।

কলিকাভার ববিক সম্প্রদায়ের ক্রিকালার ক্রিকালার ববিদ সভাপতি কাভি না ক্রিকালার সাহিত্য করিছে করিছে করিছে করেছে করে

বীলগিরিব গিছোনা বৃদ্ধ সকলের অন্ধানীয়ার ক্ষম্য লাভ ক্রাণবোৰণ ক্ষম ক্রাউটন জ্বাহিত্ত বাবিক ১১,০০০ টাকা বৈভানে নিযুক্ত করি স্থাহেন।

১৯ এ পৌৰ ৰুগয়ার। 👸

গতকল্য সন্ধ্যার সময়ে একটি অক্ট্রিক্ট্র লোচ নীর ঘটনা বইরা গিরাছে। গবর্ণমেট্রের যায়ানে বংসরের সূতন দিন উপলক্ষে যে শক্ষে যানার

क्रम्प्रीय विश्वत्र रेडिरवाणीय १४ व व व व क्ष कार्याक शमन कत्रिया हर नन क महिल्ला हैवान सना कान हवतीय जनकाय ল<del>সংটিতি</del> ছুইখানি পারাণীধ <del>স</del>ৌর জংহাঞ क्षिक्ती (बहा e हात्र मभद्र " व निकास," क्षित्रीभाम इकेटल कान्ट्रिंग स्टाह्म त--क्षित्र महाव महत्रा (इस्तान । हेर्ड लिएनन महत्र तिम्रखेरलाइनद्र मृथ्या प्राप्तिक हिना। क्षेत्रक बार्ड कड रहान खार्या है कि साथ। **টুট্নৰ আহাজ আনে কলিকাতা**ল জাবিশক এবছ সমরে একখানি জনমন ফাছারেন হৈ কাইকৈ পড়াতে তলা কাইবা কৰ্ণা में केंद्रिके मानिया। सबे व्यवका नर्गाम व्याद মিত্রের ক্লিয়ানক কোলাহল উপিত হটল । **ই উদ্ভালে, অ**ধিক গাড়ীর ছিল লং হ'বড়া विकास, छवानि कारमरशत विवय के न्त्र শুন্ধেরা আডলয় ভাষ পরতন্ত্র 💵 वा के किया है हैं एउ तोका अदर अक था न कि हिर्म का नित्त दिय दरेशा अरू वर **বিশ্ব মানিবে সকলে বা চিতে প্যাবিভেন** ি গ **রেট্রু রাপ** দিয়া দলে পড়িংত লাগেলেন **वर् हेर्हाविश्वतः करययक्षरम्य मृत्रुः स्टे**र्धाप्तः। अप हो प भूका। त्व हरेश कान भएन। दिवास्कापरभन्न थक.वण: क्या व्हेटक शास्त्र कि ह 🖏 📆 🐧 এই ভীক্ষা দৰ্শন আই তল্প গোড়েয অভিনেত্ত কোম্পানির আব এবধানি াহার ক্রাইতে পিথা চড়ার বন্ধ হুইগারে: ক্ষ্মীর ৯ কাপ্তেৰ টোলং এই সময়ে সুগা हिल्लान कर कापराहर औशदा शब्द हित्राहरू । कद्रवात्र अध्यक्षान काद-हिन्द्र क्रिक्न मृज (मह १८०४) क्षियाहरू. इ.स.च्या क्ष्मियान स्टेट्ड्ट्र, पूलियावर्तम वाहित्सः। स्वारंत्रः अवर्श्व व्यक्तः हैंबरक न*े*डिंदिह डिल'अड इन करिन्द्र कोष्ट्र बहे त. बाइजात अनियान अकरन क्षेत्रा विशेष विशेष

নৈত্বীয় অভোষৰ মানে পিল ডিল টাক কেন্দ্ৰীয় কৰিছিত টাকা মুখিও ১০য়াকে:--

- FIFT

श्रीहरे :

8 77'##3 54 <u>6</u>4.

2,41,402

85,97,630

किन्तिकाका श्रीवाद्धाः अव जीकशास्त्र विस्तिव किन्तिका सम्बद्धाः

কৰিক।তান ঘে'ল নৌড়ে এক ভাষি বং এক মল বাধ্যা সই বাজী ২০ এ .প)ৰ হৃত্পক্তিবায়।

কলিকাভাব হঠিক নিবারণীসভা সর্মপ্রেম क, 8 ७, ६२० और है। का भर अह कविद्राहितन । इंहार बट्डा ०.१७,७२७८।३४वाब ववर३,७७,४० লখ/:• উদ্বাহইয়াছে। কলিকাভার বাছিতে त्रक्ष २,३२००० होका अस्त्रन वस्त्रवा **छे**९कल ও মেনিন পুনের ভাষ। এক লক্ষ্টাকা দেওয়া इध । किः १९७१ को एयं बाविय काना १०२२ १० शंका काम कहें।एक। लख **व क**लना ४०० √० ''কা বংয় হয়। > বা নবেশ্ব বংটী **পুনঃ হয়**। ना का कर विदेशन का कि शाका है है जाना माजीना क हइश्राटक। माकु लेक्क्ट्रिय निक्षत प्याञ्चास व कीर पर ७ ६१७ ट्राको व,य स्टेब्राइड । **एक्टिव** डेन्सि-। १९ च : १८३। वा नेर कार्य ने कत्र मि छ निरंशव প্ৰিচ যুখোটিত ৰয় প্ৰকাশ কৰিয়াছেন ৷ বিংশ নতঃ মনেবা এবাটাৰ সহিত কোন সংস্ৰাহ বাখি ্বন নাইহাজ্যবদ কৰিয়া শিক্ষণৰ অভিশ্ব हर्राचल बहेर दिहा। हेश्रीनशरक नियम श्रीम स वाजकविषादक मूर्यत्र कथा निश्राम क्षेत्रकट्टाः ত্রিক্ষরিবাবনীসভা ২৪৯১৬ টাকা বাবে ১১৫ ১৫ জন সনঃপ্ৰেক জাপন আপন গামে প্ৰার্থ কবিয়াছেন।

मनः श्रीवन्दर्वत इतिनाष्ठ भवतन। वृष्ण्यः गणनः कि देशतहर्वा जित करियाद्यम अवादम नवादित्रेशत प्रानिक कि श्री क्षियः किलान नाद्यः नव श्रीवास्त्रादः अञ्चलक्ष्मी अवर्गम विषयः नियाद्यम त्व मनन लाक श्रीक अनः त्व ७० कि वृष्णात्रम त्व मनन लाक श्रीक अनः त्व ७० कि वृष्णात्रम त्व मनन लाक श्रीक अनः त्व ७० कि वृष्णात्रम त्व मन्या किम स्थमत्व कियम नावा क्षेत्र क शाहित्यम, काश्रीक निकत्र २० अकाव प्रामि न व्या हरेल्य।

श्वनाः हेव बाह्यार व्याष्ट्रा वाबाई नवर्राय के : निकटरे आदिशम के ब्रिय़ दिवस, ब्रांका केश्स প্রতি অভ,ত অভ,াচার কবিভেছেন। মুলরাও মাদ্দেশ কবেন, গুর্মে ভারার সহিত শাহান गोहार्थ देन, विश्व मध्यत्वि विवास स्वयादक বালা জীহা। জীবন নাশের জন্য খাদে।র সহিত विष (मा : रे) गरह विष्काही जञ्चम'न कविवाध স্বর এক বিলোধ স্বচৰ টেলিপ্রাম ভাঁহাব নামে প্রেরণ নরাম : জিমি উট্টের সম্পত্তি বাজেকপ্ত করিয়া খাদেশ হটভে বহিষ্কুত কনিবাছেন। अवर कें शत क्षमध्यमिश्राक काश्वास्थ करिया (करन (शन) जाका थाहेरड मिन्ना विक्रम अति-য়াছেন। মূলরাও আরও মালীশ করেন ব্লাক্তা উট্টার জীকে এক ময়লাপূর্ণ অক্ষকার কারাগ্যহ ক্রম করিয়াছেন। ডিনি ডাইনিছ প্রার্থনা করিয়াছেন, বেছেরক উছার পিডা জি

मिन नवर्रयरंत्र का प्रमाण नवस्य ित्य ।

भिन्न जीराव कार्यारा कामाव कामाव निर्वय ।

भूनवाक वर्णम रव के शास निर्वय निर्वय कामाव कार्या कि व्यव कि कार्या कि वार्या कर ।

भूनवाक कि वार्या क्ष्या क्ष्या के वार्या के वार्या कर ।

भूनवाक कार्या क्ष्या कार्या के वार्या के वार्या कर ।

भूनवाक कार्या क्ष्या कार्या के वार्या के वार्या कर ।

भूनवाक कार्या कार्या

ত বংসর গত হইল, সিংহলের কালিকর
মরিস সাহেব ভথার চাব চাব আরু আরিছ করেন।
কর তাই। কাল হয় নাই। এই হানা সম্প্রতি
সিংহল গ্রাধিন ট ওাঁহাকে ভালান ও পঞ্চাবের
চা-ক্ষেত্র সবল দর্শনার্থ প্রেরণ করিয়ালেন।
মরিস সাহেব কলিকাভার ভালিবালেন। তিনি
শীল্ল আসাম ও কার্লান্তে বাইবেন। তথায় ববো
চিত্ত অনুসন্ধান করিয়া তিনি রে হন ও কাঞ্চারাব চা-ক্ষেত্র কেথিয়া সিংহলে প্রতিশ্বনন করিন
বন। শীল্লিরিভে চার চাব ভাল হয় নাই, অভ
এব আ্যানিগের বোগ হইলেন্তে নিংহলে ভাহা
হবৈনা।

निर्धेष्णार्थः पूनर्तात विद्याह इहेन्नाइ । बहे नकम विद्याह देशनिद्धः महिरात जानाता हहेट्ड : या पिन जादिशवानिद्दत साण ना हहेट्ड एक पिन जावना नस्स मस्स ''विद्यारहरू १९दान गाहेर । नाजनीत स्नातन दिखाह प्रमान बाद जिल्लाहे. अक्टन देशनिद्दिणान जानना-हिराद काल जानना न विद्याहम ।

वाजना इश्विक रहेगाम, माठ कानावाजन जानवाजी कार्याक मन्त्रवाजी कार्याक मन्त्रवाजी मन्त्रवाजी कार्याक कार्याक

১৮৬১/৬৬ অন্তে কলিকাঠার সর্বপ্তছ ৬০ ৩৪৪ খানি ভাড়াটিয়া গাড়ী ভিল, ইহার মধ্যে २°२ चानि क्षथम, ১৫১० चानि चित्रीय कदर ১৬১২ থানি ভূডীয় জেণীজে বে স্ট্রী করা হয়। ৩৮১ ধানি গাড়ীর ভবিবাদিগণ ভাল शाफ़ी श्रम्भन कतिया ताहे सितके प्रक गाड़ीएड बनाइयाहिन, असमा हासिहेबी हरिए व्या भान কীর সংখ্যা ১৮৫৬ খানি ভিল। অপএব লামরা सिधिएक हि भूकी बरुत्र व वर्णक अव'त्र 🖎 शासि বাড়ী ও ১০০ থানি পালফী অপক ডে'জইরী स्टेब्राइड ।

**ক্তেজাৰ ই⊙িয়া মধ,** এাপ্যাছই⊊ে जरवात भावेब्राह्म, ज्याखना जारकार कारेब्रः क्रविद्वारी कुकाव करेएड काई म। এই मशरा বোধাব্যর রাজা বিশ্বব ফুলি,ক্ষাত সৈন, রাখি মাছিলেন, এবং মগবদীতে পুরুষ্ট্র গড়াবছ হয়, কিছু পাচনিনের আক্রমণের পর ইহা শক্ত इस्त्राप्त इहेग्रार्ड । क्रकार्य देवस्त्रात्तर व्याधकारम् ३७ ७ वजीकु उ हरेश्राट्य । वाका अहे नवाक्टर्य পর সঞ্চির প্রার্থনা করাতে ভাষা এ'ছ, হইয়াকে। क्रिकेन शवर्रम के अहे विश्वा मनदक क्षारवार मिट्डिट्रन, मन जानिया कवियाद रूप्टनड रहेंदन हरताक किराव वा निर्द्धात छत्र छ हहेर्व। कि ह व्यावामिटशत्र त्यांथ रुप्त. फोरा याशाटक वा रय, #ंचेत्र शदर्शस्य छाड्। के किंद्रियम । जामनाहिरश्रव वानिका दृष्टि मधा चानिया सम कवियात कमाटत केटचना ।

क्रेक गत्र बरमम, विद्धारी किरहास मार নত ২০ এ আগাই ৰোধাবায় প্রাৰ্ড্যাল কবিয়া-ছন। ইনি বোধায়ার রাজার রুড়িভোগী হ'ব। গ্রন্থক চারি টাকা পাইয়া জীবন স্বাপন করি-ख्ने।

উক্ত শত্ৰ আরও বলেন, লাভ নেপিয়ব শীত্ৰ ।লিকাভায় আবিবেম, এখত সভাবনা আছে।

**१९निन्दास अवदा स्ट्रेब्राट्स्न, तावर्रायक** विकास कार्येशास्त्र बीत्रक्रायंत्र पाटनागानि-গকে শাতিরকা প্রভৃতি কার্যা না কবাইয়া **ভাষার পরিবর্জে নির্দ্ধান্তিত কর খরুপ কিঞ্চিৎ** केंका नहें(अ जान हम्र कि मा ? ग्रेका नश्याहे উচিত, নচেৎ পুলিবের একতা থাকে না।

উক্ত পত্র থেবৰ করিরাছেন, জলস্বরের নিব টপ্ত ৰন্দির রাজা সাধারণ কার্যের হল, এক সক ইপি। প্রবাদ কবিয়াছেন। ডিমি উক্ত বিভাগের क<u>ब</u>ियन**राक अरे** गिकाब किवनश्य' गाममभुत्तन वर्षेणार्थ काष्ट्र के ब्रिएक कक्ष्मरतान कतिहारहरू।

স্থাণী কলিঃসবংদের রাজস্থুসার ডিউক

শ্ব শালেক্স কলিকাভার শাসিরা গ্রব্র কেন त्रानत वामिटक काटहन । वेकेटतानीय क्षमान ইংজ্ঞিলৰ মধ্যে মধ্যে ভারতবর্ধে আইদেন ইহ। थार्यमीय ।

২১ এ পৌষ শুক্রবার। গত বংশর ভারতবর্ষে নিয়লিনিত টাকার বাবিজ্ঞ; হয়:---

	Bt#1 \$
ৰস্থেদ	4. 20.80,50.
বিটশ ব <b>ক্ষ</b>	34,36,48,64.
माञ्चाब	36,69,59,-3-
বোৰ'ই	14,40,05,400
নি <del>যু</del>	8,12,2083.

মোট \$ \*\* . 8 \* , b · , > e ·

देशह मध्य थाव २६ काछि होकात होना এভৃতি বাদ দিলে প্রায় দেড় শত কোটি টাকাব वानिका जरा बामजानी स अक्षानी इहेताए। नर्वात वा निक्यात वृद्धि तथा वाहेरछहा, कवल বোৰাই ও সিফুতে ইছা স্থানিত আহে : কল-দেশের জীরন্ধি বিশেষ ইষ্টকর। তথালি এপর্যাস্ত কৰেন কেয়ারকে প্রকাশ,স্কপে কোন সন্মান চিক্ অদৰ্শন কৰা হইল না ?

রামপুৰেণ নধাৰ কলিকাভাব আদিতেভেন। ভাঁহার অসুপত্নকালে প্রতিনিবিদ্ধা হাং৷ नेजान। विक ११८३। वाजाः करोत् प्राक्षात वानिएक् इरे श्वित आकिश्वम । कानी शुरूत खाँशव ক্ষম এক ৰাটি ভাডা নওয়া হইয়াছে।

इंश्लित्रमान बरलस, नमालिव डिलकुरल (गर्के ৰ'ৰানামক এক কাৰাক ভগ হওয়াতে ভক্ত ब्राक्षा नाविकविशास्त्र इन्ह किशास्त्रम । शवर्गस्य केर बहुरबाटी सामक्रियद्वीर समजाम वसीनिद्धार मुख्यित कान, करम्रक कान मुख (क्षत्रन करिएए)इन ।

উক্ত পত্ৰ বলেন, কলিকাডাছিড নেশালীয় দুত নেজর জেনরল কেখার সিংহ উচ্চ পদ পাইধা यामान शक्तिमम कतिएकामम, अवर । लाहेम हे कर्दन प्रमुक्त जिस्स प्राधिका है सुख स्हेद्रा का जि জেছেন। দেনাপতি কোর বিশ্যু কলিকাভা⊲ এতবেশীয় ও ইউবোপীয় সমাজের প্রিয়পাত্র ভিলেম :

উক্ত পত্ৰ বলেদ, ভাৱতবৰীয় গৰগৰে ট এড **व्हानीत त्रारमा फाक गुर्रहेत्र, विचरत्र रव** निश्चम করিতেছেন, মহারাজ সিধিয়া ডৎপ্রতি আগতি করিরাছেন। এ আগজির উত্তর কাঁরণ আরে, দল্পার স**রবে** গ্রহ্মেটের সীমার ভাক তুঠ श्रेग्राइ । शर्श्यके यथन निका देखनार्थ भाषि तुका करिएंड भारतम मा, एपम भाषि | इद्देरहरू, एन्ड किस स्थान केंद्रीय १६१६ सा ।

ভব্দের জন্য এতদেশীর রাজাবিদের 431 南京(空間)

উক্ষ পত্ৰ আহো বলেন, গৰণ্যেয় স্বাবে বিভাগীয় ক্ষিসমন্ত্রণ সেমির্ গকে ভতুষোধ করিয়াছেন, ছর্কিক হও কত লোক চৌৰ্ব্য ও দক্তাবৃত্তি অপুরাঞ্জে हरेगाटक, छाहाव अस हिनाच अमा यागदा भूटर्स काल क्रिन, (क्वन खनाक कटा. छाहा िशक्ष शवर्गम हे झाड़िया ্ৰখ<sup>াত</sup> ছশ্চবিত্ৰেৰা ন্ধান পাত্ৰ ছ क्षकथा वना वहिना।

২২ এ পোষ শ নিবার। (रम् १ हे।हेशम स्टाम, कर्नम तम्ब দেশের রাধার সাহত সন্ধি করিছে 引电!

बकारमम् ७ महास्य अवाव विश्वत 3164 1

व्यादाहे (गर्जा) राजराद अवन कही অধিনিনিয়ার বাজা কোন মতে বলীকুর্ छ निगरक का किया ना (महस्राटक की शक्त এक प्रम देगमा (आह्रिक प्रदेश । इंट्लंड সেকাল ন!ই।

विषय करेटनद अहि,खबराख एक्सि माञ्चनारह भवर्षद्र (अभवत विनर्भव मुक्त কাব কর মানের বেডন অর্থাৎ ২২৯০ টি अनाम कतिवादश्य : काश्य खेलकावार्च हे<u>त</u>्य

ভিউক অব আনেজন উত্তর পশ্লি वर्मनार्थ शमन कद्रिप्राट्डन ।

বলদেশীয় বাাক্ত গত চয় ম সে অংগ্ৰ শতকরা ১০ টাকা লাভ মিরাছেন। ক্ষাটাক। আরু ২০ লক্ষ চাকা হইছা

সম্প্ৰতি ভাষতগুৱে ছই ব্যক্ত নিশ্ৰ ক্ৰিট্ৰ हित कांत्रशा विभय क्वाटक खादा के वरम्य (अयोग इहेग्रां/ह। अस्तालिख धर्तात खरा २ व्याटक ।। कक्ष हेहः व्यटन ध्या मार्गि इत्र ।

গেপ্টৰ উপৰৰ্থন ।মস কাপে উর**্ক** কংখ্যা পাঠান ভিনি এরেশের স্থানী ক্ৰিয়া কোন কোন বিষয়েৰ উন্নত विद्युष्टमा कविद्याद्विम । जिल कार्याद्वित अस्ति िनि अञ्चानिन अरहरण कात्रिहारसन, সামান,ত মত দেওয়া দাহার লাগ রুত্ত হাইট্র ভবে স্ত্রীশিক্ষার বিষয় ভবগত হইবার ইমিছিল তিনি এদেলে আনিয়'ছেন ! এ বিষয়ে উদ্ভয়ক **उत्रिक्त रहेताएक, दिन के एक विन की विकास** खेटनाकन्दित्र कारकात व वादीयका में बिक मुरम्भ नव रिमर हेत्र कांगम । व औष

| en ... c. adistachia 2・51ペーフ・7ル。 | \*\* ... daistachia 2・51ペーフ・7ル。

--::--

### 🕭 উরোপীয় সমাচার।

শ্রেম ১০ই ভিদেশর প্রাভঃকাল। বাবণ শির্মতে এক কর্মার খনি উভিয়া গিয়া প্রার শির্মতের প্রকাশোবক্তের নিরম প্রকাশ শিক্ষকাতে। মুদ্ধার্থ সর্বাভার ১২,৫০,০০০ শিক্ষকাতে। মুদ্ধার্থ সর্বাভার শারিবক্ষক শিক্ষকাতে। ইয়ার মধ্যে আতীয় শারিবক্ষক

क्षेत्र ३६ हे जित्रवर देवला । हामलिए क्षेत्र पनि छेड़िया लिया श्री छ ३६० लिएक क्षेत्र होजा वित्रियम नगरतत यहानकाय क्षित्र होजा वित्रियम जिल्ले स्थाप करतन, क्षेत्र कारीन जवशाह शक्तियन । श्री-क्षेत्रकार कारियाक जूनकात शामस्याम

क्षेत्र ३१ वे जित्तवह देवकात । ज्ञानिक क्षेत्र वहाजकारक विजयाद्वर स्किन्द्रान्धन क्षेत्र व्यानानीत नत्तावकात मित्रक व्यक्तन क्षेत्रक क्षेत्र स्वित्रत क ति वाहेन हरिक क्षेत्रक क्षेत्र स्वित्रत का क्रांत्र स्वेत्रत व्यक्ति क्षेत्रक स्वित्रत स्वित्रत का क्रांत्रत स्वेत्रत हरित । क्षेत्रक क्षेत्रतात का क्ष्रत स्वित्र क्षेत्रक क्ष्रति । क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रति का क्ष्रति क्ष्रक क्ष्रति । क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रक क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति व्यक्ति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति व्यक्ति क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्रका क्ष्रति क्ष्

ব্যালিক সভাপতি জনসনের সহিত বহ ক্ষিত্র প্রদর্শন করিতেছেন। সাধারণতন্ত প্রির ক্ষিত্র প্রতিবাদি (ইউনাইটেড টেটসে) মুক্তন ক্ষিত্র পাসন প্রণালী (টেরিটোরিএল প্রবর্গ ক্ষিত্র প্রাণিত করিবার মানস করিপ্রাহেন। ক্ষিত্র ক্ষিত্র করিবার করিবার করিবার ক্ষিত্র ক্ষিত্র করিবার করিবার করিবার ক্ষিত্র ক্ষিত্র করিবার নির্মান করিবার করিবার अम्बद्धाः मान्य विषयः इक्षार्थन नः कृत्यन हेश्य वि

#### ্রেরিত। মান্যবর জীযুক্ত গোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়ু।

সম্পাদক মহাল্যা বাধ করে, আপনি প্রপ্রায় সামাকে জানেয়া থাকিবেন। কিন্তু আমি অবং ব্লফুট্যানে অবতীর্ন হইলা মহাল্যের নিকট কথন বিশেষ পরিচিত্ত হই নাই। আন ভাষার অবসর পাইয়া হ। আপনে একবার কর্ব পাত করিলে বাধিত হইব।

আমি বাদ্যকালে লেখা পড়া রীভিমত শি<sup>-</sup>বল্লাছলাম। স্থুতবাং আমাৰ বিষয় কর্মের ভায়ুৰ অভাব নাই। আমি এখন এমুকেশন ভিপার্টমেটেটর কোন কর্মে নিযুক্ত আছি। १९८० मा दिया है अहे कथा दक्षिए नाटक আপান মনে কবেন বে, আমার কেবল যাড়া লাভহীন চাকবি ! বৰি আপনি এটি অনুষান করেন, ওবে সে জাপনার বিষয় জয়। অপর, সামার এমনই মাহিনীশক্তি আছে যে বিনি যামার প্রস্তু হল জাহাকে আমার বলে চলিতে হয়। ফুডরাং খামি এডুকেশন ডিণাটবেক্টের अव विकारशत हती कही हतेया अवारतत हर<del>क</del> ভেলকী লাগাইয়া খকাৰ্য্য সাধন করিতে বাঁকি। পুতুলনাচেৰ মাায় এখনকাৰ ৰশ্মচায়িকে সেখা নে ও সেধাকার কর্মচারিকে ওখানে <sup>ব</sup>বসাইয়া থাকি। প্রতিবোদিতায় কেই আমার সহিত টকর দিতে পারে না। এডুকেশন কর্মচারী হইয়া বিনি चामार शक्ति । राख्य शृक्षा जबदा कान अकार উপাসনা না করেন, শাণনি নিক্ষর জানিবেন আমার হাতে **ভাঁহার ঠেকাঠেকি। যে কোন প্র** কারে হউক আনি ভাষাকে ব্যক্তিব্যক্ত করিয়া ডুলিবই। আপনি কি মনে করেন 🛭 🖨 বিভারেন্ন বচ বড় কর্মচারিকের আমার ভয়ে কাঁপিডে **হয়। বিনি আমায় হয়পুলা করেন আমিও** शांटक शांटक कीशांटक काशांत्र करा शांत्र कति। वेनवुक्त रहेक बहुनवुक्त्य रहेक, वेडिकरे **হউক অন্ত**িতই হউক, আমার ক্ষতার ফাছে अनक्त काव कारकह नहीं लाटकं व कथांत्र बरम = डेरमात निश्व बुरशात्र चारक = प्रक्रिना পেলে আমিও টিক ডাই করিয়া থাকি। কড কত উদায়চয়িত্ৰ শিক্ষক আমার মতে না আ-निश्चा (स्थान कतिश्चा विश्वा कार्यन, कार्यन) कारात्मत्र त्रायमञ् असमाज केवाच प्रदेशाहरः।

তাহাদিলকে মুখাতর আছ কিবলা বাইতে পারে বর্গ কর্মানুসাবম্কলন্ন বাহা ইউক মহা পর আবি এটিপাট্রেট পাইরা এক রক্ষ ওছাইরা গিরাছি। ছলে পিলে পরিবারে বিল-ক্ৰ সুৰে জাছি ৷ আগনিও আগনার পাঠকংর্ম যদি জামাৰ কথায় অবিস্থান বাবেন ভাৰে **কণ্ডশন্ত** নল,ব।দতে পারি। বার কুদব্ৎ চলে ভার **কিন্তা** এটুকেশন বিধা দেওয়ানি ভিশাইমেক ৷ সকল বিভাগে যে বুৰিখনে আগন কাল ভছাইয়া लग्ना (वर्षुन कहें त्व अष्ठ यम् कक्षा अकृरकान्न ডিপা<sup>ন্</sup>শেন্ট, যাহা দেলের সভ্যতার <del>ও উন্নতির</del> এক মাত্র পথ, ভাছাকে আন্দ্রি আন্দরে প্রধান পুরুষের বুকের উপর বসিয়া ও ভাইরেকটরের নাবের উপর হাজ নাজিয়া ঘাট করিজেটি, কই কে আমাৰ কি করিডেছেন ? '' শিবজী \* আপন বৃদ্ধিবলে অভুল বিক্তবের অধিকারী 🕫 व्यत्तरकृत्वा स्टेशाहिरम्य । अधिकश्च आधि ,আঞ্জিডজনপ্রতিপাদক। এবিভাগে আয়ায় मिटलव लाक नाहे, अक्रम विद्यक्ता कदिवन না। তাহার দলপুটি বিলক্ষণ আছে। আরু আ মার অপর অভারের বিবর অধিক কি বলিছ: ना व्यक्ति काहा खारमः इत्यात नरहा छा-পনি বনি কিছুনিন সোমপ্রকাশ বস্তু বন্ধ 🚁 রয়া একবার আইসেন অথবা ,একচন উত্তর কটো-कांक्ट्रक भार्तारेष्ठा क्रिक भारतम, कांत्र एकि চারুপাঠেব ১ম ভাগের চিত্রগুলির মধ্যে বাছিয়া লইতে পারেন, তাংা হইলে ও কোন কথাই नाहै। देननश्रातः । राग्नः। खात्रातः नामः विकान ছুদ্দি বি বং এ আবিনের বড়েও ভিয়াভারেব ম**ৰ্ভারেও** বাঁচিয়া আছে। আহাৰ বড় সন্দেহ হ**ইভেচ্ছে : ডুবি একবার দেখা দিয়ে আ**ৰার थां व काल देखि ।

#### মান্যধর **উরুক্ত নোমগ্রকাশ নালাচক** মহালয় সমীলেদু।

न्यिम् मिर्द्यमधीवर---

মহাপর ! গত ১৭ই ডিসেবর সোমবার পাই-কপাড়া সম্বাহেত সাহায্ত্রত ইংরাজী সংখ্ ত বিদ্যালয়ের ১৮৩৬ সজের বাংস্থিক পারিডো-বিক কার্ব্য সম্পন্ন হবঁরা বিব্যাহে । পারিভোমিক খলে বে সভানী হইয়াছিল ভাহার বিষয়ণ নিয়ে

 ার হৌক্তচন্দ্র রারখাহার্য, বারু বলাইরার সমস্থতি প্রাথম্ব কলিকাছার অনেক্তানি হলোক তথার উপন্থিত ছিলেন। জানবাজার বানী উজ্বলাই কারু ১ ম, ২ ম, ৩ ম, ও র্থ খেলীর ছার্যানের নিমিত্ত পারিভো কে ও উজ্ঞ বিষ্যালয়ের প্রধান পরিভ লিকালা সংস্কৃতকালেকের প্রসিভ্ছার প্রীয়ক্ত বিষ্যালয়ের কলান করিকেন। ভাষিক পুত্তক প্রধান করিকেন।

ইংশেইর মহোদর সভাপতির আসনে
লাষীন হরেন। সভার কার্যা আরত চইলে বিদ্যা
লয়ের প্রধান লিক্ষক ও অধ্যক্ষ প্রী যুক্তে বারু রসিকলাক সবকার মহোদয় বিদ্যালয়ের সম্নার
সংক্ষিপ্ত বিবরণ আলোগার পাঠ কবিলেন।
অনন্তব সভাপতি সহোদয় অহন্তে পাবিভোবিক
বিতরণ করিয়া ১ ম, ২ য়. ৩ য় ও ৪ র্থ প্রেণীয়
ছাত্রগণের ইংরাজী বিবরক এক প্রকাষ পরীক্ষা
লাইয়া পরিভুটিভিডে এক জানীয় বক্তু কা করিয়।
মাইয়া পরিভুটিভিডে এক জানীয় বক্তু কা করিয়।
মাইয়া পরিভুটিভিডে এক জানীয় বক্তু কা করিয়।
মাইয়া পরিভুটভিডে এক জানীয় বক্তু কা করিয়।
মাইয়া করিয়ালয়ের মুলাগার ও সাহায্যদাতা পরিভাবর
ভিত্তা ব্যারচক্র বিদ্যালয়ে হাহার দর্শনেলাও কবিয়া
ক্রডার্থ হইডে পারে নাই।

व्यक्तिमा विषय अहे अवाय अहे विक्रांत्रय व्यक्तिमा विषय किल्का विक्रांत्रय व्यक्तिमा विद्या किल्का विक्रांत्रय व्यक्तिमा विद्या किल्का किल्का विक्रांत्र किल्का किल्का किल्का किल्का किल्का किल्का किल्का विक्रांत्र । अहि व्याप्ता विक्रांत्र विक्रंत्र विक्रांत्र विक्रंत्र विक्रांत्र विक्रांत्र विक्रांत्र विक्रांत्र विक्रांत्र विक्रंत्र विक्रांत्र विक्रंत्र विक्रंत

ক্রীয়ক্ত বিনোধবিধারী দে ২ ম জোণী

" বিনোধবিধারী সরকার ৩ ল ''

শন্দালী খোদ ৩ ল ''
শুনানাথ চক্রবর্তী ৩ ল ''
চিংপুর। নিভাক অনুধান

সা আহ্বারি: ক্রিকে, চ, ব,

मानावत जिल्ला भागायकामा गण्यावक महामन गरीहराषु ।

निवस्य विद्यासम्बद्धाः ---समायम् । जीपस्रि ३३० जनसम्बद्धाः स्थान-

श्रकारम "माकृतिया समीतात उनप्र मिरतानारमत्र (व श्रक्तां की निविद्यारमन, किश्वर कामान विकित बक्तमा कार्य, यन कसूत्र धूर्णक कामा स्वन अवर मिर्कारक स्वाम मान करान कार्य क्रिंग भन्न वार्थिक स्ट्रेंच। यनि निर्ध्यय विश्वामरक मृद्धि सर्ग क्रिया स्वरूक्त वार्यन श्री विश्वामरक मृद्धि सर्ग क्रिया स्वरूक्त वार्यन श्री विश्वामरक स्वाम (३) जाममात्र मस्य स्वेता ना थाएक क्रिया स्ट्रिय राग स्त्र जामात्र श्री यनात्र श्री कर्नभाक क्रियम ।

প্রথম্ভঃ আপানি ক্তরেওলি " যদিকে " এখন করিয়া ভছুপ্রি আপ্নার প্রস্তাব স্থাপন कृतियादिक। " य.मे काम यवादक मायुभवादे (मधि" विम्त्राधान ७ रिहासीयायुवानम अविद्**रम** ह চপলতা হেতু বেচ্চাচ হী হইয়া সাহেবদের সহিত আহাৰ কৰিয়া বাকেন ডাছাতে আনক প্ৰবাশ করাতে কি লেপ্টনত গাবর্ণবের পরোচিত গা-ক্ৰীৰ্য্য প্ৰকাশ পাইয়াছে ? না চাৰাপ্ৰকাশ সম্পা মকের সম্পাধকোচিত কার্য, হইয়াছে ১ এচন্দারা दिन्द्रन প্रতिশন্ন इंडेरफेट्ड स्व कार्यन किइडे নিশ্চয় জানেন না, কিছু ভং সনাৰ সময় মতদূৰ नश्नव्यक्तः **इट्ट** स्य, जाहार अपि करतम নাই : একৰে জিজাস্য চ'কাপ্ৰকাশ সম্পাদক (य व्यक्तिया शुनिया श्राक्षां व स्मर्थन नाई अवर ব্যখাল ৰাৰুবা বে সাহেৎদের মনোবঞ্চন করিবাস ভন্য থানা (২) খাইয়াছেন ডাছা আপনি কোন্

(3) बाहात (वमन बृद्धि विद्यहर्ग स मर कार कित (कमनि चमक बाक कि दितन, अह नी कि व वित्र (कह (मह नी कित क्ष्यवर्की हहेग्रा कार्य) करमन, काहात कामन क्ष्यवाद अहे क्ष्यमान करिया बक्रकार्य योका विश्व कर्या काक्रिका क निक्षित मरनत अक्षी हमश्यां सन हरे-वारहा में।

(२) गार्ट्य विराग प्रहित्त अक्षा भागा ला काहे कि क्रार्थां काहर का क्षां का का वा वा वा वे वे क्षां का का वा वे वे के का वे के का वे के के के का वे के के के का वे के के के के के के का वे के के का वे के के के का वे के का वा का वे के का वे का वे के का वा का वे के का वे का वे का वे के का वे का वे का वे का वे के का वे का व

नाम दात्रा मिल्लव कहिएनम ? जानमात्र বভাৰ পুৰত চাপলে,রস্কারা অর্থ কিন্তু बरशालका निवसम वृक्षित करेक्टी कालाहर बारकः व विकास सम्र उर्द काणमारकः वर्णनि - ः **बल बहुः क्लाब्ड अवशे भीता विश्वादन स्वटिस** बृहेर्य। এशर्व ज्ञिनरप्तरस्त्र कविक्रसङ्ख ব্যক্তিকে জাপনার মতে ব্যৱসংক্ষা দেওৱা क्रहेंबा कि नो ख!मि मा, किए क्यामीया व**रम**न, 'ন ভেন্তুভোক্তৰভি যেনাসঃ পলিতং শিয়ঃ ঘোটৰ যুৱাপাৰীয়ানস্তৎ দেবাঃ স্থবিবং বিছঃ 🎏 অভএব ৰ'লকও জানীৰ কাৰ্য্য কৰিলে **ভাছাকৈ** পলিডিলিবজ অংক খ,জির জন্মে বংশু করা यात्र । अक्टन कार्यन स्य अपनिष्य आसीं, कार्या কেবল আপনার হাতের উৎফুইতা ভাষা করাই 🖟 र्हेट्ड शादा, जार तर स्थार विवाहत कहें হওয়া যাউক।

দ্বিতীয়তঃ কাপনাবসত ব নিভাক কৰোঁ-জিক ভাছা নিয়ে প্রমাণ করিতেছি, সাধারণে 🤈 তাহা হিচার করন। আপনি বর্তবি,কে ভিন জেলীতে বিভয় ক ইয়াছেন, " স্থান্ধ সম্বভীয়া ড:হার এবতর। অনুচত্তব বর্তবাছরের নীর ববিও উদ্লেখ কর, হয় নাঁই, কি হু বোৰ হয় "আৰ্থা স্থ্যীর ৯ ও উত্তব্সয়ন্তীয় ৯ আপেনার আজি-थात्र । कालमात्र कथात्र आय एक एक. (द्यार इह '' সমান্ত সম্বাধীর ১ কর্তবং আপনার মতে প্রধান তম এবং প্রবাদেকে ঘুই প্রকার কর্তবাকে ভাস कतिथा सन्दर्भ कर्सनाहरू भागन क्या विदर्भय मरह। এই इन्छ निष्ठान्छ । समीकः। विश्वप्र-मबकीय वर्ष हि गंधारणका क्रम्म, छाहा बेर्स আপান অসীবার করেন তবে আপনাকে অনী-শরবাদী হলিতে বাগ হইল'ম। আছন কি क्षन छ्रष्टमार्क । धाँव १ क्हेंब एक व्यवस्थाना কবিণা শেহোজ্ঞকে পাসন কবিরা থাকি না ? नृष्ट्री स चहल काश्विष्ठती क्षेत्राहरून अव्यान में रिम कतिलाम । जानात नीहा स्वेतिरङ কিঞ্চিং পরিজ্ঞান কৰিতে অক্ষম নাই, কিন্তু সে क्ष्यकात वाजिकामः व कतित्व क्षया व्यक्तिक भारत्यम कार्यस से भीड़ा विकास वृद्धि हेंद्रिया. এই অবস্থার মান আনার পিতা অধ্বা সার্ভার বেস্থ টকা হয়, আমি কি শাস্ত্রীবৈক মিগ্রম শালীং করিয়াত বাধাদের সেব। করির না ইবিধবাবিধার व गमास कस्ट्रावन करत्र मा, कावि तारे गमा-(अपू मध्या क्षा कहा करिया चित्र का वि आमात्र यथवा कशिमीत निवाद मि, छाहा इद्देश गमासहर **११७ १३**, मा किर्मक अक्षि आबादक भारत ्रीक्षिश्च कहा हबू, अव्हाल कामान कि कर्छनः उन्न प्रष्टी हिंदि है द्वारत। (विचित् के छि. व अक सम्म अन कित्रा व्यक्त कि सम्म श्रीत्र न हैने, १४० १६ छेड्डा प्रदेश एके कामस् व्यक्त प " हैन्स्य सम्बद्धियाँ कर्मा है। १८४८ में सम्बद्धियाँ कर्मा कर्मा

कार भारता भ क्रीपुष्टः आभिने विविधारणमः नगरणन ধাকিয়া সমাজ সূধার কবিতে হটবে -क्षेत्र व 'बुदा य ने यका है जुना कात उद्देश ইয়া খাবেল সমাতের লাখা থাকিল 1 क्षेत्र हेल्या करण श्री एक स् : १ ጥያ መብሮማያ ጥርም ራ ድነኝ ት ብቁነተና ማካሮጭ"ን মুক্ত হইলে স্থাবে কিন্তু ব জ্ঞান্ত ত কৰ s भारत्त क्रूप्यरक्षा व्योग्यात वर्षा अर्था स्था প্ৰভাগ ভাৰতি জন কোন কান এই সম দ দিগকৈ ভদত্তে পশ্চিগ্ৰ কণ্ডে ' इ (दार बहेल्ट(इ. दुमशका ७, ४ कर) (13 জনভিপ্ৰাণ নতে, ধেখন বুণ<sup>্</sup>ধ' Kaबाह कालनान महात्मात्वहें, कि हे रक्त दो ब**टफ्ट (कान सक्**त **म ध**र केता (3) साटा छ ? আপ'ৰিকে।নিবিধি'লেন জ'ব মুধ ক'। , स्रीपित्रहरू थारीयण लक्ष्य लट्डा o) व्यावान्टम् मृद्यात व्यक्, त्व कार् श्रदक्षमा (होरा सम्माता उपाता मन प्रसि**ष्टे** भोतम **क**र्स, ८५ घ.क अर्थित ने बंदरद काञ्चादन। ও स्त्रम नाई करन, रूचन कथन । साक्ति अप्रमा ६ देरवस मा । जिल्लि १ व १ व, व রে শৃত্যুক্ত বছর এবটী কর হইবে জনবত ক্লিছটগাৰার। যদি আনাদিকের এরপ तिक (**कड़े। बारक, यस्त्**य भागः विस्**ष থাকিয়া সমা**জেব দোৰ নশ্ৰেণ নকৰিয়া। মুবাৰভীয় ব*াল*েক উন্নত কলি। <sub>ক</sub>লিব এই মহুংক,ই; সম্পানকের ভস্তুবেরে বলি দিলকে উপৰীত হাম্পানিকাশ ভতুচিত ক্টিটে হয়, ডা**ঠা হটলে উৰৰ কা**মাদি **লভি নিভূপ** চটাবেন, আমানগেৰ এরপ **माहे। उदर** जाहा रिशव £हे (दीर हहे-, ब्रोबे प्यामहा नयाञ्च अञ्चित्रहरूव য়ে উৎকর্ষসাংল চেষ্টা লা করিলে বেৰল प्यापन कान्याः छिन्तर्य मान्यायः **ইলু সমাজ প**রিখাল কাত, ঈশ্বাক্থনই **विरुक्त क्रमन** प्रकास की स्टिन्टर रहा स 🚁 ) फायरा दिनहरू क इनारका विद्यास क्कि **कार है** जनार है। र मुख्य र नगर न क्षित्र। भारत्या मान्या शर्दिना भारत्य

ুঞ্জন সমাজের উপকার 🖫 নে সমর্ব হছ

উচত ধৰানে কারানা করা উচত, উপবীত करण कमा है, कहा, बार कर बन 15 में हम कर्ज़्या (२-प्रा क्रिकिड, कि**द्य यान क्षेत्र मक्**ल वर्षका**टक** रा. ५ भारतहास कड़ि इस्ट कामान के स्थान था । कि कात इट्रव ? अथव के नक्त कार्रा .ক প্রথাম প্রয়ন্ত হইবে ? শধার আই কার্পিন বোধ হইছাতে তিনি ব্যতীত ইহ'ৰ ইপাজ্ঞ পাত্ৰ জাৰ ८इ ह्इ.उ अ१८०२ (ल¹६७ कोश्राक स्ट्राप्तस ক.বংগনা এই ভাবেয়া যদি আনি বাৰ্ণে নিগত াা,ব ড'হা হইনে কি ভাষাৰ দেশের স্বর্বস্থা দুং হউবে সভাল লংকৈ এখনে জনো মুখ না हास्थि। এइ तिम की कार्याः आवस्ट्रेट अस्ट्रेटियर, শত শত লোকেব ডি.ডাব সহং কৰিছে হই-.ব?, এই উপাইয়েই সবল দেশ হইতে অসভ্যক রাভিত কথা হইয়াছে। আমাদের দেশেই বে-পুন শেষ ইতৈথী বিদ্যাপালৰ মহাশয় যদি আনেয়ে ৰুখ চাহিদ্যা বৰ্ণিয়া অ'কিডেন ডাহা ইইলে বিদৰা ,দৰ ছ:ল বি(+) বিংকানে ২ইড? দেখুন যাংধারা ঁ বিংবাৰিকত করিয়েছেন, সমাজ উহোদিনকে প'্ত, যুক্ত, তেতে, অভন্ত আপনাত মতে दिन में भद्र यशाना स्थाना व कर्ष विद्यारण्या, ১১1৪ সংখ্যাণ ইত্তেছে ৷ আপলাকে বি **উ**াবিং-वर्षि शर्मत्र -भ'सक्ता कहिएक स्थिया व्यक्ति। क्षां भी कामे बहुतमा, ताक मित्रम साहा को किया-হকে গচলিত করা হইয়াছে, কিছু মিজাসা ব্লিকি সুস্থায়ন কি ভাষা ধর্মাৎকছ সলিয়া सः।†६६ क.इटटर्ड्स्स १ व्हःभन्नाट्क अवः दिम्।† গাগর নহাবয়কে স্থাত পারভ্যাস করে না. किन नाहारा विवाध करत जाहारान्व नहेवा छ (न क करण मा। काशमाशक विवाद करिया के .শা চইংব. ভবে আপনার যুক্তি পাশেই া।পলি কেমন আবস্ক হইছেছেন দেখুন। সমা-্ডৰ মঃ;, থাকিয়া সমাজ সংকার করা বায় না, জাণনালের কাই।ই ভাষা ধ্যাণ করিছেছে। এकर्ण शिक्षामा विषयोधियोह कि वानयकार মূলত চপলতাৰ ফল ? উহাৰশ্বাও ও সমাজকে ত্যাগ হয় ধইডেকে? আপনার ছুক্তিকে বাক্য षाद्र। विश्वत्य करिटल **अहेन्द्रण स्त्र।** 

্ । সমাজকৈ পাইজ, গা কৰিয়া কোন কৰি। স্থিতি ভাষা কেন্দ্ৰালয় ও বালবভারেন্ত্রক লাক্ষা লোখে মুবিত হয়।

১ এ'লের্না, বিদ্যাসাগর মহালয়, সৌধ-থকাল সম্পানক সমাজকৈ পরি**ভগর ক**রিয়া কাঠ্যকরিকেন্দেন

৩ : জন্তএব ত্রাজোধা, বিদ্যাদাগর সহাশর এবং দোরপ্রকাশ সম্পাদক সবদেই **উক্তমন্তি**ক বালক ও ক্ষেত্রচামী।

अम्रत्। निश्चं छ रहेत. श्रीबारिव चारीवर्धा বিশ্বাবিষার প্রভৃতি কার্য্য এই দত্তেই রুহিত্ত কৰা উচিত। অতএব দেখুন বৃক্তিকে অবলয়ন क विशा द्वाराश द्वारिक्षा प्रदेशन करिया कार्यः কঙিলে **এনেখে**ৰ অংশা কি ছইডে > কোথায় আক্ষসমান্ত কোথায় বিশ্বাহিকাছ কোথার জীটি গেব উন্নতি কিচুই দেখিতে পাইভাম মা। পবি শেৰ জ'পনার মিকটে প্রার্থনা বে জাণন'র ক্লচি ত চুপাণে কোন কার্যে,র বিচাব করিবেন না। বিধর'বিবাহ আপনার পক্ষে বেমন প্রিয় জীলা, তিব খার্থীনতা **অপরেব পঞ্চে সেইর**প প্রিয় । ভাগন'ৰ বাৰ্যন্ত সমাজবিদ্ধা, অপ্নচীও সেট क्रम, **ए**दि जाननारक त्यम्बाहीयो जनशह १३८७ মুক্ত কবিয়া অন্যক্ত নিক্ষা করিলে লোকে আপ-নাকে:বংঘনী বাতীত আর কিছুই বলিবে না। আপনার বিবর্তি ইংছ প্রচলন কার্যাংকও জনে। नमास्यभाष्त्रकादी विवदा (飞峰 pi\*gy有海 অখ্য'তি কবৈতে পারে।, ৬)।

১০ইপৌৰ) এক জন পাঠক। ১৯২৭১ : বর্গাল।

শান্যবর জীযুক্ত নোমগ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়ু ।

यथाविश्विं मणान्धूर्यक निरमन्द्रमण्डः। शंख ३३ है (भीव मललद!इ निवा ३० नम परिका সংয়ে টাকী বালিকাৰিদ্যালয়ের ভৃতীয় বাৎস-রিক পরীকার পাবিভাহিক প্রদান উপলক্ষে छेक जात्नव न मध्यक्षान क्यीमात क्षेत्रक वाव हात्र शिक्षमध्य १६६६ ने मशनदर्वि व्यकाना फदरन একটা সন্ধার অধিবেশন হইয়াছিল। উক্ত সভান্ধ টাকী, জীপুর গৈইদপুর প্রভৃতি আবের অনেক **क्षत्रकारनत्र व्याध्यम् २३। अथमतः होनियाद** উদ্ধি করণ পঞ্চে অনেক ব্যক্তি বক্ত ভা করি-तान । शर्व केळ विष्तानरहत्र व्यथक क्षितृस वाबू য়'র ভূপেজনাথ চৌধুরী নথাপুর বহুতে বালিকা शंबरक (काशारक वर्तभाक (स्वरक्षा) काशारक প্ৰবিষয়, কাহাকে অৰ্ক্ৰণাভয়ৰ প্ৰকৃতি ) বন্ধ विश्व व्यवस्थात अवर वस्त्रिय श्रृष्टकानि स्वार्ध श्रृष्ट শু ত করিলেন। ঐ সভান্ধ গঠিত বস্তুতার মধ্যে निश्व विश्विष्ठ वक्ष्युक्तां के क्ष्युक्त कामरम श्रहा**नरप्रक्ष जिन्छ रिश्वह**न कश्चिरखडिए।

व्या कि एक विस् । अरुक तथ देरियरे, क्रमाध्याक, मकामहाक्रमें क्रीइक इ'त राव क्रिक (क्र) अ मक्स क्रमांक केंद्र भाग क्रमांक्लाक 香茅可 | সকল মহাশয়ই অবগত আচন থে, আমানিগের দেশেব কি ভার, কি অভার, সকল स्थाकहे क्षाप्त स्थानिका विषया विदाशी र तमा 🗽 পোক্ষি:গর মধ্যে অনেকেই কহিতেন যে ্রিক্রিকাক্তিগতে বিদ্যাশিকা কর'ইলে উলান ्रिक्रिक नागरन द्वाचा करिन इन्द्रित । अद्यो ্ষ্ট্রীয়া কুঞ্জিয়া তংগবা, ভাহ'ড়েড আব'র পাঁচ ি শ্রুমা দর্শন এবং পঠ করিলে আরও অধিক ्र्रेकोटर्गः अका श्रेटन, छेशामिटगात कात्रा त्य किथिए र 'सरेकारवीत अपूर्वास वृत्र अक्षांसकारे कारांत्र अक মাত্র কারণ, কেন না জক্ষানভা এভাবে উহারা এক প্ৰকার পশুৰং বলিলেও বলা বায়ু, আছএর যেমন প্ৰকাণ্ড প্ৰকাণ্ড পশুদিগকে অনায়াসেই ইচ্ছান্তস্কল পথের পাস্ত করিন্তে পারা বাস্ত, ভরূপ **ক**ৰ্ছৰণাক্তৰ বিষুত্ৰ ছীলেক নগৰে বাহা উপ েশ দেওয়া যাইবে, ভাষাই করিতে বাব্য ছইবে कि इ राहात्रा अवदादे यात कारिया कि विष्टम লঃ ৰে, হন্তী বেমন স্থাকের অক্সাথতে ভাগে भी क स्रेवा छोशंद्र का क्र'वह शादन कर श्रूरवान भाई:तहे छ.हाइक वर कर्त्रिया कि.म. **ए**कश ,भावन करम जीका अवर विष्यातस्य व क्षेत्रा छी-গণ ব'দও আপাততঃ আক্ত'ৰহ থাকে, কিয় मन्द्र भावेजने कथामका शकारव जाराजा का छ एकि म्ह्यांस्त्र अहिलायश्रद्धमञ्जल कृष्णार्थः यखा চইয়া একেবারে সর্কমাশ উপস্থিত করে। এপ र्रात्य औरमाक कर्ड्क वर्णावर क्ष्त्रिगात कक्षांत इत्या क निरक्रक, कविमाई काश्रंत का निका-রণ। কৈম না বিদ্যা ছারা ধর্ম প্রস্থৃতির নির্মালত। সাধন ৰ ভীত কোনমতেই সংক্রের জন্তান মইতে পারে না। ক্ষান্তএব দ্রীলোকেরাই বে কে-वक्ष संस्थानका प्रभावन सम्बद्ध स्थान स्थानक ी तर्क अविद्याश्यक्तीर कड वड शुक्रवरकत का गहन माना भी कंडिएक एवं, कविवयं वर्गन कड़ा আমার এ লিশির উদ্দেশ্য নর্ছে। বিশ্বপ্রতার

শাসনপ্রধানীর অশার শক্তিণ বে ব্যক্তি বিদ্যারলৈ 🖁 যথাব ভাষার মন্দ্র অধ্যত হয়্টাছে, ভাষা লগান कविएक कमान्ये जाबात क्षत्र हि इर्ग्स माः शुरू खद क कथाई बाहे, जी नहनीप्र बहायहाणाया व স্ক্রেট্রশ প্রভৃতির ক'র্য, ভারার প্রভাক প্রনার অন্ধ্ৰ হইরা বহিয়ায়ে। দ্রীপঞ্চ দৃষ্টি কবিলে क्रमेश्वर क्रियोच्च स्मान्ति शक्तीत विषय क्रिया न । दिस्स অ'র সংশব্ধ থাকে মা। প্রান্ত ক্র সক্রেটিন রাজ শাসমাণীনে জনায়ানে অহলে বিষপান হ'বা দেহ জ্যার কবিয়াছেনু, ভক্রাপি ধর্ম পরিভাগে কবেন नाष्ट्र अवर और स्वाद्ध ब्राक्की वश्कारत है। लाख जानीक रून अवर हरनास्थ्यनीत जाकाञ्चार প্ৰাণবধ্ৰাপ দশু ঠাছার পক্ষে বিবান হয় ড'হাব × वर्ष अवर खरलाह बाकक कर्डुक वश्वास्त्र हो उ হইরাও ভাঁহার গর্ম প্রবৃত্তির কিঞ্মিরত বৈপ বীতঃ হয় নাই । তথনও একমাত্র জগণীখন उँ। इति क्रमर्ग विदासमाम क्रिक्स । हेरल श्रीव ধর্মোপ্রেশকের ঈশশুক্টের উপাসনাবিধয়ক উপ দেশে ভাহার বিক্ষাত্র অভাব হয় ন'ই। भूबाकारणत अवर देनानी-ইয়া ব্যস্তীভ ভানের বছাহর দুটাভো পুর্কোক্ত বাক্য সঞ্চমাণ **र्हे:७**८६ । (**ए फड मह'नत्रान म्ल्ले**हे (बांद হইতে পারে যে, কি সক্রেষ্ট্রন এবং কি মেরি, তা কালা বেঅধ্যেস'ছাত্ত ছিলেন, বিস্পৃত্ত ধর্ম প্রস্থানিকালতাই ভাষ্যর আদি কারণ। এবি-स्टब्स कि शुक्रव, कि खी, अक:लब्रहे दिए। निक कहा कदमा कर्ह्नहा। सहर शक्तभएन विष्ट রণ কথার জানঃ কোন উপায়ই নাই। এজনঃ জনংশিতা জগদীৰৰ সমীৰে প্ৰাৰ্থনা এই বে 'बार्याभ्रहभव स्थ्यक .स ५ जल महान्यप्रवृक्षी।यका বিষয়ে বিরাগ অ'ছে, উহারা সেট কুদংকার পণিত্যীৰ পূৰ্ণক অন্তত্য বিশোধসাহিনী সভাব अः वश्यादिरात् घडाञ्चाद्वीकःशः कतिमा खीनिः কার উন্ধৃতি সাধনে যাহবান হরেন। ভাষা হইলে ,দলেব আয়েও যে কভাই মঞ্স সামন হইবে, এফাৰে ভাষা স্থিয় কথা হংকটিৰ। বালিকারককে वास्त्रात्र वर्षेट्ड भिका श्राम करा अवन अकी প্রধান কথা আবার ভাষ্তিরটক ব্যাসময়ে যোগপোত্রে অপণ করাও ডক্রণ কর্ত্তর কার্য। l মণে, প্ৰিল্পিটিঃ কেন না উংরা অভঃরকাল। মাত্র বিদ্যালয়ে অধ্যয়ন করিয়া কোনমতেই বিষ্যাক্ষমিত কলের সম্পূর্ণ জোপী হইতে শারে मा। हिश्दा अध्यक्षकः विशालदः यथानस्य नि-ক্ষিতা এবং তংগুরে উত্তত্তে ব ব বাদীর विकार वान वशावी कि छेग्रामक्षेत्र वया, जाका क्रेस्स ! বিলা মাণা বে যে উপকার হওয়ার সম্বর, ভবি-

বন্ধে অধিকারিনী হওয়ার বাধা জ্ঞানা। আন মীই জীর একমাত্র প্রধানশক। সেই অনী আহতে যোগ্য হয়, তাংগ করা অবশু, উচিত। অধ্য গ্যের সহিত যোগ্যার মিলন ধেমন ভয়জর, অধ্যোগ্যাং সহিত হে গ্যের মিলন তত ভয়জর, মধে। বেংহ লামীর আমিহপ্রভাবে জীকে বিদ্যার উপরেশ অসা সংপ্রধানস্থিমী করিবার কমতা আছে। কিন্তু জীর হারা ভাষার প্রক্রে

——:•:—— মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়ু।

म्ब्रियम्बर्द्यम्बद्धिः —

মহাশর : মানয়ক মিধানী 💐 ফুজ বাৰু গোঁঃ প্রসাদ দৈত্র সহ্পয়ের প্রতিষ্ঠিত দেখালয় ধ বিদ্যালয় অফুচি দৰ্মেক, হইয়াসজনতি তথ' এক দিন অব্দৰ্ভনো গ্ৰম ক্ষিয়াভিলাম ৷ বিল্যা नद्र शिष्ठा किथानाम प्रहे सन है नही निका ও এক জন প্তত জাহেন। ৫।৭ টী শ্রেন कारका इति प्रश्या शांत व - क्या स्ट्रेट्स, कि উজ্জ দিবণে অনেধিক ৪০ জান ৰাশক উপস্থি क्ति । मुल्ली क्षांकृष्टे ३३ विकिश्व मध्य १०१४ হট্য়া ও টার মধে ই বন্ধ কইয়। থাকে। এই সং Yমর মধ্যে প্রথম বিকক মহাশয় বছারর পার্ম সহকাৰে উপাদৰ ১০৪ . জানীৰ বালকাদণে সাহিত্য, ব, ৰাণ প্ৰাভূ-ভৰ পাঠনা কাধ্য সম্পা हन कर वाध'गाः । ১० शिनर्देत माता अ এক শ্ৰেণীর এক এক বিষয়ের শিক্ষা কা मन्त्रवर्षः अद्भूत्भ निकास सङ्ग्रंग श्रीप्र अ ঘটার মধে এক প্রেণীর সমুশায় বিষয়ত্ত শিক্ষাকাৰ্য্য সম্পাহন কৰিয়া অপৰ শ্ৰেণীৰ শিং मास्य अप्रच कम अवर शहरीक स्थापित दार करा लाभकाम कर महिकाल काउराह করিয়া বাসিতে গ্রমন করে, ভাষানিবের পিং ম্ভানে " ছেলে প্ডিয়া আইন ৯ সৰে করি आक्रांतिक इत । हेश्टूड भिक्षक वशनग्र দোষী ব বতে পানি না। ধিউ ধি শিক্ষক যি আছেন, উচ্চতর খোণীতে সাধার কোন আ কাৰ নাই। প্ৰত<ে? প্ৰথম ৰিখক মহাশয় अकाकी अवः ६७ **घ**न्न मगरप्रत भर्भः ० (अभीत वालक्षिकतः भिकामान कडिया चकर नाधम कटदम, इंश्टिइ डि:श्व थर्थ है शबर कहिएक क्या : कि स गैंदिश अदे अवजी त्यांग, त्य ভাষ্টেলাক ৰাজ্যকনিবাটো প্ৰতিকা কলিলে বি **জাপনাকে অ**পনানিত গোৰ কালে।

**बे**हात्र अरू भ'टर्स का क्री कडूळा 🎉 उ

अवमे शांत्रमाना आहर क न्यूशांत्र आप अविष्क गांम अवमान मन्त्रापक हरू । 50 के कि व व करता शहर · छ९-**পक्षकी**व याक्षात्म अदब्ब मान्यात्र भिन्ना भारत: केक शास वर्गनाम " (वर्गनीध-ষ্ট্রেট্রিসিগ্ডির ) খারে। ত্রানার 🗚 শু স্বৃত্তি সহিষ্যালে প্ৰনিধান প্ৰাণ্ডি (मेर वस्तांकि सुरा पुरेकाल क्या का शुरेला) : ড়**র্ড**। এই সমুদ্ধর দেখিব। সংখ্য বোগে খে ৭কমাত্র মধোনি সাই 🗥 🗗 বাবৰ এই 🖯 कार्ट्सर अवस्थित कार्यका विदेशियाण विकास-ৰু ভ্ৰতঃ (জলিৱা হ'ব প্ৰনাই চু খাও *ই*' । অস্থিকিত ব্রেকিব হাতে বিভাগায়। লপিত হইনো যে ভাষাৰ এরপ য়ৰ্দ্ধশ*্ল*ে ভে শশ্বৰ্য কি? এ ভ গৌৱী বাৰুব ভিজেব फिलि मांश्र अहम करान, कविर ३ लाहान, अभूतवादी द्राक्रणुत शबनाय हे नाश्म, पड গ্ৰী বাঞ্চল। বিদৰ্শনেষ্টীও অন্যতিক্ষ ও অনু-বিন্তির হত্তে পণ্ডিত হইলা ইখার সদক্ষ द्व किलक्षक इंदेरकट्टा अहे व्यट्संक লয়নী প্রায় ১০। ১২ বংসর চইল গ্রুমি ১ रा ब्राह्म विश्व है स्था के उपनि का जिल इंशाब क्लान डेबडिं किन् वृष्टे स्ट्रेन नी। **त (मध्य, अक वरपत्रः ३० मार्च, हे** ह লয়ের সন্ধিকটাত্ব জীব্রুড়া অ'বকানাথ বিদর্গ মহাশার প্রকৃতি অবংয়ে একটা ইংরাজী 🗸 স্ফু 🌤 লর স্থাপিত করিয়ার্ডেন। এই জভ,র গম १८४९ के विमा'नएयून इ**मि ५**° अ **নর প্রবেশিক। পরীকার বিরা ছটাই উতীর্ণ 'জাসিয়াজেন। কিন্তু** ছণ্ডেখর বিষয় এই যে **= পর্ব)ত্ত গর্বমেন্ট সাহাদ্যসূত হয় নাই।** এরণ উর্ভি ও বিস্তাচ্বণ মহাশারের র সার্থকতা কি তাঁহার প্রসাচ হয়, 'এখ্যব ও পবিথামের ফল নছে /

শিসংহাৰকালে গৌরীঝাবুর নিকটে নিবেদন ৰ লাক্সপ্ত ক্ট্য়া ভিলক ক্ষেন করিয়া শুদ্ধ ব্ৰনীয়াং । ৩০ টাকায় একটী ভালে : । উজ্জনপে সম্পন্ন করা অপেকা ঐ টাকা কোন সংকংশ্ব ১ ব করিলে ভাল হয়। **अवर्रायलेड** जिल्हा बहु यह यह अहे, छाओरमञ् **লিয়ে দাহা**ৰ্গান যে বোল কোন **স্থ**ল ী বাবুর বিদ্যালয়ে ২ অপ্লানের নায় নিং **্ট্রেছে, ইয়া অধিব**াৰ লুবেব বিবয 

এক জন ধর্শক।

মহাশর সমীপেরু।

মান্ধর। সমুখ্য কলিয়া মিছালিখিত করেক नै कि मानजार अग्रजान मजिला भार्य साम म'म करिया दा दह क.यहदन !

३३ के दिर्तहर क'श्रूष मेक ३३ क्किन ममस्य जिन (भा, 'का 'भी हव जीपुक का है। नसमस हे.चा अतर श.सन् इंग क्या (बहारशावत महरूर मध्यक केट्रा भाषाञ्च का.ल.स. विकासम् कर्मम বাংডে জানিয়া,গলেন। বাজিকার,দের বিদ্যু त्राष्ठ, तुर्भि द्राविश्व, अपर अष्टः शुर्वाक्वात हरूकी अर्थय लिक्क देवलुब, प्रभारत प्रभा प्रमान अभि दिशीय अधि (डाव क्षां ख इंदन । भरो ८) कार्यः गच्लक्ष इंदेरजः, ।यन (मदी कार्रिकोर हेन थड म**र्क्ड क**ॉल-भग्न भर्नाकरहाहारत क्षेत्रकाराषु विकासक्र कृत्या-পান্যায় মহ।শংগ্ৰহ ৰাচীকে গমন বারেন। তথ্যয় তান ধর্ম বিহিত আত থ সংকল্প করিলেন। নিঃ -ব-বকাপে টাব অস্তপু-ত্কামনীগবের স**ৃত্ত** भाष्कारकाव लालमात्र केहानियात्र महिनाद প্ৰম কান্তা দেখিলেন, ভাঁহারা একদ্রীভূত হইয়া জাএহাতিলয় সহক'রে ভারার আগহন श<sup>्चिक</sup>ो क राउ उद्दर्ग । **ज्या**श्चरत व हेवात भगन्न .मग कार्टा होत्र वालिका,वशानस्त्रत्र निकश्चि-अंदिक सम् छव। कादित कावेदा साम । जीवादिवद धमन गाउँ, छीलाकितिभद्र करमदर्श जानप नगर लाहे धारी ब्रमान स्ट्रेस्ट का निमा किछ বয়ং বালনা ভাষা এবং হিন্দু কামিনীগৰ ইণ্ডা औ काषा कारमन ना विलिहा फिनि वरशरता नां उद्याप करें हैं से मार्थ के किया विद्या শংশর শিশ্বিত্রী ভাষা এই জভাব পরিপুরণ হুইল : মিসকার্পে-টার নিম্ম লিখিত রূপে সমা-इन्ड ह्योलाकतनरक मरबादन कतिहा केहिएक लाकिटलन " व्यक्ति स्थान हो गर्ना व्यक्ति प्राप्ता দিপেৰ বিষয় বাহা আবৰ্ করিয়াছি, ভাছা সভঃ কি না সচকে দৰ্শনাভিগ্ৰাহে বছৰুরভ্তি বিলাভ চইতে আগমন করিয়াছি। **এক্ত**ে **আমা**র गटकर मुद्रीक रु स्टेन, अवः स्थामाभिटनत बुचित ভৌক্তা ও সহাবহাৰ অহলেকেন করিয়া পর্মা-জ্ঞানিত হইলাম ৷ ডোমরাও কি আমাকে দেখি সা ওক্ষণ সংবাদ প্রাপ্ত ইইয়াছ? ৯ এতংখারুণে কাৰিনীগৰ আফাদ প্ৰকাশ করিলে পর, মিসকা র্ণেন্টার একে একে সকলকে জালিখন ও চুধন कित्रमान अव र एक्समी सामनित नाम नम्मू भे-স্থিত শিহালকেও কোড়ে লইয়া ভালাৰের युक्त हुइन वर्तद्रिक्ष का स्टब्स्स नारे । उपार-ए 📺 बक्त मा श्राकात रोशात महाम महिष्ट हर

मारे। उद्यक्तम, । ठाँन अक मञ्चल्या अस्य कविद्रा-हिम। खिमि वाशमा 'छावान अव: खादकवरीन त्रमणीशन इंश्यास्त्र अध्यात व्यक्त विदेश शुक्तकीय ব্দৰেক পনিডাঞ্জ ক বলেন। এই অভাৰ ধুবীকর-গাৰ্থ তিনি জীনন্মান বিদ্যালয় সংস্থাপনের कना गवर्रमाई अञ्चाव कविद्याद्या । कामिनी भन मनकारभको ध्रक सामाहिरभत विख्याबरन একান্ত বৰবতী দেখিয়া প্ৰস্থুর ববে কৃতজ্ঞতা अकान कविएक का शहनम । এবং काहात बाहकः সমূরোদন করিয়া কহিলেন যে মহিলাগণের নী।তণ্ডমীয় ৩৪ সামাজিক উৎকৰ্ব সাধ্নাধ তেনি বেশকর করু করিরাছেন থাবা বাহাতে কার্ষ্যে পরিবত্ত হয়, তারিবত্তে বন্ধ করিতে ভাঁহারা ां है करिएनम का । जिमकारशंकीय खदनह **১**৺য়ে উাহাদিবের প্রশংসা করিয়া কহিলেন, .হ ধ্ৰপ্ৰায়ণা ভাগিনীলণ বিলাতে ভোষাদি-গেৰ বিষয় যাহা অৰণ করিয়াভিনান, ভাচার সম্পূৰ্ণ কলীকডা বিষয়ে আমাৰ কি**ঞ্**ৰাক্ত সংশার কিলামা। যে সমুদার গুণ বাকিলে জী আণ্ড জনগমতে আধরণীয় হয়, সে সকলই ভোষাদিগের আছে: ভিন্স আরও কৰিলেই যে গুড়ে ( বিলাতে ) প্রতিগমন করিয়া এদেবস্থ औरमार्काक्षणत आजात व्यवश्व विकास मुद्धि । নভীংখন বিষয়ে পার্বয় পাছয়া যে অপরিসীম नरक वनाच कहित्राहित छादा नार्यक्र का वाका काइटदेन । अहे नमस्य कर्षानकथटनव शत्र । मन কাপেন্টর এবঃ ভাষার সম্বিদ্ধবর্গারারী মধ্যেদ-(म्ब्राइक्षांमञ् क्यारागः वक् ७ देश्हांकः विद्यानम পরীকা করণার্থ প্রথমেদ্বোদী হইলেন। কিঙ টদৰবিভ্ৰনা কে খওন ক্রিভে পারে ৷ পথি নধ্যে বিদ্যাদাগর মহাশব্যের বলী থানি অভ্যক্ত (सत्य क्राणिक १६८म चक्के थानि **क्रे**मिका शक्ति। क्रुख्दार विन्यानाशक प्रदानक निष्ट পতিও হুইলেন। আচকিন্সন ও উড্রো সাহেব ।বং এদেনীয় ভাগ্র লোকে বিদ্যাসাগ্রর সহাশর্মক উল্লোলন করিয়া যথোচিত প্রশ্রমা করিলেন : বেশ্বণ পৌর্বদারী প্রধাকর নীরম্বনালে বেকিড হইলে আলোকসালা ভিৰিত্তাক্তম বয়, তক্ষণ ব্রিব্যাসাগর নহাশয়ের বিশাদ রূপ আক্ষায় আ-त्यान आत्याम सन् जानात्म विमक्षे कविन । विना সাধার মহালক্ষ্মাজীত অগর, সকলেই ইংরাজী বিষয়ালয় প্রভৃতি পরীকা করিয়া বংশযোগাতি সংখ্যাৰ লাভ করিয়া হা আ ভাতন গমন করিলেন ৷ क्ष्म हिटें वी विष्ठाभाषा मुल्याम विभवनान হইতে ক্ষাহতি পাইছাট্ডেই, ক্ষাৰণ ক্ষায়া यदश्रामाण कामाधिक देशमा । मेन्स क्लस विग्रदार्थकीय नीय स्थिति वरेक अस्तित्त

**बैंहिकि नाथरन यत्रवाजी शहरूमा এहर फैं।हा**ल (बंडाकी क्रिजियों अहे सक्र कार्यात क्रमक-রণ করিয়া উচ্চার ন্যায় অসীম যুশোভাক্তর **रहेटक (हड़ी क्**रून ।

কলিকান্তার কালেই ী আফিশ ২৭ এ ডিসেম্বর ১৮৬৬

উত্তরপাস্থাব: সিনঃ

#### মান্যবর শ্রীযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়ু।

স্বিনয় নিবেদন্দি•--

সম্পাদক মহাধ্য় । ৩ রা পৌরের সেলেও-কাশ পাঠ কবিয়া জামধা আঞ্লালিত হইকা<sub>তে ।</sub> व्यामानिकात (मर्गः क्ष्युन्त्र (१ क्षांत्रत इहेगार) अक्षण (दोर व्हेर्डाइ । आश्री विश्वित्रहरू "कानी वन।'हार्गान्यक मारम अकश्चाम अक्ष्यून মানিক পত্রিক, প্রাণিত ২ইরুছে এবং সংস্কৃত **भाषात कडूनी तम हिट**ार पहें हेश'त वर्ष अहेतार ना कृतवानि नक्ष का नित्ता मनाग्न अहे काया छ .. कान बर्रा हे भूभराव्युल क्षेत्रा छिटिएत, अप्रि टास्टर THURS!

व्यायत्रा हर्शयक इहेलाम (मामध्यकानकार्यव मध्य राक्षित्य अहे महसूर्वात्म छित्राञ्चलाम सा करिया विभागित मह शकान करान, ए हा काउ क्षारकत्र विषया। लि। ब्रश्नाटकत ज्यात किছू मिन विनास अक्रम भक्त अकाम कर्तिक साम इहेड। একণে ইহার ভাত প্রাহক চইবার সম্ভাবনা নাই। কিছু আমবা ও বিলয়েখ কোন কাৰে শেখিডেছি ना ! अकरन अ क्षांबाद हर्का कब्रिट करनाक्ट्रे व अ इरेब्राइन, नश्यामभुक्त काशामित्रव विद्वत **উপকারী হইবে সন্দেহ নাই। বেধানে উ**পকা সম্ভাবনা আছে সেধানে প্রাহক হটবে না, প্রামঃ দিশের এক্রপ প্রতার সাই। সং ৮ ত শার্থ সকলে नुबिट्ड माहिट्यामा अक्ट्रा । मा १४३ व्हट्ड भारत **वर्षे, किन्छ एक्**खत सूर, इतमताग्रमव वक्तवः अहे. मन्नाक्ष्य यक्ति भाष ० . व्यवित नाष्ट्र कारिका मार्च खाना ना करतम राज का वाधि है इंडोक मक्कारण वाहे, भारत मन्त्रा करणा नभी होन बढ़ों, किन्ह ब्रह्मां ही यमि अहन अबस्य हा स्त्र खटन व्यनाम्नादन नायान्नद्दश्य उत्तर्भय ७ प्यापन नीय स्ट्रेटन मर्टक्ट मंदि । अञ्चलहर्मार्ट्य मञ्जर ष्ट्र ७ (३) अक्टब ब्युट्स के बुखिए व शीटरमा আমরা অসুহোধ করিডেটি সম্পার্ক বেন সরল

(.) ) कामीविकाञ्चरानिवित्र मरवृष्ट, सञ्च প্রতির নগায়নয়, অধিকভার প্রথাড়া বাভ্লগস্থপে সংস্কৃত চক্তি উপক্রম মাত্র ব্রীয়াড়ে, এখন क जीविना स्थानिविद्य महन भट्डाह प्रदिक आहर

ভাবে রচনা করেন ভাহা হইলে অনায়াসে কৃত-कार्वः रहेटक शान्तिद्यमः।

আমহা বিশ্বয়াপর হুইলার আপনার বডে जीनर्भः न कतर्बद्र काल केनश्चिक श्रेष्ट्राट्य कि प्र সংস্তৃত পাত্রকার হয় নাই। ইহা কি আপনার भाविक्यार्मन क्रूप्रक्षक (बांध क्षेत्रवाह स्व स्मार्थय ( कांत्र डवरर्षत् ) भूतरत्वारे व्यवस्थि व्यवस्था অধুবন্ধর বলিয়া বিবেচিত হইতেকেন গে স্থানেব ব্যবীগণের উৎকর্ষলায় অধিকতর দুংবভী এ कथा कि जयशार्थ ? (म वाहा इंडेक, भरकुछ ভাষা একটা জাতির গৌবৰ ও প্রাচীন্ত্রের চিই. বে কোনরপেই হউক, ইহার পুনরুএতি আমানি গোৰ প্ৰাৰ্থনীয়। আমনা আহ্বাদিত হইলাম গৰ্ণ ্মউ এ বিষয়ে দৃষ্টিপাত ক্রিয়াছেন।

महञ्च<sup>6</sup>ारवर अञ्चलवन मध्द्रश्चित्र कर्डवर विन এমন হইল ডাবে আমরা আপনাকে একটী অসু-বোৰ কবিডে পাৰি, জামৰা আপনাকে বেরপ জানি ভাষাত্তের অনুসোধনী আপনাতেইবংও: দে অসুবোৰটি এ<del>ই -- সাপনাৰ বিধ্যাত দোষপ্</del>ৰ-কাশেব কিঞ্ছিৎ স্থান সংস্কৃত ভাৰায় ভূবিত कक्षम (२) जोश इहें ज व्यक्त काल मह्याहे क्षम नियम अभागी अवर्तिक स्हेरत अवर प्रत्युक कारा है कि अंदर्भ देश व्यक्ति (भ्या बाम्र काराह ধাইতে পাবে। এবিষয়ে আপনাব শাভ্য বায় হইধাবও সম্মাৰ্থী নাই। ভবে এ আপণি কবিতে পারেন ছে সোমপ্রকাণের হ'ন নাই। **खान क** देखा क**हेरल कि भा**दा गांव मा? ७३ তেতের ভত্তে পঢ়া বিভাগনে ও কখন কখন क्रकिंक्श्कत (अ.ब्रेड्स्याःज कि मामक्षकारनर भुक्ति। धन कहा ६६ मा १ (मह सह द्वान मन्छू-্তর আরোর ইউলে ভ কোন হ'ন ছেবিডেন্ড मा। अ क्ष्युरहा ५ में जामानिकात मन्न क्षत्रा छने। আমৰ জনসা কৰি আপনি এ অলুৱোৰ বলং স্কৃত্রিয়া জগৎকে উপস্থান্ত স্থানে বন্ধ ক/ংকে। काणमारक व्यात धकति । सप्तय कतिएक बहेरन, यप ুখল ছইতে প্রপ্রেখনের। সংস্কৃতভাবাধ এ

সা**> হইরা অবলবিভ**্বিষয় প্রিভগাগ করেন, এই जानद्वा जामता करियाहियाम, इ कियू तिव পরে আবন্ধ ক্রিলে ভাল হইড, কিন্তু সম্পাদক-क्तित छेरतार कम कहा आवाक्तिय छेटममः मग्रु! य ।

(२) जाबहा जाम्द्रश्रांक क ग्रहार्शि রাহ্ব করিলাম, বলি অন্য অন্য পাঠকগণ বিয়ক ' মা হন, আমরা অসুরোধ রকায় ব্যবান **र्ह्य** ' म ।

गक्न गत्र (टाउन कडिएनेन त्र मनक वश्राका एंगीज श्रेरत । फाश स्ट्रेश व्यादस्य फेल्म थां छ स्टेरक ७ तन्त्र निर्धेत्म क्षांत्रात्रिरगत्न रेमन् कच्चिद्रव ।

বংস্ত পত্রিকার সংবাদ পাইয়া আমানি श्चित कुछुन्त का.चित्राहरू, अदश च्यामना अस्ट्रा ফটবাভি · কিছ কোখায় পাও**রা** বার ভাছ। অ মধা ফাড (০) নহি, আপনি আছুএং করি এ বিশয়নী লিখিলে বাধিত হইব।

> ১ ৮ ই পৌ. দ ক্ষা চলেকদেশবাসিন 75321

মান্যৰৰ শ্ৰীযুক্ত **দোৰগুকাল সন্**শা মহাশয় সমীপেছ।

্ সূর্বনয় নিবেস্মমিনং---ুমহাশয় আপনাব ১৭ ই পৌৰের সোট कार्य कर्रमाञ्च हेरहाबी जरकृष विन्हांगर हुनि शंबक अहरान्यर। भरीकात्र केन्द्रीर्व व য়াছেন এই জ্ঞতি সুখাবহ সমাচাৰ পাঠ কৰি रा कि नवं ज बा लाफ्डि रहेलाम, खारा नि কি ব্যক্ত কাৰ্য্য। এত নিনেৰ পৰ আমাং महन अक्षय निश्चाम छ जिल्लाहरू ६५ अवसीचन स ্দর এই **ইটভাগ, সমাজেব প্রতি আলে**য় য য়াছেন। ভাহতেই এই অভুভগুর্ম ঘটনা। ग्राह्य : प्रशन्त्र ' इंडरचेव कथा कि कविव खा वात भवर्षिक हेन्न आहारा, मान थया । अवर्षः অবানছিত পরেই এদেশত্ব কতিপর বিদ্যাল্লয় भटकामरस्राम्बरिक गर्य छ। व्याद्य विश्व একটা সভাষ্ঠ ইংয়ালী বাজলা বিদ্যা প্রায়ক্তিত হয় । করেক জন সুনি ক্রিড বর্তী कर ह के के दिए, अरध्य छ्ट्रियारमय छात्र य পিত্ৰইৰ ভাষাৰ উপৰুক্ত শিক্ক নিং करिया दबादी छ निय इत्यः मालाहर कुर्द् ता अरलम । भरत भरत भाजनादा छेपरि খ্কিয়া, ভাষাবিধান ও ব'লাচনিলোৰ পাঠিঃ ব यत भन्ने का अहम कर्ष क जावस कविटन <u> अहेन्द्राल क्रिष्ट्र । हम कार्य) हाल्याल अह सिम्</u> चित्रतेमात्त्रम् **३ ज ग**्यंत्रं कृष्यः **८ गरे गरम** म काश्व दृष्टि इदेएक लाजिल। देवदार अ অৰুত ঘটন। উপ। হুত ১ওয়াতে স্থানকৰি প্রপর মনোভঙ্গ হইয়া গেল। স্কুডরাং উ ই

अनल्खर अन,क मनदाम औ; अ बारू लाट কৰাথ যোৰ মহাশয় উজ বিদ্যালয়ে ৷ ২ বৰ্ষ ব্যে ভার ও ভাগ্রাল ভাব বছরে এইণ

আব সেই ভারবহনে সমত হইলেন ন।।

( ७ । दोनीट अन्य भार्त हर्त्यहे ५६७३ ।

र्माप्त नहार्थ किन्तु हहेब्रा अइन्ट्या १८ उकाम উঐাক ছবেকানাৰ বিদ্যাক ৷ সংগশসু ় ডি🕏 স উর্তিশীল একী সংস্কৃত বাংলা 🎙 tni 宝山 ---118 লিয়েঃ ৬'ব্ল শাবেৰ লোক লাধৰ,পুণসন [ প্ৰণ্থেটি ল'ড হাসমূলক প্ৰক দি গে যে কে বেদ্যালয় চলিডেভিল সেই রুখিব লাব সন্ত্রিবা আলম্মান লৈকে সাহায়র প্রাথনা কবি ।। গালাকাও প্রমন্ত ছইন। ডি.নি কুডন ক এপ ওড নিবৃক্ত করিয়া অহস্তে সমুশ্য বিশ্যে ভাষে এইন ক্রিলেন, এবং বত পরি ৰ্থীকাৰ কাৰ্যা নিযুদ্ধিত দিনে।বৈগালৈয়ে 🐍 ভ কইয়া বাহাতে বেদনালয়েব আন্ড উঞ্জ ভাষার চে**ই**। কণিতে সাংগলেন ৷ খনৰ ারতি ও ছাত্র ংখলে বৃত্তি গইতে লাগেল ছয় গাবেৰ নৰে উঞ্চাৰ পূৰ্নামন্থা পৰাৰ্ডিড । प्याप्त वृद्धि ए रेसमस्मिम क्षेत्र क् मग्रनरकाहर ত জাগিল। গোনেল'ক ব'বু বিদ্যাস্থৰ সহা ৰ **ভজা**ৰণাৰ **ও**ংশ পুৰৰায় জীঞ্ছি হ*ইণ্ডেডে* য়ো অমনি হাঁহাৰ সহিত বিসাদ উপস্থিত লম। বিদ্যাভূদণ মহাশ্য দেব(ইউডার) ভিন্ন াধ করিবেন কেন, আপন বিদ্যাস্থ পুথক য়া বাইলেন ৷

মাৰুক্ত বাবু পঞ্চানন যোগ মহাৰংগৰ বালিতে ৰ **একটা ই**°বাজী মংস্কৃত .বদ্যালয় স্বাপত : লেন তিনি বৰংনে ভাল ভ'ল <u>লোক</u> ল্লা **শিক্ষ**ক নিয়ুক্ত ক.বিজেন, এবং পয়ং मिस विका<sup>र</sup> शहरू গমন ও উত্তাৰধান **७ माशिरमञ्**। भिक्रक म्हात्र निकासम ণ্যে এবং উচ্চাৰ স্মান্তবিক ৰয়ে 🗷 ভাষা 🖯 **धरन व्यक्त**िरामद्र मा:४।हे ऋ**र**नाम विनक्तन হইরাছে। ছটা বালক প্রধেনিকা পরীক্ষার 🕯 হইয়াছেন। সুভরাং সাধ্যকৃত বিদ্যাল **प्रदश्चामनी**न कानेसा कामार्टन करन करे 'त अविद्वारक, यह किस मक्षद न- विकास्तर है , ३५ ५% सरवंदत क्वेर्फ ७९ आर्डी वंद्र . ক্তিও সঞ্জিত্র।শক্ষক নিযুক্ত ন। সইবেদ **নিৰ কোনরূপে মফখল** বিন্যালয়েও চনবলা : 🛊 হ্ইবে না ৷ বিসন্ভুৱণ কল্পয়ের এই क्ष्मीन व देवा का मारनेज रमने मध्या । बारदा स्कृष्ट्रहारहः अगान स्थापित्व निका । is at feela

ে লোলোক বাৰুধনী খৰণ ৯০ জন মত । দীৰ'লীবী কলন, এই ছতভাগ্য সমাভেৰ শীল र्धी (भाक : उँ।होत मा चार्टक अवन^ ७ मा े हेन क रहेवाद महिनक मञ्चानमा च्यार्टका चिक्ना ত্ত ক্রম্বরণান ক্রমতা, সুল্লার বিব্যালয়ে । | বিভারের প্রধান অব্যক্ষকে একটা কথা জিজাসা ৰ ভাতে ধীন দলা উপাতিও ২ংজে -লা¦গল : | এক্বীবাঞ্জুৰ বিদ্যালয়ের বর্তমান চয়বস্থার বিষয় দিন রাজ সংখ্যা ক্রিয়া গাইতে লাগিল। বিন্নান্য ক্রিয়া প্র**ভাবের উপস্থ**য়ার ক্রিডে পা:িশাস না : প্রায় ১৩ ৷ ১৪ বংসয় অভীত চুট্য'ছে শাজপুৰে সাভায়াকুত বিদ্যালয় প্ৰতি 📵 ठ बहेब्राइड - अहे शीख बार पत्र मदण भवर्गतर हेर বালালের সভিত বিচৰ আৰ ভালী ভাত কটবাছে, বিজ একসীও अन्छ २ वद्या १८ वस, १५० है: अस्पिन वोलना । यान ह स्राप्त निका भयोकाय छिन्नीर ४३८७ भारत नारी: उत्राल्धित छ ८ इन्नी देशराल्यकेन हेश व्यक्टक (मधियान देशीय मश्याधन ८५की म করিয়া কি বিবেচনা কবিয়া মৌনাবলয়ন কবিয়া আছেন, বলিতে পারি না। আছার। কিন্তর্বে ও কি কাবৰে যে বালপুৰ বিদ্যালয়েৰ প্ৰডি পঞ্চ-भाकी, छोश काम । करनक विरद्याः करिया ० ব্ৰিতে পাইতেই হা। একৰে উভালগকে विकास करे, में शहा जाह कर किया शवर्शन-्चेद अर्थ अन्तर्भ कथा कशिएकम ? उँगारा प्रक्रि এই অভিনৰ বিদ্যালয়ে উৎসাহ বাবি বেচন করেন, প্রিষ্ট ইয়াকে ফলবান্ দেলিতে পাই ( वन । महावात्र । "चाल्ल्य विकासायम् अर्थनान इंडड'व विषय वर्गम कविएठ क्षत्रव विदीर्भ इकेटडरूड. (प्र राम्छ माडे (प्र व्यट्योरते छ माहे। केंकु विद्रा बद्धव शृतिका वाजिले क्या इतेया अञ्चित्रशाम হ≷বারে । বিদ্যালর্দী এক আশানভূমি আল্লব करियारम प्राज्यभरमा भगायक सुप्त दहेया গিয়াছে। শিকা ও বিলালবের সুণ্থলাদি डेबाद अञ्चल क्षेत्रारङ र

#### मुना व्याखि ।

**3**:-

গ্ৰীমুক্ত বাবু উমেশচন্দ্ৰ মন্তল PFF ১২৭৩ অঞ্চারণ হইতে ৭ঃ কার্ডিক ৯ ঐনাথ রায় कीव्रभाहे » বিপিনবিহারি সরকার ভূটাৰ ১२१७ व्यवसायन स्ट्रेटक १८ कार्किक ٥٤ » ব্যুরাম হা**জ**রী পাত্রসাগর 7.0 বীরভূম मध्यात इतिम ১৮৬৭ জালুয়ারি হইটে ডিসেইব 30 (क्षिने भूत গ রাজকুক রায় চৌধুবী ১२५० में.स.च्टेटच ५**३ फ**.स**स्**यान ্১৩ ^ কেছারনাথ মাকান্ডা बर्द्धमञ्जूष

<sup>a</sup> জগৰত।চরণ দেব র্কপুর ১২৭০ পৌৰ ইইতে ফাল গুন **\*** #Ø ------

#### সোমগ্রকাশনং ফ্রান্ত করেকটা विट्यंत्र मिश्रम।

অগ্রিদ্মুল্য ও ডাফ মান্তুল না পাইলে মণ-बद्धः प्राम्ह्यकाल (श्रेरन सदा याष्ट्र मा।

देश्य अक्षिम मृत्रा काधिक ३० अवर मान्।।-পেক লা. • টাকা, মক্তলে ডাকমান্তল সমেক বাবিদ ১৩, মাণ্যাদিক ৭ এবং ক্রেমাসিক ৩৮০, টেন মানের স্থানে অভিন মূল্য ল ভন্না যাত্র না। হৃতি, বরাজ চিটি, মাধ্যাত্ব, বোট, ও স্থাপ हिंकि हे. ६ हाव व्यव । जब बाहार के पानाब कुविधा হয়, ক্রিনি সেই উপায় ছায়া মূল্য প্রেবণ করি বেন।

যাঁং'রা স্থাপ্রটিকিট পাটাইবেন হার। যেন এক ভাগবাজার আমান অসিক মুলোর ও রসীদের টিকিট প্রেরণ ল। করেন।

रथम विभिन्न क्यान क्षेट्ड (प्र:अन्यार्थन মুল্ল পাঠাইবেন, ভাষা যেন বেলিটুৰি কবিয়া জ্ঞীত্রজ ধারকানার বিদ্যাস্থ্যদের নামে পাঠাইশ্বা (एवं '

. খাঁহাদিলের মূল্য দিবার সময় ও চাঁত বর্ণা काशिरंत, এक मात्र शूटर्फ डीकासियट टिकि निधिया सानान बाहरत. काल खडीड स्हेग्रा গেলেও একবার চিঠি লেখা হইবে, ভাষার প্র এক যাসকাল প্রভীকা করিয়া কাগল বন্ধ কণ বাইবে । এবং ব্যৱের পত্র বেয়ারিও পাঠান क्ट्रेरन ।

মাজলা রেলওল্লের লোন।পুর ষ্টেশ্বের ডাক যত্রে চিঠি আইলে আমরা নীজ পাইব।

**ৰ**ীহারা মাস্ত্রল<sub>নে</sub>না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ কবি বেষ, বাহাদিগের সেই পত্রাদি এহণ করা

কেই লোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে ইক। করিলৈ ভারতে প্রথম জিনবার প্রতিশংকি 🗸 बाबा फार्श्व शत्र /> भावा विटा स्ट्रेटिन । যিনি অনিককাল বিজ্ঞাপন বিবাস ইব্ছা করিবেন বাহার সহিত অমুদ্র হন্দোরীর হাইছে।

🚛 এই পত্ৰ কলিকাকাৰ দক্ষিৰ পূৰ্ণী ছাতেলা বেলওয়ের সোনাপুর ক্লেমনের দক্ষিণ চালুড়ি-গোডার প্রীয়ক স্থানকার্য वाजिएक शकि त्यांक्षात आकारण अकार्यिक

# (माश्रकां

৯ ম ভাগ।

み オミザバ

# " प्रवर्शनां प्रकृतिविताय पार्थिवः सरस्वती ऋतिमहती न श्रीयनां।"

মানিক মূল্য ১ টাকা অগ্রিম বার্ষিক ১০) हे का अधिम यान्। जिक क्षा होका।

সন ১২৭৩। ২ রা**মাখ**। ১৮৬৭। ১৪ ই জাত্যারি

মক্ষতে মাত্ৰসদমেও অঞ্জিম বাৰ্ষিক होका यान्।तिक १, ও देवमानिक ७

#### বিজ্ঞাপন।

्महत्र कलिकांखांद बाह्यसामाद्य ज्यामात्र (स বাবেরী গদি আছে তাহার কর্মকার্য্য সহক্ষে অব্দ্য ছইতে এই নিয়ন সংস্থাপন করা হইলা যে, ফুড়া ইড়াদি যখন যাগা যে স্বলে খবিদ জখবা दिक्क्यू इहेरवक, छोडान बावज वचन या हिटि ও এশ্যেণ্ট ইত। লিতে দম্ভখত করিতে হট্ বেক ভাছা জীবুজ কৈলগেনাথ প্রধান, জীব্জ কালীবাদ পাড়েও জীয়ত প্ৰাণ্ড্ৰণ প্ৰধান এই তিন ব্যক্তিৰ মৰে যখন বিনি উপস্থিত প্রক্রিয়া আমার ন'ম বকলমে ঐ সকল লক্তরত ক্রিবেন ভাল লাম্ব বীয়ক্তের ন্যায় গ্র इटें(दक, त्रेश जिल्ल अभव (काम क्यांकाहक कि দালাল ইডাদি কোন লোকে ধনি কোন ব্ৰক্ম খরিদ বা বিশ্রুরের কোন কার্যাকি কোন রক্ষ দস্তবন্ত করেন, ভাহা অগ্রাচ্য হইবেক, এবং তাহ স্ব কোন সকমে দায়ী আমি হইব না, আৰ ঐ কাৰ্যাঃ সহস্কে আমাৰ যে ফোন ব্লক্ষেব পাণ্ডনা টাকা ভাহা সেই সকল টাকাৰ বাৰত চিঠির পূৰ্বে ওয়াদিল বা দিয়া কিছু৷ উক্ত ভিন বাজিয় মধ্যে কোন বাজিয়ে মন্তব্ত রাস্থুনা লইরা क्ट काम biका चलत काम क्किनातकनिशक দিলে কিয়া আগত্ব দেনা টা চার কান চিঠিতে উক্ত ব্যক্তির মধ্যে কোন ব্যক্তির দক্তবতে খাক্র না হইলে ডাহা আমার প্রাহ্য নচে, এবং আমি ভাহার দারী হইব না।

জীবারকামাথ মিত্র।

-:::-

সীযুক্ত রামকমল বিদ্যালকাৰ প্রণীত "প্রকৃতিবাদ ৯ নামে একখানি অভিধান সংপ্রতি <u> वृक्षिष्ठ ६३४। मरण्</u>ष्ठ वक्षानरतत भूखकानरत ও শাখাবিদোলা মাখন ওয়ালার **জীবুজ ঠাকুরদাস মাষ্টারের স্কুলে বিক্রমার্য এ**-স্তত আছে। ইহাতে প্রায় প্রত্যেক শব্দের বু:-। পত্তি অৰ্থাৎ ধাতু প্ৰত্যন্ত সমাসাদির উল্লেখ কৰ ब्हेब्राट्ड ।

মূল্য ৫ পাঁচ টাকামাত্র।

ভবানীপুর লওন মিগমার

সোগাইটা বিদ্যালয়।

कलिकाडा विश्वविद्यानस्थव श्रथम भवीचा ছাত্র প্রস্তুত করিবার নিমিত্ত আগামী ৭ট আলু-স্থারি উজ্ঞাবিদ্যালয়ে বিজ্ঞীয় বর্ণের একটা স্লাস (थोला स्ट्रेंट्र । कारतक फिलाहिर्मर ने मात्र ब्रेक **স্কলৰ**শিগেৰ পরীক্ষা গৃহীত হইবে।

> রেববেণ্ড ভবসিউ জনসন বি. এ জে, পি, ডাইন এম, এ 🖅, मिल्रुव वि, अ, **ই**ইারা ঐ বিদ্যানয়ের ক্ষরা**পক**।

ভবানীপুর লগুন মিসনবি সোসাইটা বিরন্ড লয়ের কালেজ ডিপাটগেটে এক জন সহকারী निकरकत क्षरप्राञ्चन चारह । जन्मानः श्राचीत्र অপেকা কলিকাডা বিশ্বিদ্যালয়ের ছাত্রকেই ष्यत्म भरमानीष कत्रा श्हेरव । त्त्रवरत्रशः स्वतिष्ठे समयम वि. এ इ निकटि चार्यमन कविटल हरेदव ।

ভন্তবিদ্যা ।

প্ৰথম ধণ্ড ক্ষানকাও।

জীয়ক্ত বাবু থিকেজনাথ ঠাতুব কর্তৃঞ্ প্রণীতঃ কলিকাডা রাক্ষ্মমাল পুস্তকালয়ে विक्रप्रार्थ शक्षठ चार्छ । मुमा अक नेका ।

নীলামের দারা ভূমি সম্পত্তি **अवर नीमक्**ठि विक्या

সমৰ্গত সমস্ত ভালুক পস্তনি দৰপত্নি ভাৰ খোএম কাতুন মহল খনিদা রুজি মৌরুদি জ এবং পাটাই জমীও মীল কর্ম্ম চলিতে প্র এমত আট সুঠিও ছোট ছই কুঠি ও মোক ক্ষপক্ষের ছইণ্ট উৎসূপ্ত পাকা ঘর, সমূদ্য ইটে এফলাটে অধ্যা পু.বিধা ধুরিলে পুরক পৃথ ল'গে প্ৰকাৰ। নীলামে বিজয় কইৰে।

২ ৷ সন ১৮৬৭ সালেব ১৭ই আছুয়া বুছুম্পতিবাৰ দিবা ছই প্ৰহৰ একট'র সময় খা (बाग्रानियात कुठि शाकारम भीनाम व्यातम बहे যে পর্য্যন্ত ন্মুখ্য বিষয় বিজ্ঞায় না হয় তাব थक्षार के अकरे नयाय भीताय रहेता।

ও। এককালীন সমুদ্য নীল কানসবৰ অংখ সমুন্দ্র জমীদাবী কিছা ভাগার কভনাংশ আপ বৈক্ষু বিষয়ক দর্থাও ও প্রভাবাদি ১০ ই জা যাবি ভারিখ পর্যান্ত গ্রহণ করা মাইকে।

৪। তপৰ বৃতাক্ত নিমু স্বাক্ষরকারির নিব ভব কবিলে জানিতে পারিবেন:

> ঞ্জীয়ে আৰু, চি. ছিল সাহেৰ বালফোর কোম্পানির বাটী কলিক:তা।

विप्रहरूत निष्ठमा

১ ঃ শে ব্যাকৈ সূ লিংপেৰা উচ্চমূল্য ভাকিকে উহিংব নিকট বিক্লয় করা দাইবে। কিন্তু প্র**েড**ংব নীলামে বিশ্বভাদিগের কর্মাধাক এক ভাব ভাকিতে পারিবেন বিক্রেন্ডার অধ্যক্ষ প্রত্যের ভানের উপৰ যে গাংমাণ বৃদ্ধি ভাকি**ভে চই**নে खाश करभावन करिया भिरतम । यनि छाउ সহতে কোন বিবোগ উপস্থিত হয় তবে ও विद्रापि ভাকের পুর্দে যে ভাক इইয়াছিল সেই ভাক হইতে পুনবাৰ তাক হই ব। কেছ কোন ভাক ডাকিয়া ভাষা অপহৰ কি অধীকার **করিতে পা**হিত্রন না।

२। (मधु:ला ভाक भारत्य १७ डाहार ४५-১। **স্থাবিধ্যাক্ত খাল বোরালিরা কান্সব্ধের** । ধানশেস একাংশ খ<sup>া</sup>ব্যব ভাল করা কি

· वि:्वार्यात अमानात मिर्दा अवः ्रत्वत्य देशका मीलाटमद्र किंग व्यवस्थितम् ব, প্রিশেব কবিৱেন। সাহ, লা ক্রিপে ভানা ,ববাক বিন্দেন্ডার হটারে : "এ" 5: પ્રમુ**્ક** વસ્તારન ર બનામ નેવા~ -्रक शहलास करिया शुक्तवात । व , વાંડ્રાના ક્રિપ્ટોલ (વર્ક્ક) હથા সংখ্যা যে মূল, কৰি বা প্ৰি শেশ ুৰে কিছু গাচ∩তিহিয় বহিন্সাু•ই 'বুল প্ৰজ জুবিনিয়া এইণ কৰিবেন । দু ে (বাংবে পুলাপেলঃ লভ হণ <sup>ারি ব</sup>ং একলার লিখিয়া নি**বেন**। टा काक्टरमा विकट्यन वहमार्हे केत्र श <sup>र</sup>∞८२म ।

পানিব বংক এহাডাব নিকট সন ১৮৬৭ স্পর্যে ক্রিশ ক্রিবার স্ক্র ক্রিয়ার (कारण एक)किक उनक्ष तथा हरेगा केसा এবু**র মতে ১**ইবেক যে বিক্রেন্ডা নে প্<sup>র</sup>ল' হয়গাল্ডেন, ভদ্ধার ভাষ্ণ্য সম্পশ্চিব সম্পশ্ विश्वतीन अवर स्रोतिक ब्रहेग्राय्कन, अयार्थाः। শেশতি সহজে গুলিয়াৰ কোন দার ব ন্তি উপান হইবার নদে।

। সাবদা সম্পত্তির হস্তাক্তর কলনগাত্র | দাব বিল্লেডাকে দিবেন। ত পড়িতের মুগুল্যবায় মূল ন**িলে**ব ∤ জি যে কছ সঃ। ত ল সমুখান স বদাশে। রূপে বিক্য কট্রেক। स ।

াগত লি দংগড়ান গুড়াত স্থানান্ত্রীর লওগুঃইয়াছিল জালনিকের মল্ছকি র সলিক অসুঃধার হাতিকেরে ঐ সমস্ত ার ক্রিতে চইংংক।

ভ। বিক্রেডানিরের অন্বান্য বিষয়ের সহিত धक स्वारश १व दिवस विकास इस कारोबा म**कार**वज्ञ বিশ্বত। আপন হল্ডে বা বিবেন। যে বস্তু সামা-ন কলে বিক্ৰয় কৰা ষাইবেক ড'হ'ব দলিল বিক্ৰ ্ষ্যপুরুষ্কি অধিক মূল্যে ধরিদ কবিবেন. ভাত্যিনি প্রধান খবিদলার হইবেন উাহাকে ' ম্মাৰণ কৰা সাইকেক এবং বিক্ৰেডা আ প্ৰবান ্ফ্রতা এই উভায়ের মধ্যে দক্ষাবেল হাঁহাব নিকট পু'্বিষ্টে ছবিন জনান; খবিদলাব্যুণৰ প্ৰথমা মতে ভাষাদিলের নিকট খারচ প্রা কইয়া মূল ন্ত্ৰক্ষম নিল কৰা ও ভাগৰ মকল দেওৱাৰ

৭। সন ১২৭-। ৭১। ৭২ স'লেব ভাষাওয়া ই স্মুত্ত নিব্যুম কাৰ্য ইইয়া এক গাঁ! ন'ল বুলি কাগ্ৰেছৰ লিখিত যে ৰকেষা খালনা 14 বের লিনে প্রজার নিকট পাওনা হয় ভাগার া যেতে ; বিকেতা বাঙ্গল ইডিগে বিক্লানা চৰ্ম বিভাগের দিন চইতে ছয় মানেব म°र कि युवकित क्रुवाड श्रीतमान दिर हाडोक ं ... रहन, ११४० जे द'की श्रविद्रमार १४ रहाविश्व नि i' াছ টোৰ স্কুল চলিলা লিখিয়া দিবেন।

> ७ । वर र'न प्र'ल । (य औक्षामा क्**सु।खा**न किट्न अमार निकड़े शायमा शास्त्र स्मेहांत्र श्राटकः স্বস্থানি শ্ৰুক্ৰা ১০ চন টাকা হিলাবে মিন্ট तर्र स ही अभूवंश भेका मालाहें र ५०१ व मध्यार ১০ এইচছে-অন্নাপৰ কিভিন্দী ছবা থবিদ

৯। বভিক্তা ও চিত্রীর ও নীপ পার্শন ন বাহাতে । সংশেষ ও কলিটুৰি মুট্চ লছন। ব'বড়েয় সমস্ত টাকা একা ও অন্ধান, ≁, আগাদেৰ মুক্ত এ<° ছসি লাকে ন'ম ়ুঁ লাকের নিকট পাওনা আহেছে ভং€1 বিকোচাক। ধাৰি সেকেন্দ্ৰায় আন্তৰ সংগ্ৰহণ সংগ্ৰহণ প্ৰজ্ঞানুসাৰে বুকিব সন্ধিত এক যোগোৰা পুথৰ-

#### নিন্দান পদ্ধ বে জাইবি সম্প্ৰীয় বিক্ষাপনপত্ৰ ৷

স্থাৰত সম্পতিতে অহাপ্ৰশানেৰ কাৰ্য ব্ৰোবস্ত করিখা নিডে ডাঙানিং গে সম্পূ<sup>†়</sup> স্থবিদা কৰ্ণাভিপ্ৰায়ে স্বল বেডিষ্ঠবি কাৰ্য্ গছিল ৭মত সম্ভাৱ কাইডে শ্টাবেক। কাবককে এই আছেশ কৰা পেল, কোন বাজি ঐ স্থাত প্রেল সংগ্রন নহ'লাভেব বিভিন্ত'ৰ কৰিবাৰ ভাষা, নিম্পন্স উপস্থিত ৰেক ভস্তসাৰে এব কিছে। প্ৰতিশা প্ৰি-্ব ক্ৰিলে দেই সংস্কৃতি বিষয়েই উপূচেৰ যে প্ৰ বে দাবিলালাভ বা এ খাজান। পশিৰো বিভিন্ন ইয়াতে যদি ভাছ'ৰ আবিদাৰ সংবাদ অপার সংলোগজনত প্রমাণ এদনি চ**হটা**লে। **জিতে পা**নে ডাবে উপাস্থিত নিজনীন পাত্রের ঐ সমস্থ পার্ডনি দংকান্ত ভাবং , প্রতি লিগী সম্প্রীর সুহাত্তের যে স্থাচিপত্ত । ও নিয়নের সম্পন্ন সভ্যান করা। করে। বিশ্বধার, উক্ত কর্ষি,বাবক ভাষাতে ঐ শংবাদত । ছঙ্য়াৰ সময় ৭০% মুখ্যমন্ত ওজার সিং | কিখিলেন । ভাষ্চ কিখিবার কোন খরচ विनिष्ठा विन्ना में भड़ांन अङ्गित व असानः। ना गिर्व मा। किन्न आधासनीप्र वृत्रास मिन्टिड বেক্সান্ত এ সদস ৮০% এবং বলবং, বলিয়া ; মতে কাৰ্নিব'ৰ খন্য তাংগণেৰ প্ৰাৰ্থনা হইলে ্সেই ক্ষেদ্পের ধরচ দিতে হইবে।

এই প্ৰকাৰ কাৰ্য হইলে কোন পত্ৰ কেছি 🕏 রি হইবাস জন, উপস্থিত কর। গেলে ভদ্মিয়ের श्रुर्क (ब्रक्टिप्टेनि विषयक २,९२१म छाना शहेरन. सुक्तार हेश्रह का निकास **करमक, दिलद छ** সম্পেট নিহারণ হট্বে: এট কারণে এতহিষ্যে সন্মানা তেশৰ সমকাবিতাৰ প্ৰাৰ্থনা হইভেছে। প্রতিনিশি য়েঞিগার জেনগল •

মিমু লিখিত মন্তেব নোট হাবাইয়া গিয়াতে, যিনি আমাৰ নিকট জথবা গোমপ্ৰকাশ সক্ৰ'--परकर विकटि छैनछित्र करिया पिटङ शाधिरवनः হাঁহাকে ২৫ পঁটিশ টাকা পারিতোবিক বেওসা य'हे(प्रा

'ন'টেব **নয়ৰ এই**:—

ኔሕ ባ ነቃ

১৯१১৯ मर ১०० होकात हिर २०० है।का

• 8 4 4 5

**າ ድ**ባ ∉ ∉

· 8264

.800.

دو وو ٠

• ১৭ ७> सर ६ • होताद हिर 5०० हे.का স্মুল্য ৫০০ টাকা।

জীবিপিনবিখাৰি সৰকাৰ ভূচান বাকশা সবডিলিটের ইনচাব পুলিষ ইন্পেইর।

নিমুখানসামাৰ গলি ১৫ নখৰ বাটীতে মংগ্ৰ ণীত ও সংপ্রচারিত নিয় লখিত পুস্তক্ত লি fa

वेक्क क्हें (जि.ह	*	
প্ৰশীত	মূল (	
এীসইজিহাস	<b>ን</b> ট1ች'	
রোমইভি <u>ছা</u> স	٠. د	
ভূষণসার বংগকণণ	٠, ۱	
নীভিসার (১ ম ভাগ)	Ŋ.	
নীতিসার (শয় জাগ্	٠ او	
<b>अ</b> ठानि ङ ।		
মুক্তাধ বংকবণ	h •	
ঞীয়াবকামাথ শর্মা।		

কিসমত প্রগণে সৈদপুষ ওগমরহ মধালওকক চা বুছা নির অন্তর্গত পরগণে মহেশ্রপালা যাহা (क्षमा धटनास्टबंद 👰 छ कारलहेब गाउर्रवः ভত্তাবদানে খালে জালে উক্ত পরগণা রেবিছ (बाइड व काइम्बाइ बावी काशाबी १४ ११ गारना

२। यति व दिश्वाकाष्टिया छैलातस्य अन्न-नात क्षत्रमं कृषिक विद्यात अमी भाष्य ने दिश्व वर्ष्णावस्य हरेया बाक्ष किया या व्यवस्थ ने देश देखातात विद्यिक बाकिरव केश्व दिल भिनाम कारणके मारकरवर बाजनदाल बाकिरन।

 । (४ क्ट्रिंग विकासन (१८वः साई उ) इ खांबार वार्षिक बाक्सा १२५०। त्र के कि १ ३४५५ मारमद ७० क अरख्य वर्षा वह छेल्लवारम व के ১%१५ 🌉 हे कि जिस्र जारिक विकास है कि अ (भारत व्यापास इहेग्राहर । ५৮७१ । ७५ ज मान्ड পংছে যে বাকি থাকে ভাগা ভাগায় করাব क्षमञ्जा है = 'ब्रासारमस व्यक्ति त्में ब्राम याहेरव हेव्या-हानांत्र (गाँउ वर्गना प्यार्क्क कि भाउ २६ है)का मद्रकाशी बार्टन मन ३/१६ म'रत्य मर्ट्य छ व ही कर्मक जो मळ नवकानी व'रन गम ১२१ ६ সালের मर्गा कारमञ्चे १८७ माथिक कविष्ठ कांग्र हहेरवा আনার সম্বে সার্ল্য ব র ইড্যালি উজ্জ ২৫ চাকার মধ্যসভ থাকিল এবং বকারা খালমা खर७)क भग देशाहार ए'म आहमान व्यक्तिक क्टिंड इंदेर । (य कुम देख'ा प्रश्न संदेरत फाश्च जीवाना प्रवस्ता । शत्रिकात्रकाल निर्दिष्ट 🗷 কাহাতে মহালওককের নিয়াপতঃ সত্ব আছে। चानाभी ১৫ हे क्वज्यप्राति लग्नेष्य हेहान मत्रवास জেলা যথোহরের জীগুজ কালেইর সাহের এহন क्त्रियम । पत्रचा खकाति य दार्षिक समा मिएड ইচ্ফুক হইবেন ভাহা শারন্তলে সর্বাত্তে सिर्धन ।

ঃ ি দরখাত্তের লেণাকার উপবিভাগে ( अन्नगरन मरस्यत्रभाषात्र देखान्ना मस्टबन एत-चाक ) निविध रहेश्रा मा यहेत्र कतिश्रा कारमञ्जेत সাল্লের সমীপে অর্পন ৫ প্রেরণ করিডে ২ইবেঃ में में क्या भन्नबाख ) ला बार्क फ़ाहिरन की कुछ কালেটর সাহেব বাঘনি করিয়া ইজাবাদার ছিব कश्चित्वत । त्काम का व्यामा मा म्याहेशा क्यापुष्ट कारल केंद्र गारहर श्रीप्र का अक्षांत्र में उ त्य त्यान अप्र चाच रखेक क्ष्यांश कड़िटड अच्छूर्न फनवान वाक्टितन । अन्द्राविक कृत्य मध्य अनुनान नवान यरनाश्टतत्र कारलक्षेति इरेट७ किया भूननियान মহতুমা হইডে ৪ মাইল ক্ৰেখন দৌলতপুৰস্থ 🌉 🕶 बाबु रक्षप्रदेशीयांग वर्ष्ण्यांनीशांत्र-स्वा-অগ্নৈর নিকট হইতে অথবা খুগনিবার ডেপুটি कारमञ्ज्ञ जीवुंच्य बाबू जन्मभाश्य क्राय्य निक्र 'स्ट्रेट बाक स्वयं साहत्क गावित् । देवावाया-(तत त करूनको भिष्ठ स्ट्रेस कारात अकिनिनि উপরেশ লিখিত ভিন ছামেই দুষ্ট করা হ'ইছে।
পারিবে। ইয়া বলা অভিবিক্ত যে প্রভে,ক ন্যান্তি
কর্পতির লিখিত এবং অত্ত বিজ্ঞান্য পত্তের
পরত আমলে আনিতে হইবে।

e। ইজাবার বার্থিক শাসনার মেকরার ইরান রানাবের জাসীন নিতে হইবে। বেরূপ জামীন নিতে ইজাবাদার ইচ্চুক হুরেন ত্রিস্তারিত স্পাইরূপে দর্শান্তে লিখেন।

> জে, মন্ রো অফিনিয়েটিংকালেইর বলোচ্য।

किममण भागत रिमम्ब्र अभया स्वास्थ्यक विद्यासिय अवश्री भागति विद्यासिय अवश्री भागति विद्यासिय विद्यासिय अवश्री भागति विद्यासिय विद्यासिय

र । यदिक लाग्ने का बाल बाल बज़ का नाउँकी कि शावन होती के वित भाषमा केनर शक्त भारताद अवर्ग के कि अलगी वरणानकी केन लाग्ने बंग्न के वित्त कभी भिक्त के स्वर्ग वरणा-वेश्व बहेगा बाक्ष कि विश्व के बार वर्ग के हैं का निवास का कि शक्ती है है महान कि कुक कारत के के बित्त के भड़नी है है महान कि कुक कारत के द्र गारह देव बाग ब्राह्म कि कि

৩। বে ভূমির ইজার'র বিজ্ঞাপন দেওরা সাই ভেছে ভাষার মার্থিক থাজনা ১০১৫২৯৮ টাকা। ১৮৩৬ সালের ৩০ এ এপ্রেল পর্যন্তর উন্তল বালে বাকি ১৩৬৬॥২ টাকা ডলবে; অধিকাংশ টাকা পরি**শেহে জালায় ক্**ইয়াছে ৷ ১৮৬৭ স'লের '৩১ এ মার্চ পর্বান্ত যে বাকি খাকে ভাহা আলয় <sup>1</sup> कविवान कवल। देवाद्रोनीटाव अधि (५०३)। থাইবে। ইঙ্গাবাদার মোট ব্যক্তির আছেক কি শত ২৫ টাকা সর্ব্বামি হালে সম ১২৭৪ সালের মণ্ডেও বঞ্জী অৰ্ছেক ঐ মত সরস্থানী বংদে अब ४२१७ मा**रम**य भरता कोरमके द्विष्य मार्थिक क दिए नाम, इंट्रेंटर । व्यक्तिय महरक मान्यमा रहन । हेट्यामे केख २८ है।कात स्थानक संक्रित। कुट वरुषा भाकना श्राह्म कर हेक्सित र'न भाक- । पन भन्ना । मात्र अधितिक विद्रक व्हेरव । य कृति हेकारा लख्या वाहेरव छाइड्डि गीमांगा गवहक পরিকার क्रां मिक्टि उ प्रशिद्धि महामध्येत्व मिता-পত্য সত্ব আছে টি আগামী ১৫ ই কেন্দ্রেয়বি পর্ব,তা ইজারার মরখাতা জেলা বলোহতের द्भिष्टुक्त कारमुक्तिय जारस्य ब्यह्म कदिरस्य । सर्वाच्य

काति त्य वाविक स्वता किएक हेन्द्र क इहेरियन छ व्यक्तित्य प्रत्यास्य स्वर्थम ।

शास्त्रभारत्वत (सम्भाकात क्रिनेतिकार्श ( भर्ष याजियमुद्रुव देखाङा मदर्याय स्वयार निक्षित क्षेत्रा ला महत्र कविष्ठा कारणहेन गार (वर ममेरिश व्यर्थन **७ (क्ष**र्य कड़िरफ स्टेरन । সকল দাখান্ত ১ ল। মার্চ ভারিবে জীগুক্ত কা **छे । भारत्य २१५ मि कहिए। इंद्यानाभाव श्रित ग** বেন। কোন কাৰণ না দশাইয়া জীযুক্ত কালে সাংহ্ব খীয় অ.ডপ্রাম্ব মতে বে কোন দরব **হউ**ক এঞা*হ্য করিছে সম্পূর্ণ ব্যব*ান বার্গ লেন। প্রস্তাবিত ভূমি সর্বের সমুদার স্থান বং हर्र व कार अर्जे व रहे एक किहा। चूल विश्वाद महतू হইতেও মালৈ ব্যবধান দৌলতপুৰত জীয় ৰাৰু ক্ষেত্ৰলোপাল ব্ৰেলাপাখ্যাত মেনাজ**ে** मिक्टे'इटे'ड अवता भूजमियाद एउनूनी कारली ∰,দুখা বাৰু ব্ৰহ্মনাৰ দেনেৰ নিকট হইতে প্ৰা इंड्रा बाहेर न भा द्रद**ा हे**काराबाद्वर म द লাজী দিজে হইবে আহার প্রতিলিণী উপত लि शिक कित दारतहे पृष्टे 'दा साहेरक श विरव ইহা বলা অভিনিক্ত যে প্রশোক ব্যক্তি করুল তীৰ লিখিত এবং জন্ত বিজ্ঞাপন পত্ৰের সং व्यापटम प्यानटक इहेटन ।

৫। ইজারার বাংশারক খাজনার নেকর ইক্রোদানের আনিন নিতে হটবে। থের আনিন নিতে ইজারাদান ইছাক হয়েন ভাষ্য বিত স্পষ্টরূপে দর্খান্তে নিখেন।

> জে, মন্বো অকিসিয়েটিং কালেটব যশেহর ঃ

#### कान्न छवटर्यन विवत्रन ।

ভারতবদের বিবরণ ভৃতীয়বাব সুক্তিত হ ছাচে। এসালে খণ্ডেব উৎক্রপ্ত হইতে পার ভাষাব চেষ্টা কথা লিখাছে। চুকলিকাভার সকল পুঞ্জাসমুক্তি পাওয়া মাণ্ড।

#### জীশ'শভূষণ শৰ্মা। ভূগোল পৰিচয়।

উৎকৃত প্রবালীতে সাগবানির চিত্র স্বলিং একখানি ক্ষম ভূগোল সুমিত হইরাছে। সং কৃত বজের পুজালাধে প্রাপ্তব্য। মূল্য 🗸 ৮ব প্রসা

শ্ৰীশনিভূষণ শৰ্মাণ।

সোমপ্রকাশ। ২ রা নাব সোমবার। ব্যবস্থাপক সভান্ন বিবেচ্য

প্ৰস্থাব -ব্যৰস্থাপক সভাঃ নৃতন আইন প্ৰস্তুত বার সময় উপস্থিত হ**ংতেছে, এট** দে আমেবা এক লীবিষয় সায়ণ করা-া বিতেইছি যে, ক্রব্য সকলের পরিমাণ কৈ কোন প্রকাৰ সাধারণ নি**দিউ** ালী যেন নিগম বছু হয়। আপাৰণ দে কে পাই কিংনো চাউল, কি তৈল মকল প্ৰকাৰ দুৱোৰ পৰিমাণ **ভিন্ন** র স্থানে ভিন্ন ভিন্ন রূপ, এমন কি ৩। ক্রোশের মণ্ডেও একরপে দেখা বাষ । ধানচোটল আদি মাশিবার জন্য লী, পশুৰী, কাটা, আড়া, ইত্যাদি ভ প্রকার প্রথা বহু ছানে প্রচলিত ; ৰার কো**থায় /২ কেপোয় /২॥ কো** র /৫ সেরে পালি হইয়া পাকে। রের অধবাৰ কাঁচি পাকি বলিয়া **প্র**-क **करा ए**या। **इक्षा**कि मालियांव दिय-3 क्हेंक्र**न (**शांतरवांत चार्ड विश র অভিনয়ম দ্বারা প্রতারণার পথ বিল অংশারিত রহিয়াছে, এবং সমূহ অ-हे मर्चाउँ इस्टिए म्ह का का का নে কিব্ৰণ শ্ৰঃ ক্সিয়াছে, ও ভাগ अकात मुर्गा विक्री इ स्टेट्ड शव-**ংক্রেইন**হাক্টলে ঠিচ্জানিবার ায় নাই। বিশেষভঃ বিজেতারা পনাদের নিকট ভিন্ন ভিন্ন প হাৰ মাপ चेन्ना **चारक, बदर ग्र्**यांश वृतिका ভোদিপকে প্রবঞ্জনা বরিতে ক্রেটি র না । যদি সর্বত্তে এক প্রকাব পরি-निर्मिष्ठे द्राध्यवर शवर्गत्मत्नेव कर्य देशन मगद्र मध्य व्यागिया व्यक्तश्राम ধন ভাঃ। হইলে প্রস্তাধিত আনিটেয় **१३९ ६६८**७ शास्त्र ।

মিক্সিড দ্রব্য বিক্রম আব একটা ম অনিকৌ মূল। এবেশের বিজে মুস্টাউলের সহিত যোটা চাইল, ভানের সহিত হাতন, হয়ের সহিত লেরপের সহিত মাটা, মহম্যর সহিত লের ভাঁড়ি মিক্সিড ক্রিয়া প্রার চিম্বিফ্রফ্রিয়া প্রাকে। ইকাডে কেবল দ্ৰব্যের প্রভারণা নয়, স্বাস্থ্যেরও হানি স্থানির থাকে। অভএব স্থান্ত্র দ্রব্য কেহ বিক্রম করিতে না পারে, এনিমিন্ত গবর্গমেন্টের লোকদিপের বিশেষ দৃষ্টি রাখা আবল্যক। মণ্ডবিধিতে এরপ স্থান কঠিন মণ্ডের বাবস্থা আছে, কিন্তু অস্থ্য সন্থান অভাবে ভাষা নামমাত্র রহিয়াছে কোন ফলোপধারী হইভেছে না।

> ্ **১এডদ্রেশীয় শিক্ষিতনিগে**র ক**র্ত**্য।

(मर्ट्मात्र गर्व्स श्रद्धांत्र प्रत्न इत्र बाह्य विद्याप्त প্রভাবে ভিরেছিড হয়, এবং দেশের गर्काकीन উद्धेष्ठि बिराग्नि উপরেই নির্ভন করে, ইহা আমাদিবোর এক প্রকার বি-भाग। धरे कना अरहरूम विमात्र यखरे প্রচার হইতেছে, ফুতবিদ্যের সংখা यठरे दक्षि रहेटल्डाइ, व्यामता नमार्यक প্রকৃত উন্নতি তত্ই প্রত্যাশা করিয়া থাকি ৷ কিন্তু আমরা কি আখাচুত্রণ কল প্ৰাপ্ত হইতেছি ? এ বিষয় একবার চিস্তা কবিলে নিভাস্ত বিষাদগ্রস্ত হইতে হয়। विश्वविद्यालतम्ब भन्नीकात्र कन्छ हाज छ-তীৰ্ণ ইতেতেন, কম্ভ ছাত্ৰ সহৎ মহৎ उभावि लाक क्रिया अधान श्रेष नक्रत অভিষক্ত হইতেছেন, কিন্তু ভাঁহায়া স্বদে শেব শুভোদেশে কন্ত চিন্তা বা কভ ভাগেখীকার করিয়া পাঁটেকন ?

আমাদের যুবকেরা পাঠদশাতে ত্রদে তিংলালনীল থাকেন, পঠদশাতে ত্রদে শীলদিগের ছংখে ছংখিত হন, এবং তাংলিগের মদশ সাধনার্থ বহুশাং বা প্রতা প্রকাশ করিয়া থাকেন, কিন্তু কার্যা প্রতা প্রকাশ করিয়া থাকেন, কিন্তু কার্যা করে তার প্রকাশ করিয়া থাকেন, কিন্তু কার্যা করে তার প্রকাশ করিয়া প্রকাশ করি কার্যা দিগের অনে করিলে তার প্রকাশ করি সামিল করিয়া প্রকাশ করিয়া প্রকাশ করিয়া প্রকাশ করিয়া প্রকাশ করিয়া করেন। বেমন জীল পরিপ্রক্ করিয়া ক্রেক প্রকাশ প্র

বীর জনক জননীর হঃখে ইবাসীন হন, আমাদিগের দেখীয় অনেক কুতবিদা দেইরপ আত্মহথে রত হইয়া জননী কলভূমির প্রতি হতাদর হইয়া খাকেন।

শিক্ষিতেরা কেবল বছল পরিমাণে व्यर्थायांकान कतिहा चरमना क नाम क-तिएउ पीतिरमहे कुछक हम, मरहर सब, আময়া এক্লণ বলিনা। অশিক্তিরাও यत्नार्भाण्यन कतिया बादक, वानिक-ভেরাও সমরে সময়ে সাধু ক্রকার্য্যে मान कतिया भारक । भिक्किकिर्शन नि-কট আমাদিধের প্রত্যাশা অধিক। **डीहात्रा निक्षित्र का**त्यत्र त्रक्षन । वन् **डेम्रिक गांवन कतिया चारमाणत ण्**ना स्थान ভাণ্ডার পূর্ব করিবেন, তাঁহারা এক এক কন সাধু চরিত্রের দুকীর শ্রুপ হ্ইয়া কা তীয় অপকলম দুরীক্লত করিবেন, তাঁহা দিপের পরিভাস, উদ্যম, সাহ্য ও একতা দেখিয়া অশিক্তি অগন, ভীকু ও কলছ-धित्र लाक अञ्चलत्व कतिएक निविद्य **प्यरः कैश्लिक्षा नर्कावश्वक केव्यक्तिक अ**न তাকা ধারণ করিয়া ইতরেভয়দিগকে चार्यनाद्मत चनुराजी कतिहा इनिद्यन, उँविशास निकृषे व्यामात्मत अहे श्रकात আশা। ইহা হইলেই সর্বাঞ্চনার দীনতা অশসারিত হইয়া জাতীর গৌরকীক্রমশঃ वर्क्षिक रह क्षर दिन्ह क्षांकि काकित মধ্যে পরিপ্রবিশু হুইতে পারে।

किंद्र जामता भिक्तिकारिक किंदित व्यक्तित स्विद्ध भारति श्री महिला स्विद्ध भारति श्री महिला स्वान स्विद्ध स्वेत स्वान स्

1 (\$17 . )

जन्दभन विचितिका गाउँ भी मन बर्क्स रेंद नकते ब्रोज विनिर्मेष्ठ स्टेटल टंबन, चामहा क्षिटकहि, डीशनिटमन মধ্যে কেই আইন কেছ চিকিৎসা, কেছ व्यक्तिक वर्ष देश विमादिश देवशीयक कार्ट्या जीवनशायम कतिवाह मरकर्णा केत्रिकारस्य , जांशास्त्र मार्था विनि व कार्यात्र खठी रहेन, डीशास्त्र नक्टलह क्षाचि भाषात्मत वक्षम्ब्र, (यन डीकात्र) স্বার্থের সহিত স্বদেশার্থ কর্ত্তর সার্থ द्रीरथम, स्वया चात्रण मध, शृक्ष स्वेरछ উজ্লো বেন দৃচপ্ৰতি**ক্ষ**চকৰলম্বন কয়েন। क्षारजाहक है रवन चार्यमाहक अक अक्षी विट्रांच कोर्या माश्रासंत्र समा कोइक्सस दिहरहरू क्टब्रक, जंदर छोडा नोयन कतिया श्रामणीयन्तिमत् वाणीकारमञ পাত হন।

व्यामानिटगत्र स्ट्रिंग अर्थमण व्याह्यत् অন্ত নাই। যে দিকে দুকিপাত করা বাঃ সেই বিকেই কেন্দ্র প্রসারিত রহিরাছে, পরিপ্রমী ক্রকের হস্ত প্রতীর্ণা করি-**एक ए । (करु चारकणीश्रविष्यं भारतीयक** वेम वी:यात समा एको कब्रम, कर छारा पिर्त्रत कार्माद्वि नाथन क्क्रम, (कर ত্ৰীকাৰিবের ধর্মপুর। পরিভ্গ করিয়া चडार्टक लाहिके धवर दलिके क्यून, এবং ক্ষেষা লিম্প দাহিতোর গৃহ পূর্ব করিছে বাবুল। বিদেশীয় সভঃ বিষ্টাহদিশের দোষ ভাগ বেন কেই ण्णार्म ना करदन अदर डीहाविटमंत्र गर खन সকল আপুনামিধের প্রকৃতির সহিত মিলিত করিয়া ভাষার শোভা ও উন্নতি विधान कड़िएक शास्त्रम। छोत्र छवर्र्यत क्तानि खेरा कथम डेटानिक स्टेटक्टर ब्यंत्र कांत्र क्षत्रकाता क्रांका नारे। 😎 উদ্দেশে বিনি যত পরিশ্রম করি (बब, किनि कर्यंद्रे नांयना नांछ कतिर्वन काशंव मटक्स मारे।

अख्डा मीय राजामहात्यु क्विंद क्वाँ। অদেশীয়বিধের সহায়তার বত দুর यूर्व मास करेट्ड थार्ड, कठरक्लीत বালপুণ ভাগ ভোগ করিকেছেন। कांत्रक्र होंडशन अरू बाटका अरुटमणीत ब्राक्षांबिद्धार व्यक्ति . काथ ब्राविदांत अखार्यत अञ्चरमाचन करतन। छाहाता षांत्र षात्र शास्त्र क्षा स्वरूप नाम নকার্থ্যে সম্পূর্ণ স্বাধীনতা ভোগকরেন नर्दनिष्देवन गर्दाश करे पाछिका-প্রকাশ করিয়া থাকেন। facultes গ**হিত এতকেশীয় রাজ্য আ**জুনাহ क्तिबाद बाक्कीकि शक्तिकाक इंदेशाइ। **এক্সেদীয় রাজগণ অংগেছাকুত বচ্ছ** ष्य डा स्थान क्रिएड(इन। डार्हास्ट्राह উপরে এ**কণে বেক্থাপুর্বক অত**াচার करिवात खेलाह माहे, खाहा हहेता श्वर्व মে**ন্ট**কে সাধারণের নিকটে নিন্দিত হ रेट राजदर कांद्रकर्योव अवन्द्रात्वेत विर्मित क्षीप्रदेश विषय अहे त्य, कीशांवा व्यविषयः नाश्वत्र मण्डलिटवाशायां कट्रान । भागानाज:, देशकीय मर्द्यमाथात न, विट्य ব**তঃ জন ডিকেন্সন না**ছে**। প্রতৃতি ভার**ত বঁটার রাজাখিলের এতি সম্বেহারের (शिवक्डा क्रांत्रम । एवं अक्न द्राव्यवश्रानंत्र चात त्रांखव मारे, डांशातांव वर्ष्यका ७ यार्थके इंखिएकांश करतन व बिरुएह দ্বিত মাই। ইংলতেশ্বীর ঘোষণা এজ स्मिनेहि**रिशंद्र टा**श्चीत मन<del>्द्र,</del> ब्रांखीत ইল্ডা ভাঁছার কথার বিক্লন্ত একটা কাল না হয়, এই জন্ম ( যদি আমাদিলেৰ সং दान गटा इप्त ) अंख्यी निरम উरमांशी হইয়া সহীক্ষর শিক্ষ রাক্ষাকে প্রভার্পন করিতেছেন। রাজী বিস্টোরিয়াব ঔদার্থ্য ७ वर्षणीतका विकास, वर्षि अमस्त वि-ভ ভ রাজ্যাধিকারিশীর পর্বের উপযুক্ত কাল, তথালি টোরি মানুবর্গ ভারত-बर्सबरीक क कार्यात चन्नुरमामन वृश्या मोधात्रद्वत क्राचेकचान्त्रायम स्टेग्नाटस्य । क्षिक्तिहरू, यक मूत्र मण्ड (मरे नर

১৮৫৮ অক্টের বোষণাপত্র উচ্চাবিদে चोहा निविष्ठ एवं, कोर्याष्ठ; डीर्गहा अप मुशादत कांच कतिएक्सि।

মহীপুর প্রভার্গিত হইবে এবং ই হাতে ভারতবর্ষাহত মীচাশর উপনি (बिमार कांत्र विभिष्ठे देउँद्राभीदम ষালা বলুন এবং সংখ্য মধ্যে ভাৰতৰ্থী ग्रव्यायके बहे मोह स्थानीत स्थानाहर बाहा कक्रम मा त्रम, अक्टामणीर वाणः व्यवभारे वृत्तिरदन (व, हेश्मर खर्भ ही, कर्म मखिना, महामञ्जा এवर देशनाचीत स माधात्रम कथन व्यक्तातरम हाकामिर चन लोग कहिर्दन ना। " रङ का সুশাগন ৩ প্রভুক্ত কু প্রদর্শিত হট कक बिन देश्तरकथारी कांश्रामरभन प অবগ্ৰহত বাৰিৰেন গ এটি কেবল মুগে কথা নহে, ত্রিটিশ গ্রণ্মেণ্ট এতদমুদা কার্যা করিতে দুচপ্রতিজ্ঞ হুইরাছেন अक्टन तोकतन त्य क्षकात व्यापी क्ट त्व डाँशाहा विश्वकात व्यवाद्य शुद्ध ए আদি ক:ম পৈত্রিক রা**ল্য ভোগ** ক दन, मिरे धाकात शवर्गस**े ७ मर्क**न त्र व्यक्तांनी करत्र या, व्यक्तांपर সুধ বর্জন করিয়া তাঁহারা আপন আ পাৰের উপযুক্ত হইবেন। ৰাখেঞ্চাটা নময় অতীত ধ্যোছে, এক মজুরও এ किस्ताना करत " कोन् चाहेरन जा বাল হইল ? শ আপন আংন রাচ লিধি 5 সাইন, শিক্তিও সহ বিচ পতি এবং উৎক্লম্ভ বিচাৰ প্ৰবাসী: হাতে হয় রাজাদিধের ভাহা করা র্ত্তবা। " রাজা নিজে প্রত্যন্ত বিচার ব (तन <sup>१९</sup> में निष्क चौर्यक्रन खंदन क् লেন " এগুলি প্রাচীনকালে জাল লা **७। अभगवाय महाउम मगात्र भ**ित्र श विकास **अञ्चलारम अर**कार कार्याच व **লিখিত** বাজির **হস্তে** লেওচা উচিত **कात्रक्रव**रीति क्षेत्रर्गस्यके स्व मन्त्र था বাইন এডেকেশীয় সাজ্ঞা সমূহে ৫৮ नेखकः। ब्राक्स मिश्रत कर्यवा कर्या। क्षक्षानिर्धातिकाः निष्या ३ मध्यावन्तिक ৰ কৰিছে গ্ৰাজ্পনৈৰে এক প্ৰাথান परम ! अक्षांत कारियन शृक्ति का मर য়ার স্বাঞ্জ ন, কেন, ভাছানা ঈশ্র cities car asimilican Fteife গৰ সুপাৰস্কুলাৰ্থ সংক্ষা হুইয়াছে, এ সং াৰ কু ছবিধা নতা-গৈতেলাৰ, এবং অভি िख हेडा राधारत रूपनी इड्डाइड धन ीठ व्हेर्द । कडालानीय रोकालियान ह स्माय का के ही है तो जाशायन बर्ग বৈ ছই 'ত বত আবিল'ক অৰ্থ ৰায় ক-रन, डीकालाभव क्या कुमारेटन धनः য়ে হা। এবিধ্যে দ্বিন্তে: সকল । † ণর দুউটার জ্ঞার কবিষা ইউবোণীণ **কিংদিনের অনুসরণ করা উচিত**় ও ায় এইভি বংশর বংক্ষোব আয়ে বিবেচ য় রাজার নিজ বায়ের জন্য ఉতক কো দেওয়া হয়, ইহার ভিডরে ভাঁহাকে হল ৰায় করিছে হইবে। ইংলডের ्रकांकि ठोका प्यात, किय देश्वरक्षणी व्य वाश्व चतुल ७५ जव्य होता, व्यर्'२ তি কোটিছে অর্থ লক টাকামত্রে देश बारक्त। अध्यापुर्वन शब्दात निख য় আহিত ব্ৰদার ১৫ লক্ষ্যাকা কইবে। **কাদিগের বর্তমান অপ্রিমিট** ব্যা গালী পরিভাগে কলা ওচিত। সং বল প্রস্থাদিলের মগলার্থ নিযুক্ত क्टिक क्टर । हेग्रांतीरक पुरस्य कुन्न র রাজা ছিল, কিন্তু সমুকার দেখ **एए विकेत** देशिकडेक्टलंड पदीनकः **লঙেখ**রী সমুদ₁য় ভারঙংখের অধি बेपी, बाध्यक्षय केलाज देवन माज का की हैंते. यह चना के विभाग मेर्च তোভাবে এতকেশীয় হেনানী অ-हा **छेदक्व**े। अय**े ए**ला याँग : †क

হইলে টাক্ষনি, মোডিনা প্রভৃতির রাজ কুমারনিগের পথ ভাঁচানিগকেও দেবিতে व्हेट्य । विज्ञान व्याक्तारमत विवय जिया सुर. ८ लाखि প্রভৃতি বালা गমুটের রা**ল** शन रेम-स्मिन छन्न क माधन कविट करहम. किंद्ध बन्ताव अध्यक्ति नाम बाजून ७ ভাওলপুৰের ভুতপুর্ব নবাবের ন্যাং व्यक्तान भागनकर्षात व्यापना स्मर्थ তেছি। এডদেশীয় রাজা চইগেই সর্ব নাধাবণ ভাঁচার স্থায়তা করিবে.. बद्धाना हराना। यक दिन तास्त्रान सूना দন কশ্বিন, ভার দিন আমরা ভাঁছাদি পেৰ সহাধতা করিখ— আৰু না। অভএৰ थायता उँदामिशाक नहामर्ग निष्टिष्ट यां इ'र इ डीहाना यरक्षीतिविद्यत बताव भारतिव महाम्य**थार्थ छाद्धाम्भाव क**न स्म (ठन्डें) करवन। वारकाव छेड्रकि छैं।शिष গেব আইতেব এক মাত্র প্রতিন্তু, বিনি हेरा छक्ष करिएनन, जिल्लाहरू हेराज विव ময় কলও ভোগ করিতে হইবে।

দশ বারো বৎসতের মধ্যে বঞ্জাবার र्थ अकार डेम्बाड ब्रेशरह, जाश हिना कित्। एमरक् इ इरेड इरा। देखिपूर्व्ह ইহাৰে ভাষা বলিয়া গ্ৰনা কৰা **যাইত** না, কিন্তু ইতিমধ্যে ইহার অনেকগুলি नारिडा क्षत्र, बाक्डन, कृत्याम, देकि-দেশ জীহারিগ্রেক আইনের ভুত্তঃ হইয়া ৾হাস এবং বিজ্ঞান পুস্তাক প্রচারীত হই-हाटक, देकाटक नामामहल लिका अक क्षकार, को लटक भारत बना योग। रिख वश्रष्ठाः। এখনও সস্পূর্ণ হয় নাই, ইহার এখনও অনেক হীনতা ও অভাব আছে ৷ গ্রব্যেতির উৎসাহে ইহার অনেক 🕮 द्रिक इहेग्राट्ड देश बना बाख्या । किन्छ क्ष्यन्त अवर्गाया मा भारति ইহার ভাবী উন্নতি পঞ্চে অনেক আশস্কা হয়। সভা বটে দেশহিতাপী আনেক ম উভস্তপে শাসন না কবেন তাহা হৈছে। বজ্ঞাধাৰ পুস্তক স্কল বিরচনার্থ দায় জ্ঞাব পূর্ব ছইয়া বার।

बङ्ग পরিশ্রম স্বীকার করিয়াছেন, কিছ भवर्गमान्त्र मध्य श्राप्त । क्रेबा यक्षि डॉक्सिएश्वत मध्यातिका ना করিত তাহ হইলে দে পুস্তুত নকণ প্ৰচাৰ এবং ভদ্মারা ভাষাৰ প্ৰভি সাধা বৰেৰ **অভ্**রাগ জনেক হান দেখা **যাইত** শব্দেহ নাই। এমন কি অনেক পুস্তক মূলেই লিখিড হইত না।

मर्द्धांक विचविष्णानद्य वाक्रमात्र পরিবর্তে সংক্ষৃতের প্রবর্তন অবশাই মানক্ষকর হইয়াছে। কিন্তু ইহাতে বছ তাৰার উন্নতির গ্রেমণ প্রান্তা আছে, মৰনতিরও দেইরপ আশক। **হ**ইডে পারে। সংক্ত বছভাষার জননী এবং নং কৃত হইতে বন্ধ*লার কলেবর* পুঞ্ হইরাড়ে বলা যায়, সুতবাং সংস্কৃতের चारनाठना दृष्टि एरेटन वक्तकांत्रक জীরত্বি কেন না হইবে १ কিছ উচ্চ বিদ্যা লয় নকলে বঙ্গভাষার আরে প্রতেশাধি-कात्र तरिल मा। हेश अथन निकुछ खावा-अट्र नित्र प्रविद्यालदाई हलि अ तिहन। এখন ইহাতে স্পাবয়ক্ষ বালকদিপের शिरकाशरवांशी शुक्रकरे अस्तक इंडिक क्ट्रेट्र, शाहकांब मण्यद धूतक अञ्च मकत अहारदात्र मञ्जादना अन्था। हिन्ह (भटना ক্ত একার আহমকল বিরচিত লাছই त्त्रक चावात मालूर्ग डेए वर्ष माधन इहै। इ भारत ना ।

भः बाद शबादि छोवांत श्रीहस्ति व्यनाष्ट्रत ६२कूचे डेशाह । वश्वस्थाता इशार निक्षे अथव १३८ ३३ वर्गी। किन्न हु: द्वित विवस अहे या अहमरण वीक्षा সংবাদ পতের ভাদুশ আদর হরনা এবং ভাহার আহকও উৎসাহ**সভা** व्यक्त (प्रवा यात्र । बहे कता नश्रवाप्त्र व महल प्रकारण विश्वत शांख एत । वस्र हः সাম্যাকপত সকল ধুমি শীভিমত চলিতে शास्त्र, काहा इंद्रेश कलाता कारात नमु

वक्षणाताम छेरमाए विश्वानार्थ वर्ष **বেন্ট্র্ডে আমরা ব্রিডে পাল বে**ংমারা बक्र मक्टम बक्रमूत्र मञ्जय विश्व दाश का व्यक्तिक क्रममा भवर्गर-के व वि यटब त्य अष्ठ पिन उपानीन आहरू देश भाषिणंत्र द्वार्ष्णंद्र दिवतः। (य दाक्रशा **লইয়া প্ৰৰ্থমেক্টের কাজ কথা** চলে ভাক। (व कि विधित छावा किहू है का वाय ना। **८क्ट् वर्शि कलिकाला मश्रतीह ७ जाहा**र **উপলগৰী সমূহের এক সীমা হ**ইতে সীমা स्तर भर्यस्य भनित्र शास्त्रम्न ध्वरः । श्रीकाणः भृरुक्तित निमर्भन कनक गाउँ कतिया বান, ভাষা হইলে দেখিতে পান বেন बच्छाबाटक बाच कत्रिबात चना ८४० जक्म क्षा हरेशाह। भवन्त्रके क्ष्र्क **टाकाना फरल रमकाराह्न अध्यक्तात घर** भानना क्यनहे छेटलक्ष्मीह इहेट ज्ञाट मा, देश विश्विता स्टब्सीत कारादित ৰ্যক্তির জ্মন তাৰশাই ব্যবিত হয় 🖟 কিছ धनक्त व्यवस्थिक कर्यहात्रिविरशत कोर्या बबर अदर्गरमान्त्रेत व्यवसम्बद्धाः हेश निवातन मा इहेबात कारन। खन्नाम अ সকলের সংশোধন নিতান্ত আবিশাক। देश १६८७ वर्षन आमान८७त नाम লাম এতি মৃটিশাত করা বার, ভধন ড ভাষার সর্বাদীণ থিকার দেখিয়া কশিক व्हेटक व्याधाना व्यक्त यनिव देश्याणी नदेश अवर्गरमाध्य यथिक कः म, किन्न বে ৰাজনা চলিত থাকে ভাগ বিশুদ্ধ **एटेटल रक्षकारात व्यट**नक ट्योत्रन हस्ति হয়।

माञ्चाराम थिक जामापिटशत मिनीम लाकपिटशत यद्भ अञ्चलादशत देगिथिना, जानाम के जेना जामापिशदक सर्वाटमदेखेड भव्रतालम क्रेटल क्ष क्षित्र जानाम श्रीत जीमापिटशत मधान् श्रीति व्यक्तिम केला जीमापिटशत मधान् श्रीति व्यक्तिम केला जेमिला महत्व जेलाम जेलाविक क्रेटल लाइत । जीकाम क्रमानिक्यन, विश्लि विश्वस कर्र श्रम् प्रमान केटल क्ष

ভূমির অংইন সংএই। ।

ভারতবর্ষের অধিকাংখরাজন্ম ভূমি श्रेटक चानात रत, किन कृषि नशक्तीत মাইন এবেশে বেমত স্কটিগ এমত আর कूजानि मुके एवना। व्यामाविद्यात कत প্রশালীর মুগ **অঞ্জ, ই**ম্বাডে ধরিন্ত ক্রয क्टक व्यविकाश्य कांत्र बद्दन कतिहरू हर यबिद्रक्षेत्री नामाना कत्र विशेष त्रका शाम। ভপাশি ৰে ভূমি রারতের এক মাত্র नक्यो, तारे कृषित छेल्टत छाहात कवि কার অস্থারী ও অনিশ্চর। হয় ত অনী माब मान कतिहा छेठा देवा हमन, यादानि क्षित्र स्थानी क्ष्य क्षार्ष्ट समरम समरम नमरम ব্রিড কর বিভেনা পারিফ্রল ভাগানিগ কেও উঠিয়া বাইতে হয়। আবার অধান তম বিচারালভের শিদ্ধান্তে গোলবোগ भारक तृष्टि स्तिएक्ट्या এटक चारेन ঘটিত গোলবোগ, ভছুপরি বিচারালর হমতে সময়ে আতাবিপরীত বিচার করি-हा ब्यातक व्यक्तिक करतन । ५५ वंदगर व्यक्ति कांत्र कतिएन एथेनी .चच हरेत । क्यांन ক্তম বিচায়ালয় নিজান্ত করিলেন এনিয়ম (क्वन ह्रवि कृतिएक वाटि : वाख क्-

मिटि नथनी चष् रह ना! जामहा और जन मर्था मर्था जार्जन सहिता खाहार करिहादिनाय जूमि महक्षीत जार्डन नक्ष क्षिणायी ७ रिश्वामी जार्डन नाह मर्श्वेठ करा जिंठ कर्डवा स्ट्रेड्ड । जूमित जारेन महस्त्र अकर्ष अक विश् वृगित जारेन महस्त्र अक्ष विश् वृगित जारेन महस्त्र अक्ष विश् वृगित जारेन जाराजित हैं स्वा जामत जामिता हैं स्वा जामत जान ना, वावहानाजीवित्र मर्थ के ना।

वामना भूटकीक शानत्यात्मन जन उमाहत्रस्ति छ । अभागतत्रत्रं स्वि ওলা অংশি লিয়ালন্ছ পৰ্যন্ত নে ভূমি আছে তাহা হত রাজা কৃদি হ রায়ের নিকর তালুক ছিল। ১৮৫১ অব্দে প্রবর্ণ মেণ্ট পাৰ্বেয়াল বালেলপ্ত করিয়া রা-কার সহিত ২০ ৰংসংরের কান্য আরুমা (डांश वरमावस क्टब्रम । अहे वरमावस **षद्रमारत त्राकारक छेशचरदात घरर्फ** ३ গ্ৰৰ্থ মেন্টকে বিতে হয়। রাজা দুসিংছ এট **फिक महा क्ट**तन, जिनि क्ष**क्रांग्रिश** (ब শেব প্রিয়পাত্র ছিলেন, প্রক্রাইন্সকৈ পা ড়ন করিতা এই টাকা আদার কয় তাঁখার অস্তাব বিক্রম ছিল। তিন বৎসর হ্ইল্ডাইাহাৰ পুত্ৰ কুমাৰ রাজকুমার রায় প্রকাদিপের নিকুটে রুভি চাহিয়া নালীশ क्रात्रमः अध्यक्ति २० वदमस्यत्र व्यक्तिय कारणत अक हार्यत पाथिय। वाहित कर्त অমীবার অসাওয়াশীলবাহির কাগল बाहे पटलन, बदर विक्रम कान ध्यमान विट्ड **भारदन माहे, ष्यञ्**यद श्रवादिशः মকর্মি সঞ্মাণ হওয়াতে কামেক্টা, জন ও প্রধানতম বিচারালয় " কর রুখি **र्हेट्ड शा**रत मा " मिद्धां मु क्टब्रम : ध्वर सक्क भाव अधानक म दिहातानव ज्याकी ক্ষরে মলেন ক্ষ্মীদার গ্রপ্নেন্টকে ঠকা इटलम दलिंगः अकाशका नि**क्ट**के या होका महेट ह भाराम मा कू-ब्राक्षकुमात्र आग काशांक मञ्जूष ना (४९म्।) भारतः : इ श्रास्थात ना-कटण्य । २३ १८१५ १४ ४ ४ १४ म असर व बाबु है मन्त्र उठका अपन अव्यक्ति मक चन कोरान करणा. अव्यक्त कह इत, जिलि अभ ह व्याहर (र. चेन मा, শি <u>শুডিক অনুনাৰে স</u>্ভিনি व विद्याद्यम् स्व भौतादाः स्वभौतादाः ह क्षि हरेशास तार भी अधून कला। দেওরাইটিড। এখা সদৰ আংখী এ মক্দ্ৰা প্ৰচণেৰ খনতা ছিল দি षाहेन मा बालिश्त पुष्ट पश्चात ডিক্লী নতে পারেশ কিনা, এবি পামেরা এফারে কিছু বলিব +1, এবি **লোপীন হ**ংলাডে, **জল** শীব্ৰ হয়র खिक्रिरन।

क्**स बरू**णि विदयन श्रीमध्योग ज्ञा (**कटह । क**मीबारत्रत्र २८४४ । दिवर्छ দ কি পরিমানে প্রহাব বস্ত্র পরিবর্ত্ত **्रक्रियुट्**वद ८काम आहेन नाडे, **व्यव्**ड **ল ইয়া ভ**ানক মকলন। ও অথ বায় **ডছে: মা**ণিকজনা অৰ্থি শিলাগৰহ **৯ বিজ্ঞান বটি**টা, কাংখান্য ও পোল: इ. क्योगात्त्र भागायाण मक्त 🖛 হইয়াছেন এবং সম্পত্তির মূল্য क किमग्राटि : वेख 5: अह मश्य श्रव । **प्रव करिएक अ**कार राख्योन एव माप्त थ यूकिवि. 👊 । विक थाई **भागत्याम** पाकार इ क्ट्रिक हरे. इ.स.। चामरा सके अलावतन व्यवस्त गाँम, अधार्कात संग्री क्रोहरू **है। अरे नकत को**न्द्रा जुनिव लाहेन হীত করা অতি অন্ন,ক। এক **्ष्यीनादतत प**ञ्चित उर अक्ष्यान है किनिहा फार्श ह गर्थ प्रकृत

টাকা ব্যয় করিয়া ৰাষ্ট্য প্রস্তুতি প্রস্তুত कतिरलन, बाकी बाजनाय जना जबीहारी मीलाय रहेल जीवात कड राव मिथा कहेल : ष्यको नात्वताच वात्वयक्ष स्रेत, क्याव बालकृभात तारबन न्याय सभीनात श्रकाटक বাস্ত্রহীন করিবার চেডা পাইতে লাগি-त्त्रन। **এ** विषय **म्या**के **भा**डेन श्रीकित्त श्रीत्रदर्शन इत्र मा। बाख अस्यत्मत स्ना क्ति भीदरमद समान । समीनांत्र महन করিলে ইহা কাড়িয়ানা লইতে পারেন এমত স্পাঠ আইন অতি আৰ্শ্যক।

र्न, सिन भ ते नार्ट्यक्टरतन श. क देशसम्बाह्यक ण्याः । अञ्चलकार

मञ्जातिका भिन कार्ट्यकीत खात्र कर्य एरेट उरमण अफ़िश्यमकारण मत्र मिनिम् दोखनर से कक शख **लास्त्र।** खाहारख বলিয়াচেন " কেন্তুবালিকারা উপযুক্ত लिका भारति गर्क वियस्त देशता व त्रमनी দিগেৰ পূল্য এবং কোন কোন বিষয়ে वरशकांक्र र देश्हर हेर्ड स्ट्रेट भारतन, हेरा व्यासीत मञ्जून क्रवंशम हरेशाह । " रेंश्लिमयाम अ क्या महा क्तिएक भारि-বেৰ কেন ? ভিনি মিন কাৰ্পেইককে নিকোৰ বলিয়া এক প্ৰাস্তাৰ লিখিয়া एक । जिन बटलन देश्ल और मिटला स छेमा त का प्लोबबीक्यिक। डीहारा निकट्डेब ত্তণ দেখিতে পান না, দুরের **ভণ্**কে রহুৎ করিয়া দেখেন। কি**ন্তু ভিনি আংশা**র त्केत । क्षक्राविद्यात कके इम धवर्गम । वटलन एवं मित्र कार्ट्यकेते एम स्थानीत अब इ देखा २८६ वैरः अनी गाउद । ताक सन, देख यह नी ह औगरनंत्र महिन्छ বিলক্ষণ পথিচিত এবং তাহাদিলের য, প্ৰত উপকাৰ সাগন কবিয়াছেন। তবে বিষ বাৰ্পেণ্টৰ জি জন্য এরপ উক্তি করিলেন ও আপাততঃ ড়াঁছরি বাঠ্য যেন কিছু অসংলয় ৰলিয়া বোধ হয় কেননা ফিনি इरे प्रित्तंत्र मध्या अत्वनीवृत्तिकात्र व्यक्तिक किन्द्रण करशादन कनिएकम। किन्द्र कामी ও বহুৰশী লোক এক বার কটাক্ষণাত क्डिया व क्षित्र वृत्तिष्ठः श्वरत्ने, क क

'বুদ্ধি বাজি বহুদিৰেও ভাষা হালাত करि**८७ भारत मा। वखकः विष्णूतम्बीताः** কিছু বাক্ত শিকালাভ না করিয়া এবং শভ-नश्य कृतःकान भृश्या वस वानियां ষ্ট্রেপ বৃদ্ধিষত। ও সন্ধিৰেচক**তা একাশ** কংন তাহা দেখিলে আক্রাহিত ছ-<sup>हे</sup>ट हरू। कामड़ा कावड स**ंबंधक**िं उद्याप्त विकास समा सन्द्रश्यक कांत्रहणः আশাতীত কলগাত করা যার। এস্কলই वागाएत अञ्च । बक मूर्व हिम्बु औरक যে সকল সদক্তৰে বিজুবিত দেখা বার अवर मि भविबादबन्न **मूच माध्यान रवक्रण** ७ शटपाधिनो, हेर्ड़ाक तमनी कविक नका इडेन, किन्नु व मक्न रेनमर्शिक्छर्य रक् ৰড় শ্ৰেষ্ট ৰইবেন ডাহা আখবা বলিকে भाति ना । मर्गाककु ७४१ डीहात मरहायत इरे बर कर देश्लोक जिल्ला नकत्वहै छ विन्धुमार्गामिट्यं अकृष्टि ७ वावस्था क्षिका स्थल समार्गा करिहार्ड्न । अर्थन देशत अर्थक यहि - जूलिकालाक स्क ভাষা ইইনে হিল্পুরমণীরা যে কর্তপুর ७२क्व**र २३८**७ भारत विवाद मरह। था मत्रा देखिमरश्र घ्रे बक्के नम्खननात्रा ত্ৰিকিতা কামিনীর দুটান্ত বেধিয়া ব-(पर्के-गहिंद्र'डारमाङ कहिंद्र'डिह, क्यमक -উন্নতির প্রাভাগ**নাত একাল পাই**রাছে। অক্তৰ বিদ কাৰ্পেন্টরের বাকা বে অনে) क्रिक छोड़ा कि अकारत मधामान क्रेस १

देश निममान छेणमः बाद पटन निस्ति। ছেন বে চিত্র ব্যান্তের শরীর নিরক্ষিত হ-हेटड शादत बनः कृष्टित संस्कृत संस्कृत स्टेट मारत, किल हिस्तुत्रम्थीत हेर्त्राक জীবিপের সমকক রা ভরণেকা ভেঙ হওয়া অনুস-পরাহক। একথাটিও তাহার ना विभारत नव त्व विमार्गिर्दर्गत व्यक्ति हो। सत्र क्लान अनात्र क्लाह काह ना विराय कांव नारे। जासाह अस्माह डीशाह म-त्मक्षेत्र क्षेत्रकामः क्षित्र उद्या वाहा एडेक् क्रमान्द्रित्दहे अकि देखर गम्पान करणा विक, क्षमता आधानित्यव सूर्याना नक्ष्या चिट्ट भाषता पूर्विट भारति ना, किन्क अटह শীয় র'মণীদিধের বর্জনান হীনব'হা দেখিরা जिमि (बैम अक्रम मः कात-शहान मा स्म ষে ভা**হাদের এ**কুড়িগত অপনিবর্জনীয় त्माय चारह, काको पत्र उद्यादतः भव वाहे এবং সুশিকা হারা ভালাবা ইংলতীয় **मस्मिक्तित सम्बन्धा इ**हेटक लाइन सा 🎤

### कीर्नशतक मध्यालमा हा विश्विता ছেন।

खबार अध्यक्त विवाधन थान. व्यवहर्षक, कुबक्भरवत प्रभारकारक रक्षा इस्टान प्राप्त प्रकार भाम, जनक्षण कावेश्र शहर आसित गाइ, अकरन ভাষাদের সদুর্ভিষ, জক কথা এখা: 👣 🕏 হৃদ্ধি लाई भाम र इंडेएडरर, कुमार्विकादशद्वश छोड দৃষ্টিনা পড়িশে ভাহ'বা এবংগর পর∂ট্'ং ব্দতিবাহিত ব্যৱতে পারিবৈ।

২। লাভপুৰ ডিবিজনের ইনস্পেষ্টর ক্রণ্যন श्रमीम शिका चकर्त्त । कार्यः गर्था कि निरिक्षत কারিতেছেন। তাঁহার কার্যাক্ষত ওবে একণ अधारित अस केंग्रेश आंग्र मण्डकीं के स्वेटाइट्ड नी । মার্কীতের পুলিব এইরূপ হইলে বোধ হয় পুনাতম भूभित्यद्व 'बक्षमण्डा लाटक भी अहे विकाष स्हेपा **स्** हुए ।

১ : ১৭ ই পৌষের সোমপ্রকাশে বৈদ্যে হৈন্য শাল্পের উষধ, বিষয়ক প্রস্তাব শাঠ কড়িয়া আনি প্ৰ আকালিত ইইয়াছি, এল বিধ্বে भी बाहे ब्राया आफिमिरित प्रकि ज्वाबता के हरा। भाषा कामार्थन दनकीन है प्रवृत्ति कना विश्वपूर्व চিত্রা দুরে রাখের: ১৯৫৭শীর অন্ত**্রেক চি**.কংসক अर्थ्य हिकिस्या क्रियायरणा यदि कान कार्डन क ब्रह्म माहिएक भारत्य, कांद्रा वहेंद्रम करन्त्रम् र अप्रदेश की वा पार का (कि.वे. विकास का वि-त्स्य. क्.युट्डक टे<ान,य कि.कश्मात अटमटम या लाक्ष्य क्रीयम महे १४, ५७। या गरकामक (संग्रंश काशा मध्या एमा क्**श**्म व रेग्न मा উচ্ছেলার ছাত্রিকজনিত মৃত্যু সংখ্যা কে'থ'ঃ चाःक '! श्रमाशास्त्र ए दबारे बारे शा

## कांत्रहासिक गर्याममाका विचि-ALLES ---

३। किञ्चलिम शक्षः रहेग, शांत्ररक्षात्रक्षंत्र विचानी 🖟

भौति। बाढ स्हेरी हाका स्हरण ग्रंस शहन काह (मन) उचन भूग। आन्त्र भगरतान्त्र कर्माकि বেন। ভাষ্টা প্ৰাস্থাৰণ ক্ষিত নাক্ষি ভেই রশনী সঁথাগণ হয়। ভণ্ডর। এরপ নেশা প্রাপ্ত হব বে এক ক্ষেত্রপারে উপ স্থাত হটবামাত্র ভূষিত্বে শট্ট্রা থান। ড় ২ এ তথ্যর উপরে-भव करन। **अक् अक**्षक अस्ति के जन अदर গাল্লে শীতৰক্লক ভারণ উচ্চন তল ২০ প্রভাবে **ाराटक इटब्ड बृहुद ६५। स्टा**ावनी मठाह क्राची**न्ह ७ हमएना**ह स्रम्भ क्राप्यह न ०।

२। बह मिन श्रेंग, र्नेप्स होत व ० ७ ३३ রাছে, কিন্তু শুনিজেছি ও লেখ্ডেড়ি এ মধ্য नीय **अभीमात्रकात्र ज्योक्तिक** चित्रीह रूक्षाक्रकात्र निक्रे प्रेट्ड शिकांब अक काना कड़िया कह अहर कतिरस्टरहरू । जाकरी कहें (ग, हेनकम मेरेन जाउ क्या हरे होका राट्स हिन, समीमा मिन्ट र नाम कता त्यालमा सम्रहेगों में। म्यानाग्र स्ट्रेट्ड । सम्मे দারদিপের কোষ যুট্থ এখনও অপূর্ণ রটিয়াট্ড।

७। এक विषय ब्राजित्यात्त्र काश्चित्र भागवा नामक अप्य अस्त्री अर्ड छा हाई हि इहेग्रा शियुः ছে। রুর্ণুভারা **এপর্য,ভ**ে বৃত্ত্র নাই। বৌধ ब्या, विक्रमभुद्रक प्रमानक प्रकाश्वासिरशवहे अहे

**। जनार्फेडा सारमङ जीवनाविभएट** हर दक्ष शृद्धि बापमाहक निविद्यादिकाय मञ्ज्ञिक कार ह क्राप्तक हात सम्बद्ध इंट्रेफ्टर । मोलारिक है अट-श्रमभारते व्यथाम कार्यः

 त । यथन व्याधाविद्यात कुड्यूर्ज देनद्रम्भ नेत मान्ति भट्टाण्य अञ्चलन भव्यक्तार क.इहा व'-'डबर क्ष'यदा कहे कांक्रिय करिया क्लाय (र শহার ন্যায় কোন ব,জি নাও জাসিতে পালেন কিন্তু নৰাগত তত্ত্ব,বৰাত্মক ক্লাৰ্ক সংস্কৃত্ত্বর কর্ত্ত্ कुमन्छ। ९ व्यक्तिकाडारक त्य कार्यर १२ व्यक्ति क बिर्झात'न इहेग्र'र । अस्तियन दिशाहे (मर्हेत एक् कि देश काम कार्या अविद्वाल करिया बाइस्य किंख वर्कि निरुद्ध महकारत विरुक्तमा कविशा (मधिदन (मा) ५ द अर्वटएके भ केवल क्षा

## মেদিনীপুরস্থ সংবাবদাতা লিখি-श(हन ।

১। পুরীর এক বজুব পরের ছিলগত হইল। ष्ट्र: विक प्रदेशीय (व, क्षश्चीकात्र अक स्राम पूर्णिक জীয়ুক্ত বাৰু প্ৰসন্ধচন্ত্ৰ গলোপাগায় মহানয় এফ বার কাসিরাই সঞ্চানে প্রপোক গংম ক/ংয়া

ইনি এক জন আন্ধা ডিলেন, বেনিনীপুরের জান मिनी कथ व्हंट हैनि बूटजर व्हेन्नाहिटेलन ।

२। क्रांकर क्षित्रमेड स्मामीशृद्यतं हैं कु ইনশো টা আফিলে বে টেলিপ্রান করেন, তবাং জানা য'ইডেটে বে জ্যাকাৰ উৎকল বিন্যাল সমূত্ৰৰ ডেপুটা ইনশ্পেটৰ উৰুক্ত বাবু উমাচর হালদাৰ কিছদিনেৰ নিষক্ত তথাকার ছড়ি সং এটা তা বিধ্যয়ক বিলেপটি করবাথ ছেপুটা কালে क्टिश्र भर्म ,अयुक्त स्ट्रेश्रार्ट्स ।

ত। এবংসধেৰ ৰাখলা ছাত্ৰছুত্তি পরীকা (यतिनीभुरत्य वक्षमा विकासिकार के मिणा पे कु र्व दक्षेप्राट्डन, फबरन्द २ में ब्रेड्ड की विकासि ও ৩ টা ভূম্ঞ্রী নশ্মান বিদ্যালয়ে বাইবার আ (तम भारेत्रार्टेक ।

8 । बाह्य स्थलेख वर्षे के स्थलित के स्थलित के চাত্র বাদলা ছাত্রবান্তিপ্রীক্ষার উতীর্ণ হটা ৪ টা সক্রত্য ইংবার্কী বিদ্যালয়ে ও একটা ছগা . म्हांस । या प्रामाद शास्त्र शास्त्राहरू धर्व किर्नास्त्रात अक्षेत्र ह ज अहे विचारतत्र मर महिनाक नवत्र वार्रेशाद्यम, अवर अई विमानिश्व এ বংগর ফাট হইয়াছে গুলা ঘাইডেরে खळ्या देव**्या** है। गाहित मचडे हरेला विस्ता য়ের ১ জন :শক্ষক্তে আলী টাকা পুরস্কার বিষ क्रमः ভाइट्य<sup>क्र</sup>य माहस्यहरू । स्वित्रार्ह्मः अ यदमञ्ख (बहिन"शुद्र काष्ट्रे स्ट्रेग्नांकन ।

ক। হুল। যাইতেরে অক্সড প্রবর্থে ই ই ব্রাফী বিদ্যালয়ের ও স্থ শিক্ষক জী যুক্ত বাছু শ ধর বায় কিছু দি'লব নিমিক ওয়া জেল (७९्डी इंटर'ल डेररन शर्म निवृक्ष क्रेया क्रे धम्बे कद्विष्ठारञ्जः ।

ও । জ বংস্ত মেনিনীপুর গব**ংখেট ইংরা** विकास स्था अक कम हाज अन है। क निर्म **उन्हों ५ ष्टेग्राट्डन** ।

### विविध मर्याम । ২ বা ৰাম্ব লে'দবাৰ।

সম্প্ৰতিবৰু মনোমোচন খোৰের বাদী क म डा वह स्वाराज्य भन कार्**लवेंद्र जार**क ক্রেন, উ'হাবা স্থান্সীয়ানগোর কেছ কেছ ব সেকীগুলিলের শিক্ত নির্ভিষ্ণ করেছার করি**য়া ই** राध क्षाप्त्य हे नवे कनक काम्यन करहेन। वि েনি ব্যৱেদ, এ স্বল নীগান্য লোক এ हैश्रीहा हैरद्वीक कात्वन लाखिनिधि बरहम । प অন জোজা বলিলেন, আমাদিগ্ৰ নিধার ব en. देशद्राक भित्र कार्रण हेन चित्र क व्हेन्न। वर्त (सन. " क नाव करिएवन मा हरा प्राप्त व्य ও নীচাৰর লেকের কথা। তিনি ব'বু মনে'নে इम स्वाधारक प्रकृतकात करिएलम हेश्लास्य कैंकि क्रीक (य वश्वद्याः य ता हरे प्राट्ड, स्टिबि ख। चारकरीयुक्तिमारक विकास क्षाइति। इंट्रमांस स्मार् চনিত্র বুবি তে পারিনের । এশানে যে সকল ই ताभीय बन्धः इस स्थाउ कि मा स्थाप औ अक्रान्त्रीयुक्तिश्रम क्षत्र खुना अक्षान कार अक सन कश्रामक कृषा नमकिन,शित श्रा- (कन। देशेष विश्वत सतिक इश्विक हरेशाहन। देशेषा ए कहरे नहन, छ। इ. ए.प्राक्ष्यीय क्रम भी हासप्र (स क १८५ - १४) व अप्रीय-रामनकर्त्वभद्ध हो। वास्त्र कर ।

লবার জেলবল আৰু ালাভ লাইককে | র ব'হাছৰ ৯ উপাধি ে । বা বিরুদ্রেন । হৰ বাৰু ইছাপেন্দা জ দ শামির পার क्रियास श्वर्राप है है है , रे देश असीन ত পারিবেন ন। ।

M अफिल्कारम राजगुरुग्द - वाच कांसकी-**কা**সিগ্লাছেন :

জা জানুষাবি হবরি নিশীন ভিতৰ পর্যান্ত )ह्यु भवते हे संशिष्ट्य के वरहरू ।

ব্যাদের কুলিনিধ্যের কপালামত সুধুৰ ছানাৰ্য যে কমিধন হুইবাছেন, নেড ম.খড मारक्या फ्रांक्त मचाः--- ७४, 🎉 तन्त्र, (४ बुर्मन, स्मिथ, चारहरवता अदेश साइन বৈ, শিয়ব। উহিট, আসমি ও কাছ';"ডব क्रियाद नर्स्य छ हारकरात्र डिलांब्र्ड रहेया । এও মুতুরের ভাঙা লানিতে 💐বে। সবর্গ किमिमारक ना धरशक प्राप्त प्रसा, कृति Pপৰ, কুলি প্ৰেক্ষণ ও চ' কৰ্মি, গ্ৰুস স-**भद्रावर्भ करिया काळ क**श्चिम कथ्न प्र **ছেন ৷ এক জন এতদ্দেলীয় ক্ষিণনৰ ১ইলে** । रहेड

हेकू (मिर्मे यूरे छे दक्त स्ट्रेस्ड मरवाम भाव-**व्यक्तिक शवर्शस्य के जो**गोदन कार्र्य,व छन्। র টাকা বংর কবিয়া সবসকার লোক নিগতে निवात जाका निवादका, खथान मान्नी ষ্টুডে মালেশ্বর ও আর আর রাস্তা **ারের জন**্থোন উপায় করা হয় ন'ই : ৰেজিয়া পৰ্যন্ত এই য়ান্তার দেব হইরাচে, **স্থান ইই**জে মেদিনীপুর পথ,স্থ রাভার ব্রব-**१७३** काम, ७९९८३ हेश अंकि अपग्रा য়ান্তা ভাল থাকিলে ছর্ভিকের সময়ে জনা-চাউল ঘাইতে পারেত।

**ইক্ত পত্র এ**ক জন সংবাদদান্তার ছ'রা অব ष्टेब्राह्म, वारलधरत् इष्ट स्थाना माञ्च समज πĘΙ

🗫 গত্ৰ বলেন, ১ ই আইয়া র মিস কাপে **ক্রিকাতা ভ**াগ কবিয়া মা**লাল ও** 🛊 হইয়া, শাদ্ধে প্রভাগমন কবিবেন। **পেট্রিট প্রস্থা**ৰ ব<sup>্</sup>যোচেন, উছোব বিষয়ে **ত কৰার বৃত্ত গুড়া প্র**াশ না কমিয়া সর্ক बहुँब होता क विशा छे, हात शार्थम अन्ति । क्षीयः। किश्व व शं १६६० हः, विश्विकः कत्रिस्यम ?

24 2 10 14 22. 12,41

क किस बुद्धाराहरू । १९४७ - १९१**० र**ावधर्म | भद्रा १८०४ वर्षान केस अन्य कक्षाना किवस्त्री का विस्तरिक सारवात सन्द्र (है) (माक्को ते वह नह निविद्यादको व्यक्त अर्थ अर मिर्म कालप्र था देखा दिव क्या क्हें एटड माउँ का विकास माज मानि महिला बहे फाउस কুছিড ক " তেপার ন , কুনা ১

> बार्ट्य वर्षात्रम प्रसार कार्यात कार्या শাসনকর্তা ভাষুধার সহায়াদার জল্প লাচ্ছাত্র अक मण्डी देगा ४०० ए तो bifat इड्डार्टर भक्षात्वव या बन्दीय हे हे हता निष्ठ अपना ११४ का स প্রণালীর স্থায়তা করেন : এটি কাস্চর্বাস্থ বিষয় मरह । अवर्षक्षित है। विरुण रहें बोश शकान करून नी (क्ने, प्रकार क्यानक क्यूबिक्रांडा > १६११ लाहक अक्षवानी एक कांगमन करूरी । कांगा রের ৯ও নজির হুইলে প্রাবেশ অনেককে বুট্ পড়িতে হর :

ভাৰতবৰীৰ লেখনে কোম্পাতির চুহাৰড়া মাধাম হড়া হইতে মুক্ত হইরণছে। কলিকাড। জাহাতও ভারিতে পারে, জাপাছতঃ এক यांनि अ**एए भीत वान्भीत का**र्यक कार्यकी ঘার্টের সহজ্ঞ সহজ্ঞ আনোহিদিগকে পারু করি एटइ । (मण्डेना हे अग्रुग्टलमे करि भ देखाद कहि গার ভারে এছব কারম। বিভাল, এপার্য এক था. व जब जाहाज जला वहिमादह ख'हा खाहादक .ब**का**ता करा केठित। १ ता सम्प्रहादित प्रव টনার কারবই ঐ ভাগ ভাগভা

क्षा (वाराष्ट्रका विनश छ मिन कार्तिकेह (बहेन काशरक कनिकाला एरान करियाहरू।

करमक वश्मद्राविष क्यूटीका क्रम स्राह्म बर्दव यावक्षीप्र विष्ठानय ज्ञारभक्षा व्यक्ति मर থ ক উত্তীৰ্ভাল প্ৰদৰ্শন করে ৷ এবার হিন্দু क्र म दूमकीत शुर्क श्रामाना जाफ कत्रियादः। क्यु(धानाव पाक्षाविक विजीव श्रम शुनर्शात वहे

व्यश् भदर्भ स्थानाहम अवर मिन्हेना है अब 4র আলিপুর জেল দর্শনার্থ গ্রহন করিয়াছিলেন। জেলেব সুপৃথলানি দর্শন করিলা ভাঁহারা অভ্যন্ত मरत्त्रंष श्रकांत कविद्रार न।

जामता जदमज इदेशाम क्टबक निवत हरेश অংলিপুর জেলের এক জল কয়েদী কাসী গলার ধারে কর্ম করিতেছিল ইত্যেসত্তে জনে ভুবদিয়া প্রাইবার চেষ্ট্রা পার। কিন্তু জেলর্ম্বক ভবসন সাহেবো দৃষ্টিতে পজিত হওয়াতে যে ধরা পড়ি

ইতিয়ান প্রনিক ওপিনিয়ন ব্রদার রাজার ছৰাই নাইট সাহেব বোডাই গোডোটে এক নিৰ্ফুছির আয় এক উদাহয়ণ প্রদশন করিয়াছেন। বালী করিবার জন্য **এই সাক্ষ টাকা করি করিছে** 

याक्षा विन्यव व यो चाह्र क प्रश्ना हुई करणारक्षत्र विवाह मिशा है (शम । रेम्ब' ९ अक विद्राल करना জীকে ৰণ বয়ে। ইহাতে রাজা বিরালকৈ আনি क्रा काकार । 45.व कड़ा कॉमी विदा**रक्**म। हेरात भर काळा ब्हेग्राट्ड बत्रमात्र आहा विद्याग রাখা হটবে না. ১তএব রাজাব ফুডবার দেশের বৈবাল ধরিয়া অন ব্র ছাড়িয়া দিয়া আসিভেঙ্কে এই ছতভাগ, বালকুনার কান ছাবাইয়াছেন (मधा व'इटल्ट्रहा

ইংলঔর একলা মনার পত্রে পেণ্টনাও ব্রাও ও মহ'সভাব খভা বৃষ্ঠান সাহেবের পত্র প্রকাশিত হটয়তে। বেপটনাট রাও আনেকার গ: ন সাংখ্যকে আবচারে (বিনা বি pice) कांभी (स्मा वक्रवेस प्राट्टन हेड्रांच et कि বাদ করাতে লেণ্টনাক ব্রাপ্ত জাঁহাকে মিখ্যাবালী अकुं कि कथा प्र प्रदासन विश्वाहित। ब्रह्मांन गाःहर के अपना शार्थना करिएक बर्मन, कि इ এই पश्चि जाशास्त्र रुक्त हम माहे। क्ली नाके बारका कर व लाकिक्टियन अध्यक्त नरह धेर्यकान म'रहत रक्षत्र स्वित्रार्वत क्रमा कान क्षश्रीम जोका बर्गाव एक करतक्षम करियार्डम । कार्डवरीय हैश्हाकी मरवार शक्र मग्र पेशिएक **উৎকে:** इंडाइी क्लिया च क्ला जिले हेश স্পন্তিধানে অখীকার কবিয়াছেন, তথাপি हेरशिजनाम छ एक् छ अपन है छिन्ना छ। सामन कर्रन माहे स्वनकत कार्ड देदब्रखा दांदा ठालिख रह, जारामित्यद एकाव लिकेमांचे आस श्रदान করিয়াছেন মাত্র ৷

ইংলিস্মান জুলান ধ্ইতে সংবাদ পাইয়াছেন (एरवान जाकापियार्डन योक्शकात ज्ञूब,७ वाजीक काम कामे कामक वर्षीय अवर्गामध्येत त्रीयामरण व्यानिटक शाहित्य मा । शवर्गरम**्ड** जिल्ल ज्ञार रकात हाथा अवज्ञादकत जन्धुर्ग ইক্ষা। ত্রিনি আপাড্ডভা বাংসরিক ২৫,০০০ টাকা পাইয়া থাকেনঃ এঞ্চার সংব্যবহার কৰিতা দীয়ে ১০,০০০ টাকা পাওৱা রাঞ্চার স্বভিব্লেড 1

উজ্ঞপত্র বলেন বোধাবার রাজা প্রকাশ্য रनरकरक मण्युनिहार पत्रांकक स्टेश अकरन द्ध्यात्रक्रम ३०,००० देवमा कहेमा व्यादक व्या-(हम । बाहाएक मिक्स देश २, क्या इ. मणू ६ চেষ্ঠা। রাজা অবশ ই ভারতব্যীয় গমর্থ মেন্টের निकट माद्याया आश्व १वेटबम मा । जनीवगन्त বে সন্ধি করে বোধ হয় না।

ক্লিকাভার ক্ষ্মিনেরা স্বাহ্মধানীতে পর্ব্ব-

मनक् कतिवाद्याम । अ अवाद दीवाया (अल्डेस-के शर्य दिवन नामकि कार्यमः कट्समः, किन्न नाम जिल्ला विजन विश्वादक्षन, अक डोका कर्क लहैशाई ক্তমতি দেওয়া জীহার ক্ষমতা বহিতু ত। জবিট तिमा नावर्क**ण्डरस्य, कीश्रामित्य**र ১० **लक्ष है**। या भाव माज, किन्न केंग्स्कित्तत अन शांत अक কোট হইতে চলিক।

### -৬ এ পৌৰ বুধবার।

इक्काश्रकाभ निविद्याद्यन "यदिनारमद कान বন্ধুর পত্নে অবগতি ধৃইল, ডব্রত্য ডিস্টীই সুপ-विटिन्ड का महाम हर कहानी समामिन শুকীরান এক জন হেড কন্দ্রীবন্দ্রে কয়েক ष्ट्रिको सिम्रा खा**ष्ट्रम् काणः अभूगाम् ठाका**य दनिन সংখ্যাদিংলন : এই **অপ**রাধে কৌজলারী আদাল-ভের বিচাবে জাঁহার ৫০০ টাকা জবিমানা না हिटल हुई वरतत काताबाटनत खाटल्य इहेन्न एहं। विद्रविद्यारण अञ्चनस्थान कर्ता इहेरल करवक काकिन इटेर्ड करनक (नक्षामिन वाहित इटेर्ड भारत्वः शवशान**ः**! "

बाबु श्रकानध्य मञ्जूमकात अधिकान कारन-ক্ষের চিকিৎসালয়ে কাবের পীড়ার অব্যা, খ্যেত্ব পত্র আনিতে গমন কবেন। বে আগনে চিকিৎ त्रक छाङ्गव माकवामात्रा छेपरवनम करतन, (कं.स ছাত্রের কথার ভিনি ভাহাতে বাসরাছিলেন। **फाक्टब प्रदर्भ क.ब्राम क्षात्राम क्षात्राम बाबू रीहार्क** सम्बाद कथना कमा त्याम गणान हिंदू द्वार्यन न। कतिहा भागात कान नवीक। कतिएक इंदेरर, খলেন। ডাক্তর মাকনামাধ্য সৰা আসিষ্টাকী সা क्रिन बडालप्राप्त त्यामारक देशा कतिएक वरतान, अबर मधाल बाबू वावकाशास किबिटन निर्देश ভালা দৰ্শন করিয়া প্রভাগ বাবুকে প্রদান করেন. ডাক্সর নিজে পরীকা কবেন নাই বলিয়া প্রভাপ भार वित्रक श्रेष्ट्रा केंशिटक अक कर नमा स्रुव्य পত্ৰ লিখিয়া পাঠান। তেনি লিখেন ৰ আমি ইৰ (दर् अक्सन ज्ञासन ज्ञाह । सेवर अदर अहे নামাকে শিখাইয়াছেন মন্ত্ৰ্য নাজেই আমার ভাতা, এবং আমা**য় ক্ষুদ্ৰজীৱন** মানৰ বৰ্গের केनकाहार्व विनिद्धाक्षिक एइ। विवाहत जल्दन चार्यन छ चानि बनान, अवसन इक्टेंद्राणीयुटक আপনি এপ্ৰকান ৰাবহার করিতে নাহসী হইতেন ন। আপনি ধে অব্য বেডন পান যে কাল আ मात्र व्यक्ति करतव नार्वे " बेक्कामि । काक्सन माक नामात्रा देशात अस केसत्र निर्मात्रा स्त्रासदातु छ भूतः भवःदस् व्यर्भय स्टब्सः । क्रिकि सटकत द्यक्ति काल कारकारकात्र क्रिकिंश्यामुद्र पश्चिमितात्र सानः क्रेड्यार्ड, व सिन्ना वस्तुना जानवाड विदा बाह्य

च नेता छैवध महेराउ झारहम खाँशामित्राप श्रवक्ष वरकील बाद्र काहाब महाब बहरकका बहरू व প্ৰতাপ বাৰু জাঁহাৰ আসিবার কালে স্বলীত আবু এচ পত্ৰ ক্লিনিয়া ডাঞ্চৰ মাজনাৰাবাকৈ ভংগনা কারেন, পরে পত্রগুলি জ্বিপুরেণী রুটে প্রকা<sup>ন্</sup>ৰত হয়। ভাকেয় মাকনামাগ্র তীহাত প্ৰতি অন্তঃবঢ়ার করিয়াকেন ইয়া প্ৰতিপদ্ধ কয়া क्षांगत है का। किन्त कामता इश्वीक सहै कि अविषद्य जिमि मानावृद्यक महायका आ छ हरेएए পারেন না। ডাক্তব শ্লাকনানারার নিকটে ডিনি अञ्च । हाथीं हहेशः यानः जिक्ति ११८ एतः अधि দক্ষান প্রদর্শন করা সকলের কর্ত্তব্য কর্মা, তিনি ত'হা করেন মাই। তথাশি চিকিংসক পাঁহাকে অৰ্ম ধিৱাইয়াদেন নাই ৷ ক্ষা প্ৰাৰ্থনা বুদি ক'হার করা উদ্ভিত্ত হয়, তাহা প্রভাপ বাবুর করা উচিত। তবে ডাক্তর মাকরাবারা জীহাকে প্রব ক্ষক ব'লিয়া ভাল কয়েব'লাই, প্ৰক্ষকেয়া উভয বজ পরিধান করিয়া যায় না :

क्तिकाका कार्यक्रत कार्यम हिनादुत क्लिक्ज के क नारहरू वह शार्यमञ्ज्ञास्य विकास পভি ফিলার সিহাত করিয়াকেন করণার কে'ন वाकित्व बाबरक दाविष्ठ भारतेन सा। कारलेस টেলর ভারস্থানে মুক্ত হন ৷ কিন্তু মাজিটেটুরে পর্যাধা অসুসারে উহিতে অনতিবিস্থে গত कता रहा किटलम २००० डोकात सामीम भिन्ना बुक्त कारक्य ।

পারিদের অনেক ধৃষ্ঠ ফটগ্রালার এক অবী ল উপার ধার। লম্পট মহলে বিস্তর টাকা উপা 📹ন কৰিতেকে। ভাষারা উক্ত রালধানীর বি **पहाच क्षत्रो**मिश्यत श्राजिमूर्खि शक्क कड़िया मांबर्धात्म मचहका क्षिक कार्रिया जाता बद्धत है লান জীলোকের প্রতিমূর্ত্তি প্রস্তুত বাচুক ভাংগ मक्क काहिता श्राक्ताक मध्यक वनावेता (महा: मन्त्रमें क्रिकारी क्रमाविदितात यथार्थ केमामिनी अखिगुर्कि विरवहनात्र अध्यक होका विश्वा फाइ का करता करमकान भूजिरवर बाहा मुख इह ब्राटः । देश यथार्थः (दिमाञ्जी सुप्राहृद्धि ।

१८७७ व्यास स्थितालाइ ११,११ हेक देर श्र । श्रुक्त वदमरत ७ · · er हैक माज रहेशाहित । महनाइत कलिकाचांत्र १३ शकांव हेक दुनी इहेग्रा स्टिक अहे प्रदेश्य अक शकाय क्या वृद्धिय दश्य व वॅनिटफ स्टेरव । छटव अवाव यथा नगरत ब्रह्मिस्ट ব্লাডে কগল ব'।চিত্লাড়ে।

बानबियद्वत सूमकान देनश्यक्षिरमङ क्यी বিবি দালিমার বরঃক্রম ২৫ বংসর : ডিমি ড.ডি भव्र क्रमाती। सर्वे म'सक कार्ट्सनीरस्य मञ्ज्य देश्ताकी साराज हादेलाताह्य अस्ट्रान गुन इन करिया अक निर्माणिक क्लीक्शन वादनावित वामारक कारहम । ब्राक्क्यांत्री इंकेटबानीय वय পরিধান করেন। একজন করালী পুরোহিত 🕏 शंक निका मिर्फर्डन। इर्ल्डिक कार्त्यनीय কারাজন্ধ জায়ের।

### ২৭ এ পৌৰ বৃহস্পতিবার।

ক্ৰীয়াৰ ব্ৰয়াজ আও ডিউক আদেৰ श्रीधाव अर्थन रमञ्जूषा ब्राह्मकारी चारनक सांख्या क्षेत्री क्षाणमात्रक विदाव कतियादस्य । त्रास्त्र मात्रीय धारमकः महारहेत्र (सार्व भूटब्रह महिश विवादस्य महस्र एवः। किन्द्र द्वास्त्रम् सृद् হওরতে থিড<u>াথের</u> সহিত বিবাধ হইরাছে। প্রিক ক্ষর ওয়েন্দ্রী, ডেনমার্কের রাজপুত্র প্রভৃতি বিবাহ উপলক্ষে উপস্থিত হিলেন। এই উপলবে সারকেসিয়ার বিখ্যাত বোদা সামিল নিমন্ত্রিত रन । **जप्रा**ष्टे शहारक विदन्त न्यांवरह अव् करतन । इच रवाका कत्रशूष्टि विमालम " सह রাজা আমি ৩০ বংসর পর্যন্তে আপনার সহিত বুক করিয়াছি। একণে আমার বৃদ্ধকাল। এ সমরে বনি আমার যৌবনের জন্য আক্ষেপ হয় मिहे खीवन भूनः शास इहेरम कावि काभनाः রাজ্যের অক্টার্থ বাপন করি। » বৃদ্ধ বোদ্ধানে বিনার কবিবার সমতে সমার তাঁধার হল বারং কবেন। সামিল প্রনিপাত করিলে আইলক্ का शद बिरक कांशांक केरबातन करना। गत र शास्त्र अध्यक्तांत्र स्वतानक नदा वस्त्र हरेग्राहरून ফরাশী সম্ভাটের সন্ধাতে আবহুল কাদের করাখ विराज्य **च्याकांक्को ६६ग्राट्य । श्रन**्धिच भक्षत क्षति भवादशायत विवस्त क्षतानी व क्रमीद्रशन हेरशकास्त्रात कार्य चन्नमः छाउए বৰীর শাসন কর্ত্তগণের এই সংস্কাণ, আসীর मिनाटक यक शर मनाम कहित्य ७७३ वाहाड ब्यूद्रक वहरदन !

मरवश्व मारक यनिकाखात्र है किमारन ८३, ६०.७७३ । अस्मितिक हे स्थापित १७... अवर व्यावाहरत्व । किमारम २,३३,३३५ होक मुर्गाएक इट्याएक । अवस्थानत मादन वाचकी सूध्या গাবে ৭ ৯-, 48, ৬৮ - টাকা বাত্র ছিল। পুর্বা বংস্থে জী সময়ে ১০,২৫,৭৮,২৫০ টাকা **থাকে** : कारण जातक होता वाकारण विद्रमय अभिने श्य नाष्ट्र । स्वा है काव अफ काइकात कावन fa >

शक्तारकत्र विश्व देशालास्त्रत्र अत्रीकार अत्रस्य লাভ নেশিয়র তথায় উপস্থিত হিসেন। এখা নে শাসন কর্ত্তুগণ কেবল মিসনরি বিদ্যালয়ের वीहां बनाव श्रव श्रव श्रव विकास करें के प्रविद्या किये । श्रीका क्ष्माव श्रव विकास करें के स्वार्थ करें के स्व

Gaiণীয় টোলখাল চাল করে ইংলভীয় **। हे अमाप्रत** २०४२ भूटी केउटक कलिका वेनरभद्र भन्न किएड हा हम । कि ह साहाय. हे हेबा बहेट'ड अधीक्छ । इश्व कांत्रप বোধ হয় জল বায়ুর আগাও আছে ৷ আর্ক क्षाइटक विभागित नहांन्य स्वविद्यान

প্রতি বিচারপতি ২৭৩% এলেনে বাধা-বিদ**্বক্রের প্রতিবাদ কবিবা এবিষয়ে** ্টেম করিবার প্রস্তাব ক স্মান্তন , বেংছা বিষ বিক্রেডাদিগকে গ্রুসতি পত্র লই तदेन स्टेबार्ड । जिन्ह रत २ हेश क(इ)। एड **गर्माञ्ज अहे चाहेन्स्क्रिक** मन करा

ব্লুৰ টাট্ৰন ব্ৰহ্মদেশের থাকাৰ বিশ্ব এक ख्यानक छेशास्त्रव श्रम्भन कवियारहरू। ে লেটে পুত্ৰ হত হইলে মাৰ্কাৰ ইবাহিম এক জন আর্থেণীয় বলিক তদীয় পুঞ্কে করিতে গমন করেন। **খ**তরা*ত*কুমার বিদ্রো दलिया विविद्य विद्यारी काटन वाजः **ভন কর্ম**চারী বণিককে ইংর'জদুণ্ডের চলইয়া গিয়া এক লৌৰ হাছুদি খাবা প্ৰ রি**তে** লাগিলেন। **ৰোহাই গেজেট বলেন লা**াইদিনিয়ার বনি লীবিত আছেন। কিন্তু রাজা থিওডোব প্রিক্তে যুক্ত করিতেতের মা। আবিসিনয়া

২৮ এ পৌৰ শুক্ৰবাৰ।

यन का काबेरन बन्धितिरमन केवान श्रेरन

ারো পর্মত সকল এক সুত্তন বিভাগের ক্ৰত্যাতে গ্ৰহণেট তথায় এক লম শুস<del>র্কা</del>ন প্রেরণ<sup>্</sup> কবিভেরেন। বিভাগের মহসুমার স্থান অধ্যাপিও নিনীত হর নাই গ शहाहेरप्र अस्तक देशनिक शुनिक कार्र्यः ह बाकिया होका विद्या (गरायम स्ट्रेस्ट क्ष क्षिप्राट्श उज्जाता शवर्यम् काव्य গৰৰ্থনেউকে জিল্লাসঃ কবেন, যখন हकता अवन्त्यत्केत कार्यः वृक्ति, छर्यम ৰিগকে বৈনিক পেলন দেওয়া হইৰে কি ভাষ্কৰবীয় গ্ৰহমেণ্ট কলমাছেন ভাষা 田川

इट्टेबार्डें क्षित्रमण्ड कसुर्गवस्थार ৰৈট আগামী বালা'র অ'গালে ভরতা हबद्र स्था ५०० कड़ा वर्ग छ माजिन स्थाइन केष ब्यास्का हिंद्रारक्ष्य । केक मशरद्वर सम्म

थवर कुछ्दाम्यो , शास्त्र अक कर । व व्यक्त क्षेट्र । इत्रे भारत्व प्रकृताम वन्द्र । व्यक्त **छे नकाय क**हिटलब र

সংগ্ৰন্থি প্ৰধানকৰ বিচারাকৰ নিৰ্মাণ্ড কৰি ग्राहिन, क्रिक्क लटक र मध्यी र कवासविषे अहेग (क) अशांति नामीन जन्मूर्व विवेश **छ विव**ेरि इसक प्रश्रमान का स्ट्रेश विष्ठाह्मा छ। अएउ पर ক তিপুৰণ দিতে পারেন না।

ইংলিস্থান অবগত ইইয়াছেন পঞ্চিত শাসনক্ষা ঘেদেজানিস খোপানি ইনিমাছ ভাহাতে কলিকাডার আসিবেন। শাসনদর্শা গ্ৰৰ্ণন জেনবলের বাটাতে অবস্থিতি করিবেন।

উক্ত পত্ৰ বলেম, বোৰাবাৰ দুত কলিকাতাত্ব লাপ্ত বেলাসকল দশন করিছেছেন। তিট प्टर्न ও च्यंद्धांनात वर्णन करियात देखा अकान কর'তে গর্ধর জেনংলের এত**েশীর এ**ডিকর केशिक कथीय लहेंग्री याहित्यम । हैश्लिक्य म বলেন, যদি ভিডিখ গ্ৰেগিটের সম্ভাতা, ধর্ম ও বাল্পনীতিতে অনুসতি দিত তাহা হইলে ইংবাল র্ড কনলি ও**ইভাডের** মৃত্যুর বৈর্নির্যাতন বন্ধারীয় মুডের মন্ত্রক লালছিবিতে গ-তান হইত। গ্ৰহ্ণেটের রাজনীতি ভলুসাবে ইহা অবশাই ব্ইডে প'ৱে না. কিন্তু যে ইউবো ने व (अपनी अरम्भात कर्ज्य करियुक्त कार्टरन, উহালিগৈৰ মত এবিঃ হইলে পঞ্চাৰের সৌড়া ধিগকে ভার প্রদর্শনের নাবে মুভের বস্তক্ষে म्म कड़ी बहुँड ।

২৯ এ পৌৰ্য দনিবাৰ।

সম্প্ৰতি ২৪ পদ্ধবায় প্ৰধান সময় আমীন ঝৰের জনা উপুৰ্ংশীয় সাহাজায়া বসিয়ন্তি-নেয় পেজন ডেকি করিবার আৰু দেন। এখা নত্ৰ বিচারালয় ইলিছাছেন বারংবার নিয়াভ ब्हेग्राटक, करनद्र सन्द्र ज्ञासक्षान्तिरशत द्रश्चि ফোক করা বায় বা। আক্তএৰ প্রধান সদর আ-নীনের আক্ষা বহিত ব্রয়াছে। বাবু কৈলাসচন্ত দেবের এক এক বিচার চ্যুৎকার। তিনি আইম मा नोहरण अ पुरक्ति में प्रश्ना किसी समा चौरतक माची दरतम. खाहात मिक्टी खरामयनि দৈওয়া ছর্ড গেন্ত বিবর।

त्म थ काव देखिया शतान क्षेत्रका प्रक्रिक इक्षां क्यों विरोद क्या (द क्यिन्य विद्वासिक इहेग्राटका, **डीशाम्य अक्रमकाम आ**न्न त्यम स्हे য়াতে, উচ্চারা প্রায় কলিকাডার প্রভাগেনন कविरक्त । इ डिल्क इ दाइमा वर्गन मुख बांक्क गाधादरिं। छोडा अपू करिया यत्रिकाट् । कवि मान त्या बा बनमा मारक्टवर मामेनाश्चमारत क्रिक्मात विकिश स्थानी व्येटक असम स्थानीरक र त्योच

इड्रेरीरम लाक **व**र्षार ३२ जक्क €• हासात লোক মর্বিয়াটে। যোদিনীপুর এবং পঞ্জাম সংখ্য परि**टम मुख मध्या ३६ लक स्ट्रेट्य** ३

------

ইউরোপীয় মুমাচার।

मधन २२ ७ फिरमक्षः (भाग वाय**े**) इ কাপ লক বিশপকে আলামী জ্নগালে লোমে का नेएक काक देवियादिक। भाजवाल (१९७३) ষর বাইন কি য়ায়ের স্তশ্ম প্রশংখা করিয়া থলিয়াছেন ট্টেট সেক্ষেটব্লির কেজিলে উচ্চার मात्रम विट्नय द्वायत दिएस्।

मधन २८ अस्तिमद्र। छार्शितत विद्वात উপলক্ষে ডেলিনিউস পত্রে বিশেষ তর্ক চলি ভেছে। সেন:প<sup>্</sup>ড শাৰ্মাণ ও ক'বেল মে*ল্লিকে*। **रहेट**ड मिडे कि प्रदेश शकराश्यम क द्रवाटहर । कें होता व केटपटना जिल्लाकिटनम कार्ग नकन रम नारे, लाद्वय दहे विश्वाम । आध्यतिकान ৰুত শেৰাপতি ডিক্ল নেপলিয়নকে আপন নি-(क्रांश शक्त श्राम करिश्राहित। शतकाति व स्कृत व तीशक् बळाइ थारक वह अक्टियाय अकान করা হইরাছে। ভারতবর্ষীয় রেলওয়ের লাভ श्राप अवर्गरमा केंद्र का मिनी हो कात्र अभाग वहे 到证

লগুন ২৭ এ ডিলেম্বর। ঐক সেরাগণ কাত্তি प्राटक मामारक कृतक शवर्राय है श्राक्तिवान कांद्र রাদেব : ভুরুকের সীমার নিকটে সেম্ব। সহকেত क्या रहेब्राइड ।

नक्षम २७ क स्टिम्बर । द्वाकी केंद्रेकियार রোমে গলন প্রস্তাব পরিত্যান্ত হইয়াতে:

केंग्रह मार्ट्सनीय अवज्ञित्र श्रदश्य मधुरश्रह क्ष्यांनी प्रदूषारह क्ष्मी ह जाया गर्व क्षराम पर वादेशास्त्रनः

मखन २१ अ ভिসেখत∄ २० वन फन्नसा कर्क कतिकाषात्र विभागत श्रेष विदेश होह। १व. क्षि श्राप्ता करिया करिया करिया है।

কেবিস্থান সেনাপতি বিলার সহখেনি বিগকে এক শত্র দিখির: ক্ষিকেলের বৃদ্ধারাকের প্রস্থা বের প্রতিবাদ করিয়াছেন।

> नवर्गात्रक विकाशन । वस्टरभीश ट्यन्डेमके नवर्टरेड भारत नीहनीत्री विद्वार्ति ।

२ क अ जिद्रांक्ष्यसिक्षणिक (४०)में कविनंतर बिटमंद ग्य वृद्धि संस्थिति हो

भू । अकारत अक्षतंत्र अक्षते क्षतिन्त्र है कि

তের তেপুটা কবিসমর ই পি লয়ত তৃতীয় খেণী হইতে বিভীয় জেনীতে , শিবসাগরের ডেপুরী कश्चित्रमञ्ज कारश्चन अह. त्काच हर्द स्ट्रेंड ভূজীর (শ্রেইডে গোস্থালপা ড়াং রেপুচী কমিসনর कार अन अ हे कारबन ३ व ट्यानीटफ, अवर आगा स्मत्र काकिनिएम्सिए कानिही है कावेननत विश्लीय ত্রেনীর আসিপ্তান্ট ক্ষিসমতের পদে নিযুক্ত **र्हे**ग्राट्डन ।

৩১ এ ডিগেবর বাবু অভয়াচবে বহুর অন্থ প दिख्यि अमादि हात्रको न वर्षमान डि। यगरमय ভেপুদী মা কটেট এবং ভেপুদী কালেইরের প্রতি নিশিষ ক্ষিৰেনু এবং ডিডীয় অেণীয় অধীনত माजिएकेराद्र क्या था श श्रेरदम ।

ডেপুদী মালিটেট ও ডেপুনী কালেট। বাবু বুভল্পাল ঘোষ কিছুকালের জন্য গড়বেদিয়া সহ ডिविनर-त उप्त शाक्ष स्ट्रेप्टन এयर सम्मनी পুৰ ও বাকুড়া জেলাগ্যা এটেটের প্ৰভাৱ कार्यः क तरवन ।

ৰাৰু হাত্ৰকাৰাৰ দেন প্ৰেনিছে নী ডিবি চনৰ अंडि नांव (डिल्क्क्री वांक्रिडिडे क्ट्यार्ट्स, कुमा বনে ভাহার খানা হইবে এবং ডিনি উচ্চ বি ভাগে এবং বাকরগঞ্জ ভাক, বিভাগে দিউটু (अनीव अधीनक माखिटकेटेंद्र क्यका शाहेगा (\$41

## প্রেরিত।

भागावत अयुक्त लामक काम गणारिक असंभित्र मधीरशङ् ।

अन्नाहक यहां विच ।

ভোলাংঃ পর্গার আংখণাতি বঁকিপু<sub>দ</sub> ও মুৰ্তান পুৰ নামক ছুইটা ইষ্টেণনে ক্ষেত্ৰী एक्षिक्ष, बाना कुठ क्षकृत्वेत रश्याम क्षां ९ इहेश वक्ष है हाथिक इहेलाम। वं विश्व है है স্বের স্বইনিস্পেটারের কার্যানিরিটা দেন্তি ध्यः कुछ स्देशा व्यापनकात निकृष्टे एकारः विद्व मात कु उत्तरक स्ट्रेम्स, अञ्चार किन्स, किन्से নাব্যিখ্যাত পত্রে স্থান্দান করিলে যাড়িত रहे । अव<मन क्र्डिक मम<sub>ा</sub>त **ऐ**र'न्टिग्द এলাকাক হরিদের পুরনিধালী প্রভুরতে দপ্ততী ও ইনাতপুরনিবানী ভাষাচ'নে চক্রবন্তীর বাটাতে ভাকাইভি এবং লোলাচক ও খান,ঘাটী গড়তি करमक करमक द्वारमधारा द्वा एडेशा गाम्र। বিক্টিপুর ইট্টেস্মের সব ই নিশ্পেটর জীয়ক বারু চক্ৰৰাথ ভট্টাচাৰঃ উহা জনাবুক ক্রিয়া ক্রেক অংশ ভাকাইত ও চোৰ ঘূপ্ত ক্রিয়া ভায়মও হাৰ |

বরের ডেপুটি মাজিটেটের নিকট অর্পণ করেন। शामि ना फाइादा किकार्रात अवशाहिक शाहेल। পরে ভারা অস্থানে এড্যার্ড হইরা জাপমাণি গের তক্ষরতা এ**ন্ধণ প্রজ্ঞ**লিত করিয়া ভুলিল যে जारा**एक ला**कनिर्धाव वन, मान, श्रांत नर्श-ऋ तका भावता इक्व इहेता हिटिन । उरकारन স্থলভানপুরে একজন প্রধান ইনিপেস্টব ও একজন मन वेन: न्लेंबेर करसम्बन्धन। (इडकरनष्टेयल क्रिन्। বাঁকীপুৰে একজন স্বাইনিশেশক্তর ও ক্ষুত্রকতন ८२७०८-४२४न माञ्च क्रिकः। किञ्च ञ्चनकान पूर्रः वर्ष ज्ञाकाहेकि छ कात्र भूक रहा, दौकीशुर-छ ততে ধৃত হইয়াছিল। স্কান্মত ভূ,নাধিক চুই শত আশামী গুড মুইয়া আহালতে পাঠ ম হই ल जी उक्ताका है। मिन्नात व्यक्त गार्ट्य. ও জীপুল ডিসট্ট ই সুপারিটে গুল্ট মিরার প্র (**७** पुनि कः खि(केन क्षेत्रकः দ্য সাহেহ, ৰহিম বাৰু ও জীগজ অপীশচক্ৰ বিদ্যালয় ও ঞীওজ বাবু জগদীশবাথ নাম এই মহেদহেরবা मानागरः वाक्षित्रा करब्रक्यनारः विज्ञावाङ ह ক্ষেক ক্ষৰাকে কাগ্ৰুদ্ধ ক্ৰিয়াছেন। মহাশ্যু वीकी भू<u>ती</u> हैरहेनरमत नव हैनिरम्भडेव विराम्य কাৰ্য,দৰ্ভতাহাৰ সংশয় নাই। এতাদৃশ ভুমিপুন वाक्ति श्रधान है।मेरण्डेज १८० विषुष्ट रहरूत ধ্যক্ষার ক্ষেত্রকাল বয় পারার আবে সংক্ষত্ কি ১ **बीशकायत ए इंडिंग**, हें र

১২ ই আইয়ারি নৈলি চক :

নান্তর জীযুক্ত নোমপ্রকাল সম্পাদক महानय मभीटलयुः।

স্বিনয় ভিবেলগ্রিক ---

কলেৰ দিনের পথ নিৰাগই **অ'মঞ্চৰ্ণন ক**রিব गटबङ्के स्वीष्ठ अस्तानक ६३०(मि । अस्तानक,र विन्धानरयत पुरुषि । यशात सहित्यात कृत्यमाय इ.०-नारक भारतमात व्यवस्य सञ्चावन धरित्राहिल, याच्या ७ अक्षत्रे स्थानक हे हे काल हा सि. ची ७ इंडेशा সে কভাৰ নিগালুত **হ**ইছাকে। এচেনোৰ প্রম हिर्देशको जित्रक राज न जीवृत्र एक महान्यः. अक्रमान्द्रभन, धस्यार श्रमास भाविक द्वा काह বাকা যায় না। বিকাশগৰী স্থাপন কৰিয়া অবৰি । १३८३ পাৰে এবং ইংৱাজী বিন্যালয়ে নিমুদ্ধে (व'फ्न बरम्द्रत अधिक इहेन हेशव क्रिक्र क माप- । নার্ব বেঞ্চপ অর্থবন্ধেও পরিপ্রমন স্বীকার কবে ভেষ্টেন ভাষ্ট দেখিয়া অনেশ্নিডেক্ বনান্ডকে 🖠 बर्जक भिष्मान के कार्यट भारत्व । याहा वर्षेक. हेड्रेक'लगुजै शक्षक इहेब्रा विकालब्रिके ह्यूबें चेंच'क । हेश्व कई खेलातब्र क्या 🕒 चिट्ठ लाहेर्यन एड श्वाञ्जी क्रवेवांद कर्त्यक मुख्यवना क्रेन ।

নিবাৰে বাজ্যাবিদ্যালয়েৰ বেৱাপ উল্লভ ভেছে এবং ইংড়াটী বিস্যালয় এই ্ত বিশ্ব /संश: 'काला क्रास्ति क्रांता प्रशः' ' /मकल 'क्रमा घषा । इत्ते व[सन भागे संस के देवीर्थ करें र कर । क

কিছু দিন পুর্বো তথায় ১৫।১৬টা বালিখ পাওয়া ভার হইড, একণে অসুনে ৩২ টি বালিব নিয়মিতরূপে শিকালাভ করিতেছে। ছাত্রহৃত্তি পুস্তক পৰ্যান্ত ক্ষাড়িত হৃষ্টভেছে এবং বালিকাং সভোগজনকরপে পরীক্ষা দান করিতে পারে জীযুক্ত বাবু কামাখ্যালাল লোগ এট বিদ্যালয়ে শিপক। বিদ্যালয়ের বর্তমান সৌঞ্চাস্য ভাঁচার क्रमेष्ट यद अ श्रीत्रश्रास्त्र स्वत् ।

নিবাৰই আদেৰ পাশ্বস্থা দক্ত পুকুর আমে এक्षी १२ लक्षी वाष्ट्रमा विद्यालय व्हेस्ट्राट्ट अव ভত্ততঃ বাল্ড ৮ংগর শিক্ষা বিষয়ক উৎক্রিয় मंथिया महिल्ला महिल्ला अहे छे उन्न নাৰের যেরপদিকিত ও ক্ষতা ভাষতে ছই সভন্ধ বিদ্যালয় কখনই উত্যন্তপে চলিতে পারে न। क्लिनेत्र (ल:र्लरा एकम अन)विषय कर् मनामभी करतम् ।दनाविषस्यकः सम्राह्मकविरक्त न, हेरा (ब.चम्रा व्यराखन्तम् सह्यत्रान्त्रात् । छीहार यक्ति (मर्गः) यथार्थ कल्यान, वानकमिर्गद्र श्रद्ध উন্নতি এবং স্থায়ী ফল লাভেব প্রভাগা করে ভাষ্য স্থান একটা বিদ্যালয় বিশিষ্টরাপে বন্ধ করাই উত্থ কর বুলেতে পরিবেন। আমি এ উভয় এামের কল্যা। ইচ্ছা করি এবং উক্ত এটিনঃই হিভাবে ভাঁহানের নিকট প্রস্তাব করি ( डिक्ट (य **कॅ.**श्वा अक्की छे२कृष्टे **इ**९वाकी विकास লম ০০৭ এক**টা উ**দ্দৃ**ট বস্**বিদ্যালয় রক্ষা করিট .०१। कलन । निवाद हे आत्मद दे दाखी विकास বহুদিন জৰণামাতে চলিতেৰে এবং ভাঠাত गवन(मर्डे: मादाया चार्ड, मिद्दिस्ट अधा है (बाक्षी विकासिय करूमा अहे । यह । यह । স্থানে অভিষ্ঠিত হইয়াছে কাহাতে উভয় আং ব'লাকেরাই অনায়'লে যাডোয়াত কাবত পাংৰে । বি ভীয়তঃ দকপুণ্ড রেণ লাভে বস্থিদ সন্ধনী স্থাপন করিলে ভাগাতেও উক্ত প্রকা द्वेभकार कांगाएक नारदा विकासिय क्रकान वर श्चारका लब्द जाते हैं है इस्ता का माला শ ক ভাছা এই একাৰ মিলতে তেই নিমু হ্ছী पादः । यज्ञविकामस्य अवन्यास्ट हेत् महत्यः माः ना वाभिता अथ न स्टेर्ड वालर्क्ता लिक्क् कर् भिका ल'ल अति,क्षेडधाइ श्राविष्टे स्टेस्ड शास्त्र আমস্থ প্রধান লোকেরা যদি এবমত 🕏 करे ऋष केष'य अवस्थान करतम ए।का कहेर

্বদালর ব্রড়েড ছাত্রেয়া ছাত্রতি লাভ কৰি

ইলে সামান্য সাগান্য পাঠশালা রাখিবান ও রি প্রয়োজন হইবে না গত দিন উছারা এই রপ পার এইব না করিয়া স্কুল্ল স্বত্ত থিদ্যালর কার প্রতিক্ষার্য্য থাকিবেন তত্তদিন পরস্পরেশ রেতির ব্যাহাত দেখিবেন । দলটি ক্ষুল্ল স্কুল দ্যালয় অপেকা এক উৎকৃত্ত বিদ্যালয় যে কিল্লিত, ইংগ্রাহর্ণ মেট এবং দেশীয় লোকেরা হ দিন না বুরিবেন ভত্তদিন উহাদের যহ ও

हिरेख्यी भारतकः।

ধান্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশর সমীপেয়ু।

ৰাখাদিগের হজে রাজকীর ক্ষতা থাকে ছুত্র ধীব ও সভক হইয়া যে ভাহাদের কার্য, । बिर्म्य फार्श विरवहक राक्तिमादबहै रिलक्ष इट्ड शटरून । श्रेखांक्टिशंत यम मान এयर ৰরক্ষার কমা রাজাখীয় ক্ষমতা<sup>৬</sup> কিন্ত সেই क्षा (बबारम (लाइक्षव धन माम अवर धाववि-শ মি**রোজিত হয় সেখানে ডারা** কি উরা পূর্তি ধারণ করে। কিছু দিন হইল ফৰে'হ প্রতন মাজিটেট মনগে। সাহেব একটা স্ক্রা कार्यः कत्रियारक्रमः । एउएषः कारश्केरद्रत রস্থানার জীয়ুক্ত বাবু উমেশচন্দ্র ঘোৰ এক অভিন্তুত লোক। তিনি বহুক'লাব্ধি **(एवट के व** कार्य) कड़िया वशकी हहेग्राट्डन अवर য়াম উপরিস্থ কর্মচাবিগণ চিরকাল ভাঁচার **ভাও কর্মক্ষভা**র ভুয়নী প্রশংসা করিয়া त्रिष्ट्रार्ट्सन । **सर्**नांहर तन এक तुःख्ति व्यान ছাছিল, মনহো সাহেৰ কে'ন অসং লোকের মূলে উদেশ বাবুকে সেই বোষসংগ্<del>রিষ্ঠ</del> য়া বে প্রকার বিগ্রহ ও অপম'ন কবিয়াছেন া বলিবার নর। উক্ত বাবুর সহিত আলকা-विद्निय मध्य नाहे, रदर अध्यक विषदा াদিমের পরস্পারের মকদ্দদা ও বিবাদ চলি **। বে ব্যক্তি মন**রো সাধ্যেকে পরাহর্দ , ডিনি এক জন অসং অভাবের লোক য়া পরিচিত্ত এবং ট্রাটেশ বাবুর টিয়বি-্লৈ অধীনত্ব একটা দিন্তারীয়া কথা প্রণানে विकास रहा अरेज्ञाल माखिएके महरूर क्षेत्र क्षेत्र कार्क्त्र डिट्डक्नाय अवर अक হুলাংকের বিধায় এবটা বিশিষ্ট ভয় ও केंक्ट्रे बाखिरक संबंध राख्या वाचित्रम, क्रिकार्कक कडिएनम । जात्म र अञ्चलकारमञ् क्ष्म किन्द्रक है किन्न जनवाद मध्यान के किएम खारात जा राम हाईका मू क के-

भाग कार्या । स्वित्र वा जात्रिका । प्रतित्र वा जात्र व

উমেন হ'ব একানে নিজ্তি পাইরাজেন, जि'न अकरन मण्यूर्व निर्द्धारी विविद्या मध्यान চইবাছেন। কিন্তু এম্বাল একটা কথা উপস্থিত **হইডেছে বে ৪** গকতাৰ বিবায়ের কি এই পর্যাত্ত হইয়া শেব হইবে? তিনি এক জন প্ৰসভা গৰৰ্গ খেকের প্রভা, তিন এক জন সভাত ভাতক দার, ডিমি এক লম অভি সাধচরিতা ব্যক্তি। खित्र (बाजहरू) प्रकृतान, रक्कान विधि शवर्रम ক্টেব্ৰ সেৱা কলিয়া পদকেল হইয়াছেন এবং অনেক সমন্ত গ্ৰণ্মেটের ক্ষতি নিবারণ ও বছ লুভ প্রদর্শন করিরাহেন। একণে ডিনি কো খাঁয় কুখ্যাতি পত্ৰ সহ "পেন্সম > লাভ করি (बन, मा निव्रनवारिंग कर्ष बहुएक विद्राप्त स्हे লেন, কারা যত্ত্রণা ভোগ কবিলেন এবং একটী जनकास छात्रम स्टेलम । श्वर्गमान्त्र कि व विधव माधाना विजित्र है रिशका सहा कुर्वरा ? যাহাল কাহার নিএছ ও অপনানের ত্রুল ও সহ কারী, ভাছাদিগের প্রতি কি সমুচিত দশুবিধান क्षा विरयम नव ? कावण करकेत अभ्यत स्थि হুণ্ডে, ভাহারা মির্কিয়ে লোকের সর্কনাশ করি তে थाकित्व विविद्य कि? इट ममन अवर निर्व भागत यनि हाक्यभर्ष इत्, छात् कवित्व शवर्न (मन्डे क्रिमें ने शांकित्म विमान्धन अवर शक्त रात्र **जाशी स्ट्रेटन म्हल्स् ना**है।(४)

--:•:--মানাবর জীবুক্ত গোম**গ্রকাশ সম্পাধ**ক মহাশর সমীপের ।

जाजि कानि विश्वविद्यानायम शत्रीकात छैशतः जात्रकार याम मृद्ध अवर कांनी (मोकाना निर्कतं कतिरक्षः । अहे शत्रीका कार्यके अकि कल्यतं वर्शाशात विनिध्व करियः। हेशं विश्वकः स्वतंवत् यटक अवर जश्रामादक 'मन्त्रम इत्र, अहेत्रम मक-(महरे हेलां। कित्र जानमा हेशंत माना विवास विभूवाना क नक्यांक (मित्रा क्षित्रो कित्रम निर्काक मृद्ध एहेएकहि अवर कर्ष्यकीरम् मा कित्रम्थां भावशान हम (महे कांग्र हहे महि कथा विनादक् वामान कवि।

)। व्यवन त्याहै व्यक्तिम शहर शक वि क्रम, वि क, क्ष्यर काहे व्यक्तिस महीका इहेन । मही-कार्षीविराह महारा नकताह त्य वामक क विकार-नहां का का किन काला गाह, व्यक्ति दशक सामा

(১) এ বিষয়তী বাদ স্তান্ত হয় তবে ক্ষতি গুল ভয় বালতে ষ্টবে এবং ইবাজে পর্প্রেটের বিশেব সমোধোগ করা ক্তব্যা স

শ্বরায় প্রোরত হইগ, কোন স্থানে 🖫 । ১৫ মি-विवे इर्देश राज उथानि जारा एक्टन सा । এদিকৈ লেখবার সময় নিরূপিত আছে, ভারার मर्पा निध्य वा स्ट्रान काशक शृहीक इत्र मा। पैशिद्रा क्षण भारेरनम छोहात निविद्ध नाति-লেন, ৰাছারা না পাইলেন লাছারা বলি অভানে দ্ভায়মান বা প্রথ পাইবার জন্য জ্ঞানর হইলেন প্রীক্ষা সম্পাদক আনিয়া ভাষাদিগকে ধারা প্ৰদান অগৰা অন্তৰূপে অপদান কৰিছে স্তুষ্টি ৰরেন নাই। আল্বা অবগত হইবাল, একট প্রসিম্ব কলেক্সের শিক্ষক এইরূপ এক স্থান দথা-त्रमाम रहेव्राहिटलम, (महे प्यथदाट्यत मटलत सम्ब পরীকা গ্রহের এক পারে ভাঁহাকে কিছৎক্ষৰ দগুণুম্বান থাকিডে হইল। উচ্চ পরীকায় এরপ वावशास्त्र श्रष्ठामा कहा योग ना अदर अञ्चल ব,বহার ভত্তলোকেও সহ্য করিতে পাবেন না। আমরা আলালতে বিচার প্রার্থীদিলের বে প্রকার ছরবারা দেখিতে পাই বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীকার্থী বিগ্রের ক্রমণঃ সেইরূপ ভইতেত্রেঞ

২। প্রশ্ন লিখিবার সমরে উপস্থিতির তা একা করা হয়, ইয়াতে বিনি ব্যক্তভ, প্রযুক্ত উত্তর দিতে না পারিলেন ভিনি অপুপস্থিত হইলেন। এই সম্পশ্নিতির কিরুপ দশু ভাষা আসনা প্রামিনা, কিন্তু লিখিবার সময় এদিকে কর্পণাত করিয়। বাকা অভ্যন্ত কঠিন এবং বিয়ক্তিকর বলিয়া বোধ হয়।

। পরীকার্বিভিনের বসিবার ব্যবস্থাও চবং-কার : এক বিদ্যালয়ের সমুদার ছাত্র পরস্থাবে প্রায় নাত্র স্পান করিয়া ক্ষ্মিকে পাছে : "গাউ শ্ বার নাত্র, সকল সল্বো ভারায়িক সভাইভা দেখা বার না, ইংকৈ স্ক্রীস্ক্রের সমেক প্রবোজন বেওয়া হয়।

भक्तीका विश्वक काह काह क्या भरत यान-बाह देखा तरिकार काहत आह अवसे विवरत्रत उटार करिशाई जानता अचार त्या कडिन भक्तिकात की कटिन जातक वाकिशाद, किंद्र

লিবিবাৰ কলম কাগজাধির জন্য এড় কার্পন্য श्रकान स्टेएउट्स (कन ? अवादा भवीकावी।न शत्क वाष्ट्री इहेटफ कमम खामिएक ब्राप्ट्रमणि करा च्हेद्राहिन अवर कः गळ राश (स्वदा व्हेप्राहिल, ভাহাৰ কতক অভি অধন্য এবং কতক এক্টাস भवीकार्शिकरनद कुट्टादिन है भारत वामध्य कन মানিৰ অপৰয়ে হয় এজন্য পৰীকা সম্পাদক অৰ শ্যই সাধবান হইতে গামেন কিন্তু ডক্ষন্য পরী कार्तिभिन्नाक कष्टे (०९३) ७ 'डाइएमर कार्याः इ वराषाक कवा कथनहे विद्राय क्षेट्र भादन है। আমাদিলের বেলিউার সাহের অভিযোগ্য ৪ ক্লভুৰ ভজাৰ, আম্বা উহিতে বনবেদ প্ৰদান ক্ৰি, কিন্ধ ভিনি অপেমাকৃত উপাৰ্কত ভাষা আপনার মহৎ কর্টব্য প্রসঞ্জার করিলে আন্যান্ত उद्दानरुक वृ विवय हर ।

> ब निकाका विश्वविद्यानसूत्र ट इंक धार्यो।

মান্যবর জীযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক महानय मगीरशय।

মহাশপ্প! মেলিনি'পুৰ জিলাতে গড়বেতা

স্বিষয় নিবেদন্দিদং---

ভ্ৰমুক ও নওটা এই ভিন্ট কৰাছবিলন আছে ভৰ্ষে নক্তা মৰ চিকিজকের নাম পৰিবস্তান ন্ত্রা স্থান পরিবর্ত্ত হইয়াছে। ক্যেক বংস্থ গড **হ্**ইল. উহা⊲ ডেপুটি কালে*ই*ণ ও হেপুটি নাঞি किन का शिविन के खिएक अवर वृत्रभानि पाइ-নে উঠিয়া গিয়াছে। তক্ষন, নভঙা একেং। ব হতশ্ৰী হৃত্য়। গিয়াছে । যাঙা চটক ভাছাতে জানাদের ধেদনাই গাক্ষ এ স্বডিবিল্লন্তী বে যে পরগুবার মন, হন্তী ছিল ভাষাদের নিলে-ষ্ডঃ উত্তরপুর্কাহিতালের লোকাদলের এগন शादश्य नाइन्द्रेष्ट इड्रिडिड विद्युष्टमा १७८२, आधारपद साम जामदली शतका ४६८७ व्यव o) a क्रांम कावरास्म क्रिम। क्रुटहोर <sup>दर्दा</sup>न-শী⊒ই ঋপেন আংশন রকাব উপায় ∶ব ন ¦ কারতে পারিত। ভজনাই এপ্রাণ্যে তথন চুৰিও আংল, বিষয় আমত বিচাৰ আহিক হইছ ল। এবং একস্থান হইতেই দেওয়ানি, কৌজদাবি **स कारमञ्जूतत कार्यः निर्मार इंग्डिं। अक्ट**न समझनी **१३(७ कॉ)** थि ১১ জোশ कावतार अवर দারুনও (মুনসফীটেগশ) ১২।১০ জেশিং বংৰধান। এই দূরত। নিবশ্বন উল্লোগত স্থান-ব:সীনিগেকে দেওয়ানির নালীশ হইলে এফবার

वास को थिएक बादैएक इस । अन व्यक्तित सूहे वृश्ति मकसमा विधिवात विधिव्य नट्ट । ज्यथ् प्रदेशास्त्र मा (शहन का नामा व नामा का नामा व এমত হলে সে ব্যক্তি কি উভয় শশুটে প্রে না বিল চ'ছাৰ ব,য ও যাব পর নাই প্তিশ্রম अवश्यमः भीका इस मा ? छोहार स्थानात अरहर १ णल वा चुललाव शमनाशमानत सुविधा अहकवाहः নাই। বাণিকাটেদিব কথা রবে থাকুক, ভাতাব শ্কনা হইলে লোকে এক গাম হটতে ভন প্রাথে বালুনা। অনুন অন্তর্গ লেগ্রনের ও কালে প্রতিখা নাই। যে বাবে রুষ্টি অধিক হয়, সে বাবে মিশ্চৰ হাঞা হয় এবং জল পাইবাৰও ভারশ খাল ও পুৰুৱিনী নাই যে জলকট্ট নিবাৰণ কৰে ক্তবাং অনানৃত্তি চট্টেল ১২৭৩ সাল অ'নিয়া উপস্তিত হয়। ধান্যের আলিপথ নিয়াই সানান্য গমৰাগমন কৰিছা থ'কে। এখন সে কথা দুৰে र फेक, विठाव नहेशा कथः। अनाक्ष अक्रा**र्ही**क तहा कविएक मा भाविष्ठाहे (ल'इक विहासामरणन প্রভাব গ্রহণ কবিয়া পাশক। আব এই ট্রিছেলেই বিচারালয় বিদেশত স্বভিবিজন স্থাপিত হয় ' যধন ভদ্মারা সে উদ্দেশ্য সাধিত ভ্রতেরে না 'ठथम रवेचे' हम विष्ठ' द्रालग्न ज्ञांभम करिए ग ज्ञान-কাংশের স্থাবিধা হয়, সেই সামেট স্থাপন কংগ উচিত। গ্ৰহমেন্টের নিজেব স্থাৰিরা লইয়া ।খা নয়, প্ৰজাব ধন প্ৰাণ বন্ধাৰ্পই বিচাহাপয় দিলে স্থাপনের প্রধান উপ্লেশ,।

गण्णीहरू बहानग्र । विकास नी वि प्रदर्श अवसी चिख्या (क्रम) हिमा कर्न्ड विश्वतकार्य, विक्-হার্গে পুথক পুথক বিচার'লয়ও স্থানিত দ্বিল . . ७॰ दश्मरवद्व अविक भ्रष्टेन, छेश (प्रक्रिकीश्टर : সমিল হয়। ভদৰণি সেখানক'ব সূমি প্ৰকা বিচাৰক'ৰ্য, মেদিনী°পুৰুত্ৰ সংগ্ৰহ হঠত । প্ৰে : নগৰে ব'লয়। সা লা প্ৰিচাৰ ইটয়াটেছ একমাও ন্ধন স্বতিবিজ্ঞানর ধ্রী হয়, তথ্য শস্ত্রাল্ভ ! ব্রের উৎসাহই কি পোলার উর্ভিন্ন বার্থ खमहरका नताय नश्रद्धाराज्य अक्षेत्र किरियन कि. १३० छन चायपुरस्यक एका इहेरछ दिवासा-হয়। ভাহাতে নাঁৰি বিভাগেৰ ও মেদিনীপুৰেন। ল্যানি স্থানাত্ৰত কলৈলে অভিয়েই কি ভাষা क्रिक्सर्भराम्य क्रफ्रक्थित अन्त्रनान विष्ठ नकारः श्रीहरू ६ हैवाव सर्वत नक्षणव साथ हे स्टिस् কার অভ্যাচারপীতি হ ব্যক্তিরা তথাৰ গিয়া | নির্মাহ কইডেছিল। কিন্দ তথ্য গ' নামাল <sup>কা</sup>লন্দ নির ব তপুক্ষনিলের অস্থ্যাহে ছর-अहे मारण अवनी भूरणाती काइ दि ने शिरण यहा घरेटव वेकाटक निका कि जारह ? ম্বাপিক হয়। অপ্যাপিও ভাষা বর্তমান আছে 🕴 এবন এই কবা হহতেছে যে, ক'থি বিভাগের প্রায় ৮। ১ - বংশব ছউল, লবণ সংকাশ কর্মে- । ২৫। ১ - তী প্রগণার মট্রিয়েখন একটী মুনস্ফী हाबिन्द्रिन का अर्डाहारक केंग्नि विकारत अपान दे कि ए दिल. अर म समाध्री अक्तापुरी अ অভ্যন্ত প্রক্রীভিত হইলে এবং সংভিবিজন গুলুর 🖟 জ্বাক্ত 👈 সধ্যা খান ইউলেভিছি,বজনাবেশন এই থাকাতে ছৰ্ফ্ৰু ডাবেরাও নিৰীহগণেয় সৰ্মনাশ ্ভন ম হত্ত তেপুণ কালেটৰ নিমক হইয়ালেন, স चात्रश्च कतितम किंदू हित्तत्र समार (७१)हे 🖫 🗗 🙏 ঠেটা কাছারিটা কাঁথিতে উঠিয়া যায়। কিন্তু নগু 🖯 ি ভাব মুদেফিটী নও গ্রেই থাকে। স্থারাং কিছ নামুনে এবং দও ও রাজ্য সম্পর্ক হইলে। পুন দিন কট হইলেও পুনবাগ্যন আশায় লোকে সে । গ্রম্পুণির করিয়। এবং নাই । বিচারপতির

আৰু কিবিয়া আদিল না এবং দেই দুইাছে বো হয়, নগুঙাৰ মুপ্ৰেফিটাও লাভুমে উরিয়া গেল এই উভয় কাবৰে যত দূব ছুববছ। বটতে প'রে मण्डात जारम नकलडे चकिश्वारह । मल्डार '' ১টনাগাৰ ৯ নামে একটা বিখ্য'ত শিবসূচি প্রতিষ্ঠিত আছে। শিবের মন্দির্যী : হব ও সুতুর্গ वर्ष्ट एक्टा एवं अथमकात स्था, हिथि**एन वेंस** व्यक्ति वात्र । त्यके भिरवत श्राष्ट्रकीरद वात्र भार उथ्ने प्रकल्य का ल्यारमञ्ज्ञ विलक्ष्य समीका इटेवः थाएक प्रन ५ वस्त्र क्रांत्रि उ इंडेर्स मकक মানি নিব্দান আচও জাধিক লেংকের স্থাগ हत्। अहं अन्य नष्ट भाग वाकारस्य **'अस्या**' अस्य **উ**रक्र**ष्टे** श्रेष्ट्री क्रिके अदश कुरुश्चमा पुरस्का स (अभूती कारल हरप्रत यदा खबाय এकते देश्याओं বাললা বিদ্যালয়ও স্থাপিত ইট্যাছিল। এই সকল ভাবি উলভি সূচক কাণ্ড দেখিয়। নগুঙ एक एक एक एक एक त्या पारित कारणाइन करिएक छथा आधर्गन्द्रभव हेर्। विज्ञासन ,दान द्रिल । किस कटा বিচাবাল ভেলি সামান্তবিত হওয়াতে আহেবারে ভার জ্রাঞ্জ কইয়া গেলাছে। ইতিহার ও ভূবে দৰ্শন্ম হ'ব। সমুমাৰ কই য়াকে যে স্বাঞ্চাৰ উৎসা-(इहे यम नगः अप्र এवर वीखां यु अध्याप्त देव नगर বন হল : ভার বীভাগি কে ন অনেস্পিক কা ত ानतः । दन *स्थ*ार ५ ५ ते कथा । कामालिता ·জন'র প্রধান স্থান ধা সদর স্টেসন মেদিনীপুং ৩ ৫ ১ বংসা পুর্কের ছে ও ভদ্ধকর ছাবা । স্থান ডিস (এখনও তাল অধিক দুৰবড়ী কর নাট ) ভালা লে এখন বহু ক্ষেত্ৰ জাবাস স্থান ननान क्षत्रा नक वि छाना स्थानी, इस वर्षेष्ठ

খন প্রবাস আধার থকটো ছেপুটা কাপেটৰ ও মা

िश्वर के 6 बक्त क्षान क्ष्मेर के किया या अपूर्ण कि अब

ঘ্ৰেৰে বিৱাৰ ক্লত ও জন- প্ৰদেশে ভাৰ্

कट्टेटक अन्याप्त प्रमुख्य कर्तिया दिन । किन्न मर्थ

বিভ'গেৰ ছুৰ্ভাগকেনে মাজিকেটা কাছাবিট

) যতন্ত্ৰ ১৯৫০ তত্ত বিচাৰ *কাৰ্ণে* ব । ইইয়াদেশে শান্তি বেলফিড ছইবে। হান বিচারণতি দূল করিয়া অন্যত্র তাহার । গিয়ানাচয় আংশিক ক'ড ব্ৰিয়াটিল, : छ श्**र भूरण** की छेठिय वास्त्रप्राटक यात्र ছে, ছানিইও অধিবেচনার বাব ক্টয়াকে। ভিপারে মুকোটো ইনিয়া গিরামধ্যেরে (নে) স্থাপত ইইয়াছল, জনেখৰ প্ৰভৃতি কৌ প্রসায় প্রায়সূহ সংস্কু হ**ুল** সেলু' इट्रक्स श्रीमा हुलक द छग्नाट उ.न. श्रीस्थलाध । ५डेब्राएड । क्राइट्स्ट म् (ऋब् अ केट्स वर्टस নীমা র পশ্চমে মধ্বভঞ্রে সীধা। াং মুস্লফিটী ছেশের এক পার্বে হটর, পর্ড । अवञ्चारत्रेव (लाकमित्राक अध्यानीय প্রাননমুলায় এ, জলাব সীমাত ডাবে চ**ংহয়। ভাষাতে স্বলের প্রে**ছ সং ন ও সমান কটু ঘটে।

ৰে গ্ৰথমেণ্টের দৈকট প্রাথমা বে. মেনিমী 🖠 মধ্যে ক'বি বিভাগে যেরণ বিজ্ঞায়ন তে ছইটা সৰ্ভি হিলান স্থাপত হইলে চাচ: ণ বিচার কার্য, নির্মাধ হয়। কিন্ত সে জাস। দের ছুরাশামাত্র। এখন মুনস্ফটা "আ্পন धारत्त्र मध्य १६८म स्हेरन्ड प्राप्तक मन्न **এ**বং **शकाय ७ फारमक कहे** मिवादन इग्ना

রা কাল্যারি r 99 1

**বা**ল্য গে;বিক্ষপুৰ।

ন্যবর উন্মৃক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক महानग्न मभीटलयू।

চিরকালই সভেঃব জয় ছক্ষকারীশের ৮৪**ই প**রিবাম কল : ৯

ামাদিনোৰ এখানকাৰ ডিটী ট পুলিষ স্থপ তেওঁ সংক্ষেধ্য় ফেড মুচ্বি বংবু এক কাল ানলী, হৃষ্ণুর ও বন্ধাবতার প্রভৃতি বিবিশ श्राम विद्यासन नक बादा कृषिक इहेगा য় আপেন একাথিপতা প্রথমীকপে বিস্তা-क्षित्रवाहरूनम् अरः कान्य कृहेव शक्रांख 🙌 🕊 পুলি 🖰 প্রধেশ বরাইবা আলন একা **इन्द्र विलक्ष्**र असार अन्यस **यहाके**टहरू **। प्रशास्त्र के** ६० ५ पर स्परिद्वे**र छ देशीरक मरा**ण ए । अवस्तित । मरान्यर ध्व । 🏙 ৰৈ মুজান 💠 এয়ে প্ৰতি মাধ্যেই

२८''लाडेव. गवहेबरालाडेव ७ इप कमहोत्ज्ञान-গাৰ মাসিক বেডনের ও কল্টিছে উ বিলের টাকা धाः धव हिमात्वव कानत्त्व शाखन क त्याव बनिश्ला াৰন কৰিলে সে আন্ত নাৰ সকল হইবাৰ লি:েয়া প্ৰায় প্ৰতি মাসেই অনেক টাকা ''হাও-यात्र। इक्रेड, (पश्री मान्य:केश বাহানিটা। লাভ লোগের ভাতাবে অমা দিয়া আসিতেছি-লেন ৯ দৈববৈ এ ছাওলাত শেখ লেখার উপর সাংখ্যের দৃষ্টি পতিত হওয়াতে সরকার` কাগতে কেডমুছ বিব হাওল'ছে লোধ কেখিয়া সাচেত্ব মুত্ৰি বাৰুকে জিজানা কবেন যে " ভান মাদিক ১৫ টাকা মাত্র বেডন পাও, কিন্তু মানে নাদে এড होका काशा सहैट हेराविशक हा उनाफ एन य शात्र श्रक्ति मारिन्हें जोशंतिरंत्रव श्रांश दिस्तव টাকা হইন্ডে কাটিয়া লও ? » ভালতে মুক্তি विवृ अक अकात काबू व्हेतः शारव्यत अस्मत প্রকৃত সহস্তর প্রধান করিছে পাংবেন নাই বরং দাৰ বলিয়াই তীকার পাইয়াছেন। বাহা হউক শ্বরাদিনের পুলিব স্থপরিক্টেন্ডেন্ট সাহেব শেরপ সন্থিচাৰক, উপযুক্ত ও কাৰ্যনদফ **লো**ক ৰোধ কৰি ইনি অবশ্যই এ বিষয়ের বিশেষ অনুসন্ধান ना कदिया अधर पूछति बाबुक्त किष्टु मिका ना দিয়া বদাচ কান্ত হইবেন না। বিশেষস্থপ **অপ্ন**ন ক্ষান কৰিলে আৰও অনেক নিগুচ বিষ্টু প্ৰকা– শত **হইতে পাবে** : সুপরিকেটাওক সাহেব ববেচনা ককন এপ্লী কি হাওলাভ শোষ ?

### मृनः व्यक्ति ।

क्रीवर्थ द**'वू अगृ**खनान दक्ष् কলিকাডা ১২৭০ পৌৰ হইতে ৭৪ অগ্ৰহায়ণ ١. '' অধোরনাথ মুগোপাধ্যায় বাজিতগুৰ 10h . '' टेस्क्वाद्वन क्रम কোতলপুর ১৮৬৬ কাম্ব্রারি হইতে ডিবেবর 70 '' धनको प भारतहा षा क्षिमश्रक ১৮७१ काञ्चयानि इहेटक फिरमबन 30 '' रङ्गाथ मञ्जूमहात राष्ट्रधाना >२९० (शीय **स्≷ट**फ १८ टेक्क) ¢#• '' কৈলাসচন্ত্ৰ যোষ ক**লিকা**ডা ১২৭৩ পৌৰ হইতে ৭৪ জৈ.১ đặ. " শরকক চটোপাধার আপু নিয়া ১৮৫**१ छाञ्चात्रि स्टेटल स्**म " প্রিয়শক্ষর কোব সেরপুর ১০৭৬ নাথ হইতে আবাঢ় ''क्षेत्रिक्क वर्ष्ठकतिकाञा e#-" প্রেপা**লয়ন্ত মন্ত্রিক কলিকাডা ell** •

''জে ওরেলও সাহেব কলিকাডা

কলিকাড়া

' द्विष्मन गाउँहर

١.

۶.

বঙ্ক সাধ্যালিক লাইতেরি रधका ১৮৬१ सामुद्राति स्ट्रेड डिरायत 30

### त्मां मध्यका निष्य करा व करव की विद्याव निष्म ।

অঞ্জিৰ মূল্য ও ডোক মাস্থল না পাইলে মক-খলে সৌমপ্রক শ প্রেবণ করা যায় না।

हेरात्र व्यक्तिम मृत्रु वःश्विक ३० अवश्यानाः সিক ৫০: • টাকা, মকন্দ্রলে ভাক্ষাক্তল সমেড বাৰ্ষিক ১৩, যাণ্যালিক ৭ এবং ক্ৰৈমালিক ৩৭+, তিন মাসের সুচনে অগ্রিম মুঙ্গালগুলা য'ল না ছন্তি, বরাত চিঠি, মণি মত র, নোট, ও স্থাপ िकिंग, देशव अन्यक्त वाशक बाहात अविधः হয়, ডিনি দেই উপায় ছারা মূল্য প্রেরণ করি বেন ৷

যাঁহারা স্থাপ্সকিট পাঠাইবেন, লা-হার। যেন এক অথবা আধ জানাব অধিক মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

यथन विनिधनन्त्रल स्ट्रेट लामधकाटनव মূল্য পাঠাইবেন, ভাগ যেন রেজিষ্টবি ক্ষবিয়া ঞীযুক্ত হারকানাধ বিদ্যাভূধণের নামে পাঠাইয়া CRA I

ৰ'হিলিগের মূল্য দিধার সময় অভীত হইয়া कांगित्व, अक मान शूटर्स डीशंबिशत्क विधि निचित्रा मानान राहेदन, काल खडीछ हहेन्ना গেলেও একবার চিটি লেখা হইবে, ভাহার পর এক মানকাল প্ৰাতীকা করিয়া কাগজ বন্ধ কৰা বাইবে। শেব বাবের পত্র কেয়ারিও পাঠান रहेरव ।

মাতলা রেলওয়ের সোনাপুব ষ্টেসনের ডাক হরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

বাঁহারা যান্তল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ করি বেন, তাহাদিলের সেই প্রাদি এংণ করা भाष्टिय मा १

কেই সোমপ্রকাশে বিকাপন দিতে ইক্ষা क्तिम खीराद अध्य फिनवान अफिगरिक 🗸-**जाना छाहात शत्र /> जाना मिट्ड ११८४**। বিলি অধিককাল বিজ্ঞাপন দিবার ইক্ষা করিবেন ঙাহার সহিত খতন্ত্র কমোৰত ব্রীবে।

🗱 এই পত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্বা বাজনা রেলওয়ের সোনাপুর ঔেলনের দক্ষিণ চালড়ি-শোভার প্রাকৃত মাস্ত্রকানাথ বিদ্যাভূষণের খাষ্ট্রতে প্রতি সোধধার প্রাক্তকালে প্রকলিক

## (माश्रका

৯ ম ভাগঃ

५० नरपाः

## " प्रवर्त्तनां प्रद्धतिक्तिय पार्थिवः सरखती श्रुतिमक्ती न कीयतां।" .

মাসিক মূল্য টাকা, অবিষ বাৰ্ষিক ১০ । সুন ১২৭৩। ৯ ই মাখ। ১৮৬৭। ২১ এ আলুয়ারি বিকাষ বাৰ্ষিক ১৮টাকা অবিষ বাৰ্ষিক ১৮ টাকা অভিনে বাণ্যাসিক লা টাকা।

## বিজ্ঞাপন।

🕲 দুকু রামকমল বিদ্যালয়বার প্রণীত ''একডিবাদ ৯ নায়ে একখানি অভিবান সংগ্ৰতি मूजिए वृत्रेज्ञी भः स्ट यजानस्त्र भूखकानस्य स मार्चाराहणमा माधनखद्रामात প্রীয়ুক্ত ঠাকুরদাস মাষ্টারের স্থান বিজ্ঞার্য প্র-ক্ষত আছে। ইহাতে প্ৰায় প্ৰত্যেক **শব্দের** বুং--পত্তি অৰ্থাৎ ধাকু প্ৰাধঃয় নমানাদির উল্লেখ করা **१**ड्रेग्नग्रह ।

মূল; ৫ পাঁচ টাকামাত্র।

### তন্ত্ৰবিদ্যা ।

প্ৰথম থও জানকাও।

जीपुक यातू विरवासनाथ शेक्त कर्ड्क এশীত। কলিকাডা ত্রান্সমন্ত পুস্তকানয়ে বিক্রয়ার্থ প্রস্তুত আছে। মূল্য এক টাকা।

> নিদর্শন পত্র রেজিষ্টরি সম্পর্কীর বিজ্ঞাপনপত্র।

স্থাৰৰ সম্পত্তিতে অত্মন্ত্ৰসন্ধানের কার্য্য कृषिमा करनाकिकारम मक्न व्यक्तिहेरि कार्यः কাৰফকে এই আদেশ কৰা গেল, কোন ব্যক্তি রেজিউরি করিবার জন্য নিদর্শনপত্র উপস্থিত করিলে দেই দক্ষান্তৰ বিষয়ে ইতিপূর্ণে যে পত্র द्धिक्षेत्री श्रेष्ट्राट्ड यामे ख'श्रेत आवश्रक मध्याम निष्ठ भारत्म करत केर्नाहर निक्नन भटाव এতি লিপী সম্পর্কীর হুছান্তেব যে ভূচিপত্র লেখাবার, উচ্চ কার্ব্যকারক তাহাতে ঐ সংবাদও निश्चिरंदम । फॉहा লিখিবার কোন খরচ मापित ना । किंब अस्तामनीय हवाच मिकिड मह्म कानियान क्या कर्यकात्व कार्यना इहेरल श्मक्के चरम्पर्वत् संद्रक विरक्ष करेंद्र ,

अर्ड लेक्टर १ वर्ग बर्ग्स (साम् शद्ध तिकि 

ञ्चतार हेशटड खारिकारत करमकु विनद छ गटन इ विवादन रहेरव । এই कांत्ररन अफब्रिया সর্বাধারণের সহকারিভার প্রার্থনা হইভেছে 🖠 প্ৰতিনিধি রেজিষ্টার ক্ষেন্**ৰ**ল।

নিমু লিখিত নহুবেৰ নোট হাবাইয়া গিলাকে, যিনি **আমাৰ নিকট অথবা সোমপ্রকাশ স**ক্ষা-मरकत निकटो डेपिक्ड कविद्या किएक भादिरका. ভাঁষকে ২৫ পঁটিশ টাকা পারিভোবিক দেওরা यादेख ।

নোটের নম্বর এইঃ----

かかりもと

৬৯৭৬৯ নং ১০০ টাকার ছিং ২০০ টাকা

- .8487
- ~ **01** cc
- 4444
- 8 e 🗤
- . 44 67

·৬৭৩০ নং ৫০ টাকার ভিং ৩০০ টাকা সমুদার ,৫০০ টাকাঃ

ঞীবিপিনবিহারি স্বকাব ভূটাৰ বাকশা সৰভিত্তিটের ইনচাগ্য পুলিষ हेगर भरे द्रा

কিসমত প্রগণে সৈমপুর ওগধুবহ মহালওকক চারিআনির অন্তর্গত পরগবে মংখ্যবপানা বাহা **स्थाना परभावत्वत्र क्रीज़न्त्र काटनहेत्र नाट्यत्र** ভন্তাবধানে থালে আছে উক্ত পরণাল বেষিকু বোডের আনেশাকুভায়ী আর্লানী ১৮৬৭ সালের ১ লা এপ্রেল ভারিব স্কুত ২০ বংসর মেয়াদে ইজার। বন্দোষণ, হইবে।

২। সনিও বিলড়াকাজিরা উপরোক্ত পরগ-পার **অন্তর্গত কিন্ত বিলের জনী পতিত্ত উল্লে**থ

পূর্ব রেজিষ্টব্রি বিষয়ক সংবাদ জানা ঘাইবে, 'ইজারাব বহির্গত থাকিবে উক্ত বিল জীযুত্ত কালেটৰ সাহেবেৰ খাসদখলে থাকিবে।

> ৩। বে ভূমিব বিজ্ঞাপন দেওয়া বাইতে: **काशव वा विक चाकरा २२३ हे। ८८ है। का । ३०%** সালেৰ ৩০ এ এপ্ৰেল পৰ্যন্তৰ কৈছুলবাদে বাবি ১৩৪১ ১১ টাকা তন্তাে অধিকাংশ টাকা পরি শেৰে জানায় হইয়াছে। ১৮৩৭। ৩১ এ মাৰ্চ পর্যন্ত যে বাকি থাকে তাহা আবায় কর্ ক্ষতা ইলারালাবের প্রতি দেওরা বাইবে ইঞ্ বাদার খোট বাকির অর্থেক ফি শত ২৫ টাক महक्षामी वाटन मन ३२१९ माटन मट्ड अ वर्ष व्यक्ति जे यक महस्त्री वादर मय ३२१ व मारतः মধ্যে কালেট*িতে দাখিল করিতে* বাব্য **হই**ৰে আনার সহয়ে সাকুল্য ৰায় ইত্যালি উত্ত ২০ টাকার মধ্যত থাকিল এব॰ বকারা খাতন এত্যেক দন ইজারার হাল, খালনাধ অভিবিদ্ দিতে হইৰে। বে 'ছুদি ইক্তাবা দেওয়া যাই: ভাষার সীমানা সরহদ্ধ। পবিকারপ্রতে নিঞ্জি ব ভাষতে মহাগওককেব নিরাপভঃ সত্ব আছে व्याभागी ५५ वे स्कामानि भर्ग, छ देवात प्रत्यास क्यना यरणाहरत्रव आयुक्त क'रलहेद भारत्व अहत् করিবেন। দ্বখাস্তকাব যে কার্কিজ্ঞা দিয়ে ইন্দুক হইবেন ভাষা স্পষ্টক্লপে দ্বখাৱে लिए थन ।

> मतथात्ख्य (नागमाय फ्रेन्विकातः ( পরগণে মত্ত্রপাশার ইঞ্চারা সমুরের দর-थाछ ) निश्विष्ठ रहेगा का भरत कतिया कार्लके াংহেবের সমীপে অর্পণ ও প্রেরণ করিতে হইবে 🖨 সকল দরখান্ত ১ ল। মার্ক্ত ভাবিখে জীমুভ कारमञ्जू नारस्य बार्डास कतिया देखावामात्र दिन कहिरदम । काम काइन मान्नाहेश कीवृक्त कार्य টর সাহের বীয় অভিপ্রায়ু ক্ষুদ্ধে যে কোন দর খাস্ত হউক অগ্রাহ্য করিছে সম্পূর্ণ কমবান থাকিকেন : প্রস্থাবিত ভূমি নয়ছে সমুদায় স্থান

ভাগ কইটে ৪ মাইল ব্যবধান দৌলভপুরস্থ ।
ভা ব'ল ক্ষেত্রগোপাল বক্ষে পাগধায় মেনাব নিকট হইতে ভথবা খুলনিয়াব ভেপুটী
লাই: ব্রীভাল ব'লু ব্রহ্মনাথ হেনের নিকট
ত প্রাপ্ত হওরে গালিবে। ইজালালা—
যে কর্লভী দিতে হওবে গাহার প্রতিলিপি
রোগ লিখিড জিন স্থানেই দুট কলা যাইছে ।
বাবে হিলা ক্ষিতিক এ ব ব্রহাপন প্রেব

ে। ইজাবাৰ সানিক খালনাৰ মেকবাৰ ইজা বেব আফীন দিয়ে চইবেঃ যেরপে জানান চুইজাবাদাধ ইক্ষক হয়েন ডুফিস্থানিড কুপে দুৱখাজ্যে শিখেন।

জে, মন্রে। অফি সয়েটিংকাকেটর ধণোহর।

त्रवाद भवतरन रेमम्भुत अभवत्य महान अक्क आभित्र व्यक्तर्य भदतरन चालियभुत काहा । स्ट्राइट्स खी कि वास्मित्र मारहरदन वधावरन चारम व्यक्ति के भद्रतना द्विति है इत वारम्भाङ्काकी व्यक्ति ५००० मारलद । अरक्षम खादिस २०१७ २० वश्मत स्मारम इत दरमाव छ १६रव ।

া যদিও লাটজাবাদ খালিয়ার ও লাটপ্রস্থপত্নী ও বিল পাবনা উপবাকে
বার জন্তগত কিছু পত্নী বলোবস্থী উক্ত
বন্ধ ও বিলেও জনী পভিড উলেও বনোহইরা খাকুক বিশ্বা বে অবস্থাই ঘটক ইঞাবহির্গত থাকিবে উক্ত বিল ও পত্নী হই

ভিত্তি কালেটর সাহেবের থাসদখলে
বিশ্বা

ा स प्रित्र हैकार न विकाशन एकता गरे छोहान वार्षिक शासना ५-५ दर्श में छोता। स मार्गित ७० अ अरक्षम भर्ग एक उँ छूम गाँक ५ ०० आर छोता छ अर्था जित्र होन्स गाँक ५ ०० आर छोता छ अर्था जित्र होन्स गाँक १ ०० आर छोता हो छाता छ । १५ ५० मार्गित वार्ग क्षम । है आत्राहार व अर्थित क्षिण कि वार्ग क्षम । है आत्राहार हो वार्षित क्षम्बित क्षिण वार्ग क्षम । है आत्राहार हो वार्षित क्षम कि वार्ग क्षम । त्रक्षम दे मक मदक्षम वार्म वार्ग क्षम है है है कि त मन्न १ १ १ है जा वार्म क्षिण है है है कि त मन्न क्षम न वार्म विकास हो क्षम क्षम है का नाम वार्म विकास हो क्षम का क्षम न वार्म न वार्म विकास हो का का क्षम न वार्म न वार्म विकास हो का का क्षम न वार्म न वार्म विकास हो का का क्षम न वार्म न वार्म

দেওয়া বাইনে ভাষার সীমানা সময়দ পরিকার
ক্রপে নির্দ্ধিত ও ভাষাতে মহামওককের নিরাপত্য সত্ব আছে। আগামী ১৫ ই কেন্দ্রেরার
পর্যান্ত ইক্রারার দর্থান্ত ক্রেনা যশোহরের
ঐ গুক্ত কালেইব সাহেব গ্রহণ কবিবেন। দর্থান্ত
কাবি যে বাধিক জমা দিতে ইচ্ছু ক হইবেন ভাষা
প্রতিয়ারে দর্থান্তে লেখেন।

৪। দরখাজের লেফাফার উপবিভাগে ( পর अर्थ थानिवभुद्रित **हेका**द्रा न्त्र**शक्त** महचा<del>र</del> ) লিখিত হইথা লা মহয় কবিয়া কালেটর সাহে-বের সমীপে অপণ ও প্রেবন করিতে হইবে। ঐ त्रकत प्रत्यांख ३ मा मार्क फारिटन खीतुष्क कारन টা সাংহৰ বাছনি করিয়া ইজারাণার স্থির করি (वन। (कान कात्रण मा प्रभाहेत्रा क्रीशक कारमञ्जू সাহের জীয় দাভিপ্রায় মতে যে কোন দর্থাস্ত **হউক অপ্লান্ড ক**রিতে সম্পু**র্থ ক্ষমবান বাকি**-লেন ৷ প্রস্তাবিত ভূমি সম্বন্ধে সমুদায় স্থাদ যশো हरत्र कारलकेति हर्देख किया चुन निष्ठात महकूमा হইতে ৪ মাইল ব্বেধান দৌলতপুৰস্থ জীপুক্ত বাবু ক্ষেত্রগোপাস বল্যোপাগ্যায় মেনাঞ্বের निक्रे इहेर्ड अथवा चूननियात एउनुनै कार्यक्रेत ভীষ্ঠ বাবু ভ্রহ্মনাথ সেমের নিকট হুইতে প্রাপ্ত হওয়া বাইতে পারিবে। ইজাবাদারের বে করু-লতী দিতে হইবে ভাগাব প্রকিলিপী উপবের লিখিত তিম স্থানেই দৃষ্ট কৰা যাইতে পারিবে। ইহাবলাজভিরিক যে প্রত্যেক বংশিক ববুল-ভীন লিখিত এবং করে বিজ্ঞাপন পরের সরত সামলে আমিতে হইবে।

৫। ইজারার বাংসারিক খাজনার বেকদার ইজারাদানের জামিন দিতে হইবে। বেরুপ জামিন দিতে ইজারাদার ইক্ষুক হবেন তবিন্দা-রত স্পষ্টরূপে দর্খান্তে জিখেন।

> জে, মন্রো অফিলিয়েটিং কালেউর যশোহর।

## ভারতবর্ষের বিবরণ।

ভারতবর্ধের নিবরণ ভৃতীরবার মুরিত হই য়াছে। এবারে যতমূর উৎকৃষ্ট হইতে পাবে ভাষার চেষ্টা করা গিয়াছে। কলিকাভার সকল পুক্তকালয়েই পাওয়া বার।

🕮 শব্দিছুবন ক্ষা ।

### कृश्यांत शक्तिंग

উ-কৃত প্রণালীতে লাগরাদির চিত্র সম্বালয় একখানি কুত্র ভুগোল মুক্লিছে স্ট্রাছে। সং- क्ष सरदाव श्रुक्तानरत आक्षता । मूना ८०० क्षत्र शक्षता ।

**अभिक्ति भर्दा** ।

### ক্লিকাডা সম্ভাতিংশ সাংবংসরিক প্রকাসমাজ !

আগামী ১১ মাধ বুং বার সপ্তত্রিংশ সাহংনরিক ব্রহ্মসমাজ উপলজে পূর্নার ৮ ঘটকার
সময়ে কৈলিকাতা ব্রহ্মসমাজ গতে ও অপরার
৭ ঘটকাব সময়ে প্রধান আচার্য্য বহানারে ব
তবনে ব্রহ্মোপাসনা হইবে।

**এবিজেন্সনাথ ঠাকুর** ; সম্পাদক ।

নিৰ্বানসামার গলি ১৫ বছর বাটাতে মংগ্ৰ ধীত ও মংগ্ৰচারিত নির্লিখিত পুতক্ত ল বিক্রয় হইতেছে—

প্রদীত

ত্রীসইতিহাস

রৌসইতিহাস

রোমইতিহাস

ক্ষণসার বংকরণ

নীভিসার (১ ম ভাগ)

নীভিসার (২ ম ভাগ)

প্রচারিত।

মুদ্ধবোধ বংকরণ

🗷 ছাংকানাথ শৰ্মা:।

### সোমপ্রকাশ।

৯ ই মাখ সোমবার। আগরার দরবার, সোমপ্রকাশ ও ইংলিসমান।

रेजेद्रान्थर श्रीक रथन जारेन विचान कतिज, ज्यान जाराज्ञ नतीकात यह तीकि हिन कान जीरणात्मत रखनन विचान कतिता महन विद्यान महा रहेज। हम कान व्यक्तात कीहत जैननीज रहेल जाराहर प्रकार कार्य जेननीज रहेल जाराहर प्रकार कार्य कार्य कार्य मह रहेल कार्य जाराह निर्माण जान कतिज। क्षित प्रकार जेजावाद निर्माण हिन। वहानीज ननाग्रंजनीज निर्माण किल्ला कराय महा हमेजनी जारेन नेजी-पात नाग्रंद्र नाज्य हमेंद्र स्वा स्वी , र्देश कामकोत्र विश्वतः अवस्थितिका icala macalan acan, wiel, etch. क्रिक्व विक विकित्ता गीरमका (जा स्त्रा सटल निविश्विकाम च मिथनकि विभटक क्षेत्र कार्त्वर कार्क मा ) बदलम अ अहमणी क्षा क्रमान बह्बहाती, देशमा देवदेस क्षेत्रिक अन्त अवस्थिति हित्र उत्तर, भारत क्षित्राता शवन्द्रभटनीक स्मारवक सन्ना क्षाचे क्टान चामनि दलो एव " এই नकत দ্যুক্তর প্রক্রি ফুটি রাখা উচিত, ইংরো स्टलाकी केटड लाटत " देवीमिटनत ভিগ্ৰায়ের দাখুতা কোন হলেই খী-তে, বণিত ও আছত ইয়না যাবা अक, अरबटणत अधिकार**ण वेंडेट**शंकीत रामाहिटकात चावर्ण यक्षण नटस्न, कींहा-क्शरक हेर्ड़ाक साविष्ठ अविविधिन। লিয়াবরং কলক অক্লপ বলিয়াবেশন রাই ন্যায়ার্পত হয়। অতথ্র এই বে ীর সহিত তর্ক করায় র্থা- কাশ হরণ वि । क्रक्षाःम, अग्रामकेत्रज्ञद्वे क्रमः भार स्टेटहाणीय बटलंब गर्मात स्टिलन, क्ष (भारत औ शांकि क्षेत्र सम शूर्व, क्षार्-PR, বিবিৰাহকারী পাপি**ঠ** বলিয়া ৰ্ণিত হয়। লার্ড বেন্টির ও লগু নাছেব থিন কার্পেন্টর বে স্বাভিতে জন্মগ্রহণ বিরাছেন, ইহাধিশকে জক্ষাতীর বলিয়া वना कडिएक कि चना अपन ना ? । स्वरुष स्व मन्त्र इंद्राकी मः योगमा একালিক হয়, হুই এক থানি ভিন্ন নার खुनाझ स्थान भूटकी क हेडेटनां भीत मटनन क्षां । बर्द्धभीरहर्म मध्यारम् अर्थ-RICH CO PROTE PID ACTH, TOR क्ष काश स्ट्रीय स्त्र, वर्गनीक, व्यक्ति क्ष्मी क सामवदर्शन जा क महावसान क THE PROPERTY OF THE PERTY वाश्वरम् केन लाह अधिक गाउ NAME AND PROPERTY ACTOR OF THE PARTY OF

कारा कारण किमारि। यथाये दिख योग निक्ट के किमारी इत्या निटमंथ क्या-दक्षत निक्य किमारी किमारी किमार पान सर्वार करत्र की मार्ड किमारी कारण कर्म करिया परिका, मार्गामकरक वर्स ताथा योशिक्षत पूर्व करकमा, कीवासिरशत व्यार वरिका पूर्व करकमा, कीवासिरशत व्यार वरिका पूर्व निकार निकास कर्म नारे-

ेमामहा अधिकाम क्रवादमम अधिवान कत्रिकारिकारिक, को शांटक हैं ! किनकान गणा मदम्ब द्रकारम् अधिक स्त्रमानि । देनि भागांक्तित एंद्रेशक पृष्टिक क्यांटर व्य কেবল লোব কৰ্মন ক্রিয়াক্তন এরপ महर, देनि अहमभीहें अध्यक्तिश्रास अधूरकत विषदा करें कथा बद्धम " रेहाँदा श्रवान नश्र मगुः एवं मगारकत कक विरागत पर्-र्णित यस क्षकाण क्षत्रन माज, এই नक्ष्म লোকের মত করকার গ ক্তবিদা বাজালী सिर्गत मर्ड व्यानक्षेत्र एत्रवार्थ द्वरा वर्ष क्य व्यवद्वाद्य, क्या अ याजाजीविद्यात्र. वाक्तीक्षित्रदेखाक्ष दकान मधान नाहे भ '• উष्टाहा अ नियदके दक्षण प्रकृतिशक बाजदक्त मात्र नीक्श्य क्टबन बंदे माउ॰ " देखा निर्माक्ताक त्वाक्षिशत्क विकाम क्षित्म, दीवाता, देशत दिश-शील अस्तिहरूम 🚧 हे कुर्राहरू 🖡

पत्रा कविष्क कि च्या अप्य ना ?

एवरिन (व नवन हैर हाको नर वान नव व क्षित का का कर विष्य का का कर विष्य का कर व कर के का का कर वाका कर

बेर जन जातकवरीत्राक वाहिता वाहि कहमें, य किनि वह मकाई अस्तिनि गर्रायम कन्नाराक्ष कास्त्राव वाधाया व विका पाटकमा क विचया वालामिनिय आधारा जनवर्गकरा मध्य नटह। छेर्न भन्तिमाक्तरणात लाटकता अस्टरम्भीकृति (अत व्यालका योद्धा । अ मार्सी दा क्छि जिपिन गवर्गस्यक्षेत्र बासंनीकि व्यक्षीटन रव भारत कारकात्र करत, कुन राष्ट्राक्षिप्रियत च्यटनंका चात्र काहा नारे। यांचा २७क, वीशांत्रा व्यक्तिगाट चन्न सरेश अहेन्न शिंद्य हमा कटबन, द कैं। होता त्य कथा बदलम फोहोटल ज नारे, छैर्स्या एव क्यांक कट्यम छाहाटव स्राय मारे, डीराहा त्य चामहित्स এই সকল বাৰুৱেক অকালপকু বালকে बारकाह नाम भाकान स्वान कडिएक व्यान्कर्र्यात विषय नग्न

देश्विममान श्रीकात कंटतन, बाक দীদিশের রাজনীতিদংকার সংস্থা শীজ সমুদায় ভাষতবৰ্ষব্যাশী হইবে क्षि देशांड जिनि आखारिक मह्द्र তিনি ,ভাবিকালে অনিটেটা আদায क्रिसार्डन, बदर स्व निका दावार নিবজন বাজাগীয়া '' সভ্যতম≠রাজনী किस्मिप्रिश्त " नाम को मक क्षान की তেছেন, দেই প্রণানীৰ প্রতি তির্নি स्मितार्थन क्रिजाटकन। क्रीकात मह धाउटकभीवनिष्यदक मुर्ख स्वितः। दाक्ति अटनटम **व**्दासन्दिशंत क्रम्का विवर्शन করা কর্ত্তর । সংখেণ বিবয় ভারতবর্তে ইইবোশীরদিলের মত ইংলতে গুলী 'হয় না, এবং ভারতবর্ধীর প্রবংমেণ্টের श्रीहरतव वियव धरे त्य डीहाता क्षकांप রূপে এই অন্যায় প্রস্তাবের প্রতি যু व्यकाभ कतिका शास्त्रम। 💐 निममा दाकाशी रवधकमिश्रदक अञ्चल्लानक লোক বলিয়া গালি বিয়াছেন। ডি क्रमान्य कार कार्यन मा, देश कार्य লেভর দুটায়। বাঙ্গলীয়াই বিটিশ 4**র্ণমেন্টের যথার্থ** উপযোগিতা কু**রিতে** विद्यार्थिकः। अवन्यार्थिकः क्रम इहेरल াহার সংযোগাধন কথা ইহঁদিলোর কাও অভিথেত। যাহাদিগের ভবি-তে বিজোহী হইবার বাসনা থাকে ধুন ঠাছারা এঞ্চার নিভয় হইয়া সভা था बरल मा। इंडिसीम डेस्डिट व्यगोग ति। विट्याहरू, किन्छ विन्यास्त्रव विवस हे, हेर शिक्यान मरक्ष मरका मकलरक ভেহ্মেধিয়য়ে অঞ্জ বলিয়া উপহাস ब्रिया बादक्न !!

### क्ट॰ = देवर ।

কাদোলুক ও হুগ ব্যান্ত প্রভৃতিব স্থাবিক আছিল বাবে। বাছে সগ **बिट्य हे व्या**क्तन । कहिट व्याय । कड ৰ্ণনে আমাহেগেঃ মনে বিকার জনে <del>। অগনীখার ব্যাহোর সভাব নিঠ</del>ুব ब्रेश विद्यारस्य । जासात म्या नाहे, भर्म म नारे, वदः काणामात विट्रहमा है। किंद्ध रद रव का डिस अनिकल खेन एक, खाराबिटमत काकिटेवत्रनिवस्तन স্প্র আক্ষেব চেটা অভিশয় বিস্ফা । अवर्गरमञ्ज यनि करणशीयनिभरक डेफ श्रादमञ्ज मञ्चाला कट्यम, काञ्चिरेवय ই করকভালি ইউলোপীয় তথকণাৎ ्बर्क परेवा डेटरेंग। अना कथा कि, र शंकाणिभिशास कृष्टिमान कार्याणन क्षेत्रीक्षक विभिन्ना वर्गन कडिएम कीशा भार मीरिय मध्य एवं मा अक्षेत्र बादशांत्र **জনর শোচনী**র সঞ্জেত না<sup>ই</sup>!

**्चा**मा व विषयात धामक कतिकात (लेक्स् अपे, त्वांचा श्टाय अक का खिल्टक क मेंद्र निर्पाचिक के गाउँ (वादा है अंके अने के हरेश निविद्योदक, मिन हर्जा के किए के दिन व कार्य व देशाया । कालकार यात प्रति देव्द्राणी-क्षिक्षां द्वारा स्टब्स, का

कात करे कारन 'ताथ एत, खाँचाता. खाटनन क्रान्य का का कार्याहरून, व्यञ्ज्य क्रान्ट्र जा उक्ष भगमि उँ।श्रीप:शबरे थाना, अरम्भी **दिता अदिभक्षां क स्टेशांख शताबिक व-**लिया खोदारक व्यक्तिकाती मरहम । **अरह**-भीरहरा मारुम चलवीर्यामि विषद्ध देखे (त्राभीशनिरमत **मरशका निक्छ, यां**की न हा दिनाभाजन छात्रात मुक्क स्टेशांटक, क्षि ज्ञा ज्ञा विष्ट्र अटल मीट्यर विव ইউরোপীয়দিগের সমকক্ষ ধন, ইহাঁরা **उत्तरशहत अधिकांद्री इंदेदन ना, वजि** कां जिदेशक विक्रष्ठन मान्य मारे। यी-शंका अञ्चलीविद्यत्र छेक्ष्णवानिनाटक ष्यमात्राव अकांभ करतन, डीहाँता छेवात ভাৰাপল হইগা যাদ অন্য হেডু বিবেচনা ना करवम, जवानि जाहासित्वत अहे विद्वान कता डेडिक, अरमभीतिमश्रक প্রভুত্তক রাখিবার একমাত্র উপার এই। মুসল্মান রাজারা তাদুপ সভানা স্ইয়াও **এই छटन अरमनी**त्रमिगटक **चटनक चर्टन** অভুরক্ত করিয়া রাখিয়াছিলেন।

পাটা ও কংসজীব বেজিট্রী।

स्रवीशास्त्रहा धासात्र कनार्शियो হ্ইয়া সম্প্রতি একটা সাধু চেতার প্রবৃত্ত ক্ট্যাছেন। পা**ট্র। ও করুলভী**র ঃরে**জি** केती आमा कतिता जीवाता भदनैरमट केत निकट्डे এक चार्वहर कहिशाद्वन । ১৮৯५ चारकत २० चारेम चनुनाहत अरू द्रश्य বের অধিক কালের পাকতীয় পাটা ও रयूत्रकी अधिकों नहा अर्राष्ट्र चार भाकः। याहित (क्वन शाष्ट्री द्विक्रिक्रीह कथा चारह बढ़ों, किन्द करूगठी ना गरेंग्र भारते। स्वत्रा एक मा। अवर्ग्यक काष्मकः चाका रान, गाँछ। दर्शक्येशी कृष्टियाँ ह দা দিলে তাহাতে করুগতীও রেশিক্রী २१८४ । क्षि अञ् शाह्य अामग्रहनकी (प्रथिपेती महिनात सता माह्यम हर रमामाद्रीत (सनवत क्रिक्ट्यू क्रिक्ट्यू प्रकार प्रकार प्रकार क्रिक्ट्यू क्रिक्ट्यू

चक्क की गरेटच दाविक रम । अपन व र्किण वाक्तिरकरे विक्रिकेतीत वाह दिए ইয়া অভগ্ৰ এ বায় **ছেন্তু**ৰক্**ছিলে** ই ক্ষে পড়িকেছে ইহাৰলা বাজ্লা। স্বাদা दित्रो स्म कथा श्रीकातां स्टूट की कात्र काँड রাছেন। ভাঁহারা আবেদন সধ্যে লিখিয়া **ष्ट्रन, पार्टन पञ्च**भारत त्रिक्कित्री कतिए। रहेटन स्वकटक द्रिक्किक्ट्रिज विकटक सा निष्ड रह, अक निष्य दिक्तिहै इह मा विनव एवं व्यव भागनाविशास छेश्रकी। पिटक क्षेत्र । आकटन वक्राप्तरभन्न रथ कार्टम চিরস্থারী ৰন্দোৰস্ত আছে, তথায় প্রা किम क्लोपि ल्यारकत्र दान, देशीक्षः श्र ছই কোটি ক্তুড়। রৈজিটরী অবশাক र्खेदः स्वतार्थः कृत्वस्थितात्र अधिकार्भरः मर्का भागामा व वाहेट इह, मुख्ता ভাহাদিগকে বিলক্ষণ ক্ষতিগ্ৰস্ত হইছে হইতেছে। আংৰেদনকারিরা তরিমিয় व्यार्थना करियादहन, अ दियद्यत दासि छेड़ी करा यात्र ना कहा (यन्हादीन कर কর্ত্তব্য।

क्रमीनाटवड्डा अंशिम मा कतिहा स्त्रवि खेडीत बात सामनामित्रते डेस्टकांक खहा প্ৰকাৰ সময় ও কৰ্ম ক্ষতি প্ৰভৃতি যে বে क्षाक्रीत कहितारहर, ति नमुशाहरे नका नकाष्ट्रदा नाष्ट्री ७ कर्नुसकी वहेश नर्सक शामदराश एक ना । व दिनदंश स्वीशांत र क्षांत्र ग्राम्म्द्रत्य दियोद्यत क्रेग्र निर्कत क्रार्थि क्षींबा। यथन व्यथम (प्रामान्त्री षाहेन इत, फरकारम अस्तरभन्न मुक्तनाथ दर्द अविश्वयंक दर्गि,वेहीय भारता कर्व या जो इ अधिवाद अधिकारिका । नामा भाकः सिरामी नाही भारती विवास क सा । असमीयम् अस्ति। अस्ति विद्रा PER TICPIVATER PROPERTY PROPERTY plantale marien naun en WHEN CHARLES WINCOM THE THE stati de late ann anne, culties

eria in alla appete unime da co divis the state with with tiffin man man fen affen मण्डिनार । अञ्चित्रः समा सना गाँद्वात दिनिकेती मां कडिबात निवेष कतारे जात. चारा महेंद्री क्यांबद्दर क्य कार देश-विक क्षेत्र मा । प्रविधान आगानी प्रश्ननाटक एक का क्यारकात करें क्रेटकट्ट करें मार्च । चक्त स्त्रीवी विद्यात चार्यक्रम आहा कतिहा अञ्चादि उत्तर लोक्षम कहा बकाय व्यक्तिक । व्यक्तिकात क व्यक्तिकान शार्थ द्रिमिकेतित दिथि एव, म्थम उक्तात कठि ७ वमध्यात कवि:उद्दे उदय चारितत सञ्चारशांत्रकात चात्र कांत्र শ্ৰমণ ভাৰপাক 🤊 ়

फ से हेम्ट्रान्त्र नेट्रान खक्कि बक्कांस्त्र । একটা অট্টালিকা আরম্ভ করিয়া বৃদ্ধি **कारात कित्रमध्ये माख ग्रीकिंग शक्ति** जान कता बात, दस बात वियोग कर के-त्य व गाँदे । करेक्स श्रीसारमक विवेदसङ्ग केल मात बाब क्यांन कारणात्र एवं ना । विक्री निरम्भ क्ष मण नाम ब्याम (न्हेंसून करेशा पाटकः अक्षत्रंदात्र पश्चिकाईम् गारावाक्रें क विष्यागरत हात विषय रहे. (फट्ट, अ क्या क्लिट्स (वांश एक पायूर्त क হার্থে না। **তভত্তরে উভন শিক্ত ও** ডাল' निकाराम अनाली नारे। प्रकार का-मञ् काल का या । यह विकित विकास हरे लाहे निकासादसङ केटकमा माहित हरेत, क्तर सत्त कड़ा विद्य विक्रिताः गटकर क्षि। अञ्चाल देशक विद्यालमा सभा भार the silver market de le present THE SE DICEPT PRINTED AS ALL the last and the last of the l the same state and the same and the last said also the few first series and them a want wells aren that area THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH

त्यांत्री वाक्स कार्य एक । देशाकी का मांव व्यक्ति कार्य कार्य कार्य कार्य निका वृद्धि देव वाक्याकातीय वर्ष कारा प्रकार काराहर जिल्ले में इंकि क्यान वासमा मक्या nicken in chain affice.

चक देन केन्द्र केनियान कर्तना, र्याशका नार्थिक क्यांची क्षेत्रा मानिद्वन, उँ। शक्तिभटक न्यां क्रीकटक कविर्दयम, उन्हां हा यति छेल्क्ष निवास, ज्ञान निका मान दीवानी व काम क्यारवान वातका कहिएके के काशीय केंगरवाकी बाह मर अह कडिएक भारत्रेक मार्शिया भारतिक अ माया गारिएक्स सा । क्षा विम हमान्त्रहे. त्त्रशं अञ्चल क्षांकक क्रांत्रम माहे, छा राटक कारोबिसटेन सुविक नेता वाहेटक शांद्र मा, क्षेत्र क्षेत्र मस्म माद्र्ण ह वालका विटिंग केंद्र विक वर्षन व्यान रेणविन्द्र विदयन यह ना महिल्लाकान सन्। मीत धार्यम् कार्यका प्रवृत्ति वर्षमा वृत्तिका 38 ब्रेंड्नब स्ट्रेट्स, इंकिंग, क्यांबिक दमहे विकारिक मिक्नियं सम्बन्धियं गहिएका स्थाप दंगविद्यत्र महा। बेरहाम आणि त्व जटम त्नात्र देशकि मन्द्रनाश्यक स्वेतारसन, के नार काल कि दन कालोंक निश्च करेंद्रव ? aven win and pala Gena wal व्यायमात्र । वदर्यस्यकः व्यापनः व्यापनः पांत्र विक्रिक वर्षे के किए बार्ट के कि कांश्राकत्वन मा, विश्व गांवन महाराजन विदेशिक जिल्लाक दियांचे विद्यालिक रहेता क्रिकांक क्रियाह विश्विमां वृद्धिक, क्रांबर त्महे स्कूल दसहे कर्षा, मह्याह छन्। छ-कि कुमा सिवेयक प्रदेश महत्त्व नाहे। स्वतं निक् रेड्डाएक विकार म Contras es seleut etence al. mi THE PARTY OF THE PARTY OF THE WAR.

WIN OR WINE! CHANGE BE यन शंकरानि त्याचिक प्रकास चस्र ह त्वत्र भारताच्यात्र महात्र विकास स्टब्स 'নাই।

## **छ।द्रउदर्शक द्वास १ मीन क्विने** दुस्क

श्राम (काश्र प्र.). কলিকাভা জনমে নামে বাত রাধ बाली रहेशा शिक्टल्ट्स । तासश्रूतस्थ दरमातात किंदिर्भ काम दर्शाम क क्षान करत्रम था. अक अक वर्षत्र करत विरमङ्क्षित्र स्मार्थः (पन माजः। त्रास्त्र भीड स्थान पविदर्शन मश्रद्ध मरका मर माना धकार श्रष्ठाव ६६मा बाटक। कव स्था स्था गिवता, कथन भूना, दसन ध बाद, बहेब्रटण कान मरनःमी अहेरकरह ইহাৰ অন্যত্তৰ বোন্টাৰ শুভাদুই শানি मा, किन्न पर्नामके विद्यालय विद्यालया । र दिवास पर्जन पूर्वत सं कार्याची अला क्टबर अहे कामाबिश्वत हेम्सा अख्या সম্পর্কে কলিকাতা ইংরাঞ্জিবের ভাগ गक्यी बिलिटेक ब्हेंदर । केक कांत्र हान প্ৰতিনিধিকৰ এখানে অৰ্ছান করিছ म**र्जाअ पूर्णा**शन । केल्डिइट्रिक्स् । देश्स्ट्र হঠাৎ পরিজ্ঞাগ করা যুক্তিনিত নতে रखड: এक এक विटक धक **अकी** दक्षानि ভেন্দী ও তাংলি মৰণীয় সাক্ষিলে প্ৰশীয় व्यमक्त राष्ट्राकृत अवस्थ भाविता ताम কাৰ্য্য কলার করিছে পারেন না ভাষার व्यर्थ देखिएक नाहा बाह मा। मह्नदाहर मिक्क (यानकका हरताकन्दिन क्यान बन, अयोग सरेटछ ममूख अधिक मूत्रक मर्दा महाजानी क मध्य मश्रद दाम কৰিয়া সমুহাত্ৰ ভিটিল সাভাজ্য লাসন क्तिट्फर्टम, चमाना त्रांट्यातक त्रांट्यात कुष्त विकि नटम नटम प्रामधानीत आह गर्डिवर्डन **स्त्र मा। अक** रहाम जनत जल

ভে মহারাজ, সাধন করিয়াছিল ? অত এব ইংরাজেরা সমুঘাব অংসিয়াব অধী ধর ক্ইংগুও কলিকাতা ক্ইতে কার্য্য চলি ধব সম্ভাবনা নাই।

ভবে কলিকাভার জলবারু প্রধান কেপুরুষদিধের সহাহয়নাও অন্যান্য होत्रर पर्णा**≷**डा यक्ति त्राव्यशीनी शहिय**र्**डन करिट्ड इड्. छोटा इडेटन व्यामानिस्थित **स्ट**ठ शक्काद है डेश्कू के प्रान्। निभनाव পৰ্কতে বাগ কৰিয়া সৰ্ক্ত দৃষ্টিলেপ চরিবার স্বিধা হইবে না। পুনাও এক पाच क्रिड अवर खबाग्न बाक्य थानी हरे ধার কোন আবেশাক্তা হোৰা বালনা। পঞাৰ সাহনী ও শীরপুরুহদিশের জন্ম कृति, शक्षारत्र समयाष्ट्र स्थि উপारमा, পঞাৰ শীমাছিত রাজ্য সকলের নিকট **। हैं, अधारम विरक्षोर छ भक्र**शरकर আক্রনের ক্রমধিক শহা আছে, ভারত বুৰের এই জান ক্ষরির ও প্রক্ষিত থা-শিলে স্ট্রায় শ্লারতরাকা কুলানিত, थेर्क्टिके शाहरा। अहे अरून कावटन वित गञ्चाद्ध देशियानी हो त्रकात प्रदेर्गरम लेकिस्य, कल्यात्रक पश्चित्रका गाटका मुद्धारमा चार्ट्स । शकार चन्श्र भिन्न माज देश्हामाधिक्ष प्रदेश मान्त्रा उत्ति अवर्णन क्रिकारक वरः वर्गरपटिन महाबद् शक्का देवरह मानुकृता धारान कतिका काककशिका विकास करियाटम् । वाक्यानी हरेटन निष्ठात समितिक प्राह्मा क्या रहेशा अद्रश्मकि भीख मध्य शहेशास অধিক্ষ বৃষ্টতে নাঃভিবে। অলয়, কাঁব-क्षत्र देश व्यवस्थः स्पूर्वा विकासिक क्ष्रिक्ष मानित्याह बदः, काशत महिन्द्र शत्र নোছ বোৰ হইল ভারত্ত্ত্ত ভারতান্ত ভূই नोहें हो अकार भागका भारत, काराटक नक्षरीको हिसान निवास विस्तासना कराहे में इंटिनेंद सामान।

मधाने विकास । कि अप

٠, ١٠, ١٠,٠

আমরা লাকুটিয়ার, অধীনার ভানতী पिरशत वावशासत वा कवान स्तिती है লাম, ভাহাতে সমাজপরিভাগিকামী लाक्ष्मन भागानिध्यह छेनद्र विक्रक स्वे शांद्रम । व्यामवा अळ किम जैक्शिक्टभन्न **बिरारम फेरमका कतिहा स्मीनातमही** एरेशाहिलाम, किंद्ध दिख्यामा क्रिक्स पिनाम, जाराविधात खमळक्रम हास्य না পাইরা জুকী**ভা**ৰ অকর্ত্তর ছ**ইতেছে**। डीशनिर्मन ध्ययम खम अहे, छीशहा মনে করিতেছেম, সমাজ প্ৰিভাগি कतिया नवाच मर्कात कतिया क्रुमित्द्रा क्षित्र रेफिरान देशक विश्वीक क्षा कर्ष (उट्ट। क्नि मस्टाइक्ट अक्ट्राटन स<u>व</u> माद्यत्र विश्लावन ८०को लान मार्थ। নে চেকা পাইনা কাহারও কুতার্ভা नार्णत मुखानमा माहै। सूचत युनि बुक्रे वर्ष विद्रापन कहिए। स्ट्यानश्रीक्र বুর্ম অধবা অন্য ধর্ম প্রার্ডিত ক্ষিত্রার र्रेष्ट्री कडिएजन, क्सम्हे क्रुडकाक्। हरेएड गाहिएकम ना। हाथाय कार्यक्रकार्यक जम धर्मार ७ ब्राह्मात्रनातिकक व्य नव्य चनाप्त काश्व दिल, द्वित कोश ब्लाक्ट्क क्षिक्षित के विशेष किया कर मेर्ट भारत ८३४ गारेशन, चानदक दुक्किक अधिक लन, क्रिनिक कुछार्यको मोटक नगर्थ स्त्रेन (नन । एवं जिल्लान निर्मादक **व्यक्ति हिस्स्क** হয়্য তংশমিকাণ করি**লালে**ন, জীয়া-बिह्न डिडिंड दिन, नगरके बहुआ अधिका नमारकत लाव सर्द्रभाषम क्रिके कातन । वृत्रे भूताकन वारेवक अवस्मानुम् Plant for warm dibla wear all. नामद्यापन नार दन्य चाळाड मा ऋतिया स्ति ज्ञानम्बारसङ्ख्या क्रिका क्रिका त्वन, मामबा नि माणि विश्वति । विश्वति क्रिमांचाचा ज्ञानहरू निवस्त्र है

व्यक्ता नेपायल विकासि सरकार

नमाम गाँवकाच कविता सर्वद्वत सन् कियक कांश कहिंशार्थम । अंशरिक्त थांक बाह्यद्व त्व कर्कवा कार्रक कार्राव मध्येन स्त्रा प्रदेशहरू ५ अहि लाल स्थ नटम र्को है के क्या गाउँदेशहरू अस्ता निर्देश अधिरक्षम, क्षेत्रदेशक कार्कि क्षेत्रदेशक कार्ट्र-द्यादि भाषता नगरसत अफि स्पना मध्यम क्षिएंछ शासि । क्षांका क्षेट्रा छ जिम्मिरियंत्र मेटक शांग शुन्त बादक वा : चना चना बर्चादवहीतिनदर केवन भाग शूर्रभात श्रम बिता मित्रोर्डन, किन्ने जामानिर्मेदक रमञ्जभ द्विता रमने नाहे। উপর অবীত বলিয়া ইহারা কোন এছে विषीन क्टब्रम मा, देवीमिट्सब्र दन्त्रन (कांग आकु मार्च। मनाइकत देखानिक विद्युष्टमाद्रक्षे हुर्गिनिद्रश्च मट्ड भाग पूर्व सिम्नियान प्रसिद्ध । किंग्र प्रदान देव । हा त्मरे नमाचनविकाशी वरेतन, जनन साब देर पिर्वंत भागभूवा कि १ की कि বেন্চাচারিকা নর ? কেবপড়া লিবিরা व्यक्ति कि क्षेत्राहित्यक व्यक्तिका हरेण १ मेच्या नि<sup>क</sup> व्यक्ताताता शक्ति धीनक इस 🤉 🐰

> নানাজক বিজ্ঞান সভা ও ইউইডিয়ান আদো বিজ্ঞান

The strain of an increase of the later of the strain of the later of the strain of the

वर नका मधुनात कर्ण व्यक्तिराज्येन वर्षार रकररण केवत अल्डियाक्यम क संसाददत्र अश्रां जिन्ह विश्वतात्र कोटम्हालन क्षत्रिद्य । कै मेखा चना रकान मभारकत्र चरीवक् नरहंग। व्यक्षकः वीश्राप्ता वार्यमहिक ३६ हाका চাঁকা দিৰেন, ভাঁধার। নভা শ্রেণী মধ্যে পরিগণিত হইবেন। সভার কার্য এক বিশেষ সভা দারা সন্পারিত হইবে: ১৩ জন সভোর মূদে এ সভা হইবে না। এক জন সভাপতি ও চুই জন সহকারী সঞ্চাপতি থাকিবেন। দেশবাদীদিলের স মাল, বুদ্ধি ও ধৰ্মনীতি সংক্ৰান্ত যাৰ-তীর বিষয় সংগ্রাহ করিয়া তাদিবয়ে প্রবন্ধ পাঠ তৰ্ক বিভৰ্ক এবং ভাছার উল্লভি **নাখন চেউ। কয়।} হইবে** : **এবছা**্পাঠ ও ভাষিবরে তর্ক বিভার্ক করিবার জান্য क्लिकाचात्र रेखमानिक मुक्त स्ट्रेस्टर, व्येवर প্রতি জারুয়ারি মাসে এক সাহৎগরিক সভা হইয়া সভার কর্মচারিদি**গড়ে য**নো-मीक कहा स्ट्रेटर । भर्याखनश्यासः यखा উপস্থিত হ**ইলেই স**ঞ্জীর কার্যারম্ভ হইবে। ab, स्वत्रमि मारहर बर् राष्ट्र गाति। ীৰ মিত্ৰ সভাৱ অধৈতনিক সম্পাৰক **र्देशाटह**न । **এই সভা**র উদ্দেশ্য অভি উত্তম।

त्या नम धार्म किता रेशा केति जिल्लामन स्तान, धारे जामानित्यत जामा । नमा जात केतिक वक विस्त मा स्रेटक्टर, ठक तम कात्रक क्ष्मित्यात जामा कहा यात्र स्था विस्ता जामानित्यत केतिका गार्थाकका जाटर, भूष क्ष्मितित साम् गार्थाकका जाटर, भूष क्ष्मितित सामानित्यत जामानित्य कार्याका गार्थाक क्ष्मित्र नाम, क्ष्मित्व का्मानित्य कार्याका गार्थाक कार्यक क्ष्मित्य जार्यका क्ष्मित्व क्ष्मित्व गार्थिक विद्यालया क्ष्मित्यका क्ष्मित्यका गार्थिक विद्यालयात्र । क्षित्य देश्यक गार्थिक क्ष्मित्यका क्ष्मित्यका

श्रमणीत क्रकविद्याता व्यविनाय देशीत

नन्गोरिक स्टेट्स छवात नगरबह व প্ৰকাৰ প্ৰয়ৰ সংস্থান ভাষাতে বিস্তৱ रलांक्ट् मिश्राक्षत्रका निवस्त जरब्दलाः যণের সৎউপায় না পাইনা অগত্যা পাপ কর্ম করিছে হয়। ১৮৫০ আনে লাভ नाक्षेत्रकि महानकात्र बरनम, " नक्रम ৩০,০০০ বস্ত্ৰাহীন মলপূৰ্ণ পরিভাক্ত গৃহ হীন আশিক্ষিত ভিণ্ড আছে, রাজধানীতে ৰভ পাপ কৰ্ম অস্তিত হয়, তাহায় দৃশাংতেরনর অংশ ইহারিগের ছারা সম্পা रिक रहेशा भोटक, मख्टनत्र नाम धना খন্য নগরেও লোক সংখ্যার পরিমাণার माद्रा अर्देशन निश्चन्न मध्या पाद्र । क्कि शहरमध्रारक बनाबाब, आंगरेबिटनत দেশে এক্লণ নাই। আমাদিটের বেরপ नामाधिक व्यवानी, छादाटक रेमभवाव-चान अक्कारन काशहरू नितालंड स्टेटड स्य मा। भेत्रीस्य दल ७ देवहा पाकिस्त धात्रकदर्द नकेटलरे नः केलात वाडी वर्ष केनाव्यम-क्रविदक्ष नारतम । काशंत বস্ত্রিথ পথ পরিক্লক আছে। দেশের যত থাপিকা হৃদ্ধি কইতেছে, তত মকুরের श्रद्धाः इषि व्हेटल्टहः। हेशता वर्शदात्र किश्वद्भकांन म्यूडी ७ किश्वद्भ इति कार्या कतिका वर्ष्टिकः कहनत्कत्र अरे मह-কার, এক বল স্বতন্ত্র সভুর করা কর্ত্তনা। নানাজিক বিজ্ঞান বজা ইহার ঠুটিডা रेनाफिका बिरवडमाः स्तिते सर्वेश स्थित क्रिंट्ड नाहिर्देश । जानदा , बरूपि गाज पुक्रीक व्यक्तमांन कतियाम । मधान काटर्यान म्बान थाकि विश्व क, अवद्यादिकनार्श्वर भाग व्यक्तिमहोत कोच कतिरम विखत 🕊 भेक्षक स्टेश्व । अस्त्रामत्र जीमिका ७ खीरमानेवित्रदेक संबीतका दिवात विरदेश भारतीक प्रकारक है के प्रकार पूर (क्रेंड) अक क्ष्मा बहान, आठीन वन कात्र क क्या मिला पार्कम । गणा व बार्ज इक नद् भीषांश्या क्षिएठ शाहित्वम ।

বাহাতে উজন প্ৰিচমাংখ্য ও প্র বের ক্লাডবিদার্থে সন্তার প্রারেশ: ক্রের ভাৰার চেন্ডা পাওয়া কর্ত্ব্য। আলী ভের টেশৰ আহমদের ন্যার লোক<sub>িংপ</sub> पात्रा नमारकत अवहद शुक्रि रहेवात वि क्त महारमा। वह क्या स्टब्स क्लिय তার নাকরিয়া মধ্যে মধ্যে আন্য আন नशरत ग्लात व्यविद्यमम क्या व्यविभाव तिनश्रत पोकारण देशांत्र काम चायू विश ररेटर मा। कमनः बाहार ७ माळानट আহ্বান করা উচিত। আমারিগের জ ভীর একতা হয়, ছাত্তিবরে স্ক:ল बङ्गवीन एउझा कर्खवा। जिप्तिन शदर्गस्य <ित मामनधानानीत्र अहे स्थान केटकमा। देशहे औश्वितिका क्वितिका প্ৰধান প্ৰতিভূ সন্তপ। সামাজিক বি জ্ঞান সভার অপেকা পুন্দররূপে আঃ কাহার দারা এই উদ্দেশ্য সাধিত হইবে \* ার ্থাবরা খদেশীয়দিগকে পুনর্কা অসুবোধ করিভেছি, ওাঁহারা শীস্ত্র এট সভার প্রবেশ করন।

कात्र उपर्वत देशकि रहेके है १ मार्ट " रेक्टेवियान चारमामिवमंग " नामव अकृष्टि नका एवेबाटकः। व्यामामिटशत शतः क्रिकेरी अन जित्रजन मार्ट्स्ट हिकीर এই সভা প্রতিষ্ঠিত হয় : কমেক জন बाकाणी ७ भारती लखरन व मज क्रान (महे मछ। वहें मछात खगूर्वा इहे রাছে। ভারতবর্ষীয়দিশের কভের বিষয় মহাসভাও ইংলাতীর গবর্ণনেটের গো-চর করা সভার প্রধান উদ্দেশ্য। **আ**পা-ততঃ অনেক দৈনিক আফিনর সভার সভা হইয়াছেন। ভাঁহারা এতকেলীয়দি शदक देशोत मत्या व्यविष्यं, कतिएक ष्यञ् রোধ করিতেছেন। আমাদিদের বিবেচ-নার এইরূপ নিয়ম করা কর্তব্য, বাঁহারা ভারতবর্ষে থাকিবেন, ভাঁহারুতি যদি রীভিমন্ত ১০ টাকা ক্রিয়া চাদা बन। रेमनिक्सन मका बनिया व्यापानि গর উত্তেপ লাই। ভাবতবর্ষীয় দেনাদ-नत्र अधिनत्र भटनेत्र योतो योगोनिटनेत्र বেক উপকার দাখিত চইগেছে। দেনা-ि छ।, मत्र क्रमति लात्रका, कर्णन স্বান, সর জেনস ঔটাম প্রভৃতির শুণ ¢ান্বঃভি•র হৃদেসে জাগক্তক না রহি-हिं १ विट मार्थितिका विकास स्टाली स्थान निव चित्रि मदद्रम व्यागळात्र कदद्रन. फर्चनक বিয়াছিলেন " চায় নিৰ্কোধ লোকেয়া ! इंक्शिक्टिश्रह में भा कि रुद्देद १ % विद्या য়ুর পর**ও স**র অসমস ঔটুমে বলেন ক্ষমি এখনও ভাঁহাদিগকে (ভারত ব্যিছিলকে ) ভাল্বাদি ও বিশাদ রি।" কারভবরীয় সভা এবং বোয়াই, প্রাক্ত অধ্যেখ্যার সভা নির্মিতরপে **ইবিয়ান**ু **আ**সোসিএসনকে দেখের क्ष्मा पारक्ष क्ष्मम, भारतक कांच ক্ষা ক্ষাৰ জ ভারতবর্ষের আর্থ क । कात्रकवार्यत्र मन्द्रण कामरभाव याव ত্ত কর্মের সিল সভ্ল। এই সজন লো ন্ধ মধ্যোৱের উপর, নির্ভর কথিতেছে। हिंदक करुजिए इंदेश क्ष करित्य करि इर्देश १ - अने मल्यान दिल मिन-র সঞাৰনা নাই। ভারতবর্ষ হিত 👌প বেলিক,সংকার বিশিষ্ট ইউরোপীয় भार महिक महाव ना क्**रेटक**े लीटन. স্ত সংমানাতঃ ইংলও ও ভারকবর্ষীয় বিশাধারণের একতা থাকিলে এ দলয়ে ্ৰাষ্য করিলে কোন কভি ব্রবে না।

ৰন, সভ্যপদ ও তংক্ষমতা প্ৰাপ্ত হ'ই

পুন্ধক ক্যান্তি ৷

अध्यक्षत्रीत मणात्र वाद्यानिक विव्-अक्षेत्रक कारकत ७५ अण्याहे भर्षास आरमत माद्या अहे मणात्र ८, मनक कार कारगातिक ७ मिकांतिक १६ स. हेरारक कारात्र मः भिष्य विदर्श )। वृक्षयावनशी अत्यभीत द्वाकितः भारतः अवादश्यानस्वितित्रकः आहिताः भारत्विभि।

२। विकिछेत्री विन।

্ত। শস্ত্র সংক্রা**ন্ত আহিনের পাতৃ**-লিপি।

৪। রেলওয়ে বিল।

ে। কলিকাভা মিউনিসিশাল বিল

ও। ভেড়ীনদী বিষয়ক বিল।

१। रुविकाका जिब्द्रकुके दिवा

৮। কলিকাভা পুলিব বিল।

৯। কটকে জনীবারীক চিরছানী বন্দোবস্ত হওন-বিষয়ক জাইনের পাঞ্-লিপি।

১০। प्रश्नेत्रवर्ग स्थान नाम्यानाः करकाः

১১। উড়িशांत इर्डिक ;

३२ १ अरमनीय गिविल गर्किम कृट्यंब भन्नीका ।

\* २०। गार्ड शनिकाञ्चटक अखिनमन शक्त अशन (

১৪়া শবভাহের ঘটে সংক্রান্ত চীদার উদ্ভি টাকার ব্যর্

১৫। উভর পশ্চিমাঞ্লন্থ ভারত বর্ণীর নভা। - 👫

১৬। विकासारमा महातारकः निक्षे २३८७ मान् श्रास्ति।

১৭ । তত রাজা প্রজাণরন্দ্র নিং ই নি, এন, টি: ভারতবর্ষীর নক্ষা বে উছার নামের, যোগা কাজ করিভেছেন, ইছার ছারা জাহা বিশক্ষণ শ্রতীত হইভেছে।

भागाविका रम् स्याधिनीय गर्भक्र प्रमाख्य विभिन्नदेशन ।

वर्षः विक्रितं विक्रिक्षेत्रं नामग्रीतं वर्षः देशनकतः साम व्यक्षिः व्यक्तिः उद्यक्तिः वेषुद्धाः जी सम्बद्धः नर्गाटनकात्रः इस् विक्रितः सक्तिमान स्ट्रेटक्टः क्षेत्रं मान माक्तिनं व्यक्तिः विक्रकः, संद्र्यः द्वारतं स्ट्रकः सम्बद्धः

काइश्राण क्या रामाक बान कतिया बार्टक्य हे ब्राटनत च रिकाश्यह दिया, बनी खंबतीरांत्र य के हैं बाहा मकरम अक्षाका व्हेंके चौंब बांटबर शिक्षमाधन आएक वश्वयात हन, काश स्ट्रिय देना-त्का जरमक **क्रिकाम वर्ष**का शहर, किस हेर्स्ट्रेड विषय करे (व. मर्किमीशायन अमग्रद्रको अवस्मा-(वृत्तिक) ७ फरेनका निवसन मञ्जलि असरित নিয়স্থ প্রধান ছুটী গুড়কর বিষয়ের ঋঞার সন্দিদ্ধ इहेऽहर हा अवीरमं कि चूंन भर्य कि संगंभर ब नधनानगरमानरयांनी कान कान ब्राह्म स থাকাতে প্রমনাগমন প্রাকৃতি বিবরে বিসাদন चक्कविश क्रामिएकरङ् । यमि मदरम क्रेयापू र्फ्त এप'रम अक्षेत्र थान चममार्च नरहते हहेता खा**राटेक य ए कंदरयाहिक छ नर**माहिक **कर्द** পান করতঃ ভজ্জার পার্বাহেটে কিছ সাহায্য প্রার্থনা করেন, ভাবে প্রব্যেতি সাধারণের মল-লেব নিৰ্মিত কিয়ুংগব্ৰিয়াৰ অৰ্থ প্ৰদাহন কৰালি व्यक्रिक हहेरदम मा। अवर लाहा वहेरल व्यक्ता য়ানেই ছবার একটা খাল বর্মন হইতে ও ড~ স্থারা মানর নিষ্ট্রের যার পর মাই উপকার হই-र्ए माहिरवा भाषका स्थामप्रक्रि, वजुरवा तिनीव বিক্স মার্মানার জীয়ক্ষ মাবু কাবীকিবোর ওই ও জীবুক্ত বাবু ফুকমুন্দার হোগ মধানত ভারিনিত্ত अक महाभा हो को श्रीमादम मन्नेक व्यादिम । अक এব ত.মবাসী সক্ষেত্রই,টাছাদের অল্পকরণ করা कर्त्तरा व्यवद्वाध्यदे अधियतं व्यक्तक स्थान नन समर्ग कांश्रुष ब्राकारफ वना वर्गात वहांव काकृति व्यानी बाना व्यादक्ष समन व्यामहे इटेटकट्ड, (महे क्षेत्रात समृत ब्रेइड प्रविक शाह अवाहिक ধ্ইয়ালোকের অভ্যুক্তা সন্পানৰ করিয়া বভ नटक देशरशह त्रांख्यात्र आधित कविद्रक्टहः। यनि अवदिन अवसे जिएलान हे स्थान शुर्तक स्थितक (महिन क्रांक्षप्त जाना गांत, फरद्रम्मनगर्नत्र व्यट्नक वेषद्रमञ्ज्ञ नकावुमा । नम्बद्रम् वे व्हेट्रम् विक्रम श्रीकर्त्व कियो विद्यालकी, ज्ञांगदेव जातन भूगिनावर्षात् । अस्ति देशस्त्रीत् सर्वेदन् स्रोतिश्व एरेबाएक ने व्यापनिय विकास के क्षेत्र के erne etarmate and formers and A a MANUAL WILLIAM WINCH WASH Levela & decile ant willen the same with the party of the same of the same of THE PARTY OF THE P

the thirty the seminations seems at the particular and the seminated at the particular state and the an खेश केटिया पारेशीय क्रिश्मय स्वेद्राहरू। असे विश्वासम्बद्धि क्रिश्मयी द्वाचित्रात क्ष्मा कार्या क्रुप्त विश्वाहरू प्रचान मुख्या क्रिक्ट । कार्या क्ष्मी बात शृह्यामितिक कार्योकिटनांत वांतु क क्ष्म्य स्वत्र प्रमुखाशिक्टियांत महायका कतिरुक्त विश्वा क्ष्मिक स्ट्रिक्ट ।

(৩) সম্ভাগে প্রথমেন সাহাব্য প্রাপ্ত ইংরাজী বাললা বিবালয়ন জনশঃ উর্ভি ল'ভ করি তেছে। সম্প্রতি এই ক্ষ লে প্রায় দেৱলত হার অধ্যয়ন করিভেছে এবংঃ শিক্ষকগণ নিয়নের সহিত বীর কর্তব্য সাধন করিভেছেন।

(१) किन्यु निवम अप्ती छ इहेन, कामाइ बांवा आध्य काम विश्वा खीलाक्य शर्क इडे म्म पूर्णीमा छाउ एक्ष्मी मान्यिक की मुक्त मार्युम मार्य्य छेश कामिए पातिया बहे बिन्या प्रम य छेल विश्वाद एम गर्छ महे मा इत्र। याश रहेक यह दिन इहेन, छेला विश्वा खीलाक वृद्धविभीत अप्तर्मा श्री मामक खारम काम प्रमारक वामिए जामिया मामक खारम काम प्रमारक वामिए जामिया अवर छाश्य गर्छ अक्मी भूज महाब क्षिया अर्थ-मा बीविक जारह। अष्ट्रभगरक प्रभाव मना मनीत छेनक्षम स्था बाहेरफर इ

(৫) প্রায় ৪:৫ দিবস গত হবল, উদ্দীবাড়ীর মরজাতে একজন লোক বন্য খুকর কর্তৃক আক্রা ড হইয়া হত ও অপর ৪!৫ তন অ'হত হইয়াছে।

### বিবিধ সংবাদ। ংবামার সেখবার।

गण मनियात गर्थत स्वयंत्र होत्योह विकित्र गणत वर्णन कहिए विश्वाहित्यन। जीहात गरिक विकित्यान गणात गणात जहागां अस्वार्थम विकक्ष कतिम्बद हम गाइन्द, सम्बन्धी तरमधी श्रम् सामन कतिसाहित्यन। गत क्षम नात्रम विकित्या-नात्र स्वयंत्र । यह क्षम नात्रम विकित्या-नात्र स्वयंत्र । यह क्षम नात्रम विकित्या-मान कतिसाहित्यन। यह कार्याश्रम मान कति साहित्यन। याक्षित विकित्यान्य प्रमान कति साहित्यन। याक्षित द्विकित्यान्य प्रमान करिन साहित्यन। याक्षित द्विकित्यान्य प्रमान करिन क्षा साहित्यन। याक्षित द्विकित्यान्य प्रमान करिन क्षा साहित्यन । याक्षित द्विकित्यान्य (व्याक्षित्रमा साहित्य साहित्य क्षा साहित्यन । याक्ष्म द्विकित्यान्य (व्याक्षित्रमा साहित्य साहित्य क्षा साहित्य हम हन्द्र क्षा स्वाह्म स्वाह्म साहित्य साहि

विश्वामिति शिष्टांश करा स्ट्रेगाटकः।
विश्व विशिष कनिनमा कार्यम राष्ट्रात व्यक्ति
गर्भादकः निकार करात महिलादक ग्रांशाः
स्थान सुमर्भाद प्रतिनिमान सहिर्द्यम् मा। स्ट्रांत
करात सुमर्भाद प्रतिनिमान सहिर्द्यम् मा। स्ट्रांत
करात स्ट्रांत विश्वास्त्र स्थान

কৌজনারী দেসিরৰ আরম্ভ হইয়াছে। বিচার-পতি নন্দাব।

कारश्रम क्षेत्रदेश काश मनिकाणांत्र माकिएके क्षेत्र निकट विवास काशक ब्रेशिए । कि.म ८, १०० वेकास कामीम विश्वा मुक कारहरा।

दिस् व हेरियन - चरमम, भागति व स्थानिक सभी आविष् छ क्रियांत छमा अक सभी आविष् छ क्रियांत छमा अक सभ अस्मा अस्मा स्थानिक क्रियां हिंदी है। किंदू पिन स्थानी सर्व (स्थान) स्थानिक क्रियांची अक सम क्रियांची अस्मा क्रियांची सम्मा क्रियांची सम्मा विष्य व, एवं एक्ष्मा अस्मा अस्म अस्मा अस्म अस्मा अस्म अस्मा अस्म अस्मा अस्म अस्मा अस्म

देश्मित्रेवास अवस्थ ब्रह्मित्रहरून, मुख्यक्षित्र (साटमसादेश आव्यक्षित्रव लोहाक्षा कहाएक स्थाप अवस्थित आविष्ठा अस्थित आविष्ठा स्थाप अवस्थित अस्थित स्थाप अवस्थित स्थाप सर्वाद्य स्थाप स्थाप सर्वाद्य स्थाप सर्वाद्य स्थाप सर्वाद्य स्थाप सर्वाद्य स्थाप स्थाप सर्वाद्य स्थाप स्थाप सर्वाद्य स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स

नव्यक्ति नार्के कार्रसम्बद्धाः स्टब्स्टन्टक এक পর निवित्र। दनियादक्ष পুর্ম পুর্ম গ্রহণ্য ক্ষেত্রসদিশের সময়ে ভারত্ত্বসূর্বের রাজত বুদ্ধি स्य. किस नव कम् महातर्भा अमस्य क्यम विदेश इकि रहेएकरह, ब्रिक्टचन अवस्थ नेमान। लाङ কাৰবোরৰ বলেন পূর্মকার শাসনকন্ত গগৰ কোন মা কোন প্রকারে এদেশের রাজত বৃক্তি করিয়া-ছেন। সভএৰ ডিনি প্ৰস্তাৰ কয়েন এণেলের कृषित्र त्राष्ट्रप दृष्ट् कडा कर्डवः। यात्र पाडिमान इक्षि बृहेब्राट्ड मरण्ड्याहे, वर्षदान 'द्राक्य भूड-चौत्र मंजित निरमाध काम कारकृत एव मारे, रेजि क्षान काम कर्डन गाँह, क्यान अवर्थन क्षान्त-लात गाइँछ नियमाध योग देशक योग। किंद्र राज्य वृद्धिः विषयं मार्ड कामस्वादन स्मरणव প্রকৃত অবস্থা অবস্ত নহেন : ভূমির কর জার इकि इरेट्ड मारह मा, इरेट्स मानावय मीछा-পোর ব্রাস হয়পে। রোধ ফ্টডেডের উত্তর পশ্চি मांक्रम के फ़ेर्क्टमंत्र हिंद्रचारी बट्यावन्त्र रहेश मा।

भाषता भाषित्विक रहेगाव ''क्निकाका » काहा ध्यत्र समृद्ध्य वहेशीत विषटम स्व क्रिक्क स्था माजि भाषाविभाग रहेशी भारत श्रृतीक्षणीयातिविद्यान स्वीयम अस्य क्रिक्त काहाविश्वटक भाषाहर्व होशा वादा श्रासात विवाद समा अस्य मका स्वेटकटक।

ক্ষাক্ত ভরতপুরের রাজা ইংলভে গমন ভূরিকেন। রাজার ১৬ হংগর মাজ বরুগ, ইনি

ইংরাজী উত্তম লানেন । ইউন্নোপ দর্শন আব-শ্যাস, কিন্তু হই এক নাম লওন ও পারিলে বাকিয়া আমিলে কোন কান্ধ হয় মা।

कारतन मानक वेरिलेक्टरात अस क्षेत्र अवत-সিরর সম্প্রতি এক কুলিকে এহার ক্যাতে তা कात मुक्त क्या। काटनंत प्रशासक कटबक्यांत क्रुलि প্রহার অপরাধে ক্রিজনারিতে আনিয়াছিল। কুলির মস্তকের দক্ষিণ পার্বে বেক্রাঘান্ত করা হইয়াহে ধলিয়া নালীশ হয়, কিন্তু সিবিল সঞ্জীয় वर्णम वामनित्क ज्ञांचा बारक अर्थ छात्रा विज्ञायांक व्याथ एक मा। अहे कामा माजिएकेके यमधार मारहर खाहार ह मक्क के द्वारा मुक्क के त्रि प्राटक्त । अ विषदेव गरेवांक्लद्ध च्याटकालम क्छ-ब्राप्ट शवर्गरमन्त्रे सन्त्रात्रे जारहरवत्र टेकक्कितार हार्ट्स । फिसि शिविश श<del>र्काता स्वानवसी</del>त উপর নির্ভা করিয়া যুক্ত করিয়াচেন বলিয়া (एम. अवर शवर्गम हे अहे कांत्र**ा पुत्रक**त्र विश-ग्रोट्स । म्ब्लिनहिटक कि वाम्मिटक, विद्याबाह्य অথবা লাখিতে কুলি প্ৰাণড,াগ কৰিয়াছে ফি मा, अति विरयम मध्यमान मा स्ट्रेस्ट हरता। কথা এই হইডেছে, ফারেণের প্রহারে কুলি প্রাণ फाल कतिप्राहित कि ना ? देश चॅनि स्टेश পাকে তবে নাজিটেট তাঁহাকে মুক্ত করিয়া অভি শর অন্যায় কাঞ্জ করিয়াছেন :-এ বিষয়ের নথি প্রধানক্ষ বিচারালয়ে আনর্মন করা কর্ত্তব্য याँग आने रमत्र विकास पुष्क करा, रहेश थार व **कटव कारबन्दक शुल्लाह को समाही एक एम खहा** উটিত।

সম্রতি যেতিকাল কালেজের ইংরাজী মে-ণীর ছই ক্ষম ছাত্র কালেকের এক নিভুত স্থানে क्षद्यात कहिरकदित्यमः। अक्षांशक क्*रि*श हेर् मिश्रियो अरू कर्नारक अरू चूनि अवर चुनिर এক পদায়তি প্রদান করেন। কালেজের যাব-ভীয় ছাত্র একবাক; হইয়া অধ্যক্ষ ডাব্রুর ইও-রাটের নিকটে মালীশ করেন, কিন্তু ডিনি ভাগ আৰু করেন নাই। চাত্রেয়া ডরি বৈত্ত একবাক হইয়া ক'লেজ ভাগে করিয়া আইলেন। এ বিষয় भवर्गरम्बेड (भावत कता स्टेबार्ट । जाउन्ह কলিন অভিনয় অভায়ের ম্যায় কাল করিয়া-ছেন, এবং ছাত্রগণও বিদ্যালয় ভ্যাগ করিয়া व्यम्पर्वे कृतिप्रार्थमः। यथा सिम्नुर्ये व्यागमाभिर्याः <del>কাল ক্রিয়া অড্যভার নিবারণ করাই লাবা</del>র विषय । करत्रक वरत्रप्राविव स्थिकिश्ल काल्ट्रप्र ष्मध्राशकमिरशङ्ग मराग मर्चा अहे ह्यांना समा वार्व ছেছে, এটা বন্ধ করা উচিত।

**रिकटभन्दितः बटलम, ३৮७८ व्यटक म**म् ।३

ক্ষরেশের ২৪৩৯ জনকে শারীরিক দণ্ড দেওয়া। ক্ৰা বদদেশে ৩৩ টা বিভাগ ও ৬০ টা উপৰি- <u>'</u> াণ আছে। অভএব প্রতি আনালতে ছই বেশর মধ্যে এক জন এই দণ্ড পাইয়াছে। সাজিটে গণ সর্কা এই লক্ষাক্য অসভা মধ্য দেন না। বৰ্ণদেক মধ্যে জেল খুন্য করিবার জন্য মাজি BBদিগকে অধিকতর শানীরিক **দও দিতে** ৰেন, কিন্তু কৰিদপুৰেৰ হুজ্লি সাহেৰ ব্যাচীক ার কেছ ইয়াতে মনোযোগী হন নাই, তথাপি ই লক্ষাকৰ আইন বহিয়াছে ৷ আমরং জানিডে হি এ পর্যান্ত কোন ইউবোপীয়ের শারীরিক ध स्टेब्राटक कि मा ?

**উक्त भाग मश्राम भागेमारहम, ब्रास्ट्रि**व শ্বৰ্যন্ত দিলাপটে এবং নাটোৱে অভিনয় জ্বর रिक्टर । अक स्वाटकत शीका स्टेनाटर स्व क्रमंत्र টিবার লোক নাই। গাবর্ণমেন্ট এ পর্বচন্ত কোন हनकान कतिरखरहन कि ना जाना याग्र नाहे। । সিসিল ৰীডমের বল্পেশ শাসন মহাভারতের ৰ পৰ্কের ম্যার কেবল কারা হাটি !

७ इ.संच सक्रमवान ।

কলিকাভার বেডিকাল কালেজ বাটার সার্থ্য प्रमुखानार्थ अक नका स्ट्रेग्राहरू।

क्रमात्राणकीटक मिटकामात्र हाव कहा ११८व । উৎকলের ছার্কিক কবিদানের প্রভ্যেক সভা বেজন ও পাৰ্বেছ ভিন্ন অভিনিক্ত ৫০০ টাকা উন্দানে বেওয়া ষ্ট্রে। বেসকল স্থানীয় কর্ম ही मान्तिहरू महाब्रेका कहिरकटक्व, बाहाता ह क्रेकिं कत्रित्रा भारेटरमा क्यिमत्मत्र काळ वे इरेड्डाइड । सामात्रा नीड स्मामीनुत वारमध्य লাহানাবাহে প্ৰন ক্ষিবেন। প্ৰকাশিত চই য় উৎক্লের উতুধাংশ অধার ১৫ লক্ষ লোক विकास क्षित्राट्यः क्यांनि नहीत्रात छ हरि फेक्स मोटबंस स्कूत गरका दिन करा नाहै।। मान्यून, निक्नूत, तर्ने डां के २८ ।वाद्र मक्तिवारम् या क्षित्र कविद्र। वस स्ट्रांसी 1 14

नोक क्षांबरवात्रव वहविवाद निवादण शका विवर्देश अववेष स्मयतमस्य अक्षणाः निविद्य ि किति बरमम् बन्दर्शमत्र मर्कमात्र्वे अक्षकात्र् अक्ट्रानन करतन मा। कुछविता मक्तीय कारण । व वक्रविवादका विकास चाहेन रहा, था परिवेद कारा ७ शकालिक माहे। एकड मेट्स भाषांत्रक 🛥 श्रष्टात्वत्र व्यक्टमामन न सर्, देशवे अकान, भावे (कार ! (केवेटनटक अवितिष्ठं विनिद्याद्यम् अभिकातः ज्यानायकः र किन्द्रिम कर्निदात शरकार में बार्ट्स की है कार्ट्स ক্ষাইন ক্যা সানীয় ব্যবস্থাপক সভার

কাল নহে ৷ ভারতবর্ণীর ব্যবস্থাপক সভা হইছে ৷ হওয়া উচিত। ডিনি উপনংহার কালে আছও বলিয়াছেন এপ্রকার আইনের প্রস্তাব করিবায় श्राप्त देश्नकीय गवर्गस्यक्रिय जन्मां ज लक्ष्म কর্ম্বর ।

পঞ্চাবে ৬ কিরিভি ৬ নামক এক খর্মসভা स्रेबाटकः। इक्षाट्य कि स्मामानित्रके मा व स्म শ্রেণিব লোকে প্রথেশ করিছে পারের। কিছ কাৰ্য্য ও উপাসনা প্ৰধানীয় বিষয় কেইই অবগড়

नकलात्मरमञ्ज विद्यासभित्र एविस्मत छ्लाव বিবাদ আছে। এডরিবরন অনেক সময় জড়্যা চার হয় । সম্রাতি বোরাইয়ের কুলিজাতির অনেকের মৃত্যু হওয়াতে ভাহাবা স্থিব ক্শে ঐ অভিন এক বৃদ্ধ জীলোকের মত্তে এই প্রয় টনা र्देख्य । अञ्चव छादेन्य सम् करिवान सम् এক দিবদ ভাহারা এক পঞ্চায়ত করিয়া ভা-হাকে নিবস্ত্রণ করে। স্ত্রীলোকট আহারের নিয ত্রণ ভাবিত্রা আপনার বাবতীর অনজার পরি-ধান করিয়া বাদু। গদন করিলে সকলে ভাছাকে **डाइँग विनिया कहिल त्म भट्डा (दमकल इक्**य করিতেতে ভাষা আর না করে। বে এনকল অক্টকার করাতে ভাষারা ভাষার পরীকা नुद्रेष्ट्र वनक् कृतिल। अकडन वृत्रलहान कृतिह এক নাবিকেল মন্ত্রপুত্ত করিবুর্ন্ধ ভালার হত্তে দিন। আর এক ব্যক্তি গৌং পু**থল** হারা তা रांत्र भन वर्षम क तेत्रा काशदक कियक व अवन করিতে বলিল। এই পঞ্জিকার তাৎপর্য্য এই মন্ত্র পুত माहिरकेन स्टब्ह न्हेंब्रा समन कहिरन विक এলোকট নিৰ্দোধী হয় খবে বেড়ি ভালিয়া वाहेरव, मावी रहेरन छारा (वस्त एक्समेरे था-किरव। त्नीह निशक कथ ना इत्यादक मक्ट्रक ভাষাকে নিশ্চয় ভাইন কানিয়া এখার আয়ুক काइ अवर काइक दा कि अहें . क्रावारंत फाहाक অনকার কাড়িয়া নর ৷ অভিকল্পে জীলোকট वैक्तिकारकः। श्लामस्वारमञ्जूषात्र भूमित्यः च-পিড হইছাছে।

. निजीरगरकारे परमान जनाव निवर्त उक्तनसर्ग चना चना वरेगत चटपका चात्रक की हा विकास शयन कड़िर्दर । त्यरंकडे।वि काकिरमंत्र कर्न চারিম্ব নাট্নাসের প্রথম সপ্তাহে কুলিকাডা णांग कतिरात जाका शाहेताहरू। हैंदशकीत गवर्रक रे एकार्गन मा कहिएल बारबाग बाह-

गक्त वरेशाद्य । मध्यति सम्मेखस्य अस्य बृद्ध

क्षत्रगोध कशिया कोन्द्रशत क्षत्रहरूरात रोका প্ৰথ কৰে। ভেলায়ার হাজা ইয়া সতে প্রায় कारम कथानत प्रेता का अवन क्याएक ने क्यून्तर भवाक्रिक रहेनारहर । क्लिरिशरक निरंतर अन र्वत त्यमहण होनिक्षांद्रय क्रवणाई अमरवाम शाह য়াছেন। এবং এই জনঃ বোখানীয় হুত কৰিবটো কলিকাড়া ডাগে করিবেন। কমলি এবং 🖠 ছা টের স্তুত্রর জন্য গ্রথমেন্ট বোপ রাব স্বাধীনতা মুক্ষার কোন চেষ্টা পাইলেন না 🕫 জাহার৷ ভাবেন মধ্য আলিয়া রূপীরার হস্তগত হইলে दब्रश सुविधा स्टेरव । किन्छ आध्वा विनारकृष्टि ফুশীরা নিকট হইলে পঞ্চাব ও সীমাখিত লোখ मिटगत बटवा गर्नामा (शामास्य अ बहेटस ।

টাইম্ন অব ইভিয়া বলেন আবিনিনিয়াভিত रक्रे निष्टम मुख्य कड़ियात कर्मा अक क्रम देना প্রেরিড হইবে। এই ভানরে নিভাল অনুস্ক। देश्या धर्म क्षेत्र एक शक्ति म इंश ४३७३ কিন্ত ভাষারণ বাণিজ্যের নিকটে করেক্তন ষরিয় এ**লাংকর জী**বন সাধান্য বোধ হয়। देशमञ्जीय श्वर्शस्त्रदेश स्थान चौरशामित्यत्र अञ वका विशिष्ट ।

चाउँवात (नन्द्र बहुस्स साम्राबाह्य पूर्व निषास क्षक्षित अवर निक्षित रेम्टमात निक्ट ইহাদীৰ কাল রক্ষা পার না। তথালি গ্রহ র্ণনেক বিজ্ঞর টাক। ব্যান করিয়া ইহার শংকার করি<del>ডেছেন</del>্ত্র দিলীর প্রাচীর ভা নিয়া হারদাবাদের ওম ছগ্রকা কাশ্ট বুক্তি কাজ।,

যাঁহারা ক্লার শাইরাছেন ভাহারা খদে শীরণিলের নিষ্টে বিশেষ সম্পান প্রাপ্ত स्टेटप्टरूवा फेक्स्पता पर्यात (गर्ड निश्यम केल पोर्डेडाएइन, विक्रुड (मादक्श छाराड ger geres stat ffen wegen i Gigt-निरंगत्र मरकात वर क्षेत्र बाहा मचानिक अधिक তে কৰ্ম ক্ষিণে ব্যবস্থীয় ক্ষুক্তির প্রত্য মঞ্চক willes mertente etferte mere t week अध्यक्तात्र (भोतूत्र सुरंबक् विश्व 🖟

to the second

ca, fibn a aine arest technis लोकान कार्रेय की दोष नाय त्रेय बोकासन त्यादक CHARAGE WINE WEST CAN MORNING MANAGEM, MANAGEM WINES केकन्त्र रहेन्द्र रवाचाचा क्रमीव्हारणाव क्षण १६व । स्थानविक्रामा क्षण व्यक्ति ARTHUR .

स्वर्थिक आँको विश्वास्त्र ता उपास पाता-स्मा विश्वितालय स्वत्रमान्द्रस्था वास्ति स्वत्र स्वा त्या व श्व क स्वास स्वत्र स्वत्र वास्ति स्वत्र महात्य व श्व क स्वास स्वत्र स्वत्र व्या स्वत्र स्वत्र व्या व्या स्वत्राह्य स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र व्या स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्

ं वर्षानकावयदर्वत संभा सदयक दिक्तिके आधि क श्रिया देवमा मरश्वरीक स्ट्रेंट्य । असरा क्षेत्र चं भूदत कद्रत क्याँम मर्थास्ट्रिक स्थापन कर्ता स्ट्रें स्टेंट्ड ।

ज्ञान्त्र वस्तानीय शहरतीय शहरा ५७। (मक्ता है सर्गित विक है खोरीना कर्तन है स **९९ व मार्ग्य अस्मरम मंद्रिक कार्यम कार्यम अ**ण्य भारत सम्भागर अरु कहा एवं । राशाला जात अ था-र्चना कर्द्रम, शर्बावर वेश वाम वृश्वि इक्न । मणा क्षांत्रत पूर्विक कछ स्वेटक होको हास्त्रिविकत्त्र हमन्द्रेमान्ते गवर्गद्र व्याप्तकं व्हेशा विवादिका, त्रवर्षके (व होका) विरुद्धन काशः वर्षके । अवर प्रकिरकड़ केंटलड़ है।की व्हेरेक क्रमानिस मुक्त व्हे:ख:६ + मोळ वर काचा ४१कमा / नाहेटर भारत मा । अन्दर्भ कोहरमत विकास *कोन*हेना हे গৰ্ণৰ সভার নিকটে বিজ্ঞান্তিক বৃধ্ব 💥 চাৰিয়া (इन । **अहे अ:हेन अ:सर्भ प्रेट्छ नाटहें जो, अवर्** हेरोड श्रासम क बार्स मा । गणा नांधावरेना हेक्केरहा की मुख्यें विकास कि निर्देश का महिला है । निर्देश इर्न्ड हाम क्षममा वर्षा छ ।

वक् मार्ट्स्ट्रेंक केंद्रकृत्य क्षत्रम स्वादक स्वीता स्मत्र के विद्यार । है के कशिमत्त्र अकसम नक ब्राह्म । विकास परिव है वि 'प्याननात निर्देशिक कार्या करोड़ी कुलिया समय कडियारस्य २ वेश्शिम मान विश्वस्था सहै एक क्षेत्र गाउँ गाउँहा जान असी निक क्रिके हेवल प्रयोग-वर्षे विक्रम अरू मार्टर WELL BOOK STORE L BEAT WENT Man with the first of the party AND MAIN STATE OF THE PARTY CAN AND शक्ती वड वृष · (阿斯) कांकालित अधि अधिका आहा, तुनिवाक आहा मुख्या स्कृतियात चाला (रक्ता स्ट्रेसप्ट.) देवांक्रवेरणम्। अरे रमारक यक कुड़ारिक्य। विम कारकेंग, क्षाक् मित्रा। श्रायन एक भूमिय विद्रान अश्वनाष्ट्र महत्त्वरह असे स्विद्धार्थ्य स्वर अप क्रियो २० - मुक्क कूम्हमः अवस्थितः व्यवस्था । ne niene intere watern Beiten mitt

विद्याद्व की गरूरमा गरकार में जुड़े जिनित रीजन्म कार्यक्रमानी विस्तृति करिया देश कर्मक वार्यक्रमानी

रेक्ष्रीमान मध्य कर राजारक के स्वित्वात छो नावशास्त्र कर्मन माल नवनन बीनासन् वादमत कार्क स्वैत्रार्थ । राजा कार्य क्ष्मिक्षे कार्मिक विद्यार्थिन विद्या क्षेत्र स्वैत्याश्च करे (छो। क्षित्रार्थिन । ज्ञान्तिर्गतन कि क्षेत्र राज्य राजा क्षित्रार्थिन । ज्ञान्तिर्गतन कि क्षेत्र राज्य राजा क्षित्रार्थिन । ज्ञान्तिर्गतन कि क्षेत्र राज्य राजारिक मधीदवर्ष कार्या करता

😬 🔞 है बाच बृहर्न्निक्तात्र ।

मकचनाहरू कांबुन स्ट्राड मरवान भावेबाद्यम श्रतम <del>गर्कशत्रपर् जाकश्रम /दौरक भित्रिकता</del>म कतिरुक्तम् । (यनाभक्ति - (मृहक्तमः वं । (स्तारे আক্রমণ করিতে বিয়া নিয়ার আলিঃ পুক্ কব नवम क्रिय़ाद्रहरू । ऋष्य महत्त्रम् चात्र ध्रदे बाळा चाक्क्रम ३६वन और निमाधारी दक्षतिक हन, क्स पाकिम बीज प्रकारित प्रशिक्ष निकार व्यक्तित्र भटक शिवादक्षत् । व्यक्तिय वी गारमञ्जास वी श्रक्षितिक करवन कविवाद्यम् । अहे मुक्त হুৰ্যানা আৰণ কৰিয়া ক্লাক্স্স খা আজিস चीरक बरमस " कृषि आयारक प्रकारकिकि मिटकह मा, कामि मात्र मात्र बाका बोकविक क-क्या (टावाद । जावात क्षेत्रका अंकिया ल<u>.ब.</u>-कारय भाषि शिकाक अधिक में के अधिक के खान। अपनिषय की किया विदित्तन फिनि अक হায়াকুল ক্রিনেল, ভাহার গর আক**ল্ল** ব<sup>া</sup>র शहिष्णा स्था कंपरयम । जाकवाम में जिस शुक्र को बहुक तहामा व । त घटन / १० राजमः भागः, कि व व्यक्तिम् स्रीतः प्राक्तास्त्राहरू कामा सामावेदक्रदक्ता । , वृत्तिकाषात्र क्राविद्यक्ष (अ.न. अ शहार नाकीर

বিষ্ণুর বোজের। সর বাইল ক্রিরারকে, ক্ষি শর্ম সমানরে প্রহণ করিরাজেন। করাভিতে উহি। র সাবোর্থ এক সীবারণ ডে'ল বইয়াজিন। বোবাইয়ের লোকেরা-জীবার স্করণার্থ এক বিদ্যা সর স্থাপন করিতেছেন।

विशेषात भागा जागन हात्यात वेद्या जा जुनि क्षण्यात विशेष वार्थः क्षण्या वाद्यम क्षण्या क्षित्र प्रथमः अत्रमा, अक्षण विशेष क्षण्या क्षण्या मण्डाकः मित्रकः क्षण्यात व्याप्त विशेष विशेष मण्डात जागित्व भागा विशेष विशेष विशेष व्याप्ति कर्षः कृष्ण मण्डात मृशः विशेष क्षण्या विशेष व्याप्तः कृष्ण मण्डा विशेष क्षण्या क्षण्या विशेष व्याप्तः कृष्ण मण्डा विशेष क्षण्या क्षण्या विशेष व्याप्तः कृष्ण मण्डा व्याप्तः क्षण्या क्षण्याः विशेष व्याप्तः कृष्ण मण्डा कृष्ण क्षण्याः व्याप्तः विशेष व्याप्तः विशेष व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः विशेष व्याप्तः व्याप्तः विशेष व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्यापतः व्य

ু পারিদের প্রদেশন উপলক্ষে পেনিরক্ষার र्देक्ष्मेलमानि ता प्रति शिर्मोश्य पूर्वास प्रति wiens wicalfe fore wind all sette 20. **ब्राट्स मग्नन ७ ७५। स्ट्रिज क्षकामग्रम कविहाँ** ষান্য করিয়াকেন। এটি জনরত **হাজে**র পেরিনি স্তলীৰ কোম্পানিয় এ বৃত্তি হুইছে স্বোধ হয় য়া ১ ্ৰাপীয় বৈন্যাৰ সভাতি আই যাকে পায়ালিয় করাতে প্রশীরদিবের অভিশয় অংক্রার্ড্রারে এ জুল সামিখানের বিশেষকা জুনকোর বৈধ্যে बेंक्शिएशत केंश्र वित्रक स्वेताएकने । भारतीय कर्मकी महारत्नेत्र अक स्थान क्रेन्सर्क समीर्थ হুত নয়াশী মুখ সংক্রাভ মান্তিকে জিলানি क्राज्य " काथनीविटाय (प्रजानत्त्रम् क्रूफर्ने वेटक नटक्क क्छ हुत। जामाहित्तव विक्राह्म देश व्हेटक्ट्रह<sup>्ड</sup> मजी खब्मनाद तिसका व्हेशा छेखा कद्वित्वनं, 'बाननिरात्र विकृत्य हे बोधार्कित्या আপনার প্রবিধার জনঃ ইহা হইড়েছে। আপন क्टिशन विषया हैंदी क्लिट्स क्टबर्ड संक्टब, यक्स क्ष्मा आमदा श्रमीत देंगमानिशस्य 'निहेंद्र পারি: 'কটিন বটে, কিয় উক্তিক উত্তর হই #175 I

हर्शनमध्य क्रमवद्य क्षावन क्षित्रार्थम, रह मार्चित्र क्षमिन्यत्र क भूमिरवद हेन्द्रभाष्ट्रत क्षाव ब्रह्म वीक्षणां विद्या हरे क्षाव निर्विधियां के क्ष प्रमे क्ष्म अक्षम् क्षीत्र क्ष्मावादित विद्याल विवद (मानवीय क्षम्भावाय क्षित्रक्षम् । क्षीत्रामिरश विक्राय क्षम्बत्र क्ष्माद्रक्षम् । क्षीत्रामिरश विक्राय क्षम्बत्र क्ष्माद्रक्षम् व्यक्तियां स्ट्रेशाद्र क्ष्मर स्ट्रं क्षावामिरश्यम् व्यक्तर भ्रायमात् स्व स्ट्रेश्य ।

নাৰ কান নাহেৰ ছবিক উপলকে ক্ৰেণ্ড জ ইণ্ডিয়াটে নেধেন লাভ জানবোরণ যত আ পক্তে টকো লোকের সাহাবেন জনা বা ক্রিবার জাতা ধেন। কিন্তু ' একণে জান मिनाब रोक्षात यहाँका प्यक्ति । प्रस्कृति र तार्थ ह क्ष्में, क्षांट जाय का काल्यक्षेत्री अस्ति हो स्थान राष्ट्री क्षमें स्थान स्थानकात स्थान र स्थान का शक्ति वाका का स्थानित । वास्ति कार्यक्षेत्री स्थान श्रीकृति वाक्षा स्थानित स्थानित स्थानित स्थानके स्थानके स्थानके स्थानके स्थानके स्थानके स्थानके स्थानके स्थानके

#### ৬ ই শাঘ প্রার বার ।

किलाना विद्यारणात् जात् क्रम विकाद १९६० भरीकार्य - महा १८० सन इस्मिन्ट - हिंदा - उपा १८ सम क्रम १ सम १७% अदेर १० स्टू ६ है १ स्थानीहरू विष्टे क्रेस्ट मा एक स्टू स्टू मा अद्धारणात् लाख किकार स्टू स्टू निर्माण करियां मा क्रमक के स्वाप करिया है दिस्मा स्थिता १६ मा, अस्मा भवर्षा है दिस्मा स्थिता १६ मा, अस्मा भवर्षा है दिस्मा स्थिता १६ स्मान के सामान स्था कि स्टू स्थान

কে গুলাবই ভিয়া বলেন নাসী কোলা না হত কলিকাভার পর বানানী নির্মানের স্থান হ ক্রিয়া গিরাছে। ভাষ্যনের অপান্ধ নেটন হেব কার্যাছেও ক্রিয়াছেও। মিউনিনিন,ল কভারে প্রায় সম্পূর্ণ ব্রিয়াছেও। একণ স্থানর ভার-মাসী বোধাই গাড়ী যাহ্বাব উপাদ য়াছে।

मन कार्यक्ष कृषि ७ हेनान परित्र प्रमास ७२ केटम श्राविक २१ मा १०४४ करनक हैं। कतिहारमा नाराश्वरत्य मशाश्रम नायक भी काम करनक देहेता तीम सुक्ष नारत्य भी कृष्ठिकरून ।

### • ই মাঘ স্নিধার।

হিছুপেট্রয়টের মৃত সংগাতে হলিকায়ের বার্ম একটি অটালিকা নিফার হইবার জন। মিন অধ্যি প্রস্তাব হইতে ছিল। কিন্তু

त ३०,००० होकात विकित कविकाल गर-ज स्वैद्वारम्, क्ष्णतार देशक क्षणता, गण्यत रूप सारत ना। कर्णत अवश्वको मण्यकि स्वैद्धा क्षित्र क्षित्र क्षण्यको क्षणिक स्वैद्धा प्रतिकरण्य नार्य छैर क्षणिक स्वैद्धा स्तिकरण्य नार्य छैर क्षित्र अदे भूष्णकाकप्र कार्यस्थीय मणात विक्रां अदे भूष्णकाकप्र कार्यस्थीय मणात विक्रां क्षण्यक्ष व्यक्ति विक्रां क्षण्यका विक्रां क्षण्यका है स्वर्थ केष्णता विक्रां क्षण्यका कार्यक्ष क्षण्यका कार्यका क्षण्यक्ष क्षण्यका कार्यका है स्वर्थ केष्णका कार्यका क्षण्यक्ष क्षण्यका कार्यका क्षणका कार्यका क्षणिका क्षण्यका क्षण्यका क्षण्यका क्षणिका क्षणा क्षण्यका क्षणा क्षणा

প্রতিষ্ঠা এক প্রথমন্থ সেবের ইংস্কীর ডিডি ক্রিকী ক্রেকী শারিস মগতের এক বিলাভী বের।

যুবার সহিত সি.পত হইয়া এক হোটেলে পান ভোকন হয়ে, পরে কোন মানক্সবের বুৰককে নি.মিড ক রয়া ভাষার একটা ষ্কৃতি ও ৭০০ মুখ্রা অংবন কি.জা প্রশান করে । ধুর্জ স্ত্রীলোক যাইবার সময় হোটেলের অধ্যক্ষকে ষ্ট্রিয়া গাইয়া পারেন, ই বাকে জালাইবেন না। আপনি ধা দির মুলের হিসাব বক্ষা, জানি এখনই আনি ভেডি । বিলাভিয়ে সভ,তার একুপ দৃষ্টান্ত স্ক্রা ভালে পাওয়া বায়।

# গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপন। বসংঘদীর লেপ্টনন্ট গবর্ণরের আদেশাস্সারী নিয়োগ।

এ লিবিৰ সাহেবের অনুপস্থিতবালে টাফা: প্রতি নিংগ জই ট রাজ্যটেট ও ডেপুটা কালেইর এএন কে নাংগ্র লাপনার বর্তমান কার্য, জিল নিজনার হাজিকেট ও কালেইরের প্রতিনিধি ক্ট্যা কার্য, করিবেম :

ভারত আর জৌণ সাহেব জীহটের সিবিস অক্সেটাত সক্ষম হইবেন।

কলেনপই ট জালোকগৃহের স্থানিটেওটে টি গীরি সাংহ্য কটকে ১৮৫৯ অন্ধের ১ আইন অনুসারে ধানতীয় অপরানের বিচারের অহতা নাও হর্মান্ডেন।

ডাক্তৰ জে এম কাজিল সাহেৰ মুলেনের নিবল আসিষ্ট। ই সারক্তর ম্ইবেন।

शहेर अक त्य कीन मार्ट्स किए मिरान्य खना गत्र'त माजिरकेर ७ कार्ट्सकेरसम् क्षिप्रिमिन स्टेम्रा कार्य क्रिस्तन ।

তবলিউ কর্নেস সাহেব কলিকাজার কাগজ কলম প্রভৃতি বাধিবার **আকিলের ও স্থান্দ্র** আফিসের সুপরিক্টেণ্ডেন্ট হইবেম।

अरेड राखि नारस्य प्रश्निका**रास्त्र सारे** हैं बाब्दिकेट ७ (स्नुष्टी कार्याक्टेड स्ट्रिय ।

নি এক এবদলি সাংহৰ জ্ঞেলপুত্র বিভারের ভাবপ্রাপ্ত এবং জিল্প জিলার মাজিরেটের ক্ষমতা প্রাপ্ত ইইবেন।

वानुकेखामास्य क्रिक्रीमाश्चात्र वावर अञ्चल-विश्व वाकिरवम, खावर वानु कीनवळू आधात ১৮৬७ करका २- क्षेट्रेम अञ्चल १३ किनका छात्र खिळेडे व्यक्तिकेटराज्य शिक्ष मित्र स्ट्रेग्ना कार्य। कृति वानू निमारेकत्न (मरवानी), सनामम् (का देनाकत्त्व राज्यात्र, रेस्ट्रिंग कवित्रकाटकपुर्वे स (वेरकेत कमका शास स्टेड्सम्)

ৰাৰু গোপী কৃষ্ণ বন্দে, পি খ, বি চাকা ও সা মনসি হৈছে আভিসমান প্ৰিদিপাল সময় আম হইবেন।

भीनवी जावज्ञ मिक्क द्रश्युद्ध ना जामीन व में जिलांद्र रुवड (हेन) नद्र मूरकक श्रे (वन )

अदेश अन कान्त्रिय गास्त्र वर्षमात्मः स् विति माजिएकेते ७ कार्यकेत स्टेट्नमः

चात बहेड कि चर्किन गार्स्य वाकरशर भूमित्वत क्रिकेट चुनदिर हेट्सन ।

भूमित्वत सिम्नमिथिछ সহकाती स्पृत्ति (शटकेता सिम्नमिथिछ स्थान रहेटछ सिम्बमिति स्थापन वनकी रहेमारसनः—

ভৰণিউ ডি প্ৰাট সাহৈব সাহাবদৈ হয় ত্ৰিপুৱায়।

नि श्रिक क'रवन जिल्ला व्हेरण हुई म'टा नि श्रिक क'हिंग प्रत्य हहें एक लावना।

क्रिक्टिनिक्के, ब्रिकि ब्रमभूय स्ट्रैटक वीतकृत्। क्षत्रीमके, उत्ति जिल्हे स्ट्रेटक कोड्डोक्र

हि, त्य, त्रि, व्याके मार्ट्य वस िस क्ष्य विक शांकिराम, कस विस हि, व्यव्ह, क्रहें। स मार्ट्य स्मिनी मुद्रात काहे हे सा आर्ट्ड स् भूती कार्ट्यहरूत क्षा हिन्दि हहेगा काई। क विस ह

व्यक्तिके मामिएक ए कारमहेत कार व प्राप्तिक क्षाक विकारभव काप श्रीक व्यव वि प्रिय क्षेत्र क्षेत्र क्ष्यालका क्ष्यात व्यक्ति के स्टब्स कारमेंडियह क्ष्यक श्रीक स्ट्रिय

ति. अम्, बरम्पानायाय करेक विकास श्र मिवि विरम्प १६ शृष्टी यास्तिष्ठेष्ट ७ १३ शृष्टि का हैरसह अवका आश्र स्टेब्राट्स । द्वि वारमव व्यक्तिक क्रियम ।

क्ष क्षेत्रके विष्टु विश्वत स्वा श्रीह करेने वास्तिके से हार्जुके साहतकेश्व जा निवि स्ट्रा कार्या कतिरसमाह

उत्तिक्षात्मक रहेग्री जा किर्देश स रहेश कारमध्य कर्मान कि वित्र स्थान करीन का कर्मान क्षेत्रक क्ष्मण आहे क्ष्मण स्थान काल क क्ष्मण क्ष्मण क्षाल क्षमण स्थान

्याशाणीका (प्रमुष्टि वाक्रिकेट क एक्ट्र कारमञ्जा त्योगरी अध्यक काविन वाक्रिकेट समझ बाक्र केंद्रिकेट अध्यक्त अस्त्र अस्त्रहरूद्र समझ बाक्र केंद्रिकेट अध्यक्त अस्त्रहरूद्

AN COMPLETE WITH MENTERS WITH COL WICE MIN COMMING PIN ARTON MUIN मका वाची क्रिकेश का जिल्लिश हो कार्य । बार् सम्बद्धिम् सर्वे नावर अञ्चलक्षिक श्रीकिः दरम, क्रांबर देशेशकी जाति काश्यक न पर्धाः मध्यान्त्रिय । व विभाग मना श्रेष्ट्रभटनत विद्वार क्षप्र अस्तिविधि प्रदेश कार्यः कतिहत्वमः

ট্টি ট্রাইডি স'তেই দিনামপুরের অবাস্তর বিকা त्कात भौतिक में आदिवरकात दर्शक देशी स्वेट्यम । (अ क्रिज़ाहिक म'रश्य वंश्वेकात क्षराखत क्रिका লের দ্বীল ক্তাবেজের সম্ব রেজিট্রার হইবেন।

## ইউরোপীয় সমাচার।

मक्ष १ है। साञ्चादि । अवक सम्बद्धि ্রিশউইটের কাইকার ভাজের বিলার করেকাটার लाई विभाग रहेब्रारहम ।

पुत्रक अवर्गता में गरशाम भावेतारक मान्यम কাতিয়াতে নেলেভিয়া ও কিরামান মুর্য देशक निरंशत वर्षा जाना नव नि कतिशास्त्र । मधन १ रे बाह्यादि । दास्किन यस मेका পশ্চ सम्मगरक माराजनगढा रहिता विहास कट्ड व्यर्गर्व कदिवास कमा शूनकीत व्यवसामय कतिएकद्वा विद्वाद्वात भाकि गुरू शंतिक क्ट्रेब्राट्ड । क्लिकाका क्ट्रेट्ड मक्ट्रस सहियात मध्य होटन (वार्यक्रेश्वर स्टब्रहेब्न्डेस्ट काशक पृष्ठ कत्रियाद्यः। कद्यक्तमः भान्वेषः क वध कवा हते, जानद जनगढक जन्द्रज्ञ स्थीकाञ्च **फानाहेदा (संबद्धां हरेदाहिस । किन्छ फाराहा**ँ

कतानीत्र। भित्राक्त्र (ब्रह्म क्षेत्रकानी वनपूर्वक कारकांत्र के बेबार्ट्स । व्हांब महरा<sub>क</sub> २.४०,००० ভগার ভিশ।

क्षत्र, स्राम्हरकत्र कृष्या तका व्यव्हाद्धः।

नका १ व देवां श्राह्मी है। ३३ वे (क्या प्राहि। महामान्यात्र श्रदानी अरहेनावनामा कांत्र अकरात मक्रम अक्तिक ह्येश श्रक क्षराम क्रिक्र कटान के ब्रेटक्ट्र वे असादित बरागकात पाटक बसना क्षम पार्ट्स्स अस्त्रेव पंत्रा प्रदेशन ।

क्रमीक मध्यों जनक कारणा अकार कविद्रा क्ष्मीक्षात्र महित्र द्वाराशक्ष्य क्ष्मात्रक क्षात्रक क्रमा अन्य अक्रमाद्य भारतम् क्रमाद्यस्य ।

क्षार्यात अस्ति कार्यात वर्ष अर्थात नरम्मान क स्वेद्धारह ।

्र कार्यक्ष रेश्व क विद्वारति । क्रिकेट्सन प्रदेशका पानाटक जातम्बन समिदकांत्रक स्केडिक स्र नाट्य । अध्यक्तिस्तर श्रामः स्रोतन हैन त्यम मान विक्रमान विक्रमान मान्य स्ट्रेटक क्रम प्रस्तित

अवार्वे इतगासिक्य वरम्टरक छ उम (प्रवर्श पृष्टे रमनित्र आक्रमाधिक पर्यक्षा कवित्रा काना कवि बारकत केन्द्रात क्षित्रकारम क परांचीकाजीय त्रीकांत्रः संक्रिः संदेकः। ' विभि कहित्रादश्म क्षिएक नर्गकि <sup>क</sup>न्न मञ्चलको प्रकार करिन शास्त्र कतिक देशस । अवश्री मानाची निम्न सम्मन लाक तिरंत्रत्र द्वराष्ट्रि वार्क कतिया कैं। ए विश्वदक माथा का चार्यत्र वाकि प्रतिक प्रतारवासी क द्ररव।

· चांड केला चांत्रहा कांक भून तीव कार्य शाय कतिक्राटिक । सामदर्कात नाटिश नामा काम नक त्वत्र कार्यः श्रमानी प्रामनार्थः काङ्कदर्वः श्रमम कडियारहरू ।

চায়িখন সভাজ শেৰীয় মহাসভার সভ্য ভত্ৰত্য বাজীকে এক এছে দ দিবার চেষ্টা পাও রাতে দেশ ব্রিক্ত ক্রেরাছেল। শেলনীয় হব गणी एक हरेताहरू । हाकार्यन गण देवांतांतिक दिनाह्य है ३,०४,५५ में की सूप ब्रह्माट्स १

क्यानी जारात्क्य मार्ग्य खण्ड देविश निवादह ।

विक्रिका है एक कहानी देवना किंशहक कावि ৰাৰ্গজনা ০০ বানি জাহাজ প্ৰেড়িড হইয়াকে 🛦 া দুৰ্ভাচন বৈশ্ববৈদ্য সহজে করানী গ্রথবৈদ্যকৈ देश्मरका गरिन्क, अक्रम कार्क कतिवाद मधिन **श्रद्धाय कत्रिष्ठाद्यम**ी «

ব্যাসবিদিয়ান মহাসভাকে একজিত ক্ষিত্ৰা विकास कर्विंग मन्य करियांक्रन, 'नवीराव য়ালছ থাকা ভাঁকায়িগের কভিন্ত কি মা ? <u>चि होन वंजिह त्वः अध्यानः क्रेकश्रवाद्यः स्त्रव</u> नबुरश्त्र अवहाति वाकिका काशा नहे व्हेगारका कारतानिनाच क्रेक्ट्र शहरूप भारता सम्बोध द्येश-नीत अधाविक जेररनास्त्र क्षेत्रांशः कहिंद्रारस्य । विक्रुद्रिएक स्थानदेवारवा म्याप्ताः।

गक्षके ५ दा कोञ्चेषाति । औरमर्त सुन्दमः पश्चि-সম্প্রদায় আপনা হিনের কার্ব।প্রনালীপত্র। बद्धमा बाहित कि श्रियक्तिएमत अस्टि काहा किर्मात नवश्य प्रवरा चौरह, एथानि छुन्दरत नहिल पुरुष सिप्रार्थकाको कार्यक्ष कहिराना ।

গতকল লভানে বাড় হইরা বিভার ব্যঞ্জ পঞ্জিবাছে। রাজা বিশ্বা বৰ্তাদি চলিত্তে পারে 可覆 1

मध्म ६ हे लाह्याति । क्यानी तानावरमत् यरेकारक अनामीय कडक अंक्रियर्क स्टेडारक।

न्यांन विशिष्टक् अभिकंत्रा विशेष्ट्र यस · 有神學 神學 劉邦 為數 學籍原法是 1

विदार्के निरम अक चन्नावक अधिकाश हाई व्यतिक किस्ति क्रिसिंहरू।

विगयन होती-विक्रित क्षमा मंत्रिको हार्ग শ্ৰিড ইইয়াছে, ভাষাবিগতে চীয়ের সক্ষণে ব विद्रिष्ट किरवन कहा व्हेत्रारकः

বিমার্ডনির মুগলমাম বিলোকিরা চারিটী রং व्यभिकुष्ट कविवादङ् । वि उस , बादबारिया ब्याशक मन्त्रे कहा ब्रेह्मादक

## প্রেরিত।

মান্তৰর জীযুক্ত লোমপ্রকাশ সম্পাদ্য बर्गमत नवीरभन्

मन्त्रमञ्ज किर्वप्रसमितः--

अक्ष ४ वे बाल्याहि सक्तवाह स्का ३ है। সমূদ্র পরিক্রাপাতি নিবাসী জীবুজ পঞ্জি ব্রা मानकार क्रिकी होता, सर्भारका श्रीविक सरे प बुर्केश अधि करते जिल्ला रेश्वेस बाकुलांकी খালীতে লইয়া বাইতেহিলেন। ১০৮৫েক্টি श्रुमिन का उद्धार निका की द्वित प्रतक्षा संस् ৰদৰণ তাঁহাকে চোর বলিয়া পুত করিয়া বনা देशां हार्ट्य । अधिक करमक क्रम क्रम क्रम क्रम क्रम र'ताम्प्लियका व्यानिहा स्विक्ता विष्यु कहिर ्रशिव अवसीत्रा काशहर कथा आहा मा कहिन कैंग्रिक जनमान करत व मास्त्रिकेट होना कतिका क्षत्र । क्षणित्र हेऽकते मारहव प्राप्त ভয়গোক জানিতে পাট্টরা থাকান দেন। এ क्षमान्य कालाकारमञ्जू करा को सांक मिल्यान ও বৌশ্বদারী উত্তম আনানতে কনস্তাহস্থিতে भारम मानिन विज्ञादमा । विज्ञादमध्यित्र। वि

## ৰহাশর সমীপেরু।

পুলিব ৷

মানাৰর

আনাদের সংখ্যার এই, সেণ্ডক্র গন, প্রাণ ও মান রক্ষাবই পুলিবের হাউ। পুলিব, অভ हात्र मिनान्द्र**पत्र स्म**ा अध्यक्तित्व कत्त्रिवात स्म मर्द्रा न्वरंग्धव पार्थ क्याव क्रावाई शूनिस श्रदात केरण्या जानगात्र भार्य जास्त्रकि । ज ं अवेशायाक्षिय - व्यक्तिक जिल्लामि अवाज्येत । । कार्याय श्रू भाषाय भाषाय आधार वश्चाम व्यक्ति مرة كالنكو - ب **লে সাবার্থে ২৬**ট <sup>--</sup> ৮৫ জে, ১০৫<sup>৯</sup> হল্ম सः महाराज्य, पुरिस्टर २२ . २०१ स हेम्स्यीन েখিলেও ডাঙ খল 🖒 😅 ন না ভাগ কে নিজে (काम नक्षणका र दर्जा । कर्जिर (११४८म घर) ≱দেন ৽ুবিদ্যাল ব ১ ° দে, দ্যাত **切り (用いり おぶし)の か オー・しゃみ ならかい** বৰতঃ কাজানি পুলামে ুল ০ , অংশি শৰ্পেই क्यू: पुण्यि क्रबंट फॉर रे. ५८ शरीबंधे tॉद लंक कार्रक ' स्वयुर्ग एक हे भरता, लग्न कु<sup>र</sup>वार कर्म्यक्राविवर्णन्य ५८०७८ ए । 🚉 🕆 ग्रु मंक থিকুৰ, ফুডীয়া এখিলে গোলে বালাম ভ **काटः।(सभारः। १८**१५: ८१ ८५३ व १०३ काट म्ह, रम्थाटस व्यक्ति । तक्षेत्री संघ ८०० । छ १ भीता, अवर विवादन भिना व्ह एउँ पारवरी আরত টোর ও অনুক্রিটো ও জু'নি। পুড়ির কর্ম চারিবা সচবাহর বেরূপ তল্পর বাল্লবিয়া খাকে, প্রচলিত ব্যবস্থা সকলে ২ টি না ধা নাম (स्वीय व्यक्तिकाश्य लाकस्या करागराभावे পোর বুঝি ঐক্লপ ক.হঃ করিব গ বস্ত্রিক চ.ব **খার আহে এবং** ভাষাজিনের *বাঁতে* উক্ত বিধা **मोञ्चल व्यवशाय कर**ाम । स्टब्स १ 🗓 : बुक्त स्व ক্লেউদ্যাত্ত নাহতঃ তেভাহ'ব৷ কালন কা পৰ ছক্তেন্ডিভ সাধ্যের আহিমান্ত্র আহক।শ भाष्त्र । **এই मकल क**ारन शुन्तार स्मारवर व्यक्तीय 다운

ৰে সকল বাজিৰে প্ৰতি পু নিব কাৰ্থ্যে ভাৱ অপিতি হয় ভাষা দিলেশ টোকে'ব লোক হওয়। উটিত। কিছ আমরা জানিএ সকলব লিং **মলে বেহু কেই এও সাংহ্ব বে** বাজ'লা চাৰা ≄হিতে বা ব'কালা জেকর লিখিতে ভাগন কে অপেমামিত মনে করেন। কেহু বা এত বাগাকী বে, তীহার পুলা হোম ও কোটা ধারণেই দিব পের অন্থিক সময় পাত হয়। এই অবকাৰে ভা মরা এক সাঁব ইনকেশটাবের নিক্ষা পুরু সভ্যতার কৰানাৰলিয়া প্ৰিক্ত পারিলাম না (একনা কোন বাক্সি,,কএকটা ভত্তলোকের সমূদে তাঁহা स् (प्रवर्षेन<del>ीयम् हे</del>(इन्ह) छो। त्वचा प्रकार भिकाश्चनारमव कथा जुरसम. मन क्रेमरण्यहरू **वाकुछ (प्रथारम विरम्म** । १७.म (प्रष्टे कर्या गुजि मा अक्षारम क्रेष्ट्रे स अनुवृत्ते व्हेर्टनव द्य (सं.र क **खरकारम साहाय हट छ फ**लमान थ किएम छोड व्यवस्थाकातीरक कार्दिश (म.जि.स.स.) चटन **নুদ্রিবে প্রকৃত** যোগ্যাখানী ঔন্তর্গনায়ণ क्ष्मिक सहाहे सारहम भाग वि. ४३ परेका क्ष्मी अहे बारवहर मन्याय को करहा -

স্মান্তি চাক্দদের কত্যতনি লোক তর্জা খানার স্মান্তারের নামে এই বুজিয়া নালিক

উপস্থিত কৰিয়াতে যে জিনি কডকগুলি কথা-কিক সপাত আক্ষাং কৰিয়াকেন । জনানার আগাড় চন কাদানতে আলান আছেন। যেরপা পুশা কার্যাণতে যান সভা হয়, মনানার যাতীত পুলানে অপনা বেও শেষ আছে।

ति. निव व्हेल छेड़ धान'त मरहेनएलहेट्ड्रा (कान श्राम कर्नक कहिएड बक्टेब्रिय आवम, कड़ा २०। वे प्राप्ति छैं।इ'न बजीव निकडेबर्डीं। छनि एका क करिएड बक्टेब्रिय बिन्डा ग्रुड भे कहिएड खाका ह करिया कर्जी भार्तिहैं, विवाद स्वाद दे प्राप्तित हिल्लिया व छेलन निध्य क भारतहाना स्वादि करहन। हो विवाद स्वाद्य हारहन।

< - এপৌৰ পুৰির দশটাৰ সময় এক **জন** বুড়কার জত্রতঃ কোন গৃহত্ত্বের ব টিচে রূপ ংলন বিভিন্ত করিতে বা লাচ পা পড়ে। চাপা পু ক वात कि छि । भारत अक छन विष्कृत विश्वासक এই মৰ্ণ্টে এখানসাদ পু.লিব ইনন্দেপ্টাবকে স্থান 'तय (ग, अइत हुनिट्र शांत'न हेक कु**क्ष**कोर বাঁচিতে পাৰে। ইনক্ষেত্ৰীয় বাবুর বাগার ভখ 🌉 ৬না লোক ছিল না বেংল এক ভন মাত্র ठाकव डं.**४'८७ :**डल मांचाइरर ६ल क्युडवार क এসম্বাদ খানাব দিবে 🗥 তিনি উক্ত বালককেই थानात्र महास निरक्त कहिराजन । यामक श्रांनात्र · यात्र लशेष्ट्रा शाल, तरहेनरण्लेहात दि, क्षि क्षकान কল্মিপড়াহাকে বিদায় কহিলেন। পরে এখান কার মিউনিসিপালিটীয় ওড়ার সিয়ায় ব'বু গুরু লান মুখোপাৰ,ায়েব ব্যন্ন বেলা খা। ৩ টাব সমন উক্ত ব্যক্তির শব-উত্তোলিত হয়। খানাঃ হমানার সেই সময়ে ই **স্থানে এরবার পাদা**র্পণ করিয়াছিলেন। সক**ল স্থানের বিশেষতঃ রাণা**-घार्टित श्रुनिरयत् क्षांक कामारश्त्र कक्ष्रद्वीय अहे উাহারা অভঃপণ সত্তর্ক ছট্টন।

ত্রপদাংশাবৈ বজাত, এই, যে সকল লাম মধ্য দিল্লা বাজ্ঞীয়শকট গ্রমাগ্রমন করিয়া থাকে, সেই সকল প্রায়ে রস্তকারেবা ভূপাদি ধনন এক টু সাধ্যানে সভিবেন। আহ্যা জনেক করে দেখি লা বলিতেছি বে, শকট হ,মনাগ্রমন কলীন জুক-স্থানে জীয়প বিপর ষ্টিবার বিলক্ষণ সন্তাবনা প্রায়ে দশটার গাড়ী রাশাঘাট গ্রিস্থান্য করি বার সম্বানেই উক্ত ঘটনা সংঘটিত হয়।

মান্যবর উরুজ লোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়ু }

रहान्त्र । शक्ष 🗸 है कीह्यादित हैर्शनस्थान

**श**ङ अदर जाहात क्षूर्पशक अक श्रीम स्वर्शस्यके নেজেট দেৰিয়া জানেলাম যে জুদেৰ বাৰু এ২ং **্শান বাবু এই ছইভন বাজালী এভ দিনের** भव अङ्गरकनेन डिला<sup>ल</sup>टण्डलेत (अनी पिकारणक अर्थान वर्षे इर्हेड्डियन । के मर्थान वाश्रामी मा 🗷 १६ में निवयका का एवत विवय क्रेबार ह गटकर सारे। मध्य ७ छा.चे अक छन यह हेरहारकद सूर्य एक्सियान रय **प्रमाहितास** ভূদেৰ ৰাব্যক ভূগীয় খেণীয় মাদে উঠাইয়া गढ़त्रा १हेर्द। विन म मार्क के दश्वा विज्ञित । তান এ বিষয়ে আনোঃ আতি এর কিছেবাল। करित कामि व लगाम ' याम महानाध्या हैहा করেন অর্থাৎ ফুলের বাব্রুকে ভূতীয় খেনীতে লম ज'श इंदेशके बुक्टिंड मानि व के केन्द्र देखन गरन गम्टब्रे दोक्त छुप्त दिलिक्ष छु:अस ।।। घषाव रिक्षान, बुक्तियान, चारिनशङ्कांक अवः कार्य;क्ष्म व, क्षित्र (को २२ हड़िट ड ११:३म । साहर ५ भूव वाट्डविहास: हाटन हटनस. शित्रे विते करिहा हैरश नी करहम अवर के काळलिए धर मन खुतान বংবহার করেন, ভাঁছ'রাই আনাদিপের লগান লোক নন । " ফলজঃ ভুঃবে হারুব প্রকীতে काराय क न्या क्लियांचा इहेब्राइट । डीशहक একটা খড়ত্র বিভাগের সম্পূর্ণ ভারে প্রদান করা ট হৈছে।

এক জন এডুবেশন ডিপার্টিয়েক্টের বাছালী।

## মান্যবন্ধ জীবুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশর নদীপেয় ।

मन्त्रमञ्ज निरममस्मित्र---

त्यानश्चिकारण शहर विश्व वर्षमा श्व वर्षमाय कामि माधान मनीरण हेरान स्थान मनीरण हेरान स्थान मनीरण हेरान स्थान मनीरण हेरान स्थान स्थान स्थान स्थान मनीरण मनीरण मनीरण श्रीण अवर माधान मनीरण मनीरण मनीरण महान महान स्थान मिथा स्थार मिथा स्थार मिथा स्थार विश्व स्थार व्याप स्थान स्थान

ওয়েতে এচলিভ নাই ৷ কিন্তু মহাশর ৷ এরণ দেখা অণসত হারাছে, বেক্ডে ঐ নির্ম ভারতবর্ষীর दिन⊕द्वत्र घट्या वस्कानाविविहे शहनिक जारक। বাহা, বউক, মহানরের এই অম পাতে পাঠক नर्भव मरम रक्षमून रह, अहे व्यानकात कावि এই পত্ৰধানি পাঠাইডেক্লি ইহালে মহাৰয়ের शबक कविद्वा दानिक कविद्वन ।

८वमध्य वश्वप्र । 🕮 ভগৰতীচবৰ দে। সিরাডু ষ্টেশন। ১- ই জাপুরারি। 35091

मानादत्र अयुक्त रमामध्यकाम मन्त्रीपर , মহাশয় সমীপের।

महाभव । जाशनाव शंखबाटरव (मामधकाटम मिन कार्ट्य केरत क्षांक केश्लिमभारत क्षास्यान বিষয়ক প্রস্তাব পাঠ কাইয়া অভ্যন্ত হংখিত ১ই-লাম: মহালয় ৷ ধনক্রিক সাহেব যেরপ ব্যবসায় অবল্যন কবেন ভাহাতে ভাঁহাকে সর্নদা কভক ঠুলি আর্থ-সর্কৃত্ম কুলোকের সংখ্য সহবাস করিতে হয়, ডাহারা ভাঁখাকে অনেক প্রকাবে প্রবঞ্চিত করিয়া থাকিবে, মুক্তরাং ডিনি বে আমানিগকে গালি দিয়াছেন ডাছার কভক কতক মূল আছে ইহা অবদ্য থীকাৰ করিতে **হইবে। কিন্তু ইংলি**দমানের আমাদিগের প্রকৃতি গৰতে এরপ কথা বলিবার মূল কি ? ডিনি বাছাদিগকে নিগাব বলেন গাহার অদেশীয় লোক ভাহাদিগের গৌরব বৃদ্ধি করেন এই জনাই কি উংহাৰ এত বিবেষ ? কিম মিদ ফাপে টর আর এদেশীর জীদিগকে অধিক বাডাইরাছেন कित्न ? कि ने फ এই कथा व निवादन व निका भाइत्स इंश्वा जामानिकात क्रमीय है िश्व ভূত্ৰ: এবং কোন কোন বিষয়ে ভাছাদেব অপেকং উৎকৃষ্ট হইতে পাবে। এই কথাতেই কি হিন্দ্ৰ খ্রীদিলের এজ গৌৰৰ বৃদ্ধি ষ্ট্য়াচ্চ ? আম্রা ইংলিদ্যামকে নিশ্চত ব্লিডেচি, দে ডিনি यक्ति व्यामामिरशंत श्लीहरवद वि:यह करण्य ख्टर प्रमा नियान करून अ विवरम सीशाहक विरुष्य कतिरक व्हेर्य मा। हेरहारखदा जामारनेद উপৰ আধিপতা করিতেছেন বটে কিন্তু আমাদি (चत्र राज्य कात्र करकेशिक्षा नरहा हेश्ह्रारक्षा আমাদিখকে থালা দিয়াছেল আমরা কেবল खा<del>दादे शादेबाहि, दे</del>श्तारकता आमानिशक वाश भिथादेबाद्रसम जायता छारादे निथियाहि, अक्षण ক্ষাট্ট্ লচ্চে। এবন আনরা ইংলঞ্চীর সভ্যভার অনেক কল ভোগ করিভেছি বটে কিও ইহার বিধিয়া অয়ানবদনে বীয় দরীর ভস্মাণ করিও

भूटर्स जामता स्रकात गति माहे जात मुत्रशानक बारम पाइन्नाक जीपन बागन कन्नि साहै। वहि ডালা হইত ফ্লালা হইলে ইংলিগনান আজি আলা निगरक कि क्षिएकम किंदू विद्याप शादि मां। ইংলিগমান বিজ্ঞা ও বুদ্ধিমান লোক, ভিনি এও मिन अरमदन थाकियां के कि हैश पुक्रिएक भारतम না বে, সভাভার চাক্ষচিকা ব,ভীত জীনিগেব দয়া ক্ষম হেছ হৈছা আছিখেয়তা ও পাডিব্ৰড্য প্রকৃতি যে কডকণ্ডলি ফর্নীর ওণ আছে হিন্দু মছিলাবা সেই সমস্ত গুণে বিভূবিত? ইহরি৷ সমাজে লা ভাইছা বজুতা করিতে পারেন না বটে কিন্তু ৰক্তৃতা করিয়া জীদিগকে বে সকল কার্ব্যের শিক্ষা দিতে হয় সে সকল কার্ব্যে ইহাবা विमक्तकरण निश्व। क्य, व्यासक हेरतांक छ এ সকল বিবয়ে ইহারিগের যথেষ্ট প্রশংসা করিয়া থাকেন: আবার সবলজনরা মিস খেরি বয়ং ইহারিদের সহিত সাক্ষার করিয়াছিলেন र्जिन देशमिरभन्न त्महे नवस अर्थन हिंद्र यहरक দর্শন করিয়াই ইহাদিগকে প্রশংসা করিয়া লিয়া क्रम । **उथानि हेर्शनमारम**त्र अक्रम जान्ति हहे-তেছে কেন? আমি ত স্পষ্টই দেখিতেছি ভাষার এ সকল জীয় সৰক্ষে এক হীনভাৰ প্ৰকাশ করি বার কোন কারণই নাই। প্রস্তুতে অল্প দিন কেখা পড়ার চর্ছা করিয়া ইহারা আপনা,দর বৃদ্ধি শক্তির যেরূপ প্ররিচয় প্রদান করিজেনে ভাষা দেখিয়া গাঁহাৰ নিস কাৰ্ণেন্টৱের বাক্য নিভান্ত সম্বৰ বলিয়াই বোধ হওয়া উচিত তেৰে কি देनि यदा करवन स्व देशिक्तिक समीव स्नारकता বেরণ উর্থতি লাভ করিরাছে ভাছা অপেকা অধিক উন্ধান্ত আরু হইতে পারে মা. অভএব মিন কার্পেন্টরের বাক্ত অসম্বত ? কিন্তু ভাষাই বা কিরপে বলা যায় ? অথবা বোৰ করি আমা रमत रम्भीय लारकता कथात्र कथात्र जांशास्त्र আচাৰ ব্যবহারের তল্পকরণ করিবা থাকেন এই खमाई वा फिनि मान कत्रिवाद्या स्थ हेरावा नि-ভাক্ত অসাৰ হইয়া গিয়াছে। ভাছা ভিনি সনে করিতে পারেন। কিন্তু এইশ্রণ দশা কি আমা নাই। (मत्र किव मिन श्रांकिरव ? खविखरवात कथा क ৰলিতে পাৰে, ভাৰে জালা ও কোনমভেই সন্ধৰ (वांद रुप्त ना । अध्यम भागात्मत त्मरून अक्न विव (सब्दे पत्रिवर्शन स्ट्रेटफर्ड, किश्रु अहे प्रकण भद्रि বর্তন প্রিবেশ্বে আমাদিগকে কি আনিয়া क्ति ? देश्कितवान कि बान करतन ? किছ किन पूर्व्स (र स्मान पण्डिका नाहीश याबीत विद्यार्थ नमञ्ज नश्नात्रक भूनामः

त्र तरन कि चात्रिनतिकान वौविदनत मा-क्रिक्क नक्षन रहेडा मीकाहेरन ? व्याहरू स्थापन चारम क्रुन्तना दुवकीया अनद्रहिएक क्रुकेट्रश्रहमा: গলিভাল খানীয় এখনও শুঞ্জধা করিভেছে সে क्रिक क्रमान्या मक्रम हरे जिन क्रम थनद्रीय भुषम् विश्वादरशतं शतं अक सहस्रम् अविष्ठ **छेवाव**ः স্তুত্রে বন্ধ হইয়া সর্মসাধারণের অনুবাদ ভাত্তন **হইতে পারিবেন? রে দেশে পিডা মাডা ও** काचीय शतिवादवत अभा दृष्टकः। अध्य आह সকল প্ৰকার সাংসারিক হুখ বিস্তান করিয়া शास्त्र मार्गद्र कृतवर हा कि वानी नक्तरक পরিবার হইতে বিচ্ছির ও এক্সকার ভাষাদের श्रीधम चन्नभ कतिया गरेवा व्यवसारमञ्जू সুখ অনুসভার উদ্দেশে ভিন্ন ভিন্ন স্থানে চালিউ করিয়া বেড়াইবেন? এক্থকার জাব দেবিয়া हेश ज्ञान त्याय हुए बढ़ि कि छ हेश्कितमान हैंसी विकन्न क्रानिद्दन त्व अ स्टब्स्ट क्यारन विवादा পুরুষ এডজাপ উন্নতির ব্যবস্থা লিখিয়া দেন নাই। তবে সমুধ্য যাত্রই ভিন্ন ক্ষরি, আর ভোগ বিলাসী যুবকের যন সুতন কোন বিষয় দেখি-(बहे प्रश्रक जानगानुक इत अवर अञ्चल गोमांना সামান্য বিষয়ে যুক্তির শাসন বা ধর্মের শাসন ক্থনই বল্পকাশ করিতে পারে মা, এই ক-রেডটা কারণে এবেশীরেবা কোন কোন বিষয়ে क्षि कि है रेशाओं किए शाम क्षितिक क्षिए পারেন ডাইর মার কোন বিংরে বে ইংরালী ৰীজ আমাদের দেশে রোপিত হইবে অথবা ভাহার রোণিত হইবার মিডাক্স প্রয়োজন হইবে ভাহা আধুনা কখনই বিখাস করি না ৷ পরিপেবে আমর৷ ইংলিগমানকে এই মাত্র ব্লিয়া কান্ত হই যে তিনি আমাদিগকৈ বত বার নিগার ৰলিতে হয় বসুৰ, কিন্তু আমাদের গেলে সমুধ্ माध्यानरवाकी अञ्चल छेरकुई छेलाभाव नकन বর্জনান র ইয়াছে যে কুসংস্কার প্রকৃতি কল্পেকটি গোষ খুন্য হইলে এক সময় ভাঁহারাও সেই সকল উপাধান গ্ৰহণ করিবা ছপ্ত হইবেন সন্দেহ

জ্ঞীইশানচন্দ্ৰ বস্তু।

মান্যবর জীযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক महानय नमीर शब्

স.व्यत्र भिद्वश्यभितर--

वह क्रिन हरेन का ताना चारमत मनात्र कवानी भूरत ' চত্ৰবেড়ে শিশুবিদ্যালয় » নামক একটা পাঠ भागा क्विक ह्य । इहाटक अवर्गम के नाहाबा কৰিয়া জানিয়াছেন, কিন্তু এভাবভিবনের মধ্যে

বল প্ৰৰণ্যাপত মাত্ৰ লাভেণ স্বিশার হই-1 45

ধান নিক্ষক শ্রীমৃক্ত জীন'থ রায়েণ ৩৭কী নি কবিয়া কাভ হইতে পারিতেড়ি না। ই:ন নম সাধুদ<sup>0</sup>ল ভেমনি কাৰ্য্যসুদ্ধ । ইটাৰ শ্ৰম-নিতা গুণই আছোৰ এই সুসংবাদেন মূল। **ইার পাঠনাপ্রধালী দর্শনে আম**শ সকলেই বিশেষ সংস্থোষলাভ কবিয়া আনিডেছিলান াহাতে আবার এই ঘটনা আমানিগকে পাহাব কেট কুজজ্ঞভাপাশে বন্ধ করিয়াছে। অকর্তক ম্পাননে মন্ত্রেয়ে গৌরব নাই বুটে, থিয়া অভ ন মাত্র পাঠশালার প্রবেশ কবিরা যখন ৭৫ণ **কতা প্ৰকাশ কৰিলেন ওখন জনদীখ**ের নিক্র া<mark>ৰ্বনা আনাদিলের অবশ্য ক</mark>ৰ্ব্য যে ।ত্নি वस स्थान क्षत्र दम भाठेगालात आर्विशाणि जन्त -নে <del>কুপনী</del> **ংয়েন** ইভি ।

हाजनरनव नाम ।

রুণ্ডিপ্তাপ্ত।

🎒 कालीक्ष्यम् इट्डापाश्रायः।

🚇 ৰোগীক্রচন্দ্র বোৰ।

धनरगान्य का छ।

🕮 शोभानहत्त्र खई।हार्थः ।

🚳 হারাণচক্র ভট্টাচার্য্য।

ब्रम्बरम्ब कन्द्रकिर ।

## ধান্যৰয় জীযুক্ত লোমপ্ৰকাশ দাপাদক মহালর সমীপেরু।

अविषय मिर्द्यमभाषिषर---

ক্ষেলা গোয়ালপাড়ার শ্রীযুক্ত ভেণুটী কমিগ-মন্ত্র সাধ্যের রোক্ষারীয় আদেশাস্থ্রাবে জন্তকে ক্ষেক 🕮 বুক্ত বাৰু স্বাধানোহন গোখানী সহাশয় 🌠 শরিধারণী সভার সাহাব্যার্থ এক্সে একটি 🖔 🛉 নিল্লী কার্যা হাঁলা করিতে প্রস্তু হব। তিনি প্ৰথমকা <mark>স্থীয় মা</mark>গিক বেজনের চতুর্বাংশ ৩৭৪০ : লৈকা **রাজা দিয়া ইকামত** সভাত সকলকেই किंदू व्हिष्ट किएक छैरमाइ स्मन। छम्झ्मार्थ मक-अपूर्व विदेशभाष किंदू किंदू क्षेत्राम क्याप साहे 🌉 है कि होना जानार इटेब्रा फेक्स जारहरवत ক্রিটিড হইয়াছে। সহাশয় । এ স্থানসি ভাষাতে মুশেক থাবুর অধ্বসায়

টো চালও চাত্রভিগাতে ব্তবাৰ্য হইডে ব,ভীত কখনই ১২৫ টাকা আলায়ের সভাবনা বে নাই। সম্প্রি ১৮৬৬ খৃঃ শক্ষের ডিনে~ জিল না। কেবল উছির উল্যোগ ও উৎসাহের নর রুক্তির পরিকায় চারিট ছাত্র পনীকোন্তীর্ণ। ছাবাই অপেক্ষাকৃত অধিক আদার হইয়াছে। সাছে। ওলাদে, বালকদ্য কৃতি এবং ছটি এজনা মুক্তেক বাবু অগণা ধন্যবাদনীয় সন্দেহ নাই ৷

সম্পানক মহাশয় । এক জন গর্ভ লোকের অসতের প্রশ্রেষ্ট্রণ জন্ম জন্ম প্রশংসাবিকে | বাবু গিরিড বিবরণ আ্পনার পাঠককগকে আনা ভাষাত্তনক বেংগে সাজি উজ পাইৰালয়ে। ইন্তেড। গোয়ালপাড়াছ ভিটিই প্ৰপরিটেওেই ু সাহে ১ কর্কুক এক জন ইণ্টবোপীয় ইন**েশ ইরে**ব । কণ্মে নিযুক্ত হইয়া গৌৰীপুৰ ষ্টেস্টৰ আৰিয়া অবস্থান করেন। ভন্ততীর বেখন পান্দোবের অভাব, ঋণ করাৰ **অভাবত ওচ্ছুরপ**া ধাণ हाकाव बम का रहेरल रिमिक कार्य मिर्काइ रहेजू না। এদিক ওদিক হাত বাড়ানৰ অভাবৰ স্থা কি খুব জিল। নিজেব দরমারা ও খনচপত্র এবং অবংকার বাবদে জ্বাকা দশ টাকার কো করিয়া সূপপান ৫ বাবুদ্ধিরির সুন্টা বেশ করিভেছিল, েত সময়ে গুলেৰ কিছু কিছু বিবরণ ছিটিট প্ৰপন্নিটেডেন্ট সাজেবেৰ ক'লোচন হইব'মাত্ৰই হতভাগা ইনস্পেট্র কর্ম হইতে চুতে হয়। ওলিকে গোরালপাড়ার ও গৌরীপুৰে আর হাকাৰ ৰাবশত টাকা খাণ কৰাতে মহাজনগৰ ট'কার ভাগান কবিভে লাগি**ল, কেচবা নালী**ল কবিল বেচারা অসুপায়ী হইয়া গোয়ানপায়া हहेट জ পলাইয়া ধুৱড়ী হইসু। স্কৃতীয়া জাভিমুখে প্রনা ংইয়াছে এমত ভারিতে পারিলাম। মহানপ্ন 'দেখুন ইনি কেমন ধুৰ্ছ ৷ ৷ এখন পুলিয म्टलर् मट्पर्क श्रमन खुवाटकाव निवृक्त रहा। । আপনার বশরদ धुदङ्गी ঞ্ৰিভিলাল লাহিকী

## মুদ্য প্রাণ্ডি।

---;0;---

২৪ এ পৌৰ ১২৭৩ 🚶

ট্রায়ুক্ত বাৰু *ইবাৰ*চন্দ্ৰ মুখোপাধারে মুবসিদাবাদ ১২৭৩ পৌৰ চইডে ৭৪ অগ্ৰহায়ণ 20 » « ঠাকুরদাস সন কলুটোলা e B বহবসপুর 🐞 \* রাজীবলোচন বায় ১২৭৩ মাধ হটতে ৭৪ পৌষ 74 হাজিতপুৰ পৌৰচক্ৰদান ১২৭৬ মাথ ছইডেড,টৈচত্ৰ , oh মেদিনীপুর ৯ শ্লামাচয়ৰ চৌধুরী १०२० (भीय **१६८७** १३ देखा हे ক াথি ৯ সূৰ্ব্যপ্ৰসাপ হোৰ . ১২৭৩ পৌৰ হইতে ৭৪ অগ্ৰহারণ 7.0 - 34FT 44550F FTF ৰ্হর্মপুর ৭ করিদপূর <sup>৯</sup> চক্ৰমোহন খোৰ ১২৭৩ পৌৰ হেঁডে কাল্ডন

<sup>ত</sup> লোহারাম শিরোরম বছরমপুর ১৬ P ছুৰ্গামেট্ম দাস কাঁন্দি 201

## দোমপ্রকাপসংক্রান্ত কয়েকটা बिट्लंब नियम।

অবিম মূল্য ও ডাক মাস্তুল না পাইলে মদ-খলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা বায় না।

हेरात खिला मूला वार्षिक ३० अवर यान्।।-সিক ৫৷.• টাকা, মধসলে ডাকমান্তল সমেড বার্ষিক ১৩, যাশ্যাসিক ৭ এবং ক্রৈমাসিক ৩৸৽, ভিন মাদের স্থানে অগ্রিম মূল্য লওর। যায় না । ছণ্ডি, বরাড চিঠি, মণিজভার, নোট, ও স্টাম্প টিকিট, ইহার অন্যতর বাহাতে বাহার প্রতিধা হয়, তিনি সেই উপায় ছাঁরা মূল্য প্রেরণ কবি বেৰ ৷

বাঁহারা স্থাপাটীকিট পাঠাইবেন, ডা-হারা যেন এক জাথবা আলাধ আগনার আংশিক शुरुषात्र ও त्रशीरमत्र विकिष्ट श्राद्यन मा करतन ।

যখন বিনি মকবাল হইতে লোমপ্রকাশের মুশ্য পাঠাইবেন, ভাষা বেন রেফিষ্টরি করিয়া জীয়ুক্ত ধারকানাধ বিদ্যাভূত্বনের নামে পাঠাইয়া দেন ৷

যাঁহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত হইখ। আসিবে, এক মাস পুর্বো তাঁহাদিগকৈ চিটি লিখিয়া জানান ঘাইবে, কাল অভীত হইয়া গেলেও একবার চিটি লেখা হইবে, তাহার পর এক মাসকাল প্ৰভীক্ষা করিছা কাগজ বন্ধ করা ষাইবে। শেষ বাবের পঞ্জ বেয়ারিও পাঠান रहेर्द ।

মাডলা রেলওয়ের সোনাপুর ঔেস্বের ডাঞ ঘরে চিঠি আইলে আমরা শীত্র পাইব।

बौहाता माञ्चन ना निद्या श्रद्धानि এक्षत्रन कवि বেদ, তাহাদিলের সেই প্রাদি এইণ করা বাইবে না ৷

ক্ষেত্ৰোমপ্ৰভাবে বিফাপৰ দিতে ইক্ষ কবিলে ভাঁহাকে প্রথম ক্লিমবার প্রতিশংক্তি 🎺 আনা ভাহার পর 🖊 ১০ আনা নিভে হইবে ৷ विनि अधिककान विकाशन निवास देखा कतिएवन কার্বার সহিত **পতন্ত কলোবার হইবে**। .

🗱 এই পত্ৰ কলিক্ষাতার দক্ষিণ পুর্ব্য মাজনা রেলওয়ের মোনাপুর প্রেননের দক্ষিণ চালভি-পোডায় জীয়ুক্ত শ্লীরকানাথ বিদ্যাভূষণের बामिए वर्षि लावसंत्र बीफकार्ल बर्गालिय

## ं प्रवर्तनां प्रकृतिविताय पार्थियः सरस्ती अतिस्वती न वीचनां।"

ধনিক সুল্য ১ ট্রাকা,খেরিয় বার্বিক ১০ क्षा पश्चिम सान्तानिक देश प्रेरका ।

निमार्थका ३७ वे मामून ३५७० । र्यं मानुसारि

निम्न निविक स्वरतम् त्नांते वात्रावेशा निम्नाटकः

### বিক্তাপন।

ি নীতি পাঠ প্ৰথম ভাগা 😘 বৰ্ডন'ন ব**দদে**শ (ামক অভিনৰ পৰ: এছ বয় মুক্তিত হইয়া পটগ विकास किर्मा विकास विरायम ३३ वर शुक्क চানদ্ধে বিজ্ঞাব স্থাপিত আছে। এখন বানির ল্য 🎤 জানা, বিভীয় ।• জানা নাজ । क्रीवाभवत्रक्ष चक्र ।

इक्ट्रिकान मार्क । 角প্রেমধন অধিকারী প্রণীত।

এই অভিনৰ এছ প্ৰকাশিত বইয়া কলিকাভা মাসসমাহে ও সংভূত পুস্তকালয়ে ও স**ংল**ডাশ লার সমস্ত পুশুকালরে বিক্রার্থ আছে। <sup>মু</sup>দ্যা 3 **8141** 1

### अरुष्ट्रेट नीमक्त्रे ७ अभिगादी বিক্লম ৷

वक्क्यराज विकासित क्याका आखि (स्व জেলা বলোহর ও নদীয়ার অন্তর্গত সালবর मुक्तिया भीतकपायन अवर छर्मरकांच समिनाती ভাবুৰ ও অমাম্য ভূসভান্তি এবং সুকিয়ার বোড नमूट्र विक्रम कमा वाहेरवः अफश्मरकाण व्यमहास्था, विषय भटन क्षांभ स्ट्रेट । वी संविद्यां क्षम् कतिबात देश्या अरक, खाँकाता देखि मर्था निष् चाक्तिक वाकिशिश्य निक्ट वाटवनन कतिरस्य ।

हेक क्लिन क्य मात्रक्रिया (क्किश्त के हैं ३० वर अवस।

अपूर्ण , त्रायक्षण विशानकात्र अनीष ্ৰান্ত জিবাদ » নাবে একথানি অভিযান সংগ্ৰাভি अक्रिक स्ट्रेश, अरम् क बढागरवर गुक्कागर्थः ুথাককোলার

জীবুক্ত ঠামুমবান মান্তাটেটি 'ছ'লে বিক্রমার্থ এ~ **चन्न मारकः इंशर्टकं श्रीत श्रादेशंक भरमत् गुर-**পত্তি অৰ্থাৰ পাড় প্ৰডঃর শৰাশ্যনির উলেব করা श्रेतात्व (

ध्यार के निष्ठ है। क्षेत्राज ।

**७व्**विक्षा । बन्द पुरु कान्सीस (

জীবুজ বাবু বিজেলাবুর ঠাকুর কর্তৃক धनीक। क्लिक्फा बाल्यबाल भूककानस বিষয়ার্থ প্রায়ত জাছে। মুদ্রর এক সাস্থ্র।

> क्ष क्ष क्षित्र माना है। ्रे**विकाशनग**्र

कृतिक सम्मृद्धितक चर्तास्त्रकारमञ्ज्ञ कार्यः कृषिश करताविद्यास मध्य स्वित्रेति कार्यः कांत्रकरक अरे चारतम कहा त्वन, रकांन राखि রেজিউদ্ধি করিবার অন্য নিগপনপত্র উপস্থিত করিলে সেই সন্দল্জির বিবয়ে ইভিপূর্কো যে পত্র দেজিউরি হইরাহে বলি ভাষ্থ আবশ্যক সংবাদ विरक्त गाउतम करन क्रेमिक विश्मीत गुरुका প্রতি দিশী সন্দর্শীর বুর্তাজের বেঁ স্থাচিগত্র লেখাৰায়, উক্ত কাৰ্য্যকায়ক ভাষাতে ঐ বংবাৰও লিখিখন ৷ ভাছা লিখিবার ভৌন খরচ मानित्व वा। किश्व श्रद्धावनीय वृश्वीच निकिष्ठ **ট্রতে ভারিবার জন্য অবেবনের প্রার্থনা হইলে** तिहे अरबवर्गद बड़ा विद्राप हरेरव ।

এই প্রকার কার্ব্য হইলে কোন পত্র রেজি ষ্টবি হইবার জন্য উপক্তিত কর। গেলে ভবিবরের धुर्क (त्रिक्टिक्कि विवयस मध्याय कामा वाहरत, **স্থুজয়াং ইহাতে ভাবিফালে অন্যেক্ষ্ট** বিলয় ও मार्गर निवादन स्ट्रेटव । এই कांत्ररन अकविवदत्र নৰ্মনাধারণের সম্কারিভার প্রার্থন। হইভেছে। প্রতিবিধি রে**জিষ্টার** কেন্দ্রন**া** 

বিনি আবার নিকট অথবা গোবালী সম্পান -সংক্ষা বিশ্বটে উপস্থিত করিয়া বিভে পারিবেন, গাহাকে ২৫ প্রিল চাকা পারিতোবিক দেওয়া यांबेटम र त्सारकेन मन्द्र अदे!--

water'

क्रके के बर ३०० शिकांत्र हिर २०० शिका

. 8683

• **47** cc '

4968

• 2 g 4 x }

\*\*\*\*\* •अ१ ७६ वट द० केम्बाह दिव ≥००० केम्बा जबूरांच ६०० हेक्स

জীবিশিনবিহারি সরকার ভূটাৰ বাৰণা স্বভিতিটো ইনচাৰ্য পুলিব **हैंगर-शड़ेद**।

কিসমত পরধানে সৈমপুর ওগছরত মহাসভক্ত চারিআমিব অন্তর্গত পরগণে মহেমরপালা বাহা (सना शरणास्टवत क्रियुक कारनकेत नारस्टवत ভবাৰধানে খালে আছে উক্ত পর্যাণা রেবিল্ল বোডে ব জানেশাসুলারী আলামী ১৮৬৭ সালের ) লা এগ্রেল ভারিধ হইতে ২০ বংসর মেয়ানে . हेळाडू: बरम्भावन्त स्टेट्ड ।

২ ৷ হছিও বিশ্বভাকাতিয়া উপরোক্ত পর্গ-ণার অন্তর্গত কিন্ত বিলের **তমী প**তিত উলেবে श्रामानक रहेन्रा थाकूक किया (ए जनकारे रेकेंग ইক্ষারার বৃহির্গত থাকিবে উজ বিল প্রিগুড ভালেইর সাহেবের খাসখখনে থাকিবে।

৩। যে ছুদ্রির বিজ্ঞাপন ছেওয়া বাইছে: खाश्त्रवार्विक बीक्सा १२३६। ८६ ठाका । ३४७ মালের ৩০ এ এতেল পথান্তর উন্নলবাদে বাং ১৬৪১:৬১ টাকা ভবজো অধিকাংশ টাকা প

**ल्यार कोशांत हरे**बारक। ३৮७१। ०३ अ मार्क পঠ্যন্ত ৰে ৰাফি থাকে ভাষা আখার করার क्ष्मका इक्षातामा दत् श्रांक क्ष्मका गावेरव देखा-রালার কাই বা'কর অর্ছেণ কি ল চ ২৫ টাকা जबकायी बाहर जब ১०१६ ज'रतन बर्धर क बच्छी चार्कक जे यक मध्यामी वादन मन ३२५६ भारतत अर्थ। कारमङ्गिर ३ माथिन कांग्र ७ वांबा स्ट्रेट । मानाव महत्य मां त. या इंडालि केळ २० টাক'ৰ মণ্ডত থাকিল এবং বকাধা খাজন। প্রত্তে সন ইলাবার হাল খালনার অভিবিক্ত बिट्ड ब्हेंद्र। (य 'कृषि केंक्राता अल्ड्स गाहेट्ड দায়ার সীমানা সরহন্ধ। পরিকাররূপে মির্ফিউ ও ভাষাতে মহালওককেব নিরাপত্য সত্ব ভাছে ৷ আগামী ১৫ 🌉 ফল্লখাবি পর্যন্ত ইহার দশ্বাস্ত ध्यना यरभार तेर के कुछ कारमते । भारत्य धारन कतिर्दन । प्रत्रथाञ्चकान्नि य वार्विक स्वया पिर्छ ইন্ত ক্টবেন ভাল ভাইরণে দরখাভে लिएचम ।

৪। দরখান্ডেব লেকাকার উপবিভ'লে ( शत्रशर्व वरस्यक्रमानां इ स्थारा अश्रद्धत एउ-খাস্ত ) নিখিত হইয়া লা মহর করিয়া কালেট। সাহেবের সমীলে অর্পণ ও প্রেরণ করিতে চইবে. ध्ये नक्त प्रदर्शक 3 ना मार्क छात्रिय शियुक कारमञ्जत गारहर राष्ट्रिय कतिया है जानाबाद जिल्ल कविद्यम । क्षिम कारन नामनाहेब्रा श्रीवृक्त काल উর সাহেব খীর অভিপ্রার মতে দে কোন এর খান্ত হটক অগ্রাহ্য করিতে সম্পূর্ণ কষবান থাকিলেন। প্রস্তাবিত ভূমি সহতে সমুণায় সহান यर्भास्ट्रत कार्महेति इहेट्ड किशः चुनमित्रात अक्टूमा क्रेट्फ ह मारेन व्यवधान होलजन्दम **क्रिक्क बांबू (क्षक्र मानान वरम**ानावराष्ट्र देवता-করের নিকট হটতে অথবা খুলনিরার ভেশুটী कारणकेत क्षेत्रक बाबु क्षमानाथ (महम विकि মইডে **প্রাপ্ত মঙ্গার বাইডে** পারিবে। ইডাবাছা-त्रव त कर्मणी बिटड स्ट्रेस काहान श्राक्तिन উপঞ্জির নিধিত তিন স্থানেই দুঠ করা ব'ইতে পারিবে। ইচা বলা অভিনিক্ত বে প্রতে,ক বা' জ কৰুৰভিত্ন বিধিত এবং জন্ত বিজ্ঞাপন পত্ৰেষ্ট পর্ভ আমদে আনিতে হইবে।

৫। ইজায়ার বাবিক বাজনাব বেকদার ইজাস্থাদায়ের জামীন দিতে হইবে। বেরপ ভাষার
দিতে ইজারাদার ইক্ত ক হয়েন তথিতারিত
ক্রিয়াল সম্বাচন্ত দিবেন।

্লে, মন্ রো অফি সিয়েটিংকালেউর বশোহর। क्रिया शहरात रेमम्मूद अगहरू महाम क्ष्य हार्रिकामित ज्ञारिक शहरात वानिसमूत याहा क्ष्या स्ताहरूव क्षिण कारमहेत मारहरवत्त क्ष्यावगाद्रत वारम् जारह केक्ष् शृत्रवत्ता स्वविधिक त्यारहरू कारम्भानुकाती ज्ञानानी ३৮७१ मारमङ् ३ मा अस्थम कार्तिय हहेरक २०-वदमङ स्वद्रारम् हेळाता स्ताहरूक हहेरक।

২। যদিও লাট আবাদ বালিবপুর ও লাটকীর্ত্তি প্রস্বপত্নী ও বিল পাবনা উপরোজ্ঞ পাবনার অন্তর্গত কিন্তু পদ্ধনী বন্দোবন্তী উজ্ঞ লাট হয় ও বিলের জনী পদ্ধিত উল্লেখে বন্দো-বস্তু হইয়া থাকুক কিন্তা বে অবস্থাই হউক ইলা-রার বহির্গত বাক্ষিবে উক্ল বিল ও পদ্ধনী হই মং'ল জীবুক্ত কালেকী সাহেবের খাসদখলে খাকিবে।

৩। বে ভূমির ইজাব র বিজ্ঞাপদ দেওছা বহি তেহে ভারার বার্হিক থাজনা ১০১৫৭৯৮ টাকা। ১৮৬৬ সানে 🏬 এ এলেল পর্ব তর উন্নল বালে বাকি ১৩ টিইন্নং টাকা ভন্তব্যে অধিকাংশ টাকা পরিশেবে জাদার হটরাছে। ১৮৬৭ বালের ৩১ এ মার্চ পর্যন্ত বে বাকি থাকে ভাষা আদার করিবার ক্ষণ্ডা ইজারালাবের প্রতি কেওয়া যাইবে। ইজারাদার বোট বাকির **পর্যেক** কি नफ २६ ड्रांका जबकायि वाटन जन ५२,३ जोटनब बर्धा अ बक्षी व्यक्ति के वर्ष व्यवसाधी बारम मन १२१६ मारमा मर्था कारमकेरिएक माथिन কাৰিতে বাধ্য হটবে। আগায় সম্বন্ধ সাকলা বায় हेर्पानि छेरू २४ प्रामात्र मध्रमण बाकिन । अवः ব্লায়া খাজনা প্রভারের সম ইজারার হাল খাজ-नात्र मण्डितिक निर्द्ध इहेरवे। (व कुमि हेकांश দেওয়া বাইৰে ড'হাৰ সীমানা সরহজ্ব পরিকার क्रांच मिक्कि ७ जाशांक बश्च बक्र क्रिक् পত্য সহ আছে ৷ আগামী ১৫ ই কেন্দ্রারি भर्ग, छ देखांबाद मदशेख त्यमा मर्गाहरत्व ঐত্বক্ত কালেটর সাহেব এছৰ ক্ষয়িবন। ধংখা ভ কারি যে থার্থিক স্তম। দিতে ইচ্ছ ক হইবেম ভাহা ম্পাইরূপে দ্বধায়ের লেখেন।

র। দরখান্তের সেকাকার উপরিভাগে ( পর
গণে থানিবপুরের ইজারা সবস্বের দরখান্ত )
লিখিত হইরা লা মহর করিয়া কালেইর সাহেবের সমীপে অর্পন ও প্রেরণ করিতে হইবে। ঐ
সক্স দরখান্ত ১ লা মার্চ ভারিখে প্রীরুজ্ঞ কালে
ইর সাহের বাছনি করিয়া ইজারাদার ছির করি
বেন। কোন কারণ মা হর্দাইয়া জীবুজ্ঞ কালেইর
সাহের খীর অভিপ্রার মতে বে কোন দরখান্ত
হউক অগ্রাহঃ বরিতে সম্পূর্ণ ক্ষমবান প্রাক্তিন

लन। अखाविक कृषि नवत्व नवृशात नवाय वर्षाः वरतः कारमङ्गि वर्षाः किया भूमिन्नाः प्रश्नुका वर्षाः अधिक वर्षाः वर्षाः

৫। ইক্ষারার বাৎসরিক থাজনার দেকগার ইক্ষারালারের ক্ষানিন দিতে হটবে। বেরপ্ ক্ষানির দিতে ইক্ষারালার ইক্ষুক্ হরেন ডার্ডা-রিড স্পষ্টক্রণে লর্থান্তে নিথেন।

**ত্যে, বন্**রো অধিসিয়েটিং কালেটর

गःनास्य ।

### ভারতবর্ষের বিবরণ।

ভারতবর্ধে বিবরণ তৃতীরবার মুদ্রিত হই রাছে। এবারে বভত্তর উৎকৃষ্ট হইতে পাবে ভাষার চেষ্টা করা বিরাছে। কুলিকাভার সঙ্গ পুজ্ঞানতেই পাওয়া যার।

> ত্রীশশিভূবৰ শশ্ম। ----ঃ০ঃ----

### ভূগোল পরিচয়

উৎক্র প্রধানীতে সাগবাদির চিত্র স্থানিত একখানি ক্ষয় ভূগোল মুদ্রিত ব্ইরাছে: সং-ক্ষুত বজের পুস্তকান্তর প্রাপ্তবা। মূল্য ১/১ কর প্রধা।

### জীলনিভূবন শর্মা।

নিমুখানসামার গলি ১৫ নহর হাটাতে সংশ্র নীত ও মংগ্রচারিত নিমু টাবিত পুজক্ত স নিমুদ্ধ হইডেছে—

প্রতীত
বিশিষ্ট ক্ষাব 
ক্রীসইতিহার 
ক্রীসইতিহার 
ক্রোবইতিহার 
ক্রোবইতিহার 
ক্রোবইতিহার 
ক্রোবইতিহার 
ক্রোবইতিহার 
ক্রোবইতিহার 
ক্রোবইত 
ক্রোবইতিহার 
ক্রোবইত 
ক্রোবর 
ক্রোবইত 
ক্রোবর 
ক্রোবর 
ক্রোবর 
ক্রোবর 
ক্রোবইত 
ক্রোবর 
ক্রোবইত 
ক্রোবর 
ক্রোবর 
ক্রোবর 
ক্রোবর 
ক্রোবর 
ক্রোবর 
ক্রোবর 
ক্রোবইত 
ক্রোবর 
ক্র

জীবারকানার শর্মা।

## त्मामध्यकाना ।

্ ১৬ ই মাৰ সোমবার।

मद्र मिनिल दीखन 'बार्ड कान्टवान-ধের পত্তার উত্তর ছান ও ব্যবস্থাপক সভার আত্ম পক্ষসমর্থন করিয়াছেন। ভাঁহার লিপিনৈপুণা আহে, অভএব তিনি আছা ওজির চেতা পাইয়া দূবছ बाक्तिविरात विकटें वानेबादक निर्दर्भाष ৰুলিৱা প্ৰতিপন্ন করিতে পারেন, কিছ **डांश्त महत्व इंग्रे** विश्वत्य अत्मनीयमि-গের জন্মে যে বিরুদ্ধ সংকার ক্ষি-য়াহে, তিনি সহত্র চেক্টা পাইয়া ও ভাহাব भागाया क्तिएड शाहित्वन, अत्रश वांश হয় না। প্রথম, বোধ হয় জীহার আরণ ছ্ইবে, তিনি ধ্বন উজ্িদায়ধান, ভত্ততা িলোকেরা ছর্ভিকের বিষয় উচ্চার গোচর করেন, তিনি দীধ প্রশস্ত এক বস্তা ক-तिश्व क्याक्रीकर बहे कहिशाबिटलन, प्यार्टनसन कांत्रिता शवर्गदमत्येत निकटे कांनकरम কাহায্য পাছৰেন না। খেষে সেই গ্ৰৰ্ মেণ্ট সাহায়াদানের নিমিত বাথা ইইলেন অথচ সমাকু ইউলাভ হইল না। নর নিসিল ৰীজন তথকালে কৰুণাশুন্যের মার বাব हात ना कतिया यसि मार्थामान कतिएउन **এবং मोत्रक्रितिएड ना शिश क्रिटाइस्ट**ा সহকারে ছার্ডিক স্থানে তওুলামি প্রের. (११ डेशाइदिशास यक्ष्यान स्ट्रेडन, अड গোনের কি হতু। হইত १ একটা প্রদেশ कि अन्नना क्यांत्र स्टेश सहित ?

विक्रीं , डॉन्ड व्यन्तवात डा, व्यन्ति हा छ क्यांत द्यां का स्मान्ति स्मान्ति हा छ क्यांत द्यां का स्मान्ति हा छ क्यांति हा छ क्य

ट्यटकेंद्र अन्य साम क कथियन निर्शाटशत

প্রবৃত্তির ব্যর সমুদ্র জ্ল্য, সমু-एत इहें काम जान वाफ़िलाई कि आव কমিলেই কি, ভশ্লিমিড আমাদিগের তত ক্ষোন্ত ক্ষমিতেছে না, কোন্ত এই, ছিয়ান্ত दित मन्द्रक**ार्डा जन**्नति नाम वीनिया कार्सात ७ यामबाइनामित प्रविधा हिन না, ভাষাতেই ছুর্ডিকে লোকের সহা रुवेद्वाधिम, अष्ट्रप 'मभूमात विषयात गर्-विधा इहेशार्ष, जामानिरगर गर्न्ट्रभणेड প্ৰসাত্ৰ প্ৰাণ বন্ধাৰ্থ সৰ্থ ব্যৱেও কাত্ৰ নংকন, তথাপি অনাহারের অসহায় প্রা चगः था लाइकत थान विस्तान हरेगा हेश्टल कि क्षानगटक क्षास्त्रित कतिया तर्थः বায় ? আমাদিদের প্রক্রান এই, বীডন भारहर यक्ति व्यथरम भर्गरमर जिन्न व्यर्थ রকা অপেকা প্রকার প্রাণ রকা বড় জ্ঞান করিতেন, কথন এ অনর্থ আপত্তিত एईड ना ।

> **ইংগ্রন্থে এনেশ হর্মতে** প্র<sub>ন্তি</sub> নি.ধ (৮.বন।

व्याचा हुः व निरंत्रत । अ शतिरंत्रन क्रिकाश्व य ब्याष्ट्रिय स्व शवर्रामालीः চিত্তকৈ আন্ত্ৰিয়া না যায়, তাদুশ গৰ্ণ **्मर-छेत्र व्यक्षीरन दोग छाउँचता छ**ाउँहर, **छानुन भवर्गस्मात्मेत्र ध्यक्षात्रा मञ्ख्य दा**रु प्राथ प्रयो इदेशक वा खर्विक प्रयो इदेर र भारत्र मा । ध्या मानिरश्रत (मोखारश्रत विश्व এই, আমরা ভাড়েশ জাতি ও গবর্ণসে त्येत प्रशीनका मुझ्ल दक्क वरे नारे। षांबता षाध्य इश्च निटबनन कतिहा क्राप्तन क्रिक इंश्लाम काछि ७ इंश्लिम गर्न মেন্ট ধর্ণ পাতিয়া শুনিয়া পাকেন। তবে नक्य विषय ए भागता थाकीकारतत মুখ দেখিতে পাই না, তাহার অনেক श्रीन कात्रन सारहः वदारन चित्र चित्र चार्थमाधनार्थित राम । चलका ध्राप्त

र्पूक्ररवता करमक नेयदा विद्याहिक श्रेत বৰ্ত্তৰ পথ পরিত্যাগ করেন। তথ্যসূত্র এট ইংলও আমাদিগের আশা স্থান स्हेगा डेटर्र । **व्यामता वित व्यामाहिट**शः হুঃৰ দ্বাৰ্থক্ৰপে ভত্তা ইংরাজ জাবি ও ইংরাজ প্রব্মেক্টের পোচর করিতে भारत, नि.म**त्यह इः८थत आजीकात स्**म আনাদিলের আনেকবিধ **ছ:বের স্বর**ং উঁহি;রা জানিতে পারেন না। পার্লিণ মেণ্ট সভা ও ইংরাক ক্রীভিয় অংগ खात्रखबर्र्यव भरतक विषय भयवीयपक्रर ৰৰ্ণিত হয়। এখন যদি কেছ আমাদিগে: পক্ষ হইষা কিছু বলেন, সে কেবল ভাঁহা দরা কবিয়াবলাহয়। সুভরাং ভাহাভ कारकत स्थ ना। याद्यार दृःश खाद्या নিজে জানান আবশকে। ভাষা হইলে ভাহতে লেফেৰ মন অধিকতম আকুই হয়। অভাবে এখান হইতে আমাদিগে: প্রতিনিধি প্রেরণ কথাই কর্ত্তর।

ইংগতে একণে ভাবতবর্ষ সহতে करव्रकृष्टि मचा हरेब्रास्ट्र मखा, किन्दु अवा হুটভে যিনি প্রতিনিধি হুইয়া বাইবেন ডিনি ঐ সকল সভার সভা অংশেকা অ धिक कांक कतिए शाहित्वन। ३० ल ত্তের লোকেরা এখানকাব প্রতিনিধিঃ ৰাক: বেরূপ যতু ও আদৰ সহকারে 🛎 द्य कतिर्वम, धीर्मश्रक मुकार मञ्जाभर्य बां भ रमसर्थ छवन कहिर्यन ना । छोड्ड कातन करे. बाँदाम डेलिथिड मर्जीत गठालम् बाञ्च कतिर्दम, औष्ट्रांत्री उपर अधान हरेएक भ्रमन करतन मारे, जाहात्र कार्यगष्ठात त्रवारन चार्डन, धानक नक **जिक्राम मधार्थम आइल कता इहेग्राह्य** পুতরাং তাঁহাদিগের বাক্য ডভ শুরুতঃ स्केटन मा । किस गिमि अशाम इंकेटर প্রতিনিধি হুইয়া যাইবেন লোকে ভাঁচার विषदा अरे विद्वहमा क्रिया, चात्र छवती तात्रा विर्माय ककेवास मा क्रेटल आह প্রতিনিধি প্রেরণ <del>ক</del>রেন নাই :

ও জুরুক নয়∤ আলি আমিধা বাবু কেশ <del>ন্দ্র সেনকেই লক্ষ্য কবিলাম। ঠাহা</del>ক স সভুষ হইটাছে আমাদিপেৰ কি कृष्य वार्ष, निर्मात कारात व्यक्तभ 4গত আড়েন এবং বাকা দ্বাণা ব্যক্ত রিয়ালোচের চিস্ত আবর্ষণ করিছে ানেন, ভাঁহার এরপ ক্ষমতাও আছে। তএৰ ভাহাৰ ধাওয়াই কৰ্তৰা। ভিন थारन रम काक करिएडरहर, रमशास्त ালে ভাষ**্ সংগক্ষা বহুগুণ** অধিক াঞ্ কৃষ্ঠিত পারিধেন। ভাঁছার ভ্রপায় মনের সুন্দর সময়ও উপস্থিত ইংল্ডের 🖠 गांदकता इर्डि**टफ**त यथाय**थ** त्**षा**ष्ठ छा-তে পারিভেছেন না, জানিতে পাবি- : নে, সে সম্ভাবনাও অংপা। কেশৰ বা দিইহার স্থক্তপাবর্ণন করিয়া লোগেব ন আদ্র করিতে পারেন, উত্তর কালে কুপ ব্টনানা হয়, ভাহার উপরে হ তে পারিবে। অপিডেমিকে বাসলা শের চতুর্ধাংশ লোক নিঃশেবিত হল। এ পর্যায় এখান হইতে তাহার ত্রিকারের কোন বছপার চইল না, ন্ন ভ দেখান হইতে হইতে পারে।

এখন আহিনিখির যোগ্য লোক পাও

স্ব গিনিল বীডানব অপক্ষমণ্ড । ১৯ এ জাতুয়ারি খনিবাৰ বাদলা ংখের লেপ্টনতী প্রণর সর বিনিশ উন বন্দৰেশীয় ব্যবস্থাপক সভাঃ ২কলের ছর্ডিক প্রদঙ্গ করিয়া এক জ্জা করিয়াকেন। ব্যবস্থাপক স-কে সহোধন করিয়া ব'জ্ভা করা হই एइ बर्ड किन्छ यनि व्यव्यादन कवित्रा था बाद्र थाडीव्रमान १३८४, नर्सनाथा ণর নিকটে আত্মশুদ্ধিৰ চেটা পাওয়া হৈছে। উৎকলে অদাপিও সহস্ৰ সহস্ৰ व मोइट्यात छेल्टत निर्कत

+মী লগ্য পৰ্যন্ত অৰ্থাৎ

जाहानिभरक माहीया

উচিত, তিনি তদ্বিয়ে ব্যবস্থাপক সভার প্রামর্শ বিজ্ঞান। করিয়াছেন। বৃহ্দে-শীয় বাৰস্থাপক সভা প্ৰতিনিধি সভা নহেন, d,dद्रार्थकम्हित्रतं भागनगद्रकः कान ক্ষভানাই। সুভয়াং এখনে এ বিষয় উপস্থিত করা অপ্রাণক্ষিক হুইয়াছে। অতএব দর সিনিল বীডনের বস্ত। অবিক্রিংকর বলিয়াই উপেক্ষিত হইত, কেবল ভূটি গুণের নিমিত্ত আদৃত হই **८७८७ । ८म এই:---भागमकर्जुशन प्या-**काची इकेटन शुटर्कात मात्र ज्यानमामिशटक সর্কোত, পুতরাং সাধারণ মতের অগম্য বিবেচনা ভরিষ্কা আর সাধান্তণর বাকেঃ উপেকা কবিতে পারেন না। অপর, বাব ্বাসক সভাবে জনমে প্রতিনিধিসভা হুইয়া উঠিবে, ভাহার উপক্রম হুইভেছে। इंडिंक मद्दल यह मिनिन वीख्रायह

रहेब्राह्य-अध्यम, जिनि निष्य छे यक्टन গিয়া সোকের কট খচকে, দর্শন করি য়াও ভাষা জীকাৰ ক্ষেন নাই, এবং अण्लेख यानीय कर्यागांतिमार्भत्र अञ्चलक ाटका त्माहिङ इहेशाहित्यन। विठीत, व्यन जानीत कर्यागिरशायत्र वृश्वित्यत বিষ্য অপলাপ কবিবার সামর্থ, ছিল না, ভখ্যত ভান রাজধানীতে অবস্থান ক तिया वर्षे निवान्ट । इसे मा लाहेयां सातकिलिएड भिया बाम करवन। क्कींग, विविक्त मञ्जलाय माधायदेवत मिक्टे इक्टें চাঁদা সংগ্রহেব প্রস্তাব করিলে তিনি ভাহাৰ আৰুশাকতা স্বীকার করেন নাই। हजूर्य, इंश्वाद्धव कार्यका होता निट**ङ** এক্সত হিলেন, লেপ্টন্ট গ্ৰহ্মকথায় लार्ड क्रान्ट्रवाइन लार्ड (सप्रहटक एक अस्न निरुष करत्रन ।

বিক্লম্বে এই কয়েকটা অপরাথের অভিযোগ

প্রথম অভিযোগের বিষয়ে তিনি (काम कथाई वर्णन नाई, व**डणः** कि<u>ष्</u>ट বলিবারও নাই। স্বান্ত্রা কর্মারিপণ

দিতে ছইবে। অভএব একৰে কি করা বিলিয়াছিলেন মহাজন ও জনীবারে: अक्रोका क्रेश भएमात्र भूगा हस्ति करि बात बना हाउँन मुकाबिक कतिवा बाटबन সেই লুকালিছে চাউল পরে বাহির হ मारे। लाल्डेमले भवर्गत्तत्र विद्याय मू সক সাহেৰ ৰলেন উৎকলৈ আৰু ১২ লক্ষণ চাউল না পাঠাইলে লোকে প্রোণধারণ করা ভার হটবে। পুরুষ্ট্রি চাউল ভবে কোথায় গেল ? ১২ ল मन ठाउँ त्लाद क्षारशांक्यम इत दक्त १ स्था তিনি ছডিকের ভয়ানক ভাব এত স্বল বুবিমাছিলেন ছে গত মে মানে বধ চাপমান সাংহ্য রেবিণিউ ব্যেডেরি প্র নিধি স্বরূপ বলেন, সাধারণ চাঁদার প্রচ জন নাই, তথন ডিনি তাহাতে বিশা করিয়া উত্তর পশ্চিনাঞ্চলের কণ্ডেব ছ লক্ষ টাকার মধ্যে হুই লক্ষ টোব সাহাধার্থ প্রদান করিয়াছিলেন भटत दिनक मण्डातात्र माणाय महर भःर्गव स्थमत्रत्वत्र निक्टि हिलिखा করিলে আর চারি লক্ষ্টাকা দেও হয়। দ্বিতীয় অভিযোগের কোন ব তর নাই। পীড়া ইহার উত্তর নহে এমত কটের সময়ে সহজ্ঞ পীড়া হইলে রাজধানী ভাগি করা উচিত ছিল না এক জন যথার্থ ক্রের্পেরায়ণ সংস্থ কর্ত্তা এরপ ছলে হত্যুত্ত শ্রেরো জ্ঞা করিতেন। কলিকাভার বৃণিক নগ साग्र माथात्व म्;रथत्र मभरत्र य अवना माहाया कटबन, अमञ क्लान एएटमंद्र व अने करहम मा। छेख्न शिक्साकर इंडिंक, शढ बड़ बदर वर्डमान इंडि विवदिष्टिशत अविस्थात क्रिकि शांति করিরাছে। কিন্তু সঙ্গ নিসিল বীজন স তীয় অভিযোগের প্রত্যুক্তর পরণ বংগ ৰণিক সম্ভাষায়ের কথার তিনি চাঁ नर्वार् कतिवास कार्या जसूरमानन करा नारे। फब्रम जानता बाक अविन

পৰ্যন্ত হ केशभटम সাধারণ नकरम विजय हिर्दिम। खर्पाम विवस मक्तवाम मध्यात्रथं हीका मन्द्रक करिटल वासुक विरुव्य : जीवांता अवर्गत (व्यनत-मदक वह करा दिनिवारम बनिवाहितन ষত দিন উর্ভার পশ্চিমাঞ্চলের ছুর্ভিক্ষের कर्ज इसे नक छोका अवाहिक व्हिन्द कड किम नर्द्धनाशाहरन होता विरक्ष नचाड स्हेर्टिम मा अवर भवर्गव स्मानताल लाग्छे मनी भवन्त्रक व्यवनिके छाति नक ठाका रियाय गमात्र यहे कथा श्रीत्राहित्तन। সর সিসিল বীডন এমত অবস্থার বণিক म अमार्याय करका स्मान (क्लान कतिवाह চেষ্টা পাইয়া অনায় করিয়াছেন। চতুর্থ অপরাথ তিনি স্বীকার করিয়াছেন, সু তরাং ইহার সমর্থন ভৃত্তিকর ছইবে সম্ভাবিত मरह। यथम अथमक कर्षे हरिहारह अथमक लाय eo लक्ष होका ब्राप्त कतिया हाडेल জেরণ করিতে হইবে, তথা ইং গতে চাঁদা সংগ্রহ করাকি অপরাদর্শ নিজ্ঞ ছিল ০ मह मिनिल बीउन देश्मर७ होता वक्त ना कतिया आंत्र अक्षेत्र अनिष्ठे कतियाद्यन। এতজেশীৰ ক্লতবিদ্য মণ্ডণী বুকিয়াছেন *(लश्चेनन्डे भवर्गदत्रत्र (मादय देश्याणीय* लाटकता होन। त्यन नारे, किन्द्र गांधांतर त्नाटक काश क्रांपक। उ नम्हःच **जूबकात क्षकाव विद्यप्तना करतम।** क्षक-এৰ ৰাত্যাপক সভায় ৰক্তা লেণ্ট নত প্রন্তের একটা দোষও ক্লালিভ করে नहिंदतः नर्सनाथात्रात अन्य नमाप्र अभक्त कथात्र वित्रक्त इहेत्राट्यन ।

ৰালা হুউক লেপ্টম**ন্ট** গৰণবের ৰক্তৃ তার<sup>জ</sup> क्कार्य मधात्रपत्र विट्यम महनाह्यात्रत **छेशबुक्त । अक्टल क्रिज़ इहेग्रा**ट्ड ऍ२क∙ त्मक्र किन चर्टमक्र क्यार्म दर्शक व्यान कार्तन क्रियाट्यन, क्रेट्स्व मट्यूक कार्क बाह्य (शब्देनके भवर्गत २००० वटलन, क्षिक जीवती क्रांनि क्षांत . ১०,००० माजू হীম শিশু সাধারতের হয়ার উপরে নির্ভির | বিবয় সর্কাশাধারতের গোচর করুন। সর্ক / এছ করিলেন । সপত্নী বিবাদ আরু

क्तिएक्ट । विनन्तिश्वयं क्लक्छनिक अञ्चित्राम्य क्षिएका इर्मिकी मिनन क्ष कहें के जाराता चात्र होका नाहे दिन। खर्वानि कई श्रन्न हरेटल्ट एक কল শিশুর বিষয়ে কি করা উচিত ও ইছা ভিন্ন অধার্ণিও ভিন লক্ষ লোক নাধারণ নাহাব্যের উপর নির্ভর করিতেছে। नक मार्ट्स्य केखावाक्रमारत अवर्गरमके भौध 8 लक मनं हाउन क्टारन क्टिन। करहरू मरिमतं भर्षा चात ৮ लक्ष भ्र यारेटन। नायात्रन जीवा मा इरेटन अ **टाका क्यानाह माधातन बनानात व्हेट**क पिशा नाथोत्रन कत कात दुखि कदा इंदेरत। পিটদল সাহেবের প্রস্তাবাসুসাবে ভূমিব কর বৃদ্ধি অথবা দরিদ্র আইন কোন মতে रहेटक नादत मा। उदकरत्व समिलात्रिक গের উপর বিশেব করও অভ্যাচার स्रेट्य। माधात्रण हीसात कि अक छ। दा উঠিবে ? আমরা ভট্লিমিত প্রস্তাব কবি তেছি, ইংলতে পুনর্কার চাদার জন্য षाद्वसन् सन्ना इडेक, त्मर्थान इहेटड আমরা অন্তঃ ১৫ লক টাকার প্রত্যান্য ক্রিডে পারি। এখানেও আর পাঁচ লক উঠিতে পারে। তংপরে মিদন কণ্ডের **डेरका ३३८७७ ध्यांत अकलक जागित**। ज्यानिक होका जोशांत्र बनानाव क्हेंट्रेड बिट्य हिलाद । ट्रिक्टेन के श्वर्वत्र विक् সম্প্রদারের সহকারী সভাপতি সন্তিক সাংক্রের মত চাহিয়াছেন। এ সমরে ব্যক্তি বিশেষের মতে কিছু ক্রিতে পারিকে না।বশিক সভারায় ও ভারত কাস কেসওয়ে টোনের ভৃতীর শেণী वर्षीत मकात नहीं मर्ज आवनाक। देहाँ हा । विकित अहेबान का वे ला तत्यां महस्य रखार्थन मा कतिरम अवर्गरमन्त्र किहूरे করিতে পারিবেন না। লেপ্টনত গংর্ণ- ; এছ জন পলীগ্রানত অনীদান, উলো त्त्र चारमक चलत्राथ क्रेशास्त्र वर्षे, किन्छ । প্रथम क्री माविकी माविकी कृतः दिस्तन वर्षमाम करे वर्षन शावना है, छथन छैं। हात्र । यूटवान ७ यू वीन नाटन हुएँ इङ्ग विट्या সহায়তা করা কর্ত্ব। আমরা অস্ত্রাধ ু পুত্র ছিল। তথালি ৫০ বংলর বয়:জ করি ভিনি সহ ও সরলচিতে যাবজীয় কালে ভিনি দ্বিভীয়ধার দাবণা

माधातरभेत्र महिष्ठ चारुशेत । করিলে উাহায়া কারমনোবাকো স भिमिन बीखरमत्र माश्रीया कत्रिर्यन আশা রুখা।

77 - 12-4- - ---- 22 Late 22-22-4--

-----

ি মবনটিড ও ভাষ্ট্র অভিনয়।

শ্ৰিবার আমরা হোড়ামাঁকে मार्के,भावात गवनारेटकत अधिनत्र स्थ করিতে গি ছিলান¦ **এখানে** নাট অভিনয়ের যে প্রশালী দর্শন ক লাম, ভাহাযদি দইতে এচনিত স শামাদিগেৰ বিশুদ্ধ মামোদ ভোগে একটি উংক্লুট উপায় **হই**য়া **উঠে**। না শালা প্রকৃত রীতিতে নির্মিত 😮 দুই র্বাঞ্চলি কুদার বিশোষ: পুর্যাক্ত সক্ষাৰ সমা অতিমনোহর ছইনাছিৰ অধিকতৰ আহলাদেৰ বিষয় এই এ মুদারপ্রনি এতাদেশীর শিপিছতে पर्य श्विरंत्र र डेन्ट्रम्म श्रेनानी स्वार्गान उरकुछ का नाहै। अञ्चना भागाति क चादनाङ। मरकीर्य **चा**रन **च**क्षिकमः कि मितिर्विक हा। धक्कारण प উদ্ঘাটিত হওয়াতে হাৰতীয় দৰ্শ এবেশ করিয়াসকলেই সন্মুখের আন্ व्यर्ग कदिवांत्र ८० छ। कटलन, फार्स्ट शाजरवात, भाउचर्यत, ७ जामनड देश्य कत इत्रेश छट्ठ । गड पिन भागा না হইতেছে, ক্ত দিন আগম ক্লিপিট এক এক কবিয়া উপৰেশন করিছে জে हो हे शहा मर्नाभिक्त, नट्ट र आत्र ১० मिनि

नवनाष्ट्रकार अल्ला अहे, अरबभा बा

অভালিক সহা করিতে না পারিয়া এক बन मा दुर्गामदा व्यथत वः जिन् लटकोदा श्रमन करित्सन। महिन्दी अर्क अस्तात পৰিত্যক্ত ইইলেন। ভাইার মন্ত্রালিকায় बान भिन्ना अरु शर् कृतित्व बान एहेल। **এখানেও को उ**.जिक यञ्जना क्**रशास्त्र** তিনি উত্যানে প্রাণ্ডার্গ করিলেন। গৰেশ ৰাৰুকেবশ কবিবাৰ নিমিক ঔষধ দেওয়া হয়। ভাহাতে ভাহার পীড়া ও নান। প্রকার খারীরিক যন্ত্রণা ভোগ হই লাপ সুংহইল । প্ৰুকোলে ভিনি দ্বিীয ধার বিধাই করিয়াছিলেন বলিয়া অতি পর পরিভাপ কবেন। স্লেষ্ঠে পুত্র সুবোধ দ**লে**) হইতে হঠাং আদিয়া শিসাং হড়ুঃ 📽 মাভার উল্লেখনে প্রাণভাগে সমা तित स्थान करिया मृच्छि **उ व्हेटलन,** सिहे হুদ্ৰ্বিই শৈষ হইল। অত্ৰানি বহুবিবঃ ছৰ দোৰ কীৰ্তনাৰ্থ রচিত ছইখাছে। ধ্বেশের'কু ড**িব্যেরা কা**বেরন পরে স্বারা ष अञ्चरत्राथ करत्रम, अञ्चरतत्र मेरी ও मछिर **च बाहा मकनटर तिर अनू**द्राध कहि-KEA I

@বুজু রামনারায়ণ ত√রতু মৃতন **ল<b>ৰ্থ** ম**েহৰ।** উহিল । কুলীন কুল্প <del>ত্রি । নাটক এক্</del>শকার অনেক নাটকের । क्ष्म अक्र १ स्टेश्टर । क्षिष्ठ मामास्मिक বের লইরা যে গকল জ্রন্ত শীর হয়, **ক্ষার চির জা**ংবের আশো করা যায় ।। नदनछिर कर व्यापद्रमायुष्यण्या, स्टाहा एट्ट्र बना थोरेटक नाटन । नामां Fক কোন বিষয় বাদলের পোষকতা ক হৈ বেংলে, প্রায় অ মূচিক ও সভিবর্ণন पेर पश्चित्रा छेट्ठ । विटल्य कः अटल्टलात ভ্ৰাবেরা অমূজিনীয়। এতলিবন্ধন शिक्षित्रक पर्निमार्गिक वर्गनाय विश्वकर्ण हुँ कि करक, दूर इंडर दर्गनीत बास्कि अत्र हिताला शृक्शभाव नक्षति वादक । बेब्राडेक (लथक विव्रक्त रत्यक

क्रेम। श्रावम बाजूव श्राखना विमालात . रहेरा छ ध्वाद्यत क्छ क्रेट क व्यक्ता-रुठि शान नाहै। शर्यभ बाबू माहे কের নায়ক, কিন্তু ভাঁহার চরিত্র পূর্ব্বাপর সমত হয় নাই। পুক্রিণীর জীরে বিধর্ম বাগীশ ও সুখীরের সহিত যে করোপ কথন হয়, ভাহাতে গ্ৰেশ ৰাৰু নিষ্ঠাঃ निटर्क्स दिना वर्निक हरेग्नाट्डन, किन्न थक्षमारक जिनि यथन ८५२ कविर**ण्टं**इन, তখন তাঁহাকে নিৰ্মোধ বলিয়া ৰোধ श्रमा। यथार्थ विका बाक्ति रेत्रवाद বৃদ্ধিৰ ভ্ৰমে কোন অপকৰ্ম করিয়া খেবে विश्वकात्र भविष्ठां न करत्रम, शर्दम बार् ह পরিতাপ দেই প্রকার হুইয়াছে। তি.ন আকোণ করেন, গ্রাহিণ সেই সংক্ষা (वत सना अवन कि अहे एता छेठ्छ ? হা বিশাতঃ ৷ দাবিত্ৰী তথন তথন আ সাকে কত ভক্তি প্রস্থা কর তো। \*\*\* আমার সুবোধ ত অতি সুবোধ সন্তানই ছিল, তার গুণে আমার মুধ উচ্ছান হয়ে **ছিল, मে অভিযানভারেই নিরুদ্দেশ্** र्ता। \*\*\* अमन (व ल्लाहरीय अवका আমার ঘটেছে ভার কারণই ভ আমি। গ এড বয়সে বুবতী জ্রীর মনোরঞ্নার্থ " नदीन क्रन रम्बर » वद्य अतिशान, ७ নিখুব টপ্পা কণ্ঠছ করা যে আননায় इरेतस्ट, जारांत सना निव्रजान सरे তেছে। অথচ " যার অন্য এত দূব পর্যান্ত मता त्म जारात शक्ति धामक एत मारे। ·· ८मरे व्यानम्य गांत्रिकाटक क्षप्र **शिक्ष**रत আৰম্ভ " করিবার এত চেন্টা হয়, ভবাগি সে ধরা না দিয়া " কুমতি পক্ষ আলায় গ করিরা "নিয়তই শ উভিয়া বেড়াই-(ठ८ इ। क्लंड: अवर्ष भट्टम बांबूटक व धकार मिटकांथ दक्षिश दर्गना करा इस्ताद्ध अदः काँशव य नाम स्वका হ্ইয়াছে, ভাষাতে উাহার এমত জান-প্ল'ড পরিভাপ । বছবিত নয়। অপর दिद्धांथ अरे, शर्यण बाबू ऋरबाटयह छन कार हित्तन मा चक्रण नव, व्यवहर्ी

प्रदर्भ (य मिवन वाजी काश करत्रम, व দিবস ছোট গৃহিণী "ফুস ফুস গ করি। कर्काटक कि बिलिटनन, चात्र जिनि व्यक्ति बाष्कृतिक इरेटनम, अकस्ताता स्ट्राट्स প্রতি বিষাভূচরণ হোবারোপ কর হয়, কিন্তু পেৰে গৰেশ আবার তীহার গু স্বীকার করেন। অপর অভিবর্ণন ছোব এই চপলা স্থা পরিচিত। মনের বে ভা থাকুক না, দলঃ পরিচিত ব্যক্তির নি क्टि रक्षान् खीरमारू बरावन, अगङ्गी कमन प्रमुद्ध नश्योक खटनकार মিউ ় গৰেশ ৰাবুর শেষ অংশটি: ভাল হয় নাই। পাপের পরিভাপের नभरत पांक भारतकाल सम व्याप्त हर কিন্তু গৰেশ ৰাবুৰ উদর ক্ষীত, ভাহাবে ৰূপ এমান প্ৰভৃতি মৰ্খন করিয়া শ্ৰোড় भन व्यवदान स्था करतमा,

**पश्चित्र**त्रत्र विषयः व स्वार **प**िटनपुत्रन शांत्र नक्टनरे प्रकर्तनः অক্সিনমক্রিয়া পুষ্ণরস্তুপে সম্পন্ন করিয়া एन। गर्दम ७ हिन्दरादात ७ कथा**रे** নাই, কৌতুক ও রসময়ীর অংশ উভয स्रेताटम् धावर नामत्र छ आहमात চরিতাক নৈধ্যিক হইরাছে। রক্ত ভূমির मानन परि यांचछीत्र यूवक कुडिविटशत 'आवर्ण रंग, काश स्ट्रेटन (स्ट्लंड लंडम मक्त एवं। भ नाजित्र ज्ञितं पर्णत्य मिंदिर्भिय श्रीप्रदेशांच श्रीक स्रेशांद्र । ত্থীর পঞ্জিতের চরিতা অতি উৎকুট व्हेशाटका मानिकी यांगीत व्यर्भकी नक्रमञ्बद (रभ क्रथना क्रेग्राट्य । জিলায় উত্তম হইয়াছিল, ক্ষিত্ৰ সাধিতী मा खीरनाक मा स्थिएक ज्ञान भारत করে। এ ব্যক্তির কথার ভাবও ভূঞি ক্তর হয় সাই। প্রবোধের পোর<sup>্</sup> অংশটি বিরক্তি উৎপারন করিয়াছে। সূর্ভ ঘটিকা नवान रम्बन क्षाने स्थान वाकि व्यन महिट्ड भारतम १ द्व सुनक् अकिमादन व्यवादारम दश्याख्य त्रम्म क्रिय शास्त्रम् क्षेत्रं क्षित्रं कार्यम् मार्थः कार्यम् मार्थः मार्थः कार्यः

क्षेत्र हो प्रकारण वेक्ष्या अहे, द्यान काम व्याप्त किङ्क किङ्क क्ष्मिक माकरणः विद्यक्तमा केविद्या अञ्चल व्यक्ति माह के छात्र केविद्या अञ्चल व्यक्ति

ক একাতণ সপ্তত্মিংশ আক্ষমদায়া। গত ১১ ই মাধ বুধবার কলেকাতা **खाळ**म्माटकड मार्वरम्बिक छरम्ब म्याः cate गण्यस ध्रेग्नाटम् । खाक्तधर्य स्रोता ভারত এর্ষের বহুল উন্নতির আশা করা बाब, अह कना जाकाममाटकत बरवादिकत স.ক সকে ইবার উন্নতির আলোচনা করা ক্ষে মানে ধ লাভ আছে। সপ্তত্তিংশং বংগর পূর্বে কলিকাত। ভ্রাহ্মসমাজের ভঞ্জি হয় নাই, তথন রামমোহন রায় এবং ভীহার महत्त्र करतकोत्र वास्क्रित स्वरति वह धर्म অবস্থিত ছিন। একণে এই ধর্মের নাম ভারতের গীমা অভিক্রম করিয়া বিশ্রেত **क्ट्रेटड्ड** । खाइटडाइ स**क्नि डेडड** शूर्क পশ্চিম সর্বভাগেই ইহার অনুমোদিক উপাসনা কাঠা অনুষ্ঠিত হইতে বেখা ৰাইতেছে। শুদ্ধ পুরুষে নয়, এদেশের व्यवनात्रक्त कर वर्ष व्यवन्त्रक कतिएक शक्तम स्हेग्नार्ट्यः। जाक्तश्रद्भतं अहातस्त्रन्थः। দিশ দিশতে প্রতিন করিয়া ইছার অধি कात्र विखारत्रत्र किया शाहरज्यहम । अहे সকল দেখিয়া বিলক্ষণ প্ৰজীয়মান হইতেছে বে অচিরাৎ জাক্ষর্যই ভারতবর্ষের এক माज वर्ष व्हेर्टन । जबादन स्व ल्लीखनिक वर्ष अकावद काम कात्रीक व्हेश कात्रिक (कट्ट, क्रमण्ड काश्व विमानवणाहे गांकछ रहेटल्डर । करनावदाई पृथ्यि, महत्त्वरीय वा यंगा क्षेत्रन श्रीक्रिक अर्थ चूम वृद्धिक वृद्धि अवस्थित जाराज क्षामा पूर्व रहेक। किंद्र काइडरकरव वर्गिक्तित किर्देशको मन्द्रम जाकार्यर ्य व्यक्तिक रहेशा कार्यनः देवक विभ

शंबन कतिहर पाकि चलना कारमत नवी कार उठे जाश क्षाज्ञ म्हेरजर्म । जान सर्वत्र व्यक्ति चाम्मामामा अत्याद्य और হারা **খণেশীয় সমাজ** প্রিক্তার করিলা ধর্মোমতির চেন্টা করিংবন না, ভাষা स्ट्रेटल कथन है कुछकार्या स्ट्रेटछ शाहि বেন না। তাঁহারা দেশী। স্বাচার ও णूनी छि नक्स यङ्ग পূर्वक प्रका कति (स्त। বে সকল বন্ধসূত্র কুসংক্ষার ও পাশ তং मटक मर्जिके सहितारक, कामणः व्यवस् **নাত্র সহকারে জাহার উন্মূদনেব চেন্টা ক** कृत, और उत्तर क्यारन छेन्नक इरेश व्यापन ष्मांभन प्रतिद्धाः माधाः १ वतः पृष्ठी स प्रज्ञा कक्रम, बदर यस पूर माधा क्रेकारियात्रम भूक्तक चरमरभन हिन्ह गःबद्ध **स**ञ्जनन হউন, যে উন্নতি হইয়াছে, আরও শতশুণ উম্ভি ভাৰতুম্বপ কাল মধে প্ৰভাক दहिर्द्यम ।

जाकविष्यंत विस्थाय शहर धामा ভাবে আপনাদিগের কর্তব্যর অমুঠান করা বিধেয়। নতুবা এই পরিবর্তনের স मद्र होनेना द्राक्षीन क्रिटल डेलहामान्यर **एकेट्रेन : डीहास्टिश**त कृष्टीटकत दक्ष वाल् হুত্রপঞ্জ করিবেন না। সমাজ সংকার করি তে হইলে সাধারণের অনুরাগভাজন स्टेटल स्य। स्टिक्ट कार्या नक्न व्यूकीन कतिरम नेषात्ररात छित्र चाङ्गके 🔁 हो। शास्त्रः भवत् वरु वर्षे जामगा-ক্ষের তৎসীমান্তর্গত এক একটা স্থানের সর্বপ্রকার হিতক্ত কার্যে অভী হওয়া আৰশ্যক। বিদ্যালয়, চিকিৎসালয়, অন ছত্র প্রভৃতি ছারা ভাঁহারা বেশের উপ कोह नाथन कड़ना। बोलक ७ यूबकपि শের চরিজ বাহাতে বিশুদ্ধ হয়, তবি वर्षः अविद्रम्यः राष्ट्रभीत रहेन। धर्या लाइस, मरम् अवश् मोर्बोड हिन्छ-क्त्र काटबात चलुकान गठ व्यक्ति दत्र, गर्क ভোভাবে ভাহারই উপায় করুন। ঈশ রের এতি একাই আছা ও ছবিল তালের (यक्षण कर्डवा, माधातस्था क्लार् वर्षान कविशा छोएात जिल्ला कार्या माधन रमहेळण कर्डवा।

> বে'ৰাই বিশ্ববিদ্যালয় ৩ সর বাটন ় ক্রিয়ার।

(बायारे बिच,विमालिश कनाश्रम प्रमार्ग কলিক।ভার ভুলা হইতে পারিভে मा बढ़े ध्वर कान काम विवटस भारत **ब्बाइ च्यारिक: ७ निक्रके इक्तिएक, कि** देश्द्र नियम।वली ७ कार्य।थनानी मर्द्यः। क्र है दिनमा भग स्ट्रेस्ड शाद्ध । कलिका **७ माञ्चाक विश्वविद्यालय सर्वट्याले** রাখকাৰে বিভাৱত এক একটি বিভা বৰূপ । ইহাদের নিজের স্বাধীনতা वि. भव प्रमाण नाहे, मक्स विष्टा शव মেণ্টের উপর নির্ভর ও ভাহার আনুগ স্বীকার করিতে *হয়*। গ্রণ্মেন্ট**ও ই**হ,চি গকে সামান্য দুটিতে দর্শন করেন—ই रमर्त्र यद्यां कि क (भीत्रय वर्षन करत्रन न বস্তুতঃ বৰ্ষে বৰ্ষে এক একটা পর্যাক্ষা উপাধিদান জিনা কিন্তু সংকাৎ সমুহ ইহাবের অস্থিত্বের আর কি চিহ্ন উপত र्प्र १ नाव्यः २ नवस्तु छेनाधिधादीनिटः क्या अवर्गस्यक्षेष्ट्रे वा कि विस्तर स्वर् नि র্শন প্রদর্শন করিয়া থাকেন ১

व्यविषय विश्व विश्वविद्यालका

गमिक भोजाशामाली बिलाइ हरेले
हेश या करेंगे शाधीन कमडा यक्षा हरे
कार्या कतिए धाकित कमडा यक्षा हरे
कार्या कतिए धाकित कमडा यक्षा हरे
कार्या कतिए धाकित कमडा यक्षा हरे
कि हरेताए । वापाहेर्यत शवर्यत म मिक मत वार्ष में मुगाइत जमाधावर हिंगे
विश्वा क विरमादिमाहिकार क्रियान मर्थे कलाएगत निमानकुठ । केश्यत मएक विमानत अदर्गरमकुठ । केश्यत मएक विमानक अदर्गरमक्षित हरे भागामा कार्या बिलाझ शिक्षा कर्या क्रियान हरे भारत ना । हेश्यत कार्या क्रिया कर्या, कर्तार हेश्य भागा क कोर्या क्रिया कर्या, শাদেশ ও নিযেধের বৃশন্তা এবং গ্রণ মণ্টের লাভ ফতি বিবেচনা স্বলে নিকিপ্ত করিয়া রাখিলে ইছার কাব্য**িকখন সু**ন্দৰ 🕊 পে চলিতে পারে না, সুত্রাং ইকার **উদ্দেশ্যও সম্পূর্ণকূপে সিদ্ধ হ'ই**বার সম্ভ -নো নাই। ধস্ততঃ আমা,দিগের দেশে এক একটা বিদ্যালয় কোন কোন ধনশংশী াক্তিণ অংগৰাৰ স্থৰূপ কইনা যে<mark>ৰূপ</mark> ভুৱ 🕦 मु े हर, दिश्वदिज्ञालय प्रदर्गस्य छैत মাসবংৰ স্বৰূপ হ**ই**লেও সেইৰূপ *হীন* 🕮 ইবে লকে হ নাই।

সর বার্টর ক্রিয়ার বোষাই বিশ্ববিদ্যা **রেকে সম্পূর্ণ স্বাধীনতা প্রদান** করিয়াছেন **াবং যত শাড়ে ইয়া স্বতঃ ক্রো**ফিস হইণা ঠিতে পারে একপ উপায় প্রবর্তিত কবি **ছেন। ভবে যত দিন ইয়া অ**ক্ষম থঃ কৰে, ভত দিন ইহার বগবিধান ও উন্তি रिधम क्रमा श्रवर्गस्य है इहेर्ड मर्ज अकात्र हि।या श्रमख हरेटव । এই ६६६ लका ছুর রাখিবা যাহ:তে ইহার মান্যয**াছা**র 🎉 ছয়, যাহাতে ইহা জ্ঞানোলভির এক **তে ২০ছ হর্প হই**ঃ দেশীয় সমুদঃর দাকের **চিন্ত আ**ক্ষণ করিকে প*রে*র **ছাতে ইহা** সার্বান রুক্ষ ব্রূপ হট্টা রেফাল সুমধুর কল এনৰ করিতে পারে, চনি স্বীষ রাভকীর ক্ষমতা হারা তৎ <del>জে চে</del> টার কিছুমাত ক্রটি করেন নাই। নি ভত্তা ক্লতবিদা সুৰক দলের এতি ৰূপ হোহও অনুএহ প্ৰদৰ্শন বরিয়া-ৰে এবং যেৰূপ সহ<del>স্ৰয়ুখে ভাষাভি</del>ৰ্ণের শংসাবাদ ক**িয়া থাকেন সেৰূপ দু**ফীন্ত आर्मिनीत कर्जुनकशर्गत किकडे कर-ধোণে হওয়া দায় না। ইহাঁদের বাব ন্তু বিভান্ত উদাসীনবং।

সর বার্টল জুিরাব একানে স্থায় পদ ক্ষেত্রর এচণ করিতেছেন। ভি.ন वं हे विश्वविमालक रहेटक अरु के जि রেপত্র পাইয়াছেন। ততুপীনকে ভারত য় শাসন বিষয়ে ভিনি যে একটি সুম-

হান ভাব প্রকাশ করিয়াছেন ভাহাতে তাঁহার উনার শ্রেক্ক তিব পরিচয় হইছেছে। ছিনি ইংব্লফ'দ'বের ভারতবর্ব অধিকার তগদীশার প্রদন্ত একটা গুরুতর ভারব-লিঃা বর্ণন করিয়াছেন তিনি যেমন বিশ विष्यालहरूक वाधीय ७ अवस कतिहा एक-ওণা গধর্ণমেন্টের মহৎ কংঘা বলিয়া बिटफ्ल कविहाटइन, मिर्बिश्रकांत्रवर्वटक স্বাধীন, সক্ষম ও উন্নত করিলা দেওলা हे-सारश्चत मह**९ कर्जवा वाज्य क**हिहा**रहर**। ' এই কনা ইংলিও জগদীখনের নিকট माती। " ভाরতবর্থী রগণ এ একরে উদার বাকা কদাটিৎ শুনিজে পান। ভাঁছারা ৌতির একান্ত বদীভূত। সর বার্টলের ন্যায় মহাক্সাদিগের নিকট উন্হারী ভির ক্তজাতা ঋণে বন্ধ। কিন্তু আমরা এ প্র-(मरम चारमक हैश्द्रारकत निकास विक्रक् ख्रंब क्षिश दाइश्वाद शहेकाश व्यक्ताम করিয়া ধারি। তাঁহা দিগের মতে ভারভ বর্ব ইংলণ্ডের পদানত থাকিবে, ইংলণ্ডের আপ্রার স্বার্থ সাধন জনা ইহার সর্বশো-ণিত শে,ৰণ করিবাব অধিকার আছে. केश चारा देश्लद्खत्र लाख्याः यमि या द्वि हा उटव देशका अट्यांकन कि ? একপ দীনাশধভা সুসভা ইংরাজদিগের थ चेन अन्। खःकः कत्र सरह ।

यान इंडेक हेरल के यनि छात्रकवर्यक ভাগদীশ্ব দত্ত একটি ভার হিবেচনা ক্রিয়া ইছার:মখল সাধনই একমাত্র লক্ষ্য স্থির রাধেন, তালা হটলে ভারত ব জীলার মহত্ত্ব ও পৌরবের চিরবীর্তি নিদর্শন रहेशा बाकिटन। छोहा हहेटल हेश्न ७ ७ ভ.রতীরদিগের মধ্যে এক্লড বন্ধুত্ব সংস্থা পিত হইবে, পর্ম্পরের ধারা পর্ম্পরের व्यक्तिय कल्यान माधिक इहेटर, এर: ब्राह्म कीय क्षेत्रकात अर्क काम्कर्ग मुक्केस्ट्रह ইভিহ:সের **পত্র উচ্ছাল করিতে থাকিতে** । এই ভারতবর্ষ অভি প্রাচীন, সংস্কৃত ও केर्बत कृति, देश क्थन विव्रकाल शैनाव- ভার থাকিবে না। যে ব্যুবন্ধ ও বিদ कार रहेटक रेहाटक मुख्य कविया केवरि পথে নীত করিবেন, তাঁহার অপ রশো भन देश क्लानकारलहे विष्युष्ठ रहेरव मा

কলিকাত। পুলিবের ১৮৩৫। ৬৬ অঞ্চের বিপোর।

আমরা কৃতজ্ঞানহকারে স্বীকা করিতেছি, বক্ষেশীর প্রব্যেটের নিষ্ কুইতে কলিকাভার পুলিবের ১৮৬৫ তি ৯ অন্দের রিপোর্ট প্রাপ্ত ক্ইরাছি এ বংসর কলিকাতার মধ্যে ৪টি হত अक्षी रठा रठा। अक्षी विषयां वा र জ্ঞান করিয়া চুরি, করেকটি গুরুত আবাত, ৭৪টি সিঁদ ও ২৬৩১টি চুর্নি হয়। **পুলি**ষ যাৰ**ভীয় হ**তগ্ৰুগৰিকে ধুৰ कहिएक शीरत्रन नाहे, अ बना (लश्हेंस **१४र्वत व्यमस्यात व्यक्तान क**तिहास्क्र भूगिर कमिननद आएम कटहन, नद মধ্যে বত্তিরি হয়, তাহার অধিকাং লে মকদ্মহির মা। কারণ ক্তম ব্যক্তির নালীশ করিতে চাছেন না, কিন্তু উপনগ্নে ইহা অপেকা অধিক কণ্ড হয়। কলিকান্ডা: যত দ্ৰৱ অপহাত হয়, তাহায় অধিকাং স यथार्थ अधिकातिनिश्वतक श्रृतः श्रहान कत ष्टेग्राह्। **व** विश्वत्य छेशनशत **अ**रशक ननदत्रत शूनिव व्यक्षिक कार्यायक्षा श्रव র্শন করিয়াছেন। বিশেষতঃ আগিয় আহাজের বাবতীয় সম্পত্তি পুনঃ প্রার हरेश भूमिर विष्णव खामरमात छेलयुश्व रहेशारहन। कनिकालात्र कल लाकर रिठाजार्थ अपर्यंग कता एव, फाहांत्र भा क्या ৮० वन अवर फेलनश्रास भाउ कर ৯১ व्यन म ७ शास्त्रीट्यू । कश्चिमनट्या প্রস্থাবাসুসারে কন্টারলবিধের বেডা इक्ति व्हेशाटम् । शूटकीरियस्त स्वाटक जन्म दिक्त ७ व्यक्ति गतिकाम (क्ष्यू भागात করিজ, বেক্স বুলি অবুদি এ অনি चारमक किया। देख के मार्ग माराज्य थू निव केन्द्रसारक्षक जूनिव चर्नाका त्यांके ववार्य भूतिक बोक्। स्विक्षेत्रीय माह्य मक्यरणंड श्रीनारक क क्यारे नारे।

ध्यात्रशामित्र मह्याप्रमाजा निवि-化黄素

 अस्थित । भूटर्स भागनाटक त्य विश्वय <u>एक्ट्रें इन्दर्भ फक्क्विटियर अन्तर्भारत विश्व</u> ধানাইয়াছিক'ন, সম্প্রতি ভাহাদের কুতকন্দের एमान्टकारमह मध्य रहेदा हेत्रियटहः। क्षथमञः কেলল পুত ভুইলে ভাহায়া অনেক সাহাই ।ক্ষী মানে। সাক্ষিণৰ সক্ষেই ভয় লোক। (জিল**্লে**র আসিটাট মালিটেট সাহেব · ক্ষপ্ৰেক চোবের সাকী <sup>৯</sup> এই সম্বে*ক বয়া* ह्यस्तिरमञ्ज (माफीन्स्वर) थाना स्थान कर्ने ার আদেশ করেম। অংনকংমেক সাফী ভাহাতে ক্ষেত হয়ে আনিষ্ঠা উনহামতি লয়েল সমীলে प्रेक्टम हमाहे यहमारहम दलिया गाया क्षान रत्वम । जारस्य गरहामरत्वत निकारम अञ्जाबाहा 🚓 বংসাপে নিমিয় 🐯 বৰ নিবাদের আদেশ নাইয়াছে। ডি.নি বে কেবন উংগ্রিপয়ের দণ্ড नेत्राहे कास उहिर्जन अभ्रष्ठ नर्ह, ज्ञानं प्रस्त्र ह ও জান খুক্ত করিবাছেন। জনেকে আদ্বাে করি নাহেন, মুর্কা,ডেরা নিজ্ভি পাইয়া পুনরাগত ইলে উহাতের প্রভাব মপেকান্তত কবিকতররূপে বক:শ পাইবে। ভবিষ্ঠে আর উপএব না হয়, এই জন্য আসিত্রান্ট সাহেবের বিলেশ মনোবোগ ৰবান বিবেয়।

২। ৰাইন খাড়া নিবাদী কোন এক আহ্নৰ াকা হটতে গৃহ'ভিষুবে আগিতেছিলেন, প.ৰি ধেধ্য টভীৰাজী নামক স্থানে একটা আহত यां बच्चान ) मृक्त कांब्रिक कांक्यन भूके हरू **৯ড বিক্ষত করেু। উ'বার চলে আ**বর **হই জন** রাজ্যৰ ছিল। ভাছারা দৌ জিয়া আলাবকা কবি গ্রাছিল। **পরে** ভার্রা মুক্তর রাজ্পকে সে'~ हादि कदिया भूट्ड नदेश योद । स्विमाम रमर्रे तांजिएकई केल्पात मृद्धा क्षेत्राहरू । मन्य त्याहर्मी प्र 111 PR

এক ছণ্ডালী উৰক্ষে মানবলীল। সময়ৰ কবি द्वारकः व्यास्क वर्गम, श्राम्कावर উक्तरून আপ্রভারে বিলান। মহাশ্র । কভিগর শীন্ম বাবৰ জামন্ত কেবল আত্মহুদোর বিষয়ণই শুনিয়া আসিটেউছি। কি হালয় বিদীনীকর ঘটনা। a i ৩ i ই দ্বিস গড় ব্**ই**ল, ক চাট্টিয়ার निकारको में भवा महीएक अक्टून मर्बरह कर मर्शक्तम् सानाक नेष्ट्रांको एव । स्नोकात (मुक्ति (र्वापत्र अन्य) दिले को कार्या अन्तरी विकास करें । एक आहे । अन्य विकास क्षेत्रकाल क्षेत्र क्षित्रकाल क्षेत्रकाल क्षेत्रकाल क्षेत्रकाल क्षेत्रकाल क्ष

ण । करवक निम रहेन, काम व भी वा'रम

१ जन मानी विन । माना ग्रम प्रश्नितात करम প্রস্থানপর হয়, কেবল এক জন মাত্র স্বয়নীর কোন নিজ্ঞ হাবে বুকা ইত থাকিয়া নিজ্জি नाष करतः म्ह्याना खादादक व्यक्तिक शहेन

 कालीभाङ्ग, न'हाबाळसभव, क्वाहातिवा বটেরর প্রভূতি স্থানে ব্যাক্তের অভ্যন্ত প্রাচর্ভাষ इरेग़ारह। नश्चव हाम, स्वय, स्वा अकृ.७ নিরী হ করে নৃষ্ঠ,করিভেঙ্গে। সৌভাগ্য এই এশ र्यः अक्षरपात्र श्राम विशास कहिएक भारत नाहे। ভত্তবামক কে'কলণ শাৰ্ষি ভয়ে এককালে ব্যন্তিক্যক্ষণ

৩ : মূল প্রাণম্ব থানার অধীন কোন স্থানের करवक कम मूत्रकाम, जुलिय सहाजुक्रविद्वार विष पादन कवित्रा निकडेवडीं क्लाक्तिशब छेलब ৰত্যত সভাচার করিছে আবদ্ধ করে। শুনি-माम, भरव भूक एरेवा मुजीशस्त्र मर्टकटरेटेन विচারে ছরাচারদিলের প্রভেরকের ৬ মান করিছা 🕏 মন্দির বাদের আনেল হইয়াছে। পাত্তি কিছু 4म **स्हेग्राटक** ।

ণ : স'প্ৰাদক মহাশব্ধ প্ৰাকু ছুই মাস প্ৰ হইতে চলিল এখন শৰ্মান্তৰ বাখালা াত্ৰীয়নুছি ও মাইনর পরীকার কল বা হর হইল না ; পঞা ্বাহরে ভাষার কন্ত পরে প্রবেশিকা পরীক<sup>্</sup> रें है फ स्हेमा फ़लब्सिन नर्ग छ छ बसेन रहा हे≷ला 8 i a के कि कि 5 • i 58 i 5 ৮ देक्ते उ निकंत्र अञ्बद्ध व्यक्षत्र इंदेल २ कर्ड्भक्ति व दिबर्य भरमारवान विभाग मिन्नजिन्ह कर्जन,। ক্ষমথো ছ্রভাগ্য ছাত্ম পিগের ক্ষাউর সম্ভাবনা। ৮। इन्थ्येय । क्रांप्यान इंडिंग (क्यान क्रेग्र) क्रिया। करत्रक मिन् इदेश अथारम हार्क्किंग २०१ ্ব সের টাকার পাওয়া হাইডে : আভি কাল ১৫। ১৩ সের পাতিয়া হুছর। খান্য ২৫ সেগ रहेत्रा देशियास्य। वस्त्रे करहेत्र विवद्ग । कामार जाबी क्रकारमञ्जूषाभक्षा करिएउएव।

 क्लिबाइ मरवासमान्या विविधार्यकः । अधानकाँव स्ट्रेंबड विषद्य तथ आंत्रहा है जाड़ জন বাৰু দ্বীন চন্দ্ৰ দিত্ৰ মহাশয় এইলপ বিপোট करियार्थक । अप छात्रमात्र व्हेट्छ अस्तिन ब्राह्मकाङ्क्ष्म कार्थिक शास्त्र अवन व्य এখানকাৰ দাবৰা চিকিৎসালয়ে ॰ গেছ वे। क প্ৰধেৰ মধ্যে **বার কাৰা আনু**ংর রোগী। এতি स्टारे हरे वा उटकारिक लाक खुताकां छ हरे. ब्राह्म ७ रहेएफ्टम । व्यर्केन श्रकान (हेक्नेत 'बि-

बाए देव द्विक, माक्षांद्रक, नांकक क बाजिक बारक रहका बाइएकट्ट। काहात्र काहात्रक विका इत रहेटच्टाइ किंक, प्राप्ता श्रुटकी क्रिक्स स्वाटको जाभी सञ्जल इर्जन द**र्ज** अवस्त्रत् त्यक्क्ष **क**हे -তহে নাঃ নীহাও যকুং খাৰ কাৰ্য**োখ** উৰ वी, क्ष्यूनी, भूचरशाम व मध्याद तकारिका शकुष्ठि छेन्या व चाँद्रेष्ठा चाहक । खरदत्र नंत्र মু চলতা ও রক্তের তল্পতা নি বস্কম ক্ষমেক উপদর্গ क्**रे**एड (क्या यात्र । ১৮७०वटन क्याटन (य क्रि ভেমিক হইয়াছিল ভাষা রাজপুরুৰ দিগের অবি विक बाहे। ज शास्त्र करवक आव छ वर्ष छैर শর প্রাপ্ত হইরা পিয়াছে। ১৮৯৮ সালের পেথে এখানে এপিডেমির কমিসরর আইসেম, পাঁহা (मृत क्षक्रह्माट्य-अथानकात गमे र शूक्तियो **अ**यस লল পরিক্ত হইয়াছিল। তাহন্য ১৮৩৫ অংক এখানে পীড়ার প্রাছর্ভাব হয় নাই বোধ হয়। क्षिक के मक्रामत भूनहाथिका भूनवात्र व्यर्गाय ১৮ ७७ मारनद्र (मरनस्द्र क्षरम स्त्र। स्त्रे **অ্**রের ব'হত এ ফ্রেব সৌনারুল্য স্নাছে। স্থা *হাতে অধিক লোক শীড়িত হইয়াছিল ইয়াডেও* बहं लाक जाकास स्ट्रेक्ट अस्टन अस्त दक्ष दला कादनत्कः। कक्ष लाटकरा बहिदान অব হওয়াতে মনে করে কুইনাইন সেবন করি লেই বুকি ঐ শ্লপ হয়। কিন্তু আরেব বৈ স্বভারই ইশ্লপ ভাঁহা ভস্থবাৰৰ কৰিয়া দেখে না ৷ বিলেব मा भा नेत्रा काराइक श्रांक स्मावादराण करा উচিম্ন নয়।

क्षां किया था विकास के क्षेत्र भारती है। स्वाह स्व ভাষা ভক্ত ক্ষমৈ হয় মা, প্রভবাব সাম'ন(চিকিৎ সাতে রোগী আরোগ্য লাভ ক্ষে ভঞ্জন मृङ्गात गरेगांच ज्या रहा। सम्रा वाहेटलट कटा প্রভিম্ম মিকেই অ্রের প্রতি হুইডেডে : ৬৩ সা লের এপিড়েমিক কালনার নিকট প্রায় কালনা পর্বাস্ত বিস্কৃত হইয়াছিল, এবংসর উহার পশ্চিয় ९'७ महिल हु: माठशाहिला, महिद्रक्ति, ए. हीका लुंग क्रीमविशा छ त्र'सांत्र क्षण्ड्रिष्ट्र श्रृ'एम विश्वक বল প্ৰকাশ করিভেছে। **অ**বেদ এম্**নি প্ৰভা**ব (व क्षेष्ट्रे मम ख चाक्षाका चान अक्रवादा पूजिए करिया क्षिप्राद्ध। ज्यान तम 🗐 नाई जात्र 🕫 मन উद्ध वाष्ट्र वस्थान इस नाः। फाउन्स वार् प्रदेशियम सिद्राष्ठ थे ज्ञारम अधन करिया ह्यारम লক্ষণ নিৰ্ণয় এবং মৃতকোকের ও রোরা ক্রান্তে সংখ্যা কবিয়া রিপোট করিয়াছেনা তিনি বলেন ১৮৬৩ সালে কালনার যে জ্বর হয়, এখ सकाः ख्राह मध्यक दिक (महेक्स्या के मध्य  हेम्। आफ अवस्ति कहार्के कार्डाव हारा ত:হাতে ভাত ম, প্ৰাৰণত ভগ্ৰাৰ ইই ছে উহা৴ উভয়সুষ হল চেল্ড বর্ণ বর্ণ ছব। । ষ ছিছি'ও হ≀ল ্ব গী হ≀ই. ভাট ডেড 5. F ve (5 3 3 v )\* W (1 v . 2) (3 10) 5 5 7 ৰে সেনকল স্থান ,২১০০ ন হট্যা পীড়াম কি । **८व्र** । शिक्ष रूप (म्हेकल । द्वीष्ट्रीय ० ब्रायमा स्वास्ति अक्षांत्व (सःक व्यास्ति यः) g সাপ্তাহাটের ভারশ শৃথ্য। নাই। ঐ সংগ मद्र (लॉक ७ भू)। -१९।।

वर्गाङ (लाकगरर,) गृष्ठ (वांशीकार

रगा हिया

**ሲ ነ**ተ 8 **ተ ነ**ዓ• মহিবডিসি **19** 5<° রে:হার টীবাপুৰ এনাত সেখ মাহক যে বাজিক এখানকাং শে দাৰ্থাকে ছোনাৰ ছাত্ৰা আহাত কংন্যা , সেসৰে বিচাৰ হইয়া আহার সাজকংগৰ াম হইয়াছে। অনুভ বেওষাও ভাষাৰ উপ ভ হুৰণিচরণ সরকাব উভায়ে একসী দুবাহী কে ক্রম করিয়াছিল, ধুক্ত হইয়া ডেপুসী ন্ধ বিচারে সেবনে সমপিত হয় বিহানের इष्ट ब्रुगन विद्याप स्ट्रिशहर अम् अव्यादन विवस्र। कात्रन अहे ८५शीव लाक व्हेएउ পর শ্রেড রুদ্ধি হইডেছে। কালনার নিকট লপাড়া প্রামে একটা বুবতী নী অভিসাহসিক ণ আত্মহত্যা করিয়াছে। স্ত্রীলোকটীর সন্তান হুওয়াতে ভাহাবস্থানী পুনর্কার বিব'হ করিতে ভ হয়। দে সপ্তীয় ঈর্ব।মেলে দ্ফ ইইবে **विक्रा शिक्षम दाना कीवन ४९** ग करत। हिट**े** া এক্লপ লাগিরাছিল যে তাহার মুখের চিক্ল না। স্ত্রীলোকের এর প সাহস আল দেখা

## বিবিধ সংবাদ।

১০ ই মাঘ সোমবার।

ক্রিকাতার মেডিকাল কালেক্সের অগাপিক দন্ধ কলিস যে চইঞ্চন ছাত্রকৈ এচাব করেঁন. क्षिरशत निकारे कथा क्षार्थमा करियारिकमा ু শুমিবার কয়েব জন ছাত্র অভিশ্য অন্<del>যাহ</del> কেরিয়াছেন। ইহ'া ডাক্তান কলিনকে सम्बद्धक शहरत कहियात कल्लम। करतम। াপক ভাহা জানিতে পাবিয়া জন্য এক হছে । ছাত্ৰগণ ও ইছ'র জন্তুগনন কৰিব'ৰ চেষ্টা। া একজন ছারবান নিবারণ করাতে ভা

হাকে এড,প্রিক প্রহাব করা হইয়াছে। একান্ত करा, स्व क्रमाय । अकारसद महावित्र महावित्र कारमध ्देरक दहिकु ७ कम कर्खना ।

भिन कार्यान्त्रेव व्याद्याचे शवर्वस्य केटल कक পত্ৰ বিধিয়া বাৰভীয় প্ৰধান বিদ্যালয়ৈ, ব্যায়াস हर्रात च्यूनेन क.रवाव च्यूट्राथ कवित्रार्द्धन। গ্রণ্ডেট এট পদ্রখানি শিক্ষাসংক্রান্ত স্বাধ্যেস প্রধান অব্যক্ষেত হল্তে দিয়াভেন। জানরা মন্দ্র মণ্ডে এএ তার করিয়া থাকি।

বোধাইয়ের প্রধানতম বিচারলেয়ের বিচার প उत्रव मक्यान वाहेट्ड कार्य कतिशाहकन এখানকার কয়েকজন বিচারপতি মুক্তালে এক वाद शिश्लांश्रद्धन किन्त राश्चा कि छेत्रां न सन ক্ৰিলেন ভাষা কেছ্ই জানিতে পারিলেন না

कृश्मिटक अनुस्तरहरूमत क्षत्रिक्षात स्वानः सार খনন প্রণালী অবলয়ন ক্যা সকলের্মত। ভারত ব্যায় ও ইংলভীয় উভয় গ্ৰথমেন্টই এডাল্ড मार्ट्स काङ <del>क</del>्तियाय सामम क्यियाः इनः (हेडे নেক্রেটাবি একামের মান; এক পুথক বিভাগ ক/েয়া কর্ণেল ঐেচিকে ভারার কবিবেন।

শ-মবার জুরি রাজি ৭ ষ্টিকার সময়ে ৫ কলি কাজাৰ ভ কান্তেৰ টেলবকে দোষী বলেন ৷ কিন্ত क्यांत सन्य क्ष्मुरवांत क्यांत्र कारश्चरम् करिन পৰিভাষেৰ সহিত ভিন্নমাস মিয়াদ কইয়াছে। ক্বণ'য়ের জুরি ভাঁহাকে যে ঋণরাধে দোৰী रामन चार्करशास्त्रहे (स्नत्रम स्वित्रहे शक्त (पम माहे। य ज्ञार्थिय विकास क्य, खाहारख ছয়মাস মাত্র উৰ্জ্বংখ্য মেল্লান (হয়। এপ্রকার দোষীব ওরু**তর দক্তের প্রস্নোজন** ।

निफेक्शिश क्रेट जरवान चातित्राहरू, তথায় যুদ্ধ চলিতেছে: আদিয়বাসিগৰ এক মুতন ঘূৰ্য করাতে উপনিধেশীর বৈন্যগণ ভাষা আক্রমণ করিয়'ছে :

সম্প্রতি ইংল্ডের **অন্তর্গন্ত** বাহুণগুলিতে একধনি উভিয়া যাওয়াতে প্রায় ৫০০ সঞ্জুর হত হইর্গছে। এজন্য ১০০০ শিশু নিরাপ্তার इट्यांटक । ताकी इंशामिटशय शाह'वार्थ मिटक বিজয় টাকা দিয়া সাধারণকৈ সাহাব্য কথিছে क्रमुर्वाध कविद्योद्यम ।

কলিকাডা জাহান জলমগ ইওয়াতে করেক क्षत्र निन्ध । विश्वा निहाआप्त इंदेग्नारहन । देही जिल्लाद अभर के मि। **स्टेरफर**का

১ - हे बाध यनगरातः।

ইভিয়ান ভেলিমিউস বলেন বেসকল খুঞ্চি-भाग शुरुवारिक (साम कर्ममार्थ असम कतिरवम, श्रीवा | ब्राट्यम ।

THE RESERVE AND PERSONS ASSESSED TO PERSONS ASSESSED TO PERSONS ASSESSED. विशटक मानिक अणि त्रेक्ट e. डीका (म**ल**म्रा महेरवा ध्वे क्षकारत दिन्द्र करत्रमित्रा फाइनाङ्गात र्व देश प्रकार अपन्दर शाचात्री मिनाटक अदर भूगनशान करप्रतिः। यो त्रानिग**रक भाই**रक **भारत** । আমরা পাধবিসের এই অভিরিক্ত পুরস্কারের প্রতিবাদ করিভেদ্ধি।

লাড`মেপিয়<sup>ু</sup> মা<mark>জাজে</mark>য় স্বাস্থ্য রক্ষার কমি--ननः वेलिन नारश्यक्र महिष्क च वजीव सम्ब নগরের এতদেশীয় বিভাগ দর্শন করিয়া সে সমুদায়ের ই মন্ডিব চেষ্টা পাইতেছেন।

परवान, विवदारक अञ्चासक क्षेत्र । श्री श्रीत অধিকাংশ কর্মচারী আল্লাচ্যের। নিয়মিত পেলাবে 🔭 হার মাথেপ্র হইতে পারে। কিন্তু এতে অপুরি नीय व.स स्ट्रेटफर्ड, रव जाद्रख्यवीस अवर्गस्य हे ভিনিবাৰণাৰ হস্তাৰ্থৰ করিতে পারেন ষ্টেটসেক্তে টারির নিকটে এই প্রার্থনা কবিয়াছেন।

अर्थेत् मां छाटि १,१४ के२ ৮०० हे। का स्रोह ষ্ট্রে স্থিক মইয়াছে। প্রস্থাবংগর অলেকা ৩১৮ २४०० अधिक (मधा वाहेट छट्ड)

পর্বলিক ওপি,নিয়নের একজন পরপ্রেরক বলেন বোধা-ার হাজা রুশীয়লিকের মিডুটে পরাজেও হইয়া এক কালে সাহস্থীন হইয়াছেন। ख्यारक भवर्शक्षक इहेब्रा क्षांका क्रुवाबकरम भना বুন কংনে। তত্ত্ত ৩৫০০০ কর্মচারি প্রস্তৃতি क्ष्मीयमिर्वद शक्त व्यवस्था करवस । होका সর্বাদ প্রজাদিগের নিকটে তাপন জীখন বিপত্র (वाथ करनम अहे समा बनम मजिएम वाम एएस ২০০ অস্ত্রধারী লোক ভাঁচার চতুর্দ্ধিকে থাকে। कावुरलब मर्वाम बहै. मध्यक्ति कावहल बहुमन चौ। এক উপড;কায় আমীর্নিয়ারমালিব হৈ ১৫০০ ট্যন্তে আক্রমণ করিয়া পরাক্তিত করিয়াছেন**া** আকর্ত্ত খা ইহাতে অভিনয় উল্লাসিত হই-ब्राट्डन ।

কলিকাতা ভাহান পুনর্কার ভাগিরাছে। ভলায় এক শুঝল লাগিয়া একটি সামান্য ছিত্ৰ হটয়াছিল। আয়োহিগৰ ভীত না হটলে কাহারও প্রাণ মন্ত হইত না।

(बाबाई अवर्रमन्त्रे करव्यकी व - हाकाव हाज রতি ক্ষিত্রাছেন। যে সকল দরির ইউলো नीय युदक श्रादिनका नहीका मिर्दन, दीश्रांत গতে উচ্চতর জেবীতে পাঠ করিবার সমর্থ করি बाब कमा देश स्टेग्नाए ।

সম্প্রতি পিয়মিয়ৰ জ্ঞাকেপ করেন, কর্ণ- त्यांके क कर्षका विश्व कि कि का कारण करने व প্রতি যথোচিত স্থান প্রদর্শন করেন নাই। ইমি পণ্ডিত সাজবংশীয়, কিন্তু বেলজিয়নের বৰ্তমান বাজা ধৰ্ম আগিয়াছিলেন তখন চতু क्षिक ब्हेटल खाँराज शक्ति जन्मांस खार्मिक स्प्रा পিয়ুমিয়ারের আছেণ, অসুত্তক ভাব जालका लाभरनं अवनं कतिराहरूम । कविका ५ ভার গ্রণীয় ভেমরুল ভাছাকে নিজ বাসীতে विवि ख्रिमाइ माम बड़ इंडिज़िनिय बीनाक नेट्डिक कहिया जानेश्वानास स्टेट्ड फाइव बीत मीटन ৮१६० डेको चाहित कहिया जात्न इन्हर्मेमनाइ जनावन कहियादह। ७ इ व विक्रास्थ वान थानाएड बाखिएडेडे स्काल नोटस्य कहानी इनकटक पञ्ज मिथिया खोरमाकहित्क जार्था-व विवाद कस्ट्रांथ कहियाद्यम ।

রেলুন গেছেট বলেন প্রসলনের রাজা বাব র নৌহও কয়লার খনি ইজারা নিবার বিজ্ঞা ন নিয়াছেন। কিন্তু ডিনি এই কথা বলেন হো হটলে এসকল প্রব্য বস্তানীবন্ধ করিবেন। আন্দেশে অন্যালিও সম্পূর্ণ শাস্তি স্থালিত র নাই। পাড়িও মিওরার বিলোহী সৈন্য ন অন্যালিও দৌরাত্য করিডেকেন। সাজা নিও বিটিশ গ্রহণেটের নিকটে অধিক্তর হোলা পাইয়াছেন তথাপি স্তন সন্ধি করিছে স্থাত হ্ম নাই।

ব্রিও শস। উত্তর জ্ঞান্তাছে, তথাপি চাউবের ন্য বেরুপ হওয়া উচিত, তাহা হইতেছে বা। স্পার্থ প্রভৃতি স্থানে পূর্ণের ন্যায় হর্ণমূল্য হিয়াছে। ক্লিকাডায় কয়েক দিবস স্থা ইয়াছিল কিন্তু পুম্মাধ যুগার্থি হইয়াছে।

গ্ৰহণ্য ট হাস্ত্ৰদ্বাবাদের রেসিডেন্ট সবজার্জ উলকে বলিয়াছেন বেরারে যাহাতে পিঠ জুড়ি । চড়ক পাক খাওয়া বন্ধ হয় সেই চেটা হরম। রাজ্য ইলারা নেওয়ার প্রণালীও উটিয়া 'ইবে।

### ১১ ই মাঘ ৰুধবার।

গৰ বৈকী বসংকলীয় পোষ্টমাইও জেনরলকে ক্লেছে, বিনাঞ্চপুর, রজপুর ও জ সাম দর্শনার্থ মনকরিবার জাক্রা বিরাহেন। ডিনি এড়েক হেন কিয়ন্দিবর বাস করিয়া ডাকের প্রকালী ও ক কি মন্ট জাছে, ভাষা জ্বগত হইরা প্রকীকা-মই চেই। পাইবেন। জাবাদের ডাক প্রকালীর হলোধন জাবশংক।

. हु १ है जिद्रमध्य कविन्तमत प्रत्योद्धात व्यवी - ११८४ मा ।

দাবনিগকে আছোন করিয়া রূপন্য অবধি দেব-পাড়া পর্যান্ত এক থাল কবিয়া ভৈরত নদের প্রোভ পরিবর্ত করিবার প্রভাব করেন। ইহ'লে কবিকার্য্যের বিদেব স্থাবিশার সভাবনা থাকাতে অধীদাবেরা ভাষতে সমত হবরা যথেই টাকা দিয়াদেন। গবংনে ই ভাষানিগকে ধন্যান করিয়া প্রশিক্তয়ার্ক বিভাগকে খাল খননেব বংরের অপ্রমান ক্রিবার আজ্ঞা দিয়াছেন।

গ্রথবিত্তর ইন্ডিগংখ্যা অল হওয়াতে
চট্ট রাম্যে বন সমূহে এক বেলা করিবার জন।
এক জন কর্মচারী প্রেরিড ইইয়াছেন। চট্টরামের জনলে অনেক হতী আছে। গ্রথমেটের
হন্তী এড আল ইইয়াছে যে বিভার ব্যক্তি মূলামন
হইটেড ১০০ ইন্ডী ক্রম্ম করিয়া আন: ইউয়াছে।
মধ্যভারতবর্ষে সম্মতি ৪৭ টা হন্তী ধরা হয়।
তথার ক্রমলং ইন্ডিসংখ্যা কম হন্তয়াতে বিনা
করিবে ইন্ডি বধ নিবিশ্ব করিবার প্রভাব হইন
রাছে।

व्यावता श्रः विक इहेनाम, क्षुक्र (भावेषाकिन वाणित इक्किंक काणिता निवादक। भवनिक उदार्क (मद्भाविक वर्षण कियादक। भवनिक उदार्क (मद्भाविक वर्षण कियादक अक्कादन का कियादक वर्षण कियादक अक्कादन वर्षण कियादक (का अक्काव्य कियादक वर्षण कियादक का अक्काव्य कियादक वर्षण निवादक का किया भवादक कियादक वर्षण निवादक वर्षण कियादक वर्षण क्यादक व्यादक वर्षण क्यादक वर्षण क्यादक व्यादक वर्षण क्यादक व्यादक वर्षण क्यादक व्यादक वर्षण क्यादक व्यादक व

কলিকভার মাতৃপিতৃহীন লিশু আলয়ে

সর্বপ্রেম ২০৫ টি শিশু আছে। ইহার মধ্যে ১৬৫

টির লাঁচ বংসর অবধি ধল বংসর পর্যান্ত বয়স ।

গত ডিসেবর মাসে সমুগার আলরের জন্য ৩০৯টি

টাকা ব্যব্রুম । গত লনিবার এক সভা হইয়া

মিস এ, পি, নীলুকে মাসিক ২০০ টাকা বেডনে
আলয়ের অবিহারী নিযুক্ত করা হইয়াছে। মিস
নীল ভথার মাত্রি দিন থাকিবেন। ভাত্তর টনিয়ব
ও পেইন শিশুদিশের আহারের বলোবত্ত করিবার ভার পাইয়াছেন । ভ্রুমাব্যারিনী সভা
মানস কৈরিরাছেন ১০ বংসর বলাবত্ত করিবার ভার পাইয়াছেন ১০ বংসর বলাবত্ত করি

হইবে অথকা অন্য কোন প্রকারে ভার্নিগতে

নিযুক্তা করা হইবে। আলাততঃ অন্তান্ত চুই জন

সভ্যের মত্না সইয়া মুক্তা শিশুকে এহল করা

হইবে না।

### ১২ ই মাথ রুছস্প:উবার।

हेशीनमान अवन कतियादान मुनिनावाद श्राहित्वी मासिटकेंग्ने नारहरवत्र विकरण उ श्राहित्वीत करी इहेग्नारम्, जिनि कर्युक अने हे विभिन्नित कथा स्वतन कतिया ज्ञानक सन्दिन करवन। भवनीय हे हेश्नात अञ्चलकान कतिर्थ (स्म।

উক্ত পত্র বলেন বসদেশীয় হ্যেছাপক সভ বাং ব্যর্থের যে বৃত্তাক্ত গাবর্থের স্বত্ত লে দ্বের নকট প্রেরণ করিবছেন ভাছাতে লে মান্ট গাবর্থরে ছভিক্তের বিষয়ের হতত্তা নার্ ভবে কি ।রপোটক'রের অম ২ ভাছা হইছে গাবর্থমেট ভাহশাই ভাহাব প্রতিখাদ করিছেন

গত কলা বলদেশীর সাহাজিক বিজ্ঞান সভার প্রথম অধিবেশন হইয়া কার্যকোরী সভা সভা দিগতে মনে নীত করা হইয়াছে। সিটা কার সাহেব সভাপতি । বাবু রমানাথ ঠাবু সকাবী সভাপতি এবং ছাই সন অবৈতনি সক্ষাক নিয়ক্ত হইয়াছেন। ১৫ জন সভা এ সক্ষার থাকিবেন। বাবু রমানাথ ইঠাকুর হথা বলিয়াছেন আপাত্তঃ ইউবোপীয় সভা বভা বিজ্ঞানিক বাবেন ততাই ভাল । সামাজ্ঞিক বিজ্ঞানাথিয়ের পাক্ষে জ্বতন বিষয়। ইহার জন্তুত্ব বিষয়। ইহার জন্তুত্ব বিষয়। ইহার জন্তুত্ব বিষয়। ইহার জন্তুত্ব বিষয়। বিজ্ঞানাথিয়ের পাক্ষে জ্বতন বিষয়। ইহার জন্তুত্ব বিষয়। বিজ্ঞানাথিয়ের পাক্ষিক পানা বিজ্ঞানীয় নিয়ের পাক্ষিক পানা বিজ্ঞানীয় বিজ্ঞানা বিষয়ের পাক্ষিক পানা বিষয়ের পাক্ষিক পাক্ষিক পানা বিষয়ের পাক্ষিক পা

উৎকলের জল দেচনকারী কোম্পনির ১১ বে খাল হইয়াছে। সম্রতি জীহানা কেন্দ্রা পাব র খাল খুলিয়াছেন। ইহাতে ৩০,০০০ এক ভূমিতে জল্ দেচন হইবে। ছডিক্ষের সময়ে এ কোম্পানি জনেক কাল করিয়াছেন। এবং ই দিলের কার্যের উৎসাহ দিলে ভবিষ্যতে ছর্তি হইবে না।

১৮৬২ অনেব ২৪,৬২৫ আইন অসুগারে প্র নভম বিচারালয়ের বিচারপতি হইবার প্র অস্ততঃ তিন বংসব জেলার লাজের কার্য্য ক আবলাক। সম্প্রতি হলদেশীর গব-দেও ভার বর্ণীয় গবর্গমে উকে জিজাগা করেন বিভাগ কমিদনর ভত্তর ক্ষমতা পালন করিলে ভারা প্রধানতম বিচাবালয়ে আনস্থম করা বায় না > গবর্গর জেনরল বলিয়াছেন ম্থার্থ জনে কাজ না করিলে এই উন্নত্ত পদ হইতে পাল না, এবং ষ্টেটসেন্টেলীরি ইবার অসুমোল করিয়াছেন। বকলাও সাহেবকে চির্বাল চাব কমিদনরের কাজ করিতে হইল। ভারার জন এই প্রবা উত্থালিত হয়।

টাইমস অব ইতিয়া খলেন সর বাটল বি য়ার সংবাদ পাইস্থাছেন ১৩ ই ফেফ্রেয়াবি পথ ফিটজারলড সাহেব খোধাইয়ে কাসিধেন। ५७ हे वहर भुक्तवाद :

व्यक्ता ब्रोक्षभुद्वत वश्रीवरत्त्रत्रम् । वर्णनका विष्णामाप्तम भारत हो येक विस्तृत में असे करेंने । कारे प्रदेति विद्यालयहै ज्यानी जुरुष मि स्मिति भारत बर्द्ध क्षांभिक करें। स्ट्रांक क्षेत्र क्षेत्र करें। स्ट्रांक कामिरुडर्ड क्षतिभ'लुड़ ब्हेर्ड क्षांग वरतव বংসদ বার্থগুর ছাত্রণাড়া পরীকা দিয়া বিশালবদীৰ সামাতীত উচ্ছি লাভ কইয়াকে বিদ্যালয় ঘ্যাৰ সম্পাদ ৮ জী চুক পেইন সাংহৰ **प**क्षकि क्रेटिश की। शांत,खाँगक क्रोहिंगश*नर्*का অনেক্সলি নাছেব ও বি.বি উপন্তিত ইইয়া*ছ*-লেন, ভাছাণা বালকৰ'লিকাগণেৰ উন্নতি দেখিলা সংখ্যাৰ প্ৰক'শ কৰিবাছেল। বসামি ৰাদী উন্মুক্ত বাবু কালীকুঞ্চ ঘোষ এক দিবত के लिका वर्षत्र विरूपन शरीचन अकन करिया हि-বেন, তিনিও এই উপসক্ষে ভারাদিগকে স্থপাব कृत व मामंदिन (चलमा श्रुपकात विश्वपदान:

कलिकाक। विश्वविद्यालस्य अ वश्यम दि. अस. श्रीकाय १५ कश्मद मस्सर २२ कम किलोर्स स्टेशः ভেম। ওমানে প্রথম জোনাতে ও**জ**ন এবং विजीय (अने एवं ১৯ अन। अन अन, भरीकात , ২ জানের মধ্যে ৯ জন উত্তীর্গ ইয়াছেন

এড দিন কলিকাড়া ও ডংগ্ৰিটিড উপন্যাহ গকলেই জুরা খেলার দও বিভিত ছিল, গড ১৯ এ আছুয়াবি ব্যবস্থাপক সভায় অনবেবল बान् नि हेरण्यात अष्टारत अहे काहेन रकाहमीत লেণ্টনত প্ৰথমেতের অধীনত সৰ্গত্তল চলিত 🕽 ≰ইডে পাহিৰে।

১৪ ই মাদ শনিবাৰ

हैश्किन्यान अभिवादक्त. द्वायादक्त अवर्वत দাত বেশিয়া কেব্ৰব্যতি মানে কলিকাভার আগ্রমন করিবেন ।

हुर्क्षिक कमिनमर्गशं रकक्षत्रानि मारनत २ वर क्रीविनिष्ठे ब्लास्ड अधिरवयन क्यिया हे व्हार्टक **চতপুর্দ্ধ** দেক্ষেটারি চাপমান সাহেশ প্রভৃতির क्षामक्षी महेरकः।

মিশ্বলিখিত মূলে গ্ৰ-মেটেৰ কাগন বিএইড

a केरिकाल गिका (有) '• ফোং \$P•" (帝代 25 . No --- 27 . Ho. .

॰ सर्वम পूत्राव ७ सोस्थ्य। ় ( ভদ্ৰবে।বিনী ু) कृतिकारम् अप्र काञ्च वर्ष विक्रमान्त्रिक स्टन्।

उरम्मायह :वय-यूनक। कि इ वो ६ वर्ष (वरमान ংশের সম্পূর্ণ বিপরীত। এই নিমিত্ত ভারতব-थीं न आरथ, द्वा देशात्क अप्ति कर्दशत प्रतिष्ठ प्रभीम मिला । করিভেন : বে'ছেবাও জাপনাদিগের ধর্মাই সায় ধর্ম বিবেচনা কবিয়া তৎকাল প্রচলিত বেশেক मृत्या (वृद्धम् श्रममान कविन्छ । अहे कावरन व्योक উত্তীৰ হইদেন্তে আত অলকান মধ্যে বালিকা লিখেব সভিত বেলোক প্ৰাৰ্থনী দিয়েৰ যোৱ-ভব বিবাদ হয়। ঐ সময় উভয় পক্ষই আপনাদি পাং মত সম্বন কৃতিবার নিমিত্ত বছণ এড় धहाव करनम । बाहोरङ अहे धर्मान हसास প্রসারে প্রসারে প্রাপ্ত হওয়া যার, ভারা দর্শন শাপ্ত। দর্শনশাদের পর কছকগুলি পুরাণ প্রস্তুত रुद्योक्ति। अभिवा मिरे नमक शूत्र'त्नः स्टब्ड গ্ৰেশ পুরাণ পাঠ করিয়া দেখিলাম যে, এছ কন্ধা এছের প্রতিপাদ্য বিষয়ের সহিত বৌধা-শ্বকে জন্নুসুত করিয়া দিয়াছেন । একবে अहे निवश्ती भूग्ला हे क्रमप्रश्रम क नाम्बान विविद्य গ্ৰেম প্ৰাৰের উপ'ৰ্যান জ্বাস বিশ্বে উক্ত করিলাম।

> ग्राट्स शुरान क्षेत्रिम शुराद्यत **वस**र्गक नट । इंडा अकथा न फिल्यूबार । अहे शुद्रान इंडे কাতে বিভান্ত। ইহার উত্তর কাথেই গণেশেয়-উপাসনা প্রবর্তিত করা হটরাছে। এই পুরাণে: গণপতি বেমান্ত প্রতিপাদিত ব্রন্ধের মায় বর্ণিত हर्देशास्त्र । वैहार्ट्य काम च्राम श्राम थ कान স্থলে প্ৰতিমুৰ্ত্তি নিৰ্মাণ প্ৰভৃত্তি কান্ধনিক পুঞ্চ। পদ্ধ ত ছাণ ভাঁহার উপাসনা বিকিত ব্রয়াহে। . श्रे श्रीति श्रीतिक प्रश्निक प्रश्निक विश्वासी ।

केथिक इवेब्राटक । श्रयमम विमर्करण्टन ६ व वाका ভীদেব পৌত্র। এইরপ বর্ণিত আছে যে, এই খাজা পুত্রের অভাবে বংশরকা হইল না দেখিয়া भण्याद्य विश्वरिक अकान शुक्तक **भारती। अश्वा**म नर्गम । ७८ 'च दर्शन विश्व' मेर्ड्ड महिल औहत भाकार इस ध्वर छा<sub>र</sub> े आहमशाञ्चन एवं स्वय क्षत्राम अर्बर्भय कार्त्रायमा करवम । भन्न (स्वटाय अत्राप्त महत्याच क्रीरमध सन्दान मारम এক পুত্র উৎপর হয়। এফনা ঐ পুত্র মৃগরায় গমন পুরিক মৃগোর কল্পান্থকাৰে গভাষা পথ বিস্ফুত হইয়া এক মহর্ষির পর্যশাস্থা উপনীত रम। अधि-पड़ी राशत बर्ग माहित स्टेश ভাঁচাৰ নিকট আপনায় কোন অসং অভিস্থি প্রকাশ করেন , কি র রাজসুমার ভাষাতে সম্মত मा इंडग्राण किनि राहादक करिकाल समिन सक्षारमञ्ज्ञ त्यन भारत भूतीक के सहित वर्ग मा करेग्राहितान, वर्ष जिल्ला स्वान परस

या शकात मन्य अम-ममास व्यक्तिकार क्षियाहिल दूर्वित देल देव हमा करे स्थादनी हेला हरे-एक्ट गुप्तकावत छेरणि इत। किन्न **का**रगरक करहत य भीकलमङ क्रमांकरे केंग्रेड कर

> क्षरमा प्रथमसम्बद्धाः । स्थानः व्यक्ताः नटक शमन करहें के प्रशास व्यवहां के कार्यका 🕏 হাকে আর্জ বলিয়া বিলক্ষণ অব্যান্ত্রা করি য়াছিলেন। ডিনি ভাকাণগণ কঠুক এই স্লগ अभयाभिक रहेशा लाहानिरशत संस्मर्श सरिकांच পুর্বাক কএকটি মুনির সহিতে নির্বার পর্যাত্মার इत्य भटनटनात्र बहान बाजुनात्र काला छित्राक कति ভেন। এই রূপে কিচুকাল আড্রান্ত হইলে গলেশ ত্রীবার হাতি প্রসন্ত্র এবং বাঁহার প্রাধ্যাসু मात्त्र छै। इंट्र मुक्त ताकार्यत्र मह्या शांगास्, अक्षाक्षांन स धुकार यम श्रामान करतम ।

এक शिन प्रश्नमम शुक्तक दरन धान कतिएक विलय, केळ: बनटव यहक्ताकरम त्वक छेथीनन ক্রিয়া তেখিলেন বে একটি বালক ভাঁছাব নি क्टो ब्यांसम्बन्ध कतिस्ट ह्या । शहा साहे बालक की 'হার নিকট উপস্থিত হইয়া কাহাকে অভিবাদন প্ৰৰ্মক কৰিল, ভংগোধন ৷ দেবখা আমাকে জাপ নাতু নিকট সমর্পণ ক ইলেন, একৰে আপনি व्यामात प्रकृष रुष्टिम । शुरुमयाम बामरवर्त्न এই বাকো সক্ষত ব্রহা জাঁথাকে প্রতিনিধিকে প্রতিপালন করত গংলোপাসনার নিষিত্ত ধ্য নের শিক্ষা দিয়া ছলেন। ঐ বালকও গুরুপদিষ্ঠ शास्त्र मध्यानिद्यम शूर्मक कब्रकान मध्य ग्रह्म খাকে প্রসন্ন করিয়া ভাষার নিকট ক্রিভূবন প্রা क्रक्रफ्रविशेष्ठ यत्र धार्वश क्रद्रतः भटनम छ हात्र रेष्ट्राञ्चल यह प्र'वान करिया करियादिस्तन, वरण নিবের অস্ত্র ব,তিয়েকে আর কিছতেই ভোম,ত मुद्रा स्टेर्ड मा। जामात वत्र शकारव (कामात भोर, बर्केड ७ छूव बार फिनछि भुती १२८५ अवर दुनि स्टारक भक्ष्माचात्र भीन रहेका काहेएक।

अहे राजकार्क जिल्हा छन्। अहे प्रकृत यन ------ देखा ७ समामा ল'ডে ৩,১১ হেছুবে;ক প্রাভূত করিয়াছিল। ধেবতার। তাংগর ভারে হিমানজের এক গছারে পং.'ংনি कहित्राविक्षम । क्रांसकत के इत् व क्षूर्य प्रकाहि नशक दिस्स करिया समारमान क विकृतमाक আধিকার ক্রিয়াছিল। পরিবেধে কৈলায় পর্য (ख'ग्रहाक्टरक जिनके शस्त्र कतिया खाँकाने नक्ति अरा देशं अधिकात काता। अहे अवंतरहं वेहिंदे कतियाहित्सन । अक्षा (वनतास हेम्स कीमकमद्र मार्ग कवित अवति अवति विक्र नेत्रम कि

श्राप्त सम्बद्ध करिया और अन समृद्ध नाक कतिकारक, कार्यक्रक श्रीमहा वृति व्याप्त विश्वित देशानमा अक्षांकी चंदनवन कर. ए हा स्ट्रॅस ग्रद्भम रकामाहिद्यत क्रियंत क्षामम क्रियंत । कारकार रहवार्य के कामध्या कविनन मात्ररहर करें बोरक मध्यक स्टेश शाम शत कविनत शत्बनाक अक्षेत्र कतिहाकित्वत् । अत्वम १ जीवा দিগের ছর্মনা স্থ্র করিবার নিমিত্ত প্রতিক্রত रहेता अक ठाष्मार्वत त्वर्ष जिल्रहरूपहरू विकरी नमम शुर्मिक करियाहिएनन, प्राप्तत त्रावा। कृषि **ব্যি অনুমতি কয়, ভাষা হইলে 'আ**নি ভোমার নিষিত্ত কৌছ, মুক্ত ও ক্লুবৰ্ণময় ডিন পুরী প্রস্তুত্ত করিয়া নিই। পবে ভি নি ত্রিপুত খবের জাংদশ अपूर्व के जिन शूरी श्राप्त करित करूर अपूर्व হট্যা ভাঁচাকে পুরস্তার প্রদানের উচ্ছা করিয়া क्रिन। फ्रथ्म शर्म्य करियाहितनः, रेकनारम যে চিন্তামণি নামক গণেবের প্রক্রিমূর্ত্তি জ্ঞাচে, ভাহ'ই আমার এই পরিশ্রমের প্রকৃত পুরস্কার : মতএৰ তুমি আসাকে জাহাই জ্বান্ত্ৰন ক্ষিয়া (न्छ। फ वेन **प्यश्नाचेत्र महोतादवर विक**र्ष अहे বলিকা এক হ'ত গঠিটিয়াছিল যে, যদি ভূষি খে ক্ষাক্রে আমাকে ছিন্তামণি প্রদান করু, ভালই, **ৰভ্ৰা আৰি ৰম পূৰ্বক ভাগ লইছা ভাসিব**ঃ वराष्ट्रच और राज्य क्रावा । क्रुनिक स्टेड्स के क्रुन রর সহিত বোরতন এখে প্রস্তু হন 🕴 পরিলেখে তিনি ভাহার বল বিজ্ঞাপরাজ্ভ হইয়া ছিবা নয়েৰ ভাষা মধ্যে পলায়ুন কারেন 🕫 ভাবন জিলু ে এর সার্লাতে হপিত হইয়া চিন্তানবির দশির্ ভগ্ন করিয়া ঐ দেকভাকে উড়োলন পূর্দাক আন ান করিরা ছিল। এদিকে নারদ মহাদেবকে মস্লুব্ৰের নিকট পুরাম্বস্ত ও বংপরোনান্তি ক্ষুত্র क्षित्रा छोड़ात जिसके भेमम शूर्धक छ।हाटके छन्न নাভার্থ পরেশ্বের উপাননা করিতে উপদেশ वन। महोद्रवरक गद्रमुख्यत्र व्यक्तिवा कवित्रा াহাকে অধন ক্ষুহেন। পরে ভিনি পুনবার नयशरनब गरिक विशिष्ट हर्देश के जल्दरत्त्र देश संस्

बर्गुद्धस्य कुछम छैनानमा सनाजी अवस्था स्हेशाहरू। নিয়া বাস বন্ধ প্রভুতি কান্ধনিক অনুনান স্কল্ क्षित्र कतिकादिन । अ**दे शू**राटुनडु इत्युद्धिरण

व्यवशास्त्र केत्रितिक व्हेश्वास्त्र विभूत्राक्ष्य नम् किया त्वीत वर्ण श्वाहकार्यय शहर्म अहे दश দার দেববাধ ও ক্ষমিনিসকে পরাজ্য করত যঞ ष्ट्रं भून्। रक्ता, क्यांनव, धार्त्विकविराज का आह जान किस किस क किश्नेत्र करता छातात करत् यांश, यश क वर्षकेशक भृषिकी वहेटक किट्टा হিত হইরা যার এবং বেনের আলোচন। রহিত হয়। আমরা ধর্বন মহাবংশে আশেক রাজার জীবন চরিত পাঠ ক্রি, প্রবন্ধেবিতে পাই বে তিনি বখন বেলোক ধর্ম পরিভাগ পূর্কক বৌদ্ধ ধৰ্মের আজার এহৰ ক্ষেম, তথ্য তাঁহা কইতে এই ক্ল' কতক ওলি অক্যাচার নংঘটিত হইরা हिन। छर्डहार वीरक्षेत्री त्य स्राप्त श्लीकृतिक দিগেব ক্রিয়া **কলাপ উচ্ছিত্র করে. অফুর ফুত** এই কাৰ্বেয়ে সহিত ভাষার বিলক্ষণ সাল্ধ্য जारह। देश बाता अहे सण श्रांतिका हुई-क्टिंड व स्थानमा काम्यारकाटन विशिक्त स्टी পরিভাগ পূর্কক বুজের অর্থাপর হইরাছিলেন. এবং বেদের মধ্যে পর্যন্ত বে সমস্ত দেবভার चिक्ति न त्राची करतम, केंक्ट्रिकेटगढ़ शक्ति काह केशित किए माज फकि हिन मा। कार्न जिलू-রাম্বর জাঁহারই শিব্য / ত্রিপুরাম্বর দেবতানিগের প্রতি বে রূপ অভ্যানার ভূরে, তাহা জাহারই भिक्तिक नरमञ्जाहे।

क्रबंका मिर्लित कुरमरनं यात्र दक्क अ क्रिक्'-विरात छि गाम (बरहाक धर्म सेनामनात छै९क्ट झनानी वनिहा क्षपित कारह । किन्त গুৎসবদ'ও ত্রিপুরাস্কর খ্যানই প্রকৃত উপাসনা বলিয়া ভাহার **অচ্**ঠান করিডেন। যখন গুংস্থর মগধ দেশে মুমিগৰ কর্তৃক অপনানিও হইয়া. ভীছারিদের সংখ্য পরিভাগে পূর্কক এক নিভুত্ত शांत् बान कतिहाहिदनन, छथन जिनि शांन वातारे गाविभारक स्थापन करत्व अक्ट जिल्लास्त्र ও তাঁহার শিষ্য হইয়া উপাসনার ঐ রূপ প্রবালী व्यवेनह्रम करत्र । टेहनिक छेशांशमात्र आर्थमा धरांन ছিল। বেদ অনুস্থান ক্রিলে ভারার প্রচুর निवर्णम था छ एउम्रा यात्र । हेरात शुर्त कार्यस विष पूर्व अन्य इन। जिल्लाक्ष्म वालकात अवी विष्ट्रवाज अविक क्षित नः। क्षिताह नमा नामक नमक्षित्। शहर कीहात नहिल पुत्र केश कहिला कहिला वाहा ग्रामक छ जिल्ला-मध्याम करह । अहिर्दास रम महाप्रदेवर कुल क्षाहत और दिश्तिमा श्रामी स्वकाता विवृद्दे त्म करमबत्र महिलाकं कहिता महिला महिला की मानिएकन मा, महिल किया की महिलाक देशह 'वित्रज कार्यमान कार्टरम, अवश्रादेश 'किंक' निरमत क्षे क्षेत्रामारम् सभक हत्म त्योकपत्त्रात् सर्वार्कक कविमावित्समः। हेश यात्रा क्षण के भारतिक केन्द्राई अर्थिक इरेड़ाटक। क्षीक वर्षी कारतित विषय गांसूर्व केटलब कता

> (केरक्ड) मिनीनिक मुक्त व नेवा बारक infortion and the same contraction of the same contrac

মুজির ভাব লোকের মনে উবিত হর নাই। 'मार्कास्टर देवन्त्रिक क्रथहे मांबाइत्नत शार्वनीय हिना कर प्रशासाक कर से हसामाक গ্ৰন করিয়া নাদাঞ্জকার ক্রম ক্রেল করিবে, मिनगर्भत निक्रे अहे समृहे स्विमा कविष्ट। क्षि जिनुद्रमय महार्थरत्व हत्थ क्षांनकान कड़िया अरका नीन श्हेबा (तन, कहे दांवा, बाहा বৌশ্বনতে মুক্তিব যে আভাস দেওরা হইরাছে, ভার্তার আর কোন সন্দেহ নাই।

इरनबरम्त्र क्षीशुक्षांनि किष्ट्रदे दिन या । जिनि वे बानकिटिक में उक भूज ऋण अधिक कि विश्व हिल्लन। देशं दिवास नगानी मिर्मन अक्की ष्टि । (वीच महामीता विवासमि कि**ष्ट्रे क**रतम না এবং একটা দত্তক পুত্ৰ প্ৰতিবেহ ক্রিয়া ভাষাকে বধর্মে দীকিত কবিয়া থাকেব।

এই শমস্ত দেখিয়া বোধ চুইভেচে যে, প্রস্থার কৌশলে বৌদ্ধ ধর্মের মন্ত এবং উর্ল্ডি ও প্ৰনতি ব্ৰণীত গ্ৰন্থে ব্ৰতি বিষ্ট ক্ষিয়া-द्भा, अवर (वानत शक्कांत्र श्**रमधन (व** देवविक शर्मात रकतमुक रहेता तीक शर्मात जाला वाहन করেব, ভাষাও বিধাদণ প্রতিপন্ন করিয়া जिन्नाट्ड्स । ४

( প্রতাকর )

শহাকিষ ও ছর্জিদ : व अमीबहरक अमानाम । वक्टमम अकटन इक्षिंदकत राज रहेटल छैक्ष'त रहेब्राट्स । छाव-তবৰ্ব এখন সেবাজসভার করতেলে, সেই সমদৰ্শী রাজ সভা এপেশের বিপদ মোচনে कोब्रम्टम यत्र कटरम, किन्न कोश्रमिटशह दाना कार्षः इट्टेंत, डीशक्टिशव अपनकश्वनि विमाहत्त्वत महात्र जित्र केवर श्रमाच महाशावदात्र महाश পঞ্জীর। কলিকাভার নমকলঙলি বেশন গুরু जबि मातिहर जदरभट कांत्रिया क्यूना विकीन করে, কড়কগুলি ব্লক্তক্ষ্মারী তেমনি কার্য कूमन ममकन चन्नभ ! (व नकन भावित्रक्रक ছর্জিকের সময় কলক্ষেত্রত তত্ত্বারণার ও সাধ্যমত সাহ'ল্ড ল'ল ক্রিছাতেল, আনরা জাঁহাদিলের নিকট অক্তজ হইতে ইচ্ছা করি না, ভাঁহারা व्यवसारि माथात्रराज्य समावान काळन महस्य माहि । মান্ত্ৰৰ ৰীডন পাত্ৰৰ ছঙাগ্যক্ৰৰে পেই সম-কালে শীজিত ভিলেন, হই দও ক্লির হইয়া কলি : ( ১: য়ও থাকিতে পারেন নাই, উড়িখ্য এড়ত মকবলেও বাইবার দক্তি ভিল নাঃ

মেদিনীপুবের মাজিটেট হাগেল সাহে **८१ व्यवकारम काश्रतिक स्थवाद्यत**ः संका **এक चानि रेशनिक विवत्न अकाशिक व्हेहा**(प्र किनि प्रक्रिका हाम कार्य माहास्थ्र है, होती সরাই দীতুন, গগনেখর, স্থনারায়ণ, ও . **ব্যিক্তি প্রস্তৃতি স্থানদর্শন করিয়াছিলেন।** দর্শন ও আহব কুড়াড়া টোমনিখন লিপিবঙ করিঃ कामियाद्वन । वाणक्रवश्यकृत श्रीवन देव रण्यक्रि **। अर्था** करतम, काँहात कराकात सुन। सर्था >००० (काटकत बुट्टः प्रेग्नेट्रकः माञ्चलकाः)-পেকা অধিক। ভাৰতা ছখান ক্ল আমে: ১२६ क्षेत्र (कोटकब्र भट्डा ०० काटमब्र अकुर +हेर्या-ছে। এক এক বাদীর কংগ্রেরও আনব महिबाब **क**राहारह को शक्तां के ब्रहारक । न ब মারায়ণ প্রামের ২১ খানি বাটীব দখ্যে ও পার্টি **वांतिएक अवकी श्व** लांक नांहे ! कवहाउनेर क्षत्रिष्ट्र अहे अक्न घटेना बहेत्र(इ. ७०% फरिवानी मरच । ब इड्डवारम (मान शानकाः) कत्रिप्राटक ! ब्राटम क नाटक छनिया मोथिवास्त. क्रमीशासुरा काम छेलकात करहम मार्थ, जिन स्म श्रमान संबीतात क्वल ६० डाका कहिता होशा विद्या जिल्हिक हिट्सन। अरू कर्न स्क्रिक माहित्सन, किन दौरान चात्री माथ प्रमास्कि। काञ्चक रुख्यात्त्र तम छेनात् अ तक रुहेग्रा याय । ্ৰেন্ত্ৰ্বিপ্তন্ত অনুনক উপকাৰ ক বয়াছেন। স্থ নীয় ক্ষাত্রী দিবারর নিভান্ত অনুদায় ক্লিনা, कि किशाबा बरमन, कार । १६ मिन १८ से वॉन क्षित्र अधिकाद श्रामाधी कराउन, छाउ সাধার ও অভ্যান্ত জনি ও লে'কের প্রাণ-ক্রিক জনিবার এই ও

भावतामञ्ज रिक्ट व्यवमधिक एव मार्ग अहे यां किएके हार्जन अर्फ दिन एक बाह्य दिएन ह यमन्द्रकार अस्य भाग वर्षा का अन्य अस्य अस्य ন্যার অমন্ত সিঞ্চন প্রস্থিক আচাত্তা, কি কোন ব **केशाब क्यांट्र ८ ८६९ शास्त्रीतम्ब (ब्रा**विकार) ভাবে म्लडे (वात इहा, किम दिश्यकारण अ क्रिय ७ कार्य,८%८अ पर्यम (क्रम मार्ड ) द्वास्त्रकार निधिया अ फाइज किस (डेविश डार्जिपिट द्राणिका दिश्यास । स्थान्या उर्धायक क्षेत्रक्री अक छन शाक्तान्त, भावकह अक सन दिशिन शारनद्र शक गर ३४ (डाइम्स्या) काम क्षेत्रहर আসিন মা। একটা স্থলাউপকারে জাসিতেছে जिल लिल्हारहरू, " लिएका चार कहे मा इमनी एमन १६५:७६। ७ कन्य १३८० मसूद्राह-(रांत्र । क प्रुर्थ ? अध्योदिकम् अर्तवाच इहेन्राह्य, अहे महात व स्थाता प्रश्नम ७ इंख, खाकामिर्मन ছাত্রক চিন্নকাল। ভাষাণিখের কিছুতেই দে-(स.९.५८मत मञ्चः वना म<sup>1</sup>हे, ८म भट्टक मर्न्सम् कृष्टिः বাখা শালিকুক্তনগের কুঠবা । এই ছুভিনে य ७ (मारकत्र अल; इत्रेडारह, फाहा मिर्गय मर्थ বুজ, বালক ও ছ এই আনিক। ভাষণা বোধ করি অনামা ওলের ১ কিমেরা ও ধার্টেল সাজেকের ন্যায় পৌৰমানেৰ বাহ্য ৰোভা দেখিয়া मास बहुता थाएक वर्ग, एक क्यामान-सहस्रकत ঘটাবালী ও নাই। তৈত্রের পর শক্ষে:র ভি:গুরি ও वाकारवत्र भूमः धरे ऋण शक्तिरव कि मा, करब এই বেলা ভা**হার চিমা কবা** জাবশ্যক।

# প্রেরিত । মান্তর জীযুক সোমপ্রকাশ সম্পাদ্ক মহাশর সমীপেয়ু।

গড়বেভাত্ত কেৰিয়ালয়।

श्वामय अव वर वर्ष व्यक्ति होन अवह श्वामय श्वामय श्वाम अहे विन्न जन्म श्वामय प्रकृषित हो शिष्ट होंगे होंगे वर्ण वर्ण वर्ष होंगे यरिक श्वाक्ति अपन श्वामय अहिंद होंगे होंगे श्वाक्ति होंगे श्वाक्ति श्वाक्ति श्वाक्ति श्वाक्ति श्वाक्ति श्वाक्ति श्वाक्ति श्वामय श्वाम

व्यक्तिता काष्ट्रभटना सहस्कृतिकार्यन्त्रक कार्यन्त्रक जिनि विरक्तशी रम। साम्र । स्टब्स कालिएसस्य एक मा रहा यथा है कथा, 'अंदेवन क्र ज़िंह) प्रवास पूर्व कि इस्टबन क्या दिक ११ फाल जा स्ट्रिंग व्यक्ति का नाम श्राद्धार्थ । संद्रोक विकास इर्ट्यह नकांत्र वृति नटक्य नावेश आवश आकार्य क इरक्त मना केनिएक प्रदेशित । शूर्र है বিশৃথলৈ প্ৰতিকুল ৰ'ছু মধ্যে মধ্যে, উদিছ হুই अरे क्रम इक्कीर्ट काटका के ठ अपूर्वत के निष्ठ कतिएक एक्ट्री कि.का.क्य. अमर्ग त याहि अञ्चल्य रहेश यक यक नेप्राचन वाता है। যদ পুলোর বিষয় স্থান্ত উত্তোলন পুর্মক হ मन्द्रजन क्षेत्र श्रीमाना प्रतीकतन काउटक का स्रकाटकः शूट्यं त्र मम छ वान स्मछनी कान লোক স্বাভিয়েকে স্বজন ভিনিষ্টেরও চুর্যা বীর শ্রামণ, হইয়া পশুৰৎকালাভিপাত করি अकटन ७ 'इ.स.हे छुलिकि छ रहेशा' छुनिक सा পরিচয় প্রকাম করিয়া মানব নামের পৌধ্য রুখ करिदेखरहा स्म बाह्य रुखेल, जालामक प्रशंति সত্থতি आभवानी । विसम्बद्धानी करवकी छ ज्ञान हेर् त केश्कित विषद्ध ए अकाल महन लाम समान कविद्वादहर, कति विद्यात पृत्रसाति इन, काम स्ट्रीम खड़िब'र वह किंडामस्बि ( -धक्षी अधानकम् विकालम् महार शहर कहर डिस्टिड काह महस्त माठे। विकल महानद्धारा भू कीरभक्ता व्यास्कळह मामानिरका महकार পাঠনা কাৰ্য্য সম্পাদন ক্ষিতেছেন, ছাত্ৰসংখ্ শৃতাবিক ইইয়াছে ৷ একলৈ ভিন লম শিক্ষা वैद्वित रक्षान व प्राम कवाम स्ट्रिकट । ध्वय भरतानसङ्गी रजनुष्ठी महिलाकि श्रीवृत्र बाबू (इम क्क्के केंद्र किए अर्थ ( विनि किङ्क निराद क्षत কঠক ক্রিকারের পরিবর্ত্তিক ক্রয়াহেরন ) আভূত্য विका विकास मामारमान श्री प्रकार विकासिक यामकगन्दक वयानियाम हर्दाकी विका जिला नान कतिहरू हुन्ता अहे करें बंदिन मिक्स स्था किस्त বিষয়াশয় ছাত্রী কির তিশার পরিবাহন বির্যাহনিদ-

विश्वास विश्वकान क्यांट्स स्वतीहा व्यवक्रिय कराम विश्वविद्या गरितकात सके व्यवक्रिय क्यांट्र स्वरण क्षेत्रकार स्वतिहास स्वतिहास स्वतिहास

श्रामं कविद्या (मधिनेश्वास समय कविताहित, पण प्रतिक विताह त्य कार्यामध्या प्रदेश क्रिकेशन्त्रका प्राप्त नामक अवस्थितिक के परमायक क्षेत्र वाणिक इतिक रेग्यो पश्चित अविद्या विता त्याम (मधिने नाम विभागी वित्ताहरू समापन कवियोगनेत्र मधिनक क्षेत्री विद्याहरू कार्य क्षेत्रपत्र करिया थके जिन्द्र विवादिकार जान अवाना जान गाना व निकास केर्ज़ के का खारा नकर नहे जा र क्षित्वरहेत, भारतात सम्बद्ध महत्त्व दक्ष अञ्चल महाद्वारिक अंग्रहारक जामना यनायाच राम अविद्रष्ठकि ।

खेंगमरहांत्रकाट्रिय निरंत्रणम (व क्यांत्रि ३६ हे তে এই বিষয়েকতীৰ জীতৃতি করিতে নিরাছি-য। পাঠনা কার্বেরে প্রভূত্বা দর্শন করিয়া ৰ পৰিক্ৰোক্ত করিয়ারি ৷ অন্য বিদালয়ে ব্যুদ্ধ ৫০ জন বালক উপস্থিত ছিল, জিজানা व्य अंदेशक रहेनाम ८९ भट्किशिनटक अटसक র পড়িতে আইসে নাই। হারগণের প্রশীলভা বিদ্যোৎসাহিতাৰ কথা কি কছিব, শুনিয়া रकुछ रहेगांव (व गफ एकिएक वहिन्नगटन्ड প্রধান্ত্রিনী ক্ষান্ত্র সম্পাদক সহাশস্থ এই বিদ্যা स्टर्क वर्णक्षणभटक होणात क्रमः **क्रम्ट**ताप ध्र हेराज्ञ नकटन अञ्चानत्र्वन स्टेब्रा २० घाटा াম করিরাছে। পাঠকংগ শুনিরা থাকিবেন '' মেনিমীপুর জেলার মধ্যে অনেকগুলি বিদ্যা সংস্থাপিত আছে এবং ডক্রছনে অনেকা-व्हानक व्यवस्थान कहिरक्राह्म, किन्न **भक्र**न-। সুলের ছাত্রগণ বেষন জ্পীল ও শাস ত আরু কোখারও নাই 🗀 ভাহা হইভেই र्वेड्सा क्क्रन ।

> আপনার একাস্ত বস্তুর্বন : सम्दर्भका जितारी 🖺 রা, মা,

निवद अधुक रनामधकां में नेपालिक बहानब मयीरभयू।

ज्ञित् शिट्यमसमिवर---**दहे कृतिहा, (वनगणिया, वानिंद्रगोए।,** া; নিয়ুলিয়া নামক পঞ্ পনী কুলটিড ৰানি অন্তান এক ক্ৰোৰ দীৰ্ঘ,, স্বনশিক এক न अम्बद्ध अवः कृतिहात पूर्वितिरात्र मापिय विश्वा वह कृतीम गक्त न । पूर्वत अवादन विकास साकिरण में मन्त्राद कवित, रक्षमा विर्देश देश विकासित संबंधा केनाव स्त्र। नरका इत्यह सम्भात समामा । जनारम क्षेत्री मरकाम प्रामुक्त कर हर है, जिस्स केलिहे त्याका के कामकेराकां के स्कार एक क एकप्रीय अवस्थातिक त्यारेकी वास करा

क्षेत्रा रहेक्का गर्दक । क्ष्यंत्र अभिद्रशास्त्रात् छेला गिकिम **बारक अन्त्री वाक्षात्क शुकूदेश-निव्**ति-দ্বার একটা বানপাতা পচা বতে, দ্বনাত্ একট্ नांगणा गर्ड क्यंकिं सम् चारक, ख्याताई याम भागाविकारम, क्या क्रांचाधिक ब्रुवार्खनी, क्षण्यार त्रकृतन्त्र अस्य महीत्त्रत् वा कावत्र वत्रः महा है मिन्नेश्रीप्रत बरेनक भवन बहुत प्रमु- निर्दे १५ फाइन्डिएक व्यवनिवृत करत, किन्न अवादन कविका सम्मानन जारात अधिक वर् कान मदम । मिट्टेब्ल्क क्रूनकान स्टेट्ड कर हरता चविष्टे कविक महिसारने सर्गारकाच्या देवेटकरह माजवन क्यारक विकासनेत मेंग्रेस की व्यारमें त्य कि मना वर्षेट्य काविया किय केंद्रिएक शाहिएक र्भा । अभिन्न प्रमिश्रद्धम् मूच-एक्स्मिन्स्य, कारक्ष्य, कथा प्रतिशा चर्ड था प्रति वैकास । बीशाय कुछविश स्ट्रेश खेडिटेसेन केंद्रिको अस अस ग्राम कर्म गारेश आव सामाज्ञा अव्यक्त स्वार स्व कृतिक्षा रमहमन् अस्तिकात क्षेत्रक श्रेषु अस्तिकः क्रमा प्राप्त क क्री एक अर्थि क्रेक्शनक्रमा अर्था जनर पप्रता निवानी शोक्टर्शयुत्री अक्षायक्षण्यक मटका काशास्त्रक वेशास्त्र महत्राहवाकी ब्रह्मक व्यक्तिस्क्राह ना । किन्नु विम गुर्ह्म हुदेकसानम् साम्मार्डिशास्त्रत क्लिन नवाभीम् बाक्कि जमनार्थ जानस्य जिल्ला अरे वाटमा बेक्सियां नगात् बहेता राज्य र काल'त नियान कान रूप देशसिंद्धन प्रकाशनेत्रनाका **कृतिज्ञा (गरमनः प्रारंदन्य कक्षा कर्यक**्रिक् कि क्रिक यथम ( मात्रीकटप्रस किकिक् मदत ) मान्त्रिनुद्रस मध्यम गांद्रमा मेर-क्षुकृदिनी कुटब्राब्र, दहादा शुद्राक बन कर्डन बाबरन है। क्षा क्षेत्रिक्ष अर्थ अर्थाह बाही **रहेरान्य जनस काञ्चिमान (वक्षादेश काळकः अक्षा**क কাল কলাশত স্থবৈ, বিশ্বস্থ সহাশয় ু ल्टिं क्षि किहर इरेड्राफेटिन मा । ভাষাৰ পরেও এক বাব েএখানখার তেওঁট माज्ञिटके क्षेत्रक मासुक्रविद्याहका शाम बद्दावन क्षेत्र विषद्यत्र वश्यव्हातं विविद्ध अंशाद्यः चोलिङ्धा-क्टितन, किन देन काटन के किन्द्री करेंग मा। बटम क जेबानकात व्यक्तित्म क्षाटकर जबन हीन, आहारुक मानिहार के बाबदेश महाबाजी अवल বাড্যা ও ছবিন্ধ ধারা নিডাত অবদর হায়া वाली अनीम हिक्दिनक, कि भने दर्शक, कि श्रीहराक शिक्षाक। अहे ज्ञाना विश्वक कि क्वरे प्रवा नाती, कि समाभन्न किनुबर मध्यून किन किन्न किन्न की, कि स्वीदार्यन, कि के ब्रॉक्स के कि इ अवारत श्रुक्तीक नक्त किनार मन्त्रूर्व विश्व विश्व कि कामाविश्वा वहात (इल्बी वानु व रहेशा श्राहिकारकः। कामामाक्ष्मित सत्ताः विक्रि रेक्टन, क्रिकिर क्रमाश्री कविरमस् चारण्य SALES APPLEADING

なす!

मानवर अपूक्त द्वाबकारी वन्तारक म्बर्गाम् नयोदनी<u>य</u> ।

'चार ७ । ३. विक्रम <u>अर्थेश प्रा</u>जन (क्रेमेस) स्वेटक र हरे गारेन शुक्ष शिक्षितहोत् अने केंग्रे कार्या স্বাস্থ্যের বাসীতে একটি বুরুর অংকাইজী হইছা निपाटक । कार्कार्यकार्य कार्य ५०% (लाक कार्य विश्वरतस्य मध्य भारत्यः व्यक्तिस्याः प्राप्तिद्यः वेन ক্তিত বছ। 🏋 🚉 🔭 :

adras alatini mais anace for wan ver attel went with fary column. वीरनाक नद्रमाञ्च निर्माह्म करते, रहा का का है छ मन एरवाबीटक ७ मनायम केतिएक किविता प्रम बाबि बाह्य में करेक के बहीरेंग्र आवाक करते है नामका करत्वकी वस्त्र केला महासंबद्ध विकित्ताः महत्व व्यक्तिमानि, योग्निट्य क्ष्मेक हेरोहर व्यक्तिहरू हैं जिल्लाहें जर्मन स्थान ५०,००० विकेश सामा है। का महेंग्री निवादक । किश्व 'संश्वानी व विद्याद अर्थ । प्रक्रिय रामात्र ठाका क्रिमं, रहेत्र मा ना बर्बा एक्ट्रे गक्षिक ३०.००० वस सामात्री होत्रम् सहस्रा सिर्द्धाः बारका श्रदपामी किंदू त्यात्र ना क्रवाहक क ভাৰাইখনণ ভাষাকে আখাত করিয়াছে ইংট্রেই বোৰ বয় ভাষাৰ কোন পঞ্লার উদ্ব'র মধ্যে জিয়া, নত্ৰী ভাকাইডগৰ কুৰল মাত্ৰ লোভগুৰুকু रहेवारे यात्र अवस्थ अवस्थात्र . स्टार्शक्टमत्र केट्स्ट्र व्यक्ति वर्षि देवक वारवाक वा सामाहेल करव एक फारांके कार्यके वारि मानंत्र के किया है श्रीनिय क्षांक्रक्रांशन वंगतरम वादेश एकदन मार्ज मान्द्र ৩ জবাৰ বাইরা জাসিয়াক্তেন জি কচেন-মদা ৰাস্ত্ৰ না চুটু হালের বর্তনাম পুলিষ কর্মচাবিপ্লন व श्राप्त क्षेत्र हैंशिए वार स्व मा व उ।कारेड जन पुष्ठ स्ट्रेटच । यांका राष्ट्र शन्तर्भः आकार्यय ।

ज्ञानमञ्ज २৮ अ (गीरवह तोग्यकारन " विविध नश्योग " कनाम्बर अंक स्रोट्स निश्चिष्ठ चाटक (व क्राञ्चनशक चाटन वृक्ष कात्र) व्हेशहरू बेलिया जनाफेंग्रेन बाह्काव ब्हेब्राह्ह । किश्र আয়ৈণিলের নিউনিসিপাল ভারাগ্রের হত ত্রবিপরীত। এখানকার ভারাদের-মত বৃক্ষাদি कारितारे जात साम शरेरा. किश्व काम सम्बूर्न বিপরীত। পুর্বের আবের মানের অর্থেক গোলে ব্যরাধের সৰ্গ্ন অতীত হইয়াছে, ভাবিরা আমরা निक्षित स्रेकाम, किछ इकारि काहा वाखवाटक अस्तात वरमतरे व्यव हरेशा श्राटक । अक्टब जात বিশ্বপিত গৰন্থ নাই।

म्बेदाय ।

২ বা মাৰ : , व्यापनिक साम

ऽ**२१७ मध्य**ाः

# মান্ত্র স্থিত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহালয় সমীপের।

( শুক্ষ পক্ষি ক্ষ্যেল আপু ছঃখ প্রকাশ ) হে **ঠাকু আ**ৰ্ শিক্ষরবাসি কাথ পাৰি ' ন্ডশিরে কি ভাবন। কবিছ একাকী ? পুর্কের সেক্সথ কিংক ক্ষণয়ে ভোমার কাশ্বডেছে, উনিত ধ্ইয়া, তিক্লীবার ? মুহল প্ৰন বিহে কহিতেকে কাণে, **লয়ে যেতে** বসমের প্রয়োগ উদ্যানে স সাৰিছে ড্যাল শাধা তাহে কি বসিতে ১ क्रुशाव महाभ क्या अक्षण केऽटक ? পদ্পেছে কি মনে দারাস্থত পরিবাব। ক্ষাই ক্লাট নয়নেতে বহে নীর ধাব ? अङ्गारित होक्रपूर्या कति वदमय, রও কুখ সঞ্চো া করিতে অনুক্রণ। বেয়াড়ে খারীন ভাবে শাখার শাখার, স্থাসাইতে বনস্থা লগিত ভাবার। क्कू संत्रभीत क्कू छिमीत मीत्र, ু স্কুকার ভোষার প্রাণ করিত ছড়ির। ক্ষিতে ক্তেই খেলা প্রেরণীর দলে, कार्य कार्य पूर्व सूर्व नगरन नगरन : ्डिडिक (सार्यद छेश्टन क्ष्यंत्रभनीतः , 'প্লাইডে হে কডরণে প্রশংসা ,বিনির। ্ডণনের ভাগে শাহ সভাপিত হয়ে. ক্রিক শান্তির দেবা ডক্তর আগ্রায়ে, বৰ্দ্যি শাৰে ছুবি ডাকে গুনাইতে দীউ, क्यादिक जाउ मध्य व्यवस्था श्री 🕸 🔻 ংস ক্ষমিতে প্রতি ক্ষমি ব্যমিত বধয়ু ৷ क्टेफ (में कानदमस्य जम्फ वर्षन, স্বাহয় জোমার অব্যি শ্ভাননে,-विनाहेक क्ष्मा त्म स्परप्रदे मत्नः मिनाकार्य वस्त्रती अनाक रहेगां, স্থানিক্ষেত্র ভব শীক্ষ মনোনিবেশিয়া 🖡 विश्वीत प्रदाद कर्न कतिया जलन, করিছেহে ক্তমত হ্রপ আগানন। বিশাসে উবার ছুবা, আনলে দেখিতে, ্মিলিড**্ড-ছনন্ম হয়ে ললিড** গাইডে**৭** এচনুৰ পূৰ্ব্বেৰ ক্লখ স্বপন্নে ভোষার, ঞ্জান করিছে কিছে যান্তনা অপার। 🛊 🕞 কি আশাদারা স্তুতের খিলনে। विकिट र श्रमहाय छव निर्धानत्त ? ্ৰানীয়ার শিক্ষয়ে আহ, গোনার বাইডে ক্ষুদ্রে গামীয় তব, খাদ্য চারি ভিডে, ক্ষুত্ৰ ভাহে পূৰ কিছু আছে কি ভোষার ? कृ बारे किंद्र गार्ड करने व राह।

বেঁ খেছে তোমার পদ দাসমু শৃথিল, হুবা বাদ হুবাড্য খৰ্ণাত্তে জন, বাহির হটতে নাব শিশ্ব মুইডে, ৰতেহে নিব্নত ভোষা বন্ধনে ক'দিতে। সভাবে এছাৰ যদি হয়েৰে ভোষায়, তবে ড নিশ্চয় ভুমি ৰাশ্বৰ আময়িণ) এখন ভামার ছঃখ ভোমার বঞ্জির, (१ ने!वि । विद्रात हुई ज्ञान क्येक्टि । লয়েছ হে ডুমি বেই ছঃবের অবীন, -व्यमिएछिक् कामिक मि इ र्थ हिम रिम्। অধীনতা নিগড়েতে বে'থেছে চরণ⇒ ভোষাৰ দতন করি পিঞ্চরে রোদন। ' क्विर्म्मरम्य ज्ञाला मरमर्ख 'स्मानम বাহ্য দুৰ্দের লোকে বলে ক্লখী এই জন। অন্তর অনধে কেছ দৃক্তি নাহি রাখে, ল্পানে সেই যথ সম বঢ়ি কেই খাকে। বুজিবা জীবনরবি ছঃৰ কাবাগারে, ব্দস্তমিত হবে, সম করি অক্কারে। ( भद्रकार गरा राम ) मा व्यक्ति फर्चन, প'ইডে কিরপ শাব্ধি করিব গমন ৷ বিশ্বাধিপত্তির করি নিয়ম লঙ্গন > কৰিয়াছি কড পাপ স্বায়িষ কৰন, তপন কিব্ৰুপ মন হবে ভয়ক্ষ্য, ভাবিয়া দেখিলে হয় হণর কান্ডর। ক্তকালে ৰখন যু টবে আমানের; করিতে কি চিন্তা, পাবি ! পারু সেকালের } বোধ হয় পায় না, কারণ এই ভার, পাখিহে আমার মড অবস্থা জোমার। यारुमा अवात छोष्ट्र इंग्वं जात नहि, দীননাথ : তবপদে এই জিকা চাই, বদ্যপি আবার ভবে হয় জনমিতে, দাসত্ব শৃথক বেন না হয় পরিচে। कमा हिन्द्र ।

### मृत्रा थावि ।

» » ছব্যমাৰ সর্কাপ ভবানীপুর : ১ ·

৯ গলেশবাৰ চৌধুরী ইহাপুর

# নোমগ্ৰাপ্সংক্তি ক্ৰেক্টা, বিশেষ নিৱম।

অন্তিম মূল্য ও তাক মাস্ত্রকারা পাইলে মধ-ঘলে সোমপ্রকশি প্রেরণ করা বাস্থ না।

देशत खंखिन चूना क्षिति ३० अवर काना-निक देश के कि , बक्चरन फाक्षमाञ्चन नरमक वार्षिक ३०, वान्यानिक १ अवर देशवानिक ६६०, दिन संरात छारन खंखिर चूना न छहा यात्र ना । क्षि, बदाफ किंडि, बनिक्का न, त्मके, ६० क्षेण्य किंकि, देशत क्षमाञ्चन वाशरक शक्त छादिया क्ष्त्र, खिनि रन्दे खेगान बाना चूना स्थापन किंदि रन्न, खिनि रन्दे खेगान बाना चूना स्थापन किंदि

ব হোরা স্তান্পটাকিট পঠিটেবেন, তা-হার। বেন এক অধ্যা আধ আনার অধিক মূল্যের ও রদীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বখন বিনি মক্তন ক্ইডে সোমপ্রকাশের মূল্য পাঠাইবেন, ভাষা ধেন দেক্সিস্টরি করিয়া জীবুজ বারকানার বিদ্যাসুষ্ঠের নামে পাঠাইরা ধেন।

বাহানিদের মূল্য দিবার সমগ্র শতীত কইয়া আসিবে, এক যাস পুর্বের তাহানিগকে চিটি নিখিয়া আনাম বাইবে, কাল অভীত ইইয়া কেন্দেও একবার চিটি লেখা হইবে, ভারার পত এক মাসকাল একীকা করিয়া কাগ্যন বন্ধ করা বাইবে। লেখ বারের পত্র বেয়ারিও পাঠান কইবে।

র্যাতনা রেলওয়ের সোনাগুর টেসনের তাক ববে চিটি আইনে আমরা শীম পাইব।

्रहोशंत्रा बाङ्ग्य वा विद्या शक्कामि त्थात्रन कति त्यत्, बाशंकित्यत्र त्रारम् शक्कामि व्यवन कता बाहेद्व वा ।

কেছ সোৰপ্ৰকাল বিকাশন হিছে ইক।
করিলে জাহাকে প্ৰকাশ সিমনার প্রতিশতীক ৮০
আহা ভাষার পর /১০ সানা হিছে ইউবে।
বিনি অধিকাশন বিকাশন বিরাধ ইক। করিবেন
ভাষার স্থিত সভার মালাবার স্থাবেন

ক্ষেত্ৰত পত্ৰ কৰিকাকার নীক্ষম পূৰ্ণ কৰিব। ক্ষেত্ৰতে কোনালুৱ প্ৰেইনেই কৰিব চালতি। নিজাৰ জিন্তু বাৱকানাথ বিদ্যাভূবনের ক্ষিত্ৰ কৰি গোক্ষাত্ৰ প্ৰাক্তবালে প্ৰকাশিক

# (मार्थकार्य)

১ ম ভাগ ঃ

५२ मर्बरा

# " प्रवर्त्ततां प्रकृतिविनाय पार्थिवः सरस्ति। श्रृतिमद्दती न दीवतां

शांतिक पूना ३ होका, व्यक्तिय वार्विक ১० টাকা অধিম বাণ্যাসিক লা টাকা।

সম ১২৭৩। ২৩ এ সাম। ১৮৬৭। ৪ ঠা কেব্ৰেয়ারি । ইনকলে , ক্লাক্ৰসময়ের অপ্রিম বার্থিক ১৩

# বিজ্ঞাপন।

নীডি পাঠ প্ৰথম ভাগ ও বৰ্ডম'ন বৃদ্ধান্দ साधक काक्तियन शर्भ अप बग्न मूर्तिक इहेग्री अपना **ভाषाञ्च औरशःविष्ण्यत्यः (घारवद ३३ मः भूख** কান্যায়ে বিক্রার্য স্থাপিত আছে। প্রথম খানির भूमा 🎤 जाना, विजीत : व्याना नाज :

क्रियालवहम्म वस्त्र 🕻

চপ্ৰবিদাস নাটক। औद्भागम व्यापनाकी श्रेपीय ।

এই অভিনব এছ প্রকাশিত হইয়া কলিকাণ্ডা ত্রান্সমারে ও সংক্ত সুস্তকালয়ে ও পট্টাডা ছার সমস্ত পুস্তকালয়ে বিক্রয়ার্থ আছে 1 神信 6

**बिवृत्यः** वाषकवन विकासकात श्रेमीख ''প্ৰস্থৃতিবাৰ ৯ নামে একখানি অভিধান সংপ্ৰতি मूजिष रहेवा मरमृष बद्रानस्वर नुष्ठकोनस्य ও শাখাবিটোলা মাধনভয়ালার <del>জীবুক ঠাতুরহাস মাষ্টারের স্থান বিকেরার্থ এ-</del> স্তুক্ত আছে। ইহাতে প্রায় প্রভোক শব্দের বুং-REMILE !

মূল্য ৫ পাঁচ টাকামাক্র '

#### মিদৰ্শন পত্ৰ রেফিছনি সম্পৰ্কীয় বিজ্ঞাপনপত্র।

স্থাৰর সম্পতিতে বহাপুসম্বানের কার্য্য क्रिविशा क्यूनोकिक्षास्य नकत (तेकिक्षेति कोर्या कांत्रकट्टक अर्डे कारमण कहा त्मल, त्मान वास्ति (ब्रक्षिकेटि कतिबाद समा मिन्यमण्ड डेनिक्ड संस्थित ताई वल्लक्टित विवास देखिशूर्ता य गड मिकिके विकाद स्थि जीश्रत सार्वनाक नश्वाप দিছে সামে কৰে উপস্থিত নির্দান পরের

লেখাযায়, উক্ত কাৰ্যকোৰক ভাষাতে ঐ সংবাদও দিখিবেন। ভাষা লিখিবার কোন বর্চ। ना गिर्द मा। किस श्रास्त्रीय इन्तास मिकिन মতে আনিবার তবা অধ্যেশের প্রার্থনা চইলে ্সেই অবেধনের খরচ বিভে ছইবে।

এই প্রকার কার্ব্য হুইলে কোন পত্র রেজি ষ্ঠবি হইবার কমা উপস্থিত করা গেলে ভবিবধের পূর্বা রেজিষ্ঠনি বিষয়ক সংবাদ আনা ঘাইবে, प्रख्या देशां काविकारन व्यापक विनय क াসম্পেষ্ নিবারণ ষ্ট্রে। এই কার্তে এডিবিয়ে। সর্বসাধারণের সহস্বাদ্ধিতার প্রার্থনা হইতেছে

অভিনিধি রেজিষ্টাকু-কামরল।

কিসমত পরপ্রে বৈদপুর ওগধুরহ মহাল ৪কক রারিআনির **সম্ভর্মত** পরগনে মড়েরবুগানা যাহা *(सन्। एरनाइरत्र ब्रियुक कारलक्षेत्र मारूर्वत्र* ভন্তাৰধানে খাদে আছে উক্ত পরগণা রেবিয়া। (बार्ट व जारमभाञ्चलाको जानामो ४৮७१ मारतन ) वा अध्यक कार्तिय हहेएक २० वश्यक स्थारह । इन्नाता बस्मावन्त स्ट्रेटव ।

२। इक्टि विमडाकार्डिया डेशरवाक भवग-পত্তি অধীৰ ধাতু প্ৰভাৱ সমাসাদির উল্লেখ করা <sub>। শাহ্ন</sub> অন্তৰ্গত কিন্তু বিলেৱ ক্ষমী পতিভ উলেবে वत्मावल रहेबा थाकुक किया त्य व्यवसार रहेक ইলারার বৃহিণত থাকিবে উক্ত বিল এট্রক कारमञ्जू मारश्यव चाममचरम थाकिरव ।

০: বে ভুমির বিজ্ঞাপন দেওরা বাইতেটো खाहाद्वधार्थिक चा छन्। १२৯८। 🗸 ६ विष्य । ১৮ ४% भारतम् 💖 अ अरक्षण भर्गासम् चेकुणवारम् वाकि ১७३५ और ड्रांका उत्तरान कमिकारम डाका परि (बह्य कांश्रांत हरेशारक ! ३४-वन ! ३४-व वार्क প্রধান্ত হে ব্যক্তি খাকে তারা জালায় করার क्रका हेक्स्त्रीशास्त्रक्र शक्ति (१७३) वाहेरव हेक्स-ब्रामान क्षांचे शक्ति कर्णक कि वर्ष २६ मेंका नवकाबी बाइस नम ১ २ १ शंदन बद्धा छ नकी विवादत काभीन विष्ठ इहेद । एवल कामीन

প্রতি লিপী সম্পর্কীয় বুড়াজের বে প্রচিপত্র অর্থেক ঐয়ত সরকামী বালে সন ২৭৫ সালের মধ্যে কালেইভিতে লাখিল করিতে বাধ্য হইবে। আলার সহয়ে সাকুল্য করে ইত্যালি উচ্চ ১৫ টাকার মধ্যগত থাকিল এবং বকালা খালনা প্রত্যেক সম ইকাবার কাল খাজনার অতিরিক্ত भिरुष्ठ हरेरव । (व कृषि देखाना (मधदा बाहेरव তাহার দীমানা সরহন্দ। পরিভারক্সপে নির্দ্ধি ও खाशास्य बहान ७ करका निदानका गय आहा আধাৰী 🖟 ই ফেব্ৰেয়াহি পৰ্যন্ত ইয়াৰ সর্বান্ত লোলা মতেশাহরের জীয়ক ক'লোইর সাহের গ্রহণ कड़िर्देश । प्रवेश खेका हि एवं विक स्वा विरोध हेम् क ३३(२म छारा न्यष्टेसर्थ स्तवारङ निर्धन ।

8। इत्रवारक्षत रमनाकात केशविकारम ( शतकात्न मरहसदभागां व हेकाता असरस्य मह-बाख ) नि बिक स्हेगा ना मस्त कविद्रा कालिंहर সাহেবের সমীপে অর্পণ ও প্রেরণ করিতে হইবেঃ ঐ সকল দৰ্শাস্ত ১ লা মাৰ্চ ডান্নিশে শ্ৰীবৃক্ত কালেটৰ সাহেব ৰাজনি করিয়া। ইজারাদার স্থিত্র কংব্ৰেন। কোন কারণ নাম্পটিয়া জীযুক্ত কাশে ট্রসাচের শীয় জভিপ্রায় মতে যে কোন দর-थान्त इन्द्रेक अज्ञ'श कृतिहरू मन्तूर्व सम्बदान ধানিলেন। প্রস্তাবিত ভূমি সমুদার সমুদার সমাদ ঘলোলকে কালেটার হটতে কিছা খুলনিয়াধ মধ্কুলা হটতে ৪ লাইক কাববান দৌলভপুরভ ত্রীণুক্ত বাবু কেত্রগোপাল বন্দের্গপাধ্যায় মেনা-জবেব নিকট হটতে অগবা পুলনিযার ডেপুনী कारतकेर क्रिंडक राष्ट्र अञ्चलाच तरमन मिक्डे रहेट आह र श्रा गा**हेटक भा**तिर । **हेकानामा**-রের বে করুলাড়ী দিয়েছ হইবে ভারাই প্রতিবিশি উপদেৰ লিখিত তিন স্থামেই নুষ্ট করা ৰাইণ্ড পারিবে। ইহা বলা অভিবিক্ত যে প্রচেড ক বাজি ক্রুলভিন্ন লিখিড এবং জন্ত বিজ্ঞাপন পরের বহুত আগলে আনিতে হইবে।

हेक्सुब्राच वार्षिक बास्त्रवात एकगाव हेमा-

निटफ देखाज्ञामात देखक रायन खनिखादिक **শ্বিষ্টার ম**র্থান্তে লিংখন।

> **(छ. यन र्या ए. के नर्याहिरकार्य है।** ग:४१३त ।

কিন্তুত প্রগতে গৈনপুর ওগধ্য সহলেওকক চাৰিঅ'নিৰ এপৰ্যাত প্ৰগাৰে থালিবপুৰ ৰাজা क्ष्मा प्रस्ताः तत्र क्रियुक्त नात्वहेत् मारहादेव ভন্তাৰণাৰ্য, থামে অ'ছে টিঞ প্ৰগণা বেৰিনিট বেশ্ডের আনেশাস্থকারী আগামী ১৮৬৭ সংলেব ১ লা এতেল তা রখ হটাত ২০ বৎসর খেয়ালে इंबादा वटमावल इंहरद।

> : যদিও লাই মাবাদ খালেষপুর ও লাই-की। ई अमरलाइकी ए दिन भारता देशायां প্রেমার অন্তগত কিন্তু প্রত্নী ব্লোবস্তী উক্ত बाहे बंद छ दिला बनी পडिफ ऐस्सर रामा-व छ रहेगा थाकुक किया व व्यवसाहे रहेक हेला-ৱার বহিষ্ঠি থাকিবে উজ্জ বিল ও পত্নী হুট महाम जी क कारमहेद मारहरवद चामन्दरम থাকৈবে ,

৩। ছে ভূমির ইজ'ব'র বিজ্ঞাপন দেওরা যাই (खर्ड जोराव वॉर्डिक ब्यायमा ५०५००८७ होका) ১৮৬५ मार्मित २० व ध्रायम भर्ग पात होसम सारम बाक्ति ५०४४॥२ होका खबर्या अधिकारम **টাকা পৰিলেকে আ**দায় হইয়ারে। ১৮৬৭ সালের ৩১ এ মার্ক্ত পর্য,স্ত যে বাকি থাকে ভাহা অংশায় याद्द्र । इंकाक्षानात (माउँ वादित काईक कि मफ २० इंका मत्रकामि वादन मन ১०५८ मारतय भर्तम ख बक्षी कर्द्ध इ के भक्त प्रदश्भी व.रम मन ১२१६ भारतन बहा कालके ब्रिएड कारिक ए ब्रिटेंड रोप। स्टेंट्र । जानात महरक मोकना व,ग्र क्षेप्राप्ति केन्द्र २६ शिकात संश्वतक वाकिन। कदर বহায়া খাজনা প্রচেত্র সন ইন্তারার হ'ল খাজ-নার অভিব্রিজ নিতে হাবে। যে ভূমি ইভারা তেওয়া ৰাইনে ভাষাৰ সীমানা সর্ভন্ন পরিভার ज्ञाल निर्मिष्ट ७ जाशास्त्र मशाम अकारकत मित्रा-পক্তা সত্ত আছে। আমানী ১৫ ই ফেব্রুয়ারি श्रके वेज्ञातात मत्रभाख स्वामः वःनाव्यकः জীবুজ কালেটর সাংহ্ব এহন কহিবেন। দরখাত তুটান প-ভিন হারসমূহে হস্তি খেলা করিবার काति य वाधिक क्रमा निष्ठ हेन्द्र क स्ट्रियन छोटा निभिन्न व्यामामी ১৮৬१ व्यक्ति । ना वास्त्र ना স্প**ষ্টরূপে** দরখান্তে লেখেন।

s। সর্থান্তের লেকাফার উপনিভাগে ( পশ<sup>া</sup> বংরণ মিয়ানে সাটা সিতে নিমু স্থাকরকারী गार्थ श्रीनिवन्द्रत देकावा नश्यक मवदास ) । हेन्द्र कारहम । . निचिक रहेशा मा भरत कांत्रमा कारणहेत मारह-

সক্ষ দ্বৰান্ত ১ লা মাৰ্চ তারিৰে জীয়ক কালে छैत गांदरव बाइमि कहिन्न। हेक्सनामात्र चिन्न कनि বেন। কোন কারণ মা দর্শাইয়া এছক কালেটর সাংহৰ খীয় অভিপ্ৰায় মতে যে কোন দরখাস্ত र्फेक् मधारा प्रतिष्ठ मण्यूर्ग क्षत्रवास चाकि-লেন। প্ৰস্তাবিত ভূমি সৰকে সমুদায় সহাদ বলো रत्वर कारमञ्जी हरेएक किया भूमभित्रात महकूता स्टेर्ड अस्टेन यायशाम स्रोत्राजनुत्रम् 🙈 वृक्त वाबु क्यार्थाभात राम्म्याभाषाच (बनाकरत्र নিকট হইতে অথবা খুলনিয়ায় তেপুটা কালেটব গ্রীরজ্ঞ বাবু প্রক্ষমাথ সেমের নিকট হইতে প্রাপ্ত र श्रा सहेटल भावितः। हेक्कांवामास्त्रतः स कर्-লাভী লিজে বইবে ভাষার প্রতিলিপী উপবের লিখিত তিম স্থানেই দৃষ্ট কবা বাইতে পারিবে। हेश बना कि विक स श्राप्त कालि क्यून-তীৰ লিখিত এবং জত্ৰ বিফাপন পত্ৰের সংভ আমলে জানিতে ১ইবে।

¢। ইভারার বাংসরিক খাজনার মেক্সার। इंभारानार्थत्र कांत्रिय क्रिक्ट क्रेट्स : स्वक्रन জানিন দিজে ইজাবাদার ইক্ষুক হরেন ভবিন্দা-ति के क्लेडिकरण महस्रोटक लिएयस।

> জে, মন্রো অফিসিয়েটিং কালেটর मदमास्य ।

#### ভাৰতবৰ্ষেৰ বিবয়ন।

ভাবতবর্ধের বিবরণ ভৃতীয়বার মুদ্রিত হই য়ালে। এবারে যতন্ত্র উৎকৃষ্ট হইতে পারে তাহার চেষ্টা কল গিয়াছে। কলিকাতার সকর **ुञ्जकाल(ग्रहे भारुया बांद्र**ा

শ্ৰীশ্ৰিভূষণ শৰ্মা।

-----

#### ভূগোল পরিচয়

উৎকৃত প্রণালীতে সাগরানির চিত্র সবলিত क्रमीन क्रम करियान मुस्तिक इहेम्राट्ड। प्रद-क्ष क बरञ्ज के अकानरम का खरा। मृत्र ००० **एम् १३७१** ।

क्रिमिष्ट्रन मुर्चा

रहेएक ३४ ७५ व्यवस्था ७३ ज माक भरी छ जक

হতি মরিবার নিমিত বস্ত ভূম কি বিবুজ ক**র**া त्वत हामीरण जर्मन ए 'बार्ड कविर'ड स्ट्रेरव। ये वाहरव, एरहाव कि कूम्कि क्षांड २० होका सार्छ है

माझन विरक्त स्वेदन, युक्त स्थि नकन अन्त्र করিবার অধিকার প্রথমত গাবর্ণমেটের পাক্তিন (रकः। धर्मरमञ्जे अन्त्र कहिएक हेन्स् कसः। स्केरर माधातन वास्त्रियन कह कतिहा गईएक भाहिता।

जमहामः जावभाक विरत्न निष् चाक्रः কারীর নিকট বন্ধং উপস্থিত হইরা কি পত্র যদ্ধি জিজাসা ক্রিলে জানা ঘাইতে পারিবেটা

(छलूने क्षिमबदी काकिन ) कियुक्त (छ, अक, नम्माणका। ) हैशीन नास्त्र १२ वे जिस्त्रद्र । १४७७। ) (छलूने क्षिमबद्र

১৮৬৮ অধ্যে ইউনিভার্শিটি এক্ট্রাক্সকোর্শের प्रसर शहरात भागा श्रीकृतीन, माजू, श्राकास, नमान, কারক ও ব্যাখনে সহলিত অধ পুত্তক (কী) মুদ্রিত চুইর: কর্মা কর্মা প্রকাশিত স্ইতেছে। প্রতি কর্মার মূল্য ৴৽ এক কানাঃ এহৰেক महानद्वरा भवेतछाना लाननीचित्र स्थिन '' (हे निर इसकिहेंक्टियन " मामक विकासिट क्य क्त्रिंदल शाहरदम्।

> জীৱাৰসৰ্ভত দৰ্জা। गाहेकपाड़ा शवर्**मिणे है**रदासी मश्सू छ বিন্যালয়ের প্রধান প্রতিত।

জেলা দিনাজগুরের কালেটরির ভৌ<sub>লস</sub> बर ३७ (क्यमा वृष्णाह दिशम मध्यविद्याद्वत অধীনলাট কা্তপুৰ বাহার সণর আনো ৩৫৮ 2/33 对後:

निष्ठ चाक्त्रकातीत छेळ अभीनावी वर्श्याम বৰ্ষের বিগত পৌষ কিন্তির ২০৬০ টাকা সাল ওলারী বাকীর নিমিত্তে আজিত এই ফাল্ওন নীকাম হওবের বিজ্ঞাপন অর্থমেন্ট মেটেট প্ৰকাশ হইবেক, ড'হা আবিভিড নয়ে, কিঙ্ক পন্তাৎ লিখিত করেক বিষয় উলিখিত বিসা भरत **जशकान शाकिरतक, अध्युक्त वर्ग्य क**िंद्र ४७हि, वरनती १७ मोबाय, बाते ३४ श्रकाय ष्ट्रवित नश्या अवश्चामनी निहोस, विजीह अह ভারতবর্ষ মধ্যে উক্ত মহাল ভিত্র আর কোন্ ছানে গাঁকা উৎপন্ন হয় মান একছিল ইকু হয়িনা नित्ना देखाणि नानादिव मध्ये स्वयं स्वति छैरन्द्र रह जारे। यदिन कहानुक्तं क महर्गतनेतानु अन् मडार्ष विकालन सकान कहा राज

(सन्। विनासन्त ) क्रिक्क्ट्रिश्ट्राह्म सं। 7、多胡椒(25克醇)

३৮%१ जारमात्र ३ मा अरक्षम १६६५ ३०%। भारतक ०३ क बार्क नर्ग ज मगरमात " बाबुक्रा क इति किरक्षा " कांत्रमानारक कहातमक नांगाना जन्म नकन रंगाभादेगाव आलंगा निन स्मानन क विद्या-जांभागी ३ हे मार्टित मर्गा नांशिक्षण क्रम-मगांद्र " बाबुक्यकारिक हिर्ला व " जन्म कृषि मंत्री जान जल मार्टिंग आहा कहेरन !

सन्धारित कालिका, गवर्गमार स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य कालिका कालिका स्वाद्य स्वाद स्वाद्य स्वाद स

প্রাণনা সকল ছইখান করিয়া এবং ইংগ্রা লীতে কবিতে হইবে। বে প্রকার প্রবা বোগান হইবে ডানার প্রত্যোকের মূল্য অক্ষর ও অক্সপতি খারা লিখিতে হইবে।

हैन एम्पेडेंड क्यांडम ज़र कह महाज़ आर्थ-मा आहा करवा जड़ाहा कहिएक गोड़िएवन। कि गामाना आर्थना करवा स्थानी विश्वय वर्षनात महिक करवा ना हरेखा, करवा आर्थ-नात हर या अर्थात क्यांड जाकाकिक करिक गाड़ि याथ हरेड़ काही किमि जड़ाहा कहिएक गाड़ि याथ हरेड़ काही किमि जड़ाहा कहिएक गाड़ि वन। कार्यनाड महिंड चीकु क क्यांड ब्यांड्स गांड केक करा २॥ - होका किमिक्कि, विश्व गांड केक करा २॥ - होका किमिकि, विश्व गांड के करायमा क्रिक करवा आर्थना जांगा

১৮৬१ ष्यस्य ১১ हे बार्क वशाह्य वाक्या-हाविक किरणा च्याकिरम कविमानी व्यव व्याक-ताम क्षार्थमा क्षर्य कतिरकं व्यान्न कतिरवम । धार्वी वरक्षिता केंगिक्क हुदेरक व्यान् क हरे-कर्मन ।

ালুকাক চরিক ডিপো । আর, এফ,' সুইদ মাকিস্ দ্বদ্বা । লেক্ট্রক ক্রিগায়ী ৫ কালুয়ারি ১৮৬৭ । অব্ভডি'নাল।

ाः। विक्षानमञ्जात ग्रीम ५६ यसत वामेटण मश्क १५ क संदेशशिक विद्यासिक भूष्यक्रश्रीम विद्यासिक वृद्धिकार

श्रानीक प्रा बीजदेखिराज > डाका श्रानदेखिराच > "

्रमुख्यमस्य पार्यमानः । । व्यक्तिमस्य () म.काम ) বিশ্তিসার (২ স্থ জাল) । প্রচারিত। মুখবোধ ব্যক্তরণ - ৬০

জীঘাবস্থানাথ শৰ্মা: }

#### म्भूतर्श्यः ।

ক্ষুক্ণটকত নিকা ও বাজালা অনুবাদ সহিত্য সংব্ ত কালেজের আ তি শালাখাণক প্রিক্ত তরত চক্ষ শিরোমণি কর্তৃক সাংশাধিত। প্রেলিক্রলি বিচুখ্যনুসামার গলি ১৫ বং লাই-রেরিডে বিক্রার্থ বাছে। মুলা ও চন্দ্র টাকা।

वीवध्याथ बहुद्रभक्षावन ।

### तमकात कृष्ट्रोनेमात शङ्खिक विकाशन

করা বাইজেছে, বে জেলা বীর্জ্বের অন্তর্গত কেজপুরের নাবাসকী ঠেট সংশ্রেস্থ ক্লগ্রপুর নাবক অসলের শাল কাঠ নিজ ক্লগ্রপুর বোকামে ১৮৬৭ নালের ১১ ই বার্চ ডারিথ লোকবার নিবলে নীলাম করা বাইবে।

২০ ইঞ্চি বেজের পরিমাণের আপ্রয়ানুক. ৩০০০ দ্রিশ হাজার রুক্ত আছে, এবং অপ্রভাব হইতেহে বে রেলগুরে মীপুর কি হাল্কা কড়ি আহির কার্য ঐ কার্যে চলিতে পারে।

चित्रनारतम् स्विधा काम विकास क्या पाईरव ।
भूषक माहे कतिहा काम विकास क्या पाईरव ।
बर्गाक मार्ट भर्क ७६० विचा अमन जारह,
विमास वाम स्वैधानात अर्थाक अतिहमारतम्
बारमा प्रमात जेगत मानकत्रा २६ मेहिन होका
विमार्ट जावाम् कतिरक्ष स्वैद्रेट, जाह प्रमात वाकी होका मिनारमत कातिब स्वैद्रेट ७ वारमत सर्वा मार्थिन कतिरम् जानाविक होका जन

अविषयात्र (मृत्यादक न्यादे पूक्तिक वर्गस्य स्थाप विकारमञ्जूषात्रियं स्टेस्ट ७ मःस्मृत मस्या महत्त्रात्र कारण काणिया वात. सब क ब्राप्ट स्ट्रेट, कार्य. सा कांद्रेरण ऐप्यामग्राम कराव कराव है स्व तृकार्ति वाकिरन, कारा भावाजरकात्र (क्रेट्रेंग वश्च श्वा स्ट्रेश होता मिलाम स्ट्रेंड प्राविद्या

(र्मश्त कृष्ट्रे केन्द्र क कार्य व स्थान क स्वर कार, क फ्रावरक साम्राय का, वाहे-एड त का ब रेक्ट केंद्रा त स्थान मुद्धे कित्रा स्वत्र (व त्यान संबाद कश्चान संबद्धा साद-वाक ता स्वतः किंद्र कार्यक सार्व्य स्वता निद्ध्व काक्सकारी काल्यित निक्टो निव्यत काल्य कर्ना कर कार्यक

জেলার্থ কর্ম নির্বা ৩১ এ ল প্রা'র (মেনেজার **টেট** ১৮৬৭। (ম্ভেনপুর্

#### সোমপ্রকাশ।

২৩ এ মাদ সোমবার । জয়পুর ধর্ম নির্বন্ধ সভা ।

আমাদিগের এক আন্ত্রীর জয়পুরে
গমন করিরাছিলেন, ধর্ম সংক্রান্ত বিষয়
লইরা তত্তত্য মহারাজের এজার সহিত
বে বিবাদ উপস্থিত হয়, তিনি (আন্ত্রীর)
তাহার আনুপ্রিক মানতীর র্যান্ত
অবপত হরা আনিরাজেন, এবং অনুপ্রহ
প্রক সোমপ্রকাশে প্রচারার্থ লিবিরা
গিরাজেন। পাঠকগণ তাহা ভানান্তরে
সর্সন করিবের।

नावधानि नाठ कित्रता जामावित्तर महार ७ जनहार ७ जनहार ७ जनहार छेलारे जिला । नाहित्र था जात्र कार्य और, महामात्री लाहित्र था वित्र कार्य वर्ष पूर्णि ७ अर्थनी कि वित्र कार्य वर्ष प्राप्त कार्य पूर्णि ७ अर्थनी कि वित्र कार्य वर्ष कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार्य कार कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य

স্থানিয়াছে, তাহা ভ্রম থমাদ পবিপুরিত **ইইলেও দও দান ছা**রা রা**ল**রে ভাহার **मध्रामाधन (ठरे**) विरया इस मा। रम চেষ্টা কাংতে গেলে সালার গোড়ামী ষ্টরা উঠে। রাজার ধর্মাবিখরে গোড়ানী वङ्चनर्थव पृतः य य य शका अज्ञा ক্ষিয়াছেন, ভাঁহাণা স্বয়ং অপুথিত হই श्राद्धन, जबर क्षणानिगटक यात्र श्रेत गार् षाञ्चिक क्षिया जुलिहाट्डन। देखिसान **শ্বেষণ করিলে ইহার বন্তর প্রামাণিক** खेशास्त्रम शांख्या यात्र। द्रामान कार्यालक **अ अरहेकोले काल लहेश हे** ५८वारन कि **पृप्त** ७ व्यन। प्रकाश का का का का का अ मिषिक विकारिक का भावाता अलार ' **বর্ম** বিব**য়ে হস্ত কেপ** করেন লা। মধান্ चौक्रवन व निगरत देशावीनवर वावशार क्षिया विश्वमध्य रामाञ्चासनक्रेश शिया हर्म। बरे मिमिल छात्रख्यों त्रभवन्द्रम्ये क्षांत्र वर्ष गयरका दकान कथा करहन ना। রাজা বলি প্রকার বর্ষগত ভ্রমপ্রকাদ र्मध्देलांक्य कड़िएड वान, फाल क्टेर्लक् श्रीकांत्र वर्षा क्**ख**्कल करा कर, च क्यू-श्राक बस्टात समर्थ वाहेता छे:हे। इंद्रताल चाँच रव वर्ष चाला व्यवसारहर, छौरा विर्देश मृतिक विष्यु ७ जुननमान वर्ष अध्ययास पृत्ति किन्द हिन्दू ७ पूननमा-देनेता श्रीत वर्षदेश जय शयाम भूने वर्णता क्रांन क्रांतन मा। औहाता नियानिक হয়কে সুজিত বোপান বলিয়া ভিত্ন क्रिका क्रिकार्यम। अक्रथ क्रम क्रिक र्श्व मुनक्तमान पर्दा दिश्ताके अवर्गरमात्त्वहाः शक्रकण कि विस्थत स्व प्र देशताका हर-र्शिके यसि विन्छभार्य व्यवस्थान काला, लिगुटरत महानाम उथन अपूर्विक हरे! बेमें कि मां कर बात विद्युष्टमा करिया (বুঁদা। বদি অসুখিত হন, ভাঁচার হস্ত জ্প'নিবস্থন রামানুক প্রভৃতি স**ং**স্থান क्षे (लीटक्या ८०मन चर्राच व व्हेंबाटहर, लेक्षादम जामेगान कडिया गाउँक गाडि-

(वन् । (व त्य धर्म व्यवनद्य करड, चार्सरक ত হার নিরমাদি নিবস্ত থাকে, সেই ভাষার व्यवज्ञनीत भोजः। व्यना धर्यायमश्री व्यथवा षमा ५ स्थानारवंद स्मारकत्र काहारक व्याका না থাকিলেই যে তাহা অঞ্জ্যাণ হইল, थमन निवन नव। (वह ७ मशकि भारत তলোক পুলাগদ্ভির প্রায় নাই, ভাই বলিয়া কি ভন্তৰণাক্ত অপ্ৰমাণ एरेंद्र १ व यूक्तित सञ्जादत तामानुकानि मन्द्रभारभन्न स्माकविरधन व्यक्तरहंड धर्म छे আচার ব্যবহারাদি-মহাদি শাত্রের অসু-মেদিত্না হয়লেও ডাল আহমাণ हरेट शाद्य सा। कारन, डाहाश वस्तान व्यविष भिरेत्रण कहिया व्यक्तिहरूहा ভাহাদিখে৷ মৃত্যুলারে ভাষার প্রমাণ शासामापित पाट्य, पाउवर सवन्द्रम वहांत्रां काशांत्रिवाक केटब्रांक कतिया **जाल क्टब्रम नारे। अधनरे छीहात अधिर्या** হংতে নিহন্ত হওলা উচিত।

-:01-

- মোক্তারী পরীকা। मुर्गामाबार श्रेटक अक वाक्ति चाटचर्य ্করিয়া বিধিয়াছেন, ক্ষত্রতা জন্ম নাহেব नियम क्रियार्ट्सन, मदा म्हलत ह्य-मक्ल ব্যক্তি ইংরাজী না জানেন, ভিনি ভাহা দিগকে মোক্রারী প্রীকার ন্রোনীত कतिरदन ना । व्यावता छः विक प्रेगाम, পত্রখেরবের মতে যত দিজে পারিলাম ना । सम गोटएव (ये विटब्ह्मा क्षिशीरह्म, তাৰাই উত্তন কণ্ণা। যে ব্যক্তি ইংবাজী আনেন্ ভাষাকে মৌজোর ক্রিলে এই ল্যভাইট্ৰে, লেখাপড়া ভাষেন এখন वक गाजिएक क्लिका कहा हरेग। মাশক্তি সাইট কাটা মণেকা নে वाकि व छरेक्के अधिवतः व्यवसाय नश्मक मारे। चिक्तिएकता योग/ मन्द পৰাৰলহী হয়, তথাপি অশিক্তিরি: रणज गाम कक्षक सरका छिठिए। ना । व दिनदम प्रामानित्यम बेखना वह सम

गार्थरवहा यथकिकिय देशकाकिक्क **अट्रामीं ह मा क्रिया और विश्व शही** कार छेड़ीर्ग वरिक्तिनटक अर्थुनक्षीर्य ক্রিয়া সনোনীত কল্পন। প্রবেশিক শরীক্ষ্যেন্তীর্ণ ব্যক্তিয়া ববি ভাষালড়ে মান ও লাঙ কেবিডে, পান মোকারী-शब जीकारत उच्चे इंडेटबन मटकर मारे। वन विन व्यवनिकामि भन्नीरकार्जीर्यन मर्का इक्टि स्टेटल्टर, जलबर देशींबी कक माटस्वामरभत ज्ञाक स्वेद्धम नाः अह সকল ৰাজ্যি যোজাহী পদ গ্ৰহণ কৰিলে, भारामध्यत्र धर्मनीष्ठिष्ठिः दिन्हंन **केविक नाज स्रेता केठि**रव । निविधात स्रे बात्रकं कटनक मखाबना इहेटर मटकर मीरे। अन्य माजनदाहारे न्य विवादत्र वरं करात क्रजिरक्षर । स्ताराता सर्वि প্ৰত্যৰিকৈ নিখ্যা ও প্ৰবঞ্চনাৰি শিক্ষা-देता अता जरिशतारे अधि के टीकाचित्र কোধায়িতে উত্তেজক বাক্তরণ আছত্তি धीषाम सुद्रत । पुर्वान्द्रिक स्वक्रमात अस मरेचा इचि स्रेशास्त्र। विश्व मिक्सिकः ব্যক্তিনা যোক্তালী পদ প্ৰহণ কৰিলে व नमुनाव दिवेदवार अन्ति विन विन मस्मद्रशास्त्र स्रेट्ड मद्रश्रह ।

> नीमका शक्त सभीगाडी सर्माता (सक्या ।

पोणका नी उठ क्षण । वहें पाणका वन्यति गव पाणिका रूष पानिष्ठां, ठाश पानाखा करन रूष पानिष्ठां, ठाश पानाखा करन रूप प्रमानका नीनवत्य क्षण रूप प्रमानका नीनवत्य क्षण गाने रेमां प्रमान गण्य रूप रुगी पाउने प्रमान प्रमान गण्य रूप रुगी पाउने प्रमान प्रमान गण्य स्थान रूप गाम प्रमान प्रमान स्थान गाने रेमां प्रमान प्रमान स्थान गाने रेमां रूप स्थान स्थान स्थान गाने रेमां प्रमान स्थान स्थान गण्या प्रमान स्थान स्थान स्थान रूप प्रमान प्रमान स्थानिक स्थान

न्तिका बाजराबक या १ देव अपीर्वात मान्य सामित्र संगीताती रेसक्तिरिक्त क्षिम क्षाम्यम्य मरस्य, देशाचे विना crasi ta : teiseistetes amis क्षक्रिकांत्र त्यर वाटन मा। छारात्र कार्यमानमार्वेद वाळ व्यः, प्रकार समाप्र क्षिक्षकि विश्वात व्यवस्त नीव नी त्व कृतिक दाकांत्र दाचि दशकांत्रा स्टेस, নে বে অভ্যান্ত্রিও পীত্র করিয়া একার मिक्के स्वेटक वर्ष त्यांका कतिरव कवि-बद्धा नर्भंत्र कि १ अर्डे सिमिष्ट क्रम क क्षणान्द्रमान वार्गीमार्त्रमा वार्गारक संबद वास्तिक समीवाती देखांत्री स्थ मा रेश्मरक्षीर पश्छ जानकार्यक कात बार्थ, देशात अस्ति मश्याद मुस्तिक। वधन देखें हो हो दिना जानित देखें कांब-छन्द देखाता हिंग, छथन संगति ब्राटनमें भरतम प्रवी दिन, खंगांनि अर्दरे भएक विष्योर एकशुरक रेश्नरिक्ती गरन कतिराम, रक्षणानि वाषात्र वर्षक्रणकाः **চার করিতেছেন, ডাহা না ব্যুক্তে প্রকার** विद्यारी रहेन छन्। १ वह अञ्चलि स्तितारे पराच तामा कार, धर्न स्ति-त्मन । की **काल मूल्य प्र**शास बें ब्रिक विषय, किमि चर्नर क्रांशत छन्। वकान मा करिएक क्यान काराज राष्ट्रक CHE TE HI | WHAT & FRIST PLANE fried majoral defin degrees STRINGER BIR STR. PLE -जान बहित कर्म करता है कि विक eritori celita elen ele ett नगरा प्रभीपाती केलाजा निवासिटलेक division the same ten tol the til berg at the असम चात्र मीमचरुवत्र पत्र अन्ये । विदेशी कीन क्षांत्र बार्यंत्र प्रशासक कोन क्षण विव विवास कार्य देशा पहि

वर्षा कर्छ। दिशाका विद्यान । असम काश की श्रीतिर वर्ष काश्वित्ताका नाहे । महीस् क्ष्म क्षाकि महिल्ल काश्वितका निव वर्ष क्षम क्षित्री क्षाक्षी रहरू के कि महिला लकाश क्षित्री क्षाक्षी रहरू के निव

नक निविध की प्रदेश विभिन्ने । इंडिक अधिमनवं जिल्ला विवाह प्रमाद कार्कनके प्रदर्भ का निविध र्वोक्त साम्य मन्दर्ग निविक चन विनिष्ठे निविद्यारक्त मात्रका जानात अंक वंश वार्त प्रेमिक नाज कार्यक्रिकेश अन गंज निविद्या तमकानक सवर्गातक करें (को र বেন ডিনি নাধারণ লোক প্রক ছিৎকার अवन क्रम नाव, रक समाप्त वक्रमाना क्तिका ठीका क्या क्षेत्र क्रिया, स्में नमरत चिति क्षांत्र हत्या केवत गन्धियांकृटनत श्रुक्तिका महिलाचे शहा हिला डाशाहर THE PRESENTATION OF THE अवर गाँवामान्यः अवैश्वित्रकाटुन कृतवीत क्षेत्रादीना क्षेत्रकात सर्विकार्यम । इक्षिक क्रिक्टिक क्रिक्सिट सूट्य वरे शक क्षित्र व्यक्तिक क्षा केटिक किन किना THE CHIEF THE THE वास मा के नावास अब निवास बीचानव THE PROPERTY STATE AND IN

शंक्षाद्रभंत्र मनदत्र क टाकात करण सीव नदक ज्ञान करेत्र मत्यत्र नाहे । सक्रवय सामना मस्टब डीहात्र स्मार हर्मन कतिहरू हेन्स्। क्षेत्र मा।

मत निर्मित बीखंड बर्टनन, ३५-७४ च-সের ২১ এ সভৌবর ভিনি কটকের কমি ननदत्रत कर हिनिक्षाम स्त्री व्यवस्थ स्म .क्रिकिमारित वृद्धि ना क्षत्रांटक कन्ना अक्कारन मछ व्हेब्राटक। वाजन व्राकात षांके त्यम विक्रीक स्वेटकाष्ट्र अवर स्मामा मश्रोदतको एकाकान वक्त कतिहारक। शेत , विषय किमि बरमन कोकाममारममा वास क्तिका क्यांकाम रक्ष कतिवादिन, शूनक्यांत त्राकाम त्यांनाटक ठाउँन नाजश गाह-ক্ষেত্রত এ কটোবর নোক্রকাল नीव कंत्रिका जिमि व्यवश्रक रम मोधांत्र(ना क्रमेंच असे श्रेशाद्य, चक्काव करम्मादा केंद्रेरकेंत्र कश्चिमनहरूक च विश्वतंत्र विश्वा-डिफ डिट्योर्ड स्थिटिड स्ट्रान । क्षित्रमह बंदेशम भटकि क्रमन नके स्ट्रेशांक, किन्न यहां सटनहीं अर्थिनाहित्त्रं व नारकत्र कता शक्क कमिसे ब्राइक कथिक कड़िया कान न्ति विकासमें। और शकात महीता, क्लिन्यून ७ भावेगा विकारगत कमिन्यन विभएक ब्रिटमाँक क्रिएक बता स्था ७३० **षटकारङ कान्डेबंके भवर्गत्र दाविनिक्रे**द्वा र्फा निक्टण विरुग्ध तिरुगाएँ छोट्टन अवर ভিত্ৰ ভিদ্ন ছানের খালাক্তবের মূল্যের ভালি का झार्कान कतिएक वर्तामा २५ व चरित्रानत क्षेटकत अधिननत स्टलम चात्रक क्रियम: अधिक स्वराज्यस्, लाकान वंश्वः, वादलय-রেউ জয়সিক কট ৷ তথাপি হলা হ্র " মহাদনিদিপের হতে এত চাউল भाष्ट्र एकं इरे बर्गड शुर्वाष्ट्र (मार्ट्मड क्षांचात्र क्रिक्ट्या ।। नटवचटवत्र क्यांतटख केशकार्यक, मनीयाँ, प्राक्षनाशे ७ लाउँना विकारवंत्र कमिमनदांत्रा क्के थीकात क क्षेत्र, विश्व काश अक अधिक बरलन नाहे क्ष श्वार्था काष्ट्रमुख्य निवृक्ष करा

याता अनगत्त कंत्रेर होकांत्र छत्र त्मत्र চাউল বিক্রীত হইতেছিল, কলিসনর ट्रिकिट्यान करतन शाक्षार नत महिन्छ हा छे-८मत्र वृत्वमात्र बन्धः इहेतारहः। कछेटक हा डेम জ্ঞতি কটে পাওয়। বাইতেছিন। ১৪ ই मद्यक्त कामनमञ्जू शूबळात जिल्ला क द्रम, किका करमत छेलन शास्त्र लाहक चोंक्रमंत्र करहे शाहित्क्रद्धन, किन्न धाना অন্য বিভাগে ध्वत ना स्वताटक ক্ষিস্মৰ বলেন সাধারণ ধনাগাৰ ছইতে नाहाया पिरात व्यक्ताचन मारे, चल्टमहन কোপানির কার্য্যে বিস্তর লোক প্রতি-পালিত ইইতেছে। ২০ এ নবেশ্বর অর करकेत कमः कहरकत क्षत्रिक्षप्तर्भन वक्त হয়। ২৫ এ কুগলীর প্রদর্শন ত্বনিত হইল।। · अक्रुब क्षेत्रश प्रेशिएए। ८४३ हो केन मुक्केज यारेटक्टर । घटका डीशाहा गर्यर्गम्ब्रेटक क्षार्थन कडिया " यांशीन दानिया अ বার্ত্তাশাল্লের নিরমণ কল করিতে ব্লিতে भट्रन मा। औराता भवर्गरमध्येत वह माज कर्डवा हित कर्दन स्थ मक्त काल लाज বিবের অভিশয় কট হইয়াকে ভথায় গৰ नाश्या कडिएक शोरतन । क्युट्सहन কোন্সানির কার্য্যে কটক ও মেদিনীপুরেয়া (मार्केड यर पेके गांश्या म्हेर्य, कांत्रक्ट-शिक्र दश्यकदात भाषात कोर्या श्रहा थे. भाक्षेत्रात्र प्रतिस्थान बर्टबळ माराया भा-हिन्द्र- शिक्ट्य गर्नाटम्ब्ये समीताविकारकः असर्गहमा बना बागमस्टलन शका

দাতব্যের উপরে নির্ভর করাই উচিত। "

**এগুলি नর নিনিল বীডন নিজে স্বী**-कात कत्रिप्राष्ट्रमा मत्वद्यमारम अक्ष करे एव रव पूर्वकार्या ७ भन्म विद्रा श्रास्त श्रीत्म माश्रीयः कतिवात्र व्यावनाक वृद्धा डेंथ्करल रव कर्के इहेर उद्दिल जोश खन-লাপ করিবার উগায় নাই 🛊 টাকায় হয় **(मत চাউল सविज लाइकर्ता कथन का** করিতে পারে না এবং বার্তালাল্রের নি-রম্মধাৎ "উক্তরুলাও প্রচুর শ্বাভ अव्हल किड्रू ने चार्ड मा, स्परमञ्जू अ**वस्**र्व त्रीकारकार मगरव डेक मृताकामणः एक। বেখানে টাকায় ৮০ সের চাউল সচরাচর বিক্ৰীত হয়, ভথার শদ্য নিভান্ত ছুম্পূ প্ৰা २६ व मर्द्यक द्रिविभिष्ठ द्वार्क द्विर्भिष्ठ ना इंदिल वक्तारल माहस्था इस मा। क्षत्रान कतिरमन्तुः जैविशा वरमन चर्छक चित्रव वीशात्र मामाना क्यान चारह, क्रा-" यम् म मा क्रेसिट्स, द्रांन द्रांन प्रता हात्र विद्युष्टना क्या छेत्रिक माना वेशक्ष कम व्हेबाटक। लाटकत विटम । निकास म्लाला व्हेबाटक। लालीवार्क वर्ष यकः कृतकवित्तात करे वहेरव वटके, किछ | र्गत वात्रवात वार्तालाचा ७ व्यम के प्रार्के प्रक्रिका गंधारमा मारे। मञ्चाम रक्षा- | जित्यत क्रेसिय कतितारहम, किंद्र कीश्री भिरमात मुना अबि क व्हेडारक कांचा द्वांक विद्वतमा कता छिछ क्रिम विनिक्ष-क्रीकांत्र करतन, किन्न ब्रामम पूर्वत्यक्रमात्र । त्यतं राष्ट्रमञ्ज व्यन्त्राहित माज व्याधी सह। हरे मान भगार्थ कि देश पाक्रिक পারে ? ৩০ বেরের ছাবে ছর বের হইলে আৰ কোন ধৰিক চাউল রাবিরা খা-(क्न १ शवर्गमणे नित्य द्रश्रामी मा क्क्नम उँविधियात मधा छिठि छ छिन, केरक्रन कांक्रेन बाहेरफट्ट कि मा १ त्रिविभिक्षेट्रब्र्स्ट नाबाबद्धा बटलन शूर्ववःचना स्ट्रेटफ छा-र्वत्यके मेजूबिनार छेश्माइ ७ कार्या विशा किन पहित्यत्व, क्वि कर्यक त्यांका बाह्य भारत किन भारत स्थापीतक बाह नाहे। न्यान्त्री सर्वटमके ७ तिविभिन्नद्वान्त्र क स्वात चनीकव द्याना कहिएक विका .ভেছি।

> देखिनाचा मध्याप्रभव मध्य डिएकान चात्रक करतम है सांचत्र चालमात्रा 🐗 45 still Maritania ce cacaca

यथार्थ इंडिंक रह, कारा स्टेटन नाबात्र व कांक्र त्रखानी क इंडिक्नीकिक प्रदेश मितिरचेत धाकान कति । देश नाकामा-জের সাধারণ নিয়মের বিরুদ্ধ ভাগা আ-মরা লেপ্টনন্ট গ্রহ্ণরের ন্যার জ্ঞানিতাম। क्कि विस्तिव क्षेत्रदेश विद्याव देशांव स्वाव-भार । गमा द्विता काच कतिएक शाता यवार्थ बृद्धिमात्मक कार्या। त्मश्रीतक्षम यू-(का नगरत प्रत्यांश लाहेर वह नागतिक निवरमञ्जार्थार्थ विकास काम क्रिएसन। भकातर्थ निवय छक् क्या स्थमन त्यार, छा-पुण विशेष शिविता दुवरत निवरमंत्र पातृ-**রেদের ভাষার অভিক্রণ** নাকরা ভেমনি स्वात । धर्मीकात अक सन त्रांश्वात या छ-ভোর অধি নিৰ্মাণ করা কাল ছিল দে ता बाकाटक शूट्य रहूत है हो। ट्यान्डेसके প্ৰপ্ৰেৰ বাৰ্তাশাল কইয়া দেই দুখা ষ্টিরাছে। শেবে কোখার বার্তাশাস্ত इस्मि १ त्मरे संदर्शस्त्रहें कि एएटव जिन द्विष कतिया हा बेद्रमंत्र वादनात क्षिएछ स्रेन ना १ शुक्रक देश , काजरन ३६ नक লোক প্ৰাথ্যে আৰ্ডাণ ক্ষিত না ৷ किनि वयानगरम मध्यान गान नाहे व बाका अनुज्ञक, डीहात नमब्दम अ कथी क्षमान करत मा। यूनम लाटक जान काश कतिहरूदिन, कथन, क्षारी स्त्रिश य नाकि 'बंदाणनदित्तत्र बच्चमळ' विभाग क्टबन, केंद्रोक चर्चक नवर्षन कि १ टाकाक POS, PRAIR PLANT TOR PIN W PRINTE Count fathetes Theres has and Coat offen an wan & the mina 3418 **449:** 44 - 44 1年至4 लाक्ट मार्थियात कर्डियोड क्या (क्षाप्त कहा डेडिफ दिल

THE DIST CHAP BEIN W-COA COLCAR PLAN AND MAN COM and and the man of the light of their Grane मारक व्यक्तिक स्वास्त्र । व्यवस्त्र नारक के कार्यक महत्वा महत्वा गारक्र MENTELE PICT STOP OF THE PROPERTY OF STREET OF STREET, STORE C. MAN STREET STREET

so constitute straingers acco शहन कार्रेश बेरेश शहर गाउँ गार्थन। प्रकार क्लिक्टिन निष्म साहत विश्वहर केम नदेश क्षेत्र । कीश्राम्द्रभन अदक्षक र्ग ब्रह्मण के दूपनि ज्ञारस्य के शंकार हर । नह ज्या कठन अवन्य प्रशासन লয়াহিলেন। সর বিনিল বীডন শ্রীকার য়োছেন মার্কমানে গবর্ণর জেনরল নিজে ন্য জিদ করেন, কিন্তু (ভাঁহার সূর সিল ৰীভনের ) কথার এ প্রস্তাব পরি-👺 হয়। সংবাদপত্তে ত প্রত্যহ পর্ব্যাপ্ত ধায়খানের কথা লিখিত হইভেছিল। ভ অবভায় বে শাসনকর্তা তথাপি क्तिवाशियान, डॉशित या कार्या উপর অন্যার হইয়াছে, নে কথা কোন্ क ना चौकात कतिर्दम १ रक्ष्यकाति ন লেণ্টনণ্ট গ**র**র্ণর উৎকলে পায়ন করে যাৰতীয় লোক অনাধ্যয় বিষয়ন টা বিষয় জানাইলেন, কিছু ভিনি তি ভূমির কর ও বার্তাপান্ত অনুপূর্ ादा कर्डवाकर्ष मण्योदन क्**दिरम**्। নসনর রেবনসা ওহাবিদিশ্বকৈ ধৃত ক-া, অতএব ডিনি লেপ্টনন্ট গ্রণয়ের র বার্ডাপাল্রে রক, ডিনি উৎকলের লের গোলারও সংখাদ রাখিঃছিলে चिनि महाचनित्तित राज्यस्त्र क्या গণেন লেণ্টনত প্রণির সম্ভট হইন ।।। २৮ व भाक भवि ३८ रे से हें करें अनात्र रक्षण शख रणकी<sup>्र</sup> थटण गात्र। तत्र पर्यत्र क्लेम क्ट्रक्यांनि की निर्देशिक्यटेश नियुक्त सहिता छी-टिक्स्त्रत्वत्रं स्य क्षाच्या क्रेट्सम छाणाः इर्ज । ७६ नद्र दावमना नीद्रम निर्म राम्न क्षरणम् स्टब्स् क रेगमिक्द-विवाद शांच्या बहिटकेट मा, क्रांकेन त्री करा कर्डदा । फूडेनन पूरका चुरू के का अविद्यास है हर्क अने आया दिया, री महिलादार स्थापिक स्थेय । स्वर्धनक is aware acres where, would

উহার শানা উচিত ছিল উৎকলে চাউ-गरे लाटकर पाराज्यरा । वाटमप्तत अर्थित हाडेन डाह्मिएक वरे ३००० मन भागे। जानुस्रभूद्र ध्यतिक एतः। ১৭ हे ध्य हरे काराज हाऊन बारमध्य अ कारन **गरेटके ध्वितिष्ठ एत । 8 है। सून कोशोक** क्षेट्रक नक्ष्य, २० व भूम काश कीरत. উঠে। এই গময়ে প্রত্যন্থ পঞ্জ পঞ্জ লোক রাস্তার মুই পাথে প্রাণ্ডাথ করিতে-हिन ( वर्षाकान, भाग्रक स्थ, वक ठाउँन বার তাহার জ্ঞীরাংশ সমুক্তে জলময় रम । य क्षिष्ट गाँशया मशरत है रहेताहिन । মক্ত লের বিশেব কট নিবারিত হয় নাই। • डाडेन व्यवन सत्रा छेडिक कि मा ? यहि উচিত হয় ভৰে জি প্ৰকালে প্ৰেরণ করা इत ? '' **(लक्ष्मिक श**वर्गत्र यशि द्वार्ट्णत गर्षि ब्रेश्नभं इया भव लयानियाङ ক্লামর অভিযাহিত না করিতেন, তাহা रहेरम बर्जरकंत्र बीरम प्रका शाहेख। अक सिरमहः गूट्य २०,०५० लाक रण रहेरण ভাষা বহা হয়, কিন্তু জনাহারে তত্যু দর্শন क्षत्र विमीर्ग करत । वशाममात ठाउँम ध्यंत्र कतिए देशत अधिकारण विधिष्ठ मा । अ दर्शिय यक्ति नव मिनिन बीजातन ना रहे फटेर भाव काश्रेत स्टेटर १

नंत निर्मिन वीजन अक शास्त विन्तानिक स्थान स्थान स्थान स्थान किया निर्माण को नात है आ निर्मित स्थान स्

बरणम, खबेमै अमन व्यवस्था है शिक्ष हव नवर्गटमट्डिंग स्टब्ड डीका वाक्टिंड गर्स নাখারণে চাঁষা দিবেন না। লেপ্টন্ট প্র র্বর এ প্রস্তাবের ভিন্নার্থ করিরাছেন, কিন্তু रनिक मक्तरांत्र फाशंत्र दिनंत्रीक दरनम, <del>বর্ক</del>দাখারণে कैं। शक्तिक बादकात जन्द्रमापन कतिशादस्य । विषय मध्या দারের প্রস্তাব অগ্রাহ্য হয়। ৯ ই জুলাই তাঁহারা অভাতর পান, লেপ্টনন্ট গংবরের নাধারণ চাঁদার প্ররোজন মতে मारे। फेलत शन्धिमीकटनत एव शक्छीका षांना जिनि, स्ट्रिनिकेटनार्क व स्ट्रिका শাহেৰ হার্ডি**ক নিবার** করিবার মানস क्रात्म । क्षिक्र मार्छ जवशि जुनारे शर्याह इर्जिक कर्छत्र काख्यिका रह, बदर থান্তাহ পত পত লোক " অনাহারে व्यानकान क्रिएक्टिन। मर्मनाधन्तः य्वेन (एविरलन, रल्डेन्ड धर्न्ट्रइंड योता किंदू स्टेटर ना, खबन केनिकांडाप्त সভার অধ্যক্ষ হর সাহের কার্যান্ত: প্রেরে ণিউ বোর্ড **ধ** বর্ণমে**ন্টের অন্তিত্ব অস্টী** কার করিয়া শাহাব্যের কাজ সভাব रुख पानिरमन। व मर्यात्व सम्बन्धि প্রপর ভানীয় কর্মচারিদিগকৈ সভার मर्फ कांच कतिएक स्वय नारे। व श्राप्त वक्षकात समा विरमेव सम्बद्ध स्टें। रम गार्ट्य गथरनत्र मार्फ स्मयरत्रत्र निक्टके गार्द्धात्र क्या हिल्लाम क्ट्रम । काछ বেয়র ভাষা করিতে একত ছিলেন, कटबर्क विवटनद मट्या प्यक्रफ: मर्ज मुक् টাকা আসিও। কিছু সর সিলিল, বীডন बटनम, नांकारयात्र व्यवसायम माहे, नक्रंम र्गांश व्हेन मा।। (महे गीवांत्र क्या अक्टन भूनक्तात्र आर्थना कता इरेशाटहा भवर्गत क्षमत्रम अवात्र मिटक आर्थी, किस वर्षा-न्यतः प्रदेश क्छ कीवन प्रका शाहेखा। 'ছডিকনিবারণী সভা ঘচকে ২উ বেখেন, काशास्त्रहे मार्शमा ठाहिबाहित्सन, किंद नत निर्मित बीजन सम्बोधनित्य बनियो जिल

ক্লণ দর্শন করিয়াছিলেন। এবিষয়ে জীহার - কেবল ঔদাসীন্য নছে, ইহাতে প্রতিবস্থা क्षा श्रेकाण गरिहारह। अवना जिनि সম্পূর্ণ স্থারী। তিনি বলেন, " আমার যত मूत्रनाश कविशाहि, आमाव क्रिकेश आह অত অংশেরও প্রাণবকা হ≷ত মা৷৸ লঙলে চাঁৰ৷ হইলে কি ভাহা হইভ না ? এ খন্য অভাব পক্ষে বিং পত্তি সহস্ত লোক व्यान्छात्र कतिबार्छ। अटलाव कार्यात ? अत निमिन वीष्ट्रात चात वक मात बरे, स मारांश दिखन्नद्वत सन्। किनि बरषके लांक सन नहि। याकनील नार्षः-बटक विटलंब मास्तिट हुँ है कतिया बाटलचेटन **८दात्र कता रत्न, किंद्ध कंग्रेटकत्र मान्टिट्रे** हे बात्रश्वात हरे जन एउपूछि कारनकेत আর্থনা করিয়া পান নাই ৷ বার্তলা गारहर डेश्करंगत्र व्यवका डेक्स व्यक्ति-टेक्स । क्षेट्रका कारलक्रेट्स त्य श्वत दिन मा १ हरात छेशत डीस्ट्रेंत १८७ বিচার ও রাজ্য সংক্রান্ত বিভার কাজ বেশবা হয় তিনি এক ক্ষম সহকারী নাজিট্রেট পান বটে, কিন্ত এক জন তেপুটা सामिक सामाध्येत स्म । मध्यमाधात्र बीबर्दात्र रहनम, अरु धन उन्यूक उद्धा-बीब्रहरूक क्षेट्रक त्थावन करा डेडिक। कि जार्ग प्रमा स्म। बर्ग्याचारत विकास कार शिकार वानवान करत्रमः। त्य ·ক্ষেক জন এতকেশীয় চিকিৎসক व्यक्तिक रून, डाशता श्रामाक कृष्णि कतिएक नमर्थ एन नाहै। स दिस्टेंब अने वित्य बर्टिक स्टेर्ट, राम्क्रिक गर्नेत्र क्रीवी कवित्य मान क्रीकांत प्राप्त क देशक नमर्थन कतिएक विका अविद्यवस्थात , क्रीका जानाव रहेक, बीहार्क अव्यवस्था कांक क्रिजाट्यन।

বর বিদিশ খীড়ন সংবাদ পজের विवर्धि वांश विश्वादक्त, फिक्सिट क्यांबद्धाः এই দানে বলি কেতে অব ইতিয়ার अवि त्व कथा बना विद्यादक काराटक क्रिकें गरने कि जो औरबाद दिश-क्षा बनान शास्त्रपर । जीशाव

निनिटिंत नर्स शादन बाडीबा बाक्कि छवानि छैरात किकिन नेमहत्वे प्रवेदा रह, किन्तु गर्वाम शक्त लहेता कथा सहैया মার তিনি ভাষা রক্ষা করিতে পারেন नारे ! किनि बटनन, मध्याप श्रीमामुख् डीशादक वया नमदव मेर्वान त्यम माहे. क जना किनि देश्किनयान, शिक्टिके, क क्ष अन रेशियांत्र कित्रमध्ये केंद्र छ कतिशारहम । अ विकास छक्त नामान्द्र হের সম্পাদকের। উত্তৰ আত্মন্তর বিরাহেন। त्रामध्यकाच ध्रथमकः जर्दाम (सह ভাষা ভিনি স্বীকার করের বিশ্ব ইয়াকে বধন বার্ডা ভাজের সম্পূর্ণ বিলয়ীক এ-खांव कता वह, खब्म (व विटानव विभाव यिशास्य अप्रिंग एक मुरक्त मारे अरे ৰড় মাদেশ।

नत्र निनित्त बीखन शहिसित्रिटक नीज्ञानिवस्तन भगन स्टबन, नीस्का स्टेटन কোন ব্যক্তিকে প্রাটান অসুটিত, এ জন্য আমরা তাঁহার হোর দিতে চার্হি না। কিন্তু বিপদ পাড়িকে বদি শাসক কর্তা অপক্ত হুন, তত্ত্ব অন্যের কর্তে ब्न कात्र (पश्रता केविक। विरक्षांट्यू ममद्रा **উত্তর পশ্চিমাঞ্**লের 'লে<del>ণ্ট</del>নব্ট भवर्षेत्र अक विध्नत्र अन्तर भौक्षिक हन, তথাপি ঐ দিবস পররানা স্বারা আপ नांत्र कार्र्यात कांत्र कता सहस्र रहतः । विशरपद भगरत भागनकर्तात हेर्नुच्छ: বাকা অভিশয় আর্শ্যক, ভাঁহার স্থা **७ ७९मार्ट्स परमक काळ स्त्र ! स्मन्डेनले** श्रदर्श निर्म मणामण्यित्र अस्य क्रिक्स किरानत पुकान कारमक क्रिकाम अन-वात बाबाबा बीकांत करिएक। नाम लंड बतार्केट्ड नेम्द्र नकार्ड विश्वासम ७ ताको बानको इमिन्द्रगामात समा विका केर शांके देवने । अप निर्माण निप्राचित नुप्राठि रनगतिहरू महिष पूजवा पर ना हरे बहुता पर्गमका पढा

afferi full form Besen tittl क्यावशान क्रिटेक्न नाक्ष्य नाहै। अगमदात्र कामचे अहे । क्षिम अक पर्रम पर्यात अवस्य सार्वप्रात्म् अकात पार्वि दरभव का, दन नैमां शकीक चात्र नकन वर्षात रक्टरंटलंड भागम गांत्रकिलिट्ड बसिंहा प्रत्य । गुजर जिल्ला बीखन प्रश्न विविद्यास्त विद्यार वारत थ नद्य बीकड क्षिता भागवन्ति (कार्यात्र हात, ्रम काम वेशरमा नरक। बचारम अवन्त्र (क्यंत्र(क्यं देवीया बक कर भागत कडीत व्यक्तिकनः केर्क्टणंत्र कृष्टिटकत्र मात्र वर्णना व्यवादम द्रमेशादम स्ट्रेटनक भागम क्षांत्र करकेत कारत छेन्छिक बाका सर्ख्या यह विभिन्ने बौजन जाना मा रुतिहा समाज रुतिहासम । समार्थशह 'नोनमक्का प्रेटन चकाईदा जायन कतिहा ध्योगं निर्ण्य। बाँशंत्र भन्नीर प्रत छन्त क्ष मंत्रा डींश्रंड भक्ष्यः कार्याकात्र भना सकु लक्षा केवर्क दिन।

অভিনাম হৃতেশ্ব বহিত সম বিবিদ बीकटनत विकास विविद्य बहेन । डीकात उक्ष प्रभाव बन्छ क्याब देव देश काश-त्र हेम्बा नहेंच, क्या किनि एवं स्वाद स्विद्योद्ध्यः , प्रांशं । प्राप्ताः, व्यपुनानः कः विद्रक पाति मा । काशत मुख्यम मम्बन्दे बद्धाः देशात अस्ति बास्य प्रति चौरात वाद में क्षि के नियम नियम नियम निर्म न्द्रिकामात्र व्यवद्यान्य क्षिकाम। क्षिम fallen at fallen affen wim ebw ; dinte fallet um Abein facen chie wide us ale, white malem वर्षात्रका स्थाप के साम हिम्सा देखि 12.711.98.95

नाव त्रक्षाकाचा निविद्यासम्

46 M Ald 274A 1

मणाबास केलामांमा ६ केवल केवल किस की प्रमाद करन महिलक स्टेब्राक्स । मानावक জীবুক্ষ বাবু ক্ষমিন্ত্ৰ ক্ষেত্ৰীয়াধ্যমে সভার বাৰিক ब्रिट्नाई गाउँ अविद्याः अविशायक कवितन क्रिनुक कार् गमिरनपत्रभागाम मरण्ड अवर राजगा णानारक मका**र्जाको** है किया वर्षा कविरतन । ভাষ্ট্র সভা এবং স্তাশকি জীবুক বাবু क्रित्रिम्ब्यक्त मटखेन मच्छु कात शत गुका कक् रहेता।

এই সভাটী অভি কামান্য রূপে সংস্থাণিত रहे । ১৮ ६६ माल्या अल्डोबर बारम अनुक वाबू शीकामाच वार मात्रक अक कम जाना अधारम আগদন করেন ৷ ভিনি রাজ ধর্মের উল্লভ সাধনার্থ- " ওড**উইল ক্রে**টার্শিকী 🔈 নালক একটা বড়া স্থাপন করেন। কিন্ত এখানে এছণ नमार्थम क्रिक्टि स्थ्या गढ्ड मस्य स्था महा मरकात मरका किंच बहा होता । अंदर शाह नकरमरे जाम नवास प्रतिश वह मधात अधि (६६ क्यों क्रिट्ड मंतिराम । किन्न क्रिंड विवेश भट्ड बाह्यवनी अवर अञ्चलाहास्य केंद्रसच्यत रफ़क्क्षी निक्षम अवर हाज हेशह नेकी दरिएमा এবং জীশুক্ত,বাশু পিৰিশ্বচন্ত্ৰ কথা গড়া পভিত্ৰ भटन विद्वार व्यटनम । वैश्वित मान्द्रिय प्राप्त সমাজ সংস্থাপনের সমন্ত্র এখন ও ট্রপস্থিত হয় नाई अवर अञ्चल नवास स्थलित विद्यंत्र छनकात स्ट्रेटर मा विट्रवक्ता कश्चिता क्षणात जिल्लाम अवर कार्त्।म करमय भन्निवर्धन कविरमयं ) त्रहे क्षवदि मकार्गे निम निम केंद्रिक टीक्स द्वीरकाइ बनर अट्डान सर्था ७ चट्नक इक्टिन्देनाट्ट । अयम कांगीरण ज बनमें सहान तथा । 🏸

विकार नमत्रक् साका चीप्र महिबाद क रेनगा-क्षव जन्मिक्तीशादत् परम्यन अभिन्नम कर्त्रिता-( स्व । **वैहाताएक्ट विहर वास्त्र (**जाक द्वाविष्ठ ब्देबादम अवर मान्द्रेत स्थान लिक बाह्र जुला (नवाहें(क्ट्इ)

naite minte vican leve anter व्यक्तिक्षेत्रम् । स्थिते व्यक्तिरशत् सम् नाट्-(यह पानिद्रक क्षेत्र सामि मोन पंतिशा अनाश्येत्रोहर भवन कड़िश्रोद्ध्य ।

10 b mintig badige fich min. piniter के कि प्रदेशिक अपे प्रकेतिक और प्रतिप्रकृतिक प्राकृत है। व विर्मेष देवाचे वाचारणार्थ अर्थिय स्ट्राप्ट ।

अवारम् माना मरेगः इकि क्षेत्रप्रदेशः वेशरिक क्रम्बद्धक चंडमात्र विस्थान केन्द्राक वृद्धातः । manage of the state of the stat

# र्विय गर्वाम ১৬ ই নাখ লোকবার।

फेरड पश्चिमक्तिमद्र हरे जन क्यांत क्य अर्थभवुक्तका सिवयम भवत्। छ स्वेतातस्य । ভাৰতা প্ৰধানতৰ বিচায়ালয় পাহাদিলের বিচতে विरमाई क्षित्रीहिरम्म । এश्वनि द्वामन । किन्न या विम मुखेक विशादनीक्रियकी मा कहा हहे-(अटह जेज विंग पशार्थ कांक्र हरेदन मा।

উত্তর পশ্চিমাঞ্জের বাক্তীয় বিদ্যালয়ের মধ্যে প্ৰবেশিকা পৰীক্ষার ৩ জন প্ৰথম প্ৰেণীডে, २२ व्यम विकीत व्यानीएड अवर ১৮ व्यम कुछीत (व्यंगीटफ क्रेक्टीर्स स्टेताटक्य । विकासिका विस्टब বসনেশের প্রাধান্য বহুকান থাকিবে।

अवक क्राक्ककि सुविदानांत नामा नार्ट्रदे अक सम क्षेत्रिको हो देख स्वेत्राट्स ।

भक्तिक भागमकका कविकालाह काशम कतिब्राह्म । देनि भव हि समग्रीमें विकित्त चारहर ।

র্ডিক কবিনন ক্ষেত্রায়ির প্রায়তে ক্রি<sub>ক</sub> कालाब श्राचात्रक कतिरवेते त्य नकत कर्य श्रीके स्टेटक कति वर्गक दानवरत स्टेटन गती इर्फिक दिशाम कार्या नियुक्त हिरमन क्रीश्विदेशम् अस्तिम्बनी शक्या स्टेटन। कटब्रक सम अज्ञानीत समीनात्रक अगन्तर साक्षाम করা উদ্ভিত্ত।

विकी त्मर्क रहेक, क्रवित्रभन विभागत ৰলিয়াহেন ভাষাকে এক লক होका चारनंतिक कर सिंहजु हेहेरत। हेश वाजीज ক্লবিয়গৰ ৰোখায়'য় নিকটে এক নিবিয় স্থালিত क्रिया । होका अभिग्रस मैचाक मा इस एक पुक् इतिदेव वाक्यून चांद्र अक कुछ क्रविद्वतिराह স্বিত সন্ধি-ক্ষিড়ে গ্ৰন ক্রিয়াছেন। বোধা-য়াছ নাৰ ভাবুল সহলে হস্তগত বইবে না, হুল प्रदे क्षिएक एवटेंग विक्रिन शर्वादवनी व्यवनाई वक्षार्थन क्षिएंड, वाधिक व्हेटनम । ১৮৫৫. चार्च राष्ट्र वर्षक दात श्रुव शहरात थे। दर निक्र कर्मन काशांटक सर्वाटमहोटक काव्यान ,তার্নির্ভার এক শ্রাকার কালীন হইতে **হই**রাছে।

वहीप्रदर्श विशेष मध्याच कविनम्त छ अध् বিচারালয়ের তকাল্ডীর নির্মাবলী প্রকাশ क्तिश्रोद्ध्या। राजाता क्रेन्ट्रक शतीयकहित्यव लिक्ट्रें बाद्धानी खात क्यानकी नदीका प्रमान भारेबीट्डम केराजा विमा बन्नीकान बरीक्रद केलीन स्टेटक नामिएकेन ।

्रे क्रिकेटमहे क्षेत्र क्षेत्र के क्षत (महम श्रानीतः कानमाप्तिमत कवि क्रिएउट्न। अव्यक्तनीत फेब्रा नेरोहेन : अब्दार प्रतिक está विचार्शक कृतिशन वार्णाम गारहराज्य यथार्थ '' त्रकाकरी व . अशीरत .कर के देवें देवें " यस कारतात अधात | देविया आरत ।

शहित्रभंक <sup>9</sup> छैलादि शहिता निवृक्त शहेतादुवा। कर्दन क्षिक कात्रकार्य अक्षाचमम् क्षिक्ष पादात कार्यादय मुहेटन।

পুলিবের ইনশেষ্ট্র কেনরর সংগ্রিষ্টি বস্ (मनीय भवर्गस्य केंद्र विकास क्रमान्द्र नद्र माख्यः किंगे विमय मारश्रवत विकास अहे विलेशा अहिंग বোগ করেন, ভারতঃ পুলিব প্রশারিকেরেটার हैव स्मनहरमञ्ज मिन्द्रा कतिश्वादश्म । स्मानेन्द्रके भव**ंत्र निकास क्षिशाध्यम शूनिरंदर बासिए**स् **টের সহিত যে সময় আ**হে কে:বিষয়ে বিষয়সাং (श्रवंत्र क्षत्र सत्र माद्रे, क्षित्र कीवात्र गुरुक्षत्र कावा. "অভিশব দুবণীয়: \*

५१ दे मीच मनगदात ।

,बार्ट्स क्रिक्टिया बर्ट्स, निद्वासर्वाहे क विश्वासनिवादत इदेन इर्ग विश्विष स्ट्रेगान आका ষ্ট্রাছে। তিনি বলেন শিল্পালভোটে হুর্ম আর-শ্ৰীংক ৰটে, কিন্তু নিয়নিনিয়ারে ইহা করা নিভান্ত প্ৰব্যয়, বেহেতু দিলী হইছে লাহোর এবং লা-मर्चित्र अरक्षाणम श्राचित्र मा। इर्ग निर्मान विकास वर्षेत्रांस धर्वटमट्डेड विटलव जिन हहेन्नाट्ड !

উক্ত শক্ত আরও বলেন, পঞাৰ জন্ম করিবার, शुर्व भीकिक्दितंत्रश्रहिष (१ त्य शादा युक्त व्या, रवेदे स्वरं व्यक्त क्ष अकृति भारतार्थ खळ स्ट्रेस्त् ।

া,পৰজিক ওপিনিয়ম বলেন, পঞ্চান্ত্রের পুলিষ प्रीक करतकत्र राज्याका विषय अवाभिक परे-য়াছে। ইহার অনুসন্ধান আবল্ধে। পঞ্চানের শাসন প্রণালীর বিষয়ে সরকারি বড উত্তয রিপোট হউক না কেন, ক্রিন্ত সর্বসাধারণ আক নেন উক্ত প্রধেশ অভি মন্দরণে থাসিও হয়।

ইংকিসমান বলেম, রামপুরের নহাব পীড়িত **ব্ট্যা গত** কলা কলিকাতা ত**াগ**কছিতে হাণিত श्रेत्रं एक्न ।

केळा शत्र कृतित्रक्षक मार्गाम मारहरस्य विकृत्व भूनकीत अक श्रष्टीय निविद्यास्त्र । शूटर्स बालीन जारूव शब्दू, छ रहेता हिस्स । এ विरुद्ध हुई थामि शत शकान करा स्हेप्रोटह । यानीन जारहर शूर्त कि किराम रा पथा हरे-ভেছে না, একৰে ভিনি পকৰ্বৰ উত্তৰশ্ৰণে कतिराज्यस्म, फांश स्ट्रॅंटन स्थापे स्ट्रेन । मा-क রেরা এই কর্মচারিকে দুর করিবার চেষ্টা পাইয়।

ভাকার আভার্শন, কেয়ার, ইওয়টি, নাকনা-দীলা, কলিস ও পাট্ট ল এবার মেডিকাল কালে অের পরীক্ষক নিযুক্ত ব্ইরাছেন।

ইংলগ্ৰীয় গৰণ্ডেই ঘাবতীয় টেলিপ্ৰাফক্ৰয় **ইবিল্লা** ভাগা পোঠখাকিলের সহিত একত্রিত **ऐत्रिवा**त মামস কৰিয়াছেন : টেসিগ্রাক ও ব্লেল-**ब्रह्म स**न्न कड़ा मा प्रदेशन मारहरवन श्रकार

ডিউক অৰ সালেকন পেসোৱাৰে গমন করি शास्त्रमः। जारहारत जीहारक शरवाञ्चि नन्दारमय দৃষ্টিত এছৰ কবিবার উদ্যোগ হয়, কিন্ত বাজ-🚁ার গোপনে অমণ করিতেছেন বলিয়। সাধা রু**র সম্ভান লইতে খীকুত হন নাই** !

 ता गारहबरक बणस्यरणत स्वर्णकेक विश्वतंत्र क्या क्रिकेक कि मा, देश महेदा कर्क स्टेरक्टर । প্রে সাছের নিশ্চর লেপ্টন্ট গবর্ণর হইবেন। কিন্ত গ্ন দিসিল বীডনের কার্ব্যে আমাদিগেব সিবিলি প্রাথ পাগুমুক্তরার উপর অভক্তি হইয়াছে।

ं १३ है बाब बुधवात ।

श्रक्ष क्या बायमा शाहित्य अक्षेत्र हुच छीरमाक हफ इदेशारह । शूर्य बारश क्य वात , रखा रहे হাটে। বেখি হয় লাইদের ভাল ভখাষধান না शक्रांकर अञ्चल प्रदेश स्टेटकटर । वाशास्त्र ভর্মানবারের ভাল নিয়ন করা হয় করা কর্ত্তব্য।

বিবি মেমনার মাধে এক স্তীংলাক ভাষার বানীয় নাম আৰু বারিকা আগরা বাংক হইতে द्रांत अ००० ड्रेंक्न वास्त्रि कत्रिया गया। अकटन চান্ত্র প্রকাশিত ২০মাতে জীলোকটার নাবে রাজীপি হয়। সে জন্মনগ্রে পলায়ন করাতে मानी कईशरकत नवकि अञ्गति केशरक कि कडिया जाना स्वेतारह । माजिएके छात्रारक जिन्नाम नवर्गन कतिप्रीट्या । এই मकस्मानि बेह्नब माहनीय।

श्राचारे लाटकडे बरहाय, ३३ व रक्ष्यकांत्रि ात्र वाष्ट्रिक क्रियात रवाशारे खत्रक करित्वन् I'S है है ে ই ভূচন শাসনকর্মা আসিবেন। কিছ সচরা র বে নিয়ন আছে ভাষার বিরুদ্ধে পর বাইন क्क्सान या जिम शांकिरवन, फा जिम नार्यम মেকা বারণ করিবেন।

ু আগরা ব্যাক্ষের কার্ব্য শীল্প পুনবারজ হটুবে, হ্রতের হাইস চালেলর উক্ত আজা দিয়া क्षेत्र । ब्राटक्षत्र बहाक्षरसङ्घः चाणाकषः अरु अरू चि शहरवन, देशव मधकत नीत होका स्रव निष्ट्रके इ बहारणत अखिनिधि बहर्दन नाट्स्ट ब्रावाहित्येत्र भावा वर्ताक्षत्र कार्य शुनवात्राच्य भवत्व वानि मक विज्ञाद्याः क्षेत्र अस्तिवादस्य ।

∖ মানে বোখাই হইতে ২,২৯,ইং∙ টাকার ভুলা রকানী হইরাছে।

১৯ এ যায় বৃহস্পতিবায় ৷

विश्वीरशरक कानका कविदारस्य अवस्ति भशास्य कशल स्टेरव नाः ख्यात इ<del>र्किक</del> सा रुष्ठेक, विद्यास व्यवस्थ स्टेटर ।

যান্ত্ৰাক টাইমস বলেন, ভত্ৰভা মিউমিসি পালিটি গ্ৰথমেন্টকৈ জানাইছ'ছেন জন্য জন্য সভাত জোকের ন্যায় কর্ণাট রামারংশীয়দিগ কেও মিউনিসিপাল আইনের অধীনত্ব করা উচিত। মিউনিগিপাল কেন্দ্র স্বাবতীয় আই নের অধীনত্ব করা উচিত। এ বিষয়ে কাছারও **ক্তিয়ান ক**রা **অনু**চিত।

১ লা এপ্রেলের পূর্বে লক্ষে রেলওরে খোলা स्टेटब ना । त्राच्या नम्पूर्व स्टेन्नाटक अवर **कटसक** দিৰসাৰ্থি একথানি কল ভাষা দিয়া ধাইভেছে ৷ কিন্ত কোন স্থানের রেল পরিবর্ড আবশ্যক ২ও-য়াতে খিলহ পতিল।

৫ ই ক্ষেত্রভারি আগরায় একটা কুমুগ্ন প্রদ-শন বইবে ৮৬০০ টাকা প্রয়ন্ত পুরস্কার আছে রু এ श्रमनिमी कि कृषिकार्रात देवकि विविर्ध गरे

সম্ভাতি ব্যেক্সইয়ের এখানতন বিচারালয়ের বিচায়ণতি সন্ন চারলগ সার্ম্মেন্ট অনেক দেউলি, मान जारक्य ज्याध कतिहारक्य । हेम्राटा ष्यराम्बर् (थना (थनिया स्थितिया स्टेशार्यमः)

পাত বি, এ, পরীক্ষায় ১৪১ জন পরীক্ষার্থিত मर्थर ७० कम केकीर्ग स्टेग्नाह्म । देशेहिरन्त मध्या ५- व्यव श्रायम श्रामनीहरू, २৮ सम विकीय লেণীতে, এবং ২২ জন কৃতীয় লেণীতে উন্দীৰ্ণ रहेब्राटबन ।

! हान्यान चान क •१

চীন হইতে সংখ্য আলিয়াছে, আনেক বিলোহী হ'বিষ্ট সর্গর আক্রমণ করিবার উল্লো প করিয়াছে। সম হারি কার্শাস ঘর্থন সিংহরো प्रातिष्ठा ज्ञेचारताव्यन श्रमम् अविरखंडिरमम्, खर्चम অম ইয়াকুইন অসমসাহস সহকারে জাহায় र्यश्र करतः हे वेशश्री काशास्त्र वे देशून रुदेतारक्षमः। जिनि वनितारक्षमः। विरश्नीवृतिरशत गरिक गरकार तकि कतिया मध्यम केरकि माध्य कंता टांशत बाजनीचि श्हेरूव, यनि छात्रिवसन् উহার সহায়তা না করেন, ড ডিনি পর ছালা केतिहरम । देशहरू । शामात्र मिक्यहे शुमक्रीके আগুন লাগিয়াছিল। ছেড়েটানগরের হই ফ্রেক্স

সম্মতি সওনের দক্ষিণ বিভাগের ৩৯-জর क्रेरेकेन अप देखिश बहुत्तन, शक किरमदत्र (शिकासकोष क्य मार्न क बाहेबाही द्वाबाटक

चाहामिरशत सतियाचा स्वतारहर भूक स्वाहान गोत्रविद्यान पर्यकास ने सेंद्रा स्थान ।

**২) এ লাখপরিয়ার** 🛬 💮

क्ष हो के प्रसादि क्षेत्रमन्द्रका अधिनेदः वस रहे वारके। बरका विक्रेस सामान क्रिनामा संक की क्या के कट्टान । मामगुरका किया अवस्थित के उम नक बामनिक इंद्र। माननूत रानी अक वास्त्रि गर्नारम्भा केसम् अक कृत क्षान्त्र क्षित्री পুরস্থার পাম। মেদ্য হাগাম ও গুইণালিভ শক্ষীর জন্য যে সকল পুরকার কেন্দ্ররা হয়, ভারা वात्र रेफेरमानीरम्बा वाख श्रेतारस्य ।

प्रदर्शन्तेत्र. बानाव अक्षी संकाश इंखी প্রথম পুরকার সাভ করে। সিশের ও ইয়স্ট 'क्शिल्याचि **उत्तम क्या** सम्बंत क्षिक्रक्टिन्यन व्यक्तियत विवतं अक्टब्स्वीय अटनक अमीमांत त्र अक्त 'कड कवित्रासम्ब । इतिकाशास अक रचनीत्र अक वृत्तिक किलिय कम् अन्तर्गम कतिया नुवकार नार्यारक्ष्य । सम्मनुद्रम् अक् सम् अप क्षिणीय अर्थ केन्द्रम ज्ञानवश्विक्यांत्रेत्रि सहारक खीराएक कविनेमरसर भूतकात स्वता व्हेबारह । अकेषित्र था इ स्टब्स्न कतिहा करनदेक श्रुवंकात्र भारेत्रदिश्व । देशेनिटश्व अहिकारम अवस्थितीतं, উৎসাধ বিধে এখাদভায় নিশ্বও উপ্রতিলাভ ক্যিতে পার্ছে।

ইউরোপীর সমাচার।

नक्षमः है आद्योति । जात्मित्रभाग्न वद्यानको সভাপত্তির কড় পুর ক্ষড়া ডেংহা ছির করিবার क्रमा अक् क्रिमि मिनुष्क क्षिप्राट्मम । क्रममन का কি বিস্তুত্ব প্ৰতিনিধি সনোনীত করিবার ক্ষমতা দিবার অধিনের প্রতিবর্ত্তকতা করিভেট্নের এক্সয় টাবার বিচার করা মহাসভার উপেন্য। ইংল-धीत अवश्वामें क्यांनिरमेन्द्र हेरशास बुक्टक Brichen fruiten, Gill mitalemin naf-विकेट किसाना कर्त्वन छेल्ड कोल्डि हो वहाँ क्षित करियोत अर्था कैश्वर मेंग्रह महिएक रीष्ट्रण कारका कि मा ? शुर्क काशिकारिका विरवहमात्र विषय गक्या क्रित श्रेट्स । अविकाया रहेरचं जानक रक्षमन सम्बद्धिक अंतर्राक निव्यूर्व **मर्ट्स क्य व्यवहरू ।** 

्रमध्य ५१ वे आध्याति । सुध्ये (बार्यात म्पानं यदिकांत स्वातक क्रांकि विक्रवाम्यक कर्ति वांचात्र वांच विनय नित्रक केल्लिक रोन ates artesta dieta sera Bern micein ALL BUT WAS MADE ALL WHICH क्रिकारिक्षान्।

ABOUT THE RESIDENCE OF THE PARTY. Tricks of the state of the constitution of the conference of the constitution of the c बराजका पुलिसका बावन करा प्रदेशाय क्या **一种的中央中产产业中国的特殊的** 

्षण कार्यक कार्यक कक्षणादन कार्य कति। इ कर्म केटककान कवितारकत

कार्याकात् नीया खेळ्यस्था प्रक्रिक स्टेटकर । प्रदेश हरू स्टेटिक कार्याद्मक (जीका कर्याक संस्था । कार्याय नक्या स्थानित्य श्राम कतिप्राटह । ३ । कार्याचि किटीस वाणित कियम्पर चाल्यम न . कतिप्राटह । गडाटिन (कहानी ) वस्त् का नावि -स्टूडक ।

व्यक्ति वर्षे ११ हे मर्ब्याव निविष्ठ वा व्यक्तिमान भूकि निवाद मिन्द्र निवाद स्थाप हरेग्रा । यह विकास मानमिन्द्र मिन्द्र निवाद स्थाप हरेग्रा । यह विकास मानमिन्द्र हरेग्रा । विकास मानमिन्द्र । विकास मानमि

# থেরিড

মানাৰর জীবুজ নোমজকাল সন্পান্ত মহালয় সমীপের ।

अप्रजात वर्षानिय ग्रंका ।
अप्रजातिन महाउक्त ज्ञानिम्ह वर्षाव क्षेत्र क

THE PARTY OF THE P

निविक कार्श्वासिक कांग्रे बराबार के कांग्र के का क्षेत्रात क्षेत्र कांग्रिक क्षित्र क्षेत्र कांग्रे । पुन कार्श्वा अवेह---

वे नक्षातंत्र प्रभूषेतं कथ विन अवति ---- ; र्रहेड़ाटक् ७ (कोकात क्ल क्लान, माल ? जा । वे चाहात्र तकतं कि चांबदात नर्च ? भूरकारि । टेक्ब्राक्ताममं क्लाम् अभागाञ्चनादव ? भूजना ह देश्वांशांक्षय अव्य कविद्रम् किथि मानवांत्रम् ह क विवासि भूका क्षांत्र (कांत्र कांत्र श्राप्त १ देर । महाव्यक्ष कार्य कार्य किल किल्प कीम्रतमां क व ह गरतर कासन रकाम जानाइन ? जानान करि । देवना श्रुवं शक्ति शक्ति वर्ग में वर्ण प्रयोग कतिशे क्षक ग्रहितक स्वोक्षा स्टब्स स्व बनाटक ने अनर चून कड़क गढ़ कर कर देवता। रह र वाकारका रकाका करवस (कांक्र क्रावास 東京 山田 海洋 東京 中山 田田 東京 東京 田田 wante was very one of the life रेमरका विरक्त कामा विकास कामा हका ध्यारं ? दिवाचित्र प्रकृष्ट्या नात्रन रन क्या ह ভাষা কোছুৰামানে ই বাজাৰ বে মাত্ৰ আচ विष्यु क्य जीवी क्षित्र क्षणाद्य कृतिय । विक् ভেন জাৰ ক্যা শাস্ত্ৰনিম্ম হইলেও ভানা করে (काम 'सम्बंदन ? क्रवहार्व वज्रकांत्रवंत्र मञ्चानांट আত্মকর্ণন এক আচাত্রক্তনিত আহে ভারতে अह के जिला गरी सहित्य जाकावर्गन करतम अवर कुम् कु प्राचीटक महमकात्रमं महाम कारा इंग्रेज समाद्य ? वामासूचनवसम्बद्ध अक कर पूर्व विकेशी भूजकाणि । संदर्शकुक श्राहित गर्द मान्यतिक्षे आहा कि शकार्र है वसकार्ति विव-बांत संक्रिक्तक । अध्यक्त विक एक्ट्रे कृति संक्रिक्त किन्नदर्ग आहा स्ट ?

वर्षे महत्व छारगारी छेक मुक्तानाती (गाएक)
निकार क्षेत्र करिया क्षेत्राता कर उप छेवत
स्थान पराव । छारगार महत्वा करिया महावाना
विभीत रव नार्ष । छ्यारा स्थानक विभीत महावाना
क्षेत्र मक स्वाती छेक गांक्य स्थानक विभीत हो।
क्षेत्र मक स्वाती छेक गांक्य स्थानक विभीत क्षेत्र करिया
क्षेत्र स्वात करिया करिया करिया करिया करिया
का स्वात करिया करिया करिया करिया करिया
का स्वात करिया करिया करिया करिया
कारिया करिया करिया करिया करिया

TE TE TENEDE BEL Grou meral muinter

गणामगरितात श्राप्त में श्रापत श्राप्त करिए सम्बद्धि कतिएन कैं।शास्त्र मामग्राम्य स्थाप अक्र पानि श्राप्त श्राप्त करत्व । पाना स्थाप बद्ध पुर्विक रहेशारक ।

व्यक्त वहाताल जानम महामम्बिरगद्ध सारी के नकम मह्मानाही शर्कत महम्म वा निर्के मा मिन्द करियान समा कार्यम करिया कीमान विश्व करियान समा कार्यम क्षांत्र कीमानिय काम भारत के नकम शर्कात सामान का भारती कारान निर्देश निर्देश करियाना

शक देवनीय मारत महाताल जागम जुर्दिकाल **बर्ग (स्विनागज सह है बर्रज (व अञ्चलीही वर्ष** व्यवस्थित हैश कर्ष मिनी तका बोहा मिनीक क्षे शार्क। अववर में नकन शर्य (व् नकन जनाता ধ্**ইরটে ভা**হার প্রারশিক্ষ সকলের **ভ**রা উচিত। मेरे श्वामना धानिक प्रेशन क्राम्तके धान-विक्री कविया से बक्त वर्ष अतिकाश कविद्रक প্রিক্ত করিলের। এই সময়ে প্রধান প্রথান সম্ম যাঁট্টী লোকেয়া মহারাজের প্রকি বিভাগন করে हेर्य प्राप्ता क्याम निकल प्राप्ता देश नक्षमान क्रिका प्राशस्य होता मध्य रहेता अहे कांका. *র্বেমংবে ধর্ম নির্বয় সভার গীক্ষের হল জম* শক্তি**ক** क जञ्जाबाद्वीरवज्ञ महंबज्ञ एवं यान मंखिए क উতন্ন বাদী সম্মত মধ্যত্ত লাচ কম পণ্ডিত থা-किया ग'श निर्नीष स्ट्रेंटर खाशास्त्र यति मुख्य माग्री क्षा कार्यातिक में खाद्यगाती रम, करव क মত আন্তরণ করিছেতে সেই মতকরিতে পারিতে নটেৎ শালনাৰ হইলে প্ৰায়ণ্ডিত করিয়া ভাষা **अतिषद्धाः अविद्याः ६३८व**ः मुख्यम्।वित्रन् **अदेश**न ইন্ডিয়হাপু<u>রা, ু</u> অরে *নিয়েশ*াবেশ রেশা<del>ভ</del>য় र्वेटके मुख्कि म्हानादेश कार्या चारक स्वेटन : **बर्ट क्छ क्रिकेंक्स इंदेरमा मन्त्रकारी मिरमा**त विक्र প্ৰতিফাপত্ৰ ক্ষমত ক্তিকে বাববার লিখিবাচ **बोर्डाची (क्लिकेटर प्रांक्ष करते श्रीत) (कर (कर** या त्र शाम स्ट्रेट्ड श्रामाश्रीक स्ट्रेन ।

अहे नगरम नजान हो लिए कहा महाहारका अहे नगरम स्नारमका रुद्ध रेक्स वर्ध हैटका कर्म महिर्द्धारम कहिया अवस्थित क्रिक्स कर्म विक्रीय कहिर्द्धारम रिक्स अवस्थित क्रिक्स कर्म क्रिक्स करिर्द्धारम रिक्स अवस्थित क्रिक्स कर्म क्रिक्स कर्म (अनिट इन्हें नोट्स्ट्स क्रिक्स कर्म करिया क्रिक्स (अनिट इन्हें नोट्स्ट्स क्रिक्स कर्म करिया क्रिक्स (अनिट इन्हें नोट्स्ट्स क्रिक्स कर्म करिया क्रिक्स (अन्द्रात्म क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स करिया क्रिक्स महामा हुका क्रिक्स क्रिक्स करिया क्रिक्स महामा क्रिक्स क्रि

निरम्रांभिष्ठ इस ७ १५२८म्य। छेउमऋत्भ इस हैरा আখার নিডাভ বাঞ্নীয়: ড'ছাচেড যে প্রকার উচ্চারা শুদ্র সংস্থাদি লারা দেবদেবা দুখিত করিভেছেন ও দেব দৈবেদ্য যে বিপ্রসাৎ না করিয়া শুম্পাং ও বিক্রয় করিতেছেন, তারা নতাত অসদাচার। স্ততবাং ইহাব সংশোধন মন্য বিশেষতঃ ব্যক্তাচারীদের আত্মসমপ্রকল ,ধ অন্তঃস্থ কুংসিডাচার আছে, বাহাতে বোষাই এনেৰে এক মকদ্মা উপস্থিত হট্য়া বিলাভ ধৰ্মান্ত ভূমুলকাও উপাত্ত হুইয়াছে, এবং যা-ার বিপক্ষে গুরুর অন্ত্যাচার নামে এক খানি ংরাজী পুত্তক লিখিত হইয়াঙে, ঐ কুংগিডা-ात गरमाधम कमा आवि **এই श्र**कात **छे**णात দ্বলম্ম ক্রিডেছি। এইয়াপ এক পত্র লিখিয়া ধ্যশ্বে গত আগরার দরবারে গবর্ণর জেন-লের সমক্ষেই স্বয়ং ঐ বিষয় জানাইবাতে গব-त्र (समजन अरे फिलाय-सकान काउन ए লেশ অভ্যাচারের বও না করিয়া স্থান কুরীডি ংৰোধনে প্ৰবৃত্ত হইয়াছ ইহা আক্ৰেণ্ডের বি हा अध्यान व विश्वत आंशारमत कुम्मरकरणत র্বল্ডেডা নাই। গবর্ণর এইরূপ ক্ষতিপ্রায় काम कतिहारक्त कानिया मञ्जूषाद्वीपिटगर ক্ষকশ্রতি প্রায়ন করিছে আরম্ভ করিলেন, নম্বানী মহারাহম্বর 'অস্বাপিও জ্ঞান চকুব ।বীপন বয় নাই বলিয়া তাহাকে গঞ্জালুগতিক। পারিপান, না। ্যারে পূর্বাগংক্ষার ব্যক্তই আঞ্চর বিরাচ্চন। न श्राह्मक किन्नू विहनत बहुश जी व्यवसाय **কাৰ্নিত হইটেড়ি**জাৰাৰ চুত্তীকৃত হইবেৰ।

সজ্ঞধারী লোক্ষেরা খন্য কোন একার উপায় াপাইরা কানা স্থানের ব্যক্তিত ও রাজগণ क्रिवादन कर्दे ध्वायनी कतिया निरुष्टहरू स्व मर्ग । अ त्रामनिक्**र वेनंपर-पांचसकी २३**वा कामारतत रक्षप्रकृषि विश्वमा कविष्यप्रदेशम् । किसे शुरुक्षप्रथ र जनन रुकान जाधूनक जनगण रहेरले सा-रिक्र शाहित्यम् इय महानाम् देशसम्बद्धाः । '**मर्द**) क्षि**रक फ**ाइक क्ष्युब मा**हे, (क्**ष्य माह वकाक कार्तीन वरेकारे करे कार्या कतिएक हम। मुख्यक्ति चारनम् श्रद्धान श्रद्धान <del>ট্ড্রকর ুবহারাজের</del> অভিনত বে প্রতিজ্ঞা **লু'লান্তাক্**রাক্রুনা করিয়া এক অভিনৰ किंग्सील शक्त केविहा शाठीय, जाराट ই বিশ্বিক হয় বে উভয়পকের ভিন্ন ভিন্ন हाई बहेका अझामकीटर्न विकास स्टेटर, विक छ

निव এই উভয়ের সুরস্তাতি উৎকর্ণ ও ভবার্ড। মুদতা বা উৎকর্ষ বিবেচিত হইরা বাহা স্থিয় ংইবে ডাহা উভয় পক্ষকেই এংব ব্যক্তি হইবে : কিন্তু <del>ভৈৰ্মৰ্মের কোন মহাত</del> বদি খাকর না করেন, ভাষাতে কোন বৈক্ষা সহল-নাপ্তের মহাত্তক স্থাকর কবিবেন না। জ্বীৎ ভুজ্যককতা ব্যক্তিয়েকে অপবের সহিত ভাঁমারা প্ৰতিজ্ঞাপত্ৰ বা নিৰ্বন্ন পত্ৰে আক্ষম করিছেন্ ুনা ৷ এইরুব প্রতিজ্ঞাপত্র আবিবৈ মহায়াক পুনর্কার বোষণাশত্র প্রকাশ করিয়াছেন বে লৈব रा टेक्कर शर्मात फेरकर्य का व्यागवर्ग जामात বিচার্থ। নহে। সম্প্রকারী কোটকর বে সকল জনা हात श्रदर्श विभिन्ने **व्यक्तिक अ**हा गमून वा विभिन्न रप्रदेशरे जानाम जन्मसम्बद्धाः जन्म । कविष त्वत्र विद्वीकृत्रवार्थ अधिकार्यक्त शूर्वायक किरव कि ना ? वहि अस बाटने बेटेसे का भाजना वास कटन मध्येकाडीनिशरक वर्गालंक वरिष्कृत वनिश शनः कर्ते **परि**द्यः

D B

## यानावत्र जिब्रुक स्मामध्यकाम में लावक महालंब नमीटलंबु ।

महानप्त ! (क्षका मनीवात, व्यक्तक तानावार्षः बद्धाः श्रामः वाची वश्रकाहार्काः मध्यानीः परविविक्तनेत्र २ मार्टनः विकार वाद्यानाः मोक्रमक्त्य माजी नाटम स्थायांनी व्यापमं स्वयः आटमह क्षिणम् महेनम् मटहामम् मंत्रीक्तम् शहेनिके ইয়া বিজেনিয়াই রাজধানীতে পলায়ন করি নিয়লিখিক প্রযুক্তাপপ্রচাদ প্রকাশী জবিব করিয়া चंदतीय लामधार्गाल मा तिलिया नाच प्रेट

> शाग्र ०- । ७**६ कम कामका**म् विक्रिक **अहे**का সম ১২৭- সালের পরে একটা সমাজ স্থাপিন্ कतिशाक्रित्नम । जकरनरे आप्र मनवर्षक, সকলেরই উপ্রতি হয়, স্ববং বে বে উপাব্ধ করিলে क्षामनीटक मच्छा ट्यांनी घटचा शननीय क्या बास. देशाँदै कें। शहरूत अधाम केटकमा क्रिया । विटमक्क প্ৰতি সম্বাজে নীতি বিবছক বচনা বচিত হইয়া স্ভারণ কর্ম সভার পঠিত হইত এবং ইহার্যের मर्था भाग श्रेट्ड विद्रक बाकिया जला ७ मना ছারের বশবতী ধইবার চে**ট**া, **অনেধ্যের** মরে: বল্বতী ছিল। বলিতে কি, বঁৰি 'উল্লড্টা কন্তি' गर इस सर्भार केंद्र गणाह अधिवाही हो। र्ट्टिक्स अवर न**वाले है**ल्लिक अ**ट्**क्लिन कर्मक वित्य नाशिक्ष कोशा **एक्ट्र** काक्ष्मिक्र कार्यक्र नवा नहा वाशन व्यवस्था कार्य कर्ता हैरेटक गातिरखन अर्थ अर्द्रका चटनक किंद्रविभाषन व्हेज प्रत्मक कार्ड । मिल्लीमक व्यानत । द्वारयत

विवन्न अर्थ (व मध्यात्र मंत्रका नकारक अक छावाशम राविमा रूच महामदत्रमा बाह्र नेत्र महि कुलिक स्टेरनम, अवर तका, विक्, मरहपत्र, भञ्चलां भूतका अकृषि अक्ताका व्हेत्राहरम् च्यापुत्र क्रान्त्र विचान शासन कहिताहिरमञ्जू हेरा द्रां अप्रमुक्तन नका गरने । अभिवादी किनाव अ अकाञ्चलक विकारन कडिएक यपनान स्ट्रेशनन । याहाटक नवाक ना हरेटक शांत देशहे खाँहाटनत প্রধান অভিপ্রায় হইরা উঠিল। বেল্পে নায়ংকালে গভার অন্তব্য মধ্যে একটা লিবারৰ শুনিবা-ৰাজ ভানিকটছ সমুগায় বিশিল্যানী দিবা-গণের কোলাইটো শুনিতে পাওরা বায় ওরূপ ं वैशासित वटका आध्यद्वके अक्यका कार्यसम् क्तिया टार्काम्बर्ग मन्त्री स्वित्रकी रहेता देशि-বেন। বে বাসীতে সমাল ছিল, মান্ত্ৰা ক-রিরা তথা হইতে সমাঞ্চ উঠাইবার চেষ্টা করিতে লাগিলেন : ভাছাতেও ভাছাদিগের মনোয়ও পূর্ব ক্রিভেনা পারার **উক্ত** সভার সভাদিসকে এহার করিতে মন্ত্রণা করিল্লা সভার পর্যাং-সাহী এক সহদয় ব্যক্তিকে বিনাপরাধে মারিতে উল্যাত হইয়। পশ্চাৎ পশ্চাৎ থ্যবিত হইয়া ছিলেন, শ্রিশেবে ও ব্যাপারে কেবই এক্লড বল ও সাহস व्यवस्य कविएक नाहिएसम् मा, काह्रव मकरन वरे भावकना काशबरे व्यव राष्ट्र कांत्ररात नायक व्हिम वर्ष । क्षेत्रीया कृष्टमर्टनत अवस्था हवएकोत जा চরণ দেখিয়া যাম্যুদ্ধিক উত্ততির আলা ভর্নায় वक्त्रांबीक विमाध्य विद्वारक्त्र अवर क्रवर्धि गरू त्महे ऋत्राक्ताव । तक्ताव स्टेशांट्य । तक्तावह गन्गांक्य बहालका केक जाक्किया ब्राटक विकास विवास कि मुख्य हरेटकर के कि का जाना अरम्बादक विक्रम व्हेन क्षतिका जात्वरका हुन क्टम क्रांत क्लिएक्टइन । अक्टन क्रवासाह शरी इतेज्ञा चीत्र कार्रामः विकासः मेल्लिका चांत्रः शक्र मार्थे को कि मान कहिएकहरूम । काशासन हर्दन नाम नीमा नाम, वेदमानक काम, जेकन, निर्मित मानक क्षित्रकावन । मानावक स्थानक । सार्वक विशेष मात्र कि विशेष बोका व का बाद अवस ern alle ficulte, and viels als alleger und annen Winteren i gest auch THE PRINT SET, MARCH THE TREE STATES witer fund " unter rum arfuff and PROPERTY OF STREET STREET AND STREET AND STREET PRINT STOP WERE SERVED CHART SHALL S कारी क्या प्रतिकार क्या महिला का स्थाप करें सहेंद्र में ना किएके क्या क्या महिला का स्थाप महिला

<del>ক্ষ্মিটাইনিন । সালি</del>য়ার বাজি কাহান্থনিয় स्कार लेक्सरिक कार्या कार्यि टेमर्बर्ग की ध्रेत. यमि प्रमि योगताचे चीकान्न श्रू र्यक्य द्वेबकारिए शक्ष म्बोरन सैनिनाक क्या. क्यांस स्नादन कर्मः **स्टेर्स । एक्ट्रनास हुन कृत्ति ग्रं**थानन् अञ्चल नाम बन्ममा कहित्न कोहान शास्त्र काम इड-प्रोटक । मन्नीमक भर,भग्न । । शाहक वहन क'लहर **হেবতাপৰ নি**ষ্কিত আছেন, কিন্তু হেবিলান. ভথার দেবভায়া সম্পূর্ণভাবে ভারাং :

> अकाष्ट्र रमधन এক হ'ল হিতৈবী পরিপ্রাঞ্জ :

## चीनारतं 🕮 युक्त स्मानंद्रीकानं नेष्णीएक महाभन्न मभीटलम् ।

न्रवितय निरुक्तिमधीमार----

अर्प्यापक प्रश्मम : ज्यापनाव 38 **वे जा**लुबा-ब्रिट गामशकान भट्ड " वित्रकाम र जाए, व सप प्रकृत्यकात्रीकिरशत पथरे शतिनाम मन " এर मिरहानारमत्र श्रितिक भाव बा!न भाक केतिया অভিনয় হ:.খত হইলান, কারণ আপনায় পত্র-श्चित्रक महानव । त्रावात्रत्वत्र मिक्ड प्रशहरखे-८७ के गार्टश्यत पूर्वी चानूरक व्यवस्थ केनेवाणि-आर्हेर देशकी बाहर कहितारहर, किनि अर्जिन क्तिप्राटक्न त मुख्ती बांबू इक्किनावी, वर्षाय बाक् मारमहे शुनिय क्यांगांत्रिक्तभत्र वाक्य छ ক্ষতিকৈ উর টাকা হইতে হাওলাভ শৌধ বলিয়া অনেক টাকা কর্তন করিয়া গইটেডট্রিসেন বৈধাৎ ভাষা চেপুটী পুলিব স্থপারকৈতেও সাংহবের ক্ৰীবৈচ্যু হওয়ার সাহেব মুহুরী বাবুকে সম্পেও कतिशार्धिन । जार्गनात शत्रदर्शतक विरयहना करेशन या जे शिवनांक त्याथ श्रेष्ठक शावनांक ब्बार्ड नटर क्रुडेबार क्रुविदि हेटल हे नाटश्व मुहत्री विद्वार व्यवित में है। क्या दिशा देशत । क्या वर्ष খেন, ডক্সম; ডিমি সাহেষ্ঠে অনেক অপ্নৰোধিত क्तिप्राटक्य । अक्रेषांश विक्रकेन विट्यहर्मा २३-' তেছে বে আপনীর পত্রশ্রেরকর সহিত মুহুরী बाबुद शुक्तावित महाका कारह, केमना भवारकात करने कारने क नवार बाड़ा पूर्वी बार्ड क्षेत्र देशक्षियोज्यस्य क्रिकेश शहिर्द्धम् । याश र्केन्ड प्रवृद्धी याचे राशांत्र महात्र नहनी कार्यंत्र महस्त्र, विति क्रिक केंग्रेस्निकाक, उक्ता किनि किह भौके क्षेत्रिक नरस्य । बोजनिक स्मादिकिए अर्थ गरिवर केंद्री बायुट्ड किहू वित्वेद जना गटन्छ क्षेत्रोक्ट्रम्य वट्ट, किन्न अक्ट्रब स्वितात मटण महाटक बानान विका चक्ट्रब स्वित्रक कृतिशा-क्षेत्र निर्मारका कार्यक कर्र (क. भून क्रिकेट के कार्य करेश वर्षक (कर्त ?

गार्ट्य संविद्यान्तिम द्यं, क्रियन्त्रता वस मान्य এখ'নকার এক জম পুর্বোধ স্বাইনশ্রেপটার কডক ওলি স্বকারি টাকা ভছরণাত করিরাছিনের बुक्त्री बाबू त्म विवन्न व्यवशक्त बांकियां छ छित्।--চক্ৰ দত্তকে ধরিবার কোন বিখেব উপায় কবেন মাই, এই বলিয়াই দাংহৰ এখনতঃ মুত্রী বাবুকে শ্ৰেপ্ত করেন। পরে বিলেম ভদত্তে জানা গেল বে উন্নেশ দত্তের টাকা ভছ্রাশাতের বিবয় মুচ্বী বাৰু গোপন কলেন বাই। ব্যং ভাৰাকে ধরিবাৰ ष्यानक (हड़ी कविद्याद्वितन), किन्न अक्षेत्री विरम्ब कातरन केरमन एक हर्त 'व जानावाकी स्ट्यास ৰুচৰী বাৰু ভাষাতে কুতকাৰ্য হইতে পাংসে ন'ই। ক্লভরাং মুছ্রী বাবু নির্দোধ হইয়া সম্পো जन हरेए कराहि नारेबारकन।

পত্রপ্রেক ব্লেন । का क्षांश्विद हिनाद्द्र সর মারি কাগতে হাওলাড লোধ বলিয়া উল্লেখ পূৰ্দ্যক মুড়ৱী বাৰু অনেক চীকা আত্মনাৎ করি-তিক্রিনেন। সম্পাদক সহাশর । ইর্ছা কথন সভব হইতে পারে না, বেহের ইং। নিডান্ত অসমত ও বিচার বিরশ্ব, ব্লি হাওঁলাত লোগ বলিয়া কোন कांशरक रेनचा चारक एरव काहा जरनाहे हाल-লাভ দেওরা টাকার পরিশোধ কইবে। কারণ अञ्चल निर्दर्शिय (कहरे माने 🙉 फ्रेंश्टब्स्ट बांस्टनह नमञ्ज नांकी हाथिया है किंग कहा। दिरमबुखा नद-कांत्रि कांचरक (जार्श विवकान चांत्री ) फाराएक কোন প্রকাবে উলেব করে। ইহাও জানা বাই-(ब्रंड (प. अरे **डिमा**ईटमर्ट बालविक **क्रांसरक**ई मेकि शक्तिक संस्थान वजा कड़िया सारकतः পুচরী বর্ত্তির বেডন ধদিও ১৫ টাকা নাজ কিছ ইন এক অন ভয়বংশলাত ও পূর্মপু ধায়ক্সমে धमनानी राकि, त्हर्णी जुलिय स्निविटकेट्यके নাহেৰ ৰুজ্মী ৰাৰুত্ব সক্ষরিত্রতার ও কাঁই।দক্তা त्र विवय श्रुशीविध क्षेत्रां वृहेत्रा विध्वस्था महते আছেন, বিশেষতঃ ডিনি কুবিচার্রক , ডিনি কর্ব बेहे जानमात नवें के काजब नजरश्रदक्त कथा। कर्गभोष । विचार्ग क्षित्वम या।

্পত্ৰহোৱক কালে। বলেন মুছনী বাৰু কেবল শদোশনকে হসুর ও খিমবিভার প্রকৃতি প্রদান अधोर्ने विटेन्यन भंगे बाता कृषिक इहरकांबृहत्त्र असरेन जहाँ हिन्ड रहेन, किन्न बालविक जाना बर्ट र जिर्दि वार्ग्यक्रीमार्थिव 😿 उद्दर्शीय व्यन्त नक्टेनरे पूर्वानक वेंद्रण किंदिन मक बाहा कृषिक रहेश कार्रहम । इंद्र क अंबर्ध्यस्यक 'बानक' नवर बैंके भ' बिंदने वेन भेक आज़ी में बाज़ी व्यक्तिनं कॅरिक्राएकने । पूछती बाबू केंक चिन्नवन मर्टकर्ष दाश्री बेट्डिम, किटर्न क्रीलमात्र शब्दश्र ब्राटकत

गडरेंदावक कुरुही बायुक्त कार्मक कुट्टेंस कार्कून **चित्र मुनिय्य क्षर्यन थात्रा जन्मियाम् अस्** कारन ज्यानिक करियात्त्रक ज्ञाल क्षा क्षारकारका निडांड जम क निर्देश । (बाध कड़ि, खिनि शुनिएकर " श्रविष्टे एरेवांव छेन्युक लोक महस्त। **एए**क মুচরী বাবৰ পরিচিত মারিয়া क्षर्यन क्षित्र। शास्त्रम, फार्च क्षांशता क्षेत्रमाहे যোগ্যপাত্ৰ ও সঞ্চৰিত্ৰ, কাছৰ ঐ সকল লোক স্থাবিচক্ষণ হেপুটা পুলিব স্থাপন্তিভৈত সাহে। বের ধারা মনোনী চ হইয়াধেন।

२२ ७ कास्यादि ।

ኔዎ**ቅ**ኝ ቭ<sup>ነ</sup>ማ የ

# মান্যবন্ন <u>সূত্</u>য নোমপ্রকাল কলাব্দ 'মহাশয় সমীপেরু।

मुविसङ्गतिद्वप्रविमश् ---

আমাদিগের পরীঞামের হববস্থা বর্ণনা-ভীত। কোন কালে বে ইছার উন্তি হইবে '(অনেক দেখিয়া শুনিয়া) তাংগর আর প্রস্তাধা করিতে পারি না ৷ কারণ যাহারা এগকল স্থানের তাহা বা প্রায়ই কুদং হারাপর নিঃখঃ चंद्रं कुषुविश्व किन्नु किन्नु कुश् कोंक निर्क्ष পূৰ্মণ বিদ্যালয়াদি সংস্থাপন ৰ'রা দেশের উর্জিগকে एक्नीन हहेरन कारत कथक्कि**रब्र**ा খ্ৰীবৃদ্ধি ষ্ইতে পাৱে ৰটে, কিন্ত আম্বা ছন্তাগ্য বৰ্ণতঃ সে আৰ্ণাতেও একয়ণ কলাকলি প্ৰধান করিয়াটি। বলিতে কি ইইারা আপন আপন क्रमीशदी (बोर्चाम्हशद अधिवान काम) मील-কর ভূতকের ভীবন হতে কাত করিয়া প্রকান ছরবস্থার এক লেখ করিয়া তুলিয়া;রন। মহণশন্ত। ইহার উদাহবণ স্বরূপে নিরে বে প্রস্তার্কী লিিঃ-সাম ভাছাভেই আপনার এবং পাঠকগ্রের ছঞ্য क्य व्हेट अधिर ।

আনগ্ৰ • • • নিবাসী জীয়ক বাৰু • • • अमीमांत्रीत व्यक्तिम् श्रका । प्रातिम ধারু 🕶 🏓 জুড়ী 🌞 😻 😻 🛊 🖷 নীল্ করের হত্তে ইজারা হতের আমানিগকে আবৃদ্ধ করিরা পিরাকেন। বর্তমান সময় পথ। ও পুত্র মহাশয়ও উদ্নাধা না করিয়া ক্লেম ইছারার এক ৰিৱাদ অবসান হইলে বিয়াৰ বাড়াইয়া দিয়া মীলকরের হত্তেই মান্ত করিয়া রাখিয়াছেন। ভাগ সম্পানক মহাশয়। স্থান্তার বা ক্র্যীয়াকের প্ৰজাৱ নমল ও উছতি সাধন করা কি অগ্নীর্-देवत निष्टम सदर ? विक एत्र, क्षांच राज्य का बू कि क्रेचंद्र मबीरण व्यवज्ञाती क्ष्ट्रद्वम मा १ कायतः अस मद्र वाश्विकवत वाबूत एकशोर्क १,त्या अध्यान-

r iş

ক্ষরিয়া বার পর ন'র অস্তরিক বেদনা প্রাপ্ত হই। তিনি এক জংশের প্রভাব সম্ভোব ও মঞ্লাথে মিজের নীলের পুরী উঠাইরা নিয়া খালি জমী-। माडी वाचित्मन, भारक शका मीरनद निर्व क्षिति करे भाग अक्षम छ।श भगाउ पर कहि-क्षात्र, विद्याभिका क्षेत्र, अवती देश्याकी बाहरा। विहान्द्र नर्ष्ट्रापम कदिता किटनम, अमार्ट्सम ! ব্রজাকে নির্দিয় নিশ্র নীলকর বাহুর করাল क्षाल ममर्थन कविद्या दादिक्य ।!! देश कि ভীশার সদাশয়ভার চিক্ > না উদার্থার কার্য্য ? बा धर्मवार्शन अञ्चरमाननीत ? जामना अमिन्नाहि শ্বৰ্ণীর বাবু কলিকাডার কয়েকটা হাউসে আবছ বাকাতে নীলকর প্রভৃতি সাহেব লোকের অন্ত-রোধ পরতম হটরা কোন কার্ব্যে সদস্থ বিবেচনা क्षत्रिष्डम् ना । किय जानत्। तिकत्र स्थान दर्ध-ষান ধাৰ্ম্মিক বাৰু সে গোৰে দুবিত নহেন। তবে কি জন্য ডিনি বিভাবিত বিবেচনার পরাঙ্গুখ इक्ट्रेस्स ? कि सम्बद्ध समित्र विश्व केंद्र अन क्षिया क्षत्रवार्ण भग्नापन क्षित्रमा ? अवर ক্ষেত্রই বা নিবাঞ্জা নিয়ন প্রযায় প্রতি এক বারও সময় কটাক্ষণাত করিলেন না ? আসরা তাহ। বুক্তিরা উঠিতে পারি না। ইহা কি ভাছার ধর্ম चीक्र गत्रम स्वरत्त्रत जङ्गत्रभ कार्यः केंद्रा स्ट्र-ক্রেট্র জাধার বছনির্দিক চিববাঞ্চিত ধর্ম **অভেন্ন মূল আমাদিগের দীন নয়নেব বারিভে** বে অব্যাহ্য বিশোভ হইরা কত বিকত হইতেছে देश ভিন্নি এক বার দেখিয়াও দেখেন না।

পাঠকৰণ ! আনৱা চিরজীবন চক্ষর নীল-**ক্ষ্মের হতে পড়িয়া বে কত কট্ট লাইডেছি** ভাষা অগদীখনই আনেন। তিনি কি ইহার এক विम विष्ठाद्र कदिएक ना ? यह शहद कुर्डिय यन বোধাইয়া চলি, তথাচ উচ্চিত্রেরমন পাই না। व्यविक कि विनय बीनकरत्नत्र वार्यमाधनार्य আবাহিগের অনুষ্ণ ক্ষম ক্ষতি বীকার করিতে वष्र । इश्रदेश विषय अहे, क्षेत्रातः ( मीमकत नाट्ड বেরা) আমাদিবের ছব সমুদ্ধি দুদ্ধি, বিদ্যা দান ও সামাজিক উন্নতি করা হুরে খাতুক, क्षत विष्टे वारकाश मरबायम करतम ना। हा বিখাতঃ তুবি বালালিগের প্রতি বিমুধ হও ভাষারা দর্মা খন সম্পন্ন ব্যক্তির হুছে নিপ্ডিড **रहेरन्छ फारामिरशत विज्यमात (च्य रह** 和!!!

নীগৰর প্রশীক্তিত প্রজা ৭।

১- है माच।

**३२१०।** 

## মান্যবৰ জীযুক্ত লোমপ্ৰকাশ সম্পাদক महानंत नमीदशब् ।

স্বিন্য নিবেস্ন্সি-ং---

৯ ই মাধেৰ সোমপ্ৰকাশে চ ক্ৰৰেডিক্লা পুলেৰ আড ডার কনষ্টাবলেয় সাঁডাগাছীবিবাসী **जिवुक ब्ला**ध्य महावयस अक्रांकार्गः सहीनादश **চে) হিব্রকে চোব বলিয়া অপ্যান ক্রিয়াছিল,** ভাষার বিব্যুণ প্রকাশ ক্রিয়াছিলাম এক্ষণে উক্ত বিষয়ের অভিযোগ উপস্থিত মুভয়াতে হাৰড়াৰ প্ৰবিক্ষ মূলেক মহাশয় ছবৰুড়ের লাবিশ্ব विषरम खिक्की भित्रारहम । आशामी अविवाद কৌজদারি সংক্রাপ্ত সক্ষমার নিশ্বভিত্ন দিন क्ति व्देशोरक, निवाशोरक नक्त काफ क्तिव।

সাত্রাগান্তী } **১१ हे माय** 

# মান্যবর উনুক্ত নোমগুকাশ সন্দাহক महाभन्न नमीरशब् ।

শ্বেলা মুদ্দলিধাবাদের মোক্তারি পরীকা।

এ জেলার বর্তমান জন্ম মোক্তারি পরীকা নিবার बार रफ भरीकाची क्रमहिक रूद, फनारमा वी-হারা ইংলাজী বা জাবেন ভাঁহাদিগকে পরীকা দিবার অনুপদ্তর্ক করিয়াছেন। কি চমৎকার ! পাঠক মহাপদ্মেরা সকলেই অবগড আছেন, ১৮৩৫ সালের ২০ আইনের ৪ ঘারাছুসারে হাই কোর্ট হইতে এইরূপ নিম্নমারণারণ হয় বে পরী কার্বিদিগ্রকে সঙ্করিব্রতা ও স্থানিকা প্রান্তির निवर्णन वर्णाकेटक क्वेटच, किन्न काल बट्टावटक्रत কি উপন্থিত মডি, ভিনি দরখাত দেখিয়া ইং-হাত্ৰী ভাষা আনে মা ৰলিয়া একে একে সমস্ত পরীকার্যিকে অন্তুপযুক্ত করিলেন । কি ভয়ানক কাৰ্য। উক্ত আইনে কি হাইকোটের কোন বিধানে এমন কোন স্পষ্ট কি অস্পষ্ট বিধি নাই বে পরীক্ষার্থিদিনকে ইংরাজী ভাষা জানিদেই स्टेरव। अरक्ट वरन ( लाम नाटे वा १६९नह চার তা ) কারণ হাইকোট মইডে এল্লপ কোন নিম্ন হয় নাই বে বোজারি পরীকার্বিদিগের ইউরোপীর ভাবা আমা আবশ্যক। ফলে জঞ সাংখ্য ইংয়াজী জানা ভুকন নিয়ম বাহির করি-लमः। महिन्य बद्धावत বক্পোল কল্লিড बहें बहें करहकी कारन निर्देश करिया हो-জারি পরীকার্বিদের ইংস্কীর ভাষা স্থানা আৰশাক বলেব। ১ ম অধু নাডন জেলা সহুছে

त्वरङ् । विक्रीयकः अवन व्यक्तन्यक्तिवर<del>ण् अञ्चल</del> क्षमण्डा (क्ष्मण्डा स्ट्रां १ कृतीक्षण सर्वः शुक्रारवद्या क्ष्म राज्या आविद्या ग्रीकात केवीर् स्ट्रह्मः अरक्टन हेरदाओं क्रांचा निकात जाना नाकिएड मा । ३ व कार्य नावदक बुक्कान्द्र त्व, त्व मधक कार्यः भूकं रहेर् वाममास्य मनाम स्रेष प्रश्ना छाराज किएमाज राम रह मारे अपर अक वार्यारे বে হারজাতে কোন কার্ব্য হইবে না, এরণ বোধ रह मा। विक्रीप्त कातन महस्य ्यमा केंक्रिक स्थ কেবল বাজনা ভাষাক্ত ব্যক্তিকে প্ৰস্তৱ ভাষ विकाप समिकि हैश्लाकी मा क्लामिरन कि লোকে ওক্তর ভার এবং করিছে পাবে না ? এবং বুঞ্জিয়ান সক্ষয়িত্র হয় না ় ইংরাজি ভাগাজ वाक्षानिक कथा बुरत चाकुक, वेखेरवानीवितिकात मध्य कि निर्दर्शाय ও मन्त हतिता व्यक्ति शांकत्रा বার মা ? এটা জজের সম্পূর্ণ কর। ধেব কারণ नदर्भ अधिक विनियंत्र श्रद्धांकन आहे तथा शृक्ष-বেরা কেবল বাজনা কামিয়া মোজারি পরীকার **উडीर्न इंदरन अरहरण इंद्राकी निकात जाना** वाकित्व मा देशं वृक्तिवृक्तः नटर । यमि फटर्कव बानः डेबिथिक करबुक कांद्रन नहात्र अक्क वनिद्रा चीकांत्र कहा बांब, छाहा स्ट्रेलिट वा कि करलाहत्र रवेटक, शक्टकार्टिन करणना अञ्चल विरयहमा করিবার আচেশ করেন নাই ও আইনেও কোন ক্ষমতা হুষ্ট হয় না। বাক্স: ভাৰাক [সভারিত্র বে সকল ৰ্যজ্ঞি বছতৰ পঞ্জিমৰ ক্রিয়া আইন আক্ট অধ্যয়ন করিয়াছেন কেবল ইংরাজী মা জানা হেতুতে জল গাহেৰ ভাৰাদিগতে পরীকা দিবার অস্থ্যুক্ত ক্রিয়াছেন, আর সাহের মোজনার দলের মধ্যে যাহারা খীত্র নাম স্বাক্তর ক্রিকে ক্ষ কিবা সক্ষেদ্ধ কেং যোজার हिरमत योगाप्त शक्तिहा बाइगात स्टेडारहर अक्रम লোক ইংরাজী না জানিয়াও সাবেক বোজার ৰলিৱাই পৱীকা নিবার উপযুক্ত হুইয়াছে: এটা कि अब मारहरवड़ केशबुक्त कार्वा बहेबारह ?

# মানাৰর ত্রিবুক্ত বোমঞ্চকাশ নন্দাদক वशंभक्ष वृद्धीदशृह् ।

বহানর : আবার পূর্মণত্র মহতে আগতি হে পাতিনত প্রকাশ ক্ষুদ্রাহের ভবিষয়ে ক্ষিৎ বলা আবশ্যক রোধ হওয়াতে নিয়ে দংগ্রহণংক্তি म्बिटनम् कविकाम् प्रक्रमर कविता माधास्त्रस्य श्रीकंत्र क्षित्रंग ।

s । बीक्शा त्यक्षण कुछि विरक्षका विक्रि टमेर्क था इ परिकारन कार्या देश्ताकीटक जन्मत हरें- सन तक क्रक क्रिक्स देश अति अवीक्षत करेंद्र

मां अपर वानमारक चेत्रवारित वृत्तिक क्रामा । করিছে বেখিয়া আমি আপনাকে অসুনার জ্ঞান করি মাই, কিন্তু জনেংর বক্তিয় জাবৰ সা কুলা অসুদান্তকা ইহাই আমার বাক্যের কভিপ্রার ছিল ১ আপনি বেহন আপনার মত প্রকাশ করি-বের, সেইস্কপ ক্ষেত্র ভাষার প্রতিবাদ করিলে फारां अकाम कहा कर्डवाः चार्यम् बरमक नगरप्र এই রীতির বিসম ব্যবহার (১) করিয়া থাকেন विश्वता भ अवशृद्धत् वारकात्र व्यक्ति विदेश भ अहे करमक्त्री भक्त क्षरहाश कत्रिवाहिनाव। व्यावाहरे क्षांख घट्टर घट्टर जाननि जेन्नन यहरहात करिया-ছেন : আপনার সহিত বধন আমার মতের জনৈ ক্য ওখন ভাছাৰ লেখৰৰ বিচাৰ কৰিতে জাপনি সক্ষ নহেন প্ৰুক্তবাং তাহা সাধারণের সমক্ষ शत्र क्या कर्डवा वित राजन वार्गन चान भः कुलाम कविएक भारतम ना, खारा स्टेर**ल** से श्र-করে কোন প্রস্তাব লেখা নিতান্ত ন্যায়বিদ্রু

২। আপনি এবার রাখালবাবুলিনকৈ বে अम् " महनात्रभक » " वान्यकार " अकृष्टि খলিয়া সিদ্ধান্ত করিয়াছেন ভন্দারা জাপনার ক্ষেদ অৰৌজিক ক্ষত পোষকভাই প্ৰকাশ भः हेटल्टर । जाभनि निविद्यास्त्र वीहार्स कानी खाँशता नाइविद्यात नश्चि भागत्वास्यानित या क्षत्र (२) कटतम मा, प्राचीनवाबुत्रा क्षेत्रण कतिया (इन, काउ. वर कें। हादा कानी नरहन । अ वृक्ति অন্তঃক্ত হাস্যকর ৷ আপনি যাহা প্রমাণ করিবেন ভাষ্ট প্রথমে স্বীকার করির। লইমাছেন। বিচ্ছ ৰঃক্তিয়া সাহেৰ্দ্ধিগৰ সংখ্য পানডোক্সন কৰেন मा, इंश कि चर्छः मिश्व भर्छः ? क्लॉम विका वा-क्तिहै कि केन्नभ बारकात करवन मा ? अवर फार्का কি আপনার নিকল ''জানা আড়ে ১০ পকা-फरत रीक्ष्या अञ्चल व्यवस्थ करवन केंद्रावा ८१ অংক ডাহাও কি বঙংসিভান व्यक्तित कहा यदि स्थान रहा छोड्। हरेना द्रोबान বাবুরা নিষ্কৃতি পাইতে পারেন, কারণ উাধারা উপবাচক হইরা সা:হ্বলিগের নিমন্ত্র করেন

नारे। माटस्वनिरशत वीता व्यक्तक स्टेश देशा कें|रानिर्मन्न सिमञ्जन कन्निन्नाकिरमान, असन कि नारस्वनित्त्रत्र छेशस्यात्री देख्यमानि मा १ वनित्र। এক প্রকার অনিক্ষা প্রকাশ করাটেও কোন कोन गाइन जानमानिकात देखनगानि निवाहि-क्ति। मुलापक स्टेब्रा चालमाहित्यः এই मकत পূর্বে সবিবেষ অবগত (a) स्ট্রা লেখা কর্ত্তরা। হিকপেট্রিটের ন্যায় ধার ভার মুখে শুনিরা व्यक्तीक व्यवधा विषय्न निविद्य मध्यानकीय र्रमात्र-त्दन्न शनि श्रा देश आभा कर्वतः।

পরত্ত কলিকাভার লোকদিগের কার্য্যের ভিন্না द्यपेकाम करतन मा (कम ) ज्यानमाहिरशत कशि কাডার কোন " কুষার ৯ বখন বীডন गार्ट्य व देश्रा और निमञ्जन क्षिश्रक्तित्व তখন আপনারা নিঃশদ ছিলেন কেন? নে দিবদ সডেগজ্ঞ বাবু ল্লীকে লিভিডে দছয়া शिराम काशास्त्र साथ हरेल मा ? अहसान কত কত ব্যক্তি সাহেবদিগের সৃষ্টিত ভোজ-नारि क्षिया बाटकन, किन्छ छाश्रेषित्रहरू व्यापनाता ' नारहर निरम्नत्र मरमावकक " " च न चलाव " श्रकृष्णि बाववाह करतम ना त्यन ? हेहा বারা বোধ হইডেছে পুর্কোক্তরণ ব্যবহার করার (य प्रवरीय देश ज्यानवाय क्छ इट्टिंड शास्त्र मा। कान बुक्तिमान यहकिए अक्रम यशिदान ना 🗇 বাৰারা সাহেবদিগের সভিত ভোজনানি ক্রে তাহারাই মুখ ওকাইকার ( ৪ )।

৩ আপিনাৰ ধৰ্মভাৰ ও কইবা জানং অধরিণভাষকা ছেড় আপনি এক্লপ থাক্য কহি-রাছেন বে " উপবীত ,ধান্নাদি অসুচিত কাং; कतिरम्ब भेषत्र कामान्तिमय व्यवदाम वास्य सर्व-বেননা» জানিয়া প্রনিয়া অস্কৃতিত কার্য্য कहिरम क्रमहाथ इस मा देश धर्यामी कित विक्रम বাক্য। আমহা শত শত গছি ও কাৰ্য্য কণিলেও नेचंत्र ज्यामामिरभद्र श्रांख मिक्ष् भ श्राप्त मा, किन्न ভঞ্জ ব্যবহার আহানিগের পক্ষে পাদ সন্দেহ

নাই। আনকৃত অপরাধ্ মাত্রেই পাপ। ভাষাকৃত অবস্থার বিচার নাই, দেশকাল পাঠারে বিচার नारे। मेचात्रत्र श्राक्त ज्यामान बाहा कर्यां । जांदर्रः भागम कतिएउरे स्ट्रेस । **जरमात जन्नुरहारा जी**ई कर्वतात्क जनरहमा कहा धर्माविक्रम कार्या, आर्थ्याह জন্য আমি পাণী হইতে পারি না। অন্সের জন্ম (ताथ खेणरतारथ कामात्र भाग कत्र क्ट्रेंट भारितः) ना । वेदादे अजिनिधिगान आद्रान्तिन भट--देहोंदै ৰ্ উন্নগৰ্ম (d) অজ্ঞান ও কুসংস্থারাবিষ্ট সনাচজন্ম व्यक्तदार्थ कर्नभाष्ठ मा कहिया में बरतब क्रक्टि चक्रीय क्रेंडरा गांधन क्रिटन भाग इत्र. ज्यानबाद এই সুতন মতদী মদ্য এবণ করিয়া রিপারাব্যে यम रहेगाय ! कावाब के कर्खना भारत करिक পাপ মার্ক্সনার গোগ্য নতে, ইহা জারও চমৎকার इंड !!

 अवादसंद विख्याधन कहा काइ'दक वहन ডবিবরে জাপনাব জ্ঞান জড়ি জলহাক্ত থোধ **হইডেছে।** সমাজকে কুসংক্ষার মধ্যে থাকিকে (में क्या मधा अमः अ:वटकं कार्वः सरहः 'खांशरक खेगरमम **७** वृट्टी छ थाता कूजरकात व्हेटक कूल्ड कतिए७ इंडरनः विष्ठ कानि यम कार्यमध्य অধৰে সংস্ত না বরি ভাষা হইলে সমাজ ष्णामात्र व'कः ॥३० कतिऽवःकम এवः आमात्रहेवा ৰলিবাৰ মুখি বাকিৰে কোধায় ? সূতাপায়ী ছুৱা পান বিক্লে ৰক্তা কবিলে কি উপদেশ দিনে रम क्या कि क्कि व्यवन करने? अकृत्य व्यवहास কোন সংখ্যারকার্য্যই (১) হয় নাই। অপিত্র উপ বীত ধাবৰ ও ভাতিফেদ রক্ষা করা যদি পাপ হয় তবে তাহা পরিভাগে করিবার স্বন্য সমাসকে

<sup>(</sup>১) ঘাঁহাৰা নিজাজ বিবাদসল ইইয়া অধ্যেক্তিক ও অধিঞ্ছিংকর বাক্যে পত্র পূর্ব व्यास्कालम करत्रम, शार्ककशर्भत्र विद्रोश करत्र ভাঁহাৰিগের পত্র উপেঞ্চিত হয়। স।

<sup>্ (</sup>২) আমরা বিজ্ঞার এক করি मारे, व्यक्षेत्रि ७० छत्रमण्डाय जिल्ल मात्रवान लाटक बाक्येब करबन ना, बाबाविरात अहे नश्कात। धहे विभिन्नहे जावदात नम शाहात करा स्ट्राहिन । म

<sup>(</sup> ७ ) मार्ट्वस्रित्तंत्र महिष्ठ भृ,भः खाक्रमाने किङ् अदैन कोम नम् (व छ।श्व सूच्या अञ्चनका . बार्य घरेका व्यान लाक श्रिप्तक किएक क्या करतन जन्म अन भूतीन क्या महेताहै चात्रवात जामता हर्जुर्किक हरेएड जाज्यरत्त्र या गमाज्यत भारेशक्तिमाम, **अम्बन्धात अखाद त्मथा २**हेशा-हिन । मारहरदब्रा (प 'काजि कानि जाक्कानिराज ন্যার অনুহোর কবিয়া নিমন্ত্রী কইতে আর্ড क्तिप्राट्टन, क्षेत्र कान्यं कान्टिक शवि माहे, सामामिरशत अ अशी श्रेद्वारक । श्र

प्रविक्तानः

<sup>(</sup> ६ ) ट्राएकाता यात्र प्रश्रात्मात (मास्ट्रेस विश्वा **5रिन**न, खाश ६हेरन भागामिरात्र हिर्माञ्चल एकी উथाপন কৰা डे.6७ इव नाहै। आयोगद्राक्रामि, आकालिका घटण नवारणन देशा वर्ष करेता है পাপপুণের বরুপ নিরূপণ করিতে হয়। যে বংক্তি সমাজের ইউসাধন ক্রিবার উদ্দেশে উপ वीक धाउन करा. रम भागे नहा अकरन कि-क्रांगा करे वेचन आका गर ५ नगरकत हेर्नातिके ित्र भाषशुक्त निज्ञणरक्त देशायास्त्र ना**हे, फब**क ষিনি সমাজ পৰিবলক করিয়া সমাজের জনিট करवम, रंडीम स्वाद शाली स्हेरवम कि मा १ म।

<sup>(</sup> ७ ) गेंहोदा यथार्न नेमायनश्या प्रक, खीवात्रा কৰৰ সমাজ শহিভাগী আজানিগের ম্যায় বাৰ 🦜 বিষয়ের বিস্লাবন করিয়া সমাজসংকার চেষ্টা करवस मा । श्रेक्ट्रसंबक पूर्व सुधव देहरसम् ब्राम व भारतभाष्णी भूगक्क लार्च । काइम बार्च के विद्यानागरवत नामध्यवांनी कथ .स्वयं के त्रेष्ठी रहेक्ट्रिक के क्रिक्ट का निर्देश । मा

সংস্ক ব হই ভেই পাৰে না, যাহার সামান্য বুল্ছি াছে সেবাজিও এ কথা ৰুনাতে পারে, কিন্তু আপনি যে বু,ঝয়াও কেন বুরেন না আমি বুঝিতে পাহিশাম না। আপনি কহিয়াহেন ধাছায়া সমাজ পবিত্যাগ করে ভাষাদিগেই ছাবা সমাজের যখন क्षेत्रकः। इहेन मा उत्पन अगटउद कि उपनाय হুটবে? জিঞাসাক্ৰ আপনানাসনাজে থাকিয়া বিধবাণিবঃই কার্যো কভ দুব ফুডকার্যা হইয়াছেন? ब्रा**ट व**र्ष होका निम्ना कि**टी क**रहम भरूख महस्त्र ্লাক্ষকে এইদত্তে ভাষাদিমের দলকৃত্ত করেভে পান্তেন ; বাহা কউক, জাপনি স্থির নিশ্চর কবি বেন বে আপনাব ন্য'য় ছই চারি কন বেংক লইয়া ক্ষপৎ মতে এবং অগতের আর কোন হা ৰেই আপনার ন্যায় আভিত্তেদ যাবে না অভএব আপনার উপকার না হউক '' জগতের ৯ উপ কার নিশ্চরই হইবে ভিলমাত্র সংগর মাই।

৫। পঢ়িশেৰে আর একটা কে।তুক্তব ( ৭ ) অনৃত্যাভিবাদমের বিষয়ে কিঞ্চিৎ উল্লেখ করিয়া প্রস্তাবের উপসংহার করিতে বাসনা কণিতেছি। আপনি বলিরাছেন বিদ্যাসাগর মহাশয়ের সমাজ ভাগে করিয়া কার্য্য করিবার অভিপ্রায় পাকিলে

( ৭ ) পত্রপ্রেয়কের বিধবাবিবার পুত্তক পাঠ করিয়া অংখৰা কোন বন্ধুর নিকটে উধার ভাৎপদ্য অবগত হইয়া " কেভিককর অনৃত-বাদেব » কথা**টা লেখা উচিত ছিল** । পরাশর किन धर्म अन्तरिष्ट्रे " बर्डे मृट्ड " रेजािन वहन लिथिया भियारङ्ग । विकासभाव से बहबरी घटन-भीकृष्टिश्व भाष्ट्र कतिहा विश्वविवाह श्रव्हान छ ! করিবার চেষ্টা পাইয়া বথার্থ সমাজসংস্কারকের কাজ করিয়াহেন। খুণ্ পুরাতন বাইবল ভাব লছন কার্য়া অনত প্রচার করিয়া শান, কিন্তু ষ্টাছার মত কি একদিনে বিশ্বরাপী হইয়াছিল ? বিষ্যাসাগর কুডকার্য্য হইবেন কি না ৮ পদ্রপ্রে-ক্লক এন্ডেকারাই জন্মনান করিয়া লইবেম। যাহা इ, ब्याबाहिएन्द्र । मन ५०० व अहे, शहाश्यंक पुरे मा कामिश्रा ও ना वृजिहा यनि वान ্টিটা নাম ক্তব্তলি প্ৰবাশ ব্যক্তে পত্ৰ প্রারিয়া পাঠান, ভাষা দোবপ্রকালে স্থান क्षा वात्या

উপলেশ দিতে হইবে। একণে জিজান্য কোন । ডিনি কষ্ট করিয়া " নষ্টে মূতে ৯ ইড্যাদি খোক সমধে উঠা করা উচিত ? ধখন সমুদায় সম'ল ! অছেবৰ করিতেন না। এক্টেল মহাশ্রুকে জি-এক্ষত হইবে সভাহাকি কখন সভব স বোধ : আলোসা করি বিল্যাসালৰ সহাৰ্য যে সমাজতেক হুনুকোন বুকিমান বাজি এ কথা বলিবেন না।, পরিত্যাপ কবিয়া বিধ্বাবিবাহ প্রচলিত ক্রেন আগনার মতে সমাজেব এক অংশকে পবিত্যাগ ' নাই তাহা কি জ খোক ছারা প্রমাণ হয় ? কিনি-করিয়া াধ করা উচ্চত নতে তবে ত সনাজ 'কি সভ্যযুগে বাস করিতেছেন যে ভংকালের ' নিয়ম ও ব্যবহার এখনকার নিয়ম ও ব্যবহারের गटक भेका क्षेत्र? विश्वाविशक् कि वर्जमान किन्त्रग्याद्यत विक्रम् कार्यः गट्ट ? "विन्त्रन्याक" কি উহাতে বোগ দিয়াছে ? বুখা তৰ্কের জন্য বিবেকের বিরুদ্ধে বাক্য কহা কথমই কর্মধ্য নহে। विश्वाविकार भूक्षकारम श्रामक दिन विनया यकि नवास विकक्ष कार्या ना रह छटन साम्मार्थ्य ह কিছুমাত্র সমাজ বিরুদ্ধ নতে কারণ উচাই আগ্র কে আপ্নানিগের সহিত বোগ নিডেছে ? আমো : নিগের দেশের সনাতন ধর্ম ছিল এবং ভাগিতেন ড্যাগ করাও কিছুবাত্র পহিত কার্ব্য নত্তে কার্ব আমরাও পাঞ্জ মহন করিয়া "বকিশেবাংভি বৰ্ণানাং " প্ৰভৃতি ভূত্তি ভূত্তি বচন সংগ্ৰহ কৰিছে পারি। বিদ্যাসাগর বহাশর সমাজ ভাগে না করি वात हेन्द्रां,कतिया शांकिरफ शास्त्रमः। किन्न क्रम वाता वयन तथा वाहरफरह स नमानं ज़िलात सह নকে অগ্রাহ্য করিরা তাহাতে যোগ দিল না তথ্য उरकार्दा काल स्थ्या कांहात शत्क का स्थ कर्बरा , (१न ) रहेग्राटकः जिनि क नमा**लक्ष्यः क्षांकृतक काट्**स मा । किन्न गमास त्य जीहात्य **तहन कान** मा এ বংক্রির উব্ধ कि ? তথাপি বৃদি সমাজ রক্ষা क्तिएक इंग्रेटन करिया क्याना शर्थ मानन विश् দকে শত্র চালন। করিতে দিয়া স্থুখী হরেন হউন আমি আর ভাষাতে বিশ্ব বঞ্চার করিছে ইঞ্চ কৰি না।

> ३¢ हे काञ्चनाति। धन सम् भारतः। >> 44 1 यविभाग ।

#### मुग वासि।

বাবু অক্রনারায়ণ দাস কাৰি ১৮**७**१ ब्यास्त्राति वहेरक स्टित्वव " नक्ष्माई वर्ष्ट् गार्ड्यम् ১৮७१ काञ्चानि व्हेरक स्व '' বিশালায়রণ মলিক ণিপ লি ১৮७१ क'झ्वाबि स्ट्रेट क्र्ब '' অধিলচজ্ঞানত দেনিলীপুর ১ " বাজকৃষ্ণ রার ম বিক্তুলঃ ১৮%१ क्लाब्रहादि **स्ट्रेट कान्**रहादि :• '' কুমার বিধিশচ্ছ নিংহ পাইকপাড়া ১০ " चात्र, अन, माहिन मार्ट्य (मान्नीशूत ১২৭৩ মান ষ্টুডে পৌৰ 5 01 \*\*

রাজা ভাগীরখী মহেলে বাহাছুর ১২৭৩ ৰাম হইছে পৌৰ \* for C

## বোৰপ্ৰকাপনংকাত কৰেক্টা विदर्भर नित्रम।

অবিষ মুশ্য ও জাক মাজুল না পাইলে মক-परन स्मामध्येन (क्षत्रन क्या राज्ञ या।

रेशात्र कविषय मूला वार्विक ६० अवर थान्।।-जिक कार्य है कि अवस्था के क्षित्रक महमक বাৰ্বিক ১৩, ৰাণ্যাসিক ৭ এবং ত্ৰৈমাসিক ৩৮০, क्ति बारनक मुद्दब काविम भूगा न छन्। योत वा । ছব্দি, বরুত ভিটি, মণিজত হা নোট, ও স্থাস্প क्रिकिट, देशंत अन्यक्त सहराटक शारात क्रिकिश ৰয়, ভিনি শেই উপায় ৰাতা মূল্য প্ৰেরণ কৃত্তি বেশ ৷

याहोता क्षेत्रभनिकित शांताहरूका, का-হার৷ বেদ এক **অথবা আধ আনার অধিক** सुराहत ७ प्रमीरमञ्ज विकित श्राप्तन मा करतनः ' বৰ্ণন বিনি <del>নগৰ্ম</del> কুটুডে সোনপ্ৰকাশের मुना भारतिहरूका, फ्रांस त्या जिल्ही कृतिहा क्रियुक्त बाह्रकानां वृत्त्विमुगक्त्वटवह नाटव शाठीहेही

বৰ্ণস্থানিদের মূল্য বিবার স্থয় অতীক্ষ ক্রিয়া জাসিবে, একু মাস্ পুর্বের ভারামিগকে চিট্টি লিখিয়া জানান দাইবে, কাল খড়ীক হইয়া গেলেও একবায় চিট্টি লেখা হইবে, ভাহার পর এক মাসকার প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বন্ধ করা বাইবে। শেষ যারের শক্র বেরারিও পঠি।ব स्टेट्य ।

মাতলা রেলওয়ের দোবাপুর টেসবের ভাক বরে চিঠি আইলে আইরা শীন্ত পাইব :

ব কিলা মাজুল না নিয়া প্রাদি প্রেরণ করি -रबन, डीशंबिरमञ्ज स्मर्दे शखामि बाँर्न समा बाक्टब ना ।

কেই গোনপ্রকাশে বিজ্ঞাপন লিভে ইচ্ছা করিলে তাঁহাকে প্রথম ডিনবার শ্রাডিশংক্তি 🎺 , ज्यानी कोहात शब्र 🖊 ३० ज्यानी सिद्रफ हहेंद्र । বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন দিলার ট্রান্ডা করিবেন তাহার সঞ্জি অভন্ন রন্দোর্ভ কুইন্তে 🛌

क्क बरे गढ क्लिकाचांत्र इंकिन गुर्स बायलां तमश्राप्तः, त्याम्। भूत्रः त्येत्रहातः पश्चितः क्रोनिक-(Moin Man einerale Gephinican) गोरिक क्षेत्र क्षेत्रमहोत्र काणक्ष्मक्ष क्षानिक ₹**†** 4

# (माश्का

৯ স কাব।

३७ मध्या

# " प्रवर्शनां प्रकृतिश्विताय पार्थिवः सरस्वती जुतिमस्ती न श्रीयतां

বাদিক মুল্য ১ টাকা, অবিধি বাৰ্ষিক ১০ ।
সম ১২৭৩। ওচনা মাথ। ১৮-৩৭ ১১ ই কেব্ৰেবারি বিধান বাহালসমেও অবিধি বাৰ্ষিক ১৬
টাকা অবিধি বান্যাসিক ৪৪ টাকা।

# বিক্সাপন।

নীতি পাঠ প্ৰথম ভাগ ও বৰ্তমান মুদ্দেশ প্রামক অভিনৰ পদ্য গ্রন্থ হর মুদ্রিত হইরা,পটোপ ভালাত্ জ্রীগোবিক্ষচফ বোবের ১১ নং প্রুপ্ত কাৰ্যনে বিক্রমার্থ স্থালিত আছে। প্রথম বাঁনির ধুল্য 💅 আনা, বিকীয় ।• আনা যান্ত্ৰ 🕫

**अवायकाम वर्ष** ।

इञ्चित्राम बाहेक ।

🚉 প্রথম অধিকারিপ্রণীত।

এই অভিনৰ এছ একাশিত বইয়া কলিকাৰা स्रोधनगरम ७ मरम् ७ भूसकोनात व भएनेनिया পার সমস্ত পুস্তকালয়ে বিক্রয়ার্থ আছে ( 'মুলা 1 #1**4** 6

জীযুক্ত রামক্ষণ বিদ্যালকার প্রণীত ''প্রস্কৃতিবাদ » মামে একখানি অতিধান সংপ্রতি चूजिक रहेशा मरकृष रजागरेश शूक्रकागरस শাধারিটোলা যাধনতয়ালার 🎎 কুজ ঠাকুরবাস মাষ্টারেব স্কুলে বিক্রয়ার্য প্র-ব্ৰত ব্ৰাচে। ইয়াতে প্ৰায় প্ৰত্যেক শব্দের বুং-পক্ষি অর্থাৎ থাকু প্রভঃর সমাসাদির উল্লেখ করা क्षेत्राट्ड ।

মুল্য ৫ পাঁচ টাকামাত্র।

মিদর্শন পত্র রেডিটরি সম্প বিজ্ঞাপরপঞ্জ।

-0 .

কাৰ্য সম্পত্তিতে প্ৰাছ্সকান্যে কাৰ্য कृषिमें क्यूनाकिवास नकत अविष्टेडि कार्य क्षिक्रहक करे काराज कहा त्वल, त्यान वास्ति **রেজিউদ্ধি করিবার জন্য**ুনিবর্শনশত উপস্থিত कृतिका ताहे मन्त्रावित विवत्त्र देखिशूदर्क वा गत क्षतिकेति वेदेशास्त्र वृत्ति कामात्र कावणाक गरवान क्षित्र भारत्य करने केमिक विभवन नार्यत

প্ৰতিনিধি সংশ্ৰমীয় যুদ্ধান্তেয় যে সুচিধান্ত "টু.বিং ইনটিউউসন <sup>চ</sup>নামক বিস্থানয়ে ডব লেখা বাহ, উঞ্জ কাৰ্যকোৱক ভাষাতে ঐ সংবাদও করিলে পাইবেন। লিখিবেন । ভাছা লিখিবার কোন বরচ<sup>\*</sup> লাগিবে বা। কিন্তু প্রয়োজনীয় বৃত্তাত নিশ্চিত बर्फ आनियात क्या क्रम्बर्भत क्षर्यिया स्टेरन (महे च्याचवर शहर शिर्क शहर ।

এই একাথ কাৰ্যঃ হুইলে কোন পত্ৰ রেজি টুরি হইবার জ্লা উপস্থিত করা গেলে ডডিবরের भूमी तिकिहाति विषयक भरवान कामा यहित. ञ्चकद्वार **इशास्त्र का**विकार्रेश व्यक्तक विवस छ गत्मह निवासन क्रेंद्रव । अहे कारतन अफरिवरत যর্শনাধারণের সহকারিভার প্রার্থনা হইভেছে।

क्षिजियि (ब्रक्तिष्टीप्र क्षानतम ।

कात्रकदर्यत्र दिवत्रनः।

কারতবর্ধের বিবরণ তৃতীয়বার মূলিত হই ব্লাছে। এবারে বতত্ত্ব উৎকৃষ্ট হইতে পারে ভাষার চেষ্টা করা গিয়াছে। কলিকাভার সকল পুত্রকানরেই পাওরা বার।

🕮 শিক্ষণ শৰ্মা।

---;•:---

ভূগোল পরিচর

উৎকৃষ্ট শ্ৰৰাৰীতে সাগৰাদিৰ চিত্ৰ সংলিত अवशामि कृषं कृरवांम पृक्षिक इहेत्रारहः गर-**ভূত যতের পুত্রকালরে** আওবা। মূল্য ১১০ দশ প্রসা ৷

ঞ্জীশনিভূবণ শর্মা

১৮৬৮ অধ্যের ইউনিভার্ণিটি এই লেকোর্শের इस्ट गर्राङ गरराञ्चाय, याकु, श्रीकःत्र नमान, कांत्रक ७ स्थापा। मद्यमिष्ठ वर्ष भूखक (की) मुक्रिक रहेन्। क्या क्या क्षकाणिक रहेरकहरू। क्षक्ति कर्यात्र पूना 🗸 अस जाना । अस्टनक नहीनक्राना लानशैयीत रूपिन **ন্ধাশক্রো** 

ঐগ্রামসর্কাশ শর্মা। ।दिक्षाका भवन्यक हेरवाको मरक् छ বিদ্যালয়ের প্রধান পশুক্ত।

१८७५ ब्राइड १ वा यदल्ल क्ट्रेस्ट १८७८ অক্সের ৩১ এ মার্চ পর্র,ত সমন্মার " মানুকাক চরিত্র ডিপে: " কারখানাতে করাবনত সাবানং প্রকা সকল বোগাইবাব প্রার্থনা সিল নোহর ক-विका आशामी के हे मार्टिक मरश लाक्षेत्र मन-লবার শ্রাকুদাক্ষররেও ডিলোর " অধ্যক্ষ করি সরী ক্ষর ক্ষত নাজের এক্য হইবে :

দ্রব্যক্ষাতের ভালিকা, গবর্ণমেন্টের অলুমডা-স্থুসারে পশ্চাৎ ভাছাদেব পরিমানের হাস বৃদ্ধি, যের প প্রার্থনা প্রেরণ করিছে হইবে এবং করার পত্রের कात्रम, बाबा श्राचमा खादा इट्टल क्यांत्रकात्रित्क ৯ এক টাক। মুলের স্থান্দ বসাইয়া সাকর ও बारत कतिया निष्ठ इहेर्द-- अहे नकम विवद রবিধার এবং পর্কাহ ব্যক্তীত প্রত্যেক দিন '' মাণুকাকচারিও ডিপো 🏲 কারধানার আফিসে क्षाचीविश्वत्यः संयोग याहेरमः

क्षार्यमा **जनम प्रदेशां**न कवित्रा अवर **देश्या** তীতে করিতে হইবে। বে প্রকার দ্রব্য বোগান হুইবে ভাষার প্রভোকের মূল্য অক্ষর ওচ্চাঞ্চণীত ছারা লিখিতে হইবে।

ইন্ লেখ্টর জেনায়ল অব অভ'ন;পল প্রার্থ-না গ্রাহ্য অথবা অগ্রাহ্য করিতে পারিবেন। चिक नामाना क्षारंगा जन्म व सार्थमा निर्माद वर्षवात महिन्द (मध्या मा वरेट्ड, मुल्ला, वर्षि-बोक्सक्त अधिक बाब् (६ व अस्तित पुना বোৰ হয়বৈ ভাষাৰ ভিনি জ্ঞান্ত কয়িতে পারি त्व । शार्थमात्र महिष चीक्षं वस्त मृता'स् সায়ে শব্দ করা ্বা- টাকা ডিপ্রেট, বিক্রে हैं(व करायश्रद्ध 'यह दश्दा आश्रम् 'अधारः हत्त्व के पिल एक अस्ति (उ वहें हव)

३६ ५० जा: भव १ के में के महाहित माधुक'-१८ १९ १९ १८ १ का महित के मिनावी के ब का च-१४ को १४१ के के का मिनावी के बहुन । १९०४ १९६० भी के कहा के महिला के हैं - १

प्राप्त । प्राप्ता । व्याद, श्रमः स्ट्री प्राप्त प्राप्ता । स्वर्थन हे कामप्रादी । कार्ष्य व . ४ ०५ । क्षेत्र कामप्रादी

সালের পালার জন্মত হাত হাইল।

(১) পেন্টন পালুক ক্রের ক্রির ভাইণ হড় ।

(১) পেন্টন পালুক ক্রের ক্রির ভাইণ হড় ।

(৪) বাবে ৫০৯১ টাকা মূলকা জ্যান্ত, ১৯০০

(৪) বাবে ৫০৯১ টাকা মূলকা জ্যান্ত, ১৯০০

(৪) বাবে ৫০৯১ টাকা মূলকা জ্যান্ত করিবের বালিতে

(৪) ব্যাল জ্যান্ত মধ্যে জ্যাক্রিকে বিক্রানি ন

प्रतिक प्रश्नाद्याः । श्रीमस्मित्सः ए प्रवासी

#### ∓ञ्जरःकराः ।

পুষুকভট্যত টকা ও বালালা জন্ত হৈছে সংস্ত কালেজের ক্ষুতি শাস্তাক্ত ইয়ক ভবত্ততা শিরোমনি কর্ম সংশোধিত। ইনিয়া সংস্তৃত্তালয়ে বিঞ্জাব মাছে। বা ৬ হয় টাকা।

জীবছনাথ ন্যায়পঞ্চন

(रअ ५८स कर्ने<sub>-अस्</sub>र अके ३८क

#### বিজ্ঞাপন

करा गरिएटरण म स्थाना नै व हरमन क्षका प कम पुरतन गोदानकी राज म स्कारक करामण्य मक क्षणालन मान कार्य मिल क्रममुहर निर्माण अन्तर गरिनाह ३३ के गांव स्वाहित मिनाद निरुद्ध मालाल क्या संकेरन

२० हेकि (१८६१ अटमा, १५ काष्ट्रमानिक १० जिले शेखान हरू घेटि, १४२ **व्यक्ट क** एक्टिन ए एसे होने को स्वाहत को किस् किस कारी के नगर है होने एक स्वर्ण

चित्रकारवत स्वित्रा स्वतः १० से भूशक देक नार्ड कवित्रा स्वतः (व.उ. इ. कर्न माहेर्य) देकाक मार्ड भएड़ ३०० विद्या स्वतः भागाः, मास्य स्वयं स्वेशसां स्वतः १० महिल्लारवर्थ रकतः स्वातः स्वतः स्वतः १० महिल्लाहाः द्राद स्थानान् कवितः १० १० स्वतः स्वतः । स्वति होस्य निनारम्य स्वति १० १९८७ १ मार्थित मह्म लिख क्यित क्यामान। ए होका क्य

থরিননার লোককে স্পষ্ট বুঝিতে হইবে যে
নিলামের জান্মথ হচতে ৬ ম'লের মধ্যে সমুলায়
ক্ষলত কান্টিয়া স্থানাগুৰ করিতে হইবে, ভাষা
না কবিলে উক্তানিয়াদ গতে অবনিউ যে স্ফানি
থাকিবে, ভাষা নাবালকের প্রেটেন বস্তা গণ্য
হইয়া চানি নেলাম হইতে পারিবে।

्त्र अस्य कहें।केश्वास क कार्यं यश्वस अस्य स्था वास्ति। द्वा कार्यास कथा याहे प्राप्त द कर्य हरेट की हो से सक्ष्म पष्टे कां यूमा क्षा केश्व य क्षान कथान अस्ति स अश्री क्षा व-माक हर, क्ष्मान क्षियुक कार्यहेन मारहर अथवा निरस्य चाक्यकांनी काञ्चित निरस्त निर्मित क्षा स्ट्रेसन ।

ভোলা ব' জুল সিউজি । এ. জিউম সিগে ৩' এডালুয় রি । মেনেজার প্রেট ১৮৬৭। কেডমপুর।

রনর নিয়া সংস্কৃত পুজকালয়ে মং প্রবীত ও মংগ্রহারিত নিমুলিখিত পুত্রগুলি বিজয় কইতেছে---

ક <b>લ</b> ુ કે	ZK S
बोन्द्रोड <b>्</b> ड्रान >	ोक:
বোমইভিহাস ১	*
कुग्थम'न वर्शकदन ।.	
নীবিদাৰ (১ ম ভারা)	J.
নীতিসাব (১ ম জাগ)	j.
<b>%5</b> 1ंद <b>र</b> ।	
भुक्रतीय वंतिष्ठन	h•
S recorded after	

ইফ ইণ্ডিয়ান বেলএকে

#### বৈজ্ঞাপৰ।

্পীৰ ওড়স , অবাং বস্তাদিস গাঁইট যাহ: ওঅম্কাপে বাল্প-ক হয় নাই ভোহার বিষয় ,

থত বাস সর্ক্রাধারণ জনসন্ধে আত করা বাইতেছে, যে আগামী ১ লা এপ্রের অব্ধি মীচের লিখিত ভাভার পরিবর্ত্তন হউ বেক:

लीम ७ प्रम करीर यक्षात्रित विमाणि भारक करा गोरिह करवा अल्डाब्सीय भारक करा गी। हेरे कार्क्त बाह्र कि वह शक्ति विजीत हारमञ्ज्ञ लाड़ा करीर मनकत्रा श्रास्त वाहरम हेरदां कि मक्ष्मीह मानिरक्ता এবং বে সকল পীস্প্ত চন্ আর্থাৎ বর বাক্রতে (পাক করা) অর্থাৎ মোড়া হর ম ভাছা ভূতীয় ক্লাসের ভাড়া অর্থাৎ মণকর। এ মাইলে ইণ্রাজী এক পাইয়ের ভিন অংগ চই কংশ সাগিবেক।

বৌদ্ধ ক্ষাই একৈনি ইন্ট্রিয়ান বেলভয়ে সাট্টেস কলিকাভা ১৮৬৭। ৭ ই ক্ষেয়ারি

নিসিশ ইকেন

#### সোমপ্রকাশ।

৬• এ মাধ সোমবার।

পাঠকগণ স্থানাম্ভৱে দর্শন করিবে " চিত্তভোষসাল স্বাক্ষরিত এক ধ প্ৰেরিতপত্ত প্ৰকাশিত হইল। এডুকে গেলেট সম্পাদক সর সিলিল বীডা লিখিত মিনিটের অসম করিয়া তাঁহ পক্ষমর্থন করেন, ভাহাতে পত্রপ্রে বিরক্ত হইয়া তাঁহার প্রতি কটাক্ত হা য়াছেন। এ কটাক করা অসুচিত ও খ ৰশ্যক। এডুকেশন গেছেট গৰ্ণমেট काशक बिनज़ार छानिछ। भवन्दिया অৰ্থ দাবা ইয়া প্ৰতিপালিত হইতে প্রতিপালিডের প্রতিপালকের বিপ তাচরণ কি বিধেয় হয় ? বিপক্ষতাচ করিলে সম্পাদক অক্তক্সতা নোবে আ यूक २३८४म मरणह नाहै। श्रास्त्रादि বিশয় লইয়া পত্রপ্রেয়কের এডুঞে গেভেটের প্রতি কটাক্ষ কর্ অনাবশ এ কথা কছিলাম, ভাছার কারণ ব मन्त्रीहरू यहि नित्रदेशक प्रदेश कार्यन বিবেচনাও সংক্ষাবাসুত্রশ লিখিয়া গ কেন, ভথাপি লোকে ভাঁহার সে ভা প্রভায় ক্রিবেন না। এই সকল বিবেচ कतिवा पामानिरात अवश रेखा दिव যে উল্লিখিত পত্ৰখানি আময়া সোম কালে প্ৰকাশ করি। তবে একাশ ক बात्र करे कांत्रल स्टेन, मन मिनिन वैर त्वत्र व्यक्ति अहमरामंत्र कार्यक्त व मर ভাব ভাৰিয়াহে, প্ৰধানিতে ভাৰা সুৰ त्राल **माविराक्त र्देशाह । उक्त** ना প্রধান পুরুষেরা ভাষা স্থানিতে পারিলে অষেক উপকার মর্শিতে পারিবে। বিশে যতঃ আজিও ছাউঞ্ কমিনমের কার্য্য **मिय स्थ नार्टे। फेरा अभिक्टल** मखाय-मान रहेर्द । नत्र गिनिम रीखन यथन क्षेट्रक दाव, फलका काटवजा जानगानि-গের কটের বিষয় উচ্চার পোচর করিতে কিছুমাত্র ভেটি করেন নাই। তৎকালে লোকে খাদ ও খাঞ্চ ভক্ষণ করিয়া জীবন ধারণ করিতেছিল, ভাষা পর্যাত্ত উাহার মুক্তিগথে উপস্থিত করিয়াছিল, তথাপি ভিনি নিতাত পাবাণ্স্দরের ন্যার হইরা শ্রতীকারের কোন উপার না করিরা हिन्सी चाहेरमम, छाश्रास्ट्रें बार्सरमंत्र লোকে উাহার উপরে অধিকতর বিরূপ ষ্ট্রাছেন। অধিক কি, সকলে ভিন্ন করি-শ্বাছেন, ডিনি লাসনকর্তার বোগা লোক न्ध्य ।

" আগামী বৰ্ষের উপায় কি?"

দেহত্বার উবুক্ত কৈলাক্তর হার মহাশর উপরিছ শিরোনামের প্রভাবতী লিখিরা পাঠাইরাছেন। আমরা এই ছলেই উহা ভুলাকরে মুক্তিত করিরা প্রচারিত করিলান।

ा नाम कर्मान इकिएक ताने कर श्रीत केरमा स्टेमार । श्री, करेम, बाराधान, व्योपनी श्री श्रीक श्रात स्व महाध्योगकमन निवासन काम परिमा निवार, कर्माश्रीत, हुनी, क्रांगरेकी क गृह्माश्रीत क्रेन्सर्थ, हुनी, क्रांगरेकी क्र गाम स्वयाद क्रेन्स खेना निवार वर क्रांग्नी ३६। ३७ क्रंक श्रीता स्वाक क्रिनीर्ट्स क्रिक्ट्या क्रमा श्रीता-हेशहि। क्रम्म ३२१२ मार्ट्स क्रांगिक क्रिक्टिक क्रंक्रिन क्रम्म क्रिक्ट्य मार्ट्स क्रमा क्रिक्ट स्वेशास्त्र क्रमा, क्रिक्ट वित्र क्रिक्ट मार्ट्स क्रमा

रुदेश वयाकारण मञ्जात व्यवनवन कता হুইড, ভাহা হুইলে কি এড লোকের एकु इत १ नाशातरण यथन इर्क्क मर्खाः वमा कतिशा अवर्गरमण्डल छविषदा मार्माः বোগী হইতে হলেন, তথন যদি স্থানীয় কর্মচারিগণ ও আমাদিগের লেপ্টনন্ট श्वर्यंत्र मानादत्र मत्र मिनिल वीष्ठन वाही-হুর ডংগ্রাভি কর্ণশাভ করিভেন ভাষা स्ट्रेटन कि व्यक्ति आमानिमटक व्यनः या चटरजीवनित्यव विनाम स्थिता वियान-भागत्त्र विषय स्ट्रेट्ड स्त्र ? त्रवर्गत्मणे ख रम्महिटेखंदी मटशास्त्रभग अक्वांका रहेश ভূৰ্ত্তিক প্ৰশাসনাৰ্থ বে মহা উদ্যোগ করি-हाहित्यन, विव वश्वाकात्म फोरांत पर् ঠান হইড, তাহা হইলে কি ঐ সহা চেন্টার অনুরূপ কললভি না হর ? ভাহাহইলেকি আজি ভূরি পৰিমিত क्षका क्षत्र मन्दर्भन कतिहा पशालू जिप्ति **शवर्गमञ्ज्यक वाक्तिक व्हेरक ए**व ? वांचा इंडेन, भार ता नतन क्यांत चारक्रम क्यांत्र व्यक्तांक्रम नारे, अलाज्ञ-**ट्यांडमा विक्**तृ । अथन मतानू हा**म**्कूम-मिर्मन अवर समिरिकती वाक्तिवर्गत नवर्ष्य नश्र्यभाषः अहे मात्र विकास ৰে, আগামী বৰ্ষের উপার কি ?

सित (सह सत्मन, जांत विका किरमत ? शक वर्षाकारम उपके जम स्हेताहिन, कार्किकारमध्य सर्थके जम स्हेताहि, कार्किकारमध्य सर्थके जम स्हेताहि, कार्किकारमध्य स्थापकर्षा यपि किस्मिर कार्कितिद्यं महकारत अञ्चलके करतम, केस द्यापात स्थापका महस्म वृद्धिक शामिर्वत । असं तृष्ठिकारम प्रवर्ष स्हेता-हिम दर्छ, किस प्रक्रिय द्यापालक स्थाप स्थाप कार्कित स्थापालक स्थाप स्थाप स्थाप कार्कित, जास्टिक स्थाप कार्य स्थाप कार्कित स्थापिक स्थाप स्थाप कार्य स्थाप कार्कित स्थापक स्थाप स्थापक स्यापक स्थापक स्थापक

ক্রিতে পারে নাই। **অনেকে বীক কথ**া-ইয়াছিল, কিন্তু অন্নতে সমুদায় ভূমিতে **রোপণ করিতে পারে মাই। এই সমস্ত** হেতৃবশতঃ সমুদার ভূমি আবাদ হর নাই, শার বাহা শারাদ হইরাছে, ভাহারও षरनकारण कि ताव व्हेट पुरु गरक। विरवधना क**त्रिरम मर**क मण कार्न-নার উর্দ্ধ ফসল ক্ষয়িয়াছে, এমন বোধ হয়না। উহার অধিকাংশ সম্পদ্ধ লোক निटमत्रहे चार्याम कता। याश्वित्मत किङ्क নছতি ছিল, তাহায়াই যথাকালে সুচাক্র क्रिकार्यः मुल्लाहम क्रिकारम, क्रू-তরাং তাহাদিদেরই বোল আনা লাভ। পক্ষাস্থরে বে সকল লোক দরিন্ত, অথবা ছর্ভিক পীড়ার নিঃস্ব ক্ষরা পজিরাছে, ভাষারা আপনাদের জ্বোত জ্বমীর ময়-माप्र व्यावाम कतिएक शीरत नाहे, याहा चाराप कत्रियाटक, खावाख वयाकाटन উপযুক্ত মতে না হওয়াতে সম্পূর্ণ কর. প্রায় হয় নাই। ভাহাদের 🖨 স্বন্ধ্য পরি-মিত ধানা ৰাভীত অন্য কোন সংস্থানত नांके, फाहा**७ जा**वांद्र #1 नात्रटलीटबरे পৰ্যাপ্ত হয় কি না মদেশ ছল। তথাতি: **। अटक ब्रांधकत्रक मिटक स्टेटव । এই जकन** দেখিয়া শুনিয়া বোধ হইডেছে যে, আপানী সনের প্রারম্ভ (বৈশার মান) व्यविध व्यक्ताविक मीन इ:शी तारकरा পুনরার অন্নকটে পক্তিত হইবে। গত ভয়ত্র মধভুরে দেশের যেরপ ছরবন্ধা चित्राह्म, जाहाटड दर्निट क्षकांत्र मीन शितत मः था निकास मण्या स्टेरव अमन (दांध हरा ना। 👌 मकल लाटकन लात-क्षांनार्थ कथन व्यवस्य दिनाम महलाह्य ना कतिएल भूनतात अवग्रिकातक निवासन ব্যাপার সংঘটিত হ্ওয়া অসভাবিত नत्र। वित्यवन्तः चामन्ना नावनिक क्षादन (भत्र माजिलास (भावनीस व्यवस्थ दल्बि-তেছি। ভত্তা অসাগণ হতিকণাতের পূর্কাবধিই উপযুর্ণার বিপদে পড়িয়া অভ∍১;ব, বৃণ্ড বিস্চ⊀াদি বেটেগর প্রাক্লভার প্রভৃতি নানা প্রন্ধ ইষ্টনায় ন্দিন্ত কইবাচিল—- বিলেপ্তে ছুর্ভিক্ষ ওপলিত হ ২টা ভালাদিগকে পিউপে৴ণ ∤ ি, বিভাগন্তৰ উপরি বর্ণিত নিঃস্ব য়ালৰ সমুভ হাৰি, কৈ হাংকালে বিভাগ নি∹it:৭ দুর হইবে ভাক্তর্যা ja ণু জর্তিক লচ দেশেৰ মধ্যে কাৰ্ডিক ভাগ নভাষে এপোনতে, সমুদ্র সহিহিত সমু-😭 ५५३ डेक छात्रिय चप्रश्व । गारा উক্তবিত্তবিত্ত দীন্দীন্দিলের প্রি-ালের জন্য মধোচিত উপার শীঘ্র অব মুন ক্লা নিতাড আবেশ্যক সংক্ৰ 1支!

রা অভয়ে আবিশান, কাইা এই---গ্র ভি**কে** অর্কটে পড়িয়া **এ**ার সকলেই কেশজী প্রভৃতি চম্পত অপুষ্টিকর দ্রা का बन्निप्रण्डा के देवस्त्रम अथन स्टिन्स हे द्वावश्रस्थ क्या याहेट इट । (भार, र, यमध, अभाक्षेत्री व्यवर नामानिश डेम ময়, ইহাৰ অন্যতৰ পীড়া যে গৃহে দৃক इस्ट इर्टर, जारा धृष्ट् नरहा बरे नरूल জোর যদি শীঘ্র সমূচিত প্রতীকার না , जाहा इंडेटन करम स्मुलार एक्सरे शांधामिति निनम् ३३८व ७४५ वङ् । स्मादकर धार्य विनये करेबार मार्थ्य द्वादनः ।

এছলে আর একটা কথার উলেধ

विभाग कथा वह हहें हिंदर, डेशियिड । পদরাশিকিরূপে নিবাবিত হইবে γ মু:**থিগ**ণ কিরুপে নিস্তার পাইবে ? শের পীড়াং কিরপে উপশ্য হইৰে ? **লি প্রকাহিতি** হবী রা**লপু** ন্ধনিগের **ুল্পেশশুকা**কালফী মহাত্মপণের 🗐র বিংল। কাষার কুদ রুজিতে करहरू हि देशा खेर व इरेट इस्ट्र

জ জ্বীভূত হটবাণিঃস--- তাহাবা, নিষক | প্রথম, ছুর্ভিক উপশমের জন্য ইংল**েও**র পোতাৰ এঠিয়া মাত্ৰাৰ পৰে প্ৰসিদ্ধ । যে লাহায় চাওয়া হইয়াছে, ভাচা হইডে আখিনের কাড়ের উৎপাত, লাবণিক <sup>†</sup> বিবত না**হ্ইয়া দেখের প্রকৃতি অবহা** বর্ণন পুর্বাক এখনও লাছাযোর আবস্থা-কতা প্ৰতিপাদন পূৰ্বক তথা ছইতে দান প্রেবণের প্রার্থনা করা হউক। ইংলতের লোকের। হভাবত; দলালু। বিশেষতঃ মাপ্পেটবের নিরাতার মজুবদিগের আতু-কুল্যার্থ এদেখ হইটে প্রচুব অর্থ প্রেবিড হইষাছিল। অভএব ইংলঔ(দেরা এদে শেৰ উপকার নিমিত্র বদানাতা প্রদর্শনে डेमानीन म्हेटल পারিবেন না। विखीय, উলিখিত অভিপ্রায়ে গ্রণ্মেণ্টের সাহায্য শীঘ্র প্রার্থন। করা হউক। প্রবর্ণমেন্ট গত इंडिंटक यहपीलयुक्तक्राण मान करहन नारे । विटलंगकः भागानिरणत महान् रहेते (मटक्र हेरिन महामाना आर्फ क्रान्टवातन বাহাত্র যত আবশকে টাক: দিয়া প্রকার क्रिन निवादिणंत्र चारमण क्षेत्रान क्रियान ছেন। যদিও ওক্ত আফলা গত ছডি<del>ছ</del> সহজে, কিন্তু যথন প্রস্তাবিত সাহায্য <u>जे इंडियम्बनिङ कड क्रम्बानह छेन्छ</u> বরুণ, তথন উলিখিত আদেশ এতং मण्यदिकं ना थे. हिंदिर एक न १ अकना द्वास इ.स. १५ वि.स.चे अवादत मुक्तरुख रहेर्दन। ए जीव, तम्मीय मनान् उभावतः स्नाक्ति लिय अवर अनुभावी क्रमीमाहमात्व निक्र হটতেও দান সংগ্রহ আবিশ্যক। জাঁহারা ছডিকোপলকে দনশে ওতাও কৰেল हिटेकिकिका सभी हैं। अक्रूब बाब कब्रिया-(छन् नत्मच नःहै। किन्द्र उँ। हामिश्रदक। चरमरभंत इ:थ विरम्बाहरत शूनकीत इन्छा-বল্লদান করিতে হউবে। দাজাব বর্ষণ वर्षाकालीन वर्षानंत्र नाम ममन विट्रानंदरत অধীন নহে ৷ পরছ:খকভির মহাত্মারা সাধান তা প্রহিত সাধনে কথানই ক্ষান্ত

इरेट शारतन ना । शतस **सामाणिटश**त

দেশের ছু:খ নিরাক্রণার্থ দেশীয় লোক

निर्मिष्टे नकार्या पश्चमत र्थमा जाव-

শ্যক। চতুর্থ, উপরিলিখিত জিবিধ। थन कोवा अन्य इष्ट काश्व कहा क्छे তাহা হইতে বাৰ্বালিজাভীয় নিঃস लाकिनिशटक मूलधन श्रत्रंश किछू । ८न अहा इंडेक, व्यवर वर्षाकारण परि লোকদিগকৈ স্বৰ্ণাসূল্যে ভণ্ডুল বিচ করা হউক। আর, রোগাদিগের চিকিৎ হেতু মেডিকাল কালেকের বাঙ্গলা <u>র</u> শের অনুনে ১০০ জন ছাত্রকৈ ঔষধ স লিভ ছডিকপিষ্ট দেশে প্রেরণ ক रुडेकः। शक्षम, अःर्गरमञ्जे सन्निम्नितः মকলোকেশে সাধারণ হিতকর কা কলাপ সম্বরে ৰাভ্লারূপে আরম্ভ করি पि डेन, এবং प**िण**् श्रीहरूम इहेट्ड अ त्रश्रामी वद्या करूमा। आमाता आका हिः কর এবং গবর্ণমেন্টের লাভকর এক রুহৎ কার্যা দেখাইয়া দিতেছি। তা **এই त्व, গ্ৰণ্ডেশ্ট নিমক মহলে বা** করাউন, এবং ভদ্রভা বর্জনশীল নিৰি কানন ছেদন করাইয়া ভাছা আবাদ কর रेटक काइक रुडेन । अज्ञाश रु**रेटल** अफ्ट लाना अक्टनब अम्बीनी इतिप्रलाहकः व्रका शाहेर्द अवर **अव्यक्**रलंद सक র্ত্তি হওরাতে সম্প্রতি ব্যান্তের অত্য উপদ্বৰে প্ৰজাপৰেৰ গোৰ্থৰ প্ৰাতিপ कन रा विषय मात्र इहेबा छेडिबाटक, ज राज प्रोक्त वर्षाय । शकायत्व 🖣 महः वस्तात्र ज्या यावात इहेटन बानमहरन नाम विक्तीक हरेना ताकरकारत आहुः धनानरमात्र छेणात हते. अथे उन्हात মাধারণ দৌভাগ্যও বর্ষিত হইবে। "

त्रात महानंत स्मिनीशूत चक्र नदानी তিনি ঐ অদেশের ও উড়িবার বিশেষ রতাম্বজন। ভাঁম্য লিখিক ৰাকাঞ্জির যাথাৰ্থ, বিষয়ে অধুমাত্ৰ সংখ্য নাই তিনি গ্রামাণিক লোক। তিনি ভাই विशेष व्यामेश कतिहा शवा मत्या (य ক্মটী প্রভাব করিয়াছেন, ভর্তুরূপ কার্য कत्र विक्रिया चार्यक्षा । शक दर्दि हात नत्र एका मा एत, अहे चार्त्रापिट शत মনুদোধ। উলিখিত এন্তাৰ সমুদায়ের ধ্যে বে গুলি প্রধান পুরুষদিদের কর্দ্রব্য লিয়া ক্ষি হইয়াছে, তদিতকের অসুদ-লান করিয়া তদৰগছন করা ব্যবস্য हर्चक ।

वर्षे अगटक जामानिटगत भात वक्की ক্তেৰ্য উপস্থিত হইল। কলিকাতা ও **ভ**রিকটবর্তী ছানে এ সময়ে তথ্যসর महत्राहत त्वज्ञ भ गूना व्हेत्रा थाटक, अवेटर्व ভদপেক। অনেক অধিক হইয়াছে। ডব্লি-মির অনেকে শকা করিতেছেন, ১২৭৪ নালেও অধ্নত উপস্তি হইবে। কিন্ত ब्रशात व व्यक्ताल इर्डिक रहेरव, कांम जन्दमहे व्यामधूमिरशत अञ्जल रदाध स्हे ভেছে না। এখন ভণ্ডুল মহাৰ্ঘ হইয়াছে, ভাহার এই কারণ বোধ হর, চাউল নানা चारने त्रक्षांनी हरेरफरइ, किन्ह व्यक्तिक নকল ভান হইতে আমলানী হয় নাই। यां हा इडेक, अ वर्षक त्रांकशूक्रविर्धनंत्र किंकिट मार्थान स्रेश छल। जीरणाक। এহার যেমন পর্যাপ্ত পরিমাণে শন্য क्षिश्रोटक, एकमन क्षमाना दरमरत्रत्र नात्र **পূर्व रहर्वत्र किछूमाज निक्क मारे, 'नरुन** গৃহই খুনা, শীতল ছান অপেকা তথ স্থান আন্ত্ৰ'ক্ষিতে অধিক কল লাগিয়া शांत्य। अञ्चय भागता व वर्षक वार्ताः শাজের বিরুদ্ধ প্রস্তাব করিতেছি, রপ্তা-नीत विषया राम डीशियरात मृत्ये पारक। बन्नेटमण स्टेटल मा स्टेश भक वर्ष व्य স্থানে মুর্জিক না হইরাহিল, তথা হইতে त्रवामीत वायमा करा एउक।

ৰারীভাৱেব অন্যতন্ত্র কারণ। **अट्स ७ रक्टरण निम्नकृषि, क्**र्वा-कोर्न ७ चार्स विकास चन्यामा सम्भ च-পেকা অকাত্যকর, তাত্তি আবার क्टबर प्रमुख्या क्टबर्की विट्यार कातरनंत्र मध्यमेम एकतारण वेश व्यक्ति

তর শ্বাস্থ্যকর ছইয়া উদ্ভিয়াছে। বন্ধদে শের মধ্যে বে বে খান অপেকারড স্বাহাকর ও সহস্কুর্লিয়া প্রনিদ্ধ ছিল, তাহা মারীভগ ছারা আক্রোন্ত হইরা নানা धौकात इत्रवकाशक हरेगाटक। स स्य কারণে মারীভর হইতেছে। উৎকৃত জন নিৰ্মশাপ বিরহ ও এখন মধ্যে দূবিত **चन धर्यम उपराध धराम। अक्टन वक्** দেশের অনেক নদীরই জ্রোত মন্দ অথবা क्क रहेश शिश्राष्ट्र। य य च्रात वह यप्रेमा रहेत्राट्स, म्ब्बिश्चाटन यात्रीखटवत गमधिक व्याञ्चीय हरा। क्रकनशत हेशत **अक्टी डे**ट्क्क्डे मुक्टोन्ड चन। किंडू पिन হইল, আমরা ২৪ পরগণার 💘তঃপাতী বাফুইপুর ও তৎসন্থিছিত ভান সকলেব ভরত্তর মারীভূর ইভান্ত পাঠকগুণের পোচর করিরাছিলাম। যে বাঁধ থাকাতে পুৰ্কে আম মধ্যে লোণা জলের অধেশ নিবারিড ছিল, ভাহার সংস্কার না হও: ग्राटि लोग कन शिविके हम, जाहाटिके के समिछे नाथित स्रेताहिन। सन्नकान क्तिरम धरेत्रथ घटनर चटनरे चन निर्मा মাদি দোষ মারীভয়ের কারণ বলিয়া निक्छ हरेरव मरक्षर नारे। यहा अध-স্তাৰ উপস্থিত কবিবার কারণ এই, क्त्रजी जिलात ज्ञान्यकः भाकी वत्रमांभेतन-পার নদীর জ্যোত রুদ্ধ হইয়া একটা প্র-कां के कवा इंदेग्राट्य। त्में के कि निर्माट्य व পথ না থাকাতে উহার চতুঃপাথ হ প্ৰামগুলি নিভান্ত অস্বাস্থ্যকৰ হইয়া উঠি রাছে। প্রায় 'এক জেশ ভূমি জলমগ্ন হওয়াতে পূৰ্বে ডথায় যে অপৰ্য্যাপ্ত নানা-বিশ্ব শাস্ত ক্ষিত, উচ্চার সম্পূর্ণ ক্ষতি হইয়াছে ৷ স্থানান্তরপ্রকটিত প্রেরিত পজে পাঠক্পণ ইহার সবিস্তর রভাত । তথায় লইয়া পেল। বেণীমাধ্ব রাণ নায়ুর **रिचिट्ड मार्डे**रबन। मख्याद्यश्रक्ता छो-र्यना कतिरक्राप्टम, अवर्गरमणे डेरमाजी হইয়া জল নিৰ্মানের একটা পথা করিয়া । তাত্ হইয়াছে। কিছু চিপু বলিল দে তথ विशा क्षा अका करून। व्यामहाक व्यष्ट्र: त्रह ठोहीत विश्वदित नरह। व्यामाः

রোধ করিতেছি, এ কাজ করা অবশ্য কর্ত্তর : ইহাতে কেবল যে প্রভাকর निवातम स्टेर्स अक्रुश नग्न, 🔄 अन्नग्रा ফানের উদ্ধার হইয়। ফুষি ও বাণিক্র্য উভরেরই সবিদোর উন্নতি হইরা উঠিবে। ইহাতে গ্ৰণ্মেটের লাভ বিনা অলাভ नारे। शब्द अंतरकता यक्तश करिएउटहन, তাহাতে গ্ৰণ্মেণ্টকে নিজে সমুদার ৰায়ও দিতে হইবে না। তত্ৰতা জমীলাব ও প্রজার নিকটে সাহায্য পাইতে পারি

-:•:·

পুলিবেৰে অন্ত কাও।

মৃতন পুলিষের বিষয়ে আমরা খে আশিকা করিয়াছিলাম, তাহাই ঘটি-তেছে। দেই পুর্কের ন্যায় নিখ্য মকদ্দমা मानाम, चारेरनत विकटफ कराम जाया, স্বীকার করাইবার জন্য প্রহার কবা এদ-কল সমানই রহিয়াছে। সম্প্রতি প্রধান - जम विष्ठातालक्षा এक **अड**्ड मकसमात আপীলের বিচার হইয়া পিয়াছে। বিচা রালয় এ বিষয়ে যে অভিপার বাক্ত করি য়াছেন, আমৰা ভাছার সম্পূৰ্ণ অনু त्यासन क्षिएकहि।

भक्र रेड्ड मार्टन अक निम अक्रमुरतः অন্তৰ্গত মহাধাণ। আমের চিপু নামে এক যুৰ্তি স্থীলোকের বা**টাতে** এক জন किकीमात शिशा बरन, मनीएक এकरि স্উদৈহ পাওয়া গিয়াছে। কিছু দি পূর্কে চিপু ভাহার খন্তর আদমের সংখ বিধাদ করাতে ঐ ব্যক্তি বাটা ভাাগ করিয়া যায়। চোকীদাব বলিল 🔄 ব্যক্তি হত হইয়াছে এবং চিপু তাহা জানে এই <िनग्रा তाश्रात्म ७ **चार इरे** व्यक्तित **এक व्यन व्यथानात जीदनाक्टिक का**र्यन করিরা বলিল ভাহার চক্রান্তেই আদমে:

जाहारक व्यानक मन मिता हुई हाजि काशत महिक दोन करिल अवर अरनक কেশিলে সেই সভাদত ভাতার পাওরেব এই কথা স্বীকাদ করাইল, এবং এই কথা ব'লাত বলিল যে সাহক, চাঁদ. (दारा अदर कियान कर कद्मक स्ट्रान ভাষাকৈ বধ কৰিবাছে। ইভিমধ্যে ইন স্পেক্টৰ জগতন্ত্ৰ যেন আদিবা মহাধুম-ধাম আবৈ দ্ব কংলেন। ভিনিও চিপুকে প্রহাড়ই বাতি যাপন করিলেন। ভয়কর প্রহাণ সহাকবিতে না পারিয়া সাহত গ্রভূতি হত্যাপরধে স্বীকার করিল। মহ-फ्या माजिए ड्रेटिन निक्टि एथा रिङ इहेल. চিপু তথায় শিকামত সমুদায় স্বীকাৰ कतिन। विष्ठाः इटेट्डिट्ड, अयुक्त समय চিপুর শশুর আদাগতে আদিরা উপ-च्छि इरेल । हिश्रं अथरम **देनरम्भ**केरतर উপদেশক্রমে তাহাকে শৃশুর বলিয়া, चौकांत्र कतिमा। किन्नु जात सक्दल ভাষ্টে চিনিবাতে শেষে পুলিষের ৰভ্যস্ত্ৰকাণ্ড প্ৰকাশ কৰিয়া দিল। এক্ট্ৰ ওকার দাড়ে বোঝা পড়িল গেল। বি ধারিদেন, খাতিবুলা ও তমিজুদিন নামক তিন কন কন্টাবল গুড়তর আছা **उत्यादर अंशरुक्त (मन ७ समान्**क्रि তাহার সহাবতা ধবিধার অপবাধে দও বিধির ৩৩০ ধাবারুলারে দেলিয়নে অ পিত হইল। দেনিয়ন জন্ম ভারাদিনের মিয়াদ দেন, কিন্তু প্রধানতম বিচারালয় থামানের অভাবে ছগতন্ত্র সেনকে ছা फिया नियोदक्त , विद्विष्ठना कडिया दिखाटन প্রতীয়শান **হয়, এই ব**্তিট প্রধান পোৰী। ইহার অপুনতি ব্যতিরেকে কথন পীড়ন ও মিবল মক্দেম সাজান হয় বাই। পুলিব ২৪ হটিকার আংধিককাল **গ্রাহের করে** করিয়া রাখিতে পাবেন য়। **কিন্তু** তিন দিবৰ চিপু ও অন, মন্য '**लांक्टक**्कारन क्यारन बक्क हांचा हन्न। निरम्भद्रेरवह क व्यवसार्थ विष्ठांत ७ एक ,9বা উচিত ছিল।

প্রধানতম বিচারালয় এই আকেপ করিয়াছেন, এ একার **লাজা**ন মকদ্মা প্রারই ভাঁহাদিনের নিকটে উপস্থিত হয়। অভএব এবিদরে গ্রণ্মেটের ম**ে**না যোগী হওষা কর্ত্তর। পুলিষের কত দুব ক্ষতা, ভাষিয়ে ভাঁহায়া এই কথা বলেন य পুলির নিজ বিবেচনাত্র गাহাকে ভাহাকে আটক কবিয়া রাখিতে ও বিচা বালদে সমপ্ৰ করিতে সম্ব নছেন। মাকিট্রেটের পরয়ানা ভিন্ন গ্রেপ্তার ক-विटक हरेटल य्योकनाती काहरमत ১०० ধাবাৰ ২ ব পারে আফ অভুসারে পুলিবের বিশেষ বিবেচনা করা **উচিত যে ধৃত** ব্যক্তির বিরুদ্ধে যুক্তিনসভ অভিবোগ অধৰা বুক্তিগ<del>সত সমেহ কৰি</del>শেহে কি না ? বিচারপতি কেম্প ও মার্কবি বলেন " যুক্তিসঙ্গত অভিযোগ ও সপেছ প্রকার প্রতি মকদমার অবস্থার ওপরে নির্ভন্ন कड़िर्द मरम्म स्वादे। किन्नु मिह मरमम्ह কোন স্পষ্ট ঘটনা নিৰন্ধন হওয়া উচিত। অনিশ্চিত অসুমান ও অবিশ্বাদ্য সংবাদ নিৰজ্বন হওয়া উচিত নয়। পুলিব কোন कान वाक्तिक वह बिलाया भूष करत्न, যে অভঃপর ভাষাদিশের বিরুদ্ধে কোন व्यमान बाह्य हरेटन। अंगि उँ। हामिरश्रत ক্ৰতার নিতার বংহির্ভ কর্ম। বেজ্য পূৰ্কক কোন পুলিব কথচারী আইন নিক্লছে ক্ষমতাতীত কাম কৰিয়া কোন ব্যক্তিকে গ্রেপ্তার করিলে দপ্তবিধিব ২২. ধারাসুদারে ভাঁদার সাত বংসব মেয়াদ হয়। " প্রধান বিচাবালয় সিদ্ধান্ত করি-यादहन, रकान बाख्यित माका व्यावभाव रहेता, श्रुणिय श्रद्धांना सिट्छ शांद्रन এবং ঐ ৰাজিয় ভাষা মান্য করা উচিত, किन्न माफीटक निटक बलपूर्वक आनद्रन व्यथेरा जैरिटिक अरू पृक्छकान श्रुष्ठ क-রিয়ারাখা পুলিবের ক্ষতারত নহে। महजाहत वह घटना इहेबा चाटक, अक <del>লন পুলিব আফিসর নিজে ধৃত নাক-</del>

রিয়া কোন ব্য**ক্তিকে প্রামন্থ লো**ং নকরবন্দীতে রাখিয়া দেন। এটা আ বিক্লদ্ধ কাৰ্যা। অন্তএৰ একনা পু कर्मानो एउनीय स्टेटक शास्त्रन। ছলে কোন ব্যক্তিকে বথাৰ্থ ছোৱে ( क्षांत कता रत, त्म ऋटनक मानिए है। ৰিশেৰ অনুমক্তি ৰাজিয়েকে ২৪ ঘটিৰ অধিককাল আটক করিয়া রাখা অ त्वत्र अमृत्यानिक वद्र। आह अक्टन भू ক্ৰচারী ভাষ্ত্ৰে ধানার ভিন্ন অং রাখিতে সমর্থ নহেন। বিচারপতি পরিলেত্য বলিঃ ছেন গ্রণ্থে<del>ন্ট</del> : षाहरूनत अरे मधाञ्चारत षाणनाता व কণ্ডলি অবাদ্র নিরম কবিয়া ভা নারে নকলকে কাম করিতে বারি করেন, তাহা হইলে এ প্রকার অপরা ৰিৱল অচার হয়। " ছভাগ্য ৰখ আমাদিলের সমুধে বে সকল মকন আসিরাউপস্থিত হয়, জন্মারা আস খানিতে পারিয়াহি প্রধানত্ম কর্মচ গণত ক্লম ৰ্যক্তিদিগকে যন্ত্ৰণা বি थारकम। किन्छ मानशान महेना काव्य तिएल **एवं अहे अन्य क्यां**नितिनितिन ता সংশোষিত হয়, তাহা আমরা কার

ক্ষাৰে বলিতে পারি।"

ক্ষাৰ প্রথান বিচারালর সান্তঃ বর্তনান পুলিবের প্রতি লোষালকরিয়াছেন, কিন্তু কোন্ মূল হইতে করিয়াছেন, কিন্তু কোন্ মূল হইতে করেয়াছেন, কিন্তু কোন্ মূল হইতে করেয়াছেন, কিন্তু কোন্ মূল হইতে করেয়াছিল করিয়াছেন বলিতেছি অধিকাংশ ই শেপকার সবইনশেসকার ও হেডকনন্তার পূর্বভন পুলিব হইতে মনোনীত হ যাছে। বাহারা নূতন লোক, তাহাছিলেরও অধিকাংশ অনহ ও অপদার্থ। মার পুর ত অনেক দূর, ২৪ পরগণার অনেক দান অবেবণ করিলে বেলীমান্তর রাজে মত অনেক দ্বান, ২৪ পরগণার অনেক দান অবেবণ করিলে বেলীমান্তর রাজে মত অনেক দ্বান করিছে বেলীমান্তর রাজে মত অনেক দ্বান করিছে বাহার বাহার সাক্ষার কেবল আক্ষার ও জনকন্ত্র সেতা মত ইনশ্যেকর ক্ষাক্ষার ও জনকন্ত্র সেতা মত ইনশ্যেকর ক্ষাক্ষার ও ক্ষাক্ষার বাহার বাহার করিছে পাওরা যার আন্তর্গ কেবল আক্ষাক্ষার ও ক্ষাক্ষার সেতা বাহার বাহার করিছে পাওরা যার আন্তর্গ করেবল আক্ষাক্ষার ও ক্ষাক্ষার সেতা বাহার বাহার করিছে পাওরা যার আন্তর্গ করেবল আক্ষাক্ষার ও ক্ষাক্ষার সেতা বাহার বাহার বাহার বাহার বাহার বাহার বাহার করেবল আক্ষাক্ষার অবেবল আক্ষাক্ষার প্রতিত্ব করেবল আক্ষাক্ষার বাহার ব

(कवि, काम रेक्स वर्षेत्वस्था । कार्स वर्षाप्रदेश सम्बद्धा किएउट्ट । अ०० तिवर्ग का का मानानी का बहर कर । ध्यानी मरकेरामान्त्र यस गई मा नाव्यी कत्रिको देवपुर्वित, काका 'इटेटम' जिल्ली द्व **७**९८काड सन. ठासेश थांत्र नटबर कि 🗲 **पश्रमकाम क्षिया वह जक्म प्रशास** त्यांस्ट्रकं बहिक के क्या, श्रृतिदर्वंत्र त्यार श्मानम स्क्रिन मा, जाहा बहेटल जीख श्रीतय कार्यातक मा एकेंक व्यवका नर व्हेर्ट्स विश्वयम - स्क्वल स्ट्रास्थला व्हे-्यदह ।

ু ভূষি সংস্লাপ্ত আইনের অনিনিয়ন অবস্থা ও ভাষার সংশোধন ।

विक्तारण पूर्व व नक्व कार्या माधात्रद्वत चत्रदक्षात स्त्र, बक्रास्ट्रीय मार्ट्य त्रांक बाटक यक्ष कता, केवत गाँकि माझटन भारतीत बाटमणक्ष करा बन्ध र्वाबाँवैदार ইনাম কমিনৰ ভাকার অন্যতর ক্রিব বলিট निर्मिष्ठे वरेवारम् । कृतिकृष्ठ वैतिकृषिर्वेत व्यविकार ने विद्यादिक नवदाः व्यवधान क्टबर गाँदे क्रिक वस्त्राटनब्रकृति व्हेटक ৰহিছ ত ৰওয়াতে সকলেয় যে অভিনয় मन: नीका पत्र, अवर, निद्धारमत परमक সন্ধান এইবা অনাধান্ত নিও হতা একৰ্মা क्टबर, छोड़ा कंगलांग कहिबाद नट्ड हैं मार्थकोस कीटस महस्रक मन्त्र अस् अस्ति welle praire aftenbane ence a freit witte atte in fen 74 कराक इंदर्शक का बहुत पूर्ण बारकमध STREET, STREET STREET, WITH WRITTING क्षिक्रिक्राक काम का हा व वरे प्रदेश वानारता व्यक्ति वाचारक मानकार्यं क्षाप्त कार्याः कृषितः प्रा ME COUNTY STAR ASSESSMENT THE where we restrict there will be casi acea sch . en entern ecan. Me femil wirich fates witch

मास्यम ३५ व्यक्ति जात्तिक कहिनान मा । अप कर कामाना कर किया दिया जमान काक काक काक वाकि वटनाम, अ क Ged fonein at fage wice, simi बार्टकार विका करिय उद्शासक कियार न mie Ren w ce wien simi cemi-श्वा देश कान स्टाम लगात करन वामानेन क्षेत्र' व्हेटेख प्रका लाग । ११ वरे युक्तिकर **१५५ मध्य व्यक्तिक** , নিক্স ভূমির ক্স ভাগন করেন। এই गार्दशील कृतित व्यक्तितान कृतक छ चना चना क्षणीत सिक्टी का वहेटजन व वर्ष अंबर्ग्यक्ष व्याना कार् े निरम्भ को । अकारा नाट्यब्राममाद्वत यक्ष वित्र कांनिया वेकेन्नति शास्त्री नदेश পাকু। ৰাট্য, বানান, পুকরিনী প্রভৃতি করেন न । एठाद ३५३३ चटकंत्र २ चारेन एरेल. केरिम केर कार्र बहुक बहुद कार्य क्षिरणम, क्तुकारोती समीराह नाट्यं अक्तान · स्ट्रेशन । क्रिनि प्रथम जांत्रकवित्राक दिन ्रांच, अ रक्षेत्रतीः शुर्स्य रक् 'श्रांदत कत्र रिटफ कार्य अपर्टंग बटबके बहर, ब्लोबाह नाच्य बिट्ड स्टेट्ड्स, ट्यामाहिट्यन ম্কুর্রি কর্ম আহু নাই, একংণ আনি টিকা অভার ন্যার বেজামত ভোমারি भंत निकार के का चारांत कतिया । ११ रव नत्म सरीमार्ज " विटलन सर्वालु " जा र्याता क्यांच मन्त्र समात है। स्पृष्टि काचा feren faith glan nachn wo पूर्व नवेड जालांगण प्रमेश वार्यत । वे त्म और शिक्षीक कटान देव वार्टवताक बोबनिटम्ब स्केटकरे श्राकाविटमत्र भवतित www.mingten wein Gieiferen wu वारेट्डाइ, चन्न अवस्थितह यथ्ड इस्ट्रेट्ड असीर अम्बन मार्ट्डावराह काकामना कान्या अध्यक्षक मर्गटक्टकेन MENT MAN CON SIR! AWEN BES मिक्सिट्सम् क्रीशास्त्र मण्डला ७४ **ऐक्स**ि महा केवा विदेश रहेन, नवत जामानटकर

ৰভে ভিনি প্ৰশাদিনের নিকটে ভারার · मर्थ क्षेत्र व्यक्तिक करिया गरेएक शाहित त्वम !! चारितमां मर्च बरे, त्वाम वास्ति चार्यनात्रं धारक्षमा मिर्देशन (मोकांशा कांत्र कतिएक शांतिस्वर्म मा, किन्दु अन्त जारांगरका निवास बङ्गारत नर संगी-দারেরা মৌরনিয়ারলিরকে কিছু বলিজে भौतित्वन मा, किन्ह क्योरहात बाटकवा क नाटचेत्रीक्कांट्यता मनत क्यांत सभा क्या न्हेटल नवर्ष स्टेटनंस। बाहा स्डेक, स्त्रीका भारत विवस करे, ১৮৬৫ चाट्यन ३० डे कून প্রধানতম বিচারাসর নিয়াত্ত করিয়ার্ডেন मारचेत्रावशास्त्रत निकट्ठे त्राक्ष्य गृहीक . १वेट्रमध सक्त्रतिषादतत समा हिका वहेटव मा। क्षि नार्थराजनात्रक र होका वेंदर सर्वात यक्षण क्रिक क्रेट्ट, फ्रांश কি উবিহার প্রভারণার করে ছানীর হইবে দ পৰ্বৰা তিনি প্ৰজানিখের ভূমি ও করের প্রিমাণে তাঁহারিখের নিকট হট্ডত ভাষা অংশ করিবেন ৫ ১০ই জুন বিচারা-नर्व अध्याप्ति विष्ठांत कटतम माहि। किन्त व्यक्तांत्राच्या विद्यादक्त त्राक्टकत होता ঞ্জার ক্ষরে পড়িবে। কিন্তু ঐ বংসরের अक मनक्षात हुई अन दिहाइनकि बर्तम, नारेषत्राक्षशत अवर्गटकरक व न ষ্ঠান্ত 'কাৰ্কি দিয়া 'কাগৈতেছিলেন दिनक्ष प्राष्ट्रपत छाका अक्टन अधार निक्षे जाराह केहिएल शाहित्वन ना। ক্ষতঃ এই পূৰ্বাপর বিপরীত নিজান্তি मुक्तिमाध्य व्हेटल्टर । किन्न अल्डिन्सन জ্যানক অনিউ ষ্টিতেছে। প্রায়ী অধি-কাংশ লোকে যৌচনি পাটা লইয়া বাটা ও বার্থান অভূতি করিয়াছেন ৷ জাঁহা-দিশের উপর কর রৃদ্ধি করিবার তেউ। **पानक फोरन एरेएफ्टड**़ खड़िरकम रमारकत व्यनरकार के अस अधि क्षेत्रारक। क्षणा वाष्ट्र व्हेटफ्ट्र, अझनात व्यक्ति-क्षिष चर्षा क्ष तिने वेक्टिंद १

আমরা বাল্লার রুলিয়াছি ও বলি-তেছি কৃষি সংজার পাইনে জনৈক त्रांतरवात्र भारह। कोकरात्री ও निष-হানী আইন বে প্রকার সংগৃহীত হই-রাছে, ভূমি সংক্রায় আইন দেইরূপ क्षकत्र मध्यार कहा कर्त्तरा। क्षकत्र (य করদান প্রণালী আছে, ভাহা নারেনসভ बर्ह। धनी लारकता चरणकाङ्गठ चर्च কর দিয়ামুক্ত হন, কিন্তু অধিকাংশ কর ভার দরিদ্রদিশের ক্ষপ্রে পতিত হই-রাচে। এক জন পূর্কো লাখেরাজগার ঘরুপ ২০০০টাকা পাইডেন, ভূমি বাজে অপ্ত হইলে ভাঁছাকে ১০০০ টাকা समत्र ज्ञासाटिङ इहेन, अहे देशका खिनि श्रकांव निकृष्टि व्यानांत्र कतिर्देख काशि লেন। ভূনঃধিকারির নেই সমান আর রহিল, অভাচারকারী অমীদার বরং व्यक्तिक वानात क्रिएक नागिटनन, रूपे (क्वल शक्तानिरभवर स्टेल) किस अरे স্কল অনিউ ক'ড দিন থাকিৰে? কড हिन लोकटक दास्त्र अखिटवृत्र सना रूप क्रिक थान्टिक श्रेटिव ? नाटबेडांक बांटक चंश्व इंद्रेज अबात निक्षे इंदेखना नहेता क्षत्रीवादतत्र निक्छ वर्षेटक लक्षाह उठि छ !

বৰৰ ভিত্তভাগী বন্দোবস্ত হয়, তথ্ৰ क्योनारतत प्रश्न प्रश्न वश्मरतत करतत क्षज्ञन कतिया ऋदेशत ३५ चन्ट्रभत ५ चन्ट्रभ अंदर्नेटिमके धन, वाकी समीमादत्रव पाटक । 🖨 সমরে মেরসদার্গেরে কর র্ডির मुख्येष गाँदे, विधित्र गाँदे। माटवराटका वास्त्रांतन रंबन शाही। लग्, छवन सिर् गमः इत्र क्रिक्सनः था तत्र विशा करूमधि त्वम । द्राक्षांत्र निक्टि गांका ज्याकात्र एक् জাহার যে অংশ গংগ্যেক্টোর প্রাণ্য, खांका जारचेश्रीसमात काकात्रना स्तिता व्यक्तिहार क्रांत्रन । अकरन किनि श्रा পু্ৰিকেটেন) সভৰৰ প্ৰব্যেক্টো প্ৰাণ্য वेबेन्द्रक्ष्यक्र किर्म जीवात काछ बाहे. वन् देशीकाद्यात कियम स्य भद्रशासके भूति वर्गातम द्रावक अवेट एक

না। এমত আৰম্ভার ক্ষরীরারকে মধি বলা হয় বহর জমার টাকা ডিনি প্রকার निकटने नरेटक शास्त्रम, कांदा स्टेटक फांड्रा युक्ति । नाशिवक्रम् १३८७८६। व्यवस् লোকের অসাধুডার হও কি কারণৈ কৎ লোককে ভোগ করিছে 🐗 ব 🤊 भावता अहे कवा श्वर्ग्टमके ७ व्यवस्थानकः দিপকে অভুরোধ করিতেরি, ভাঁছার। ভূমি ৰংকার আইন সংযোগন করিয়া **अञ्ज कक्रम । शांटचेत्रांव्य दाटक्य्यक्ट** व्हेटन श्रमात कफ वृत्र अप श्रीकट्ट, ভাষা স্পাটরণে ঐ দাইনে ছির ছরিয়া দেওয়া উচিত। ১৮৫৯ অব্দের ১১ শাই নের ৩৯ ধারালুগাছে বাস্ত্র বান্ধান, ভূমি প্রভাষে কর রদ্ধি হইতে পারে না 4 বিষয়ে ১০ আইনের সহিত অইনফা দৃউ হইতেছে। ৰাজ্যভূমির করের বিষ্টিঃ बक्षी विक्रिके चारेन कहा कर्तवा। दिना **कृत्रिट वास कतिएक् स्टब्स व्यक्तिक।** ক্ষমীলার যদি তাল করিতে দেন তালা रहेरल रख निर्माह स्थेल इडेक् वा रक्त, क्लिम्बर्फ क्य इच्चि क्लिमांत्र भगका उँक्षि हाथ। डेविक मट्ट ब्यटलंड गण्ड-তির যত মুল্য রুদ্ধি হর, কৃতাই সাধারণ সৌভাগ্য ও রবর্ণমেন্টের মঞ্চ । বর্তমান व्यतिष्ठि व्यवस्थातं क्रामा स्टेटक्ट्स मा। कतीशद्वता विवक्तिकारी बटकाबटला सुनि था (कांश कतिरक्टाइन। किंक फूब्रिक्स्न ভাঁগাদিখের যে করেন্দ্রী কর্মব্যক্রী ছির रा, जाशत अक्षित स्टेटजट्ट मा । कत लरेडा डॉक्सिएन नर्क काळात महक्ता अमञ्जूबक्षत्र यति कारेन ७ सुन्नम्य अवानीक्षत्रका समीवादमः केमकार्यस्त केरचना वर्षे आहा तरेटम जिल्ली जनर्न रुप्ते शास्त्रीय चर्च मध्या कि मचन कवि रक्षांच अस्ति। स्मोत्रम केरमम कविन सर्गटमके रक्षा का महिलात विदेश के कार्य देखि कहिरकाक्त में के

विकल्पातन कार के के बाद विक महस्त्रिक विकास

स्थानिक कार्या निकान्तिकात मामास्थानिक कार्या निकान्तिकात मामास्थानिक विश्व मार्या निकान्तिकात ।
कार्य किवन्ति व्यः मुख्य क्ष्युवाध्यमिन्निकात ।
विश्व किवन्ति व्यः मुख्य क्ष्युवाध्यमि ।
विश्व किवन्ति स्थानिक व्याव क्ष्युवाध्यम् ।
विश्व क्ष्या क्ष्यान्य थात्रभाक्ष क्ष्या क्ष्युवाध्यम् ।
विश्व क्ष्यम् मुख्यम् विश्व क्ष्यान्य । क्ष्युवाध्यम् व्याव क्ष्याः व्याव क्ष्याः क्षयः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्षयः क्ष्याः क्षयः क्षयः क्षयः क्षयः क्ष्यः क्षयः क्य

वर याम अल्या मण मण मा वर्ग छ कतिए हा परमंदी, माना, भणा, शकुछि उत्तिनी माना श्रीकिमेश विक्रमभूदात भूरता र-भाविका भंकि उक्ति कतिएक्ट्या कतिनस्य अपोर्ट्स स्मृत भतिषारंग, मानासित भना छर्भन्न स्रोता, मारक। स्रोतिका स्राम्य स्राम्य नाधारम् स्रोता, मारक। स्रोतिका अस्ति प्राप्ति, स्राम्य स्रोतिका, मिना, स्राम्य, स्राम्य, स्राम्य, स्राम्य, भागन पान, महिला, प्राप्ति, स्राम्य, स्राम्य, नाभाग, प्राप्ति, प्राप्ति, स्राम्य, नाभाग, प्राप्ति, प्राप्ति, स्राम्य, नाभाग, प्राप्ति, प्राप्ति, स्राम्य, नाभाग, प्राप्ति, स्राम्य, स्राम्य, नाभाग, प्राप्ति, स्राम्य, स्राम्य, स्राम्य,

(1) and other believes and spin that

enter feriende muchtig beinten

त्म अवस्थित की दियांगा वस्तरक प्रतिस 😝 वृत्तिहा कुँडेनीकारश श्रवनपूर्वक कनकर्गात ब्रजीवा, स्मात्रशंकी, खोकान की अपनि वाज प्राप्त काक्षीतित गडिरवर्डम करिंडी कुरमॉक्कि ब्रिटिश र्राचाल कम अन्तर, कृष्टिकत्र अवर क्षिमेकः नवस्य देनिन बरनः प्रयोद्ध वेनिया त्राकृत्व वर्ष्युत्मा विक्रीक रहेवा व'त्र সনী বৰীকালে ভারজন মূর্তি ধারণ করিয়া কারোহীদিলের অন্তঃকরণে মহান আডকের পানৰ করিয়া দেৱ। তথ্য ইছার তেনত অভি श्चन रहा. अवर यथम श्रुक्तिन व्हेएक नित्र-ংগু ভীৰৰ বাজ্যালহকাৰে ইহাৰ গ<del>ৰ্ভত্ব জল-</del> ন পৰ্যন্ত সমান উদ্ধাল তরগল্পৰ থারৰ করে. ল পজা এমনি ভীবনগৰ্শনা হয় যে সেই হে সমুদ্রগামী কে'ন,কোম স্থানিপুর মাবিকও ধারৰে সাহসী হয় লাঃ পঞ্চাইক কথন ার বলিরা অম হয়। পঞ্চাঞ্জনীর উক্তর,পার্ডে হল্প ও কেদারপুর। এই ছই স্থানে ছইটী াড়ি » ছিল, কিন্ত হুই বর্ব হুইল ক্ষমস্তাবুলরি (राय **पश्चि का**यथि (क्यांत्रशुद्ध <del>। स्रोद्धक क्</del>य দাকীশধারী কনপ্রাযুক শাভিনিয়ার করিডে । लार्काक अथन अक्षे जानकाहि जा-त्ररकृतिक बाटह, किस कहाका क्रिकेट <sub>वि</sub> কালে উঠিয়া গিরাছে।

लिहमन विश्वसास नानिहान स्थिन । भूतिनात वेद किएम सिन्न स्थिनिया विश्वस्था स्थिति । किया प्रमुख सिन्न स्थिति । किया प्रमुख सिन्न स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित सिन्न सिन्

क रोष अवने कुछ जान हिन। असन एक गरित तर्हे बारवह कहा अवन प्राप्तक गरित असे विकास स्टेश क्यांत असे प्राप्तक स्टेश वर्ष क्षिणक बारवह सर्ग असे विकासकानियों क क्षत्रकार्त क्षेत्र केमलेर जन क्षत्र कालक बार असेर कार्यक क्यों क सिक्सिकान विरम्भ करत, बेलिया के

, পদার দক্ষিণ ফটবন্তর্শ রাজনগরী (২) গালক ভানে রাজা রাজবর্গত প্রভুত পরাজর্মসূত্যারে ৰাস ক্রিতেন। গাঁধায় মহীরুসী কীর্ত্তি এবং विश्वज वेषाण हिरा। करनक इंफिश्टन बाक्र 'বরভের মাদ অসাপিও দেশীপ্রাম রহি प्रारम् । अस्या नम्छ बारराज्य हास्त्राची निहात गृटर माक्षिका कृतर वक्षकांत कहता हिट्टाम । অক্তিও আৰালভুদ্ধ সকলে ব্যক্তনগরীর রাজাণি-र्जन सारवारतम ଓ खाँगानितान कार्य। वनी मानुन क्रिया व्यवकं ब्याटकंश शकान क्रिया बाटकंस। कामका क्रमिनात थे क्रमिक्नात्रविरात शहर अस , बंध का स्कालिक इस्तील रखादिकापि किस ल-क्षिक हरेडा थाएक। क्षेत्रक जावता जातक हैकि হান পাঠ করিয়াছি। কিন্ধু অনুদ্রো রাজনরভের मार् स्थास नमार्ड अथवा (सम् कांत्रप्रवर्तीत् कृतकि की खिमांन हिरमम, अक्रीम्, क्रांस करि नारे। त्रांकाधिताकः त्राक्षवद्यकः व्युपादानिव व्यतिक विकर्मन व्यक्तिक मकाप्रमान श्रीकिया কালের করাল হুরণ শক্তির বিলক্ষণ পরিষ্কার প্রদ र्मन केन्द्रिएउट्ड ।

দৃশতির বৃহিত্তীক সিংহ্রাবোপরি উদ্ধু চড়া সহসিত এক বিংশতি হয় প্রতিহালিত त्रवित्राद्धः निश्वः बाह्न वसून काकाद्य वृद्धेक निर्मिष । पहनरक है तपत्रानि शवनाकारन सम अवारत निगण्डिक व्येषाद्य । महत्राहत नावादन লোকে উয়াকে " এছন রহ " নাম অভিছিত क्टर । इष्ट्रांकि स्थाकावश्वात विद्राक्षकाम वाकि वा माना राजीव करनकाती ও मर्नक हरकात महना নেত্র আশ্বর্ধ রুসে পরিরুতি করিতেরে। কিছু-्रेस देहेर मसिष असमि स्थानमध्य प्रश्माणिक वरिश्वरिष्ठ । स्मानतक अञ्चल केक रव फाश्रुव म्बाब वर्षि वृद्धिशाच अविद्या पकीव सारवाद शक्षि करिकार व.स्या कामजे मक्कन हरा मॅक्कि व क्रुएमाक्किक । मूक्ष 'क्षरमान' क्रकुरकारन गांत्री, कासकत (गांगवाकत अथम खावत (अंग्रेटिक लक्ष्माम्ब "भाक" करहा) हाति कार्य शक्ति, कश्य वश सरक शक्ति, उद्व राष्ट्रकरेने:क्रिनंत्रे हातिनै अवर हुकान खेलत स्वन-निक्षे प्रयुक्ति महेशायुक्ताम स्विकारण । स्वायकी सम्बा-श्रद्ध केंद्र । केंद्र शाहरात्र गटनीक विवटशानिव উবিভ মুবুরা অধ্যানিকে মুখিলাত করিলে পথ कृषी श्रेमिकी अभिक्षितिक श्रेष्ठ विकास क्षेत्रक कारिक वर्ष त्रवास मा अवर मेहरी कोशमंत्री क्रिकिक का गंबारकंड अक्यामि क्रम

(६) कृतिक्रिक शक्तनगढ़ न काठीन बाह्यत्र शक्ताव निर्विष स्ट्रिक

পরিদর বেজি উত্তরীর বসববং আব হর । বজাওঃ
একুলর্ড হইতে সন্তলন রয় বে অপেকার্ড সর
বিক আন্তর্গ দর্শন, ভাহার কোন সন্দেহ নাই।
গোলবক্ষোপরি একানিক্রমে সোপানপংক্তি অভি
ক্রম করিরা উঠিতে হইলে ছানে ছানে ছার ভিন
বার্কবিপ্রান করিতে হয়। এই ইউক বিনির্বিত্ত
গোলমকেই মহারাজ রাজবলত প্রভিত্তবন্ত উৎসবজিয়া মহাসমারোহে সম্পন্ন করিতেন।
উৎসব সময়ে ক্ষতিকগন বোঝার বোঝার " লজী
নারারনের ৯ চক্র দোলে উঠাইতেন। চক্র সাধা
রণভঃ " ঠাকুর ৯ বলিয়া অভিহিত হয়। উথাপরাত্তে প্রভ অধিক পরিবাণে " ঠাকুরকে শ
আবীর দেওয়া হইত, দে ভাহাতে সমুদার প্রান
আক্ষাধিত ও রভবর্গ হর্যা উঠিত।

্জ'ড আছে নৃপতিপুদৰ রাজবলভের ভাবেশানুগারে হয় গশুরি কুবর্ণ **হার। এক**টা কাডগ্রনী দেবীর প্রতিপূর্ত্তি নির্ভিত হয়। প্রতি বিন উহার অর্জনা ক্রিয়া মহা আক্রন সহকারে নিৰ্মাহিত হইত। অধুনা ভাষার চিহাও আছে कि मा गरण्ड् कृत । ब्राध्यवानिव अधिकारण कृत्रहे লক্ষতি ভয়ানক ভুকল ও বিংক্ত **ভত** নিচাৰে ক্ষ্যাস ভূমি হইরাছে। ভারানিলের ভীম গর্ভনে क्रिकेट रुखाः काराव नाया ? इदावनी माना-প্ৰকার কলন লক্তার আক্ষানিত থাকাতে বোধ **হ্ইভেচ্ছে বেন ভারায়া রাজাবলীর বিয়োগ लारक क्रवीत ७ वशकूत २६३१ वज्ञीतम मनिन** বসম এবং জ্বয়রপ স্বাঞ্চ ধারণ করিয়া সংসা রেঃ **জনিভাতা প্রতিপর করিতে**ছে এবং কাৰ্ম্ম কৰে যে অবস্থিত থাকিয়া যেন হয়ত কু**ভার্ত্তর** চরবে প্রণত রহিয়াতে।

থ্যজা কডকওলি সুক্রশন্ত দীবিকা খনন क्द्रादेशंद्रितमः। ७९मह्मद्रित अक अक्षे अक्र দীব্যৰ এক ডট হুইতে বন্ধুঞ্চ দানি করিলে लि'क्त्रा समिए भार ना। ভটা স্থান্ত **कोशिएक्ट्र** বাষকরণ হই-बायश्'डोक्टमाद्र ब्राहः यशत्राक के निविकात श्राम कतिराजन, ভার্ণর নাম '' রাজনাগর। ৯ রাজীবিগৈর পাম নী ঘ্রার নাম '' রাণী সাগর। ৯ ধাজ্যীনিচয়ের স্থান জন্য থনিত দীবি ''ধাই সাগ্যন্ত এবং অনুচরগণ যে জলাশয়ে পোষিত শুক্ষ পক্ষীকে স্নান ক্ষাইড ভাষা ''শুক্লাগর শ বলিয়া অভিডিড : ওদভিনিজ আর আর অনেকওলি-পুক্ষিনী ছিল। স্থান্তবাসীর সমূর্ভিকে যে চৌগারা ছিল ভাছায় পরিসর পঞ্জার কোন কোন দাখা মদী <del>অগ্নৈৰা</del> ভূনে হইছে না। উলিখিত জলাশয় সমুদ্রে অবিভাগনই পঞ্চার সহিত সন্মিসিও হই

লাছে। কেবল স্থানে স্থানে ভগাংশ নাত্র র:ই-গাছে।

রাজার বহিছাতী হইতে রাজাবাড়ী, কলার মার দীখিব পার ৩ ) মাকোহাতী জুবোগিনী প্রভৃতি স্থান অভিক্রম কবিরা চাকা নগরীর সহিত সামালিত একটা ফুপ্রনাজনাথ নির্মিত হয়। তাহাব পার্শ ময়ে রক্ষজেণী বোল পিত ছিল। অন, 'পিও স্থানে স্থানে ঐ '' রাজ্য ক্রেলার ৯ চিইবালি নরন পথের আভিথ্য স্বীকার হবিয়া থাকে। কুক্ষলাস ( যিনি বাক্ষণার নবাব নির্মান্ত হৈ ক্রিলার তারে ভীত হইয়া ইংরাজ্য হর্মের তি কুক্ সাহেবের আত্ময় গ্রহণ কবিয়া-ছিলেন) বালা রাজ্যরুবিতের জ্যের পুত্র ছিলেন। লাজিও তাঁহালিগের বংশ প্রভাতকালীন চল্ল-করণের ন্যার নিক্রেভরণে প্রকাশ পাইতেছে।

क्षमनः श्रक्तानाः।

#### বিবিধ সংবাদ। ২৩ এ মাদ সোমবার

নক্ষতি মাজানের কৃতবিদ্য সমাজ পাট
প্রাণা বিদ্যালয় বাটাতে যিন কার্পেন্টরের প্রস্তাবিভ স্তীনর্দ্ধাল বিদ্যালয় স্থাপথের বৌজিকতা
বিবেচমার্থ এক সজা করেন। অনেক ভর্কীর্থক |
কির পর প্রস্তাব একবে স্থাসিত রহিল।

আনরা দেখিতেছি কলিকাভার মি
গালিটির ন্যার নক্ষলের মিউনিসিগালিটিও
উল্লোপীর বিভাগ পরিভুত করিবার নিমিত
শবিক ধরবান। হস সাহেধ্বের আগমন অস্থি
গলিকাভার দেশীর বিভাগের কিঞিৎ উর্গত
বিরাহে :

সমতি পঞ্চাবের লেপ্টনান্ট গবর্ণর তন্ত্রত, বিদ্যালিকার রিপোট সমালোচনা করিবার সমরে ডাজন লিটনাবের বিষয়ে বলিরাকেন থে প্রকার নিরম আছে তদস্পারে উচ্চার কাজ করিলে জাল হয়। অধ্যক্ষ নিজের মতাহপর্ন করিয়া কাজ করেন, ইহাতে সাক্ষাৎ সহজে করিয়া কাজ করেন, ইহাতে সাক্ষাৎ সহজে

(৩) কখিত আছে, দীবি খানিত হইলে
আনক দিন পৰ্ব,ত ভাহাতে জন উঠে না।
পরে স্থানেশ কর বে "এক পুত্রবভীর পুত্র
লাটীরা রক্ত দান করিলেদীবিতে জন উঠিব। "
কোশা কৈবর্তজাতীয় ছিল। রাজানেকে দীর্ঘ
লাতটে কোলার শির দিয়া কর । পুত্রবিরোগ
লোকে ছাডা স্থীরা হইলে ভাহার শোকাপ
নাচনার্য জড় দীবিকার নাম "কেশার মার
নীবিক রাবৈন। উহা স্বভান্ত প্রশস্ত।

ট্রান্ত । ।শক্ষার্থবভাগের অবেক স্থানেই অনেক গোলবেশ্য কার্চে

মণ্ড ভাগত কৰের প্রথম ক্ষিণনার ভারতঃ
ভাইবভনিক মাজিটেউটিলিগের কার্য্য প্রণালীর
ক্রুখনাতি করিয়াহেন। আপাডভঃ ডপায় ও
ক্রম অবৈভনিক মাজিটেই আছেন গড বংসর
ভাঁহাবা ৪১১৪ টি মকন্মা নিশুজি করিয়াহেন।
ভার্যাং সমুদার প্রদেশের যাব্দীর ক্ষেতারির
মকন্মার পঞ্চমাংশ ভাঁহাদিগের হার্য বিচারিত
চইবাছে। ৪০৩০ জন এই প্রদেশে শারীরিক মণ্ড
পান। ১৭০ জনের শারীরিক শণ্ড ও বিয়ার
উত্তর্গির শান্তি হয়।

কলিকাতার ক্রবিসমাজ বসদেশে কারোকি মার ধান্য চাবের উদ্যোগ করিছেছেন। মাজ্রাজ হইতে কিঞ্চিৎ বীজ আসিয়াছে।

গত বৃহস্পতিবার বিচারপতি নন্দান ক্রিয়ার সিটনকাব ও মার্কবি, ইচ্ছেন ও মাবিভিন লও ও হেবরেও জারবো সাহেব এড়জি করেক জন ইউরোপীর ভত্তবোক ক্লোড়াল ক্রেয়ার নাটালালার নবনাটকের অভিনয় দর্শন করিতে বান। ভাহারা সম্বন্ধ ক্রিয়া জানিয়া-কেন।

#### २८ এ সাহ सम्लब्ध ।

वर्षिक कवित्रम श्राहरणाति नशीत ६ मर् वर्षिक व्यवस्थित कतिर्वरहत । व्यवस्था वर्षामद्या गरेरम्म । किन्न व्याद्यम्भ विद्य श्रक्षी गर्वास्थल श्रक्षाणिक व्युक्त मा । क्षिम् गम केश्करणत मक्ष्यल वर्षिक थारतम माहे । क्षाणि व्याद्या व्यवस्था व्यवस्था श्रक्षाणिक व्यापि व्याद्या व्यवस्था व्यवस्था श्रक्षाण्य । व्यवस्था व्यवस्था । व्यापि व्याद्या व्यवस्था व्यवस्था ।

महाजि वाछ मान्यमवि जारक्य कतिया
हिन, हेरलस्थ श्राडिशेले वर्षात वृत्तमहरूस्य है,
यांशता अध्यादम कृष्णिका, क्षेत्राशा स्थारम्य कियादम क्षिर्णहरूम क्षिर्ण मान्यम क्षिर्णण क्षिर्ण क्षिर्णण क्षेर्णण क्षिर्णण क्षिर्णण क्षिर्णण क्षिर्णण क्षिर्णण क्षेर्णण क्षिर्णण क्षेर्णण क्षिर्णण क्षेर्णण क्षेर्ण क्षेर्णण क्षेर्णण क्षेर्णण क्षेर्णण क्षेर्णण क्षेर्णण क्षेर्णण

१९ जिन्नाम जरश्य रहेग्राह्म हन्म्मनश्र रखा इत कतियात श्रामा स्थानी सर्वाद्य है, च्यात श्राप्त कविष्ठ हेन्द्र महस्य। नवाम अनुसाहन चार्य शहिता त्राकापात्र कतियात स्थान नहस्य।

रेट अ माघ पूपवाता

माञ्चाय है। क्षांच बरनम, त्रक् मरवषत्र मारन

महाराज ३३,३०,४०२ समय होका जासनामी ३१,२०,२१६ होका समय इक्षामी स्टेडार्ड जामगनीत होकात जातकारण कथ्य स्टे जास्ता तकातीत होकात श्राप्त मध्यात व कर्म तक्ष्म १० (अञ्चल करतन । करतक वर्ष गानिस्कृत सित्रम स्टिक्स अस्ता स्टे मध्य होका गाहित स्टेडिस्साइ ।

देशीनवाम कृतिन सहस्य मः याम शहितार स्वयास अवर श्वाहनामन अवनाम हो अवाधित्र महानाम स्व। किछ, प्रथात्र अव वि वृत्तिमाद्य ग्वाहम स्व। किछ, प्रथात्र अक वि वृत्तिमाद्य । जिल्लि भव दिन्छे स्वयासन ग्राह्म । स्वताद्यात्र निक्दों (अवन क्दान, देशास्त्र भ प्राह्म नेवा स्वताद्य किन म्यानमिद्र महित गतामा स्वताद स्वताद्य भम स्वताद वृद्ध अन्य क्षेत्र कार्य स्वताद्य भम स्वताद स्वताद । स्वताद कार्य कार्य स्वताद स्वताद मान्य स्वताद स्वत

#### २७ अ प्राप क्षंत्रणाकियात् ।

त्वांवेदप्रत अक्षण स्वाद्यात प्रज्ञपत प्रा गांविया स्टब्स (मांगर हेस्केट्राइट्ट) है गहरवामी स्वाद्यादाता प्रस्कात दिन परिवाद कांगरम स्वाद्याद अव्यादा (परिवाद वर्गा व कांगरम कांगर आवाद कराय है। व विकाद प्रावद अव्याप्त कराय है। व वाक्षण । अक्ष स्वय भारती , क्ष्याद्या महाद '' तांबाद के भूकिट्स दिन, सिन्न स्वादेंट क्षाद पूर्व अक्ष वाक्षि अक्षण महिल्ला अव्य '' तांबा के स्वाद अव्याद '' स्वाद अ '' तांबा के स्वाद अव्याद '' स्वाद अ प्रावदी का वाक्षि अक्षण हैं 'स्वाद अ प्रावदी का वाक्षि अक्षण हैं 'स्वाद अ प्रावदी का वाक्षि अक्षण हैं 'स्वाद अप प्रावदी का व्याद अव्याद स्वाद अव्याद का विकाद का विक

সাধারতাকের রাজ্য সভ্তরের ক্রান্তর পর বাত হইলাছে। সাজ্য ক্রান্তর উপুরে বোর বীশের শীর্ষাধিনি ইন করিছেন্তর।

ति क्रवार देखिया अस्ति वास्ति वास्ति

কাৰুল হইতে পদ্ধপান বিপারীত সংবাদ লোকে আদিতেছে। ইংলিসমান বলেন সিন্নার আলী সক্ষ্ণী সম্পূর্ণ আন লাভ করিয়া কাবুলে প্রকেশ করি । নাই প্রতির সংবাদ পাইরাতেল আমির পরাজিত হইরা হিরাটে পলায়ন করিয়া-কেন। বাহ, হউক শীজ ঐ হতভাগ্য দেশের ইং হবহ বিবাদ নাইতেছে না। গজকক্ষণের বৃদ্ধনেত্বর ইংলিয়ার কাবুল কলিয়ার কাবে না পতিলে শাভ হইটে বৃদ্ধি ব্রিভেচে না।

বেবরেও এচ, উচ প্রথমতঃ প্রোটেষ্টান্ট পাদরী ছিলেন। ভাষার বিরুদ্ধে ছক্ষরিক্রভাব দভিযোগ হওয়াতে কলিকাভাব বিশপ ভাঁহাকে প্রেচ্ছাত ক্রেন। বেবরেও উচ সম্প্রতি কাথলিক প্রান্থ কবিয়াকেন। শৈব হইরা বৈক্ষব হওয়া। তে ক্রিন কথা নহে।

পাটনার কমিসনর রিপোর্ট কবেন, বিহুত চল্পারণ ভিন্ন বেহারের সর্মহানে যথেই সে, জমিরাছে। ত্রিগুডে শস্য কাটিবামার শিকেধা ক্রন্ত করিয়াহেন। ক্র্যমেরা উচ্চ মুল্যেব লাভ ভাগে করিছে পারিভেছে না, কিন্ত রে ভালানিগের জনকট হইবার সম্ভাবনা বহেতুক অধিকাংশ শস্য স্থানাকরিত হই-হছে। স্থানীর কল্মচারিগণ ছর্ভিক্ষের আশক্ষা বেন নাই। স্থানীয় কর্মচারিনিগের কথার জাব ধাস হয় না।

ইপ্তিয়ান প্রবিক ওপিনিয়ন বলেন, শকাবে বার অনাতৃষ্টি হেডু ছর্ডিকের আশস্কা জান-হেন্

ছ ভিক কমিসনর কটকে এক বিশেষ অন্যার

আ করেন। উট্টেলিগের সমুধে বে সকল

কি অবানবন্দি দেন, উট্টেলিগের বাক্য স্থানীর

হৈচারিগণ বখন ইক্ষা পাঠ করিতে পান। এই

কে অনেক লোকে ভীত হইর। হস্তর
গের বিরুদ্ধে সভা কথা বলিতে সাহসীহন

হৈ। উট্টেরা আনেন ডনস্থকমোট গমন ক
লে কৃষক অবলাই পুনর্মাব প্রহার আরম্ভ

হৈব। উইকলের সকলে একবাকো বলেন

কি মুর্ভিক করের সময়ে কমিসনর রেবণসা

বিষেক্তিক কেবল বে অমুলক সংবাদ দেন

ভ মহে, কিছ ভিনি দুবনীর উদাসীনা প্রকাশ

হৈরাছিলেন। তথাপি এই ব্যক্তির হত্তে উৎ
লর ভার রহিরাছে।

সিবিলিয়ানদিগের এতদেশীর ভাষার কা ইংগতে হওয়াতে সাজ্রাজ গবর্ণনেন্ট ভা পরীক্ষক সজ্জবার উঠাইয়া দিভেছেন। গতে এতদেশীর ভাষার পরীকা নামনাত্র বা এবামেই রে পরীকা হয়, ভাষাতে লোকে হাস্য করিরা থাকেন : হই এক জন ভিন্ন সকলের কথা অভি জঘন, উচ্চারবের ভ কথাই | নাই

#### - ২৭ এ মাখ শুক্রবার।

ব্যবস্থাপক সভার আগ: বী অধিবেশন নিবসে হবহাউস সাহেব এক বিল অর্পণ কবিবেশ। ইয়ার উদ্দেশ্য এই যত পুস্তুক এদেশে মুদ্রিত হইবে অবশ্য ভাহার রেজিপ্রবী করিতে হইবে। শেকাবীন বেভিপ্রবীতে কোন কাল হল নাই গ্রহুকাবদিশের কিঞ্ছিৎ অন্ত্রিবা ভিন্ন বিশেশ ইপ্রকাহইবে বোব হল না।

বিচারপতি মর্গাণের প্রাধান্যলাভ ব'সমা ক্রমনঃ বুবনীয় হইতেছে : তিনি আগরার প্রধান ক্রম বিচারালয়ের অন্যতর বিচারপতিনিগকে পুন্যমাত্র করিয়া বাখিয়াহেন । পিয়নিয়র বলেন, সিবিলিয়ান বিচারপতি পিয়র্শন এজন্য পদত্যাগ করিয়াছেন । নিয়তর কর্মচারিদিধের কিঞ্ছিৎ বাধীনতা না থাকিলে বে কাজ হয় না, তাহা অনেকে বুবেন না। যে সকল লোকের ভির্কাল প্রাধীন থাকা অভাগে তাঁহারা প্রধান ক্রমতা প্রাধীন থাকা অভাগে তাঁহারা প্রধান ক্রমতা

ভাজর মাণ্ডার ন বিপোর্ট কবেন দার্জিন লিকে একবে ৬,২৫,৪০৮ টি সিক্ষান। বৃক্ষ্ কাচে। গত ভিষেত্র মানে ২৬,৮০০ কলম হয়। বৃক্তালি উত্তম হইতেছে। ভাজের আগ্রাস ন মারও বলিয়াটেন নহামি বৃক্ষ বৃদ্ধদেশের সকল হানে হইতে পাবে, বিশেষতঃ আসাম ও সিকি মন্ত্র পর্নতেব নীচে হইতে উত্তমরূপে জনিতে পারে। গবর্ণমেটের উদ্ধানে ধে সকল মেহাগ্রি বৃক্ষ ছিল, ভার। বঙ্গে নত্ত হইয়াছে, কিন্ত সেগুলি অন্ত্রকাল মধ্যে বৃহৎ হইয়াছেল।

#### ২৮ ৭ মাথ শ্লিবার।

চাকার কমিসনর সি. টি বকলাগু সাহেব প্রস্তাব করিয়ালেন আসামের কুলিদিসের বিষয়ে বে সকল আইন ইইলালে, ভাছা রহিত করিয়া কুলি ও চা-করকে পরস্পারেব বক্ষোবস্ত কবিতে দেওরা উচিত। কোন চুক্তি পত্র এক জন মাজি ক্রেটের নিকটে লিখাইবার নিয়ম কবিলে যথেষ্ঠ হইবে। চা-করেরা ফৌজনারি কন্ট্রাই আইনেব ক্য ভোগ করিভেছেন।

আন্ত বছৰাজাব বালিকাবিদ্যালয়ের পাবি ভোষিক দান অতি সমাছোহ পূর্মক সন্পর হইয়াছে।

कता कनिकाका नश्कृष कारमस्बद्ध गावि स्वादिक मान क्रिया नन्त्रीय स्टेमा निवादस्य

----

# ইউরোপীয় সমাচার।

লওন ১৩ ই অ প্রারি। ইংলও, সুণি আর্থনীতে অভিনয় ব্যক্ষাত ও ঋড় ভেছে। ইয়াতে ভাক আদিতে বিলয় হয়।

অকুলান পরিপূর্ণ করিবার জন্য ইটার বাজার সংক্রান্ত মন্ত্রী ১৮ ৬৮ জন্ম পর্যন্তে য তীয় ধর্মালয়ের সম্পত্তির উপরে ১০ রে ভূগন্ধ কর আগায় করিবাব মানস করিয়াছে

লগুন ২৩ এ আসুরাবি। সর জন লগু অভিনয় মিডবায়বিষয়ক রাজনীতি অবল ক্ষিয়াছেন বলিয়া যে দোষ দেওয়া হয়, টাই ভাহায় সমর্থন কার্য্যাছেন।

ভূরক সার্মিয়ার দাওয়া শ্রবণ কবিতেছেই করানী শাসন প্রণালীর অনেক উৎকর্ম ইইবে ইহাতে মুদ্রাবদ্ধের জনিক সাধীনতা দেওই ইইবে।

মার্শাল বাজেন সৈন্যদিগতে নাকস্থিতি লানের অধীনে কর্ম লইবার অস্ত্রমতি দিরাভূতন আনেবিকার প্রধান্তম বিচারালয় বলিয়াছে প্রীক্ষার শপথের রীতি সম্বত।

স্থান ২২ এ আছুবারি। লাভ কুনিবার আনিসিনিবার সৈন্য প্রেরণ করিবার আজ দিরাছেন, এ জনবব অকাল আভা কর্ণের সিয়া প্রেরণ প্রভাগমন না করিলে কিছুই ইইবে না বোরাই হইভে বে টেলিগ্রান আসিয়াছে ভদস্থ সাবে গ্রেণিকেশিরশোধকগণ ও চাক্ষবি আদ লভ প্রতি পাউতে দশ সিলিও প্রদান করিবেন

সভাপতির অসমতি অগ্রাহ্য করিয়া আগে রিকার মহাসভা কাজি দিগকে প্রতিনিধি মনে নীত করিবার ক্ষতা দিবার বিদ্যাবিদ্যা করি গ্রাছেন। সভাপতির ক্ষা কবিবার যে ক্ষত ছিল তাহা রহিত হইয়াছে।

লওন ২৪ এ ভাত্মাবি। ১১ ই কেব্রুয়ার বিক্রম সভা ট্রাফালগবএক্লেয়ারের সুধিক নিতে কটবে।

লাতে ব্যৱহার প্রধান প্রকেশ সমূহের একভাও সন্ধি বাঞ্চবিত হুট্য'ছে। অন্তি রার স্বাট হল রীয় প্রতি নবি স্ভার এছে, স অবংবর সমরে বলিয়'ডেন, শীল্ল এরূপ এক ঘোষণা হইবে, যা-হ'তে যাবত'য় ভারেব কারণ হুব কবিবে।

ভূবক লাহাজে কাণ্ডিয়াস্থ এইক বেয়া উক্ত হীপ তথাগ করিভেছে

ল্ডন ২৫ এ জার্যারি। পূর্ক ল্ডনে অতি শর অরণ্ট হইরাছে। ডেপটকোড ও এটি উইচে পালেরে ভন্য জমায়াড়ব ও হর।

লগুন ২৫ এ আলুয়ারি। কানাড়ার বেকর কেনিয়নের খৃতু। দণ্ডের আজা হয়, ভাহারি গের ভাহার পরিষর্ভে ২০ বংগর মেয়াদ হইয়াছে

**ক্টিফেন্সকে পদচাত ক**িছা নিলমকে উচ্চার , পদে নিহুক্ত কৰা হইয়াৰছ।

লণ্ডম ২৬ এ জালুৱাবিঃ শর্মিক মেবি গেলেট বলেন, ইংলঞ্জীয় কড়াকৈ আলিস সাৰ-विक विहासिक को का क्षांका स्वाद विकास मान्द्री विवाहत्क करमा चत्रा अहेता तथ छोडाहरू পদচুত্র ববং হুইবে লা। লাভ কাল বাবের এলেভ 🖟 ব্ৰেব সৌভাগোল্লভিছের এক উপায় কলাবন করিয়াছেন : জিলেব ট্লাভি .২ বুবে সংলাট্পার অবল্যন কৰা আব্দৰে, ভাষা কৃতিতে ভিনি কর্নেল স্ট্রেকে অনুমতি নিয়ামেন। বেশেতের (बरेन प्रश्य के क क्षेत्रामहन क्षित्र हम इंडाई केश्मव ३५५) १

## প্রেরিড ।

মান্তর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সপ্যাদক মহাশর সমীপেযু।

আপনাৰ ২ বা মানের পত্রিকাতে তথ্য ক্ষেমীয় রাজগণের কর্ত্র<sub>া</sub> কর্মের বিবয়টা পাঠ কৰিতে কৰিতে ত্ৰিবাসুৰ পা ক্ষেত্ৰীর মহানাল ६८सव देवनिकत क्षेत्रकि जान्द्रसद विषष्ट्र भारे क-বিয়া সম্ভষ্ট হইলাম। কিন্তু মলাশ্য। আপনি এবং আপনার পাঠকবর্গ ক্ষেত্রীরমহাবাজের সুবি **त्यव উवार्क जारत्यत विषय काल भएरम, फक्ष्म,** আমি সমস্ত না লিখিয়া কাল থাকিতে পাবি-माय या ।

মহানয় ৷ ক্ষেত্রীতে একটা লাভবং চিকিৎসা-লয় স্থাপিত ন্ইয়াছে ৷ ভালতে পাচ ছয়টা বোণী সর্বাদা উপস্থিত থাগে ৭বং ডাহারা আহারীর এবং চিকিৎসকের অভিনতে সম্পূর্ণ রূপ প্রাপ্ত হইডেছে। পঁচিল ত্রেখাট বোগী क्षां व व्यक्तिया अवन नहेंगा बाग । क्षां पर ইংৰাজী টীকা দিবাব এড দুৱ পৰ্য্যন্ত অভিলণ্টা 🛊 (स व्यक्षिक हुद्र रखीं कुन ( अन्तर्गनः दोक्रांत्र अनि म्राहेटफरङ् ।

**연독 3 · 8 라**리 :

किकिश्मानम् अवर अवनी विम्तानम् अिन्छिक । इःच विद्याहरून ममधिक द न्यान स्ट्रेम्सरहन। स्रेकारकः विमानाम बाजभन देशाली, देश

গ্রাথে এক চিকেৎসালয় ও এক উর্জু বিদ্যালয় अदर वावाहे आरम्छ अक्षी केर्यू दिन्हानम स्टे-য়াছে ৷

মধানয় ' অত্ৰ স্থানে একটা ব্যবস্থাপক সভা স্থ, পত হইয়াছে, ভাহার কার্য। প্রতি শুক্ষবার বজনী ৮ ঘটিকাৰ সময় আর্থা হয়। ভাষতে মহারাজ প্রাং, জীবক বাবু নশালা চোল স্ব আাস্টাউ সৰ্ভন ও ইন্যুক্ত বাবু কোয়ালা ৰ হাই এই ভিন ব্যক্তি উপপ্ৰিত খাকেন। त्य मम श्र बहुबन्द्रा मर्श्वेष्ठ इस्. खन्नास, ०न तिकिम भवर्गस्य**्नेत क**्वन्या । अहे মূভ ঠাব স্থাপনাব। (দেশের যে কভ অভাচাব নবাবিত এবং কড যে উমতি সাধিত হইয়াছে ज्ञान महिष्य (तथनी निषि**र्क अक्रम** । स्वन्या-नात फार्कारम निष्म विक्रिन अवर्ग**रमर हेत्र स्म**− লেদ আইনের ন্যায় হইয়াছে। পুলিবের পবিদ্যুদ এবং কন্টাৰলেৰ চাপৰাস বে**লল পুলিবের** ন্যায় ় ফইড়ারে। কেত্রী সহব অতি ক্ষম্ম, তথাচ বালার এবং সহর প্রিকাব রাধিবাব নিমিত্ত ২০ জন মেগর নিযুক্ত আচে, ভাছাবা প্রাত্তে এবং অপ-ব. বুঃ হুট বাব কাঞ্চ করিতেছে। পর্যন্তময় দেশ প্রযুক্ত পূর্বে এখানে কান্ত। নিয়মিতরূপ জিল না, একণে মহবোজ আপমার এলাকা মধ্যে স্থানে স্থানে বাস্থা নির্মাণ করাইভেছেন।

श्राहीनकारणत नाम श्राह्म श्राह्म श्राह जनात्र ७ जडराजांव मार्डे, शूर्कात्र मध्य हेन्हांबीम অনিয়মিত কাৰাবন্ধ কৰিবাৰ প্ৰথা উঠিয়া গি-য়াছে। একৰে আইন তত্ত্বারে কারাবাদের ब्राह्म इहेटल्डा हेश्वाकी, फेर्फ, क्रवर हिन्तिएल পাৰ্দৰী জীয়ুজ পণ্ডিক নক্ষলাল কী দেওয়ানী পদে অভিবিক্ত হইয়াছেন। এত দিনের পর মহারাজের বাজত্ব হইতে উৎকোচ এহনের আৰকা সুবীভূত হইলা মহারাজ মণ্ডে মধ্যে চিকিৎসালয়ে এবং বিল্যালয়ে সমুৎ গমন করিয়া ভবাবধারণ করেন। অন্যান্য রাজ্যানের ন্যায় কাব ) হইতে বাৰ,ক লইয়া আনিয়া উকা লেও 🕴 কেত্ৰীৰ মহাবাজ নৃত্য গীড়াদি আমোদ প্ৰযোগে দিবা ধামিনী যাপন করেন না, কেবল বিদ্যালো এकनी विभागम स्थापित क्षेत्राहरू, खाशास कमाव खारम'म श्राद्यारम नमग्र याशन कश्चिमा ইংরাজী, উর্জু এবং সংস্কৃত ৷ সে ভ'গাব ভিন বাকেন। না কবিবেন কেন ১ ' বিদ্যারত্বং মহা क्षत्र निक्क निवृक्त चाहित। होऊपश्याः गर्मा स्वरः » छात्। जिति वृक्षित्राह्त, खादार्छ श्रवास ় -পী ন্রী;জ বাবু নক্ষরাল ছোল স্বভাসিষ্টাকী ৰহারাজেব নিজ জবিকার এখনে ২ই:ত ১৫ | সর্ক্রন । ১৯ বহাজার এ স্থানে আগমনাবধি ক্রোশ অন্তর কোট পুরলী। তথার একটা সাত্তব, । মহাবাজ রাজতে, উর্ভি সাধ্যে এবং প্রজাবর্গের

সম্পাদক মহালয় ! ক্ষেত্ৰীর ৯ ,'বাজের আরু এবং সংখ্ ত তিন একার निका পাইতেছে, यদি अप्रभुत, साधभूत, ভরতপুর, গ. ভিরানা हाळवरचा शाव ३ • कन। जात कि इंकि नामक' अकुष्टि दोकान नात **रहे**क, फारा **रहे**क, ख

আরও কড ছানে কড চিকিৎসালয় ও বিদ্যা সংস্থাপিত হইত ভাহা ক্রমাডীত। এগ किकाम क.वे. अवस्थि अकाशित चारमहिरे রাজাকে গবর্ণমেন্ট হইতে স্তার আৰ ইনি উপাধি প্রদান করা উচিত কি না ১

মান্যবর ঐীযুক্ত লোমপ্রকাশ নন্দার মহাশয় সমীপেযু ।

সম্পাদক মহাশর ৷ বঞ্চেলের লেওট गवर्वत वाश्वाद्वत विभिन्न छेल्लास्य अञ्चटक গেকেট ও সোমপ্রকাশে লিখিত প্রস্তাবহয় : कतिता व्यामात गरम विक्तिकारतव खेनव য়াছে। আমি ক্রমশঃ সেই সকল ভাব ব कतिएक शहुख रहेनाम, त्रामधकारण शह করিয়া অনুমুহীত করিবেম।

আমি আপনাকে বছক ও বিকাৰটি জানিতাম, কিছু সেটা আসাবই অমঃ আগ এক এক সময়ে পুলিপর বিবেচনা নাকরি এক কথা বলিয়া বদেন, কিন্তু কে আপনাৰ ক কৰ্ণাত কৰে। আপনি তৰু বলি:ও ছাতেন। এই ড আপনাব একটা প্রধান বোগ দেখিভো আপনি গ্ৰণ্মেউকে অন্যের মুখাশেকী ষ্ট্যা উড়িষ্যা প্রনেশে চাউল পাঠাইবে সেই চাউল অল মুলেং বিক্লব্ন কবিছে পুনঃ প্ षञ्चरवार कविद्राहित्सम, त्म कथा क श्रा ছিল? সে কথাডেই আপনার বার্তাশা অক্তাই প্ৰকাশ পাইয়াছিল মাত্ৰ। তবু আপনি বুঝেন না।

नृशक्तिता हात्रहक्तु 🍁 降 ज्यांशनि कार्यन ও কথন গুৰেনও নাই? '' স্থানীয় কৰ্মচাৰি रात्र विकाशमें देशवर्गस्य हेत्र इक्कू कर्रवत श्रम কালেকীর কৰিসনর প্রভৃতি প্রধান প্রধান কা त्रिक्ष नवद्य नवद्य वेश् विचित्रोहित्वन, छ ष्यात्र कि रमन्त्रेनन्त्रे अवर्गरस्त्र श्रमसम्ब रू স**ন্তৰ ? একি আ**পনি বু**ক্ষিতে পারেন** নাই ? ' " বেরুণ প্রতীতি হয় আহায় বিপরীত বা ব तिक कार्यः (क कतिशा भारक ? (करुष्टे करतम अकृत्क्यम शास्त्रदेश शक्ति मृति कतिर বৃষ্ণিতে পারিবেন।

च्यान्य क्षान्त्रेयन्त्रे शस्त्रद्रश्च " व्यव्चन मरः বৰষুল হইয়াটিল ভাহায় বিশরীত কার্ব্য বি कि अकार्त करतम " प्रक्रिक निवसम " जर লোকের প্রাণ বিয়োগ <del>হইয়াহে</del> বটে \* ভয় লেক্টনত রম্বর যা গ্রব্যেউকে দোবী করি প্রকৃত্বকারণ **স্থাকিত প্রনা**ঃ শা কিং বি লাটিয়ালেরা কিঞ্চিৎ ভর্মলোডে লোজুপ স্

हरे अक मार्डिय जापाटक (व महूप) एए। करत, এখানে ভ *নেরা*প হর নীই। দেপ্টন ট বাহা-হরের অর্থলোভ ড নাইই, ডিনি লার্টির আঘা-फ e करतन बाहे, ए दव गाँशत भाव कि '!! विस्न यक<sup>्ष</sup>यथन माहिदांगमिरशत धेक्र भ महरूछ। করিয়া আর্ফোপার্ক্তন করা সংক্ষার হইয়াছে **ख्यन खाशकिरनेहरे वा स्माय कि? खरव रव** ৰীশ ঝাড়ের বাঁশে লাটি হইয়াছে, সেই বাঁশ বাড় বাহার জমিতে আছে, বেই ব্যক্তিরই अन्भूर्व (माय वर्तिएक स्टेरवा केडिया) व कानि-্ট্রে " অধিকাংশই ক্রেক্টী বেগবড়ী নদীর অলোচ্চ্যুস ক্ষতিত ৯ বখন শ্বির হইল, ভখন যে মেঘ ছইতে বৃক্তি বৰ্ষণ হইয়াছিল সেই মেঘেরই लाब, कथ्वा य बाग्न एक त्मक्र सम **के** क्रिन, रेग्न লইয়া বাব, দেই খায়ু রই দোষ, বলিতে হইবে। **लिल्डेन के भव**र्गत कि स्ताव २ **अहेंडी श्रवन वा**ष्ट्र-হুই কার্য্য আপুনানিগের প্রস্তা**র্থ**য় পাঠ ক্ৰিয়াৰু স্থানা ৰে আপনানিগেয় কাহায়ও তর্ক শক্তির ভারশ উল্লেখ হয় নাই। ছর্ক্কিকের প্রকৃত কারণ কেছই নির্ণয় করিতে পারেন নাই। যিনি বাহা বলুন, ছৰ্ডিফেব প্ৰক্লুত কাব্ধ আমিই ঠিক করিয়াছি। ছর্ত্তিক হেতু বেখানে যক্ত লোক महिलाह, (नहें नकल रुख्नात्मात क्यार्संद দোৰই প্ৰকৃত কাবণ। ভাছারা কেন আর কোন **प्रत्य शिव्रा अध्य अपन कवित्र मा? अ (भाष्ट्रा** ভারতবর্ধ ছাড়া আর কি পু ধবীতে দেশ নাই ? শেষন কর্ম ডেমনি কর !

আপনৈ লিবিয়াছেন "ডিনি বিনিটনা লি খিলে বৃদ্ধির কাজ হইছে। " আপ্রি ভারত (वाक्षा प्राथि। अष्ट्रक्नात वृक्षे क्रस्स, मिन्द्रवेद ত্ব বু.কভে পারিবেন। ঐ বিনিটে কড লো-(क्त्र अम नर(भावन कविद्रा निष्ठाहरू । क्ष्र कह দেশের মঙ্গলেক্ হইলা যে ভাক্সপারণ করিয়া-हिरलम, अक्षरन के बि.मेर्टिंग स्टर्ग निवासक्रम् स्टेब्रा अपना काव शहल कहिब्रा हुन । जो ।न.न-ेत्र अष्ठ ६४ !! प्यांत्रनि सिविहार्ट्डन स्ट इकिंग किमराबद्ध हिल्लाएँड भूटर्स मिनिष्ठ मा कि एग्रा দর দিদিন দী ডমের স্থির হইরা থাক। উঠেত किन। त्कम " ठेक्किमद त्क ? कामि कना चार्ट नि। अधि विभिन्ने लिथाएक क अञ्चल दला कह . कार मा, करन देशांक कि लाग महेन ? के বিনিটে বে কড কার হইবে পরে আরও জা-নিতে পারিবেন।

আপনার কি হর্দ্ধি। নিজের জন না দে-থির। বচুলোকের জন দেবিচেছেন। আপনি কেমন করিয়া প্রফুড ঘটনার জপলাথ করিলেন ? জাপনি নিথিয়াছেন ''্লাসনক্ষার কটের

স্থানে উপস্থিত থাকা কর্মব্য । " ভাল ইহা নামি সাম। আপনি কি আনেন না ে স্ব সিসিল वीकन मात्रकालिए बाकिया भागनकार्यः निर्कार করিতে সক্ষম হইয়াও কি একবার উৎকল দেশে गमन कारम नाहे अवर मात्रकिलि ॥ छाछिया किछ् भित्तत्र सना कलिकालाय काहेरमन नाडे ? 'सा-পৰি এসকল কথাব উল্লেখ কবেন নাই এ আপ নার বড় লোব। দারকি:লিঙেরও ওণ আপনি बारनम्म। नव निर्मन तीस्म फ (मण्डेमके পর্ণর, জাহার অধ্যের ত ফীবা নাই এবং বেরূপ মনিট লিখিয়াকেন, ভাৰাতে তিনি দার্জিলিঙে थाकिया (र भागन कार्य) निर्प्ताइ कब्रिट्दन এ विधित नरह। किन्छ मात्रस्थितिए अत्र अभि सन বে এছ কেশন বিভাগের ডিঙেইরও সেখানে शक्तिया विकारीया जनावादम निर्माह कतिएड पारकम अवर मिचारम खाँशय अफ कांच्र বে প্রায় এক বৎসরের মধ্যে তিনি জধস্তন শিক্ষ-কদিগের জেনীবিভানের বিষয় স্থিয় করিয়া রিপোর্চ করিতে পারিলেন না। এীকোর সমর কলিকাভার থাকিয়া কি তিনি এড কাজ নির্বাহ ক্ৰিছে পারিছেন ৷ খন্য পাহার কার্যদক্ষতা यनः पौरात अवनीमका ।

যাহা হউক, আপনি এই কর্সী প্ররের উত্তর দিন দেখি। কিন্তু আপনার ষেক্লপ স্বকাষ দেখি-তেছি ভাহাতে আপনাকে সভর্ক করিয়া দেওরা উচিক, यामन व्हासन क्षेत्रक मिर्लाई हामहार मा। एन, काल, शास विद्युष्टमा कहिया मानगारम उँखत्र निर्दम। यह लाह्यत्र कि लाव चार्ड ? লাৰ থাকিলেও সে লোৰ কি দৰ্শন করা উচিত ? क्ष्मंत्र कविद्रमंख कि त्य (क्ष्मंत्र सहित्र) कोत्का तम কৰা উচিত ? সম্পাদকদিরের কি লোগকৰ সম্ভোষ সম্পাননে মহ করা উচিত নত্ত্র বড় लाटकत प्रार्थितय कहिया लाकटक क्रीन कि উচিত রোজপ্রসাল্লাভ করিতে না পাবিলে कि अमुरक्तासङ्ग किवृद्धि स्ट्रेवांय मक्कांबरा মাছে ? আর এরপ কত প্রথা লিখিব এডুকেশ্নে দৃষ্টিপাত করিলে অনেক প্রশ্ন দেখিতে পাইবেন। ভাল আতে বৃহ্ম দেখি। ভারতবর্ধ কি কারীন দেশ > ভারতবর্ষ কি ত্রিটেন > মত, দেশের সহিত কি অসভা *নেৰে*র ভুলনা হয়? সভা লোকের বহিত কি অসভ্য লোকের উপ্যাহ্য ২ তারত-ব্ৰের মন্থ্য কি মন্ত্রোর মধ্যে প্রপাণ বিদাত্তের পশুদিশের সহিত কি ভাহাদিগের তুলনা হইতে পারে ? বিলাডের কডকঙলি পশু নষ্ট হওয়াডে (व सूत्र याम अ वस्तृष्ठा स्ट्रेड्डाट्ड, अट्ट्रांब ३० नक लाक गड़े रहेवा एम छेर्दक स्ट्रेंस व्हेटन क দেৱা যুখধান হওয়া উটিও ? কুক্কারের সহিত

कि श्रमकारव्य प्रमया स्ट्रेस्ट शास्त्र ? 🍕 हीवा-নের সহিত কি শেগানের ডুলন। হইতে পারে ? **উरकालं अञ्चल कि अञ्चल ? भाल्किश (बहाता** र সহিত কি বিলাভি অধেব ডুলনা হয়? ভাল रवाध करून, यनि छेश्करमञ्जू पूर्किक मिनावन করিতে গিল্লা "সতু সিদিল বীডন মহোদুরের প্ৰাৰ নাম হইড, ডাহা হইলে কি লোকেব ছঃখেং আবে পবিসীমা থাকিও ? উাহার ন্যায় হয়াবান ও গুণবান সোক আৰু কে:খার নিলিড ? অপর. हेश्फ विराहमा करा कर्डांग, ३६ शक छेफ़ियाब প্ৰান নাদ হইয়াছে, ভাহাতে ড '' কোন বি:শব श्राम इदेए उरह मा। भेरत त्रकत लोक थाकि-লেও হয়, না খাবিলেও হয়। এক জন খেডকায় খুষ্টীয়ান সভঃ ওণবান লোকের সহিত কখনই ১ स नक कि जहन्य सक जुक्काय, (नश्राम व्यवस्त । किर्दर्शाप्त (मारकः कुननः कता यात्र ना । यदि बरलन, य সব সিসিস बीख्रानत । सारव ज्यानक ज्यंदारं काष्ट्र स्टेशाय्य छ अक्षात् छ स्टे-ख्टाइ । शांन वक मा कर्ष वक ? शवर्यदेव शांन বড় সাপ্ত জার অর্থ বড় ? এমন আনেক অর্থ ড নিতঃ বার্থ ব্যবিত হইতেছে। শুভ সিমুলিয়ার পর্মত ও দারন্ধিনিঙে যাতায়াভের ব্যয় ও ভাডা দিতে কত চাকা প্রতিবংসর বার হই (७८६) अञ्चर वारमय कथा मूर्यन जानित्वन

দশ্যদক মহাশর ! আনি ও আপনাব অনেক দোষ **বেবিভে**ছি, আপনি ও যাগা করিবার করি~ ब्राट्डन, श्रष्टाहर्याहमात्र कत कि: अकटन हुई अक्टो हिफ कथा यहि अदन कड़न । अहे कथाय जद्दगद्दन कविरम भरत कल मर्भिटड भ रत ? स्था-পনি কি শুনেন নাই যে সম্প্রতি বছকালব্যাপী বিবেচনার পর অবস্তান শিক্ষকদিলের জেশীবি ভাগেৰ বিশেষি কেল প্ৰৰ্থেক নিয়াছে ? এমুকেশন গেজেটে মুক্তি করিলেই ভানিতে পাৰিবেন : অভএব এই সৰয়েপুর্কের মত প্রদাশ वाक, मध्न श्रामा ना करिया बहे अकी फास कथा बन्न, काम (मधिएउ भारत: सुरशांश शहिया छा क्या स्वता मिटलाटनत कर्य। चा পনি ত এডুকেশন পাইয়াছেন। সুধেন না কি যে "পেটে খেলেই লিটে সর শ্বাল বলেন, अदब ना वृक्तिया स्माव कविद्यादक्रम, अक्टन आह कि कतिरका ? स्का अञ्चलभाग क शाहेब्रास्का, त्यालन **मादिया बक्ष्य, तमी श**मितित **जन्न**कत्र व करून मा, अङ्क्षिनस्मन्न कोइदन करणस्म कर म ना, मगशुष्टि चारक् 📆 🛊 কি? প্রায়শিক কবি লেই ভ লোৰ কালন হইবে ? '' সর সিনিল বীতন মহোদয় শ এডবড় লোক চ্ইয়াও উৎকলে

हेर्द १

" চিক্তোবস্য \*

ধান্যবর জীযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশর শনীপেয়।

ছুগলি জেলাব জন্তঃপাতী ব্রহাপ্রগণ্য ধ্য উত্তৰ লাওড়া দক্ষিণ পেচাড়া প্ৰদতানপুৰ আগড়া পশ্চিম কোটা ও মঙ্গরোল পূর্বা যোদরপুর, এই চড়ঃসীমার অন্তর্গত প্রায় এক । भाषीय शक्किम क्लमम स्टेश द्रश्यित है। বাস্থান নদী পশ্চিদ দিক কইতে পূৰ্কযুখে नुष्ठा मक्तिनपूर्य श्रदाहिष्ठ कारमान्त नान्द তে ঐ বিজ্ঞীৰ্ণ ভূপণ্ডে সম্ভত হইদাহে। পাঠ াণের প্রবণের নিমিত্ত কঙি:ডেছি, এই অসো-नरमञ्ज विषय हरग अनिमनी अरङ विरमयग्ररभ 🛊 টিড হইরাছে। ইহার প্রবাহ চিরকালই বিহত ছিল। কিন্তু কয়েক বংসয় অভীত ল পূর্বাহতী সন্ধিতিত স'করা নদীর সরকারি कु मरना मरना वन।विराम कम स्**बन्नारक** क्षेत्रन ।ছোৎক্ষিপ্ত বালুকাবাদি আসিয়া টেওয়া লি নামক স্থানে ইহার গতি অবরোধ করি ছে ৷ বর্ষার জলে পরিপুষ্ট হইলে ছই একমাস ত্র ইয়ার গতি শতিব কিঞ্চিং উদয় হইয়া কে। মতুবা জন্যান সময়ে সম্বাধ পভিড ড প্ৰতিরোধী উন্নত বালুকাংগলৈতে প্ৰতিহত য়া ইহার সমস্ত জল গুর্কনির্দিষ্ট ভূখতে ক্ষেত্ৰ হয় 1 ডাহাতে উক্ত ভূমি ভ্ৰমাবহ মুৰ্জি ৰ করিয়া সমিহিত আহবাসীদিগকে নানা গারে কঠ নিজেছে গুলকাত্মন্ত সীভাত্মন্ত **ভূপ হরিকুত প্রজ**তি স্থান সকল এই ভূমির<sup>,</sup> ।র্যন্ত। পুর্ব্বে এই এই স্থান সকলে স্থানবিশেষে **াবাও রবি কো**ধাও ধান কাথাও বেশুন উক্ষা

ং গমন ও দাব্জিলিও ছাড়িয়া কিছু দিন 🕽 এছে,ও শ্স্য সকল উত্তমরূপ উংশয় হইয়া কুৰি লকাভায় অবস্থান জন্য যে অশেষ্বিধ কট জিবিগণের পরিশ্রমের সম্ধিক পুর্থার প্রদান াগ কবিয়াছেন এবং দাবজিলিঙের সুশীতল ্ কবিত। একণে দে সুধের জাশা একবারে শেব ীরণ প্রক্রিক চিত্তে দেবন করিয়া যে নিজ হিইয়াছে। প্রভুত্ত উচার ভয়ক্ষর ভাবই নয়ন ণ বক্ষা করিয়াছেন, ভক্ষনঃ ভিনি আমাদি সেঃচয় হইয়া খাকে। ভারাজুলি ও আমোদরেব ব অভিশয় কুত জনতা ও পনবে দের যোগ্য এবাহানীত যাৰত উভিন্ত বভা আনুস্বা এই য়াছেন। লভএব উলোকে এক অভিনক্ষন পত্ৰ 🏿 স্বলেই অবস্থিতি করে। 🗷 সকল বস্তু পতিয়া ানের ও উচ্চার এক প্রস্তরময়ী প্রতিমূর্ত্তি সভত পুতিময় বাস্প উথিত হইতেছে। ভা ছাবের চালা স্থ্রতের জন্য একটা দীয**় হাতে পাশ্বতী গ্রাম সকলে মধ্যে দেখে ভয়ানক** স্তাব লিখুন এবং দেই সকে আমাদিগের মারী উপাস্থত হইয়া থাকে। আমেরী লোকেরা ুকেশন গেক্তেটের সম্পাদককে এক অভিন-। নানা প্রকারে উত্তেজিত হইতেছে। একে উপ-ন পত্র প্রদানের প্রস্তাবন্ত করন। ডিনি ছড়ি 🌣 জীব্য ভূমিতে শন্যের নাম ও নাই, লে'কে সভত র সময়ে যে আরের ধানা "ধরিয়াছিলেন তা-় শেটের ফালায় ফ্রলিড ও ব্যক্তিয়াস্ত, ভাহাতে ও ত উাধার কিছু আগদাধন হয় নাই। কিন্তু। আবার রোগের ফালা। কিরুপে ডি**রি**য়া থাকে ? বার বুঝি পাহার ধামাধরা সাধক হইয়া ঐ সকল আমের জনিদারদিগের বিধে সদাশর মহাশয়ধ্য স স অফিকার রকাব নিমিত স্বৰংরে अक्षेत्र थाँन धनन कताहेत्राह्म । प्रकाशिकास খ্যুত্ৰ ভাতৃৰ ফলোপখায়ক হয় নাই'৷ যে পরিমাণে জল নিৰ্মন্ত হওয়া আৰুশ্যক তথারা তাহা সম্পন্ন **इहेर्ड्ट इ.स. १ (य ज्ञा किंद्र) करन**त झुठकिस् গতি হইতে পারে, ভাহা অন্যান্য ভূষ্যবিকাবীর व्यविकाद। विकिष्ठ व्यक्त खेखरक्त किया विकार হইলে ভাহ"দের বিশেব ক্ষতির স্ভাবনা নাই, ভখাপি বে ভাঁথারা দেন না, ভাহার কারণ ভাঁহা বাই বলিতে পারেন। হাকিম লোক নধে। মধ্যে উন্দীলন করিয়া ভাষাও দেখিলেন না। এ ব উক্ত জলার নিকট দিয়া গ্রহণ্যখন করিয়া থা-কেন। কেহ কেহ বা-জাবোদী হইরা কথল উ-হাতে জনচর পক্ষিত্রীকারে সমন করেন। উক্ত ভূমি জন্মগ্ন ৰাকাতে উাহাদেৰ আমেদিৰ বন্ধ হইয়াছে ৷ কিন্তু **বাহাদের রক্ষণীয় প্রজাবর্গের** বে উহাতে কি সর্ধনাশ হইতেছে, ভাহার প্রতি অভিক্রমেও একবার সৃক্তিপাত করা হয় নাই। ইহা অন্ন আক্ষেপের বিষয় নহে 1° বাহা হউক, में जन विवस्तार शक्तिन लारकत अनिष्टेकर मा ब्हेबा बाँहाएक दिवर्गक ब्हेबा बाब, काहाहै আমানিসের প্রার্থনীয়। কিন্তু পূর্ববৈক্টের হস্ত ক্ষেপ ব্যতিরেকে ইহা সম্পন্ন হইবার সম্ভাবনা क्या याहरण्टर वा। ज्या रखरून क्रिया বৈ কুজকার্টা হুইডে পারিবেন না, আমরা উ-गरह कारात कादन निर्माण कतिशाहि : अनी-দারের: পরস্পর প্রতিবর্ত্বকভাচরণ করেন। কিন্ত গবর্ণমেন্ট উদ্বোগী হইলে সকলকেই নতলিরা <del>ব</del>ইয়া থাকিডে হইবে : গব**্যক্ত স্থে**ব হইডে সমুদার ব্যব্ন দিয়া ঐ কার্ব্য**টা<sup>ন</sup>-সম্পন্ন ক**রিয়া हिंग, जावता এ श्रापंता कहिएक मा। त्रवर्ष বেণ্ট উৰ্যু যোগ করিলে কভিএক কৰীদার ও এ কার নিকটে সাহাব্য পাইছে পারিবেন।

ক্ষিপ্ত প্রকাপন।

মান্যবর জীযুক্ত নোমগুকাশ নম্পাদ यरांभेत्र नशीदभवू ।

र्गाववद्यविद्यहवस्थितः --

मरामस ! भाव उदार्वत जार्मकाम इह विक्रमन अबे ध्रमाम महरतत जिर्दानी चाटके গাত্র মুখ্তন ও স্থান হেতু সার যাসে আগ करवन वांगद्रो अथास अवजी बृह्द सना हो थांत्क, काश नकरनहरू विभिक्त च्यादि । (यह व्यात हरे मान काल आधी द्या । व्यक्त वर्त সক্রদায় দোকানগুলি ছারী গোচেব নিব कतिया थारकम । अहेन्रश माकाम ७ वाजिम्ह বাসস্থান প্ৰায় চডুদ্দিকে অৰ্ছ ক্ৰোল ব্যাণি থাকে। গত রাজি ১ ঘটকার সমরে উ थाटि कति नातिया करनकश्चन शृष् कन्यन स्थतारण विविक्तिरभद्र ७ जनग्रमा लाहकृत व পরোনাত্তি ক্তি চইরাছে।

সম্পাদক মহাশর। উক্ত স্থানে প্রায় ম মধ্যে ঐরপ অমি লাগিরা থাকে। কিন্তু हः ( विषय अहे, भवर्गांक हेशाव अखिकाद्वत (व উপায় করিভেছেন না। এদিকে প্রভিবং तरकुष्टे ऐकिरनरहे माचरभनात जान २५००० है। क्यूम्ब रहेमा शास्त्र। किङ्क कि श्रकारत है টা মা সংগৃহীত হয়, প্র-চিমট এক বার। দিনের নিষিত বালুকামর গলার চড়ার এক ব रख समीत तासन ८। ७ हाकांत्र दिनादन मह हुरेया पादक। एछित्र जनामा होह जाटह । वि পাশু। ও ৰণিকদিপের নিকটে এত টাকা *ল*ই ভাহাদিগের ধন ও প্রাণ রক্ষায় রাজপুরুষ পরাওমুখ থাকেম, ইহার অংশকা আক্ষেপের বি चात्र कि चारह ? जना प्रक्षारंग अञ्चल चना रहेल एक कवि रहेव ना, कि इ এই हान के পশ্চিমাঞ্চের রাজধানী বলিয়াই এও কোটে स्टेरज्यः 👍

গভ বংসয় একজিবিসন সময়ে মাজিটে সাহেব বে দশকল ক্রয় করিয়াছিলেম ভাহা কেবল দৰ্শন হুখের নিষিত ? বুললা হইডে ্ব আষার হইরা থাকে, তৎসমুদ্ধযুদ্ধ মিউনিসিং কথে দত হইয়া কেবল সিভিল ষ্টেসনের 💐 ক্যা অপেকা দাডাইংগর ধন ও প্রাণ বৃক্ किकिए क्षेत्र कहा कि फेटिक मरहा अपन मक्षार ककी छ, रहेन २३७ थीनि एर , ७ इं श्रानी पथ स्टेग्नः भित्रारहः। **कारा (पश्रिक्ते**) म (केंग्रे म'रश्रदत मंत्रके इक्षा कि कर्खवा वि না ? এই প্ৰকাৰ দৈয়ি ধাৰীয়া পাণ্ডা ও খনি গের অনেক ক্ষি হইয়া ব'কে: জড-ব মাজিটেট সাহেৰ কামি নিৰ্ণাধ্রে নিমিত্ত হাদিগের মধ্যে চাঁলা কবিয়া আবে 🌬 ! ৩ টী দেল ক্রমু করিতে চেষ্টা কবিলে অবশ্যই রুত্ত÷ হিঃ হইতে পীরেন । মহাশর । এরপ বিশৃ≭ালা াব কোখায়ও আমার দক্তিগোচব হয় নাই। লিবের রল বিরক্ষণ পুটু আছে, তথাপি **এ**ড হর্ছে চুরি ও দারা ২ইতেছে। কিন্তু আক্ষা ৰ বিষয় এই চোৰেবা কলেক সময় প্ৰিক ও প'ইয়া থাকে। ধাহা হউক. এ কিন্তু বৰ্ণমে:•টৰ কিঞ্চিং বিশেষ মনোৰোগ আব-T P

একান্ত বশবদ। এলাহাবাদ দারাগ#া এক স্থান দর্শক। ७১ अ काञ्च्याति । **ነኮፅ**ተ የ

# মান্যৰর স্থিযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেরু ৷

স্কাদক মধাৰয়। আপনার সোম্প্রকাণ

ত্রেপ্রার সকল স্থানেরই সমাচার পাওরা यू. कि**ड वर्ष**मात्नव छ टेक किड्डे मश्यान খিতে পাই না। কেন, ২।৪ প<sup>া</sup>কৈ বাদ্যা দেশন এবানে কি এমন কোক নাই সৈ ।ধান্তে ও সংবাদ প্রকে ইং ীয়া ঘূৰা করিয়া (क्से? गंड) वर्षे. এখানে (निश्र व€स्टि) ৰন কোন লোকেৰ বদ্ভি দেখি না য'হাদেব গে লেখাপড়ার অসুবীননা নাছে। কিন্তু শুনি ষ, কর্তঃ আদালত ও বাহবলী সম্বা খানে ড অংনেক কুডবিদ, বিদেশী আছেন চাবা ও ৷**ক ব্রমান**বাসি,দিলের সহবাদে ভাগ র সংস্ক'র পাইর:৫৯ন ০ ইং) কলচ সমাবিত হে: নিজ বৰ্ষেন কডকগুলি ক্তিয়, কডক লি বেশ্যা ও জপরাংশ ইন্ডর লোকে পরিপুর্ন, য় **অধিকাংশ স্থানিয়ই ল**গানৈ বৰধা**নে, স্তা**ভৱাৰ শন্ত্রী ক্রম্যাল কর্মান্তর স্বেপ্টা দিয়া কর্মন মেও গখন করেন নাঃ কেবল আপোলড ও জ বাসীর কুশা বর্জমানের নাম সার্থক করি-(इन । ताकामनाक ও ७९म१३० विन्हालयू, সনবি বিদ্যালয়, মুদ্রা বন্ত্রালয়, সংবাদ পত্তি লয় ও উৰধালয় প্ৰভৃতি ব'হা কিছু উন্নতির হ এখানে দিন দিন লকিত হইতেছে, াহাতে বৰ্জমানবাদী এক প্ৰাণীরও সাহায, ংগাছ বা ৰম্ম দেশা বাস্ন না। সকলেই বিদেশীয় ভবিদ্যদিগের কীর্ত্তিন্তত স্বরূপ। এখানে একটা র্বেটে নর্দ্ধাল বিল্যালয় এবং অক্রন্তঃ মহারু त्र अक्की मश्कर्ष, अक्की देश्याकी अक्की

राजना ও একটা বালিক্স বিদ্যালয় আছে, कि उ বৰ্জমানের মহাবাঞ্চের উপযুক্ত ভাঁহার বিদ্যালয় চারিটী দুট হইল না, বিদ্যাল্পীলন ও উর্লিড বিষয়ে জাঁহার যে বিশেষ অনুবাগ আছে, জাঁ-रात ऋ त्वत व्यवस्थ (मार्थमा डाहा (वाव स्थ्र मा । वर्षमादनत अभनि इत्रवृष्टे त्य आमाहित्यत अका বংসল গ্লবৰ্ণনেউও বৰ্জনানের প্রতি স্কৃত্তৰ দৃক্তিকেশ করেন না, ইং। নিভাপ্ত ছঃখের। ব্যয় मस्मिक् कि ? अथादन अक्षी भवर्गस्य के कारल अ 4। তৰভাবে এটি হাইছ্ল সংস্থাপন অভি व्यादमाक स्टेब्राट्स, सङ्गा सिक्स दक्षमाहस्य सः रुक्त, अ अक्षरत्व सावडीय लाइकद मनुह दहन **१६:७८६। मह'त्रारञ्जत कटेब'ड.मक विनालिय** ষিদ্যার বিশ্ব লয় এবং ইহার স্বিহিত অপবাপর वशालम्म स्टेराज (श्रादिनिका भन्नीकाम के ही व हर्देश अदक्रवाद्य कोम कोटनंद्रक वांत्रा भव्छ यानिक क्षांत्र २०। २० डोको बहुब कड़िया चीव থীয় সন্তানদিগকে লেখাপড়া শিৰ'ইতে এল (म्टब्रेंड २ : ३ खन बनांचा नक्त स्टान, क्राउदार ৰজ্ঞান:ছকাব যে বিদ্যার বিম্ব স্ক্রোভিকে শক্ষেকরিয়া এই জেলার ব্যাপ্ত হইয়া বুটি য়াছে, উল্লিখিত অভাবই ভাষাৰ মূলীভূডাকারণ। একণে অত্তত্ত করেক জন ভল সভানের কণ্ तिरिध क्षेडणवरमल वित्राञ्चताली कामान्दिश्व राख्यभुद्रविष्ट्रगत निकट्ड आमाद এই आधना (स শামার উল্লিখিড বিষয় অনুসন্ধান কবিয়া দগ্র भाव क्हें(त এ कक्षात्तव शकावर्शव ऐक्स ककाव দুৰীকৰণ পূৰ্ণিক ভাষানিলকে আন্তুল প্ৰদান करतन अवर बहानरम्भ निकट् ३० जामाव ७ मञ्जू ५. যাৰতীয় বিন্যপ্ৰামীর প্ৰাথমা যে মহাণ্ড ননি ইছাদিগের প্রাত **অসুকূল হ**ইয়া প্রতাবিত विष्ट्रा व्यक्ट्रासम करत्न. एटन शवर्थम हे अर শাই আমার এই প্রকাবে কর্ণাতে করিছে शाह्यतः ।

दर्भशंग बरेमक विज्या ন্যাসনেল ছে'টেল পর্য্য কৈ।

# মান্যবর ত্রীযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেযু।

স্বিষ্যু নিৰ্বেশ্যমিদং---

গত ১৮ हे देवमान्यत्र (मामश्रकान गर्भः " কেরিকও ভহাবখারকলনের অনবধান্তা ও মহৎ অনিষ্টের উৎপত্তি " হিষয়ক প্রেরিডপত্র খানি প্রকাশিত ব্রুলুড়ে রাইগিকার সাধিত ০ইয়াছে: **অংকিংবলৈকৈ জালিবন করিয়া জন্ত**। যাইতেছে। সম্পাদক সহালয়। নেবপুরের সে अबाबद्वा विकेटे अवन्य रहेनाम थ. अक अन दिवस यहि त्यांगळकान मर्गः अकानिक ना रहे

रेरवाक ७ कर वाकाली बाद ( त्वाव इप्र । ইঞ্জিনিয়ধ ও এক ওতর্গিরর) সেখপুরের গে সেত্রর বিশর ভাষাবক করিতে আসিয়াভিলে উক্ত স'হেৰও বাৰু প্ৰথমতঃ সেখগুর নিৰ প্রজারণকৈ জিল্পাসা কামে, " কে সংবাদপ त्रिचेश्वदः त्रिकृत विषयः क्षेत्रः क्ष्रिः एकः ? বাজি কি উপস্থিত আহে ? " কতক্তলি প্ৰ উত্তর করল তিনি উপস্থিত নাই, কলিকার গমন করিয়াছেন। তংপবে সাহেৰ ও ব উভয়ে ঐ বেস্থীৰ অবস্থা দৰ্শন কৰিয়া ব্যি গিয়াছেন, '' এই সেপুকে চাবি ফুকৰ বিদি করিতে হইবে, নচেং অধিক পরিস্থাভা ভন্নবং দিয়া বর্ণাকালের জনত্রোভ সুচারুর ৰহিগমন কৰিয়ত পাধিৰে না এবং প্ৰস্কাৰণ য বন্ধন যথ'ৰ্থ ক্ষতি ও ক্লেশ্ডোল কৰিবে 🕫 সে পুর বাদী প্রজা সমূহ তক্ষণে যার পর ব আনন্দিত হইলাচে। সেতুটী একৰে ধিকু विभिष्ठे आहि, bifa कुक्त इहेत्स क्षुकाशा क्षसिष्ठे निदांबन इहेंद्रब ऋक्ष्य नाहे।

भन्ना नक भरावत्र । (तच्चा, अर्थका व्या চারিগা কেমন মলোবোগ পূর্বকে ককর मण्यानम कश्चिम थाएकम । साहातिरक्षत खम्बर মতা দোৰ হ'ছাবা অসুৰেই কি আঁকার করিয়ে मा १ थ्यम उद्भाव चादा १ क्या १३द्राहरू, फ ভাৰাৰ অপণ প্ৰথমাৰ ভাতৰ হইয়াছে कि ह के हा. मेशाक अध्यत शिक्षामा कविएक वा <हेन'म, এउकाल श्रकावर्ग ठीकाँ गाउँ पान धानका निवहत त्य अनीय अनके नहा कार्रि कानिएडएक कोश्रात कि उपूत्र कि कार्य বুক্তি **অনুসংবে কে**নিফতের কমিরাবিরা ভাষার দায়ী হটতেত্ত্তন না ? হ'বা ইউক, উ সাহের ও খাকানী ক্ষাসারী জাবেনালির বাক্যসূদ'ৰে উত্ন থত দে চুটাকে এফৰে বৰ্ণ ব্রেরুক্সরেই উভারণে মিশ্মাণ করিলে এড গণ ভাঁচানিগের নিকট চিবকাল কুড ফডাপা ৰদ্ধ প্ৰাক্তিৰ এবং যে ৰামাজীত উপকার সাহি डदे(४ च्डाक्टनः मर्शनाता,.र**५ क्यानः धन**हर क्षश्चन कविद्व ।

উপসংহার স্থলে বস্তব্য বে, উণরিশ্ব কঞ্চণ (यम मर्काम कामुक्रांमाव) त्या च वर्ख्या छ ब। वर्ष कार्या मुल्लामन करतम, न हुवा निश्च हु क्यार्गीत व मत्नारवाश महकादत कार्यः कतिरवन, क्षञ्जामा कहा हथा। निष्ठक कर्प्यमहिनार क्खिता क्ष्यित शांख याहम मरनारधाश, केशवि **ভৃত্তীত হারা ভাগাব কেমন পরিচয় পাও**  ভাষা হইলে কি উজ ইং (জ ও বাজালী কর্ম চারিষয়ের অদ্যাপি হৈত্য ২০০০ ?

দিখজা। বশ্বদা ২৩ এ মাখা জীক'ল'চান মুখোপাধনায় ১০৭৩।

# মান্যবৰ জীযুক্ত সোমগ্ৰহাশ সম্পাদক মহাশয় সনীপেয়ু ।

স্পাদক মহাশয়। অ'মান্টোর ফরিবপুরের । উমান মাজিটেট ও কালেন্টা ভীলুপ্ন মেন প্রইন । বাহ্ব মহাবিদ্ধ মন্ত্রক প্রিন্তর সমস্বাদি করিয়া খালকুলান্ত । বাহক ও বালিকাবিদ্যালয় ( সংরদী হইছে দার্মন করিয়াছিলেন। বালক ও বালিকা-ছিগের পরীক্ষা করিয়া প্রধান করিয়াছিলেন। বালক ও বালিকা-ছিগের পরীক্ষা করিয়া প্রধান সমূহের উত্তির ভাবনে । বাহু ও উত্তর ভাবনে । বাহু ও ও ভাহু ডিগের উৎসাহ বর্ছন করিয়া । বাহু ও ও ভাহু ডিগের উৎসাহ বর্ছন করিয়া

मार्ट्य मरहामम् (व क्वन এই विम्नालम् निर् ।শন করিলেন এমত নয়, ইনি সফখলে অমণ **গৰ্মায়ে বে যে স্থানে বিদ্যালয় আছে জানিজে** ণারেন, ভাষা সাভিশয় আএছ সহকারে ধর্শন **দরিরা থাকেন। ই**র্লাব বিদ্যা বিবরে প্রয়ন্ত ট্রপার, বিরার সধক্ষেও ভদ্রপ। এই মহাত্মার **শ্**রিমপুর অংগমনাবধি প্রজাগণ সম্বিক সন্থিচার व्यक्तिक **ञ्**षी रहेरज्यहः। भवनकङ्क इर्कारनव উৎপীড়ন ভিলোহিত হওয়াতে সহার্থিহীন **েখী কুৰকে**বা প্ৰশংসিত সাহেব ও জীগুক্ত বাৰু ভগৰ্মুটজ বস্থু ছেপুটী ৰাজিটেট মহোদ্যুৰ **ষেত্ৰী ওপকীৰ্ডন**ক নয়া থাকে এশ্ৰপ (একেলায়) আৰয়া ক্থনই হানিতে পাই নাই। মহালয় ! এক্রে আমরা অগদীবর সমীপে রুডঅচিত্তে वार्यमें (चित्र (व এইतम विচারণ:के बाता विम ভিনি পাতি দেবীকে স্থাঞ্চতা ও অলভ্ড। र्वेद्रमा: अवर १२मो । वस्टब विकाहशक्तिमारक

ড স্যোহত করিয়া দেখি আধ্যান বাজে । ধ্যল-জ্যোতি বিকীৰ্থ কমিয়া দেখি।

সংক্রিয় ব্যক্তিং ৮শ - এর ১ লা ক:কুয়াবি ১৮৬৭ ।

# মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রাকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেয়ু।

#### চন্দননগর বিদ্যালয়। \* ছাত্রগুডি পরীকাব কল।

চলননগৰ সাহায় কুড বিজ্ঞালয় সাধাৰণের . হড়ার্শে স্থাপিড হইয়া শিক্ষকদিগের যদ্মেশ্রন ৰংই উল্লভ হট্যা আসিডেডে । গতৰংসর ই রাজি ডিপাটবেক্টের ৫ টী বালছ মানিক ৫ চাকা কৰিয়া এবং ৰাঙ্গালা ডিপাট্ৰেটের ১ চী অল বয়ক বালক মাসিক ৪ টাকা কািয়া ছা-ব্রবৃত্তি পাইরা হুগলি কালেজে পাঠ করিতে कारिकोद शांश्व इय अवश् क्षत्रांत कालाव नमूम्ब विम्हालम् व्यापना अहे विम्हालम् छ०कृष्टे स्मा এবংসর এই বিদ্যালয় হইতে বে কএকটা বালক বাদালা ও ইংবাজি পৰীক্ষায় উপস্থিত হয় ভাহারা সকলেই উত্তীর্ণ হইরাছে এবং ভন্মধ্যে ৪ চী বালক ৫ টাকা করিয়া ২ বংসারের জন্য মাসিক চাত্রহৃত্তি পাইয়া হুগলি কালেভে পাঠ করিবাব অধিকার পাইরাছে। এবংসবও এই বিদ্যালয় ভ্গলি জেলার অন্যান্য বিদ্যালয় অপেকা উত্তম হইয়াছে। চক্ষমনগর ও তৎপাশ্ব वर्षि बाम मशुरस्त वानकत्रन अहेन्द्रभ काळावृद्धि এই विमानम स्टेट कथिक शतिमार्थ शांश स्टे **लारे अध्यक्ष्मण श्रमाकाहिक श्रेट्य**ः

চন্দননগর ১ লা কেব্রুছারি।

## बुना थावि।

ঞীযুক্ত বাবু মুর্গালাস আচার্য্য চৌধরী মুক্তারাছা ১২৭**৩ মাম ক্ইডে** ৭৪ পৌৰ ়" বারকানাথ মল্লিক পটোরভালা ১২৭০ মা**ৰ হইতে ৭৪ পৌৰ** ٠. » রযুষণি বিশাস পাটৰা ১৮৩৭ আছ্রারি হুইডে ভিসেবর 10 <sup>এ</sup> গোপীমোহন মঞ্মদার মুরসিদাবাদ ১২৭৩ নাম হইতে ৭৪ পৌৰ ত্রীযুক্ত রেবরেও বে, লঙ সাংহৰ জানবাজার ১৮৬१ काञ्चाति स्टेट्ड फिरम्बद \* वरिवहस्य स्टब्स्**र**ी কালীপুর ১-

" अक्त राम अक्<sub>री (क्</sub>तिकाका स्था-

世界を開発 30

\* বছনাথ রার

- " जीनाथ कटहाशायतम् वस्यामात् ।
- " अक्षप्रकार नाम वहदासाव
- » नवीनक्ष्य वटन्यामाधात हावका व
- » শীলকমল বসাক ট্রেজরি

#### সোমপ্রকাশসংক্রান্ত করেকটা বিশেষ নিয়ম।

অগ্রিম মূল্য ও ভাক মাস্ত্র না পাইলে য বলে সৌমপ্রকাশ প্রেরণ কবা যায় না।

ইহার অগ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ এবং বাব সিক ৫।: • টাকা, মকস্থলে ডাক্সান্ত্রল সং বার্ষিক ১৩, বাধ্যাসিক ৭ এবং ক্রৈমাসিক ৩। তিন মাসের সুনে অগ্রিম মূল্য লওকা বার ন ভৃতি, বরাড চিটি, মণিজন্ত ব, নোট, ও টা টিকিট ইহাব অন্যত্তর বাহাতে বাহার স্থা হল্প, তিনি সেই উপায় ঘারা মূল্য প্রেরণ ব বেন।

ৰ'হোর। স্থাপ্পটীকিট পাঠাইবেন, হারা বেন এক অথবা আধ আনার আ মুল্যের ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করে

ৰখন, খিনি মক্ত্ৰল হইতে সোমপ্ৰকাঠ মূল্য পাঠাইখেন, ভাহা খেন রেজিষ্টরি কবি শ্রীসুক্ত মারকানাৰ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা ধেন।

য'াহাদিগের মূল্য দিবার সময় অভীত ব আসিবে, এক মাস পূর্ব্বে ভারাদিগকে গ লিখিরা জানান ঘাইবে, কাল অভীত হ গেলেও একবার চিঠি লেখা হইবে, ভারাব এক মাসকাল প্রভীক্ষা করিয়া কাগজ বছা ঘাইবে। শেষ বারের পঞ্জ বেয়ারিও পা হইবে।

মাজনা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেসনেব হ হরে চিটি আইলে আমরা দীয় পাইব।

ব'হোরা যান্তুল না দিয়া প্রাদি প্রেরণ বেন, কাহাদিগের সেই প্রাদি প্রহণ বাইবে না।

ক্ষে নোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিতে ই করিলে জাঁহাকে প্রথম জিনবার প্রতিপংক্তি আনা জাহার পর ১৯০ জালা নিতে হই বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন নিবার ইক্ষা করি ভাহার সহিত অভন্ত বংলারক্ত হইবে।

ব্ৰুত্বই পত্ৰ কলিকাডার দক্ষিণ পূর্বা খাব বেলউজে নোনাপুর প্রেসনের দক্ষিণ চাল পোডার উপুক্ত স্থারকালাক বিদ্যাভূক বাসতে এডি নোনহার প্রাক্তকালে , প্রকাশি

# (मायक्रकार्का

৯ ম ভাগা

18 7°45

## प्रवर्त्तनां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरस्तती अतिमहती न हीयतां।"

ষাসিক মুস্য ১ টাকা, অগ্রিম বার্কিক ১০ । সম ১২৭৩। ৭ই কাস্ক্রম ৷ ১৮৬৭। ১৮ ই কেব্রেয়ারি বিধান বাহালসমেত অগ্রিম বার্কি ১০ টাকা অগ্রিম বার্কি ৫ টাকা বার্কিক ৭, ও ছৈমাসিক ০৮

#### বিজ্ঞাপন।

**इन्द्र**िर्मान सांहेक । 🖫 धन्न स्व प्रकार धनी उन्हे

এই মভিনৰ এড় প্ৰকাশিত হইয়া কলিকাণা **আক্ৰমা**ক্ত সংস্তুত পুত্ৰানয়ে **ও পটোল**ছা भार महार नुष्ठकांनास विक्रमार्थ प्रारह । मुना 2 計事1 (

१४७ व्यक्ति १ वा जस्त्र स्ट्रेस्ट १४७४ व्यक्तित्र ७) এ गार्फ नर्गास नगन्मात " बाह्यकाङ्ग-इब्रिक 'प्रति' " काब्रवानाटक काव्यक्रक मार्थाहर স্তব্য সাক্ষ্য ৰোপাইব্যক্তিশাৰ লং সেল যোহয় ক-श्रिया जानाजी के हे बाँदर्वेड मटगड लाक्षेत्रदेश मय-भवाद " माञ्चकाकाति छिरभात " अव्यक्त कति मही पाद का मारमा बाहा स्टेरन।

প্রকালতের ভাগকা, গ্রবংশেন্টের সমূমতা-স্থলারে পশ্চাৎ কার্টিকর পরিমাণের হাস রুছে, বের পঞ্জার্থনা প্রের-করিতে হটবে এবং করার পত্রেব संद्रम, बाश अर्थना बाह्य इंटेल क्यादवादिक ১ এक छोका पुरमात हो भा वगाहेबा चाकत छ बार्ड कति। भिष्य स्हैद-- इहे जवन दिश्य इ.स्थात .वर शकीह व,छोड क्षाफार पिन " মারুকাস রঙ ডিপো " কারখানাব আফিনে क्षाची। भटन (४ चीन शहरन :

ভীতে রিভে হইবে। বে একার প্রব্য গোগান इक्रेट्ट इंक्स्ट करजारका मृत्य व्यक्त ७ ज्यून ७ बाजा विरेक स्ट्रेंटर ।

্েলাইর জেনাবল অব অভ ন্যাদ প্রাথ-मा स. अथवा अश्राह्य कहिएक गाहिरवन। অলোখানা প্রাথনা অথবা যে প্রার্থনা বিস্ফল वर्षत्र महिक (मध्या मा इहेरन । नवा आर्थ-লাৰ বে ব্ৰহ্ণের **ল**া, আডাত্তিক অধিক ह्य रहेटर अहा क जिल्लि ज्यांश कड़िएक शाहि

বেন। প্রার্থনার সহিত তীকুত ব্যাব মূল। মূ স'রে শত কৰা ২৪০ টাকা ভিপজিট, লিতে न्हेरन, कशावना किस अथवा श्रायमा अशाहः हिमाद आयामण कतिए कहेरन, आहे सूरन, व र्रात वे डिमकिं श्रातिक रहेरव।

১৮৬९ प्राप्तव ১১ हे मार्क मनता क् मार्कण:-কচরিত ডিপো আঞ্চিনে কমিদারী অব আছ-নাক্ষ প্রার্থনা এছৰ কবিতে আরম্ভ করিবেন : आर्थी वास्तिवा छेन वृत्व स्टेए खार् छ स्टे-তে**ছেন** ।

সাই নাক চরিওপো ) আক, জুই স্থানিক সমস্থা } লোকে, এল, জুই স্থানিক সমস্থা } লোকে, এল, জুই স্থানিক স্থান

#### इ**ञ्**षर[इष्टा

ভুষুকভটুকুও দীকা ও বাদালা অসুবাদ সহিত্ত সংক্ষুত কালেকৈর স্মৃতি শাস্তাধাপক **প্রীবৃক্ত ভরতচন্দ্র নিরোম**ণি কর্ত্তৃক স**ং**শোধিত। ঠনঠনিয়া সংখ্যত পুস্তকালয়ে বিশ্রহার সাছে। মুল্য ও ছয় চাকা।

विष्याच न्याप्रभक्षात्मः।

### त्त्रमञ्जूष क हे हिंगोत क्षा इंटिस्क Fred Mr.

करा सम्हरू हा, या काला वीतपुरमा अवर्गाड (ए उम्पुरत्व मावान ही एके मश्काख क्रानिन पुर লাপন। শক্ত ছুইখান করিয়া এবং ইংরা মানক আল্লেষ দাল কাঠ নিলা কপ্সপুর त्या शास्त्र ३५७१ मारतन ३३ १ मार्ड छाहिस সোমবার দিবতে নীলাম করা য'ইবে।

> १क (बर्फ्न क्रियान (क्राइक वक् ৩০০ ক্রিশ শাস্তাল – কোছে, এবং অনুভাব इहे(एट .. (रव श्रम भी नत कि हाल्का कि है वाहेएएट. (व आवाधी ) ना वर्धन आस व ब्लाइड कार्श जे कार्ट इलिएड भारत।

> चंद्रिक्तात्त्रत्र इष्ट्विशाव स्त्रमः ১२ ही शृथक भूचक माठ कविया अनग विक्रम कहा स्टिव । शास्त्रक मार्टि शास ०६० दिया समान व्याटर, हिंह कार्टिन वालास यस थाकिरन विस्त्रीय मार्टिन

মিলাম লাজ হইবামাত্র প্রভাক প্রিদ্যাবের ডাকের মূল্যের উপর শতকরা ২৫ পটিশ টাকা वाकी निवा विवासिक साविश्व स्ट्रेट अवारमन মণ্ডে াখিল করিলে আমানতি টাকা কর **ब्ब्रे**ट्र ।

খবিদ্যার লোককে স্পষ্ট বুরিছে দইবে বে নিলামের তাবিধ হউতে ৬ মানের মধ্যে সমুবাদ क्षत्रम कारिया अध्याख्य कतिएक व्हेर्द, खावः া কবিলে উপ্স সিয়াদ গতে অবশিষ্ঠ ৰে বৃক্ষাদি থাকিনে, ভাষা মাধালকের ক্টেটের **বস্ত** গণ্য व्हेज़ा कामि निलोक स्ट्रेट्ड भानित्व।

(वन अरव क दे। हैगात ७ कारवेद बहासन ९ करा जना राजिस्स करा वाज्यान करा याहे एएक १व व्यद्ध इंडेटड छीहाता सम्मन पृष्टे कतिहा অধিকয় যে কোন কথার সংবাদ লওরা আব-भाप रुव, त्यामात क्षित्रक कारतहेत मास्टर অথবা নিডের আক্রকারী ব্যক্তির নিকটে किश्रिक श्रान्त बहेरवन ।

হেল বী: সিটেডি ১ - ৫ জানুষ বি ১৮৬৭।

এ টিউম কিংব মেনেজার ট্রেট ১০ মেপর গ

### देखे देखियान खनबदर। বিজ্ঞাপন।

( भीभ ७उम ) करोर वज्ञानेत माँदिर दार' केपनजर' वाक्रव'के इस 'নাই ভাহাৰ বিৰয়।

এডঘাৰা সৰ্মসাৰাৰণ জনপ্ৰণকে ভাভ ৰয়া নীদের জিখিত ভাড়ার পরিবর্ত্তন হটবেক :

পীস্ভত্য অধাৎ বলাহির বিলাভি পাক क्वः ग्रीहे अक्ष अध्यास्मिनित प्रांक करा भी ड़ा खरी: मनक्या श.फ मा**र्ट्स** हेरद्वासि পাই লা গৰেক ৷ এবং বসকল গীসভডন অংগংং ৰয়াদি ডে (পচাক হর: ) তাবিং মোড়া হয় নাই. গ ক্ষতীয় এংসেব ভাষা ক্ষপাৎ মণকৰা প্ৰ ও লে টাবাজী এক প'ইয়েৰ ডিন কংৰেন क्रम सःगितकः ার্ড অব এছে ল ইডিয়ান বেলভয়ে ইন কলিকাডা त्रिकित है क्षित्रक प्रशा के इं कि अपूर्वित কুচার ধরালয়ের নিঃ লিখিড ছবং সকল मार्थ करहः--১ আক্ৰিয়ণ বয়াল প্ৰেদ ১ বছ প্ৰস্তবেৰ কালী দিবাৰ মেঞ্চ २ (दोनां व ১ লণ্ডনে প্ৰস্কৃত বন্ধ বাঙ্গেরআকৃতি (সম্পূর্ণ) ১ বৃহৎ ক:৫০ব ছটপ্রেস **२६** । जिन्दवीर्ख ১ বৃহং ইল্পোজিঙাপ্তান দেম সংহত ৩৫ পাউন্ত ছাপার কানী বাদলা অকর। ১ মন এেটে প্ৰাইমাৰ 🖫 के 💐श्रीनग १ के जानश्रहेका ১ ঐ ববঞাইদ ১ ঐ নামা প্ৰক:ব ্ন হাক ক্ষুকিস্ন ইডালি ঐ 🛊 र सी अकत्र। াড়াপাইকাজকর (প্রারমুভন/ইটালিকসংক্র ঐ ছোট Ì Ğ Ě ř जे विवय ध द्धे नगः पहिन के (इडलाडेन 'बक्द । o आहेब न्यू**लशोहको ने**या বিলয়ন *€*, ¢ ব্ৰেট পাইকা হোষান ঐ ডেট ৰ'কে ১ জোড়া পাইছা আইছি ও পাতলা বোটা **S** & . Se. چ া প:ডেকা বৰুভাইন ঐ 🦇 নন্পরিব Ē একব্রিড ২ লাইন মিলিয়ন ইজিপ্লিয় ন লভপ্ৰাইমার সেমসিরিক

कार्ट्य चानवाय।

जेहरहाकी जे जे

श्लोको बालना व्यक्तादव कृष

১ - প্রস্তুত্র বৃদ্ধি। কেল ৪ - চী অংশ क्ष्मान हरेल्ली करहा । श्राम शाम । ◇ (英雄! ) (西根末 (英雄) प्राप्तः, प्राप्तः । ১ বড় রুল কবিবাধ পিতলের 🕏 চ। ৪ পি হুলের কম্পোঞ্জি ঙক্টিক। ২**৬ ডুন পিত্ররের রুল**। কোয়াবেট। 11- 37 9 克利 <sub>#</sub>- ঐ হোটপাইকা ঐ ላ⊫ ቀ (ቅፕንሻብ I ঐ লেড ভিন্ন ভিন্ন ওজনের। ৯ একার কুল কিনারার জন্য। ত প্রস্তার (কাণ্ড ত প্রকার চেনঃ ৪ বুরাল চেব। 8 (514 (57 I ৫ সম্পূর্ণ ফুলস্কাপ চেস। ১ তহ্ব ভৱা ঐ ত সিকি ঐ ১ পিডলেব কল কাটিবার বড় কাঁচি। নিবের উপর নানা প্রকাব ছাচ। ২ বাদু হ্যুম্পাজিঙ আসবাব। ১ ম'লেটা ১ প্রেনার। ১ জাডা। গড়পার বাংক্য মূজাপুর ) জ্ঞীলালটার বিশাস S STANDANGE STOR ३**० क म:च** । ३<sup>२,</sup>१२।

योगातः स्थलि नर्माल कृत्वत हैरहार्छः फिलाहित्यर हे अर्थ हे हरेए हे इस करवन, फाँडा-দিগতে উঞ্জ বিদ্যালয়েৰ প্ৰধান শিক্ষকেৰ নিকট इरवाक्षी २० अक्षिअन्नावि कार्वित्वत्र शूर्क यहः উপস্থিত হুইয়া আবেদন কৰিতে হুইবে। সংস্রাহি ু - দশ টাকা করির। ১২ টী কৃতি খালি আচে। । থাৰ বিষ্টুভিডে ১২ টী ছাত্ৰ পৰিচ্ছীৰ क्षेट्र । देश जिब्र क्रम । **श्रदना** मिनिगरक वानिक प्रष्ठे हेत्का कृतिया (वंडन मिर्फ म्हेर्ट । सीहाता कतिकात्ता विश्वविकालाग्रव अतिमिकानश्रीकास देकी हिं हहेश (कांन कारमर्ड अक वरगत्र वा च्टाजिक काल अवाप्तन कविद्राटकन केशिया के विकास कि अक मार्थ एक । विवर्गहें (स्वान-नम्भिक सामत्रनीय स्टेट्स ।

মধ্বিকোগের ক্ল ইনস্পেইর ' ৫ ট ফেকে মার্বি ১৮৬৭।

সংস্কৃতহয়ের পুত্তকালয় নিমুখানসামার लाम ১६ मर वाली इहेटड कर्व ब्यालिय केरि ১৭৬ নং সাবেক ৰাচীতে উঠিয়া আনিয়াছে। १ दे बाह्र ১२१०। अति की इत्र करहे! नावाह

वेनक्रींब्रा गरव्ह ७ भूक्कानस्य ४२ अभीष 😙 মংপ্রচায়িত নিমুলিখিত পুত্তকভলি বিজয় स्ट्रेटडटह----

প্রণীত পুরা ঐীসইভিহ'স ঃ টাকা রোমই উহাস ভূৰণসাৰ ব্যাকরণ নীভিদার (১ ম ভাগ ) J٠ ৰীডিসার (২ য় ভাগ) ٠ لد প্রচারিত। মুক্তবাধ ব্যাকরণ

টিছাংকাৰাথ শৰ্মা

## সোনপ্রকাশ।

৭ ই কান্তন সোমবার।

এक चन अज्ञात्वात्रक निधित्रोह्म, চঁদেনীর চিকিৎদালরের এড ওরডে রিলি নাহেৰ রোগীদিপের এতি সভাবহার क्रिन ना। भज्रत्थात्रक व्रावस, तिनि নাহেৰ পৰ্ব্যিত ও উদ্ধৃত অভাৰ, রোগী. দিপের অতি কভাবাসুরূপ আচরণ করিরা वाटकन। जामहा कं विषय गामनीत চিকিৎনালয়ের কর্তৃণকের দুক্তিকেলের অমুরোধ করিতেছি। রোগিরা যাহার रुख कीवन नमर्शन कव, किनि विश ভাহাবিকের প্রতি ক্ষেত্র মুমতা শুনা हरेबा चर्कार्यन छक्क हा निवश्न स्तावस्तर कांक करतम, ताति देखेगांखत महा-बना कि ?

इर्डिक भिवातनी गर्छ।

গত মদলবার ছর্ভিক নিব্যবার্থ রল নিজে সভাপতির জাসন গ্রহণ করেম। বিশুর ইউরোপীর ও এটোীর फप्रताक बद्ध करतक क्रम चेकेरत्रशिक्ष जीत्नाक मध्यम देशिक वित्नम । मह খন লয়েকা এক ৰক্তা করিখা কা: लान, ১৯৯৫ परस पनाइकि रस्पू में। नके रह, बर्दर श्रेक वर्ताकारण कन शी स्रेश क्षेक विकारभव कांत्र मध्यात म

লাকের অব্লিট সপতি মই হই-ছ। এবার ১৫০০ বর্গ নাইল বিভূত নর বোকে এতয়িবস্বান আনতায়িক পাইতেছে। কিছুদিন ছইল, বজ-ীয় গধর্ণমেন্ট বেডের অন্যতর সভ্য भारत्वरक उदकरनव खबका सर्मनार्थ রণ করিয়াছিলেন । তিনি সমুদায় কে দেখিয়া আদিয়াছেন। ভাঁহার भा**र्षे भा**ठे कतिहल इस्पन्न विमीर्ग स्त्र। লক্ষণ চাউল প্রেরণ নাুকরিলে কের জী∢ন রকাহওয়াভার । ১ লা খলের পুরের ইহার অর্জেক চাউল াতে যায় গ্ৰণমেণ্ট দে বন্দোৰস্ত য়েছেন। অবশিষ্ট অংশ যত শীঘ্ৰ রা হায় প্রেরিড হইবে। যথার্থ দরিজ-েক বিনামুলো চাউণ দেওয়া হইৰে। ধুদিপের সৃষ্ঠি আছে, উাহারা মধ্য-। মূলোকের করিবেন, এবং যাবতীর लकात ल्लाक्टक कर्च (मध्या इंदेर्द। ৰেঃ প্ৰায় ২০ গক টাকা বাম করা ৰেশ্যক। আরও ভূমির রালস্ব কতক প করিতে হইবে। ভূমির যে বজে ভাছে, ভা**লার সম**র **অতীত হ**ই ছ, কিন্তু আৰু ২০ ৰংসরকাল ভাহার १न পরিবর **হইবে না। জ**লদেচন <del>কোনি লোককে কৰ্ম দিবেন বলিয়া</del> क्रिन्दर है। का कर्म्स त्म क्या क्रेस्ट्र 5ব্ৰিন, ১৫০০ অৰ্ধি ২০০০ পৰ্যাস্ত বাথ শিশুর প্রতিপাসন আবিশাক হই ছে ইহাতে অন্ততঃ দশ লক্ষ টাকা ব্যয় ৰে কিছু দিন হইল, ভিনি লাৰ্ড ক্ৰাণ-ারকৈ ইংলতে চাঁদ। করিবার অসু træतिक्रोडिटलन, किंड अवात नकत हरे करो, ভারতবর্হে অধিক মাজ। ह मिटकिमाति विविद्यार्थिन देशमधी । माराया क्षिएक शाहित्यम मा। রাং ভারতব্রীয়দিনের আপনার রেই নির্ভন করিতে হইবে। সকলই দের আরভ, বর্তমান বিশদ হইতে

**छे** छोर्न इहेबात सन्ध मक्टलत शूनर्स्वात বদ্ধপরিকর ছওয়া কর্মতব্য। দেখীয় জমী-मात ও दिनक्षिण क मगरत राग व्यापनामि श्रिव अर्थिक दशांगाठात विक्रक काम गा क्ट्डन ।

नः का गराम उपारशास्त्रात बटलन " खात्र छवरीट ब्रह्मा महा ख मान শোওতার জন্য প্রসিদ্ধিলাত করিয়া (हन, याँहारा क्य दिन) कछ शाव, छाहा निर्गत मोद्याग कता जीवानिरगत माज ও ধর্মনীভিতে বিশেষ করিয়া বিধি मित्रोटक । अहे विशय केंक्शिक्तशत দেশীর ভাতৃগণ কট পাইতেছেন, আ মার দৃচ বিখাস আছে, তাঁহারা আণনা निर्मंत्र कुछ्नुर्स कीर्डि क्ल्मारव कार्यः क्रिट्ड व्हिंड क्रिट्रिन मा। "

শ্ৰোভ্গণ বজ্ঞা প্ৰৰণ কৰিয়া বা ৷ योत आभरमार्थान कतिराम । अनकत **भ्यान नाटस्य উत्थिख स्ट्रान्न । अख्या** শীর ভদ্রবোকেরা সহজ্ঞ সহজ্ঞ ছডিক পীড়িডের বে সাধান্য করিয়াছেন, তিনি তাহা প্রশংলা সহকারে স্বীকার করিয়া বলিলেন, বর্তমান ছডিকে বার্তালাভ लहेशा जातक जर्क विजर्क रहेशारह । किन्न इंडेटब्रार्ट्स व भारत्यत्र नियम खद्रान थाएँ, ভারতবর্ষে দেরপ খাটে না। বৈপ রীতা দৃষ্ট হইতেছে। অতএব তিনি नवर्गटमट्कें इ डाउम व्याममानी कार्यात षानुरमापन क्रितिहा अखाद विदिशन, ষাহাতে যাৰভীয় নিরন্নলোক আহাব পার, তাহার বন্দোবস্ত কর। উচিত। काताग्र कारका (अन कड़ा हरेग्रा सन कारा রও ভৃত্যু না হয়। তাঁহার প্রভাবালুমারে পুনস্কার চাঁদা সংগ্রহ করা আবিশাক ক্ষিত্র হইল। তৎপরে কান্তিনাও শিলাব ब्रीट्र वर्खमान इर्डिट्यन माराया उ खंदिकाटक अखित्रवात्रदर्गत देशीय करियात श्रीमर्भ विद्यात । त्रीका काशीहरू मह. নাদি প্রভৃতি **বৃহতে প্রাংক উজ্**ত করিয়া। তিনি সহায়তা করিকেছেন। এবারের

विवादित नित्रव्यक्तिकारक मार्थि करा मकरणहरे कर्खवा। दहररब ७ जामरहण्ड এই প্রকার কর্ত্তর কর্মের উপ্রেশ দিয়া अक बख्युष्ठा कतिरामन। बातु किरमाती-हाँक मित्र विलिद्या, नार्टिटियत ताला व्यानक्षनाथ होत्र ১००० होका बक्काटन ও মাদিক ৫০ টাকা দিতে সমত হইয়া-ছেন। বার্দিপছর মিত্র বলিলেন, ২০০০ শিশুর জন্য নাহাত্য প্রার্থনায় যেন কেছ উপেक्षा ना करतन। निष्ठेनकात त्रारहर দীৰ্ঘকত তাকরিয়া বলিলেন, উৎকলেৰ ছুরবন্থা ও ভব্লিবাবণার্থ সহলের যত্নধান ছওয়া একান্ত ভাবশ্যক। বারু ক্ঞ্বাস পাল বলিলেন এপর্য্যন্ত ৬,৮০,২০০ টাকা র্টারার ভঠিয়াছে। আবেও টাকার আব-শ্যক। এনেশীয়েরা যত দুর সাধ্য সাহায্য कविद्वन । अञ्चना अदमञ्जीत त्राकां निर्धात निक्टि गोरांग धार्यना कतिरत जान इस । करतन मिटकोरीति এक कथा बनिता বিস্তর টাকা আদিতে পারে। তৎপরে আর কয়েমজন ভদ্লোক বক্তা করি-লেন। অন্তর চাঁদ। সংগ্রহার্থ বিশেষ সভাফির ইইল। গ্রণী ফেনরল বলি-(तन, किनि वर्डमान कछे निवातनार्थ ১०, ০০০ টাকা দিবেন। কলিকাভার দশ জন প্রধান বণিক প্রত্যেকে ২,৫০০ টাকা ক্-विश्वा होता पिटल नचाल कहेशाटकता ऋते মনক্রিক সাহেৰ বলিলেন ব্যিও লাড্ ক্রাণবোৰণ সহায়তা ক্রেন নাই তথাপি होरेमन परा विख्वानम विश्वा शार्थना করিলে ইংলতের লোকেরা কর্মন মৌনা-वश्यन कतिया अक्टिंड शाहित्वन ना।

मकात डेरकमा मण्युर्वज्ञरभ कृतिहा रहेशांट्य। अकना सामना मन कन कटन-ব্দকে বহুতর ধনাবাদ প্রদান করিল।ম। मकात्र शृद्धि जिनि निष्य प्रदेशक छन्न क्षाकरक न**णात्र गारेदात्र अञ्चरत्राध** कति-য়াছিলেন। ছর্তিকের আরম্ভ অব্ধি

দানের ত কথাই নাই। বিনি ভাঁচার ৰস্ত। প্ৰণ কৰিয়াছেন, তিমিই স্বীকার ববিয়াছেন, তিনি অলফার দারা আপ নার বাক, শোভিত না কবিয়া সরল ও অৰূপটভাবে স্ববন্তব্যগুলি ব্যক্ত কৰি : ८७२ । इंडिंब -এত फ्लिशेक्टिश्रंत बनागा-ভার উপবে নির্ভব কবিয়াছেন। বিপ-एउ मार्गाना नरह। अरमणी अस्मिरक अना माहाय,निरालक इंदेश हेंदा हेरा **উचीन इहेटक इहेट्या सङ्ख्य गक्टल**बर्डे **थक्% हे और जाशाङ्क्र मार्थ वाल्य प्रांत** कता कर्डवा। महात्रमाक्षा कार्या मःघ রভিতা একান্ত আবশাক। গবর্ণৰ বিখাদ क्टबन, अम्बोहिष्ट्शत अभारायाना मागर्थः प्यारह। नारे भागवा प्यत्नात माहाचा भाहेलाम, जकरण राज्या विविद्य कि डेंदक्त डेंदमन इंहेटड भारत १ अक्टल षांचानित्रत्र वक्तवा अहे, अ ममस्य माव ধান হইয়া কাজ করা আবিশাক। পর্যাত কর্মচারিকে অন্নবিতরণার্থ নংখ্যক প্রেরণ করা কর্ত্তর। ক্রভবিদ্যাত্ত্তী হইতে যেন কর্মচারী মনোনীত করা হব। যে সকল কম্চারী অনুবিতরণার্থ निरक्षां चिक एडेरबन, जाशामिरशत उपरत যেন জন্য কর্মের ভার না থাকে। জন্ম বিতরণ কালে কোন প্রকার প্রতেপ করা कर्डवा नम्र। ध श्राप्तम कहिएक श्राप्त ध (नक कर्षे ७ व्यक्तांत्रांत्र इंट्रेंच । (य त्राट्स, ভাছাকে অর দাও। সক্ষতিমান লোকের। नारनव खरत कथनदे क्रिकार्थी इहेन्रः चामिटर ना । ट्याननीशूटर शूनकाह मञ् ৰায় জৰা সুৰ্যুল্য হইতেছে। কলিকাডায় गवर्गरकेव काँगे। बमाटक श्रकार हा डे .লর মুগ্য রুদ্ধি হইতেছে। পাটনা প্রভৃতি র্বেও কট আরভ হইয়াছে। অন্য অন্য हात्म विरूप्तवः छालात्। ও ভিত্ত र्राधकखत्र कछ इड्वांत्र मञ्जाबमा भाटक। য়ামরা আহ্বালিড হইলাম, গ্রেণ্ড জেন अ अ अक्त चारन मार्चिकारन उनाउ

षार्ह्य। डिनि क्यिमनवृष्टिभट्क महर्क থাকিতে বলিবাছেন। ভাৰতবৰ্ষীয় প্ৰৰ্ণ মেণ্ট নিজে স্বীকার কবিয়াছেন, ভারতবর্ষ বার্ডাপারারুদাবে সম্পূর্ণরূপে কাজ কবিবার জ্ঞান নহে। ধ্বাবিধি স্বাধীন বাণিজঃ প্ৰবিভিত হইবার পুৰ্বের বা নিজেনে অনুষ্ণী থাব জীয় বিষয় শুলির महा। আৰশ ক। তাহা এখানে আ-ভিও হয় নাই। প্রয়োজন<u>: রুর</u>প রা**ন্ত**া থাস প্ৰভৃতি কি হইয়াছে ? যথন উং-কলে টাকায় তিন ধের চাউল বিক্রীত হঃ, তথন আবাকাণে ২। ২।০ টাকা মণ বিক্ৰীত হইয়:ছিল। তথাপি কোন্বণিক এত লাভ দেখিয়াও • আবেশ্যক হইলে . एवा व्यक्ति । ज नियम्बद्ध व्यवस्था मण्या नन कतिशा हिटलन १ किছूकोटनं समा প্রথমেণ্ট:ক ব্রিকের কাজ করিতে ছইল। वार्जामाञ्च अकरण किष्ट् विरनह सना मञ्जक नुकांशिक कक्रन । यथार्थ कथा बिलाफ कि. ठाउन तकारी वक्त कता কর্ত্র। এখনই কলিকাতার ১৮০ ১५० টাকার ছাবে ৪%০ টাকা চাউলের মণ मीज़ारेशारह। यनि द्रश्वामी वस्त ना स्य, रेकार्छ ७ व्यावार मारम हा डेन व्यक्तिम्ना ঃইয়াউঠিবে। এখন যে মুল্যে চাউল विकार इरेट उट्ह, योग देशात व्याप्तका जारता अधिक रग्न, प्रविद्यप्तितात्र कीवन त्रका रक्षता कात रहेट्य।

--- 202---

कृषि नरकास बाइँग न पर्।

আমবা আহলাদিত হইলাম, আমাদৈপের প্রানা বিজল হয় নাই, মেইন
নাহেব স্থীকার করিয়াছেন ভারতবর্ষর
ভূমি সংক্রান্ত আইন সকল একত্র সংগ্রহ
করা আবশ্যক। রোমীয় সম্রাট জ্ঞি
নিয়নের সমযে রোমক আইন সকল এত
বিজ্ত এবং বিচারালয়ের নজির এত
অধিক হয় যে সামান্তঃ লোকের দেশের
ব্যবস্থা জ্ঞান সাধ্যাত্যীক হইয়া উঠে।

क्रिकेनिशन अ क्रमा शांवजीश करित मात्र मः धारु करत्न । यति चालि अञ्च বন্দ্রের স্থান্ট না হটত, তাহা হইলে এদে শের ভূমি সংক্রান্ত আইনের গোলযো রোমীয় আইনের অপেক। বড় জল **হইতনাঃ আইন অনেক হলে অ⇔**া আছে। বিচারালয় সমূহ ভিন্ন ভিন্ন সম ভিন্ন ভিন্ন প্ৰকার ব্যাখ্যা করিয়াছেন এডলিবজন অনেক অনিট হইয়াছে: হইতেছে। কোন বাক্তি ভাল করি: লানেন না কোন্ আইন অপুনারে তি বাস্ত অধিকার বরিতেছেন। বাঁংধাং নাকাৎ নহজে প্রধ্মেটের ভূমিতে বা क्टबन, डाँहामिट्शब महिल এहे निव षाट्य, व्यक्षाचन इंदेटनहे डीहाविशट **ज्यि जांग कडिएड इहेर्ट। स्मी**नांद्रि भारत व्यथीत्न याँ शांकिरशत वाम, जाँशा গকে অপ্ৰপশ্চাৎ ভাৰিয়া সদা চলিতে एव। क्योगारतया त्नारनत नाम सर्भ क्तिरज्ञाह्म, ब्लोशांत ३० चाहित्मत ७ व ৪ ধারার সুবিধা রহিত করিয়া প্রকা কর র্দ্ধি হইতে পারে। সংলই অনি न्डिड, नकलरे शोनस्यास पूर्व। अभ्य অবস্থার একটি স্থিরতর পাইন সংগ্র **२३८ल लाटक जार्यन जार्यनचन्द्र वृक्तिर** পারেন এবং মকদমার সংখ্যা অপ হইয়া সংখারণের সৌভাগ্য রভি হা मरण्य नाहै।

णामता वावकालक मणाद निश् लिथिक कर्रण विषय मरनार्याणी खेटक ज्ञूरवांध कतिरक्षि । ज्ञूमीनात्रिकात महिक वित्रकारी वरणावक क्रेसारक, वा कार्य शितवर्क कतिवात छेलास नाके यह कार्यत्रक कतिवात छेलास नाके यह कार्यत्रक कतिवात छेलास नाके यह ताज्य चित्रकत कतिया निर्माहक वर्ष किस निर्मिक चारकत करिया निर्माहक वर्ष क्रिन व्यक्ति चारकत चित्रका करिया क्रिया क्रिन व्यक्ति चारकत चित्रका करिया क्रिया निर्माण करिया निर्मित्र करिया क्रिया

গ্ৰতঃ কড জন জমীনার এ কর্ত্তব্য কর্ম াদন করিয়াছেন, ভাষা কাহারও ব্ৰিক নাই। ক্লবিকাৰ্য্যের উন্নতি অমী দিপের নিকটে ঋণী নছে। ক্রবকদি-বে সোভাগ্য দুউ হইভেছে, গৰ্ণ ঞেৰ বাণিজ্য প্ৰণালীয় উৎকৰ্ষ ভাষায় । ন্যায় ও যুক্তি ধরিয়া বিবেচনা इंटल क्षाजीव्रमान स्ट्रेंटर, त्य त्य निवृत्य রর চিবভারিভাব বন্দোবস্ত করা হই-হ, জনীনারেরা তাহা তোপ করিবার র ক্টতে বঞ্চিত ক্ইয়াছেন। ছঃধের ষয় এই বিচার।লয় সমূছের পতি এই, क्ल कत वृद्धित कथा हत, नियान হারা এখার জমীদারের হইষা টানেন। । কন বিচারপতি সম্প্রতি বিধিবল না हेबाड बारकचर्य नार्यबाक्यांत्रहरू জম্ম পরিমাণে কর আদার করিবার মত। দিয়াছেন। ভাৰ্থাং বেন গ্ৰণ ক এইরূপ খত লিখিয়া দিয়াছেন ক্ষমীদারের নির্দ্ধিউ আরের অংশতা धन चात्र इड्टब मा। चनीनाटतना छित्र ায়ী য়াজন্ব নিডেহেন সভা, কিন্তু তাঁহা পোর সংখ্যা অধিক নয়, দেশও তাঁহা-দের নিকটে অধিকতর ধণী নংহ। क्षित्वत स्था कि स्टामंत्र स्थार्था वक्ष अध्यक्षिय त्यांनीत त्यांकिमगटक চরকাল বেশমার ন্যায় বাদ করিতে হ-ৰে ? দেসকল ভূমিতে বাসছান, সংক্র, পুষরিণী, কারখানা প্রভৃতি **হ**ই াছে দেশমুদায়ের কর র্দ্ধি করা অতি-**।इ.स्थाप्ति । स्थि ১৮৫৯ व्यट**मत ১১ দাইনে ৩৮ ধারা ভিন্ন এ বিষয়ে স্পষ্ট बाइनाइ। के शाहाटक खाटक, ३२ হৎসটো মধ্যে বলি পাৰ্বভী ভূমির कत्र हिंद्रा थाटक, छाहा हरेटन নীলাকেতাঐ সকল ভূমির কর র্ছি क्षिक श्रीतिद्वन। अख्यिक्सन जामी-

ৰ ভাষা তীৰ্দিশেৰ বাকিৰে। " লভ সমূহ মকদমায় পরিপূর্ণ হইতেছে ফিকেট লইতে বয়, ভূমির মূল্য পরিমাণে व्यवर भारक विजय हरेशाह्य। सभी । দারির মুল্য অংশ হইয়া বার আমাদি-গের অভিপ্রেড নয়, গবর্ণমেন্টের সে ब्रायनी जिल्ल नरह, किन्तु स्रभोगारवद समू-বোৰে নিম্বতর জনা সহল ঠিকা অবছার রাখাতে দেশের সৌভাগ্য ভ্রোত বস্ব इक्कार्ट अरे भाजा। वामकान ७ डेमान ना रहेरल कृषित्र ब्रुका इन्हिरत ना, किन्छ यकि अभीताव (अञ्चार्श्यक कत इधि করিতে পারেন এরপ হয়, তাহা হইলে ভূ মির মুল্য অংশ হইরা বাইতে পারে। জমী দারদিগোর মিত্রগণ বলেন কর রুদ্ধি কবি वात चक्र ना चाकित्स समीसातित मुला কমিরা যায়। আমরা তাহ। অস্বীকার क्ति ना । किन्न अवर्गरमा केर वह शर्यान দেখা উচিত সাধারণ রাজস আদায়ের ক্ষতি হইৰে কি লাগ তাল লা হইলে অমীদারের আরের প্রতি আব দৃষ্টি করা অনাৰশ্যক। প্ৰায় বাবতীয় জনীদারি ক্রমশঃ পত্নী দেওয়া হইতেছে। তা-शटक कि मूना कमिएलएइ ? समीनात अक-विश्व कत मिट्डिट्डन, श्वनीतात, पत्रश्वनी হার প্রভৃতিও ঐক্লপ একবিধ কর দিজে-ছেন, কেবল সাক্ষাৎ সহজো যে সকল হতভাগ্য ভূমি অধিকার করিতেছে, তাহাদিবোরই যড অপরাধ ও ২ত কট ! যাৰতীয় প্ৰজাৱ সহিত যাৰতীয় ভূনির চির্ভায়ী বন্ধেৰস্ত করিবার সময় পদা-পিও আইনে নাই, কিন্তু আমবা পুনরায় बित्रिक्टी बाञ्च अ ऐसान य मकल श्रेष्ठिक नार्थयांक नार्क्षमध किर-ভূমিতে হইয়াছে, ভাহার চিরতারী কব : বেন গ কোন্ছলে জমীদার ভাহা কৰি হওয়া উচিত। ইহাতে অম্পীনারের লাভ न। इंडेक क्षण्डि नारे, काहर व्यनः वसुद नात अभीशातित शक्य हिक स्त्रमा। इद्देश शकी दित करा यादणात । কিছ প্রকার সকল ও ভূমিণ মুগ্র রুদ্ধি । ভূতীয়, ১৮২২ অন্দের ৭ আইন ও১৮৬৩ হয়। ১৮৬ অন্দের ২৭ আইন অসুসাবে । অন্দের ২৩ আইন এ ছটিকে অধিকতাৰ क्छ दाकित छेखताथिकातिएक करकत माणि दिभक्ष कतिता (१७३१ कांचनाक ३৮৫३

এছলে রকুন গুহীত হইয়া থাকে। ভূমির মুল্য অধিক হইলে তল্পটিত নকক্ষায়ও অধিক ইউাম্প লাগে। বাস্তু ভূমির কর वक्कारल वित्रश्रात्री कतिरण वहे लाख र्य, श्रमाता निन्दिष । महके पारकन এবং ইমারত প্রভৃতিতে ভূমির মূল্য রুদ্ধি হইয়া উঠে। ক্ষতরাং গবর্ণমেন্ট माहिक्तिक ७ मकस्मा उपनटक व्यक्तिः তব রাজস্ব পাইতে পারেন: জমীনা-রেরও কভি হয় না। অতএব আইন षात्रा अककारण या देशत निम्हत कहा আৰিশ্ক ভাষা কোন্ৰ্যক্তি অধীকাৰ ক্রিবেন ? মকর্রি পাটাও ২০বংসরের দাঝিলা প্ৰভৃতি থাসুক আৰুনা থাকুক, ক্ষীণাৰ ইমায়ত প্ৰভৃতি প্ৰস্তুত কবিতে দিরাছেন বদি এরপ নমাণ হয়, ভাষা **ब्हें (ल डैं)** होत कर वृद्धित चाल वक्त करः উচিত। আমবা গৰণ্মেন্ট ও ব্যবস্থাপক मकारक मजर्क करिएकहिं, क्षकरन पास्रा কর র্ডির লইয়া অংনেক মদম্ম। আর্ড इहेप्रोर्टक । देकाटल क्वतक क्वतक भन सहक, মথাবিধ কোকমাত্রেই অগন্তুট হইতে-ছেন। চিরস্থায়ী বন্দোবস্তের সময়ে লাড कर्व उद्योगिन अव्यापित्य द हिठार्थ याहेन कतिवांव आदमाक्डा स्ट्रेल छाहेन कत्रिट्ड इटेटव विनिहा ख लाख दाधिका গিষাছেন, তদপুদাবে কাজ করিবাব সময় আবিয়াছে।

**पिकीय वर्क्टरा अहे, स्थान् ऋत्य** (वन ? दोटक्षचश्च कतित्न अकाहिरशन অস্ব কত দূৰ রক্ষিত বা স্থারিৰবিতিত **पट्यत ३०** णाहेन अर्जाप्तिरात मनम ৰয়প। এতদ্ঘটিত যে সমস্ত নিকারি **इडेताटड. ८म ममूला**य विट्वहना कतिहा ১৮৫৯ व्यास्क्त ১১ छ।हेन ७ ১৮७२ মজের ৯ আইনেব সহিত ইহার সাক্ষাং সহস্থো সংভাৰ বাধা উচিত। একংণ অনেক আইনেৰ প্রস্পর গোলযোগ **ছেপিতে পাও**য়া যাব।

कृषि मध्यान आहेत्वत व शकात ন∙ এত ছইলে দেশের যে অতিশ**া**উণ कार हरेटर. व कथा वना वास्ता । वजी , করাও অভি আবশ্যক। বৌধ হয় গ্রণ নেক অবপত আছেন, বাস্ত আনাদিগের অভিশয় স্লেছের বস্তু। ৰাস্তুৰ অনুনোধে चारवांशांत्र लाटकता उन्नांकिम भागी সাহেব ও তালুকদারদিগের অসহ্য অত্য চার সহা করিয়াও স্থানাস্থাবে যাইচেচ भारवन मा**रे। धारकर**भन्न विषय परे. এ বিষয়ে এত গোলঘোগ আছে নে বাস্ত হইতে জমীদায় কথন বহিছতে কলিবেন क्षेत्र त्वाटक वृद्धिक भारतम् ना १

যে করে পরীক্ষা ও বিঙ্গা নিী। আমরা ইতিপুর্কে মোকাণী পরী काम देश्याकी कार्याक्तिभटक गटना-নীত করিবার যে মত প্রকাশ করিয়া-ভিলাম, বিজ্ঞাপনী সম্পাদক ভাহ-েত অসম্ভক্ত হইয়াছেন। তিনি বলেন আমরাইং রাজীর পক্ষপাতী হইরা বস-ভাষার প্রতি জনাদর প্রদর্শন করিয়াছি। बक्क हुः मन्त्रीप्तक व्याभीप्रियंत अक्र **एरमभा व्यवधात्रम कतिरङ भारतम**् নাই। বংশলা ভাগ শিকার উৎসাহ वास्थिति-দান ও বসভাহাতিজ নিৰ্ণ बोबिकाव উপার कतिया (एडाम आमामिर्गत निविष्ठ तम व्यक्षार्थत्र केटकमा नटर । व्यक्तित्रकत क्षाय मर्टमायन्हे **डेटकमा ।** त्महे डेटकमा । मंदन कतिएक हरेल बानाकरक कि कि नएक कार्या एकम प्रमण्ड हरेटन,

মারাত্মক দেবে আছে, এবং ভাহার **मः (माध्यात छेशांग्ये वा कि छाहांत्र** অসুনজান করা আবেশ:ক। আলোভিনটা अधान एएरिनन विषय डेनिबिक हरें তেছে। এক, আমলাদিনের অসাধুতা, দ্বিতীয়, মোকারেদিপ্রের অসাস্তাও व्यत्यात्राज्ञः, जुङीय व्यक्षिकाः न विष्ठातः পত্তিৰ এদেশীয় ভাষাবোদে অপারগভা। ইংরাজী ভাষাজ্ঞব্যক্তিদিগকে বৃদ্ধি আদা লভে মোকাৰ ও আনলারপে প্রেৰিভ क्रान यात, जान इरेटन अरे जिन स्माद्य त्रहे अनारारम मर**्मा**धन **हरेट पार**ते। যাঁহারা আদাসতে মোকারী করিতে যান তাঁহদিবোৰ অধিকাংশ আশি कि उ, पार्थी श्राज्ञां विदरांश वाष्ट्राह्या मिया को भारत कर्या भार्क्य वे डीहाहि- ] গ্রের প্রধান লক্ষ্য এবং ভাঁচারা হাকিস सिर्ध्य अभिक्षा व्यवस्था क**रेटल व्यवश** ভাহাদিপের নিক্ট আপনাদিপের **অভি**-করিতে পটু প্রায় কুদ্দররূপে ধাক্ত ৰাজনায় সুলিক্ষিত এবং মুদ্ধিমান ও সক্ষিত্ৰ ব্যক্তিগৰ আছা-প্ৰবিষ্ট হইলে অনেক দোৰ নিবারিত হুইতে পারে বটে, কিন্তু ভদ্মারা সকল অভাব পরিপুরিত হয় না : আমা লভের কার্য্যে ইংরাজীর ভাগ বে ক্রমশঃ प्रधिक इरेटर जाहार मटक्क नोहै।

বিশেষতঃ **হাকিমছিথের অনেকে** वोज्ञा कारा खात्र कारनेन मा । अक्रेन ভংগে নিরবচিত্র বাঙ্গণা ভাষাভিত্র त्यां क्वांत्रभव विरम्भेद कार्याक्त स्ट्रेटफ পারেন না। ইংরাজীতে শিক্ষিত হ্যক্তি-शन ब्यांक्यांत हरेटल व्यानांगटकत्र मण्डी. वं डेनकारतत मञ्जाबना। चामि कानि विश्वविद्यानद्यत अटविश्वका शत्रीरका তীৰ্ণ ছাত্ৰগৰ ৰাজনা ও সংকৃত শিকি তেছেন এবং তাঁহারা ইংরাজীও জা त्वत, मुखतार खाँशकित्यत्र दोत्रा आया-

শুক্ত বাদলাভাষাজ্ঞ ব্যক্তি TIA1 **मिलाप एडेबाल** প্রভাগা বার না। আবও মেকোরদির্গের পদ ও ক্ষতার উর্ত্তি দেখিতে চাহিলে ভাৰতে শিক্তিও উপ্যুক্ত ব্যক্তিকি গেব প্রবেশের পথ করা আবদ্যক। विश्विमित्रोज्ञर्थत हाटज्जता त्महे शत्म व्यक्ति বিকা হইলে ভাহার উপকারিভার নার मर्थामात्रक इक्षि एरेटड थाकित, कासात मटम्पर गरि। এक सन दक्त वास्त्रा कारमन जात अक कन हेरताकी छ वाकना सारितन, এ উভয়ের মধ্যে শেৰোক ব্যক্তি যে অধিকতর আদরণীয়, ৰিক্সা-পনী সম্পাদক এডছাকোর স্বীকারে क्षांत विमुध हहेटवन ना।

#### ्रे क्यकि शामान्य (मारस्य व्यक्तिरहाश ।

विद्यमीद्वा अद्यमीविद्यात अधि এই হোৰাৰ্পণ করেন যে, প্ৰকাশ্য সভায় क्टरमीरक्रमाः शामरयान मा कत्रिका मास्टिक भारतम मा । ऋषा व्यवसर्थ নতে, ইহার সংশোধন করা অভিলয় আৰুশ্যক। আমরা দেখিরাছি বে ছেনে भावीतिक क्षेत्रका पाटक, त्रवादवर व्यक्ता रजरकी स्था। औरमाटकसा शूक्रय व्याप्तक वाका वाह्ये क्टबर । हेडे-(तालीवनिरश्चत चटलकः क्रेनकदर्नीद्वतः भण्या कडिएक अधिक काम वेद्रमम, आह-क्टर्बत याव कीत क्टन्टमत मेहा वाला. । जीनिटमत क द्वांग व्यक्ति । व्यक्तितमत मर्था रव मक्ल लांक मूर्य ଓ माकृश्व थित, **काशांस्तित क** स्तान भावक ८वन । ८० वर्गत मूह्य वह क्षांक्ष-व्यवस्थितकामाविष्यंत्र स्य माहित्स व्यवस्थ । जामानिक व्यादमार दिल कारा व अक्षा पूजनक एरेशाइड । प्रवंत व्यक्ति गानीवारम अर वक्षीमक्षण विवा विकास विकार कार नमस्यक्षे न। सनावि जूनक हिन, व्याहाटरर

ৰমা প্ৰায় কাচাবও ছিল মা ৷ ডামাক

ওয়া, গশ্ব করা, ও মহাকারত অথবা মারণ পাঠ ইহাতেই সময় অভিথাহিত ভ। পার্মান উপলক্ষে সকের কবিতা ষাত্র। ছইড। কিন্তু স্বাধীন বাণিজ্ঞোর क्रिके इंडिकार्ड अकर्ण नक्त स्वाहे গুলা হইয়াছে। সকলকেই পরিভাষ রৈতে হয়।বিদ্যাশিকার সহিত সভ্যত। ভ হওয়াতে চতীমকণ ও বটতলা ন্য হটরাছে। বাল্মীকি ও বেপ্রাস বোৰ পত্ৰকে স্থান দিয়া কেবল বিদ্যা-রীঅবহিতি কবিতেছেন। সকের যাত্র। ক্ৰিডা মূতন নাটকাভিনয় দৰ্শন বিয়া **অবৃহিচ হই:ডছে। ভথ**নকাৰ ামোদের সহিত এখনকার আন্মেদের হু বৈলকা, ঘটিলাছে ৷ ৫০ বংসর<sup>®</sup>ুর্বের হার পভা হইয়াছে, ভিনি বদি পুন: িত হইয়া ওস্তাদি চুলির স্থানে डन कुछ बाराकतरक पर्णन करतन, विज्ञ পদ্ধন সম্পেদ্নাই। কিন্ত প্ৰশ্ন হই. চছে আমরা মৃতন আমোদ ভোগ রিভে সমর্থ হইয়াছি কি না? উভয য়ে ড্ৰেঃসমূধে উপনীত হই:লই विकाष सामा, क्या व्यवमातः। ह चार्यानिश्वेद स्म क्या चित्रांटक লাণুবে আংমোৰ ভোগ করিতে লে অত্যে অলীলভাদি দোবের পরি-🛚 ও 🎾 টাচার অভ্যাস আবশ্যক হ।। म्**ड चा**च्च अप्तरमंत्र कारकत क्र्यो ধের কপূর্ণ অবিকারী **হ**ইবার বিলয় TCE. - ইউরাপী : সভার জীলোকেরা থাকেন **चन पश्लीक**ात परनक रमन एत, पामा-

रक्ष्म कर्का क्वन मूक्किय सोझा व्यक्तिः

हेव प्रकार भीज अस्तारको महस्या-

ন ভোৰনা নাই। কিন্তু বে পরিনাণে

एमच मुखे एम, जामानाक्रण रहकी लाहे 🚜

अधि कार्याका क्षप्रमान करिएल हे (बाध के: এবোষকে:ৰ অফুহি ত হইতে পারে। মা ' একটি বো য় ইমানী গুন সভ তায় উংপন্ন ১-क्षोट्य । व्यागद्रा द्योश त्रिथिट अभि १ त्यक्षी-নে নৃত্য পীত বা সভা হয়, দেখানে ছই এ' -টি মাতাৰ উপ,ত্তহইয়া থা:ক। এস চল लाक चामाहितात आहो। सामात भमात्य श्रादम कतिएक भारतक मा दे हैरताभी व মভা ইহাদিগকে বহিষ্ঠ ক'িয়া দেন। अधित क्षाञ्चन, (प्रश्नार्शक नर्भरतात करण **इंडेटडट्ड। जार्नाहरतन नगरब**र পरि বর্ত্তনাবস্থা আরম্ভ চটাছে। এ সন্ত লোক আমাদিগকে স'ৰশেষ মতৰ্ক হইয়া চলিতে চইৰে।এসমন বেদেনে অসু মুলিত থাকিবে, ভাষা জন্ম: ব্যুম্ব হইয়া উঠিবে।

মুন্তন পুন্তক ও প ক্রক:।

১। চক্রবিসাদ নাটক। উজ্জেরিনীর व्यक्षिपठि कहरमस्य १ छ हक्षः मधर ইহার নায়ক এবং অবস্তীরাক কন্যা विभागवञ्जी माहिका। विभागवञ्जी विभा-नाइट्ना व्यवस्थिताथटक प्रवीत विटिड যান, এবং চক্রণেখর সগয়া প্রানক্ষে ঐ ষরণ্যে উপস্থিত হন। ঐ স্থানে উভয়ের क्षात्रम मीकारकात ७ व्यान्य मध्यात स्व। এদিকে অবস্থীর দক্ষরা উচ্চারিনীতে উপ দ্রব কংবাতে দেই সুক্তে উভা রাজার পংক্ৰাযুদ্ধ উপস্থিত হয়। উজ্জেদিনীক व्यक्षिणीक चन्नः समहरकत्व अमन र ८४न । ঘোৰতর সংগ্রান হইনা উতা প্রেক্ট विश्वत रेमना विनये दत्त। (मारश क्लामार्थ व ও বিলামৰতী উভয়েল সমাধ্যত্রণ সনিল ष्टाञ्चा मध्यामानम निर्मान करेहा वा। विकारिक शांटरे इहि द्विप्तात समार देश **দেখা পাওয়া বায়। এক, রাজার। অনে**ক সময়ে অনুর্তি ও চাটু বচনাদি ছারা बिर्माहिष्ठ इंदेश यगर वास्तिमिगरक ब्राव्य कृत्या व्हेटक भारते। य गक्न लाटकर न्याद शाम नियामिक करत्न। तारे वर्षा-

हारिति शर व्यक्षश्रद्धा निरुद्धान ता**र**ण ংর পর অনুষ্ট হয়। দ্বিতীয়, বাহ ষথার্থ ধার্মিক, ভাঁহারা কুলোট কৃচ:ক্ৰ পজ্যি সহজ্ৰ বিপদাশন হইটে কৰন ধৰ্মপথ হইতে বিচলিত হন শেৰে সমুদায় বিপদ অভিক্ৰম কৰি উঠেন, এঃ৭ ঘাঁহাকা **বপার্থ পতিত্র** হন, কোন সুগচারই কোনরূপে ভাঁছ গোর পাতিব্রত। তক্ষ করিতে পারে ন উজ্জিনীত সমুংশকাত ধ্র্দাস না এক জন পৰম ধাৰিকে ও সুশী বা না উল্লেখ্য পরম হপ্রতী বিধ্যা কন্য ছিলে ध्यक्षिमीताच *जन्*तमन युद्धगाङ्गा का कोगरकष् अ धनतान नारम हरे कर्यहार श्टल्ड नशर तकार जात ममर्थन का যান ৷ ঐ ছুরাস্থারা একবাক্য হইয়া প্রথ ধনও মান হংকে প্রের্ড হয় :ভীমৰে (ইনিনগৰরক্ষক) সুশীসাকে আ পথপামিনী করিবার বিস্তব চেক্টা পা তাল্য শিক্তা ধর্মালের নামে বিজে অপরাথ দিয়া ভাঁহাকে কাবারুদ্ধ পর্য কেং, তথাপি সুশানাকে সমতে লা ধর্মপথভাট করিতে পারে নাই।শে ঐ ছরাআরাই ওরদও প্রাপ্ত হইল। 'फशकः शंक्षाणि मत्नाहत ७ हेर

রচনা আংগল ও বাজলার খীতিবিং হইরাছে। এই এছে **এছকারে**র বিলং বহুজতা প্ৰদৰ্শিত হইরাছে। বে বা যেমপ ভাষাৰ **বভাৰ ও** চরিক্স এ क्षांबार्डाख्या रमहेज्ञाल विश्वित निर्वि ও বর্ণিত হই ।তে। ভত্তহত্বান পাঠ रिट्स म्बिटमाय औष्ठ **इहेटल इ**हा । वि প্ৰাস্থে বংশেকটা লোহও ঘটিনাছে। প্ৰাথ क्ष क प्राच्या काल कीर्य वर्गना करा। য়াছে যে পাঠ করিতে করিতে *শে* ज्यक्ष विवन करेया डेटर्र । विक्रीय, ज বাহুনারূপে আদিরন দাবা প্রিপৃতি इद्देश अनगणात्म मन्दिर समाद भृशीक क्रेट्स, कालिक काल सर्वारः

अक्षाद्वीतातात रन वरे कडी जम स्वीय ब्रोटक, हर्ज्यवनात महिन्याव छाडा **इरेटक मुक्त इस नारे। १ अ.स. स्वाह** রদের ভাগ অবিক দুট বলগ এই ছুঁসী লোষ ঘটাতে উলাব জা ভনগু নোগাডো-রও ৰাখিত জন্ম চেন্ত্তীৰ বাজলা নাটক লেথকনিথের জ্বায় যে একটা প্রবাঢ় প্রস বছমূৰ চইয়া আছে, চন্ত্র विवास नाविकसात जानात कछ हरे-, ভেও পরিভাগ পান নাই। প্রস্কার • ছজি যাজি "জি । পদগুলির লোভ मद्देश करिएक ।। १३० माहे। हेस्स्विनाम नांग्रेटकत व्यक्तक प्रतात त्रामा धातांच रहेब्राइ । क्षशांव ब्रह्मांत महा " रुक्ति ৰা চি " কি া পদ প্ৰযুক্ত হইলে পতং-क्रिक्टक्क दिना प्रतिश य दहनात केमार्गः বিনষ্ট হইয়া যাব, গ্রন্থার তদ্বেধ্যে অস वर्ष इदेशाह्न । " इन्हियाहित " छलि । चलानवभकः कर्यानकथ्त कान नाटन बट्टे, किन्नु लिन्ने न निकाय कर्कण रहा। চতুৰ, গ্ৰন্থকার সকল স্থলে নাটে লিখিত बाक्तिपरभव बक्तवास्त्रित नामस्या ब्राबिट्ड शीटरन गाँडे । ह्या:नंश्रंत व्यवस्ति-রাজের অন্তপুর হইতে পিতার সমূধে শানীত হইলে গিতা ৰলিলেন "কে গো যুৰরাজ রাজকর্মে এর মধ্যেই অরুচি क्राव्यक्त मा कि ? जामात्र व्यनत करवात्र कि बात्र ध्वनन शिल मा र हेजानि। এতদ্বারা রাজার রাজোচিত ও শিভূ ক্ষুভিত পাড়ীখা সকা হয় নাই। ফোটোর সময়েও রাজার একপ পারতা শৌতা 竹铺 利1マ

হ। ব্যাক ব দিশক। এথানি বাসক।
ভাষার বাকেরব। শ্রীযুক্ত বার্ মহেন্দ্রকুমার ধর ইহার প্রথমন করিয়াছেন।
বাসলা ভাষার যে সমস্ত সংকৃত ও ভাল
ভার শব্দ প্রচলিত আছে, ইহাতে ভংগা
ধন প্রবালী প্রদর্শিত হইয়াছে। হ বা
ধক্তি ধাতু ও কী ধী প্রাকৃতি,বিভক্তি এবং

ইকুও কাণু প্রভৃতি পদ সাধনের সূত্র করিয়া অকারণ গ্রন্থানিকে কুলাব্যব করা হইয়াছে।

ত। সংগীত রসমগ্রনী। ইহাতে
নানাবিষদ সংগীত আছে। শ্রীমৃত্ত
বারু মহেশচন্দ্র মুঝোপাথান ইহাব
রচনা করিয়াছেন। সংগীতগুলি রাগ
রাগিনী সক্তও ভাব বিশুক্ত হইয়াছে।
ইহাব মধ্য হইতে ছটা গংগীত উল্তে
করিয়া বেওয়া গোল।

বিষ্ঠ শ্ৰমণ

श जनी क्रांडा-लोबी---डान काश्यामी।

শিব শক্ষা বন বন ভোলা: ১

देवनागरमञ्ज्ञाल, वृष्ट्याश्यानाण, প্রস চঞ্চনমতি, গবে বায়ড়'লা 🛭 ছাই ভশা হ'বা গ'র শাৰানে (*PT*5 বেটার, ক'ল পুত্ৰ। বায়, গলে হাড়খালা।। বিষ্ণানে ক্রিয়ন, চুয়ে চুকু সর্কার, बिर्द करी का का वारम शिविदाका। न क क के इंड भारत कड़ (द्रारम कब्रू शहर মুক্ৰমনউ∈়াসে, দেখে পঞ্জুতের খেল । ১° · ব্যাগণী বেহ'ল—ভাল একভালা । সুখি এ:কি হলো লো ভাষার। ए हो। विवरह. दू के वा मा गरह. ज (भएइ स्प्रेटिस माद ॥ বে হাতে আহিরে, এজ পরিংবি, হুতে ধারা করিয়াছে হথ গর। विट्रक्षकप्रस्त, जना खान खान-জাপনার মন নহৈ তাপনার॥ सम्बन्धिकी, स्वयं कानानी, বিষ্ঠম ধানি, বড়হাল ভৌবা हिना विज्ञान्त्री, अपूरिया वर्ति, बन मा कि कर्त्र, के नाब है इन्द्र ह भग्नद्भ ऋभूद्भ, क्रम्य सोहिस्स्न, কেবল বে দন কৰেছি সার । যাব থেমে সভ. (হ'লেম'ন হড সমত পঞ্জিত নামা পঞ্চনার। এখুন দে ভান, ক,বুল গমন, वस्य क्रापन क्यानार गरा। ब्रथनिकुरीक्षः । साम्य व्यक्तिकः 61 बिल ता किट्त. अ कि द वर्दि ॥ "

৪। চারুণাঠ হিন্দিভাষার অধুবা-দিও। উযুক্ত ভারুদত পণ্ডিত অক্ষরকু নার বাব্য ক্লও চারুপাঠ হিন্দিভাষার অধুবাদ করিয়াছেন।

६ । ১২৭৪ সালের মৃতন পঞ্জি।
 वालीत खियुक खैठक विवासिक देवांत
 थानप्रत कतिवादकः । खेयुक वान् विवनः

লাগ ঠাকুখের যত্নে কলিকাতা লালবাল লগে ২৩ নং বালতে ইলা মুদ্রিত ও প্রচানির কইবাছে। কোন্সা কোন্সানির বল্পের মুদ্রির এপঞ্জিরা বিলক্ষণ ক্রানিতি লাভ বরিষাছে। ইহার প্রান্থ মান্যা দিখোর অধিক বজারা নাই। ইহাতে কে বে বিহয় সলিবেন্ডিত ক্রাছে, পাঠক গালেব বোলা ক্রতে উজ্ত করিয় দেখোর বাকা ক্রতে উজ্ত করিয়

ভাষাপ্তবোধ ব্যাক্বৰ, প্রথমধ্ব এথানি সংস্কৃত। কলিকাতা গ্রথমধ্ব সংস্কৃত পাঠশার ব্যাক্রণাধ্যাপক জীমু ভারানাথ তর্কবাচল্পতি প্রক্রিরাকে মুক্ ও সিদ্ধান্ত কোমুদী প্রভৃতি পাণি সন্মত ব্যাক্রণ অবসহন করিরা ইহা কল্পন করিয়াছেন। প্রেসিডেন্সি কালে প্রভৃতিতে ইহার পাঠন, আরম্ভ ব্ রাছে।

न। (वहाना इडिफक्टि व्यनाडिने मकात माद्यमितिक शिवका। शिकि ती बात व्यश्नाह के होत ममस्त मक्त को व्यानक इडेग्रा भूगान शांत्रिय विश्व वि यह इडेग्रा थोटक, जवर द्व द्व मित्रद मका हिन्द्रा थोटक, जवर द्व द्व मित्रद मका हिन्द्रा थोटक, कोहात विक्रित

। अभीविकात। अवाति मार् अक्रिया जोकाद स्मानकृति स्टब्स स् रेजनगात विद्यालय स्टेट्ड देश स्टब्स स्टब्स्टा, देशांटड विद्यालयिक स् विद्यालयिक पूछे स्टेमा स् स्थिता विद्यालय पूछे स्टेमा स् ারতবর্বের আচীন সংস্কৃত ভাষা।
চুর্ব, সময়। পঞ্চন আমা বিদ্যালা।
চুর্ব, সময়। পঞ্চন আমা বিদ্যালা।
চুর্ব, সময়। পঞ্চন সপ্তম, ইতি
স্থারত। অটম, গতবর্বীর
চামারী এবং জৈনসার ডিম্পেলার।
মে, সেনেটার ক্মিসন।

'' अभिः विश्वास्त्र ।

এইক্ৰে পৰীন্তানে বিদ্যালয়ের নাব অভাব হা স্থানে স্থানে সাহাব্যক্ত জুল সমূহ স্থাপিত হইয়াজে। তথ্যা যে কেবল ভ্রা নামগণই উপরত হইতেতে এমন নয়, ইভর কে প্রস্তুতি ঘাখালো হধে কখনও বিশ্যা-কার চর্চা ভিল না, ভাহাবাও এইক্লে ক্লিনে বিজ্ঞান স্থানাল খগোলালি নামা ত্রে শিক্ষা প্রাপ্ত হইতেছে। ইহা কি সামান লাকেব বিবয়া বস্তুত্ত এটা কিলেও কেবল লাকেব বিবয়া বস্তুতঃ এটা কিলেও কেবল লাকেব বিবয়া বস্তুতঃ এটা কিলেও কেবল লাকেব বিবয়া ক্লিভাব লান্তা স্থানিত ব্যৱ্ত মনা ঘদি আমাদের শিক্ষাব লান্তা স্থানিত ব্যৱ্ত ভাল ভবে না স্থানি এত দিলে অংকল গ্রাম ভবে না স্থানি এত দিলে অংকল গ্রাম ভবে না স্থানি এত দিলে অংকল

जान रा भूर हरे व निराहि (य जान छ भतीरहत छैन छ एवर (मर १४ अह छ छ । जिल का कि निर्मा के विस्ता के विस्ता

—: ।:--বিবিধ সংবাদ।

৩**০ এ মাধ সোমবার**।

গত শনিবা।ে সর্ঘটী গুজা হওরাতে টোন ল ছুর্জিকনিবারনী সভার অধিবেশন হয় । বঙ্গদেশীর ব্যবস্থাপক সভাও এজনা গড় ছিল।

বয়ডাইন দিখার কোন্সানি গারোপর্যন্তের লা একৃতি থে কোন খনিল ত্রবা পাওঁরা , ভাষা উবোলন করিবার জন্য গবংমেন্টের বড়ি চাধিয়াহেন। কি কি বঞ্চ ভবায় भारतम् । साम्, ज्ञानां काल, इक वरमाइव महार | खाँदावा देशमध्य अक सम् अखिनिधि (अद्भूत भवर्तरम् हे इक स्थानां देशमा

পত যে মাস অবধি গ্রাংমট বিবেচন। করিতেইন বারাসভাগ এচট পূথক জেন। করা উচিত কিনা ? ২৫ পারণার্থ, ফাটটো কার্য্য অবিচ হওয়াতে এ প্রস্তাব হর। এ প্রস্তাব সাধারণের অস্থ্যাসনীয়। বারাসাভ একটি হেড আলালত ও এক জন স্বৰ আনীন হওয়। উচিত।

ইণ্ডিয়ান প্ৰলিকওপিনিধন বংশ্বন, কবির গৰণ্ডনাট বোখারার রাজাকে কুজি অক্স কর্মা নগৰ প্রদান করিয়া উহিরে রাজ্যের অব্দি ই অংশের শাসন ভার আপনারা গ্রহণ করিয়ান। ছেল-১ এটি ভারতবর্ষের শাসনপ্রবাসীর অনু কর্ম।

गवर्गम् वित्तवात अप सम श्रीक वाध वाधिवात बामम कडिवाएमा। श्रीक इंटिए एव मकत विकि जिल्लाक वाणिक, कवि: क बाम, काम्मीरवत बालात लाइकता कांकामिशात केमरव काकाविक विराज मा शाह्यम, अ क्रम, अहे देशांत कावाबम कता इहेग्राइक।

আনেরিকার ভাজন মে বিএরাকার এতেনে শীল স্থান্তের উল্লিভ হেতু শীল ভাংতবর্থ আসিবেনা লাহে'রে বে সঙা হইতেরে, তথায় উপস্থিত থাকা কাহার অভিপ্রেড।

वृष्टीयानविष्यत्र श्रेमकीत विवादस्त काहेत्स नावात्रद्यस्य व्याप्यायः कावित्रद्रस्य (अविस वृद्धस्य विकासमाव्यास्य कावित्रद्रस्य (अविस् ভাষাৰা ইংগতে এক জন প্ৰতিনিধি থেকে। কৰিয়া টেটাৰেক্টাৰিকে আইন সহিত কৰি-বাৰ অনুযোগ করিবেন। এ বিষয়ে অনেকে ভাষ্টিলের সহায়তা করিবেন।

मञ्चिष्ठ विकासनगढरत अख्यानीय व्यवसानि भग भश्चिवातित भागमक्षीति अक् अर्ख् म विद्याः वित्रप्राद्यम, खाँशाना क्यांनी भवर्गमास्त्र व्यक्ति । भारमञ्जूष व्यक्ति । व्यक्तिय स्थम ह्रव्यत्र केंद्रि प्राटम खाँछन । याख्या स्थित व्यक्ति भवर्गमान्ति । केंद्रम दरस्यात् । या अक्षान जिल्लेन भवर्गमान्ति ।

প্রসংগ্রের যাধীন অংশটি প্রহণ **করিবার** প্রস্তাব হইচেচে। এ প্রস্তাব আবণ আমানিদের প্রতিস্থ হইল না।

বিক্সপেট্ররট্রনেন, যশোষ্ঠের মাজিটেট মন বে৷ সাহের আনলা উমেশচন্দ্র যোগের প্রতি ধে অম্যায় আক্ষা দেন, গর্বর জেমরল তৎসংক্রোক্ত কাগজ সকল দর্শন কবিতে চারিয়াহেন।

উজ পত্র অবগত হইয়াছেন, বাবু **মাইকেন** মধু জ্বন দশু বানিষ্টব হইর'লেন। তিনি বোরা-্র ইয়ে উপনীত হইয়াছেন, শীল ক্লিক্ডায় অসিবেন।

উক্ত পত্র কলিকাভার ক্ষিপ্নর হগ সাহে বের পক্ষমর্থন করিয়াছেন। করেক বিবসাধনি ইংলিস্থান ক্ষিপ্নরকে আক্রমণ আরম্ভ করিয়া ক্ষেন। হগ সাহেব এডগেন্দীর ক্রপ্রদায়ীবিধ্যার প্রতি স্ব্যাবহার করিবার চেষ্টা পাম বলিয়া অনেক ইউরোপীয় শ্রীহার প্রতি বিংশ্রা

টেম্পল সাংহ্য ভাষতব্যীয় গ্ৰহ্মেটের বিদেশীয় সেক্টোরি হইবেন। অহোধ্যার রাজত্ব সংক্রাপ্ত ক্ষিপ্নর ডেবিফ সাংহ্য স্থা জার্ভব র্বের প্রধান ক্ষিত্রর হইবেন।

) ना पार्य मक्ष्मवाताता ।

প্রশ্বের নিত্তর আচহিত কর্মানরী ভব্তত্য প্রবামতন বিচায়ালয়ের একারতি করিবার জন্য প্রভাগ করেতেয়েন। বেধানে অর্থেতন লেখানে এই অবস্থা। শিক্ষাবিভাগে একবে প্রার কোন উপত্তত লোক প্রেবেশ করিভেছেন না।

গঞ্জতি বোৰাইয়ের এতখেলীয় ও ইউরোশীয় জীলোকদিগের যদে এক সকের বাজার
হয়, এইদেশীর জীলোকদিগের হায়া প্রজত
বজ্ঞ সকল বিক্রীত ইইয়াছিল। হাহারা এতথে
শীর জীলোকদিগকে বিক্রী জড় পহার্ব বলিয়া
জানেন জীহারা পার্নী ও মহারাজীয় রবনীদি—
গের লার্থনা ও ফুলারগতি দর্শন করিয়া আন্দর্গা
বোধ করিয়া ইলোন। পার্থনী জীলোকের সংখ্যা
ক্রিক হয়।

प्रक्षां भ्र व.वह रत्रव मल्मा छ ।इस भाग ह मनुभार ।व **本書かせ,かつ, २19 日本日本日本日 1 5年日 年ごり 43.3 5** ১৬৮ টাকা মাত্র আলায় হ্র্যাছের। স্বাপেক. দ্রভাদার জনাধানী উত্তরপ্রাপ চলভেছে, ৮৬ बाहेट उद्या भृष्ट जायात क्रम श्राह्म वाहा सम्ब Se, 94.8७ : देश (२५ । २३ । करते ह महिंदे क्षेत्रात अवर्थरम् केल का अर्थ कि मार्थिय अञ्चलकोष्ट्र श्रीकेशन त 5 किया कालवास करान बाबर (हड़े। किट्स १२ हे। इन्हें के कह कांक्स अग. কংৰত সাংগ্ৰহণ থা উত্তৰ দুয়াত প্ৰনৰ্শন करियाद्यम १

৩ হা কেন্দ্ৰি সুৰ্বাণ ক্ষ্যুৰি ৬ ই প্ৰচিত্ৰ চন্দাংৰে ক্ৰিনয় উষ্টিও সংগ্ৰহণ আহল আহ इहेग्रा द्विबाम ७ व्हरिक्टिन विद्वास अर्ड कर ব্য়ছে। কয়েক আমে অভিকেনের চালা এবকালে মুষ্ট্রাচে। ই ডিপুর্কের ববিধক উত্তর ২৪-ষ্ণাতে বাৰভীয় শসং সক্তা হইরাজিল। কচে कात कछ अभिन्ने कतिशादन, खादा सामा याव वाहे :

हेरिनिम्बान प्रश्वाह अ हेग्राट्डन, मुख्यां छ এক জন ইউবোপীর নর্বকের প্রস্ত। নেপ'লের ব্যধ্যেক্টের অনুষ্তি না লইয়া বাহাচ্যকাঠ কাটিভেট্ল, এখন্ত সময়ে ভক্ততঃ করেক জন বাহৰ্শবেকী ভূজ্য ভাগাকে বং কৰিয়াছে।

উक्त शब्द बार्व के ब्रिगाटका, मानाइ ও देखि श्रीद्वर्तन (स्व:तन्त्रातार्टर भागन कर्छ। नयक्ता ৰীর পুস্তকে আক্রমণ করিয়া কচ সূর্যে অবরোধ ক্ষরে। শাসনকর্ত্ত। তারাদিগকে দমন কবিতে श्रमम कविद्योद्धन । नक्षात्र अभीव औ। व्यक्तिक चौत्र **अक एरे**या (कारमनावान व्यक्तिकार क्रिट्ड । আসিংতংগ্ন।

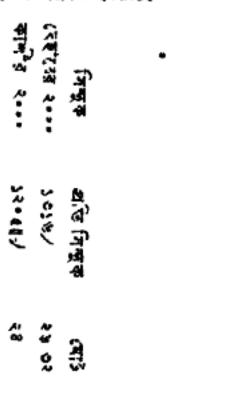
ভাৱেদেৰ নে'ফোন সম্প্ৰতি রখীর সভাটের আনীনত। অ'কাৰ কবিয়া নিয়মিত **শপৰ এছ**ৰ করিয়াছে। এ উপসংক তথায় ভে'ল ন্ড,গীভ क्षकांक इंडेब्राट्स ।

· अ. (क इहे हेन तिभाव स'नर अक अन हें है-রোপীয় এক জল এড়েক্টিয় বস্তব্যবসায়ীর निक्टो करपूर काफा (म का ग्रा क्रिएक bice দরে নাৰ্নাজে হউবোপ'ণ বালল '' আমার **মুল্যেরহা ন। দিলে আনি ভোনাকে** জাল প্রকান্ত বাহিওয়াতে সে মুজ্য হইয়াছে। এ কি গোন ব্যবহার কি?

১৮৬৪ व्यक्ति कार्व व्यार्थिय इत्था यह । विर्वाष्टितत व्यारमा माव्यिक्टिकेत स्थरकात বেচাব ? কলিকাভার ছুর্ভাগবেশতঃ কয়েক वरमञ्जावति अधानका । माल्याहरू मार्ज्यहरू अक अक्षे हिहे (तथा य'हेटउटह ।

> चागावी ∦ा ना धून छ ब्रज्यवीं ग्राद्रन छ द आसाहाय क अवर्थ भाःकृषि अधि। अहं भू लिटन। ১৮৬৮ অন্দের মধ্যে তবে ঝাইলপুর পর্যান্ত थानः गष्ठव ।

> গ্রন্থ কিবার একলেজ গ্রন্থ নিম্নলিখিত সকার অহিফেন বিক্রীত হইয়াছে.—



অহিকেনে এব'র অলাভ হইবার সভাবনা আৰু নাই।

#### २ द्री लाइक बूश्यात्र ।

সম্প্রতি এক দল দস্য চোলপুরে বড় দৌ-বামা করে। ভত্তভা রামার দৈন্যাণ ভাহাদি-গকে আক্রমণ করিয়াছিল, কিন্তু পরাজিত করিতে পাবে নাই। মৃত্যুগণ অনেককে বদী इंड क्रिया लहेया शियारक। छोशांमरभत्र मन कत्र कविवात स्थान अक एन देशना स्थातिक स्ट्रे-ब्राटक् । এই म्ळू:मल मन्नवादत्त नमस्य व्यागदाः निकर्षे फांक सूठे कतियाहित।

গোমবার ধবন কলিকাতান তেপুটা কমিসনর কাছা,ব্লিডে ব্যেন তথ্য কায়েক [ক্সন ইউবোপীৰ কমষ্টাৰল ভাঁহার মিকটে জাবেদন করে, সম্প্রতি ভেলিনিউলে ভাংনিগের বিজ্ঞে এক প্রতাব लि चिक श्हेबाह्य। छाहामिरशत है। क्रेमशाल वत्यक्:८३व विकर्ध श्रष्टावत्री वाकारक ভाराया श्रानियां करत (नशरकत नाम कानियात कनः ছবিষ । শ'ৰ,বসানা অসমত হওয়াতে এই ব্যক্তি সম্পাদককৈ পত্ৰ লিবিবার ক্লনুষ্টি বেওয়া হয়। ভাছারু ভেলপেটে গুলি কৰে। মাজিটোটের কমিদ্রর এ প্রার্থনা এছে। কৰেন মাই। ব্যব নিকটে ইইছেন নেকাৰ আগন গোষ খীবার ক্ষিসনর ও নাডিটেটগণ মানির নালীশ করি দ্রিল, ক্রিছ অথীব সংক্ষীর কথায় মালিটেটের । ব্রি অপুরতি চাহেন, তথনারুখা কনটাবলিলিল

भागवीय वाटगटहरू वाका कावकवाथ होई **कात्र इर्थीत है। इ. स्टब्स इर्थे ३८३। ३** ন-ট গ্ৰেণ্ড সঙালালল বংচন রাজার সাধা क्टिक्ट कार्यात्र वर्गेना कार्या अवर्गत *(कार* त्यार निक: वे भारतहत्र (१००१ - दर्शत त्यान উरमास्य इक बन्धुरक्षा क त्रेत्र। होत्र श्रदान क ब्राट्डन र भी पृत्तन दक्षन आजा था। ब्राय शाह नमर्थ इन माहै।

देशीनग्यान वर्तना, कर्नाटक भक्षार्थ्य (५ मञ्चलार्भव यह अर्ग किल्पाइन । मञ्च এक भना किक दिख्या हैन अक स्था सुद्दा राजम, प्रदेशक जिलाको उहे मछ प्रदेशक क **्ट्र। देशाः अवश्यि हे च्याकः। विद्याद्वन,** मटावनशीवित्रदक देनमान्धा करवन करि (म्ब्या रहेत्व मा, अवर (च मकन निशाही। এহণ করভেতে ভাষাদিগকে দল্যত ব ংইবে। এট অরছে, কবিলে ফি ভাল হইত স ব্ৰহণণ খোকা সংগ্ৰাগন্ধেৰ বাজনোই 🖫 😎 : गांन मा हरू, उर्फ लिय अध्याख्या व्यक्तरक धन धामनात्र श्राप्टिकक निवास भारतम। বৰঃর মুক্তন ও পুরাত্তন জ্ঞান না করেলা নিবং কতা অবসহন করাই (প্রার:।

আন্দামান দীপৰাসিগ্ৰ ক্লমণঃ পূৰ্দ্ধ 'বনং অভাব ভাগে করিছেছে। ইহারা এড । দভ্য বে গ্রহণ করিছে জানে হা। পুর্কে হার গৰ সৰ্বদা ভাষ্টিগকে আঞ্মৰ কৰি क्षेत्रमान क.व्राप्त नारेवा वारेक वानेवा विद्रार নাত্রের উপত্র তাহার্দিগের শত্রুতা হয়। আ बारबद्ध करग्रनिक्रियद्ध शास्त्र कर्म करग्री करा विकास विकास करा विकास करा विकास करा विकास करा विकास करा विकास बाद्र समा सानिवयागियन गर्यामा स्वाहानिया আক্রমণ করিত। ইহার ভরে ইউরোগ দিখের নিকটে আসিত না। সম্রাভি ভর ংমকে সাহেৰ সম্বেশ্য করিয়া ক্রমণঃ ভাষা a.কে পোৰ মনোইভেছেন। রস **ঘী**পে ভাষা গের এক বাসস্থান হইয়াছে। এখালে যে বে কুধার্ক্ত বন, আসিলে আছার পার। ইং अ स्वतः स्वे रहोत्र कात्रहारकः व्यरक् नार আন্দামান ভাষা এত বিবিয়াক্সের যে ভাষ গ্রের সহিত ভাষাতে কথোপকথ» করি भारतम । किमि क्यूयाम करश्य अकरण नर्सर o· · · शक्षात्र जामानामवाती जाटाः अ नः কম বেঃধ হইভেছে। অংশংসান বালিগণকৈ স क ब्रिट्ड शाहित्स स्थरम् जारस्य माभवसक्षेत्रं এক সহৎ উপকার অভিবেন।

স্ত্ৰতি বোৰাইয়ের এক অন আটগীর গো शक्काल सक्काश कड़े देशे। अधानक विश अहे कांत्रत्व भूनर्विष्टांद्वत कार्ययन व्यासः व्याद्वत । कांत्रकां क व्यादादेदवर विभिन्नां कार्यदक्त क्रम क्षांत्र कार्यः विभिन्नां केर्यां क्रम क्रम, किष्ठ वाव केत्र कार्यः विभिन्नां क्षांत्रा भारत्य । मक्ष्यम्बारभगः विभिन्नां क्षांत्रा भारत्य । मक्ष्यम्बारभगः

ত কা কাজন বৃহত্প তথার।

২৯ এ জাল্পারে ক্রাটে ভরান। এনিকাও

রা প্রায় চারলক ট কাব সত্পতে ও বহন

নিষ্ঠ হইরাছে। ১৮০৭ শব্দে এপ্রকার

ক্রেমিকাও হইরাছিল। সৌলাগ্যন্ত বর্মার

কাষিকাও হইরাছিল। সৌলাগ্যন্ত বর্মার

কাষিকাত ভার খোলাব কুটার করিলে অভ্নন

লাগ্যে।

शब्दा बानिसाम ५৮१३ कम अन्य वर्षी ( दूसक अंद्र प्रसम्बद्धल ५ - षाहिद्रस्त् छन्। । वस्तु । ४ াৎ ব্রেণ জ্বাইন সগতে কেবল উল্লাভ হয় নাই, াসমূলেও উৰায় বিশেষ স্থাপ। প্ৰদান কাংয়া-ন। বলোহরে গাঁহাবা প্রেড সম্বাধন করেন্ডে ন, সম্প্রতি ইংলগ্রীয় বিখ্যাত লেখক আনাড । डीहानिभएक स्थानीहेन्नोट्डन १४४५ ज्यापन • এ **কটব**ৰ ঈশ্ব প্ৰেডদিগকে জাজা দেন হার৷ পৃথিবীতে অনিয়া লোক্তে দশন দিয়া **দিখোৎৰা করেন। লাভ**িকৰিওয় নিকোৰ নথায় বৈরে প্রথমকার জম সংশোধিত হইল। কি স্ত (বের্কার ১৮৪৯ অন্দেব পূর্বো প্রেড সন্থাবণ ার্ভ হয়। উত্থবচন্দ্র গুপ্ত উত্তম কবিতা লি **রা প্রেডসভাবক**দিরোর মধোরঞ্জন করিছে ম। আমরা শীল্ল ইহা দর্শন করিবার প্রস্ত্যাশ द्वि : **कामद्रा /প্রভগন্তা** एकभित्रक এক সৎপরা **ৰ্ণ দিডেছি, হৈন্ত্ৰ ও বৈশাণ ছইমান চুপ কবি**য় **বিংছে ৰেন সভা**ৰণ পুনশার্ভ কােন। ক্রি ভার সভাষকনিগকে প্রেডগণ ভাগে কবিয়া ন দেখা বাইতেছে।

मध्यकि हिम्मन गार्टि सैन्य छत्। हिंड कर बात करोत्री अस्टिन गिर्मा व रक्ष धनी स्मान-भटक र नग्ना छन गार्टि नग , उन चाक हैं है के मस्ति र नग्ना छन्। भारति सम्बद्ध है है कि व बात बाही निर्मा न खनानी सम्बद्धित स्वयं कर्म निर्मा कर्मा इग्ना भगतवानि गण स्थान कर्म निर्मा कर्महर्मा ध्या मेगतवानि गण स्थान कर्म निर्मा कर्महर्मा ध्या कर्मित क्रिस्म। भएत-मेख क्रिया कार्यक्रमा ध्या क्रिस्म। भएत-मेख क्रिया कर्महर्मा ध्या क्रिस्म। भएत-मेख क्रिया कर्महर्मा धार्म क्रिस्म। भएत-मेख क्रिया कर्महर्मा धार्म क्रिस्म। स्थान स्थान व्यवस्था स्थान स्थान स्थान स्थान

বোগারীর রাজা আফগানি স্থানে বৈদ্যু থেমে করিতেছেন। রাজা পুনর্কাং বাধীমভাব বন্ধুক করিবেন।

কাতেন হারওরার্ড আগগার নাজিরেই পোলক নাহেবের নামে ৫০০০ টাকার নাবী দিয়া বে নালীশ করেন, ভাষা অগ্রান্য হইয়াছে। ইয়া আনা কুখা।

রাষসিংহ নাবক এক বাজি পঞাবী গোকা সম্প্রনায়ের প্রধান পুরোছিত। ইনি চারি তন ধর্ম যে যককে স্থানে স্থানে প্রেরণ করিয়াছেন। খো-কাদিশের এই প্রার্থনা শীজ খালাগা (শীক) দিগের ক্ষয় ও একাধিপতা হয়।

ত্রবন্ধ বের রাজা নাজালে নাগমন বরাতে এতকেশীয় ও ইউরোশীয় সমাল জাঁথাকে বেলওলে ষ্টেসনে এছণ করেন। বোটাই ও মাজালে অভিজেন অনেক কয়।

বোধানার মৃত মধ্যে মধ্যে গর্মা ছোমগা কবিতেকেন। ইনি বধন বক্তা কবেন তখন বিশ্বর মুবলমান ভাষা কবেন করিতে খান। গর্মাণকান্ত অনেক কুটিল প্রমাণীয়ার নিকারে স্থিন করা হয়। মৃত ফুডন কাল করিভেত্তেন বটে।

মধ্য ভারতবর্ধের অন্তর্গত বিলাসপুরে সম্প্রতি ৩৮ টি হক্তী ধরা হইয়াছে। ওখানকাব বনে বিশুর হস্তী ভাছে।

কলা ছড়িক নিবাধনীসভার অধিবেশন হইবে।

আসামের যে সকল চা-কর অপরিমিত ভূমি কয় করিয়া বিভ্রম ছইয়াছেম ভাষাদিলের ভূমি কিরাইয়া লইবার বিবলে সর সিসিল বিভন যে প্রস্তাব করেন ভারতবর্ষীর গ্রাহমিক ভাষা গ্রাহ কবিয়াছেন। পূর্বের চা-করেরা ভূমি ক্ষি কবিশা গ্রাহমিক বিবক্ত কবিয়াছিলেন।

গবর্গমেন্ট অনুপুর ও আলোরাধের স্বাজানি গের বিবাদ ভঞ্জন করিয়াছেন।

ন্তে জবইতিয়া বলেন আকলুল খা সন্পূর্ব জননাত করিয়া ভারতবর্ষীয় গ্রাবহিষ্টের নি কটে এক পত্র প্রেরণ করিয়াছেন। আনির নিয়ার আলী খার সিংহাসন প্রান্তের আন্যা জনাই আহে। গ্রাবেট সহজে আকলুল খালে গ্রামা ধলিয়া ভীকার করিবেন না।

উত্তপত্র বলেন ছার্ডিক ক্ষিত্রন গান্ত স্প্রাত্তে মানুসর পাবের বিউবোডে র স্কার্যনা ও কুওপুর্স সেতে, আর মানি মিনি চারির জ্ঞানবন্দি লইরাছেন। আগামী স্প্রাত্তে ক্যি জ্ঞানবন্দি এছণ শেব হইবে। বিশোল স্কার্যনা ক্ষিত্রন বণ বলেন বে মুকুরে ঠিক সংখ্যা দিতে পারিবেন না, কিছে জ্ঞানে বিজ্ঞান সময় বোরাজিত হইরাছে, ভারাতেই লোক্ষে ক্যেন্ত্র সময় মোষাজিত হইতে হইবে। ভ্যাপি সর সিসিল থাতে এই নি বিজন বলেন ভারার চিলার ক্ষেত্র ক্রিয়াছেন।

কেব প্রাণ ব<sup>°</sup>িচত ভাষা **হইলে ডিনি ডাহা** কয়িতেন।

উক্তপত্র বনেন ভালমহলে ভোলনিবার idবরে সংবাদ পত্রে বাহা ধিবি**ত হয় ভবিবরে** शर्द्ध वे अञ्चरकान कद्रन । के खरण कि शक त्वर शदर्व १ व व व व मून्य वा व अद्वाक दक किञ्चाना कराटड छ हात। विजय्नाद्य के पन কুবুর অধ্বর পর্যালয় লাছে, এবং ওখানে আবঙ পুর্ফোপুর্সে ভোজ হয়। টমসন সাহেবকে একবার ভোজ দেওয়। ১ইবাছিল। ভগও সা হেব বলিয়াকেন হয় 1° নিক্সিব **প্ৰতি বে** সন্মান প্রদর্শন কর হইয়াছে ভাইতে কলানী সভাৱেগৰ উৰ্ব্যাহত হইটা এই প্ৰতিবাদ প্ৰকা-শিত কংনে : উত্তর পশ্চিম কলের মুসলয়ানেরা ভোজের জন্য বিহল্প হন নাই। বে তিন্ত্রন মুসলমানেৰ মত গওয়া হয় উ:হাবা আলালভ সংক্ৰান্ত লোক কি না ভাষা বলা উচিত ছিল। আমাদিশোর ইস্টা 🍲 বয়,তে ধেন এ নজির খরি-য়া আনার কাজ নাহয়।

#### s के शासन शक्तवात।

চাক্ষাৰ ব জা আপন রাজ্যে ফ্রীডনান রক্ষার প্রথা রহিত হইবার বোবংগ নিয়'ছেন। গ্রহণর জেন্তুল ইহ'তে আনন্দ প্রকাশ করিরাজেন।

खन्नखन्द्रन शक्तान है देन ए पर्न स्वाहत पर-र्त खनरम मण्डि श्रमान कारेग्रा त्मा जिले मानिक १००० के का दिख्या कार्यन ए ग्रान के प्रक खाननाव कर्यकाषी किर्मा निक्त स्वाह याहेदन ५१९ यह दिने मिटक मेंग्री अनिक स्वा खमन कार्यन अस्मिक मा १४० प्राम्म हैदल हैश्हर ए अक प्रमुख मानिक किर्म दिला वार्याय स्वाह के मक्ता मिल्ले है हैगार है अदेर महाद याद्याय क्रम की किर्म है हैगार है अदेर

(१३ (मान्या) रे विल्लाहरून य यनि किन्न मार्थिय है । विल्लाहरून या यनि किन्न मार्थिय है । विल्लाहरून या विल्लाहरून या विल्लाहरून यह । विल्लाहरून यह । विल्लाहरून यह । विल्लाहरून यह । विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून । विल्लाहरून विल्लाहरून । विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून । विल्लाहरून विल्लाहरून । विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून । विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून विल्लाहरून । विल्लाहरून । विल्लाहरून वि

*(ल्ल्फ्ट्रिक् बटलन फेंक्स्सिव क्मिन्सर ८-६*व नमा इक्तिका अक निर्णात देशनर छ। भागारेया-(इस, खाशास्त्र शक्ष अनाहरश्रव शूर्त्स ७ लक (कारकव मुद्रा अवर (कान कानकरण ३२ कान) লোক সংখ্যার হাস জীবার কবিয়াছেন। (इरजन भा शवर्शसम्बद्धन कम्बद्धाः विचर क्लिकेन हे नदर्भर्य व्यवस्थ वक्, अधिक नमात्रश्राण व्यवश्र মা হটবার আবন্ত অনেক ক'রণ আছে ৷ অভএব ন্ট্রবিধার গর্মেক লোবের মৃত্যু প্রায় সভা वर्तिया व्यावस्य । सां ५ दर्भव्यात्रम अपन्यम फ की अवस्था निवादनाओं , ৮৬१ ५८ कर गर कर्छ्यकित्मक यार्थिक शतक वारमव विरयद ক্রিয়াছেন। ইছাতে কর্ম্মাবিগণ বস্তব্য সাধনে ৰ বিত হইয়া ভাইাদিলের প্রাধনাশ হয় তবিয়া ক্ষুবোগ ব্রিবেন, কিছু তাঁহানিগের জীবন ম-(भद्ध ताळ,दका मर्गाधक श्रासक्ति । अवस्रि সহল উপায় অবল্যন কবিলে ভাব কোন দেলে খাকে না। যদি ভাইাদিগের পর্যাত বাদের জন। বিদায় দিয়া অসুপঞ্জি কালের বেতন স্থাতি कर। १४, 'हाश इंहेरन डीहाना क्रमाबारम असड অপেক্ষা নিমুকুমি আস্থানৰ দেখিতে পাইবেন :

#### इकास्त्रभावतातः।

ইংলেসমান বলেন, প্রধান সেনাপতি যখন গার**জিলিঙে যাই**বেন, তখন তথার মাসিক ১০০ ৫০ টাকা বেডনে ছইজন কণ্মতারী রাখিবাব লাবশঃকভার কি অসুসন্ধান কবিবেন ? এই ছই **राम अकल क**तिहरू शवर्शक व्यर्थ बारम्ब किङ्क लाचव अध ।

## ইউরোপীয় সমাচার।

नश्च ७ हे क्यां प्राति--- मधनरत्रकार विकास कलाहरम्ब व्हर्णत शका विचारक द्राक्ता প্রকাশিত হইয়াছে।

আগামী সোমবার প্রশ্মেট রিক্রমের বিষয়ে আত্ময়ত প্রকাশ জনিবেল :

বাৰণ বিউষ্ট মুডন অকীৰ মঞ্জিবৰ্গ নিমুক্ত **ক্রিণ্ডেছেন** ।

व्यक्तीत सहागडा इ कराधानन क्षाप्रिनस्त्रत একাৰ পাইজাক হইয়াটে।

न्यन ৮ हे :कङ्ग्यारि---कार्यावकाम शूनदाव ब्राम्भवेख विवश्नक म है। मक्स दिशाहि श्रहाब कतिहा विद्यारी श्राम नवल नाह अश्रम विश्वक कत्रियारहर । अ क ल रेगिक माग्रस्थना-भीत्र व्यक्षीत्रञ्च रहेरव ।

গণ্ন ৭ ই দেব্রায়াবি--- আমেরিকার প্রতি-বিধি সভা কর্মান কর্মে নোট প্রচলন কমান , বহু কবিবাৰ জানা এক বিল প্ৰস্তুত কবি-বার বাজা দিয়াকেন।

ঞানেকা কমিটি নাবিক দলেব লেপ্টন-ট বাণ্ডকে ত্রেপ্তার কবিষার এক প্রয়'ন্ বাহিষ ক্ষিলাদেন। ই ন গাড় নেব সাম্বিক বিচারালয়ে द्धराक हिर्देशन ।

विद्विकेष् भारकं दरक खब इंग्रेश अन्तर ६० , অন লোবের মৃত্য হইয়াছে। প্রাফীব বন্দ্তার : প্রভাষ্টের এডে স দিবার প্রস্তাব লাভ হলমস (फटनर ध'द्रा कड़ा ब्हेट्ब। अंक्रुवेट्नन मांदकुहे-্গা মৃত্যু হইয়াছে। ডুবক প্রব্যেণ্ট ক্রিসীতে সাহায়,কারী সৈন্য প্রেরণ করিয়াছেন। মছবি--ভেব চতু:পার্শ্বে সীমাব কোন গোলধোর মাই। কিন্তুবাহিৰে বিপ্লবের চিক্ল দেখা মাই:তেছে। কথানী মহাসভা খুলিতে বিলয় হওয়াতে অনেকে অনেক একঃর ক্ষতুমান কবিভেছেন। জনসনের संद्र्य माह्योभ कविवास क्षांखादवव प्याप्तक क्षांक বন্ধবতা চইডেছে, ইহা পরিতাক চইবার সভা ধনা এমত জনজাতি গাবিবলতি ক্রিটটেড গমন ক্রিয়াতেন ৷ সাইমর ফিটজাবলডেন ক্র্মিস্টেড সপু:গণ পাঁচার নিজেব এক চিত্রিত প্রতিমূর্তি ভাঁছাকে উপটোকন অরপ প্রদান করিয়াছেন। , টেট ও কালেইবের প্রতিনিধিত্ব কবিবেন।

ल धन ४ वे क्ष्मक्रवादि--नाङ खानरवाद व विन য়াছেন, এজন অবধি ভারতবর্ষে বাবতীয় হিসাব ৩১ এ মাচ দিবলৈ প্রস্তুত হইবে।

### भवर्गस्यके विकाशन। बक्रतनीय राज्येनके भवर्गस्त्रक **আদেশাসুসারী**

निद्योग ।

<sup>২২ এ ডাভ্যারি ১৮৬৭—মিছলিখিড চেণ্</sup>রী माजिएके उ (छ्यूरे कारमहेब्रान वर्ष (अनीव ক্ষমতান্ত স্থিপীকত স্কুরাডেনং----

को नवी छेके। लग्नड स्थारमा, मा महत्त्रप हेनांक, বারু সি, এন, বক্ষেপ্রপাধনার।

২৯ এ আপুয়াহি--ভাক্তৰ ক্লে, আগ্রারণন কলিকাডা মেডিক'ল কালেজের উদ্বিদ্পাস্থের অধ্যাপকের প্রতিনিধিত্ব করিবেল।

রক্পুরের ভেপুটী মাজিটেট ও ডেপুটী কালে-डेत बाबू व्यक्तिगान्त्रण होश किकू मिटनत निमिछ ভবানীগঞ উপবিভাগের ভার প্রাপ্ত হইয়া-হেন ৷

কটকের ডেপুটা মাজিটেট ও ডেপুটা কার্ ষ্টর বারু হরচন্দ্র ঘোষ খানুড়ার স্থানাম্বরিত। श्राद्धन ।

৩১ এ জালুয়াটি—,জ, ডবলিউ, মেঞ্জি अम. এ, वक्राम<sup>क</sup>्त्र (मक्षादिश्वारशक कृ লেণীতে উণাপিত ফ্রান্ডেন এবং পা कारतास्त्र व्यागम शाम निष्ठ भ्रेषारह्य।

স্বেব্ৰেপ্ত ক্ষে, মেস্ফিল্ড এম. এ, কুব্দ कारमस्यद्र এक सम स्वद्रां वक इंडेरवम ।

¢ हे (कळगाहे—এ, क्षक, वर्त्रज ६ ६४४) । श्रीमा 😉 (त्रत्रमा साक्ष क्षेत्रमा ।

ট, সি, ক্রাষ্টার রজপুবের মাজিটেট ও বা টব হইবেন, কিন্তু এচ, আৰু, মাডক সাংখ অনুপঞ্জিকাল প্রাপ্ত অথবা বে পর্যাপ্ত স আংদেশ নাহয়, ভাগলপুবের সিবিল ও সে ল্লকের প্রতিনি।ধরু করিবেম।

এগ, সি, বেলী মুক্ষারে মাজিটেট ও কার ক্টা এবং প্রথম প্রেণী ফুক্ত হইবেন, কিন্তু আ 'उड: 'डीश'रक वक्द्रक्लीय अवर्शस्त्रकेत क्रांत সেকেটারিব প্রতিনিধিত্ব কবিতে হইবে।

টি, নর্মাণ ক্বলীর ডেপুটা মাজিটেট (उशुष्टी कारलकेंद्र क्हेरवन ।

ও ই পেক্রমারি--এচ, ক্লার্ক বাঁকুড়ার মা

ণ ই দেজস্মারি--- মার ডিকম পাবনায় সি भागिष्टेगः हे म<del>ाद्यान व्हेटवन</del> ।

নিমু লিখিত অধীনকু মাজিক্টেটনৰ পদ লাভ করিয়াছেনঃ---

৩ সুষ্টভে ২ সু প্রেণীভে। वातु वावकामान वरमभागाधाः । ने बहरू के जा ।

৪ র্ব হইছে ৩ য় খেলীতে ৷ মৌগৰী মহপাদ আৰহনা। ভৰলিউ, ष्ट्रियाद्व । **अ, त्रि, २१**₹६ ।

e মহইতে ৪ র্থ শ্রেণীতে : बाबु इत्राज्य कत्, चाबुशीमचळू मक्षिक, म কুঞ সবকার, সাহাবলাদা আবেদদালী स्मेनवी जिलादाव .इस्त्रम चारमन वि. अ।

७ हे रहेए उट म (अरीए छ।

মৌলবী আবহল গড়ুয় । বাবু হরস পি ত। বাবু মাবব্চত্র হৈছে। বজেখর মুখো भौधान्त्र ध्वम अ । इक्लाम यरम्भाभिधान्त्र । अ केंड क्यांड । (स. एवंगिक, बुबंश्हे। (से) जाभीत्र ८५१८मन । चाचू केमाञ्चल शांजु ली । এচ, রেলী। খালু গোপালচকা দান।

(زين

#### विकालम ।

जालगण बुविहा श्रीजनश्याप विषय । ১৮৬৭ অক্সেয় ১ লা মার্ক শুক্রবার বেলা , हाह मसम् अक्राह्म कमार्गाल (मनगर सा क, क में प्रम এवंश (काण्यान वक्तक अरी स्टीड বিক্রম অস্তানুদারে প্রকাশ, নিলাম স্থাকা সংশো রেও নদির হ অভগত বালগড় সুদয়। ইতি গাকনসারণ, নামক প্রসিদ্ধ আনত সুগাৰান e সুবিজ্তনীল সংশ্ৰুভ ভূমিও ভংস**হ**ছ গ্ৰুদার জ্বীণারী, ভাতৃক, এলম, বস্ত ৰাসী ণ্ডনি, দরপ্তনি ও কুলিয়া জোচ স্থেত সমু सब्ब पूर्व प्रश्कास दिसम् श्राकाम, मिनारम (४-ব্রুয় কবিবেন : উক্ত সম্পত্তি প্রকৃতির জন্যান। विरुग्ध विद्रुष काम। य हेर्ड भारत अवर एव কেই জানিতে চান কলিকান্তা হেক্টিংশ 度 ট ১০ নং ভবনে ঠক কুলিস ও মার্যক্ষত সাহেবের क्षा, भरत एक क्रिटन यावश्व स्ट्रेस्ड शाक्षिर्वन ।

#### ---:•:---🚅রিত।

সান্তবর জীযুক্ত নোমপ্রকাশ লপাদক बहानव ननीरभष्।

क्ष्मा स्थानित प्रसःशक्ति भाष्माका उन বিদ্যালয় গড বর্ষের কেব্রুয়ারি মালে 🕮 শ 🗟 দুখ্য প্ৰৰ্থমেটের সাহায্য প্ৰাপ্ত হয় এবং জদ ব্যি এমবাসী মডোদয়গণেক অংসামান্য করে উদ্ধাৰিদ্যালয়ের শিকা বাব্য এঞ্জাৰ সূপ্ৰ ণালী**ডে নিৰ্দাহ হ**ইয়া আনিডেছে বে ৰোব হর অবর দিবদের মধে,ই আনেক ছাত্র ভরিবাদী च जिल्लासाह्यासी कार्य, नावन ग हो प्या श र श त कतिएक भातिरव । विष्यानस्यव कर्नुभक्षीरम् अव (गङ्गभ यत्र श्राकाम क.देश) का.रे.८७८६म, छार्। দুৰ্শন করিয়া কোন বিদ্যাপুৰানী ব,জি ভাছাদি গকে প্রশাসা মা করিয়া ক্ষান্ত থাবিতে পাবেম ा अवन कि, अवर्श्यके जाशेश छोल गरें-বাব পুর্বেই বিদ্যাদন্দির প্রস্তুত হইতে আবাস্থ *হর ও এক বংশরের মধ্যে ডা*য়া এপ্রকা<sup>ন</sup> চ্চা*ড় ও প্র*ক্ষর**রূপে সক্ষর হই**য়া উঠিরাছে যে ष्यक्ष मिरुद्रम्ब म्हाः अभग म्हन्। क्रुकेटिन। विद्रम मण्डः खेळ आम मिनामी अवर विद्यालाञ्चन मण्डा मक विक्रम बाबू (नाएनाकाळा प्रदेशनाथ, व्याप्त नंग्र कराज कर,वनांग्र ७ यद महकारत अहे रिक्त কলের উদ্ধ ভিসাপনে সবিশেষ সচেষ্ট রহিয়াছেন। गंड ३ • वि स्क्रम्यावि धांमशनी मरहामवन्त्र विन्ता নরে সম্বেড হইয়া বালক্ষিণকে পারিডোধিক প্রকাশ করিয়াভেন। ভারগণের উৎসাহ বর্জনার্গ গোলোক বাবু সর্স সমক্ষে একটি বজুভা

करान, जीही अवन कतिया (र जवन नामक) व्यक्तित नाहे । कामना वीकान कति । किन्छ পারিশ্তাবিক পার নাই, ভাগারাও সজোষ, আমানিগের জ্বিজাস্য এই, পদের প্রসিদার্থ পরি প্রকাশে পরাওদ্ধ হয় নাই। একণে স্নাদীবরের निकः शार्थमा अहे त्य अहे श्रीमञ् नमस विस्तृति न ही महामन्न नर्भक्त झुरच । जक्तक वाकिना विन्तानका अन्तिक नाथरम न मुश्कूक थारकन । জীনীভানাথ চঞ্চাপ ব্যায়।

প<sup>া</sup>চপাকা বন্ধবিদ্যালয়ের প্রধান বিক্ষক।

সম্পাদক মহাসায় ৷ আপনি হিতক্তা শুনি-(वन म), प्यरमात्र स्मर्थ युविस्टम मा, र्राटकक लिचिर्तम मार धारे , प्याननात अक मह९ (शाव। গত গোমবারের পত্রিকাতে আগনি কেন চিত্ত-ভৌথেৰ প্ৰেৱিভগত্ৰখানি প্ৰকাশ করিলেন? যদি বা প্রকাশ করিলেন, কেন ভছুপগকে ছই একটা 'কথা লিখিলেন? ভাল ব্লিই বা লিখিলেন, তবে কেন মিষ্ট কথা লিখিয়া ডুষ্ট করিবাব চেষ্টা किंद्रिय मा। कर्ने कथा (हिफ कथा) कहिया लाकरक क्रोब्साब श्राह्म का कि ? " क्रिड महनाहावि ह हर्न छ १ वहा व अकि कार्न न स्नाहनन

এছুকেশন গেডেট সম্পাদক লিখিয়াছেন আপনি " যে কি অভিপ্রায়ে এ প্রকার বলিয়া-চেন, ভাষা দেখা বাইডেচে না। " ভিনি কি লা नेरोन, ७।≷ (मचिट्र शाम माहे, आपंद्र किश्चिर थवीन स्ट्रेल्स् (मांबर्ड ना भान, वृक्षिट्ड भादि-বেন '

**फेक गण्याम है जादश मिलिश्वास्त्रम (य वर्ष्ट** ভাঁহার লিখিত বিষয়ের অংশীক্তিঞ্চা প্রদর্শন করা আপনার উদ্দেশ্য হইত ভবে আপনি শাখাৰ "উজ ৭ স্তঃচত মধ্যে ৭ পংক্তিয়ে ৭ টা কথারওউন্নেধ ক.বিয়া ভাষার বিপরীত পঞ্চ ৰ্মান কবিৰে চেই। পাইজেন। ভাছাও কারন ৰাই। " আপৰার গত ২০ এ মাধেৰ পত্ৰিমায় নিখিও গর সিমিস বী চনেব মিনিট ঘটিত প্রস্ত। বস অভিনিৰেশ পূৰ্দ্যক পাঠ করিয়া আপনাব। অভিপ্ৰায় বুঝিলে অথবা '' সর্গান লৈ হা अवश्व कित (काशांक्षण अहे वाक की न्या व किता त्त्रीय हम्न किनि व्याद खेद्भण निष्टितन मा। ४.३१ **रडेक, এक १ खंडकरे प्रका मार्ड जा**यात १ खंडा।

জপর জাপনার লিখিত " সম্পাদক যদি নিৰূপেক হইয়া আপনগর বিবেচনা ও সংস্কারা-**इक्रम निधिय़ा शंदक्त उधाणि (नादक डोहार दि** ভাবে প্রতাম করিবেন না <sup>এ</sup> এই বাকাটী লক্ষ্য ∤ कतियां अञ्चरकाम रशास्त्र मण्यात्म निविद्यार्थन "किष स्ट्रें ए अफाय करियम मा अज्ञा वाका श्राप्तारम साहात्र कि अधिकाव आरह? সত্য, আপনার এরপ বাক্য প্রয়োগের বেলে। ''পাই ব'ক্যে কিছু ব্রিচে সংহ্যী হন নাই। এ

**छ।।श कविद्रा व्यवधा व्यर्थ बठाईवात छाहात कि** অধিকার আং ে? ডিনি ড আমানিগের মন্ত ''কুডাডাকেরণ" নন, ডিনি ড এমন ক্রডা चाहत्रम कतिराज भारतम मा, (य. चर्च न्यू शास्त्र कान (नण्यानरकत्र ) कालनिक द**्**नात (रह নির্দেশ কবেন। তিনি ত সাধ্যপক্ষে কাছার দোব मर्भन करतन ना। अमन माधू चाक्षि इ**हे**ज्ञान অধ্যা অর্থ বটাইবার অনিকার কোখার পাই-লেন ? একি তাঁহার সম্পাদকীয় পদের অধিকার ? ना भस्मारखन अधिकात ? '' स्मारक » अहे शर्मि वर्ष व्यक्तिश्य मिक को माधात्र काक নাকরির৷ কিলপে ডিনি ''কেচই" এই ౣ করিলেন ? লোকের এইন্সিপ অর্থ করা**তে** ভাছার সরলতা কি কুটিলভার পরিচয় পাওয়া বাই-্ডেছে, লোকেই ভাষার বিচার কর্মন। অথবা তিনি অধ খীকাব করুন

আপনি আপনাৰ সংস্থায়াসুন্তপ কৰা লিখি য়াছেন, ভাৰাতে ডিনি কেন এড ক্ষ্ট হইলেন ? ডিনি নিজেই ড লিখিয়াছেন খে, কোন ব্যক্তি নিজ সংকাৰাস্ক্রণ কার্য্য করাতে ভাতুশ দোখী হয় না. ডবে ডিনি স্বাপনার উপব এড পোষা– বোপ কবিতে বাকুল হইয়াছেন কেন? এ জাবার কোন্ সংকারের কার্য চ এইরূপ कार्य।हे कि उँ। भार " याखारनत अ भारतत महाज কাৰ্য " বোধ করিয়াছেল ?

अष्टदम्मन (शहकदेवेत्र ১०० शृह्येत्र ७ व् ল্ডের শেষে যে কয়টী প্রপ্নের ছটা আছে ভাল াদগের প্রকাড উত্রই, মা। ইহাতে কি সম্পাদ্র ম শ্ৰম্ম হইলেন সভাল ভিনি বস্ত্ৰ দেখি। সকল मन्द्रातकहे कि मन्द्राधक ? मक्स (अशाहे क (भग > मक्स (मा क्षे कि (माक ? मक्स स्मा बहे কি সদাধ্য ৪ অব্যন্তরেরে ভাক্সর করে, এমন ুলাক জ্ঞাত বিষ্ণাক মা ১

ति<sup>र</sup>म ११ (स.केंद कलक्छनि ज्यान;श्राता देन ४०२ ७४ कार्ट्स, हेश जकरलहे श्रीकांद्र करत्र ও ७७*न, नै*।शांतिशक नक**ल्ये गांगु वाद क्ष**राम क'ता व राज स्था पूरा थोकूक, कीहा विद्यात सद्धाः (प्रहेमकत **अरमंत्र व्यवसाय क**हिएक সাহস্পীয়াল না এডুকেশন গেলেট সম্পাদক

तिहे नकेश शहर चट्टित किछिता चन केटल ক্রিয়া পোকের চফে পলি মিকেপ ও এক তম रङ् :लार्ह एवं वाच कार्य वाच्च (क 🖣) कविद्यारक्षम । **डॅ:६'র এই চেঠা সারীয়সী কি না ভাষা লোকেই** বিচাব করিবেন। পাঁহার লেখাব ভালী ও কৌলল

কি চমংকার, উচ্চাব সাহস্প কম নয় ৷ আপনি ' পর্পেরকের পকাকেন হইছে এইছেট द5रन इहे अक्की (\*च रावहात कविहारकन »

হৈৰেন ' ৯ সোমগুৰাশ পাঠ চৰগ' আপ্ৰাৰ্ इम (क ना १

होत्र क्षांट्यांटक्षचं करा व्यवनाष्ट्र तं को ० <sub>—</sub>टक्षा । ' ३३८म च ५ (मारिक स्तारकार-च म । क २४. ই দোষ চাকাজননায কি না ৴ রুখা ক'ছ হ ! ধ ঘোষৰ কৰি**তে জনিস্ক**াৰ ইইয়া ৬ প্ৰাণ<sub>না</sub> জন **ल इ**ःथि**डाउ**ःकत्रः **अस्**नः र लारसर् स । मन्नाहरू प्रिटंश र क्षेत्र हैं कि मा १ मन भड़। है লেগকে বঁহারা অভিনয়ন শত্র এলান ম উহোৱা এই ভাবতবদেব লেকৈ দি নান বড় एक्ट्र (मोब म्यन कविष्ठा क्षर)य करते अभन কে অভিডি বিবল কিনা ৷ যেখানে দোষ প্ৰদ कर्रित डेनकाव महाबन। आहर, मिचारन । প্রদর্শন উটিডে কি না ২ সম্পাদক মহাবয় । পনি সাধ্ধান ০ইবেন যেন '' ত গ ড়ক না হয় হা হইলে (এক জন ড পথ পান নাই) জাপ 9 পথ পাইবেল না। কিন(ক্রি'ড়ে। हे कासन **本2.7 万**名

মহানয় ' শুনিতেছি, ক গ্ৰী এপ্ৰেল মাগে গার নিবট আখুীয় ভিল বে*হ*ই *ছ*-খিড, **ছট**-ম এরপ বোধ হয় না। সভিসাধানকৈ<sup>নিক</sup>এক ছার থিব ভানিয়াচেন, ভারাবপর (এ সাচের 🖁 লবিভিয়বে র'জাত্ব কনিবেন। কিন্তু একটি ছি। অভঃপর আব কোন দিবে, পরান এবে-র লেপটন•ট গব∜র হন ইহা ব∤াবেও আহচি ¦ क मद्रहार वर्षेद्रति भि.व नि.संस्थान , अल्बेन हे 🚦

জাণ্ডাডোৰস্য

2901

লি রাজা ভীমসিণ্ডের নায় " মল কলিবে | কিন্তু বালককাল অববি এলেখে থাকিয়া হাঁছারা | প্রমাণ কলিজে প্রদশন করিছে পারিলে য ভিয়া ইভিক্তব্যতা বিষ্ঠ চইয়া পড়েন 🖈 নিজেঞ হইয়াবান। ইউরোপে কার্যের এ বরুস हे, अदर ,यमन "' कुक्रुना रीव वनमानन वजाहे। अधिवक्क मह यहि, कि ह अधारन खाहा स्हेग्रा রয়:বল্ল দী:ড়ায় ৯ ডি'ন ডেখন দী ড়োন নাচ, ∤ থাকেঃ দিউীয়ডঃ সিবি,লয়ানগণ এখানে ধাকিয়া সে ' সম্পাদকের প্রের সম্ভার ও গার্মীয় ন<sup>া</sup> এডকেনীয় সাধারন্মক একপ্রকার **অগ্রাহ্য ক**রি ৄ নসা ও বেবেণিউরোড রিপোট ক্রিলেন ে করিবার জনা এড কৌশন ও সাহস কবিয়া 🏻 তে ,শক্ষা করেন ইংলতে পীড়াপীয়ি না হইলে। ষু থে সরস্ক হটয়া দণ্ডাসম না ধইয়,ছেন এব॰ । ইঠাবা কিছুভেই গান্তোপণন করেন্না। ছভিজের াপনি সম্পাদক হয়ে যে উপৰেশ প্ৰান্তপালন ' সমধ্যে এত কম হইয়াছে, সেই এম নিবন্ধন এত রতে পাবেন নাও হন, সম্পাদককে সেই উপ আনিষ্ট হইয়াছে ওপাপি সাং সিসিল বীভন তাপ ৰ ছেতে হুৰ্নিত লন নাই। সম্পানকোৰ স্থিপ নাৰ লোক স্থীকাৰ কবিতে প্ৰস্তুত নাচন, কেবল ! লা স্থাসিসিলা বীভানেক নাছে। সি কলিং তে ক্ষাত্রোগা হেন্তুবাদের আন্ধর ব।বয়া, ইংসতে গোল্ডোগ চইয়াছে হলিয়া তি ন আয়ে ল'দে,র সহিত প্রয়োধনীয় বিষয়ের বিচান। সমর্গন করিছে যথকান হ**ই**য়াছেন। ডিনি যে কি**খন ৫ জন ভাগে ক**্রিডে পানিধেন না , ভি প্রেনীর অন্তর্গন্ত, হাঁহাবা এদেবের যন্ত উপকারী াৰ কৰিয়া দেখুন, তেনে গেইল্লপ বিচায় কৰি ৷ হুউন না কোন, এধানকাৰ সাইসাৰালনেৰ নিকটে প্রাস্থল ওয়া অংপদান হয়ান কারন: ২০৮০েখ থাছ। ছউক, ব্যামবা জিলাদা করি, অকরেণ धन, विभा अ वृद्धिक भावादर्शन मर्माक्षयान অংশ। এথানকার সাবাবণ মত অভিনয় এবল। বমুদার ড'বতবধ বঙ্গালেশের সাধারণ সভে চা-লিত হটতেচেন াগবিলিয়ান শাসমকট্ গণ ইছা জ্ঞানতেরেন, তথাপি ইচার জ্ঞালাপের চেষ্টায় আছেন ! সে দিবস আনবা আস্চৰ্য্য বিভ হট্যা পাঠ कविपाहि, बर्जनाम (ल क्षेत्र हे भराव बरमाम मात्रक्रि ब्बिट व नवा यक्टार्बय भागम काल हट्या तिविलिए'न भागनकर्क् शर्वा के कार्या अव'लीव মুদাগত অম আছে। আদালতে ধকলমার সমনে বিচারপাতির নিজ সংস্কার যে প্রস্কার ইউক मा (क्या किमि अमार्ग प्राप्त अन्त्रम मा (क्या, यनिकामनायकानी कालन यह वस्ताप्त द्राविदान स्रमः श्रमान (ननः जमसूत्रास्य मास्यः नित्रो पारकनः । प्रजीत काम, माभी काम मनगर कानिएड-ভথাপি বিচারপতি নিজ সংস্থা-ব'লুদারে কাল কবিতে সমর্থ নছেন। সিবিলি-ন্নান শাসনকর্ত্রাব্য ভাবেন ঘটি কাগজে উাহারা প্রাপ্রাটিলের রাজনীতির সহারতা কবিতে भारत्रन, छाड्। इडेर्स काद कान विका नाई!! এক্তাৰে মানীভা ২ইবা সংক্ৰাসহত্ৰ লোক লা फार्रा कविस, प्रध्यावात्रव ही श्काय कतिहरू सन, ুবিনিল বীডন পদভাগে বরিবেদ, ইহাভে গিবিলিয়ান বাসনকর্তা এক রহণ পুত্তক সুন্তিত क रेगा अभि: इ. अक्र विविद्ये विषया अन्यन कहि লেন পীপুৰ সময়ে কমিসনগ্ৰকে বিপোট কৰিছে বলা ভয় । ০েই বিলোটাপ্রদারে সিবিল সক্ষর িপোট কবেন, তদ্মুসারে এক সভা হয়, গাঁহারা আরে বিষয়ের জাকোনন ঊশাস্ত চেখি-। ভাব এক বিশোট করেন। এই সময় মধ্যে শীস্থা भाक्ष इहेल । क्रुख्याः भाजमकर्द्धा अविरतन क्षां गुनाव काटकरं अभवं म इहें हा । अस्तर मंद्र कर्णा हाविश्न मिनिष्ठे लिखिएक या अष्ठ कालपारमम । ত্রি হন, ডাহা নিডাত বৃদ্ধাল বলা যার না । ভাগর কারণ এই, ভাঁযারা কেবল কার্বনকভার

জ্ঞান করেন। উংকলে এড লে;ক প্রাণড कविन, श्रकाष्ट्र काल मात्राष्ट्र मध्यामन ভাহা অবপত হইলেন, ভথাবি কমিননর বে इर्डिक बाई, हेश अपनेत कार्या नव नि वीर्डन आसम्बदन करिएड हार्ट्स एटर र कि स्त्र के दिश्य ? कप्रहाद्विशन ज्वलनाथ इह कि कमा छेनाव नाहे ? तह होराख ( (अर्था भारत्रत अम श्रकान कित्रक्र हा **छै**।इ वान अञ्चलितिहास्यत छेनात अञ्चल करि পেষে কোন বিষয়ে সমকক্ষতা স্বীণাৰ ব अदेश मिर्शय बादा ब्यु मर । किन्न देशीया বোন না একজন মাজিক্টে এক সমূৰ হ'বে कुछ करिया भार भावेट भारत्य। सामसक्ड জাহা করিলে স্পাষ্ট জানিষ্ট হয়। সি.বিলিয দিগের এই দোৰ ব্যতীত কার 🐙 দোৰ বাং হাঁছারা চিংজি মংগ্রের নায় পরশারকৈ অবং इन ७ शतुर्भारत्व (मार्च भागन करहन। बन्नाम সেটা করিবার সময় জন্ডীত হইয়াছে। এক रुख्यि गार्ट्स्वत मान्न बाक्टिकेटेटक अनक्द दः अक क्षकांव मानावन मस्टाक नदि हलन कर' इ সিবি লয়ানদিশের আৰু এক লোব বাহাবা কর क्षति कुनश्कादिविभिष्ठे । मानवन्दी व्हेन्ना छ। फाल कब्रिएड भारत्व मा। अहे तकन कार्र वक्राल्टलत् मात्रवन्तर्क एक हेश्नस्य इहेटल ज्यावा कत्रा कर्डशः अनुस्य प्रशास्त्रमः २०८। শেব লাসম কার্যের প্রয়োজন। সিবিলিয়ামে এহবীর লাণ্টরণ মাজে, সহত্র বৃদ্ধি থাকিলে বেখানে আলোক দেন, সেই খানই পরিছ हन्न, कात जिस दिक जिल्हा हारमञ्जू शास्त्र। मार ব্যবস্থা বিদ্যানিখা বাণিকা প্রভৃতি প্রস্থানই वक्रताम मर्तामा जारमानम स्य । अयान भीमारमा करा हुए, मुनाय काहरू वर्षत सा প্রাধ্য। এমত এবত র সি.বি লয়ান লাসনকং আবুনিযুক্ত কর। জনগর। কাম কাতে প্রস্ত ব্রিডেছি, বে ঘাই ও মাজাব্দের ন্যার এবা अक सम चट्ड भागवर्शक करहोसन বোধাইয়ে ১,৫০ লক কোনের বসতি, এবা a - - नक (माक भारत्यः तासक, नकाप निका शकृष्टित विश्वतः छ एकता स्यामा, वि वाशहिता अक कम अवक मात्रमक्की अध সভা আছেন, এখানে এক কনতুদ্ধ অকলন্য সি লিয়ান বংসারের অভেকাংশ পর্কতে ব্যিয়া যা क्रम् ।

क्रान्तः मञ्ज्ञनात् अवस्थारम् व्हार सनवर হইয়া বলি কেই পডনোপু ব এক বণ্ড ফুমির ेशर केंद्रिया ज्यानाच्छः जीवम अका करत्र. এবং ভত্পত্নি সভান্তমান হইয়া ৫ডিক্সৰে আসম মুবুৰে প্ৰতীকা কাৰতে থাকে, এখন সময়ে অন্তিমুরে একথানি অবিধান দর্শন করিলে क्षेत्रकृतं भटन रवक्षण क्षित्रकृतनः व्र व्यक्तिस्य क्षेत्र इष्ट्र, २० अ व्याचार्यका । हत्र व्यवनीत व्यटकत পর গত অভূতপুর্ম ই:ড'কো হাত এড়াইরা ও थान हार्डे लाह याथात लायग्रा लाएकत भरन राहे सन व्यामरकत , क्रेन्स एरेसा हिन । क्रिक कारी ছুভিক্ষের আগভা ফ্রেশ: সেই আনক্ষের স্থান আধকার কডিডেছে। ২০১ মাস পুর্বো এখানে व हेरका सब्बीय हा छेटलड वन वजां छ एरेग़ा दिन। ভেম্বৰ্ণনৈ সাধারণের বে কি পৰ্যন্ত আনক হই-ब्राहिन, खाहा (नयनी धारा राक क्या राष्ट्रमा। বোধ ব্ইল এক চি.মর পর দরিস্নিবের উপর লগৰীধরেন কুলাঞ্চি পতিত হহয়াছে, ভাহাদি-(शब्द क्षत्र विशेषक कार्ष्ट्र हत्रमकान केलिकि स्टेब्राट्ड। किन्न अकरन तारे ज्यूबानरक अन विश्वा (वां। व्हे:जिक्तः। 'क्रमनः ठाउँ त्मा मूना -वृद्धि स्हेन्रा अकरत क्षांत्र आ॰ होका वर साझाई-मारक। क्रमनः व कायुक्त वृद्धि क्षेट्य कारा व विनक्षन त्याप स्ट्रेटक्ट । सनीय ठाउँत्वय ৰ'আৰাৰ ও এইরূপ ' আৰার বালানের বিধয় শুসুন। আমরা হই জন বন্ধুতে সংক্রতি এক দিন) অনুভরোজপুরের গঞ্জে প্রের নিষিত্ত বালান हाडिन क्षत्र के ब्रह्छ विद्या छ मन:ब, आंडःकोटन < हार्डेल o. • होका मन विक्री क हहेब्राहरू. जन রাছে ভাষ্ত্র মূল। ৪ টাক: ভ্রাড়াইয়াচে। এরপ मुना इचित्र कारन किलामा कवाटक लाकानगत्र क दिल, " बद्धबद्ध। आहम ७३ हात्र विविद्यायाज्य क्ट्रेटक क्यानिटक हैं । क्रांडेटलय द'झांद्र (सङ्गा / वं की मण्याह क्वेटन ? এझना खांवडवर्षक वं,रि দেখিলা আইবাৰ, এখন ৩ : ৪ট'ৰা মণ প'ই (कट्टम २ । ३ सिन **च**'कूम, जिल्हित भाहे तम । ० काविनाम अवाद क्षिएक व्हेंद्र बद्धहें गुइन्टक मर्णन क्विट्ड स्ट्रेट्य । कि क्वि, मा स्ट्रेटन मग्न । ১) ৪ বিন শরীরের শোলিত শুক্ত করিয়া এবং निर्दारदस्यात समहा सञ्जना कृतवर स्थान कहिला বঞ্ পবিশ্ৰম সহকাবে বালা উপা কৈও ব্ইয়াছিল ডবিনিময়ে ১০ সের মাত্র চাউল লইবাই সভাই চিত্তে গুছে প্রভাগেলন করিছে বিল। আম.সি গ্যের না'র কবস্থাপর ব্যক্তিনিখেব পরক্ষ যে ইয়া খ্ৰিরণ কটকর ভাগ সক্ষর ব্যক্তিমারেই *অনা*-ক্লানে ক্ষয়ক্ষম ক্রিডে পারিবেন। তবে অস্থান ইয়াহে বলিয়া একণে ছত ক<sup>চ</sup>ংইভেছে না। ाष बारत छ अहे। अथनक ৮। à गान चारहा

रेशंत्र भक्त कि श्रेटर वना यात्र मा। अर्थ गमश्र , **मिषित्रा चारमरक्ट '• चंत्ररभाक्षः अस्त्र अिहर**व বেৰ কানের " নার ভীত হইরাছেন। এই সময়ে साराज्य प्राचित्र प्रमुख्यात कृषि मा स्त्र अवि- विस स्टेग्नाइ । अविवास क्वम देशमधीत अवर्थ बर्द्ध बद्दवान इञ्जा गर्कर डाकार्ट्य कर्ह्दर । अङ्ग সংখ্যার নিষিত্ত করিসন নিছোগ অংশ কা অংগ্র ভাষার কারণ অসুসন্ধান কবিরা তৎপ্রজিবিধান (इ.स.) कि छेड़िक सरह २ विश्वा श्वासिकारक चकालपृद्धा रहें(७ वका कतिवात मि.विश्व ५०%-বাত্রার প্রতিবেদ চেটা পাইয়া অফুত্রিন প্রজা-स्टिक्टिकाइ शतिष्ठय स्मन, अहे मकल एक्टव विषय कि छाइ। भिट्रान मटनाटवाट्राव व्हागः নতে ? এডবারা যে গঙ্গার কড হুয় জীর্ভি হইয়া থাকে, তাহা উভিন্যাৰ দিকে এক বাব দুক্তিপাত कविरम्हे विभागन प्यप्तृष्ट हहेर्द । प्राटक्ष **डाँहाता** यहि वाखविक श्रकाव कन्यानाची स्टेता আগিয়া খ'কেন, যাহাতে আনাদিগকে পুনবায় লাকণ আহকটে পজিত ইইতে না ক্র, তাহা कक्ष्म ।

কোদালিয়া ৷ २१ अ व्यः प्रशासि । : F87 1

কৰ্গচৎ **দুক্ত** কোগিনঃ

🐃:বিসিমিয়: ও ভারতবর্ষ।

মহাশর সম্প্রতি একটা ইউরোপীয় টেলি वाद्य प्रथम - क रेलाम, लाफ वार्रवादन मामन कब्रियाद्यम् यनि अद्राध्यत् अद्राप्ति कर्तान निष्ठाः ওয়েনার অংকিনি নিয়াণ রাজাকে প্রাহর্ণ নিয়া। খানীনতাও ধরণ কবে নাই। শীক বৈনিক্তে ইংবাজ কয়েদিনিগকে মুক্ত কহিছে না পারেন 🍐 যেখানে দেখানে পাঠাইবাব কথা গাঁহ'রা বলেন ভাহা बहुरम उथाय देनना ध्वरण कतिरान লাভ ক্র'ববোরণ কাবিসিনিয়ার রাজাঞ্জে দত্ত দিতে উদ্যত হইগ্ৰছেন, কিন্তু কি প্ৰকাৱে একা-बाल इट्रेंट इट्रेंट कि ना । यमि जान वस, আম্বা জিজাসা কৰিছে পারি, বাহণ থিও-দ্ৰেব্যের সহিত বিবাদে ভারতবর্ষের কি সাপ্র कार्य २ वार्डकवर्ग (वार क्यू खार्मन वाळा थि १ ভোবের সহিত বিবাদের কাবৰ কি ? প্রায় তিন ∤ বৰেন উপ চাব সাধনাৰ স্থাপিত হইয়াচে তথার वश्यव इहेल. बाखा विक्टप्टाव हेश्लप्रश्चित्रीरक এক পত্ৰ লিখিয়া ভাঁছাকে বিবাদ করিবা প্রস্তাব কবেন । এই প্রের কে'ন প্রয়য়ত। (म छत्रा क्यू अ'है। बद्र हेरद्राक्षी परवानणद्रत् ' शहरत अक्टलाटामा विकास कहेश गांत्र अवर রাজার নিকা ও ওঁছোর প্রকি বিশাস প্রকাশিত বিশাসের শোচনীয় ক্ষরতা নতুনপথে প্রকিত स्प्रा विषे चारकारन चित्रमात देशनांक वन्तन । ७ आंद करबूड प्रमास्य कोदाक्रम कराम । जिल्ले অভ্যাপর যে পত্র প্রেষণ করেন, লাভ রসেল / সম্পানকরণ যেনন খানিত। এইকারে ব্যাসক हाक्ष **क क्रम्ब काम क**्रिया (काम धारू। छव (कम र क्षेत्र) कास्क के त्रिया शासक प्रत्ये किया (ता गाय

गाई। (महे चर्याय चारतक क्रिक्टी इंट्रेज्डि, क्रि विकृष्ण्यहे विभागन मुख्य व्हेरण्डहर ना । विक ভোৱেৰ ক্ৰোৰ লাভ রদেলেৰ নিৰ্ম্ম দিকা নিৰ (म:जेत महित स्टेरिक्ट्स, क्ट्रक क्षम हैरताव विकारक पूछ कवाई विदारनत पूर्व छैटमना বাণিজ, অধবা অবঃ কোন জাতিসাধারণ আগ नवक<sup>9</sup>ना सरकः अवस्थान कात्रक्वर्वस्य रिवाटन व्याक्षत्र कविया कर्यक्र मण्ड छात्रख्याँ। रेमरमाव क्षान अवरयक नक्ष छाद्रखबरीय होक নই কণা যুক্তি ও পালনীতি সঙ্গত কি না আম 1 এ প্রস্তাবের স্পষ্ট প্রতিবাদ করিছেছি खात्रकवर्व देश्या छव भवीनश्च (मण न**रम्बर ना**हे हेरलट खत्र व्यादमाक वहेटल काइ खरवीं व 🏬 मा निगरक गुरु (अतुब कत्रां अक्तां कर्म विव সে বিশেষ ক্ষলে হটতে পারে মাত্র। ইউরোপীয় কোন রাজেরে সহিত গুল ১ইলে এবেশের শীর্ষ कथरः ७७थः रेगनः क्षित्रं कतिबात्र वाक्षः नाहै। किश्व अ'विनिधितात कि श्लीत्र आहरू ? स विवास क्वन है सार्धन पार्थ एथा माधानि-গের ক্ৰিংয় ব্রান অবশ্ট অভ্যাচার হই-(उट्ट। याहोता नामन है'ना छत्र छ छोत्र हदाई। यार्र अकृतिक, व्यक्त अव है जित्य है । त कार्र्स ভাৰতবৰ্ণক সাহায় করিতে হুইছে। আখ্যা डीशामित्रहरू के कथा कान'इ'ना मनित्रहरू बिक्ष:मा कविरुष रशिएए.हे, खश्च अन्याप वाभागितात नाजनधरानी वानाकात कर्द्धव উহিদিনকৈ আময়: বলিতেটি পূর্নে ভাষত-ব্ৰীয়ালৈগকে আইবিদ্লিগেৰ ন্যায় সভা প্ৰদান না कट्टिय्रा अकदा (यम ना वरतनः।

€.

ट मिक्टर प्रजातिश्कोती होन्त्र व বিলি **সাছেবের** অ চবে।

बरायग्र ' (र मध्य श्रकामः कार्य,।काः) मार्चा-वांक्रिवृद्धः दश्वीद्याधिशन च च दर्शनः क्ष्मि कांब्र महार्यादाहरू मण्यास्य कांत्रेएक व्यक्ति कट्टाम, फाक्स इक्ट्रेन के जनम काकात्रत जालाय प्रदेशमध इहेर्ड श्रांक । अञ्चल म ह इदवक्। शक् उ नव বরবের প্রধান উপার সংবাদপত্র। সংবাদপত্র

শীল হরেন, তেখন আৰু কেছহ হয় না : জন্য যে **डेरक्टन এই विवरत्रत अंगन** फ.वट इ वांच, रङ्गाम **फोक्: निर्म्म निर्देशमा कः ४८७.४, अञ्चलक श्राप्ति** कर्वभाउ करून ।

होमबीत हिक्सालय ए किन्न अधिक दान ও তথ্য বিশ্বাদ ভাতৰ বেল সাহেব খীয় प्रश्ना क क्रुडिकिश्यात छरन (व क्रियन यन वी इब মাজেন, ভাষা মহাশ্যু ও মহাশ্রের পাঠকংর্গের व्यविभित्र नाहै। किन्न धः एचन कथा कि वलिन न এমত উৎকুষ্ট স্থানেও এক উন্ধত ও এ বিবেচক স্বাক্তি বাস করিভেড়েন ! কিছু নিম হরণ, নিবা– द्वनहत्र्य प्रदर्शभावतीय नामक अक कांकि कर्यन পীড়ায় কাড়ব হট্যা জাবোগ্যলাভের প্রডা:-चाब हो प्रवेदि हिकिश्यालस्य अभन करिया हरतन । ভাষায় প্রথমত। দল্লার ও বিজ্ঞা ডাক্তা বেলি সাহের ব্যাহর সাহিত উচ্চার বেশি পানীক্ষা কবেন अवर प्रस्काती कन्ध्रादी स्वत सहिश्य प्राप्टश्यक अवन मिर्ड बर्लन । अन मिन्स निवाहन वाबु नीइ'ड किक्किर डेनमम ताथ करिया पुरुताप्र केक हिरिश्मानस्य शमम करत्न। शूर्वामनस्य সমরে ( अभव:क १३० घडिका, यथन करनक রোমী যায় ) তথায় উপজেত হইরাড়িনেন, এদিনেও সেই সময়ে উপস্থিত হয়েন। কি: ছঠান। বশতঃ বেলি সাহেই অপ্নয়াড়ত क्रिलन, अवर क्**टि**द्रांभीत कष्महात्रिमरशत मरक কেবল রিলি সাহেব ডংকালে আড উঞ্চ ও এনি ব্যু ক ভাবে বোগী।দিগকে দেখিতেছিলেন। নিধা त्रद वाबु डिंग्डांड भी दांत अवका तिनि मारश्रदेत निकृष्टे वर्षन क ब्रेट्ड खेनाङ इट्ट्रेस ब्रिजि जारहर अरकदारत उद्याध महकारत कर्मन ও प्रसीकः बार्यात कतिहा डीशांक डेबर मिए अनुमाछ হন, সুভরাং ভিনি ঔষধ না পাইরা বিষয়ভাবে বাসীতে প্রত্যাগমন করেন। হাঁহ'ব প্রতি সাহে-বের কোপ হইবাব চেডু এই বে, ডিনি অপরাহ 🐠 ে উপস্থিত হইয়াছিলেন, সাহেব সে সময়ে **কর্ত্তর সম্পাদন করিতে অনিচ্ছা করেন। বে मक्क प्र**क्तीका श्रद्धांत्र कहा प्रयू, खाहा ३४ हे আছুরারির হিছপেট বুটের ক্রোম্পত্তে প্রকা-निष रहेप्राह । छार' भार कदिता विनि म'रह-বের অভাব ও ওলের ডর্ন কথম বিশ্বী ডি जालरत्र निमय इस्ताः ' फेंरहात नशास्त्रवात ख আচরণের জন্দর পরিচয় শাওয়া বার ৷ রোগীদি গের আবোগালাভ দুরে থাকুক, ভাষারা ভাঁচ্রে निकर्षे गोहेरक हैका करा ना। छाहात्र चलाव এখন পাৰ্মিত ও উঞ্চ বে তিনি এতদ্বেশীয় प्रशिक्षित्रक होत स्मराजिद नहां प्र काम कवित्रा ভঞ্জপ ব বহার করেন। এক্সের উক্ত বুছিনান।

िन म १६८व । किक्टी करमुक्ती **८ भ क**रिटल है, তি,নি তছতার প্রদান কবিয়া সাধারণ সমক্ষে यभाग मनभन करून। होप्रजीद हिकिएमानएद्रम् .। व तकाम महत्व वक् २६ श चारक ? विकि मारहर त्य अवशाह धक्कर, मञ्जामन कहिएक ইফা করেন না, ভাষা নিবারণ বাবু কি একাবে 🖠 জানিবেন ৷ যত দিন প্রকাশ, বিজ্ঞাপন ছারা অপ''ত কালীন নিরূপিত সময়ের পার্ডবর্ডনের विषय म र्वमारी । त्यंत्र (भाष्ट्र कडा मा स्ट्रेटर, खप्ट विन वादक कि क्षकारिक कानिएक क्षेत्रिक ? यशन देवकारण छेलाञ्चल इहेबात जिरमव इहेरब, তখন কি কেই ডংগময়ে চিকিৎসালয়ে গমন क.वर्ष २ मारहर कर्डका मुल्लाबय कांत्रस्थ व मध्, उक्रमा क साथी श्रेरक्टह ? वांशी ব-জ্বির। কি হইডেডে ১ বড দিন চাদনীর চিকিৎ गानापुत्र कर्जुन क श्राकाना निष्टय बाढा देवकारमञ क्ष ह रू मा कतिरवम, खड विम तिथि नारहर क (नरे मनदब्रु कार्यः) व्यक्तिका वा व्यवदशनका প্রদর্শন কণিতে পারেন ১

भण्यानक महानव ! " खप्त मा इहेरन खरप्तव ব,বহাৰ বুৰিজে প'ৱে নাম এইটা সিদ্ধ থাক।। নিবাবণচন্দ্র মুখোপাধ্য'য় অভি ভন্ন, শিই ও ন্যায়পর ব্যক্তি। তিনি **ক্রডমা জ্বরে বেলি** সাহেবের চিকিৎসা ও অপ্রণম দলা স্ট্রীকার করে য় ছেন, কিছ বিলি সাংহ্ৰের সন্ধাৰ্থায় । আসিবে, এক নাস পূর্বো ভাষাবিগকে বি শহার চিঞ্জারণীয় থাকিছে। অভএব **বে স্থানে** এক ক্ষম উদ্ভত ইউরোপীয়ের ব্যবহার একটা প্রানির চিকিৎসালয়ের উপর কলক্ক আনযুক্ত করি তেছে ও ভগুলক লোকের উপকার না হইরা ব্যুৎ অপকার হইবার সম্ভাবনা হইভেছে, সেখুলে সংবাদপত্র সম্পাদকপ্রণের ভীম্ব কৃষ্টি অভি আবশকে।

ভবানীপুর। यमस्य । এরনিকলাল মুখোপাখ্যার ১ লা কাৰন। 329**%** 1

#### युगः श्रीविः

क्रिपुक बाबू इन्मायमध्य द्वाप्त अन्तिप्रमदानी ১२५७ कास्त्र बहैएक १३ जाय 7.0 ৯ চক্রমোহন শব্দ রার চৌধুরী क्छीनगः शुक्र देशी ১৮५१ काञ्चम्राप्ति स्टेट्ड ভिरुपन " ছগাঁচরণ চোধুরী নভাইল ১২৭৩ **কান্তন হইতে** ৭৪ জাবৰ **এ**ছক বারভার ভূল সম্পাদক বাধরগঞ ১২৭৩ মাধ হইডে ৭৪ পৌষ

" (कम जुर्गाथ प्रख बिन् है

#### (मामश्रकाणमः कान क्राइक्के 🔧 विद्रमंद्र नियम ।

ছাত্রিম মূল্য ও ডাক মাফুল না পাইলে মধ पहल (भारतकान (क्षतन करा पात्र मा)

हर्'त क्राधिम मूला वार्षिक ३० अवर वान्। तिक el: • हेक्कि, सक्चरत फाक्काञ्चन नरम বাৰ্ষিক ১৩, ৰাণ্যাসিক ৭ এবং ইক্সমাসিক ৩৮৭ তির মানের স্থানে অগ্রিম মূল্য লওকা যায় না हिंख, दश्चांच हिंदी, मनिव्यक्त स, त्यांत्रे, अ है।" क्रिकिंग, इंशत जनाजत वाशाय वाशत अवि হয়, ডিনি সেই উপায় ছারা মূল্য প্রেরণ ক বেন ৷

बाह्यत्रा हो अमिकिंग भारतिहरूका, ई হারা বেন এক অথবা আধ আনার অবি मुल्यात ও क्रमीरमत क्रिकिंग थ्यक्रम ना करत्र

যখন বিনিমক্ষল হইতে গোমপ্রকাশে মূল্য পাঠাইবেন, ভাহা বেন বেজিইরি করি **জীগুক্ত খাঁরকানা**ধ বিদ্যাত্ত্বণের নামে পাঠাই (पन १

व शिक्षित्रम् मूनाः विवास नमप्र अफोफ स्वे লিখিয়া জানান বাইবে, কাল অতীত হয় নেলেও একবার চিট্ট লেখা হইবে, ভাহার ' এক মানকাল প্ৰাতীকা করিয়া কাপজ বৰ ব বাইৰে। শেষ বারের শত্র বেরারিক<sup>্</sup> পার্ श्रुटिय ।

মাডলা রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেস্ট্রের ড ব্যুর চিট্টি আইলে আমবা শীত্র পাইব :

ৰীয়ারা মাসুল না দিয়া পত্রাদি প্রেরণ য বেন, কাঁহাদিখেল সেই পঞাদি এচন ৰাইবে না ৷

*रकर शामक्षकारन विकाशन किए*ड रे করিলে ভাঁহাকে প্রথম জিনবার প্রতিপংক্তি আনা ভাষার পর ৴১০ জানা বিচে বর্ষা विनि अधिककाल विकाशन निवास हैंक्। कति থাহার সভিত খডার বন্দের্ভ ইইবে।

এই পত্রী কলিকাতার দক্ষিণ পূর্দা বা রেলওছের সোনাপুর ষ্টেসনের ছব্দিণ চাল শোভার জীবুক্ত হারকানাথ বিদ্যাভূব रामिएक सर्वि गायगात साम्रकारन अका **33** 1

## मियायका क

১ স ভার ৮

১৫ সংখ্যা 🛚

## " अवर्णतां प्रक्रतिविताव पार्थिवः सरस्वती श्रुतिमदती न दीवता ।"

वानिक पूना ३ केका, प्रतिम वर्षिक ३० ) काका , प्रतिम वानाज़िक दश केका ।

গ্রচন্ডৰ। ২৫এ কেব্ৰেয়ারি

यरन्यत्व माञ्चनगरमञ्ज्ञासिक सर्विक ঠাকা বান্যাসিক ৭, ও ক্রেমাসিক ৩

## বিজ্ঞাপন। निके अर्थायकात्रिम रम ।

मुख्य जाबाहेग्राङ्गि अवर नतीवारमङ् किट्नार्जात शकुष्ठित सुविधात सन्। मर्गम मूट्नी बासाहतत **क्षकि क्षेत्र हरत विक्रम क्षितक । सक्षम हरेएक !** क्षेत्रपद कर्क क खादाय पूना पत्रक मिहि, एकी মা বরাতী চিঠি পাঠাইলে আমরা 🚵 वर অতি সমূত্র পাঠাইডে পারি। উষধের খুল্য বীহারা व्यक्तिएक हार्ट्स, जामदा क्रांक्टबारमं खाँशपिरमह নিষ্ট ভালিকা পাঠাইৰ '

দার চিকর কোং। ,, ৰছৰাজায় জীই নং ৩২ বাসী।

रञ्जरहिंखा ।

बूह्यकड्रेक्ट किया ७ वाकामा चार्याम नहिन्छ, जरम्ह छ कारमराजद न्य कि माखांशांभक | 🚉 😎 चन्न फहरू निरदायनि कर्जुक नश्रामीयिए । চৰ্চৰিয়া গংখুও পুস্কালয়ে বিজ্ঞাৰ্থ আছে पूजा ७ इत्र होका ।

**बिरह्माच नाइनकानम**।

(त्रम द्वरत करें] डेमात्र अकृष्टिक বিজ্ঞাপন

কল্ল ৰাইডেছে, যে জেলা বীরতুদ্ধের অভগত रुप्तम्बुद्धक मारामकी रहेके गरकांच स्थानशुक নুৰ্ক জন্মীয় খালকাৰ্চ নিল কণ্ডপুর সাকাষে ১৮৬৭ সালের ১১ ই মার্চ ভারিখ

भागवास हिनदन जीनांत्र मुद्रा वाहेदवः ूर् हें विद्वत निवादनंत्र विवाहनामिक ें किंद्र शंकात हुन सार्टि, जेवेरे सहक्रेय विकट इंडर (तमकात भीनत कि मान का कि

क्षातिम्,अपूर्वाः वे कार्ट प्रकारक गाउँ । अभिनेताल प्रविदाह जना ३२ है। पृत्रक अभ गाउँ क्रिका जनग विक्रंप कहा गाँदर ।

श्रीकार मीटि गर्फ ७६० विशा समन चारह. निनाम **मार्क 'र्हे**वामाञ्ज क्षरकाक पतिनगारवत ভাকের মুল্যের উপর শতকরা ২৫ পটিশ টাকা আমরা বিলাত হইতে উৎকৃষ্ট উবধ সকল হিসাবে আমানত করিতে হইবে, আর মুলে,র वाकी होका मिनारेयह छात्रिय स्ट्रेटक ७ मार्जह মধ্যে গাৰিল করিলে আখানতি টাকা তক श्हे(व ।

> थब्रिश्नाव (नाक्टक न्नांड वृक्षिटक स्केटन (व নিলামের ভারিব হটুতে ৬ নালের মধ্যে সমুলার <del>জ্বলু ড়াটিয়া খুলিভি</del>ন্ন করিতে হইবে, ভাষা मेर् केंब्रिटन फेक्स निवाद शटक व्यवनिष्टे व त्रकादि থাকিবে, ভাষা নাবালকের ষ্টেটের বস্ত্র গণ্য रदेश हानि निनाम स्टेटक भारतियः

रिम्बर्य करें किया क कार्य महासम ও অন্য অন্ত ব্যক্তিলিপকে আহ্বান করা বাই-क्टर व बद्ध रहेए जाराव अन्त पृष्टे कत्रिया অধিকত্ত বে কোর্জেখার সংবাদ সভরা আব-भारत इ.स. व्यागात जीवृक्षा कारतहेत्र मारहर অথবা নিষের আক্ষরকারী হ্যক্তিব নিকটে লিখিলে প্ৰাপ্ত বইবেন।

মেলা বীঃভুন সিউড়ি 🕩 ६ व स्टब्स् 🖟 🔻 3 F # 2 F

মেনেভাগ টেট হেডসপুর।

देके देखियान द्याग्यद्य ।

विकालन ।

( পীপু ওড়িস ) অর্থাৎ ক্সাদির পাইট

पारा উजयब्राल वाक्रवन्ति रह न'र्रे फाशत विषय ।

- এডখারা সর্কাগারণ অনপ্রকে আড করা बाब्द्रपुर्वाह, दब ध्वानामी 🖔 मः बाद्यमः व्यविष মীচের লিখিড ভাঙার পরিবর্তন হইবেক।

পীন্ততম্ অৰ্থাং বল্লানিয় বিলাভি প্যাক क्या गाँदिक व्यवस अध्यक्षणीय महाक क्या गाँ । जे सम्मितिन जे

ইট কাৰ্ডের বায়তে বন্ধ থাকিলে বিভীয় সাঁচ **क्षाका क्यां र प्रवस्ता शक्त मार्ट्स है** खा অৰ্কপাই লাগিবেক,।

এবং বে সকল পীস্ভতদ্ অৰ্থাৎ বিজ্ঞা राष्ट्राय ( भाक कहा ) व्यर्थाय त्यांका इब मा ভাহা ভৃতীয় স্লানের ভাড়া কর্বাৎ মনকরা প্রা बाइटन इन्द्रामी अक शाहरद्वत किम कारण इहे ष्यरम नागिरवक

বোড় অব একেসি के हे जिम्राम (नमक्ट्र হাট্টন বলিকাডা ১৮৬৭। ৭ ই কেব্রুরারি

সিনিল ইকেল

-:0:-

স্থাদ ব্যালয়ের নিম লিখিত মব; সক বিক্রবার্থ আছে:---

- ১ আলবির্ন রয়াল প্রেন
- ১ বড় প্রস্তরের ফালী দিবার মেজ
- ২ রোলার
- ১ সগুনে প্রস্তুত্ত হত্র বাঙ্গেরজাকুতি (সম্পূ
- ১ বৃহৎ কার্ছের হটপ্রেস
- **২৫** সিলবোড
- ১ বৃহৎ ইপোজিঙক্টোন শূেম সহিত
- ৬৫ পাউও ছাপার কালী

राज्या जन्तः।

১ মণ এেট প্রাইমার	অক্ষর
७ वे इंश्लिम	à
৭ ঐ স্থলপাইকা	à
১ ঐ বর্জাইস	à
্র ঐ নামা প্রকার	à
সাইন হাক জুকেশন ইভানি	Š

#### देश्याची प्राचन ।

**ংলাড়াপাইকাজকর (প্রায়মূত্তন)ইটালিকসহিং** 

- ५० वे रहा है। ० जे जिनियन मे Ġ.

হেতলাইন অক্ষয়: ২লাইন স্মলপাইকা লছা ২ ট মিলিয়ন (बाउँ भारेका हाथान थे (हाउँ वाटक ১ কোড়া পাইকা আন্টিক ঐ পাকলা € ر É Œ (413) । इस अ € পা'ডলা è ান পি হিল এণ ব্ৰৈড ২ লাইন মিলিয়ন ইজিপসিয়ান Š লঙলাইম'র দেমসিরিফ কাৰে আনবাৰ। ४ (ङोङ्गं वांक्रमा व्यक्तरावद (क्ष्म जे हे:ब्राकी ১ - প্রস্তুত বলেলা বেশ ৪ - টী অংশ ८ थान १८००। कि ६८७ है। ८ **१७ छ** ५ कि । ० (रहा ) (मकुर (४५) 8 हेटा। **७.व.** जनः :

৪ পিড়ালের নালেগালি ডক্টিক।
১৬ চন পিড়ালের শল।
৪০ নাল পাইকা কোয়ারেটা।
১০ কাটি পাইকা ক
১৪০ ক কোটেশন।
১ এই কোড়ে ভিল্ল ভিল্ল ভালার কুল কিনারার জন্য।
১ একার কুল কিনারার জন্য।
১ একার কুল কোল। ৩ প্রবার ভেল।
১ হেনি চেল। ৪ রর'ল চেল।
১ অর্থ জলকাপ চেল।
১ কর্ম জন্য ক

় ৰদ কল কবিবার পি তলের 🕉 🕞 ।

নিবেৰ উপর নানা প্রকার ছ'চ।

বাল ইন্পোজিও আদেশব।

১ মানেই ৷ ১ নেবার ৷• ১ জীতা ।

উপাব বা ইব মুজ'পুর ) জিলান্ডাল বিশ্বাস

• মান্তান নলা ব্যাহ্বার বুড় ক'চ।

স্কান্ত্রার অধ্যক্ত

সংস্তৰতের পুতকালার নিমুখানাখার বি ১৫ নং বালি হছতে কর্পন্তালিস ক্রীর্ট ১৯ নং সাবেক বালীতে উঠিয়া আলিয়াছে। ই মাষ ১২৭৬। জীয়ে তীচন্দ্র চট্টোপারাায় অব্যক্ষ।

জীয়ক রামকণল বিদ্যালয়ের প্রণীত কুতিবাদি সমায়ে একখানি অভিনান সংপ্রতি ত ইয়া মংকৃত ব্যালয়ের পুরুষালয়ে ত পাথারিটোলা মাধনতরালার ক্রিডে আপুজ ঠাকুরদাস মাষ্টারের কুলে বিজ্ঞার্থ প্র-ভত আছে। ইহাতে প্রায় প্রভাক পর্যের স্থাৎ-পতি অর্থাৎ থাতু প্রভায় স্মানামির উল্লেখ করা হইয়াছে।

हुना ६ नाइ है।कामाज ।

नानगण्यूषिता नीमनः बनाम विवतः।

अन्ति अस्ति अस्ति स्वानि स्वानि त्या विश्वान अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति स्वानि व्यक्त स्वी कात्र स्वान्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति स्वानि स्व

ঠনঠনিয়া সংস্ত পুজকানয়ে সং প্রণীত ও মংগ্রহারিত নিয়লিখিত পুস্তক্তলি বিক্রয় ইংডেছে---

वनीक मुन्द জীনই তহাৰ \*\* ३ है।का রোশই/তহাস ভূববদার বাকরণ ۱. নীতিবার (১ ম ভাগ ) ₽. নীবিসার (২ গ্লন্ডাস) ٠لو প্রচারিত। भूषिरदोश बहासहाब 4. व्यक्षित्रकांनाथ पन्दा ।

#### সোনপ্ৰকাশ।

ত হ কাজন সোমবার। মকবলে করণার নিয়োগ।

ভিন বংগরের অধিক ক্রল, আসর। প্রভাব করিয়াছিলাম, রাজধানীর ন্যার নফসলে করণার নিয়োজিত করা কর্তবার মফসলে যে নকল শ্রাস্থ্য হয়, ভাহার

मरिकार्यन यहर महत्वसार एह मात्रमें मात्र शोशातक एकत्वर वार्ग রা নমাহিত হয়। যে ছলে পরীন **उर्च द्यातिक स्रेश थाएक, त्र स्टा** উহা এত পচিয়া উঠে বে প্রাক্তম মু साम रक्षा नकाविक चटर। अहे स चारतक एकांकादित ए७ इत ना পলীআৰে সচরাচর বেথিতে পাও यात्र कारात्र व्याचाक स्टेटन वनि शाः গুরুতর সাধাত জিন্ধু না থাকে, ভা **रहेरन एक वाक्ति अपन्नान आ**वका क्तिबार्ड हेरा मध्यान क्तिया दिवा **শভিপ্রায়ে শবের গলার** দড়ি বি इटक छाकाहेश स्वक्षी रहा। श्रुवित का नकान करतन माळ। आयामिरशत शूनि বের চমৎকার গুণ কোন্ ব্যক্তি বা অব भेड मा चार्ट्स ? हिस्टिम्ट्स्ट्रा स् যথোচিত সময়ে পরীকা করিতে পান व्यक्ति प्रकृष्ठ कात्रपत्र केम्बाहित स्ट्रेट पारत वर्षे, किंद्ध मक्त्राम पूजा কাৰ্য্য প্ৰশাসী না খাকাতে আইন অসু नादि ज्ञूनकान एवं ना । পুलिट्य निर्मिष বিস্কৃত্ত অৰ্থ ব্যয় ব্ৰুডেছে, ধৰ্মাধিকরণে गर्कत्रं व जन्म बात त्रीक स्टेटल हान ब्राट्ड । व्यञ्ज्य च नगरत मक्करण क्र ণার নিয়ের্যের প্রস্তাবটী সম্বত হইতেতে। না ৷ আমরা প্রস্তাব করিতেছি, এক এব कत राज्यों माजिए हेरेर कानारात क्ष्मका (रहा १३क, होन नव्यामिकारी নত্তবের ছারা তৃত্বেছ পরীকা করি-(बन । द्वयाद्य मक्यामिकाके मर्कन ७ निषित्त वर्कन बाहे, विद्यादन अख्यास्त्रीय विविध्यय ( (मॉर्डिक फाउन्हें ) पिर्धत উপত্রে ঐ ভার সমর্পর ক্রিতে হইবে। कत्रगात निद्यत शाक्षणात्र क्राय धन ভয় ও ছালিকিয় গোরুতৈ ভুরি পর্যাণ

আকাৰ কৰিবেদ। আকৃত্যিক স্ত্যু গঞ্জ-

मान स्रेटन बीच बानांबटण अन् (कारन

क्रिया विकास क्षित्र आस्त्राच्य क्रेट्र

(मार्क्त्रक क्ष्क्रेन चर्मक नावर **र । सहस्र प्रकार पालदः। छेड्छा**टम आर्य म स्टेटन अक्टन श्रीलटनत्र य छेला के गुका कतिएक इर, ठाहा चात তে হইৰে না। আৰু হত্যা স্প্ৰমাণ ল অপরাধীকে এককালে দেশিয়নে र्भकः व्हा इटेव ।

चामता छे दित्र वि श्रीकांव करिलांग, रक्षर इंडस्ट्रज्ञ १ ४ 🛊 मारेन स्थरा ৰশ্যক। তদ্যার। মুক্তী অভীক নাথিত বার সম্ভাবনা আছে। প্রথম, অগ-রে সংখ্যাহ্ান হ্ইয়া আনিৰে । তীয়, পুলিবের স্বাটারদিগের অভাা-রেব আনেক মিবাবণ হইবে। অপস্ত্য টত নকদমাই পুলিদের উপার্জনের শস্ত হার। সে হাব রুছে হইটা বাইবে। প্রতি মেইন সাজেব সিক্ষাপুরে কর্ণার রোগের এক বিল অর্পণ করিয়াছেন। ন্ত্ৰতৰ্বৰ যাৰতীৰ বিভাগে **উহা প্ৰাৰ**-ত হয়, ইহা আমাদিগের প্রার্থনীয়

ফুডন ইট্টাম্প আইন। ১৫ ই ফেব্ৰুৱারি শুক্রবার হবছাউস হেৰ ভারত**ৰীয় ব্যবন্ধাপক সভা**য় हाला चाहिन मर्टामाधनार्थ अक म्डन াইনের পাতুলেধ্য উপস্থিত করিয়া ন। থার ছই ৰংসর হইল, পঞ্চাৰের 🖯 ার্চন সাহের প্রস্তাব করেন, ইন্টাম্পের ণ্ড রুদ্ধি করিয়া ঘাহাতে সকদসার 5নি ৰলেন, কানান্য সক্ষমায় শত ক্রা ায় ৩৫ টাকা ইউল্পেকরশ্বরণ গৃহীত ा, **किन्द्र अक** अक छिकात कथित्कत কেক্ষা হইলে শত করা চারি আনা ৰ উমান ধ্যকে তে লওয়া হইয়া क्रीण महित्व (व श्रकार मृत्रा दिव देशारह, छोहा मामागाठः दर्गन विरणव र्गाती जञ्जात इत मारे। जजनर জে লক কয়া ১২৮০ টাকা ইউল্লে क्षांभरमा अकार एक। एर इंडिम

নাংহৰ এডমনুদারে এই পাঞ্লেখা ধানি প্রস্তুত করিঃশছেন। ভাঁহার 🐯 🤊 পাও লেখ, মধ্যে চারিটা এতাৰ দৃষ্ট स्टेन। क्षयम, क्ष्मर्थ (प्रकारी मरूक्याय त्व देखांच्य खद्दवत्र निवय चाट्ट, काहात्र পরিবর্ত করিয়া রাজধানীর ছোট আঘা লতের নারে প্রতি টাকার ছই আমা অর্থাৎ শত্ত করা ১২%০ টাকা ইন্টাঞ্চোব : সংগ্রহ করা কর্ত্তর। দ্বিতীয়, একণে নিয়ম আহে, ভূমি সংক্রান্ত মকক্ষাস নিকর ভূমির বাৎদরিক বরের ১৮ গুণ. চিরস্থানী ৰন্দোৰস্ত ভুক্ত ভূমির ৩ গুণ এবং মিয়াদি ভূমির সদর রাজাবের পরিমাণে ভূমির মূল্য ভিরু করা হয় : किन्द्र कार्र्या सिचिटिंड शीख्या यात्र हिन স্থায়ী বন্দোৰস্ত ভুক্ত ভূমি নীলামে দশ শুণ মূলে, বিজ্ঞান হইয়া পাকে, নিয়াদি ভূমিরও চারি তাণ টাকা আলায় হয়। অভএব হব হাউদ বলেন, এ নিয় মের পরিবর্ত্ত করিয়া বাজার দরে ভূমিব মূলা ভিত্র করিয়া দেই পরিমাণে ইফাম্প লওয়া কর্ত্তরা। তৃতীব প্রস্তাব এই, কৌজনাতি মকদমার পূর্কে (১৮৬০ অব প্র্যস্ত ) ইউাম্প আগিত, কিন্তু দণ্ড विवित श्रीकात व्यविष एक व्यक्ति गर्कन মাৰ নালীশ দামান্য কাগলে হইয়া পাবে; এতমিবজন সামান্য মকক্ষায় সংখ্যার অধিকভার রুদ্ধি হইনাছে।১৮৬১ ्या कोन एत, तमहे कियो कता कर्यवा। चटक ममूनात वक्तरमा ७३००० मकनामा হয়, পর বৎসরে ৪৪,০০০ ছইয়াছিল। কিছ যে প্রিমাণে নালীশ হয়, ভারার উর্ভ্রহ্ম সত করা ৩৭ জন মাত্র দণ্ড পার। মকুদ্মায় ইউাম্প নাই, সাক্ষীব সমনের ধরচ নাই, সুতরাং বে দে ব্যক্তি देवत्रनिर्माकना वी स्हेश मानीम करिएक খার। ষত্য ৰটে, বঙ্গবিধিতে মিখ্যা मानीरभंत्र मध व्याटक, किन्दु कार्र्या (मधा वांदेरकट्ड, त्मदे विका नांनीन मधामान क्या अन्न कित व श्रानक्य प्रमुन हेकाल महा कर्वा।

विष्ठात्रानद्यत्र शूनः भूनः भाकामत्य मालिट देखेरा जिल्लाम बजुरान इन ना। অক্ত ব প্ৰস্তাৰ করা ছইয়াছে, যে সকল मक्कमात शिक्कि खर्द्यंत्र महोदमा আছে, তাহার নালীশে 🌬 আনা, ভঙ্কিয় মকদ্মাব ১ টাকার ইউান্স দিতে হইবে। অপর, সামানঃ মকক্ষায় 🌬 আনার ইউাপ ও 10 আনা সাকীৰ সমনেৰ খুরচা দিতে হইবে। অভি:বাগ সভঃ ৰ্লিয়া স্থানাৰ হইলে নালিট্টেট কৌজ. দারি আইনেব ৪৪ হাবার্দাবে প্রত্তা-র্ধির ক্ষবিনানা করিয়া অর্থিকে ইন্টাম্পের मूना (एव क्रिक्री क्रिक्न। विकरण व्यक्त-वींद्रक निकाय महिल विश्वा (बाध प्रहेद्व, तिच्दल याचिट्यु हे देखोरालान यूना नर-कादी धनाशांत इंदेख सिट्यम। हर्ज् প্রস্তাবটী ইহার অপেকাও গুড়ভব। ১৮**৫৯ पारकत ५० चाहिस चानुगोरत** यज মক্দ্ৰা হৰ, ভাহাতে নিয়মত দেওয়ানী আদালতের ইউাম্পের চতুর্ধঃংশ মাত্র দিতে হয়, অপর ১৭৯৯ অন্দের ৭ (গওম) थाहेन थानुभारत कत्र कामारात हेकाला লাগিত না, ডয়িবস্থান নফদানাৰ সংখ্যা, স্তরাং ক্ষীবার কৃষ্ঠ অত্যাচারের রজি হওয়াতে ইন্টাম্পের স্টে হয় : বর্বন ১৮৫৯ व्यक्तित्र ३० व्यक्ति र इत्र, खरकारण সর বাবে্স পিকক অতিশয় আপতি कर्वाटक ग-्'र्न इक्टाओ लहेर्बात शांत्रांनि विधिवक हरेटक भारत नाहै। मत्र दौर्नम শিক্ক এই আংগতি করিয়াছিলেন, क्षकार अमल परनत डेलटा कमीनाटरत রাজয় নির্ভিত্ত কবে, হাজায় দিতে না পাবিলে গ্ৰণ্মেণ্ট কিন্তির দিবণ কুর্যান স্তেব গর স্থানির নীলাম করেন, অত. अन याहोट ज महत्व अभीमारतत स्व प्याचीत इत, ८७३ निष्य क्या कर्नत इर हाडेम मारहर अकटन करे क्छाद कतिराज्यम्न, ১० जाहिन घष्टिज मरुमगात

সমূহেৰ নিমিত ২,২৫,০০,০০০ টাকা बाब बहेर डरह। वर्खनान दिल विधिवध করিয়া আনে কৃদ্ধি কবিয়া আর ৩০ এক 🖟 होका बाह्य दृष्ट्वि कवा इब काडेम मार्टिट्वव ऐत्माना वामामिश्वत थांडिक्कि विष्यंत খামলাদিলের বেতন এত খাম্প যে 🕶 उँ 🕫 🛪 (य जर्भर्य) । 🛪 🐯 🔄 क के 🖼 🧦 করিয়া আদিতেছেন, তাহাই আক্রেয়ার विषया । " कारे मकन कथा । " ८२७ । (वास्त র্ছিনহা ব্টমান আত রুদ্ধির অংশর ৫০ এক টাক। সাগ হইতেছে। বর্তমান विन विवयम् इटेल व्याग ७० मक लेखा অর্থাথ দেওবানী সকক্ষার বায় রুদ্ধি নিৰজ্বন ২৭ লক্ষ্, ভূমির মূল্য হৃদ্ধি ছেভু ৺ লক্ষ, ১৮৫৯ অক্টের ১০ আইনের মকদ্মায় ও লক্ষ এবং ফৌজদারি মক্দ মাৰ ৫ লক্ষ্, অধিক আয় চইবে

আদালতের আমলাদিগের বেডন त्रिक त्य व्यत्य कर्डवा, काश गकत्वर ৰমূকাল অৰ্থি ৰলিয়া আংগিতেছেন। টু মচিছিত কমভাবিদিধের বেতনও প-याखि नरह। किन्छ कथः इन्टेड्स्ट्राइ इत-कांक्रेन मार्ट्रा कुछ विधारण्यत करे इष्टित्र अस्त्रांच कडमूच माशायानत चातु. ट्यानशीय इडेटव १ स्थालनाति मकन्यारः इंक्टोच्या करत्र । श्रष्ठारंद माशाहर्य व्यमस्कं য়দ্বিতে অতিশ্য অসত্ত হইবেন, ভাষা भ्यक (मांगरक भाषा वाहरक्रम। कि জন্য এ প্রস্তোর ইংক্তেডে ১ এদেশীয়দি-থের নকদমা প্রকৃতিৰ নিৰারণ নিমিত চ **सर्वर्टम**े इव हो डेम माट्ट्स्व मुश्च बाह्य बद्धन, अदबनीरात्रः मकक्तमः श्रितः, श्रशास्त्रः । যে অকারে মকক নার সংখার ক্ষান ভ্ট-शांदर, गर्कज (गरेक्स करा डेडिक।

ভাষার অপলাপ কয়া যার না, কিছ আম্বা বলি প্রব্মেন্টের প্লাঞ্জীতি ইহাব প্রশ্রম বিভেছে। আমাধিগের ৰাদালতে ভূমি সংক্ৰান্তমকদ্মা অধিক হয়। ইংলও বাণিজ্ঞেখান দেশ। প্তিপ্ৰ অ ড সামান্য বেডন পান, বিশানে বে হ কাৰ চুক্তি ভালের মক্ষমা 'অধিক পরিমাণে ্ছয়, এখানে ভূমি मद्भा (महेन्रा महेगा भारतः। चंड व्यक् **जिर मकक्या नश्रत अधूरहरे व्यक्ति।** অনেক জমীবার ও ধনী লোক সক্ষমা क्रा अकृषि कर्डवा कर्च ७ आत्माह बतिहा. উফেশ্য। ইন্টাম্প হইকে আপাততঃ বিবেচনা করেন। এপ্তলি অযথার্থ নঃ, কিন্তুইহার প্রকৃত কারণ কি ? আনা भिट्रात मञ्जूषि लाकमिट्रात कीव्यवान নের কি উপায় আছে ? ভাঁহাদিগকে रह रेजिए प्राथ महार मकसमाह मुख থাৰিতে হয়। ডেপুটা মাজিট্টেট ও হোট আদালতের জজের পদ আমাদি-গের উর্দ্ধ প্রাপ্য। ঘাঁহাদিগের বাৎস-রিক ৫। ৭ লক টাকা আর ভাঁছারঃ এ কাজ করিবেন কেন ৭ জাঁচাবা নিভা দংকার্যোর অসুষ্ঠান করিয়া সুধে কাল (क्लिन क्रून, अरे कथा विवादन २ अक লের দে শিকা ও অভ্যাস হয় কৈ ? আমরা বিজ্ঞানাকরি ইউরোপে কড व्यन लाड भाग देशका भारहम १ देखी त्योत कर दक्षि कर, **भाग याहाँ है** कर, यड मिन अफटकभीयमिरशत स्मामन अ करेंद्र ना किंद्र (मध्यानी मकक्ष्माव वाम्न भागन मध्यनान फेक्टब्र कार्या आदिभा করিবার স্বত্না হইডেছে, তত্ত দিম এই व्यवकार प्रतिरव। रेखीरण्यंत कुनात्रेक कतिरल मकसमाध्यित धनी वाकि शिरान কিছুমাত্র ক্তি হইবে না। বে ক্ট দরি ছের। ক্রড: এক্বেরাজর সংক্রান্ত রাজ নীতির, দরিদ্রের উপর কর ভার জেপ্র করা, মর্ম দ**াড়াইয়াছে। ভাহার প্রমাণ** वरे. राष्ट्रकथं नार्यद्राक्षत्र हास्कृ ভার প্রজাদিরের কলেই কেপণু করিবার

(ठके। स्टेटफ्टह। स्वक्षक्षेत्र मार्टस्व मिटसर्वे ত্বীকারকরেন, গতবৎসর বে৮লক দেব शानी मकसमा रहा, जार्राह मरशा १ लेक हुएव লিতে হইয়া:ছ। অৰ্থাৎ বাৰতীয় মকদ মার কটে অংশের নাত অংশ ৩০০ টাকাৰ উৰ্দ্ধান মূল্য হৃদ্ধি করিলে বদি দরিদ্রের এতি অভগেচার না হয়, ভবে কিনে হইছে আমরা বলিতে পারি না৷ এ সকল মন্ত্ৰীদুমার ব্যয় আংশপ হয় देशहे आर्थनीयो विवि वन जानागरकः সঙ্গিত বার ইন্ধির নি,মস্ত এ চেট হইতেহে, ভাহার উত্তর হুলে আমানি श्वित बक्तवा और, मदिख वस व्कतिह अ रहको मकत कता वि**रश्त ए**व ना। अन উপালের শরণ লওয়াই উচিত। বিলা দ্রব্য ও পুরা প্রভৃতি মাদকদ্রব্যের মাপুর র্দ্ধি করিয়া এ অর্থ সংগ্রহ করিয়া লও পুৰা প্ৰভৃতির মাপুল র্দ্ধি ছইলে আঃ क्की केपारमञ्जूननाक स्टेर्टर । भावस দেৰির সংখ্যা কমিয়া যাইবে। যাছার मानक रमदन कतिया शतिशक इंडेबाटा -ভাহারা যদি এককালে ভ্যাগ করিছে ন পারে, তথাপি মহার্দ্য হইলে অর্কভোঞ হইবে সম্ভেদ্ নাই, ভাহাই পরম লাভ।

> সর ক্লম সরেন্ডের পরবাঞ বিষয়িনী हाङभीष्टि ।

क्षांत्र हुई वरमत हुईल, शक्कारवत कर चानि मः वामभाज विनश्चितिम मह क गटहरकात शहता द्वेबियात्रेगी त्राव्यमीवि नारे बिलाटन एक्षा देशन और भवर्गाय এই মত ভিত্ন ক্রিয়াছেন বে' পর্যা रेश्यक माकृष्टि भवना माखियाना चार्च वा मधाइनेंब हानि ना स्टेटन, क দিন কোন বুদ্ধে এরত হওয়া অসুচিত वह कातरन रक्षांदर्कत नहांत्रका कता ह माहे अहे कांत्रदन चारमंत्रिकात विशाद स्मार्टका स्था एवं मारे। देखेटबालयट भूदर्बत मात्र वेर्**ग्ट** व कमका मारे क्षित्रकृत मुद्रकृत नेत्र दर्गत है। यदमद्भी वाधात्रन क्षित्रक काटक पदर्वत इकि है नाम देरवांक व्यक्तिकानंत्र नीका प्रोक्तावि-(मनं विविधान दिनः, किन् अवर्ग খডি স্বান্য হাজাৰ কথা জীয় ক্ষেন मा । ১৮-७৮ पटन संविद्योप क्यांटिक वर्षन পায়ৰীক বৈন্যখন হিছাট আক্ৰমন কৰে, ভংকালে লার্ড পারস্থীন কাউন্ট নেলেন ब्राटक्त गांच महिएक नर्स होन ७ पूर्व সহকারে পম সিখিয়া জিজানা করিয়া-হিলেন ও কবিয়ার হাজনীতি কি ? ইছা কি মজিবিলের খোবণা অথবা মুক্তবিবের কাৰ্য্য বারা ভির করিতে হইবে 🤉 " নিক নার্টের সমূপ্রবিত ব্রাট ১৮৪২ অবে নিজে ইংলতে গিয়া ইংলজের নৈতী व्यक्ति क्रम् । देश्मरकम् वकान क নেপলিয়নের পরাত্যসমূখিত কীর্তি লোকের সময়ক এক আকর্ষণ করিয়াছিল বে ১৮৫৩ সন্দে সুরক্ষের -বিরুদ্ধে- যুদ্ধ (बांबन) कतिवात शूटक निक्नान देश्हांक সূত সর হাসিল্ মটন লাইমরের অঞা বার য়ার বলিয়াছিলেন ও ইংলত্তের সহিক ৰ্দি আমান সম্ভাব বাবেং ভাষা হইলে আর কে কি বলিলেন না বলিলেন তাহা আদি আহা কৰি না।" কিছ একণে লে কৰকার পরিবর্ত্ত ব্**ইরাচ**ছ। देकेटबार्गबंटक देश्लटका क्या वक्र त्यह वाश स्रतम मा । त्राजनीकि नरका विश्वरण वेश्वरकंत्र क्षकांत्रात्र व्यवस्थान ক্**ৰ্**বাহে ৷ ন্যাট বেপলিয়নের সমূল চিন্তালীল ও কুন্তিমান লোকেয়া বিবে-ছবা ইটেন বে আডি ১৭০ স**ক**্সোক সংখ্যা ও ২০ কোট টাকা ভাৰতের 'সাধানে ২০ বৰসম কাল ক্ৰালের-সহিত ्रमुक्त कविका शूरिवविका बागा लाईखाना 'द्रमाना'च्याक नामा क्यांक क्यांक अवदः क्रक्टन CONTRACT WAS DOWN CONTRACT BURNING क्षाति प्रदेशका द्या क्षाति गृहक्तिक सार्वा Selling belleting with the printer. Contracted by the section and I take

ালে শব্দান্য হোৰ থাছিউ হইয়া ইংলড়েট্ডয় ভূতপূর্ব ভেক্ষভার বিনাপ করিয়াছে ধাধারা ইংলতের অবলবিক উদার মধ্য मीकित अर्घटराटर नमर्थ, काश्विदश्र বিরুদ্ধ নংখ্যার অমিবার নভাবনা নাই। কিন্তু বাহারা যুদ্ধে না, ভাহাদিধের এঞা-কার বংকারে কভি সাহে। পঞ্চাব ও উত্তর পশ্চিমাঞ্চের লোকেরা ইংলডের क्षेत्रात्र जासमीकित गर्क त्वारथ गर्भ गर्द । বিজোদের পুর্বে নিপাবিরিপের এই বংকা র হয়, ক্ষরিয়ার গবিত যুদ্ধে ইংলঞ্ হতবল হইয়াছেন, কেবল হুৱালী সম্রাটের ভরে ক্লবিয়া ইংলওকে উৎসন্ন করিতে প্রায়েন मार्थे। बेश्यक चटलका कवित्रांत वर्ण অমিক এ সংখ্যার উত্তর পশ্চিমাঞ্চল ও शकारवत्र व्यक्तिकत्र व्यक्ति । अवित्रा क्रमनः चत्रमञ्ज स्टेटक्ट्म । द्याचात्रा, ধোটান প্ৰভাৱিষ মুডগণ গৰণৰ জেন-निकार नाश्यासाथी व्हेश আসিয়া হতাল হইয়াছেন। ইংলও ক্লবি-बाटक जैस कटमम थ मरकात देशटक আরও বছরুল হইভেছে। আনিরার মধ্যে কাহারও ইংলতের সমান ক্ষতা নাই, এই সংকাম তেটিশ রাজ্যের প্রধান প্র লহন কড় বরুপ। বিশরীত সংক্ষার এক यात बक्कुल अंदेटल कांत्र क्लिकू मा एकेक नीयात्र मटक मटक किटलांह क लोतांका হইবার কডাবনা আছে।

:লার্ড ভেল্বাউনি পর্যান্ত ইংলও নাক্ষাৎ বছৰে কপ্ৰভাগ সকলের গোচর -ক্রিয়াহের। লার্ড কানিও বিজেখি সমন अहिनाः धोवर्णतः अहिनारहरूनः खिक्रिणं टेमनि . स्थान: स्थापा । सह सन महत्राजातक देश्या 'কেন্দ্রীয় একাণ পরিচন্নের কিছু এমাণ ्रक्षका चारभाक् । चायका अस्तरीक रेमनि 'एक्स' महित्व देश्यांच रैनमिटकत जोत्रजना श्चामन्द्रसङ्ग्रह्मा स्वत्याहरू मा । अस्तिहा Bulle Rester Buchs manis

क्रफ पूत्र प्रांत व्येषाट्य, अवर क्रि वेशांत सद्गद्रम स्वादे वा कडवा १ अदे शक्ष হুইতেছে। ইংগও বাদ ক্ষবিয়াকে আর অঞ্চল হইডে লা বেল, ভাহা ছ-ইলে কাবুল, খোটান, বোধারা প্রফৃতি कटम क्रवियोज शंक क्षत्रनंदन क्रिट्स्ट এবং ভারতবর্ষের হুস্পেভিড লোকেয়া संवित्रोत्र चत्र कोमना कतिरव ।

अक्टन खटन भन्निरम्हित कि कर्जना ? ভারতবর্ষীর প্রধ্র জেনরলের সহিত काबून, प्रशासक्षित्रा, भावर, जनारम छ হীপ সমূহের সাক্ষাৎ সহজ পাছে। त्वयात्व देश्वांक पूक ज़ारस्य, त्वयाद्व ইংলাঞ্জীর গ্রন্থেনভের নাথাক্তি ভিন্ন কোন काल व्हेटक शास्त्र ना। विक शुर्ताल স্থান সমূহে প্রপ্ত স্থেনরলের ক্ষমত | अस क्षेत्राह भगीम | मह सम महाद्वार त्वारे यक्त कात्मत महिक नेत्रप्रार्ट दिव विनी प्राथमीकि माश्राप्तरम् , अञ्चारमाहन्त्र कि ना विद्वहमा सवा सावनान। श्री মাসল বংলয় পতীত বুইল নয় স शदकाः ( फथन हिन शक्षाद्वत न्यश क्तिनमत किटलन) स्थास महत्रम वी करिक शरिद्र देशकाकात्र निक् कैट्रन ভবন বিরপেক রাজনীতি ছিল ন পারনা ও রুবিয়া অঞ্চনর হইতে शास्त्रत वर पश्चितात पानीवरक वानि अस् तम ठोका त्रवद्या **रह**ा त्राचनर यक दिन की विक दिस्तत, केल दिन स्था ভারতবর্ষের পশ্চিম্বিকের,কপাই,শ্বর ছিল। কিন্তু নিৱারপালীর সৃষ্ট্রিত তাঁব जाञ्चरनत्र विदायकारम भवनेत्र रक्त मूबनीय प्राचनीषि व्यवस्थन कटान আজিম ওাঁকে পঞ্চাবের নীমার খানি বক্ষত করিয়া লেবে শুস্তবহ কার্ বাইতে বেওয়া হয়। নিয়ারখালী পদত্ব প্রিতিত নর জন নরেল আফ শ্বাকে রাজা বলিয়া স্থীকার করেন না क्षि गुकार्षि स्व धर थानि शव स निक स्देशांटर, काशांटक दरवा गारेटा

গৰ্ণর কেনরহা বংশন যত দিন আফজুল र्था मधुनाम कोतुरलंत होना मा वन उन्ह দিন ভাঁহাকে আনীর বলিলা স্থীকার ৰতা **বাই**ভে পারে না । ইউরোপীর বার্রা श्वारखन नाम कागान रेडेरनांगीन मित-एक्स ब्राजनीति भाकार महत्व कानके कारियो। भेरे यज आए हरेशा चामिय গাঁ বার পর নাই প্রচাচার আর্ছ कतिया बोबाटक निवासभागीटक देवनह করিতে পারেন সেই চেউ। সাংবস্ত করি-য়াছেন। প্ৰপূৰ ছোনয়ল বলি বলিতেন नियार वाली किय कात काश्रीक श्रेका মেট আথীর বলিয়া খীকার করিতে भारत्य मा, फाश हहेला कांद्रलंड ली. কেরা ভাষার অর্থ বুনিতে পারিতেন। निवाबचानीटक लिक्सक्यरमत निक्टि

अप छोका मिल डीकांत्र कत দ্ম হইড এবং করেল্যপার্থই পশ্চিম ীরিধার ক্রাট অ্রণ ক্ইড। বেরুপা পত্র প্রকাশিত হয় শছে, ভাষাতে আজিম বাঁ খৰে ত্ৰিটিশ গ্ৰণ্মেণ্টের বহিছ প্ৰাকৃত वक्ष्माव व्यवण्यन कतिर्दन अञ्चल स्वाध 🊂त्रमा। पुरेशन 😻 अवस्तरमा मत वन **টুরেজের রাজনীতি ফ্লোপথায়িনী হয়** নাই। ভুটানের যুদ্ধ ও সাল্ল উভগ্ল मञ्चाकतं कटांश क्वांत निष्म शिक्षा অন্তবেশির রাজার মহিত মধ্যি করিছে পারেন নাই। मकाछित ইমানের एकुह नात भवनंदमके हा अवादा मनियदक हासा विविश्व चीकार करवा, छ.इ!; छ छोहाइ **নহিত্ত অকণ**ট গৈত্ৰীৰ প্ৰাশা ক্রাগা**ইতে** नीद मा।

नंद्रांकि अधिनदेश अविधेय मह सन व्यद्भारत भारता हैवियाता तासनीठि । व्यक्ति कर क्षार निभट इंग्राह रम्बंक विवरणक शक्ती उर अन्दर्भावन भेडेडन । दर्शय रूप फिलि कारापात काव अविविद्या नित्र कर श्राहण प्रश् लाक, क्षेत्रमं द्विया पराज्ञन काक रहा उत्ताह

ছতাৰ্থীনত নহে । আসমা **প্ৰভাৱ নাছি**-(अदि डीशंत श्रुकांशंत किक्किर इस्त वाशंभ कहा कर्डश स्ट्रेटकाइ। अस्मिनीह व्यक्तिक अधिवादिशतक कर्मना विकासिक क्ष्म क्षित्र क्षम् अकृष्ण शहित्व ना । प्रद र्वड (धनडण कांड्ल चौंचेबा मधा चानिसांह বৈন্য প্রেরণ কলে আমরা এ কথা বুলি দা. দেটা উত্তভালাণ হইছে। কিছ ভিনি ফুবিয়াকে এ কথা বলিতে পারেন, বিদ্যাশিকারান চেন্টার একার পক-कानूम, वाबाता ७ ब्योडीटनत शाबीनका রক্ষা ত্রিটিশ গ্রণ্মেণ্টের মজ্লের জন্য षावभागः। विवादक्षेत्र विवादस्य कथा वर्णा रुदेशाट्ड, अरे साहराहे हुई वात नातरगात ষ্ঠিত বুদ্ধ হয়। বোধারা ও খোটানে ইংরাজ ৰুত প্রেরণ করা উচিত। ইংল্ঞ যদি প্রকাশ্যরণে এজিন করেন ক্রবিয়ার च्छानत रहेरा नाहन एहेरव मा। पुत्रस्क्र শহিত কবিয়ার পুনর্কার যুদ্ধ **ক্**ৰীর নভাবনা, এমত ছলে নত্রাট আলেক-লতার সহজে ইংলতের শক্তাচরণ क्तिद्दन नाः।

च्या साम्ब्र छेरकुर्र भिकामान अक्ष विद्यम

नरूत विख्वाद्विषात सङ्ग्राटवाद्य नमर्थ नटहन। व्यटनद्व मदन क्टबन, क्रिक् मण्योदन काटन रात्र मध्यक्ष कतिएख लाहित्वर मिख्यायिता रह, कार्या क्रांन करेन कि अल करेग, डॉम्डा (न बिट्ब-हन। क्टबमं ना । किछ वनि पास्थावस करिया क्रिया बीर, श्रेष्टी मिडद्शिकांड लक्ष नटह । बाह्र मश्चान क्षित्रक शिक्षा वरि कार्या मण रह, छोरांटेड विक्यातिका स्त ना । लाटक का संत्र सात्रकृषेका अहे নাম ধেয়া ৰাজবিক সেটা অপৰারিজার व्यनेत्रं नाम । यसि कांक मुक्तुवर, एक्टिस्टर, त्व विष्टुं बाद्र कता यात्र, त्विमहराप्रदे अन बात नरम्पर कि १ जामका बासना श्रमणा आसार जाता है। मधा विकारमात्र के मा वेनारमानेत्र किर्मा एक क्षेत्रकार मान्य के अवस्थित

नारश्वरक डेजिबिक खनाक विस्ताहि वस्तरादाह महिलिकि राचिए गार्च । बाक मार्यक्ष निकासर्गम करे स्वारम्ब নিবিভ তাঁহার প্রতি কটাক করিয়াছেন। শিকারণারের পরিবাবের অংশটা আমা-विराजन चन्नुरमामनीत मत बर्ड किन्द्र किनि শিক্ষাদর্শধের কটাক নিকেশের অপাত্র बद्दम । क्रिनि चण्यांबादत अदयमीत्रीव्यक्षत পাতী। এই চেটা নিরন্ধনই বর্কের স্কিট क्रेशांद्र । किनि व्यान, वण्णताहा हे:-हाकी निका स्टेट्ड शादतः किंद्र त निका कि सकात, डीवात विव्यवस्थित। **डेडिक । क्टनटर्ग " (वस्त मान (क्य**नि দক্ষিণা দ একটা প্রামিদ্ধ কথা ভাছে, ति लिका छात्राहरे अनुद्धन दरेहा पाटक **केट्यु। गांदर्व मिन्छत्र सामिद्दम ''अरु द्वेंट्यु** গ্ৰুত মহা**ভারত** শহর না। পদ্শীঞাদের **भविकारण विकासित एक नांगमां अ विकार** লয়, বিলাসর প্রতিভাক্তা ও ইনস্ভের উভৱের অংশ্বারের শাহ্দকানই ভাবার मुचा कावन। दन बाव अक टाकांत्र शर्छ-व्याद्य यात्र, र नदम सङ्ख्या इत मा। यमि तम या किहू निक्षा एक स्मर्ट नाक। त्म व्यंक्र भाषाविद्यां श्वर्गदम्के बाख क्यांन कटतन अञ्चल दर्शन इत हा। अटल-শীরদিগকে স্থিকিত করিয়া উন্ত क्तिका जुलिएका, भवर्गस्यक्ति यनि अक्रान अक्रियांच स्ट, मि मार्ड मांच स्क्रांन स्टेट्ड भारत मा। मामामा बारसन मामामः विद्यालय करता ता केटमणा विद्या क्रेबान ने जोदना कि ? बद्धार हो। त्योक्टक वर-किसिंश विका विशेष होती के क्णाना र्गित्रज्ञांन कतिही पुषि जन्मंत्रदेशी हेवी-करक जानकंग निक्षी अंकश्चा संक, साहर त्वरणंत्र बाह्यक केप्रीयत त्वम् प्रदेश करते मारमा नोचे । जानिय कारामा अस्ति

্মিননরি বিহালের, নগর ও মফস্বল ্লিব, নগর ও মফস্বল আদাল্ড প্রভৃ তর এত বৈলম্পাল্যিত হর কেন ?

#### प्रक्रिक ।

উৎकटनेत्र लाकनिर्मत कक्के क्रमणः क्षि रहेटकटह। क्रिटक्त गरुकाती मान्ति दें वे अरवक्षेत्र मारह्य जिर्लार्छे कृति-হৈন, ছুটা পরগণা ব্যতিরেকে কেন্দারা াড়ায় ৰে শন্য আছে ভাহা ছুই रिगर अधिक काल लार्ट्स कीवन ।त्रट्न **शर्यास स्टेटर ना । अफ्टन शर्**न-েণ্টর অর্ছতে অর এক্তত করিয়া লিব দরে বিক্রাকরা হইতেছে, কিন্তু হাদিগের কিঞ্ছিৎ জাভ্যজিমান আছে, াহারা ইহা এইব করিতেছে না। ইহা গের সংখ্যা অলপ নহে। চাউল বিভ ৰ্যৰন্থাতেও তাদুশ কাল হুইতেছে । बक्दमनीत भवर्ग्टमन्ड व्याह्या विद्या-ন যাহারা নিভান্ত অপারগ, তাহাদি-কে চাউল অথবা অল্ল দেওয়া হইবে। र्यभम स्रेटनरे शतिखाम कतिएक स्रेटर। लाकरिशत्कथ वर्षे नित्रत्यत व्यवर्गक । হইয়াছে। কিন্তু এ ব্যবস্থা ফলোপ-ব্লিনী হইডেছে না। ওরেবউর বলেন তাম্ব বিপদাপত্র না হইলে উজজাতী-हो प्याधमन करत्रम नौ अवर प्रपूर्ग निक्षे হইলে জ্রীলোকেরা বাটী হইতে বহি চ হন না। যে সকল জ্রীলোক ব্যন্তত্তে ইনে, ডাহারা প্রায় বেশ্যাতুল্য ব্যক্তি রিণী হইয়া পড়ে**। ইহার অ**পেকা াচনীর অবহা খার কি খাছে ? এক ঃ ফুট কাজ করিলে ডিন আদা মজুরি eয়া হয়। জীলোকেয়া এড় কা<del>জ</del> ico शांदबन ना । क्यि नव निनिम इन अफ कांच ना कतिरण चन्न विस्वत া উড়িয়ার বে এড লোক কি हत व्यक्तिम व्यक्ति नाउस्यन द्या र

व्यवन, उत्रष्ठ काष्ट्र। यथारन काण्डिक्य व्यवन, उत्रष्ठ केळवाजीय शूक्त्यका कर्षन बस्तिकि नीव कार्या व्यानात्त्र व्याप्त ना, व्योत्मात्कत्र क कथा है माहे। अप्रि बोजन मार्ट्यक काना केविक दिन । कार्यन किनि बरसरण बस्कान कार्यन ७ वस् प्राणिकात कार्यमान करतन।

**७८३वर्डेन मारह्य चा**त्र अक्टारन निधित्रात्ह्य " अभीमात्त्रता क्रुवक्मित्रत আশ্রয়দানে একান্ত অসমর্থ হইয়াছেন। **डॉरांबिरभेत घरत व्यव नारे,** টाका नारे, कर्क हास्टिल क्ष कि का शास्त्र ना। " ষতএব ডিনি প্রস্তাব করিয়াছেন বে च्टल ठांडेल विकास कता स्टेटन, छयात्र ২॥০ টাকা মণ কোন কোন ছলে ২ টাকা মণ বিক্রয় করা কর্মব্য। আর স্ত্রীলোক, দিগের পরিপ্রম আবশ্যক হইলে ডাহা-দিগকে স্তাকাটা প্ৰভৃতি গৃহে ব্যিয়া বে কাজ হয় ভাষা দেওয়া উচিত। ক্লব-কেরা কাহাতে ভবিষতে কট না পার, ভাহার উপায়বিধানার্থ বীক্ষমন দেওয়া ষ্পাৰশ্যক। এ প্ৰস্তাৰশুলি উৎকুই সংশ্ৰ নাই। এছলে আমাদিগের বিশেষ बक्तमा अहे, व्यवद्यारकाम मान् कतिवात কংপনা সর্কতোভাবে পরিজ্ঞাগ করা কর্ত্রা কোন্ব্যক্তি সে প্রক্তেদ করি-বেন ? ছই ৰৎসর হইল ছডিক হইয়াছে, যাঁহার যে সঙ্গতি ছিল, তাহা নি:শেষিও হইরাছে। সভএৰ যে ব্যক্তি আপ্রর চাহি द्वन, डीश्टिक्टे चालाप्त रमकता स्टेटर, **এই निश्रम कड़ाई कर्जरा। चरा**त्र कर्जरा बारे, व्यञ्च किरोहेश विशा टाल्बाटम ও প্রতিপলীতে চাউল বিত্তিত এবং অতি মণ ২ টাকার অধিক না হয়, এরাপ মুলোৰিকল ব্যবস্থা করা হউক। ভা-शटक बरे रेकेनाक रहेंद्र, यारासिटनंत्र কিছুমানে সক্ষতি নাই, তাহার৷ বিভারিত क्रक वार्व कतिरव, चांत्र वार्वित्वत क्षित्र नक्षित्र क पश्चिमान चाटक, कार्यम

ক্ষা করিবে। যে কোন উপারে প্রাথার পোণরকা হয়, গবর্ণমেন্টের ভাহাই করা কর্তবা। অপর, জীলোকদিগতে থাটাইয়া লইবার প্রভাব এককালে পরিষ্টাই করাই কর্তবা। উচ্চজাতীয় জীলোকের প্রাণত্যার করিবেন, তথাপি ভাহাতে শব্দ হইবেন না।

--: - :---

কোরহাটীক সংবাদলাতা লিখি-রাছেন:---

১ ৷ পাই চপাড়া নিবাদী এক জন অনল এসিশ্ব শিবারী বাজ শিকার করিতে ঘাইলা হৈবৰণতঃ ভ'হাব এক অসুচরকে আঘাত কবি~ ब्राह्म । दन्त्रक क्रिने ७.लिथूर्व क्लि वेलिया হতভাগঃ অনুচর কত বিক্তঃখ ও মুডকল্প হট-রাছে। আৰম্ভ ব্যক্তি চাকার নিডকোট ছাল্পি-**धारत नीक २३ ब्राट्ड । क्रीयन तरभग्न । मृ'मीर्य** পুলিং কর্মানিগণ ইহার অপ্রবস্থান করিয়া শিকারী প্রাস্থৃতি কয়েক ভানকে ধৃত করিয়া কৌঞ দারীতে প্রেরণ করে। কিন্তু আছত ক্যক্তি ও লপর কভিগয় স'দীব সাক্ষ্যে ম**লিকে**ট राह्त कामामीनिमहण विक्षि धान कडियान দেন । মনুলার এতি তলি কথা শিকারীর উলেশ্য হিবা সংমাণ হয়। মাজি-क्रिके महरूत्र प्रकाश निकृष्टि विद्या कांग्र हर्ल्यू नारं, जिनि " अञ्चल यांकिएक मृत्र करा अमारि र्देषार् व विद्या भूगिय कथाना विभिर्णे स्थि ष्मरखाव ७ व्हाप श्रकाभ करतम । भिकाही ব্যক্তি এক জন সভাও লোম।

 । কোংহাটার নিকটবাড়ী কোন প্রাদেশুর সুলোচনা খোড়ৰ ব্যবি। এক গাৰ্ডবন্তী কাৰিনী क्ष आंकरभा काइ श्राप्त का किया हिमा । अवस्था द्राज्य प्रदेश अधिक के वामा स्काम करें। बनका अकाकिनी या रेटर कास्ट्रमय अवद करमव পুতে বাইয়াই উদায় বেদলায় কাভর ও অবস্থির इदेग्रा १८८२ । এরপ यादया मिथिया राजित त्रकरम अध्यक्त नम्द्र चरत्व चर्ट्य एक्सारक cereau विद्रविक्षी कविद्रक नाजिय । करम पुष ভীর উৎর বিই চক র নাগে ফৌড হইরা উঠিল। कुन्दकार्योतिहै लाइकता अथा देवमा बाता देवस নানাৰিও অইবে চিকিৎদা অ'ব্ৰক্ত করাইল। সংগ-भव । अक्षांत्र कि कर्तरद ? कब्रभूर । य चएकाब ওৰ দৃষ্ট হয় ? যাহার অভার বিকলাহে ফার্কারিড ए। हाद्य कार्याक कतिता कि छारात व्यव क्षितीय हरेत्व ? रचनरे मा। क्या महाम जनन

৬ । বালে। ছাত্রবুঙি সম্বন্ধ এও দিন। নিভাস্ত বৰ্ণানা টেল। কভিপয় বংসর হইক **ইন্সেট**ৰ মহোময় পাঠাপুগুক নিরূপিত করেন बलिया পরীকার্থী নাগের কথা জব প্রথিব চই-ক্ষায়েছ। কিন্তু আনক্রাক্ত আনক বিশুঝাশা রুচি মাছে। ছই বংসা হাতীত হইরা গোল, মহামান। ভাইরেটর মহোদয় মাইনর অল'রশিপ পরীকার নিয়ম প্রবর্ত্তিত করিয়ারেন, কেন্তু এই পরীকার ' भार्ठ, भरद्य किङ्गाञ्ज मृ**ध**ला क्रिक्कि नाः इश्टि प्रतिकाति तप कि श्रदात्र काम अध्य পাইরা থাকে বলা যায় না। ছাত্রগৰ বিদ্যালয়ে সমস্ত বংলা এক বৰম পাঠাপুস্তক পাঠ কৰে, পরীক',কালে পুস্তক'ন্তব হইছে এর আইনে ৷ हेश एक नव अनास, अक्तान व्यक्तिमाखहे ক্ষুপ্ল ভি শার্মেড পাংলে। ড প্রেম্মর বিষয় এই শে, বিয়া বিভাগ খন হে রাজী ভ'বাসৰখে 🖟 भारतिक्ति विकास खाद का 🖅 विस्तर संभादन करने भद्रित यक्ष्र) १ माना ता शाहर दश, अतनवीयांत-র্জার প্রির্ভাগা ১,৯ এড র সম্পর্কে ভাগার ष्ठकुर्वादम् वर्षेत्रहेलस्य स्काननः विद्यात् सङ्घः। सङ्घः। এব অভিনয় নির্মন্ত নন্দালে এই অন্নতার, वस्तरभव ए कृति पश्चकारः ( . ॰ विष्युत्तत हेस्युर्ग केंद्र ) निक् मिश्र पर्तितारातीन य इसन अही-ক্ষার পাঠ্য বিভাগন গাঁও গাঁও গাঁও কৰিছা নিৰ্দ্ৰ প্ৰিক্ত কৰিয়া নেউন। ৪। ক্তিগাঁও নিৰ্দ্ৰ গাঁও হ'ল, ন্যাবগঞ

है। करिया निवस से इंस, नवावतक है हिस्टाइ क्रिने कादीका छाटा এक दिश्यादना अक दिन काद्या की इन्हें कर प्र अक्ष्मि शुन्तक निव क्ष्मि करिएक कान करिएक याप। माला क्षिलिक कान करिया यादे रहेट । कर्म एउ क्षित्वा क्ष्मि क्ष्मि श्री क्ष्मि यादे पात्र । कर-क्ष्मि क्ष्मि क्ष्मि माला क्ष्मिया श्री क्षित यथारन क्ष्मिक क्षित माला क्ष्मिया श्रीकी क्ष्मिया श्रीकी उधान न हे अवर कड़ीश्रांक ( ये इन्न मृष्टि क ना उ भाग उठ इन्न ) निर्देशी कि किन्नी उधान विद्या की प्रकार किन्नि किन्नी इस्ति श्रा विद्या की प्रकार किन्नि किन्नी का मना किन्न मिला किन्नी किन्नी भाग अव किन्नी मा अर्थ के में बान विद्यानिक क्नेट्रिंस भूर अन्न किन्नी विकास किन्नी किन्नी अर्थ किन्नी क

ভ্যোলুক্ছ সংবাদদ'তা লিখিয়া ছেনঃ—

১। এথানকার মিউনিসিপা এটার অধীন বন ই।বলগণ আব কামনীর তালান লাই। ভালানি গকে ভিক্তীই প্রপাধকেতিও ভির অধীন হাতে হইরাছে। ভাহাদিগের মাসিক বেভন ও পরিক্তন প্রভৃতির ব্যয় সকলই কমিটা যোগাইভেছেন, কিন্তু ভাহাদিগকৈ পুলিষের অধীন হইয়া কার্য, কবিতে হইডেছে। পুলিষ সময় হইয়া অকর্যরাঃ
সম্পাদন কবেন, এই আমাদিগের অন্নারাঃ।

২। অব্রত্য পর্বলিকওয়ার্ক ডিপাট্রমন্টেং আসিষ্টান্ট ই.জ.নরর ও ওভবসিয়ারে অভিশয় বিবাদ চলিতেছে। এক দিন ওভর্লিধার সাংহেব ब्याप्तक्षेत्र भारत्वतः वाजित्व अवन वर्यन । किन्न व्यानिका है बहानम् जीकात अध्यक्षना कहिलन না। ভাহাতে ওতরসিয়ার কুমিত হইরা কটুবাক, প্রয়োগ করিপেন। ক্রনে উচ্চয়ে বিলবণ বাগ্ गुक्त इत्या (अल । न.स्टब्स के इट्स क य क्याउ) धुनादत दिखा इस कव्यकादनर विका दिएगाउँ कार्यात । विहादि अञ्चलियात महामध्रक छेई ভর্ন ক্রেচারিরে অন্যায় অপ্যান কবিকার অপ্ द्वारत मरुलाख करा इहेशारह । शाद अक विन প্রভাষাস্থার জ্ঞানস্তা-ট সাধ্যের বাটার সম্পূর্বক পথ বিয়া সন্ত্ৰীক গখন কৰিত হছিলেন। শেৰোক श्रह' बंब कें शांदक याद श्रेत्र माई व्यथमान करना। ওভঃ সিন্নার ডেপুলী মাজিটেটের নিবর অভি (यात्र कविदलम : व्यानिशी के गारहत्वत १० हेकि। वत १६४। छ। स्प्रांतिनिश्तत अवस्थात अक्रम ব্যবহার দর্শন করিয়া সকলেই অসপ্তই হইয়া ছেন ৷

ত। গত ২ রা কেজরারি রজনীবে'লে এ অঞ্চ লের কোন কোন খুলে প্রবল্ধ রাভ্যান্ত নিধার্থী -মইয়া লিয়াছে। নিশাগুলি এক ইন্ত্রু ই ইন্সান্ত দিও গৃহ ভেদ কবিয়া পাঁতত হইয়াছিল। ভাহাতে বছসংখ্যক শহ পতিত হইয়া স্থাদি অনেক পশুর প্রাণন'শ হইয়াছে। সৌভাগ্যের বিষয় যে কোন ম'লুবের প্রাণ নষ্ট হয় নাই।

৪। এথানে দিন দিন তও লের মূল্য রুছি ২ই তেছে পেবিয়া সকলে স্পঞ্জিত ২ইয়াছেন।

क्रीमनोच्ह मश्वामनाका भिश्वितारहर । व्याप्र ४६ किन शक इहेन कालनाव निकृष्टे ञ्चन के बार्य भागान ब्रह्मन की द्वीब बामेएक দিনের বেলার ৩০০ লোক (লাচিয়াল) উপ-ভিত বইয়া বিশেষ অভগাচার সংকারে লুঠ कतिब्राह्यः वानिगरनत्र अस्मर्'रत् स्रामा शम मश्र २३ - - • क्रीका (माउँ[১२ - • • क्रोकांव जन স্থার প্রস্কৃতি ৪০০০ হাজার টাকা মোট ৪০০০০ गर्थ हैकि। व्यवहार रहेबार है। खीरमाकविरांत्र विभाग अभगान कहा इहेब्राइड अनिक कि त्य गथरत महातारीत बाका अञ्चल स्वाध क्रिया मा বোহার নিবাদী মুজি নবাবলানের সহিত উক্ত গোলাম রহমানের অনেক নিন'লর্যন্ত বিবাদ'ন্ট্রা আ দিতেভিদ। শুৰিলাম উহ'র উপরেই এই বোৰ অপিত হইয়াছে। অত্ৰত্য পুলিব ইনশেক্টর ७ दर्बमारनद भूतिय दैनरम्भक्तेत अवर मानिक्षेत्रे **ञ**्जित्वेदक **छे**हेन किन भारहर এংগে উপস্থিত হইরা অসুসন্ধান কংতেছেন। ० । ७२ व्यन लाक साथी वलिया मुख इहेन्न!८इ নকলেই হাওতে জাছে। মুলি নবাংকামকে খু-গ কবিবার বিৰেধ চেষ্টা করাজে ভিনি শ্বয়ংই अर्',त शिक्त वरेष्ठारहम । देशीय आर्थन अक्षर इन न। है। अथन है को अलि का कमन मा हर कि আৰা হইয়াতে। সাহেখ জনেক ভৰ্ক বিভৰ্ক कराटक सवावद्यान ১००० श्रञ्जात प्रीकात का यम निवा शिक्षित फारहम। बाहा रुखेक, শামতা এই বলি যে 'অভ্যাচায়টী অভি গুকভর : আমানের তু হন ছেপুনী মাজিতেই প্রতাপনারার্থ निरंद राष्ट्राहर स्पन काम कडिया अविध्यात विहास करबम । ति छेन अव रियर केंद्र नाजना दीरन अचन छ এমন অভ্যালার। এটা দিনে ভালাইতী !।

वशानकांत्र को को कांत्री के इस व करा के विक शर्या श्रेत्राक्ष कांत्रा श्रुट्स त्यामकारण त्या श्रेत्राक्ष । कस्य भूनतात्र श्रुट्स वरणावरकत्र गमत्र के पिक्ष । क्यांत्र स्वशामित के क्यां सिवसन त्यांक्षत्र वित्यय (स्थ श्रेत्राक्ष, श्रेत्रात्र विवसन त्यांक्षत्र वित्यय (स्थ श्रेत्रात्र), श्रेत्रात्र क्षेत्र कांत्र के स्थ क्ष्म व्यक्ति वांत्र, क्ष्म कार्यस्थ विवस विद्या क्ष्म व्यक्ति वांत्र, क्ष्म कार्यस्थ विवस विद्या क्ष्म व्यक्ति वांत्र, क्ष्म

ন্মানের ব্যালাশ্যামী যে অর্থ ভাষা নালিওরা। পঞ্চাবেং ভিন্ন ভিন্ন জেলার লোকনিগতে সং-া এ অংশে যত যায় হইবে সে পরিমাণে 'তে কাহারও আপ।ত নাই। একণে ইহার াসিক ৰাম অৰগত হইলাম। টাক্ল সংক্ৰান্ত দৰ্মচাত্মিলনের বেডন ৮৭ টাকা ভৌকীলাবগ নর বেডন ৩০৯ টাকাঃ আরে রাস্তা প্রাকৃতি সংস্কাবের জন্য সালে মানে ২৩০ টাকা রাখি লেই মধ্যেই হইতে পারে। তাহা হইলেও ১৯৬ होका होझ कार्यात्र स्ट्रेटल हे जवल कांट सिर्फार स्ट्रेट अस्ति। कि ५ ५० मेका व्यासाग्र प्रहे-ভেছে: বিবেচনা করিলে ১৩৭ টাকা ও জনা দ্বাদেই ভাক্ত বৃইতে পারে, জবিণয় যদি কৰে মানে মানে ২০০ টাকার কিছু কম রাখা হয়. ভবে আরও অল টাঙ্গ হইতে পারে। ছেপুরী ৰাৰুধীৰ ছংখীদিলের প্রতি কূপাকটাক্ষ কৰিয়া ৰাহাতে অবস্থাসুদায়ে টাফ বায় হয় ভাছাও করিবেন এই অভিনান।

এখানকার ভুতপূর্বা ভেপুটী [মাজিক্টেট বাবু व्यवस्थाद्यं रष्ट्रं २२৮ होका करिया (भवन गरेस) <del>क्य व्हेटड व्य</del>वनद्र क्षर्ग कद्रिशास्त्रमः। हेनि অভ্যক্ত কাৰ্যকুশন লোক ছিলেন। ইনি ইংবা कीएक मीकाद कोवन इदिक निविद्योद्दिन । अक्टर निक्तित रहेवा किह्निम विकास स्थ क्ष्युवर করুন। এলাভ সেবের লাভ বংগর বিয়াদের ক্ষা লিখিয়াহিনাম, কিন্তু হতভাগা ঐ সাড বংসর দ্বীপান্তর বাস করিছে শুবিসাম। আঘা বের পুতন মুক্ষেত বংবু ওচেপ্রসাদ সেন মহাশরের कार्ड (परिया नकाल अग्रेड प्रेग्नाइन । किन्त আমরা কিছু দিন কাষ্ট্য লা দেখিয়া কোন কথা মনিতে ইচ্ছা করি না।

क्षशास्त्र ठाउँरशतः मूला क्रफर्टन २५ होका भौ । इंदेशास्त्र । क्षेत्र का विकास विदेशास्त्र विकास रविक सरमञ्जूषा अव्य मदिक पारक।

## বিবিধ সংবাদ।

नशास्त्र कृष्यदिशस्य यह छत्त होका कर्क ছিবার জন্য এক কোম্পানি হইতেছেন। জন-क्क कृतीनवारी महासमितितात रख रहेटच दुव ক্ষমিকে রক্ষা করা কোম্পানির উদ্দেশ্য। জনী ब्राह्म पूर्वापनिष्टे कृषक विरुग्त यांचा थारक, क्षाक्रमत्रा कार्य वर्षम कदतम । देईमिरशम् পৌরাছ্য বন্ধ হর এটি বিশেব আহ্লাদের বিবস্ত ।

ाक्षिक कार्यक विकास आहितात कार्याः कार्याः कार्याः व्यक्तित वार्याः स्टेशास्त्र ।

্টের কর্মচাধ্রিপানের বেন্ডন ও রাজা প্রফৃতি। পুনরম্ভির চেষ্টা পরিভাগি কবেন নাই। স্ত ও পারসের প্রতি অধিকতর বছবান করি বার উদ্দেশে রবজিৎ সিংছের সভাপত্তিত রাধা कुक छ मिरका बालग्राहरू काममह क्यांगा ত্থিয়ানা প্রভৃতি ভালে প্রেরণ করিয়াছেন: পথিত রাধাকৃষ্ণ একজন বিখাড সংখ্যক নিংজা পাওয়ার একজন প্রসিদ্ধ কৰি। জানেয়' चर ७३ कावाद लाभ ,व्हेद्रा वाद्र विशेषा अस्तर অ.উপ্রায় করেন, ভাছাদিপের ছরভিপ্রায় সম্পেই 2,81

 त नाइव लिक्नोके भवर्षत स्टेटन मत कर्क ইটুল গ্ৰহণৰ জেনৱলের কৌন্সিলের সভঃ **स्ट्रियम** ।

উইলশ্ম, আপষ্টল ও মিকোলাস নামক ভনক্ষন লোকার বোধাইয়ের এক মামোরাবির .मादास्य श्रद्धन कांद्रम् । साहारक दश क प्रहे রনকৈ ভয়ানক আঘাত করাতে ভত্রত্য প্রধ:-नजम विज्ञातालक जाशिक्तिमत शृहा मरखर कांका विशेष्ट्रन।

बाबू बाहेरकम बधूल्यन वरू कनिकाटाइ প্রভাগমন করিছাছেন। উচ্চাকে লইছা এখান কার প্রধানতম বিচারালয়ে এতদেশীর বারিষ্টর স্থিলেন।

সক সাহেব ছঞ্জিক করিসমর হইয়া তিংকলে भभन कृतिशाद्यन । फिलि शवर्गमादकेव ठाउँन । বিভয়ণ করিবেন। তিমি গবংমেন্টের জ্ঞা বিভাগেশ অধিক্তব হুংবড়ী নছে। शीरम शांकिरतम अवर इक्षिक मिनावन क्लाव দ্বিত প্রাটি লিখিছেন। স্কুলস্কুর্বর **डिगा**त कारक व क्षिताएत ,काम क्रमका था। क दिना । शवर्रायके ও इकिंक निवाहरी राजात क्षमञ्चा भन्नागत्रविद्धाविनी इहेरव मा छ १

कार्ज वहेर्ड मरवार व्यक्तिहारह, निद्या আলি বঁ। সংহত হইছাছেন। আজিম বঁ। যুখে বে আঘাত প্ৰাপ্ত হন, ভাহাতে প্ৰাৰভাগে কবে য়াছেন। এক্ষন হস্তেন্টিত নিপাৰী আকল্পন थाँकि दोलाविन्दत्र वथ कत्रियोद्धः । मश्योप সভ্য হইলে আবছল রহমন খা সিংহাসন প্রাপ্ত

नाई कृ १०१दोत्रन भश्तरकात्र सनियाहरू. রায়ন্তবিদেহ করের বিবরে ভিনি ভারতবর্তীর गवर्रस्केटक अक शब्द निविद्यतः । ১० व्यक्तिस প্রকাণিগের বে বছ দেওর। হইয়াছে ভাহা রহিড कता काशति जायशेवस मत्य । अवर आमता खडुना कृति शवर्गसान्हें अट्टाई। उ कृतिस्व मा । ভাৰে ভূমিসংক্ৰান্ত আইন একতা সংগ্ৰহ কৰিয়া शकाद स्वर्शतको अर्थतमा कतिपादकन राष्ट्रे अमीलात ও शकात यह न्यदेशारण मिकालिक

द्रात्मक महिकदार वाश्वत प्रक्रिक निर्देश प्रवार ४००० हाका अनान कत्रिप्राह्म अवर প্ৰতিষালে ৫০ টাকাস ছিসাৰে দিবেৰ। জন্যান্য ধনাচ্য ব্যক্তিরাও অগ্রসর হটন।

আমবা অবগড হইলান অবেখ্যায় নৰ'ৰ ৮ - , • • ठोको विद्या बांचू हाटलक्क बहिएकह ।চড়িড়াখানা ফ্রেড় করিয়াছেন। মধাবের পর্জী পুৰবার এমনি সক যে চীন হইতে বক্ত ভ অহিনে উ'হার লোকেরা ইুখাভবিতে ভশ্বৰেয় গ্ৰন করিয়া বাৰ্ডীয় উত্তম পঞ্চী ক্ৰন্ত করেম : সক মল্প নর। কিন্তু আনেলীয়দিগের প্রতিত একবার পক্ষীর ন্যায় সৃষ্টিপাত করা বর্ছবা।

২ রামার্চ টোনহালে মুসলন'ন সাহিত। সতা হইবে: লাড' বেপিরব আসিবেন বলিরা সভার অধিবেশনের কিঞিৎ বিলম্ব হইতেছে।

আপুরারি যাসে কলিকাতা হইতে ২৪,৬১, •২৫ টাকার তুলা বপ্তানী হইরাচে।

बक्तरस्टन शूनकांत्र शामदवान व्यावस हो-রাছে। কর্নের দেয়ার প্রভাগেমন করাজে আ-মেকে রাজার কমতঃ লোপের চেষ্ট্রা আরম্ভ করি यादश्माः वाद्याः (क्वन गर्थः मर्थः च्याकः शिक् নিউ্বভা প্রদর্শন করিয়া কতক লোককে ব্রী कतिराज्यस्य। (मरभत्र मक्क प्रशःभ विभूशका रहेटकट । এই रेडकांशर !टाब्द नस्टब सूर्व ख হত।বিস্থান হইরাছে। বোধ হয় ইহার সামী

মহাসমারে'ছে অগে⊹ার প্রদর্শন আরভ হই-য়াকে। সহজ্ঞ সহজ্ঞ নোকে ইটা দেখিতে আসি (७६५ । ७३२ ७ ३४ दूरवे ७ विश्व का उपा-নকল প্রেচিত ধইরাছে।

क्षिप्रदर्शिके व्यवन कविद्रारक्त हर्किक ক্ষিসন আদ ছই মাদেৰ মধ্যে বিগোট দিজে পাবিবেননা। বিশ্ব ভৌহার। দীম **হডিজে**শ को १५ अवर अटरमश्रम अवर्गमे के कि कविद्रो ছেন ভাষাৰ বিপোট প্ৰদান করিবেন। ভবিদ্যতে शंकक ना रम अवियदम विकीम रिट्यार्ड रहेरत। क्रांक्रक के बनन कक्षमा**ज न**मग्न **छे ५८ल फाँछ** বাহিত কণিয়াট্ডন আডএর উংহানেরের রি**লোট** ্রীতিখন হইবে কি না সক্ষেহ স্থল।

#### ৮ हे कास्त्र भक्तवांत ।

गंख द्राजिएक चवामी शुरुष वार् कर्गनामर्क মুখোপাধ্যায়ের বাসতে সর ািনিল বীভনের अन्यामार्थ अन्य स्थान अनुष्ठा देश । अवस्त्र स्थान दल, नत्र क्रिहेनियम मान्य क्लफ अक्रिक ज्यानर সভান্ত ইউরোপীয় ও বিশ্বর এড়াংশীর ভঃ লোক উপস্থিত ছিলেন। আৰু ত ব্যক্তিদিশে आद्याद्वत्र क्रमा भीक त्रमाहक क केंद्रेटवाली

THE RESERVE OF THE PERSON AND ADDRESS.

मुद्धिः त त्यमान्द्रत्य योन्द्र एतः । ५, छेद्रणः । महित्रमः ४, इद्रशः । व्हर्यः । **भ**्या । श्रम्भूत शास क्युनगाः वर् कालप्रप्रातिका : एक क्वार्तिक स्वारत कारण सम्बद्धाः । साथ मा খাৰ বল ও চউপলক্ষে নিয়ন্তি হল চউয়োপীৰ কান নাই। শুগ্ৰ বি ! বিয়াজ্যে । विश्वे चन कर अन्तरंत्र के न्दर्शकार के <sub>गर्भ</sub> कर कर के स्वतरंत्र के स्वतरंक के स्वतरंत्र के स्वतरंत्र के स्वतरंत्र के स्वतरंत्र উংস্তে বালা এবং জনেক ব্যক্তিমৰ কৰ্তাপ প্রাচার ইন্ছিলেন নমতবভ দলের অধ্যক ধারু মঃনাথ নত পথ ও সীত গুলি ইং বাফীতে সাংক্ষতিক নিকে লেখেন। ইয়াব তক্তিকন্তা ইয়াকে বলা ৰাইতে পাৰে। এথ সকল বাবু ৰছনাথ পালের হয়ে। প্রস্তুত হয়। ইনি এক জন বিখ্যাত ग-भी छळ ,लाक । अहे प्रमधि अक्तरन नगरनत्र সৰ্মপ্ৰধান কইয়াছে। দলেৰ সম্পাদক বাসু জন্মৰ-मोब हर्द्वीलावतीत् भावात्रव सम्बद्धिः (वाद्यः । भव्दत्र (समार्ग ३.१६ माडि. हारे अस्टार अन्दर्श চলিয়াৰান, এবং সাগ্ৰাই বাৰু জগৰান্ত ব ब्रास्थान्य अभारतीय ना उपाप्रशाहित ।

१८७६ बर्सर १७ क्वेडेन छ १८७६ बर्सर - , , । । अप्टेंब : ४, हेन अहुन १,४ ८४ ५ ५ ७ ७ witz e, = 0, wabn/: e wiy o e, . . . 29 €) ३ व त्राञ्च कञ्चा । ३,२२७० २३० शक: **क्रम्**क करे-

১-ই ফেব্রুয়ারি যে সপ্তাহের লেব হয়, তাহ!তে ভাষেত্ৰৰীয় হেমগুৱে কোম্পানি ও লক্ষ होता नाक करिवारकन , अध्यक्त का क स्ट्रेस কোম্পানি নীজ অংশী, বিহাকে নক্ত করা পাঁচ काकात्र व्यक्षिक मित्रा अवनंत्यत हेव अन श्रांतरभारप् नवर्थ रहेरवर । देशिया औरमाक भक्त श्राप्त छ। रूकीय ध्यानित कारदाहितिशय शक्ति कांधकात्र ! ব্যাবহার করিলে অধিনত্ত লাভবান হইডে র্ষা প্রেয়ণকালে সংঘ্রহণত ক্তেম না এদিক টিই প্রব্যের একণে বিলেব কাটজি। গভ করের वेस्रांशक नहर स्टेट्ड (केन्न्याक्षेत्र सहित्र-बाध्या पाउटा चन्ना १०७वा स्टेग्नाटक, व्याड ६व नहीं ह हिर्देश करे करिएंड मियारन स्ट्रेस्ड शास्त्र।

১ লা মাচ অব্ধি আগ্ৰা ব্যক্ত পুৰস্কার १६। ति कड़िर्वन । रीकाता ५००० होता नहीं छ शक्दनम केशिभिद्यार ठीका अक्कारन वे भिन्दन श्**वद्रा २६८७ । इं.**स्त्र अधिक योहिष्य । भावेद्यन 'সহাক্ষমনিগকে প্রতি টাকায় চাবি মানা

५४ प्रभ वार्थ । देश्या एक का एक के भाक्ताम १६८व वना । त्यामालका भन कर्ष्य छेमाछ इहैतारहन

बारमधार नुबन्धा व इ.कापन काकन (मधा ে ওবল ইয়াইতেই বাল এক। কাডাল সৰিল সাইডেছে। খাদ্য এক। অভিনয় মুক্তি, <u>হই</u>ল ्रिय ए लुक्ता छ कर्दर । माणा , याचा दिन्ता (च- एएट) । भवर्गमणी भवन्त्र कराहर विद्यारणा 🕳 क्रोह आगर स्थवन कर्त, हो बाहन " क्रिकि अध्यव । र 🕴 क्ष्मिकारिक मध्य सम्बद्ध स्थापन स्थापन हो स्थित स्थापन

दर जनकात की क्रुव इदेएक ज बाद चाटेलु'-লাভ বাবের বা সমাক হিছাবের মতে এই । তেন, তথাৰ ধনত হোল অভান্ত প্রথম ছইছু-्र वर्ष छ ७० वस वहें (हार्टक रें 415 J. প্রাণভাগে কবিভেচে ৷ অন্যন্তাপ মাকুমা ভাগে করিয়া প্রায়ন করিয়'ছেন, এবং আবুলিভ সকল বহু হুইয়াছে - ইগার কি কোন প্রেক্তিকারের উপায় নাই >

#### - ৯ ই ক'লেন বুধবাং।

जिविभिन्नाम है, एवं लिपे महमानी अहरूव श्री अप निवाहरी, शालाब अधीरन हिरकरल । देरमध् करिश्मन भिन्न बहेशाहन । এह, एर्सिक्ट त्राहे, केंद्र उत्था होत्तव । धन मारहव त्राह्म होति ब्हेब्राह्य । अब काष्ट्रेब भगाव छ छ উও সাহেশ্বর অংশক। ক্ষেত্র অংশিক পরিস্তহ कर्मन मा । इत्रिक्ष भक्ष कहेंद्रत अञ्चलकारायान्त्र राशत साँछ कुउक्षण। शकान करा कर्डवः **३**देरद ।

এমত কানজাতি ইডেন সাহেব সর সিদিল বীতবের সভিত ইংলজে য ইতেরেন। জাপা-ততঃ এম. মি, ৰে ল মাছেৰ বৃদ্ধাপনীয় গুৰুৰ্বিষ প্টের প্রতিনিধি সেক্টোরি হ**ই**বেন। প্রে সাহেব লেপ্টন-ট গবৰ্ধৰ হইলে ডাম্পিয়ন্ত সাহেৰ সেক্টে টাবি চইবেন, গকলের এই বিখাস। আমরা जाक्यांत्रिक रहेगांम, अठ, अस, शक्तिमन गारहर গর্ণমেন্টের জুলিয়র সেক্টোরি ফইয়াছেন।

नञ्जिषि টেম্পল সাহেব হোনালাবালে দরধার কবিয়া একত্ৰিত সন্ধার্থিগকে এলিয়াছেন উক্ত পারিবেন। প্রেসন মাটারেন। অন্যান্থত বালিজ্য । বিভাগে তুলা ও গম বথেট অবিহতে পারে। এই এমিক কৰিয়া খাকেন। এটি এর করা আৰম্পক।। বৎসব হোসাপাখালে ৩৭০০০। টাকা সাশাবন त्रन अथन जामनाहा क्रष्टी भारेचा क्रविकार्राहर উহতিসাধন করেন, এটি অ'শা কথা ঘাইতে পারে: টেম্পল সাহেব এবিষয়ে বর্বান ৩৯ জন সন্ধাৰের নামোলের করিয়াছেন (টেম্পল সাহে त्वत्र এই नक्त विषयत्र अञ्दात आहर, अवर एटन्य अर्थम कवस्था औरात मधात्र नाटकत श्राकु किया जाति है निकार क्या अर्थ (मध्या । साहा वर्षार्थ काम इतः जानता हः विकासहैगानः : Q. "

৫ চাকা ক্লম্ম চ.পৰে। তিনি এনত সম্বানের পদ তথ্য করিল্লা বিদেশ ভারতবর্ধীয় গ্রহণ্ডেটের প্রস্তাবাপ্রদারে লা क्रांपरवादन कान-रोशुराव क्षत्रराज्य स्वान्ना নিকে টাফা বৰ্জ লকার আকা দিয়াছেন काम्मानि ४२ जरू होक। इस मार्ट्य हार्ट्य, डीहारी का**शक्ति**ः ১६००० (स.स दाहाहेट्ट-(इन, कहें जोका क्षद्रन ४०,००० (नाक क्ट्रेट्ड পান্বিন। ডিনটি খাল আরম্ভ হইবে। ইছ'তে यद्भ क पिट्रहर क्षित्रकांत्र क्षेट्य अट्रमक बाह

अन उ वह नावक अक छन युदक हैटे.वाशाम अक कांक िटकी बहेब्रा होलहरू वारावाना धरवन कराइक छ। हाइक भुनिहर अनेन করা হইপ্লাছে। ভূমট মাডামকানা বিশপের **िनत्र जामा विनरशत्र क्रमा** ৫ খানি টিকেট এেরণ করেন, এক দিবস ভুস্ট इहं बन अञ्चलकोध स्वमा सहेबा प्रशीद क्षरन ক্রিডে যায়। প্র দিবস আনা বিশ্পের মাম কর্তন করিলা আপনাধ নামে টিকেট করা;ত **जाराक भूजित्व अल्ला स्टेनाइह।** 

বিলীগেজেটের বায়ুক্তিত সংগদ্ধাতা বংগন, স্প্রতিকার যুক্তের পর জন্মধ্য হয় আফীক त्रभात कामी इन इट्डाट्डन । देशटल बाधाय পারবাবগণ শোক করাজে আফল্প স্ব। উট্যু-विराप्त विका शहेशा माञ्जूमा कर्यमा आक्रमन ধা সাধীতের কানও পুত্রকে ফ্রোকে লইয়া वर्तम " व्यावः निरमञ्ज स्थाय नाहे, निष्ठात व्यामी ची जाणसङ्ख्यात अफि कमधावरात क्याट বিবাদ হইতেটি " মুসলমান রাজকুমার হলেব প**ক্ষে এ বাবহারটা আক্ষ**্য বটে। সিয়ার আঞ্চী ৰী আকস্কুল বঁ। ও আজিম বঁ। হত হইয়াছেন। এবংবাদ সভ্য বোধ হইভেদ। জনর বৃত্তিপ্রাচ্ছ আকংল রহমন খাঁ আমীর হইতেতেন। সিরার वानी या मण्डुरंब्राय नदाविक स्ववादक तर्व ষেক আফরুক থাকে আমীর বলিয়া স্বীকার क्षांद्रएष्ट्रम् । किन्न अकट्टे अक राज मा হইলে সিরাধ্তালীই সকল অভার মধ্যে উপ-युक्त क महान्य ।

আমরা টাইমগ অব ইতিয়া পাঠ করিরা আশ্র্যাবিভ হইলাম, থান্দেনের কালেটর স্ভার্ ভাঁজাৰ বিবেচনায় ডক্ৰড্য বিৰুদ্ৰ তুলা দৰ ক্ষি য়াছেন। ব্যবদায়িগণ একন্য অভিশন্ন বিরক্ত र्रेग्नाह्म. अवर जकान विशिक्षाहरू हे छन्न অমিজিত তুলা নই হইয়াহে: তুলার ভালাল रहेरन कड़ियाना कड़ाई चाहेत, थाना अना तथ বে শরীরের হালি হইবে ৷ কর্ম করা অভিনয় অন্যায়

ni firefer i

Character of the amender of the का कालात अक्रांकि क्रांका कारण विक्रविक शिरकार्थक के दिल स्ट्रीका की स्ट्रेस्ट्राल जिला?-त्र के विकास के किल्ला विश्वमित्रीरक् स्वकृति कहिला परम् नामीत्रस

उप्रोह्णम । डेक्स अंज बार्गन, कर्शन त्वचात्र, इंश्वाद মন কৰিবেন এজন্য কীয়াৰ প্ৰতি কুছজ্জা কাৰ্যৰ ভত্ৰতঃ ইউৱোৰীয় সমাৰ এক का कतिर्वय । बाजना है हिंद क्षेत्रकाक । कर्निय प्राप्त केरगटक सावेगात गुरस्त अस्तिकाचात मानासन कश्चिद्दन । जनारतस्मात्र विकास क्रिकेट हर्द्भक्ष हेक्ब्राइस्य साम्रो स्ट्रेस्टिस्

१ - इ शामका दक्त क्रमा कामता क्षापक स्रेमान अस्मिन्सिन क क्रमें राजना लग बरवरण चीरकी विकास पर पूर्व एक फाँकः शवन्यतानेक स्माहतः वृद्धियोग सना क्षिक्षेत्रात अक नका स्ट्रेस्ट्र । क्षेत्रा प्रति

त्त 'अत्रकात वात्रा क्यानक <del>क्षाक त्रहेरे</del>व ( मानाजूदन क्रमक्टन नक्टन क्रमहा है, (कार्यका के अहैं जिल्लाक होति

:बा स्वाद्ध काराः , जान क्षेत्राप्त वर्षेत्राटक । जीटलाटकब्रक - वक वर्ष भाषांत्रक्षेत्र अहे बका

रिक्रेथ ग्रामक अकाम ऐक्ट्रानीक क्रांमवाच प्रमित व्हाइ बान करतः न नामक्रिश्न श्रमहान होत्रिश्रक ल्लान कविता भाग जाराव्यक्त स्वतिक्तान अर्थक का कारक १५०० के कि अर्थक अर्थक अर्थक है THE PROPERTY AND PARTY AND THE WAR 海洋的中

Mary Services State Services Asserted West Cold Mary

रीयहा केरण कड़ि गए हैं पार्क क्या कड़म । ब्रेडरहानीय आवर्ती Bull of the market and the later from the second from and second street क्षांत क्षांत्र अस्तिकार क्षेत्र । यह क्षेत्र क्षेत्र श्राह नामका किन्द्रात अन अंदर्शन अवि काणकृषात् व्यक्तित अस्तितिक नमावन्तित्वा । क्षति वास्ति वास्ति । कास्ति विस्तृति सर्वात राज्यत क्रम मान्यम् अर्थि जात्राह निर्देश वारावेदप्रश्नमाय তীৰ পাসকৰ্মাৰ বছৰা আছে পাছ বাইৰাছ THE APPLICATION OF METALLS STREET, ST मत बीहिल कि बाज अमाधित है होता चम्पतिका म्स्यत् स्तिक स्थानिरणाक्ष्म । १६ कास्तित्र स्थान सन्ति अभिवास विकालिक एक कीशांक वर्णाः विकित्य । मेर मिलिन विकास देश मध्य वानग्रा क्षेत्रकारम् कनक जरेशा सहित्य हरेन ।

ক্ষিকালোর ক্ষিত্রিকাকারের ক্ষান্তা হির क्षित्राद्दम, क्षित्रपूर्ण (क्ष्मकर्त साक्ति वि अ भवीका सिर्फ कांगिरमा बेखारियात रक्षांगी ंक्ष्मित्रेयात्र व्यवस्थ काथवः विकासित्रत्र देशहर्ग्यः क्षेत्रत विक्षेत्र वहारण अहे जाति विदेश आजिए ब्रहरू " कीश्राविद्यात केलीन श्रेवीत मकानमा আছে। ৯ এই ডিটেইর কঠি কিন্সন, সাংগ্রেই श्रकारव स्टेटफरण । अस्तिहर प्रक्रिणा प्रदाति । कार्याचा अध्यक्षमाहित काल २०३१ कडिम वेहरन। गत्रीकार्विश्म की क्षत्र, कड़बर बनिष्ठरमत्र श्राटता क्य कि है चार्रकिसँस नाइस्य नत निनित्त विष्ठ-(बड़ बड़ांने किन स्ट्रियन नशह कार्य कड़िएक-(इन ) (य काकि कान्स अक्किकिशतक कानिक मिक्स विदेश केंद्रिको जन्न (शक्त कर्ष) गहैएक श्रीकृष्ण क्रेरवय शाः केश्यकं जिक्टके सात्र कि क्षणाता समा बाहिएक भारत ?

34.董中部中国正司首

आमहा श्रीनेत्र। हाशिक श्रेत्राम हाजाशकान, बावराक्षं सकालिका शक्षकि कट्सक बार्ति ग्राप य शब अवश्यिक स्वाटि विश्व विश्व मास्त्रि भारे culture femilientale Grate vices कार् क्ष स्वितिहास्य ।

, ক্লাক্ষাৰ বিচিৰ বেভিকাল আলোগি-क्रम्य मास्त्रम् अप्रथमहिके अकात श्रिपुरम सातू गाव विश्वीरभारक गामन महाशास्त्र महारह सामक विश्वास महरूष आहे करमारंभित ए स्थित र्जिक्किक्रीची क्रिसी क्रिकी रह का करतन। काराय विवि साविकानिय नगान डेनका-विकासीका कार्यक यह स्टामाद्रव नाकाय अंक्ष्मानां प्रमुख क्षापुत्र व्याप स विरुद्ध श्रम निक्कालत । साहत्व चास निक्र मात्र चाहित मा THE REST OF THE PARTY WHEN THE PARTY WHEN THE MAY ASSESSED TO শারাত বিখানের বিপরীত করা কর্মই মনি Des with mi . " cettade view der member कर मार्डेक क्रिकां लोकवांत्र क्राया त्यांची विकेतिया क्रिकां मार्टेक जानका आवांक केला

के ज जारती है नहीं है जो कार कर Court friend call within the MINE OF THE PERSON OF THE PARTY BUNG HAIN CANCER WELLE BUTH कृतिसारहम् १

**३१ हे कांद्रम मनिवर्ता**।

क्ष्यूरकम्ब (शहको ब्रह्मके ग्राम्कोका विश्वविमानद्वत अधारकत्र। वित्र कृतिश्रीरवेन, स शक्त होज अल, क, प्रथम दि, थ, भड़ीकीहे क्षांची क्रेटक, छोड़ाविनंदक अब्रक माहित्विकी উপস্থিত করিতে হইবে, বৈ ভাষালের উত্তীর্ণ व्हेवात अधिक ग्रहाचना क्षेट्ड । बा**द्या क्या** विमानिया व्यथन्त्रम करते मा, काश्मित्रहरू देशांव करणरंखन प्रशासन्त अथना क्लिक मा देनहेंच्य क्टबंद्र मिक्के गांक्ष गिएको सहेटक क्हेंटक महिला करविका अजीकात शद लेख प्रश्नाद्वत मर्गा क्रम ब नहीं का व देन दिए रहेफ खाइतिम कि मानिए क्षा, अक्टब-, मञ्चलक्षे ६० केर्ना, कवित्रा निर्देश कांद्र कि लिए वहेंदर ।

ं किवि देवर विक् निर मार्ट्य, विनि अकाम শীয় শিশিতে বংজিদিগকে শুষ্টান করিবার জন্য শারতবর্গে শাসিয়াহেন্য তিনি সম্রাতি নকোরে थानिया संदेशस्थित वस्कृष्ण बर्फ बसी हिरलत है अष्ट्र का आहु का द्वय, देति कात्र कर्द्र के व्यवस्थ क मनारक्षे सम्ब कड़िएयम। \* छम् निरं जारक्षे ना कि मत्म कविताद्दम, जावजवार्द जान पृष्टे भक्त बाहारक माहे, कोशहरू है लिएक वृक्षान है। क्या मा । कीश्रीत का का श्रीमदसके जातारी कुष्टे बन्ध अस्य कतिर्थ । अत्र काशत विका ভাৱি ৷

'' योग्द्रता कान क म का कालाइक ता भरिष्ठा (क्वन परत पश्चिमा क**ाल भरीका किटल** वाहे (व. छाश्रामिश्रक स्त्र कीन कल्डिक अश्रक्, तत काम हैम्टलावेरमम माक्षिकिक शहलान कतिएड बहेरव, त्यहे माडि क्ट्रिकी ७३ व्य अव्हा वटत्व मर्वामे रहिल्लीरायम् ममील्यावामक्तिएक व्हरम् । "

क्ष का कर बहुताम, " (का बा है एवर शांव स्थ्य-मिन्द्री किथि कार्करात विमानसूच अवसे जन বয়ৰ হাত্ৰের বিভাষাতা কাহার ক্ষমিকায় বি-बार क्रिक बार्क क्षेत्राहित्तम, अरे हात्व केक THE PROPERTY PROPERTY OF PERSONS FROM व निवाद को के अवाद (जीकार अधिनक।"

म में बहुत जबके मुख्य (बल बट्ड क्ट्रकाटक क्रिकेश अब्देश मट्ड भावित मनदर गाउ-बिक्किश राहरवा

## ইউরোপীর সমাচার।

লওন ১৬ ই কেব্ৰুয়ারি-সমাট নহাস্ভায় চু ডাঞ্চলে বলিয়াছেন, ইউরোপের বাবভীর দ যে ধৈত্ৰীৰক্ষৰে বন্ধ হইবে, আৰ্ম্মনী এ ইটা-র একভাতে ভাষার প্রকাশত ব্রয়াছে : ন্ট ভাল কানেন কুলের চেষ্টা থাকিলে ভি রক্ষা হইবে : ভিনি বলেন ফুালের সহিত ন্য অন্য প্রধান গবর্ণদেক কেষ্টা করিয়া শুষ্টি-ন্দিগের বহু রক্ষা ও ছালভানের ক্ষমতা ক্রয়া চ বাখিলে ভুরজের গোলবোপ শান্তি এবং Bরোণীর রাজেরে পরক্ষর বিবাদ নির্ভি ছৈও পারিবে। পোপের রাজনীতি সংক্রান্ত দতা প্রাকৃতভঙ্গবিদ্ধ লোকের দারা বাহাতে াক্রান্ত না হয়, সমাট এ চেপ্রা করিবেন। ইৎস sর সহিত উাহার বৈত্রীভাবের ক্রমণঃ **রুছি** रेएक्टरः। महारहेत्र प्रविषाम च्याटर् गावित्र/ी াখাত হইবেনা । তিনিসাসন প্রণাসী সংক্রান্ত টেৎকর্ম পাধন করিডেট্রেন এবং সেনাগলের পুররায় বন্দোবস্তা করিকেছেন প্রজাপন সমি চনা পূর্বক ভাষার অপ্রবোদন করিবেন, ইক্ষা প্রকাশ করা হইয়াছে। ইটালীর সঞ্জিবর্গ দজ্যাপ করিরাছেল। ২৫ এ কেন্দ্রারি নহা– ভার উৎকর্ষ সাধন সহয়ে ভর্ক হইবে। ইচা-র বহাসভা ভক্ষ হইরাছে। কিলাবীতে কেনি ন বিভোক হইয়াছে।

এতিনিধিগতা দক্ষিণবিভালে সামরিক াইন এচলিড করিবার বিল বিবিদ্ধ করিয়া-ন । কেৰিয়ান বিয়োহ কিনাৰ্বির পর্যন্ত অভি-র করিয়া অধিক তুরগানী হয় নাই। সৈন্যগণ শিরাস্থিগড়ে বেন্টিড করিভেছে।

क्यांनी टेमनाभन मिहित्का खाना कहि-হৈ। প্ৰ**ংঘ্ৰ হো**ৰণা করিয়াছেৰ আল্লার-তে কেনিয়ান বিয়োধ আরক`ক্ট্রাছে। াহাজ সকল আরারলঙে গ্রেরিড হইরাছে।

#### --:0;---প্রেরিত।

মান্যবন উমুক্ত দোমপ্রকাপ স্পাদক वर्गनह नवीरभष्ट्र।

চন্দ্ৰৰণৰ সাহাৰাষ্ট্ৰত ইংবাজী ও বন্দবিক্যালয়।

ার্থিক শারিকোবিক বিভয়ণকার্য্য গ্রন্থ রবিবার পায়'হঁইয়া গিয়াছে। এই কাৰ্য্য উপলক্ষে ক্ষুদ্ৰ ট সম্ভান্ত লোক ভবার উপব্যিত হিলেন। বিকাক্ষা নিবালী তীবুঁক্ত বাবু নীলক্ষল বলেগ

পাধ্যায় মহাশয় সভাপতির আসম এহণ দীৰীয়া বাসক ও মর্শকমিগের উৎসাই বর্জন করিয়ায়েছ। দ্যাসভাকা নিবাসী জীবুককার আৰম্ভক চৌধুরী বহালর ১০ টাকা মুল্যের পুঞ্জক একটা অভিনিক্ত পারিভোবিক দিয়াছেন এবং জীয়ুক্ত বাবু ভোক্ত শাধ দাস দহাশর ৫ টী করিরা টাকা সুই জন वानकरक निवारहम । अखबित्र ७० क्रीका बुरनाव अकटमनेष् अनिष अवस्थान्तरम् अवस्थ शुक्रक এদান করা হইরাছে। ইংরাজী ও বাদলা ছাত্র-ব্রতি পরীকার এই বিদ্যালয়ের ছাজের। হুগলী জেলার সমুধার সাহাব্যকৃত বিদ্যালয়ের যথে বৰেষ্ট প্ৰতিৰ্ভালাত করিয়াছে। সভাপতি মহা– পর কহিলেন বে ও বিন্যালয়ের বাটাই অভি স্কীৰ্ণ, আর একটা বর প্রস্তুত করা নিভাস্ত আর भाक, अ काना नाशांतरभन्न निकडे नाशांवा श्रीर्थना করা উচিত।

#### ---!e!---

#### कूक्ष वानिकाविकानम् ।

চুচুড়া সগরে ডিমন্ট বালিকাবিদ্যালয় প্রভি-डिफ स्टेबाटस । फबरस " प्रमुका चानिकाविका-मह में मायक विन्तानवति मदर्शाश्वर्षः अवर छेवछ অবস্থাপর, ইহাতে কেবল ভয়লোকের কন্যারাই অব্যয়ন করিয়া থাকেন, ছাত্রীসংখ্যা সর্বাপেক্ষা डेक अवर अधानकात्र ऋषकक्षी कृष्टविरमात्र बाहारे रेटांब पाव अवर कार्य निकीर रहेश थारकः। विम्हानरवृत्र मर्गकविरमञ्ज व्यक्तिवाञ्च निवि বার পুক্তকে হেখিলাম গ্রহণ্মেটের শিক্ষাবিচ্ছা-গের বিদেব বিধ্যাত কোন প্রবিক্ষ ইনম্পেটর मिथिय्राह्म करे विद्यालय मित्र चलरमजीय याद তীয় বালিকাবিদ্যালয় অপেকা উৎক্রই; আমি ক ভাষার এই অভিনাম নিয়ণেক বলিয়া দীকার করিলান। বিদ্যালয়ের অধ্যহকরা অধ্যেকর ন্যার गरबाहरफाहिटक विका जाक्यत कराहा जा, এ পর্যন্ত বিদ্যালয়ট সাধারণতঃ প্রকাশ করেন নাই। সম্রেভি সমুহার স্থাতি সঞ্জ করিয়া अवर' विकामरयत्र प्यार्थामा व्यवसा (क्यिस শাহন নহকারে পর্ববৈদেউর ক্রেইচারী 🤝 অপ্রান পর বহোদয়গণের ভস্কাবহালে অর্পর স্বারীতে-ছেম। পারিভোবিক উপলক্ষে এবারকায়-সাইছব ও বিবিগণকে আহ্বান করা হইরাছিল, কিছ হর্তাগ্যবশভঃ দেদিন রবিবার হওয়াতে অনেকে क्ष्ममनभन्न जार्याङ्ख-विद्वानदात मध्य । चाभवय क्रम्म वाहे, क्षित्र शाह शक्टनेहे अद्याद এডুয়ের নিবিরা আছেশ একাশ করিরাট্রনেদ এবং ভবিশ্যতে অধ্যক্ষরিধের ন্যায়ভা করিবেন चीकात कतिहारक्षम्, वेश्माकीश्च महिलाबहन्त पहण বিদ্যালয়ের বিলেশ **ধর্মলের সভাষ্**লা, বিবি এখাএ

क्षेत्र शाहिएकारिक केनागुरक केनागुरक श्रो विशानदक्क अपने कारब्रध्य कविद्यय, दिना प রোধে খীকার করিয়াছেন।

বিহ্যালয়ের অধ্যক্ষ নবাজ বন্ধ কর্মর পায়ে काम, क्रिन्दुक गंत्रियामी विश्वामा क्रिनुका व নিবাইটান শীল সম্পাদক্ষের পরে নিযুক্ত ব্যবি विकामाध्य ममुनाव कार्या निर्मार कतिया शास्त्र ভাহারই বন্ধে এবং বুজি কৌশচন এবন " চুমুড়া বৰর <sup>ছ</sup> ঐবানেও বালিকাবির্যা এতি**ভি**ত্ৰইন, হইয়া আবার চিরস্থারী উ উরভ অবস্থাপর হইগ। সাহসিক ও বুলিয়া। হজে সংকর্মের ভার অর্থিত হুইলে কেনই क्रुनिक:एक्ट्रेंच का । हुपूकांत्र जावात वानिकारि गप्त स्टेरन अ कालांब मध्य हिंग :

<u>ভ্ৰম্</u>য বালিকাবিদ্যালয়ের বিক্রীয় বাংস্ক্রি পারিভোবিক বিভন্ন গভান কার্যবিবরণ २৯ अन्यस् इवियोद्ध ४९१७।

विवि श्रांक्टमें केंबर चनड इस्में हरनर মহিলা এবং 🗷 দুক্ত সাধু মুগাচরণ লাহা, কো त्मांस्य प्रदेशेभाषात्र, भूत्रय क्रूपामाधात्र ज **मुज़ाबिक हरे नक बाबाननहिरेखनी बर्**स সভা হলে উপস্থিত হন। জীয়ভা নাৰু ভূ যুখোপাধ্যার সভাপতির আসন এহন ক্ষরিলে अषः विवि (पांअप्टेम वानिकात्रनाक भातिए विक विकास क्षतिरामा । ७५९८म 💐 🕶 লিব**চন্দ্র গোন বিজ্ঞাপনী পাঠ করিলেন** ।

विवि (पंजिद्देश विद्युव पानम (क्षक) शंगाचेरतः वारकाचं दानिकार्क भूतकात् का अब्रिटनव । अब्रिद्रनटव स्टूटबब काबू विवित अस्ट्राप **অভি সরস নিষ্টভাবাতে :জাতার অসী**স খ লেন ক্রেৰ প্রকাশ করিলেন এবং বালিকাগ্য विन्तानिकांद्र व्यवसम्बद्धाः अवर प्रवाहाः व বদ্ধ হুচক বীয় বুক্তিনিম্ব অভিনায় স একান করিবেন। অগর ছই ডিস ব্যক্তি কি किकिर बहु का कतिराम । विद्यालका अप तिकृष्ण यात्र देवक्र्डमाच भाग भवारमञ्जलक **प्रा**प् विवि ब्याबद्धेन क मकानकि महानग्रहक का श्रीवान कर्न्यालया, जन्मा प्राप्त प्रमुख ।

अस्मित् शर्रकः। EEQ! I se हे क्लिक्रोड़ि swe1 i .

------गण्डाकम महाभन्न । प्रदे क्षमत् श्रूटर्क पहले বেলার অভঃগাঁড়ী দ্বাস্থালী ও ভারত্তর কা পাড়া আনে ক্ষর ক্ষর ছইট সাহার্য देश्यांकी अवधिकालक किया । प्राप्त गी. स्रो कोशिको चार्च क्षिप्रकृति चरिक पुत्र मेरह म्ख बाउनारी दिए हा लगा किराह अवन पहिल्य परिचान किराहर जिल्हा किराह गरकार्यन केलाई कार्य विदेश रेक्टर के वर्ग । विश्वा क्षेत्रीयमाम वृद्देशक्ति । वृंशास्त्र क्ल क्रक्रिकां क्रिके, सीक्षेत्रा विश्वक व्यर्थ यात्र प्रांत वांक्षिक क्षणमारक विक्य विरंगमः। দ্ম <del>ছুলে</del> মাসিক ১৪- টাকা ব,য়ে ৩- টা ব্যালক অধ্যয়ন করিত। এ প্রধেশের ভূত-হেপুটা ইনশেষার ক্রিয়ক্ত বাবু বিষ্টারণ ধাশাখার এবং উত্তর প্রাবের কভিপয় ৰ্গাৎসাহী বুৰক, বিদ্যালয় ছইটীর এক্স**ণ** শোচ इ स्थलका प्रभंति इःचिक श्हेग्रा वस् कहे छ बुक्क चौकात कतिया ১৮७६ नाटनत स्थारम न् पूरी अक्तिष्ठ क्षिप्राप्टन। एवर्गर अहे नजे पूर्वारनका উखरत्तन इनिरयहः। इह সবের মধ্যে ইহার ছুইটা ছাত্র বাললা ছাত্র-ভরুও একটা মাইনর ক্লারশিপ পরীকার

क्षेत्राटङ् । प्रश्रपत विषय अहे . प्, मारेनद লারশিপ পরীকোতীর্ ছা**ত্রটা ব**য়োধিক লয়া ছাত্রসৃত্তি পায় সাই। একণে এই জুলের লাৰক **জীবুক্ত যাবু হ**াৰণ্ড জ ৱায়চৌধুৰী ৰহা য়ের সমগুণের পরিচয় না বিয়া ক্ষান্ত থাকিতে ারিলাম না 1 ডিনি নিজ বারে স্কার নিমিত ক্ষম প্রাধের সধ্যস্থলৈ এক খানি বাস্সা প্রস্তুত রাইসাহেন এবং মাসিক ৭৫ টাকা করিয়া াণ বিভেছেন। শুনা বাইছেছে, কাউপাড়া বোদী প্রীয়ুক্ত খাবু বাজহুমার বোব মহাশর ুলের সমধিক উন্নতিব নিষিত মাসিক ০০ টাকা त्रिया होशा विदयन अजीकाय कतिबादहर्म।

সক্রতি খুলনিয়া মংকুনার ডেপুটী মাজিটেট **ীুক্ত বাধুরাস**বিহারী ব**রু সংকেটে আনু**সিয়া ট্ বিদ্যালয়টা দেখিতে আইদেন ও পরীকা হেবে গঠই হইয়া প্রথম তোনীয় একটা বাল-দেক ০ টাকা মূলে।র- এক খানি পুস্তক্<u>পুরুজ্</u>লার প্রাছেন। কাউপায়া এাবে একটা বালেকা-ধ্যালয় এবং আর একটা পলীতে একটা (९३)की वावना विम्रानम् त्रश्वानम कविग्रा সিরাছেন। বাহাস্থ একণ উচ্চপদত্ত, ভাহা হিলের নিক্টে শ্বিনয় নিধেনন এই যে, ভাঁছারা মক-ষুলে আফিয়া কাদবিহারী বাবুর মত প্রজাপুঞ্চের हिन्देशानम विषया यह कटहर ।

উপসংহারকালে কুডক্সভা সহকারে শীকার कृतिहरू हि, अरे विष्यानहात क्षयाम निक्रक 🛍 কুক্ত বাৰু ৰারকানাথ রার ও প্রধান পণ্ডিড 🕭 গুক্ত বাবু প্যারীযোহন বজ্যোপাধ্যার মহাপর নিয়ান আক্ষরিক ববে ও অনাধারণ পরিপ্রমেই ब्राङ (व किङ् केंद्र कि व्हेत्रारह । किल जारकहें প্ৰেক্ষ বিষয় এই যে, কেডমান্তার বাসু আনানিশের क्ष्युन्त्र अन्याश्चाकत्र अन्याश्चत्र लाट्य आहरे

পী ছিল হন ধলিক। স্থানাক্ষর স্থাইবার চেটা। প্রায় সকলেই স্বীকার করিয়া থাকেন। সকালে-भारेट उद्देश्य ।

"এক জন হাক্র। রাজুলী। ১**৬ ই ক্রেজ**রারি । ३४७५ में अस्।

পত ৫ ই ফারন বেলা ১০ ঘটকার সময় व्हिचाम श्रव्यात्रके स्ट्राम अरु कविने रहा. जाहारक क्रिक्क (संध मारहर (संक) व क्रिक्क টন্সন সাংগ্ৰ (ছোট আলালভের জল) ভূল নেভেগারী উট্রেক্স পিজু গাংহৰ ও হিউজ সাংহৰ এবং গৰৰ্থমেটের উজীল ব্রীযুক্ত বাবু ছর্গামোহন ধান ও চেপুটা ইনম্পেটর প্রীযুক্ত বারু স্কুবনযো ধন নিয়েপী প্রভৃতি সংবভাববিশিষ্ট মহান্মার। উক্ত কমিউতে উপস্থিত হিলেন, ই্রাডে যাহা অবধারিত হয়, ভাষা নিছে প্রদর্শিত হইল।

शंख बरमह के न करत वर्ष होना क्या हरे ব্লাছিল, ভাহা পারিভোবিক অস্ত্রপ শিক্ষকদি-नारक विख्यन क्या रहा । जनत्त्र क्यान পश्चिष क्रियुक्त सामु विश्वक्षत्र खडीडार्श ১٠٠ हे।का, ख ভূতীয় ও চতুর্য সাউম মহাশহেরা প্রত্যেক এক এক শক টাকা প্রাপ্ত হইর'ছেন। পঞ্চম 🔞 বর্চ মাষ্টার মহাশরেরা প্রত্যেকে ৭৫ টাকা করিয়া পাইয়াছেন। অবশিষ্ঠ নিয়ন্থ শিক্ষ বহালয়নি য়াছে। বিভীয় শিক্ষ জীবুল বাবু ব্ৰকুষার বস্তু মহাশর ০০ টাকা পাইয়াছেন ৷ ইহার পঞ্চে নাপাঞ্য়াই ভাল ছিল। কেন না ভরিয়ত্ব निक्क बसन्दर्द्ध। डीहात जर्मका अधिक शाहे हार्ट्य। क्षथाय निक्य महानग्रहे (क्यन शुबन्धाय পান নাই। ভাঁহ"র বিষয়ে ও ধাঁহাৰ প্রতি সংক্ষেপে ৰক্ষয় এই, এক্ষণে গাহাৰ কানীতে গ্ৰন কয়াই জেয়াকল ৷

क्षकोश्व राज्यम् । **∰**:---

विका (ए अया वन प्रदर्शन विवादर बद অব্যৰ্গ উপায় কি না ?

বসন্ত অভি ভয়ানক রোগ। উহা বাহাতে ध्वा क्रमन कृत्य, खाहांत्र छ स्थाहे नाहे, खाहांत्र পরিবারের এবং প্রতিবেশিদিকের পবিত্রাণ भा**उन्ना इसर। উरा**त गध्कामनी मक्ति व्यप्टि-শন্ন বলবভী। তৎপ্রস্থাবে কডশন্ত পরিবার এক वाद्य मानवचूना क्रेका जिल्लाक । वनदस्त निमा-ক্লণ যদ্ৰণা যদে করিলেও ধংকতা উপস্থিত হয়। छिहा द्य बाजवकूदलत अक कीयनक्षम देवती छाहा विषय व्यवहादक व्यवहास २१३ मूर्ना क्रिकिटर

अष्टा में बहुत होरागत निवासक देशान समान ज्यामारवंत्र (वटन मञ्चल वनरखन वीख विदा शिका रिक्यात्र थया वक्कानावर्षि श्रामिक चार्छ। करतक बरमव स्ट्रेम, स्मान्त्रेस दिन्ना शिका विवाह द्रोक्टिक अरमरण क्षत्रक्षिक स्टेबारकः मन्त्रीय शैकात गरकाविकछा, अवन स्ट्रारशाहरूका ক্ৰন ক্ৰন মারাত্মকতা প্রভৃতি ক্তক্তলি स्मिष चारह, एक्सम् छैहा कुछविशः) मञ्जनस्मित নিকটে আদরণীর হয় না। না হউক, ফলে এক**রা** नकरमहे विचान कतिया चारकन (व, समीय मिकाम निर्कित्य छेखीर्न श्रेटन यावच्हीवम च्यान বসত হয় না। ইউরোপীয় চিকিৎসালাল বিশা-রদ বাবু থাণরতুষার মিত্র মহাশারও থা ৰত স্বীকাৰ কল্পিয়াছেন। তিনি স্বপ্ৰনীত ইবং वावशतक वःव्याग्न विलग्नाद्यम्, " अक्था प्रशास বে, ইন অকুলেশনে (মছব্য বসস্কবীজের চীকার वीष्टिया (भटन कांत्र वमक व्हेटक शास्त्र का । व (১) कि इ कि का क्वां। श्रिक्षंत्रव श्रव ভারদে উলিখিত তথ্টী বিশর্ব্যন্ত হইর। নিরাচ্ছে **উপস্থিত বস্তুকালে অন্যান্য बर्क স্থানের** স্ন্যা আসাদের দেশেও বসম্ভ রোগের অভ্যন্তির একোপ দেখা বাইভেছে। এবারে **২**ছ্ড দেশীয় দকাৰাত্ৰী বাজি উহার হস্ত এড়াইবে शादर नारे, व्यायकटक मामवतीला कश्यव्य कः **७७ स्ट्राट्स निरम्न अक्षे कालिका अक्षे**र र्हेम, ख्याता जामात राका नकत्तरहे श्रवत्र হইডে পারিবে।

পরস্থার আদের - দেশীর্মীকা রোগ गःग्लू हे इहे मध्य ( नःय Ŋ রাও বাহাবা মৃত ৰদম্ভ রোখা ক্ৰান্ত হইবা-ছে ভাহাদের atu i "\*

		min # %	
ালিশাই	<b>फनकी</b> है। नहीं	देवत्रियः द्र	1
à	<b>₹</b>	রামধ্রি গিরি রো	গ্
Σ,	4	নারায়ণ পাড়র	ŀ
Z)	ù à	মধু মাইতি	è
à		নকু ৰেহারা	Ā
æ	<b>क</b> नद!	নাহেৰ ভাষার স্কী	
à	<b>~</b>	অভিরস্থানার দ্রী	,
2	<b>S</b>	লম্মীর চ	
à	à	লাকু ভূঞা	

(১) প্রাক্টিশ আৰু মেডিবিল অ

Œ ક দক্ষিণ বাজিশাই কৈনিপতি বাস্তুজ | व खन'त औ 4 ৰাখনায়েৰ পী রোগয়ৰ 47 371 3 নারায়ণ শেট 7/3 Ē বীৰুকুল বাউভনাপুর ছবিনাবায়ৰ ব্লবিয়া মিস গোল। সাম্বেশ 149 73 ন **514 91,34 अलक्षात्र**्व াত্রর ৩খী ıì হাজিকোড়া, পিমাপেড্য আমচাপ্ত MITE. অনাৰ ব নতা काकफारशंव, याकावी, না বিপ • মং ব क्रमध Ś ঐ জানাৰ স্বাৰ এফ 4815

কাছু বেছাতার বব .

**बहेब्री मृठी छ जातक (मर्श हेएक शा**द: म य,

কিছ বাছল্য ভয়ে এই পণ্ডন্ত লিখিয়াই 🗥 ও

ব্ৰহিলাম। বিবিধ ফ্লেশ ভোগসহংারে দেখায় দীবা ब्रह्म कविद्याल यनि खनादा नगरस्व अस्त्रा हिती কুত না হইল, ভবে উহা নিক্ষলরূপে পরিমণিত ছইতেছে, সংক্ৰমাই। এখন গোষভাগ্যধানই আমাদের এক্ষত্র ভরুষা স্থান। উহাও জাবার षञ्चिति । भूता मरह। छोट्नारदश वरतन, क्षांष সপ্তবৰ্গ,ক্ষে উহা এক এক বার এফণ না করিলে জমারাইটলাঞ্হণ না। (২) ভাল ভা**হা**ও ধেন বীকার করা গেল। যদি ডমারা বদত শক্ষা পুরীভুত হয়, তাহা হইলে ঐ অঞুবিধা বড় अक्रो भर्खना नार। किन्न कथा अहे स्ट्रेटिंड (४, গোমস্থ্যাধানের বসত নিবারণী শক্তি নিশুয়া ব্বিকা বটে কি মা ? সভ্য কটে যে, রা**জপু**রুবেরা উছা প্রচলিত কবিবার নিমিত বিস্তর চেষ্টা পাই ডেছেন, ডাজবেরা অনুসূদ মন্ত প্রকাশ করি **স্থাছেন গোমপ্রাবে**ও উহাব প্রশংবাদ **লিখিড क्हेब्राट्ड**। किन्तु हेर्-ठार्न क*्*रल **ए जा**त वनक स्थाप स्टेर्ड मा কুত্রপি শুনিজে পাওয়া যায় মা , উধ্ব ব,বংলুক ব,বস্থাকার বলেন, 'অধুনাক মেন বাপর ছইকে এমত **পরীক্ষিত হই**য়াতে গ, বপিন্ড বনকেন ( গোষ अटक्त ) वेट खु निका स्टिन शद्द र नागात व वन (২) প্রাকটিশ আক মেডিসিম ২৭৪ र्जुर्के द्वारप विद्वन

গু ; ং ৷ নিহাবৰ কৰিছে পাৰেঞ্জ কেন ना शादमरखन वीरक जैका दिल यमिक के मान ব্ইতে পাবে খটে, তথাপি সেই সামান্য ব্যৱের भावा विপश्चित्रश्विष्ठि ३३८७ भारत मे। य হেতুবসভেদ সংখ্যা অভি অনু ষ্ট্রা ঝাকে, আৰু পাভাবিক বিকাঠা শক্তিবৰ অল্পতা হইয়া উঠে , অভ ১ৰ ভ্যাক্ সিনেশনকৈ বিশেষ উপকা दक काकाल क्ट्रेंबक, मान्नद वार्ट ( ०) व अधन गश्रदं बहे अनुष्य अभिरष्ट हा स्थ, ऐति विष টোকংগা পুতকেব দেশীর জীকাব ফল মন্তিত মত বখন অন, ৰ'কুত হইল, তখন গোনহু ব্যাপান বিষয়ক মতত বে ভগ্ৰপ হইবে না, ভাহায়ই বা উপযুক্ত প্ৰমাণ কি ? বিশেষকঃ যে চীকা ( মপ্তৰঃ दशन्त वीरणत जिका ) निरम अकदारत वावक्रीदम বন ও ধইবে না বলিয়া শ্বিতীক্বত জিল, ভাছার क्षित वर्गम वनक इरेब्रा बहुद्यान द्यान मन्ने इरेन, তখন গোনপুৰ্য থানে ( বাহাতে সমস্ত হটবাৰ मक्ष त्यां हास्तात्तदारे कृतिहारस्य, सार्कारक ) ्य नगन्त रहेग्रा भारकत प्रशास्त्र के किया ना. देश हैं या कि अंदर्श विद्यांत्र कहा याग्र ? आणि हे, াহস্ত্ৰপাকিক নানক একখানি সাময়িক পত্ৰে िर्मिष्ठ **१३वाटक ''** जाबीक भवकीय (य द्व দংশ্য রহিয়াছে ভাষার এপবাস্ত কিছুই নিবারণ इप्र नाहे। छाशास्त्र अख्यामा वनस्य द्वाना व কি প ২মানে নিবারণ হইজে পারে ভাহাও ল্মাণ হারা কিছুমাত্র নিশ্চর হয় নাই। ইহা একবাৰ বিবেচন। করিয়া দেখা উচিত যে, त्तावीक याने वनसा निव'त्रत्वत्र व्यवद्ध छेनाह रुदेख ७१व **फाराएक शबरत गमरत (क्या**दे <del>व</del>्याय-(क्षेत्रभावत व्हेटव १ प्यटमक ममटब्र हेहा अक्ष)क व्हेदारह (ए, देश यांगा कानम्रण फेलकांद्र व्य मारे रेक्सानि " ( 8 ) अरे नक्त काविया विश्वित वक्षः करन महत्त्व हातात्र कारका किछ इंदेरकर ।

**উপসংহারকালে বক্তব্য এই যে ধনি বধার্থই** গোৰীজের দীকা বসন্ত নিবাংশের অযোগ উপার रम, जारा रहेरन जेरात कम नवकीम विकासिक এবং বিশুদ্ধ মত প্রকাশ করিয়া ভাষাতে সাধা রণের প্রবৃত্তিবিধান করা লোমপ্রকাশের একটা श्राम कर्डवर गरमस् ना**रे**। ५२**७१ मार**मञ ३४ वे कः उत्तर तामधकात्म अळ्ल्य-विक रा अक्ती अवद आवशिक स्ट्रेग्नार्क, फा-( ७ ) श्राक् क्रिन जाक (मध्यिक २५२ गृहे)

(मधिरवन ।

( ६ ) ১৮ ७१ मारमज ७১ अ मार्क विन्तीज ্হিন্দুপাক্তিকের " গোবীলৈ টাকার আদি করণ कि ? १ अदे श्रायक क्षित्वसः 🥣 🐪

হাতে উক্ত দীকার কল ও উপকারিতা সমুখে বিস্তারিত রস্তাত কিছুই লিঞ্চিত হয় নাই। সোচ धकाम कामारकत भद्रम हिटेडबी भारत, छात्रारक कामहा केंग्रुम १५४ छ । विवर्ताः अविश्वतः असा-লোচনা প্রত্যাশা সর্ব্যা কাকে:

উপহার। ভাচতাৰা হোমিওপনাৰি চিকিৎসালয়ের কাৰ্য্য বিষয়ণ। ३१ अभाष ३२१०।

मानव जार्जित हर व मिय! इन अ क्रम मरवर्दन. মনুব। জীবনের এক প্রধান কর্ম। বিলেগতঃ মানবদেহে যত প্রকার যাত্রণ সম্বাক্তিত হয়, তথ্যে রোগের বন্ত্রণাই নিতাস্ত ছঃসহ। জঙ্গব ্ষ মহাত্মা চিকিৎসা প্রধানীর সৌকর্মা সাধন করিয়া বোগ যাভনার হাস ও আবোগা সুখ সজোলের পথ সহজ করিতে পাবেম, ভাঁছাবই ঞীবন বাৰ্থক। জন্মনাদ্ৰশীল্প মহাপ্ৰভাব হানিমান (ग. कि:किश्म) क्षत्रानीत कर्णकाकृष्ठ कर्मकृ সৌকর্ণ্য সাধ্য করিরাছেন, ভাষা অনেক দেখে, करनक পঞ्জि मधनीर्ष्ठ निः मः नरम् प्रीतुष्ठ হইয়াছে। অভএব সর্বাত্রে মহ'লু ভাব হানিমা-নের নিকট আমাদের কুডফটো প্রদর্শন কব। উট্ড। 🕶 র যে মহাত্মা বছরুর ব্যাপী সাগব পার হইতে হানিমান-আবিজ্ত দেই সুখক। চিকিৎসা প্রণালী সংগ্রহকবিয়া আমানের দেশীয় विविद्यार्गद विद्यार्ग क्षार नीता क्षाप्रमान्य । व्याप्रकान्य । অনায়াসলভা করিয়া ডুলিয়াজেন, ডিনিও আনা •দের সামান্য কৃতজ্ঞতার পাত্র নহেন।

বোধ করি আপনার পাঠকবর্গের মধ্যে প্রার नकरनहें भरतंत्र चारहम (व, कनिकाक रात्री প্রাণীয় মন্তবংশীয় মহান্তা রাজেক্স বাবু সামানের দেশে হোটাওপ্যাথি চিকিংসা প্রধানীর সর্মা প্রথম প্রচারয়িতা। রাংকক্র বাবু যৌবনকাল অবধি রোগীর রোণা সময়নে অন্তর্গানী। হোমিত প্যাথি প্রচারের পুর্বেষ্টিনি, নানাবিধ বছরুল্য कवित्राधी ७ व्यादलानशीन जैवर मकन मध्यह করিয়া থোগীনিগকে অকাতরে বিভরণ করি-ভেন। জনভর হোমিওপ্যাহির জনাধার**র ও**র্ন व्यवशक रहेन्ना व्यवस्थि जिनि चन्नः अर्थ नात्र क বংপরোনাত্তি পরিমন তীকার করিয়া প্রতি দিন चारवक रवागीरक त्रामयञ्जनी इंदेरक मूख्य कति-**८उ**ट्टर अवर चटनक ब्रमा**न् क्**षणायोगे वाक्रिटक आभ्यात पद्धार्थी कतिते जुलिबादस्य, काँश-हा 🛎 व्यक्ति दिसे भेषा भेषा दाशीरक चार्रशीशः भूटच क्रुची 'कॅन्रिएक्टइम । 'अक्रटन अहे 'कांत्रख-<sup>8</sup> कृषित ज्यान क्रिने पाटकता चानू श्रामिक रहामिक्यानि अयोज पद्मा अनाह स्वेतारह अवस



क्षार व्यवस्था सामि क्षा वानीरक क्रिकिश्लिक के इंडोशिक्क इंदेश क्षणप्रवर्ग प्राटकक মাব্র মুখোম দৈ প্রাপন্ধ করিতেছে।

बारुकेन्द्र बाह् भाषादक्त बाहुन बदहानकाती, ভাঁইটিক অনুসৰুজ্ঞ কোন প্রীতিকর উপহার নিয়া त्य, जास क्रेक कुछकाका धानमंत्र कति, जान्दितत अन्नन नरकाम बाद्दे, किन्तु विनि स्व वियातन अथव क्षत्र क्षिता, (न विषद्भन्न देवनियम और्विवार्ट) क्रम्भ हे केश्वंत शरदामिकी श्रेत्रा वाटक, अहे ভাৰিয়া অং আৰৱা বাদেশ বাৰুকে ভাচতারা হোমিওপার্নথি চিকিৎসালরের কণ্ডিপর উপকারী कार्यः विवत्नवद्गरे केन्यम् अनारम केनाक स्ट-ক্লাভি।

১৮৬৩ খুঃ অন্দের ১০ ই মে ভাচভারা मिनामी क्रिइक राष्ट्र यटमच्य निरह महानद चीव আভাবিক করুণাগুৰে খীলু ও সন্নিহিত লাম সমূ থালে আহোৱা তুব বিভব্ন করিবার মানদে क्रिक वाजिएक अहे क्रिकिश्तानम् जरबायम करतम, श्रभवादि वर्षमाम ममञ्जू भर्व । छ जिल्ल स्व जिल्ल পুর্সাচের নিজ সাংসাধিক ওফডর কার্ব্য পর্যা-লোচনা- পরিচাব করিয়াও সমাগত রোগীদিশকে কাৰস্বাপ্ৰসায়ী ঐবন বিভাগৰ কৰিয়া ধাকেন, অহতে সমুদার উদধ বিতরণ করিয়া উঠিতে পাবেল লা বলিয়া উচ্চাকে নিয়নিত বেডন দিয়া अक अस गरकाती निवृक्त अधिएक स्टेब्राइस्थ ডাচডারা ও ডংগরি হড জারেছ তার হইডে श्राक्षिम प्राप्तक होती हिकिरगायी हरेश-যজেপুর বাবুব নিকট উপ্তেত হয় এবং তাংগর ব্যবস্থাপ্রায়ী উদ্ধ্যেরন করিয়া ক্রারাগ্যলাভ कडिया बाटक। भूवांख्य ख्व, होश, बहुर, ब्यह, বস্মুদ্র, পুল, ওলাউঠা, উ-রাম্ম, রক্তাভিদার, আৰাত হাবা বেলনা, বা ফভানি বহু প্ৰকার ह्माधामक वास्मित्री आहे हिकिश्मीमाञ्च विविधीमक **७ मध्यस्य गम्दत् (इ'त्रमुक स्ट्रेट्ट्रा** । केंबर रमयन कतित अभितिक रक्तिक विमादेश देखि जिला विदायान विहास हरेशा अहे शांख्या शहा । (सह मार्क अमाना, क्यम दांतू पशर काराय 🖫 পরিবত হুইলে ফুটার যায়, একএক বার মাত্র अवध-रमयम कः ब्रिटिमेर्स् अक ब्रिट्स खग्राज्य मर्कितः শাস্তি হয়, যদেষত হাঁহুর ভিক্তিংসারভের পুর্নে हैशे अं श्रात्म करूरे विधान कतिक मा, किंड अमर्थ पहरूक कान्डाक कविरेक्टह । अहे हिस्किश-मानव जानानव शास ब संस्तान वेडिनी छ निश्चमद्दन नीए। छनदिक हरे। माना श्रृकात प्रकृषित्र । क प्रमार्थित कुरुनिक स्टेक व कथन े विश्वेरिशदक मेड्रेडिक कथाप्राति केरब देनेका है अस्म केंगज़र किन, स्वारतक भाविकाश्वार, शिवुत वृधिताहत स्ट्रिज डि.मे उ सार्व किया गा ्रेशीहर **अभिक्षे कर विश्वन प्रदेश करने क्या किलो**हत कार्यक, खेशान कार्यकार, श्राक निया हुन करिन वर्गनेता सामकारक नाद इदेशाइन

गाजान रायम बाबा शंकिंगीता लागमूका रहेक मा, कर्ष्ट्र,या अधिक बाजाह श्रवस्म श्रव्याक्षाचि महाबद्धी छैरपछि हहेछ, विश्व अर्थात बदकावर বাৰুর কুশট্র এ দেশ বাসীরা গঠিনী বা শিশু-গণের শীকাকালে অসায়াদে মিয়ালং ও ক্লখ (गरः अवस्थास बहेश कामाखितिक यनगरः पर्श्व कामिक्क प्रदेख्या । जीत्मारक्त क्षाव ७ । থড়ুবছ পীড়া অভ্যস্ত ক্লেশহারিরী, বিভ উক্ত রোগরস্থ নারীরান্তই চিকিৎসালয় হইতে জতি मार्क्क । कारहाभागांच कविएक्ट । क्वेज क्रीरमार्कत क्राव मीत बाजू यक भारक, अध्या गर्छ नकाह बेनिहा व्यवधातिक स्त्र, ख्रुट्य व्यवधाना গর্ভ সক্ষণের অভাব দেখিয়া রোগ নিশ্যয়ে উহার আত্মীয়েয়া ব্যৱস্থার বাবুর মিকট চিকিৎসা প্রার্থনা করে, বাবু উহাকে ধে উবধ দেন ভিন দিন বাত্ত ভাষা শেবন করিছা দেই নারী পুনর্বার পতুমতী হয়। বাছা হউক, এইল্লগ সাহান। সামান্য সীকান কৰিছেৰ বৰ্ণন করিডে গেলে अञ्चार वाक्षित्र। बाब्र, विश्व वटमाध्य बाब्र व ক্ষেক্ট অসাহা হলিয়া অহথায়িত রোগেং ঠিকিৎযা করিয়া কুড়ার্ডা লাভ করিয়াহেন, ভাহার স্বিশেষ বিধান হা ক্রিয়া প্রভাবের क्षेत्रतरहात क्या वृक्षियुक (वाद हुए मा. এह निमिख निद्र 'खाश्य क्राइक्षे के हिच्छ हहे-(कट्ह ।

ভাৰভাৱাৰ সমিধিত কুলীৰ প্ৰাৰে এক ভাছ वरमीय बांद्री, खडाबक श्रान्यदारम खाडाख হন, ক্রমানত কুড়ি বংগরকাল ভাঁহাকে অনহ, यक्षणा महा कतिए इन्हें हो हिन, का नाव चाबी छ আতা বিলম্পৰ সম্পূত্ৰ লোক, অভএৰ ভাছাৰ: य अहे मीक काम मर्द्य कविद्यक्ति, चार्त्वाम् तथि, বা অন্যবিধ চিকিৎসা করাইছে ক্রাট করিয়াছি-त्वन् और। त्यानक्ष्मरे मध्य वाः रह नाः क्लकः दावाता कटनक क्षकात्र हिक्दिना कताहेब्रा ब्रिफ करहेन (य. य वाकि देशेएक बारवाशामाक हिक्किश्याम शहरू इत, अथम बिन ब्रांजिएक क्षेत्रविद्व भौतिहरू, क्षेत्रिक महत्व ग्रुष्टा भाविन हिकित्या काल्य करिया भक्षम निम अवस्थि ভোষিক প্রদান করিব। অনুস্তু কোন চিকিব- ' শুনিনের বোগী স্বাস্থালাক করিবাছে।

লায়ংকালে অনুডোন, এই সমুৰ্যায় অবণ করিয়া बरमधा बाद हिकिश्नाय शहा सम अवश्मीकि-वर देवश त्यवन कड़ाइंडा अनेत हिंदन आबीट ह ति।पेमुक्त कर्त्स, यशिक अक शक्त याज केवर দেব-েরোগী আরোপ্তার করেন, তথাপি साबू शुन रात्र अकुकात नवाक कें। हाटक खेवब (नवानत् वा प्या (मय, फ्रम्यूवारत् केवर (न्यम করির। ঐ নাব পশ্পুর্ণরূপে আরোগ্যলাভ করি ब्राह्म, हहे वरम." कछीछ हरेन साहात जान কোন অস্বাস্থ্যের সক্ষ উপস্থিত হয় নাই।

प्राप्तिचत्रभूरत अक ५ ग जाक्करण । अंध्याद रक्ष পীড়া হয়, ভাহাতে ভিনি এবেশলতঃ চিকিৎসা করাইছে ক্রটি করেন নাহ ক্রমণঃ বার দিন ব্যাশিয়া চিকিৎসা হয়, রোগের খংস্থা সমস্তাহে थारक, जनसङ्ग अक हा दुर्ड क्षान्याव नाम हितिहा চিকিৎসা করিতে হইবে বলিয়া জাঁ কে ভর अप्तर्णन कहारक किनि यटकचर देशकुर निक्र টিকিংসা প্রাথনা করেন, বাবু স্থাহাকে হে উৰধ দেন তাতার এই সাত্রা মত্রে দেবন করিয়া ১ জ ঘকী মধ্যে ত্রাপাণ খারোগ্যস্থত করিয়া সুধ क्स ।

ৰাৰুব নিজ ৰাটাতে এক বিপ্ৰস্থানী অনুবোধে बाक्री स्टब्स, (म श्रद्ध विष म छेख छेवर (मदन करत, भटन छेनताबद्ध चा क्षांक धरेरन कविरकन সৰৰ করিয়া ভয়ানক মুক্তাতিবাবে কাডঃ হইয়া भक्ता विद्राप्त मध्या ७० । ४० योज स्वत्रभाजाय मन मिलक हरेक दवर अनवत्रक दिहा ऐ. र. केंड বৃহত, যখন সে প্রা, সুজ্ঞাতিসাব ও অনবয়ত विकास क्षेत्रान मा का ताहिक इहेग्रा न क्षत उसन बांद्रम विक्षे भिन्न अवसा साबाहेश, परकारन वाबु अहे द्वारशंद मध्वाम भाग खबन काहादनव নিৰুক্ত কৃষ্টিয়াল মহাশ্য উহে,র নিকট উপন্তিত क्टिन्स, बानु स्वेश्टक क्रिकिन्स कतिहरू **अध्य**र्गा ক্ষিত্র তিনি কহিলেন শ্বরাতিমানে হিছা জানা

नकरे छक वालाकाम किकिश्मान अवृत्त रहेशा। वाबुधिरतक विवृत्त अक वृक्षमानी विज कुछाई स्ट्रेटक गाइत्रय बाहे । गर्ना (भारत हाजीत । (ध्यम ) व्यादन थाउन । श्राप्त व्यादन व्याप व्यापद्भित्रता व्याप्त वाहुत जिक्ड हिक्टना छ। हात वाछक स्टेट इस छैडिएक छ नचरकत अपूर्वी बहुद्व । यहकारण काहाबा काबुद्र निक्र । देशव शक्त वराय काथ वहेरक कावण दरेग, उर्थन क्रिकिर्याची प्रदेश: केश क्रिक स्था प्रथम त्याजन क्रिकेट मा द स्टब्स्ट क्रिक करिन, अकरा का या क्रम्य क्राव शर्हे हरे , क्रवम वा क्रिकिस महाम क्रिकार महार इस्टब हागीत बानश्य सार्वन महाना करियान महिन कामान मध्य कि व्हेतार ह

রোরে আক্রান্তহইতেছে, অভএব । ওনি ভাহাকে <sup>‡</sup> कहिलना कृषि अवद (मर्टर १ (म कहिन मी, महा-अग्ना मा है शह निभिद्ध ज्यात महानदस्त्र अवध जहरू इहरद मा हश्य यापूत निकट खेवर बाह्य कविका धार्मामद काःव कारह, धूर् এই भानी अथ कात्र रहमूख (दाटन 'बाट्ना'ड क्य, ওখন বাবু চিকিৎস। করিয়া ইহাকে রোপমুক্ত করেন, লোমিওপ্যানি পথ্য সামান্য লোকের পক্ষে বিলগ্ন ক্লেকর, একলে সেই পথ্য ক্লেপ नावन कहिया भारती अवस्थानरन अजीकार कवि-ভেদে। ধাহা হউক, অনস্তর ইহার মন্তকের সমু-मात्र काम माना वहेन, उत्तरम वक्कः कृत, पृष्ठे छ करक्द किव्रम् त भर्ष छ स्था हरेन, खर्थमन बानी शांत महत्र कदिशा जामाना जामाना अल्लेश किएक আর্ড ক্রিল: অব্দেষে যখন ইয়াৰ ওঠাধর শুজ হইয়া উঠিল ভ্ৰন ইহার মনে ভয়ের সঞ্চার ষ্ট্ল, ফুণ্ডবাং ইহাকে অগভা ৰাবুর নিকট 😽 প্রার্থনা করিতে হইল, 🐗 নাস অভীত बाध बाबू देशन हिकिएमा कृतिएकरहन, बाह्र সমুগার স্থানই কুক হইয়াছে, কেবল ছই একটী স্থান গুজ রহিরাছে। বেংব করি **অনজিবিদ্যার**ই মানী রোগযুক্ত হইতে পারে।

দাসপুরে এক রুদ্ধ প্রাহ্মণ অন্তর্গুদ্ধি পীড়ায় चाकाच रम, कविवासि वा कारमान्ताधि श्रना-লীতে উক্ত হোগের উবধ নাই। মুজরাং ভাঁহার এক পুর বিভাগে উলিগ মনে বঞ্জেখ্য বাবুর নিকট পিভার চিকিৎসার পরামর্শ জিল্পাসা করেন, ভাছাতে বাবু ভাঁছার চিকিৎসায় প্রযুম্ভ হন, বোগের ভীষণতার লাভি বইয়াছে। কিয় व्यवदाणि फिनि मीरहाश व्हेरफ शारहन माहे। আচীন বশিয়ারোগী যথাবিবি নিয়ম এডিপা-লন করিতে পাবেন না এই নিষিত্তই সধ্যে মধ্যে হাহার রোগ সামান্যাকারে আবিভুতি হয়, কিন্ত ডৎকালে উবধ দেবন করিবাসাত্র ভিযো-হিত হইয়া থাকে ৷ য*ি* তিনি যথোটি**ত নি**র্ম প্ৰতিপালনে সমৰ্গ হইতেন ভাহা হ**ইলে ৰোধ হ**য় এত দিন কোন্ কালে আরোগলোভ করিভে পারিছেন। য'হ। হউক, জাঁহাকে যে আর রোগের অস্ক যাতনা স্থা করিতে হয় না, ইয়া সামান্য সৌ ভাগ্যের বিষয় নছে।

একৰে আমরা জগদীখনের নিকট নিয়ত এট প্রার্থনা করি বে. বজেগুর বারু ভাচভাষা প্রতে-শের যেজপ মহোপকার সাধন করিডেছেন, বার-জীবন সর্কালীন কুদলে ফুনলী থাকিয়া সেইস্লপ কল্যাণ সাধন কর্ম্য এবং প্রন্তর্গত অনুন্ধ প্রকৃত

কিন্তু বাবু বুকিতে পারিলেন যে, সে ভয়ানক আত্ম প্রসাধ ক্রথসভাস করিতে করিতে কীবন রোগে আক্রান্ত ইতেছে, অভএব । ওনি ভাছাকে যাপন করন।

কন্সচিৎ হোমিওগ,াখি গাঁলিডক

মহানার। ৪ ঠা মাথ বুধবার লোহকল বিন্যা
নায়ত্বতি '' আম প্রকাশিকা দ সভার মিতীর
বার্থিক অধিবেশন সমারোহে নির্বাহ হইরানিয়াছে। সভান্ন সমাগত সভা সমুহের সংখ্যা
স্থানাথিক ছই লভ হইরাছিল। প্রথমতঃ সভার
প্রার্থে ছাত্রদিগকে বার্থিক পরীক্ষার পুরস্কার
বিভরণ করা হর। ভংগরে, সভাগতি জীযুক্ত বাসু
মহেলচন্দ্র পাল চৌধুবী সহালয়ের অল্লভান্নসাবে প্রথম, বার্থিক রিপোর্ট, বিভীন্ন নির্মাবলী
ও তৃত্তীয় রচনা পাঠ হর। অভঃপর অবেক সভা
লোহজল গ্রাহে একটা চিকিৎসালর ও বালিকা
বিদ্যালয় স্থাপন জন্য স্থানীর জনগণকে অল্লব্যোধ করিলেন। কিন্তু কিন্তুই শেষ হইন না।

সভাপতি, সম্পাদক বাষু ,ও বেংকজন্ম অন্যান্য ধনিগণ সমীপে আমাদের সবিনায় বক্তবং এই, যে দেশহিতকর বিষয়টা ( চিকিৎসালর স্থাপন) ভবিষাতের গর্ভক রহিল, ভাষা মেন ভচিরাৎ কার্যে পরিণত হয়, আর ব্যায়ারা ত্রী নিকার কথার মনোবেদনা পাইয়াছিলেন, উল্লান্ত কথার মনোবেদনা পাইয়াছিলেন, উল্লান্ত মহে, বাজ্ঞবিক মনোবেদনাপরিহারক। এ বিষয়টা বাহাতে স্থাসিক হয়, ভাষাও বেন সকলে মন্তব্য হয়। করেন।

১২৭% সাম ।

**#**স্যাচিৎ

वस्त्र मन्द्र

#### ब्ना थावि।

জীযুক্ত বাৰু গোৰিশচক্ত দৰ্ত্ত শিস্ত্রালয়হ ১৮७१ बाष्ट्रशति श्रेटक सूने 4#• '' অৱিকাচন্ত্ৰৰ মুৰ্বোপাধ্যান্ত নীমীনতাই ১২৭৩ লাচন হইতে ৭৪ আবণ ''नाव्याक्षत्रात्रपूरवानावांक्रवाविक्रवेना ১৮৬৭ কেন্দ্রারি র্টুডে ৩৮ আপ্রয়ায়ি ١. 'কানীকৃষ্ণ মধ্যস চালীগঞ্জ ১২৭০ ফান্তন হইতে ৭৪ দাব বহরমপুর '',ব্রাবদান নেন ১২৭৩ কান্তন হইজে ৭৪ মাৰ 7.0 " শশিকুৰণ বঞ্চ नारकात्र र्राज्यत काञ्चकाहि स्टेटक क्य " বেটেকসনামারণ কড ১৮৬৭ আছ্মারি হইছে ভিনেম্ব

" পালম্বার সাহত্ব

५ ९१% माध्य स्ट्रेंश ने ह स्वादत

वर्षेत्राम् कन्नरः विरक्षेत्रः ३२१७ कास्त्रम् वर्द्देशः १३ मध्य

> নোৰপ্ৰকাশনংকাত করেনটা বিশেষ নিৱম

অতিৰ ইন্য ও তাকু ৰাজ্য না পাইলে মণ্-বলে সোমগ্ৰকাৰ জ্বেৱৰ করা বায় না।

रेशत पालिय मृत्य पार्थिक ५० अवर वासून-तिक ६॥० वेका, सक्त्यांक छाक्यांक्रम नदम्ख् वार्थिक ३७, वासूनिक १ अवर देव्यांत्रिक ७५०, छिन योद्यत छाद्य पालिय मृत्या मञ्जा वासून्या । छिन, वहां छिन, मिक्किंद्र, त्यांके, ख- क्षेण्य छिकिके, रेशम प्रवास्त्र वास्तुष्ट वास्त्र क्ष्मिया रत्त, खिन तिर्दे छैथांक यांचा मृत्या (श्रवण क्षि

বীহার। প্রাশাসীকিট পাঠাইবেন, তা-হার। বেন এক কথবা আথ আনার অধিক মুলোর ও রুনীদের ট্রকিট শ্রেরণ না কবেন।

यथन विति बनयन स्टेट लामध्यकारणन म्मा भागिरेटवन, जांका तम त्वक्रिक्ति कृतिका क्रिके बाह्यकावाचे विद्याज्यरणत नारम् भागिरेवा स्म ।

य शिविद्यंत्र पूरा विवाद यमत्र कठीछ रहेशा कार्यित, अक याम शूट्स कारावित्रक विद्वि निविद्या कारान गार्ट्स्त, कारा कठीछ रहेशा गारमञ्ज अकवाद विद्वि स्थाप रहेस्त, छारात गुड अक यामकाम श्राप्तीका कृतिहा काशक यक कता विद्या (अब जीएक गुज विद्या माध्य यक कता विद्या (अब जीएक गुज विद्या गार्थान

যাতৃলা রেমওয়ের লোনাপুর স্টেনরে ভাক বরে ডিটি আইলে আমুরা সীত্র পাইব।

वीरात्रां माञ्चन मा भिन्ना शक्तानि क्षत्रन कत्रि त्वन, वीरानिश्चन त्वहे शक्तानि क्षरण कता राहित्य मा ।

क्र जायसमारण विकास हिन्द हैका क्रिक क्रीशास सबय किनवात शक्तिश्राक्ति अ क्रीना क्रीशास शत />> क्रीना विक्र स्ट्रिव। विनि क्रिक्कांस विक्रानित विवास स्ट्रित क्रिक्टवर्व क्रीशात महिक क्रिक्ट क्रिक्टान्स स्ट्रिटवर्ग क्रीशात महिक क्रिक्ट क्रिक्टान्स स्ट्रिटवर्ग

ক্ষা এই শাল কলিকাছার লাখন পূর্ব হাজন বেলকাছো লোকালুক ক্ষান্তক লাভিত হালাছ শোকার জিল্ল ক্ষান্তকালার বিদ্যান্তকালা বাহিকে প্রতি ক্ষোন্তবাহ প্রতিক্ষান্ত বাহিকে প্রতি ক্ষোন্তবাহ প্রতিক্ষান

## (मायश्व

৯ ব ভাগ :

३७ मरका ।

## " प्रवर्त्ततां प्रक्षतिविताय पार्थिवः सरस्तती अतिमदती न दीवतां।"

বাসিক মুদ্য ১ টাকা, অবিদ বার্বিষ্ণু ১০ ) টাকা অবিদ বাণ্যাসিক ধ্যে টাকা। }

সন ১২৭৩। ২১এ কাস্ক্রন। ১৮৬৭। ৪ ঠা মার্চ ।

মক্তবেশ সান্তলস্থেত **অগ্রিম বার্থিক** ১৩ টাকা বাণ্যাসিক ৭, ও ব্ৰৈমাসিক ৩৭-

#### বিজ্ঞাপন। নিউ এপথিকারিস হল।

আমরা বিলাভ হইতে উৎকুষ্ঠ 💐 সবল মুক্তন আনাইরাছি এবং পরী**গ্রানের ভিশ্পেদ**রি श्रकुण्डित क्रुविशांत्र कता मश्रक पूर्वा वाकारतत **জড়ি ক**ম দরে বিশ্রন্থ করিডেছি। **সভ্যান ম্ইডে** উবধের কর্ম ও তাহার মূল্য অন্তপ মোট, ছাতী ৰ। বরাতী চিঠি পাঠাইলে আমরা ঐবধ অভি সন্তর পাঠাইডে পারি। ঔবংগর হুলা গাঁহারা ব্যানিতে চাংনা, আহর। ডাকবোনে জীহাদিসের निकृष्टे क्वानिका शारीहरू ।

আর সি দ্বস্থ কোং ৷ বছবাজার জীই নং ৩২ বাসী।

#### अञ्चलश्रहका ।

प्रकृषकोष्ट्रक मैका क बार्यामा वास्थान সহিত, সংস্কৃত কালেজের স্মৃতি শাস্তাগাপক 👪 ্ড ভয়ডচজ শিরোমণি কর্তৃক সংশোধিত। ঠবঠনিরা শংকৃত পুজকানতে বিজয়ার্থ লাছে। ৰুল্য ৬ ছব চাকা।

#### **क्षिक्र**नाथ माप्रश्रक्षाम् ।

हैमहैमित्रा मर वृष्ण जूसकामात्त्र वर अनीच र माधात्रन पाकिशन क्षत्र कतिता महेत्व गात्रितः। সংশ্লচারিত নিম্নলিখিত পুত্তককলি বিক্রয় ágcace—

લનોષ્ક	भूता
্রীর <b>ই</b> ডিহাস	३ श्रेक
লোমইভিবাস	٠, ٠
ভূতবসার ভ্যাকরণ	1.
নাজিসার (১ ব ভাগ )	J.
নীতিনার (২'র ভাগ)	J.
थहात्रिक ।	
হুখবোৰ ব্যাক্তরণ	4.
- Brigar	দাৰ শৰ্মা।
لإنمه وننو	

**शूज्ञान मरबारहत्र (नववन्त**ः

মধ্যে পুরাধ সংএহের বিশ্বরণ বিষয়ে কিঞ্চিৎ বিশৃথ্যা ষ্টরাছিল, কিন্তু এক্তে নির্মিক স্কঃ খলের প্রাহকদিগতে ভাক মাজুল দিয়া শঠিব **र्हेटल्ट्ड अवर क्लिक्ज़ित्र विक्र** का**र्**कतिश**्**क (क्था वाहरण्डह अवर विख्यन विवरत गाँधांक् नाद्र यथवान १७३। शिवाद्य, पारावा भाने नाहे এবং বাঁহাদের সম্পূর্ণ সেটের বিক্ষের জন্মিরাই ষ্টাহারা অপুঞ্জ করিয়া ছরায় বোড়াসাঁকোছ क्यान कामात्र निकंध केलंकिक बरेबा बाला <u> ሳ</u>ሙক **ተ**የፈቒ ቅጅብ ነ

#### **क्रिकानीक्षमप्र** मिरह।

ভূটান পশ্চিম বারসমূহে হজি খেলা করিবার নিবিত আগামী ১৮৩৭ অব্দের ১ লা এঞ্জেল हरें एक अभक्त कारकत का व्यवस्था निर्देश क ব্ৎসর মিরাদে পাটা দিতে বিয় সাক্ষ্যকারী इन्ह् क काइन।

হস্তি ধরিবার নিষিত যত কুন কি নি**রুক্ত কর**। বাইবে, ভাহার ফি সুন কি প্রতি ২০ টাকা হারে माञ्चल मिरफ स्टेर्स, गृष्ठ रुखि नक्त सन्द्र क्षित्रोत अधिकात श्रथमण गर्वरमण्डेत पाकि-तक। शवर्थसन्ते क्या कतिएक हेन्द्र क ना वहरत

অম্যান্য আনশংক বিবরণ নিয় সাক্ষর নরীর মিকট অয়ং উপস্থিত হইয়া কি প্ত বারা बिकाम करिए बाना बाहरक भारति।

তেপুদী কৰিবনৱী আঞ্চিন ) ঐতিহন্ত ভে, এফ, মহানাঞ্জী। } টুং ি সাহেব ১ই ভিবেষর। ১৮৬৬। ভেপুদী ক্ষিসময়

वासकतिरात्र वावश्रतीर्थ 🖰 प्रविक विस्नाम 🛎 নাৰে একথানি অভপুস্তক শান্তিপুরস্থ ইংরাজী বিদ্যালয়ের শিক্ষ জীলয়গোণাল গোখামী कर्ज़क अनीज के जी बाहे नि, रहा क्लर बाहा मुक्किक क्ष्मानिक एरेशा वस्ताकात्रक ३१२

সংখ্যক ষ্ট্যানহোগ প্ৰেসেও কালেজ স্কীটে সংখ্য প্রেদের পুস্তকালয়ে বিক্রার্থ স্থাপিক আছে। মুদ্য ১া॰ প চি শিকা মাজ।

> সোনপ্ৰকাশ । ২১ এ ফান্ডন সোদবার। গোমসুৰ্যাধান ও প্ৰেডভৰ।

পোৰদত্ত বীজের চীকা ও সহুক बन्द्र वीरकत जिला क छेजरवत मर्या क्निकी डेश्क्रके, वहें श्रम्न किस्नामा ক্ষিয়া গতবাহ এক ক্ষম পত্ৰপ্ৰেয়ক এক शांति शेख (क्षेत्रने करत्रनः। शेखरश्राहरू ব্যুৎ ই উভয়ের গুণ্লোষ বর্ণন করিয়া-CEने। धक बात क्रीका विटल चात कर्चन-হনত হয় না, কোন টাকারই এরণ ওণ বাই। তবে আমাদিপের দেশের লোকের এই সংস্কার আছে, মনুষ্য বসর বীলে क्रिका क्रिटन चात्र कथन बन्छ स्त्र मा দেটা জমাত্মক। এ বিষয়ের প্রামাণ্য শ্ৰতিপাদক উদাহৰণ বিৱল নয়। পক্ষা-खद्र भारमञ्ज्ञ वीरव्यः निकाशाती व्यत्न∓ दास्त्रिय पातक नगरत का प्रांतिक रमय হইরাছে। যদি এ অংশে উড়্ট্রের তুল্যভা রহিল, ভবে কোনটাকে শাল্রর করা কর্ম্বর। ইহার নির্ণরার্থ অথ্যে উভরের শুণ নিৰ্ণয় আবশাক। বাহার গুণ অধিক হইবে, তাহারই শর্প শুগুরা উচিত।

अनुवा बगढ बीएका की कार करें छ दिश्य भद्रा प्रशिक्। अरु अरु रास्त्रित এক্লপ ব্যৱহার, কেবল যে তাহার আৰ म्द्रभन्न केशिक्ष इत्र अत्रूप नत्न, इत् মাদের মুনে সম্পূর্বরূপ আছে৷ লাভ 🏻 ক্রিটে পারে না। অধিকাংশ লোককেই অসং থ্য বসম্বের অস্থ্য যন্ত্রণা সহ্য করিছে হণ। কিন্তুপোৰসম্ভ ৰীজেৰ টীকা আহণ ভবে মধ্যে মধ্যে টাক। লইতে হয় এই । কি 🤊 (माय। किन्न यथन (नथा यो इटल्डर्स, तम ষ্টীকার এছণকালে কোন কন্টও অনিষ্ট নাই, তথন মধ্যে মধ্যে লওয়াতে কাত কি ? দে অসুবিধা অসুবিধা বলিয়া পরি গণিত হইতে পারে না। উভয় টীকার গুণুদোৰণত মধন এত অন্তর লক্ষিত হই তেছে, তথন উভয়ের বৈলক্ষণ্য প্রদর্শন क्तिया अटक्त डेश्कर्य ७ व्यन्नट्टत व्यन्नक्र्य **শ্ৰ**তিপাদনাৰ্থ অধিকতর প্ৰায়ান পাইৰাব প্ৰয়োজন দেখা বাইতেছে না।

প্রেডভড়ের ভন্তবিজ্ঞাসু পরপ্রের-(क्र क्षणि वक्षण करे, हेश्र वाषार्था বিষয়ে আমাহিণের অণুমাত্র প্রভার নাই। তাহাৰ কাৰণ এই, প্ৰথম, আত্মা चालीकिक भनार्थ. चालक वाष्ट्र वार्क्षक ও বিজ্ঞানকাৰ হট্যা গিষাত্তন, কেইই ভাহার অরপ নিরপণে সমর্থ হন নাই : रेक्सोडिटकत्रा मध्यविष्य अतमः शाहकरे कीवांचा विताः निरम्भ कतियोष्टन, रेनद्वाधिरकता य ठाष्ट्र शतमाचा ७ प उछ कीवाया चीकार करवन, व्योदक्षरा त्रश-তিরিক্ত আত্মাধীকার সংহল না, জনা **हेश**क व्याग प्रभावकात्रिक्तिक मस्टउ প্রকার তের আহে। স্ত্রর পরেও আত্মার গতি বিষয়ে বস্তর নততেদ मुक्के इस । (व भागार्थ चित्र नटक, त्मरे পদার্থ যে, যে দে লোকের আচ্ছ ছইয়া चर्गरत्रत्र मः किंग्लिक विवस वास्त्र विदिस कारा कोनकारमेरे विश्वीगरवांना नरह।

দিতীয়, অনো আহ্বান করিলে জাত্মার ভাবিতাবরূপ **পশুগ্রহ হও**য়া

यनि युक्तिनिश्व इस, त्न जन्न अह नश्लास প্ৰতিনাহয় কেন ? প্ৰেডডৰ্বাদিয়া বলেন, সক্ষেব প্রতি হয় না।

ভৃতীয়, শ্রেডাগ়ারেরা শ্রেড শ্রেরিড সন্ত্রে এ কট ও এ শক্ষা নাই। প্রায় । হইনা হে বে কথা বলেন, ভাছার অধি-ৰস্থ হয় না, থে ২। ৪ টা হয়, ডাহ' কট ় কাং ল' অংসভা হয় । প্ৰেভত জ্বতা লায়ক নতে, শ্যাগত হইতেও হয় না। ইইলে এরপ অসতা হইবার সন্তাবনা

> চতুর্থ, আমাদিগের এখানকাৰ ভূ তের ওকার ন্যায় ডেবেনপোর্ট আদর-দিগের প্রভারণা অনেক ছলে মৃত হই RICE !

পঞ্চম, প্ৰেডভন্ত্ৰাদি আমাদিগের ভূত ভবিষ্যৎ ও বর্তমান জ্ঞানের প্রাকৃত क्षेत्राह्न इहेक, क्षाठीनकाटलह लाटकहा এ সহজ্ঞ উপায় পরিজ্ঞাপ করিয়া কথন দর্শন বিজ্ঞানাদিরূপ উন্নতির ফটিল উপার অবলম্বনে ব্যক্ত ছইতেন না।

#### (दर:८३३ भीलकत ও श्रमाशन ।

यथन नहीझा ७ एटमाइट तत नीमकत-हिट्यंत चढाां हाति देखन क्रारक्ष मीन ৰপন পরিভাগে করে, তথকালে **বেহা** (बह-नीशक दहा । **अरे विना शक्त कति**-: इर्ड्डियान, अथानकांत्र नीलकत्रविद्यात नाम्य উচ্চারা প্রজানিগের উপর অভ্যাচারকঃর म ना। एखका ध्यक्तां तथा विकास চিছু না দেখিয়া আসরা এ কথাবিশাস্ত कतिवाहिनाम। किंद्र अकरण (बांध स्हे ट्टाइ, नीनकत प्रांटबरे बक प्रांदा किंड হইরাছেন। করেক বংশর **অব্যি বেছারে**র নীগ বপন অলাভকর হইয়া আদিতেছে। গ্রধ্মেন্ট অহিট্নের ক্রুবক্সিপ্রের বেউন র্ভি করিয়া দিয়াছেন। আজি কালি जूभात यटचं के नाज व्हेटजट्ड। फार्शत উৎপাদকদিশেরও কোন উচ্চৰাচ্য নাই, গত বংসর ছর্ভিক হওয়াতে ক্রবকগণ অধিকতর লাভের আশরে অধিক পরি- মাণে ভূলা ও ধান্য উৎপাদন করিবার মান্দ করিয়াছে, নীল খলাভকর ব্লিয়া তাহার ক্ষবিকার্থে ভাহারা বিষুধ ছই-ब्राट्ड। किन्नु मीलक्टब्रवा छारात्रिशटक হাড়িতেহেন না। ১৮৬০ অব্দে প্রতি विषोत्र (य मूना रमख्या दय, अधनख त्नहे রূপ কেওয়া নীলকরদিগের অভিপ্রেড। এরূপ অবস্থায় বিবাদ না হুইবার সম্ভাবনা नारे। नहीवा ७ यटणांबटतत नापुत्र विश्ना-রেও নীল করিবার ছই থেকার ভূমি আছে। প্ৰথম নিজ কোত। দ্বিতীয়, রায়তওয়ারি ভূমি। প্রথমোক্ত ভূমিতে নীলকর ক্লবক স্থানীয় ক্ইরা হলাদি ক্লয় করিয়ানীল উৎপাদন করেন। দ্বিতীর कृषक मानम लहेश कब्राधा मीन बर्गम করে। নীল কমিসন শেষোক্ত ভূমির विश्वत अरे निष्म कतिता शिताद्वन, গুলারা নিজের ভূমিতে বে শ্রম ইক্ষা উৎপাদন করিতে পারিবে। ইহাতে নীলকরবিধের অভীউনিদ্ধির ব্যাহাত ক্ষিরাছে, পুতরাং তাঁহারা ক্রক্ষিগকে নীল ৰপন ক্রাইডে বাহিত করিবার यना जातागरणत्र जात्यत्र गरेरण्ट्न। অলাভকর বিষয়ে লাভেক্সা পূর্ণ করিবার **এই এক উৎস্কৃত উপায়।**-- गृ**क्य**लात हाकिमस्मिद्य वीदांता काट्या क्रीहासि-গের নিকটে বলা বাঁছল্য যে যুবক সিধি-विद्यानसम् अवर्षिम चार्श्वतपारम पदाञ्-मुखं नरहर ।

किङ्कतिन रहेग जिल्हाकत ऋपूर्णक পাঙুল কুঠিব এম, গেল সাহেব সহকারী माजिद्धे वात्रवत्र नाटस्टवत्र निकटे अवे আবেষদ কয়েন বে, ডিছুবন ভাঁডি ভাঁংা निक्यत कृषित्य वनपूर्व र कृषात दीव ৰ্পন ক্রিয়াছে, অভন্ব অন্ধিকার এট लात एक स्त । असा वरन, कृषि छोदाः निर्देशक (न रह भागा देखा छे० भागन क्षिए भारत । स्थानवाति जामानरकत्र अदेशाः विशात कहा केडिक दिन, कृषि काहा

प्रवटम जाटर ए त्यम सारक्षेत्रक, वासीत 'पत्र' केंगिक्क स्वैक्ष कवितासम, पूर्वि উৰ্বিয় কিছ টেকি খৰাকা সমৰ্থনাৰ্থ चंत्रा र्काम बॉकी डेशिएड क्टबन मारे; ভাষা সংকারী বাজিট্রেটের লিখিড निम्बिट्डं कुके स्ट्रेट्स् अया करतक क्यारक माक्षी होत्र, नाक्षित्रन नकरलई बरन फूर्वि,ऋशिंह । अक जन माळ वनिप्राहिण व्यक्ति बर्दनदेवस महन्या कवारया मील रह नारे। बांबबन माटक्य बरणम, फिनि স্বচস্ফে বেখিয়াছেন ভূমিতে নীলের ८वाफा प्रस्थितह । फिनि वटनम, " य ভূমি নীগকুটির নিজ লোভে শাছে, ভাহাতে ক্ষক বলপুৰ্কক চাৰ ক্ষিৰে वाष्ट्रि गञ्जादिक नदस्, क्षित्र नाम्मिनादकात अञ्चनारत विठात कता मामात कर्डवा क्वा । " डाहात मट्ड श्राटनत माकाह द्यभागरमानाः। এই क्षमार्यत्र केनत्र निर्कत করিয়া তিনি ত্রিভূবন ও বেচু তাঁভির ६ मधार मिदार निहास्त !!

व्यक्त कुरुक्तिरमञ्जू दारकाम वर्षि পূर्वाभवविद्याय स्टेग्ना बाटक, जारा व्यान्तर्रात्र विषय मटव्। अरहरामत्र मिन्न क्षांनींत्र कांकनिरमंत्र माका मत्या अ विट्यारथर् गतिकात पृष्टे स्त्र मा। अञ्चल ছলে বিজ্ঞ বিচারপুতিবৰ বাব্যের তাৎ-পর্যাও নারাংশ্ অহণ করিয়া কর্মব্য व्यवदात्रम् क्षित्राचीद्रकमः चाष्टे वदमदत्रत्र मधा होन 'स्रेडांसिन किमा? अ क्या विष्ठार्था सह, कृति धाकार्षित कि मा १ देशहें दिशका अधिवता कि धीमांन भोडहाँ ध्रेशांटक न व्यात, स्वामही नडा বিভ কার কোনটা শ্ৰসভাবিভ এই बिट्रेडमा कश्वित्राःविडाक्ष्माखित विस्तत कता - क्रबान मेजका विशेष मटक्लेम्स क्रबी-वक्त राजा वक्क्यंत नामास्य (स्ट्रास, कवंत विश्वतिगणि स्थान वरे विवाद आकार्षिट्य पूर्ण कृतियां विरागन व्य क्षा केश्वर महावादान प्राप्ता-

वर्षनाष्ट्रात्रा क्षेत्राच्या स्थान क्षेत्र स्थान क्षेत्र क्ष

नीनकरहुता करे क्षकांत्र सकस्त्रा করিয়া স্কৃষকহিপত্তক ক্ষীণ্ডল করিহার চেন্টার লাছেন। তাঁধারা মুর্ভিক কমিস-मत क्टब्ल गांदाहरूत वर्षे विवशे (पांव দিতেছেন বে জিনি ক্বাক্ষিগ্ৰহে বিস্লোহী হইবার পরামর্শ বিভেক্সে <u>!</u> এটি জীরুছি কারি ঘলের রোগ। কাছাড়ে কুলি রক্ত मार्नक मार्ट्य बसूबिर्श्यत व्यवशायात मर्गन कडिएक्ट्रहर अवर भारेटन काश्रीप भार से पत्र चारह काहा त्वाहेना विरक् ছেন বলিয়া চা-ক্ষেরা ভাঁবার এই ছুর্নাম বিজেছেন বে ভিনি ভাঁহানিগের সহিত मकुत्रमिटभन्न शक्रणात्र विवास खेठारेता দিতেকেন । ব্যুদার বিষয় অস্থাকারে ষ্টাকে ইবাই জাবাদিদের পতিপ্রেত। শাসরা বেহারের নীলকগ্রহিগকে সক্তর্ক করি তেছি, यथन नशीया ७ वर्षाश्वत इस्रज क्षयत्वता जीलकत्रतिगत्य छेरमञ्ज वितारह, कथन द्वराद्वत्र धोक्षात्रः कद्विरता धन-मर्थ क्वेटर , त्रांष, क्ष मा। मीन. बलम উঠিয়া<sub>ং</sub>ৰায় ইয়া কাহারও অভিপ্রেড बर्टर, स्थ्यम भागाताहरू समितियाः। कृष्कतिरमात्र काचि एकेक, यात्र नाम रखेक, त्मनिटक् मृक्षि मा क्रीचिश क्याननात्रीहे লাভ করিব, নীল্ডবেরা যদি এইয়প महम स्टब्स, अकाषात्र प्रमिदात स्ट्रेस अद्भार नारे। बासहरू देखबगटका क्रि

ना रह, त्वरे वातका क्यांचे केवता करेका मीमकाशन कृति वक्ष कार्रिका क्षेत्रक है। ne aggleens Beite weifele bill भाव त्यांक गांदेरश्रदेश मान्त्र क्रिकेट गारका पूनकात करेन गाँउपूर्व 🐯 COLE | CARICAR ATHRESHA- TO A भरका वर्णन कडिएक छाट्य । सोवशिष्ठ मानीम करिकी कछ तिम हिवेडीकुर्वहें ৰন্দ করিয়া রাখিতে পারিখের গু ক্ষর্থক-विरुपत निविक्त विवास कविशे केंब्से व्यक्तिनाक व्हेटन मा। वृत्रदर्शन नीत. कत्रशन मखत वीवित्राद्यन, ही-कार्यक्र व। कितास व्हेतांटबन, द्यवादवीत मीलकृत मने क नम्द्रत समि नङ्गाव विस्मवेत की क्रम, करे नरवन्न भविक स्ट्रेड स्ट्रेड वरे नक्स मर्जन कतिहा कामहा है তেছি ইউরোপীয়েরা কুর্বক ও সাকুর-विरुप्त गरिक महावस्त्र 🛎 स्विशिक्षीटन कार्या कविष्ण कार्यम मा, मुख्यार তাঁহাদিখের ভ্তার্থতা লাভের স্কা-बना महि. एकाटन क्लिडेशान अवा काटक त्मरेयोदनरे **काँ**शाता माक कंतिएक महित्रमा ভারতবর্ষে দেরুপ হওয়া কঠিন। এউছে. र्भवनिभिर्धत निक्र प्रदेख खदा ऋह कतिका वावनाम कन्नारे उद्योगिरनंत नेटक ক্রেরকর ।

> পুনিষ সংখ্যান্ত আইনেয় এক,মুক্তন পাতু দেখ্যা।

मर्खां शिक्षण मार्ट्स सकतानीत रावष्ट्रांणक मकात के शिविष्ठ बादिनत लाकु दलका केलिक कि तित्राह्म । देशत केलिका करें, ताबसानी क मक्कूद्रण मिछे, निमिणांत कर स्टेट्स श्रीहारका सकत विदात बना या होना सकता रहा, काशत राजत कर्तत श्रीहार करणिए केर स्टब्स कार प्रतिस्त स्टब्स स्टिस्स वारक्षत कर्तत श्रीहार कर श्रीहार कर श्रीहार कर स्टब्स के कर श्रीहार हर स्टब्स

হইবে ভাষাৰ স্থিত। নাই। ভাষা ছির করিবার নিমিত্ত উক্ত পাঞ্লেশ্য হই-হাছে। এতদ্বারা কার্দ,ত, মিউনিসিপালি টির ক্ষমতা পুলিবেদ হস্তে দেওয়া হই ্ডেটে ১৮৫৬ অবেদৰ ২০ আহিন ও ১৮৫৪ অকেব ৩ আইন অসুসারে যে কর আদায় হয়, তত্বালা পলীগ্রামে চোকী-मारतत्र (बाउन मिश्रा क्वेशा शास्त्र । উত্ত টাকা গ্ৰাম সমূহের শোভা হৃদ্ধি নিমিত বার করিবার নির্ম আছে, কিন্তু কার্যে, কোথারও ইহা হইতেছে না। শত করা প্রায় ৭০ টাকা পুলিবের বেডনে পর্যাবনিত হয়, অবশিষ্ট টাকা অন্য প্র-বাবে বায়িত ছইয়া থাকে। প্রস্তাবিত পাণ্ডুলেখে প্ৰস্তাৰ হইয়াছে টাকা মি ট্রিসিপালিটি আদায় করিবেন, পুলিষের বার প্রভৃতি পুপরিকৈতেউ बिरमद रूख थाकिए।

श्नित्त बना कियमः भ माधातत्वत त्वश्रा উচিত वर्षे, किछ व्यवद्या ज्वरम शतिमान एक कता कर्डवा। वर्षे ग्रेम्स वामाद एरेटन, जाहात निर्मातिक वर्षे श्रीनित्क मिन्ना व्यवस्थि वर्षे नश्चरत्नत भाजार्थ वाद क्तिवात निर्मय एरेटन वर्षार्थ काम एरेटक शास्त्र।

গত ব্ৰবার ভারতবর্ষীয় সভা গৃহে
এই বিল উপলক্ষে নগরবাসিদিশের এক
সভা হয়। কলিকাভার পুলিবের কিয়দংশ নগরবাসিদিগের দেওরা কর্তবা ইহা
সকলে স্থীকার কথেন, কিন্তু বাণিজ্য নিব
স্থান অধিকস্থা প্রহারি প্রয়োগন হইযাছে। অতএব সভা যে আবেদন করিতেকেন ভারতে প্রস্তাব হইবে প্রতি
টনে চারি আনার অন্তিক পুলিব কর
স্থান আদায় করা হয়। বণিকগণ যখন
শান্তি রক্ষা নিবস্থান গৌভাগ্য ভোগ করি
তেলেন ভখন ভরিনিত কর দেওরা অসসভ নহে। সভাব ভিতীয় প্রস্তাব এই
ভারতবর্ষীয় গ্রপ্থেতির ১৮৬৪ স্বন্ধের

৩১ এ আগটের ক্লড্রংকণ্ণ অনুসারে পুলিবের চতুর্বাংশ ব্যর গ্রন্থেটের দেওয়া উচিত। উচ্চার। আরও এর্থনা कतिरवन नशरत्रत्र चांब काती कह मिडेनिंग-পালিটির প্রাপ্য হয় ৷ গ্রন্থেটিয় প্র विक्तिराज्ञ स्त्र अश्टलत् याश अविश्व থাকিৰে, ভাছা নগরবাসিরা বাটীর করের হিনাবে শতকরা ছুই টাকা পুলিব কর অ্রপ দিবেন। বাটাতে বিনি বাস कतिद्वन, डाँहादक अहे कत्र मिट्ड व्हेट्व । এ প্রস্তাবটি অতি সঙ্গত। বাটার অধি यांत्रित निक्षे इदेश्य लहेवात्र मित्रम इदेश ভাঁহাবা ভাড়া হৃদ্ধি করিবেন সন্দেহ मारे, छात्। श्रेटन अकातान्द्रत छेना ভাড়াটিয়ার ক্ষরে পতিত হ**ই**তেছে। **এছৰ পরপারা সহজ্ব স্থীকার না করিয়া** गांचार मदरबा छाजाविहात निकटी गु शाहे छेक्डि । मठा मिडेनिमिश्रानिधित स्टब्ड शूनिट्यत वात e निर्माट्यत खोत দিবার যে প্রস্তাব করিয়াছেন, ভাষাতে चामतः चन्द्रमानम् कडिटङ शातिनाम না। শান্তিরকার ভার শান্তিরক্ষক পুলিব ডির মার কাহারও হত্তে দেওয়া উচিত नटर । देश्लरक लाटकता घटिकतिक मानिट्रिके व मिडेनिनिनानिति रूट्छ পুলিবের ভার টুঠাইরা দিবার চেন্টার আছেদ। পুলিবের খনা প্রতি বৎসর টাকা আবশ্যক, মিউনিসিপালিটি ভাষা ष्मानावं कत्रिवा श्रृणियदक निरुद्दम, अह **वर्धाष्ठ डीशिंदिशंत क्याका ब्रीकटन**ी भूगिय क्यांगातित मर्या। अधिक स्रेट्स कैं। होता श्वर्गामध्य किया मान्त्रीय-त्वन। अच्टल शहल्मादश्च मधिदवहम्हेत<sup>ा</sup> উপর পরস্পরের নির্ভর করা উচিত ৷

> ১৮-৬৫৷৯৬ সজের লবণ : ংজান্ত ছিলোটা

এ বৎসনের প্রারুত্তে ধর্ণমেটের ভির ভিন গোলায় ৯০,০৯,২৯৯ স্ব

नरन दिन, गुर्स दश्यत चंट्रपका सं दर-भन्न ६२,७२,७२,० मन व्यक्त एत । वदम-त्त्रत्र मत्या ४৯,৯४,५४৯ मण अवन च्या-हेरत । ১৮৯৪/७६ चर्च ४७,८১,७६৮ मन नदन दिक्की छ रह, किस अलक्षा ५७ व्यस्य १७,১७,88১ मन माज दिव्हा हरे. बाट्ड। लिवत्रभूटलत जनन चान्त्रामी ३८-রাতে বে এরণ হইয়াছে, ভাষা বলা राष्ट्रमा। क्षेट्रका कामगर्ग ७ सामाटम অনেক চোরিত লব্ধ বিক্রীত ব্ইরাছে। कछेक, भूती ७ बारमधरत छात्राहे नव-বের জন্য ১১৬১ টি সক্ষমা হয়, ভাহাতে ১১২৯ **क्न एक भार्त्याट्ड** ब्वर ५६५ क्रम सुक्र<sup>्</sup>्रहेशस्य । क्रेम्ट्रणकेत (क्रमतम चारकन कड़िबारस्य व नक्त सक्तमांब मासिद्धेटिका व्यक्ति १७ विटल ठाटक्न न। स्तिर नद्यमान इंदेल नामाना कति-মানা হয়, মাজিট্রেটেয়া অংশ ছলেই वर्ग राज्यक्त क्ट्रम्म । क्लिनेक भर्ग्स এ বিষয়ের সৃষ্টিক্সর স্থান্ত জানিবার विभिन्न अभिनारी ब्रेग्नाटकन । आमानि-त्त्रत (बांवे एह, भूगित कर्मकातिता लाख ७ পুরকার লাভের আলতে নিরপরাধ वा अधिवादक इथा क्षे त्रम विज्ञा मामिर्द्धेरणेता पंचपारन निवृत् इन । গত বংশর শবংশর রিপোর্ট সম্বোচন कतिवात मन्द्र व्यास्त्री व्याटकश् कतिहा-প্রসাম বিধেশীয় স্থুব, শ্বাতে আমা-विद्यात त्यांकान वक्त स्हेबा स्ट्रांत अवधी क्षशंन वाणिया सवा मध्ये व्हेटकाह अवर त्य जना भागाविद्धत त्यद्भ अहूत नित-मादन करण क्रिजिक विद्यालय मुक्त-(गर्भ) स्विद्ध वृद्देश्यक मिना माना पिछ रहेगान क्रेन्ट्रिक साटन साटन सन-लंब छेगद्र मान्याती स्टब्स आहे बाद्य गरेश रशांकरक देश संस्कृत कांत्रकात आहे. The feet care ; Se meio a west atten-THE PERSON NAMED AND ADDRESS OF TIRE CTURE WALLE BOY THERE করিরাছিল। ১৪ শরগণার রিপোর্ট পাওয়া বার দাই, এজন্য কমিসনরের কৈক্রিভিড চাওরা হইয়াছে।

## मिद्रवदक्षिष्ठं अस्टरमञ्ज कार्वः अनानीः

লাভ ভেলকৌসিব একটি বিশেষ 'इर्डीर्रभात्र विषय अरे, जिनि ए गमल কার্যারপ প্রস্তব ছারা আপনার চির-ছারী কীর্ত্তি শুক্ত রচনা করিবার আশা ক্রিয়াছিলেন, তাহা এক এক ক্রিয়া স্বিহা পড়িতেছে। ওঁঃ ছাব জীবিত কালে অনেকে ভাঁহার যশোগান করিয়াছেন, অনেকে फरकुछ कार्याक्षणिटक उँ।शाह्र विशक्ता-বের বাক্যের খণ্ডনার্থ উদাহরণ স্বরূপ প্রদর্শন করিয়াছেন, কিন্তু ভাষার অধি-कार्भेरे बक बक कतिहा अमर्थंत मूल ৰলিয়া সঞ্মাণ ছইতেছে। পর রাজ্য এহৰ রাজনীতির্প দুড়তর সেতু বিজো হ্কালের শোণিত নদীর প্রবল প্রবাহ ৰেপে কেৰল বে উন্মূলিত হইয়াছে এরপ बरह, ভারতবর্ষ ইংলতের লাভার্য শাদিত হয়, এ রাজনীতিও একণে নিব্দিক উপেব্দিত ও পরিতাক্ত হ**ই**রাছে। ভাঁহার বহকারিগণ একণে এক এক করিয়া তাঁহার কার্য্যের প্রতিবাদ আরড क्रिहाह्म । किन्न व्यक्ति उँ। हात्र अक्रि काक व्यत्यक्त निक्रि आमृत व्याहः **এটি দিরমবহিতু ভিপ্রদেশের কার্যাপ্রণানী।** খে অধালী একতে পঞ্চাবে বিশেনরতো थाहानिक चारह। मरकात्र क्या हित्रकान একথা যদি প্রমাণ∮ এবং ভারতব-वीरवता चत्रः जुक्तरकाकी स्टेता (य कथा बद्दमन, फांश दनि शतकादाधानगराती ব্যক্তির মত অপেকা অধিকতর আদর. শীয় হয়, ভাহা হইলে নিয়মবহিভূতি প্ৰ-रमरभन्न कार्याक्षणांनी वस् त्यांद्रत व्यक्त 🔹 সভ্য ধ্বৰ্মেন্ট ও সভ্য জাতির

নিতাত অংশকা ও অংশকার বলিয়া **अजीग्रमान २३८२ मध्य मार्थ । निश्चयद** क्ष्मिक कार्या खनाओं दिएनाएँ स्वक्र**न** दर्शिष्ठ इंडेक ना ८कन, ८३ व्यट्स्ट्रभंत्र मकन লোক ইহার অধীনে আছেন, ভাঁছারা बरलन, त्रविषय निश्रहत भागन ध्येवाजी देशत चार्यका चारतक चन्द्रम उरहाउँ ছিল। পঞ্চাবের নোকের ভত্তত্য বিচারা লয়ের এতি ভাদৃশ আছা নাই। বিচার-পতিদিপের প্রতি উংগদিপের মত ভক্তি তাহা সম্প্রতি সদার প্রতাপর্টাদ সিংছের বলপুর্বক চাঁদা লইবার অভিযোগ ছারা নপ্রমাণ হইয়াছে: তত্ততা কমিলনর ভেপুটা কনিমনৰ ও সহকারী কমিসনর-গণ রাজশক্তির যথেচ্ছ বিনিয়োপ करत्रन। ख्यांत्र त्यांटकत मन्दान नाहे, অভ্যাচারের ভারে কেই কোন কথা বলিতে 🏻 সহসী হন না। এই জন্য পঞ্চাবের রিপোর্টে " শান্তি শান্তি » এইরুপ লিখিত দৃঊ হয় ৷ পঞ্চাবের পূর্বতন ব্যবস্থাপদ্ধতি ও বিচার প্রবালী একংগ পরিবর্তিত হুইয়াছে। যদি মুধ বল ক্রিয়া আক্ষেপ ও অভিযোগ ৰশ্ব করা पूर्णामरनत कम इस, छाहा हहेरत शका-(देव मामन ध्रेनांनी উठम, ध्रमाधा देश অভঃচার এবং সভ্যতা ও মানব্যগুলীর অব্যাননার অপর নাম্মাত্র। ছেনরি লয়েন্স জন লয়েন্স লেক আৰ্ট প্ৰভৃতি মহিমশালী ৰ:ক্তিয়া পঞ্চাৰে থাকিয়া যশঃও উহভির মূল পশুন করিয়াছেন মতা, কিন্তু ভাষা প্রণালীর শুবে হয় নাই, भारकर **अटन स्रे**शाया । स्निति कटत-জ্বের সদৃশ মহামুক্তব ব্যক্তি চীনের শা-দন কর্ত্তা হইলেও তত্রতা ব্যবস্থানুসারে কাল করিনা ধশৌলাভ বরিতে পারি-তেন। ক্ষমতা বিনিয়োগের একটি নির্দিত শীমা না থাকিলে অভ্যাচার ছইবে স**ে**ছ কি ? ক্ৰডাপ্ৰিয়তা মানবস্বভাৰ্টিছে।

পূৰিবীর অধিকাংশ লোক জোৰ শক্তভা ७ देवत्रनिर्यशास्त्रमञ्जूषा द्वाता ८ शक्तिक एक, বোক বজরা রাজনিয়ম ও রাজদও্তম क्षे नक्त व्यवस्थात्त्र निवाहरवालाह, क्रिस বেখানে বাজনিয়ম প্রভৃতি বিশৃষ্লাবস্থ स्वन अधिरवहनात **উপরে নির্ভর,** বেই चारनरे व्यञ्जाहात, त्मरेबारमरे त्मारकत क्छे। এই করিবেই আদিরাবতের রাজগণ হইতে নানাবিধ অভ্যাচার হই. য়াছে। তবে পঞ্চাবের জল বাসুর এক্সপ অসাধারণ গুণ নাই বে তথার সমুক্য বভাবের ব্যতিক্রম **হটিবে। ফলভঃ** তত্রতঃ কমিশনর ও ডেপুটি কমিশনরগণ रायम् व्याष्टात कतियात यपि तिर्माटर्षे প্রেলংগালাভ করেন, ভাষা আন্দর্যের বিষয় নচে। শকলের হস্তপদ ও মুধ বক্ষ কোন্বাতিদ লোব প্রকাশ করিবে ? यनि (कह ब इ;माश्म क्टब्रन, डाँश्टिक ष्यवित्रस्य श्रीषद्र प्रयोग कदिर्द्ध द्व । यथम বলদেশে পারীরিক বণ্ডের আইন ৮৩-য়াতে এত অভ্যাচার হইতেছে, ভবন শঞ্জাবে হইবে আঁশচর্য কি ্ বন্ধবেশে ষ্টেৰ বলিবার লে।ক আছেন। মুখ্যাং দোবী মাজিতে<u>টুটকে পরাবহুচিত</u> **२३८७ ६**म। शकार्य ठार्ग नारे, शकाय्रत लाटकत " रेक्कटजर " जत चाटह, স্তরাং চার্ক খাইয়াও " বো ত্রুম » বলিয়া তাঁহায়া ভূকীস্তাৰ অবলয়ন क्टब्रन (

क्रमणः नियमपहिज् अधारण्यत्र कार्याञ्चानो तहिङ हहेर्द, आमानिस्थत अहेत्रण आणा जाएए, किस भीख रा रा मनात्रण पूर्व हत, जाहात्र मखादना अण्णा अञ्चित्र आरक्षणत्र विषय अहे. कर्यक जन क्स्य राधक हेर्नर्श्व आरम्ब राधक अहे मर्ज्य अविश्व क्रियाहरू। हेर्गानिस्थत मरकात्र अहे, जात्र ज्व निरुद्धा हेर्गानिस्थत मरकात्र अहे, जात्र ज्व निरुद्धा हेर्गानिस्थत मरकात्र अहे, जात्र ज्व निरुद्धा विकास द्यवालीय छन व्यादय ममर्थ नट्यन। किंद्र डीक्लिश्नंत वज्ञास, मासास ও ৰোৱাইয়ের দিকে দুটিকেশ করা कर्खदाः एकां हे चामामरणत विवादतत আপীল নাই বলিয়া সর্বতি অসংখ্যাস मु**६ ६३८७:६ । अध्यक्त शङ्कारश्च**ाली প্রিয় ব্রভিয়া বলেন, আমরা বিশুক ও স্থান বিচার প্রশালীর মর্ম বুরি না। ৰাল হউক, সম্প্ৰতি আমৰ। একটা সাধী রুমী চেটা বেথিয়া কিঞ্চিৎ আশাস ও श्विट्ठाव काळ क्रिहाँछ। **डाए७४** সাহের যথন পঞ্চাবের হত। ও আক্রম-वसात्री श्लीकृतिरमत मटखत विन छेश-श्चिष करतन, आयता म्यक्रीजिशासन देश श्री डवान क्षित्राहिनाम। अरमर नत्र रक्षः ঐ বিলের **অরুমোদনকা**রী নহেন**্।** তথাতি शर्ग(मणे हेश विशिवक कतिवात छन्छे। चारहम । किस चारलारमत विश्व धरे, मा तिनित बीखन, यह देखेलहम मानम्कित ह ও মেইন সাহেব ভারতব্যীর ব্যবস্থাপ : সভার ২২ এ ফেব্রুয়ারির অধিবেশ पिराम देशीत अधिवाम कतियास्य अव क्रम लाबका ३ किश्म ५८ म देशीमिटण নহারতা করিয়াছেন। কভক্তলি উ चक्रांद त्वारकत्र मुर्थारशकात्र चारेत्व মহিমায় জলাজনি বেওছা ইহাঁদিপে অভিযত নহে। ভাতেও সাহেবের বি। विविव**क एरे**ल मानिएकेटिय क्या मण्डि এक वांकि এक मिर्मेड मर्था ব্যুক্তর বিচার ও ফাশী দিতে পা বেন ৷ কাহার জন্য এরপ উসতু প चाहित इटेटल्टाइ ? मटवा मटवा हुहै । ह च्यम व्यक्तिमत (श्रीकृति द्वाता व्यक्ति इ इस विशिश इंडेट इटइ मटच ह नारे। हि খাহারা গোঁড়া, ভাখারা কি ইহা চ नित्रस ष्टेर्द १ कार्या धरे मीकृदित स ৰ্যাজ্য কোন ইউরোপীয়ের অভ্যানর म्हा क्रिएड मा भारिता मार्मभूक्ष छ

এ আইনের নিকটে নৰাৰী অধিকার কোণায় আছে? এ যদি অভ্যাচার ও অসভা ব্যবস্থা না হর, ভবে ভাষা কিরপ ?

#### --:-:--

তমোলুকছ সংবাদদাতা লিখিয়া-ছেন:---

भक्त महाना (महिनी भूरात कारल हैन कि पुष्ठ हर्यन माइन अधारन का अभन कि त्रा अधान का अभन कि त्रा अधान का अपन कि त्रा अधान का अपन कि त्रा अधान के कि त्रा अधान का त्रा अधान

२। এই नग'रुत्र निष्म सन्नादायन मा। अक विश्वीर्थ सम चाह्य। वर्षाकारम क्रम्बात ह्या এত প্রথার ও ভরক্ষালা এভারণ ভারানক হট | बादक व्य. त्य मबदङ लोकानदश शबसाधमरः। मन्दिनम् अञ्चलका महिन्ना शास्त्र। प्रस्तः : याव शरप्रदेश भरक मन्त्रभू बेसर्ग क्षा क्षेत्र । किः -ন্দিন হইল, কলিকাভার কোন বিখ্যাত ''ঞ্লীন ১ কোম্পানি \* এখান হইতে কলিকাভার গমন -ধমন ও ব্ৰেনার সামতী প্রাভৃতি বহন করিব ব किथारिय अक्योंनि श्रीमात् अधारम सिंदु ह हाश्वित्राद्भन। पर्वाति अधनत वाजी प्राविकात्य नारे अवर मक्त भराकात वालिका प्रया का वि केंद्रिएक्टइम मा 'एव'छ कविष्रुएक (व क्रिक्टू वर्ष क्रविधा बहेरव खाराव दर्शन महस्य नाहे। नशः इत निष्रक्षान्द्रे संगीत भान्कमभार्य अक विक्षी र्। इर न्षित्रारमः । व्यारशस्त्रिरन्त गमनागमन 🖘 म जयः वर्त्यत कृतिभात समा मध्य स्टेट्ड नहीः हेत পই,ভ একটা পথ নিন্দান কয়া আবদান । জীবুক্ত কালেক্টর মহোধর নেই রাজ্যর আৰু ১-क्षा क्ष्माहेब्रा कविनवत्र नाएक्षक्र निक्र हे 🐨 🛊 क्षार्यना कतिवाद्यतः व्यष्टात ७००० होका . १३ দারিবে। তিনি নিজের ক্ষরতাপ্রসারে আ 1कार्यः चार्यः कदिवातं चार्यनं विद्रार्थ्यः। स्वायं यदि क्षित्रभवतं गारक्यं अहे दिख्येषं (वर्ष्यः विश्व क्यं कार्यः। विश्विष्यः कार्यायेत्रं म'रहर्यदः अहे श्रायंत्रातं मच्यिः श्रायं कदिरस्यः।

৩। এই মহকুষার অন্তঃপাতী পাঁশকুষা
ইংরাজী বিদ্যালয়ের (ইনি প্রায় হই বংদর হইল
ছাপিত হইরাছে) বালকগণ রহাবলী নাটকার
অভিনয় প্রস্করণে সভার করিয়াছে। এপ্রদেশে
নাটকাভিনরের পথদর্শক এই ভয়োজুকের বিদ্যালয়। এখানে প্রায় ৫। ৬ বার অভিনয় কার্য্য হুচ'রুল্পে নির্বাহিত হইরা কিরাছে। এনেনের
মহ্যাগণ অল্ল বিদ্যা বুজি সভার। এইরণ অভিনয় কার্য্য কার্য্য করিছে প্রস্কৃতি বিদ্যালয়। এইরণ অভিনয় কার্য্য করিছে প্রস্কৃতি বিদ্যালয়। এইরণ অভিনয় কার্য্য করিছে পার্য্য করিছে পার্য্য বিদ্যালয়। এইরণ অভিনয় করিছে পার্য্য করিছে পার্য্য বিদ্যালয়ন বিশ্ব ।

### প্রাপ্ত ৷

বিক্রমপুরের হাজীন ও অণুনিক সংক্ষিপ্ত বিবংগ। ( গড় প্রকাশিক্তর শেষ )

त्राका राजवहार य डेब्रिविडक्सन यत्नावि-ভার করিয়াই আপনাকে চারভাগ জ্ঞান কবি-साहितम अवक नरह, क्यानित बहुवित गः कार्यात्र अञ्चर्धाम कमोल लिए ह विस्थान कीर्त আছে। ডিনি আপনার অস্টেম্বরীয়া বিধ্ব ক্মার বিবাহ দিবার মিসিয়া অনেক, প্ররাগ ও উৎসার বাকাশ করিয়া সিয়াছেন। কথিত আগে ভূপতি সৰ্মদেশীয় পণ্ডিভদিলের ব্যবস্থা প্রান্তিয় यनः परम्मीय बाक्यनस्थरक छ।दान्द्रशत्रहत्रव्रह्म ब्यद्रम कतिप्राव्हित्यम् । जान्यनगन् साथम् ३३ काम কুছে উপস্থিত হুইয়া ভক্ৰতঃ প্ৰধান পৰিভাগি भार मनीरन विषयादिवारहर बावका आधी द्या डाँशदा ब्राम-द्यक्तित व्यथानकविश्वत्व बर्गनमा वत कविद्यम । जान्तर्गिद्धत व्याधमम कांद्रव फाउँ व वाशम इस दनिका मक्ट्रबाई कर्द्धाहर म्हेन । प्राथ विषयो विषय विद्यास्त्र के हिल् विशासिकी रावणा क्षताम कतिरमम अवर मेहन चेवात्रममदानात्र काटर्स, ब्राव्यवश्चात्रकृत्र चाहनी छै। ক্তকভা বৰ্ণন করিয়া বার পর নাই সুস্তুই হা ८वान १

तास्वनन कथा वर्षक केंद्रताविद्देश नास् कतिराम । केंद्राता स्वाधन केवतिक व्हेताव जब्द व मदकारत म्याइक व्हेरमन । क्षाका का सावकाव स्वयंत्रकः केंद्राविद्यतः ( वर्षक सिकाक्षविद्यतः) स्वयंत्रक केव्यंत्रम केविद्यम विक्र स्टाइ कि स्वाकव्यं श्रीवर्षम् । क्षि विद्रित्र कार ? प्रशासात विक्रक्षमाञ्चाकी सामाधिकार्य वनी (कोटक्स अक्ट्रितार्वरे वर्डक ( ) अवसा स्रुविक संबोधिकां संखारवर केन्रेक, केंद्रिया अव्यक्तिक आसानविशंदक डेनशत पत्रप अंकी (बायरम् स्वीतम्। क्लिम् अवर यमिलम् " विष-वाविवाद क्षात्रिक कतिवाद करा का भगतिराद রাজা ক্রেটিভ হইয়াছেন, উহা শার সমত मर्टम् साहै। किया अपूर्ण सिटमग्र ८मावदम कमन বেমন শান্তামুনোবিত, তাহা ক্লিডে প্রচলিত मारे, तरेश्रम विश्वाविवार युक्तिमण अवर **শাস্ত্রনিত্ত হইলেও দেশাচার মতে অ**বিব্রের। বনি আপদালা এই গো-খাবক ভকণ করিতে পাবেন ভাছা হইলে আমৰ। বি:বাংধবাহে মত ও বোগ ভিতে পারি। শ্বণ-ধ্রেরিড স্থিপাণ তথার্থন ও আহুণ করিয়া সাভিনয় শক্ষিত ও বিশ্বিত হ'ই-(लब। खाँहाता खनाज अधन कतिरसम कि ? किश কর্ম্বর বিষুদ্ধ হইয়া কাহারিগকে অনেশে প্রভাার্স্ত **क्हेटक हहेत्र । फा**रमरक बरणन **এ**हे विषय्त्र अक ব্যবস্থাপত্র হয়, ভাহাতে নানা দেশীয় অধ্যাপ-কের নাম স্বাক্ষরিত আছে। আক্রব্য ও আক্র শের বিবয় এই যে, নরেন্ড্র ডাক্সবদ্ধও উক্ত কার্ব্যে সিধ্বয়নোর্থ হইডে পাবেন নাই। বাহা **र्डेक, हेरा बांधा दिलक्त अखीवनाम व्हेटक्ट** বে, অনেক দিন পুর্নোত এখানে সভ্যের অবর প্ল্যোতি প্ৰকাশিত হইয়াছিল। অনুৰগৰী যে সকঃ चाचाजिमामी बनिया ब'एकम रू, अरमभीवरूव মানসিকভাব কোমকালেও ভায়শ উন্নত ছিল মা, আমরা ভাহাদিগ্রকে জিঞ্চাসা করি, রাজ यक्षक कान् क्लीव्र झिलन ? कांधा व्हेटक क्षित्रात्र अञ्चल मस्मद्र फ!व स्टेम ? किनि कि शुर्श बाक्सात्र समा? स्टब्स देवचित्र समा एव खाँदात्र ৰম আমন্ত্ৰ ব্যক্তিভ ছিল এই বিবরণী পাঠ ক্রিকা সাধারণে ভাষা শুন্দররূপ উপনত্তি कतिएक भातिएयन, महम्मर मार्थ । हाक्षेत्रमएकत শুৰুৱে সংখ সংশেষ যে উন্নতিব আশা এককালে चिट्डाब्फ् ब्हेब्राट्ड जन्म नटर, चामता चालिक দ**ক্ষকে ভাঁ**হার অপেকা উম্ভিশীল মনে ক্ষিয়া ব্লভুষির ছাখাপন্ত্রের প্রভাবা করি

अवक श्रवान चार्क (य इंगान " व्यविदेशय " सामक महायरकात कार्यान कित्राहिरमन। यह राजीय अधिक अधूर कारार्य गमास्क स्म अधिकश्रधनी ममायक स्टेश्न नृगक्ति कारामिश्यक केर्जना कामादेशमा। एक वर्ष कीराज्ञा समि লেন " হে, সৃংপৃক্ত ! বাহাদিগকে এক মাস পৰী ছ ष्याचीक (फान किंद्रिएड इय क्वर याचा १) विस्मित्र बर्टकं हुके (भारत पहा अहन करत, आजीहन चक्रांड्र र्वास्त्र खार्वाकरमञ्जू सार्वे । अ करकारम देवह, मिर्शात कैंभवीय हिम ना । ब्राव्यवस्थ धार् हिर्देशक बाकार्क श्रांत्रक कार्यात्र काक्यांत्र गरन ना कब्रिक्षी अनूरकाखरत खरगलावन छिटी कब्रिटक लानिएनन । व्हिमि त्रहे नयद्य पन्न वादव সমুদার বৈষ্ণার্ক উপবীত লাব এবং ভাহা দিপকে अक्षान मा रहेग्रा हुई शक्त खर्दाह कतिएउ क्ट्रेंट् ब्रिज़। प्रश्चित जाका क्षत्राव करत्रा । यन द्धि देवद्वाद्धा विद्य दिएकाङ्ग क्रांत्र मा । ज्या-স্তর অভি সমাণোহ সহকারে উপস্থিত পণ্ডিড भिट्रशत् **नवटक वक्क नन्त्रा**मिक **रह**ः श्राक्रवहरू ७३ কড মুর প্রভাগ ও প্রজাবজনকারিতার্থণ ছিল একভারা সকলে বিলক্ষণ ছারয়সম করিতে পারি ৰেন বাজাৰিক আঁছাৰ মাায় প্ৰতিপালৈ ও প্রভাপবালী রাজা অভি বিহল। ইহার সম্ঞ विवर्ग मुधान्त्रभूषकाण मिथितम व क्यवानि হু**ংং পুঞ্জ হুইয়া পড়ে ভা**লার কোন সংশ্র मारे ।

रमध्यायतीत पश्चिम्भादर्य द्वामपाम यात्रक चारन कोलीना श्रमा श्रदहरू देवनावालमञ्ज বলাল সেন রাজত্ব করিডেন : আঁহারও মহীরুসী मिक बंदर कीखिकनारभन्न छूनि कृति हिर्रु व्यक्ताणि (स्थीण)बाम त्रस्थि(इ.) व्यक्तरक बर्सन ব্রাল দেন রাজবল্পতের পূর্কে রাজ্য করিয়া विद्याद्य । छिनि क्टब्रक्जि श्रातिक भीवि का धमन कहारेहा राजीय लाटका अनक्षे मिराइटवानाव কলিয়া নিরাছেন ৷ কথিত আছে জিনি শীয় জন बीय निकार अधिक्रम अधिकायम् रायन ए " ভিনি (বলাল যাতা) একাণিক্রমে অপ্রতি হুডভাবে বঙ্ক দুরু গমম করিতে পারিবেন বলান দেন তক্ত যুৱ স্থাপিয়া এক দীঘিকা পরিবাড कहारितम । এक बाज नाज़ाहरून कात श्रम নিতে পারিবেন না ।.» *প্রতিক্ষা*পুসারে বঙাল समग्री क्रमाशक श्रमम अदिएक नाभित्रम । जाहात्र গতি দর্শনে দৃশবর বিবেচনা করিলেন এরণ 'स्ट्रेंटन कीश्रंत अफिक्टा दका निराय हथी ধ্ইব্যে অভএক কোন কৌশলে এক বাব মাভার গতিরোধ-করিছে প্রাক্তিবেই হয়। অনস্তর রাজার প্রামণানুসাবে কলীর অফু: র এক ব্যক্তি বলিস ঠাকুরাণি। আপনার পাদদেশে যে পোণিত চিফ্ দেখিতেছি ? তদ্ম ধৰে স্বাহ্মস্থাকা সচকিত। হইয়া বাস্থাইলের । কুডুরাং বরাল মাতার গম-বার্থ হইতে তাঁহার অবস্থিতি পর্যন্ত প্রতিজ্ঞাত नीविका वार्तिक कदितान । जे देशिका अस्तरः जीव (४, कारात अरू शार्त स्टेर्फ इक्किस्टि, कार्ति क्रमत शार्च कार्त्त क्रांश क्रिक्सिट व् रत्न ना । केलिकिक नीविका वस्त्र गर्देश क्रम्य स्थान नाप्तरकार्ति क्रियान स्टेश वार्टिक, क्रमत व्यव नाप्तरकार्ति क्रियान स्टेश वार्टिक, क्रमत क्रमति क्रमति क्रमिक क्रिक । देशका अस्य स्थानक भीविका केश्नप्त स्त्र, क्रांश ' क्रमति क्रमति

সনেকের এই অফার বিবাস আছে বে, কোন এক সমাধী রাজার ক্রিড সাক্ষাৎকার ক্রিবার মাৰণে ভাঁহার বহিন্দায়ীতে আলিয়া উপস্থিত इम । नवतानी बादशांननितरक बहारतत वर्णव প্রার্থনা জানাইলে ভারারা নূপবল্প বলাবের निक्रे मनस्य निरंदवन कदिन। ज्ञाना खरकारम নিত্ৰ:কৰ্মনে বিযোহিত ও বিচেতন প্ৰায় ছিলেন, मात्रक्षक जे क्या भवतानीएक सामाहेत । किस সম্বাদী রাজাকে আশীর্কাদ কৃত্রির বলিয়া পুর-त्राप्त केंद्रित प्रभाग शार्थना केंद्रित । बावसाय এইরপ আর্থনা করাতে রাজা বিরক্ত स्टेना वनि দেন খারপালা ভুলি যাইয়া যুদ্ধানীকে কন্ व्यक्ति अथन साहात व्यामीकीम अहर व हेक्ट व নহি। ইছা হয় ভিনি ভাষা লোখাও রাখিয়া ৰাউন । সন্নাদী তক্ষ্, **ৰং**ৰ কোধা**ৰিত ২ই**য়া नवशासर हो बान स्मानदि का नीकार सारिय (गरनव । मालामणि शक्तात्रिवरण हिम । प्रवर्धि আশীর্কাদ পাইয়া কতিত গলায়িত্ব শাখ भग्नरवात्माकिक व्हेशा केतिहारह । के**श अव**नर জীবিত আছে। এটা কৌতুকাবহ ব্যাপার সঙ্গে गई।

<sup>( ) )</sup> जात्मदका विश्वान सकीराज्ञभन शक्तिकविश्वादक गात्मा श्रामा हिल्ला स्थापिक स्थापन

মহামতি বলাল গেন চাকা উকুৰ বায়কোণ্য 🏻 অন্তত্ত্ব বনাকীৰ্ণ আৰক্ষিনা সম্পুদ্ধিত স্থানকে ৰ'দোপ্ৰোগী কবিয়া তথায় চাকেধবীর মন্দির निर्दात अ अहार मन्त्र थ उ'रम अरु व्यवस प्रति-त्रत शुक्रतिनी समस कन्नाम अवर छोहाव ज्यान-ठाञ्चन छराष्ट्र राम कशिए बीटकमा

-:4:-

## বিবিধ সংবাদ । ১৪ ই ফাড়ন দোহবাব।

🕶 লেখ বিখনত পতিত বিউংকু ছাও সম্প্রাত ৭৫ বংগর ব্যাসে প্রাণতগাগ করিয়াটেন ৷ দশন माञ्च विष्या, वि≷ाष्ट्रका अधाप्त वर्ष को प्र हिटलन । कारण वहमान निकाशनानी देशीय पात्रा স্থাপিত হয়। ড়ভীয় নেপালয়ন সম্ভাট হওয়া। আহ্ধি ইনি কর্ম ত্যাগ কবিয়াছিলেন। তথাপি সন্ত্ৰাট ইহাকে বাংসন্ধিক বুল্তি দিতেন। সম্পা- चित्र बरणा कूमाऽक्त क्रम शुक्रमानव मांक चार्ट्य हेरा प्रस्तानायन्तक (मञ्जा स्टेटजट्स)

बाबुकाबाहेमान (र व्यागतात श्रमम्हित (प স্কুল এডকেনীর উষ্ম ও মাছড়া প্রেবণ ক্রেন, ভাগাতে ভাঁগাকে এগম পুৰস্বার দেওয়া क्रेब्राइ । कि.म अ नकत भावित क्षत्रन्य ध्यतः। क्रविद्यम । े

আমরা মাহাদিত হট্যা অবগত হট্নাম निवादनी गठा अवहत्र किं। देशा जिल्हा **श्रुष्टि वांत्रीरक प्य**ंद्रम किर्द्रम ।

রত বৃহস্পতিবার লাভ নেশিয়র কলিকা-ভার আমিরাছেন। তিনি গবর্ণর জেনরলের । জড়ি হয়। ৰাসিতে আছেন। এত নেপিয়ৰ কলিকাভাৱ বিখ্যাত স্থান ও বিদ্যালয় সমূহ দৰ্শন করি-প্রেয়ম। এবড ক্যক্তেডি কলিকাডার স্মাঞ ভাঁছাকে এক সাধারণ ভোজে অজ্ঞান করিবেন।

বাৰু মথ কুমাৰঅ'মা বলিকাভায় আসিয়া-ছেন ৷ ইনি সিংহলের নাবস্থাপ র সঞ্জার এক জন শভয়। ভারতবংশক নানা স্থান দর্শন করা ইহঁর উদ্দেশ্য। অন্য তিনি বলিকাভার হিন্দু 🚾 ল দৰ্শন কঠিতে তা ি,শা,২ংলন।

গোৰীজে দীকা িব'র প্রথা সাধাৰৰ করিবার **अम् नदर्शके** का का मिहाइक समीत्र क्रिका-होत आक्र नेमिनटक स्माना हिल्क्ष्मक निरान करी मञ्च अजिहा त्यांचील क्षराम कहा रहा विकास-हाही विक्रम हो है। विद्रा मधन रहेरवर खंबितिए हे शाब्दक्य । नरीयां भूरी, छ निश्दनकृत्य अहे |बार्की व्यवसायक व्यवहार । इहे वरनतावि 

श्राद्यत निकासारवता आनमात्रा शाबील क्रम করিয়া চীকা দিতেছেন।

मुनि नकनत प्यत्याक्षात त्राक्षात वामित प्रची-বগায়ক ও খ'দ্য দ্ৰব্য সংগ্ৰাহক ছিলেন ৷ ডিনি সম্প্রতি হাজার বিহুধে ৪০ সৃষ্ণ টাকার দাহিতে भाष्ट्रनाटकरे हार करते (तर'त अना करणक अन निमीन करतन। २३ भरतानात अधान मन्द्र आन-া নীন এই নংখাদ কৰ্মেল ছাব্যাইকে আইমজনুসাতে ध्यनम् **करत्रमः, हेशाःक शदर्शमाने एक्टाक्र**भ कराएक मक्तमा चारिक क्रिया (एवज्रा इड, मूजि সফৰৰ জন্মিত প্ৰধানত্তম বিচাধালয়ে আবেৰন ক্ষাতে প্রধানত্ম বিচারপতি ও বিচারপতি লুই মানন সিদাস্ত করিয়াছেন এ সংবাদ ডিক্রনীর পর নেওয়া আবন্ক, অভএৰ প্রধান সদর আধীন মকলমা আবৰ ক্রিবেম। অধ্যোধ্যার রাজার गरमात्र बहुद्धव विवरम् अवर्गरमध्येत्र इस्टाक्कन कता कर्छवः।

> रा नकत केंद्र ांनीय रेमिक कांत्रकार्य কাজ করিয়া সময় কভীত হওয়াতে এক-কালে বিদায় পাইড, ভাৰাদিগের অনেকে ফুডন সংগ্ৰহ টাকা শাইরা সেনাললে প্রেবৰ করিত। कम। शएकाक विकास है देखेतारण शुमारश वर्षक नमात्र श्रीनः टारवर्णक समा मकना क नमस् र्मिंडवा रहेक। मरश्रकि हेरमञ्जी प्र क्षराम (मर्ग-भक्ति ज्याच्या विद्यारहत काहेगलसमाहर हेश्च दश्य ব'ইডে পারে মা। এটি জতিলা অন্যার, প্রত্যেক ইউরোপীর বৈদিকের ফল; একংগ ১১ - वेकि वाय स्था अथारम अ० -- के क स्टेट प अ ठोका दौरह। त्यांत्र इत्र खंड्राटड वर्ष श्राटकत

গত ভিষেত্ৰৰ মাধ্যে ভিন্ন ভিন্ন উপকৰ্ণালৈ নিয়নিবিত টাকা মুম্মিক হইয়াছে:---

কলিকাণ্ডা 84,40,042 माजा ह বাধাই ۵,۵۵,۹۹%

शक्ष ब्रोजि मोदिक्तम क्रांक्षेत्र चारमञ्जू श्रुकी পারে আভন লাগিয়া থার ১২৫ খানি কুলীর ! त्य स्ट्रेडारहां भीख श्रुतित उ स्थकत जानार्ड স্বার অধিক ক্ষতি হইছে পারে নাই।

क्रिकाकार शुक्षिय दिन विविध्य प्रेयाद्य । तिरिक्षियाद्मता और इंश्वा विद्याप 🐫 🐫 अप्रे मशहरातीनिश्वत शक्ति विरूप मुख्याहोत कवित्व, कातन बीशिविष्यत क्रमन्ति बाह्य तकात बना किहूरे निष्करण मा । अहे कार्रामत केपटत मानातर्भन्न घठ करेयात चर्चा प्रमुद् क्ष्या हर सारे । ब्रह्मान वनक्ष्मीय अवस्थ-

क्ष्रि अहे <sup>द</sup>क्षक प्रमुखा । जानता जाकांतिक বইলান ভারতবর্ধীর নভা ইতার এক্টিবান করি বার জন্যনগ্ৰহা নিমিখাকে এক সভা করিতে আহ্বান করিরাছেন।

छेरकत्यत सनाम निधनिरगत नशहकार्य এপर्राष्ट्र ३,७१,३४४,५८। के स्टि केविहाट्स ।

हैश्लिनमान करनन, शक्रिकाडें विकास बन्डावकता श्रेवादह शमीखादम व मकन सह মহাশরের পাঠনাকা আছে, ভাষতে র।ত্রিকালে কুৰকেয়া পাঠ করিডে পারে এনত বন্দোবস্ত कता छेडिछ । अहे मक्स विशामात छेखन बानक ৪ বালিকাদিগকে শিক্ষা বিবার প্রস্তাব হই-রাছে। এ প্রস্তাব উত্তম রক্ষেত্ নাই, কিন্ত শিশু বিদ্যালয় ভাশন করিবার সময় আদ্যাশিও बाहरम् बाहे।

३६ हे शक्षन यक्तवात्र ।

মগ্য ভারতবর্ধে ঋনেক চোরাই লবণ বিক্রীড হওয়াতে গ্ৰগমেক বেয়'রে এক শোক্তান করি-(स्ट्रिय !

ভারতবর্ষীর রেলওয়ে মবলপুর হইতে মধ্য **कात्रजबर्दन व्यवशंख (काहिमि गर्वाण वाहेरन,** তথায় ৰোৱাই রেসওয়ের সহিত ইহা সংযুক্ত स्रेट्ट (

গত শুক্ষবার বোধারার হুতে ক্লিকাভা छात्र कविद्योदस्य । शदर्शस**में माका**र मशस्य भारायः भित्यन्त्रा, अक्षा न्याहे सामारसम्ह দেহল বাৰিজ্যেৰখীয় সঞ্জিত্ৰ- **প্ৰস্তাৰ করিয়া**-.हामन : উ।शास्त्र यमा स्टेशाङ्क भवाद्य श्रकता-भवन करिया (मन्डेनके भवनिरक् मश्काम विरम ভিনি গ্রেগ্রেটর মন্তব্য কানাইবেন।

গত বংসর প্রদিকগুরার্ক বিভাগে ৮৫,১৯ ১৯· हेक्स कंत्र शरदक्त क्षेत्राह्य। अवर्तस्व कड़क टेनिक कार्यः यस कहाएक आहे जाका चे। विश्वादकः देशसिक साहिक स्वित्रिश्ता ब्यूयक শপৰ;দের কারণ।

रेकेझा-काइजीव हिनिशांक सुनर्शात शातरमा वच स्टेबाटक

দিবিশিয়ান মান্তবিদ্যাক শিকা-वियात समा मध्यम् अर्थः क्षांत्रकः व्हेल्स्स् ।

গত কৰ্ম্য প্ৰধানকৰ্ম বিভাগানভাগ বিভীন रशेखनाति रानिक्रम मात्रास स्वेक्षार# । विहर्शनकि डीशन्तित छेनद कर कात गिक्टकर । काको वाक्यान्त । अतिहित खेनमांतर विश्व कानीत विद्यान क्या व के दिलानी के नक्या वादन नाकि नाम कान करिया जाताहरू का के विद्यालय है भागीतिक केंद्रिक विश्वक केंद्रिक की वस्तान THICK HIS BUTTELLY BETTER WHEN national and an intermed a succession

एट्ड अर्टे नंकम अकाभ क्याएक ठा-कर्द्रवा হার উপস্থ এড বিরস্তা। আমরা ছঃবিড হই-় ম চা-করেরা বহুদেশীয় নীলকর দিলের পরা-ৰ্শ কাজ কৰিয়া কভিন্নস্ত ব্ইডেচেন। বীহারা ৰমণ্ড বুবিদ্বা কাজ করিলে চার চাৰ মন্ত ব্য

ংলিস্থান বলেন প্রব্যেন্ট ভূপনের রাজাকে **७-,--- डोका अनर्गःख विदारहम लागत्र** গৰ অংশ কোন্ ব্যক্তি পাইবেন ইয়া কইয়। বার হুইডেচে । রাজা ও অন্য অন্য সন্ধারণণ জ্বেপনলোর বিরুত্তে যুদ্ধ ধোৰ**না করিয়াছেন** ! ह्य **च**त्रमाया घराच रहेग्रा वनिरङ्क विश्वय-ভাঁহাৰ হল্পে সম্পূৰ্ণ ক্ষতা হিল, অভএব হাকে সর্বাপেকা অধিক অংশ দেওয়া উ-2 I

লাহোর প্রাণিকেল বংগন সম্প্রতি করিদকো-র রাজার জ্যেষ্ঠ পুত্রকৈ বিধ শ্বারা বধ করিবার থা হয়। রাজকুমার ও উচ্চার এক জন সহচর ন্যের সহিত্ত বিষ খাইয়া পীক্ষিক্ত হন, সহচর (বঙ্গাপ করিরাছেন, কি**ন্ত রাজকু**ষার **জনেক** ष्ट्रे वीक्रियारहर ।

উজ পত্র বলেন গৰ4র জেনরলের অন্তরোধে স্থীরের রাজ্য কারাকোরম উপস্থানার এক বল রোপীয় বৈদ্যকৈ অবস্থিতি করিতে দিবেন। ; चातियात क्र**नी**रतता क्रमनः (व्रक्षतद स्हे-ছে। ইছার জন্য সত্ত্র থাকিবার নিমিত ৪ব সীমার বৈদ্যালিক**েরালা ক্রিবেঞ্চরের**জ s इंडिटरानीच्च रेमनिकटक कार्यादक्संतरम খিলে কোন কাজ হটাহে না, বরুং কান্দীরে ালখোর হ**ইলে বৈনিক্**গণ বিপম **হ**ইবে।

উজ্ঞ পত্ৰ পৰলিক জুণিনিয়ন হইটে সংবাদ খিয়াছেন জাজিম খার মৃত্যু হইয়াছে ৷ আফ-ৰ ৰ'।কে মুধ করিবলৈ চেষ্টা হয়। নিয়ারআবি । জারী ছইপ্লাকেশ। যে ব্যক্তি ইহার উলেশ রু<del>তেত্রে কারুলে</del> ভাকার গৃত্যু দ**ও** হ**ই**ভেছে চের এজনা জীত আছে। জেলার্থিন শী कारताम चाँ कांद्रक्टर्य भवायम कडिया-ন ৷ ২২ এ ভিসেধরের পর স্ত মুদ্ধ হয় সে সমু র শিরার আলি খাঁর অন্ন লাভ হইরছে। । इसानि क्षे प्रमुखामकारमञ्जू मुख्यक विद्यार्थे রণ করিয়াছেম। আফব্রুল খাঁ ওয়ালি মহসদ ८क क्रीकी विश्वत विश्वतिहारस्त् ।

বোধারার প্লাজা কব্দীয়ুছিগড়ে খাৎসরিক नक विद्या (भूजा ) का था (यानातात इत শ বুরে শিবির স্থালিক করিছে বিভে সকত प्रदिश्य । पर्वेक क्षेत्रकार के अनुप्रदेशक ६० द्वारान

ছুবে আসিয়াছেন, আৰম্ভল সংখন খাঁ আহত ইইয়া কার্তে আসিরাছেন। সিরার্মালি ও रेक्स व्यवस्थान अवरक कानुरम व्यक्तिराज्यकाः। কাবুল **হইতে বিপ**রীত সংবাদ জাসিতেছে।

১৬ ই কাছন বুধবার।

जात्रामी मन्त्रवात मात्रि तारश्व वारगढिक कायु श्राप्तव विभाग अमान कविरयन। सन्दर উটিরাড়ে এবার ছই কোটি টাকার অকুলান .कारफ । इनकम होन्स श्रुवःष्ट्रांशिष्ठ कहा खाँहात्र इंक्श नार, এই कब क्यांशाइव विश्वन ख कारहत সমধ্যে স্থাপিত হইতে পাৰে। আপাতভঃ ৫০০ টাকাৰ উপৰে বত বাৰগায়ের লা**ড আ**ছে ভাটাৰ উপত্তে কর এহণ করা উভার অভিপ্রায়। কিন্ত নলো প্রধান দেনাপতি এবং গড় বুছের সম | অনেক ছবে মিউনি নিপালিটি এই কর আনায়

नियुक्तिकिक वाक्तिया विविविद्यामस्युव व्यागामी প্রীকায় পরীক্ষক নিযুক্ত হ্ইয়াহেনঃ—

वि, ज, जेवर दश ज. नहीकांद्र सुरा। हेश्याकी कावा।

সি. এচ. টবি সাহেব।

রেবরেশু এফ আর, বালিখদ এম, এ, नश्स् ७ छ राजना ।

(इबरेंद्र ७ द्रक्रमाइन बरक्र) शिक्षाच्च। পতিক মহেশচক্ত ন্যাপ্তবন্ধ।

इतिहास ।

রেবয়েও ভবলিউ, সি কাইক।

ष्यात्र, इहेश्व मारहर ।

. अकल नार्श्वनार्श

कौद, छैदेलको आह्रब। এম, এচ, এস, বি.ব ৯

মানসিক বিজ্ঞান।

प्रार्थक, जिल्ला में दरवा। ब्र एवं निष्ठ, असरे "

এক উ ধিক্ষাৰ।

ডান্ডার এস. বি, পাট্রস্ক।

जिल्ल, अन, बू ल अहं अहं महिन। क्षदिनिका, अन, अ, ७ वि, क, नद्वीकात्र।

बीक छ माहिन।

রে**ব্**বৈশু এল, বিদ। **ब्ब. मध्य मार्ट्स वि. अ.** 

मश्कृष ७ हिन्म ७ উভিয়া काया।

बोर्ड कुभकारत खंडीहार्सहाः

আৰুৰী, পারুনী ও উর্দু। अह, दुक्यांन नार्यत अह, अ,

্ব **প্রবেশিকা প**নী**শার জন্য** র

हेरब्राम्बी ।

नि, साह, सूक मार्ट्य हि, ब, ব্দান্ধ, পারি সাহেব।

(宋, 1977 🐠, डेबेनगर \*

वाकता ।

ব্যব্ গোপালচক্র বল্যোপাধ্যর।

'' রামধাতি ন্যায়রছ।

" विद्याद्यत्र प्रस्तवर्षे ।

इंजिशन ७ फूरनान। त्रवरत्न**ध विलयक्ति गार्**क्व।

ক্ষে, কে, মুদ্রার্ণ জি, কারণডফ এচ, বর'টন यह । (य, धम, अहे महहर। नि, ७. महिन अम्, मख्या CPT, A,

উইলসৰ

১৭ ই ফালন্তন বৃহস্পতিব'র।

खबरमांक (महेम बर्टान मांफ्रे ह কারু সম্পূর্ণারণে আরোগালাভ করিবাছে यक्षिवर्ग भूमर्कात मियुक्त स्टेटन फिनि भूना ভারতবর্ণীয় সেঞ্জেটারির পদ প্রহণ করিবেন

ডাক্তর কুইনলান প্রাণানে উমত খ্রয় ভাষ্তে সেনাৰল হইতে বহিষ্ঠ কয়৷ হইত ष्यामहिरात्र ष्रात्मक किंकिश्तक अहे वृद्दी छ ह করিয়া সতর্ক হইবেন।

ইতিয়ান ডেলিনিউল বোধাই হইছে টে बान्द्वारियारहन, शक क्वारर खादारे रा বইতে এককোট পাঁচলক জনা চাকা বাছির ব रदेशांदर: प्रवर्गस्य के अन्यदन्न नारायः कहि वीकुछ ब्हेग्रास्ट्रव ।

मक्तनाहरे कांद्रन स्ट्रेट मध्यान नहिम्राट निप्राप्तवानि वं। व्यक्तानिक कायुन क किना शिनक्षित्र स्थाप्टल 'सार्ट्स । शाहरतात्र टा हिहारे सहेबाह समा अकरन देशमा ध्यदन क प्राट्डा रेक्समन्त्रम् भी शन्द्राद् नाः করিয়ারেন। আহিছে, খ্রীবে কংবাত প ভাহাতে কই পাইতেহেন। কাৰুলে আঃ विष्णानिक स्टेट्यट्ट ।

এমত জনজাতি বিলেশীয় সেক্টোরি ই ( र्वान मारम्य राग्रजायारमञ्ज (दिमर्ड-हे ब्हेट्स्स

১६ हे कर्वाष ७३ ७ आञ्चा दे भरे छ। तर িউবোড উৎকলে ১৪৯,৩০৭ মৰ চাউল প্ৰো 'কবিয়াছেন। ১৮৬৩ অন্ধের লেথে উৎসংল গা (८भट हेन ৮১,১०४ मन हा हेन दिन : शुन्नी गर्छन राश्रिता छैलम क्षाम मार्डे, सहित বারাভায় বস্তা ফলি থাকে , হড়ক নষ্ট হয় ক'sক দুরি বা**ইটেডছে** ।

ला ७ वितानरवातन मही स्टानत वर्षमान ब्राष्ट মৃত্যুর পর উক্ত রাজ; উ:হাব দত্তক পুরু প্রভ্যপূর্ণ করিবেন স্থিয় হইয়াছে।

भौद्रि**न शक्निंद्र ६२०० श**क्तात्र **अक्ट**्रा स्ट्रैटिंड : स्ट्रिय गड क्षर्मात ००६० क्षर তবং পাঠান হয়। বালপুডনাও নগ্ডার্থ वर्षद्र मध्याद्वरान व्यटनक प्रका भारतिहरूक्टक वक्रराच स्टेरफ हाकाई अल्यल, यस्त्रमधुर शक्ति गाँउ वाज उहक्तभार १ भूक्षी व्यक्तिक वार्रेट्ड(ह)

हारकर बद्द मध्य मिर्ग स्ट्रांच करिन खर्म नार्थ (म किस्मा निष्ठ क्य खेंदिन), िर्मार्ठ प्रमान करियारका । आस्त्र प्रश्चिक देवेलाम क्ष्मिन भरन गढ लाकित सुन्त क्य. टाइन्डिडे ख्रमचान इदेवारक : हारकर अ मध्यरहरू मम म्य कि द्य खादा खानाई खाक खादमाक । (मान प्राप्त देवा द्वेरक इदेरकर । मन निर्मित विक निय काम क्षममार मुख्य स्टर्बन करि

কটকের কালেক্টর ৩১ এ তামুরারি রিপোট : ক্ষিপ্তেম কটক অবধি ভালদণ্ডা পৰ্যন্ত ২১ কোশ ক্রিছের খাস্থের চিহ্ন লাই ∙ গাড জ্বলারাবনের কুড় ! **অনিষ্ঠ অন্যাশিও লক্ষিত হইতেছে। এতন ফ**দন **करन, त्याकनिरागर अगछ कामछा नाहे, (ह्र्हां**ख **ুষ্টভেছে না**ঃকটকে টাকায় 🖊 সের চাউল · বিক্রীত হইতেছে। তালদণ্ডার অন্যন্তরে ক্রমণঃ ব্দবিকতর লোক আসিতেডে। এবানকার ৯২১ **प्रत्वे बर्ग > - वहः श्राश्च शुरुव बाजः <sup>स्</sup>रात्र শবল ম**ালোক ও শিশু। ইছাদিশের ২১৮ জন **বন্ধে আন্তান্ত হ**ইরাছে । বাজপুরে ৩১৯ ও **নারপ্রে ১১॰ জন জনাথ আছে। চর জংখেব** প্রীচ্ন ক্ষরণ স্ত্রীলোক ও শিশু। ইয়াদিগের সক-**লেই শীৰ্থকায়** এবং দেখিলে বোৰ হয় 'দণ্ডিনী'ন্ত **অধিকাংশ প্রাবস্ত**াল করিবে। প্রথমেক্টের **এটেল** না বাওয়াতে লোকের ভয়ানক বস্ত हरेएएएइ: ब्याइ७ वर्ड हरेवात मधायमा: मह বিসিশ্ বিভবের « মহাজনদিদিগের বড়হ<u>ত্র ৯</u> কোপায় ? বাৰ্ডাশান্তইবা কোপা রহিল ?

विश्वीतारकारित कांतुनांक्क मरवानगारा स्टान वाक्कृत था निज्ञ कांवहम रहमन थारक कांन्याराहत मननका निर्द्ध किहता-द्वा वाक्कृत था श्रीयकान, रामनावार विद्याहिक केंद्रियम । अहम्य महित्य था शुमकी-वाक्कृतथात भक हरेत्राहम । अहानिमहत्त्वा था रेक्क्कर्यन थारक कांक्यन कहिंदात कर बारक श्रम कहिरकाहन ।

नवर्षत (सनवन सामस्मान निवास किंड किंक कार्या किंदा कार्या कार्या

১৮ ই কাছন শুক্রবাব।

সাত মেশিরর কলিকাতার জাসিরা নানা স্থান দশন করিতেহেন। গাড কলা তিনি প্রধান-তম বিচারলায়ের আদিন বিভাগে সিয়া ছলেন। বিচারপাত ফিয়ার ও মাককাশন বিচাধ-কবিতে ছিলেন। কিয়ংক্ষণ থাকিয়া লাভ মেশিরর প্রভাগ গ্রমণ কবেন।

छै । कहा नाहांचा निवाद सम, वक्त निवाद मन निवाद सम, वक्त निवाद मन निवाद सम, वक्त निवाद मन निवाद निवाद

**देवलियमेन महमझ, बिरक्षोहक गत्र मान** কানিও বে বে লোককে সন্মান করিছে বলেন ভন্নখ্যে মেজর জেনরল দেরার, ক্রিদম্য উইনি মুদ্র টেলর সাহেব ও দেওয়াল মৌলাবলের মীদ ছিল মা । সেবাপড়ি সেরার অসপিঙ্কিতে বিমোহের প্রারম্ভে ভাহা নিবারিড করেব। এড मिरमत शत काशास्त्र होत (मनवा स्ट्वाटह । केरे লিয়ৰ টেলর পটিনার ক্ষিন্দর শ্বশ্ৰ বিভার লোকের ফালী দেব, নৌলাবল উাহার সেরেস্ডা দার ও গর্নেক্ষা ছিলেন। ওছাবি বৌদবীবিগকে ইহার। এথমতঃ বাহির করেন। কিন্তু ভরানীকন अवर्राम्के अवन्य कविमनत्रक शामाकविक छ (मक्सानाक शक्ता करतन । विकास वीमा वर्षात्र शरतमाणितिए अहे काम इत, विस्त নিৰ্দ্ধোৰ লোক ভীত হব। টেলয় হাছেবের রাজ ্নীতি অবলবিত হইলে অবেক লোককে একাশ্য ্রিংপ বিষোধী কৃষ্টতে কৃষ্টি। সেনাপতি সেরারের । पुना लाक किरनिष्यात भीग शिलन्। अर्थ ্টি বিলিয়ান বলেন '' এক শভ বংশ্যে সিগন বিরা বত লোককে খুডীয়ান করিয়াছিলেন ভান शिका अधिक लाकरक विद्यारिका जनरव की भी দেওছা হয়। + দেয়াপতি সেৱার নীলের স্বোদর याखाः व महन लाह्नवः श्रामनीषि नंतरकी हरेत वाकिनाधास्य विश्ववं व्येष । . .

১৯ এ ফাল্ডৰ **শ্**নিবার ৷

गढ करा गर्य विकासना, मार्ड स्थितिक क गढ़ निर्मित शैद्ध किल्लिक विकास मुद्द नर्गन करिट्ड जाइँद्रममा शक्त का शिवा हो। स्वता हाई होत नमस्त गत कम नार्श्य स्थितिक को कालक छ दिन्द कु सर्गन करान स्थितिक को कालक छ दिन्द कु सर्गन करान । नांक स्मिनिक मरक् क कारमाल वान, गत निर्मित बीक्रम कल्किना वास पूजा के नामा नांक करान । भागनक कुंगन श्रीस कह्य परिकाल किल्लिन । स्थानक कुंगन श्रीस कह्य परिकाल किल्लिन । स्थानक कुंगन श्रीस कह्य परिकाल किल्लिन । स्थानक कुंगन श्रीस कह्य परिकाल का निर्मित श्रीक का मान्य राज कि मा नाम्यक । अविवास ग्रीम स्थानक कामान जा करमान किन्नित विकाल स्थानक कामान करिक।

বৃহস্পতিবার মাডামআনা বিশপ ও বিবি লাসিলিস ছডিফের লাহাবগোর্থ চৌমহালে গীড করিয়াহিলেন। প্রায় এক সহপ্রে মর্শক গমন করেন, প্রায় ২০০০ চাকা সংগৃহীত হই-রৌছে। জোড়াসাকোর শকের সমবেত বাদ্য মুগ এই সাধারণ হিতকর কার্যের সহায়তাকরিয়া-হিলেন।

ভূগনীর অভ পেও সাহেব আপনার কাছারি বাসী বৃদ্ধি করাতে প্রকাশঃ রান্তার কির্নংশ আক্রান্ত হইয়াছে। রান্তা নিউনিসিপালিটর সম্পত্তি হওয়াতে সভাপতি পার্কর সাহেব আপতি করেন। অজ ভারা অগ্রাহ্য ক্যাতে গাবর্ণবৈত্তকৈ আনান হইয়াছে। অজও পার্কর সাহেবের বিদ্যান্ত নিবিরাছেন। পেও সাহেব অন্যায় ক্রিভেট্নের।

বিচারপতি ট্রেবর স্থাবের দীর পরত্যাগ করি-বেন। প্রধানতন বিচারাসবের আপীস্থাবিভালের উকীলগাণ উচ্চার স্মানার্থ এক চিক্রিড প্রতি-মৃতি আলাসভের পুজ্জাগারে রাখিবের। বিচার পতি ট্রেবর এ সম্বানের উপর্ক্ত। উচ্চার পর ভাগের বিচারালর প্রধান অরক্তার এবং দেশ এক জন অপক্ষপাতী ও অভিক্রীর বিচারপতি হারাইতেকেন।

ए हात्रिक्टिरंकन नामक गुर्स रामनाइ जिल-स्टार कर कर कर्यहारी कानीहरून रूम मानक कर कर बक्षण देश्याकी के मान जातिए प्रता । त कारा प्रवास गारत मार्ग, तार करा काहारक बार्याय क्यानक गरामांक कराएक काहार व्याप्त क्यानक गरामांक कराएक काहार व्याप्त क्यानक विशेष क्यान व्याप्त कराय राज्य के गायित स्थिति क्यान क्यान व्याप्त क्यान विष् क्षेत्र । अवाह स्तिपिटनत अवे छन् ৰে ছুট্ট মকুম্বায় প্ৰকাশিত ব্ট্রাছে। কংগ্ৰন্ধ বিৰুদাৰ্থি মাৰিকতলার নিকটবাৰ্থী नमूर्य का अन्द्रेता विद्याद्य हा हा इस्किंड কের কাঞ্, লোকের এই সংকার জ্বীয়ব'ডে ৰক্ষ সোক পাভার ব্যে থাকে ভাহার न्यामिटबद बामा कीबा, बाग क व्यव्हा ল বাষ্ট্যর অধিকাধী প্রতিবেশিন্ধিগের নিকটে বরা আসিডেছে। অনি প্রায় সহচার পর

র উটিত। নিয়ুলিখিত মুলো গ্ৰহ্মিটে টুর কাগজ বিঞ্জীত

(B) | --

नेत्रा बाट्स, अक्रिमाटक रहस ७ १र्मटकड

নক ক্ষতিও হয়। অভএৰ পুলিবের সভৰ্ক

**トゥ#・---かり行ぐ・** ঃ টাকার সিঞ্চা ঃ " কোং 444 --- PA e " cote ६ १ अविधिक स्याक् १ - ०४ -- १ - ०४ ->>-4-->>-14. 41." (TI

## -:•:-ইউরোপীয় সমাছার।

লওন ২২ এ কেব্ৰুৱারি--নহাসভার উভয় ते अक विश विधियक कहिया मिकन विकास নিক গৰণবৈণ্ট স্থাণিত করিবার বিধি করিয়া । व मक्त शाम का कि विश्वत शाफिवित भिक्त कत्रिवात्र पदमान ७ मानस्थानामी नश्रमा বু আইম প্রাহ্য করিবেন, শাংগিগকে পূর্সাডন দমপ্রশালীর অধীনস্থ করা হইবে।

जायात्रमध्य (रविश्रम कर्गम जारेन - हि इ कर्डि আৰু আৰু ডিম মান প্ৰবন্ধ কিবে।

मध्य २० वे क्याप्यापि—पूर्वाद**ाई वड्डा**ड क्षेत्र'हरू ।

मध्य २६ अ (माम्याति देवकात---(सम्बन দসন ও লেপ্টন্ক আগুখে গভ কোম্বাটার সিয়নে বিচারাণ সমর্পণ করা হইয়াছে।

মধান্তার বিচার সহস্বীর কমিটা সভাপতির ৰে নালীশ করিবাব ঞাঞ্চাবের সহায়তা করিয়া প:ই মা করিখার নামস করিয়াছেন। প্রশীস্তার লা উত্তর স্থাতের্ঘণীয় নহাসভা পু:স্বয়াছেন। অক্টীয় স্থাট হলাবির ক্ষম পুথক মন্ত্রী

য়োগ করিবার বোৰণা করিয়াঞ্জে।

আমেরিকার প্রতিনিধি সভা অভ্যক্তরত্ব ণার কর উঠাইরা দিয়াছেন।

হঙকতে কাজ ক্রিবার জন্য ইংল গ্রীয় গবর্ণ के त्वस्कि मन्त्रहोष्ट कडिरवन ।

मधम २७ व स्टब्स्सि शास्त्रकाम--- भवर्व ষেক্ট প্রতিনিধি মনোনীতের চারিটা মুডন গুলের श्राव कतिहारहमः-- धरम, विमा भवकीता ষিতীয়, বাঁহানিগের সেবিগুদ ব্যাজ্যে ৩০০ টাকা আছে। ভূতীয়, বাঁহাদিগের ৫০০ টাকা। কোন नवर्गम्बद्ध कावस वा जन्म चाट्य कदर हर्जुर, বাব্দাৎ সহক্ষে হাঁচারা ১০ টাকা কর দেন। वर्ष्याभारेत्वत्र ७ मध्यतः ७ काळे कित्र ५ - मध्यतः ক্ষাৰ হইয়াছে। মুজন বিলে ৪ লক মুখন প্ৰতি निधि मानोज किदवंद्र मरथा। दृष्टि इहेरजरङ । লাকেনিয়াবে মহাসভার সভ, মনেংনী ভির সময়ে উৎকোচ লওয়া সম্মাণ হওয়াজেটটনেস, ইয়াব स्थेथ ও प्राइट्सटेंब शाह १००० लाक ब्रावी-তির অত্ব হইতে রহিত হইয়াছে। ৩০ টি সভে,র পদ এজনং খুনং হইরাছে। প্রতন মহলংব জনঃ ১॰। ১৫ कि व्यक्तारक अवर अक्की क्छन विद-विमानप्रदेक स्वक्रा इट्याटक । शवर्यक क्ट्रे

প্রেরিত।

विन स्टिइंडिया महेवाद समा वित्यव जिल करतन।

मास्टर्शास्त्र रक्ष्मुका रक्ष्मकार क्षकाम करतः।

রুহম্পতিবার পর্বাস্ত ভর্ক স্থলিত আছে।

মান্যবর শ্রিযুক্ত লোমপ্রকাশ সন্পাদক এহালয় সমীপেয়।

১। গড় বংসর 📽 । দিরোর দেশে বে ছর্ভিক হটুয়াছিল, অৰ্ঞহ্বশতঃ ধান্য, প্ৰয়াপ্ত পরি माद्व किश्वन ना र उन्न' के क'राज श्वराम कावन। বৰ্তমান বৰ্বে যুখন আশাতীত শ্সা ফ্ৰিল, গান্য कार्केटनत मून। क्रमनः स्थ ६१८७ क्रांत्रक हरेल ভখন ইডপ্রায় মানবগণের মনে পুনরায় জীবন রকার আবা, আবিষ্ঠ হইতে লাগিল। বিভ त्त्र चाना, त्क्थन महत्त्वे लीव क्**रे**ट्र, त्रांध क्रे-(**७८६। कोइन मन्द्रान्ति ७० (त**ह मृत्रा क्रमणः वर्षयान व्हेटकट्ड, (मांचन्ना कावाद जकर ४८३ वन याञ्चली रहिटनत मास, नयमणी पूर्व्य माह **७ इ.स. निकर्**शत निक्रे हाट्यत माहि, ऋहा কম্পিত ও আন্দোলিত হইতেছে। সম্বিক ত ব এক জন একজেশীয় নিযুক্ত হইলে ( যদি তাঁহ मात्र विषय अहे (द, शक्ष द५५८३ ७७,८०३ इन्<u>न</u> । भारताह सन्।, इ.किंक व्हेश अवधी सन, क्षाप्त-निर्मित्रः रहेब्राट्ड, फाश्कल माथ काछन নাবে চাউলের মুলা, এড'উক ছিল না। খখন পেটুলনবারী এক কন পুশীরান নিযুক্ত হইটে वर्जनीन मनद्रप्रदे केवात यूत्रा अञ्चल वर्षिक स्टे-सार्ह, खबन बंदनरत्ने (नरन रव कि क्ट्रेंटन, फाहा ভ ভাবিয়া কিছুই ছিন্ন করিতে পারা বাইতেছে ना । विरमप्रकः दावन कनिका उपयदे व प्रकृत

মহাধা হইরা উঠিতেছে, এমত নহে, মকবলে অনেক স্থান অপ্লব্ধান বারাও জানা ঘাইডেং (य, (नहे नकत शांतराम क छैश संश्वती नम जरभका करमहे एक मुरना विक्रीक हरेरकरा चाउ এव (कह (कह चार्यात करतन (स, इंड्रॉर्स বইতে অ'মদানি ন। হওয়াতেই কলিকাডায় উ म्ला जारक, मनपरन जरनकाकुक क्रुतप ভাষার কারণ কিছুট দেখা গৈটিভেছে না ৷ বা इंडेक, এই मक्त कुलकन (मचित्रा कावी पूर्कि অস্ততঃ ভয়ানক কষ্ট অপ্র্যান করা খাইচ পারে। একণ হইতে, ইহার এডি বিধামে বছৰ হইলে বছল পরিমাণে উক্ত কণ্টের নিবারণ হ বার সম্ভাবনা। দেশাস্তরে তওুলের রঞ্জার বন্ধ ও বাললার সর্বতে প্রেরণের ক্রবিধান্ত বন্দোৰত করিলে উপকার দর্শিতে পাৰে বেবল কাগজের উপর বেশোপকারিতা প্রকা করিলে কোন কল নাই :

২। স্বে,র মূল্য ও আন্মের বেডন, উভয় এক নিয়মে নির্মারিত হইয়া খাকে। উত্তর হুপুর্ণ ে প্রেক্টের জীরতা উপকারিভারি 🕹 श्चनारत जिनमृष्ठ या भूत्रकृष्ठ श्हेन्ना शास्क বেমন, বোন একটী দ্ৰব্য ইংরাজ বালাবি মগ প্রকৃতি বিভিন্ন জাতীয় ব্যক্তিগণ বিভ্র क्रिति छारात भूलात छात्रक्या एव ना, श्रु ম্রব্যের গুলাপুরাধেই স্থিরীকুত হয়, বেইর লোন এককার্য্য, চীন, বান্ধালি, ইংবান্ধ প্রভূচি ভিন্ন ভিন্ন লাভি কর্তুক সম্পাদিত হুইলে কর্ম্মের আমিক মূল্য অর্থাৎ বেডন আডি ভে ইন্তৰ বিশেষ হওয়া উচিত নহে। ঐ বেডন উ বিত হৃত্যু পাড়াদি গুৰাপুৰাবে ট্ৰনিৰ্ছারিভ হ মুটে চিব্লপ্রসিদ্ধ, বুক্তিসক্ত ও বার্ত্তালা সক্ষা প্রস্ত জাতিশয় হঃখের বিদয় এই । काशिक्तित सुविक शवर्यम है लाक विकार সময় উক্ত পর্বাবাদিসমত নিয়ম প্রতিপাধ करिएक नवर्र हम मा। अर्थण है (एक्टिक शाव ষায় বে, যে কৰ্মে এক জন ইংগ্ৰাম কেবল ইং রাজ কেন ইউবোপীর বেশধারী এক জন স মা किदिक्ति प्रदेश के होका (यस भाग, ताई कर ভাগ্য লোর খাকে, ভবে ) উ€ সংখ্যার পঞ্ नः मूहा माज बाल स्ट्रिंग, कश्या शृक्ष টাকা বেডৰভোনী এক জন এডসেপীয়ের ক অমনি বেডম উল্লেখ্ড নইয়া ছই শত হই উঠে। अञ्चल विश्वित क्रांडि बाहा त्य कर्दर्य इंख्यू विर्वय द्यू मा, छाड़ा दला धांस्तामाञ्ज खबालि बाउरमद (१३१७ करूमिश जन्दर्क र ভাষা অৱশ ই চুদ্দীর ও অবিবেচনার কার্য্য অলিভে হটবে।

এছলে কৃষ্ কৃষ্ কৃষ্ণিয়া ব'কে যে ইংরাজ ৰা ডংসদুশ লোকদিয়ের অধিক আয়ে না কইলে ংশার য'রা নির্দাচ হয় না, আর এনেশীয়েবা च्यत कारशरे अवनाव कालाज्यक शास्त्रम, असे আনেটে উক্তরণ বৈলক্ষণ হইয়া থ'কে। কিয় পক্ষপাতী হইয়া যুদ্দি অসুসাবে বিবেচনা ক্রিলে এই আপত্তি অকিঞ্চিংকৰ বলিয়া বোধ ≷বে। যথন শ্সভ। ও নৈপুণ্ডের উপর বেডন विश्वविकास, कथन वन्त्र धनिशादिका निर्मत দ্ধা হিচেয়ে নয়। অধিক বেডন পাইলে কোন ব্যক্তিক। অধিক হ'ষ করিতে পালে? দেবি-দের থিৱেচনা কবিলে উভ এই সমান ধলিয়া গণ। য়ুে ৮কোন প্ৰভূত অধিক ব্যয়গ্ৰস বলিয়া ভতুপ ভেড়েড়াকে কৰিক বেডন প্ৰদান ক∤র্য়াথা∽ কন্দ সাধ এখনে দয়ান কাণ্য বলিঘাও বিবে নাকৰ। যায় না। কাৰণ যথন দক্ষতাপ্ৰসাকে ব্তন নিৰ্দ্ধাধিত হঠতেছে তখন এককাৰ্যে। এক নেকে অগিক, সংগ্ৰেক জল্প বেডন দান পক্ষপা উভোভির আনার কি বলা বাইতে পারে? (१५१७) व'श्रामित्रा (कवन क्यांच्य श्रीदर्शन नहें-ति**है मख**है बद्दन, हेर्र क्लिश्टक मूत्र मण्लेटक्त দ্ৰেক লোকেবও ভবণ পেখেণ কবিতে হয়। দবিখন অইয়া বিবেচনা করিলেও ইংঁরা । भाक्यकादि व्यटनक। कि कावरण व्यक्ष महोह ক্রে মইলেন, বুঝিতে পারা যায় না : এ বিধরে

७। मह्या अवने सामर्थः मृतः हरेगा ह ।

रहक निवस हरेन अक सन उष्टिया गमाव ।

स्था निवस हरेन अक सन उष्टिया गमाव ।

स्था निवस सर्वे जान कि एक निवस कि । अय
ह। या जान अ पृक्षा निविष्ठिय गण्यत ।

हेश कि हन या जान अन्ती भमारिकी सामारिक ।

स्था कि इर्ता का हा निवस के न

বদর্শিতা নিভান্ত আবশ্য ।

विहे बहन कोइटनस !!! ८ । नक्न द्वन एडसक्टे नियम फार्ट्स (व, दिह स विकित्त अवना अक स्थानन विक्रिके वहेंद्रा

**র রথ হইয়া** গেলা এই উভিচাকে বা গড়া

ভাগ এপেক। দূরতর স্থানে গমন করিলে প্রথম স্থান হইতে সমুগার ভাড়া অথবা অভিবিক্ত গম নেস ভাগা নিলেই আবোহী নিজ্ভি পাইভ।

ইংবি অন্থা করিলে অথবা প্রভারণা করিবার টেটা ফবিরা গুড ইইলে রেলভয়ে বোল্গানি ভাষা, মাজিটেটে মহারণ করিভেন। কিন্তু সম্প্রতি ইউইভিয়া বেলভয়ে বোল্গানি সম্পূর্ণ

নপে ইয়ার বিরুদ্ধান্তরণ ট্রবরিসেকেন। জাঁহাবা বিনা চিতিতে এগবা টিবিন্ট নির্মিষ্ট স্থান জ-পেকা দুয়তর হানে সমবারী আরেছিল গতে

বোন কথা জিলাসাঁ বা ভালা প্রাথনা ন: কবিয়াই বিচাবার্থ নাউটেইটিজে প্রেরণ ক্রি-তেনেন। নাজিটেইটও নইমীপুজার দিনের কর্ম

कार कि मान स्थान छ इन्हें आएन, अहे लाक भारेराम ज किन कथा कि को मान के हमारे अस्टर्य सम स्टेस्ड भक्षान होता भग्न छ मर

কৰিয়া ভাষাদিগকৈ মুক্ত করিতেছেন। শুনি-নাম কেবল এইরা জবিমানায় ভ্যালির মাজি টেকের বিচারালয়ে এক মাসের মধ্যে ১০ । ১০

श्रेषात होका ज्यानास इट्डाट्ड ।

यांभे अञ्चलित चारताके मिरशत मरशा २। ८ অন প্রভারক থাকা অসম্ভাবিত নয়, ভাচা বলিয়া দাধারণে প্রবঞ্চ বলিয়া দণ্ড করা অভিনয় অবিচনাৰ কাৰ্য্য বলিতে হইৰে। মনে কয় গা-জীতে গমন করিবার সময় নিজিও হইয়া পড়াতে अवरहार्टन अनमर्थ रहेंग्रा यमि त्कर क्रिकिट्डे নির্ফিষ্ট ষ্টেসনের পরবর্তী স্থাসনে গিয়া অবভ त्रन करत, व्यथवा अक्रम यहेना ७ व्यवहारिक सङ्ग (य, मक्केट्रिक्ट्रब्द्र श्रुट्क् (व श्वाटन श्रद्धांक्रम) ছিল বলিয়া বোধ ছিল আয়োহণ করিয়া জ্বপর কোন কান্দীয় দারা অন্যস্থানের প্রয়োজনে वांश क्षेत्र विविधिके आल्या अविक पूत्र বায়, অথবা কোন অসভাবিত কারতে বুদি কোন ব্যক্তি দূৰতর স্থানে ঘাইতে বাধ্য হয়, এবং যদি নামিরটে তথায় অ্যাটিতপূর্ব ক্টরা টিকিট ও অভিত্রিক ভাড়া প্রদান করিতে উদ্যাত হয়, षाशं रेर्टल ष्टाशंदक विद्याग अपोत्रक (द्वन एरा (काष्प्रानित धरकनाकांद्रक ) विश्वा विज्ञा নালয়ে খেরণ করা যাইতে পারে ? বিচারপাত্তই বা কোন বুজিন ও কোন নিয়মান্ত্ৰারে প্রভাবত ও সাধ্ নিৰ্মাচন না কৰিয়াই একণ সুকল লোক १६२ अन्तरनार मधकानी कहिएक जैनर्थ इस ? তবে বৰাব প্রজান্নকদিগের এ**রণে হস্ত বকলে**রই আধনীয় সক্ষেত্ন।ই। সাধারণ্যে এয়প দও প্রদান সাতেশর ছ: ধের ও গোবের বিষয় বলিতে

'' श्राप्त अवेत्रण लाक्ष्मितात निक्षे हरे বে সকল অভিনিক্ত ভাড়া আহায় वनस्वत्र प्रिकिश्वारी कर्षातीहा, हि ধানি নষ্ট করিয়া পয়সা আত্মসাৎ করি প্রভার এরণ অভিনিক্ত ভাড়া প্রদান ২ কোম্পানির কোন উপকার ঘর্শে না, অভ বাহাতে কর্মচারীর। জার এক্সপ করিতে পারেৰ তাহারই চেটা করা কর্তবা<sup>ত</sup> ইহা বিয়া রেয়গুয়ে কোম্পানি যদি আরুণ কা अब्रह्म इंद्रा चारकम, खाश स्ट्रेसिस अर অণরাগে অন্যের শাক্তিকোন করা ফির নদত হইতে পারে ১ কর্মচারিরঃ ভাড়া জ नां करवम जाहा बनिया जारवादी मिनटक নীয় করা বংপধোনান্তি দুখিত সক্ষেত্ না यामा रखेन अविचात कर्जुगामा मानाएय (रक्षा कार्यका

<! বেখি হর সকলেই অবগত আছেন গড় কল্পেক বংগর জ্ববি আমাদিগের নেশ পূৰ্বতন জলপাঠশাল। সমূহ নিৰ্দোষ ও বিং तीखिट कामाहेरात सम् (क्ट्री) स्ट्रेड हा জন ইনজেপ্টর কমকগুলি ছেপুট ইনজেপ্ ও কয়েকটা ওছটে নিং নৰ্মান ৰ ল সেই উদ্ব সাংকে প্রবৃত্ত রহিয়াছেন। গ্রাহ্য লোকের স্বীকূ " अक्र र (क व्यानप्रतिक अहे नक्स नर्यः)। পুর্মে এক বংসরকাল শিক্ষা দেওয়া হুইং সক্রাতি ঐ কাল পরিবর্তিত হইরা সার্ভার্য নিং রিত ছইয়াছে। বাঞ্সার ক্রেক্টী কেলার এ কাৰ্য্য পৰ্ব্যাপ্ত পরিমাণেই আর্ভ হইরারে সম্প্রতি ডাইরেইর সাহেব ঐ সকল পাঠশাল পাঠ্য প্রক্রক নির্মাচিত করিয়া দিয়াছেন। পা शुक्रक नक्त भी है वस्त्रद्वत्र क्रमा विकल्ध हो ब्राट्ड वामकान अध्य करमदा प्रशिक्षका > ভাগ ও ডালপত্র লিখন ( !!! ) ষ্টডে আর করিয়া ক্রমে উম্ভি পাইয়া বেবে পঞ্ম ব বাদনা ছাত্রয়ন্তি পরীকার নির্বারিত পুস্তক সক অধ্যয়েন করিবে। মধ্যে ভূজীয় ও চত্তর্ব বংস্থ বালকদিগকে কঠিন কঠিব পুস্তক ও বিষয় এব কাপাদের কবিশ (!৷৷ ) এরও শিকা প্রদা

वितरित इदेरत :

यति अदे गक्त नित्रत (क्यम नाज कांगरणः

छेगत अववित्र ना इदेशा कार्यः भति । उत्तर्भ व्यव्य कार्यः भति । अत्रर्भ विद्य मान्यः नादे । अत्रर्भ विद्य मान्यः नादे । अत्रर्भ विद्य मान्यः नादे । अत्रर्भ विद्य कार्यः नादे । अत्रर्भ विद्य कार्यः नादे । अत्रर्भ विद्य कार्यः का

ন্ই এবিক আছে। " বেসন দান কেমনি किना के अर्थ कथा किनाती नियम प्राटक्ष पृष्टे हैरिय चान्छम कि? सर्व दिशक्त दाख्य के কেল পঠিশালায় অখ্যাপনা কাৰ্য্য সম্পান্নৰ করি फुट्डम, खाँदासिटगत 'क्यिकाश्मरे जामाभिटगर (ব্যান সমুগার ছক্তেরি আগার অরপ কাঞাrio আনে রহিত, গওমুর্ব, 🗸 ওরুমহাশ্র \* ইতে দংগৃহীত। ত'হ'দিখকে গ্রে**প্তার** করিরা ৭ক বা দেড় বংসর শিক্ষা এলান পূর্মক ছাড়িয়া ইলে, উাহার। কিল্পে বিধান হইলা বহিগত ম, ভাষা বোৰ হয় পাঠকবৰ্গ স্থানৰ বুদ্ধিতে ণ্রিরাছেন। আমার বোগ হয়, সেরপ ওক্দি-ক্ষেত্রভাগত ০০।৪০ বংসর বিকা দিনেও গ্রিষ্টিগের অভাবেষ পবিষ্ঠ **ও আনের উর**তি স্থ কি না সজেহ। বঞ্চ পরবংশকৈ সরলাকুতি দ্যা সহজ ব্যাপার মহে। স্থুতরাং আঁহাদিগের ায়া বেউল্লিখিত পাঠাপুস্তক সক্ষ কিন্দ্রণে অংগ ণ্ড হইবে তাহা ত কাবিয়া অনুক্ৰিই আইসে । । বাহুলা ছাত্রহৃত্তি পরীকোতীর্বাধাকমণ উন বংগর রুইডিমড নর্ম্মাল জুলে শিক্ষা করি ile रात्रकत भूखक क विषयात्र विका शासन বিতে কঠিন বোধ করে, উজ্জন্ত সুন্দিক্ত ঃকু ছাধা লে সকল পুস্তক 👁 বিষয়ের 'লিকা ান কতত্ব সভাব ভাষা কি ভাইবেটর সাহেব ারভিলিডের জনবাসুর ৩:০ দেখিতে পান াই ? এটক্লণ গুল্ল বাহা উত্তপ বিষয় সকলেয় नका भौरत्मद ज्याना जिम्मन्त्रहिष्ठ संगिद्ध केन्द्र পর আকাশে উচ্ডয়নের ইচ্ছার সহিত অস**ল**ও লিয়া বোধ হয় লো। যদি ৰখাৰতঃই আন্য চিশাসা সকলের উন্নতি করিব র বামনা খাকে, হৰে গৰ হৈমকী দান পাঁচ টাকাৰ স্থান চল টাকা বিয়া ব্যালের প্রীক্ষোতীর্ব বারক্ষিগকে হাতে নিযুক্ত কলন। একংশ নর্মালের পরী কারীৰ ছাত্রেরও অভাব নাই। দশ টাকাব াবস্থ। ব্টলে কৌধ্যুর উাহ্যুরাও ঐক্লপ কর্মে স্বী ত হইবেন সম্ভেল নাই। কারণ ঐ দশ টাকার ৰিত যাসকদন্ত বেডৰ যুক্ত হুইলে বাহানিসের

अहमा व्हें जिन्न कविक कर्ष दान काम कर एउ वर्ष, किन कार्य आभाशकार हिन्दि रणा माहे। यति अविवद्ध नवर्गद्ध ने निकास है एक्ष हम, कन्छः वर्षमान क्षामः गरिमामा हैने अस्त्र कृष्टिस्ट अकार्यः स्माप्ता हरेए एउ। निकृष्टे विद्यानम् करमक शका करमक। रहेंद्रे विद्यानम् कृष्ट्य शकां करमक।

কল্প পোষাইয়া বাইৰে।

বৈয়ে অনুষ্ঠিক নি ইতিবল্পক ইবার মুলনংখানা । ''বাই সাল অপেকা শুন্যলোয়াল ভাগ শ সম্বিক আহার উত্থেল্য বলিয়া বাহু হয়। উক্ত কিনি নাই প্রথিক আছে। " বেসন নান ভেমনি আক্ষেত্রের বিষয় এই যে, ''অনেক ঘোড়া থাকি কর্মচারী ও চালরাসী বাহা ( সভাই হউক, বিকাণ ন এই অহাভিচারী নিয়ম ইবাভেই হাই ভেও প্রায়া পিটিয়া ঘোড়া করিবার চেপ্তা হইন নিবাহে হউক ) উপরিভ কর্মচারির লোচর বিশ্বিক আক্ষালিক হৈ দেবা বেসকল ব্যক্তি এই ভেড প্রায়া পিটিয়া ঘোড়া করিবার চেপ্তা হইন নিবাহে হউক ) উপরিভ কর্মচারির লোচর বিশ্বিক বিশ

বশ্বদ লেখক :

#### —: : :— বিশ্ব কারছে বিপরীত।

न की नावाह वह मन्द्रनाट पर व व न का वहवा वा व्यवित व्यवीक इरेड़ार्ट, खोरा वधार्यक्राल वार्ट्स शिविक स्रेट्स छेळ छेर्फ्या नकत रहा, किड वित खर्ममूनाष्ट्रक कार्ट्स शिविन्छ किंद्र वाह व्यविगिष्ठ स्थित वार्क्स, खारा स्रेट्स विवयह कन छेर्या रहा अन्य प्राम " रिख कर्नेड्स विश्वीक न अरे व्यक्ति, वाक मेर्ड व्यक्ति मेर्डिंग वार्क । अष्टिवरहम अक्ती मेर्ड मेर्डिंग माधान व्यक्ति स्थानित व्यक्ति मेर्ड मेर्डिंग माधान

পাজি কালি কালীয়াই, ভবানীপুর প্রভৃত্তি **উপনগর মধ্যে মিউনিসিগাল কথিসনখগণ প্রজা** পুষ্ণের ছিত করিখে গিয়া বিশহাত কার্য করি एक्ट्न । क्रांश्वित्तत्र कार्ट्या स्थानीत्रक स्थान विवयन क्यानक क्याना कार्या एर्ट्स एर्ट्स एर्ट्स ए শ্ৰমাৰণ তৰুলক ফ্লেশ সংয় ক্টিভি না পারিপ্লা **অস্থির হইরাছে। সিউনিসিপাল ক**মিসনর মহে। দরদিগের নিরোজিত কতকগুলি নিঃস্থ ফিরিঞি কর্মচারী ও এডদেশীয় চাপরাসী আরে। উপনগরের অপরিকৃত স্থান সকল তথারক করি বার ভার ভাহাহিগের উপর অর্গিত হইরাচে। কোন ব্যক্তির বাটী অপরিকৃত ও পাইখানা ৰয়সাতে পরিপূর্ণ এমত সংবাদ ভাষার। উপরিস্থ कर्षात्राद्वित्र निकारे वर्गन कड़िस्स्ट (माই च्रास्क्रिय विकटक " जनम " वाहित इम्रा व्यवधाविक नि गटन शाहे माक्ति केम्पनक कर्मशहित मन्द्राच छेन **হিত হইলে ভা**ৰার ভদতেও ৫০ : ৬০ : চাকা व्यक्तियांमा इ.स. १ व.स. व्य ४६ व्यक्त करह रूप, छ। इ.स. ৰাদী পাইখানা অধ্বা অন্য স্থান কিছুমাত্ৰ অপ त्रिक् छ नरेर, अवर जनातक बाता (अहे जकत भाग भंगितिकृष्ठ वांगवा मध्यमान स्टेटन तम चाकानियुक्तक वि ३० इवर्ग मधः महा कहिएछ একত আছে, ভাহা হইলে কর্তা সাংখ্য তক্ষ্ वनःक्षित्रां क्रियाशांक रूम, अर्दरे दिमा दिहादत अक्र **क्ट्र स्ट्अन काका अमाम क्ट्रनः ६० हो**कान ম্রানে কার্যারও অরিমানা হয় না। অপরাধীর অবস্থোট্ড অধ যও বিচারপতির অভিপ্রেড নতে। বিভীনিসিগাল কৈওের পরিপুরণ করাই

पारात के एक विकास क्षा के कि कि কৰ্মচারী ও চাপরাসী বাবা ( সভাই হউক, স **७८६, जाराहे खाँरात विधानद्याना स्ट्रेड्ड** विकार ना थाकाइफ केक मिश्रक कर्मकार् ক্রেলিপ।ইরাডে। বে ব্যক্তির বাটী আর भ**ेरेथान। जभ**िक्ष क सरह, উहास्रिशत वीक्र সারে ভাহার দও হইটেডে, এবং বাহার পা খানা বা বাটী ষয়লতে পৰিপূৰ্ব, ভাছার এ সমনও বাহিব হইতেছে না। এইস্লপ বিশরী হইবার কাবন কি ? ভাহা স্পষ্টাক্ষরে প্রকাশ ব বার প্রয়োজন হইডেছে নাঃ যে,ব্যক্তির স্ব ত্বান অপরিকৃত ভাষার দোব কি জন্য প্রথ कर्षातित शाहत स्टेटकट्ट ना, 🗷 🗠 वार् হকল স্থান সম্পূৰ্ণ**রূপে পরিকৃত** রাখির্ जाहान कि बना मध हरेएजरह, खोहा शार्कका সহজেই কি বুঝিতে পারিকেন না ? ফালীয ও ভৰানীপুর প্রভৃতি স্থানে উল্লিখিড বিপরী ঘটনার ভূবি ভূরি উনাহরণ প্রভাহ প্রভাক ব (**७८६**। प्रशासन्तिः अहे विनासि प्रदेशक होर केक निमन्द्र कितिबि कं भागनानी बाहामिरशङ्क के श्रमक्ष रम, जारावार क्रमा भारेरकरह । भारतिक भट्टम कतिरदन मां एवं फोहाड़ा ( औ कर्पांडादिता দরার পরত্র হইয়া কাহাবও প্রতি স্কুপায়ু

प्रशासक महानज़ र (व ऋ(म विष्ठांत बाहे, व इरल पूछि भिइतित अक पर अवर शिक्रण का বিলারক ঘটন। সকলে অবুক্ষণ নয়ন ও মন ব্যবিত করিতে থাকে। দেখুন, বিউনিসিপা ক্ষিপ্রপ্রের কার্ছ প্রেণালীগড় কড লোহ ১ म. ध्यमा कर्पाजातिमन ल्यादित क्रमतिमि व्यवं क्ष्यं कं.वृट्डिट्डन । २ व्र, क्षांकांत्रा व्यवना ও নিরপরাধ বিচার না কবিয়া লগু ক্রেন ৩ রু, দে সকল নিমুস্থ কর্মচারিব উপর ভালার কৃষিবীর ভাব আছে, ভাহারা সুশিক্ষিত ২১ ভারাদিগের চরিত্র স্থানিকার অভাবে পার কলক্ষিত রহিয়াল্লে। মহাশয়া মিউনিসিগা कोशमस्त्रभन त्याया स्ट्रिक अक्रम क्रमका श्रा **१रेग्रा आतिग्राटइस ? कि स्थमारे वा के**श्रा बर्जन कम्छ। था ४ स्हेरनम ? (मास्क्र छेनका क्रियाय लगा ? (य होका होक्स चन्नभ मिछेनि! পাল ক'ওে প্ৰণত ইইডেছে, ভাষার হ'র৷ নগংগ দকল স্থানের কি উন্নতি ও শোভা সম্পাহি ষ্ট্ড্ল'ছে ? এডজেশীয় ব্জিগন বে অংশে বা क्रांत्रम, (गर्डे प्यर्शनंत्र त्रांक्षा श्रापुर्⁄क्रिय प्यवस् দর্শন করিলে ভাষার পরিচয় পাওয়া ছক্তর ना । . सिউनिजिभान कथिननत्र हिम्स वर्षमा नियम कार्यः। भिर्मणी मान उक्रमा क्र विक्थम वर्षेमा नयमभार्य भाषिक इहेरणाइ। क्रांस्ता मार्कित व्यक्तिक वर्षण्य किर्मात का या नगरत होता होता नहेंग्रा छोल मास्ट्रपत ना या नगरत भाषा वर्षम कल्मा। याने छोहाता विमा विहास व्यापक वर्ष मध करिएक काण मा हम, अवर स्थिकित वालितिक किर्मण किर्मण करिया छैं। विभारक प्रमात्तकत्र छोद किर्मण करिया छैं। विभारक प्रमात्तकत्र छोद किर्मण क्रमण हम, एर्द कीशितिक प्रमात्तकत्र छोद किर्मण कीशित निर्म्म स्थान वर्षित्र। भक्रमण भारतिक क्रमण क्रमण करिया सहैद्द, छोहान निर्माशाल श्रामानूक कीशितिक मानिक किष्ठ किष्टू स्थान किर्मण्य

याना इंडेंस, जन्मानक ग्रामंत्र ! छ ति चिठक्रम विकास श्रामंत्र ! य क्रीम इव- व्याच क्रीस क्रीम इव- व्याच क्रीस क्रीस क्रीस क्रिक्ट के जित्र ति क्रीम इव- व्याच क्रीस क्र

কালীবাট ভবনীয়'ছ এছাকাজনী ১৪ ই ফান্তন জীনিব। এনচন্দ্ৰ মুখোপা ১২৭৩। ধাৰে।

সক্ষাণক মহাশয়। আমি বে বিদ্যাবতী, বহুওণানিতা ও ধর্মপরায়ণা মাহলার জীবন ব্যুত্তি সংক্ষেণে বর্ণন কবিয়া সমুন্দল, সোমিপ্রা, কামে তান লাভেব আনয়ে প্রেরণ করিভেডি, আপনি ভাঁহার প্রতি ক্ষেত্র প্রদর্শন পুর্মাক স্থান দান করিলে যথেষ্ট অনুগ্রীত হুইব।

মৰকুমাৰী দাসী ৷

क्रिय गर्नाम स्वसाद प्रशः शांकी क्रियेश क्रिय ১२৪৮ माल्य श्याय मात्र १०क्रयास व्यक्ष्यातीत स्वस् रद्र । भक्ष्याचा निराणी स्वस-क्रियं निक्र सरक्षातीत शिका । नवक्रयाची विक्रय व्यक्षितात स्वक्ष्यातीत शिका । नवक्रयाची विक्रय व्यक्षितात स्वक्ष्यातीत शिका । नवक्रयाची विक्रय व्यक्षितात स्वाप्तिया नाम कर्यम । स्वाप्तिया स्वाप्तिया व्यक्षित स्वाप्तिया सम्बद्ध स्वाप्तिया विक्र स्कामा व्यक्षित स्वाप्तिया सम्बद्ध स्वाप्तिया शिक्ष स्वाप्तिया তিনি অভান্ত কেছে নবকুমারীকে লালন পালন করিতেন বলিয়া ঐ পুত্র কন্যা শোক জনায়াসে বিশ্বত হইয়াছিলেন :

লবসুমাৰীৰ অসাজৰ নাম চন্তীমৰি ছিল। ভাষার জননী জপজাভাবে নানাবিধ বোগ ৰাগ ও ব্ৰড পালন ক্ৰিয়াছিলেন। পৰে বীরুই চণ্ডীৰ পুৰুৱিনীতে আৰু কবিয়া ঐ কন্যাদী প্ৰাপ্ত रन, जबना राष्ट्राय नाथ हतीयनि ब्राट्यन । किया ! পরিলেবে তিনি "ববকুমারী" এই নাম প্রাপ্ত হইয়াছিলেন। ভাছার মাতা ।বে সভানের অভাবে অহতনয়কে পুত্ৰ বিবিশেষে প্ৰতিপালন করেন। মবকুমারী, থাগ্রকে ভ্রেড সোদত বলিয়া জানিতেন এবং লৈশবাবি উভয়ে এক মাডার নিকট লালিত পালিত হওয়াতে অসা-মানা আতু ভগিনী স্লেছে আবস্ক হইরাছিলেন। দৈশৰকালে সৰ্মান জাতাকে লেখাপড়া কাঁরতে त्रिया केशां विम्हाकारिय वेषा स्था अवश গোৰীকালে আভান্ন উদ্যোগে যাটাতে ৬। ৭ মাস এক জন ওকুৰ্যাশবের নিকট আল বাল্লা লেখাপড়া খিৰিছাছিলেন।

मक्साडी. मनमवर्ष बद्रात लिख्डीमा स्त्र। দশ্যবর্ধ ব্যুসের সমর চুচুফার অস্তঃপাডী শ্যাম বাবুর ঘাট নিবানী জীতুক বাবু উমাপ্রসাদ সোম মহাপয়ের ক্ষেত্র পুত্র জীবুক্ত বাবু লিবচন্ত্র সোমের সহিত ভাঁহার বিবাহ হয়। ভারভাবর্ব বয়সের সময় ডিনি প্রথম মন্ডারের গ্রহকার্য कतिएक यान। जनमञ्जद कैंशिक शांत्र मर्समा ৰশুৱালয়ে থাকিতে হইড়া ভিনি অভিতীয়া রপবতী হিলেন না, কিন্তু বেরুপ পৌরাদী নাতিপুল, নাতিকুৰ, নাতিদীৰ্ঘ, নাতিবৰ্ম, ফুলর অবয়বসপরা ও সহাস্থ্রী ছিলেন, ভাগতে ভাঁগতে প্রভুত ফুলরী বলিয়া বর্ণনা করিলে অড়াজি হয় না ৷ ডিনি বাহারণ লাবন্য অপেকা আছরিক সমগুণে অধিকন্তর প্রশংসিত इट्रेग्नाडिटमम । जाहात यामी विवद्धकर्माधर्मकः পৰ্জনা বিদেশে থাকিতেন, কেবল কংসকের মধ্যে ২০১ মাণ বাটাতে আসিল্লা বাস ক্রিডেন। ভাষার সঞ্জনবর্ষ বয়নে জৈ ঠ মানে শ্বস্তরালয়ে (कार्ड भुजने कृषिर्व कर । में भुजनित नाम अतर्भ-नवी प्राचित्रास्त्र ।

মৰকুষায়ী, একবিংশবৰ্ষ বয়সে অমীর সম-ভিৰাহাটের আলেবতের গমন করেনু । গ্রাহার আমী ভংকালে ভবাকার গ্রাহান কীয় আমীন মাতার ছিলেন। এই সময়ে নীর্ম্কান কীয় আমীন সহবাস লাভ হয়। ভাহাতে আমীর নীজিগর্ভ সহপদেশে উজ্পন্নশ বিদ্যানিকায় ভীইার অভ্যক্ত স্পৃহা জন্মে পুরং ক্ষীয় মতে ও পরি-

अद्य क्षतिवराच विकाशिक्षत कुछ द्वाद्यांकर হইতে আরম্ভ করিয়া জীগুক্ত বাবু অকর্তুমাঃ वस दानीक पूकीकृत स अक्रमाई नव्यक्त कराक्र করিয়াছিলেন। সুশীলার উপাখ্যানাদি সুক্লিও अइ नकत जानाटक सहाजनाटम वृक्षाहेबा विदय भागाएकमा भेठम विकास खाँहात विस्थान व्यक्ति কার অভিয়াহিল। তিনি রচনা ছারা ন্নের ভাব क्रणाई राक कहिएड शाहिएक । श्रमेदीफि পাঠেও বাষীর উপুরেশে ডিনি "একমেবা-विक्तिस् " এই মহাर्टीटकात सन्ध कुन्नतक्षण करस পৰ করিতে পারেয়াছিলেন : খানীর সৃহিত ঈশ্বর উপাদনা করিয়া প্রত্যুবে গারোবান করিছেন ও রাত্রিতে উপাসমা না করিয়া কংন শুরুদ করি एडम मा। साथभी बटवड़ डाफि **कें।** साथ हमकाक ভিল । অহংহঃ প্রমণিতা প্রমেশ্রের নাম শ্মবণ করিভেক্। বালেশ্বতে শরংশশির একবার বিস্থাচিকা শীড়া উপস্থিত হইলে ডিনি ভাহার জীবনালা ভাগে করিয়া একাভাগনে ঈশ্যের শরবাপর হন। কিন্তু সে যাত্র। জগদীকরের कृणाम अ गर अतिहा है नदलन के वुक बाद कामीक्षत्रह मिटञ्ज क्रिक्श्तात अत्रव्यंत्री चारता গ্যলাভ করেন।

नवस्थानी यामीत निकडे विद्यानार्थ विका कतिए यात्र कतिया कात्र (१८३३ १ । ० श्रकाव छेणान श्रेष्ठ कतिए गातिए न । किन्न के नयद्य वैश्वाद प्रक्षित नीष्ठा छेणिक स्वद्राट विद्याद विश्वाद देवपूर्याच कतिए गाद्रम नाहे। याविष्ठ विश्वाद प्रक्षित गोड़ा याद्राध्य स्टेर्स, भूद्रम विकाद विश्वाद व्यवणी हरेस्म । श्रद्धम, भूद्रम विकाद विश्वाद व्यवणी हरेस्म । श्रद्धम, भूद्रम विकाद विश्वाद व्यवणी हरेस्म । श्रद्धम स्वरंभनी के स्वयंद्रम श्रीका विष्ठ याद्रस्थ कतिएक श्रद्धम

नवस्थाती, वाविश्यवर्थ वहरण भूगतात गर्छ-यको रन अवर व्यवारणत ज्ञानाता ज्ञानात व्यवस्थ वारणपत काम करिया चानीत गरिक हेहकान वावरणन इंड्रकांत अक बाग श्रीकिता कार्यना-काम क्षेत्र माकात निकते अगन व्येष्ट वार्यमाहि-रमन । किस सामग्रीण क्रिकेत भूगती अगन क-विया गामाना अन चीकिक व्या । कार्यक कार्यन क्षिता गामाना अन चीकिक व्या । कार्यक कार्यन क्रिकेतमा अग्रीकेत क्षित्र कार्यनाता करिया वार्या क्रिकेतमा अग्रीकेत क्षात्रमा करियाचाता करिया क्रिकेतमा अग्रीकेत क्षात्रमा

व्यक्ताती, व्यवस्थितवर्ग वद्यान प्रशासायतः भूगतात्र माण्यात्र प्रयोग भूगति शास्त्र व्यवस्थाः वर्षे भूग कीमन व्यक्तितं भाषात्रम् वस स्टेशाः १। फिलि नर्कता काशटक कांबनाटक पांत्रन । सः विविध शक्षीय वारकः जानव कदिएउन । পুত্ৰী হওয়ার পণ ভাহাব আনী হগলী ास स्टूरलय देखाओं अधरमत साध्य दम । ধীর প্রতি ভাষার অন্তবিদ প্রণয় ও অবিচ-ত ভাজি থাকাতে ভাষাৰ সকল কাৰ্যোই স্তাৰ প্ৰক'ণ করিতেন। গাঁহাৰ আমী পুস্প দ্ব বলিয়া ডিনি ফুলের প্রতি বিশেষ আসুবা-नी इन। छारात्र कटक लायन कविरम मामा নে কুত্রিন, আন্কৃত্রিন বিশিব প্রকার পুষ্পাও বিভয়ন্ত মৰং সকল দৰ্শন ও ডাহার আগ্রাণ ণ কৰিয়া আগস্থক ব্যক্তিক অভিসমূহীডি क इंडेड ।

৯ব চুমাধীকে এই সময়ে সাংসারিক কার্য্যে ধধিক ব,স্ত হউতে হয়, সেই চেডু অগায়ন কবি র অধিক সময় পাইতেম না কেবল সময়ে ায়ে বামাবোধিনী পব্লিকা পাঠ কবিভেন। চনি ব্যাল্ডার প্রিয় ছিলেন না। পর্সাগ হবশ গৌত বস্ম পরিধান কবিতেন। সামান্য লভার পরিধান করিয়া ফাভি⊲র্গের বাঈতে মন্ত্ৰে বাইতে সক্তিত কইতেন না। যেখানে ইভেন, দকলেই উাহার সংস্কাবের ভুন্নী শংস। কৰিতেন : তিনি ক'হাৰ অপ্ৰিন্ন ছিলেন । কণ্যুক জাতিশর শুরু ক্রিডেন। বাসীতে খন কোন কলছ ছইতে দিতেন না৷ ভাছাব রীরে অভাত দয়া ও ব্যতা ছিল। স্থানীর नकंत्र स्टेरफ निज व.बार्य (य कि व्यप्ट कार्य गारे তন, ভাষাৰ অল'ংশ ছাৰা না'ডার সাহাস্য এবং বিকাংশ দীনদ্বিস ও পদিচাবক্ষিলের প্রয়ে। নীয় এবং ক্রম জন্য দান করিছেন। উচ্চার নকটে কেছ কোন বস্তু যাতুকা করিলে তাহাতে मधीर बळ किस क्षम और बळ मिर्ज्य मा। াগ দাসী সকলেই ভাছাৰ স্বয় ব্যবহারে বশতা-াল হইয়াজিল। পাডিকার সামান, পীড়া হইলে ভনি বছং পাকজিয়া সম্পন্ন করিতেন। তার

ক্রিডে পাবিত না। ডি.মি কুখন কর্মন বাক্যে। क होत्र मध्य (बक्स) (हम माहे। (काम खीरनाक कांबात निकृष्टे शहेरल भह्य कायर कांग्र कतिता **ওাহার বর্ধা চিত্ত অভ্যর্গনা ক্**বিভেন। অনোর সম্ভান বাটীতে আদিলে উ'হাব আৰু ড''নন্দেব শীমা বৃহিত না। তখন স্বীয় সন্তান দিগেব স্থাপ कान्न करमञ्ज সভাদের অধিক আদর কবিতেন তিনি আত্যক্ত অভিমানী ছিলেন বলিয়া বেল (क'न कामचारमञ्ज करा करिश्म क्वान गराज অঞ্চপাত হইড

सरक्षाती, हजुर्सिश्भवर्ष वरात्म शूनदाच गर्ड वजी इस । अहे व्यवसास जीहात व्यविध कत्य' ८७ | কিছুমাত্র আহাৰ কবিতে পারিতেন না ভাষাতে অভিশয় অসমধা হইছ'ছিলেন। ঘটনাক্রমে ২। ৩ বাব ক্ষুমিতে পতিত হন। গত অগ্রহায়ণ মাণে অষ্ট মান গঠ হইলে শাহাৰ অন জ্ব হয় ৪ ঐ অংব সব এসিষ্টান্ট সংক্রম ক্রীয়ক বাৰু কৈলাসচন্দ্ৰ দশু চিকিৎসা করিয়া আংবোগং কবেন। অনস্তর পুনবাধ ভাঁহার অব হইগা নিমু উদরে ও জনরে অভান্ত বেংন। উপস্থিত হয়। ঐ বেদনায় বাব পৰ নাই বস্ত্ৰগাভোগ কৰিয়াভি লেন। জ্বগদীশ্বের অপার কুপার ১৫ ই জগ্রহা-মুণ বৃহস্পতিবার রাত্রিতে অষ্ট মাসে কারার हर्ष शुक्रति छू.विर्व इहेरल रखनान व्यासक आर्थन হয়। কিন্তু অস্টাহ পবে ঐ পুত্রটী প্রাণত/াগ করিল। ডাফ্লাডে ডিনি লোকাকুল হন এবং অংশাচাতে সাম করিয়া পুনরার ওয়ানক হাব अस्य इंदेशा अकदारत भगतानाग्री इंदेरलय । छेन्दर অল্ল বেদনাও নিতৰ হইতে পান গৰ্যান্ত এমনি বেলনা হটল যে জিনি অনুন,ৰ ৰাহাল্য ডিগ পার্শপরিবর্তন করিতে পাবিতেন না। সে সমসু ভাঁহার ষেরপ যাতনা হয় ভাহা দেখিলে পাষ'ণ কাল নিষ্ঠাৰে মনে হঃধ উপস্থিত চইত। টক্ত रेक्साम बद्ध हिकिस्माय (बन्न) कार्यका मा হওয়াতে সব এসিষ্টাণ্ট সংক্ষম জীবুকাখাবু নগ মেরে বছবিধ মেব্যের উপানেয় পাক কবিডে জাল (সেই) ছারা জীছার চিকিৎনা কল'ন হয়। । প্রিছেন। বাখ্ছী পিত্রালয়ে বটেলে খণ্ড- মন্দ বারুব চিকিৎসায় ৩। ৪ দিন পরে চেলাপ অপন সংস্কার এখন ক'হাব এখিও রব আহারীয় সংগ্রাদি স্বয়ে প্রস্তুত ক্রিয়। অনুনক উপেশ্স হট্যুছিল। কিন্তু পুন বি হয়। নাই দেখবাৰ এগানশ ঘটকা। সদয় ও াবিজেন। গুরুজনের প্রতি ভাষার প্রণাচ হট্যা উদয় শ্লীত হট্লে জগলী হট্তে সমগ্রা- দাতা ভাগনীর শাস্ত্রতাব নেবিয়া জিল চ্ছিত আছা থাকাতে ডিনি সাগ,পুসাৰে গুঁহা- স্থান্ট সৰক্ষম ক্ৰীযুক্ত বাবু গোবিশচন্ত্ৰ দাও ও ক্ৰিলেন গ'ডোমাৰ জাব কোন কট জ सर्व भिवा **श्वक्षमा कतिएजन। श्रीय आखारकल** कूठ्याच् अथ'न कविवाच कीमृक व'नु वात्रक'न'च । 'क : " टाशएड मृत्रवर छेरून एक " भांना ধেষ্ঠ ভাল বাসিত্রেন এবং "জননী জন্ম-। গুপ্ত এবং কলিকাভাব চিকিৎসালয়ের সব এনি । নৃষ্ঠ ৯ ভালান কিয়ংকণ পরে ভাতাকে ভং ছুমিল অগাণি পরীয়সী ৯ এই বাকের মুক্ত প্রান্ত সর্ভার জীয়ুজ বাবু দুয়ালচন্ত নামক ক্রুল্ব দেখিয়া বলিলেন প্রান্ত আন আ -চ্ইল্লা বংসারের মধ্যে ২০০ খার সাভায় সহিত আনোইলা ৪০৫ মানের প্রামশ কইয়া চিক্রের ভাষ, খনন করিভেড কেন / আমার মন্ত নাকাৎ কবিতে ভাইপাড়ার যাইতেন। থাহার , করান হয়। হয়াল বাবু বোগীব দেহ প্রীমান্ত চিত্তিছ না। ০ উচ্চা ত তা ইচ্চ খা শ্বীরে অহমারের লেশমাত্র ছিল লা ও জী থোগ নির্ণয় করিয়া বলিলেন, গর্জাবকার জবায় অভাব কুলত হিংসা তীহার উপর আধিপতঃ আঘাত পাইয়া অবস্থাত্তবান্ত হল্পাতে এই 📗 🗢 দাঁতকবানী হয়।

বোগ হইয়াছে ৷ অভাবতঃ অরাম্বর প্রকৃত অবস্থ मा रहेरल शीका कारताना रखन्ना क्रुकरिम । उर अकृत्व भवा ७ अवटपत बादा जीवन द्रकात ८ ए हैं। बबेरजरप देहां है छैरकु है छैला हा। बहेका উপদেশাসুদাৰে শিবচন্দ বাৰু খীয় সহধৰ্মিণী যথেচিত চিকি কা ক্যাইয়াছিলেন

নৰকুৰাৰী, বৈৰহৰ্মিপাক বলতঃ গত বচু ব পৌৰ শুক্ৰার বাজিতে ঐ অবস্থায় স্থানী প্ৰিত কৰে'গকথনে প্ৰস্তু কটাৰ সহসা ভাঁছা राकट्वान इडेया मन्य यक्त इय 🗢 । छ०काट শিবদল বারু সমূহ চিকিৎস। করিয়া আঁহাত সে অবস্থা ১ইতে মুক্ত কবিলেন। তদনস্তম ডি! छीरनाचा उत्त क देश विश्वद्वाभागनात्र अका চিতাহন এবং সংসাধের নারা বিস্কুল দি षाशीव উপ र পুত্রগ্রেশ্ব রক্ষরাবেক্ষরেরভারাপ কৰেন। ভাঁহাৰ সামী, ডি.নৈ ভখন দিবং 🖦 প্রাপ্ত হইয়াছেন বুঝিতে পাবিরা ভিজাসা করি ্রম <sup>((</sup> হোমার সংসাবের স্থার কোন ব্**ভ**ট ল'লবা আছে কি ০ শ ডিনি বলিলেন '' আম আর কিছতেই লাস্যা নাই। তুমি এক। আমায় বিদয়ে দাও আমি আনকথামে বাই। পুনরায় উটেপে কানী কলিলেন 'ভোমাব মাং *फि*श्दि कि? यह डाइटिक अश्वीत खानाहै। ভিনি উত্তৰ কৰিলেন " এখানে ভাঁছা আৰিও না, এফবে উাহাকে আর এবেটা कि । कुनि, क्यामाय मुख्यत केशाय कहा ভাষাতে হাঁহাৰ স্বামী অপবৰ্গ লাভেব মা क्षकार **डेभएन्स** भिक्षा कहिएल्स '' **७** सः ·ভাষাকৈ রক্ষা করিছে পারিলাম না। স্বভ লোমার ইবারের প্রকেশন জ্বোড়ে অপণ ক (टाँक । हुःस छै। हान सिक्षे मारेसा प्रसन्ध । োগ কব। আৰু নেন ভোষাকৈ এই আন সামান্য সংবারে অসিংভে না হয়। আর্বাই যেন কামাৰ এই প্ৰাণকা পূৰ্ব কৰে। "

ন্ধপুষ্কী, ক্ষন স্থৰ এখনি শাস্তভাৰ ভ শংখাৰ পীভাব न**्वं क**्वंट्रब, ए।

বের হটয়া পুনবায় জিজ্ঞানা কবিলেন '' ভূমি ধ্নেৰ সহিত একখাৰ দেশা কৰিৰে কি ? " ে উত্তৰ কৰিলেন '' এমন সময় দেখা করিয়া াহাকে ১:থিও কৰা উচিত নয় । " পৰে মি — বাগরা নিভক কইলেন ভাঁচার আভা ললেন " আরু কি বংলবে কি ? ট উত্তর জেন, ''দাল আমার কি বলিব কিছু নয়।" ক বাৰ দোট ছেলেকে ডাক - তাহাতে ভিনি ছায় কনিষ্ঠ পুত্ৰটী লইষা নিকটে যাইকে সে শেব মুখ দেখিয়া উষকাস। করিছে এাগিল। লিকহিলেন "দাদা দেখেছ কেন্দ পাৰা লে। আমি মবিলেও এর আব বোন ভাবনা है। " ७९० (व छाष्ट्रांक '' कुरे या " विनिद्रा मानुक्तिसः मि**र्ज**न। क्रिक्श्मकरम्ब **উ**পদে-মুসারে ঠাহাকে প্রন্মত পথ্য ও উব্ধ দেওয়া ইডেছিল : দয়াল বাবু আড়াইটার সময় নাড়ী বিয়া বলেন বোধ ২য় ইনি এ ঘাত্রা বহুণ পাই

**अवक्षाती जाहः' गर स्ट्रेट्स विद्या फोरा**त **ওর অনেক দৈব কার্থের অন্তর্গন**্করিয়াছিল | ম । শমিবাবে পুরোকিড অক্তায়ন করিয়া হার বহনে চক্ষ্মামূত পান করিলে ডিনি श्रांदक प्रश्रुप किया श्रामान करतम । जाञ्चर-লে বধন ভাঁহাব নিকট জব পাঠ হয়, তথন हा छामियात समा किकिङ्कपटत गाउँ कतिएक পন। রাজিতে ভাঁচার খণ্ডর উদ্যোগী হইয়া দ্যের মতে তিন বাব মকরণ্যক্ত ও মুগনাতি ব্য করান। রবিবাবে বপন উলোর গৃহ্ছাবে শিশাঠ হয়, তথম ভাহা উচ্চরবে পাঠ করিতে 🕴 বেৰাধ করিয়াভাষালাৰণ কৰেন এবং চণ্ডী ঠ সমাপ্ত হইলে ভাছার দক্ষিণা দেওয়া হইল না জাভার বাবা বশুগ্রকে জিলাসা করিয়া বাদ লন। কিন্তু রবিবার রাত্রিতে প্রজ্ঞাব মা স্থাতেও প্ৰভাৰ কয়াইবাৰ ঔৰধেয় কাৰ্য িংওরাডে জেসশং উদর স্ফীত হইরা রাজি াহশ ষ্টিকার সময় সর্বাঞে হর্ম হইডে রভা কর।

নবকুষারী, সোধবারে নর্যটিকার সময়
ভাতীকে নিকটক দেখিয়া বলেন " আপনি
আমার জন্য কোন চিন্তা কবিবেন না,
বে ছোট বউকে লইয়া সংসার্থম করন।"
বিশ ঘটকার সমর আভালে বলিলেন
বিশ আর বে ( ইখব) উপাসনা করিছে
র মা " ভিনি কোখায়"? " শিবচন্দ্র বাবু
বিট আসিয়া কহিলেন " এই যে আমি ?"
বিভে অভি মৃহ্বরে উত্তর ক্রিলেন " এসেছ

अचारन बाक्षा क हरे अहरतत नमग्र खाँदाव मृद्धा কাল উপস্থিত হটলে ভাছাকে পবিত্র শ্ব্যায় শ্বাস করাইরা ভিতলগৃত হউতে উচ্চাব আদী, काला, मध्यत्र । अन्याना करने वास्त्र राजित প্রালণে আমিলেন : তথার আমিয়া উহার খানী শহ,াব দক্ষিণপার্থে উপবেশন পুর্বাক কিয়ংকাল প্রমেশ্বরে ধ্যানী করিয়া সীয় পিতাকে বলিলেন যদি আপনাদের ইয়ার মৃত্তিব सना किছू कहिएड इंग्र उर्द अक्रूप नक्न । इनि এক্ষণে নিভাগানে গ্ৰন ক্ষিডেছেন। গুংকালে গাছার জাতা শিরোদেশের নিক্ট বসিয়া বলি-ভেটিলেন '' ঈশ্বর ভোষার বেন শান্তি নিকে-ভবে স্থান দেন। " ভখনও পর্যাত ভাহার নাড়ী ছিল ও হস্তপদাদি শীতল হয় নাই। কিন্তু সকলে প্রাণনালের উপক্রম দেখিয়া ভাছাকে লইয়া গঞ্জীরে বাইলে ভাঁহার প্রাণ্ড্যাগ হইল। মৃত্যুর পদ আনকালে ভাষার শরীবেব সৌন্দর্ব্য দর্শনে সকলের এরপ অয অবে বে, ডিনি বেন ভীবিত হইয়া আবোগ্য প্রান করিডেকেন। এই রূপে গত ২ রা মাম সোমবার ছই এইরের পর তিনি পঞ্বিংশ্বৰ্ষ ব্যুচে মান্বলীলা স্ব্রুণ करनन । नवकुषातीय पृष्टुः जन्तारम जकनार सात পর নাই ছঃখিত হইয়াছেন ইজি।

## मूना थावि।

١.

🐧 যুক্ত বাৰু বাদৰচজ্ৰ যিত্ৰ চাঁপাতলা

केंचि " রামধন সাশমণ ১২৭৩ মাধ হইতে ৭৪ পৌৰ 7.0 " तीन<del>वषू</del> (वीनीक यामा**जी**श्रुज ১৮৬৭ আছ্মারি হইতে ডিসেবর '' গিরিশচন্দ্র সরকার গোডডা ১৮৬৭ মার্চ হইতে মে 10h = ৰোভাৰ্ন হৈছা '' कानीश्रमत मिरह ১৮৬৭ মার্চ হইতে ৬৮ কেব্রুয়ারি " কুক্তজ সাধ্যাল চৌধুরী ময়নমসিংহ ১৩ " প্রভাপচক্স বন্ধ্যোপাধ্যায় ফালীবাট ১৮৬৭ বেক্সমারি হইতে ৬৮ আছ্মারি " গোলোকচন্দ্র সেন দীনাব্দপুর ১৬ '' হারাখন কবিরাজ ক্ষিকান্ড৷ ३२१७ शासन श्रेटिक १८ व्यक्ति . 4#-'' মুসী মডিয়ালা রখপুর 38

## সোৰপ্ৰকাশনংক্ৰান্ত করেকটা বিশেষ নিরম।

অবিদ মূল্য ও ডাক মাসুল না পাইলে । বলে সেমিপ্রকাশ প্রেরণ করা যায় না।

रेशत जिल्ला मृत्य वार्षिक ३० अवर वार्शिक ४०। विका, यक्त्रात्म जिल्ला, यक्त्रात्म जिल्ला जिल्लाहम्म नर् वार्षिक ४७, यान्यातिक १ अवर देजमानिक ज्ञा जिल्लाहम्म प्राप्त जिल्लाहम्म मृत्य मञ्जा यात्र व स्थि, वदाण विति, मनिज्ञाहम, त्यांति, छ है। विकित, देशत ज्ञाणम वाराण्य वाराम स्था रत्य, जिल्लाहम्म ज्ञास मृत्य (श्राप्त व रत्य।

র্থাহার। **স্থান্সকিট পাঠা**ইবেন, ব হার। বেন এক **অথবা আব আ**নার আ মূল্যের ও রসীদের **টিকিট** প্রেরণ না করে:

বখন ধিনি হক্ষণ হইতে সোমগুকার মুল্য পাঠাইবেন, ভাষা খেন রেজিপ্তরি করি জীযুক্ত ঘারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠা। দেন।

व शिक्षिण प्रमा विवास मगत खंडी छ हो वामित्य, अक माम भूटर्स डोहानिशक वि निर्विश्रा कामान पाइट्स, काम खंडी छ हो व्यान्त अकवात किन्नि (मर्था स्ट्रेस, खाहात्र अक मामकाम अखीका क्रिता कामक यह य गाइट्स । त्यन बारस्त श्राह्म त्यन्ति । श्री

যাতলা রেলওয়ের সোনাপুর ঐেসনের ড যরে চিটি আইলে আমরা শীশ্র পাইব :

শীখারা বাজ্জ বা দিরা শতাদি লোরও ব কো, ভারাবিলের সেই শতাদি লংগ ব বাইবে না।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন নিজে ইং করিলে জাঁহাকে প্রথম ভিন্নার প্রভিপংজি । আনা ভাহার পর /১০ আনা নিজে ইইটে বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন নিবার ইক্ষা করিছে ভাহার সহিত সভ্যম বংকাবক্ত ইইবে।

ক্ষেত্ৰই শত্ৰ ফলিকাছার ইন্দিন পূর্ব নাথ রেলওয়ের সোনাপুর ষ্টেসনের ইন্দিন চাল গোডায় শ্রীহুক্ত বারকালাথ বিষ্যাত্বর বাটাতে প্রন্ধি সোধবার প্রাক্তকালে প্রকাশি

# (मायशकान

म ३ क्या ।

**५ अर्थ**ाः

## ·· प्रवसंतां प्रक्रतिवितातं यार्थिकः सरसती जुतिमवती न कीवर्ता । \*

व्यक्तिस ब्ला ३ केका, केविय वर्षिक ३० है सम ३२१७। २४७ क्विया । ३४७१। ३५ हे मार्क । **प्रतिप्र वान्।तिक स्त्र है।का** ; }

বৰণালে মাজুলসয়েত অভিন বাৰ্থিক ১৩ ্ঠিকা বাণ্যাসিক ৭, ও ক্রেমানিক ত**ন**ং

## বিজ্ঞাপন। মিউ এপবিকারিন চল।

चामद्रा विलाख स्ट्रेट्ड डिस्क्टुं डेवन मकन ক্রম্বন আমাইরাফি এবং পদীলামের ফিল্পেকরি अकुचित्र प्रतिशात करा भन्न मूटना मौकादन আভি কম দরে বিজয় করিতেছি। মকবল হউতে ! ≱খাবের কর্মত ভাষাৰ মূল্য অরপ নোট, হাজী ৰা বরাজী চিঠি পাঠাইলে আবর। ইবধ অভি সভা পাঠাইতে পারি। উষধ্যে মুদ্র বীহার। क्षानिएक होट्स्म, कामद्रा छाक्टबाटन केंक्सिएनब निक्रे जानिका शाठीहेव।

পার সি মন্ত কোং'।

बह्नमध्याय क्रीवें सद ७९ सकी।

### मञ्चर दिया ।

সূত্ৰভট্টৰ জীকা ও বাজালা অসুবাদ महिक, मरकृष कारमरकर न्यू कि भाषाधानक 🚉 पुष्क चत्रप्रकृष्टम् निरम्भावि वर्द्धः नःहमाविक। ৠুর্মানিরা বংক্ত পুরকানতে বিজয়ার্থ আছে। क्षा 🌣 इयु डोको ।

**बिश्हमाथ** नाइशकानम ।

इन्द्रेजिल्ला मर क्ष्क मुख्यानाइ भर अवीक व माधावन वाकियन क्षत्र कविल्ला नहेटक भावित । स्रोहानिक मिश्रमिकिक गुरस्किक विकास

ACTION—	
हरीच ;	स्वर
द्वीगहर्ग्डशन	.३ होका
লোমইজিহাল	<b>, *</b>
क्षूत्रवाह काकार	1.
मीपिनांत (३ ४ फोर)	ول ا
-मीक्सित्र (२ व क्या)	1 14 2
· estites :	3
" PEFICE 45/734	***
<b>अ</b> वाह	भागान सन्दर्
to the same	₩,

#### नुवान मर्श्वरस्त्र (मनवश्वः)

मट्या भूतरेन नंदश्रद्ध विकास विवास किव्या বিশৃষ্ট্রায় ষ্ট্রাছিল, কিন্তু একৰে নিয়নিত মধ্য पहनत्र वार्कनित्रक डाक याञ्चन निवा भार्तान रदेएकर इ. अवः कृतिकाछात्र विक्वः क्षार्किनगरक रक्षका परिएक्टक अवर विचन्न विवस्त नायान्य ৰায়ে ব্যব্য হওছা বিরাচ্চ, বাঁধ্যা পান মাই প্রবং বাঁহাদের সম্প্র্র লেটের বিজেদ জারীয়াহে কুলারা অভ্*রভাই* বিদ্যা স্থবার বোড়াসাঁকোড ্বাহ্ন প্রা**র্জি** নিকা উপস্থিত **হট্**ছা প্রাণ্য

**क्रिकामीक्षमह** भिरह।

**ভূটাম এপ্রিক ক্রি**সমূহে হস্তি ক্রেনা করিবার विशिष्ट भाषामी ३५७१ चटपत ५ मा बद्धन इंदेर्ड ११-०१-व्यक्ति ७३ ज मार्च प्रदेश्च वक ৰ্থসৰ বিশ্বালৈ পাঞ্জী নিজে নিয় স্বাক্ষরকারী देश्ह्य भारत्य ।

शक्ति पत्रियात्र विभिन्न एकं कून् कि निवृक्त करें। बाइँदि, काहान कि कुम्कि श्रक्ति २० ग्रेका हास्त माञ्चन निर्फ प्रहेर्द्र पुष रुखि मनन कर क्षित्रोत कविकास स्वकृष्ट अन्यत्वरकेत वान्ति-श्यकः। सर्वारमञ्ज्ञे अन्य कतिएक देख्यकः वा पुरेशन

খ্যম্যাস্য আৰ্শ্যক বিবৰণ নিয় আক্ষ কাত্ৰীন্ন বিকট বন্ধৎ উপস্থিত চ্টৱা কি পত্ৰ বারা विकास कडिएम जामा न**हिए**क भाडिएन।

एडशूनि कविनयती चाकित । विश्वक (झ. এक. यथ्या ककी। हेई कि नाट्टर ऽ२ हे किट्नवत । ऽ। के । एडशूने कविननत

वानकविद्वत्र पावश्राद्वाद्धं " गनिक विकास ० माप्त अवस्<u>त्रि वसपूर्ण</u> नाणिनूतक देश्त्राकी विताबद्वात विकास क्रिक्टामान स्थापनि कर्ष्य अरोकेन के प्राप्त कि, बेर्ड (कीर क्रांस पुरिष्ठ क सम्बंभिक व्हेश वस्त्रामात्रक १५५ र

দংখ্যক ইয়ানহোগ হোলে ও কালের সংস্ত এেদেব পুস্কালরে বিক্লবার্থ স্থানিত আছে। মুদ্র ১।- পাঁচ শিকা দাত্র। "

वरन्पवरत्तव शुक्तकावत निष्यांग्यानात त्मम ३ ६ नर नाम स्टेटक क्रिकालिय क्रिका ১৭৬ নং সাবেক বাটাতে উরিছা আলিছালে ইতি १ साथ ३२१७। व्योवकीव्यय ब्राह्मानार्गक्किं।

वर्ष्यात्राव प्रविश्वाफ विकित्तक विक्रक वान् ভোলানাথ কবিরাজ বহাপছের অভুনজনুসারে সাধাবপুরসাগকে এভারা অবগত করা বাই-त्यक व अविवास्य खेळा याषु श्रवणानिद्देशने गत्रमध्यय चिक्रिके बश्रुंत क्रिक्शमा क्षेत्रिक्य। अधिद्वामान समी।

পারীসনিষ্ঠ প্রথম ভাগ ।

निक्क के शास फेल्टबर्स स्वराद्धानस्वामी र्य अब्रेश क्षराणी चन्नुगारत चानि अक् थानि পারীগণিত একত করিছেটি। স্থাপাতকঃ উহার প্রথমভাগ যুৱিত হইয়া বংকৃতবক্ষের भुखकानात विक्रीक स्टेटलाङ । अध मर्पा रहन পরিষাণে সহজ অব্দ ক্রযৌশল-রচিত এখ मक्क मरश्रीक स्टेब्राइस् । युक्त क्व व्यावा ।

क्रिकासीक्षमक भरकामान्त्रम् ।

क्षित्रक शायकान, विश्वीसकात शनीक "প্রস্থৃতিবাদ » বাসে একথানি অভিবান সংপ্রতি वृत्रिक रहेश नरक्ष प्रमानस्त्र गुक्कानस्त्र भाषातिक्षा भाषक्षत्राहाः कित्रक केर्क्सक्ति माडीरतत प्राप्त विकतार्थ अ-कुष भारत । हिरायक श्राप्त सरकाक नावनत हा९ত্বপাৎ ধাতু প্রভাৱ সমাসাদির **উলেখ** করা। চিছে।

মূল্য ৫ পাঁচ টাকামাত্র।

-:::-

ইফ ইণ্ডিয়ান রেলওয়ে। থিকাপন।

( পী.শ গুড়স ) কাৰ্যাৎ বন্ধাদির পীটেট যাহা উদ্ভানত্রণে বাক্তবন্দি হয় নাই ভাষাব বিষধ।

এড হারা সর্ম্যাধানণ জনগণকে বংগত করা তেছে, যে আগায়ী ১ লা এপ্রেল অবধি চর লিখিত ড ড়ার পরিবর্তন হটবেক। পীস ওড়স অধাথ বস্তাদির বিলাতি প্যাক গাঁইট অধ্যা এডফেলীয় প্যাক করা গাঁ

कार्षंत्र वाक्रदण यह श्रीकित्न शिजीय झारमत हा प्रशीप भगकता आफ महित्न हेरताजि भाहे माजिरवका

শ্ববং বে সকল পীস গুড়স্ অর্থাৎ বস্তাদি তেওঁ (পাকে করা ) অর্থাৎ মোড়া হয় নাই. বা প্রুকীয় ক্লাসের ভাড়া অর্থাৎ সণকবা প্রতি নৈ ইপ্রাজী এক পাইরের তিম্ অংশের অংশ মাগিবেক।

াত্ত অব এজেলি ইতিয়ান রেলভয়ে উদক্লিকাড়া ৬৭। ৭ ই যেক্রগারি

নিনিন টিকেশন -

সোগপ্রকাশ।

১৮ এ ফারন সোমবার ।

ব্যবস্থাপক সভা ।

পুরাধনেথক ও প্রাচীন কবিরা
পানাবলে ভিন্ন ভিন্ন পদার্থের এক এক
ল লইনা এক একটা অস্কুত পদার্থ
না করিরা সিয়াছেন। নর্মিংহ মুর্তি
ভৃতি সেই কপোনাজির কল। সম্রাতি
হুত কপোনার কাল অতীত হইনাছে
টকিন্ত আজিও উলিখিত প্রকার অস্কুত
বিন্ত আজিও উলিখিত প্রকার বিন্তিত
বিন্ত বিদ্যালি সেই অস্কুত
বিন্ত বিদ্যালি সেই অস্কুত
বিন্ত বিদ্যালি ব্যবস্থালি কলিলে
বিন্তি বিদ্যালি বিন্ত উপাদানে নির্দিত
বিন্ত বিদ্যালি ব্যবস্থালিরে
বিন্ত স্থাক করা বাস্ত দেখিতে
বিন্ত বিদ্যালি বিস্তালিরিক।
বিন্ত বিদ্যালি বিস্তালিরিক।
বিন্ত বিদ্যালির বিস্তালিরিক।

ও যুক্তিশরতক্র স্বাধীনতা প্রভৃতি নানা পহার্থের অংশ ইহার অন্তরে আছে। আজি দেখ ব্যবস্থাপক সভা একটা প্ৰস্তাৰ লইয়া কতই ভৰ্ক বিভৰ্ক ও चारकांत्रन कतिराज्यहर, त्व त्कान वाजि কোন সমত কথা কহিতেছেন, ভাষা मानरत व्यवन ७ अहने कतिरुह्म, कांनि দেখ, কাহার কোন কথা না শুনিয়া আপ नामिरभन्न गङ्गिण विरुद्ध विश्विष क्रिना লইতেছেন। অঞা কেছ কিছু জানিতে পারিতেছেন না। প্রতরাং কেই কিছু আপত্তি করিবারও অবসর পাইতেছেন ना। य **भविष वरक्षर**हेत्र त्रीक्षि क्षविक्रि र्देशास, त्मरे व्यवधि याथ्य वाब्हातत नमश्क दक्षि पृथे स्ट्रेटफ्ट । शूटर्स शूटर्स এই निग्रम हिन रव क्लान व्यक्तांव विधि-बद्ध क्षिट्ड हरेक भवन्तिके धावत्य ভাহাৰ পাণ্ডুলেশ্য করিয়া ব্যবস্থাপক সভার বিবেচনার্থ অর্পণ করিতেন। সর্ব সাধারণের মত কি তাহা জানিবার জনা विश्वकृषिन (शृष्ट्राके अविभिन्न **११७। किन्द्र वटक्टिंग ११वर्गत शत्र व्यव**ि त्राक्षण मध्यमाञ्च चारेरमत्र विवरत व थ কার ব্যবহার কায় করা হয় নাঃ সূতন विश्व कर प्रेटव १ कि वर्जमान कर है दि र्देट्व १ अ नक्स विषय आह पश्चकाता म्ब्र पोर्ट्स । (व निवम ब्राक्स मःकाड मञ्जी जांत्र दारबह दिनांद अनान करतम, त्नरे किन नर्सनायात्र व्यालनावित्वत खाश क्रानिट्ड गांटबन। माधाबदन दन বিষয় লইয়া ভর্ক ক্রিবেন, সে অবসর কৈ ? সাধারণে হঠাৎ আক্রান্তের ন্যার विचित्र इन । नामगात्व विश्वका अपन, ষিতীয় ও তৃকীয়বার পঠিত হয়। গৰণ त्मने शृद्धं कर्डवा चित्र कतिहा अदियन, दावकाशक गका अवर्धमृति व्याख्याः तिक्रिकेती कटबन मात्र । 🦚 निष्क्रमा **क्वि? लाक्टक अ पूर्णीक टाट्सब विश्वा अद्योक्तर कि ए 🖟 🐃 😅** . . . . .

কণ্ড; বৰ্ডমান ব্যবস্থাপক গডাৱ **छेशदा कारका विधान नारे। अधीरन** कान विवाहत वालाहिक कर्क विकर्क है। ना । भवर्गत्र स्मनत्रदातः रको, स्मरनत्र मका गरनंत्र भवर्गरम्ब्लेत विद्रारक कान कथा বলিবার ক্ষমতা নাই। ভিন্ন ভিন্ন প্রেসি-**एकि १६८७ वि ग**कन जला चा**६८**मम, **डीहांत्रा वांत्रा लां# ६६८न (वह क्थन** क्ट्रि वरणम बर्टे, किन्तु डीक्षिरशत्रक কৌন্সিলে প্রবেশ বরিবার আলা খা-কাতে নৰ্বদা মুক্তকণ্ঠে উচিত কথা विकारक मास्त्री स्य ना । विस्काददां ७ ७ (एवमात्रात्रण गिःट्स्त शत्र व्यवश्व व्यटेव-७निक गणार्गन स्मीनाव**नव**नहरू त्रासनीकि-জতার পরা কাঠা ভিব করিয়াছেন। পিতাত পিতামহ ধনীও ক্ষতাশালী किरलन, अहे नियम क्यावन कतिया गुळा মনেরীত করা হয়, তাঁহারা বে কার্য্যে আইলেন, ভাষার উপযুক্ত কি না, দে विद्वाना कहा रह मा। व्यक्ति कानि भवर्ग নেকের এই রাজনীতি ম'বড়াইরাছে। সু-তয়াং তাদুশ সভ্যের নিকটে সন্ধার শোভা বর্জন ব্যক্তিরিক্ত স্পন্য কি প্রাক্তাশা করা यारेटक भारत ? प्रकड़ांट स्मरेन नाटस्ट्यूह, ममुन वाजिला हर यक कटत्रव, जाहाई म्म । नर्सनायोग्रहनत मठ धाकारणत याद् चत्रन कर मध्यानगढ चारहरा नारहें देश मिर्गत करा अभिरु हम अरे जीने गर्गटमके आह प्रायकीत स्वास्त्र आहेन তাড়াতাড়ি বিশ্বিদ্ধ করিছা ছেনেন 👢

याश एकर, जागरा शवनीर केटल करत्रकी विवरतम विस्तान मिन्दिकी कित्रीर जास्त्रीय किटिलिश वाशित एकर केन्द्र कर कर्मकान किटिल व्हेटन, कर जानम सन्दर्भ केटिलिश मक मान्सा जानमून नावजाक । ति कर सामा वालाहिक वार विवारत देश के वाला कर्म हत्। त्यापन वालाहिक नमधानानी के किया । कविशा प क किं रेडिशानिवर्धक कार्य धारा-दे व्यक्तिरमात्रं क्षान्तिनिधनर्थतः प्यन-উত্তে কর নির্দ্ধানিত ও গৃহীত হয়না। म **म्हल्बर म्ड**न करत्र स ज्किनातिका है। छेड्लमन मांट्रव यथन हैनकमहाज प्रदर्भ क्षर्राचिक करत्रम, फर्चमक मर्का-ধারণের মত জ্ঞানার্থ ডিনি কবিশেব ৎকুক্য এদর্শন করিয়াছিলেন। লার্ড ক্ৰিউ সকল বিষয়েই লোকেয় মত াৰ্কী হইতেন। কিন্ত একণে ইহার বিরুদ্ধ বেহার হইতেছে। এটা অভিশয় হু:ধের বেয়। গত মজলবারে ভারতবর্ষীয় ব্যব-গ্রেপক সভা ছইয়া খেরুপে সুতন কর মুক্তীপত হয়, ভাহাব **এতি**বাৰাৰ্থই প্রস্তাবের অব্ভারণা করা হইরাছে। ।দি লোকের মত জিভাত ছইয়াকর নির্দারণ করা প্রধান পুরুষদিপের অনডি প্ৰেড হয়, উব্হায়া ব্যবস্থাপক সভায় এৰ্থিৰ প্ৰস্তাৰ সকলের প্ৰস্ক উপস্কিত कतिनात्र तीं जिल्लाम केवन बर्र আপ্ৰায়া গোপনে কর্ত্তব্য ছিন্ন করিয়া प्रकास्त्राक्रान काश गर्नज शहातिक कक्रम । बादकाशक मणांत्र डेजिबिड প্রকারে আইনের পাণ্ডেবরা উপস্থিত করিয়া ব্যবস্থাপক সভাবে ও আপনায়ি भटक केलकामाञ्चलक कता विद्यत एत ना । **--**;0;-

# त्राञ्चगरस सम्बो।

শরীরী রোদের ন্যার সাংসারী শ্বাক্তি অপথায়ের হত হইতে সকতো-कार्ट मुक्त, अप्ति कात्र मृक्टिरशांत्र इव सा। विख्वाधित करा मूटत थाकून, क्रण-भारत अदसक ममात्र नाक्कत ख आह-अहरू विदेशका श्रीमा अञ्चल भारतक কাৰ্যোর অনুষ্ঠান বরে, লেবে জা্হা-অলা-, जिन्द्र के कमानभार देलिया मधार्थ एते। व्यक्तिमाक दाव वंशकारतत व्यश्न मान। कामानिएसई भिज्याची सर्नटमने क्रेड्स

आविभाक्टदाट्य क्ट्राक्टी अभवास्त्रक स्रेश प्रक्रिटिस । मधील नियातिक स्टेटन चटनक दिवरश मदिरणय आयुक्ता एक मरण्य मारे । प्राचल मरकां वितर অতুলান দেবাইয়া সূতন কর বিধানার্থ এত ৰাজ হইতে হয় মা ৷ বায়ের অংশকা নিৰ্মান যে সমস্ত আগালত সুদিশাপন্ন হুইয়া দ্বহিন্তে, স্কাহার অবস্থার অনেক উন্নতি বৃহতে পারে। বে অপব্যয়গুলি α**ξ:**—.

टाबन, अरहरण कश्विकगःचा वेखेरता भीत रेनमा कालन। शकालर मस्य रेनमा श्र्रेटल हे स्टबके हता कात्र छवरीत भवर्ग মেণ্টকে অকারণ অভিরিক্ত বিংশতি मस्टारेनरमात अधिक वाम विर्ण हरे. তেছে । এ অপবার রহিত ছইলে কি প্রস্তাবান্তর বর্গিত মৃতন লাইদেক করের সমূল অসামঞ্সাদোবদুবিত িং,স্ফত কর প্রবর্তিত করিয়া ধরিত পীড়নের व्यक्तांचन रहेण ?

विजीव, ध्यमंनशूक्रयनित्मव विभवा ও দারবিদ্যান্ত প্রাকৃতি গৈলবাবের অনা ৰুশ্যক ব্যন্ত। শতাধিক বংগর এদেশে ড়িটিখ গ্ৰণ্মেক্ষ্য আধিপত্য হইয়াছে, অনেক্তৰি গ্ৰণিয় চ্টয়া সিয়াছেন, কৰি কাডার বাল করিয়া কাছারও স্বাচ্যত্ত হইয়া যায় নাই, আজি কালি কাল্পনিক जालक अरे त्रावदानीत्य व्यवानशूक्रवित-পের দৃষ্টিতে ৰমপুরী করিরা ভূলিয়াছে। সুভরাং উহির। সুভি্যজ্নয় হইযা পাদন করিরাহিলেন, ভাহার উন্মুল এম্বানে অবস্থান করিছত গালিতেছেন লা। এটি কি রাজধানী পরিকারেগর প্রকৃত কারণ বলিয়া পরিগণিত হউতে শারে ? এ কারণে পাথের ও শৈলবাদা বিশ্ব বে ব্যন্ন তাহা কি অপব্যন্ন নহে ?

क्कीत, कात्रक्षेत्रीत अवर्गटमन्छ स्टर्स वटर्व महर्योद्ध अन्दर्भागायक दृश्हेटक আর্ড হইরাছেন্ এরবার এদেশীর রাজ রণের প্রভুত্তি বন্ধুল করিবার প্রকৃত

केशात सरह। धारामश्रान्टरकी विकारमंत्र कातन डे० नामन कतिहा यदि डीहासिटबर चन्द्रः कत्रनटक कलूचिक कतिया तार्यम, गर्ख गर्थ पत्रवात अञ्चल, क्ष्मरे जीहा দিৰ্বের চিত্তকে আন্ত করিতে পারিবেন मा। উर्शितिशित अञ्चलि वस्त्रूण कृत्रा यपि व्यथानशूक्रयविरात मुचा फेरफणा चेत्र, বাহাতে তাঁহাদিগের জানচকু উৰীলিত र्देश कर्डशांक्छंशात्वादवः नामवी **जटम** এবং বাহাতে তাঁহাবিবের অসুর্ভের রাজ कार्ट्या चांधीनका चारक, कास करने, তাহা হইলে ভীষারা ক্রডজ হইরা উঠি-द्यम महत्त्व । याचावित्तम व्यक्तिम मध्याम मा रूप, प्रवात कतिता किर्हि গকে ভক্ত করিবার চেক্টা বিজ্বনা मरमहिक १ व्यञ्जव भवनक्ति विकृ ভক্তি বৃদ্ধসূল করিবার শ্রন্তক উপার না हरेल, जनर्थ वाह्य व्यथवाद्यः मरुवाहे वाहे ।

চতুর্থ, রাজধ শংক্রান্ত স্থিতিক हेर्म क हरें क चानस्म । अहे व्यर्गराहत श्रादिवानार्थरे व श्रास्त्राह्म व्यवहात्रभी कता व्हेतारम् । व्यायता सम्मात्रस्य अस्तरम চারি জন রাজধ বংকান্ত মন্ত্রির জাগমন मर्जन कविनाम, छीझांविश्रटक रव दा विशा अप्तरम जानमन कड़ा स्हेल, जासा অনুস্লণ যে কি ইউলাভ হইন, তাং আমর। রুঝিতে পারিলাম না। উইলস मारहर अक रेनस्महोझ ध्वर्षित कतिः अटलट्ट्रेंड लाटकत्र स्मट्ड य वित्रांत डे ক্ষিতে লেখ্য নাহেৰ ও সরচারলস ট্রি লিয়ানেৰ সময় অভিবাহিত হ্ৰয়ায়ে मानि नाट्डर य এक जनमञ्जन काड्टन होज क्षांबर्डिंड कहिया कार्रिक समस्य वर्षन कतिरतम, देशंत मः भाषन एके का । । व करू का न का की क हरेर १ अ क ভারতবর্ষীয় গ্রন্থেনেটোর কর্ত্তন্য, অতঃ তাঁহার৷ আর এ অপবায়ে না যা अवस्म योद्धाः चात्र् राष्ट्र विषयः य মধা ছইতেই লোক মনোনীত ৰুকুন, ব্দনেক ব্যয় বাঁচিরা ঘাইবে। সেই ব্যয় দ্বাৰা অনেক্ষপাৰ্থ হিতক্ত্ব কাৰ্য্য হইতে পারিৰে সম্বেহ নাই!

#### बर्छ है।

উইলসন সাহের অব্ধি এ প্রয়ায় ष्यांत वारया यठ विशाव अमान व्हेब्रास्क, ভগ্নধ্যে কোমটাই মানি নাহেবের গত মঙ্গৰাধ্যের হিষার অপেকা অধিকতর অসম্যোধ উৎপাদন করিতে পারে দাই। গত বংগর তিনি যে কিসাব দেন, তাহা কিছু নয় ৰসিলেই হয়। তথ্ন তিনি মুডন ছিলেন। এবাব যে ওজার নাই। ফলভঃ তিনি যে কাৰ্যো নিয়োজিত হইষাছেন, कोशंत रंगोगा मर्ट्स । माधांतर्ग अक्योका ছইয়া যে তাঁধার প্রদত্ত হিনাবের প্রতি **(**भाषाद्वार्थ ७ रहत्त्व त्य आर्डिवाल क्रि ভেছেন, ভাহাই উহার অযোগ্যভার **ॳ**बिह्य मिट्डरह् ।

ৰক্তার প্রাবছে তিনি প্রোতৃবর্গকে এই বলিয়া সাবধান করেন যে " ডিনি বে হিনাৰ দিতেছেন ভাষা বেন ভাঁহারা व्यक्तक विशास कान मा करतम। देशांत এই কারণ নির্দেশি ত হুইয়াছে, ভারতবর্ষে আটটা পূথক পূৰ্বক স্থানীয় বজেট হইয়া थारक। क्वांनीय शर्यर्गक ब क्षति शक्क कट्टन, डॉर्शनिशाक आवात्र मृतिष्ठ ক্ষাচারিদিখ্যের উপরে নির্ভিত্ন করিছে হয়। ভারতবহীৰ গবর্ণমেন্ট এ গুলির ইতিমত তত্ত্বাবপান করিতে পাবেন না। এডান্তর টেট মেক্টেরির শ্বন্তর ধনা-পার আছে। ইহার উপর অক্তা গ্রণ মেন্টের কিঞ্মিলার প্রভুত্ব নাই। এতম্ব ক্তিনিক আর একটা গুরুতর কারণ **সাছে। ভূতপূর্কা** কেট দেকেটারি মলা লভার আরুডে আর ব্যয়ের হিদাব দিবার क्रमा देशनरका गावि योक्तियारम वर्गरकत

শিত ও নিপুণ হইতেছেন, তাঁহালিগের / শেষ হিবাব করিতে বলেন। এই গ্**মন্ত** कात्रदन चांत्र उद्धार क्षक्रफ विनाव व्यव. ह-क्रह। " जामापिटना जिल्हामा अरेविर हि-गांव व्हित्रहे ना इरेल, फटब चकूलान व्हित क्तिया मुख्य क्य निर्माय क्या क्रिट्ट गक्ठ इह १ जिनि कि सना चारक्न १ कि जना এफ টाका दात्र कतिता देश्नक स्टेटफ मुख्ति व्यानवन कता स्रेताटस् १ स्रेकिन ७ ক্টার সাহেব এড টাকা থাইয়া কি কাজ করিয়া গেলেন ? ইংলণ্ডীয় রাজস্ব मः क्वांत्र मञ्जी यनि वशानकारक बरनन, ভাঁহার এদত হিসাব বর্ষার্থ হিসাব নছে, তাহা হইলে কত দিন ভিনি শদ্ভ थाक्टिक भारतम १ ১,२०,००० हाका রজ্ম সংক্রান্ত মন্ত্রির বাৎসরিক বেতন (एउड़ा इस । या वास्ट्रे वा कान ?

> মাসি সাহের গত বৎসরের হিসাবের नः रक्षाप वर्गन कतिया वर्णम, श्रंफ मार्क মাবে উাহাকে বলা হয়, ৩৩,৬০,০০০ টাকা অকুলান হইবে। কিন্তু প্ৰায় ডিন क्लांग्रिका डेब्ड स्टेबाहिन। अरे টাকার মধ্যে ১,০২,৮১,৪৯০ টাকা नाममाज डेब्ड रहा शवर्यट्यटकेंद्र रूख श्रेटक बादक महत्राही ब्रानंत स्थित यात्र। अरे छेक्ता अरु बांत्र वांत्र चावात কমা হওয়াতে উত্ত বোধ হইয়াছিল। वज्र ड: १ इंड चात्र नरका अहे जिन्दका-णित ১,११,२०,००० होका व**षार्थ** खेषु छ। হিনাৰ অপেকা ইংলতে ৩৫,০০,০০০ ष्टेशका ज्ञान्य स्वाहर स्वाहर व्यवस्थात ज्व ध्यंत्र रमनाभर्गत सदामायश्रीत निर्मिष्ठ বে ১..৭ ১০,০০০ টাকা রাখা হয়, ভাছার मरक्षा १७,००,००० छ।का बाहिसादका च्यात, (बाबाई दिन्यदिव क्यान्सीन चार्य नाविद्यात कृष्टि पञ्चनादत्र धर्नद्यात्वेत धनात्रारत होका ना त्राचिया (बालनीय वारक ३७,१०,००० होना वर्षी प्रार्थन व छोका भवर्गरमञ्चरक शिक्षारकम । अहे नश् , बाब ब्रिट्स किन इकामि क्रेस केम क स्व

কিছ এ শুলি বাৎসন্ত্রিক স্থায় নয় বুলিন चान मध्या शतिश्रनिक इत मारे। ही रामीत युष निरम्भय कात्रक्षमं देशमध्य निक्टें ए स्टार नक डोका भान, कार **लिक्ष्माटरव भारतत मट्या बर्धना कडाटर** नार्जशनिकारका यहिक बकाइत इत उवानि किंदे निक्तिकोडि छाश हिमा मर्था अर्व क्टब्रन । क्वर : ८व हे१व मरेत्रा दिलादि स्थान जादह, काहा वा बिरम्थ हरे कांग्रि ग्रेका छेषु व बादक त्र ठोका इकाषात्र (बन १ कि अकारत देव व्यक्तान मीज़ारेल ? जात्रकदरींत्र शर নেও ও অৱত্য রাজস্ব সংক্রান্ত মন্ত্রী বি कतानी बटकरे अनानी जदलबन कतिया ছেন ? ভথার প্রতি ৰৎসর উত্ত টাব रम्यान रुष्ट, व्यवष्ट काच्छ वर्णा ग्रान धीरतासन इत्र। किन्द्र गत धन गरतन ভূতীয় নেপলিয়ন নহেন, মহুরে কোলডে *কহিত যাবি বাহেবের ড ডুলবাই হ* ना f

शक बरकारि व अकान विनाद धन रत, त्रांकय छार्।त घरर्गका दक् धन रम नारे। यदिक इकिंक निरम्भन छे दक्टा ১०,१७,७७६ होना ह्रांबय फारंग कह **ब्रेशास्त्र, फर्थानि जुमित्र ताबद ५,०**० ७८० हाका इषि वदेशासः। जानकातीः नदर्ग व्यक्तिका वाह श्रदेशास्त्र । कि भुष्क ५७,६৮,७√० व धें किमारण ५६ ০২,০০০ টাকা **আনু কমিরাছে। ধনাগা**রে বিক্তঃ নখন টাকা দাকাতে পদ্মনামুদ্রিং रत नारे। हैं। क्यादित शक्य शक्य शक्य एडरे एत । किंद्र कोषोरक शहरा प्रोहर नारे, উखत लिक्कांक्टलत व्यटनक काट देश प्रमानिक स्वेदादन , माजनव जायन मरकान महित कहिए वह कवि हो शारक डॉनटफ महैदर मानि मादबद्ध विवादां होता विवादक के बादक गांवी वर्ष सर्वात कांग्र क्षणा एरेबारव । यात्र CHEN CITY THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE PRO । इस । किश्व भटक ३५३৮ छोका मीका হৈছে। আপাড়তঃ হিনাৰ অংশক। ৯২,৪৩,০০০ টাকা এ বিহয়ে অকুলান च ত হয়। কিন্তু মানি পাছেবের **কোহি**গৰৈ ও ৰৰ্ণনা অসুসাৰে ২২,০3. 👓 টাকা মাত্রকৰ হইলছে। এপ্রেল टमत अविद्यन्तन सूत्र, यहा दश मार्च, াহা হরিলে ৬৯,২২,৮৪০ টাকা বাদ তে হয়। ভাষা হইলে ৯৩,২০.১৯০ াকা থাকে। এতান্তন ৫৩২০ নিয়ুক হিকেন অধিকীত আছে। ২২৪৮ কার হিসাবে ধবিলে আর ৬৯,১৬,০০০ ोका बाल विट इस्र। कानीय अवर्गस्य কোক ৫৩২০ নিছুক হিসাবে খরিয়। দতে ভূগিয়াছিলেন, ব্যেট প্রস্তুত हिटल हेरा ४%। शुद्धाः हेरातः भारतामा মার কি লো: এখাণ হইতে পারে ? পর্কত ৰাম কি ইহায় অন্যত্তর কারণ নহে গু

আম্বর উপরে সপ্রমাণ বরি-লাম এবং মানি নাছেৰও স্বীকার কৃত্রি শ্লাছেন অভিজেনে ২২,০৪,১৬০ টাকা মাত্ৰ অকুলান হইয়াছে। ৰাজে নাৰায়ণ কাৰ্য্যে ৰে ৫২ লক্টাকা আয়ে ধর। হয় এবং বাহা আনায় হয় নাই তাহানামসাত অকু লান। বোৰাইছীপের পশ্চিতভূমি বিকর क्रिया ६७ वक ठीका भावता सहित् अक्रम अञ्चान कता श्रेतारक। शवर्यमण সুৰিধার ৰাজানে বিজ্ঞা করিবেন বলিয়া জুমি রাখিছাছেন, অভএব এটাকা ক্তি मदर् । ७ वन् हामा द्वाचा हेटसव वटकट कुल इदेशाय्व । पाठक्व व विवर्गत व्यक् करतकि विरश्चियशीर्थ अकुटान इहै (ace:-- ace. 70'62'250: 214-भरता ১৪,०२.०।०; धरितकरम २२,०८, । १ महि ०८५,८८०,८७ होत्राहरू ; ०५८

यमिष अरारम नात्रन इंटिंग वर् মাহে, ৰদিও গত বংগরে বাণিজ্য সময়ে টাকা আয় ও ৪৭,৩৪,০৬.৩২০ টাকা ব্যায়ের ভয়ে ন্যায় বিষয় হইতে ব

ক্তি হইয়াছে, তথাপি ভারতবর্ষের , অপেকাকুত অপে হ'চ হইনডে বে a>,->8,-४8 चाका धानान क्रेटक्टर, এপ্রেল মাদ হিলং হইলে ভাহা না চইয়া উদ্ভাদী ড়া, ডা একথা মানি भारहराक ध्राक्षारामान जीवात विराख इरेब्राट्ड । देखेरना 🚉 टेन्स प्रज्ञ, ख ইংলপ্তীয় গ্রন্থেন্ট ানাদিংগর অকু कारनव क्षेत्रांन कारः। श्रेष्ठ ३५ मारम as,as,ee ७०० है। का जात ७ हिमाटर । 88,৩০,4999 • টা দা বাৰ ছইঃ ডেচ, কিন্দ্ৰ হিসাবে ষত টাকা বার প্রন্য করা হই-হাছে, তাহাৰ মধ্যে জনেক ব্যয় হয় নাই, जाना **स्ट्रेटन ৫১.५**८৮८० छोका ना स्ट्रेडा ২৩,৯,৫২,৪৭০ টাকা অফলান হইত। গত ৰুৎসর সেনা মুখ্যে হিসাবের অপেকা ১৯,৩৯,৮৯- টাল ক্ষিক বায় **হ**ইয়াছে <u>| এতভিশ্ব দৈন্দিণকে ইংল</u>ও হইতে ভারতক'ৰ কারতবর্য হইতে ই-লতে পাঠাইবার আহাজ ভাড়া ও পাথেয় প্রস্কৃতিতে ৫৮,১১,২৬০ টাকা পড়ি য়াছে। ফলতঃ যে অফুলান দেখান হই-তেছে, তাহার দেড়া বৈন্যধিনের বাবে ৰয়ে হইরাছে। সর উইলির্ম মানস্ফি-লড ভারতবর্ষের প্রধান সেনাপতি। ডিনি নিজে ৫০০০ ইউবোপীয় দৈন্য কমাইবার প্রাস্তাব করিয়াছেন। কিন্ত ইউরোপীয় সমাজের সে মত নছে। দেশ উৎসন্ন হ{তে চছে। লোকে আবে কর দিতে পাবেল না, দরিজ পীতৃন করা হইতেছে, e. शकारतत अधिक देउटहाओव टेनना लांच नाममाध्य दिशाहर । निम्न शिथिक विशिधित आहासम प्रथा याहित्वहरू मा, उथाणि अधिक रेमना द्रांचिद्री अधिक वाद आन पहेर्ड पहेर्द, कांत्रकविशेष भारी-त्मत्तिन वह बक हमरकार प्राप्तनीति হইয়াছে

বর্ত্তমান বৎসবে ৪৭, ২৪,০৬,৩২০

\_\_\_\_\_ ব্যয় হউৰে অসুমান করা হইয়াছে। গভ ব্হন্ত বৈদিক বায় ১২,৩৩,৮৯,৫৯০ টাকা দে<del>ওয়া</del> इस, এবাব ভাছাদিপকে ১২,৬৫,৭৯,২০০ টাকা দেওয়া হইডেছে। অর্থাৎ দরিদ্রের শোণিত শোষণ করিয়া य ठोका चारांव कहा इहेट छा छ। इाड চারি অংশের তিন অংশ সৈনিক বার ২ইতেছে। বারিক প্রভৃতির জন্য এবার ८৮ लक्ष ठोको कर्छ कहा इहेरव । ममुक्त ৰারিকের নিমিত সাড়ে এগার কোটি টাকা ব্যয় হইবে। এ টাকা নমুদায় কৰ কর। উচিত ছিল। র**াজস্ব হইতে জনস** অংশে অংশে পরিশোধ করি**লে ক**্রি হছত না। নাদি সাহেৰ ইয়া খীকা ব্যিয়াছেন, কিছু ভিনি বলেন " সৈন্ fucদাৰ আহ্য ও সহস্ত্ৰতার উপায় য শীঘ্ৰ হুল, ডভই ভাল ; ইহাই ৰথা গবিনিত্রারিছা।" ভাল বটে, কি দ্রিজ মারিয়াএ কাজ করা উচিত য स्रा

मामि मारहर छन्क महस्य स्म थाना অব্লয়ন ক্রিড়াছেন, তালা স্টোবৰ নহে। চাউলের রপ্তানীর বর ছই আ ভিন, তিন আন⊹ इंदेशांट्ड । क्छि ता ও কলের শুক্ত উঠিয়া গোল, আ ইহাতে কর লইলে কাহারও ক্তি না নরাপের মাজুল **সমান** রহিল, গ थरलत कत दक्ति। भारतेत यत हेरि পেল। হব হাউদ কাহেবের ঊাক্সা बिर्विद्य इहेरव. अहे व्हित क्तिता ६० টাক: ইতালা অধিক ধৰা হইগ্ৰছে। ৮ मकलकांव मरशा **१ राक मूं**रकाकनिर व्यामाश्रास्त्र हरेहाटका मनिस स्था: মুকোডের আলালতে যান। ইচ,দি टेशन व्यावीत मक्त्रमात वाह दक्षि **रहेट्द । स्नीटकाकविद्यान** देशहरू वि क्षा हरेटव मा। महिष्मिरशत ज्यान

वंक्रपटनद्र कोकीशाही ।

হইকে হইবে বজেটে কেবল একটি আনক্ষর বিষয় আছে। বিদ্যা শিকার নিমিক ৮২,১৬ ৬৭০ টাকা দেওয়া হইয়াছে গত বংশব অপেকা ১৪ লক্ষ টাকা অধিক দেখা মাইতেছে। ইংলগ্রীয় বায় কিঞ্ছিং ক্ষিয়াছে।

এক্ৰে আমর: মালি লাছেবেৰ মুক্তন काहित्मन करनत विषद्यत विरव्हनात धातुक द≷लाम ! देशांत ''प्रतिसमात्री कत्र" এই নাম দেওয়া উচিত | ইহাতে কেবল स्त्रिप्रिक्षिक्षक कश्चाद्भवस्य क्रिट्ड स्ट्रेट्व। कभीवात्री ७ शदर्गस्मर्टकेत कामरक वाहाता कक कथ है। का भान, डीशिमिश्टर क्र बिट्ड इंट्रेंट्र मा। मानि माट्ड बटलन हिन्न স্থায়ী বন্দোবস্ত আছে, অতএব জমীদার বিধের কাজ আর করভার কেপ্র করা व्यनात । काश्रमशातीटक कत विद्या ৰাহিত করা অসুচিত। বৃণিক 🐞 সর্বা क्षकात बावजातीटक कर मिटक स्टेटव । य नक्त रेशनिक ७ श्रीलय कर्यहाङ्कित ৰাৎগরিক ৬০০০ টাকার উদ্ধি সায় হইবে না ও গৰৰ্থমেন্টের বে সকল ভূতা বাংসারিক ১০০০ টাকার মূল বেতন পান, উছে৷ मिनदक क्ये बिट्ड व्हेटर ना। क्यि क्या খনা ভূজা সকলের বাৎস্ত্রিক ২০০ টাকা चात स्टेटल हे कन मिटक स्टेटन। निद् लिथिक थार्शनी यज्ञादत कत काशांत्र स्रेटन:---

প্ৰথম খেণী।

বাংসরিক কর।

প্রত্যেক **কাইন্ট** উত্ত কোম্পানি খাহাদিগের দশ লক্ষ টাকা মূগ ধন প্রদন্ত হইরাছে ২০০০ টাব

के द लक्ष क्षर्य सम्म सम्म ১००० छे

के चै । शस्टिशत > व्यक्त

पर्वाद्य ४०० छ

বিজীর জেণী। যে সুৰুত্ব লোকের রাৎস্থিক কুনুজুন টাড়া ও তাহার অধিক আর হর হ০০ ঐ

তৃতীয় শ্রেণী

শ ৫০০০ অবধি ১০,০০০ শর্যান্ত ১০০%

চতুর্ঘ শ্রেণী।

শ ১০০০ অবধি ৫,০০০ পর্যান্ত ২০ ঐ

পঞ্চন শ্রেণী।

শ ৫০০ অবধি ১০০০ পর্যান্ত ১০ ঐ

" ২০০ অবধি ৫০০ পর্যান্ত ৪ ঐ গবর্ণর জেনমন যদি আবিশাক জ্ঞান করেন কোন কোন ব্যক্তিকে এই কর

হইতে মুক্ত করিতে পারিবের।

অবিহ্যাকারিতা বিশ্ব ডিড এই কর রাজনীতি, যুক্তি ও ন্যার বিরুদ্ধ। দরিত্র मिश्रटक करूँ मिल्या स्टेटर विनया नर्याय क्य रह नारे। विन्द्ध देशंत भटनका शव শের কর কি প্রার্থনীয় নয় ? ইহার কোন श्रानी नार अवर भामक्षमा नारे। १००० টাকা যাঁহার জাঃ ভিনিও বাহা হিৰেন, ৯৯৯৯ টাকা বাঁহার আয় ভিনিও ভার্ शिट्यन। अक जन साहे ने नाजिट्डे हैं প্ৰদাৰনের কট ও পীড়া ভোগ করিয়া শ্বাৎসন্থিক ১০ ০০০ টাকা পাম, জাহাছে ২০০ টাকা দিতে হইবে। আর মাণি সাহের সিমলার ব্রিয়া একলক বিংশতি गर्छ होका भाग, ও ताबरकाश करहन এবং গ্রব্র জেনরল আড়াই লক্ষ টাকা পান, ও ঐ মনোহর ছানে পাকেন। उाशिविषय के गिना विषय स्रेटन। সংহেৰ **ሪ**ጅግ মাণি ष्मगदश्चम করের স্থান্ট না করিয়া ৫০০০ টাকুর चाह्रराम् ৰ্যাকৈ अधिक वार्षिक মাত্রের উপর ইনক্ষ টাক্স করিলেন २००० होता। ना त्कम ? खाश कतिएल जिनि कथनहे ১००० के बहुन विद्राश्यासन स्टेट्डम मा। विद्वान नक्ष द्वा वार्टिएस, डार्टि जर-लाई हेरांत्र व्यक्तिवार कतिर्वन नाम्मन मारे। अधिकाम नहिरत डीहीत माठ व चानुक हरेटर कामकारमरे बहुन (सार स्रेटफरक् मा ।

रेरात फेरक्व नादनाचे माना धाक \*কম্পানা ও **অম্পানা হইটেট্টে** ৷ সা मुमि नाना मुख क्तिएक्ष्म : किंद्ध क দক্ষাস্থলে উপনীত হইতে পারিভেয়া ना । राज्ञन १८ फटने (व छेर कर्यनाथम ८४ ষ্ট্ৰে, ভাষাতে অনিট বিনা ইউলা স্তাবনা নাই। বলি অধিক্তর प गर्**ष्ट्रांस इत, छे**थक**र्य गाश्रासत घरतक १** व्याविकृष्ठ श्रेट्ड शारतः। (काथा व्हेर तिहें वर्ष नश्युंदीख इस, व्यट्स तिहे हि कतारे व्यादमाक। व्यवस्थि व निवि অভিনিক্ত অর্থ দিবেন না, ভাঁহারাই কোৰার পাইবেন ? প্রজার নিকট হই সংগ্ৰহ করিয়া লইডে হইবে। খানে গ্রামের এরপ অবস্থা আছে যে তথ প্রয়োজনাতুরণ অর্থ সংগ্রহ হইব कानकृष्यदे मञ्जाबना मारे। व वा অৰ্থ সংগ্ৰহের সম্ভাৰনা আছে, ভত্ত लाटकब्र पूडन करबंब नाम स्थाना হুট্য কলিত উর্বেজ্য ও অপুথি र्देश ७८७। चकाशक नाना अक

विशः करणा (न छेणा करः—

वक्टन सक्यामा दाबारम राज्ञ
(क्रिनेशिज्ञ निवस काट्स, रिनेशिज्ञ निवस काट्स, रिनेशिज्ञ भी
राज्ञ निवस मार्थ, काराज निरमंत्र भी
राज्ञ निवस मार्थ, काराज कर्योशिज्ञ स्थान काल्यामा कर्योशिज्ञ स्थान क्रिकेट्स काल्या कर्योशिज स्थान क्रिकेट्स क्रिकेटस क्रिके

হয়। মিউনিদিপাল ও চৌকীবারী টা

তাহা প্রমাণ করিয়া দিরাছে"৷ অভ

যদি এরূপ কোন উপায় খাকে, যে ভ

बलबन कतिरण क्षाचात वित्रांत्र कथिन

সভাৰনা থাকে না, ভাহারই শারণ সর্ব

ভাঁথারা মানে মানে জাবছ লোকের নিকট হইতে নিয়মিতরূপে বেডন আ-मात्र सत्राहेश मिट्यम । शूनिट्यस दशाटकदा তাঁখাদিগের উপরে ভার সমর্পণ করি-ল্লাই যে নিশ্চিম্ব থাকিবেন তাহাও হইবে ना। उद्योगिमारक मर्रामा लाटम व्याटम ख्यन कतिएक बदर कि वीमारतका विकटन धक्खनः मञ्चापन करण, काशत बहुतकत्न कडिट्ड इंडेरव। धाम मर्द्यः क्रियानि **इहेटल हो**ग ७ कोकीमान कामजार है অবশহতি না পায়। পুলিষ সর্কাণ এনুদ क्कान लग, देश काल्टिक शाहित कोली मान मन्दर्भ व्यक्तित्व मराप्रद बाहि। राज्याम । भूतिद्यत छञ्चायमान प्रतिक. रमन्धारमह क्रिकालि आइकार जन्म, देश आडाफ मुछे। পুলিদ यनि एक्षावशान अवीपर **इ**न, क्लानक्षरीरे आहा कि किया है दि वर्तनाळ इटेटन गा।

### শুশ ইনজেন্ট্রন প্রপুণী ইনজেন্ট ও আন বিকারমান

গ্রাম,বিদ্যালয়গুলির বে বাঞ্চাহ্রণ **छेट्कर्यताञ्च हरेटल्ड्ड मा, व्यत्नटक लाहान এই दि**ङ् निर्मिण करवन, ऋूल देनराष्ट्रा-😼র ও ভেপুটা ইনস্পেপ্তরেরা বপাবিধি ভত্যাৰধান কৰেন না। এ অভিনোপ অসু নহে ৷ আমেবা ইহার আনেক প্রমাণ দর্শন করিয়াছি। বে যে ভাবে আফ বিদ্যালয়ের উন্নতিয় অন্তরার বলিয়া পার शामिक हरे*ता थार र क*ुँका *केनरम्म*ित छ (फ्रश्नुकी: इंग:क्रांडेड,स.श्रह বিষয়ে আ:্ব্য লোধ ভাছাৰ অন্তঃ i महम्पर्भारः। वाठकश्रम कामाणः: - र्मन कडिदिन, अक् अन भद्राध्यक करे थां छ বোগ করিয়া এ খানি পার প্রেরণ বরি-ब्राट्य । योभन्ना व वियस्त व्यथान शूक्रय-বিদের বিশেষরূপে দৃটিনিকেপের অনু-রোধ করিভেছি। ইনশ্রেপত্তর ও ভেপুটা ইনশেষ্ট্রেরা ধবি নিঃনিতরণে কুলে

ধান, ধর্তমান বিদ্যালয়গুলি অচিরকাল

হৈ তপুর্ব শ্রীধারণ কবে সন্দেহ নাই।

নিয়ে বে একটা উলাহবল প্রদান হৈ ছইভেছে, ভদ্বারাই পাঠকরণ স্কুল ইনজ্পে

তর ও ভেপুটা ইন্স্পেইরলিলের দীর্গস্প্রার সবিশেষ পরিচয় পাইবেন।

**क्टनटम माहार, मान खाथा अवर्डिङ** ষ্টাৰে অবাব্যিত পরে কয়েক ব্যক্তি रञ्जान ७ উर्फाली रहेशा " ब्राब्ज्यूब देश्हाको वाकता विकाशय गाम विद्या **এक्टी विष**ागा व्यक्तिश्री करत्न। এक কমিটা হইয়া উহাব কাৰ্য্য সম্পাদিত হ', विकृतिन काल स्मानद्वाप स्टेशांटन। িছু ফিন পাৰে কমিটাৰ মেইং দিমের পার স্পান মনোভঙ্গ হুট্যা বিবৈশ্ব উপস্থিত হয়। এই বিবাদে কুলটা পাছে *উঠি॥*' বায়, এই শক্ষা কলিয়া কেছ দেহ মধ্যবন্তী **एरेटलन कवर यिनि विवादमर क्षान कर्छ।** { তাঁহার হক্তে বিদ্যালয়ের সমুদায় ভার সমর্পণ করিয়া বিবাদের মীমাংসা করিয়া দিলেন। মুদ্দা আদা মেহবের। উহার সংভ্রম পরিত্যাপ করিলেন। তদবদি উহা ভুৰবন্ধাগ্ৰস্ত হইল। উহার ছুববন্ধার विषदः म॰ एक्टल अहमाज विकटल ह প্র্যাপ্ত হইবে, ভারগ্রাহী ববাবর প্রামস্থ নোকদিগের নিকটে নিশিত ও ধিক্রত ছ্ইয়া আংনিয়াকেন। তিনি মধ্যে এক বাব একটা যভা কৰিবা বিদ্যালয়টার উন্নতি লাংন চেঠা পান, কিন্তু ক্লভগর্যা হইতে পায়ুৱন নাই, পোষে প্রতিবেশিক একনী বাজনা বিদ্যালয়ের সহিত উছার বোগ इर्ग किञ्चर छेन्नछि इतः विश्व (गरे उप्ति प्रीधकाल काश्विमी इहेन मा। अथा-ক্ৰিৰোৰ প্য়ম্পৰ বিবাদ ওপজিত क रा। दिलानातः, श्राकीचिः दिव्ये द्व ৰুচেকটা মাৰাজ্বক কোৰ এছল, हेचुलन क्राक्टें व विवाहत्त्व मूल । स्वीत-

উন্মূলন চেউটি এ বিবাদের মূল। আগ-মুদ্দ ব্যক্তি বিস্যালয়ের নংঅব পরিত্যাগা করিয়া চলিয়া গেলেন।

২৪ পরগণার মধ্যে সাক্ষপুর হয়ি-নাভি প্রভৃতি পরস্পার সংলগ্ন করেকটা গ্ৰাম আহে, তথার মধাবন্দ ক্ষিকসংখ্য ভদ্ৰোকের বদতি। ত্রীহাদিগের অনেকে छेल घेटेनांत्र चिक्तिया कृत इंदेरनम । ণ্ডান্দিগকে ভালরূপে **লেখাপড়া শি**-धान, व्यानरकत अञ्चल देख्या इदेशास्त्र । বিক্লবাক্ষপুৰ বিদ্যালয় **পুরাতন অব্য** ফো হতে থাকিতে <mark>ৰে তথা</mark>ন ভালৱপ त्यथापाडा रहेकार महाबना नाहे, **प्र**ान-क्ट्रिय म॰ कात दल्लामून इहेरा शियादह। অভএৰ ভাৰাৰা একটা স্বস্তুত্ত বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠা ক্বিনেন। বিন বিন ভাষার খ্রীরুদ্ধি পরিক্ষুটরূপে নয়নগোচর ছই-ट्टाइ । अप्रिंक <u>में इ</u>वानक हरेग्राइ । था नक्तिरण व मिक्छे इंग्रेट**ः अक् ७ इंरे** हे का कहिया (वक्त अद्रान्त निव्य कहा ক্ইয়†ছে।

ইনন্সেরর ও ভেপুটা ইনস্পেক্টর-দিগের দীপস্কুত্রপ্রার বিবয় স্থামাণ করিবার নিমিশ্ব এ প্রস্তাবের অব-खांद्रवा करा इहेबाटह, त्यन्य इस शांक्रक-পণ এ কথাটো বিস্মৃত হইয়া বান নাই। এক্ষরে তবে প্রবণ করুন। মৃত্র বিদাবে-द्धर अवारकता स्नरम्मके ७ **७।हे**रहर्के-दिन निक्षेत्र भई क्षेत्राय दविशा**रहन.** क्षांचात्र का क्षांकार हा जान है जा के जा धारवा क्रांचा यहन महत्व २०० हासा मिट्रम प्यात ते । दिश्के ६०० हो भी मिन. এই ৩৫০ টাকা খানিক ১:: হইলে মণ্ডে काक्र अवस्थि छेट्युके दिस्ताय वर्षेट्य পাৰে। এমণে বাজপুৰ জড়ভিৰ নোক पिराध द्वार विकास कामा ংশাড়, ভাছাতে অনুত: এরপ একটা বিদ্যানৰ হওয়া একান্ত আৰক্ষাক। কিন্ত ष्याक्तर्यात विवस करे, 👁 । ह मान व जी ह **र्**देश (शन, ब नर्सन्ध केंद्र । क्राउन शा अन পেলু না। পাথে সাহায:্বত বিদ্যালয় त्रश्तिराह, खर्चानि बान्द्रकात्रका तुरुन विका

वारत वांधक (बाउन मिना धाहे (उटह (कन. चेन्न्क्षाप्तः इ. च.च. भिरत्य **स्टशः देश**ांत्र অভ্নেদ্ধান কৰিবার অবস্ব হইল না ? विविद्यान, भाभ के विवासिए शाहाबा पान करा करेटकरफ, शांत कि विकासिटहरू অন্তৰ্ক ৰয়াৰৰ বিদ্যালয় ভালাইয়া আদি-য়াছেন, একংগ ভাষাকে কি**রুপে ব্যক্তিত** कट्टन ४४२ डॉटाएकडे डेनएम्ब्राक्टेन माहाया मान दक्षित्वन अध्याप वहनवज्ञ इस्ता ছেন। ইছার উচ্চলান হেলে আমাদিলের बर्कत की, या एकान महिला धर्मानी শ্রুবর্তিত দ্বৈষ্ঠে, এগুলি তাহার বিকল্প ক্ষা বেখানে ভান প্তান্তনা না হয়, *दिश्चारम माद्दाप.पाम कहिवात कि निराध* माहे १ छानुभ ग्राम हेन्या छेत्र वहनः बद्ध इट । कि ८ ४ ड १ (व विकास सार्व ভীষ উল্ভিয় সুন, ধাহাতে ভাগাৰ क्षित्रीक स्ता, उद्विप्त छेरभाइनान कि हेनरम्ब्हित्वव कववानधे नट्ट ४ योहाउ হত্তে উন্নতিনাবৰে ভাৰ সমন্ত্ৰি আছে, তিনি যদি দেই ৬, ডিগথে বৰ্টার বোপণ কবেন, ভিনি কখন নাধুবারী বলিয়া প্রশংসিত হঠতে পাবেন না। আনরা ८२ हुई विकासिका बचा चेशां**इक कति**-য়াহি, ভাগাত্র : ক্তিংও নধে। বুত নতা ইংরাজী সংক্ত ও পুশাভন্টি देवताको दानमा। याशाता ग्रम विकान बाब का अब वर्षा एक, ही हाता है शुद्रा জন বিদ্যালন এ ১৬। ব্রিফাহিলেন। ष्य उद्धव श्रीयोद्धन विकासिट हे अवद्यार বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠাতা ব্লিয়াও লাওখা লাই। ভবে ভি.ৰ আহিক দিন বিদ্যানের हाला इद्रोटएन बरे क्य, विन्दिन १ क कि অভোতর ভূনি যে তোগ ছয়ো স্বয় **टामान इहेरन** १ याँका ६८८७ विकास स्टाह उद्धा देवेटन, जिनिये माराना मारियम, আৰু শীহা হইতে ভ্ৰতিনা হয়বে, তিনি र्ज ना, अ हरे माहाय हान अवालीव का रेड़ निध विमा भागभारक वह

কিংনেৰ অনুসরণ লগ না ১ইবে, ডড়া মৌলবী আৰছললভিফের কুত পা দিন সাহার্দান প্রশোগীয় সমাক কলেকা ধান্নি ইইবার সঞ্চাবনা নাই। প্রস্তা-**ৰিভ বিদ্যালয় দ্ব্য ত ভিন্নজাতীয়, এক** জাতীয় নিকটছ চুটি নিদালয়েও স্বস্তস্ত স্তস্থ সাহযোগান কৰা হইবাছে, এক্লপ मुक्ते १३३ व्यानक व्याप्त, अ वावशास्त्रत ष्यञ्चारदे इतिगां चित्रागा भाहायः नाट्ड ब्याबनाती हरे. रहा

এই প্ৰস্তাবটা লিখিত হইয়া মীনা-कत्र निवस्त इहेट । शह सिथा सिन डेटडा সাংহৰ আধিঃ৷ মূতন ও পুরাতন উত্তৰ স্কুলের একভান পাদন চেতা পাইতে চেন। এ বিষয়ে বলৈ তিনি কৃত গাসং इहेट इ शादनन, ८क्वल ८व आयामिटनव क्षांच मू नेक्रूड इरेटर वज्राश नटह, जीहा इटेट्ड a अरम्हानंद कक्षी महद्यापकात नाथि इ हरेरव गरन्य बारें। जारा हरेरन িচনি এ প্রদেশের শোকদিগের ফু চজাচা ভাজন ও হলেয়ে চিবজাগরত ছইয়া पहिंद्यम। डिमि ८०छी शाहेरल डेडग्र ফুলের একতাসস্থাদন আনাধ্য হইবে कानक महे जा नामिकार अक्रम बार रहे । না। রাজপুর প্রসূতি বেরপ ছান ডা হাতে আমরা নিঃবংশরে কহিতে পারি, উভো নাহেৰ যদি উলিখিত ছটি কুলের একভাসভাবন করিয়া গ্ৰৰ্ণ বিজ্যের भाष्णाः कर्जुदाकीत्म लहेश यान, हेरा প্ৰৰ্থেমেণ্টের স্থেলা ক্ৰোৰ ন্যায় একটা। বুছং ক্ল হইডে পানে।

#### 医有性气性 机自身蒸气剂医乳干

क्षीनश्राल मुनलभान काविका मखात । स्थल क स्टेश्वारकः मिलत कि स्थीत है वार्थिक व्यक्तिवास हरेताहिन। अरमभीत सम अ थानि लिथिशाहिन। मौबाबर ७ देंड:तानीत प्रत्मक खन्नतीक विक्<sup>र</sup>े शांठकश्रत्य बख्याता वित्यय **डेशक** चित्र ७ डेमिक्टि एरेशिक्टिनन। अर्थन प्रसिंदात कांत्रम महादना गेरि वर्ट (क्यरण,, क्लिकेनके अवर्षत्र अपूष्टि **जानक** | क्रिके वीहोत्रो स्टब्सित क्रिके विरम्प विर थाबान राष्ट्र (बाटकतां वाश्यम क्ट्रम्। त्यत्र कत्र श्रम्भागी, कृतिह ब्रुटकां वर्षः, क

পাটাও শৃত্বলা দর্শন করিয়া সক मझके स्हेग्नाटस्य। य य याकि मर्जक शित्र व्याटमान वर्षात्मत्र छात्र धार्ग कर ভাঁহারা সকলেই আপেন আপেন ক উত্তযক্রপে मञ्लोहन করিয়াছেন। আ ৰাবু কানাইলাল দের প্রদর্শিত রান নিক ও বৈছাতিক কাৰ্যা দৰ্শনে স্বিদ্ ভৃত্তিহান্ত কবিয়াছি। গ্রণ্র **জে**ন একটা কুদ্ৰ ৰক্ত ক্ৰিয়া মেলিবী ৰ इन निष्ठिएकत अमेरमा ७ डेरमाइ द করেন। ভিনিবলিলেন, মৌলবীর চের माहिला मभाक काजी इहेगा गुनलमान গের অ্যাধারণ হিত্যাখন করিবে এ वक्रमा जिमि ११ (छ छ। ११६८ उर्ह्स, श মেণ্ট ভাষা স্বীকাৰ করিল পুৰস্কাৰদ। বিমুপ হটবেন না। উত্তর পশ্চিমাঞ रेनम बाह्यम जिल्लामारङ्ग बाङ्गी व्यान क क्रियाट्डन। टेनन आहमाम का मुमलकानकिर्मद नरह, चरतकी। मर धर्यायणित दिउ।र्थ (ठ छे। भारे (छ (छ কলিকাতার নমাজ দেবল মুসলমান পের নিনিত হইবাছে, কিন্তু এটাও সাং त्ररात यक्षत्रविश्यो स्य, अहे यामानित हेन्छ। रेगम च्यांच्यान श्रीकांचा प्रवर्ग পুরস্কার পাইরাছেন। এখন আম মৌগৰী আৰহ্ললভিক্কে সভাজিত भूवकृ उ पर्णन कडिएगई शक्तिपू छ इहर

ছোটনাগ্রুরের মত্ত্রতি পারাম পর্মণার ভূগোন ও অন্যান্য বি ১৯ এ काश्चर नागियात त्राजिएक । मरकान अरु वंश पुरुष भागामिए .দে**ধ্য ও পশাদি**র বিবয় জানিতে खनायी स्म, डॉशिविटशव शटक देश শেষ উপকারী হইবে। আমরা হ:খিত লাম, লেখক ভত্ৰতা লোকেৰ সালা-ক অবহুংৰ বৰ্ণন করেন নাই। তথা-ৰ পুৰ্বাভন ইভিহাসেরও উল্লেখ নাই। বিষ্ণুর ও ত্রিপুরা অভ্তির বিপোর্টে মরা এই সকল রুতাত পাঠ করিয়া 4**ে**শ্য ভৃত্তিগান্ত করিংগছিলাম।

কানী করিবে পালানাউ পরগণা ১৫০ বর্গ মাইল হয়। ইহার মহেগ ৪৫৬ মিটেল মাজ হুউ, আনে ২৩৯৯ বর্গ ইল বনগণিপূর্ণ। (বন পরিক্রত খনে উত্তন চাম হইতে পারে ) ৬০৮ भारेल १६ डशूर्न, अवर २৮१ वर्ग इत्र कृतिकाःची अञ्चलत्यांकी । अहे রগণা ২৫ টি মৌজাতে **বিভক্ত**। थोटन क्योनिएटररा भौरातटण व्यक्तात তি সন্থাৰহাগে বংলে। অসৰাৰু স্বাচ্ছা র নছে। এখানে অধিকপরিমাণে রুক্তি (म) नाचा काती ७ इस। और **अर्टन**त চারি অংশ লোক ফ্রাবকার্যে নিযুক্ত আছে।

পাগামাউ একংব জললপূর্ণ বলিয়া এইরণ, কিন্তুবন পরিক্ষত ও রাস্তা ঘাট প্ৰস্তুত হইলে এটি একটা উত্তৰ ভাৰ **হইতে পারে। এখান প্রেনীর** বেলওয়ে ममूह ममाश्च ३३८७ ४ विल । प्यक्तात अधे मकन काटना (तल अर्थ अ तान्त्राव : প্রতি দুটিপাত হয়া আবেশ্যক। পলো মাউলে একৰে এক জন মুজেক ও এক : কেছিক বিশ্ববিদ্যালয় গণিতশিক্ষায় ই জন ভেপুটা কণিদনর কাজ করিতেছেন, কিলেগের এখন কি পূথিবীয় মধ্যে সর্ভা কিন্তু রাস্তা হাট ভাল হটলে অন্য অন্য ধ্যা মুলিকে হা, কিন্তু এবারে বিনি বি বিভাগের নাম ইহাতেও অনেক দং গ্রুক কর্মচারির আবি গ্যক্ত। ছইবে। গ্রণ্ডিম ণ্টের অন্যাপিও যে কত বাক্স কৰিছে আছে, পালামা ই প্রভৃতি প্রদেশ সকল **काश मानाहेश मिटकटर**।

"ककिका भ विश्वरिक्षतान प्रत

াকে। ধর্বাকাল ও নি চাত প্রয়োকর । কির পর টাউ ছল গুড়ে কলিকাভা বিশ্ব মি উইরে। চাতন প্রান শ্রা। ধনিক বিশালেষের বংসরিক সমাজ ইইয়া গি- ! বোর মধ্যে গোহও ব্যুলা অধিক পরি ; র'ছে। সভ হলে সাংগ্র জেনরল ও বে দৃষ্ট হয়। উত্থ রাজ্যানা থাকাতে । অন্যান্য অনের প্রথান ইংরাজ এবং । ममूबारण्य कार्या भिरमाशिका मृत्रे इत । अकरमानी गर् य तात छेप दिक हिराना । শেকার উন্ধন বলেন ৪৫ ক্রোমা - থমে সেইট্রান সউব্যিক সংকেব গড र्थान्ड क्षित्रक स्थापन क्षेत्र क्रमापन शामक मानिक विवयन भागे किल्लाम । उद्देशक विवय प्राप्त स्थापन क्षित्र स् রলাদেখা গিলাছে। সমুদায় ভাতে । নাইসচ'ন্সেবৰ টেইন চহৈৰ বি এলং-এ: ৰেনি ৰহুণাল এ ক্ৰলায় কা**ল হইতে** এন এম এ এবং বি এপ**ীকে ভীৰ্ণিও**ে বৈ। উত্তৰ শ্ৰেত্ত বিশ্বর পাওয়া । প্রতিভাষিক ও শ্রেম সাগত প্রদান করি । র। এখানে এখধের বাছ পাছড়া নেন। গশাসালন দান সমাপ্ত কইলে **खर (मर्थ)** रोप्न, रे**हां माध्य देखान, दिहे**य में इहर मर्ट्याट प्रकारी हैश.टम्ब শেকোচন আংকি প্রধান। সমুদায় বিজ্ভা করিবেন। জিনি ভার্থমে বভাবিশ রপায় ১,৫৬.৭৮৬ অন লোকের প্রীটনের মৃত্যুর জন্য আন্কেপ করিবা শতি । রজঃপুত, অংকণ ও কুংশির ্তীহার নিকট বিশ্ববিদ্যালয় থে**র**প খণী ্থ্যা অধিক। ফয়েক সংশ্ৰ চিক্ল ও শুক্ত। আছেন ও জাঁহার অভাবে ইহার যেকণ চয়াইও বাস আছে। ইছারা অহিশায় স্থা দুইসংকু শুলোস সর্বাদ কিলান

ডক সাচেবেরও এডজেশ পরিচারে কা করিশ কোড প্রকাশ করিলেন। ভি अण्डिवद्भव विश्व विश्वासरस्य निका *व्य* লীা যেত্ৰপ ভূগদা অংশং । করিরা খ কেন. এব রেও পুনঃ পুনঃ সেইবাপ ক্ েন। ভঁহার মতে বঁহোরা বর্তমা শিকা প্রশানীকে গাম বলিয়া দুখি ব বেন, ভাহ রা অভি অন ভজা। ইং সংকাণ করিবার জন্য তিনি ক্যেকা क्षित हुन अमर्भन कहिटलन । > म. अक क अर्ताकात महर्ज एक रहे दिएन, कीर শিকাক সুকের উচ্চ**নিকার এ**বি জুই त्या भि: द्र। र म म दा: विकास का व्यक् ८११७ दियं विषाला मर्वास्थके, विश्व अव 'বেষ্টোভিড নে যিনি এম এ প্রিফ' । এখন হই পেছন তিনি **অন্ন**কেটে বিশ विष्याता हरेल लेखीर्ग हरेटन उपानः র নত্যে নাম ও প্রীয়কালে আর ক্রিয়া ক্রিয়ার কর্মার কর্মার অপরাত্ম হাট ্লিক ইউনেপ্রীর সিক্রাপারদর্শী পর্ ১ ই মার্চ শনিবার অপরাত্ম হাট ্লিক ইউনেপ্রীর সিক্রাপারদর্শী পর্ , প্রম গৌ থেব হইছ। ছিনি অতি প্রহ ক্ষত**িবের মধ্ব্য অবভয়ন ক**রিয়া ও য়া, এংনে একথা ৰহিছেহেৰ হ",র'ল বি এল পরীকাদি एट ३३ ( परभक् एडपूरी माहिर्देहें हर्रा शहर हो है है। एक कथा 😂 व कार्जि ्रित संदर्भ शाला । भूतावस विकास कर नक्षात्र के देश के द्वारे कर कर भी पहा राजां (सिंग राजा करणा । देशका बदा এভিজ্ঞানত বলেন নাইবটে, বি

प्रकासन सूत्रकालु अस्थिय सुर्वेशन **र**व

ংতে দে অভিশ পূৰণ হৰছেছে। ইহঁ%

(तहू किस्दर्भ द<sup>े</sup>टा कि अल्प विष्य

रकेन किंद्धियम । शहराजी हेर्रे मिटन

ডি অভিনা সত্তী। কর্ত এতকেশী

विक्रित्वता क्रमणः इंडेटन श्रीत क्रविव

war in the A of the first

ন। এদেশে পদার্থ বিজ্ঞান অধিক মোৰে আক্ৰোলিড ও অধীত চয ন এই অভি া গ্রশন করিতে কেটী রুম নাই। পরিশেষে উংশ জেলা নানা ন হইতে যে উন্তিশ্ভ ক্রছেডেন (९ अटमभी पनित्रदेश इन्द्रु'द्रा खेद्रक कवि । লিভেছেন এজন্য (তনি স্বজাহিব বিবে গৌৰে বিভ টেই'ত এবং এ দ বে নহুৎ পৰিভিনেৰ আংশা কহিছে রেন বলিয়া বক্তার উপসংসার করি নে। পরফাণেট মন্তাতক হইল।

#### स्टम १७४।

১ । ছঙিক দনৰ নাউন । কলিকাছ ংক্ত কালেকের অন.তর অধা,পাচ **াৰুক্ত** মতুনাথ ভৰ্ষণ **ত্ৰ ইহার হচ**া করি~ ছেন। ছুর্ভিফ কালে েীকের যে <del>ক্লেণ কথট হণ ইহাতে ড</del>:হা বৰ্ণিভ এবং যে কল ব্যক্তি ছুর্ভিক পীড়িত ব্যক্তি দগের ালায্যক্রান করেন, তঃহাদিগের নাম ্লি**পত ও ও**ন সীতিত হইমাছে। ইছা-চপ্ৰায়েভাগে অংখিক আছে। গদা । भमः खेन हरे छेलम हरेहाट्यः। ८५४।नि क्रिकारात राज्य सर्वे १८२, विख होते ারুৰে ইয়ার অভাগ বে:গাভার ঝামাত দ্ধ। যাইতেতে । এশন, ইছা ৰূপকপূৰ্ণ । বান্টন অনুশ্ন রে.র শোক প্রভৃতি সেনা <sup>†</sup> গর বাকাগুলি নৈমর্নিক বেংগে ভ্রোমূপ- 📒 **ণর হর্**দং**ঞাটী চ্**ই্রে, আমাদিগের ম**ন্দ বোধ হ**ণ না বিঠাণ, **ই**হাতে ব**ছ**-**1পরিমাটে। প**াল সারা দৌত হটবাছে । শ্ভিমর **স্ট**া এলন্ড চলম্ভারিতা **शक्तिवात म**ञ्जातमा 🔩 🤭

🗧 ভারত কুল্র, এলুক্ত রক্ষমীকান্ত **ভাষ এবীক । সভ্য বড়লোকের নিকটে** 

ন। ইলাতিনি মুক্তৰ ও স্থীব,র করি ্ ৫,ডিপল করা এবং **জাতিভেদের নিকা** করাইকার উদেশ্য। লেখা মন্দর্য নাই। গ্ৰন্থানি জীযুক্ত বাৰু যোগীজনাগ বন্ধো: भाषागरक **छेर**न्त्र दक्षिण (एखन) इड्रे-র'ছে। উহার এক হলে নিধিত হইন'জে. ''অ'মিও কোন একটি নূছন উপাঃ উত্ত:বন করিয়া অ,পনকার মনত টি সাধন করিব, এই সঙ্কপ্প করিশ চিন্তা কণিতে লাগি-লাম এমন সময় হ'বে বিলাভী কটেকের অ,কার মদীণ মনে:মুকুৰে আহিছাৰ আ'নুগ'ল ক চন। অনুচিকীৰ্বা হৃত্তিীও বলবতী হওমান তদ্দ:ও উছার গঠন কৌ-খন পুঝানুপুখৰণে অবলোকন করণানতর বলীন পলতি অনুনোচেৰ এই সংমান্য 楘 ীর খান প্রস্তুত করিছে প্রস্তুত হইলাম।" য অবসম্ভান ও ঘেৰূপে গ্ৰন্থখনি প্ৰণীত ত্ই গ'ছে, এজন্ম রা তালা পাঠকগণের न्लाते अप क्रम ब्हेर्दि ।

ও : গণিতবিজ্ঞান । শাঘিপুর ইংর:-টাবিদ্যালয়ের প**তিত প্রিযুক্ত জ**য়রোন পাল গোস্বামী ইহার প্রণয়ন করিয়াছেন। द्रम्हकात लिश्वितः एइन, "यमिও ইहा काम পুস্তক বিশেষের অনুবাদ নতে, তথাপি ইছার অধিকাংশই প্রসিদ্ধ বারনাড স্মি-থের অন্তপুস্তক হইতে পরিগৃহীত হই-য়াছে এবং চেম্বৰ্ণ ও কলিঞ্জুত পাটী গণিত হইতেও কোন কোন অংশ গৃহীত इ**र्**गार्ड । हेश्रंट सम्बन्ध क्या क्या ণতিগণের ভূতিকা এলণ করিয়া বাঁকালা <sub>। ই</sub>ইয়াছে, তাহার **আধিকাংশই প্রা**য় দেখাপাৰন ক্ৰিবেন, ভাঁহ¦দি ¦ <sub>ক্ৰে</sub>গ¦লক্<sup>ৰি</sup>গভ, **কলভঃ বৰ্ডমান সম**নে বারকাড স্থা সার্থাৎকুট বলিয়া আমি र्टंड्राटक्ट्रे चानम् द्रद्वित्रक्ति। , अयुक् বারু এসমকুমার সর্বাধিকারির বাবহৃত সাক্ষেতিক শব্দ সকলও ইহাতে গৃহীত हरेग्राष्ट्र ।

৪। পাটিপণিত, প্রথমভাগ। 🔊 যুক্ত ৰাৰু কালা এখন গলে পাধ্যায় ইহার আ-ণেতা। ইহাতে অমেকগুলি সহক্ষ ও কৌ: विषेद्र त्वदल श्रद्ध गावत्री यात्र ना, देश | भन त्रिष्ठ श्रद्धां,व्यादह । विन विन दावना

ख बाय जबूमाय विवरत्त्रवेहे अञ् जश्याहरी ষ্টতেছে। এবার পাঠকরণ ছুইখানি ফুডন পাটাগণিত দর্শন করিয়া আন্দ ল'ভ করুন।

৫। দেহরকক। 🕾 যুক্ত পীতার লেন কবিরত্ন ইহার সক্ষান করিয়াছেন কৰিবত্ব চরকাদি নানা প্রস্তু হইতে ঋতু **टर्गा ८ ≽डिक्ट** क्रायक्षे त्रह त्रकाद **के** যোগী বিষয় সক্ষ**ন্ত ক**্ষ্মা ইডাতে স্থি বেশিত করিয়াছেন। মূদ হইতে সংকৃ লোকে উজ্ভ ক'রমা কবিবত্ন ভাষার বা লা করিয়াছেন। নৈধুন'দি ছুই এক বিষয় পরিত্য'গ কনিলে ও'ল হইত।

৩। মুকুন্দ বিলাপ। গ্রন্থ কাবের না **নাই। ক্ষনগ**া হ**সপুত্ত**ালয় ইহাব ও काम क वियादस्य । सूकुम्बद्रांस हक्कवर्ष (ইছার উপাধি কবি ককণ) হওমে:তে শংসনকর্তা গুলাঝা নাযুদ স,রফের অভ চারে পাঁড়িত হই:া গৃহ পরিত্যার পুর পুরুষ হাজসহ না না স্থানে জনগ করেন সেই সময়ে ডিনি যে বিলাপ করিয়াটি লেন, তাহাই ইহাতে বৰ্ণিত চইয়ায়ে कविकास्त्रील **डेंश्कृ**को इहेग्न:८इ ।

৭। ছতিবোধ পদ্যাহ্মুর। এথম ভ **बियुक्त निवादनहस्म मिन ७७ देश**ात क्ष युगकर्ता। धरानि शकासम् । शकाश्व মধান শ্রকার হইয়হে।

৮। ३৮७৮ चरका विश्वविष्यालहा প্রবেশিকা পরীক্ষার অর্থ পুস্তক। 🎘 যু রামসর্ব্ব ভট্টাচার্য্য ইহার প্রণয়ন করি (धन । रेश कत्रमा कत्रमा अवः म रहेरकर **পুञ्जरानि किছू हुइ**२ इहेटव वटहे, वि देशक **चरमक क**ालवा विवय महिरवरि হ**ইয়াছে। ইহাতে কবিভার অন্ত**র তাৎপ ৰু ৎপত্তি কান্নক সমাস ও প্রভানাকি বি म कब्रिया लि.चिक ष्टेग्राटक्ष । देश (वक् वारीक इंदेरकरइ, काशरक व्यक्तिय बिटक्षं कहा यात्र, शास्त्रमण अरदन বি**শিউ উপকার** লাভ করিহবন।

# বিবিধ সংবাদ ।

২১ এ**খালভন নো**মবার।

ब्राक्षः च्यानम् नाथ ब्राप्त वायु विश्ववत भिज ধ্যোপা**ল খোষও** মুজি ক্ষামীর আজিকে ব্যুনী আৰালতে উপস্থি না হইবার পথ ।प्राप्त क्षं क्षं विश्वक्ति क्षंप्रांच करहन। १ । भागमनाथ होस्त्रित्र स्थानित्र शारा मकरम चक्ष भार्देश्राह्म । ज्ञान चिन्नमन्दे वल्रान-র ব্যবস্থাপক সভার সভ্য ছিলেন। সর সিঠি-বড়স অভিনন্দনের জন্য একাল করিয়াছেন থোনিতাত ক্ষমায়। তাহাকে ক্ষেন্দন ন এমত লোক এদেশে নাই।

इक्सम्बद्धाः अक थिक्रेनिनिशानिक निर्देश प्राट्टन । अप्रिममस्त्रतं 🖘 ।

नगत्रकाली गामक माञ्चामात्र अकहाज विश्व-দ্যালয়ের পরীকার কাগজ চুরি কবাতে সেসি ন ডাধার কঠিন পরিভ্রমের সহিত এক বৎসব प्राप्ट इतेशारकः

প্রধান বিচারপতি আঞা দিয়াছেন: আ-ল বিভালের বাৰতীয় উকীল কলিকামার াই আদালতে ওকালভি কয়িতে পারিবেন : াগান সাহেব ইহার যে প্রতিবন্ধকতা বতান। हा मधार, इरेशास्त्र । अञ्चित्तित अत्र यथाप ক হইল। এণথ্যস্ত ছোটআলাল্ড কিরিছি ও বিশ্বনীয়দিগেৰ এক চেটিয়া ছিল ৷

গ্ৰ4ৰ জেনবুল অংশগৈড়ের সৈদ আহমানকে কলের এক অস্থায় ও একখানি স্বাদেন ात शुरु कात्र कियार हेगा। क्रिनि व्यरक**ी** समिरणह ব্যে বিক্ষান কথার হাছেই টেবর চেষ্টা পাওয়াতে (कामा मन्द्र:८५ हेरू<sup>।</sup> ८.<sup>५</sup>४ **२न** ।

चानू (कमद्वास्त्र राज नकार्य वर्ष अवश्रीप्र জুতাকট্রি' গ্রুব<sub>েন</sub> কৈ শিক করেয়াছেন। কথানি সংখ্যা হে বলেন ভিনি একমন সোৰ বৰ বকো বকু ডাডে অলক্ষার জন্ম কেন ধার্ম ডাই ও অংশট আহাহাম্ম প্রতিক্রায় ा हरू कायान

भक्क अधिकार मारश्व अमरणनीय काव লপক সভাব সাভ্ৰে প্ৰত্যাগ কথাতে প্ৰুমাই গ ও আর, কংকুল সাহেব সভা হইরাছেন। পত ভিবেশ্বর বালের খেবে তির ভির র্মা-য়াৰে নিয়ালিখিত টাকা অম.ছিলঃ।

জ্ঞানুত্তৰকীয় গ্ৰহণেট £40,44,543 >,> \$. 9 - 224 यक्टर नी प्र 30,00,384 বিটিশ ভক্ষ 3,20,25,233 উন্তর পশ্চিমাঞ্চল

#### **प्यटि**गंध्या レウルコン・レクモ পঞ্চাব **284,54,86** বোৰাই 5,**48,**42,544

মধ্য ভারতথ্য タルン ロ・トラト নাঞ্জিণান্তঃ **७२,३७,२**४१ মাজাক १,६৯,৯৯,•৯৮

(भारे मिका ৮,७৯,७७,) ७) श्रृहेरदमस्त्र अभक मगरम ३३,३६,७४,६२२ ७ ३৮७३ व्यट्स ১১, ১৭ ৮৩,৬৮৭ টাকা ছিল

ম ৰ্গলপুৰেৰ শাখা ৱেলওয়ে প্ৰস্তুত হইছাহে বদ্দেশীয় লেপ্টনান্ট গ্ৰহ্ম এই ব্লেণ্ডয়ে সাধা रान्त अभा चूं ने बाद व्याख्या किशाहन । व्याका ওডঃ একখানি কবিয়া ট্ৰ প্ৰনাগ্যন कतितः अधन्त छे अञ्चलाद्य (वका मग्र नाई, अव्यनः करमञ्जूर्य काषात्रक । क्र शक्तिवान यञ्ज দেওয়া হইবে। উত্তব পশ্চিমাঞ্চলের গ্রথমেন্টের সন্দর্ভির মপেকা আছে। বোধাই রেলওয়ে োম্পানি বছর রেল্ড্রে করিছে পারিভেছেন मा । वाबादे ७ छात्रछवद्योग (रलहर् वर्कनशुरु नरपुष्क स्ट्रेटल श्रमाच दरभश्चत्र (नम् स्ट्रेन। बक्षत्रिम क्षराभी प्रजाबाद का स्ट्रेस्टरङ् ক্তিদিন যথাৰ্থ কাল ২ইবে না ৷

বাবু মন্মোহন যোধ বউনান সেনিয়ান এপম मकसमा भारेप्र'रसम् । भागपा कोस्त्र केट स्टेशार হাঁছাৰ মঞ্চেল মুট্ডলাও করিয়াছেন। এওং ব-भीत्र वाविष्ठेशिक्षण इ शक्त हेरदाक वातिष्ठेशीय (शब् विद्वय आद्रशः कामात्रा कारशः इरेनाम बांचु मनद्वास्त्र (याथ जिमद्दभव हिप्स्टम व्यक्तप्रत করেৰ নাই ৰশিয়া এখানে আণ্ডি ২র। করেক कर्ष्ट्रे केंद्रिक कामान्यक्ष्य मुख्या प्राप्त अक्ष *१६७७ व्हेब्राट्य* । अथासकान वान्यक्रेन्स्पर्भव क्षपान (भाव अहे लाहाताहे काल्टिरेवत करान বাবিবার প্রধান উপোলী। আসরা ভরগাকরি अख्टमनीय वाजिलेगान देहीहा पेशाक प्रधारत कविद्वा रथाने धर्मनीकि व्यवस्था श्रीक काल করিয়া আপনাদিগের উপযুক্ত হা অদর্শন করি

२८ এ स्टब्स्यादि स मक्षास्त्र त्वस रंग्न छ।-হাতে ভারতবর্ধীয় রেলভারে কোন্সানির সর্ব তাম্ব ৫.৮৩.১০৪৯১০ টাকা আয়ু হইয়াছে। সাহেন। আপাডভঃ ক্ষাটে পর্বত ও ব্টব शक्तिवाहेरम e>e्।/ स् व्याप्त त्रथा याहेरक्राहः কোম্পানি ব্ৰেষ্ট কা**ও** কণিতেছেন। একৰে **উল্লেখ্য অশব্যয় নিবারণ করিয়া রবকারি** টাকা আগায়ের ডেষ্টা শাওয়া গবর্ণমেটের অতি भड़ कर्त्यः ।

#### २२ ५ क्षान्य मन्त्रवात् ।

লাড নেপিয়র সংস্তুত কালেজ দর্শন করি তে আসিয়া অধ্যক্ষকে বলেন কালেজের অধ্য भकविश्वक छिनि सम्बन काहे**एक हारस्य। अ**प बसुमाद्र पश्चिष्ठ साम्रमात्राद्य कर्क प्रकासन ब कत्रकृष्ट निर्दायः वर्ष कांस्त्रम कहा स्थ উচ্চরে শাসন কর্তাকে আশীর্জার করেন। সাং নেপিয়র আক্ষেপ কবেন ডিনি 25.25 A कारनन मा । खार्। ४३८म व्यक्षानकविद्यत् नहि ग.क्शं प्रदक्ष यह अश्वरूष्ट्र के ब्रेट्डिय । या या विश्वविद्य को ज करतन श्रमक्रूगांत्र न होई लक भिग्नेत इक भारतकारक वर्गन कति। পরম পবিভোষ লাভ করিয়া ধান। এ ব্যবহার শাসনকর্তা ও শাংগত লোকদিলের পরস্পরে मोशक विश्वत पृक्षि एवं। निविधियां स्थान কর্তাগৰ এই চিত্তহারী ৰাবহার করিছে আহ

পঞ্চাবের একথানি সংবাদপত্র ভত্রভ্য স্বা नीक्टियत विषया विविध्यादस्य मारात्रः विकर কোন বিষয়ের অনুটান হইলেই বালাসীপ २ १ .३८ विश्वतः काराव **कल्ट्यामन कट्या** । 🚓 বঙালীৰ যে বৰ্ণনা কথা হয় আময়া ডংহা পঞা (दर वाकालि लिश्व भएत क्लिस क्विसा । क्षेत्री य **अ**ष्ट्राः चानभद्र **७ व्या**कृत्त शिव्र नर्ट्न । र िट्राट कटलका अधिक हासमान लाक क्लंब व कामानिक्त कार्या बहिया किर्दे नार द । केर প ভ্রমাঞ্চল ও পঞ্চাৰে হাজালিলৈৰ পরক্ষা বসুত, ও সাহায্য বিখ্যাক ৷ ব জন্মলের যা कीय भग्द्रशेम दाञालिशिदनय का 1 **२१८७८**। ख:बखबा बद्दारासद धाद्रा हा लिख •हेटखटइः এট কেবন প্রিকৃতি বারীনল স্বীমার করি **だびられてがり**1

#### ২০ এ কাশ্ভন ভুবেরে

**एक्न मधन उक्रमध्य अपूर्वत्व अकार** প্রধানক্ষ বিতার্থান্থে ওয়্যা**ত কার্<u>রাছে</u>ন।** 

क्र-बीग्र श्रद्धांत्र के भवा व्यक्तियात स्वत्र কাতেকে অয় কড়িয়াছের **তাহাদিগতে পুন্টি**য় ক্ষিৰাৰ জনা এক বসমন্ত্ৰি সমাজ স্থাপিত ব মুদের দক্ষিণ পার্ক্তিত জাতিসমূহকে ভৃতি कदियात क्रष्टी व्हेट्य । अनीत हाळी निर्देश नति गमास्त्रत् अधिशृक्ति । काम्रक्तवीयश्रम् । भून विक्रित क ऋगीतं भवारियर हेन भरशः धर अम । कन्म इव (मन सुक्षु नेवांकु) कृषेत्ररेष्ट ।

ত্ত। প্রে কান্তর কার্বর করে। প্রা ।

রেপে হইটেশ জন আমানেপের স্বর্থনে ই ধর্মি

রেপে কোন কার্বর কার্বনে কার্বনে কার্বনে কার্বন কার্বনে কার্বনি কার্বনি

ব্ৰজে:বে বালাদেইখী ভব্ৰত লোক ল সু স্থক নিধন পাড়েম কবিয়া আংশাদের এক রুজান। অট্রেণ ভরত পুফারণী লাকা ত কলিয়াত হাাপ্রত প্রধানী সময়ীর এক বাব। ন, ক সড়ের আবাসকা করিয়াছেন। তলি মই কুণ ীনবা দগণ জ্যানস্ম বিচাধালয়ে এক হেৰদ্য ব'হর। জাউদদিবকে নিহত কহিবাব। গিনাক বেন বিচাপে ক দিয়া এই প্রার্থী इ, करिया आएकन के नियादका अपकार ছাব নিকটে না তাবিলে ভাগ চলত। উদ্ৰেহ্য যাদ পুক্ৰিণী বক্ষণ চাৰ্চ আদি |ব'আহাৰখ≀ক আভাৰ কবিয়া⊪উচেন ডাং-লৈ ব্যবস্থাপক সভায় পাৰালিলে ৷ জাপে ৷ 🛚 🕏,চত চিল। পুৰুদিনীটি সাধাৰণ স্থান্তের ।; আতি আবশ্ধে। জটিসবিগের গ্রেল এন পাধাস্ত কোন ভূমতে কাংখানা কৰিছে दान । এই পুৰু,রগাঁট ए'ইলে নিক5বার্ল *স্থান* হের বাসির ভাড়া কমিশ ঘাইবে।

গত রবিধার পাতুবিরা ঘ'্রায় ভাষানার্ক লা লোগে। প্রায় ভিননক টারার ভাষার ও | রেক ধানি পাকা যাটী নষ্ট ইইয়াছে। প্রায়ঃ লাগ্রান্ত অভিন ছিল।

#### २८ 🕰 वास्त्रन तृहन्त्रां उदात ।

গত কলা টে লগ্রাম আসিয়াছে লাভ কোন রেণের সহিত মন্ত্রিবর্গের মহাসভার প্রবালী শোধন বিষয়ে মতভেদ হওয়াতে ভিনি পদ গা করিয়াছেন। লাভ জালবোরণের পদত্যাল রভবর্বের মজলের হেছু। ভিনি বে অগ্নকাল লৈকেটারি ছিলেন ভাগতে পাইন কিবটে জ্বই কার প্রভাগী করিছে পাইনে। ভিনি জ্বই কার প্রভাগী করিছে পাইনে। ভিনি জ্বই কার প্রভাগী করিছে পাইনে। ভিনি জ্বই কার মান পদত্ব থাকিলে কন্টাই আইন বিধি হইত। নানি সাহেবের দারিল পীজনকারী সোরের কব লাভ জানবোসণের উভাবনী ভার পরিচয় নিভেছে। এক্থে যে প্রভাব নিক ও অভাগোন মূল আইন হইতে চলিল হাতে লাভ হালিকানের ভূনবাগ্যম প্রার্থনীয় কৈছে।

অবো ্যায় -সিবিলিরাইনর ভভাব হওরাতে 🖯

গ্ৰথমেণ্ট কল্পেক চাম গৈ।নককে বিচাৰ কাৰ্ছে। নিযুক্ত কৰিবার আজ্ঞা দিয়াছেন।

অদ্য ভাষত হয়। ম ভার সাধ্য রিক অধি-নেশন হইবে। মভা বেলা সাড়ে তিন ঘটকার সময়ে হইবে। আমাদিশের আশকা হইভেছে, এ সময়ে অনেকে উপস্থিত হইতে পারিবেন ন।। বাজিতে সভা হওয়া কঠবা।

#### ২৫ এ কাল্বন শুক্রবার ৷

यदनाहर न हो। जानानरण्य क्रांट्संब भारत उरकारण्य अनुवाराय नानीन इहेग्राट्श मास्ति-(क्रिश्माद्या नार्य्य अक्ष्म सांदू इनीक्षमाम ध्याप हेश्य ज्यूनपाम क्रिड्डिंडन । विख्य नाफीड स्थानविम इहेग्र। क्षकान भारेग्राट्ड अख्यात उरकार वहन अविधा हिनाय निधियाहिस्सन । अक्ष्म विश्वत सांक ज्यूनकारम्य नमस्य विद्यान नस्य क्षित्व इस ।

এগ্ৰাড় বৃদ্ধানীয় বি**কান স্মালে ১১২ চন** মাত্ৰ সভা বৃহয়াদেন।

#### २७ এ কাছন শনিবান।

দ্রে অব ইণ্ডিয়া বলেন, আমীর সিরার আলি থান সপক সংলার সিরার আলি থা নামীবের কৃত প্রস্তাব ক্রিট্র পার্থমেন্টের গো চব কবিবার উদ্যোশ করা হৈছে উপনীত হইয়া কেন। তিনি কলিকাভায় উপন্তিত ইইবেন। ভাষাব পলিকাভায়ত আগমন হ্থা। গ্রহ্মান্ট এয়প কলে নিবপেক্ষ রাজনীতি পবিভাগ করিত গাবেন না।

छेळ शज बरलब, विश्व कंग्रस्त कीवन । विष्ठ अञ्चल कतिवात रहेश इहेर उरह । मेल्लामक हे, बि, कांके अन नार्श्वरक अ विश्वरम्भ नार्मार्थ स्तानीक करतन । जामाताल मण्णूर्य क्षमरम् हेशस् जस्यामन कविराहि । कांके अन मार्श्व विश्वन कहेराव विषय ज्ञाविक जारमन ।

বেখি ইরের মুখ্যন গ্রন্থর রাইট অনধ্যেক সাইমুদ ফিজবালড় ২৬ এ সেক্রেরারি পঞ্চার নামক শাহাল হইছে অবভীর্ণ হইরাছেন। সর বাটল িয়ার ৬ ই মাচ বাজা করিরাছেন।

# रेडेटबांशीय मगाठात।

লগুন ১১ ই থেকেয়ারি—ইংলগুন্ধরী স্বরুৎ উপস্থিত হইরা পালি রামেন্ট স্কার কার্ব্য আ-রুভ করিয়াদেন। রাজী যে, বজুন্ড। করেন, ভারতে সকলে সংভাবসাত করিয়াছেন।

রিদর্ন বিলেব বিষয় বিচেটিত হইছে। 🛒

আরণলতে হেবিয়স কর্পস আইন ছবি করিং সঞ্জাব হইয়াছে।

ংশমেকা শটিত অভিযোগ আরম্ভ হই য়ার শবর্ণর আয়ায়ের বিচার হইবে।

াজধানীতে পশুর মড়ক সূত্র আ হ'বংছে।

ন্তন ২৭ এ কেব্ৰুয়াহি—হৈকাল। তি সে-শ্লকে ভাৰতথৰে কি কি কহিছে হ সংগ্ৰুত্বসন্ধান্ধ এক বিশেষ কমিটা । নেজা লাইন মহা সভায় এই প্ৰস্তাৰ কৰি ক্ৰা

ভাৰতবর্ণীয় গৈনিকবিগকে উপনিবেশ অধীনস্থ দেশ সমূহে প্রেরণ করিবার প্রথ ইয়াছে। সেনাপতি পিল বিশেষ কমিটির স্থাবে সম্মত হইয়াছেন, কিন্তু বলিয়াছেন ক সংখ্যক ইউরোপীয় সৈন্য ভাৰতবর্ধে র অ'বখ্যক। প্রিটিশ সৈন্যে পরিবর্ধে জানীর সৈন্য লইয়া উপনিবেশীগন স্তুত্ত থাকি। কিনা, সেনাপতি ভাষা সন্দেহ বরিয়াছে নিয়মিত বেজিমেন্ট সমূহের পরিবর্ধে ক্রে ভারতব্যীর্দিগকে রাখা বাইতে পারে। প্রস্তুব্যীর্দিগকে রাখা বাইতে পারে।

गवनरभागे तिकतम महभीत श्रास्ट किंद्रा सहैद्रार्टहन, त्रश्माणियात विद्या मकल प्रति स्टेटन।

আমেরিকার মহাসভা ডুকার মন্ত্যন্তরন্থ পুনঃস্থাণিত কবিয়াছেন।

লওন ২৮ এ ফেব্রুয়ারি—আমেরিকার সে সভা প্রতিনিধির বিল অগ্রাহ্য করিয়া জার কোটি ডলারের নোট বাহির করিবার জন্ম রিয়াছেন বোহিনিয়ার প্রতিনিধি সভা হইয়াছে।

मक्षम ३ मा मार्क-राष्ट्रम जय कर्म किमार्क मार्क्स काल कानप्तात्वनक किया किमार्क्स कल्पन कानप्रवर्ध हृश्कित का किमार्ग वाक कानप्तात्वन काल किमार्ग किमार्ग रहेएड किमार्ग कर्म किमार्ग प्राप्त हैश जारेन कमिम्स्मन राख मर्थ कर्मप्राप्त केश कार्म कमिम्स्मन कर्म का मार्क नर्म, जन्म हैसा कार्म क्या क्या मार्क नर्म, जन्म हैसा कार्म क्या क्या मार्क क्या। किम्र किमार्ग मिर्कन क्या क्या क्या क्रिक्स किमार्ग क्या

লগুৰ ২ বা সার্চ—ক্ষেন সাংক্রে হাউস ক্ষণ্ডে অস্থ্যোগ ক্রেন, ভারতবর্গ হটতে সক্ষা কুলি প্রেরিড হয় ভারানিগ্রের ক্র

प्र मरमारवाची सम । जाजात्वी गारदन पश्चि . स्टडेर स्था अधूनका शूनिय प्रका (र्फु ৰাঃ °ু

---

'সভাগতি জনসন মঞ্চিণ বিভাগে দৈনিক ाम क्षेत्रोंकी कांशरनंद्र विचाय महितिरात विरंप ं।र्थ अक दिन व्यर्भन कत्रिन्नारस्य १

मध्यम ह है। मार्डे--ब्रिक्ट्रायह विवद्य बिद्ध ;গর-পরস্থাৰ মডডেক **হইরাছে। অ**হিকাংশ ही अस्तिविध प्रताबीक कतियात चक दृष्टि देवात अकारवर प्रमुखानम क्रस्ता । अ क्रमह াত্ত কাৰ্বায়খন লাক ক্ৰাণৰোৱণ ও দেবাপডি গল পৰত গ্ৰহ্ম কৰিয়াছেন। ডিউক অৰ বিচমত র ফ্রাকোড নর্থকোট ও সব অসম পাকিডটন ोहां विरुग्त अपन विश्वक **रहे** सारक्षम । स्विति গ্ৰহের পাকিওগুনের ও এস্বের সাহের নর্থ कारकेत श्रेष शहराण्य ।

আমেরিকার মহাত্তা সভাপতির অসমটি खबार, एरिया प्रक्रित विगास देशनिक भागम প্রশাসী স্থাপনের বিজ বিধিবত্ব কলিয়াছেম ৷

# প্রেরিত।

ब्रानावत्र जियुक्त मामध्यकाम मन्नांवक

মহাশয় সমীপেয়ু।

১৮৬७ সালের বাক্লা ও মাইনব ্ ছাত্রগতি পরীকার কল।

:৮৬৯ অন্দেব মধ্বিভাগত বাল্লাও देश्वाकी बाजना हा तर्गाल भदीकात क्या, बहि-র্গন্ত হইরাছে। ভাগান্তে প্রত্যেক পরীকার্থীর नाम, श्रविभानाम श्रांत्र मश्चा एरमम्बिव সহিত, ত্রুমানুষাবে মুদ্রিত হইরা এই বিভাগত্ अभूगत विमान्तरम ध्यक्तिक इष्टेम्नारङ् । देशत दात्रा काना बाइएउट्ड (य, এই विकारशत > 8 में दिल्हा | स्टेन । श्रद्धांक क्रकिएकांशी व'नटकता जन।एय नंब्र बहेराह २৮ > हो बानक बानना ছाত्রवृष्टि भन्नी काची १६प्राह्म । এই वालकविताय प्रश्तिक हान । अन्य अक वार्षिक वृक्तिकाणी बालदक । नर्मात জ্ঞারি বা ধরানতি এই পরীকার প্রথংসা পত্রাঘী চইয়া অপণ अक्षेत्र दशक्य भवीका सहाम कदन। छाहारफ अभूराद्य २५ ६ ही भहीकांची रहा कारांत स्टबर २७१ कम फेफीर्न व्हेंब्राइड, स्थ्यम ३१ में बासक खेंचीर्व श्रेट्ड शास्त्र मारे।

এই স্কল প্রীকোন্তীর্ণ বার্গককে ভিন বিভাগে বিভক্ত করা হইয়াছে। বে সকল বালক পূৰ্ব সংখ্যায় আৰ্ছ বা ভাষা অংশকা অধিক मर्था गार्बाहरू, **जारावितास्य अथय विकार**ण माहाता आर्थरका छात्र व्हेटकं हुई नकत्रारम् । क्ट्रेश्चक वृतिया पाटक । क

भर्वः । व्यक्तिहरू. चारावित्रास्य विकीत विकास व्रवर विश्वकवारम्य निष्ठ हरेटक अफ शक्षकारम ক্ষে কাম আৰক্ষক ভাষার কোন ক্রান্ট <sup>বি</sup>শংখ্যা আ**ন্ত** খালকছিলকৈ ভূতীয় বিভাগে পরি प्रविक्त कहा स्ट्रेबाट्ट । खस्त्रुगाट । উলিবিড २७१ में भरीत्काछीर्भत्र ग्रहा २३ में शब्द विकार्त ३२ में विकीय विकारण अवर ३८३ में তৃতীর বিভাবে উত্তীর্ণ হইরাছে।

> भूत्री बहे विकास ६० ही हकूर्ताविक छ १ की এক বার্থিক বৃত্তি নি**র্ব**ারিড ভিল। কিন্তু গত वरमत श्रेट के के के क्षेत्रविष मृश्वित्रहे २ है। बाह्य পূৰ্মক ছগলি জেলার মেদিনীপুরাত্তর্গত জাহানা বাদ বিভাবে প্রদত্ত হইরাছে। ফুডরাং মধ্যবি-ভাগে উভযুবিধ বৃতির সংখ্যাই ৪৮ টা দ্বাড়াই ভিত্তির অপর ৮২ টা বিন্যালর পরীক্ষোতী ग्रांटका अहे बना विकारशब महना २८ नव्याना वाबामक, श्वाल, श्वका, मनीबा ও मुद्दिनायाह এই করেকটা কেনা আছে। বৃত্তির বন্টন বিধরে रेनरण्याहेत मारश्य निविद्यादहम (व " द्विभाष्ट পাত্র পাইলে, বৃত্তিগুলি নিম্নলিখিড বিভাগে এই মত দেওছা বার ৷ ২৪ পরগণায় ১ - টা, ভারাস তে ১০ টা হুগলিতে ৮ টা, হাবড়ার ৫টা. নণীয়ায় ১- है। अधूरनियारात्य ६ है। त्यांत्रे ३৮ है। किञ्च स्था बाहेरफर्ड व कार्यकारम से निवन शक्ति পালিত ব্যু নাই। চতুবার্ষিক বৃত্তি ৪৮ টার মধ্যে

২৪ পরগণার ১০ টার यरन ३ न جن ۽ राज्ञामरण्ड ५ के छ्शनित 🔭 ये 80 28 B 4 হাবভার ŧ 952 Gcc ٠ 4 मनीवाद्य 8 4 सूत्रनित्तां बारमञ्जय थे 85 B 8 t .

दृष्टि क्षत्रक स्वैद्यारम । किन्द्र अक वार्विक दृष्टि 8 में जीव भरता क्वन करवरकी माता अवस्था, मुक्के देश्याओ विवशनात व्यथा मिक्कान कारमास দিবার জন্য কলে বিনাবেতনে মাসিক চারি টাকা প'ট্রা ज्यशास्त्र कतिहा शास्त्र । शूर्त्त अवश्यतीरकाकीर्य हेरताकी गाठाची बानएकडा व्यक्तिए कि कारनयां इहेताइ। सूख्यार छाहा महेता अनमा क बाजिरहरू, अवर्गस्परेन्डेन जानकदर्शक्क अमृनाम विशानरबरे अथावम कविरक शारेक, किन्न करक्षक प्रथमक रहेंग क्षिणियम गर्छ क्रिक मारहरवत्र व्यष्ट्र अकारेदश्रेद मार्ट्य महित्यम्बाग्र रिश्व कृत्म ६ कब्दोला ठाक कृत्त देशीन-(शर् क्षार्थन बाह्र क्षक रहेश्रार्थ। अ दशा व्यवधार्थ ময় বে " দাডার ধন বায় দেখিয়া কুপণ অভিদর

अफरित अहे वर्रत काश्राम चात्र अं মুখন বিষয় দর্শন করিলাম । কোন বিন্যুখ বা কোন ভেপুট ইনপেটারের অধীনে য व'नक केकीर्व रहेन छाष्ट्रा गश्च आमियात ! মিন্ত এখন বিভাগোতীৰ একটা ছাত্ৰকে ভূপ বিভাগের তিন ক্ষমের সমান এবং ছিডীয় বি গোড়ীৰ্ণকে ছই ভাষের সমাম ধরিয়া উচ্চীৰ্ণ স वानकट्रकरे रक्ष्यन कृतीय विकारत शतिवरि করা হইরাছে। ভা**হাতে সর্কোভ** সংখ্যা र्क्षाएक कुक्रमध्य माहाबाक्रक विष्णानस अ ও ভরিম্বভী ১৪ মারা নেহাধালা আদর্শ বি त्रव विजीत भवनीरण खाक्किक स्टेबारक गर्थाञ्चगात्त्र वश्वकाम विवास **भा**टह । प এইরণে এক বিভাগে আনীত উত্তীর্ণের সংগ बाबा कामा गाईएउए रव

১। হাৰড়াৰ ডেপুটি ইনম্পেইয়ের বিভাগে

२ । सभीग्राङ 2 40 ০ ৷ ভূগ লব ৪। শান্তিপুর ∉। बाह्यभाष्ट्रक व ৬ , ২৪ পরগণার ১ **৭। কলিক**,ভার \* 7 2r ৮ মানুরশিবাদের 🌯 8 . . त<u>भ</u>ुषः इ केडी बहेगा

' কলিকাভার ভেপুসি ইনশেস্টবের অর্থ ব'ল্লা ছাত্রগুড়িতে অল্ল ছাত্র উত্তীৰ্থ বৃষ্টা बटेंडे, किथ हैश जिस जाहार व्यक्तीत व्यात श्रकांत्र झाळावृष्टि सारह, चाशास्त्र फरेवछ ছ'ক্ৰবৃত্তি বলে। উহা কেবল কলিক তাস্থ ব विकालप्र मक्तन सनाहे निकारिक का ভাষাতেও ৫৭ দী বাদক পরীকার্যা ইইয়ানি स्वाविर्वत माथा बन्हीं काऊवृत्ति भारेगारक কডণ্ডলি যে উত্তীৰ্ণ হইয়াছে, ভাষা নিশ্চয় হলিতে পারা যায় না। যদি অনঞ্জি সভ্য छद्द देश्व का अ है। जिस सात नकलाई छै এবুং এইরণে ভূতীয় বিভাগে পরিবর্তিত হ क्रिकाका विकारण गर्कारकृष्ट हरेबा करते

ক্তত্তি বাল্ক ইংরাজী বাল্লা (গা ছাত্রবৃত্তি পরীকারী হইয়াছিল, কাগজে ড স্পষ্ট নির্দেশ নাই। কেবল এই সাত্র আনা বে, এই পরীক্ষার বয় অন বিভীর বিভাগ ৮৯ অন তৃতীর বিভাগে সমুদায়ে ৯৫ অন উ स्ट्रेग्नार्षः। अध्य विकारम अक्जैन कुः মধ্যে কেবল ২৩ টা মাত্র ডাত্রর্ভি পাইরাছে : अहे छेन्त्रीर्थ बालास्कृत । हो स्था वृत्त्वेत अदि ह অপ্র কোন উচ্চ শ্রেণীয় বিধাকরে (যে সকল 'শদার হয়েকে জারীক্ত বিদ,শিয়ে প্রবেশি হয় ভাছাতে ) ছই বংসর অন্যান ক্রিভে পাবে ! কিন্তু সর্বাত্ত জ্বোর বেডনগ্রুপ ২ টাকা এচন করাতে তিন টাকা ইচাদিদের হত্তগত হয় क्षांशिक्षिताय (मर्म्य भना विव हे न्हां की यह स १-करण विकास वारा क्ट्रेटक १ रेक्शन परीकाह এই বিবরণ দেখিয়া ডাকা কেপ্ট স্কানিতে পারি (रम। हेरा हित्रश्रक्षिहे जाएह, स्व অধিক কাৰ্য্য সম্পন্ন হুইতে পাবে না रे हि!द्रा प्रदा वार्ष्य विमानिय होने हेरक हारक्य हो हो है। कार्थी, मिटक्षेत्र चयत्र व्यवस्थिक ४८ ७ (भटा कि.) গেৰ অন্ধিক ১৬ বংসর ছওয়া আব্দাস ।

श्रद्वीका दियरब्रस्ट कि**ष्ट्र दल**! कावन्यक ६३ ! अरम्बर ना**रे**। (७८६) वानकशन चानशम( मकन मांचार्डहे कामाञ्चलभारणा वाधियाहरू, क्वन अर्दाव ৰয়ে ২ টি ব ডিয়েকে জাব কেংই সংখ্যাৰ ঞ্চনক পরীকা প্রদান কবিতে পাবে নাই। এমন কি যেনকল বালক অন্যান্য বিৰয়ে ভাঞ্চিকেয় অনেক উপর নথব পাইয়াছে, ভারালিন্দ্রেরও অনেকে অভে এক ভৃতীয়াংশও প্রাপ্ত হ**্রা**নাই। কিন্ত এবিবয়ে কোন স্কুপেই প্রীকার্যাদ্যার (बार निटफ भारा यात्र सा। ১०। ১२ वर्ष दश्रक প্রকুমারমতি বালক্দিগের অন, বেরুপ কটিন ও ক্ষমিক সংখ্যক প্রখাত ঘটার জন্য প্রস্তুত হইরাছিল, ভালতে বাধ হন, অছে প্রিকিও অধিকবছক ব্যক্তিয়াও ৩ ঘণ্টা সময়ে ভাচাব সমুদার ক্সিয়া উঠিতে পারেম কি না সন্দেহ। (म विषयः वालाक्ष्यः। (व अन्त्रमर्थः इहेरव आक्रांक्षः) কি ? যে ব্যক্তি পাত্ৰাসুদাৰে প্ৰশ্ন প্ৰদান কৰিতে পারেন, তাঁহাকেই বথার্থ পরীক্ষক বলা যায়।

**পর**ম্পরা **অবগত আছি যে, পুর্নি যখন এই** পরীকার ফীছিল না, সেই সগর অবধি ইলার ব্যয় নিৰ্কাহাৰ গৰণ্যেন্ট প্ৰতি বংসৰে এক শত টাকা প্রচাম কবিরা জাসিতেছেন। গত বংগরে আগ্রত হইয়াছে। পরীকার বিবরণ এইরণে চাহিলে তাহা কি অন্য প্রদান করা হয় না ? এই

হইতে পারে নাই। এই উড়ীর্থ কালক দিলের। মুদ্রিত করিয়া সাধারণের পোচর করাতে অনেক গুলি উপকার পিছা হইভেছে। ১ম যে সকল বিদ্যালয়ের পরীকা উদ্ভব ক্টরাছে, ভাহ'রা **छेश्त्राह शाहेबा शुर्कारशक्या ख**बिक खेतक **रहे**राब নিমিত্ত অন্ততঃ প্রশংসিত খীর নাম রক্ষার অন্ত অধিকতর ব্যবহৃকারে অবার্য সম্পন্ন यद्वा २ ४, (स जकना वेन्द्रान प्र नकन अच्छ इस নাই ভাষা বে যে বিষয়ের স্থানভার কান্য ঐরপ নিখল হইয়াছে, ইহা ছাবা ভাষা জানিতে পারিয়া তৎসংশোধনে বা উল্লেড করিতে সেই সংখ্যার বন্ধমূল হইবার উপক্রম হইয়া কাহারা হেস্টা করে। স্থতরাং নিজ্ঞী বিদ্যালয় नका अस्त खेरकृष्टे स्टेएक श्राटक । ७ व. देशव ষ্'রা সাধাৰণেও জানিতে পারেন বে<u>,</u> উভসরূপে লেক্ডিড হইলে সে গ্ৰ4মেন্ট হইভেও পুরস্কৃত क्क बाव हेर्। करामाक्य करून । अब्रेगाफ भन्नी । रूप्र, क्यूडब्राट अक्टम**रे फेरनार्नर्क** दन विस्ता भिकःय बरनारपात्री रुष्ट। क्लकः देहाद्र पात्रा विनामिकात देवाँ विवरत व्यापक केनकात र्य

उलमरश्तुकारम अवनी विषय आभागिरशव বিশেষ বস্তার। উপস্থিত হইতেছে। পূর্বে উলি-বিত চইয়াছে, বে এই পরীক্ষার সঙ্গে কলিকা-ভাব অন্তর্গত বসবিদ্যালয় সমূহের জন্য কবৈ তনিক ছাত্ৰতৃতি পরীকাও হইয়া থাকে। ইহা দিলের পাঠ্যপুত্তক মকক্ষেরপুত্তক হাইতে করেব খানি বাদ নিয়া মির্মাচিত হয়। প্রভরাং ইহাবি লের নার ইহাদিগকে পরীকার কীও এক টাকা করিয়া প্রদান করিছে হয়। কিন্তু অভিশয় আশ্চ (ई)त दिवस अहे (व, देशविद्यात शतीकात विवतन मुक्षिकं रहेग्रा श्रकानिक रह सा। अधिक्य व নদস্বলের সহিত ইহারা প্রায় সর্মতোভাবেই অভিন বিনা প্রার্থমার ভাষার পরীকার বিষয়ণ গেজেটে ও বছত্ৰ কাগলে মুক্তিত হইয়া সাধার ণের বিদিত কৰা হইল, কিন্তু কেহ কলিকাভার নহর একবাব চলে দর্শনহাত কবিতে প্রার্থনা করিলেও ভাষা নিক্ষল হয়। বে সকল কারতে মফক্লের নহব মুদ্রিত ফটবাছে, কলিকাভার উপর সেট সকল কাবণের সভা কি ইনশেউছের পরীক্ষার কী বর্ত্তিত হওয়াতে পরীকক্দিরের দর্শনে পশ্চিত হইল না ৪ বনি কেই কছেন বে, বেতন ও কাগ্য কলন ক্রে বাদেও কিছু টাকা কলিকাভাব বৈশপ বিদ্যালয় বহু মাত্র 'নাছে। উৰ্ভ খাকে। ভাষাতে সগৰিহাগের পূল আভএৰ ভ\*হাধ জনা গৰ্গদেই আৰু পাত্ৰ ৰাষ हैसदुन्भ केटर व्यवक्रमाध्य हिंदा शर्वभाग दिव । किट्छ शास्त्रम मा, अहे समारे छेदा मूजिए स्व স্তুপ্ত ক্ষেত্ৰ ব্যক্তি হওয়াই প্রামর্শ সিদ্ধ হয়। ুনা। এই আপত্তি বনি বধার্প বলিয়াও স্বীকার , অহলুসারে গড় বর্ষ হইতে '' ছারবুডি প**াঁফার 'করা যায়, তাবে কেই কলিকাভার প্**রীক্ষাব মুক্ত মুদ্রিত হইয়া স্থিরতেশব গোচরীকৃত হউতে ব্যাল, অমুনিশি করিয়া লইতে অগবা দেখিতে ;

जनम रहिंद्या छनिष्ठा कि रवाथ एक जा रव কাভার পরীক্ষার ভিতর 🕈 🗢 আছে 🤉 ি वरः देशत शासद्वश्चि बन्देन नवरत्र कनिका পরীক্ষা পক্ষণাতানে দেবে মুখিত বলিয়া चांकत्र भूति। चार्रकत रहेत, खबन जांधाद विक्रों • देशद दिवदून क्ष्मान क्रिका সংস্কারের অপনয়ন করাও নিডার আবং ছিল। কিছ ভাষা প্রকাশ করিছে এড ' প.ছ ও ৩ প্রাথিতে এত বর দেখিয়া পোট অভএব সম্বর উহা সাধারণের নিকট প্রক कड़िया (गर्हे विचारभन्न ज्वलमन्न कन्निएक 🔑 পাওয়া অবশ্য কর্মবা

> ভৰদীয় বপ্ৰদ (লখক।

গত ১৬ ই ফাল গুল আতি সমাবোৰে ২ পরগণ জেলার কল্পাতি এই মনীলপুর প্রায বালিকাবিদ্যালয়ের বার্ষিক পরীক্ষার পারিতো विक विख्यन स्टेब्रा विद्याद्य । अस्मरन्य समीनाः e केळ विश्वानदात मन्नावक क्याय बाबू त्याद अन्यादात्रन् प्रक वालिकान्तिकारक चर्नत्र ७ (वोरम)। অনুষ্ঠানাবিধ মহা, পুস্তক ও টাকা পারি खाविक विदारहम । এই পারিভোবিক উপলবে এডালেশের অনৈক ভয় সন্তান ও ধনবান লো-কের সমাগম মইয়াছিল এবং বারুইপুথের ভেপুট মাজিটেট ও ডেপুলী কালেটর জীবুজ বাব্ ইঞ্মিচন্তে চট্টোপাব্যায় সভাক্লে উপস্থিত थाक्या पर्टल शामकाविशटक शाहिटला यव विद्याद्य । असँगार्थ कथन शाहित्कायिक विष-त्रान अक्रथ नवाद्याव वर्ष माहे। शाहितकाविद्यन স্থায়োহ দেখিয়া স্থাপত ব্যক্তিগণ স্কলেই পর্ম প্রীজিলাত করিরাছেন। উক্ত ভেপুট বাব এই সভায় সভাপতির আসন এহব করিয়া অব লাগবের বিদ্যাশিকার কর্মব্যতা বিষয়ে এক ২ক্তু ভা করেন। তৎপরে 53 কুৰার বল্প্যোপাধ্যায় জীবৃক্ত ভারাধানার চক্ত इक्रियान एक क्यीमात ৰকী <u>কী</u>ৰ্ভা ধাৰু अवृक्त बांबू स्मानत प्रक्रवती आवृक्त स्त्रामा कड़ोड़ाई। क्रीनुक बाबू सुआसाब, मस क क्रीनुक बाबू मधुस्तम बल्लागायाम व्यवस्थात देशीय এক এক বজ্ডা করেন, প্রায় সকলেরি বজ্জ ष्टें उम स्टेम्स्टिम । व्यवस्त्र भावित्काविक शक्स र्देश गडा एक स्ट्रेन।

> नविनम् गिर्वयंग्विमय-मन्त्रीयक सहायम् । जात्रमा चटाक कर वर्ष

व्याद्ध केंद्रकान् कार्यको क्यानी क्यानी का । वाकी त्य करतको अनीक्षातक विमानक । ति कतिहासि काहोन्द्रितत अवका अनुद्धात ॥ १४ २८४, क्या त्याकी देवाम्यकेत महानक्षत्र ।त कार्याह क्रमुकानाकार्य विस्थित क्रिके स्टेएका ।।

ক্রেক স্থানে আমরা অমন করি সর্ক ।ই ভাষ্ট্রীবন্ধের জানস্য ও অবদ রুভাত্ত অবংশ ার नत्र शांदे क्रियामिक स्रेशाहि । फिक व्यवन एक हो क्षेत्रा विक्रामरवर्त स्वाधित श्राप्ति किहू वर्त्नार ग না করা অবিহিত কার্য। কোথাও হয় - স क्षांबात वा अक वश्यव नवान क्षांक क्ष्मि हैमरण न अव्यानकृषिद्वात नमार्थन एवं मा, कें।व्यक्तित व मे किया आक्ति व्हेट हुत्तिक विमानदात ह कथाई माई। दक्षित सम रमछ। अथवा देशवर्श -শাকে বছকালাকে কোবাও গমন বৃদ্ধ তা ব হটুলে ভবার ২। ৩ ঘটকার অধিক্**নাল জ** ভান হয় না, কিন্ত কোবাও একশভঞ্জাবাও तक पाक शासनरथा। के प्रस्कारणक मरश শ্রীক্ষাকার্য বথাবিধি হওয়া সক্ষাব্যিত ? এ । क्रियुक्त बतामायत शवर्थान दिया । **अहे अब महत्वाभन कतिहारहर, यति जारादे छै**ः बहाप्राविद्यत व्यवद्यादयःशिक्षा वन्यकः विक्तीतः **इंडेज, ब्राज्यस्मात्रात्र स्टेटल अर्थ नमक्त अर्थ** नि चक्र बाह्र रहा त्का ? अक्टर विमीखकाटर व क्षार्थमा त्व फेक्ष्मणम् मद्दानमूत्रं केम्सेनिय कार्ट , इ क्षांक कृष्टि हाचित्रा वाशंदकं मारह मी ব্রীভিমত সকল বিদ্যালয়ে তেপুলী মহোদয়গণে লয়ার্পন এবং বৎসবের লেবে বাৎসবিক পরী-**१व, फाराब विशाय कतिया जामा हिर्दात्र बणक्**षि विमानम एशित क्रमनः क्रमकि मौर्यम बोहो और ছেলেব বিভ সাধন সক্ষম।

> নিভান্ত বশবদক। কন্ত চিং দৰ্শকক।

প্রাক্তিষ্ট্যাবকিং ব<sup>া</sup>ক্তম্ভতে পুজ,তে জটিং। ম্যুক্টারং পরিক্ষার বধ্য: পু**জ্**যোহ্যবা জ্বেং।''

किय व्याप्तरण विषय वहे, कामक वृद्धां हाड़ा (महत्र वहित का नण वय न रहेता वाहक का का हाड़ा का का वाह विषय विद्यामा रथ मा का विषय प्रमा का का निवाद का का का मारण व्यापका मा रहेक शाहक किया का का मारण व्यापका मा रहेक शाहक का का का मारण व्यापका का मा का का का मारण व्यापका का मा का का का का मार्थ विषय का का का मा मा का का महिल्ली, मुखी पूर्व मका बार के किया का मान्य का मार्थ व्यापका का का का का का का का

ताहा । समावः वरमत्र वर्षाः व कामक वाकित्व भारतः काम श्रीक्षत्र कतियात्र क्षमः व्यक्ति श्राम भारतात्र काम्माक्षकः त्राप्त मा । सार् रक्षमः, कि त्रमकत्र मरकाकः, कि भूमित मद्यीतः कि सांक मन्भकीत्र कर्षात्रते, वारावित्यतः व व्यक्ति मध्य व्यक्ति, बार्गित्यतः वत्यतः ( वर्षाः क्षम्यकर्षाः बरमारवानं व। रेमियमः म

कात्रद्य करतरम्त्र देशिनिहे रहेशा थारक, छा। हे গের ব্যে কাহারও যথার্থ লোব দর্শন করি গ বেখন আছার নিবারণার্থ সর্মস'ধারণের বিলেব 🙃 कर्जुभरक्षेत्र इमाध्य कर्ता कर्ज्य अवर नक्ट है ভবিষয়ে অবিকারী : সেইস্লগ উক্ত কর্মচা' '-গণের মধ্যে কোম ব্যক্তির কার্ব্য কুললভানি । मर्गटमक महमासमृक् स्वता छिडिया नटरा । विष्राप्तत्र व्यवखात्रवार्थ अहे कृषिका, खादा मि । निविष रहेर्ड्ड अ-जाक्क्य्वादिक्रिशंत मर अप्रताकत शेर्वश्चकानि कारिक श्रांतक F चामक नगरत कड़े नार्रोफ इत्, स्तरे कड़ेशा F भक्तिका अरथा भर्षा (मामक्षकारम क्षकानि ह रहेंग्रा बारक । रबार्च (तांश निर्वय हरेरन कर् । क्ष बहुक्ष हरेया हारगानम्य रहेटक गाहिए . देशदे केक भद्र अकारमह पूर्वा केरमभा। भर । च्याटमक कृदम (मामक्षकानासभ प्राक्षदेवरमध्य गर -রভার আন্তিপ্ত ব্যক্তিরা ফুডকার্য্যও ক্ট প্রাধ্যের। কিন্তু ভাষিধনের গোবরভাষার পোষ্টবা-क्षेत्र सिंदुष्ट-चानु प्रहमान महम्मानायगान मरा-শয়ের অনেক প্রধ্যাতি আছে, তিনি অতিশয় कार्ड( फ्रेंद्रपद्म । फ्रुफ्तार कीश्रंत करीनक कान महरदा मारकता भदानि श्रामिश्वनिवरत भवन সৌজান্ধপোলী খলিতে হইবে; ভাঁৰারা ব্যাসম-(इन्हें महुशंक्ष ग्रहानि गोहेक्षा शास्त्रवा जगत्रक (गायत्रकांनांत्र (भाके माक्शिय अम्दर्व भूकी-পেছা, মানেক কাৰ্য্য কুৰি ধুইয়াছে। শুল্ক সামান। প্রের সংখ্যুই ক্রিগুলিত ব্টয়াছে এমত নংহ, রেকি**ই**রী পত্রবংখ্যাও অনেক বর্ত্তিত চইয়াছে। शाम श्राक्तिकरे ख्या श्रेट्ख २ : 3 वामि (विक हेकी পত্ৰ শ্ৰেমিড হইয়া থাকে। এলপ কাৰ্বং বৃদ্ধি পোঁট আঞ্চিয়ে উম্ভি ও ভাঁহার ক্ষিত্র-कार्तिकात्र ब्लांकप्रिशात दृष्टिया व्हेत्रार्क वर्ते, ক্সিত্র যাত্র হাংবের বিষয় যে পোষ্টনাষ্টালের বেডন त्त्र se शतक राक्षेत्र चक्र व विवादि । এই जन অবস্থাপর শোষ্ট আফিনের মধ্যে অনেক স্থানের লোষ্ট মাষ্ট্রারবিগোর ব্যুট্টাকা বেক্স দেখা বার, क्षित्र यद्भ बाबू कारोब्रिटनत महत्र खालवाही एहे-**রাও কি জন্য সম্বেড**ন্প্রাহী হ**ই**তে বৃক্লিত রহি-प्राटक्स ब्रिटिक भारति मा । महरकारे द्वाप स्त्र,

ব্যক্তি অপুরত্ত রহিরাটেন। শ্রী হউক্ত শেষে কর্তুপক্ষের নিকট বক্তব্য এই, যে ই মোবরভাকার পোষ্ঠ আবিদের প্রতি চুর্বি ক্ষিয়া বহু বাবু ববার্থ পুরস্কার ( অপ্রেশ হর্মিড (

--:•:--

नविमन्न मिरवश्यमिषर---

এই মুক্তাগায়। প্রায়ধানিতে অনে ভূমাধিকারীর বসজি আছে, কিন্তু প্রায় প্রতি সৃষ্টিপাত করিলে এ<del>য়া</del> বোধ হয় না बटाउ अमन अकड्रेक् श्रांत नोर्डि (४ प्रश्नंत व मदम छ मरनद्र जनुषाञ्च की कि करमा। र চুক্তিপাত করা যায়, সেই দিগেই যেন লাম প্রতিবিশ্ব দেলীপ-মান দেখা বায় পিত ভূতপূর্ণ ডেপুসী মাজিটেট কালিং बाबू कछक समम, कर्डन कदिहासितन, ভাহাতে কিছুমাত্র উপকার হর মাই, ববং (यन (नहें समन (नहें (कारन चारहां वि ३० देविहार्ष । अहे समन अञ्जानगरित মিঞ্জিত হওয়াতে ব্যাহ্রাদি হিংকা করে ষানি প্রচুত্র পরিয়াণে ছইরা থাকে। এয **बहे नमग्र तक**की एक श्राय **अवी**शासनितम् एक विकास के अपन के एक । ब्रह्म कि विकास क्षांत्र वेजन। केनति केक भावितके त विष्ट्र व वर्ष रात्र कतिग्राहित्सम्, खाव প্ৰকার সাৰ্থকাই হইয়াছিল ৰটে, কিছ গ कात (क्ष्ट्रें के बार्स महनारवाम कतिहान क्ष्यंत्रार कृद्यं जाशाह प्रस्ता स्ट्रेडट्र। अर भावकार: क्छ मिन म्लिट्व ? वदाकारण । कि यात्रे मकनहे कर्फरम अम्राज व्यवस्थ हरेश দে এক বাসী হইতে আন্য বাসিতে ব वानमा इहेटल महार्थरनान्यकोती बन्न করিতে হয়। পদ্ধপ্রণাদী অধিক আয়ে কিন্তু জন্মারা কোন উপকার হইতে ৮ মা मा धे मनन बरन क्षर कर्फरम क्षमञ्ज भी ৰে কাহার মধ্য কমের বাবহার্য নয়, কেব উপায়াজ্যব, এই নিম্মিত সফলেই ঐ পু विभिन्ने वातिहै रावश्त कतिया बाटकन । **१क महानद्य । जय/कक्करण এ**ই क्रांमश्रामित ্ব(ন করিলে প্রায় ২। ৩ সপ্তাহের কার হয়। কি আশ্চর্ক্যে বিষয় ! । আবাসপ্রা अष्ठ प्रकृत्। (मधिक्र) अभीवादशर्वद बरन्। बाज भक्ता क्या नाह खाँद्रांका कि देव अरोटन समाम् ? सामहा क त्यांच अरु ज्ञान जामता जैकेनकार कुछित्ता कारमछेत्र गार्ट्स मरहामग्रदक दिनम् शूतः गत ज्ञास्ताम कित-छिति, जिति चत्रः खत्र एव नाम हरेत्रा अहे बाम गामित्र हर्मनागनम्म कन्ननः छोश हरेत्न छालात भेडे मरीयुगी कीर्छ जामारमञ्ज्ञ करत्न जानी-का नवाल कामग्रह शाकित्व, अवर छाशास्त्र भना वाम क्षमान कन्नाह रेमनिक कर्मान मर्था जामारम्ब क्षमान कमी हरेरत।

সম্পাদক মহানয়। প্রামণানির আর একটা
অষ্টবৈশ্বন্যের কথা প্রবণ করন, প্রায় এক বৎগর হইল, এখানে একটা বিদ্যালয় প্রতিষ্ঠিত
ইর্নাড়ে, কিন্তু এ পর্যন্তে ভাহাতে গবর্গমেন্টের
শাহাব্যলাভ হইল না। অক্রত্য ডেপুটা ইনম্পেইন্নু মহানয়ও এক বার রিপোট করিয়া নিজিত
ইন্নু আহ্ম, ভাহার পর উহির সহিত কুলের
ইন্নু মোহান্য স্থানী উহিত নয়?

১৮ ই কেব্ৰুদ্ধারি। কস্চিৎ। ১৮৬৭। জনসং।

\_\*,\*\_

সম্রাভি ঘাটালে এফন অভুত চুরি হইয়া
পিরাছে। এই ঘাটালের নিকটবন্তা এক বহাজনের
নিকট ছন্তার বরাতি (৪৫০) সাচে চারি শত
চাকা লইয়া অন্য এক দোকানে ঘাইরা লন্টন
ক্রুটার সর করিভেছিল, ইভিমধ্যে (দিবা ৯ কি
১০, খলীর সময় ) হঠাং এক অন চোর আলিরা
ই কন্তারনান পদাভিকের পদতল হইতে টারার
ক্রেটান লইয়া কোন দিকে পলায়ন করিল,
ক্রিটান ক্রিছে পারিল না। পথে সেই লোকানে
ইন্টানা ক্রিছেল পারিল না। পথে সেই লোকানে
ইন্টানা ক্রিছেল পারিল না। পথে সেই লোকানে
ইন্টানা ক্রিছেল পারিল নানানের ক্রিছের ইন্টানার
স্ক্রিয়া থোকান্যারের সন্থিক স্কর্টানার

দর করিতেছিলান, এমন সবয়ে ভোড়া লইরা যে পলাইরাছে, ইবা অবলাই লোকানদারের চক্রে ঘটিরাছে। এ দোকানদার বলে "আলে আনি টাকার ভোড়া দেখি নাই। এবং তৎকালে লোকানেও কোন লোক ছিল না।" পুলিবের সংইনশ্পেটর মহাশয় তল্প তল্প করিয়া তল্প করিতেছেন, কিন্তু অপক্ষত টাকার কিছুই ঠিকানা হইভেছে না।

সত্রতি দারণ ছডিঞানল নির্মাণ ইইয়াছে
বটে, কিন্তু এখনও এ প্রদেশে তছত্যাপ সম্যকরূপে দীতল হয় নাই। এ প্র্যেশে দিন দিন বে
প্রকার শস্যের মূল্য বৃদ্ধি ইইডেছে হয় ত অনতি
বিলয়ে আমাদিগকে সেই পাপিও ইউক্লের হত্তে
পতিত ইউতে ইইবে। গত পৌষের শেষাবিধি
মাধের কিয়মিন পর্ব্যন্ত এই ঘাটালে চাউলের
মূল্য মণকরা ১॥• টাকা, ১৬• সাত্রসিকা ও
১৬৬ একটাকা চৌমজানা ছিল, তখন আমরা
মনে করিতাম ইহার পর ইহা অপেকা অবল্য
কিছু না কিছু স্থলত ইইবে। এই প্রত্যাপার
অনেক গ্রুত্ব লগ্য কয় বিষয়ে কাম্ভ ছিলেন।
কিন্তু এখন জুল্ভ না ইয়া ২য়• আফাই টাকা
ইয়াছে।

এ বংগর বন্ধবান্তেরে কোন অংশেই ইংমন্তিক ধানেরে অসভাব নাই কেবল আনরাই ভাহাতে বঞ্চিত হইরাছি। সভ ধনার প্রভাবে ঘাটালের শিলাবতী নদীর উভয় ভীরবর্তী প্রায়গুলি পদ্য খুন্য হইরা নিরাছিল। একণে দেই দকল প্রায়ে বোরধান্য উৎপাদনের আশারে অন্তান্ত খুখানি মহাশয়েরা মিলিড হইরা উক্ত নদীপর্টে এক বাঁধ প্রস্তুত ক্রিয়াছেল। ভবিষ্যতে বদি কোন দৈবব্যাঘাত না হর ভাহা হইলে আনরা গড় শস্যনাশ অনিভ সন্তাপ হইতে বে শাভি লাভ করিব এমত প্রত্যাশা আছে ইভি।

> মহাশহের ভিরাছগত। বাটাল্যানী।

## म्मा थावि।

জিবুজ বাবু ছতিরাম বড়ভাগ্রার বড়ু রা
১৮৬৭ মার্চ হইডে আগষ্ট ৭

৯ শ্বাদবচয়ে চক্রবর্তী সড়াইল (২ কালি)
১২৭৩ ফার্জন হইডে ৭৪ আবন ১৪

৯ রেবরেও ভবলিউ, হবস বলোহর মাওরা
১৮৬৭ ক্রেয়ারি হইডে স্কুলাই ৭

- » " नेषत्रहरू तस्य त्यार वस्त्रामात्र ७०
- " + इतिशत प्रदर्शणायाम क्लिकाका वर्श-
- » 🐣 स्माराय स्थाप करानीं भूत 🔭 🕫

## त्यामध्यकाणमध्यकाच करहरूकी विदयम विदयम

व्यक्ति मुना ७ जाक बाक्तुं तः नाहरत घक-वरम मामध्यकान ध्यप्तन कहा याद्र ता ।

ইবার জাগ্রিন মূল্য কার্থিক ৯০ এবং বাবারসিক ৫॥০ টাকা, সকললে ভালবাস্থানীতি
বার্থিক ১৩, বাণ্যাসিক ৭ এবং ক্রেমাসিক ৯৮০,
তিন মাসের প্রানে জাগ্রিম মূল্য লওমান্যাম না।
হণ্ডি, বরাভ চিঠি, মণিজভার, নোট, ও শালা
টিকিট, ইবার জন্যজন বাবাতে বাবার জাগ্রিণ।
হয়, তিনি সেই উপান্ন বারা মূল্য প্রেরণ করি
বেন।

বীহারা প্রশোসনিক পঠেইবেন, থা-হারা কেন এক অথবা আন আনার অধিক ইলোর ও রসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন।

বৰন বিনি মক্ষণ ক্ততে গোমপ্রকাশের মুন্য পাঠাইবেন, ভাষা যেন রেজিপ্তরি করিয়া প্রিয়ক্ত বার্কানাথ বিদ্যাভ্যণের নামে পাঠাইয়া দেন।

व शिविरमत मून्य मियात नयत व्यक्तील स्वेश्वा सामिर्द, अक.माम शूर्ट्स सामिन्यरक विश्वि निविद्या सामान यारेरव, काम व्यक्तील स्वेश्वर गारमञ्ज अकवात विश्वि स्वथा स्वेरव, कामात्र शत अक मामकाम अकीका कतिहो कामज दश्व कड़ा, सारेरव । स्वय बारतत मान (बहाबिक भागित स्वरंद)

ষ্টেনা রেশওয়ের কোনাপুর টেসবের ডাক্ মরে চিটি আইটো আনরা নীয় পাইব ।

वीरात्रा बाङ्ग ना विद्वा शक्कांकि स्थातन कृति त्वत, बीरानिश्यत त्रदे शक्कांकि स्थातन कृता वाहेद्य वा !

त्वर त्यांत्रश्चारत विकार्गने तिए हेक्स पहिता प्रीशंदक श्रथम फिनवाइ श्रोठिनशक्ति । प्राथी फोशंद गद //- प्यांत्री विद्युष्ट स्पेटन । विति प्रशिक्तान विकार्गन विचाद स्पा प्रतिद्यन प्रीशंद्र गरिक प्रथम बहुलांदक स्ट्रेटन ।

क्षा कर गत्र कलिकायात्र समित गुर्न प्रोच्छा त्राग्यको ज्ञानागुत्र वेशास्त्र समित शामिक त्राज्ञात्र क्षिपुक स्राज्ञातात्र विस्ताकृत्यका वेशिए सम्बद्धात्रम् स्राच्यास्य स्राप्तिय

# (माश्का

シレ アミギゲ

" प्रवक्तनां प्रकृतिहिताय पार्थिवः सरस्ति श्रृतिमहती न हीयतां।"

নক ৰূপা ১ টাকা, অবিনে বাৰ্ষিক ১০ ) সন ১২৭৩। ৫ ই চৈৰে। ১৮৩৭। ১৮ ই মাৰ্চ ল অবিনে বাৰ্যাসিক বাং টাকা।

বিজ্ঞাপন।

নিউ এপথিকারিদ হল।

অ:মুব্রা বিলাত হইতে উৎকৃত্ত ঔষধ সকল ন আনাইয়াড়ি এবং পশী**গ্রাবের ডিস্পেস**রি চাত্তৰ স্থাৰিধাৰ ৬ ন<sup>ু</sup> নগদ মুল্যে ৰাজাবের ड कम महत्र विक्रम करिएङ्डि । मक्ष्यन स्ट्रेस्ड ধের কর্ম ও ভাছাব মূল, স্বৰূপ নোট, ছঙী ৰয়াতী চিঠি পাঠাইলে আমরা ব্রহণ অভি র পাঠাইতে পাল্লি। উত্তের মূল্য যাঁহারা बैट्ड हाट्ड्ब, प्यायदा फ्रांक्ट्याटम खैंाहायिटमेड ট ভালিকা পাঠাইব।

আর সি দত কোং। বছৰাজার জীট নং ৩২ বাটা।

> ----:0:----प्रकृतश्रद्धः ।

ভুলুকভটুকুত দীকা ও বাজালা অপুৰাদ ড, সংস্কৃত কালেজের স্তি পরোধাপক স্কে ভরতচন্দ্র শিরোমণি কর্তৃক সংশোধিত। নিয়া সংকৃত পুস্তকালয়ে বিক্লয়াথ আছে। । ७ इत्र हाका ।

🗃 वश्रमाथ नहार्त्रभक्षानम् ।

ভূটান পশ্চিম মারসমূচে হস্তি খেলা করিবার बंद बानामी ১৮७१ व्यस्त्य ३ म। बद्धम ख ३৮৬৮ **व्यास्त्र ०**३ अ मार्फ पर्वा**ष्ट क**क বর মিয়ালে পাট্টা দিতে নিয় স্বাক্ষরকারী ুক আছেন।

হতি ধরিবার নিমিত যত তুন্কি নিযুক্ত করা ৰে, ভাহাৰ কি কুন্কি প্ৰতি ২০ টাকা হাৱে ল দিতে হইবে, ধৃত হতি সকল জুয় बाद्र अधिकाद श्रथमण अवर्गस्य केंद्र पार्कि-। अवर्गरमण्डे साम्र कतिरक वेक्कू का व्यरण प्रद शक्तिमन क्षत्र मतिहा महेल्के शांत्रिया ।

অন্যান্য আব্দ্যক বিবরণ নিয় সাক্ষর কারীর নিকট স্বয়ং উপস্থিত হইরা কি পত্র খারা জিজালা করিলে জানা ঘাইতে পারিবে<sup>\*</sup>।

ভেপুসী কমিদনরী আছিল ) ঞীবজা জে.এক. মরনাগুড়ী। } টুইণি সাহেব ১২ ই ভিদেহব! ১৮৬৬। ভেপুসী কমিদনর

रेके रेजियान दनक्राया বিজ্ঞাপন ৷

(পীশ্ভডস) অধাৎ বল্লাদির পাঁইট যাহা উত্তৰন্ধণে বাঞ্চৰশি হয় मारे फाश्तु विषयः।

এডমারা সর্বাদারণ জনগণতে আড করা बाइएउट्ड, रव जानामी ३ मा अरक्षम ज्यवि নীচের লিখিও ভাড়ার পরিবর্তন হটবেক।

পীস গুড়স্ অৰ্ধাৎ বন্ধানিব বিসাভি পঢ়াক করা গাঁইট অধ্যা এডফেনীয় প্রাক করা গাঁ ইট কাৰ্ছের বাসতে বন্ধ থাকিলে বিভীয় সানের काका व्यवीत मनकता श्रीक मोरेटन देरवाकि অৰ্ভপাই লাগিবেক।

এবং বে সকল পীস্ভভস্ অর্থাৎ বস্তাহি बाइटक ( नहां कहा ) अवीर बांका इत माहे. ভাহা ভূডীয় প্লাসের ভাহা অধাৎ মণকবা প্রতি মাইলে ইণ্ডামী এক পাইয়েব তিন অংশের हरे जरन मानिएक।

বোদ অব একেসি সিদিল ষ্টিকেন্সন ইউ চ ডিয়াম বেল হয়ে হাটেগ কলিকাডা ১৮৬१। १ हे (कज्रशांवि

জীবুক্ত রামক্ষল বিদ্যালক্ষার প্রশীক্ত ''প্রকৃতিবাদ » নামে একথানি অভিধান সংপ্রতি বৃত্তিক বইরঃ সংস্কৃত ব্রালয়ের পুস্তকালরে ও শাঁথারিটোলা असिए । মাখনওয়ালার क्षेत्रक ठीवूप्रशंत माजीरतत्र कृतन विजन्तार्थ श्र-

{ মদসলে মাজুলসমেড অঞ্জিম বার্ষিক ১৩ টাকা বাণ্যাসিক ৭, ও ক্রৈমাসিক ৩৮০

**ৰত আছে। ইহাতে প্ৰায় প্ৰত্যেক শন্দের ব্যুৎ**--পত্তি অৰ্থাৎ ধাতু প্ৰত্যন্ত সমাসাদির **উলেখ** কৰা रहेब्राट्ड ।

মূল। ৫ পাচ চাকামাত্র।

বৰ্ষমানেৰ প্লবিখ্যাত চিকিৎসক জীয়ক বাৰু ভোলানাথ কবিবাজ মহাশয়ের অপুমত্যসুগারে নাধাংশজনগণকে এডস্বাবা অবগত করা ধাই-তেছে যে ভহিষ্যতে উক্ত বাৰু সৰ্লাসি**টা**উ नत्रज्ञत्वत्र जिल्लिके अहर् किकिश्ना कत्रिर्दम ।

टी शैवांमान समी :

পাটীগনিত প্রথম ভাগ :

নিক্ষক ও ছাত্ৰ উভয়েবই ৰ,বহাবোপধোনী হয় এরণ প্রধানী ভতুগারে আমি এক থানি পাদীগৰিত প্রস্তুত করিতেছি। জাপাততঃ উহার প্রথমভাগ মুলিড হইরা সংস্কৃত্যধ্রের পুস্তকালয়ে বিক্রীত হইতেছে। গ্রন্থ মধ্যে বছল পরিমাণে সংক জখচ ক্লকৌশল-রচিড প্রশ্ন भक्त मरश्रीक स्वेदाह्य । मृत्रा स्थ व्यासा ।

किकानी धनद गरनाभाष्या है।

ৰালকদিগের ব্যবহারার্থে '' গবিত বিজ্ঞান 🛦 बाद्य अक्थानि ज्ञ्चश्रुक्षक माज्ञिश्रुवस् हेरत्राक्त বিদ্যালয়ের শিক্ষক জিজরগোপাল গোলামী কর্তুক প্রবীত ও 🕮 আই সি, বস্থু কোৎ ধারা মুস্তিভ ও প্রকাশিত হইয়া বছৰালায়ত্ব ১৭২ नश्याक क्षिन्नद्रांग स्थात क कारमध्य कीरहे সংস্কু লেলের পুস্তকালরে বিক্রয়ার্থ স্থানিক আছে। মুলং ১।• পাঁচ শিকা যাত্র।

ठेसके निज्ञा मध्य एक मुख्यमानात्र २९ शर्मी ७ छ মংলচারিত বিশ্বলিধিত পুত্তকওলি বিজয় स्ट्रेरफ्टर्स---

াধীত দ্লা প্রানইডিগাস টাকা ব্যাহটিকাস ভ্রণসাধ ব্যাক্তরণ নীতিসাব ( ১ ম ভাগ প্রাচিষ্টির । ২ ম ভাগ প্রচাবিত ।

ৰ ব'কোন'থ **শ**ন্ধা ।

#### त्त्र, नश्रद्धाः । ३३१ ≅ , स्थानाः ।

हाता अकारण पृष्ठे २३न, शृक्षविका-(श्रेव ऋ व देन<u>: न्लाके</u>त निक्कितिशाय उरमाह बद्धार्थ करे निव्य करियात्वत. উপরের পদ শুনা হইলে নিম্পারত্ব निकर्दक या उर्भाप मानानीय क्रिवात (छन्छे। क्रिट्ड इहेट्य । ममुलात বিভাগে এই নিগমের অসুদরণ করা উচিত। উপবের পদগুলিব উ**ক্চ** বেড त्वत्र विश्वय क्रिया शोकार ५ एक्टिन लाख भीय रह, डाहा करांत्र कर्डवा। धवादतत बटकरि मिकामधाल प्रम लक होका অধিক দেওয়া হ'ই াছে। শিক্ষাসংক্রান্ত কম্বচারিরা ইহা ভাগ কবিয়ানা লইরা শিক্ষদিগের থেতন রুদ্ধির ব্যবস্থা করুন। বিশেষত, সাহাবারুত বিদ্যালয ভুলি অভি শোচনীৰ অৰ্ডাগ্ৰস্ত হয়ে৷ काटल. बक्षनकार नाम बक्कर ना इहेरा অবিক পরিমানে বাহার্টান করিয়া ঐ বিদাবিরঞ্জির অবসা উল্লভ করিয়া ভুলা একান্ত আবিশ্যক। দেশেব লো (कड़ा घटनाव मुथाट्रथका ना किता चड: প্রাক্ত হইয়া সাধান,ফুড বিশাবির ওানকে **उन्नड क**रिया पूलियन, म्हान मरश आजि उद्भाष लाक पश्चिक इन नाहे।

এক জন প্রয়েরক পণ্ডিভদিনের সূত্রকার প্রদান কবিয়া একধানি আফেপ পূর্ব পত্র লিধিয়াছেন। বেতন বিষয়ে প্রশ্যেক্টের ফোন বিভাগের কোনকর্মচা

রেরই পণ্ডিতদিগের তুল্যানিক্**ট অবস্থা**টাক। নয়। অতথ্য ইহঁদিগের বিষয়ে শিক্ষা

নয়। অতথ্য ইহঁদিগের বিষয়ে শিক্ষা

নংক্রান্ত প্রধান পুরুষ্দিগের বিশেষ**র**পে

দৃষ্টিকেপ করা আবিশীক।

#### ल'हेरमञ्जू

নতন লাইদেক টাজের বিষয়ে সাধা রণ মত কি ভাহং আবার অবিদিত নাই ৷ এতদারা যে দরিদ্র পীড়ন করা হইবে, ভবিবের মতভেদ দেখা বাইতেছে না। ন বাদপত্ৰসমূহ একৰাক্য হইয়া ইহার क्षां ठवांन कतियारहर । यनि देशलम्या-নেৰ জস্তাৰ ও প্ৰেরিডগুলি ইউরোপীয় সমাজের মতক্রচক হর, ভাছ। ছইলে न्याकोष्करत निर्दर्भन करा यात्र, উ**न्निधि**छ টাক্র ইউরোপীক্দিপের অনুমোদিত নয়। ভারতবর্ষীয় সভা এতদেশীয়দিগের প্রতি নিধি, সভার গত সাম্থ্যরিক অধিৰেশন स्विटम मञ्जाभन न्माकोजिशास्य दाव्याभक সভার অধিচাবের প্রতিবাদ করিয়াছেন। বে সকল স্থানে মিউনিসিপার কর আছে, मिथीरन विश्वनं कह इहेरव । अक अन সভা বলেন, ২০০ টাকা পর্যান্তর আ रात्र डेनेटव कर निर्फारिक इरेशिटक, किन्न ১৮৬১ অব্দে লাভ কানিডের লাইদেক টাক্স ১০০ টাকা আয়ের উপরে নির্দ্ধারণ করিবার প্রস্তাব হয়। আর এক জন সভ্য चारकन क्रिया बरमम, क्रमीसारवर्श क्रम मिट्ड विशक्त नमर्थ, क्छि **उँ।** हाता सुक्ति शास्त्र कहिलाहरू । ग**र्का** भदर्गन **(क्रम**त-लात निकटडे क दिवसा स्व व्यादवसन करित রাছেন, ভাহাতে 💁 করকে অনাধর্শ্যক, অন্যায় ও রাজনীতিবিরুদ্ধ বলিয়ানি क्लिंग क्रियारहरा। अभीनात्रविभटक क्राय অগীনত্তবা উচিত কি না, এ বিষয়ের कर्त रह नाहे बाठे, किन्हु मछा छेकाउह যুক্তি অবলম্বন করিয়া বলিরাছেন, দাকাৎ भइरका कत अरमरणंत छे भयूक मरह।

বর্তমান ভাইনে ৫০ লক্ষ্য টাকা ন বংগ্রহ হইবে, কিন্তু যে পরিমা লোকের ভাসমোর জ্ঞাবিব, তাহ কাছে এ টাকা ভাতি সামানা। তাঁহ প্রস্তার করিয়াছেন, নিতান্ত অকুল হইলে নৈনিক টাকার সহিত এ টি কর্জে করা উচিত ছিল। বস্তাঃ ভাহিন নের মুলা ভানেক কম ধরা হইরাছে; লক্ষ্য টাকা ভাহিকেন হইতেই পোষাই পারে।

আইনে কর আদায়ের যে এণা হইয়াছে, ভাহা শতি লঘন্য। কালেষ্ট্ৰ কর ধার্য্য করিবেন, কাহার অভিনি कत रहेरल जाशांत चारवमन कारन নিজে প্রবণ করিবেন, ভাঁহার নিজা षाणील क्यिननात्रत्र निकार हरे কমিদনরের আবজাই চুড়ান্ত। বাঁহ क्रीक्शांति होज्र प्रम, डाहाता जाका বেন কর ছাপন কর্তার নিকটে আবে করিলে কি কল হয় ? কালেক্টর ও কমিং রগণের রেবিনিউবোর্ডর প্রশংসার গ্র দৃষ্টি থাকিৰে। অভএব আইলে যেঃ থাকুক না কেন ? কাৰ্য্যে গত ইন **विट्यां काश्वित्र कार्य २०० विकास कार्य २०** টাকা আয় ধরা হইবে সম্পেহ না আপীল নামমাত্র হইবে। দুর হই কালেক্টরের নিকটে আগা, অসুমতি গ অহণ ও আমলাদিলের পুষা প্রভৃতির কথাই নাই ৷ সভা একছলে লি য়াছেন, শ্বদ্য বিল অপুণ করিয়া বি বন্ধ করিলে সাধারণ মন্ত জ্ঞানা বায় वक्रमान्य यक्ति कि किए अवस शांत यात्र, माञ्चाक ७ (बाहाहेट्यत्र शटक मा রণ মড জ্ঞান সভাবিত নহে। '' স একার্যোর স্পান্ট প্রতিবাদ করিয়াছে বত আইন হয় তর্মধ্যে কর ছাপন সর পেকা সাধারণ মনকে বিচলিত কা কিছু প্রবর্ণমেন্টের রাজনীতি তা चौकात्र करत्र मा। करत्रत्र विवटत्र ह শানিতে পারেন না, রাজান্তার নায়ে একবারে এই ব্যবস্থা এটার করা হয়, অমুক কর হইল। এটি অভিশয় অনায়, ইহা অভ্যাচার মাত্র।

আমরা পূর্কে বলিয়াছি, একণেও ৰলিভেছি, মৃতন কর কেবল দরিদ্দিশকে পীড়ন নিমিত হইতেছে: ইহা নিজ্পুরো-জন এবং রাজনীতিবিরুদ্ধ। ইচার व्यशंजी नाहे, बदर पूज चलका शदर्ग মেক্টের কর্মচাবিগণের সহজ্র টাকার সূত্র चात्र क्टेंटल कंप क्टेंटर मा, किंकु चना খন্য লোকের ভৃত্যের ২০০ টাকা খার इंडरण कत मिटल इंडर्ट । अक सन संगी-লারের বাংসরিক ৫ লক্ষ্টাকা আয় **डौं हारक कर फिएल इहेरव ना, किन्छ** ভাঁহার এক জন ১৭ টাকা বেতনভোগী भगखारक मिट्छ इडेरव। रकान् तासनी कि ও কোন বাজ দু প্ৰবাদী এমত অবিচারের অনুমোদন কবিবে, ভাষা আমর, বুরিভে পারিতেছি না।

बामना मर्द्धमाशातनटक এक्छी बाहु-(ताथ करिटङ्कि, नक्टल अक्दांका हहेग्रा क्षिनश्रात करु गठः कक्रमः क्ष्मर्ग মহাসভার অধিবেশন হইতেছে, অতএৰ এই ৰেলাএক আংৰেদন কবিয়া এই কয় উঠাইবার প্রার্থনা করা উচিত। আবে रत्न इडेिंग वियरशत स्थन विरूप केरल के ধাকে, প্রথমত: কর স্থাপন করিতে ংইলে অন্তঃ ভিন মান পুর্বে সর্ক্রা-। दिन्दिक मध्याम (ए४ ११ केटिक । सिकी फंडिटेनमिक दाग्र मस्ट∵ल कहा च्याद-গ্যক। সাজে এগার বোটি ঢাকা বারিকে ্য়ে ছইৰে ! গত বৎসর এ জন্য সাধারণ विश्व **महेटफ ১৮**० लक्ष्म होका दाव कड़ा ইয়াছে। গোপনে এ কাজ ব্ইয়াছে। क्षेत्र विकास कार भारत १ करव है हा **ইর ইউল ৷ আমর৷ দেখি**লাছি এক ৰনাপতি একছানে ৰাধিক, ফারি गर्भः **जनेद ५२ : य**ग कोहाः

मिटनन। काम् वास्ति इहात माती १ मान उथानीशाएक रेमनामिटनत सना कर भगवात्र इत्र मा। धर्मक कथाटन १०,००० माज हेडेटत्रांभीत्र रेमना खाटक।

.01 ---

এদেশীয়দিকের অন্নেশহিক্তিয়িতা ও ই'লিসমান :

পনশশ পাইলট যিশু বউকে জিজাদা করেন " সত্য কি ? " কিন্তু তিনি প্রশ্নের উভরের প্রতীকা করেন নাই। এই প্রকাব সম্প্রতি ইং লিসমান এতদ্বেশীয় হুদেশ-হিতৈবিভার অর্থ জিজান। করিরাছেন। কিন্তুতাহাৰ প্ৰকৃত নিদ্ধান্ত করিবার চেন্টা পান নাই। তিনি বলেন, "ভাব-তবৰীয়েবং স্বভাৰত; অলস, স্বভএব কোন একটা বিশেষ বাৰ্যাপ্ৰণালী অব লম্বন ক<sup>্</sup>রতে পারেন না। যথন যে পথ অৰলম্বন করিলে কুবিধা হয়, তথ্য ভাঁছার। দেই প্রেগমন করেন। এই জনঃ ভারতবর্ষী মদিগের স্বদেশহিত চিন্তার অর্থ বুঝিতে পারা নার না, এবং এই জনাই ভাঁহারা স্কৃত কায্যের কোন বিরুদ্ধ ৰাক্য আবণ করিলে এত অধৈর্য্য हन। य बाद्धि अरमर नव याव डीम विन-য়ের প্রশংসা কবেন, ভাঁচাকে বন্ধু বিবে চনা করা হয়, যিনি ভংগিনা অথবা খণ্প প্রশংসা করেন, ভাঁছাকে শক্র ও জাতি-रेवती स्कान कता करा भ प्राथमित्यव আলস্য একটি প্রধান বোর বটে, কিন্তু এদেশীম **খদেশহিতি**বিয়া কথন স্বদেশী য়দিদের পক্ষপরিজ্ঞাগ ধবেন না। দেনা পতি মরো যখন নেগলিমনের উপবে क्यां कविया क्रमीयिष्टिशत मट्टा श्राविक হন, তথান আপনার পূর্বতন এক জন पूरेकार नश्रीय टेमनिकटक के मटन क्रिया **বিজ্ঞা**দা করিলেন <sup>১</sup> কি আত্রি ভূমি আবাৰ কি প্ৰাকাতে পানার নার कड़ांभी एक कांत्र कतिया अ मरत आमि

शाह ? ' रेगीनक डेउव कब्रिल, " कि বেনাপতি ৷ আমি করালী নহি ॥ " এ क्षित अक्ष्मीयमिद्यात नाहे। यथन व्यवस তখন তেমন এ কথাটি সাধারণে এবে-দেশীংদিগের উপরে প্রয়োগ করা যায় না। ইহাঁরা তাণ কেখিলেই প্রেশংসা क्टब्रम ध्वर मिव मिथिताई मिन्हा क्टबन, अहे युक्ति श्रविषा চलिया श्राटकन। क्लान वांख्नि क्लांहिए क्लान वक्छि গহিতি কার্য্য করিলে, তাহার পর তিনি শত শত শুণৰং বাৰ্যা করিলেও যে ভাঁহাকে একবার (নিন্দা করা হইয়াছে बिलेश हित्रकान है है। बादक निम्हा करिए ह হইবে, এদেশীযেরা এ অন্তুত মত শিক। তেরন নাই। বোধ হয়, ইং লিসমান ভার। CSE u.मणीयांपरभव वावकारव यथन বেষণ তথন তেমন দেখিয়া থাবেন। कलाकः धारमणीरवता वसूत अभागा छ ভহ'ৰনাও শক্তব নিন্দাৰ ভেদ বুঝিছে **७ क**बिएड शास्त्रम। छर्भमा क्रस्लाई শক্ত হয়, এ অতি অকিঞ্ছিৎকর বাক্যঃ যে সকল ব্যক্তি প্রতিজ্ঞা করিনাছেন, আমাদিগেৰ যে সমস্ত গুণ আছে, ভাষা (मर्थिशांख (मनिर्वन ना; गाहानिर्भव মত এই, এদেশীয়েল জয়কারী ইংরাজ निर्धित करिष्टमान स्ट्रेशंत कानाहे काच পৰিঞাহ করিয়াছেন, যাহার। কণ্টুাই আইনেৰ সদৃশ অনে সাৰ্য্য দৃথিত ঘাণত भाइन विधिवक करियात विस्ता स्वि শেষ यञ्चान इन, याँद। विश्वत माफ প্ৰভোক ভাৰতবৰ্গীণ নিশ্বাবাদী, জাশ वारी, विज्ञाहारी, ७ ७ अ दाक (४८४१री: नौंदरा ४०,००० इंडेर्सनीय माधिनहरू धारमा मानत्वत्र अधान देशाव छिन বরিষা রাখিনাছেন, ভরেছবন্তের; डोशंनिशत्क कि शकाद वज्ज स्थान वर्ति বেন १ इंश्लिमण्ति व्यालन, । जिति (এডদেশীয় হদেশহিতেয়ী) বলেন अरम्भ (क्र्य वभीनांशिवद्शत खन्।

থ।ভুক, শ্রাধার কেবল এই এক ভিসত্তর কাঠা প্ৰাথ্য আছে, ডিয়ন সফসলেব हेस्ट्याभीत्र मी १४४८ में इटक स्थानियाः শাহ্রত প্রজ্ঞানিকার বিধিয়া দি দিন वरिष्टा प्रशास्त्र । हेर्टिक्सि `ন के-ब्राक्तिकात तिराक्त (स किंकू भाग. : डोक्। रःप्रशःर द ि।(थन । " जना অমীলাকনিবার স্বাস্থ্য ক্ষেত্রতা মনাদুভ क्षा के । न , कर्त वा मानिर्श्व मक , वाक्रशास्त्र (. १) द्विष्टा डीक्सिम के , ्र रेस रेस स्टब्स स्टब्स र १७) कहाथास **এদেখ**ীয় ভারতি, দৈরো ভাষাতে অসুমো क्रम कटरम का िट्यू. तहत अभूति हेडरिय विभयन कथा - र्यान वर्ति । अदर्दमण्डे अ এ মতের অনুযোদনে অনুযালী নতেন। জ্বীলাবেরা সভ্যাচার করিলেকে সোনা 🖚 की बहेशा थारक, र । हिंदा घड़ि व सक क्रमाकाटन कि वान्याय खनीमाहिन्दिन শ্বত্ত সীমাৰ্থ্য ব'্সা রাগিবরে চেষ্টা おりまする 青年 かいまくれて おりゅうしゅう 132 4 EVA 635. ८३ मृ जल्लादर कोद अञ्चीतःहरू ねがかする カノモス ノ

कारमनांत्र भ 🚅 🚉 'हवाभ अन्तरक अरहम्मी स्थाप व्याधाः स्थान माधन कही काराव ७ किए ते उन्हार्ग विमर्शन - , - q 1 - <del>1 2</del>+8 ' 41 si est saventente লিপুৰতাও মত চেটেৰে বিলয় বেক कारिक की ताब मार्मा एक द्धावान अभाग ८ तिहास्य। अत्यार व्याप्त परिष्यः । त्र व्यन्त (हक्ते। १,१३८७,७००। निकल स्टब्स भी। मदोदसङ्ग करशक स्टब टाथान कादक ছাওনছ সভার বাহাধার্থ চান। বিয়া-

ष्ट्रा भागनकर्त्तीरक **व्यविष्ठतिक** शर्वा गहर्राटव ও श्रामात्रकाटव कांक्र को एउ , e< । শাবনকভা থারার ভা**হা ক**িছে | ারেন নাই। অধারণ শত শত লোগকে क्रणा, बार्जाहरू वज १० १० केन्या राज्य । १६ विषय क्रवा व्हेश्टल । श्रीस्वाकिकिएक লালা উচোৰ হিম্ম চ এট বাবৈলে। শাবিনীরক প্রহাব কৰা হইয়াছে। আনা-নত: অপমান ও প্রহার কবিবার की की रावशी के निर्देश रहा रहा के ন্মুলাল কোকেব অনু তেওকিত হটল। বধার্য চির হয় না**ই। এরপ শাস**্ষ-বেবি কার্যা অনুমোদন করা আচাচ ≆টুক্র, শব বে'ন ভদু লোকেব স্পট্লভ এবিষ্যে ঔদাসীনা **প্র**ানি নে, হা ৷ চইলৈ স্থীনত অন্য कहें, कार्री हैं , मान्द्रियन अ क्षेत्रक को का कार्क मान्नायक क्रेंद्रन मा १ हेन्छ . সম্মান বলেন এদেশীং দিগের মতে ১৮ ৭ ् जारकः विद्यारहत मन्द्रा रहेनात्र.कृषा . হড্যন, নীল, নিক্লদন ও লয়েক্স প্রভৃতি **६ ক'ল কবেন ভারমিত ভাঁথেদিং** । रकोकमाति में इंदेश डेडिड । शांक्रेन ह क्रिकारवय दिवस मकरल **कारनन, ह** পদস্থ থাকিলে পাটনার সানারণ বিদ্রো रुकेड महम्बर माहे, भवन्त्रकी मिर्व ँरश्रेद्ध स्थानावृति इ क्रियार्ट्डन । कूश विकलम्दार विकास विकास विकास कथा (क् ২লেন না। দেনাপতি নীল নরাকা राक्षम हिर्दान । कानभूरन आदम कतियः क्ति का का जान प्रविधाहरू श्र মতঃ হত ভাবেশিলীং দিধের শোণিত প্রকালের করাই।। পরে ফ্রাঁদী দেব। অগচ দিপ হৌবা ধর্মের ক্রন্য অস্ত্রধার। ব্ৰে : ডিনি এত লোককে কাশী দেন : বেকাশী হইতে বানপুৰ পদায় একচি वर्गत इन्ड द:क्लिपिट्रगत श्रम श्रतिहा श्रतिहा যাইতে পারিও: নীল যদি প্রধান দেনানী **চটনা বুদ্ধ কৰিছেল ভাষা হইলো বে** काछि गाशातन विट्याह हरे अधिवदन অণুমাত্র সংশার নাই। ভাঁহার অধিং- । চনাস্তক নিষ্ঠু রতায় শীকের। কাদীতে 

এন: বেশ শংসন করা কঠিন কর্ম। দ্বপ । পাপ হয়। হেনরি লারেন্সের আর্থে কাহার নাম ভাবতবর্ষে সম্বিক সম क्त्र मा। डीश्व मक दानमाविध चन्न रुरेल विष्मार रुष्टेल ब्रज्ञ विश्व रह বে নিষ্ঠুরতাঞাদর্শন কবিয়া হড়সন নীল বিখ্যাত হইয়াছেন, সব যে बरवक्त छ। मृश्व निर्श्व वर्षा कतिहा छ। বর্ষের আদিপত্য রক্ষা করা অংগ ভাহা হইতে ৰঞ্চিত হওয়া শ্ৰেয়োগ করিতেন সম্ভেচ্নাই। সর **জ**ন লারে: আয়ারের সহিত কোনক্রেট ভু হইতে পাৰে না। তিনি যদি আয়া নায় নিষ্ঠাকমা হইতেল, ভাঁৰ ক্ষেত্র কারিডে অপনিমাকরা অধর্ম। नरमाह कि ? माननकर्जानिशात है मानन ना बाकिटन कि ममाज ह थार्कः भाषारतत मध इत. व ( পাইয়া বাঙ্গাণীদিগের প্রকৃত প্র ব্লির অণুমাত্র ক্রটি হয় নাই, এটা ই

> বিশ্বিদ্যালয় ও মেইন সাহেব ৷ त्म पिरम विश्वविद्यान्यात्र छेन नानकाटन स्महेन मार्ट्स अरमभीयः। বিদ্যাপারদ্যিতার স্থি দিগের थान:मा कतिया (व ष्याध्याम था করেন, ভাষা আমাা গতবারে পা প্রের গোচর করিয়াচি। তিনি কোর্ড কেখ্রিকর ছাত্রগণের স অত্ত্য বিশ্ববিদ্যানয়ের ছাত্রগণের স্ क्रियार्ट्न। अधि भाष्यारम्ब मटक्ष्म नाहे। अदयभीशिष्ट्रात विम ब्द्य श्रीषांकानाटकः भीवाकान विष्य আর অবভান পর্যা হইয়া পা কিন্তু ইউরোপীয় ক্লভবিদাপণ বিং যের প্রধানতম পুরকার লাভ ব मनुष्ठे इहेब्रा थाटकन ना । विमान শিক্ষার বধার্ব পাত্তিভালাভ হর

मुबाब नारक्षिक विद्याल क्रिकेट क्षेत्र व्यक्ता वार जीव छेरगाटरत छेरमामका-আৰু । আন উন্নার্ট মিল, মেহাল, ) রিণী। দরিন্ত কুতবিদোরা পরিবার ক্ষেত্ৰ, বিক্তম কুলান্ত, প্ৰকৃতি বৰি (क्वमे विमानदात्र निकात छेशदा নির্ভন্ন করিতেন, তাহা হইলে ভাঁহানি-শ্বেদ্ধ নাম তাঁহাদিলের নিবাস পদীর শীমা অভিক্রম করিত কি না সংক্র क्षाः। इतेदत्रांशीदवता विशासमा शक्तिकार क्षित्र नटक नटक क्षित्रीशको कार्य क्टिन मा । উद्दाहा ब्यायहर्वकाण विद्याह व्यक्त বিষয়ে ভুল্যরূপ পরিজ্ঞান কর্মা থাকেন। পঞ্চান্তৰে এবেশীয় ছাত্ৰৰণ বত দিন বিষ্যালয়ে অবস্থিতি করেন তত দিন আহার, নিদ্রা ও আনোদ পরিত্যাপ ক্রিয়া অনবরত পুত্তক লইয়া কালবাপন করেন। অস্তত পরিতান ও জনবায়ুর ब्लाटन व्यक्तिहरू स्रोद्धा क्षत्र हरेशा योह। কিছ জাঁৰারা বেমন বিদ্যালয় ত্যাপ ক্রি ल्य क्रमी कारमांव धारमांवित्र शति তিত হইয়া আলুসোর হতে আতা গথ-র্ণা করিবেন। মেইন সাহেব ভঙ্গীজ্ঞান व्याभाषितभत्र व दर्शात्वत विवदस्त्र छेटलथ क्तिहारसम् । देशात मर्ग्याशम (हस्रो একান্ত আবিশ্যক।

বিশ্ববিদ্যালয় পরিত্যাদের পর কৃত বিশ্বাণ বে অগদ হন, তাহার তিবিধ কারণ আছে। প্রধান কারণ এই, আমা বিধের রাজনীতি নহত্বে উন্নতি লাভের অসুন আনা নাই। মহত্ত্বাভের আ **ৰূপক্ষা অনেকের উৎসাহ বহিন দারু** श्वानीत्र एरेवा डेटरे। देश्मटक यावकीत হাজির মহানভার প্রবেশের আশা আছে। মহাসভার তুলা খ্যাতিলাভ স্থান দ্বিতীয় महि। अवादन दश्चल गणा नारे। प्रकटार শ্বামামিনের উন্নতি লাভের শ্বাশাও मारे भागाविद्यत गांगाविक कूळवा নীক্ষীর স্থারব । বিদ্যালয় পরিভাগে मेश्रिकामांक क्रंडिंग्सिंग कत्व गतिकांत्र ल्लानत्वत्र प्राप्त काव शक्ति। बाटन । बाह्र

महेवा दाखिदाश्च बहेवा शृक्षण, शंकांक्टव धनवान् कुरुविद्वाला महाम्यात दादवर्णाः निय गर्भ क्षेत्रकारका निष्ना वाकारक **स्थारताक्** भूके क्षेत्रके क्षेत्रनामक व्हेश उटिन । कुक्रीय:क्रांबन **घट**णकाइठ धक्र-खत्र । श्रद्धार्थके के विश्व विद्यागण हात्र महा मछ। महत्र कहिरल देशत উत्तुलन कडिएड পারেন। এক্ষণে প্রকৃতি নিজ্ঞান দান্ত্রের क्षकि बर्लाहिक मरनार्याम स्वक्षा स्व না। এডকেশীয়ের। অসম অভাব বলিয়া কেবল মানসিক তর্ক করিতেই ভাল बाटनन । अडे सम्बद्ध माडि, कर्मन ও मटना विकान बद्यात मन्द्रिक थान्त थार्थ ষ্ট্রাছে। ধিন্ধ যথার্থ উন্নতি প্রাকৃতি বি**কা**ন শান্তের সবিদোব ष्मपुर्भी-नन वाख्टितरक रहना। य विवस्त त्य वर्षकिक्ष्य भिका त्रका एव, कारात्व সম্পূর্ণ পারদর্শিতা ক্ষেনা। আমরা পভাৰত: অভুকরণপ্রির, বর্তমান বিদা मिका व्यनांनी पाता भिर प्रकृतता श्रीत कांत्रहे इस्ति हरेटर । ७ विष्टा विश्वविष्ठा **লয় মহাসভার সবিশে**ব দৃষ্টিপাত একান্ত व्यविश्वकः ।

> স্ম উই বিরম মন্স ক্রড ও **७.इडबर्व इ दे है**; राष्ट्री । (नर्भारम ।

৮ ই মার্চ শুক্রবার সর উইলিয়ম **যানদ্বিণ্ড ভারতব**দীয় ব্যবস্থাপক गर्डाई छात्रवर्ष इडेटवालीव निवास,नत প্ৰসক্ষ করিয়া এক বজুতা বরি রা**ছেন। ইংলও ও ভাৰতব**ৰ্ষ উভয়ুদ্লে-वह भक्त कहे, कांत्रक्षवर्श व्याधनगर्या बेखेरवाणीय रेमना बाबा, बहेबारह। विश्व উভর ছলের লোকে উভয় থকার হেতু निर्देश क्षित्रा पर्दिन, हैरनश्रुटक्त्रा बरमज, अरमरम अणि बयमज्ञ स्व शक्रि-बाहन रेमॉनरकत्र व्यानज्ञांश वृष्ट, त्म निवि-

मार्थ दलाक दशक्ष करा देशकार्क कार्या-श्रुक नटर । कांत्रकार्यीशाता बालिश बाटकन, এখানকার রাজ্যের প্রতিবংশর মৃতি हरे(कर्ड, खवाणि कुतारे(छर्ड मा। 4 **अकृशात्मद्र कांद्रश** क्वित अधिक्रम् इडेट्रांभीय देनना। द्रमण्डा इवस्ट्रेस क्षेत्र कर मारमत श्रेष कर बिर्न बांक्या -যায়। সহনা বিপৎপাত হইলে অনারায়ে **बर पान इरेटल पना फाटन टेनमा नीड ब्हे**टल भारत । यक्तव क्षत्र करन करन पूर्वकात २०,००० देशरमात काक कतिएकं ह প্রারে। বিশেষতঃ বে মৃতন প্রকার ব্যক্ত हरेब्रोट्ड, **फाराट्ड अधनकां**ब्र अक्**य**न বৈন্য পূর্বকার পাঁচ জন অব্রধারী टेनरनात्र मयान श्रेहारक। छरव बरक्लीय रेनरनत्रा विटांशी इंडरव करे कक मन्ना चारह, हिन्द अउरद्यमीत्र देगमान्नर्वन डेश्क्रकं पत्र शाहेबात महाबना नाहै। এক্দ গাত্র নিপাহীদিগের বিকাও পুর্বের नात रहेटल्ट ना। अथनकात क्या मुद्र बाक् क, शृद्ध यथन विशाहीविद्याव উংকৃট শিকা হইচ, তথ্যও ভাচায়া इङ्डाशीत रेननिकसिरभव मध्य शीन इहेबा नमरुष्य द्वान क्षिट्य नवर्ष हरेड ন।তথনও দশ বহুত সিপাহী ৫০০ ইউবোপীয়কে শরাশিত করিতে পারে भारे। कामशूरत गर विकेस्टेनार, गरायोदा সর হেনরি লয়েকাও দেনপেতি ইঙলি দ্ আগঃার দেনাগতি প্রেটহেড, দেনাপতি : शादिन १ ७ (मध्यद्र (त्रम्फ, धार्थ) बाख বৈন্য লইয়া বহুতা সহজ্ঞ সুমি, কত নিপা-ছিকে পরাজি ও করিয়াছেন। ঝাঁপির রাণী चात्रा ध्यां थ्याहिष्ठ इहेगां अ मिलाहिशन इरे बंधिकालांग वर्गमारण देउँद्रांशीदवन नम् त्थ पश्चामान इरेट्ड भारत नारे। कनकः विद्यारी समाधानक कामनीत टेमनिक्षिरभत्र मगरूकका आफ महत्राहत्र নয়নগৈচির হয় না। ভারতবর্ষের দুটাস্ক পরিত্যার করিয়া অন্য দেশের দুড়ান্ত

আৰণ কবিকেও ইহা প্ৰতিগাৰ হয়। য**থন** কুশীয় স্ত্রটি নিক্লাস সিংহাদনে ष्यारवाह्य करत्रम, खंदकारन रेनमात्रम् সংখাবধ্যে ভাঁছাৰ বিপক্ষ হইয়াছিল। किन्द्र रकतल इहे (दिक्ति भिने दिगना व्यवल লকলিন ভিনি দশ সহজ্ঞ বিজ্ঞো-होকে পরাজিত ফবিয়াছিলেন। ভালা-ने(श्रेज निका ও সহিদ কেবল একরপ ार, ठाइर्रेंबो अन्न स्मर्भेत्र स्मार्क अवर কে দেনাপতিব নিকটে যুদ্ধ লিকা করি: াছিল ফেরাদী বিপ্লবের সময়েও রাজাব ্রীর:ক্ষ পুইশ্বলতীয় বৈন্ধণ প্রিদেব সহজ সহজ লোক ও বিজেচি ननाटक मृद्य निरुक्ता तरह । या पिवन **প্**নের বিদ্যেহি বৈন্যগ≎ সমান সংখ্∙ক ভ্ৰক্ত দৈন,দিধেৰ সম**ংক্তালাভ** থিতে পাৰে নাই। কেবল সাহস ও শিক্ষার কাজ হয়না, ভাল দেনাপতির ব্যো**জন∤ দৈনি ন বিজোহে আর** উভ্ন নোপতিখিলে না! যদি এরপ হইল, ৰন্মণ্ৰত কমাইলেই <del>যে বিছোহ</del> हेना इंटरन क्षर (वटजोहीय़ क्रुकार्य हा তে সমৰ্থ হইবে, দে সভাবনা অংপ। কৰে ভারতবর্গে পুলিম প্রহরীদিগকে रेश भगमा विदिश मर्वरूप पाड़ारे क **बडरकनी**। व्यञ्जदांशी स्त्राक **व्याटह,** ারা বে এককানেই বিজ্ঞোহী হইবে, ় সম্ভাৰিত নহে। হইলেও ৪০,০০০ দ্রাণীয় দৈন্য সহজে ইহাছিগকে দমন , রতে পারিবে। বেলওসে ও মূচন ছুক ছাত্ৰা স্বিদ্যে নাহায় লাভ द्य गटमहराहै। इदय कक्षिकमः श्रा ন্য রাখিয়াঝণ্যস্ত হওগাকেন গ প্ৰধান দেনাপতি ৰলেন, "১৮১১ ব্দ ভাতেবর্ষে ৮২,০০০ ইউরোপীয় नः विश्वा अभरत् ७५००० त्रवितारहा দ্রাহের পূর্বে ৪৫,০০০ ছিল।" কাগজে ••• हिल बर्छ, किश्व कार्मकाटन आध হালারের অধিক হইত না। ডিনি

আর এক স্থানে ধালগ্রাছেন "১৮৫৭ ছব্দে এতদেশীয়দিগের চরিজের যে পরিচয় পাওয়া গিয়াছে ভাষাতে ৬১,০০০ দৈন্য অধিক নয় ৷ শ ১৮-১৭ অক্টে জ্বাতি সাধারণ বিদ্রোহ হয়, প্রধান নেনাপতি ইতিহাস, ঘটনা, ও প্রণ্মেক্টের নিজের রিপো টের বিরুদ্ধে যদি এ কথা বলেন, ভাচা र रेटल ७১,००० टेमनाछ **अवास्ति नटर,** यनि क्विन निर्णाह विद्याह एत, अवर तम् বিদ্রেছের কেবল ভয় থাকে, তাহা হইলে ७১,००० श्रीरवाक्टनत्र स्थिक नटम र नाहै। প্রধান দেনাপতি এক জন রাজায়বিং िन (र ४८७८ हन, २७ करके अरहभ হটতে কৰ আলাৰ হ**ইতেছে ৷ গত বিজোচ,** হু র্ভিক, নত্ক প্রভৃতিতে কেন্দের দৌভাগ্য স্রোত বছল পরিমাণে রুদ্ধ করিয়াছে। এ অবকার কাপোনিক ভয়ে রাজ্যের অপ্রায় করাবে যুক্তিসিদ্ধ নয়, একথা ভাঁহার অপেকা কৈহই অধিক বুরিতে भातिरवन मा। लाहक वात्रश्रंत विलएक-ছেন এড रेमरमात अस्त्राचन नारे। अञ्जल **ছলে বিজোহের ভার ও অবিশ্বানে এজা** मिश्रत्क क्छे एए छ। किव्यकादत युक्तिन-क क व्हेटक भारत ? यम मक्टाव् वे डेटबा ণীর দৈন্য কমিলে **অসম্বতি দু**র হয়, এটা গবর্ণনেন্ট বুবেনে না কেন ? রাজস্ব প্রবাদীর উৎক্রই অবস্থায় গ্রন্থেটের সমুম ও ছায়িত্ব এবং প্রাথাদিসের নৌভাগ্য ও সন্তোধ নির্ভর করে। অভ-वर बाहाटड तमहे छेश्वर्ष माधिक हत, ভাহা করা যে অবিশক্তি ভাহা বলা বানুল্য। তিনি স্বাংই কহিয়াছেন, ১৮৬১ অবে be काळात के Beat श्रीत टेमना हिल. এখন ভাষার ২১ ছাজার কমিয়াছে। ইহাতে শকা জ্মিতেছে না, ক্রিড আর २) शकात क्यारिलरे य विद्यार प्रक्रिंश ভাহার প্রমাণ নাই । আমরা উপরে (रज़न धार्मान कतिया निनाम, खाशुटख ৰাস্তবিক সে ঘটনা হইকেও ভালিবারণ क्छेश्व स्ट्रेग्ड गटर्।

সর উইলিরম মানস্ফিল্ড আরু क विवदत्र भवर्गस्मान्छेत्र देशमिक ब्राइसी-ভির সমর্থন করিয়াছেন। **নাড়ে এখার**' কোটি টাকা সূত্ৰ বারিকের জন্য ৰায় করা হইবে। প্রধান দেনাপতি বলেন ৰারিকের প্রণালী উত্তম হইলে পীড়া অনেক কৰে, কলিকাভার ছুর্গ ভারার দুউাত্ত। কিন্তু তিনি স্বীকার করিরাছেন পেটमाबादत स्य अख शीका एत कावा वाजिटकत (संदिव नटस, नर्सना तनटक्टज থাকিতে হয় বলিয়া পীড়া অধিক হয়। गर চারল**স নেপিয়র যথন প্রধান সেনা**-পতি ছিলেন তখন বারিকের অংশ উচ্চ या मक्टलात व्यवाटकात कात्रग्रहा वटलन । नव व्डिट्डाच चनवायुत स्वाध स्वत, বাছারকণী মভা পরিকারের কথা ্বলেন। সর উইলিয়ম মানস্ফিল্ড রণ-ক্ষেত্র অপরিমিত পরিক্রমের উলেব করিতেছেন। কোন্ মত প্রাহা ? আবার मत व्यव माद्रका याहेटमा व्या आहे माटक এগার কোটি টাকা অপব্যয় বলিয়া সূত্রদ বারিক হইবে না ভাহার প্রতিভূ কি আছে ? কিছ যে মত আহা হউক, নকলে এक्वांका रहेबा अक्षी कांक क्रिट्ड-(६नः—मामिटनंत्र त्राजन कत्र २६-তেছে। সাধারণ অসম্ভোগ রাজধ সহজে वाहा स्ट्रेड्ड मा।

जामनी भवनिष्यकेटक व नाजनीजिन जेर व नावन कि कि व नावन कि कि व नावनिष्य के वि व नावनिष्य के व नावनिष्य के वि व नावनिष्य के नावनिष्य के व नावनिष्य के व नावनिष्य के व नावनिष्य के व नावनिष्य के नावनिष्य

श्ववान् वाकियात्वरे मुक्तक सरेवा ইনাৰ হতিকণীড়িতের সাহায্যান pa, এই অভিপ্রানে ভারতবর্ষের প্র-(समद्रम मन सन महत्रम पन्न ७०) তে থাকিয়া টাউমহলে সভা করিয়া । সহজ্ঞ টাকা স্বাক্তর করেন। আন্তঃ হিবন এই একটা মহৎ দুউাত বৰ্ণন বুরাহিনাম। সম্রতি আজিন্যক্ষের

म् पृक्षेष क्षण्यम् क्षित्रीत्वन । जिनि াপনার জমীদারীতে গিরা প্রজাপনকে াহ্যান করিয়া এক এডা করেন। সেই ভার ৰে টাকা নংগুহীত হর,ভাহা ধাস্থানে প্রেরিড হইরাছে। পাঠকণণ এরিত ভ্লে ইহার সবিভার রভাত র্ণন করিবেন। শুনিলান, ডিনি নিজেও ারো টাকা বিধেন সংকণ্ণ করিয়া हम । यदि व्यवा व्यवा व्यवीशांत अहे कोटलत चम्नत्रन कतिता कार्या कटतम, ারভবর্ষে এরোজনাগুরুপ অর্থ সংগ্রহ ওয়া হ্রত হয় না। ভারতবর্ষেই এ र्व नर्धाः कतिएक स्टेर्स । देरलए शिक्षनाटकत्र चाचा नारे। ट्रिकेटन-কটারি লিখিরাছেন, নেখানেও অরক্ট পশ্বিত। ভারতবর্ষেই আবশ্যক অর্থ ९ अप कड़िएछ स्टेटर यथन फिन्न स्टेन, ধেন ভারতবরীয় ক্ষতাবন্ ও ঐপর্য ান ব্যক্তিদিৰের খনপতি নিংহ বাহা-एतत्र टार्शर्मक नथ व्यवनदन स्त्राहे র্বব্য। এতকারা সহকে সম্বিক ক্লডা-ভোলাভের সম্ভাবনা আছে। উপসং-श्रकारन वक्कवा वह, त्रवर्गमण गमविक শ্বাননা করিয়া ধনপতি নিংখ বাংলৈ-রের সমুশ ব্যক্তিবিধের ব্যবিক উৎসাহ क्षिम कक्षम । सर्ग्रमके यस देशमार क्षित्र करिएकम, छठहे किन मिन मुख्य অৰ বৰণতি নিংক বাহাত্ৰ আমাৰি-

अत्र स्थासनाटय व्यवसीर्ग स्हेटवन।

**क्षित्रहाडिक् मध्यामहाला निर्दि** वर्द्धन ।

১। আনরা দেখিয়া বিশ্রিত হ পুরস্থ এক অব বিচারক গাড়া করিছ মার্চ . Jalia Papia श्र्यम अकृति क्रिया किरमञ्जू WHEN CHAINS নাদে ভৱাৰ**ে** ्रेनिविद्या विष्युद्धन । গুৰিলাৰ ডিকি .. विकागुरत छेनविष न्ट्य । मटब्र ्रतीनिका ३०।३६ 🏿 प्राप्त ্মিনিভেই ইভিপুর্মে কোন জিপিত্রিকা সন্পাদক পর্ববেউকে সক্ষরত वेहाब्रामञ्ज्ञकतिह समा अक धन फ्यांवरायक बंदुक्क क्रिएक विश्वाकिरमन्। अवर्गस्य हेर ave विरक्ष मरनारवान विश्वाम करा कर्बना।

২। আমরা আকাষিত হইলাম, কীর্ত্তবাদা প্রানে ডক্সডা কভিপর ব্যক্তির ঐকাভিক বর a অধ্য হসায়ে তথায় " ক্ষান প্রভাবিকাশিনী <sup>ক</sup> নাম্ম একটা সভা প্রতিষ্টিত হইরাছে। কীর্তিবা দার প্রধান ধনী সৃষ্ট রাজভুষার বাবুব পুত্র বাবু প্রসম্ভার রায় মহাধরই না কি সভাতাগনের श्रदाम केरमानी।

 अधिनद्र प्रशिक्ष प्रदेश श्रकान कति ভেছি, কভিণর বিষস হইল, মনমগঞ্জ বন্দরে व्यक्ति काश्च रहेवां जिल्लाहरू । वक्तरतत काल ००० भक्त बर्द्ध इत १८ अस बाना देहेकांनत अवर श्राप्त ३२। ३६ शक्षात्र ग्रेकात प्रया कन्ती-कुछ व्हेन्नाट्य। सक्षा बाव्यवत नहान वक्षत्र फिन দিবস পর্বাস্ত অলিয়াছিল। ঘটনাট বিভাস্ত শোচনীয় ।

৪। এক জন বুসলনানের সহিত ভক্তাতীয় कान अन्त्री कमहार विवादश अखाव रहा। विवा হের পূর্ব্য দিবস কম্যাকর্ডা পাত্রী নইয়া পাত্রের ৰাজী ৰাইডেভিল, ইত্যবসত্তে পৰিষ্ধ্যে অপর अक विवाहाची पूजनवाम वस्तृर्वक क्लामित्क কাড়িয়া লইয়া বায়। ৩ বিন ৭টো পুলিব কন্যা-ষ্ঠিকে মুক্ত করিয়াছে। অপহরণকারীর বিচার কর্মব্য পরায়ণ ও সুনিক্ষিত লোকনিবক जशाणि इप्रमादे।

চাকান্থ সংবাদদাতা লিখিনাছেনঃ— মহা ভদ্মগণ আগন আগন মুক্রমনিভ শান্তিভোগ করিয়া পুনর্কার ঐরণ অন্যার कारण मिश्र ना स्त्र, अहे केटकटनाई जानांद्रत्व श्रकाहिरेख्यी अवर्गरमके विविध मास्त्रित निवय বিধান করিয়ালের। কিন্ত এডআরা বলি কোন টুপকার মা দর্শিল, তবে উহা থাকার ফল কি 🏱 শাসরা অবেক ছালে এডাক্ক করিয়াছি, বাহারা বিক ইয়া আমিতে পারিয়া কে সাহেইব

কোৰ ৰূপ কান্ত করিয়া একবার বওটোগ কবি-রাছে, ভাহারা পুনর্কার অন্য কোন প্রতিত কর্ণ করিয়াও শান্তি প্রাপু হইরা থাকে। বে সগা সমুগ **অভ্**র কারামান্তি অবস্থিতি করিন সং ক্রোপ্ত করিয়া বাকে, ভাছানিসের প্রার ক্রথি কাংশ লোকের বভাষই নিভাত সুবিত থাকিয় ষার, সংশোষিত হইতে দেখা বার না। ছাতরা কারাখন হইতে বিষ্ক হইলেও পুনবায় কর ট' কর্মে নিযুক্ত হয়। ইহার কারণ কি? জাম বিবেচনা করিয়া দেখিয়াছি সমুপ্রেশের জঠা ৰেই ঐ সকল কাৰ্ব্য সংঘটিত হইয়া খাকে ৷ খা কারাগার নিবস্ক করেনী উগকে নানারপ উপদে প্রদান করিয়া ভাষাদিলের সভাব সংগোধনে চেষ্টা না করা খার ভাষা হইলে কথনও উচ্ছে বিষয় স্থাসিক ক্টডে পারিবে না। 'অভএব আ ম্লা দ্যাবান ভারতব্বীয় গ্রথ্যেট স্মীপে সং बरम् आर्थना कतिएक्डि, यथि कवानर्यन्त्र म्हा क्रम वर्षमा वेन्हा वह अवर मिन मर्गः पह ভঙ্গর জনিক ভর নিবারণ করিয়া শান্তি স্থাপ ক্রিডে বাসনা হয় ভবে প্রভ্যেক স্থানের স্কে थामात्र करप्रशीवेशतक छेलाः व श्रवान करि ভাহাদের ছঃখভাব শোধন ভন্য এক এক ব সঞ্চয়িত্র সাধু ব্যক্তিকে উপদেশকরণে সিযু করুন। এডঝারা লে:চেক্ত বেষন চরিত্র বে विश्व क्ट्रेटन, त्यमन भागात ७९ मटक मान ना একার বিশুদ্ধ প্রথ এবাংও এবাধিত ধ্র नद्रक्ष सारे ।

উপরে যে বিষয়ের উল্লেখ করা গেল, জা त्वय अवर्थस्य के किया है सामित्र कर माहे। श्राप्ताक व्यवस्थानात्र अक अक्रकन है (मको ब्राविद्यारहन वर्षे कि**छ कार्**वं) किङ्के र ডেছে না। আননা বধন ইংগৰ প্ৰভূত কারণ গ সন্ধান করিছে পরুস্ত হই তথন উপদেষ্টাদিং क्षेत्ररूपं विवरत् क्षेत्ररवारयोत्रं, कारहमा ७ । লগ্য প্ৰভৃতিই কাৰণ বলিয়া বোধ হয়। অত कार्र्स नियुक्त कहा भारतः कर्वतः कर्षः तः ৰাই ঃ

২। অত্ৰতঃ আইট নাজিটেট জীযুক্ত সাহেৰ নানাত্ৰণ অন্যায় কাজ করিয়া সো অভিনয় ষ্ইডেছেন। ডিনি অনৰ্থ এক এক জ অপ্রানিত করিয়া খাকেন। বে দিন এক (बा**क्षावटक व्यव**ाच व्यवस्थ कर्नारक केसः **ভার ভাষার বাম চানির দাবীতে উজুত্ব** বি क्षत्र मिन्डे अजिर्गाश कर्दम । माथास्त्र কাতের সভ্যাপভ্যভা প্রমাণার মনোবোরী ব্র 1 F431E

७। असान (शक्क क्यू क्रिया गरेपा पण्डे षारभागन स्हेउएरकः मर्थः मर्थः आधरे कर aक्त्री घेष्टिक क्हेब्रा चाटक। खाहाएक क्लॉन কান পৰিচিত ব্যক্তির আত্মান্য কি আবিছু ড ন্তঃ আন্ত্ৰলে কভিগর বিকা ব্যক্তি এভবি যৌ হাতিয়া পরিয়াকেন।

 8 । अवाद काका कार्माक्त प्रक देवाणि क्षा रहित्करक मा। ख्यायाय अश्वक्य हाज ব্.৫, পরীকা দিতে বাইয়া জন্মধ্যে ইয়টী চাক্স উত্তৰিক্ট্যাহেন এবং চলি ছাত্ৰ এন এ, পরীকা দলা উভয়েই উভীন হইয়াহেন। নি**ভাত সু**থের

 क्षण किन योवर क्यांन क्रांत्र वह গ্ৰন্থ কিবা ক ইজেছে।

🔸 লে'মানেধের স্বর্কাথীন মহাবার পী– ভুক্ত হইরা ভিল্প খ্যা বিধার একৰ করিয়া-ছন। কেনে ব,জি ডৎপদে নিশুক্র হইরা সাহার ণ্ট, নিৰ্দাহ করিবেৰ ছাহা নিশ্চয়রূপে জা-হৈতে পারি নাই।

৭ । প্রতি বংশ্বই এবানে কাত্রন্মদের **९८५ प**्रेत क्रय हरूता श्रीका । अ वर्षक क न-বে অন্নির বড় প্রায়র্ভাব গেব। বাইভেছে।

৮। অত্তত্ত হিন্দুখন্মসঞ্চিৰী সম্বাধ ক্ৰেম্বলঃ **হ'ভ দেখা বাইভেচে। ত্রিপুলার প্রাঞ্চা বীব** क्ष राशहत देशंत धारायकारम मरमारयाणी 📳 সম্প্রতি জী সমাধ্যে সাজ লাজ টাকা দান RESTER I

 का सूची अदस्त्र नाएगन अध्यक्त विकासभूत সিদিসের আছু, শব্দানন জন্য তথার মিউ-নিশাল সংক্রাম্ভ ক:১৮৭৪ 😿 🗦 রব প্রচার করি 🚶 ছেন। বাহায়। ঐস্তল নিয়মের অন্যথারের বুবে ভাহাদিগকে উপযুক্ত শা<sup>দি</sup>ত প্রদান করি s ৰভিপ্ৰায়ত ব্যক্ত ক.উন্নাহেন i প্ৰায়ন্থ ভা**কি** । ঐ সকল নিয়ম প'দানে যে গনে।যোগী হইকে ষাদের এমত করনা হট:তড়ে বা ।

अविष्य कर्जुनक नवस्त्र नगरम किंद्र ष क्रेण फोरम्भ क्षकांत्र कितिया बारकम। मि া এই আদেশ আগিয়া'রূল, অন্তন্ত, নাজির <u>इ.स. बङ्कार</u> कावता कान्य विषय <del>क्या</del> कहि इ। किम क्यिनस्य त∙रश्दर **প**ञ्चाङ्गास्त ার কার্যান লাগে বিখয়ে অভ্যন্ত বিরক্ত হই भाषात्र्व यक्तल शहरहरः अहल सर्वात्रः ন্ত্ৰে, বহু বহু প্ৰবামী 😘 বিনাম<sup>্চ</sup>াৰবয়ের গোল 📗

विकृष्टिश, अवर्षाय हे चारतम क.ब्रग्नार्थन क्लक्क वक्ष्याँक इन्नेबारमत्र माजिए ह भए। वहनी कहा (有可)%

क्षित रहेन, जजना व्यवसाय करवक समें विशेष अवस्थित हरेगा अने सम वत्रकमाभएक भूग र

# বিবিধ সংশ

Pr 4 PIST (AMERI)

बक्रारकीय अध्यानक प्रकार में कि स्वर्ध क्ता रहेबाद्ध । देशव উद्याना এই आतिम विवेदी শব্দাৰ ছেপুটা কালেক্ট্রদিরোর বিচারের জাপীন कारम हेर्द्रव कथका मन्त्रब एडभुक्ति कारम हेन्द्रभन वन कविएक भाः एतव । बाक्षिक्किः विराध हर <u>।</u> य क्षकाव कार्व कार्व कार्य कार्य कार्य व्यवनाक। क्रिष्ठ अवस्य प्राम सालीमध्यनमाही ⊤ণুটা ক'লেইরের সহিত প্রথম .ড্পুটা কালে <sup>২</sup>-्रव त्यव भागछि यत्र-वः स्त्र ।

বোধাইরে একটা সামাজিক বিজ্ঞান সক হইতেছে। *দেশের* বে অবস্থা ভারতে একটি গালা টক বিজ্ঞান সভার সকল স্থানের সং निवृक्त करा कर्तक,। ८ म ७ द्र बाहा व्यवस्थित ३० পুষ্ঠাজবানীর সহিত সংগ্রক হইবা। সমঞ্ মধ্যে মধ্যে ভিত্র ভিত্র স্থানে ডাললে কাজ क्ट्रेंट ।

व्यायाकेरत्रत अभ्यानि नश्वान्त्रज अर्फन হইডে জনহৰে সংখ্যা পাইছ হেন ডাক্সৰ লিবি-**०८टेश २७ व्हेग्राटक्ष्य । किन्न व्यक्त** विस व्हेन ডংগ্রেরডপত্র সকল আসিয়াছে। অভএব निक्ध प्रशासमा भाषेत्य क प्रश्ना प्रष्टा बनिवः

भाषात्म्वत निश्च निरशनत्त्रतः व्यथःक फ्रांकत कारतकत्रक श्रीत स्थात वक्रमा ७ देखन न मध्या ঞ্চলৰ দিয় ভিন্ন দিয়াদ বস্তা মূৰ্ণনাৰ্গ প্ৰেরিড स्म । कि स क्षप्रभुद्ध श्रम्म क्षारिक त्राक्षा सीहारक আপন রাজ্যে এক শিল্পনিয়ালয় স্থাপ্তিত করি वाञ्च ज्ञाहरताच करतम । अहे विन्तानक भेषा स्था-পিত হইবে। ডাক্সর ক্টাব রাজাকে এক পত্র जिल्ला अभावेतारका अप्रभुद्ध कीरमत कृषिका आद्य देश थारा केवन नामन हरेरक भारत । ক্ষরতা কমিজ প্রবাত প্রচুয়। ইবা সাজীত ক্রিব্র रह शकुष्टिक केंचन स्देश शास्त्र । विक्रविद्यानक रहेटन बाज्यान नवर्गदनने काशह माशबा कति (बर । किन्द फोलान व् होत्र आर्थना क्टन कान्ट्र पर्न (क मेर्ड) के विकास को क्योद तम भवास है कि मकत केंद्रव अवर आदि साथ विका सामा क्षति को के वाक्षण के देशक वाशिएवर को । याक वाक्षण का प्रकार कर है को करता, व्यक्षण होता है जो

ংকল বিদ্যালয়, চিকিৎসালয় এড়ডি ডালি করিয়াছেন ভারিনিভ উচ্চায় বিশেষ প্রশংস <sup>ক্</sup>রা হইরাছে। রাজার এসকল চেটা স্মা ভাশংসনীয়। জিবাস্থয়, ক্ষোজি, জয়পুর ঞ্জুই অসপন করিভেছে এভাছেনীয় ছাত্মন উৎসা प्रावेश्य केवम्बर्ग नामन कवित्व गारान, न र्दमित्र नरश्ला कश्नक मा।

**कर**्टच वाका जन कारनंकेत्रक ची শক্তের জী শিক্ষাপ্রধানীর উন্নতি হেড় আজা ≻রেব : ক্**ত ভীত নিকট হতপ্রাতে ভিনি ভা**য हिंद कुरिएक भारत मारे।

सर (दयन्ते क स्वास्था के स्वास्था के स्वास्था करें करें इंड डेका खान दर मन देशका कर्का विट्याहरू कृत्तर भाष्ठ करा ह है।का बाद्ध शव (ह्व हे बहैत्व कार प्रदेशका क्या बढेडा अवनः क्षत नांत्र भाष इट्टा विकास कारोन्स कारोन्स स দেশিয়া ভাক্তেছেন না :

**चार्यस्थीत मच्छात शक्ष चान्यस्य विरा** পাসি সাহেৰ দ্বিদ্ৰখাৱী লাইসেজ বিলের স্থানি কার এক অঞ্চ রুদ্ধি করিয়াছেন : ১০ -০০ টাব गर्व**,क केंद्र** मरबार बड़ा एक, स्ट्रांब गर २० जेका **दिव देव । ১०,००० व्हेटफ** २८,००० शह .खत e - • होका क्य थार्चः हरेबार्ट्ड । आरी লালেইরের পদ পর্বন্তেব লোক:দ্রিরের ক रदेवारका अदे वियम रावज्ञां पर मुका वि वर्षिक्य क वेत्रारक्षम ।

(वाबाईद्रात कुरुव भीगंग ककी ठाउँ क्याद्र यन मारेयह किन्द्राह्मक मार्ट्स २७ च हरू हात्व छेन। एक व्हेबाट्डम । गः वाहिले चया क है बाई फालकार्य करीय कटका

অলেগের ১৫ ই পর্যান্ত মহর্ব জেনারল সি व्हित्र भवन क्रिट्यम । त्वाक क्टर्स ७ क्रिक्ट 'पूर्व भिजादक्त ।

ইংলিপ্ৰাম বলেন "ভানতৰ্বের ক্তঃ ্থবি সন্ধার করেক বংগরার্থ উপহাসাক্ষ प्रेमारमन । देशका शक्ति जीवकारम देशमर বাইবার ইন্ছা প্রকাশ করেন, কিন্ত ঐন্ম জাসিব পাত্র বে ইন্ছা পরিত্যক হয়। <sup>ত</sup>ুমুরবিদাবারে দৰাৰ অনেক্ষৰার এই ইন্ডা কৰিয়া জনাম করিছ क्रम । पूर्वारमञ्ज्ञ स्वशरक्ष होत्तं हुव्यक्षे दूवर्वे ब्राह्मक नर्वाक काका केदिहा ८५८४ कवि अह केटल्य । फड़फर्नुदिय प्राच्या द्वापना के स्था त्यार muigend wateren beite vita tittis be क्राहित क्षिप्राटक्ष्म । "अक्षति वर्षनितिक्षित्रहरू हाथ बर्ड क्रिय मेहियांचे वर्षे देश्यरक बादेवां ক্ষিয়ে এক প্রতি বালী হয়, যে হরিণ্ডক্র বুংগা ক্ষুয়াব্যায় সমস্য উদ্যোগ করিয়া ও এই ইন্ছা ক্ষুয়ার করিতে বাবিভাহন।

श्री अस वृक्ष्णिकाय स्वर्थि हैर नित्रप्राप्त नाहे-तम हैएका विक्रम विश्वत नाम श्री कर्णाण वह स्टिस् । हेक्स्टापीय नवाम स्व हेश्या निव्रक हहेबाइन काश न्या श्री श्री नाहे स्वर्धित स्वर्धित क्रिक स्वर्धित मध्य स्व निव्य स्थानम स्वर्धित स्व

मार्क महाम्कात स्व'मक (क व म्माम मार्क नाड कान वातन्त किकाम करून, है-करनत प्रक्रिक स्माप्त के निर्देश कि (भर्टक प्रति बर्मन (य व जारन केन्नप्त न स्वेद्रा'क काहा वाकी व जात (कीन सारन कहें नाई। कि-वाड मार्क्ट्रन श्रीक काववार मार्क कान (वारन यान्त्राहिन प्रतिक काववार मार्क क्रियन निष्ठक स्वत्राहिन प्रतिक काववार मार्क क्रियन निष्ठक स्वत्राहिन वाही मार्क्ट्र क्रियम्ब को मार्क श्रीक महत्रा महामकाम विरम्प कार्यमान्त्र महाक्रिक कहत्रा महामकाम विरम्प कार्यमान्त्र महाक्रिक सहत्रा महामकाम विरम्प कार्यमान्त्र महाक्रिक सहत्रा महामकाम विरम्प कार्यमान्त्र

ংঠ এ কাছন মলস্বার।

त्राच्या अहर अपूर्व नियमि वच के का का

গুড়ি সমূক (5) £ 何樂學 त्रशास्त्रव २०००)२१४०/३० २१,६७,००० कानीत २,००० ३३००१० २० ००,००० सर्वेद (सनदूर पाम्यः ।वेद्वाद्वरून (काल्यः) क्रिन ब्याधानाटक करनद्र जिल्ली इंटरन खास এওপেশীর প্রকারণে জারি হইছে পারিবেং াত্রনীর সহিলোধরের নহস দিয়া প্রশংসক্রের वि ३८० चार्यनम् स इत्य खाहा बाह्यकत्रा स्ट्रेट्स পূৰ্বে কোন প্ৰথা খাসুক না কেন, সভাৰায় ইহা একণে আবদ,ক কণে।ইউরোপীর ভাতির প্রপার এপ্রকাব নিয়ম আছে, অভ এব এখানে भा वहीत (क्य जायत्र) छ।वात (काम कार्य (क्-बिएकाई मा । किंद्र भाग । भग्ना कृति अठएम-শুকু রাজ্য সমূহের আলালতের ডিক্রী থেন क्षेत्र क्षा का वर्ष व्यवस्था का विकास इते। कुनम्भान्त शहेदा क्यमाई वा हेदा वक्षमा व्हर्फ भारत मा ।

মুক্তির বিধ্যাত সিশ্বরী ডাক্তর মাডকদে, মুকুঃ হইর:৫৪।

विश्वास्था । १ वन वर्षान वात्रामहस्त वास्य (के किन्न । १ वाह्य व्याप्त स्थाप स्थाप के स्थाप भारत्या के वह । वाह्य स्थाप स्थाप सामा अकृषि के वह स्व । वस्य स्व । वस्य स्व

বৰ্মদান উল ভ প্ৰধানতঃ উ'হাব চেষ্টাৰ্য্ (BCB : " क्षेत्र " म'रहरवर मात्र मा अक्षितम अवष्ठ ,लाक नावे > अवर कि शुक्रव, कि 🗒 प्रशास कि इस कि निश्व (करहे हिं<u>ड क्रिकेट</u> स्विकेट किरमस वा । मुख्य<u>ा सम</u>द्भारत रहें े ने बे बासक ् रहतु देश नारश्यम 4'D SA F क्षेत्र महिष्ठ श्वादबाव 28'8 18 TER আন্তবর্ জাবি क्रिक्ना (तर्वेषक वाहान:कड क्षारक्रा ণক মঞ্জু কাইরা জাঁহ'কে কোন স্মান্ধার্ম চিয় नेएड मन्द्रे कातेब्राक्यः अस स्वितात मञ्ज रहेश किन में भग केटिशाइ : कालानपुक्क केंद्र-তের ভারণাজ চার্ন বাংক্র স্থাবা হয়। প্রথম কৃষ্ বন মিক্স.ই-নিপ্তাৰভয়ার কবিয়াণ্ডন ৷ বিভীয় ট্রে रह मार्ट्य देशि काल्यवर्ष कर्मक कहिरमा । क् তীয় শ্যায়ীয়ন্ত্ৰৰ সমুকার, ই'ন অন্য কাঞ্চে ব্যস্ত देशिक्षित्र बर्धा अञ्चल कीन्स्यंत्र क्या हरित्र क ८३म । देशेन मार्चा मा शाहेरन 👸 वह मारहरू কোন ভাজ ভরিতে পারিভেন না। এই ব্যঞ্জ काजीकुक विक्राः वाराजस्थ्य (कारकत्रा हेव्हाटर বেন কৰন বিস্পুত না হয়।

আৰম্ভ ইতে। ইউবোপীয় কলেপ্যতে ই লগম কবিলাস সম্ভাতি কয়েকজন নদকে এব-করিবার সময়ে সম্ভান করেকোর কন্যাপন উপ স্থিত ছিলেন, এবং সমস্ভোচিত সম্ভান ও তাকি প্রদর্শন করিয়া জনেন। কাথ লক সম্ভোগ্যে ক্রমণ্য পুনং প্রায়ন্ত্রির স্ইতেছে এটি কি ভাষ্য । চিন্তু ?

আময়া উক্তপত্তে দেবিলাম পোপ নৰম পাছনের নিজবার সরশ প্রতাহ আকাই চাকা আন্ত বার, পোপের অবশিষ্ঠ আর কেবল রাজবা ও ধর্ম কার্বেই ব্যবিত হইরা বাকে। এটি আন্ত ব্যের ও প্রসংসার বিষয় সংক্ষে নাই।

७ - अ मास्त्र पूरवांद्र ।

व्य संस् १६० वर्षत्र (स्वतरमत स्थे निः स्टब्स कतिएस्ट्रम् । किलान मःद्व कात्रम्यः सारम् त्रित्सके स्ट्रेस्स्य । स्वेत्रम् सम्बद्धाः स्ट्राप्तात्र त्रास्य मरकास कामम-प्रदर्भत्रः अप्रस्थरित स्थान क्षिमम्द्रस्य श्रम् (स्वत्रा १६८व । क्रिलाम मारम्य स्थिमम्द्रस्य श्रम् स्थान्तः प्रस्थान्ता साराहरूत्व ।

খনিকার চা-করেরা সংগ্র ক্ষেরলের সহিত সাক্ষাৎ করিয়া আগনাদিগের কটেও বিষয় লোকাম। চার চাবের বর্তবান হবক্যা গোচ-নীয় সংক্র বাই। কুলির উপরে অভাচাতের

मिनाबन मा वरेटन छैराई श्रुविना प्रदात ज्ञान

हेश्मित्रमान व्यवैष कडिशाटाम, सम्बद्ध हीय वरना वरण व्यवैषयता कडिशाड कमः कार्यक्रे केर् जन्मन कडिण कडिटा गारेरकरकाः

উক্ত পত্র ইংলার হইতে সংখ্যা পাইয়াত্রে, মহারাল হোলভার করেরকান শতিক্তকে
ইংলতে আগনার কোন কার্ট্যে নিমিত্ব প্রের্থ
করিখন । ইহাতে লাতিনাল হইসে কি জা
ভারে বিষেষনার্থ সম্রেতি এক সভা হইরা
সিধার হইরাকে, পতিতগণ নিজের কালে গেলে
পাতত হইতেন। কির রাজকার্ত্যে হা ইতেহেন,
অতএব লে যোর স্পানিতেহে মা। এটি অভ গ্রন্থতিত ও পরিলোধিত হয়, এই আলাহিলের
ক্রিটিত ও পরিলোধিত হয়, এই আলাহিলের
ইক্ষা।

ভারিক ক্ষিণ্যার মনোনি সাহেব টেলিপ্রাম্ব মরিরান্ত্রন কেন্দ্রমারি পর্বান্ত উৎকলে তিন লক্ষ্ণ মন চাউল নিয়াতে এবং মাজভার আজকর মারা বাধা ২২লাতে। গালাম হইতে চাউল আসিকেছে। গুরুলাত ও স্থলপুরের ছাউল নিয়ারল সভা বলেন তথার কই ক্ষিয়াতে, ইহার বুজি লুই হর না। কটকে চাউল ও ডাইল অপে আরুত করা হইরাছে। জীলোক্ষিপকে মুলা কার্য়িতে তেওয়া হইতেছে। ভর্মাক্ষিপকে মুলানার পর্যায় কার্যতে হর এবং স্থানে স্থানে স্থান করিয়া কাল্প ও সাহাত্য কেওয়া হইতেছে। বালে হবেব মাজিকেটের জী বিনি মগুলাত মুয়ার পরি গের সাহাত্য সন্ধিরা রমনী অন্ত্রনত মুয়ার পরি হর জনাম করিতেহেন। অন্তের সভা উহিত্য সাহাত্য সিনার সাহাত্য সভা উহিত্য

্ৰেণ্ডৰ,শ্বি নিকটবন্তা কয়েকটা প্ৰানে অধি শব্ধ নাবী গ্ৰন্থ চইয়াছে। প্ৰজন্ম ১০। ১২ জনের মুকু; ২ইডেচে।

भवर्षकार इसकार काळा त्यात माध्यवार त्रियात्वम किलि जनत हो छात्र विद्यप्तर काङ्गी द अस, महेत्रा भारती क्रियादम । काङ्गी अ भारत्व क्रम क्या वहेट्य ।

व्यानको प्रश्वित इहेनाम व्यानिकास स मका लाक मध्यक प्रति स्वत्र मध्याक्रिका देश एवा मगाप्र म्या निर्म व्यक्ति देश इस पश्चित कार्या व्यक्ति स्वत्र व्यक्ति व्यक्ति इस । कीर्यनिकास मध्य स्ट्राक्ष्म क्ष्मिं।

खनिवारक समस्य हामानेवास्त्रास्त्रके है। सम देशनिक निजालिक क्षिक्त हैं हैं। सि (२७२ (२७३) १६(४) । १९१८७ रेगन्त्रभव आध-क'र्ध्य भगद्र भश्यको स्टब्स (२०६३) त्रका त्रिक्त कक्षण, त्रक्षणभी (२०११ भद्र १७ मार्थाक्षक विकर्ष आस्टब्स कद्रम । (।मार्थाक क्ष्युसम्बद्ध स्टब्स् अस्टब्स कद्रम । (।मार्थाक क्ष्युसम्बद्ध स्टब्स्

# ১ লা চৈত্ৰ বৃহস্পতিবাৰ।

ह इक्ष द्वित भागमकर्का अक्ष भाग भीक श्रृतित सक्षी व्यक्ति । त्रवर्षक्र के क्षेत्रक्ष सम्बद्ध कार्यन । किया निश्वतम्बद्ध शिवसम्बद्धित्वर एके स्ट्रिस स्ट्रिक भारतः ।

া বছাতা অভিনেধা অস্কান্তকের পদ ইনাইয়া অথবা বেতন কলইয়া নিতে অসমত ক্ইনাছেন। ইবহাটন সাহেব বলেন, বেতন কলা ইতে হইলে সভাপতির বেতন আরে কনান উচিত। হল সাহেব ভাষাতে নিজ সমতি প্রকাশ করেন। পরিশেষে কেন্দ ছিল সেইপ্রকার সকল বিষয় যাখাই কির হইল। ক্লিকাডার ষ্ঠ্যান অবস্থায় সাস্থ্য রক্ষণের পদ ভবাবভাগ, এখন ওড়াইসিয়ারের কালেই অধিক। ভাক্তব ইন্সার উপযুক্ত লোক সন্দেহ্ নাই, কিন্তু তিনি এ পর্যন্ত যাস্বভীয় নাটান পাবভুত করিতে পানিলেন না। পটোলভালার নিকটম্ব নন্ত চন্ত্রাপাধ্যায়ের গলির ভিত্তে বে মর্চামা আছে ভাষা দশন কারলে ভাজা উন্তয়া যায়।

দিনীর উদ্ধেদের পরাং বর্ণনে ট বে সকস হস্ত লিখিক একেই ছাল পুথাক তথায় ক্রয় করেন ভাগা একর চেল গৃহে নীলামে বিক্রীত হট-ভোগে একাল চিক্র লালিকার প্রেরণ করা উচিত ছিল। এপ্রকাবে পুস্তক বিক্রয় করা গব বিমন্টের পদের অবোগা কারা।

বোধাই গৰগ্যেত বৈ এক নিজেলা উদ্যাস করেন, ভাষাতে উত্তম বৃক্ষ হত্যাতে আর একট উদ্যান করা হইকেছে। তথার চা হয় কি না এ চেষ্টা পাওয়া ক্টবে।

कर्मन क्यांत्र अकक'ता अक्यांतरणत्र अधान क्यांत्रमध्य प्रभावताच कवित्रात्वन । क्यांत्र क्यांत्रा क्याः कानकाकात्र कार्यन, क्यांत्रमञ्ज्ञ द्रश्यंत्र विवय अवक मानवक्षीत्र वर्षात्रिक शूत्रकात्र इतेक्टरू ना ।

१४-७२ १५७ व्यक्त (विशेष सहस्र साम्) ४, ११.०३२ हे कि दाल वज्ञ, देशंत साम् व्यक्ति-भूग ७ ७१.३४० हे कि कतिमन चत्रन सहस्र साम । काम पहिरोप कन्य ५००० हे कि क्षेत्र इत्योद्य ।

८ वर्धकेत्रामधानी पर ावजीत अस्ट प्रनीत

বলিকেবা বদনেরা পর্যন্ত এক শাখা রেলওরে
করিবার সানস করিরাজেন। তত্তত্য ডেপুট করি
সনর ও তুলার বণিক নিকল কোম্পানি কারাজি
গবেটেকাটার বিভেক্তেন। এলেনীর বণিকলিগের
ব'রা এ সক্ষ্রিকাল হয়, এট প্রার্থনীয়। কিও
সভ্ত সর্বাদিন ক্ষরতাল
বিশ্বনি ক্রিকালিক ক্রিকালির এখন
কোন তানে বিপ্রায় ক্রিকালিক হয়। কোন
বিশ্বনি করিতে পারেন
যায় ভারতবর্ষপ্রধানক ক্রিকালের বোধনা

মধ্য ভারতবংশরপ্রধানত বিবিধানর বোষণা করিয়াছেন, বাজ কাবখানা, ভূমেনার বিবিধান বহু বহু বা উত্তম আজ্ঞা সহুরাছে।

व शतिकन रेकेता भिन्न वाश्वारेता हरे कन मांकाशितक वध करन, 5 मां मार्क काश्वारिकत काभी सरेवाक। 5500 क्या क्यांचि श्वारेत रेकेता भीति मांची राम नारे। अक्या रेकेता भीत काचीत ममस्त के क्यांचि स्रेश र निवारिक, मांचीत ममस्त के क्यांचि स्रेश र निवारिक, मांचीत काश्विरता काची शिर्म, काल रेके-वाभीता काची अक्यांचिता रुख क्यांचि काला कावादिता क्यांचि स्थान क्यांचिता

ইতিয়ান প্ৰলিক ওপিনিয়ন বলেন, কাণ্ডেন নিঞ্চিম ও কোড় লাহেৰ ভাওলপুৰের শাসন উত্তৰ ক্লপে করিভেছেন : বর্জখান বর্ষে 🕶 রের **अध्यक कात्र शहरद ना । (मञ्जानी काहेन कन्न** गारव सक्त्रमा इहेर्द, किन्न चाहेन चडिन नरह । পুলিৰ প্ৰশালী উত্তৰ টুইডেছে ৷ কাণ্ডেৰ কিছ াদ্রের জন্য ভূমির বিশোবস্ত করিতেহেন। গড वर्ग्यामा 🗢 कृष्णमारामम् ममस्य (व मक्न कृषक भनामस्य क्टर कांश्रेश म्हल महल अक्रान्यव ্করিডেছে। <del>ডাওলপুরে বাংসরিক আর ১</del>৯,-১৩৪৯৫ টাকা। লাভ ভেলহাউসি যদি রাজনীতি नवृद्ध अरमभीवनिरंधन यह मान ना अहिरजन ভাষা হইলে অবোধ্যা ও নাগপুরের ভৈ বিধ্যবং-শীরর তাঁহার সমানার্থ যদির ছিতেন। রাজ নীতি নৰবীয় বাধীনতায় কতি কিছুতেই প্ৰয়ণ ক্রিডে পারে না 🕧

उक्त नाम द्वानशिक थाँ विकास है। नाम भूजकार्थी व्हेंद्रा भूमा मिएक चाहे एक्ट इहाविटशव मट्डा कात्म किविधि ही लाक मार्क । किविधे हैंद्रा शहर बामाना वाहिट्य हैर-बाकी बरनन । देकेटबाभीत यह देकेटबाभीत देख सन किक अक्टरम्मीत चीनाह्मक व्यवसाद करतन । हैमारा द्वार्मन दिविद्या निम्न (क्विय हैहेटबामीज मिटशब कर्मन श्रम्म करतन । देशविद्याद नामा

## २ ता देइज शक्क बात्र।

বসদেশীর বাংক্ষের অধ্যক্ষণৰ গভকলা ব র্নার শতকং। আর এক চাকা সুসাও ব রুজ করেয়াছেন। বাণিজং পুনারার বুজি হ ডেকে এটি ভাগার তুলামান।

সৰ আসিষ্টাকী সাৰ্জনেরা গ্রেগ্যে निकटणे (वर्डमङ्क्षित (व जार्यक्रम क्रारम वक्र भीत्र शवर्गरमञ्जूष का का का का का वा ভারতবর্ষীয় গ্রব্মেন্ট এই মতে মত দিয়া ব বাছেন বেশ্বলৈ সৰ আলিষ্টান্ট সাৰ্জনলি হক্তে স্বাধীন ভাব জাতে সেখানে অধিকভয় : **चन (मञ्जूष स्प्रा स्टार्ट वटच्छे। नाट्सा** আগায়াব চিকিৎসা বিদ্যালয় কইডে বেদ ছাত্র বাহির হইছেছেন হাহাদিগের ছারা পং 👁 উত্তরপশ্চিমাঞ্চের চি।ক্ৎসা কার্ব্য উচ ब्राट्स स्ट्रेट्य । असला स्थाप अपर्यट्य के अप করিয়াছেন পঞ্চাবে বাইলে সব আসিষ্ঠ गार्क्समिनिशदक व्याप्तिहरू ६० होका 🚭 হইড ভাহা বন্ধ করা উচিত। আবেদনকারি बरनम (बंधम प्राप्त वर्शनद्वा प्रारम्भ शवर्वस्यर काक नम मा। अवर्षस्थ हेश चीकांत्र का মাই। সৰ আসিষ্টাকী সৰ্ক নিমিলের বেছত: অভি আবলকে ৷ কিন্তু গৰ্ণমেন্ট চিকিৎসৰ निष्कितिराद (वस्त्रवृद्धि कश्वद्ध स्नाम कर्द्र

#### ও রা হৈত্র শনিবার।

পালমাইকেল নামক ভারতবর্ণীয় রেলও কর্মচারী লিগন নামক অপর এক জনের স্নী ব্যক্তিচাবিনী করে। একদিবল লিগন ও মাইব মৃগরা করিতে বাছ। নদীপার হইবার সং মাইকেল ভাচাকে জনে কেলিয়া দিয়া বধ ক ভাগনপুরের মেলিয়ন জন্ম ভাহার মৃত্যু হব আজা দেন। কিন্তু সাকীদিলের বাহ গোলবোগ থাকাতে প্রধানতম বিচারালয় ব হাকে মুক্তি দিয়াহেন।

াত গোডোট করেকজন প্রতন তেপুটা ব ইরের নিয়োগ দেখা গোল। ইহালিগাকে উং লেঃ ছতিকের জন্য সাধানে। ভবাৰধানে নি করা হইয়াছে।

# বিজ্ঞাগন।

সম ১৮৬ গালা বালে জেলা বর্ত্তমানে যে সমস্ত নিয় লিখিছু বেনিছেন কণ্ডের কার্য্য হইবে এবং সম ১৮৩৮ সালের ১৫ ই মার্চ্চ তারিখের পূর্ব্বে সমাধা করিতে হইবে সেই সকল কর্মের জন্য সম ১৮৩৭ সালের ৩০ এ মার্চ মোৎ সম ১২৭৩ সালের ১৮ ই হৈত্র পর্যন্ত জেলা বর্ত্তমানের প্রক্রুক্ত মাজিটেট সাহেবের কাছারিতে বন্দ করা নরের কর্ম, সঞ্জা বহিবে এবং উক্ত ভারিখে বেলা ২ এব্রের সময় ঐ সমস্ত হরের কর্ম খোলা ছাইবে।

প্রত্যেক ববের স্পর্কের সলে ৫০ টাকা ডিপাজীট দাখিল করিতে হইবে। উক্ত ডিপাজীট দরের কর্ম অঞাহ্য হইলে কেরড দেওরা বাইবে বিশ্বা গ্রাহ্য হইলে পর দর দেওনিরা ব্যক্তি তদস্পারে কার্ব্য করিতে অধীকার হইলে উক্ত আমানত জব্দ করা ঘাইবে। প্রত্যেক দরের কর্মে দর ক্রেনিরা যে দরে কার্ব্য করিতে চাহে তাহা লিখিবে। এক কর্মের মধ্যে এক কি অধিক রাস্তার দর দেওয়া যাইতে পারিবে।

ব্ৰাস্থাৰ নাম।	মৃত্তিকার কার্ব্য . কিউবিক ফুটের হিসাবে	হুণার কিশেন	চাপড়া স্থার কিশের স্টের হিসাথে	Į į	খোরানেটালিং কিউবিক কুটের হিসাবে	শাল কাষ্টের কর্ম কিউবিক কুটের হিনাবে
বৰ্তনান হইতে শিউকী রাখা	30,07,36.	<b>3,44,6</b> **		۳,8۰۰		•
' 🖨 দেদিনীপুর রাজা	33,20,2**	*8,667,***		08.6	•	•
কাটোছা হইতে শিউড়ী রাজা	2.,42,	35.74	1,60,000	٠٠٠,١٠٠٠	F\c	440
<b>≩ কেওয়ানগ#</b> রা <del>তা</del>	.3,8%,***	3,42,4**	3,60,000	¢,•••	•	•
শেটি	٠٥٤,١٠٠	\$5,+b,+++	3.,0.,	b3,4**	824	6.60

কেছ অপর বিভারিত বিষয়ণ জানিতে ইন্দু ক **হইলে অ**ঞ্জ কাছায়িতে জানিতে গারিবেন।

বৰ্জনাম। সম ১৮৩৭ সাল ভারিৰ ১১ ই মার্চ এ, কে, আর, থেনব্রিক:

माबिद्दे है।

# ইউরোপীয় সমাচার।

লভন ৮ ই মার্য--আল্লের ভাষতবর্ষীয় সেনাদলের কমিটিতে নিযুক্ত হইয়াছেন। ডাক্তব किविद्धक्षित इस क्वेडाएएन।

ক্ষেত্রিয়াবেরা টিপায়ারি ক্ষাব্রুমণ কবিষার শুরু প্রদর্শন করিভেছে। ক্রনগেলে ভরানক বুরু र्देशाट्ड । दुर्थ नगत अमृत्र नाद्धि व्याद्ध ।

লওন ৯ ই নাজ – দেনাপতি পিল অন্যান্ত कारबाद क्रमा अक्रमा रेमा। भरता काविया रेमा। দিগোর আব চই পেনি বেডন সুন্দ কৰিবার श्रन्थाय कविद्याहरा । (१२७ हिमाअभ जानि-याहरू कम्पूनादि मध्यमं वियुक्त रहेनात्त्रतः । মারগ্রেবা মন্ত্রিসভার সভাপতি কইয়াছেন। কেনি ম্বানেরঃ বিমেণ্ডী আছে । কিন্তু দৈন্যদিগকে द्धिक भनाग्रम करहा अभास्त्र स्रोकः छ माग्रास्कारी रेमना हेश्लेख इंडेएड (१:वि'ठ इंडेatce i

১১ই মার্চ--জবানী মহাসভার সেন্দ্রের পুরঃ বক্ষোবস্তের এক বিণ্ড অর্পণ করা চইয়াছে बैंक्स नाबावरवज्ञ मरतामा ७ व्यामा है।

#### উদ্ভে। ( 터취(환자석 ! )

" किष्टु मिन शफ रहेन ठाका जान्तरिम्हानएयत्र আন্তার উপরক্ষে সাবংসারক সভা বইরা। গ-স্থাছে। আমিরঃ এটবাবে ভাচাব বিবৰণ প্রকাশ করিছেছি। প্রায় আড়াই শত লোক সভায় | **উপস্থিত হইব্নাছিলেন।** এথমতঃ 🗟 पुरू बाबू ब्रोबबारोह राज मधानरम्य अल्डाबाल्यारः मह-সম্বভিষ্টে উট্লেক বাবু কানীপ্রদান হোব মহালয় | সভাপতির আগন পরিগ্রহ কলেন। তিনি তৎপ : **बाक्क विकास राज्य अल्लाहक वश्यक दिन्। लिट्यु**क গভ ৰংগৰেন্ধ কাষ্য বিৰৱণ পাঠ করিছে অনুধ্যাধ करहन : मन्यानक खीवुक बाबू बीननाथ (मन রিপোট পাঠ করেন, আমধা স্থানার্ভয়ে রাজা বিশ্বালয়ের বিভাকালিক গবের অহগতির মিলিন क्षकान कतिमाम । मण्लायदेक तिर्वापे निष्ठि **হুইলে সভাপতি** বিশ্বানয়েত্ব পাইফেন্ডীর্ন ছাত্র মিনকে পুরস্কার বিভরণ সংবেন ইভাাদি।

#### **निष्क**तिरमञ्जलरमार्गंड सद्यक्त क्रार्क नगरश्चा **व्हाक्ट**ोश ।

कर्जुष्यांनी केल्लान र रहिल्लिश्व मध्य বিনি যাত কেন ক্ষমতা এ ক্ষমিত ও পরিপ্রামী উাৰায় সৰিশেষ যুক্তি না থাকে, কখনই তিনি ইনশোটারখিগের অন্তবোধ অনুযায়েই প্রায় ও অনুধ্বয়াতী মুইবা কৃত্বয় সভ্যাধন করে

যথোপযুক্তরূপে কান্ত পাইতে পারেন না। সক तिहे किष्ट प्रभाक्तिक कर्त्व,कारमह क्षवर्समाप्र य य कार्यः निर्कीष्ट्र करत्रन ना । अन्न अदश् छेन्नजि क्षणानाहे व्यक्तिर्द स्माक्तक क्षता कार्रा বত কবিরা থাকে। তার অপেক্স আবার উর্ভি প্রভ্যাশার কার্যকারিভাশক্তি ক্ষধিকতর। শস্ত কো প্রদর্শনে বে ব্যুর্গ্য সবাহিত না হয়, এক উন্ত প্রভালা ভাষা সম্পাদিও করিছে শারে। कारकण अहे, करनक कर्जुनक अहेंगे विराहना ! করিয়া কাজ করেন না। উলোরা কেবল প্রভুত্ব अक्ष्मन **७ कर्दन मानगर्दन अञ्च**ीबीक्रिकाह धाता कार्या भाव कतिया महेर्फ हान। शुक्रतार | विषय शास्त्र सहैरफर्ट्य, वाशकाकिराव करनक मधरबरे जीशंतिभरक अभिक्रमस्मात्रथ ब्हेट इष्ट, बना यास्त्रा। (य कार्यः (कम इक्रेक मा, ऐक्जिक बाद केया का ना शाकिता कथमरे क धर मिन छ'हाटड छेरनाइ शांकर'ड शांत ना। এনেদীয় শিক্ষকণৰ ইছাৰ এক একুট্ট উমাহবৰ রুল। সাপ্রতি টিক্সেনীয় লিক্ক্সিসের- বেডন तुन्ति । श्रामां क्रिय वाषश्चा व्हेसारङ वर्दी, क्रिय চু লাগ্য নিমু প্রেণীস্থ শিক্ষকদিলের উপতি বিষয়ে আজি পর্যান্ত কোন নিয়ম ব্যবস্থাপিত হর নাই। विवकान भविद्यमनस्कारक छेळ्यकरूप कार्यः । सावि व्यर्भाश्य वनवडेह्ना নি নাছ কনিলেও ১০। ২৫ টাকার উর্জুবেড-নেৰ পদ উংহাদিবোর ভাবেগ প্রায় ষ্টাডে দেখা গাসু না। এই নি।মত ইহঁ না কিরুপ অনুৎদাহিত। । ও বিষঃ চিত্ত कामशाभन करतम, योशिया প্রভাক ক্রিয়াছেন, ভাঁহারাই ভাগা ভল্লৰ করিছে भारतमा अङ्गीतकम देखिङ्गै कार्यक्षत व्यानक 'नि रुहेता थाटक मत्त्रम माने ।

এবিভাগের ভুতপুর্মা ক ল ইনস্পেটার জীয়স্তা चातु क्षत्र, मार्कि न नाटकारबद्ध करे करू मरम् ७८५ সকলেই পরিভুট ভিলেন, ডিনি ভাছার অধীনত ব্যক্তিদিগ্রের উম্বভির অন্য সাজিশর বছ করি-তেন। কোন উচ্চত্তব বেডমের পদ পুল্য ২ইলে छित्र भरक् का लिए का निष्ना खना का किएक প্রায় ভাষা প্রদান করিতেন না । বর্তমান 😼 स ह्नान्नहेत्र औष्ट मि वि. ज्ञार्क मारश्यक्र अह ন্তৰ প্ৰকাশ পাইটেচে। সপ্ৰতি ভিনি জীয়ায় प्रतीवष्ट्र भिष्मकरिशात शरनाञ्चलि विषया ए সভিপ্রার প্রকাশ কবিয়াহেম, ভাষা অভীব প্রশংসনীয় : ডি.মি উ'হার জেপুটা ইমক্ষেষ্টরনি লকে একছিবরে ঘাহা জ্ঞাপন ক্ষরিয়াক্তেন ভাষার नान वर्ष अहे---

" শিক্ষাসংক্রাক্ত কার্য,কারক্ষিগ্রের পরে।-মতি বিষয়ে যতনুদ্র সাধা প্রশৃথলা করিটে ৰা হ'টৰ অধীৰ ক'নাট্টিখনেৰ প্ৰতি বদি আমায় একান্ত অভিনাম। আমি আমায় তেপুসী শিক্ত নিযুক্ত করিয়া থাকি। তাঁহার৷ সাধ পতঃ একটিংল্লপে শিক্ষক নিযুক্ত করিয়া আঃ व्यक्षकि अञ्चेको कतिहा शास्त्रमा (७९) अरेबन क्यूरबार कानन कड़िशत कि अक् ब्राप्य निवृष्ट कतियात श्रूर रिनित्र शिथिए वि প্রতিপার্য করেন, এই আমর বংগনা।

যথন কোন ডেপুসি ইনস্পেটর সাহায্য বিশ্যাসম্ভের কোন শিক্ষতায় লোক নিযুক্ত : বেন, সেই শতার বেডন ধনি মাসিক ৩৫ ট रम, क्यन केर्राह अहे कर्कर, रहेरत, तारे कर विभक्त भिक्क ७० । २६ वा छ५८ नक्षा ২ইতে ব্যক্তি নিৰ্মাচন কৰে। শিকা সংস্থ কাৰ্যে,র অসম্পর্কিত ব,জিদিগের অপেন্ধা এ स्क्रिट्क प्रतिकात्र आम्ब्रगीय रानिया व কবিতে হইবে। ২৫ টার্ফা বেডনের কার্য। হ ক্তে এই নিয়ম অভিশালন করিতে হইটে নিশ্বতৰ প্ৰের বিক্ষক দিলের প্রেই ইংলা नक्षान कृतनत्र हाजनित्यत्र मानि गर्। स्टेर (७०,िश्रद्भद्र स्मातन प्राथा छेक्टिफ, देश निश्रद्धे) क्रारम्य छाञ्जनिकात मानि कार्करक्त श्रेष्टिनर

" আমার অপর বাসনা এই, প্রতেক্ত এ শেব শিক্ষকগণকৈ ভাঁছা দগের নিজ অঞ্চল উद्य ७ भए विद्यासन कहा द्या। कि**त** पति क कान भिक्षक करा सार्यस्य पार्ट एक देखा हैक्ट আনে প্রদোগ পাইলে টাছান বে বাস্কা ৭ कतिएकत स्थाउँ कतिय मा १०

''বধন গ্ৰ4ষেক জুলে কোন ৷শক্ষ भव चुना हत, काभात मानम अहे. माहाया<u>)</u> ऋ त्मन भिक्त भगरक खादा असाथ कना वा बाह्यका अवस चारहेंद्र गरीकाय गण्यांक क्रेपं व्हेद्राट्डन, प्रेश्चानिटशव कटलका के काटवा न वारूक स्वात पूर्वका विकासना विवास व्यानेत्रनीश्चरि

'क्रार्क नाटहर व्यक्तिकरत केटल व कतियादहर, भूत्रे हेन् एण हेत्रविटनत्र व्यष्टत्ता । इतात्त्र निव নিযুক্ত ক্ষিয়া থাকেন। আমানিগের থিখেচন এটা অসমত নয় : কিছে ডেপুটীনিখের কর্ডব্য ক अक्सभ धावन धार्तिहरू क्या। वीकास यनि बट्व क्रिक वर्षदृष्टिमण्डम सा इस, फरसक मा তাহানিবান সম্পর্কিক ব্যক্তিদিগবেই শিক্ষক্ত बिएम्राक्षिक था छैत्रक स्वया बाहेटवः मार्ट खुरमञ्जूतकादेशाम हाब्राय नगरत नगरत जार বের্ণ জ্বনিতে পাই ভাগতে এরণ বিখাস ব बाह्य को, जरून (डल्डी देमराने हेन महाराष्ट्रम ৰ আছে, যে সার্কেল পহিত ব্লোচিত পার अभ्यंत कविर्वत, फिन फिन जाग काछरत । অন্যক্ষিক ১৫ টাকা ক্রিয়া প্রস্কার প্রাপ্ত বনঃ আনরা ি ভাস্ত কে'ডের সহিত প্রকাশ ফেকি কোন কোন (চপুট ইনকে<del>প্টর</del> এই मपू 6 जन्मरण श्रा ७५, तम कर, म मा। मकन র্চন পশ্চিত এই নির্মান্ত্রণার প্রব্যার পাই-. খাকুক, শীহাদিলের সধ্যে এইরূপ এ০টী म क्षाइलिक कारह, अर्तर,क डेको छ काल्प्रभ শত মন। অনেকেই বলিধা পাকেম, ''ভযুক ্<mark>টীৰ অধীনতা স'ৰ্কেল প্ৰিণ্ডলিশ্যৰ মধ্যে</mark> াবা ই:ছ'র আংখীয় বাং চান প্রকাব সম্পs লোক একবল ভাঁহাবাই নিৰ্মিড**রূপে পু**ব । लाक्त कर्दना भारकन, खाउनावा डाहा खर- | ওছইড়ে প'দেন ন শ্বনিত এ শ্বা ওবি ্ষ্ট্ৰ, ভগাপ ইল একবাৰে উপেক্ষ্ৰীয় ় এক্লপ উত্তি বিকাৰিচালের যাব পর নাই ক্ষ্মোপক স্পেত নাই ' অভএব ক্ষাৰ্থ সাহে বকে অনুবোধ কৰি, তিনি শিক্ষক-গল নিয়োজন ও প্ৰেন্থতি বিশংশ ছেপুসী দি অনুরোধ হবেণ হয়িবেন করি নাই কিও ্দিগকে এই বিষয়নী স্বিৰেণ্ড্ৰপে ফানাইয়া ন, কেন্দ্র নিককভাপন দুন্ধ ১ইলে যথেন ক্লেপে ছোৰণা করিছে হইবে ভবপ ষ্ড ্, প্রার্থী হল, কাগাদিকের প্রত্যেকের ওবা-সংক্ষিপ্রতা উল্লেখ কবিয়া বাদার দাবি वि अभार कि। यसक्य का। करका, ,स हवान क'रत 'डाइ। कें(३'८१ ( देन्द्र'लाके 1 मार्ट्स्ट, ३) भूभ केन्ट्रिन र्राष्ट्र एड (कार काराज्य क्ष इ., जिन (हेन.फ.डेव ) जाहा पराणा ५ १थ इहें अ को १ को हो ΉĪ  $\tau \approx$ া : এখা লাবে না, প্রাক্তরাথ দেপুট \_ব ise . বিখে বিভ ফইবে ' लंद '

्रव्यक्षक्षकः अक्षान्यः विकास উন্নত পদে कुक । स्ट्रेस्ट : कि , ग्लास्टर की व्यक्तिस्टर है रकृष्टे का ठळा । निष्ठ एळा भी वालिय करित ৰ বিলেখন্ড: চাহ যা কান্ত মুকোন লি কৰগাণে . হতুশো ৭ কলিনে ংনপ ব⊾ঞানাই, নীহাৰ ট प्रतिभागान्य है। हेरु नाकेश्वर आयाज्य अन्ति । গেৰ অব্যাহতিক নিষ্টাল যে কোন উপাৰ বে সন্দেহ নাটা নিয় খেণীস্থ শিক্ষকতা ৰোঁ কোন মূতন গোক।নধুক্ত করিতে ২ইকে ৰূপে ইংরাজী নশ্মাল কুলের ছাত্রদিগকে বুক্ত করা হইবে, ক্লার্ক সাহেবের এ অভিপ্রারe श्राहरमञ्जीत । रेरशंकी समाज कुरमत काळ

मिर्गत निकड स्ट्रेंट यूनन अकदाव ग्राट्स हरे য়াহে ভিন বংসরের মধ্যে উ'হাবা পিকক্তা ভিন্ন জন্য কর্ম এংশ করিতে পারিবেন না, তথন যদি ভাঁহাদিগের শিক্ষকতা প্রণপ্তির সুবি ন कड़ा ना रह-- इ.स मिविक्) (श्रव भव यनि क्रीक्रांक्रि रापत निर्मात चाइबा छाड् वर्गता अविट क्य পাহাদিগকৈ যার পর নাই জন, হৈতান্ত কর। হয় गट्नाइ मोहै। व्यक्तित (यस्ट्राप डॉहर्टा ऋ स पति ভাগে কৰিয়াই কাফ পাইতে পাহ্যন, কৰ্ত্পদেৱ ভঙ্গায় বিধান সৰ্জনা কৰ্মব্য: কালেজ প্ৰভূতিৰ 🖠 বর্তমান ছাত্রেয়া লু.র্ক সংশেষের উপনি উজ चिकिशास्त्र चम्बर्ड हरेहा प्रशासन कारन मन्त्र। উছেটিগের বাস্বাস্ত্রপ শিক্ষকতা পদ প্রাথিব ক্লবিশা বুহিল নাকিছ ভাছাতা যদি স্থিকচিতে বিবেচনা কৰেন, উলাত্তে অস্থেশ্য ফলিবার কাৰণ দেখিতে পাইবেন না। উছে'রা যখন শিক। কন্তায় প্রবেশ কবিষা একটকি পুরাতন হইবেন তখন ভাঁহাদিগের পক্ষেত্র উক্ত নিয়ম স্তু'ব গ क्रमक त्वांव इहेर्द अहम्बद माहे। अहमहमान কবিডে পাবের, অমরা প্রার্মিডন শিক্ষকবিলেব অপেকা অধিকতৰ স্থানিকালা চ কবিয়াহি, বিশ্ব বিদ্যালয়েৰ প্ৰধান প্ৰধান উপাধে প্ৰাপ্ত হইয়াছি আমহা সমাল কোন শিক্ষভার নিমিত প্রাথনা कब्रिल डाइडिलाइ अल्बनः क्रांमिलित्र गरि .कम मा व्यक्ति इष्टेरव ? व्यामानिर्गत विह्वहमान এসী শুরুত্তর আপেন্ডি নয়। নিগাররূপে নিরেচনা ক্ৰিয়া দেখিলে স্পষ্ট প্ৰতীতি হইবে অভি বড় প্ৰধান কাজিকে কৃষ্ণ পঢ়ে নিয়েজিত কলা কেন্তু ভিত। ভারাতে উন্পাদিগের ভারে ইংনাঃ B महनारवाध शाहकमा सुरुगात श हरनाई छीइ त । ভাছাপৰিভাগি কৰেন। স্তাং ভা∉'দিগেব। ব''। ইঙাৰ ২ই,৬ পাৰে। ভাল ইইপে ভাৰত क्षेत्र। श्राक्षां भूक्षण कल वाच्च कर्ना याग्रानः . **चुना करनारणक स्ट्रेश श्रृष्ठक निकक्तिर १८६** मावि अधिक हेहा अकरत्र वे चौकार प्रतिस्ता। আছএৰ অ'নবা ক্লাৰ্ক বাবেবো অভিপ্ৰাৰে সৰ্গ

উলিম্ভাবকালে কামসিগের বজনাএই. क्षार्क मारहर (यथम बाष्ट्रीयमित्भव भएनावां छह শৃথকাবিধানে মনোযোগী ক্টরাছেন, কুল বধাবিত ইউক না নকলেবই সভোষজনক পণ্ডিভাদ্দের পদোরতি নিষয়েও সেইরপ মনে: যোগ বিধান করন। আম, কুলপ ভিত্তদিনের ্অপেকা ছঃস্থ কৰ্মচায়ি শিক্ষা বিভাপে অভি অৱাই বিদ্যমান আছেন। <sup>ম</sup>

-:•:-

# প্রেরিভ ৷ সান্যবর জীযুক্ত নোমগুকাশ সম্পাদক মহাশর সমীপেয়।

অভিনয়ক নিখানী জীযুক্ত বায় ধনপত বিংচ বাচাছৰ সম্প্ৰতি উভিবৰ্ণৰ ছৰ্তিক পীড়িড ব্যাপ্তলিগের সাহাধ,ার্ব শে উ<তুষ্ট উপায় অব– লয়ন ক্ৰিয়াট্ডন, ভাষা "ম'পনাৰ ও আপনাৰ भारेकशरणद शाहर कथा ए'अएस्ट. हेश **नक** ्लव थिति उ इंडेरल अकडी ५०२ डिलकार मार्डिक न प्राचना कारह ।

भाग भिन पहेल, डिक्ट व'र्याशहर पूर्विया প্রেলার কীয় জনীনাবিতে গ্রুন হিনিবা **অ প্রাব** কার্ডারেডে এক সভা **ক্**রেন। সভা**স্থলে উাহার** অনীনম্ব শ্বতীয় সমাস্ত পত্নীদার ও প্রজারা উপস্থিত বইলে তিনি উড়িধারি ছডিক পীড়িত বংজিদিলোপ্তঃখ মোচনাথ সাধ্যমত কিঞ্ছিৎ किञ्चिर प्राक्षायाणाइमक अमृह्यान कविद्यम । मछात्र वृक्तिराठ डाँश्य वादका खन्न्द्रमानन কবিয়া খীয় খীয় ক্ষমার শতকরা 🛊 🗣 বিশাৰে আক্ষরকরিলেন এবং সমুধ্য টাকা সংগ্রহ कतिग्रः द्वान वाशहरवत्र इत्छ ममर्गण श्रूर्वक अहे মনুবোৰ আমাইলেন, যে ঐ টাকা ভিনি ভাগদি পের নামের ধর্ম সংলিত কলিকাভার কমিটিতে (अन्व नर् सः द्राय व'ङाहरक आर्दना**यक फर्फ** সংখ্যাক के मनीएड अ्थवन कविष्य एक्ना प्रविद्यांत श्रम । राज प्रदेश अञ्चलक विश्वा सन्ति **जार** दाव क्रिकेश वीत श्रष्टां कार्यः कर्यः अञ्चलीय পদি হাত্রভার্তিক প'ডিড প্রজানিক। সাহা বাস এপদ দেশের লোকের নিকট প্রার্থনা िर्ट है। । एक्ट्रिकेट बेब साथ का**वकराईड** দ্ৰেষ্ট্ৰ সংগ্ৰহ প্ৰিম্পিয়া অ'কি**বেন**া **যাহা** ८० वित देशास्त्र देशायम करीटक মবং শত শ<sup>্ভ</sup> নাবাদ করি । ছতিফ ত ব্যক্তি লগেব চাৰ বিমোচনাৰ জীহার এক তেওঁ প্রায় প্রবাধ হওবাতে আমবা

**₽**|4---

" অভ্যস্থ ক চুংখ মঞ্জো বিরুপ্তরার মিবোপজ য়তে 🔻

था(न न ।

শোক ছঃৰ বন্ধু ব্যক্তিৰ নিকট উদযাটিড ষ্বাব অঞ্প হয়।

काम्यानपर १९ १९ १० व अतिहरू हि. अदर्शस हे

ভাগৰ সম্পান র'ছ বিধাৰে জমৰোৰোগী ৰা

অমুত হতভাগ্য পতিত্তিগ্নের রুত্তক্তে বর্ণি, িকরিয়া পাঠাইতেছি, আপুনার দেবহিটভবী পরে

অনুগ্রহ পূর্ণিক উদিত কর্নলে প মোপরও

इंश्त्राक धनवदयर हेर करेरन कि अर्थान कि मानान( गड क्षकाव कर्षाज्ञी चारहन भारत्ये বাধিকানি নিয়মে উৎসাৎপ্রাপ হন বি স্ক এবা জ ! হভাগো কালেই ও সংল≏িতের। এ নিবয়ে নিতাপ্ত বঞ্চিত, কালেডে পভিত্যদৈগের ৫ ১৩০. পুলে ২৫:২০. ২ ডি অনুস্থান প কিছ প্রায়ুস क्षा इंड काइन पर्व देश व महा है है। दिल्ला इस ম্নিবলেন ওক-শিখা সূৰে ও সাহাণ ভতাৰ करणा हैरभाइ (व्ह्या इय अ कारभाष्ट्रा क्षाकानने १५ वर्ग इहेर गाउँ १ १८ १ কলন ১ আহাৰ ও ইউভাল ৮ নৰ মাধ্য ক'ভ জ'ন भाहेग्र:रह २ ६ मि कार्याज थारह ६ छन भारेरलहे । যে সাণারণাক উৎসার প্রধানের নিয়ম স্থাপিত। হটল ভাহ' বলা শ'ইডে পাবে না ইহাদেব কোন ব্রেড মাই। শি নিয়নটা অধাং অন্যাপেক্ষ, অনেক । কাল কৰ্ম শৰিতেকে বলিয়া বেতন কৃত্যি নিয়-ग इसोहे अवर सिर्ध क्रिक कार्यं प्रतिक्रम ८ रेन भूगानि क्षानित हडेरल देवति १डेरन हेगान्छ। <sub>(सन्।</sub> নিয়ম নির্থানিত ন.ই ক্রছেব! ইফান নিডায়ে 🖁 #ভভাগা বিষ। ୬ র কি মনা ম'ইল পাবে। ष्यम् अक्षांकि(भव ५४) : खन 🛷 🗸 ीर्निष अक्ति व्रांतिष्ठ इंग खरन हर्दे, इ পর্যান্ত শে সকল বি, কে, কমত 🐃 🔻 हिसुक किलाम अभिग्र का दान এ८ 🕟 भारता কাহারও অনুগ্রহভাকন হটণ কোন

'<mark>ৰাহ্ণায়ক নিয়নে</mark> মিয়মি' হয় ष्ट्रःच निर्वात्तव्य सन्ताष्ट्रे प्रष्ट्रीर एक ८०५ इडन ५७ : বেষন পুরাবোকার্ট ব্যক্তি অলা মৃত্যুত শ্ক দেখিলৈ ভাষাৰ শেংকের হাসহয়, যেখন ১০ জ অপের কার্না দেখিলে ভারার ক্রথের রাঘর হয়, ধেমন পঞ্লোক আর এক ভরণদকে ଶୋଷାହା ହୋଟାସ (ଜନାଲେଖ କାର୍ୟର) ହସ, ସ କର छ। । পাবাকি দুটাও দেখিয়া হুত ও ফোট দূন, अहेर्द े खादांव किहुई माडे कारत्रक्ष शक्त गांख ভদের চিবকাল্ট এক অবস্থা, ইছাপের কে'ন উপায় নাই। কেঃ কেঃ বলেন ইছারা যা পাই । ঘোডাকে অভিবিক্ষ এম ক্যাইড, এই দ্যালু ! ধনী বেনন অভাবের ক্লেশ **অসুত্র করিডে পা** ভেছে ভাষাই যথেই , ভাল ভাঁষাকে ফিডা'»৷ ' প্লেচাসক গবর্গনেন্ট উহাদেব অস্যাচাব নিবাব- না ভাঁখাবাও ভক্ষণ !!! কুলে এক ব কবি ইছারা কি এত অপকুটু কতন্ত্র ক্রাতি ৪ ইয়া ' বাং । নিয়ম নির্দিষ্ট করাতে নিরুপায় পশুরা ; ছর্তিক ছইয়াছিল ভাষাতে নিঃশ লোকেরা খ্ লেব প্রাসাক্ষাদন অসতে, বন,জাতীয়ুদের অংগুল বাংল আভগালার ২ইটে মুক্তিলাভ কবিয়াকে। ' পিশাসায় কিপ্তথায় হইয়া হাহাকারে চীৎক প্রত্যাং ইছাদের আন দরকার করে না। যে । গ জ্য়ানেরা এতিবিজ্ঞ প্রায়ত বটে, কিন্তু । করাতে নুপনদিনী সঞ্জীকে জিজাসিলেন কিং রাজিক যে কর্মে বাবে যে আপন কল ও গামতা<u>ল । গেট পুরিয়া যাস দানা নিজ। পরের যোজা গোলবোপ সেই</u>কি হলেন ছ*ডি*জের। রাজসুয়া বাবে তদীয় আৰশকে ৰ য়োপৰোগী গাহিজনৈক | কেহাই পাইস নিজেব যোড়ায় কি হইল ১ এ হঙ | বলিলেন ছডিক্স কাহাকে বলে ? **আৰৱা আন** 

राज्याभरवाधी (बडम शिक्षा ताक्षकीत कार्र्सः ্ৰোক নিয়োলের প্রথা ছিল। উট্টোবা ব্ধিডেন के ठेक के उपन का शाहरण का daily के कारबंद क्षार्य कार्यमक्राध्यमुक्त कार्यः क्षान्यरूप সপ্তা থিত ২ইতে পারে না। যাতা হউক ন্দ্রের ধ্রণিত দে,য বোপ কলা উচিত মন্ত্র, একবানি প্রায d) শ্রীন্দ পার্যন্ত সমস্ত গ্রাণ্য কারি কর্মণ **হুটলে কে** জন⊲কে জনদ বলিতে সক্তেছ্য ° মনে বকন इने स्वत कृषक आहि छाशास्त्र भएता अकस्य বিলাকী হন, জন দেশীয় ব্যক্তি। প্ৰথম ব ক্তি ত্রিবিবফল উৎপাদন করে। বিভীন্ন, দেখীয় একবিধফল উৎপাদন কৰে। ঐ চতুর্লিধ ফল ভূসামীৰ নিকট উচ্চম্ল্যক্ৰণে গণনীয় ভ্টয়া ত্রিবির ফলোবপাদ চ যে পরিমাধে পারিভাষিক পান, দেশীয় কুষক বিলাডী প্রত্যেক ফলেব মুৰ্বাপ্তবাবে স্বোৎপাদিত ফলের মূল্য সমান, এইমাত্র কাৰে শুনিল কিন্তু পারিজনিক পাই-व'व मध्य जन्म' सुकृषक विज्ञा ए५कि। १७५ हि. १० ाका। (तथन मण्या अक्त हर महा विद्युष्टन। कति ेग्र क्रथक विन्दा गमि हुन्याओं ह गर्रक-ঞ্চ পিৰাৰ অভিপ্ৰায় থাকে ভৱে কেন ফলে: युक्त, नव'न कर्रन ४

कारन कारन विज्ञानी कृतक seeter etser পান, দেশী কলক অপেকাকুত ফুনে পাইবে পমত বিবেচা কইকোও ৫০।৪০ ৩০।১৫।২০ অস हरू हर्या कि मान हेहारत्व १०१६-१8-१७७१०-भारता है 'स्क व्या व्याद सम्बून शृहर्म (क्वल वासका तक्त अथन मरस्य ज भड़ान इंडेर्ड्स य बु रू का जिनम कार्ति भाषा, हेशास्त्र भूकी :भक्षा अत्राष्ट अम कवित्य स्ट्रेटिश हेश (क ना খাকৰ কৰবেন থকিছ ভাছাদেৰ পুৰ্ণেও মা প্রমান জাই। যে ব্যক্তি যে কর্ম করিতেছে তঃঃর উচিত মত বেতন পাওয়া দুবে গেল, শালকে গুরুতর আম করান বিচার ও দল্পর काछ स्मृक्ति ?

কিছু কাল হইল নির্দ্ধি গাড়য়ানেবা গক বিংক্তি যেমন বাগের যাজনা বুঝিজে পায়ে ব্যব না পাইলে অসম্ভ্ৰষ্ট হয়, ভাষাৰে উচিত ভাগায়া উক্ত পশু হইভে হেয় ও অপফুষ্ট ন্য দি প্ৰতি খেরপ ব,বহার করি বে বলি আনোটে বাজও হয় না। পূর্ককালে ইজিপ্ট রাজে: বিলেন ইহালা কিছু বলে না কেন ২ এ বিষয়ে , উপর ই**রপ্করে ভাহা, রইছে, আ্ল্**ট্রের য

দৰ্শন ক্ৰিতে আনিয়া ইতত্ত্ত জনৰ ক বরক্ষাক্রমে একটা কেককে হস্তবিত যশ্চির ভাগ দারা বিদ্ধ কবিলে ঐ নিরীয় ভেক অবি বংখিত হইয়াও নীবৰ ও নিশেষ্ট হইয়া থাবি বিধান্তা ভাষাকে জিলাসিলেন ভেকা ব অ'ঘাত বা আক্রমণ করিলে আইনাদ কা ধাক এখন নীবৰ হইলে কেন ২ ভেক বলিতে কে দীলস্বাময়াবধন কোন ছিং-এ জন্ম ক **बाङ्गाल हरे उसन 'ठारा' रुटेटर भ**रिखान ' বার জন। উলৈঃসবে আপনাকে তারি ফুলাই, কিন্তু ধিনি বিচাবক ও বক্ষক বি कारूयन ता व्यविष्ठांव करितन काहारक छो আর কাহাকেই বা জানাইব পরিধাতা ভো এই উত্তরে লক্ষিত চইয়া ভাছাকে যথেষ্ঠ । দ্ৰব্য দিয়া মোচন কবিদা দিলেন—দেখুন মহা কি বাজ কি মছুৰ কি কুমৰ কি কাম্যৰ সকল এখনকাৰ সমস্ত দ্ৰবেংৰ চৰ্ম্ম ল,ডাপ্ৰুদাৰে পূ পেকা আমেৰ মূল্য বাভিদ'ছে এ হতভালা ব'ড়িবার সধ্যে পরিজ্ঞান ও, নানা বিষয়ে ' বাজিণাতে । যদি বলেন ইংশালী সাস্তাগলি কিঃবৃদ্ধি লগ নাই ত সত্য ভাহাদেব বে अभिक এবং अध्यव अधिकः इत नाई क्रुक ভ'ডাদেব স্প্ত ও কোডেব বিষয় কি ? অনেচ ইছাদের অবস্থা ও ছঃখ বুঝিডে পাদেন না প্রভ্যাখণনৈ চাদানে চামুখছংশে প্রিয়াপ্রিয়ে আত্মৌপনে ভূতের প্রমান মধিরভাতি 🛊

প,া গ্রন্থ কর 'তে যাচকের যে অংশিয় ছ আবদান দেওয়াতে যে প্রিয়ন্ত্রণ তারা ধানি কেবা আত্মদৃষ্টান্তে বু মতে পাবেন। উচ্চিয়া এক অবস্থায় থ'কেন জমেন উচিত পুৰস্কার भान এবং ভাষাদের পরিবার পালনে সর্মান মভাব হয় তবে উাহারা কি বলেন ও কে সভষ্ট থাকেন ৰু. নিতে পাবা বার। অবস্থা ভে না করিলে অবস্থাব মন্দ্র, বুঝিতে পা,া বায়ু ন वक्षा (यमन क्षत्रव (बनमा क्रामिएक भारत मा, ह টুণ কলারিজমের প্রতি মৃশ্চি রাখিয়া আবশ্যক ¦ একটা গল আছে, একদা বিবাতা আগন স্বাট ( কিল্লপ হয় মার্মণ ,এই প্রকৃষে <sub>প্</sub>লুদ্ধে য়াখি। ব্যাক্তৰ্ব্য খুৰিতে পারা বায় ধদি বলেন ⊭ক্রিপ্রের বার্থিক বেডন রুজিব কল্পনা **হই**-চ ভাহা হইলেই ভাহাদের উৎস'হ *দেও*রা ৰ ঘাঁহারা উচ্চ বেডন পান ধাঁহানের পক্ষেই ৰ বাছার। ২০।২৫ পান ভাষাদেব বর্ষে s हाका इ**हेटल**हे कि खोड़ मा हरेटनहे कि । (मक्टरवर्ग व.ने माववास्त्रक्षात्र भारयोक भारवामदेव ন্নব্যায়াং পরিবিঞ্ কিঞ্চি ন্যুদে কাল: পরিকার্যতি। भूरतभूकतरम भरत ह विल्डन भोर्(उदा व:कान নস্বাদস্য পবিস্থিতে: প্রভু রহোধারা পি বাবাং ডব 🛭 বুল্টি না হওয়াতে এক মরুদেশস্থ বুক্ষ মেইকে | रिकार इ.स्य य नि कर् मक्तनिवय वृक्षाल सन

1 **ছাবা দেক কৰা উচিত হ**র **ভাৰে ছল** না

ৰয়। জলদান ককন কেন বিলয় কবিচেছেন ?

য় অঙীত ১ইতেছে যদি বলেন তাহাতে হানি

হালি এই ঘৰন ইংগ্ৰ মূল বস্থীন হইবে পত্ৰ

ন বিবৰ্ণ হইৰে ছাল যখন শুক্ত হইৰে তথন

ামার প্রচুর বাবিশার। ইহাকে বাঁচাইতে

दिएवं 👫 ।

কাহাকে বলি কেবা শুনে---

মহাশ্র জোপনাব ২১ এ কাডনের সোমপ্র ৰে '' বদৰত সেধক ১ আক্ষরিত পত্র পাঠ ব্রিয়া যংপ্রোনা ভ বিশ্বিত হটলাম। লেখ-চৰ কি আনশ্চৰ্য, সাধস। লেখনী হইতে যাহ। পেত হইণাছে ভাগাই মস্থু চিত চিত্তে সর্ক ক্ষে প্রকাশ করিয়াহেন। ভিনি পরিশোধিত ठेनात्र। त्रपूरहा केरल थ क.वेश्री (लर्थन " स्व চল্ব<sub>ি</sub>তিজ্ঞ সম্ভ প্ঠিমংলায় **অধ্য**ুপ্ৰ ৰ্য, সম্পন্ন করিতেছেন তৰ্গদেৱ জনিকা শই ুণায় চহত ঘৰ আনি বৈ অৱশ কাভাকতে জ্ঞান নিৰ্ণত হইয়াতে ভাঁহার সংশ্ভা ভার্ণির ক্রেসহক্র ধনবেদেনা কবিয়া কার পাক। য়ুনা 🕛 পাঠকবর্গা উ:হার বুদ্ধির এড 🖟 শংসা কেন করিভেঙ্কি জানেন <sup>২</sup> ডিনি ৰয়ো-**ক্ষা**দ কৰন পরিশোধিত পাঠশালা বা **ও**≆ ৰ্ঘাল অচক্ষে প্ৰত্যক্ষ না কৰিয়াও কেবল <u>বু</u>দ্ধি লিঁএডছুর জানিতে স্বর্ণ হইরাছেন। বুংকি ল ভিনি কিরুপে একবাবে এডবুর অবগত দেন ভাবিয়া কিছুই স্থির করিতে পাবি নাই। ।।थ इन्न द्वयम दनिर्भा ने अधिकानदम्ब अकाद्व

भरताका भरताक मधुनाव विवय त्विट भा**रे**-তেন উক্ত লেখকও সেইব্লগে দেখিয়া খ'কি-বেন। কিন্তু কোভের বিষয় এই বে আমাদের অভিনৰ বশিষ্ঠের গেই নেক্রটা এখনও উদীলিড বা পৰিকৃত হয় নাই। অভএব আমরা আগ্রেরে বহিত অপ্লবোধ করিতেছি ভিনি উক্ত চমুচীর ছানি ভোলাইবার চেষ্টা করন। অনথো ভাঁহার প্রকৃত দর্শন আহান জ্রিবার স্থাবনা নাই। অন্ততঃ ধনি ভীহান চন্দ্ৰ চতুত্ৰ থাকে একবার পরিশোবিত পাঠনীলো ও ওচনবাল সকর্মন कविद्रा सन प्रश्रम करना विनि क्राबित्वत विर्देशका क्रिकार क्रिकार क्रिकार পাতিত করিবার চেষ্টা কথাতে ধাঁহার আব কোন প্রায়শ্চিত নাই। তিনি অবশ্য কর্তব্য বেটেখ সরল। छ कर्द्र क्षेत्र के कात्र मा कविरत कि छ मञ्जीरक निकास कलाइय इहेरक नरणह নাই। কিন্তু চঃখের বিধয় এই বে উচাহাব অসভ্য তুচনা দারণ কলাডে নির্দোধ সোনপ্রকাশ কেন দুবিভ হয়। তিনি ভাহান নিশাল ৰক্ষাহলে বে কলক্ষপক্ষ প্রক্ষেপ করিয়াচেন ভাহা উ'হাবই ব্দালন করা উটেড।

পাঠকবর্ম। আপ্নারা '' বশর*ন লেখবে* ন " অসহনীয় শুইভার আবও বিভিং পরি চয় পাইরাছেন। তিনি স্থানস্থার লেখেন '' যদি এই সকল নিয়ম কেবল ম'ত্ৰ কাগতেলয় উপর অক্সিড না মইয়া কার্টা পবিশত হয় ভাহা হইবে অভিশয় ক্তথেব বিধয় সন্দেহ নাই <sup>স</sup> अञ्चरत कीहाइ अकि कामान वहेमाल *वहना व* প্রভঃকোর অপলাপ কবিয়া সমস্থার্থের কল্পনানেত্র গোচৰে তিনি কীয় বীভংগ মূর্কি (यस मर्गामा क्षकान ना करत्व। 'क्रांशटक केंहि' त्र कान किटिबार मा इहेश बनः कामक र्य बटी কি 9 পাঠকবৰ্গ উ'হাৰ ভাগান ম মূৰ্ত্তি ভাবিছা সাজিশশ্ব ক্লেশ ভোগ কৰেন।

তিনি পরিদেশে (লিখিয়াকেন '' হথা ডিঃই তৈ গওমুখ ও মহহাশয় হইতে বং ইতিন আমে, পাঠশাল। সকলো উর্ভি কবিশাব বাসনা হাব লেখনী হইতে পূৰ্বোক্ত অপূৰ্ণ বাকা খাকে তবে গৰগ্ৰেণী দান "৫টাক'ৰ সংল ১০ होको कतिया नर्पाएलन भद्दीरका ही ने चानकहि-शहक इंशहण मित्रक कश्म । च्यान्हर्यन्य विवह এই অনেক যে;ড়া থাকিডেও গালা পিটিয়া ছোড়া করিবাব ১০ টা হইছেতে। ৯ '' লেখক \* ইক্ষা পূৰ্মাক ভ্ৰমে পজিড হইরা এইকপ নিখি-वारक्षम । किनि कि कानिप्राट कारनन ना य ডিলি : • । ১৫ টাকাতে বাহাদিগকে ছোড়া ৰলিয়া দিতে পারেৰ ভাষারা প্রকৃত অবসাতীয় নতে বেট্যো থোড়া, ভাষার। কেবল খুরের ঠক্র क्षत्रि । मन्त्रमान मात्र करवरक भिथित्रो जाहरत ।

পরিশ্রমী গর্মান্তও ভালপেকা সংক্রেপ্তৰে অধিক কার্ব।কারী। পরিশেবে এংকেপে আমার বস্তব্য এই বে শিক্ষক ও ছাত্রের পরস্পা সমৃত্য বাজ ও হথিনের পরস্পান সম্বন্ধের ডুল্য বলিয়া বাঁহার বিশাস আছে ডি.ন বেন শিকাসংক্রাপ্ত কোন বিষয়ে হস্তক্ষেণ না করেন।

ক্সাচিদন্যায়াস্থিকোঃ :

#### -------

সবিনয় নিবেদনমিদং----

সম্পাদক মহালয় ' গত ২০ এ দান্তন বেলা প্রায় ১১ টার সময় এইখানে একটা বৃহৎ অগ্নি-काश्व इहेबा अध्यक्ष १५ ७ वर्षभूमा सर्वा सम्प्रमार চ্টরা গিয়:ছে। তিনদী গুড়স্থ একবারে উৎসম হইব্লাছে। তথ্যগু এক জন উপায় হীন, তিনি বে আপন ক্ষতায় তাঁহাব ধন সম্পত্তি পুনঃ আহ रंग कर्द्रम अग्रम जाना नाई। छाँहार समा দিগেব দেশত্ব প্রধান জনীয়ার প্রীযুক্ত বাবু বায় श्चित्रनाथ क्षित्र के मरहात्र हुई थानि घर वीधिया দিবেন স্বীকাৰ করিয়াছেন। ভাহাতে ভিনি অসু,ন ২০০ টাঞ্চাব স্থানে পার পাইতে পাবি-(यम मा। औ इ:शी वास्क्रिय प्रकाशि अ धामानि भूतः मः प्रकृषः देवाच अमा अ मरशानरत्रव (स्पर्क সত্যন আটিলুজ বাবু বায় ছুপেন্দ্ৰনাথ চৌধুরী महरूक्ष होता क द्वराय छन्त्री भावेटल्डान्य। विधि इत्र बतात्र छै।शेष हेका पूर्व इहेरव । अकरव अ:स्या कायुम्मवस्तरः श्रद्धस्यद्वतं निक्रे अहे এ:র্থনা করি দে উত্ত মহোবয় ছয়ের অংশু:করণ বেন এই সমুলায় কাৰ্যে, বিচলিত হয়, ভাষা *र*इटन व्यक्तक श्रीमशीम शास्त्रिय क्यीयम क्या ५इरव देखि ।

धकी।

একাস্ত বশব্দ।

३8 क अर्थक्र**स**ा

ነ የውቀና

-;0;-

यदिनम् निद्वप्रसम्बद्धिः

এখানে একখানি নয়, ক্ৰমে হুইবা ন সংবাদ পত্র চলিডেক, কিছু খীনের প্রতি পাঁহাদিগের তেমন দুখি ... তত হয় কৈ ? প্রাচীনটীয় কিঞ্ছিৎ দূর দশন আছে বটে, কিন্তু সকল সময়ে ভাঁহাৰ গতি স্থান হয় না। নবীন্টীর এখনও প্রীকা इस माहे। किमि वक् वर्ष शक्तिमहिरात श्राप्त है লক্ষাত্রী, লোব কেবিয়া চক্ষু মুদ্রিত করেন। ডিনি " মুদ্দিদাবাদের " বে কোন উর্ভি দেখি ভেয়েন '' সে কেবল বিদেশীয় কভিপয় বড় বড় লোকেৰ গুৰে ৯ কিন্তু আমবা দেখিতেছি, বিদে শীরেরা খীর খীর আছার, বিলাস, এবং পবি-বারের অল্ডারেবই উর্ল্ড করিভেহেন।

সম্প্রতি এক অন লোকামর গদন করায় প্রকাশ ৃ না ৷ তথায় নানা শালের আলোচনা, নানা कीतक, काठ ६। १ प्रश्ला व्यवकात मास्त्र । **क्षरहात स्वीदक अक्षर अ छ एडा विका** किया । करिया **গিয়াছেন। কিন্তু** এতবড় ছভিক গো, রাণী चर्नमङी, बांकुलक्ष्मी भर, संकुधनार, बानु बुत **चाटना कडिया दाचियाटक : 'केंश्व व्यक्तिया** भागा, डीहात कारणक, नाइन ऋग, डीहा দেশের লোকের হারা চালডেছে / এ সকল বিধয় ৰলিবার কোন প্রয়োজন ছিল না ৷ কারণ ৷ **मरदानगारतत अक्री दिवस खग अक्रम क**रा हाहै : এই জন্য বলিলাম। আৰু কথা সন্তিত হইলেই मरनार्यक्ता शहरक एग्र । এक मरनार्यक्ताव व्यमा अहे भई।क, अथव हिन्हीश्रही दक्षि।

মহাশর ৷ ৰলিতে পারেন বিদ্যার লক্ষণ কি ১ व्यानमा भाषा पुष्टि এই कानि. (व तृर्घः कत ধরিলে বেমন উহা ভছতে সুশোভিত এবং অব- 🌬 नफ रहा। माञ्चरक विमा १ स्टेटल अमञ्चरक त्रहे স্থাপ করে। কিন্ত কোন কোন ভানে ইহার বিপ-রীড দেখিতে পাই কেন ? সে কি আমাদের বুদ্ধি বার ভুল ? না, আগলেই ভুল ? এখানে স্থ্রি খাত বছজনপালক দয়াবদাগৰ, দীনের আত্রয়, ত্রীযুক্ত বাবু চক্রমোহন বোষ সহ ওণের নিবাস, মহাস্থা আছেন। জাঁহার পবিচয় জাপনি এবং আপনার পাঠকগবেব অংগাচব নাই। কোন বিলেৰ অনিবাৰ্য্য প্ৰতিবন্ধক একলে ভাৰার নাম এইশ করিতে কাস্ত কবিল। ভাঁহার নিকট শুলের এড আহর বে পণ্ডিত মণ্ডলীর চক্রতেদ করিয়া গুণপূন্য জনৈতা জীহাকে দেখিবাব পথ পাছ

ষ্ট্রাছে। জিনি ১৩ সহত টাকাব যোম্পানিব ∫ দিক দেশীয় পঞ্জিগথের স্যাপনন হ্ট্রা খাকে েসই সভার একটী সোম হর্বণ ঘটনা আনাদি-গেব হুবয় বিদীৰ্ণ করিয়াছে। আঞ্চল প**ণ্ডিড** মওলীৰ সভা, মহাশয় আনেক দেখিয়াছেন। মুখনাড়া, হাত্যাহা, অভিনমণাত, কাপড় সিংহেবা দ্বিষ্টের জীবন হয়। কবিলেন, ইলান ভিছা, ক্রিকার জান্তন ফেলিয়া লাকালাকি ও দের কোনই হুণ নাই, উল্লেখ্ বেণিব লো- হাজাহাতি, গালাগালি পর্যন্ত দেখিয়া থাকি-কেবা এক দিন জমেও এক মুক্টি লংগর জগবংয়। বেন। কিন্তু কানমলিয়া দেওয়া কি দেখিয়া-कविद्यान ना, ७१६/६५३ छन । तावन वहेंगा । क्रिया दिवा कविता। क्रियन कविता। বিচাব এইরপ্ট বটে ' বহুবমপুবের কালেজটিটে <sup>।</sup> এ যে সুতন ৷ আমাদের বোন বিশ্যাবিশাবদ, কোন দেশী লোক এক বার নয় ২০৩ বাব, বিদ্যাভিমানী কবিরাজ মহাশয় আনালিগকে বাশি রাশি অর্থোপ্সর্গ করিলেন / কে দাতবং ভাষাও দেখাইলেন। শাল, বিশেষতঃ হিন্দুশা-সভা, ও দাতৰা চিকিংসালয় পোৰণ কৰি- 'ছেব, বিচাবেয় উপতেই উন্নতি নিউয় করে ৷ শেন > কে এ কেশে খুদাহত্র আনাইয়া দেশের <sub>একেই</sub> ত লোকে নানা কাবণে বিচার ক-একটী বিশেষ উপকার করিলেন ন বার্থাস কাল ¦ রিছে আহার অন্তাস্ব হয় না এবং নানা কারণে ( কি ছর্ভিক কি স্থানর ) কে সহত্র সহত্র উভাব অধে:গতিই হইতে চলিয়াছে। ভাহাতে কালালীকে অরদান ক'রভেডেন? োন পেনী হটি বৈদ্য, ব্যক্তবের কান মলিয়া দেন, ভবে লোক মিউনিসিপ'ল ফণ্ডের দিন দিন উৰ্জি কাৰ কৈ বিচাৰ কৰিছে অগ্ৰসৰ হইবে? সকল করিতেছেন ? নবাব নাজিনের অবস্থা মন্দ তথাপি সিস্'ছ সংস্কৃত হইতে চলিয়াছে, আমালিলোব ( মরা ছাভি সওয়া লাখ ) মুবনিদাবাদকে কে। চিকু সংকৃত সমাক কৰে সংকৃত ছইৰে ১ গামরা এই একটা চড়াভ দুঠাভ দর্শন করিয়া य'य भव माडे कक इटेब्राड़ि। वेंश्वांत खानद्व अहे চিকিৎসালয়, জাঁহাৰ ছাত্ৰশ কাৰ্থানা কোন গুটনা সম্পাদিত হয়, তিনি সে দিন জীবনমুত **>ইয়াছিলেন সংশহ নাই ৷ বাহা হউক. আপনান** সোমপ্রকাশ দেশের বিত্তর উপকার করিতে**চে**। ''কলেডেই পরিচয় বিভেচ্নে কিন্তু মূব,সিদাবাদ , আমাদিগের দেকের পরিভবিধের সভা ও ভখার বিচার প্রণালীর শোধন বিষয়ের কোন উপায় প্রদর্শন করিতে পারেন ? চেটা করিয়া দেখুন দেখি ? আমরা ডাহা চইলে আপনার निकः विद्यय भनी रहेत। आमारमय श्रामीत्र ছুইটি সংবাদপত্ৰই এই গুড়তত্ব বিষয়ে অবাক চইয়া রহিলেন প্রভবাং জামবা জাপনার সর্ব नहेनाम यथा कर्खनः क्रुक्ता

1 左右は ひ てと বহরমপুর ( 1806 ক্ষরৈক ব্রাহ্মণপথিওস্য।

-#0#-----

## बुग थावि।

**ফ**.রিদপুর নের দাস অক্লপ এক ১২৭৬ চৈত্র হটতে ৭৪ ভালে '' নীলম্বি চট্টোপাখ্যার কলিকান্তা এই কালীদাস মুখোপাধ্যাত্র সেফেটার বাজি**হানপুর** ১৮७१ (रुक्क्यावि इहेट्ड ७৮ काळ्याति ۵۴ ্'' জ্রেছনাথ রাছ

३२१० टेइज स्ट्रेट १३ काइन " रहिष्डच कोश्री वरभावत " माध्यप्रक उर्कनिकास ३२१७ मधन स्टेट्ड १८ आवर

# নোমপ্রকাশ্রীংক্রান্ত কম্বেকটা विष्यं विश्वमा

অবিদ মূল্য ও ভাক মান্তল না পাইলে : খলৈ সৌৰপ্ৰকাশ প্ৰেরণ কৰা বাসু না :

ইহার অপ্রিম মূল্য বার্ষিক ১০ এবং বাং সিক ধাাণ টাকা, মধবলে ডাক্মাক্তল সং বাৰ্ষিক ১৩, ৰাণ্যাসিক ৭ এবং ক্ৰৈমাসিক ৩৷ জিন মালের স্থানে অগ্রিম মূল্য লগুরা বায় ন ছন্তি, বরাড চিন্নি, মনিজন্ত র, নোট, ও 🕏 Bकिए, हेरात अनाखत वांशाय वांशात छूनि হয়, ডিনি সেই উপায় হারা মূল্য প্রেরণ ব বেন ।

বাঁহারা স্থাপট্টকিট পাঠাইবেন, ব হারা বেন এক জংখন আখ আনার আ মূল্যের ও রসীধের টিকিট প্রেরণ না করেন

ষ্থন বিনিম্ভখন চ্ইডে সোম্প্রাটে মুল্য পাঠাইবেন, ভাহা বেন বেজিষ্টরি করি ঞ্জিক মারকানার বিদ্যাভূষণের নামে পাঠাই ८५न ।

यां वानिद्रशत मूना निवात नमत अखीफ इह আসিবে, এক যাস পূৰ্বে ভাৰাদিগকে চি নিখিয়া জানান ৰাইবে, কাল অভীও হই গেলেও একবার চিটি লেখা হইবে, ভাহার প এক মাসকাল প্রতীক্ষা করিয়া কাগজ বৃদ্ধ ক শাইৰে। শেব বাজের শক্ত বেয়ারিও পাঠা स्टेर्ट ।

যাজন। রেলভয়েব সোনাপুর ষ্টেসনের ডা যরে চিটি আইলে আবরা দীত্র পাইব।

ব'হোরা খাজুল না দিরা পঞারি প্রেরণ কা त्वन, क्षेशिक्षित्रत्र त्यहे श्रद्धांकि अहन कर ষাইৰে না।

কেং সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইন্স ক্ষিলে ভাঁহাকে প্ৰথম ডিনবান্ন প্ৰতিশংকি 🎺 আনা তাহাব পর 🖊 ২ আনা নিতে হইবে বিনি অধিককাল বিজ্ঞাপন ছিবার ইচ্ছা করিবে ভাষার সভিত প্রভন্ন বন্দোবস্থ হটুবে।

এক এই শত্র কলিকাভার দক্ষিণ পূর্বা বাডল রেলওরের সোনাপুর জেননের কবিশ মাঞ্জি পোতার জীয়ুক্ত হারকানার বিন্যাভুরনের পেট্ৰ পিথ বেলেকাকীকুটী ১৩ বাসিতে প্ৰতি নোৰ্বায় প্ৰাত্যকালে, প্ৰাক্তি ननीया । एवः ।

# (माश्का

ম ১ ভাগ:

১৯ সংখ্যা :

" प्रवक्तियो प्रक्रितिविताय पार्थिवः सरस्ति स्रुतिमवती न वीयतां।"

निक मूना अभिका अधिम वर्षिक ५० } नन ১२१७। ১२ दे कि जा ১৮७१। २६ अ मार्क। का अधिम वानानिक सामिका।

্বকৰণে মাজুলস্বেড অভিন বাৰ্থিক ১৩ টাকা বাধ্যাসিক ৭, ও জৈমাসিক ১৮০

# বিজ্ঞাপন।

কাব্যপ্রকাশ যন্তে নানা প্রকার বাল্লা, বনাগর অক্র ও বিবিধ সর্ভাষ প্রস্তুত एक व श्रेष्टिक व्यवर व्यवन वरमानक क्या ब्राह्म (य, क्षत्रकांव (यज्ञान हेन्द्र) करतन विक ই সম্বের মধ্যেই পুস্তক মুদ্রিত করিয়া দেওয়া ইতে পারিবে 🛭 ছাপা বত উত্তৰ ৫ ৭ 🗟 🤏 ড एक भारत केथियरत गरबत उसके कविव मो। য় অর্পণ করিলে সমুণায় প্রাক্তন দেখিয়া তে পাবিৰ, গ্ৰন্থকারের ধোন কর্ম বা পরিঞ্লর্ম काइ कदिए७ स्ट्रेंटन मा। बर्टकावङ कविटन পিও সংলোধন করিয়া দিজে পাবি, সংস্কৃত हेश्ह्राक्षिखांचा रहेरछ व कान वाप्र जान्नवान নীয়া ছাপাইয়া দিভেও প্ৰস্তুত আছি, ব্যয়ও भेक रहेरव ना। विनि मध्युष्ठ वाक्ना वा <del>≆</del>ভে কোন পুস্তক মৃত্রিড করিডে ই**ন্** রন ডিনি কলিকাডা, মূক্ষাপুর আমহাউসের **६५ ७८।) नर करान काराधकान राज** (বা সংকৃত বিদ্যালয়ে আমার নিকট লোক ঠাইলৈ সবিশেষ অবগত হইতে পারিবেন।

-:0:-

## निष्ठे अशिकात्रिम एन।

व्यामद्रा विनाख स्ट्रेट्ड खेरकृष्ट अवन नकन ম আনাইয়াছি এবং পরীক্রামের ডিস্পেদরি <del>তির ছবিধার জন্য দগদ মূল্যে দালা</del>রের s कंत्र प्रदेश विक्रम्भ कतिए**ः हि । मक्ष्म्य रहेए**क (पद्धकर्क a' जारात प्राः प्रसान स्मार्ग, रूखी বুরাডী চিঠি পাঠাইলে আমরা ঔবণ অভি भाक्रीकेटल भाति। केवरश<u>ह</u>्मूका वीक्राला व्यानिएक हारहन, व्याभद्र। खाकरवारभ खाँशक्रियन निक्षे छातिका शाठीहेव।

আর সি দম্ভ কোং। बहराजात की है नर ७२ वाही।

# बसूनश्रृष्ठाः।

কুৰুকভট্টকৃত দীকা ও বাদালা অপুবাদ ग<sup>्</sup>रेज, गरक्*च कारमस*ब्ब म्बु जि मा**खा**दानिक ঞীযুক্ত ভবভচন্দ্ৰ শিরোমণি কর্তৃক সংশোধিত ঠনঠনিয়া সংস্কৃত পুস্তকালয়ে বিশ্লেয়ার্থ খাছে। জানে যে মহত্রাণ বস্তু ও ঠিকা প্রস্কৃতি স্নাছে मुना ७ इत्र होका।

#### জীবছনাথ ন্যায়পঞ্চানন :

ভূটান পশ্চিম হারসমূহে হস্তি খেলা কবিবার निषिष्ठ चांगामी ১৮७१ चर्चत ३ ना अरक्षन হইতে ১৮৬৮ অংশের ৩১ এ মার্চ পর্বাস্ত এক বংসর মিরাদে পাষ্টা দিতে নিমু অক্ষরকাবী ইক্ক আহেন।

**হস্তি ধরিবার নিমিত্ত যত কুন্** কি নিযুক্ত কর। য'ইবে, ভাহাৰ কি কুন কি প্ৰতি ২০ টাকা হারে : মাস্ত্রল দিজে হইবে, ধুত হতি সকল ক্রণ ক্ষিবার অধিকার প্রথমত গ্রথমেটের থাকি-्रक । य**दर्शरान्त्रे क्षत्र करिएक देख्युक म**ा ६३८० নাধ্যমৰ ব্যক্তিগৰ ক্ৰয় কৰিয়া লইকে পাৰিবে :

জনাল্য আৰুশ্যক বিবৰণ নিয় আছুৰ ্টাৰ নিকট শশ্বং উপস্থিত হট্য়া কি পত্ৰ ধারণ किळामः कवि**रम काना याहरू भा**तिरव ।

তেপুরী কনিসনরী আফ্রিস 🕽 এইক বে,এক भगनाथको। ), हेई ५ गार्ट्य ১२ दे फिरनबड़। ১৮७७ (७ अप्री विभागनत

--:•:---

বর্জমানের প্রবিধ্যাত চিকিৎসক জীগুল্য বারু ভালানাথ সবিবাদ মহাস্থ্যের ভাগসভালুসারে সাধাবৰজনগৰকে এজনারা অবগত করা যাই-ভেছে যে ভবিষ্যতে উক্ত বাবু সৰ্বাসিষ্টাকী সর্জনের ভিজিট এছনে চিকিৎসা করিবেন। **बिहोत्रामाल मन्त्रो**।

**अर्समादावयक काछ कवा बाहेएल्ट्स** ख, ष्मामाभिक्षत्र महिकानी विषय बाहा छत्रम अकूत-मजह, विकृत्रुम, वरभीध्यनुह এवर सुद्रभुद मामिल বে সমস্ত টেক। জমী এবং বুড়াবঘাটে যে চক चारह ७ भवगरन धूणांनाह। हेनारशुव अकृष्टि তাহা আমার অসুপদ্ধিতে এবং অমতে বদি আমার জ্বেষ্ঠ ভাতা বিক্রের কবেন এবং বহি কেছ ভাহা খরিদ কবেন সে বাভিল, নামঞ্জুর .ace व्यवास रहेदा ।

অমুনগর নিবাদী লা মার্ক ১৮৩৭ 🗟 প্রসরকুমার দাস

জীমন্তগবদাগীতা মূল, জীধর গোত্মামির টীকা এবং বাদলা অনুবাদের সহিত রীত্যসুসাবে मृतिक बहेबा था जाका मृत्या विक्य बहेरजहरू, শহাৰ প্ৰয়োজন হইবেক ডিনি সংকৃত যন্তের ुखकालरह शुक्रकाशतकार विकार वर्षका श्राक्र য়ালয়ে মূল্য পাঠাইলেই প্রাপ্ত হটতে পারি-

ইম ব্রানাথ দার্যা :

ବ'ନ୍ନିର'ବ୍ୟ ଅଧ୍ୟ ଜୀବ ।

শিষক ও ছাত্র উভয়েন্ট্ কর্কারেশিরে গী হল্প এবালী অনুনাবে আমি এক খানি পাদীসন্তি প্রস্তুত করিতেছি। **আপাতভঃ** উহাব প্রথমভাগ মুভিড মইরা দংকৃতবদ্রের পুস্তক।লে বিক্রীত হইতেছে ৷ ১.৪ মরের ব**হল** পরিনাণে সহজ্ঞ ভাষ্ট স্থাকৌশল বচিত প্রথ नक्ष प्रश्रीत स्रेप्ताह । पूर्वा म्य जामा।

জীকালীপ্রসন্ন গলোপাধ্য'মু ৭

----

# বিজ্ঞাপন

সন ১৮৬৭। ৬৮ সা লে জেলা বৰ্ষমানে বে সমস্ত নিব্ৰ লিখিতলোকেল কণ্ডের কার্য্য কৃষ্টবে এবং সম ১৮৬৮ সালের ১৫ ই মার্চ্চ তারি ওর্মে সমাধ্য করিতে ইইবে সেই সকল কর্মের জন্য সন ১৮৬৭ সালের ৩০ এ মার্চ মোৎ সন ১২৭০ সালের ১৮ ই চৈত্র পর্যান্ত জেলা ব্রহ্মা बिक्क गांकिटके मारहरवत काझानिए वन्त कत्र मरवत कर्म मक्त्रा वाहरव अवर केल कातिरच रामा १ शहरतत मनत मे मनक मरवत कर्म (ब যাইৰে।

अफि।क महत्व कर्यात अक्त १० होता जिलाकीह साचित कतिएक स्टेटन । केक फिलाकीह महत्त वर्ष कथाहा स्टेटन कावण (मन्त्र) वा কিয়া প্রাহং ২ইলে পর দব দেওনিয়া ব্যক্তি তদসুসারে কার্য্য করিতে অস্বীকার হইলে উক্ত আমানত জব্দ করা যাইবে। প্রত্যেক দরের কর্মে দেওনিয়া যে দরে কার্যা কবিতে চাতে তাতা লিখিবে। এক ফর্ছের মধ্যে এক কি অধিক রাস্তার দর দেওরা বাইতে পারিবে।

শ্বাস্থাব নাম	মৃত্তিকার কার্য্য কিউবিক ফুটের হিসাবে		চাপড়া স্থার ফিলেল কুটের হিসাবে	কিউবিক ফুটের	খোৱাষেটানিং কিউবিক ফুটেয় ক হিনাবে	নান কাষ্টে শৰ্ম কিউবিক যু হিনাবে
বৰ্জমান হইডে লিউড়ী বাস্তা	3 <b>4,44,54</b> .	<b>&gt;,</b> %₹,¢••	•	b,8**	•	
<b>ই মেদিনীপু</b> ব ছা <b>ত</b> া	۰۰۶,۵۶,۲۲	8,60,***		04,6	•	
কাটোম্বী হইতে শিউড়ী রাস্ত	347	34,34,	1,6%,	٠٠٠,٥٥٠	826	600
🛦 দেওয়ানগজ বাস্থা	3,84,	3,42,6**	3,40,000	<b>e</b> ,···		
যোট	S≥,8€,3 €.	08,00,000	3	F\$,1**	836	£ 19

কেছ লপর বিভাবিত বিবৰণ জানিতে ইচ্ছুক ২ইক্টে কাছাহিতে জানিতে পারিখেন।

वर्षमान । मन ५৮७५ मान ভারিখ ১১ ই মার্চ

a, (क, कांच्र, (नवर्किक) নাজিকেই )

37 × past 35 i.b.

ঠন্ঠিটিয়া সংস্তি পুজকালয়ে সংপ্রাণীত ও বংশ্রারিত নিম্লিখিত পুজকর্মীন বিজয় ই:তিয়ে—

<b>स</b> नी ड		भूटको ।	
<b>এ</b> নইন্ডিহাস		১ টাকা	
(इप्रिकेश्टर) न		5 ×	
कृष्यभाग र । दार्ग	•		
বাজিসার (১ ম ভাগ )		J-	
নীডিসার (২ য় ভাগ)		٠ او	
ভাচারি উ।			
মুক্তবাৰ ব্যাবস্থ		4*	

**डि. ५।३कानाथमध्या** ।

# त्वाबधकान ।

১০ ই হৈত্র সোমবার ।

উড়িগার ছর্ভিক্পীড়িতের নাহাবর্গ আলীমগঞ্জের প্রীযুক্ত রায় ধনপতি
বং হ বাহাত্তর দৃতীন্তকুত বে নাধু
ছুঠান করেন, গতবারে আমরা ভাষা
ঠিকগণের গোচর করিয়ছি, এবার
প্রকার একটা নদস্তান নমাচার
হাহিদিপের প্রবণ গোচর করা বাইহছে। কুফুনগর কালেকে একটা সভা
রা এতদর্থ কিন্তিৎ অর্থ সংগৃহীত হই
হয় পার্ত্রগণ প্রেরিড স্থান এইরপ
হা হার্য অর্থ সংগৃহীত হয়, ইহা একান্ত
হা হার্য অর্থ সংগৃহীত হয়, ইহা একান্ত
ভা হার্য অর্থ সংগৃহীত হয়, ইহা একান্ত
ভা হার্য অর্থ সংগৃহীত হয়, ইহা একান্ত

क्रीत त्यांक निम्न विरुद्ध भवन क्रमा र विश्व क्रिकेटिक क्रमा क्रिकेटिक क्रमा रेकात क्रिकेटिक क्रमा क्रिकेटिक क्रमा रेकात क्रिकेटिक क्रमा क्रमा म क्रमें, क्रमें क्रमें स्टाम क्रमा कर्मा

প্রকার অনিভাপাতের আশহা এতে देव**र्ष मंत, चडोर्डनांड**ड वि<sup>टाष्ट</sup> द्रम ४ **एत श्रिकाशिक नियंद्रभन विद्यु**न प्रशास्त्रक क्रिएक स्मरण मद्दंबंश्यान अक्रम युग् 'र्रेश छेंटे। विशेषकाल वास्टित्र दे ই য ও বাণিকা কলে কাণীন ভান ও चार्चीन वारशंत कहिहा कार्या अन्यानन করাই উচিত, ভাষতে অভীউসিধি एत, व्यवाया वाञ्चित्र यहि । बीलर्क्टवडा चर्षिक नोट्डिय चार्निट्य अक मोम्म डाहा भेरतम्ब क्रिया छेदमम् इहेब्राइबी, ठी-করেরা কাট্রাক্ট প্রাকৃতি কুলির স্বাধীন-তাপহারী খত আইমের প্রক্তির চেউ৷ পাইতেছেন, ভত্তই অলভিবান ও বিশ-मानन स्टेटिंग्डन । जीहाता यपि यानी मूरमा क्षाप्त कथर पर कृति नहेना चाहे-বাছ টেটা পরিভাগে করিবা সবলকায় কুলি লইয়া বান, ভাহাদিগকে কটাই **भारेम हाता रह** मा कतिता **भ**र्थ हाता ৰশীভূত করিয়া রাখেন, এবং বছল পরিমাণে তথার কুলির উপনিবেল ক্রিয়া অকার্য্যসাধন চেন্টা পান, বিল-ক্ষণ লাভবান কইডে পারেন। কিন্তু উট্টাদিগের বিশরীত বৃদ্ধি উপস্থিত হইয়াছে। তাহার বশবর্তী হইরা ৩ রা रिकेटी अभिवास ट्यांस ८० व्यम . हा-कर ও উচ্চাদিগের প্রভিনিধিগণ প্রশ্ব **শেনরবার নাহিত নাক্ষাই** করিরা চার চাবের বর্তমান ছ্রবছার বিষয় বর্ণন अदर्भवर्गेट्यकेटक अ विषदा श्खार्थन করিতে অপ্ররোধ করেন।লাওহোলভার সভার অধ্যক্ষ বুলেন বিষ্ণ নাহেব আবেদন পাঠ শ্তৎপরে কাডিনাও সিলার সাহেব চা-করছিলের ক্ষডির विषय बाहिनिक वर्गम क्रिक्टिम । व्यारव्यम কারিগণ অমুবেই জীকার করিয়াছেন, **डीशरिएमें इन्डिमाम इन्डन्स्ड स्टाइस्डि** क्षेत्रन क्षेत्रक्षिरमञ्ज नाननाविरमञ हरे-८क्षेट्रे चाँग्रेश्टक्शिक दमक्षणि कि काश्रंत्र

乳化甲烷二甲醇甲烷二甲甲甲 গের 'নম্লাখন্ত বর্টা ক্ষতির কা भिन कविषाद्रस्य । श्राप्तमः, भववरात्री । কৰ ও মড়ুরে, প্রকশ্ব ক্রয়ে চি कविषा अन्तर कृतिबाद्धन । अपना प मार्ट नेश्वापिशास निर्कातिक न नरेका दवक्रम ও होकात अक मर्व हार बिएउ स्त्र । अ विश्विष्ट काडि स ৰাৰ্ষ্য । দিতীয়, কুলিরক্ত নিযু स्विता भवर्गदाके काव्यकात हा দিণের সভাবহাকের প্রতি অবিশ্ব জুলিরক্ कवर विष्यंत्र कः मार्गन नाटक्वं व्यक्तिके क्र তেছেন। তৃতীয়, আনামে রা ঘাট উভন নাই। অতএৰ জাঁহারা প্রার্থ ক্রিয়াছেন, বেশুন নির্দ্ধার্ণ চা কর মসুদ্রের পরস্পারের ইন্টার উপর নিও कता कर्त्तरा । अवश् कृतितकारकतः । উঠাইরা দেওয়াও রাস্তা গ্রন্থত করিব ৰন্য অধিক টাৰা ব্যয় করা উচিত।

चार्वकम शक्तिक इंदेरल विका मार्ट्य भ्रदर्ग स्थानत्रमहरू द्विर्धाः ৰেজর লিজ, ডেপুটা কমিদনর মেল কোষাৰ, ডেপুটি কমিদনর কাণ্ডেন লা ভেপুটি কমিণনর কাপ্তেন ফোন্স, বাজেন হাছেল ও ঢাকার কমিদন राजां जगरहरवन्न क्रिलाएँ अका रतं. ठा-करवता नाशांतरण प्रकृतिहरण व्यक्ति नमावहोत करतन। मरश मर অত্যাচার হয় বটে, কিন্তু ভাহা বিরু উদাহরণ মাত্র। মজুর্দিপের উপরে সম্ব হার করা চা-কর্মাননের স্বার্থ। তি অবিগয়ে কুলি আইন পরিবর্ত করি: কেবল চুক্তি অকেব ফৌজনুগ্রি দুৱে विविधि द्राधियात अञ्चलाम् कटलन ভাঁহার মতে ক্ষিণ্ন নিয়োগ স্তদে পরীকার ন্যার খইবে, সভার কারণ জান বাইবে খাত্র, কিছু জীবন আর পাওয় मार्ट्स मा ।

शवर्गव (अपतहन हेशा छे अर शांठ कवियार भूटर्स তিনি বলিলেন, यमित मिथिनिशान उभागनस्त्री, उथानि मा ग्रंश करा डाँ। চাজৰ প্ৰছটিৰ ছার একান্ত ইচ্ছা। ভিনি - গ্লান্য कहेरल निरक्ष का कर क्टेर्टन। 'को बॉनि-(शत नाम डिनिट छात हवार्स **पार्थ** हेला-क्किन कविएक सामिगारहन, डिनि'निएक हैश-ताल, व उक्त राजनभी मिर्पाद कर्छ पूर करा জীহার কর্ত্তর কথা। কিছু ভারতবর্ষবাসী ও রাজীব প্রতি ভাঁহার এক গুরুতর কর্ম-ৰ্য কৰ্ম আছে। গ্ৰহণুমেণ্টের নিক্টে যেসকল ब्रिट्नार्ड का रेटन, जाशहरू का वे अ तान করে সভুরদিপের প্রতি মতাতার করা वित्र उपाद्य नत्व, अत्यक क्टन निय-मिडत्र । अहात्व इहेग्राट्ट । वहे कार्ट्य अञ्चटतत त्रकात समाविष्णिय व्यक्ति रहा । व আইন রহিত করা তিনি অপরামর্শাসভ জ্ঞান করেন। পরে প্রভূতির পাঠ করিয়া ৰলা হইল, ১৮৬৩ ও ১৮৬৫ অব্দের মাইন শুলি অনেক অনুসন্ধান ও সাধারণ সমতির পর হয়। আইন স্বারা চা-করদিবের ক্ষতি इरेश्नर, छाश छिनि चौकाव क्तिरख সম্ভ নহেন। সিংহলের কাল্কিক মরিস সাংখ্যে আগামের চা-ক্ষেত্র নর্মান করিতে भाहेरमग । जनमंत्र रक्षनत्रत्वत स्पन्तारम 🕻 खिनि वर्षक्षान इत्रवक्षाय **क**रे करहरूहि কারণ নির্দায়িত করিয়াছেন:---

প্রাথম, গৌত মূলধন কোম্পানি করিয়া ব্দপরিনিত ভূমি কর করা হয়। ইল পরিদ্ত ও কর্ষিত করিবার উপযোগী প্রিলাম ও টাকার সক্তি ছিল না। এডরিবস্থান বিভার উদ্যান বন পরিপূর্ণ এছি হাছে। বিভীয় বৃদ্দেশ হইতে জুৰি श्रदेश वस्तित वात करमक इस्ति इहे-शिष्टि विक्रिति, जानक क्षीपकार म्बलूब হায় এবং ভাছাবিগের অধিকাংল 🔊 जाई शानकांत्र करता के जनाम श्रीका | इवेक। विश्व क्रिक्किशिवर्यत स्व स्त्रेषु व्यक्तिमा इत । क्ष्य मिनिक का व्यक्ति कार्य क्षा क्ष्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य का

তব্বিধানক যাওয়াতে চাউভ্যক্তপে अञ्च हर ना। व सना देश्न । व सना देश कार्णी<sub>ह कम</sub> इहेब्र<sup>भ</sup>ष्ट । शक्षम, ठोकाव अक मन हा इन स्टब्स्ट कि इन्टिन्ट्,। वर्ष, जातक हा-कादत शर्याख जूनसन नाहे। मक्षेत्र, हेर सटक कार्यकृष्ट् रुउद्याटक মনেকে টাকা না পাইরা ক্ষতি সহ্য रुतिहार्द्धन। महिन नार्ट्स चल्चलां छी, শভএর গ্রণ্র জেনরল বলিলেন, ভাঁছার কর্পা 🖡 গ্রোস করা/বাইতে পারে : ক্ষতির कात्रवं का कटत्रता जाननाता क्षेट्रक्टस्य। कार्देश्व (स्राप्त (स्वया क्यार्य । क्षार्य बाळाडूमारह रे क्ट्रारबीह ব্যবস্থাপক সভার এক বিল অপিত ইইরাছে। ইকাতে मू(मगर् थे) निक्तीत्रन निष्म বে ভন রহিত হইবে। কুলি রক্ষকের পদ উঠান ভাঁহার মত নহে। যেখানে কুলি থে,ব্লিড रम, त्मरेथात्मरे व दिश्वतम् व्यक्ति व्यक्ति, আসামে উঠাইতে হইলে মরিসন, ডেম্লে রেরা প্রভৃতি ভালেও উঠাইতে হয়, কিন্তু ভাগ করা অসকাবিত। আসামের আরু ৩৪ লক্ষ্টাকা মাজ। পুরেন, বিচার ७ रेमिनिक वाग्र वारम, व्यक्तीके केन्नुक बारक। उपारित अवस्यत्र ख्यात्र न मक **धेका नूष्टन त्रास्त्रात स्वता. ८५७३३ वर्डे**न शांदह । चात्र चिक ठाका जाबादव राषाय **इटेटक फिटल प्यना कारमटन्द्र** উপত্রে অবিচার করা হট্রে। পীড়া निरक्त रेकिनियात्रात्र व्यासाहम व्यक्ति বেতনেও ঘাইতে চাহেন না ৷ বিশুর মজুর ও ওবরসিয়ার আপেক্রাণ ক্রিয়া-হেন। গৰৰ্ণমেশ্টেরও মঙ্গতি অধিক,নাটু, শতএৰ এ বিষয়ে আপা<sub>ন</sub>ডভ: শার-কিছু করা বাইতে পারে আরু ,শ্রেক্সংখ্য विष्ठात्रश्रीक निर्मारणत्र । विष्ठाः : किलि भीज भन्नकान कतिरदन दलिएक्स । 💯 **এर পर्याप्त स्रोधा गण्डा-कम स्रोट्स ज़ॉन** 

नियातं नारस्य उक्तिश योगरेनम, जोर्मन मारस्य काहारक हो कामिरमा अधि স্পান্ত পক্রতা প্রমর্থন করিয়া কৃত্রি করি-ডেছেন। ভাঁহার উপরে কাহারও বিশাস मोरे। कीशटक' नम्मुष्ट कहा कर्वरा। बुट्यन न्त्रियं, मिनि, वर्शित छ सम्बद्धमन নাহেৰও এই প্ৰকাৰে মাৰ্শন নাহেৰের प्तांच निष्ठ नामितन **(व**िर्म नृदर्स भवर्गस्मर के कार्या इंड्रेस्ट विक्क्ष इन. তাঁহার রিপোর্ট বিখানের বোগ্য নতে, তিনি কুলি ও চা-কর্নিপের মধ্যে পরস্পার বিবাদ বাধাইয়া দেন, ইত্যাদি গ্ৰণ্র ক্লেনরল ভাঁছাদিগকে বাললেন, অসুপৃত্তিত বাকির নিশা করা অ. ন্যায় ; উাহাকে স্থলমর্থন কুরিতে দে ওরা **क्टिन। , अपि वर्षार्थ ७२ नमा ह**हेब्राट्ट। চা करत्रत्र। (क, दि क्यान कर्यागतिहरू রাথা উচিত্র, আর অসুচিত তাহা পর: र्गरम्बद्ध वाक्षां बद्धश बिल्यन १ डीहा-ब्रिट्शन द्य व्यक्तितान्नीयाटक, डाहाई कामा-देरमः, व विषयः भवनंत्यत्येत कि कर्तनः छार। यता निम्बाका कृष्ठक व्यवस्थारम। टर वार्कि बाँता का निर्माय शाय शका बिठ र , डीराटर नके कहिबाब क्या क्या अहिंदि हीतिम्टनत त्य त्वांभ चाट्य, वहि काशत अमोबद्रन मोत्न। मार्नन गार्ट्स्वह চরিজের অর্বজান হেডু কমিননর বক্ষ-ला थटक मिनू के कहा प्रेशांट । किन भार अक वासिटिक विश्वक करिया छान रहेड। विक्नार्यक छन्टन मायात्रावत वक्ति भागा। सनत्र दुवेदेशन डीहाई সনেক টাকে চা কোন্সানির "সংখ ক্ৰে সমিৰেশিক ক্ৰাছে।

ष्यात्रज्ञा महिने नीटस्ट्रेय प्रिट्रशार्धि व्यवस्त्रीतिक नार्वे वहिता व्यक्तिम् हा क्रिक्टिश्र माधनाहित्य स्टाइट मान हर्वाक्ष्य । जीवारा अक्ष्रीका नहतीत जाताह कह क्षित्र हार्ट्स, वक कर्रम

क्ष्या क्षिएक व्हेट्य ट्यंकि केंक्क्षियात वार्ष दिन मा । मोद्याकीक कार्या े व्यक्ति देवेंदन देव रूग स्त, काहा चडिन बार्ट्श वक्षाविरभन्न व्यक्ति नागानरेगा अनियान रात सत्र कारा चायता वृत्ति ना : क्टि चरमक हा-कड़ कम्भाः मीलकड़ीय-'भित्र राष' चरणक्त 'कतिएक्ट्स्स'। सूनि र्भेंग गया निवेदम (२७न लोह मी) महिल नाटरवं अध्यर (वष्टन विवास क्या विध-ষাট্টেন। এটির প্রতি যেন ব্যবস্থাপক সভার मर्ट्नारवान हा। व उटनंत्र श्राम नर्शा निर्दा রণ অভি আবশাক। এ নিরম রহিত হইলে बरे रहेटर, इंड्यावशावनमन, नीविवासाव चाल अक ठीका शिर्वन। शर्वन्त्र (क्यात्रन निर्दे चीकार करहत, कृति निष्ठांड निर्देश वंत्र, किंद्र कारांत इत्रवक्षी क्षेत्रीरिंख चार्रेटन चात्रक हाकि न्देरन । कुलिहिटेशंत किरिश्मा अनानी चित्र सदना, जाहा मार्जन मारहर कराकी बरनम माहे,चन्नुम. चारेन बकान श्रेट्य। काशानिरवर्त्र दीन श्वांत नायात्रदश स्थान, बीटलात क क्यांक मेरि । हा-क्रवडा अनक्ष्म विद्या चार्णका विट्नंत " पाँच 'छ पत्रात छैगत निर्कत " द्रिक्ष बालाक्षरक्षमः भवन्तम् विष भागम ब्रह्मन ज कथा। विश्वान क्रिटेनन । शक्कन · কুমি পাওয়া বাইবে ডডক্ৰিডিচাহাহিলের कीवटनत क्षांक भन्नाचे मना क्षांत्रानिक स्टेंटन। यति दवजन क बाना व्यक्षि निवंदह সাধারণ পরিভাবের নির্মের উপরে मिर्जन क्या देश, छादा दश्ता दस्य विटाले क्षेत्र विविधि यात्र मा शाटक । मटहर् नवानावात्र्य क्ति क्तिरंबन, श्वन्ट्रियक क्ष-क्षत्रविद्यात स्टा कर भनाव भारत Plater | atel ese, que fen pt.a. क्या बाकातां कि त्रुवाच्य बहेतांत्र देखा wining affagen; as . fin chains ব্যক্ত প্রতিষ্ঠান বাণিত সম্বাৰ্থীয়ে না ক্রিক देशके का माज्यांने प्रदेश महाक ces at den Spelleces me

केटिया क्रिक्टिया विकास सर्वाचार क्रिक्टिया क्रिक्टिया

#### বালিকা বিদ্যালয় ও জলস্কার পুরকার দান।

আমরা আর অধিকাংশ বালিকা 'विकाणद्वत नातिएकायिक इकास मरवा रिविट्ड निर्देश अपूक विद्यानस्य अपूक् বালিকা অমূক অলভার পুরস্কার পাইল। শাসরা শ্রা এই এখাটার প্রতিবাদে र्वहण रेरेगाव। क्षीरमाकविरात स पन. কার ধারণের রীতি আছে, তাহা প্রোন कोतिनी नदर्भ देश यह स्थादि मूबिक कुष्टे स्ता। धार्षेत्र, बाउमात्रा विकासीर्यः-लात नेविएनव हाँको स्वेति वाटक। विति বে পরিমাণে অলক্ষার বাছণ করেন, উহায়-সেই পরিমাণে এক রাছ হয়। বিভীয়, বে স্ত্রীর সাবিদেভিন্ম ক্রেড খনখাথের খণপ্তা হয়, ডিনি খ্যিকস্তর স্বতারভূষিতা প্রতিবেশিনীকে বেখিয়া वेदीवित हम । कृतिय, वामाहबदि चक কার পরিধানের **অভানি ক্রমান্তে এ**কে-नीवं खीरणारकेका अवनि धनकाविद्या इंदेडी ठेंटिन (यः स्वं शिष्ठ चनडोड़ सिट्ड मी नीर्देशन, चार्सक करन किनि चटीकि क्षांबर रहेरा भरक्षा। इजुर्य, अरु मक्ष নার ক্রোরের অভিশালন ও ভারাহি र्मित्र केश्नांस पर्कन करे। स्टेटल्ट्रा धर्न कॅटिंबमारे रमरे मखारात। य मखारतत परिका क्षेत्र मादे बिनवाई अगिकि हरेगा भं**क्ष्म, क्ष्म** दिन व्यवसाह শীৰীবীলৈয়া এ দীতি থাকিবে তত বিন क्रिटिमोर्केविटमप्र- मीत्र महर পারিপাট্য क्रिकेंबियंग बारे । बरमणीय खोटमा यक वितिशाम करवन,

चमारक शिविष्ठ चनकात स्वादेश रेखा कि छोड़ोज स्थान कार्यन नेट्य रिविर्देश के जार, शांतिकाणि विकानकारण विकाणदात चशकतिर्द्ध कार्यक छेट्यार बान कहा कि छेठिछ शांतिक छेट्यार बान कहा कि छेठिछ शांतिकारिक विवाह कि स्था खेरा यादे च्याकारिक प्राप्ता वाणिकारिकाण्या चशकरिक चारता वाणिकारिकाण्या चशकरिक चहाराथ कहिंदछोड़ छोड़ोड़ा चांत्र वाणिकारिकाक चलकार श्रीकाल चारता

#### विकासका ।

नावासान क्षतानी अवस्थित रहेशांत्र भाग व्यवि नाना स्टिन नाशायाक्षण विशा मात्र क्षांत्रिण रहेशांक। क्षित्र हेशांत्र व्यक्तिश्रिण रहेशां क्षतांत्र व्यक्ति कांत्रव वहे भागनीत व्यक्षांत्र व्यक्ति कांत्रव निर्काणिण रहेशां क्षति, वृश्च स्टिन महत्व विश्व कांश्य व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विश्वन नश्कांत कांद्यांत्र अधान व्यक्ति कृतिक वन, व्यक्ति नांद्य क्षति कृतिक नश्कांत कांद्यांत्र अधान व्यक्ति कृतिक नश्कांत कांद्यांत्र अधान व्यक्ति कृतिक नश्कांत कांद्यांत्र अधान व्यक्ति कृतिक नश्कांत कर्षांत्र अधान व्यक्ति कृतिक नश्कांत कर्षांत्र क्षतांत्र व्यक्ति कृतिक नश्कांत्र कर्षां कृतिक व्यक्ति कृतिक नश्कांत्र कर्षांत्र क्षतांत्र व्यक्ति कृतिक नश्कांत्र कर्षांत्र क्षतांत्र क्षतांत्र कृतिका व्यक्ति व्यक्तिक क्षतांत्र क्षतांत्र क्षतांत्र क्षतांत्र क्षतांत्र

" ৰে ৰে ছানে সাভাষ্যকৃত বিদ্যালয় আছে, क्याह के विकारनेत क्या नमुख्य देनराजांक्य महाजंक अंख्डी क्षतींत्र शकारत्रक निवृद्ध कविर ठ পারিখেন, এবং খোন কোন আম বা স্থান এই প্ৰকাষ্টেতের অ্থীন থাবিবে ভাষাও বাৰ্যা করি त्वा और नदास्त्र कहूँक अव यात्रि सर्वपूक् **এছত করা হটতে। পঞ্চায়েতের অধিকৃত নীমান্** मर्था गांशनविक अक्रमक दिश्मणि मूबावा ভাহার অধিক উৎশন্ত হয়, এমত সম্পত্তি বে नकन बाकित बाकित, जासारमय नाम क्षर के সম্পত্তি হইতে আহাত্তের যাতিক আয়ে নিহিছ स्ट्रेड । अटे खाउँदुक् **अखा**क स्थान भागतन-त्मह नर्वाटबक्टवत्र सिकिष्ठ कादा अवसि जिल्लि স্থানে সংস্থাপিত হইরে। তরিখিও ভার নির্দ্ধা রণে বিনি অমত প্রকাশ করিবেন, ভিনি 🚵 ख्यनात्र या यहकूमात्र माखिट डेट्डेड शिक्डे काणील क्तिएन केश्रंत भरामाधन इहेटक शांतिरहा तिष्टे के मान व रुख्यांत अक्का : e मिर्य गरत ्र

🚜 हो। इ बार्क्क का क्रमित मन्भाक लाइक কুৰ্থ ডাষ্ট্ৰতে মড আয় সমষ্ট্ৰ মিডিট কইৰে , ষ্ঠাহার আর্থেক বা তথাবক আর্থান বা প্রিক গলাভ গুৰীত হণ, ভাৰা হইবেই নেই ছাৰে क्षेत्रज्ञ विकायन विद्वार ७ ४९:शेष व्हेर्य 📭 পৰিয়ালে এবং হ'জ কাল এই কর লিভে ছইৰে এবং ভংগ্রতি প্রভোক কর্মানীয় সক্ষি ঐ বেট বংহতেই লিপেবস্থাকিতে। শিক্ষা-বিভাগের ভিরেটর সাহেবের সম্মাত্ত এরবে সি.পিৰ্ছ হইলেপৰ কৰ আৰাগ্ন হইবে। পৰে এই व्यादश्य व्यक्तिकात्री समुखास वह कि समर्थण बहेबा একটী শিক্ষা কাৰ্যে ব পঞ্চায়েড মনোনীত কৰি (दन, अवः उत्तरः एकेएउ १क कवातः मन्नापकः यत्न भीज कविरवतः। वे नकारवाज्य ज्योन ष्ट्राटन यह सूज स.८६ वाहेश.भक्ष स्टेटर गर्कटन-ब्रहे मुल्लाहरू डि.निहे बर्गस्टब्स । १५५७ स विन्ता सम्भागिक इंदेर्ड ए कि खरा विमान सहरे-(ব এবং বিস্নাসম সমূহের কার্যা প্রধানী সমস্তই এই শিক্ষা পঞ্চাব্ৰেড কৰ্মুক স্থিনীকৃত হইবে, ज्ञानक मर्प्रहोस सम सामन राजनारि-**∢**वन !

अहे निका कर जन्म करित करित करा निका नेकारहर्ष शिक मिन्छ कर त्या कर कर कर में के कारह किस मारुष करिक कर क्यांकाम बोकिएस से लक्षाहरूक केक माक्षित क्रिये नज्ञ विक्रम करिया कर कालोड क्रिया नहेंटक नाहिएसन।

শিক্ষা পঞ্চায়েত প্রতি বংসর এপ্রেল মানেব পঞ্চাম দিবনে শিক্ষাসংক্রাঞ্চ ডিবেটব সাহে বৈং নিকট নির্মিষ্ট নীডে ভগ্রনারে আরু ক্যের এক হিসাব পাঠাইবেন।

শিক্ষা পঞ্চায়ত কর আগায়ে ভাক্তীন্য করিলে কথা করদায়ী বাজিরা পঞ্চারেত মিনুক্ত না করিলে শিকা বিভাগের ভিরেটর সাহের মাজিট্রেট্র সংগ্রহণ ভাষ্ট্র আড করিয়া জাহার অনুষ্ঠি সেমে আপনি সেই সমু-মার কথের কমতা এছন করিতে পারিবেন ৷

निकाकत व गतिशाल जातात हरेत जिला हैन कर्ज्य जरगरियों ने ज्यारिक भगनीय है माहारा क्षण्य हरेत. वे ग्राहाय। हिटलें व वस्म हेका वस्र कतिराज्य गाविरवन। क्षराज्य भवर्ष-(या माहारा भिन्न विकास त्राह्म मालाक विकास-माहार (क्षा माला जिल्ला क्षराज्य कामा विकास का माला जिला क्षराज्य का किरवान क्षराज्य माहिर्य का किरवान क्षराज्य माहिर्य का किरवान क्षराज्य का किरवान क्षराज्य का किरवान क्षराज्य का किरवान क्षराज्य का किरवान का

ল বি বিষয়ক বন্ধ লে'কের ন'ম লিখিত চট বাধ্য ছটবেন বিদ্যালয় সম্প্রতিক কাহাছত কিছে।
বিষয়ক অর্থেক বা তদ্ধিব সংখ্যক লোকের আপা থাকিলে তিনি সেই সম্পাদককে
ক্রত ভাষাতে মত আয়ু সুমন্তি নিষ্ঠিত চইবে , করিয়া অভিযোগ কবিতে পারিবেন।

अहे अक्रम विश्वानात्त्व निवृत्तिक वाष्ट्र वहेंद्री (भाग त्य व्यपं देव इ व्हेर्स, क्षाहा निकामवर्त्वाक डिस्ट्रोडेल्ड निकडे (श्रीतिक व्हेर्स, क्ष्यकर्क् विद्य हरू। मध्य कार्य स्वत्य व्हेरर । क

षाहेक्सिन मारहरदत्र पिक्सात्र व চেটা প্রশংসনীয় সম্ভেছ নাই, কিন্তু श्रक्षावंकी कनाविक इंदेर दराव हरेएक एक না: অধিকাংশ পরীগ্রামে **প্রস্তা**ব শিনিত আয়বিশিউ বাজি নিসিবে मा। मिलिटलं दिवार्शवदस व्यक्तिभा বান অধিকাংখ্য ব্যক্তি মিলা ভার। व्यक्षिकारणं व्यष्ट्रहरू ना इत्र्रेडा अध्या-रबल इहेबाब मञ्जाबना नाहे। स्कान श्वारन কথাজিং পঞ্চায়েত মিলিনেও এত অবিক चर्च नः अह व्हेब्राज नखावना मारे स्व क्यांत्रा पूर्व थम गर शर श्रेष्ट्रा व्यट्टपन-इस देरहरू धनानीहरू किस्टिर फेस्फ्रा विमानारात्र तात्र निर्माह एत्र + भागापि-গের দেশে যে কোন কর করিবলৈ वानमा, का, क्य थारवान वाक्रिक्टक काशास्त्र क्रकार्यका माध्यत नकारमा महेर्न् किन्न अवस्थित विषय अस्य व्यक्तिम क्रमाञ्च प्रवीतः छात्रा-व्हेका विमालि-कात आफि कारकत विश्वन कविदा উঠিলে ৷ যে সমস্ত কর্মারারা রাজ্য রাজ্য ७ वा सहस्रकाः व वास्त्रकाः व्यक्ति । स्वर देमकम ग्रीज मिडेनिनियल हो अ ভৌকিদারী টাঙ্গ বিতে লোকে কছ षमरदार धकाम कतिरक्रहः।

वज्रभ कत निर्दातन कतियोत पान जाककाव स्था कांक्टकार गाँ। हेनरण्य केतता यति किष्टू भेक्ष व कांग्यांक्य काः वक्षर्थ स्थ नाश्यांकान क्षणांकी क्षण-स्वतः वेक्षर्थ स्थ स्थापन केत्रिक स्वरंथ। वक्षय क्षण्य कांद्रिक केत्रणांकित कर-क्षणां कांद्र्य कांद्रिक, केत्रणांकित कर-क्षणां कांद्र्य कांद्रिक, केत्रणांकित कर-

देगद्रणकेत वात्रा चट्या वाद्यत्र सम्बद्धात অনুসকাষ করিবেন ৷ যদিনেকানে , অধি-कारण गणन वाकि चारकस अवर सहि। कारण लाइकत्र वनक्ति सत्, श्रीश क शाबद्यतः (बंधन ऋष छानः मानाध रहेटक शादत, काशंत **अञ्**यान कतिहरू बरेदा । क निरुद्धि किश्निक क्षिक नित्र-यादिक श्रीताक स्टेटिन। चाकि स्थित गांबाबटवब कन्मावकत्र कार्ट्या अविकारण লোকের এইভি উৎসাধ ও অধ্যবসায जाय गारे बटने, किस च च नकानश्रद्ध উভম শিকা লাভ হর, সায়ায়রো, এ, ইছো मधिप्रोरहा, छेख्य निका स्टेटक्टह त्रंचरक नांद्रेश किक्किर व्यक्ति रवजन नारन रेनारक शहा अधुव २३ मा। नक्य বিষয়ের অনুসন্ধান করিয়া জেপুটি ইন-স্পেক্টর রিপোর্ট করিলে ইনস্পেক্টর चार्वसमकातीरक काकावेश रमधास्य स क्षात कृत स्रेवात नकातमा आहरू. जाना जानारेटवन अवर जाराटक टन्हे गतियांका **वर्ष** नःखन् कतिएक हतिरहम, भर्गरमण सरहाजक जीवा क स्कूलिएक्ट्रब कुना नामाना (मध्यानेट्स स्वेटन । विक्रि विति भूरे निवद्य वश्व रहेक्द्रशासायाः अस्त्व मुक्क स्रेट्ड्रम, क्रिनि नाहावा शाहेर्द्रम त्य दम् सामित् ह्य .दम, आदिवसम, कविद्रम रेनटम्मकेटबड्डा कारा आस, मा. स्तित्र यदि और निष्ठाय कार्या स्टब्स, विका स्ट বাংশ্বিত, করিয়া, লোকেট্টিরাগভাতন ন रदेश थिए। छेत सनाहादन कुरुनारी स्ट्रेट्र शाहिद्दन। अकृदित् **७ जूभिक्छि शिशू**र त्राचित्रा राष्ट्राध्यमात् केषय निष्ठमः कहित्र बिट्स अध्याद्य देश्याचे दिल्लामध्य अधिक पर्णन प्रक्रप्र रहेरव मात्र व्यानको व्यक्तमा त्यत्र छेन्द्र सिर्फद्र मा , क्रिक्स (विश्वित श्रीनशा बरुपा अस्टिबंदि । विदेशका या र्शानगणि देशांकी मध्य भागितागर नः पान अवासी प्राप्त व्यवस्थाना COR TICOR SERVICE PROPERTY WAS

The same of the same of the same of

# नकार्यत (गाँका यात्रा जात्रयरेनत जारेन।

बारमा अस क्रम क्रमहा चारमात्र । इव कडिडा विणडावित, अक वाकि रात्र छन्टन वनश्कारण खेमाण एत, इक्टम वयागमरत छात्रात अकारव फ रदेश दन अकाम रहेएक त्या नारे। দিবদ শঞ্চাবের স্নোড়া ছারা হজার ন বিধিবস্থানকালে ব্যবস্থাপক সভা ই প্রকার প্রাশংসা লাভ করিয়াছেন। मिन के दिश दिश्विष रह, मिन হ ক্ষেরি ভূরাও ও গবর্ণর জেনরজ লেন, ক্ষোড়ারা সর্কলা আফিসরবিগকে াক্ষণ করাতে ভাঁহারা এত রুই হই-হৈদ ৰে আইনে ক্ষতানা দিকে াহার। আইন স্বহস্তে লইবেন। স্বর্গৎ বৰ্ণমেন্টের দৈনিক ভ্তাগৰ এড জিছ রিতেছেন বে, ভাহাদিগকে বর্ণাবিধি াইবের মহিলা পালন করান ভার হইয়া विद्योरम्, मण्डवन अवर्गमण्डे स्वाविष्ठः इन, चारेन ना कतिरम रव कार्या चन्छा-ার ও অসভা ব্যবহার বলিয়া বিবেচিক हिटन, चाहेन हहेटन चात्र छोहात त्रहे লে স্ইবার সভাবনা নাই। এ আইনটা इद्द क्विंग रेगमिक्तिस्थित क्रांत्र क्रा हिष्टाह १ विश्वपूजि देशा हुन मा १ ११ त्रांच्याचि आस्टानंत व्योचत, वादेन **হরিয়া হউক, আর বিনা আইনে হ**উক, উাহারা এবেশের স**হ**ত্য সহত্য লোকের द्ध छ दक्ष्म क्रिट्ड शांद्रम। यसि क्रुडम, खादारक चामानिर्शत स्वरतत खान्न वाथा कृष्य मा, क्षा अवर्गमण व्यवसा द्राचात महोत्र यूक्ति विक्रम् भावेग कडिएन (बक्रमे काबी अटबा: बिर्णत रेणव कर्कत विदर्भ त्यहेम मार्थ्य ब्रालेस, अ प्राप्तरक विकारक्त कहे विद्व क्षकान अग्रिक्टक क्रांबक्ष्यवीय अवस्थितिकावित विक्रम काम क्षितार अञ्चलिक विराध केराक क्रेश्राहर, क्षित दिनहीय क्या रशिए गण्ड 

क्षा शतान, काका दिन ही कि निकास क्षा शतान, काका दिन ही कि निकास क्षा श्रीन गारित्द प्रकार। यदि दिन का के साम युक्ति विद्यांथ स्वार्थ के क्षेत्र, काका क्रेटल काका मरक मक निका मामना दिलकाम, खारक य गरिन दिन विश्व वर्ग स्थिति क्षा का क्षा के क्षेत्र गरिका क्षा क्षा का क्षा का का मिल क्षा गरिका क्षा क्षा कि क्षा का मिल गरिका क्षा का का का का कि कि गरिका

(यहेन मारहर अहे चारेन मद्रावा चार्यीः जब विश्वतः बर्जन, स्म विश्वि कर् রুধা। তাহা করিলে খত খত ফোশ দুৰক্ষিত প্ৰধানতন বিচারালয়ে রাশীক্ষত নিভান্ত অকর্মণ্ড কার্মল রাজা ছিয়া **भाष्ट्रीटल भ्हेटन, देशटल निमन स्टेटन** । की होत मटक अहै कतिहल है बर्प के बंदेर लम्बेंबके भवनीत्रत्र मचकिकारम व्यथन-তম বিচারলিয় মধ্যে মধ্যে দরকুলার প্রচার করিয়া কার্য্য বিধি ছির করিবেন। নরকুলরের কি এটাণ কোন অস্তুভ গুণ ও ক্ষতা আহৈ, বে তাহা বিচারপতি. দিলের ভ্রমপ্রসাদ ও উপ্রতা প্রভৃতির সূরীকরণ করিতে পারে ? কাগল প্রের-M अटह चार्नीन स्टेटन मा ? निहम वस्-ভূপ্ত প্রবেশের বিচারণতিয়া কি অজ্ঞান্ত ? বছদেশের শিক্ষিক বিচারপত্তি-প্ৰা উপযুক্ত উকীল ও জুরির নাহাব্য লাভ কৰিবাও ত্ৰটেৰ পতিত হইয়া প্লাকেন। देश कि चौरेक्कि ? हम स्थिन जाननपू-(देव क्षेत्र मार्देशका नामक अर्क राज्यित হতুদ্ধ দেখ, কিছ প্ৰধানতন্ৰিচায়<del>া</del>-वह देखा राजिएक मुख्य कतिहारेष्ट्न। আশীলের নিরম না থাকিলে যে এক क्षव विद्वारिक व्यवस्थ व्यवस्थ स्टेड একথা কোন্ধ্যক্তি অস্থীকার স্মিবেল ? स्मिर्म शहरूद ७ वावक्शनक जाना नाह. युद्र व्यामाष्ट्रिक्टक विकटकटक्रव, जीज गण मो सिटन काक्ष्मन निवातन व्हेटन मा। क्षिक जामता किरिक्टि, वार्यार्थभंग

অসুষ্ঠান করিয়া কেবিবেল, বন্ধণ অবিস্থিত দওকে ত্য় করে না, তাহাবি, (तन गटक व षादेन (कामक) मरे क्टना--गताती हरेरद मा। देशात कम कर हरेरद ব্যক্তীর বে কোনএডদেশীরপ্রকা কোন**্** चळाहादकाती चेडेटबालीटबन विकट्स. स्टब्स्टिशनम् कतिरम्, क्रांश्ट्रम् अवे चारेन् **बहुमां**टः व**ागोरः व्हेट्यः, भागीयः** नहरे, अवर विद्वारत विद्वार विद्वार विद्वार রোপীয় অধির কথায় অধিক বিশাস-कतिरदम् । "मर्ग अन (वि पूजिः লাভ কড়ক, কিন্তু এক জন নিৰ্দোধীয় त्यन इया पक्ष ना श्रा । "व्यक्तित वरे द्य বিশুদ্ধ মূল নিয়ম আছে, ভাষা কিছু কালের নিমিত পঞ্চাবে রহিত থাকিটা वह मूल निग्नम स्टेटव , यथ क्य निर्द्धाव ৰ্যক্তি বসং দণ্ড পাউক, কিন্ধু বেন এৰ ক্তন দোধী মুক্তিলাক না করে। "

#### (21334 I -

আনেরিকার অস্তুত আধিছিয়াব মধ্যে প্রেড সম্ভারণ একটি প্রধান। স্বশি क्षिष्ठ ७ क्र डॉरमा, दिनदी ७ दिहानी; स हाहाबीर ७ रेमनिक, जीवाक ७ चूंक প্ৰাৰ্থ থাৰতীয় জেশীর লোকে ( সৰ্ वाक्तिपाठक्ररण मा एडेक ) अरे बर वारत कतिएंडएइन। दक्षरमण व्यक्ष् মার্নিক কল্পানার প্রধান স্থান। সত্ত এখানকার থানেকে বে এই মত আং क्तिद्वन, काका क्लान्ड्टर्शन विश्व नटक हिन्नकाल स्था याहेटल्डर, मानूरवह वर्ष জিল্ল পদার্থ নির্ণয়ের বলবতী বাসনা ইছে। আহে। প্রাচীনকালের ধর্মশার কানেরা এটা ভাল বুকিতেন, 🗪 এই 🔫 यक्ति डीव्डा क्षेत्रहरू निश्चकत অভীক্তিন সমাৰ্থ বলিয়া জানিতে ख्यानि नाशांतरणत के मदनात्रथं न ক্রিবার অভিপ্রতির নাম। প্রকার ্চে 🖟 ভৰুলক নানা ধৰ্ম ও না

এম্ব প্রণীত হইয়াছে। প্রেত সন্তারকেরা बर्णम, এश्वरकत माहार्या यथार्थ क्रेश्वत নিৰ্ণয় বরা যাইৰে। প্রকাল কি ? সে অবস্থায় কি হয় ? তাহা নিশ্চয় জানিতে र्शाहित्य मानुरभन कीयम मूर्शमन इत । একন্য প্রেডভত্ত অবলহন আর্থনীয়। কিন্ত এরা হইতেছে এেডভড়ে সভ্য কি না ? আন মৈরিকাও ইউবেচেশব প্রা**গা**ড় চিন্থাশীল লোকের। এক বাংকা প্রেড-তত্ত্বেৰ অলীকত্ত স্বীকার্য করিয়াছেন। সকল সম্প্রসায়ের লোবেই অলোকিফ ঘটনা সক্তকে আপনাদিলের মতের যার্থারে প্রমাণ স্বরুণ প্রদর্শন করেন। ক্রেডসভাহকেরা এই সাধারণ নিয়ম ष्यक्षम कतिया वर्णन, प्यस्टिक ८४८ छत পাহাব্যে অভয়াত ভাষায় বক্তাকরি-শাছেন ও অবক্তব্য লিখিয়াছেন। এইটি डॅरिशिंद क्षेत्र क्षेत्र व्यवस्था । (य मगर्ख দুকীন্ত প্ৰদৰ্শিত হয়, তাহাতে আমাদি-त्रह व्यविश्वाप्त कहिवार धारमध्य नाहे. কস্ক চিকিৎসাশাল্রে এরপ ছইবার ণারণ **স্পান্ট উলিখিত হ্**ইয়াছে। মি্সর पर्य এक मश स्थायवायीका पार्ट्स, শিক বাঁহাকে ক্ষরণ করেন, উাহার अखिबृर्खि देशोता स्मर्थादेशा स्मय, व्यंष्ट হোরা অবেণীকিক ক্ষমতার ছলনা করে

আদরা ক্তজ্ঞতা সহকারে স্থানির
রিতেছি, সম্প্রতি প্রেততন্ত্রের বিরুদ্ধে
লখিত একখানি ক্স পুস্তক আমানি
পর হস্তগত হইয়াছে। হিন্দু কুলের
ভৌয় শিক্ষক বারু ভোলানাথ পাল
ম, এ, ইছার লেখক। বারু ভোলানাথ
লৈর ক্তি কোন্ অবস্থার কি প্রকার
র, ভাষা ভাষার অবিনিত নর বিভিনিন
রের ক্তি কোন্ অবিনিত নর বিভিনি
রের ক্তি কোন্ মন্তানির মুক্রিরামা অভ্যন্ত
ক্রিক প্রেতভারের মুক্রিরামা অভ্যন্ত
ক্রিক বিজ্ঞানের ক্তিক্তা। ভাব

1 1

হার ইত এই, প্রেডতত্ত্ব একটি মানসিক,
ত্রম : গৈড়ান্ত্রিত ব্যক্তি ক্ষণিক উথাদে
থাকার হন এই মাত্র। এ বিব্যের তিনি
কয়েকটা উৎকৃত উদাহরণ প্রমূলন করিনাছেন , পাঠকবর্গ মূল প্রস্থে ভাষা দর্শন
করিবেন । তিনি প্রেড সন্থাবকদিশের
একটি প্রধান ত্রম প্রমূলন করিরাছেন ।
ইহারা প্রেডদিশকে অড় শলার্থ ঘলিয়া
বীকার করেন মা, কিন্তু মাগনাটিজমের
হারা ভিন্ন প্রেড আইলে না বলেন,
অড়ের লাহান্যে অজড় পদার্থের আবিভাব হর, ইহার অপেকা ত্রম আর কি
আহে?

আমরা হৃঃবিত হইলাম ভোলানাথ वातू ८कवल प्रमीय नाट्यात खेनात प्रकाश याम इदेश उर्क कतिबार्टन। विद्यानील লোকেরা ভাষার তর্ক অবওনীর জান कहिर्दम । किन्दु द्रश्रेष म्हारकमिर्भन्न मरक्ष क्ल कन अधकात चारहन ? क्षांक् নন ছেব্ৰিস প্ৰাথমতঃ ৰখন এই অস্ত্ৰুত মত প্ৰকৃষ্ণিত করেন, বেই অৱধি এই প্রার্থিত হৈছের সংক্রেপ ইভিয়ার ७ कारा , स्रेटक व्यविधाना উनारत्र श्राप र्भन क्षिएण शुक्ककोनि मांशाहरान महि কতব ক্ষমগ্ৰাহী, হইত। তিনি কেবল कु उदिकामिर शेत्र निमिष्ठ कि विशास्त्रम्, किंद्र अरमरण नारम कुछन्मि। अरु मन लाक चारहर, डाँशता वधन विशे मुखन (मर्थन, ऋथेन मिहे मिहन श्रोदयान रन। डिंग्स्टरा वर्णन् भोहतात बक् श्रेस থারেন না। উলাহরণ প্রেম্পুন ক্রিয়া উাহারিদের অম তঞ্জন করিয়া হেওলা উচিত ছিল। এন্থমধ্যে ছুই এক স্থামে পন্যায় বিজ্ঞাপ আছে; এ সকল স্থানে अजीव कावरे बावमाक । विकट्ने अन्त সংক্রার আরও দুদ্ধন্ত হয়। 🖟 🚈 ,

व्यायानिद्वतं कोलमाच् त्रः यात्रमाचाः जिलिशाद्यम् ।

छन्। बारमंत्र अफाइन्द्रंत विका श्रूटन

**मामक्षकार्टन स्वयं। इदेशाद्यः । प्रकल्पमाञ्चे अक्ष** বিশক্ষণ ওলতর দইরা উঠিয়ালে: আন जाका विक स्वेताहि त्य, बाक्य भूक्त्य गर्भव वेदार বিবেৰ চুক্তি পজিত ক্ইয়াছে ৷ বৰ্ত্তবালের সাবি कि वनविक क जिल्हें है नुनिय क्रमां इतिहर कार क्षम बार्क आदश्व केक बादश छेन किए हहे। বিশেবরূপে ডদারুক করিয়া কহিয়াছেন, জ্ব্য চাব জতি ভয়ানক। ফ্রানে **অনু জনেক**গুলি আসামী মৃত হইরাছে। মধুস্থন সরকার খুদিরান মিত্র উভয়েই সমাৰ অপরাধী, সকলে शक्रक विद्वादम्। श्विमाम भारतम वार्क मूर्व नवारकारमञ्ज्ञ दानि भरधवन कृतिया व्यक्तिक वन ক্ত ডব্য পাইয়াছেন। নবাৰ্**জান্ত ভাৰিনি** য म्ब्यून रहेशा संख्या शिक्षारहम । मक्कामा সেশনে সমপিত চইয়াছে। কাউলেন ও উকী আদালত পরিপূর্ব: বড় বড় সংখ্যে বিচা দেখিতে আলিয়াছেন। অঞ্জ্য ভেণটি বা পুলি**य देवरण्यकेत स्वोधकांति ও दि**क्किकेदि ভাষলাগণ সাঞ্জি বন্ধণ বন্ধয়াৰে গমন করি क्रार्टन्न। अर्नकश्रमि दिवारी विषय केनश्रिक প্রথম, ভাকাইভী, বিভীর, গুখ্যাখ, ভৃতীয় पर विकास संस्थारबन, इपुच विरक्षाविषा, नक्ष्म नकामीनकाम देशवाक, वर्ष भूमिरदेश क्षार **परेका । देशन अस् अस्त्री लाटाई** इसा<sup>ँ</sup> नादे गक्न छनि अयोग स्ट्रेंट्स स्वायकारता हिस्ट्रिय बना बोह मा। जामहा जलाहारुह दश (यहा গুনিলাস, ভাষাতে দোষী ব্যক্তির গুকুমণ্ড মঞ্ উচিত। শুনিনা হ্ণর কম্পিত হইয়া উঠে ব বাদীর বাক্ষাক্ষে দাখী জীর অবধান, পুরের गमरक माखारक शहात, देश कि बह बारकरण विषय है देशएक कि प्रयास क्रिया एस है बार्श शक्तिक এ বিশ্বদীয় স**ধ্**যে নিম্পতি ষ্ট্ৰে না। লেপ্টন্ গৰ্জ বাহাছ্য় প্রাঞ্জ ইহাতে চুট্টপাত করি

७ व काश्वन प्रांति हुई क्षतिक अपने कामक क्षातिक निक्षे अक्षी आषार्थतः १८२ प्रति ানিকা সমস্ত ক্ষেত্ৰীভূত ক্ষুত্ৰা বিস্থানে; আক্ষণ ভূই বাহির করিতে পারেম নাই ৷ মহাভাপ াল বাহাছদ জীহাকে বস্তু ক্ৰয় কৰিতে পঞ্চমূদ্ৰা भाग कड़िया श्रुश्तिकीत्वर जना कैंशिक লেৰ সাহায্য করিৰ ক**হিয়াছেন**।

অব্রভ্য পুলিব ইমন্পেটর বসির্দি সেখ লমান্তনিক ইওয়াতে জাঁং। ঃ স্থানে বাবু জীৱান ন্ত হোৰ আসিয়াছেন। ইনি পুলিষ কাৰ্য্যে এক ান উপযুক্ত লোক বলিয়া গণ্য ইনি অনেক ছ বিষয়ের অসুসন্ধান করিয়া উ<u>ক্র</u>পদস্থ ব্যক্তি रेश्यत निकृष्टे विरम्बद्धरण विकास स्टेग्नास्टन ।

কাটোয়াত্ব সংবাহৰাতা লিখিয়া

----

**हम:--**-

मूत्रजिप्तरेवार स्थानां वक्षण श्रीन नम्हर বিদ্যার চর্চা অভ্যন্ত আর ৷ বহরমপুর বইতে নীৰ্মত হইয়া বাড়ইপাড়া, বহরান 👁 হরিহর-ণাড়া প্রভৃতি গ্রাম সমূহে একট<del>ীও</del> বিদ্যা**ল**য় নাই : এমন কি কোন কোন গ্রামে গুরুষহালয়ের পাঠশালা প্যাত ছষ্ট হয় না। গোৱাৰ এছ্ডি **পর স্থানেই** সাহায়,কুড বিল্যালয় প্রতি**ন্তি**ত আছে। বাহা হউক, বৰ্তমান ওজটু বিং জুব এ অভাবের মনেক ছুর করিবে ব্লিয়া ভরুসা क्या बह्ह ।

এখাবে কুডের চ'বে বিশ্রকণ লাক আছে, উত্তযন্ত্ৰণ আবাদ করিছে পারিদে প্রতি বিবায় অনুনৰ ৫০ টাকা লাভ দেখা বার।

কাটোরার চাউলের দর বঙ্গে চড়িরাছিল, একণে মণকবা লাচ ছত্ন আনা কমিয়াছে এবং থানৰ মধু চাউল বিক্লীত কুইতেছে।

कारहेग्या देवकवंत्रकावनदीविद्यात अवधि প্রধান স্থান ৷ এখানকার প্রায় সকল লোক বৈক্ষা विकि छेनवीछ विकास कृतिबादकन, बीरांत कांसावान क्य स्टेबाटक। वाजी अहे काळगढ़।

क्षांक्ष वदाववांका विविव्हित्य---' निन नहीरकाषी/काजभन कारमकावि विमान- केंद्रिकारका हैसे क्लाक क्रूटबर विवत् । त्रत विकास वानीद्रक कानिक रहेता निका ক্ষিতে সামক্ষরে। এই ছাত্রেরা ক্ষি ক্ষেত্র ক্ষার ক্ষারে ক্ষারের ক্ষিয়া থাকেন। এবানে

मरमु ए निका कतिहा शास्त्र । किन्न कारनेवापि विशामस्त्रत विष्ठीय स्थलीरक नश्कृष्ठ निष्कात আধিকা হওরাতে উক্ত ছাত্রেরা তথার বিজীয় লেনীতে পঠি করিতে খব্দ হয় বা । হুতরাং উহা ভাহাদের পক্তে অনিষ্ট্রকর হইরা উটি-शाह्य । अफ-ध्य माहेनत्र क्यालिन ह्यानीएक व्यक्षिक गश्क प्राप्त विकास मित्रम कता आदन क रहेरफरइ ।

२ व्यञ्जा (समय)नांत्र क्राप्तकन्न क्राप्ति এক জন কৰ্তাবলের প্রাণবধ করাতে কর্তুপক জেলখানার অধ্যক্ষ সাহেবের কৈঞ্চিরত ভলব করেন। ভাহাতে উজ্ঞ সাহেৰ বলেন বে ভিনি তখন জেলখানার উপস্থিত ছিলেন বা। তাহার ভার ভথাকার নায়েব বারোগার উপরে ছিল। हैह'एड (क्रम्त हैहा इहेटड अप क्षमात मुक्ति क्षां हम, किंद्र कर्डुशक खाँशंत्र (व्यमाशःस्वतः) कथात्र छेशटव निर्मत कत्रिवाहे मारवर मारताशास्य কর্ম ক্টণ্ডে ব্য়তফ করিয়াছেন : নাগ্রেব দারো-नाटक क विषया किंदू किसाना मा कतिहा करण বাবে পদমুত করা গবর্ণনেক্টের উচিত কার্যা হয় নাই :

৩। সুলভানসাধী নামক স্বাহে হয়ানন্দ রায় নামক এক জন জমীদার বাস করেন। তিনি সময়ে সময়ে আর্থসাধন ক্ষম্য লোকপীড়ন ক্ষিয়া খাজীই পূর্ব করিছেন। কেই ভাগাব অভিনার হও কাল না করিলে তিনি তাহাদি-গক্ষে নামা প্রকাব খন্ত্রণা নিডেন। এডছপলক্ষে ভাষাত বিজ্ঞান ভাৰ মকত্বৰা উপস্থিত চইতে ভিনিমানা কৌশলে ভাষা স্ইতে বুলা পাই ভেন। সে দিন ভারতা এক কানের নিকট করে-को होको होहिएन के बाकि खब्सभार करवाछ **इड्रा अक्टब्र इड्रामल जोडाटक गतिहा जानिया**र নিমিয়া আপন অধীবস্থ এক জন দেশ-चानित्य अञ्चर्ण कंत्रमा जम्मूनात्य अक्स मकारको अवर क्रार्टाशात महाशक् व्यानक हुत जाला छैन क्रिय हरेता, जे वालिय ठावि कर লইয়া অনিতা কিন্ত কাল পরিবর্তনের কেমন, স্থান্দীরের শ্রীর ভরানকরণে কণ বিকত जान्त्रकृति कार । ८१ कार्ट्स हारक्षेत्र करत्रकृति आक्तः वृद्देशः बादः। अवदमन्तर्रः विकासी सकत्रमः स्ट्रेग्नाट्स अत कृक्मत्रव काट्सटका काज क्रिक्क स्वत्राटक स्तामक वाटन्य नेगा वरमत

 ভাতা কালেভের ক্তেমারীর জিয়তা जिविश्क्षीक महित्व समित्र विकास विकास विकास ক্ষিতেহত্তব। ভিনি অভ্যন্ত দিনের বংগ্যই সদা-» ( वर्ष्ट्यार विश्ववासूनाद्व पादेनंत्र क्या- । इतन क्षकाट्य काळ वक्योत क्षित्रणाळ रहेता

.६ । अनुवासिटकात्र कमियमक आटर्य सटश्र मटया

विक्रमीत कामानीत मरबा व्यक्ति स्वताध्य ডিনি তাহানিগকে এ খান হইতে ভাকাইয়া विवाद काल माकिएकेएने प्र मिक्ने श्राह्म निर्धन। कत्रभारत मास्टिक्टिंग जारमञ्जर भूमिन् ভাহাদিশকে দুর কবিয়া দিভেছে।

ও। অনুস্তা এক ধান পুরাব চোর ছই স্থানার আটা চুরি করিয়াছিল। এখনা ডাহার সাজবং-त्रत्र बीगास्त्र कातावान मध स्रेग्नाहः। अरे वास्ति বে কেবল ছআনার আটা চুরি করিয়াই এই মহৎ শান্তিভোগ করিল, পাঠকরণ একত বিবেচনা कतिराय मा। के शुर्क्त चारमकात हुन्नि काँक-श्राट्स अवर मंत्रश मत्या ना खिल साथ स्टेन्नाट्स अभै भूतः भूतः कुछ इक्टर्स्य क्य ।

বিক্রমপুরের প্রাচীন ও আধুনিক मर्कि श्रु विद्रुप् । ( গড একাশিতের পর )

बङ्खकाथ बङ्गान प्रवह देवभूका श्रकाम कहि-यां विमामन यर्गामाक कतिया नियासमा তাঁহার মৃত্যু বিষয়ে এক আশ্চর্যু কিবপতী चाङ्गा च्यास्य वालन यूग्लयामन्त्रियः श्रीष রাজার পূর্বাবনি কিছু আন্তরিক ঘূণা ছিল (১) একদা বাও আদম নামক কোন ধৰমপূৰ অজা-्ट्य अर्थ मन्द्रि (क्वांवलद्र द्वा **व्हेन्ना श्रास्त्रम**न्न भूभात्र रटख धात्रव शृक्षक वजारणत विर्**र्डवर्**व আসিপ্না উপস্থিত হয় ৷ খাও আধ্যের ককিয়ী ব্যবসায় ও সহম্মনীয় ধর্মে নিতাত অসুভাগ ছিল। সে রাজার অনুচরদিগকে মহা আস্চা-লন সহকারে বলিল "কোবায় ভে:বের বরান রাজা? সে বছকাল হুইডে মুসলমান জাভির প্ৰতি বিজ্ঞানীয় বিভেষ অৰশন করিয়া আসি-তেছে। এই ফকীর বাও আদম ভাষারই প্রতি শোব করিবার জন। আগ্রিট্রউপস্থিত হইয়াছে। আলি আমার ক্কিয়ালী যায় কি ভাষাকেই বরাণির হার ইতে হয় তাহার স্থিতো নাই। अভिशादेशन भेजव छ रहेशा बाबाटक नवार এলান করিল । ব্লাল ভক্ষুবণে বিশ্বিতচিত্ত বিবেচনা করিতে লাগিলেন " আমি নিযুক্ত প্রজা মধ্যীর হিত্সাধনে হাস ধারি, কৈছ কর্মন प्रशास्त्रममा मा भाद्र प्यामि अहे निविष्ठ शकुष्ठि

<sup>())</sup> ब्रह्मारमञ्ज कार्यक्षिमानी वर्णय कतिहरू এ কৰা অমুসক ৰ অনীক বলিয়া প্ৰতিপদ হয় ৷ তিনি সক্ষরতা ও ছরার অনয় পরিচয় এচান कृदिया शिष्ट्राट्डन ।

তে না পারিলে কাপুক্র বলিয়া সর্করে ! মাৰ অপ্ৰশঃ হোষণা হইৰে : আমি কোন চুৰ সংখ নিষ ৰা, কারণ উপস্থিত ধ্বন শুনি ছি একাকী। সুভরাং আমিও একাকী ব ; আমি ভোমাদের সম**ক্ষে এই স্পো**ভটীকে ৰ্ভ মধে: করিয়া মিডেছি: ঘটি কয়লাভ ংতে পারি, ভাষা হইলে জামাকে পুরীতে ষষ্ট দেখিতে প।ইবে। পরাস্কৃত **হইলে** মুদস-দ্বির আধিপত্য হইবে। ডখন ডোমাদের ৰ্ষ ধারণ কথা বিভ্যৰা মাত্র কইবো ভো-। এখন **হই ডেই এক ' জ'রকুও**  শু**স্তা**ড রোরাখা ধ্থন দেখিবে এই কপোড क्रेग्रा चाँ भटक फबन, निकार महत्र icৰ আলা নিখন হইর:ছে'। সেই য়ে ভোষরা অপেকানা কবিয়া কুণ্ড মধ্যে বশ পূৰ্দ্যক হিন্দ্ৰবংশের গৌরৰ বৰ্ষন ও আস দের কীর্ত্তিপডাকা স্থাপন কবিরে।

**এই বলিয়া ব্রাল**সেন আত্রপক্ত সম্ভিব্যা-র বাও আণ্ডের সমরে যাত্রা করিলেন। লবাটীৰ অনভিত্বত এক বিস্তৃত উদ্যামে रे वृक्ष रतः अकुरिय गमरतः वृक्षातकः वृक्षेतः। रिन्त्रः যবন উজ্বেই মহাবীর্ণ সম্পন্ন ও প্রচুর स्त्री । जरबाय हमिद्र्ष भागिमः। अञ्चलकी ানুপকাবস্থিনী হইবেন ভালার ভির্ভা লে না। আসাল রুদ্ধ সকলেই বলালের **প্রকা**-সলতা এৰে স্থয় ধ্ইয়া ভাৱারই বিভয় র্বনা করিতে লাগিল। এই সময়ে সর্গালোক हानक महीहिमाली यखरकाणति खारताइन हेरनमः व्यवस्थरम् (यना श्राप्त कृष्टीप्र शहरत्रत्र লে ক্কীর সাহেৰ বংশারী বইলেন । তথ্য হুল চতুর্দিগ ধইতে জর্মনি ক্রিডে भिन (२)। किन्छ कि भनिष्ठारभन्न विवयः

(३) वेशादक त्वाव १४. अक्यांस वात जान वशादनत अति हिन। अनः मूननदारनतो **ধার সহিত বোগ দেয় নাই** 😘

র্পর মুখাপেকী। বিচার বিষয়াও আমাব বিষ্ণুমাব বলাল রণ**াবে পিণাসাতুর হইয়া** ! নসত্তে কাহার প্রতি পক্ষণাত প্রদর্শন করি জলপান করিতেছেন ইভাবসতে হঠাং কপোডটী । অথবা ছারুগালোর আমার সহিত তয় সুক্রর চইয়া আকাশপথে উত্তীয়মার হইল। ধাইবার জন্য প্রায়েশ্য কবিবে ভাষাও মনে। তখন রাজা ব্যক্ত সমস্ত ও হতাশ হইয়া গৃহাভি রুকে পারি না। এখন নিশ্চরই জানিলান। মুখে চলিলেন। কিছ উছার আগমনের পুর্যেই রি'আমাব প্রতি কার অসুক্র নহেন। আজি <sup>†</sup> কণোড দর্শন করিরা আত্মীরেরা অগি প্র**হি**ষ্ট রাজনী বলালকে পরিভাগ কবিয়া যবনা- চটর'ছিল স্থতরাং বরাল পরি**খন শোকে** ভো ২ইবেন। " এইরূপ চিন্তার পর মহাসূত্র মিনীর হইয়া ভংকণা। ফলত অনলে জীবনা-ডি পুত্র কলত দিগ্যাং আহান পুর্মক বলি ছতি দিলেন। উহির (ব্রালের) বে শক্ত न ''क्रम आमारक क्र शहक এक एउएमद दिल्पंत्र शानमन्त्रिः। क्रिम, अहे छाहान রে প্রবেশ করিতে চইবে। র'জ্যরকা রাজ্যত । এক উৎফুট উদাহরণ। তিনি আপনার ঐশ্ব-ান খ্যাও কওঁবা কর্ম। এখন বিদ্রোহ দ্যান । বিক্তি ভালুশ গৌরবের কারণ মনে করিভেন

#### नाशावन विवदन ।

ি বিক্রমপুরের **ভা**কারা**সুসা**রে বসন্তি সংখ্য चर्यक चरिक। अवास्त्रहिन्द्रवर्षीयनही स्नारकता অপেকাকুত অধিক সংখ্যক হইয়া বাস করিছে-(क्रम । **अहेशकाञ्चनाची लाटकत्रक अक्कार**स अन सार मारे। अवस्त अर्थ शिक्ष अन्त्रणांत्र केहा हुन। क्रत्य केट्सबनीय । केशक्रियत (अर्ज् शिक्सिश्तर) আদিপুরবগণ বাজালার নবাব সারস্তা বঁ। কর্তুক মুজীগঞ্জের উত্তরাবঁশে সমানীত হর: ভারবি গেই স্থান " কি:রিকী বাজার" বলিয়া অভিস্থিত হয়। সম্রাঠে ইহারা নামা স্থাম বাসী হইরাছে । দেবী विश्वास नहात हैशाविदशतक कृतिकार्य छन्छी विका। कितिवृतिमार्थत वर्षाञ्चताथिकात श्रीकृत সত্রণ কয়েকটা নির্ক্তা সংস্থাপিত আছে। প্রতি ন্ত্ৰিন সায়ৎকারেল ভারাদের পাত্রি (উপদেশক) कर्डुक देशबिटमञ्जूषी शुक्रम क्रिक्स क्राफिट्ट केल तिष्ठे रहेशा बाटक। किंखा निका विवास किंद्रि খীরা তাদুশ উর্ভযনা বলিছা অপুনিত হয় मा ।

मूननवान काफि हिन्दू आफ्रिक प्रेष्ट्रेपीरण হইবে। ইহাদের কুবিকর্ম গাবনই জীবিকা নির্দ্ধা হের এক্ষাত্র উপায়। কিন্তু বনিও বাণিজ্য রক্ষি क्वकिर शतिबाद्ध देशदात क्षित्र सामगात रहेक, 'क्षांत्र आयात प्रदेश क्रिकी क्रिके क्रिके निकाजारव देशनिमत्क जापून पत्र मन्द्रां कार्यक तालाव निकर्णको वानिका कृतिय केर्सतका वर्षताशस्त्राधि क्षणाणी वासकी विवेश कियो करें के अवस्थि कहिएकहरू त्यांथ व्हेटलट्ट मा । अधिकारण क्रमानाव अक ब्रेटकी मुद्राटल मेंक मेंक किमानिकी व व्यवसारकात्र व्यवस्थितः। त्यांचे स्त्रः देशास्त्रतः काद्या देशवारंभावः विकेषिक स्त्रेरव्यकः। प्र व्याष्ट्रात राज्यात राज्यात व्यापिका क्षेत्रम कार्य- हार आमाजिय व कि हाई लाउँके कार्यात स्मर प्राष्ट्र विकारिय के देशास्त्र अस्ति विश्वभूधार्थिय । क्रिक्स केत्रिया क्रिक्स क्रिक्स कि अन चर्नत्र वेशाहाः मात्रश्रिकः यूगनामामिद्रमत्र माह्य जानुन वर्षाञ्चतानी **त पृष्टे २५० वस**ा व्यवस्थितातः इदें फिन भार " अवाक गाँउ के अहिंद राज्यों है কিন্তু ডিক্ পদ্ধর্প বিশেশ কোন্ত কার্যনিক্ত নির্দিত্ত 2、音:"麟"如字即均较级 नाहै। ,

रिक्त्र विकामभूरक्ष चानिम-निवामी। कि क्षांत्र नवर्षः होश्या अधारत चाक्षतः करतः विर्देश क्यांक्रिक्टिक । विश्वास वर्गाकाः विका দুখি ও চাইরতার অন্যান্য স্থানবাসিবিং অপেক্ষা কোন অংশে সূত্ৰ প্ৰতিশন্ন নহৈ ৷ স্থ খনাত বয়ালৈ ভূপতি ইয়ানিলের মধ্যে বাহানি গ্ৰেম্বৰণ বিশিষ্ট (৩) ব্লিকা জানিতে ডিনি ভাহাদিদকে " ফুলীন \* উপাৰি প্ৰদ कश्यि शियारहम । किश्व कि शृत्भव विवय অৰ্কাটীৰ হিন্দুৰৰ ভদৰণি কৌলীন্য প্ৰখা বংশবর্ধানার চিক্ মনে করিয়া অর্থোপার্ক্ত निक्ष दक्षितारक्ष । छतिरक्षम कुन्तिनश्य व বিশু খলিয়া সমালে পরিচিত : বিক্রমপুরে রাণ बिद्रशत (बन्ध हातिरम्ब का.इ. काव्यक्रिशः ·(गहेक्कभ शांद्रकृष्टिम (मत पृष्टे स्त्र। सर्थाः, मार था नगरका वक्ष वश्म । भएकोम विश्वास (थार वर द्राहेनवरद्रत मसकी अवर कार्वतिद्रात मन ,লেবোজেরা **অর্থ মূলীন** বলিয়া সর্বাত্ত পরি পণিত। এই সাইজি গৃহেব সহিত পরিণরাদি ক্রিয়

ঠান সাধারণের সম্ভাবিত নছে। বিনি ইহা বি

क्रेश्त शृक्षि कत्रिता अक्षी क्रिया क्रिटिंड न লেন, ডিনি একজন বিলেম ক্ষমভানানী যদি :আপান্ত সকলের সমানভাতন স্ইলেন, বি कि मुनान विवत् ! देशामन क्षान वाय दन कि वार्षेत्र कता । मञ्जाषि अहे कोनीमा श्रवा वार ক্ষের উপজীবিকা হইর। দীকাইরাছে। এডরি सम ब्राक्टरवर व विकास का छैरलायम कवि ছেম, ড'হা বার পর মাই শোকাবহ ও গুণাক এক এক সুসাভিষানী উত্তৰাৰ্জনাত ৰ ননলোতে নিৰোছিত হইনা শত শত গ यांनाव भागि बर्ग करिया कित्रकार प ভাহাদিনকে পরিভ্যান পূর্নক পরিবরা ब्रह्मक्श्य केविएक्टइन । नदा जीवमारक के त्मत्र कथ मं क्या विदेश केंद्रिया । त्मीनी

( ) mirital famiferi विकेश की व भीना विकेशिक करणात्रीय संबंधा कृत संख्यार ह

ক্ষেত্ৰ প্ৰয়ের ভোষা যালে বিলক্ষণ পট্ট। देशविभएक भूजा विटक शाहत, देशका हाट्रक टार्रोपर शुक्रम अस् पर्माजामी कतिशा

प्रित तिम विक्रमभूरते विष्ठात मध्यक श्राह क्क स्ट्रेडिए । अयोदन अम. अ, वि, अ, क्षक् श्रदांत উপाधि शास व,किमिश्रद प्रकार 🗦 এই অল্ল পরিসর বিক্রমণুরে সম্প্রেডি বোড় ৈইংবাজী বঙ্গবিদ্যালয় > বিংলতিটা বঙ্গবিদ্যা া এবং মাইজপাড়া, কোরহাটী, বোলঘব. बारजी, क्याहरकात्र, खोका हो। लानि सदन ে প্ৰশাকা আমে বালিকাৰিদনালয় প্ৰতিষ্ঠিত বাছে। গ্ৰহমেট সাহাব্য আছ ইংরাজী বিদ্যালয় মধ্যে কালীপাড়া, প্রীনপর, ভেরা-য় এবং লোহজন স্প্রধান ঃ উরিবিড म्हाम.स्मृत बा**ठी** क करत्रकी **आहेरवर्ग ( ७४** ) म अवर वक्ष,याभिनी आहम अवनि जनकि ধান যুখতীবিদ্যালয় ও স্থানে স্থানে কডকওলি **म्य्यिकविनी विरमाप्रक्रिमाधिनी मासादिक** ভা সংস্থাণিত আছে ৷ ভন্নধ্যে কালীপাড়ায় कावशात्रिनी " ও কোম্থামির " कानएकाण्डिः কোলিনী » সকা প্রধান। বিক্রমপুরে আফিস विभिर्वत मर्याः अस्मक अविश्व स्वाक्त न कत्रिड्ड्ड्स्स ।

বিক্রমপ্ররে, জীনগর, কালীপাড়া, ভিয়দীয়া চারহাটী, মাইজপাড়া, বোলঘর, বরবাগালী, वस्या भिनी ल्यामगत्, क्रिमान्टकोश, नामाद्रक, अज्ञानकी, कमकनाव, कार्किकशूर, ांश,कूल, (लास्थ्रम, अवर वस्त्र अ**वे का**प्रकृष्टि াম গণ্ড আৰু নামে পবিচিত হইতে পাঁৱে।

क्षिमभेदद्व पूर्व गाव डाइम्बर। व्यवहरू দেন ভত্ৰত। অধীদার মৃত লাল। কীর্তি নারা-াণ কর্মোণলকে জাপনায় ভূতাকে রাজনগরের ৪) বাজবাসীতে প্ৰেবৰ কংগে '<del>গুড়া</del> উপস্থিত ইলে ভূপকুঞ্জর রাজধন্তত আহাত্তে সমাধর না ৰি কোথা হইতে আনিলে? ভূতা খলিল দংগ র্যজ্ঞ । জ্ঞানগর হইতে এ হাবের আগসন। রাজা शिक्षत क्रिनशत कांत्र नहिंगपत क्रिक क्रिक्त ! ভূত্য চতুর ও সাহসী হিল। সে:বলিন সহাশিয় ! ধনিতে তথ হইতেহে: কিন্তু হাওনিয়া, সাধান-क्षत्र वर्ष्ट हुत, प्राहेशवत, जीमधने पंच हुत्र। চালা কলা, বৰে জোধ পর্বণ না **হইয়া কুজা**কে वस् बुरार अव अवाका अवात स्वकार विज्ञान

( के ) जामानगढ़क शामिन नाम जिल मान-विद्राः ।

महा महिद्द करेक मालवाक आहे । देवाल | महिद्दा माला बायुक फोहाटक अक महित्रम (सम् ) (वा : एव वाक्षमदश्रदश्र क्रिकि अवस्त्र , अविकादक्र चरनक चंड हिन । .

(水平中海岸市(1))

# বিবিষ সংবাদ ৫ ই ফিব্র সোমবার।

প্রিক অব ওয়েলস বৎসরের কিয়দংশ জালার मर्थ अधिवास्थि कतिद्वमः अवनः अक् तांक বাটী প্রজন্ত হইভেছে। আইরিন্দিগের জন্য অন্য আন্দেশের মধ্যে এই একটা গুরুত্ব আছে ब्राञ्जी ७० वरमध्यम् त्राजध्यम् भएतः नर्मस्यम् ५२ মাস আয়ারসংগু **অ**হিবাহিত করেন নাই : রাজ वरद्वत एक् क्षम खोत्रक्ष (वंशित्रम मा

गाठेकविरगत्र भारत **भारह, भारतकि** नारह-(वत श्राष्ट्रावाष्ट्रमाद्य (वाधार प्रवर्गण कारी राम क्ष्मिक्टिक व्यदेशकानिक योक्टिकेट आनि इहेटक বংক ত করেন। সন্দীদান আগনার কৈঞ্চিয়াভ क्तिहारम् । देश कृष्टिकत इत्यारक नावर्यस्त्र ভাঁহাকে পুনর্বার দিযুক্ত করিয়াছেন

·সভ্যপ্রকাশের সম্পারক বাঁবু কর্বনহাস হুসজি **शूनकीत रेरमाछ वाहरकाहम । काफिलवारह**द বাজে কর উঠান জাঁহার ইংগও শক্তার উদ্দেশ্য। कविवदम् (योवविद्यम् स्वाटंकमा जामानिकान **ष्ट्रांको अ**द्यक क्षत्रीय ।

पर्विक मञ्जाहोष्ट्र-७ चानिका मनाव गर्वटम-ক্টে পুনর্মার গঞ্জ সেডুর জন্য আবেদন করিয়াছেন।

विष्ठावशिष कार्यन वर्ग्याद्रस्वर्धंत्रं कवित-महरूरेयन १.

रबायारे व,राष्ट्रत क्षांक नामात्ररवत व्यक्तिमान क्षविद्याहि। अहे बाक्ष क्षतिक कर्मका क्षित्रारहम । माञ्चारमञ्जू नहारकते का बाद कहि पुष्टिकत बहुद्दा , क्वर्नन रय गारे, व्यक्ते क्तिविक बहे हुई काकटक वस्तानीय का -নিয়াই জিকালা করিবেন কিন্তে:ক্ষুত্যবয় । ক্ষেত্র নিতি এক্সিড করিবার যানন করিয়াছেন। क्रिकृष्टिक व्याम साम्यः क मार्ग्यः मार्गः এवरे क्रिक्रमंत मारहर माधा वन फक्षावधावन स्टेटन विश्वार्य काळ हरेटर

संबर्धक कारक स्थीत मकारक काना वैद्यादक्रम केंग्संत्रा मावेरमभ बेक्न मध्य (प शक्त निश्चिद्वाद्व्य विम विभिन्न स्वतादक काश विद्य इत्रा क्तिवात नवप्र **जात नाहै। किन्छ न**कांक्र कर्य क्षि श्रास्त्राच शवर्गाम श्रूटर्स है निरम अरन कति-ब्राह्म्म । श्रृक्तंकव ब्राह्ममहिन्दान मध्य क्राह्म । सर्वाक सूचन कर

त्मकत्। स्ट्रेट्स : अवर्गहरू <del>व्याननाय 'कार्या, व्यान</del> मात्रा त्य क्षकारम् वर्गम कविरमम, काशः वीष দিগের বিপক্ষগণও কবিতে **লারেন না**। এই ভাড়াভাড়ী আইম হইল বে কলিকাভার লোবে রাও মত প্রকাশ করিবার সময় পাইলেম না।

িবালেবরের ভিঞ্জিই **প্রশন্তিকৈটে উল্লে**ক ওখার আরও চাউলু থেয়ণ করা কর্তীয় পীড়া সধান হহিয়াছে ৷ অধিকাংশ লোক রান্ডা मञ्जूदि कविएकदङ, किन्न बाहान। हर्यन करिनी श्चित्र महाकड़े । जामहा अरुवर्ष (नाहर**छ**हि व वाक्रिता तात्र कारात्केत जल मध्या प्रेरकंड मा । इक्जनर्थन कुट्टा मिक्ड एक्स पार्टिएट स्टर्मन मार्ट्स वरमान व्यक्तिमानिष्ट्र कार्याला सूर् किकिर कश्चित्राद्धः। अवीत्रात्र 😎 महाकदर्म আপন্দির্গের টাকা আদাত্রের করে অভিন পীড়াপীড়ি করিডেছেন, ই**র্ডে** খাঁহায় স যে চাউল ছিল ভালা বাজারে, বিজয়ার্থ আ তেছে। অমীশারেরা অতি অন্যায় কাল করিছ

১ লা মে অবনি লাইবেকটাক আদার হইট थाकित्व। शवर्थरमर हेत्र कुछामिरमत १ मा सू क्षण्य (बाउम क्रेस्ड अककारन अरा वरमस्त्रे र কারিয়া লওয়া হটবে। এটা অভিশব্ন অন্যা द्रबद्धाः अवराति अष्ठ ग्रेका कारमस्य मिर भा त्रिरुव ना । विक्तिग्रकः यनि माहात वर्ष य व्यथवा मुद्रा टग्न काहा स्टेटन अधिका प আলার হইবে না। তিন মাস অভয় কর कर्षद्र ।

এমত জনতা ডি প্রে সাহেব লেপ্টন্ট গব হইলে বাজ্যানী বিভাগের ক্রিসনর ভাল্পি भारित्व (भार्यक्रीक्षि स्ट्रेट्स । ट्रेड्स भारत्व प खबरीत भव रियर है। कान विकार मह रारक्षेत्रे ब्हेद्दा । जिसि जाशांत्रकः ३६ शटाह दिन ন্দ্রন। ইংল্ডে গ্রমণ করিছেল। ইংজিমধ্যে উুর বে<sup>ন</sup>স সংহেব সেক্ষেস রিব কাস করি**বেন**।

িচপেট্রিড বলেন, যে আছালে ইং মাহেৰ আচতৰৰ তথ্য করিবেৰ সেই আছা ভাক্তা বালক্ষুৰ ইংলতে শাইবেন। ইনি ভা বর্ষের এক জন আফুত্রিম ও অধারণার বর্ ভারতবর্ষের বর্ডদান অবস্থার বিষয় ইংলং গ্ৰথমেন্টকে আমাইবার ক্ষমা ডিনি এটে সক্রতি পুনর্কার আসিয়াছিলেন । ভাগ বালকমুরেক্সন্যার লোক অনেক কাজ করি

এমত অম্প্রেক্তি সর কম লবেল আগ व्यक्तिस्त्र अ.इ. मीडकारमत् स्थाय भन्छ। भ कारेरवन अवर व **পিছন গ্র4র অেন**রণ হইবেন। লাভ নেপিয়র ই জন্ম কলিকাভার আসিয়াছিলেন। কিন্ত । প্ৰকাতি যাজ।

७ हे रिक्ट यमग्रदात् ।

আমরা অবগত হইলাম, এে সাংহয় লেপ্টন্ট বি**রের শপথ বা**হণ না করিলে গাব**ির জেনর**স স্লার গমন করিতেছেন না । সর জন লরেজ প্রালের শেষ অংশে কলিকান্ডা ডগেগ করিতে 🧎 क्षम ।

**अवर्ग्यक व्यास्था विद्वारहरू, मा**भारत कार्याः দক্ষে ধে সকল কর্মচারী বেলগুরেন্ডে গমন হিবেন ভাঁহাদিগের বিকটে বিভীয় আেনীর का महेबा धन्य ध्यनीएड महेबा बाहेएड रन-। अ काळाडि फुष्टिकर बरहे।

*(दिनिफ्नि कारमस्कत व्यक्तानक এह. अस.* **अञ्चार्क कोट्टर रन्टर एन अनुसिम्न** न इडे ন। উটার বর্জমান কার্বের সহিত এ কাল ইবেন। এজন্য ৩০০ টাকা অভিন্তিক বেভন रम्द्रामीत म्हिन्द्रेशिय व्यक्तिम अरु वर **৪য়া হইবে । বাবু** গোপীনাথ সেন কো-

ইংলিস্থান বিশ্বস্ত লোকের নিকটে অবগড শ্লাছেন, ব্ৰিছতের নীলকর ও স্কুৰকসিপের াদ্র শেব হইতেছে। ত্রিহুতে নীলকবেরা শ্রুড়ি ধুর নীলের জন্য এককালে টাকা দেন। ছপন হউক আর অধিক হউক ভা**হাতে কুবকেরা** ী,সংখ কিন্ত ব্রিছডের এক বিষা এক একারে हुन। টাকা অক্সই দেওরা হয় এবং আবরা বে দ সংবাদ পাইডেছি ভাহাতে বিবাদ কল-। শী**ন্ত সন্থানা দেখা বাইভেছে ন**া কৌ<del>জ</del> াতে অসংখ্য নানীল ও ক্লবক্ষাবেলর মেয়ার ও विश्वा स्ट्रेट्ड ।

(बाबारे लाटकर बारकत, तकर बारकत खिन া অধ্যক্ষ ব্যাক্ষের টাকা ভছস্কপ করাজে শিদিশের নালীশ অসুসারে আমেদাবাদের <del>অভ</del> থানিগের কটিন পরিধানের সহিত ডিন বৎসর

াক বিয়াকেন।

উল্ল পত্র বলেন, সালার্ফলের বিজানের তে বিবাদ কেবল টাকা লইয়া হয় নাই। নারজন পদ্ম বাবেন ইয়া অনেক আমীর ও भाष्ट्रमः हेका सरह। सिमान अहे भए सराव মুদ্দৰ ওমরাৰ জেকি পুত্রকে দিতে চাহিয়াছি **ম, কিন্তু হার্ছ**ক্য নিবন্ধন ডিনি আপনাংক প্রি অপ্রপারতি ভোন করিরা**নি**র্লিয়াছেন शहसम् या दरेल शक्षिगाखात स्थानम ৰে না। মন্তির সহিতালবাবের মবোভঙ্গ হই विक होस्मिनिय सूर्व आवश्य करता, जातक চেষ্টার ভাষারা শাসিও হইরাছে। নবাৰ অনেক नवरत् वानारकत्र मात्रि कांक करेवन ।

বোষাইয়ের সংবাদপত্র সমূহ একবাক্য হইয়া মানি সাহেবের লাইনেক গালের প্রাভিবাদ করি व्राट्डिस ।

রেলুণ টাইমদের মান্দালাইস্থিত সংবাধ-मांचा बरलन, केंक म्हान अक्वामि जश्बादश्रक भीख वास्ति स्टेरवा अक्षवा त्राका विकासास यकत, मुहायद्व श्रकृष्ठि कामाहेब्राह्म । श्रथ्य সংখ্যার কেবল রাজা ও ডৎকর্মছারিদিলের প্রশংসা করিয়া প্রস্তাব লিখিত হইবে। এটি व्याक्टर्यः इ विवयं बद्धः अधियोक्त व्यक्तः निःह প্রত্যেক বিদ্যালয়ে শ্রমোন্তর পুস্তকে সম্রাটেয় প্রতি ভজির উপদেশ কেওয়া হয়। দশ বংসর পূর্কে বালনা সংবাদপত্র সকল ব্যক্তি বিলেষের প্ৰশংসা বা নিন্দা ও আৰু প্ৰস্কৃতির বৰ্ণনায় পত্নি पूर्व २३७ । प्रप्रकान स्ट्रान क्रमनः काम जान হইতে থাকিৰে।

উজ প্রধেরক স্বায়ত ব্লেন, সম্প্রতি রাজার আক্ষাপ্রবারে ডিন জন পুরুষ ও এক জন बीत्मक्रक दश्का स्टेडाट्ड : त्रक्रशांक वीक शर्फो विविध दनिया मधिष दाकिन्दिमत नमाप्त नक्षणकाक कडिया जाशान्त्रिक वय क्या हता। अक सम स्थापन विविद्य भग शकाद देनस्था। আহার করাডে তিনি মূল্য চাহেন, কিন্ত প্রধান বিচারপতি বলিয়াহেন এ জলে, বুলঃ চাহিলে मुक्ता पक सुद्रा

## १ है देख्य बुधवात ।

भष (क्यांति वार्य क्रिकाका स्ट्रेंट ००, **≥१.६३६॥/३६ श्रेणात्र खुला इस्रामी ११-**अग्रह ।

আদরা মুংখিত বইলান, ওবলিউ, এল, दिनि मोरहेर नीका निरक्ष विशंत महेता ইংলতে বহিছে বাৰিত হইতেছেন।

গত রবিধার হাবড়ার যাটের একথানি র্মেড়া मनमा स्रेत्रारेष्ट । चारत्रार्दिमीरक्षरे आर्नेक्सन कतित्रारहमः माँकि । बीक्रिशन बीक्रिश्रारहः। অপরিবিভ লোক সভয়া এই স্কল ছব্টমায় कांद्रन ।

রাণী অর্থন্নী হর্জিকে বে সন্তারতা করিয়া-(छन, कत्रिजिं (त्रविभिष्ठिरवाक कार्राटक वर्ग , यान निवादश्य । क्षतित्वृद्ध क्यारीता 💩 नाहेका বাসিডে রাশীর মঘন্তাগৰ প্রজামিগকে জন্মনান कतिप्राटसमा । देश शाणील को निम्हिलाट्यन বালিতে ভাত্যই সহত্য সহত্য গোঁক আৰু পাই-शारक । त्रांनी क्लबंदी के बांचू शैंदानांन कीरनवं

माका अ विषद्धं (कैवर्ग क्यावादिर्गत किर्में व र्रापन श्रीरमत सीरमां कहिटेशन कार्नेन पंत्रण ।

্ ৮ ই চৈত্ৰ বৃহস্পতিবার।

বেক্তরারি বাদের শেবে সমুগায় ভারত **৮.৮७,७२,७३० श्रेकांत्र त्यांके शहलिफ कि** त्यावारे काटक दे भट्टा जावाहरनत कवियोग ब्राट्ड द्वाहाइएव व्यानकाकुड व्यक्त त्यांत्रे ब शिक श्वर 🔒

পুরীর কালেটর রিলোট করিয়াছেন বা **१हेटक जमानिक ठाउँम ज्यानिएएट । ब** সকল স্থানে টাকার ৷ ০ ৷ ১ সের চাউল পাও याहेरक्षरः । किन्न अन्त्र कतिरक्ष नवर्ष अन्य ए क्रमरे भारहम् । महिस्रमिटमम् प्रत्नका मुक्ति र्फेक किश्लिका केवलि व्यक्तर तथा व (फट्ट । अवीशास्त्रश क्रमकशिरशत वीक्रशास अन, कामीन स्ट्रेट्स डाइस्न मा । काहाता शक সত্তের অসপ্পাৰ্থনের আখন্ধা কবিতেক্ষেন। চিন ৰূদের নিক্টছ স্থান সমূহে কষ্ট সমাস রহিয়া याहाजा वर्षक्य छाहाजा श्राप्त नकरतहे : शाहेरपट्ट । किन्न प्रमान निरम्न व्यवस्था अपि শোচনীয়: গ্ৰ**ংগেড়েটা গোলার চাউল অ** विक्रीक स्वेत्राद्ध । अन्न करन त्क ?

বালেববের পুলিব*্*ছপরিক্টেণ্ডেউ ব্য তথার শগ্য ভাল অলে নাই। লোকেরা অভি क्षे निरमन निर्मिष हाथ कहिएक शोहिएव

नवर्त (सम्बन विष्ठांत्र कियात्रक क কাতার বিশ্ববিদ্যালয়ের বাইসচাকেনর নিং कत्रिहारस्य ।

- हार्ड्याचारुग्द्र निकामः शवर्गत्र (क्षनदर्शतः ८हाटन मह पार्क्ट देखेंग 🔞 स्थापु मानाहका ভারতক্ষীর স্থার এবান করিরাছেন ৷ এ উ शर्म काबाद, व्हेदादिन :्

· विक्रीटशक्ताटक्षेत्र कानुकक्षिक नश्सामन बरमान, कावक्यूक यो निश्चानकानी चीरक वि করা ও বন্ধিক হিবার বানস করিয়াছেন। স্থা वी निवातपानीकं अक्काटन नर्वपाक करि हारुक्ष । देखिनदेश सहैन संस्थान की बाक रहे क्रमनः अध्यक्त संबद्धातक भौक्रिय चीटन कार् अक्षाधमा क्रियात माना स्वता स्वताहरू

े केंग्रज अभिज्ञांकरमञ्ज अवस्टरके आर्थ नुश्चिम श्रूमीहिर्के क्रिकेंड स्वित्रकरक स्ट्र (Alman Allen Allen Beiter) - Wei cora Billio de colleged al sette t. Beiten. काम बहैदर ?

वाष्ट्रीय प्रकृत भागमक्यां अर्थान जानि कि विश्व भारत भागमक्यां य वाणि रहे हे, छाड़ा मर्भन कतियात निर्माण जिन ग्रंथ अवन कर्यम। मध्यभगज मन्द बर्णन न जीवाबारन बाहिह्बारन वाम कतिर्यम। भगाउना रामम बाग, भाइमाउना उपनदे

লাপ্তহোলডার্শ সভাব অধ্যক বুলেন শির্থ হ্র গুডএমড সাহেছের পরিবর্জে বচ্চদেশীয় ফোপক সভার সভ্য হইয়াছেন।

৯ हे रेड इं खक्रवार।

सवर्र के छेरतरसंत क्रमीसंतिकारक विन
हिन ग्रीसंति विना पृर्ण वीक्षांन मिर्टन नाः

हिन निरुद्ध के काक कित्र हैं दि। वैश्वां हैं

हिन कित्र के बास कित्र हैं

हिन कित्र वास कित्र । किछ विन्या कर्मा किया । किछ विन्या कर्मा क्रमी क

উৎকলে কয়েকজন বিশেব তেপুটা কালেজর চিকিংসক সেলিরিটি জাহাজে প্রেবিত হট-ছেন । সবজাসিষ্টান্ট সর্জনন্তিপর সংখ্যা ডিলায় কন হওরাডে কল ওরার্থ নামক এক অন্ প্রিকারি ও চারিজন বাঙ্গনা খেণীর চিকিং-চঙ্গে প্রেবণ করা হইয়াছো এডকেশীর চিকিং চঙ্গাণ নিয়ুনাভিরিক্ত ১০ টাকা অধিক বেজন টিবেন।

(तम् त्वतः वाक्तिः वर्तमः समातिकं कि-सम पिवात श्वतः व्यक्तिः कवित्राद्यम् याद्यद्यः वीत्र तमा जिप्तिः गान्नाद्यः, व कवित्रम् इतः, इति स्थम (१ (६) १ भागः । वर्तमान श्वरः (१) मि-।एग जिप्तिः विविद्यवा मान्यानादेखः कदमकः विद्यान कित्रियः विविद्यमः कथि। विकासमान स्थितिः कित्रस्थितः हरेरवं मा ।

ভূটানে গৃহবিধান হইডেই। ধর্মানের পর ইয়া নিরাছে। তথাপি টওপুণেনলো এক সঞ্চক ধর্মান নিচুক্ত করিয়া ভারার পক বেল্বন করিয়াহেন। গ্রিপীটেউর লবক টাকা ইয়া সভারগণ পরস্থার বিবাদ করিতেহেন। ইয়া সভারগণ পরস্থার বিবাদ করিতেহেন। ইয়া সভারগণ পরস্থার বিবাদ করিতেহেন। ইয়া গ্রাহেণী এক কাল কর্ম, তাঁহারা ভূম সোন সংক্রিম্যুর টাকা পাইবার উপ-ভূম স্টো যত দিন ভ্রিমা হইবে কভাবিন জার কো দেওয়া হইবেন।

তিন জন মহারাতীয় বোলাইয়ে বিতর
১০০০ টাকার নোট জাল করিছা লোকছে,
ঠকার। সম্প্রতি পুলিব স্থপরিকেন্ডেন্ট এডিওটম সাহের ভাহাদিগত্বে গৃত করিয়াছেন। এজ্
জন পুলিব চর কয়েকখানি আসল নোট লইর।
জালকারিদিগতে ভদক্রপ দল খানি করিয়া
দিতে বলে। স্থপরিকে; ওল্ট নিকটবর্তি এক গ্রহে
ক্ষাইত হিলেন। জাল নোট বাহির করিবামাত্র
ভিনি সপরাধিদিগতে গৃত্ত করিলেন। রুই ভার
ফলকে জলের কাগজে ও লেখা জক্ষর জাল কর।
হয়। অপরাধিদিগতে পুলিবে অর্থাণ করা হইরাছে।

লগুনের ঠিকা গাড়ীর ভাড়া আইনে নির্দ্ধঃ
বিত করাতে একবে ডথায় মতি ফ্রমন্য ডংড়
ইয়া গাড়ী লক্ষিত হয়, এই জন্য এক কমিদন
নাধারণ বাণিজ্যের নিয়মের উপরে নির্ভ্রন
করিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। কলিকাভার ধধন
এই প্রথা প্রচলিত হয়, স্থামরা প্রতিবাদ
করিয়াছিলাম।

#### ১০ ই চৈত্ৰ শনিবান।

वारमध्यत्र माखिरके मन्तृहि माह्य भी हिए इहेंद्रा विश्व महेंद्राह्म । हेनि छ हेंग्रंय औ इक्कि छेन्नरक वाहांय प्रत माहे माह्य छ पति खंग करिद्राह्म । भीड़ा छाहात कम इहेग्राह्म । खंगता धार्यमा करि मन्त्रुहि माह्य भीत्र खादम धार्माछ, करिद्रो आरम्द्रम श्रष्टभागमन करतम धार्मिक गर्यद म्य मिनिन वीडम छ कमिमनद दिवसमाय खारिन अ श्रद्राय कर्माणी मर्नम विरम्प श्रुप्य विवय

উচ হাউস শানের সম্প্রান্ত মাজলা বেল নরে ।
শক্ত হাউতে নামিবার সময়ে গুরুতর আগাত ।
প্রাপ্ত হন। তিনি ডাইমিব বং.০০০ টাকা কাজে ।
প্রব চাহিয়া বেলপ্রযে কোল্পানিত নামে নালীক ।
শরেম । ২৪ পরস্পার জল্প বেলেই সাহেব ।
উহার আবেহন অঞ্জাহ্য করিয়াছেন। প্রধানতম্ ।
বিচারালয়ে আশীল হইডেছে

গত ইহল ভিবাব বাবু কুমাব দল যামী মুদলিয়ায় বেখন সোসাইটিতে নিজ জনণ ব্ৰহান্ত
পাঠ করেন। ভিনি বলিলেন একণো বেমত
প্রানেশতেকৈ জাভিডেদ আছে ভাষা গিলা যাবভীয় ভারতবর্ণীয়ের জাতিসাধারণ একভা হ্য়
ইহা প্রার্থনীয়া এজনা ভারতবর্ণের নানা স্থান
দর্শন কবিয়া প্রশাবের প্রতিত হওয়া অভিনয়
আবশ্যক। ব্যক্তিবিশেবের ন্যায় জাতিসাধারণ
উন্তি জাপন আপন ক্ষমতা ও ওণেব
উপরে বিশ্বর করিভেছে। ভিনি বিশ্যাত করানী
পাঁওত বিশ্বরক্ষাত্যের সহিত জালাপের কথা

विश्व कहित्वनं कृषां विश्वाहित्वन भवाधीत असी गर्मक्षांन गर्थ क्रकात्वन श्राणिक कृषां कर्जवा कानीत कात्वल अहे भागीत जात्व अहे भागीत जात्व किन कानी अ दिश्मा गर्डिक कृतना कित्रा-कानातीत अप्राद्धांनी जात्वम कित्रान आनातीत अप्राद्धांनी जात्वम कित्रान आनातीत अप्राद्धांनी कात्वम कित्रान आर्थनीत अप्राद्धांनी किल्ल केन्द्रम वीक्षित्रह को आश्वाहांनक इस साहे। गमुद्ध भिन्न अस्ति अस्त अ

নিম্নলিখিত মূল্যে গ্রহণ্টের কাগম বিক্রীক হইতেছেঃ—

৪ টাকার সিরা ৮% ---৮৬ শর্প ।
৪ '' কোং ৮৭ ---৮৭ দু
৫ ' প্রলিক ত্রার্ক ১০৬ ---১০ ৩ কি
৫ ' কোং ১০৪ ১০৪ কি
১০৯ ---১১৪ কি
৪০ ' কোং ১০৯ ১০৯ ---১১৪ কি
৪০ ' কোং

## -:•:-ইউরোপীয় সমাচার।

ওয়েলদের রাজক্মারী ও হারার সদ্ধ্যস্ত সন্তান ভাল আহেন।

মং প্রথেব উত্যাধিকার লইয়া হাউস কর কমলে তর্ক হইয়াছে। গ্রথমেট বলিয়াছেন রাজাব মুকু হইলে মহাস্ত্র মাজুলাং ক্লার্ডেন না। দত্তকপুর রাজ্যভার পাইবেন কি না সেটি হাহার বিদ্যাশিকার উপরে মির্ডির করিবে।

कार्यक कानगान विद्यानीया मन्त्र्वस्य विका क्षेत्र हो। इस्प्राटक क्षेत्रक कि विद्यारी वन्त्री कुछ स्ट्रेस्ट्र

ह्मारिय श्रीखन नामनधनानी भूमाण्डिलिख इंड्राट्ड खज्ज, लाद्यिय विरम्य दर्व ध्यकान क्रिज्ञाह्य ।

क्षांनी मिनाग्रहत शुनः व्यापायस्त्र श्रास्थाः विश्वः अवित्र व्हेशास्त्र

এগত গুন্জাতি শেষ্ট্রে বাজীব আমী
হার্বাবিকার সমন্ত্র করাতে হার্টকে দেশ বহি
ফুত করা হইয়ারে। সংবাদ আসিয়ারে আমেবিকাব মহানতা সভাপতির বিরুক্তে সকলমা
কবিবার প্রত্যাব হোজ উপলক্ষে কাভিনাল কলের
লাভ নেয়ুরের হোজ উপলক্ষে কাভিনাল কলের
কেনিয়ামনিয়ের কাহিন্ত গোলারোপ করি
রাজন । শালনকরি। তথায় উপস্থিত জিলেন।
কেবিতে সামরিক আইন প্রতালত হইয়াছে।
বিলোধী সন্ধার্দিগকে ধুত কবিবার প্রস্থার
ঘোরণা ইইরাছে।

এক জনও করাকী দৈন্য আরু নেকিকোতে নাই। যেক্রিকোর সমাটের পদক্ষ থাক। সংলয়। অক

# প্রেরিত।

# মানাবর জীযুক্ত লোমপ্রকাশ সম্পাদক মহালয় সমীপেয়।

कविनय (सार्वणनः मेह॰ —

গতে ১২ ই মার্চ বেলা ও উ,র সময় কুঞ্দগ্র कारता खालक अक इत्यालित। ये अभाव अधीर -ক্ৰিপ্ৰসাম প্ৰয়াৰ সায়েত্ব কেলাৰ কোন লেখ্য ক্ষমীদাৰ মহাশ্র ও অন্যান্ত ব হাল প্রসংসাৰ উপাত্ত ক্লেন। উভিযাল গভ বন্দৰে যে प्रक्रिक क्षेत्र देश वर्ष का भारती स्वाप्त स्वयह আবাহে, ভাষাৰ নিবাহৰণ জ্ঞা হ'ল কৰা ঐ मञ्च दियम्

(क्षांभर छको । छिविद्यान्य अवस्थि व विभवत 🗃 ফুক্ত আৰ, যি, চেপমান সাহেব সভার সভা र्शास्त्र बहेता कार्यक्षा कार्यक्षा कार्यक्रम । "अन्य के पा क्षीएक *ए*व केंद्रश्रेष्ट्रे अवजी संस्कृतः **क**हिए न ভাহাৰ ছল ভা পেছ। এই "মধ্নয়গৰ। জ'ল नोदा (य व्यक्तिया, मुक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति प्राप्त হটপ্লাছেন ভাষ্। কালেক্টর সাহের্বর নিমন্ত্রণত্ত্র व्यदशक कारुन्त । शक्त वरन व के व्यक्ता अरहान যে প্রকাব ভাষাবছ জুডিফ হটয়া তল ভাষেব ব্ৰরণ আপনারা সমাদ্রে। আগতে সমুনার क्यांच रहेशारहम मर्जह मारे। ८.१९ व वः १८ छ (भ्रमीकरोद अवका अन्य यस (य "आरे" 'य (जो করা সাহায় ব্যতীত বিভানিজ পরিপ্রম সারা महें भी थे उद्देश भी दूर हो। भी उदरभार हो सकत *वाक जे प्र*≨ांश, १८४८४, व्यस्थास्टा ७ .द्वारश প্রাণজ্ঞার কবিয়ারেছ ভারোধা কেই কেই পুঞ কন্যা বাশিয়া গিয়াভে ভাষানিদেব অর দিবার :करुनारे **अदः नदः अ** ३३ व्यानक श्री शूरुय कार्ट्स बाराना रास्त्रविक नि.य यताकका प्रश्चान बाहे। अहे बिलिप द्वानिमालन नाशास्त्र छान টাচে তাহা করা সাগ্যালুসালে সকলেটেই ক<del>র্ত্ত</del>ব্য একথা জ্বল্য আপনারা সকলে ওঁকার কাং-(यम । देखिपूर्का अहे महरक'र्यः मन्नाप्रमार्थ कवि কাতা লগবে গত কেব্ৰয়াবি মানে যে সভা হই-ब्राहिन ठार'ए७ विभिन्न स्टेग्नाइक रच छेन्त्रिन, रिन প্রকৃত উপকায়ের জন্য বিশ লক্ষ টাকার প্রয়ো জনা এক অধিক শিকা চীলা করিয়া ভোকা অসাধ্য এবং টাকা ফটলেও গ্রামেন্ট দান্তীত आबारा (मार्कन भाग डेम्प्य डेपान डेपान व्यवस्त र दिया मना विकास कन्ना घरणात्रामान्ति व्यक्त विद्रा । ब्यास এव शयर्गस्य के कल काल के विकासिंह स চারী দাবা চাউল একতি পাহাবীর বামপ্রী

, উড়িখন প্ৰেৰেণ লোকদিগকৈ বিভৱণ কৰিয়া দিতে সমাত হটগাছের। অবশিষ্ঠ দল লক্ষ টাকা ७'नण्डवर्ष इंडेएक होना कविद्या वः स्वयाहरूल বিশেষ উপকাৰ হয় না। এজন্য কলিকাভায় ঐ সভাষ জী; জ গৰ্বি জেনরল বাহাছর অরং मन क' व्यक्त के का अकराया मान कतिहारकम नर् र निर्देश है । १६ सन श्रदान श्रदान बहालालान २, गाउक होका सब कदि-ম বেলা এক কিড অন্তান, সাহের ও ব'নানী যথেট অধ প্রাম কবিয়াছেন। এই জেলার লোকেৰ বৰ্কৰা যে উচ্চাধা মঞ্চ নিজ সাশাস্ত্ৰ-সাবে এই মহ কার্য্য ডিকিং কিঞ্ছিং সা*ৰা*য্য राज्य । ब्बहीन दाखिएक ब्बद्धान करा या शुन्त কৰ্ম ভাছা ছিক্সমানৰ প্ৰচাৰ স্থানী কৰা হয়। । कर । अभिनेत्र अक्षाकृताह्य 🗥 इ. श्रीहरू होन कहा উল্লেখ কল এটেয়া ও চাই'ই জাইলটা এই ্য হাজি অনাগ্রহারের উপকাস করেন তিনি ইশাৰে: ভয়ু ১ হাজন হাখন ৷ আমনি বোৰ কবি সংবাদে শাংশং গমভ কোন ধর্মন চচলিত নাই शहाउँ अभावा । कुटकी द्वारा निर्मित्रे इडे-যাতে কেই কেই এমত বলিতে পাৰেন যে है किया अस्तरभव बहा जाव निवस्त है । य निवा কৰ্মের ক্লম্ম প্রয়োজনীয় সমুসায় টাকা প্রথমে প্টেৰ , শহুৱা কৰ্মৰ । বিচার জ্ঞা এ কথা প্রান্ত হ**ট্** লেও আমি এবেচনা কবি অক্টেক টাবা চালা দাবা ঘদাইবার প্রসূতি এই হটার যে এদেশের नि दोनांनी कि तेश्वाक नमूनांच्र लाक विक्र विक ভাণ্ডার ইহতে কিছু কিছু দান কবিয়া আপন অ'পন 'শ্ব'গ্ৰুগ'রে পুলা কনিবেন। একটা মছৎ বিপদ উপস্থিত হইলে মন্ত্ৰাৰ্থ মন্ত্ৰাংগ্ৰেছ পৰি চয় পাওয়া যায়। **যখন কোন সাধাৰণ বিপদ ন**্ यर्ड यथन गकरलाई मिझ मिळ कर्मा लाहेन्ना वास्त्र থাকেন যথন ১ছু:পার্শে কাহাকেও সাহায্য করি বার আবশ্যকতা না থাকে তথ**ন কে কেম**ৰ লোক বুঝা খায় না বোধ হয় সকলেই আর্থপর, न मरतारे गायाना दाकि । किन्न वसन श्रकांक সাধারণ বিপাদে লোকে হ'বুডুবু খার বখন চতু র্দ্ধিকে বেবল হাহাকার শব্দ প্রেবণপথে প্রভিড হর যথন সংসারে কেবল নিরানন্দ, কোন হাজির বদলে স্থাধৰ চিত্ৰ পাত্ৰয়া বাছ না তখন আমাদি গেব মহত্ত্বে পরিচল্ল দিবাব সময়। গাফ বৎসত্ত্রে জাকানের সময় ধ্বন বলিকাভার চারিছিক কইটে নিবয় সনগৰ জানিয়াছিল ভখন কলিকা-ভার বাদালি মহাধয়েরা কি মহৎ কর্ম করিয়াট্ট चौकाव कशिकारक्षम अर्थ आभवाधिक व यन्त्र । त्या मन्द्रिय शूटम इंश्वारक्षता कथ्य ভাবেন নাট বে হ'লালিয়া অক্রেশে এত জার্মান ক্ষরিতে পাবেষ :

সাধারণ বিপাৰে জার এক উপকার হয়, অ্তীয় লোকের মনে অপর আভীল্নের चलको चारक मा। जनमञ्जूषि अक्समा ह विशासत्र निताकत्र । क्ट्री क्ट्रब अहे सदा प विरवहनो कति व शवर्गम है व्यक्ति होका । দিপে ত্রীকার কবিরা উত্তম কবিয়াছেন। এ কোন কোন'ব্যক্তি ভাবিতে পারেন বে ট বার লোকে অলভাবে মারা পড়িছেছে ভা कत्र कामवा होता निव कि सुवलि ना सुवन्त्र মত কাগাবো স্থাব ব মূলে ব কাধিকা পা এই क्षानाम चाराज मीमक्ष्मी । जाएका हान তাহা বইলে ভক্কল্য চাদা করিবাব প্রয়ো হইবে। থাঁহারা এরপ ভয় করেন ভাঁহারা জা নাবে গভ ৰংগৰ এই কেবাৰ জন্য প্ৰথ ष्यभूषाम अङ्गालक होको मिराट्रिया। ष्याप्रअत স্ক্রাগ্য বশতঃ এ বংশ্ব পুরবান্ধ এশানে লো৷ कड़े इम्र करव अधमाई अवर्ग्डमके जाहागरः বেন কিন্তু জামি এ নিষ্টে অনুনক অনুস্ কবিয়া দেখিয়াছি এ জেল'র কন্তের সন্থা साहे। अनाव कारनक मध्य **लाक कृ**किश রেল ওয়ের কর্মে নিযুক্ত হইবাছে এবং সহ मर्पा ७ जातक माराइन कर्ष आरक स्टेब्र ভাষাতে যাহাবা পাএখন কাবতে পাৰ্ছো प्रम भारेर अस्भ वाव स्ट्रेडिंड, प्राप्त श् পেকা চাউলের মুব্য ক্রমবঃ ক্রিভেছে, ইহ আ্যার ক্রম্ভ এমত এয় হয় না বেলিড বংস মত এখানে এ বংসৰ আবার ধীনহংখী সোা 'क्'छ,'क श्रेष्ट हरेरव । <sup>क</sup> कविननत्र ना**रहर**वत्र वस्तृ । भव कुक्तभाव कारमदल्द (रच्याक्षेत्र .किनुक উয়েল চল মুক্ত মুমূলিয় সুভাস্থ বাগালি মুমূ দিলের ছালয়ক্ষম কবাইবার জন্য এই ব্যসুত্ পুল মন্ম বাঞ্গাভাষার বলিলেন। ভাষার এই ब्यान এकिए सम स्त्रीपुर्क प्रकार দাহের প্রস্তাব করিলেন " এই সভার ব म्बाशास्त्रक्षा अक्षेत्र क्षिणे निष्क इस्। ক্ৰিটাতে নিমু লিখিড বাজিগণ সভা হ **এবং काराता जा**शन जाशन क्षत्रजास्त्राहर । আদায় করেন ও কমিটার সভ্যা সংখ্যা রুছি: বার ক্ষতাও ঐ ক্ষিত্র উপর অপিত হয় क्ष्मचत्र अक्षीर अधिमनम भाग नाटस्य अध করিবেন বে সভাপতি , মহাপছকে ধন্য (एक्स्रा बाब बदर कार्यक्रित गारहर श्रेष्टा र বেন যে কালেজ বঙ্গে সভা করিবার অনু निवाद क्षत्रे क्षणियम् मार्ट्यस्य धनायोगः ज বায় : ইহার পুর পকারিখিত মহাশরেরা বিধিতমূৰে প্ৰাক্ষর করিবে সভা কট হটুল।

## ক্ষিতির সভ্যগ্রের নাম।

লাত ইউলিক ক্রেণ, যে: বেকডনেল, মহা
অ সভীপচজা রার বাহাছব, যে: বেল, যে:
লড, মে: শির্মণ, মে: ওরেইলেও, প্রীযুক্ত বার্

মর্কু বন্দের্গপাধ্যার, বারু বার্মণে রায়, বারু
লিদাস মুখোপাধ্যার, বারু উদ্দেশচজ্ঞ দত্ত
বু মারকামাণ দে ।

#### দাভানিগের বাকর।

10	খহারাজ সভাশচন্ত্র রায় বাহাছর	₹.
*	মে, আ'র, বি, চেপমান	₹¢•
*	<b>७व</b> .न.छे, <i>এফ, (बक्छामन</i>	34.
æ	লাভ ইউলিক ভৌৰ	١٠٠
n	এচ, বেল	١.,
'n	এন, এচ, বীচন	١
• ;	বাবু বাখনদান মুংৰাপংখ্যায় (উলা)	١٠٠
a	» अञ्चन्नाधनाम मृत्याभागाम	١
n	° বৃক্ষাখন <i>চন্দ্র</i> সরকার চৌধুবী	١٠,
æ	a औ;शाशान भाग की धूरी	۶.,
*	মে, মিয়াখস	١.,
'n	» উদেশচন্ত্র দশ্ত	۶.,
*	° পৌর্যোহন রায়	7 6
a	» विश्विम <b>ाल वरम</b> ानियान	4.
'n	ৰে, দি. ডি, ফিলড	4.
'n	এ, শ্মিখ	•
•	<ul> <li>भनतम्बर भागत्भेध्री</li> </ul>	ę.
a	» সুরেজনাথ রার	¢.
*	* শহুনাথ মুখোপাধ্যায	¢,
*	त्य, त्य, वयष्टेरमध	٠.
*	° ঈশানচন্দ্র রার	4.
	<ul> <li>কৈলাসচক্র পালচৌধুরী</li> </ul>	*•
39	» আঞ্জিরিরায়	
æ	<ul> <li>श्रीकृष मिलक</li> </ul>	ţ,
*	<ul> <li>বাসন্দাস মুখোপান্যায় (কেবগাম</li> </ul>	) e-
•	* বছনাথ রায়	**
*	<ul> <li>জগবজু বন্দ্যোগাধ্যায়</li> </ul>	¢.
*	<ul> <li>नाःज्ञाधनान स्ट्यानानाम्</li> </ul>	8+
<b>6</b>	बजी दानी वर्गबंदी मानी	₹¢
	বাৰু দীনদয়াল প্ৰামাণক	₹¢
,	<ul> <li>প্রসম্ক্রার বছর</li> </ul>	₹ŧ
a	<ul> <li>নাম্চ্যে মুখোপাধ্যায়</li> </ul>	₹€
٠	» স্থাতিধৰ নি <b>জী</b>	₹¢
*	<ul> <li>ছ'রকানাথ দেবাহাছ্ব</li> </ul>	₹\$

💌 শে, কে, জি, বৌরপ

स्रशकत्य मृत्याभाषाय

वदीवकृष मृत्याणायाङ्गः ?

<ul> <li>ক শুক্তরণ দাস</li> </ul>
* শুকুপেয় রাজ
্ম, আর, ক্রেগ
<ul> <li>শহনাথ চটোপাধ্যার</li> </ul>
» মে, জে, সিমিয়ন
<sup>৯ ৯</sup> জীবনকৃঞ্চট্টোপাগ্যান্ত
" " ভূপতি চট্টোপাধ্যায়
<sup>के</sup> के संबंधिकटर व्यक्तांशासाय
দশ টাকার স্থান সমন্তি

2989

ষ্ঠাশর। গাড কল্য উত্তরপাড়া প্রথমেন্ট ইংরাজি বিদ্যালয়ের ১৮৬৪। ৬৫ অন্তর্ম ও বলবিদ্যালয়ের ৬৬। ৬৭ অন্তের পারিভোবিক কার্য্য বিশ্ব লিখিডরেশে সম্পন্ন হইয়াছে।

পারিতোহিক সভালী বড় মদদ হয় নাই, त्रिष्ठी फेला देश्याची विन्तानदम्हे इदेशाहिन। গুৰের চতুর্নিকে ভিন্ন ভিন্ন দেশের মানচিত্র স্পোতিত ছিল। এজনগর্বাসী প্রায় সমুদায় **ভত্রমণ্ডলী সভাত্মলে উ**পস্থিত ছিলেন। এ*চ*, উড্রে ইনম্পেটর বহাৈদর অনুপঞ্চিত থাকাতে সভাগৰের প্রস্তাবাস্থ্যারে জীবুক্ত বাবু হরিশচন্দ্র বন্ধ্যোপাধ্যার মহাশর সভাপতির আসনে আ-मीन रम । रेंश्ताकी विम्हानद्वात्र क्षराम भिक्रक वायु बनमानी मिंज महाभन्न विलालिएवव ১৮৬৪। ৬৫ খৃঃ অজের বাৎসরিক বিবরণ পাঠ ক্ষিয়া উচ্চ জেনীত্ব বাসকগণের মধ্যে, হত হ গুলিকে আলেশ করাজে জাহাল ট্রেমারার ৩ ৮ ভিন্ন ভিন্ন বিৰয়ক বিদ্যাসংক্ৰান্ত অভিনয়কিয়া मण्यम् कथिन ও यत्रविभ्रानस्यत् हाउँ हाउँ बानकान इरेने प्रशासिक भए भार कविल। অনন্তর সভাপতি মহাশয় অহঙ্কে ক্রমান্তর উক্ত हरे विकानटयुत शाहितकाविकरशाम वासकिन গকে আহ্বান করিয়া পারিতোধিক প্রদান করি লেম, এবং আছা ও বচনাদি নানা বিধয়ে 1 উত্তরলেখক বালক্দিগকে অত্রত বজুতি वाकिवर्शात अम्रख व्यर्थ अमान कहिरमनः--

-:•:-

নশানক নহালয়। তিনু বংসর গত হইল ভবানীপুর ও কালীখাটের মধাত্রের জীবুক্ত বার্ রূপর্টাদ মুখোপাধারে মহালয়ের বালীতে "চড়ক ভালা লিগুন্তুবোধ বল বিধালয় ৯ নামে একটী বাল্লা,বিধ্যালয় সংস্থাপিত হহিলাছে। উক্ত মহা শক্ষের পুর জীবুক্ত তারু কেলারনাথ মুখোপা- भारत्रत्र यदः छैर। श्राणिक स्त अवर जिनिहे छैरात मण्णापक स्वेत्रारहतः। हरे वरमत स्वेन विमानप्रण गवर्गमाने स्वेर्ण माराण श्राण स्वेन बारहः। देशएक जिन्ही निक्षक अ अवही महकारी निक्षक नियुक्त जारहतः। अक्षान देशएक ३३% अक मण छैनिमाने भिन्छ अधात्रत कविरण्ड अवर जन्मानिक सन्त स्वेरण्ड सा।

गण क्ला त्रविवात अहे विकामरत्तत कृष्ठीत्र নাৰৎস্ত্ৰিক পরীক্ষার পারিভোত্তিক প্রদানোপ-नरक बक्षी गर्छ। इत्र । हेरारक खामक करमय-ওলি জন্মলোক উপস্থিত ছিলেন এবং ২৪ পর-গৰার প্রধান সদর সানীন ঐত্তর বাবু টকলাস-চক্র দেব রার বাগছর, অভিরিক্ত সদবজালা জীবুক্ত বাবু কুললাল বন্ধ্যোগাখার প্রভৃতি কডিপর প্রধান ব্যক্তিও সভাব শোভা সম্পাদন করিয়াছিলেন । প্রথমতঃ কালীয়াট ইংয়াজী বিদ্যালয়ের অধ্যক্ষ জীয়ক বাবু মহেশচক্স মুখো পাধ্যায় সহাবন্ধ প্রথম জেবীর ছাত্রগণের পরীকা बर्दनम् रहेप्रा डाशिंदरात श्रद्धास्त्र भार्व আবণানস্থর '২৪ পর্গণার উকীল ( সংস্কৃত কালেঞ্যের পূর্মতন প্রাস্থিছ ছাত্র ) জীবুক্ত বারু নিরিশচন্দ্র মুখোপান্যায়কে অন্থবোধ কয়াতে ডিনি করেকটী প্রশ্ন ধাবা ভাষ্যদিগকে পরীক্ষা कतिरम्भ । विभि । शिविम वायुत्र श्रवकाल सुकूमान्न माछ बानकशरनद भाग भिजाब महत्व इस माहे তথাপি ভাছাবা পেই নকল প্ৰথেষ উত্তৰ প্ৰদান कब्रिक्षा प्रतिकृतमात का नमा वर्षम कविद्यादिन। অন্তন্ত্ৰ সম্পাদক বিদ্যালয়ের বাৎস্ত্রিক বিষয়ৰ াঠ করিলেন। তদনস্কর চাত্রদিগকে পারিতো-ৰিক প্ৰদান ক:া হটল ৷ ৩৯ চী ৰালক পারিডো विक छात्र रहेन : बीवुक वावू दैकनांगप्रज तांव বালায়র অহতে পারিতোধিকগুলি বিভয়ন করি लान : कि छ फिलि अक्रम छैरमार श्रममंत्र ना করিয়া যদি অন্মদেশীয় ব্যবস্থাপক সম্ভার যৌন রণ্ডী সভাগবের নাায় কে**বল** সভার শোভা সম্পাদন কার্য়াই বিরম্ভ থাকিতেন ভারা হইলে ভাস হইড, কারণ বিভেরণকালে ডিনি এমনই লোগ্যোগ কবিয়া ভুলিয়াছিলেন এবং এমনি रिमृश्वन वःवरात कत्रिग्ना कितन त्म छेरा मरस्राव कत्र मा इहेग्रा बन्नर व्यत्मरकत्र वित्रक्तिसमक इहेग्रा উঠিয়াছিল। যাহা হউক, পৰিখেবে জীযুক্ত বাৰু লিবিশচক্ষ মুখোপাধায় একটি ফুদীর্ঘ সবস বক্তা ধারা বিদ্যাশব্দের অর্থ, বালগালিকার প্রয়েজন, আধুনিক বঙ্গভাষার প্রকৃত বিদ্যোপ যোগী পুস্তক সকলের অসভাব বিবহ এবং বিদ্যা লবের স্থান্নিদ্বের উপান্ন প্রভতি কয়েকটা বিষয় স্তম্প্ররূপে বর্ণনা করিয়া সভাব কার্ব্য শেষ করি

লেন। গিরিশ বাবুর বন্ধু ভার্চী যে হথার্ব বার্হ্য। भारताशिमी अवर कान्य्या विनी इहेशाहिक छोड़ा বলা বাহুল্য। সভাস্থ সক্ষেই সম্ভ ইইয়া হায়াকে প্রশংসা করিয়া 'ছে ৭মন কবিলেন।

के को की का **मन्द्रा**। হবানীপু**ৰ** ৷ ∉ हे रेठज ऽ२५०।

#### **मविवद्य गिर्निमः**^—

यप्ति क्यांन शर्वात्वके क्या क्रिक क्रक क्रांन क्टेंएक মুরে নীত হয়, **ভা**ষা হইলে সেই আফি-সেব কর্মচারিদিনের বেতন বৃদ্ধি হইরা থাকে। ইহা কত চুর ন্যায়াস্রগত ভাষা প্রায় সকল বিজ্ঞা লোকে অবগত আছেন। সকল আফিসের কর্মা शक्कित्वित हेहा विद्वानमा कहा कर्खवा (य जरमन इडेटफ विरम्भ नःहेटछ व्हेटन व्याप्तव वृक्षि व्हेत्र। খাকে: এইটা বাহ্যলিদিখের পক্ষে যত দূর সভা, ইংরাজনিগের পর্কে ওও দূব নছে ৷ ইংবা **জেরা প্রাধ বাটী ভাড়। ক রিয়া অব্যক্তি ক**রেন, অন্তএৰ উটাহাদিগকৈ স্থানান্তরিত হইতে হইলে ভাহাৰা অনায়ানে ভাড়াউলা বাসিভাগৰ কাইয়া পুনৰ্কার বাটা ভাড়া কৰিছে৷ সপথিবাবে জীবন বাক্রা নির্ন্ধাই কবিতে প'রেন। কিন্তু বক্লোলীব। প্ৰায় বিজ আৰাতে বাস ক'বুৱা থাকেন। ভাষা-मिश्रक विस्तरम बाहेरा होहाल खाहांद्रा निक আৰাদ ভ্যাগ করিয়া গাইতে পারেন মা। ভাষ: দিক্ষের অসুপস্থিতে সেই সকল আবাস বকা<sup>†</sup> আৰশ্যক। প্ৰভাবাং কল্প বেডনজোগী ৰাঞ্চলীরা 🚶 সপস্থিবার সম্ভিব্যাছারে **म्बरमस्य दाहेर**क অক্ষম। পরিষারের কের কের স্বীয় আবাদে বাস करता इर उदार कारांद्र विदश्त वाहरक व्हेटन खाहारक हुई खारम वाच कांब्रटक हुन । राष्ट्रम ভাৰার ৩০ টাকায় চলিত, এখন ৫০।৩০ টাকার স্থানে চলিতে পারে না।

বেলওয়ে সংক্রান্ত ছুই এক আফিস দুরে বাওয়ার, ওত্তক কর্মচারিদিগের বেডন রুদ্ধি হুই স্লাছে। রেল হয়ে ট্রাফিক আডিট আকিন লামা-লপুরে উঠিয়া আসিবার পূর্ণে আসিষ্টাত আডি ইর সাহেবেবা ভারাদিশের কর্ম্যারিদিগকে এই चाश्राम धनाम भूकीक अथारम चानिहारहम स ভাঁৰারা ভাৰানিধের বেতন জামানপুৰে কৃতি করিয়া দিবেন। এ পর্যন্ত কেবল এই মাত্রে প্রবণ কৰা গিয়াছে বে বিনি উপযুক্ত পাত্ৰ হইবেন, णाशंक्रित्रत (वजन ज्वाहेगात किंदू किंदू वृद्धि করিয়া দিবেন। ইহা অপ্রহেক উপর সম্পূর্ণক্লণে । নির্ভন্ন করিতেছে।

এরণ অনেক লোক আছে বে, ভাছারা ভাল লেখাপ্ড়া না জানিয়াও সাহেবদের সহিত অক্সগত্য কবিল্লা ভাছাদের প্রিরপাত্র হরেন। আবার এরপ অনেক লোক আছেন বে, खाशास्त्र कार्र्यः मारश्वरम्यः महिक कथावा**र्छ।** আবশ্যক কৰে না। সুভরাৎ ভাষারা ভাষাদের মোটিলে শীল্প আসিতে পারেন না। ভাষাধিগের ন্তর্নতির দীন: থাকে না। আমি শুনিয়া বিশ্বিত ষ্টলাত বে, কল্পেকজন কর্মচারী ২।৩ বংসর এক বেতনে কর্ম কাছেছেন। ভাষারা কি কর্ম হুন্তি, বরাত চিটি, মণিজভার, নোট, ও প্রাণ নির্কাহ করিতে পাবিতেছেন মা? অপর সক-লের বেতন বৃদ্ধি হইয়াছে, ভাহাদিগের কি হইতে পারে না > ব্লি ভাছারা কার্যক্ষে হয়, ভবে ভাহাদিগকে কার্ণচুতে কবাই প্রের:। আডিটর সাহেবেরা ভাগদিরের প্রিয়ুপাত্রদির্গের বেডন दुक्षि क्विया ज्ञान्य नक्तनप्रवृक्षि ना क्विया जांग निल्दक कि मद्यादवनमा निष्डद्रहम मा ? अहे कि ভাঁহানিগের উচিত কর্ম : বাহারা সাহেবদেব গ্রিযুপাত্র কেবল কি ভাহাদিগের বেডন জ্বলাই मार्फ दृष्टि इटेरव ? ना याज्ञाता निम्न निक्य कार्या ( বেরূপ কার্ব্য হউ চ না কেন ) উত্তমরতে निकार कदिएक मक्कम ? यदि अवर्थाककिराज्य হয়, ভাহা ২ইলে যে বেলওয়ে কোম্পানিকে **ষোৰতৰ পক্ষপাতলোৰে দুখিত হইতে হইবে** সম্পেদ নাই ৷ আমার বিবেচনার এইরপ ক্যা উচিত,--বিদেশে জাগাড়ে ব্যব্নের রুদ্ধি নিবন্ধন नकरलबर (बञ्ज इक्ति इम्र अक्ष्मी निम्नम इक्षेक स्थ नकरलबरे ५०।५६ होका कदिया बुद्धि स्म । छन-युक्त लाकमिरभंत्र भएक विरमय विरवहमा क्या আবশ্যক। সর্বন্তে ও সকল **অবস্থাতে** সংগুর ও ধর্ম্মের পুরস্কার আবশ্যক।

> वत्रास्त्रभन्न निवाही। একজন পাঠক ৷

# মুদ্য প্রাবি।

গ্রীবৃক্ত বাবু লক্ষীনারারণ চক্র शब्दमाना प्राप्त ११ काउँब स्टर्ड ०१५८ e#• सहसाथ वाब রামপুরহাট ४**२१७ टेब्ब इड्रेट टेब**्ड , Opt + ৯ " শিবচন্দ্ৰ শীল हरूङ्ग ১২৭৩ চৈত্ৰ হইতে ৭ই ফাছন :-0

" হুৰ্ণাচৰণ চক্ৰবন্তী

🌢 🤲 চপ্ৰকুমাৰ বিত্ৰ ፥ታ » » দীনদাখ-খৰ প্ৰুৱডিরবাগান ১০

<sup>৯</sup> আসিষ্টান্ট ক্ষিসমর সাহেছ বাদাহয়ার २२१७ टेम्ब **स्टे**ट्ड १३ टेबार्ड -10

# নোৰপ্ৰকাশসংক্ৰান্ত করেকটা दिएनर निक्रम।

অবিষ মূল্য ও ভাক মান্তুল না পাইলে স্ব খলে সৌমপ্রকাশ প্রেরণ করা বার না।

देशंत अधिम मृत्रा वार्षिक ১० अवर यांन्या त्रिक ell. है।को, मक्चल फोक्साइक नरम বাৰ্ধিক ১৩, ৰাণ্যাসিক ৭ এবং ক্ৰৈমালিক ৩৮০ ভিন মাসের স্থানে অতিম মূল্য সওয়া যায় না क्रिके, देशंत्र अन्यक्ति वाशंद्र वाशंत्र कृतिः ব্র, ডিনি সেই উপায় হারা মূল্য প্রেরণ ক

বাঁহারা স্ত্রাস্পালীকিট পাঠাইবেন, ঙা হারা বেন এক অংথবা আখে আখানার অংথি मुर्लात ও त्रनीरमत्र छिकिने श्रायन मा करत्र

বৰ্ণন বিনিম্ফল্ল হইতে সোম্প্রকালে भूका भागिहरूवन, खाहा त्वन त्रिक्षिष्ठेति कतिह জীয়ুক্ত মারকানাথ বিদ্যাভূষণের নামে পাঠাই। (पन ।

य । शिमिटशत मूनह दिवात नमन अकोछ इदेश व्यक्तित, अरु यात्र शृद्ध सेहाहिशस्त्र क्रि লিখিয়া আনান বাইবে, কাল অভীত হয়ঃ গেলেও একবার চিটি লেখা হইবে, ভাহার গ্র এক মাসকাল প্রাতীক্ষা করিছা কাগলে বছ 🚓 যাইবে। শেষ বারের পক্স বেরারিও পাঠা रहेरव ।

মাজনা রেলভয়ের গোরাপুর ষ্টেসনের ভাগ যিরে চিঠি আইলে আমরা শীব্র পাইব।,

याँशहा माञ्च ना विद्या भाषाहि (अद्वर्त का वन, के के कि मिराहत रहे श्राह्म अर्ब क्री साहेरर वा ।

কেই সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইঞ্ করিলে তাঁহাকে প্রথম ডিনবার প্রতিপ্ংক্তি 🏑 নানা ভাষার পর ৴১০ নানা দিতে হটুবে विमि अधिककान विकालन मिनाह हैका कड़िएस কাঁধার সহিত ক্ষম্ভ বঁটেকাঁক্স হইছে 🏟 🔑

**८३ धरे ग**ड क्लिकाकवित्रक्ति देशी काउन ्रमश्रद्धक स्थानानुत्र **हिनोहर्किक्**रिक्न स्थानिक श्रीकाश अनुक बाजकानाचः विवराक्ष्यदन्त्रं বাসতে এবি সোমবার প্রাক্তরাক্তা প্রকাশিব 朝 1 、 ・ 日本 インスター

# (मायशका

্ক **ভাগ** ৷

e newii i

# " प्रवर्त्तनां प्रक्रातिस्ताय पार्थिवः सरस्ती जुतिमस्ती व सीयता ।

मेक मूना ३ मेका, पश्चिम वर्षिक ३० है। मून ५२,१७१ ३৯ था हिन्छ । ३४०७९ १३ मा आदिया । हाः पश्चिम वांशानिक शा देशका । है

বিজ্ঞাপন।

কাৰ্থেকাৰ ৰৱে নানা প্ৰকার ব্ৰিনা, ্যাগর অকর ও বিবিধ সর্থান ঐভত। ছে ও হইতেছে এবং এরপ ব**ন্দোবস্ত ক**রা प्राटह रूप, अञ्चलांच रचत्रण हेन्द्रा करहम किंक ই সময়ের মধ্যেই পুস্তকমূজিক করিয়া দেওয়া ইতে পারিবে। হাপা যত উত্তম ও পরিভৃত তে পারে ভবিষয়ে ববের ক্রাট করিব না। র অপুণ করিলে সমুগার *শেকও দে* বিলা তে পারিৰ, এছকারের কোন কর্ম বা শরিষ্ণান কার করিতে ধইবে না। বন্দোবস্ত করিলে পিও সংশোধন করিয়া দিছে পারি, সংস্কৃত हैरब्राक्तिकाना रहेरछ व कांन क्षेत्र व्यक्तवान দিয়া চাপাইয়া দিভেও প্রস্কৃত আছি, ব্যয়ঞ থিক হইবে না। বিনি সংক্ষ বাদলা বা ক্ষিতে কোন পুত্তক মুর্ত্তিত করিতে ইক্ষা রেখ ডিনি কলিকাডা, স্ঞাপুর আমহাউদের ক্ষণ ৬৪।১ সং ক্ষর্মে কাব্যপ্রকাশ বছে ধ্বা সংখূত বিল্লালয়ে আবার নিকট লোক ঠিইলে স্থিকে অবগত ক্ইতে পারিবেন ना रेडक १२१० है इत्यदमारम फर्कानकात

१९स्य विभागप्त ভারত্তবর্ষ হইতে শ্রীল প্রমতী মহারাণীর তুটার পশ্চিম হারসমূহে হস্তি খেলা কবিবার বিকৌন্নসিলে আশীল সৰকে বে কোম নিমিত্ত আগামী ১৮৩৭ অন্দের ১ লা ও রি**তে ইক্** ক্রেম শাধারা তৎসরকে জীহার दिन श्रोह शिविधूर क्लोगर ए एउन् सिक्ट कार्रोकर देख्य के व्यादिन है ৰেম অপ্ৰবা কজিকাক শক্ত ( অধাৎ পুৱা ন ) গোষ্টভাবিল ইঞ্জীটে ২ নং ভবনে বেনার शाहिकिक अरहीरको मारह्यास्यत क्यारह বৌৎ নিকট পাঠাইলৈ উছোৱা উচ্চ সাহেংখর क्षिताङ्ग भाठादेश विदयन।

----

٠. \*

अविगारेन अक अवार्डिक गाँदश्य ১ মং বিষ্ট্ৰীকোট চেম্বর 🕟 初祖等 |निष्ठे अर्थाधकातिम रग।

चावड़ा विमाण स्ट्रेड डेश्कुड अवर नक्न মুক্তন আনাইয়াছি এবং ধলীপ্রাদের ডিস্পেলরি क्षकृष्ठित कृषिशत सन्। नगर बूर्गः वासार्यत অতি কৰ দৱে বিক্ৰয় কৰিছেটি। মহুদল হইতে देवरभड़ क्कें व खादात पूजा चत्रभ लाहे. एखी বা বরাতী চিঠি শাঠাইলে আনর। উবধ শেতি 🖯 সমূর পাঠাইতে পারি। রুমধ্যের মূল্য বীহারা आमिटक हार्ट्न, जामता काक्ट्राटन खाँशांबर्जत | विक्रे छानिका शाहीहेव।

আর সি দম্ভ কোং। वश्यालात्र कीते मर ७२ वात्र ।

-:•:-

# মন্ত্ৰংহিতা ঃ

<del>সূত্রকভাট্রত টিকা ও বালালা অভ্</del>বাদ সহিত্ত, সংস্কৃত কালেজের স্মৃতি শাস্তাখ্যাপক 🔊 হুক্ত ভয়ভচয়ে শিল্পেরণি কর্তৃক সংশোধিত। ঠমঠনিয়া সংজ্ঞ পুস্তকালয়ে বিজ্ঞার্থ আছে। মূল্য ৬ স্থ্র টাকা।

याच महायूशकामम ।

জিয়া নিমু সাক্ষরিত সাহেবকে ফারাপন হুইটেড ১৮৩৮ অন্নেয় ৩১ এ মার্চ পর্যন্ত এক ধ্কার মিয়াকে পান্ত: দিতে নিম পাক্রকারী

> ছব্তি খানুবাৰ নিবিত যত পুন্কি নিবৃক্ত করা वाहरू, जांदात कि क्यकि शक्ति २० डीका हाइत খাসুল বিজে হইবে, ্ড হতি গ্ৰুল উদ্ব क्षियात क्षिकात श्रथक नवर्गलाकेत वाकि-तक । शवर्रामने क्या कतिएक रेक् क मा स्ट्रेंस माधादन वर्गेक्टबन क्या क्रिक्ट नहेंदें नाहिता · : अन्याति भावनाम विवसन निः पानव

মক্ষলে মাজুলনমেড অঞ্জিব কাৰ্বিক ১১ है के वा बा बा निक १, ७ देख मानिक ७५०

কারীয় নিকট অনুং উপস্থিত হইয়া কি পঞ্জ খার জিজাসা করিলে জানা বাইতে পারিবে :

ভেপুস কমিসনরী আফিস ) প্রীয়ক্ত কে.এর বয়নাওড়ী। } টুইড়ি সাহের ১২ই জিনুসরর।১৮৬৬। ভেপুস কমিসন

বৰ্ছবানের স্থাবিধ্যাত চিকিৎসক প্রানুক্ত বা ভোলানাথ কৰিয়াক মহানয়ের অপুরভার্না मार्गाम्बन्धन्य भटक अख्याता व्यवस्य कता या তেছে ৰে ভবিষ্যতে উক্ত বাৰু সৰজাসিষ্টা **गत्रकात्वत्र किकिंगे अक्टल विकिश्मा कतिर्वत हैं** 

🕮 হীরালাল নন্দী।

পর্মিবাধারণকৈ আতি করা ঘাইতেছে ( व्यामानिकात महिकानी विषय वाहा फद्रक अकू मंत्रह, विक् भूत, बरभी बत्रभूत अवर क्रुत्रभूत भारि ৰে সমস্ত টিকা জমী এবং বুড়ারবাটে বে গ আছে ও পরবংশ মুড়াগাছা ইমাংপুর এড় স্থাবে যে মহত্ৰাৰ স্বস্ত ও ঠিকা প্ৰকৃতি আ ভাষা আমার অন্ত্রপস্থিতে এবং অমতে য আমার জ্যেষ্ঠ অংড। বিষ্ণয় কাবেন এবং ব কেই ভাহা খরিদ কবেন সে হাতিল, নামং **अवर प**्रकाश **रहेरत** ।

জন্মনগর নিবাসী ১ লা মার্চ ১৮৩৭ 🌖 - 🗃 প্রসন্নপুষার দা

**জীমভান্দি**দানীতা মূল, জীধর গোশামির ট এবং বাললা অনুবাদের সহিত রীভাত্স মুলিত হইয়া ২॥ টাকা মুলের বিক্রয় হইছেল বাঁখার প্রয়োজন হইবেক ডিনি সংস্কুত বং পুস্তকালয়ে পুস্তকাধ্যক্ষের নিকট অথবা এটা ব্জালয়ে মূল্য পাঠাইলেই প্রাপ্ত হইতে পা

🕮 বধুরানাথ শর্মা।

Property and the Parish was not

#### পাটাগনিক প্রথম কাগ।

লিকক ৬ ডাত্র ইভরেবই ব্যবহারোপ্যোগী হয় একপ প্রশালী ভতুসাৰে আনি এক থানি প্রাটীয় বিষয়ের কবিডেছি। জাগাওকঃ উহাব এখনভাগ মুদ্রিত ২ইয়া সংস্কৃত্যজের भुष्यकासरम् विक्रीक इंडेटल्ट्ड । अन्न मर्गाः वस्त भारतीत। महस्र जन्म स्ट्रान्स निव्यक्त সকর সংস্কৃতি কইপ্লাছে। মূল্য দশ আলা।

की वाली अन्य गटनामाध्य ।

জীয়ুক্ত কেলোনাথ পাল এন, এ, কর্তৃক ই০০(৫ ভাৰার বৈষ্ঠিত প্রেডডজ্বিবয়ক প্রস্তাব প্রতি খণ্ড চারি জানা মূল্যে বিক্রীত হইতেছে। বাঁহার এরোজন হইবে, তিনি ডি রোজারিও বোম্পানি, সংস্কৃত প্রেস ডিপাঞ্চির বা করন ওয়ালিন উটিট বাসুৰ্দ্ধি আদাৰ এও কোং ৮৯ নং প্ৰস্তালয়ে তত্ত্ব কৰিলে পাইবেন।

্রী<sub>ট</sub>ক রাসক্ষল বিদ্যা**লকা**র **প্রণী**ত 'প্রকু,স্তবাদ ৯ নামে একখানি জডিখান সংগ্রন্থি 🗫 छ २६प्रः गःष्ट्र वद्यानसात्र भूकनानस्य क नांचान्टिना अध्यक्षानात জ্রীশুক্ত ঠাকুরদান মাষ্টারের স্কুলে বিরুদ্ধার্থ প্র-স্বাত আছে। ইয়াতে প্রায় প্রত্যেক শব্দের রুং-পত্তি অগাঁৎ ধাতু প্রতঃম সমাসাদির উল্লেখ করা रहेब्राट ।

মুল্য ৫ পাঁচ টাকানাত্র।

----

সমস্মিয়া সংস্ত পুস্কালয়ে মং এণীত ও মংপ্রচারিত নিয়লিখিত পুস্তবন্ধনি নিজয় क्हेरलटह---

	હનોજ	मृक्षर
	की महे <i>ं ह</i> हांग	১ টাকা
	বোষ্ঠতিখাৰ	٠ *
	फु <b>रवतात र</b> ाक्तर	1. '
	ন্তিশার (১ স জাগ	J.
	ন্ডিসার (২ য় ভাগ)	٠ او
	প্রচারিত। 🚜	
ar.	ুদ্ৰোপ ব্ধবয়ণ	<b>W</b> •
	📝 🗷 श्रांत्र-रामा	থ শৰ্মা ;

कर इस बाग करोड़ दरेग, कलिया उन्ह मिय নত্ব বভঃ কইতে বে বাব্রেস পরীক্ষার পারি-ভে'হিসের এক সংবাদ -প্রকাশিত হয়, হাঁহারা क्षांत्र अ किला निता क्षांद्र हारून देवा

निशास अवश्य कड़ा वाहेटल्डाह त, केल भूकी কা আগানী ভটাও শ ই নে ক**লিকাতা** নিম-ভলা ফুচৰ্চ ইন্টিডিউসন্ নামক বিদ্যালয়ে हरेट्य: २० अ.क्ट्रांश शर्य एक मिश्र चोक्सिकः ব্যক্তিকর্ত্তক পরীক্ষ্মীদিগের নাম গ্রীক ও ্রেজিষ্টর্থাতে **নিখিত হইবে। পরীক্ষার্থী বাস্ত**-বিক এক জন ছাক্র এবং ফাষ্ট অ'টের পরীকা (क्न नाहे এहे मर्फा उँ।हात कृत किया क**्ना**कत প্রধান শিক্ষেক আঞ্রিড এক থানি সাচি-ফিকেট আনগুন কবিতে হইবে, এবং নাম বেজি ষ্টবী করিবার পূর্মে পরীকাব দি॥• আনা ক্ষম क्टिंफ क्हेर्द। ७ **हे** मि श्राप्टःकारन के∦॰ होत्र त्रभव भरीकांथी विभएक छेनिस्ड ३३८७ व्यस्-.मार्थकश वहिटाइए। काश्रष्ट कनम. अवर কাৰ্ল' প্ৰদান কৰা বাইৰে।

ধি চহ্চ ইনন্টিটিউদন কলিকাভানার ১৮৬৭ কলিকাভানার ১৮৬৭ সভার সম্পাদক।

# সোমপ্রকাশ |

১৯ এ চৈত্র সোমবার।

গুড বুধৰারে কলিকাতা টাউন হালে মাসি সাহেবের লাইদেন্স টাক্সের প্রতি-वामार्थ এक इस्की मका स्हेश शिशाद्य । সভাত্তে ভইন ও পিটর্সন সাহের এই ছুই অন বারিউর উপত্তিত ছিলেন। मानि नाटक्टवत नाक्टनक छोक्न र्व स्ना-क्ति अकास विविध दश्मारह, के इरे বারিউরের বস্তা, ভারিবরে সভাত্তি-গের অকপট অসুমোধন ও উচ্চতর প্রশং সাধ্নি ভাষা প্রতিপন্ন করিয়া দিয়াছে। **ट्रिक्टनंत्र मर्खाप्टितार्ग व्यात अवर्ग्टम्ट्रि**त्र কার্য্যে প্রকিবারার্য প্রজার অভাবন এक्टेक्था । अ चाजुन्धान स्म (क्स ? श्वर्गट्य**न्छ श्व**िक्रफ व्यवस्था क्षिट्फे-ছেন। অব্রতা গ্রন্মেণ্ট যেরপ ভারুন, चामता चानक कार्याहे प्रशिष्ठ शाहे-(छप्टि, देश) दे**्ल औ**त्र भवर्गटयटकेत छोड़ा । हेश्नकीय अवर्गामक नकन विवास विद्या यकः मूकन कन्न मिक्कान्न विशंदम धा-ছার একান্ত পরতন্ত্র । অবতা গবর্ণ-মেট অ্ৰড্ৰ হ্যাও আৰুবিশ্ভি

পূৰ্বাক সমধ্যে গময়ে নিভান্ত পত্ৰ ্ব্যবহার ক্রিয়া পাকেন। ভাগতেই এব পত্রে ক্রেণে পভিত হন। গ্রহণে প্রভারিক লাইনেল টাঙ্গটা রাভারা विधिवक्ष ना कतिया यप्ति छेडेनमन मार (दब देनकम छोट्अब मार्व मर्खक्र दिन्न করিয়া করিডেন, কেবল বে উহার খা মঞ্চা দোৰ সংশোধিত হইত এর পুর नक्षमाशाहरण ना कक्रन, देखेटबालीत भवन्टमालीत शक्त व्यवस्थन क्रिंडिक ন্দেহ নাই। যাহা হউক, প্রস্তাবিত স ভেট সেকেটরির নিকট এক আবে করিতেছেন, আমরা ভাহার কল দ ৫ তীকায় রহিলাম।

महीक्ष्य । ٠. পার্লিয়ামেণ্ট সভার সম্প্রতি মহী रतन विषद्यत अरू अरूति निश्चास हो গিরাছে, কিন্তু আমাদিগের চিত্ত निकांत्र दोका टावरन পরিভৃপ্ত হইন। देश भूटर्स व अकारतत मरमञ्जू ह অভূতৰ করিভেছিল, তাহা অপনোট स्रेन वर्षे, किंद्ध ध्यकाताहरणत नर डेलिंड हरेब, के रिवन बार्ड क বোরণ বলেন মহীপ্রেকে ত্রিটিশ সাং জ্যের স্বর্গত করা হইবে না। রা वरु हिन कीविड शक्तिवन, फर्ड देश्त्रांक कर्यगातिश्रेग केंद्रित बाह्य ता শংসৰ করিবেন। রাজার দভকপুঁট विमारिकात कांत्र वर्गटमके निट्यन তেছেন। এই বালক যদি অভঃপর স্থ ক্ষিত এবং শাসনকর্মাহন, ভাছা হই ভাষার হল্পে শাসনভার সমর্শিত হর महीक्त अहन तास्त्रीत अधिमक्त मट স্থাতি ভারতবর্ত্বর স্ক্রাধারটের ম करे। मार्क कानटवातन रेशन जन्दमा শ্রিরা বেমন স্কলের চিত্রজ্ঞন ক্রিটে ভেষ্টি আৰায় বাহকার শেষাংখ मात्रा वियम लकात छेरम कतिता हिर विन । डोकांत्र गूर्व यहि सम्मूलिक ७ भागवाचे में की छोड़ा इंडे(शर्ड दक्तम **डीराज स्टब**ं भौजनबाज अवेख स्ट्रेटन ; विक प्रवि स्थिका व नामनवक्कांत्र পরিমাণ কি ? কোন্ ব্যক্তিই বা ভালার निर्वत कडिएक ? कांड (उनहांडेनि मिणाही अर्वकारण निश्चास करतम, নিঃসন্তান হইয়া কোন রাজার স্ত্যু হইলে ত্রিটিশ **গবর্গমেন্ট তাঁহার** রাক্স আত্ম-माथ कतिरवम। आला मारहरवत एकक ঞ্চনের বিষয়ে ডিনি বলিয়াছিলেন '' রাজা নিজে দেকারা উত্তমরূপে শাসন করিয়াছেন সভা, কিন্তু ভাঁছার পুত্র বে পেই প্রকার করিবেন তাহার প্রতিভূ কি ০ " এই প্রকারে মহীস্থরের রাজার **ভত্যুর পর্যদি কোন গ্রণ্র জেনরল এই धान्न उर्चा**शन करतन **मूरक** हा**य**कू-মার বে রাজ্য শাসন করিডে পারিবেন ভাষার প্রমাণ কি ? এই প্রশ্ন করিয়া ঘদি তাঁহাকে রাজ্যাধিকারে ৰঞ্চিত করেন, কে ভাষার নির্বারণ করিবে ?

७२ दश्मरतंत्र व्यक्तिकाण घरेण मही वर्षेरताण भागरमत व्यक्ति घरेनारह दर व्यक्ति व्यक्तिमाण कित्रारह। दे उत्ति वर्षणीत सामात व्यक्तिस्य किर्दा कि मा, व्यक्तिक मश्मन घरेरक रित्र। किन्ने येनि वर्षणिय संबद्धिन किर्दा किन्ने येनि वर्षणिय संविद्धिन वेन्ने विकास व्यक्तिक किन्ने प्रदेशमा किन्ने देव

वेशांत चंगांचा स्टेटर, कारा भागता वृक्षिएक भाषिएकहि सा । जिनाक दक्ष প্রতি দৃষ্টিশার করিবে" এ আশহার ঘণীকতা অভিপন্ন হইবে সম্বেদ্ধ নাই। এদেশীর রাজগণের বিষয়ে বে রাজনীতি অবসম্বন করিতে হইবে, তাহা ক্ষু টাক্ষরে বুকাইয়া দেওয়াই উচিত, তাহা হইলে লোকে দেই রাজনীতির উপবোদিতা ও त्राक्षनी जिटला माभरतत क्षेत्री शामिरवारय नमर्थ रहेशा किन्ति । अञ्चलकोत्राम पाता হইবেন, অন্যথা ফপটতা বোধ করিবেন। মহীক্ষের বর্তমান রাজতনয়কে রাজ্য দে-ওয়া হইবে, স্পউবাকো এই বোষণা করিয়া क्ति यंकि भदर्गरमध्य तास्कृमारततः निका-কার্বোর ভারে গ্রহণ করিতেন এবং সচ্চ-রিত্র সহাশার কার্যাদক্ষ লোক নিরোকিত क्तिया औषांत्र विमाणिका ও तांक्री-র্ব্যাদি শিক্ষার উপায় ক্ষরিয়া দিতেন, खाशा इंद्रेरण कि श्रदर्भरमध्ये जमस्कि असी म्लीन स्टेटल्डन ना १ कांश स्टेटल कि अवर्ग মেন্টের অধিকভার উদারতা প্রকাশ পা-ইত না ? এদেশীয় রাজগণ অশিক্তিত नकतिय ७ द्रांचकार्याः रूपः २३रम अस-শীরেরা বেরূপ ঔৎপ্রকাও আনন্দ নছ-কারে তাঁহাদিনোর অধীনতা যোক্ত বহন क्तिएक व्यवनात्र स्था, विद्यामीटस्त्र शहा दीनंडा चीकारत रमक्रम एन ना। दक , मार्टक्व बटसाम " म्यामानिटसंत्र अहे मर-ক্ষার পাছে, ভারতবর্ষীরেরা ক্ষেণীয় इक्षित भागम कटलका आमहिटअद भागत्मत ममहिक शक्त भागी, वर्णे जम उ রুথা জাত্যভিমান মাত্র। " লার্ড ডেল-ষ্উদি নেপ্লিয়নের ন্যায় পর্ব্ব করিয়া **শিয়াছেন "** ভবিষ্যদংশীয়ের। আমার র**াজনীতি**র স্থার ফল করিয়া क्रुडें रहेरवन। " यहि द्राधनी जिन्दकां छ স্বাধীনত। স্ববিলুপ্ত থাকিত, ভাগা হইলে 'এ দৰ্মে' শোভসান **হ**ইত। ভেলহা-केर्डिन व्यवस्थात भारत्य त्याक न्दरणायम

क्तिशास्त्र वर्षे, क्षित्र कीशंत्र कार्यः कारकत्र शासनीकि नः कास वाशीनप क्षकारम नके स्रेशस्यः क्षण नकारि क सीयन तका करे किल्नूहर्ग किंद्रः भारत्रमा।

মিউনিসিগাল অভ্যাচার। ধাঁহারা যে বিষয়ে অভ্যস্ত নদ, শিথি

লভাবে ক্রমে তাঁহাদিগকে স্কাহাত অভাস্ত করিয়া ভুলা আবশাক, কি মিউনিদিপাল পঞ্চায়েভেরা দেটা বুরি তেছেন না, সমধিক উৎসাহ বৰ্ণ **डाँशांश अरममीयमिश्वरक अक्कारण डेक छद्र मार्थारम अभिट्राहिक क्**रिया চেন্টা পাইভেছেন, ভাহাচচ্ছই নাম প্রকার অভাচার ঘটিভেছে। বেদি कानीयां ड ज्वानीशूत्रवानिवर्गत्र श्रवि অত্যাচারের বিষয় এই লোমপ্রকাশে दर्शिक स्ट्रेग्नाहिल, द्वांथ एवं लाठकम्माला यत्रन वाक्टिया चना चाटनत्र कवा कि কলিকা চায় সাধারণ মত এক প্রবা তথাপি বিউনিসিপাল অত্যাচারে লোবে " नोनारे नानारे " कतिएक्ट हन । कर कारण पूर्वक्तकाणांत करवा निकिश इहे **. उटह किंद्र कोम विश्वताई छोड़ात अ**ञ् রূপ উন্নতি মৃত হইতেছে ন।। সেই পুতি-विक् निकामा, दनके त्मदकरण महानाव পাড়ী, সেই সেকেলে ধান্সড়েরা ছুই ভিন দিবৰ পরে এতকেশীর বিভাগের ময়লা পরিফুও করিয়া বারা। বাটীর কর, चारिकात कत, बाबमारमत कत, शाङी ঘৌড়ার কর, করে করে লোকে বিত্তত হইয়া উঠিহাছে। স্বাস্থ্য ও শান্তি রক্ষার অসুরোধে মিউনিদিপাস কর লোকে স্থ্য ক্রেন। কিন্তু তাহা লইয়া যত দূর করা আৰশ্যক কলিকাভা ও মকস্বলের মিউ-নিবিশালিটি তাহার কোন বার ধারেন না। কোন ব্যক্তির সম্প্রাণ কর প্রায় নির্দ্ধারিত হয় না। দল টাকা ভা- । সম্প্রতি কলিকাভার **সহকারী সভা**-ठ **ए**डिंग नाट्य कर **चाराट**ंड नड রর পদ উঠাইয়াদিয়া আমজা দিয়া-য় নগ্ৰবাসিরা **আপন আপন কর** া ধাইবেন, নিয়মিত দিবদে না দিলে ভাকের এক টাকা• থবচাণ ( অরি গ) লাগিবে। **এককালে বিস্তর লোক** , যাঁহাদিগের সুপারিদ **অথবা অর্থের** তা আছে, তাঁহারা ঘাইবামাত্র বিল ন, দবিত্তদিগকে কার্য্য ক্ষতি করিয়া भारति भिन **स्रोधिटा एव । स्य ७ व्य**ति নাদিতে ইং। কর মাখিল করিবার। ক্ষং ব্যান্ত **আছে। মিউনিসিপাল** দ্দমাৰ বিচাৰ নাই। কি রা**জধানী** মকষ্ণেৰ নিউনিসিপালিটির কোন গিরী কোন ব্যক্তির নামে কোন দয়ে নালীশ করিলে **ভাছাকে প্রায়** জহতে আদালত হইতে কিরিয়া **আ**-তে হয় না ৷ নমেমকে বিচার হয়, স র এমেশ দিলেও জরিমানার হাত তে কেহই রকা পান না। ইহাতে কি ছো দাঁড়াইয়াছে, প্ৰণ্মেণ্ট কি ভাষা निष्ठ हो (इन १ नक लाइ है आ स्त्रा निष्ठ ड कटतर 'डेशत' कर्महातिमिश्रटक कि-ং কিঞ্ছিং অধিক দিতে হয়। বিনি দেন, তাঁহার নামে নাগীশ ও জরি ন। নিশ্চিত হুণ। ময়গা **স্থান ব**হি হে. স্বাহ্যরখন না*ন*মাত্র, কেব্ল প্রজা ড়নই সভা হইগ্ৰাছে।

র স্থানে ৫০ টাকা ভোড়ার কর দিতে

থাঁছাবা ১৮৫৬ অন্তের ২০ জাইন
প্রনারে চৌবিদারীটাক্স দেন, ভাঁছাদিপ্রেও কটেব দীমা নাই। আমবা পঞ্চাভদিগোর অভ্যানারের সচল্র সহল্র উবাবর্ণ দিতে পারি। সোলপুথের নিকটে
টোসোভ্যা প্রাথের বাব কলানচন্দ্র
প্র মানিক কর আনা কর দিতেন। মান্
বর্ণ ১০০০ টাকা প্রেক্সন ইছান উপ্যে নানিক
ক্রিণ্ডের উশাব ব্রুলির উপ্যে নানিক

११८० व्हे छाका वश्च ज्ञाना कर प्राक्षिक व्हेशारम् । २८ शत्रश्मात माजिरके छ ७ क्षित्रमत्र माशीरम छेश ज्ञानिवर्किक त्राधिशारम् । ज्ञानक आरम् अहे द्यकात ज्ञानक छेशास्त्रन ज्ञारम् ।

১৮৬৪ অব্দের ৩ আইন অসুবারে বত নিউনিনিপালিটি ব্ইয়াছেন, ইহারা जाशाहरण कर्षके नरस्त । थात्र फिम वर-महाविध देशीहा निश्मावणी अकाम করিয়া গেজেটের অর্জাংশ পরিপূর্ণ कतिराउद्यान, किन्तु देश फिरमब संत्री अन জত কর সংগ্রহ ডিল **লার কোন** কাল হইতেছে না। স্বা**ই্যরক্ষার কোন চেই্**য श्रीत मुक्ते क्त्र ना । विश्वादन सब दम्बादन এডব্লিবজন এড অভ্যাচার ও এমত অ-हु छ थानांनी भवनविक स्व व . नाटक **পূ**र्काव चात्र हे क्षार्यना करत । **एवनी** একটা প্রধান কেলা ও রাজধানীর নিকট वर्षि भाग। वधानकात करवत ७ क्षाह नारे। यानात रूटक क्ट्रे निर्द्धात्रद्वत कात তিনি সাধারণের বিশানের পারে নহেন, बन्द कार्या (पश्चित्रा व्यक्तान क्रेट्डिट তিনি নিডার অকর্মণা। নতাতি আরা হুইরাছে কোন বাটীর ক্ষণ ব্যৱকারি নর্দা-ষায় আনিছে শুরিবে না। লোকে ডল্লি विक वालित सन वस कतिश काचिटक বাধিত হইয়াছেন। ইহাতে कि शीए। इदेट्द ना १ यकि नक्तियात्र सम मा त्रांग, कर्द नकाभात अक्षामन कि ? पनि महना क्षत नर्काश्राप्त स्थितिष्ठ मा शास्त्रम, entca कि सना कह विरुद्धन १ हुहुकात शिविद्यत विकटि वीम्झत्र वान क्रांत्र दीशामिश्यक व जमा वान डेठास्ट इहे-(उ.इ। नाजीम उ कांत्रमानात कथा नार्डे वाडीटक शिवि काकादन महला कटतन, তিনিই দওনীয়। কিন্তু হুগলীর মিউনিসি भानिपि सारी **डाङा**ष्टिशास्क : शहिष्टाम क्षिता निर्द्धाय जुडतांनी व्यक्तिकांत्रित प्रकृतिहरू अध्या १ ५० । १६० होस्प विश्व

माना थाफि क्षांत एत । विभि मालिय के ग्रेग जाका भाग जीवांत बादक्रिय किम बात क्रियामा व्हेल्कि मिक कर विण व्हेटक भावांत किছু विटक हत वार्षाकः हेश व्हेटक्टर । देशत विशास माने, द्रुष काम क्षांहे खेवन क्रतम ना क क्यांगांतक्षित निवासन क्रा क्रांप क्रांवभाक ।

----

त्रोबक्यांत्र । वसम्बद्ध वस्त्र । ভাকার কালেট্রের নাজীর বা বৃষ্ণাল্য বৃহত্ত আত্মসমূৰ্যালয় আনাদি গের হস্তগত হওয়াতে অন্য এই সংগ্রী কর বিষয়টার আলোচনার এছত হইতে र्देश: यनि शक्योमि यात्रा निर्मत रूर मा चानिक, नवधिक चार्कारस्त्र दरे मुद्रमार नार्दे। प्राप्तक प्रिन घरेल, अ विद्रा ष्मामानिरमत्र अवन नर्य अविके रहेतारा কিছ কোন্ পক্ষ ৰাজৰিক দোৰী, ভৱিষ कुष्ट विश्वाम मा अधिवाटक व्यामना देश व्यनम् श्राम स्रेटि शामि मारे। ए পুটা কালেট্র বাবু নাসকুমার রক্ত এ খন শিক্ষিত লোক, কিছু ডিনি ব্যচ বাৰুন শহিত বেরুপ ব্যবহার করিয় . इ.न., अक **क्रम क्र**करिया क्यांटक त्या क पूत्र कतिएक शास्त्रम, चामानिश्वत्र अत वियोग हिन सा । नवर्षन श्रेष्ठ होता को বাইভেড়ে, বঙ্গচন্তের সহিত রাসভুষারে मनामनि परिक विद्याप आहम। बाय मात्र राष्ट्र इस्करिश स्टेश ७ कर्स देव निर्याजनार्थी व्हेबार्डन । अशुक्रा थन व्यक्तिकटक्दे चाला करहा, ब कि केरादर्शन कार्या प्रेन्नाटम ? वका ৰত্ম উট্টোর সহিত সামাজিক ব্যবহ क्रांच मा, देश किमि त्रकः क्रिक्ट गर् ज्ञाम मा । देशांत पूना प्रवासकात ना क्षेत्रात कि भारत है है। बात विश महिमा हकायाद लाग १ क्यारन स्टेम नाक्रमंद्रभव द्रमास्य क्रमा गरिएकर। bes Pers wellan nien and क्यू दिनाम महेश वर्धन वार्किएक हिटलेसे विशेषात्र वाच् त्रामक्षात वक् वाद्यक् गिक्टइत निक्षे रहेटक क्टाइक्की मंचि वरेबा बल्किटेस्ट व्यवस्थितकान क्राजन । । रिश्टप्र छिनि काटलक्टरप्रत ऋकूमिक्ट्रि म मोरे। कारमछेत्र जिविन नारहर, मन्न-मिनिः रहत थाएर्यन स्ट्रेट्ट थाछा। बाबन Pিরতের রামকুমাব ধারু উলিংকে এক ।मभूना चारदरन धरान करतन। वर्ष ।।दिनन ১० रे नटवष्टत त्रोमक्यांत बाबूत স্তগত হয়। ইহাতে নাজিরের বিরুদ্ধে ोनः **विष्या**त्रत्र चिक्रियोशं विश्व । काटनक्केत्र জিয়কে কর্মে ছগিত করিয়া অঞ্সক্ষান রিধার আজ্ঞা দিলেন। ভাঁহাকে ফৌজ রিতেও অর্পণ করা হইল। কিন্তু শণথ <del>র্বাহ</del> কেই অর্থী হইয়া না আসোতে हिन्छे बाब्दि द्वेष्ठे हात्रिम माटहर्व वरू-থা ডিসমিস করিলেন । বৃদ্দস্তকে कीवरात क्लिक्नातिएक७ (मुख्या स्य। লেক্টরির করেকজন আমলা জাঁহার **म्टब** नाम्य राम, किन्न देशरण्य मा-त प्रकुष्ट व्यः। नाव्यिद्वतः वित्रस्य द्य য়কটা অভিযোগ করা হয়, তাহা

প্রথম, তিনি পেরাদার ভলবানা .फ नि**टक्ष** ८৯७० টाका **टाइन स्ट**तम । ऐत, ১৮**६৯ पा**रकत ५० पारिन पश्च-র বত অস্থাবর সম্পত্তি বিক্রীত হয়, ার প্রতি টাকার তিনি এক আনা **र क्ष**र्ग केंद्रन। ज्ञीत, जिनि ऋहि-मन भूना दोन्ना मक्त निर्देश विज्ञान রা ভাহার মূল্য আঅ্বাৎ করেন। र्द, नाक्षित्र भारेटन निरम्य पाकिरमध াশ্য নীলামে আপন জীর শ্রেষ के क्या केंद्रन। शक्य, किनिमिट्सन র্ঘ্য সমকাসি পেরামামিগ্রকে খাটা-बाटकम् ।

न्यां में देशंत त्यं छेखत त्यम, खांशा कता बहेतातह तायकुमात वस् बलाव वर्ष-विभि छंगवानात्र हरात्र वादक ध्येत्रव क्षिताहिरेलक, वाकी छाका छिनि धार्व रूम मारे नारवर गामित अमकरम योकांत ज्या कतिशाहितन। ए वाकि ২৬ বৃৎসর সুখ্যাতি সহকারে কার্যা করি **एट.इन फिनि इहें** गांति गांका हूर्ति कति-वन रेश नेकाविक मेटेर, अरे विद्यवना क्तिया माणिदंद्वेषे अ विवदय छोश्टक मिटफारी रुबिबादेशन । ১० जारेन अञ्-নারে অস্থাবর নাশতি নীলাম হইলে नाव्यत ठोकात ऋष्ट्र धक याना वस्ति পাইছেন ভাষা প্রবিদেশ্টের অবিদিত ছিল না। ১৮৬২, অব্দ অব্ধি তাঁহাকে ইহা লইতে নিৰেধ করা হয়, তিনি স্থা-मान कत्रिशारकून रनदे जववि जात जन नारे। व्यक्टिक्टनत भूना वाञ्चलन वांत्र त्रामक्षात राष्ट्रत ्निरकत व्यशीरम था-কিড। তিনি আৰক্ষারী বিভাগের তত্ত্ব। यशक्रम । बाज विक्तीक ब्हेटन ठाका मा-क्टिइत एक मित्रा वा<u>ट</u>िर<sup>9</sup>राहेड अहे माज। এ বিষয়েও নাজির আপন নির্দোষিতা বপ্রমাণ ক্রিয়াছেন। জীর নামে বিনামী ভা**লুক কর<sup>্ষ</sup>করিবার বিব**য়ে না**লি**র উত্তর দিয়াছেন নক্ষুমার নামক এক ব্যক্তি দীলানে ভালুক কর করেন, ভং-পরে আর এক বৎসরের পর উচ্চার জী नक्त्रमादतत निकटि छोश मुना पित्रा लन। देशंत्र पलीन पाथित कता इहेग्राटह। बक्रा वस् माजिए द्वेटहेत्र निक्टि

অব্যাহতি পান, কিন্তু কমিননর বক্ষাও नारस्य छास्रारक चन्द । विभारमञ् **অবৈণ্যি পাত্ত বিবেচনা**ুকরিয়া পদ্মুক্ত क्रब्रम। जिमि भागीन क्रवाटड दानि-ণিউ বোর্ড ডাঁহাকে পুনর্কার পদত্ত করি बांब भाकाः पिशारक्तः। ः नगण्यत्र (य. धारुरित चाचा ममर्थन् <del>ইরিয়াছেন,</del> ভাষাতে **শাউ** প্রতিপর

मुगक विषय वर्णकः कारात्र विक्रास ज् त्रने कतिहार्ट्य। जिनि ५० **हे सट**्युट य नाम भूना चारवस्य अस्मीन कहा না জিয় তাহার वाक्ष्यं विश मरम्बर कतियोद्धन । २५ व मद्वस्त्र की केर मध्यमानिः एक शमन करहरा। मानि कारलक्टरत्वे अधीतक कामना, नाकिहा विकटक चारवस्य कतिया कारमञ्जूत निकटे वितिर्छ इत्र। शार्टनसन् कि 🕊 রামকুমাৰ ৰাবুৰ হল্তে গেল ? ভি ভালা পাইবা কি জন্য তৎক্ষণাৎ কাতে **উ**রের **হভে দিলেন না** ? তিনি বাটাং নৰি লইয়া যান। হারিদ সাহেব না তলৰ করিৰার ক্লৰকারী প্রেরণ করিবা পূৰ্বের রামকুগার বাবু কাগজগুলি ও रात्र निकटणे ८थावन स्टबन। त्रामकूमा वर्षेत् अवस्। कमिमनद्र वक्तारिखद्र भार निक्तित सार्याद्यक्षं करवन, देशाद्य वक्नां अभारहर बेनिहाहिर्मन व विकार्यः पूटल डीशत मटन कुनः कात्र कवाहैत দেওয়া অসুচিত।" বক্**তাও সাহেৰ ভ**ৰ্থন নাজির ও রামকুসার কারুর পরকার नवक कासिटंडन ना

উপসং श्रांकाटन बक्तवा वहें, नाकित्र षरिन षञ्चनीटत्र साती रून नारे बटि, किन्द्र किंदांत मारम दर्व य विवटतंत्र अधि-ৰোগ হয়, নে সমুদায়গুলি অমূলক আমা-पिर्वात क्षेत्र क्षेत्र का । अञ्चल ह**रे**∙ লৌও বামকুমানের অধিখয়কারি**তা** লেবে<sup>™</sup> তালা অৰুগক হ<sup>ু</sup>য়া ঊঠিয়াছে अवर *कोर्⊹त* मन-३ वक्षकट<del>न्द्र</del>त मि**र्स** পক্পাকী হইয়াছে ৷ প্রথম অপরাধির অপরাধ ঘদি গমু হল, আর দিতীয় অপঞ্ ब्राधित चर्राव छङ २४, २मेर्क्टा अधर्म व्यवज्ञावकात्री बांखिक व्याजी स्टेटनक क्षांत्र अक्षे अवज्ञान कहिला बाटक्ट्र अति माञ्चरवंत चलाव । विदास महिन त्रामक्षादतत विवास विवास विवास विकास सभा कर प्रश्न किया छक् जब जाने रिक क्षांस्थित किया छ क्र जब जाने रिक क्षांस्थित किया विद्या विद्या विद्या क्षांस्थित क्षांस्थित विद्या क्षांस्थित विद्या क्षांस्थित क्षांस्थित क्षांस्थित विद्या क्षांस्थित क्षेत्र क्षांस्थित क्षांस्य क्षांस्थित क्षांस्थित क्षांस्य क्षांस्थित क्षांस्थित क्षांस्थित क्षांस्थित क्षांस्थित क्षांस्थित क्षांस्थित क्षांस्थित क्षांस्य क्षांस्थित क्षांस्य क्षांस्य क्षांस्थित क्षांस्य क्षांस्य क्षां

# ত ্র ও এখনির বিশাল্যের ভারা:

আমিক্ষেরের ইর জন পরত্রেরক বিষাদমল ফটেল মুল্লেক্ডিছে অবজীৰ্ণ হই atcen। এব জন ওলটে নিজবিদাশনয়ের হাটোর, অপর ২ঃতি নঝাল বিদ্যালয়ের ছাত্রর পক্ষ জ্লেখন করিয়াছেন। স্মান বৰ,শগ্ৰহ পক্ষপতি প্ৰয়োহক ওক্ষমধ্যায় দিশের নোব কাঠনে পরাজ্মুখ হন নাই। কিন্তু আমালিকার বিবেচনার সংস্কৃতা-সংস্কৃত উভাগিং তীরমহালয়ের প্রতিই সাধারেশ্যে এ গোরার্পণ সুক্তিনিছ হ**ই**-CECE ना : को मार्ग कामानिक काक्यूटच শুনিতে পাইডেডি, যাঁহারা শুরুট্রেণিঙ विकासिक निकिड ६३८७८६न, औशिता व्यक्तिक अक्रमश्रामहिद्यात व्यक्तिक ষত্**অংশে জে**ওভালাভ করি**তেছে**ন। উভয়ের এক্লপ বৈলকণ্য হওলা নারাসিল্ল मास्य मारे। किय अस्टल देशां यना कर्डवा, केंक्स्स, नव्यांगविकायदस्य हाटजस ভুলা অধ্যা ভলাৰকা সম্প্ৰিত্ৰশাৰী ইহা কোনসমেই সম্ভাবিত নছে। বাসুপ কারণে শিক্ষিত ও অনিক্ষিত উত্তর 🖐 দুম্বাশয়ের বৈলক্ষণ্য ঘটিতেছে, শুরু (हेनिक 'अ अर्थामधिमानिका शास्त्र विक-(तक डाउम कांत्र(वन महाद चांद्र)।

নর্মালের ছাত্রেরা শুরুট্রেনিঙ্কের ছাত্রনিং পর অপেকা অধিককাল বিদ্যালয়ে কথা-য়ন করেন। অপেকাল অধ্যয়নকারী অপেকা দীর্ঘকাল অধ্যয়নকারী সমধিক বৃহপার হইবেন, সে বিষয়ে সংশায় কি ? ভবে যদি কেছ কোন গুরুট্রেনিস্ত বিদ্যালয় লয় ও কোন নর্মালবিদ্যালয়কে উদাহরণ স্করণ গ্রহণ করিয়া গ্রহণ প্রমাণ করিয়া দেন যে গুরুট্রেনিস্তের ছাজেরা নর্মালের ছাজ্দিলের অপেকা স্ত্রেরা নর্মালের গ্রহিনিস্তান্ত হইবে, নর্মালবিদ্যা লয়ের শিক্ষক ও জন্মবিধারকপণ স্বক্ষ্ব্য সাধনে যথোচিত বজ্বান্নহেন।

এফৰে নৰ্মালছাত্ৰপক্ষপাতী পত্ৰ প্রের্কের লিখিত একটা বিষয়ের বিশেষ রূপে বিবেচনা করা আবিশ্যক। ভিনি कानश्वापिरङ निधनाधिक्रश भूकी खना লীর যে দোয কীর্ত্তন করিয়াছেন, ভাষা व्यय्थार्थ नत्र । उत्तात्र व्यवस्त्र व्यवस्थ মারাত্মক দোষ সমূহ অনুস্তে রহিরাছে বে তাহা প্রণালীর উন্মূলন ব্যতিরেকে गर्टमधिक इंदेवांत मंटरं । अट्यटमंत्र লোকেরাভাল কালেন কলিয়া ঘাঁচারা এ প্রশালীর প্রতি পশ্পতি করেন, ভাঁখারা দ্রমে পতিত ছইয়াছেল। এলে-मीव्रमिटश्रत चलाव और, त्य विश्वत अरू বাব অধিকার প্রাপ্ত হইয়া দীর্ঘকাল हॉलरा कार्रेटन, हेर्दाना छाराह बकाय অনুরত ছইল পড়েন, ভাষার কি ৩৭ त्या आह. हक्क्क्क्क्किन क्रिक्श अरू বাবও ভাষা দর্শন করেন না। কিন্তু व । इंग्लिट्स विद्युष्ठमात्र डेल्ट्स क्ट्स्ट्स्स শুষ্ঠাশুন্ত নির্ভিত্ন করে, জাহাদিশের পড় ডালিকা প্ৰবাহ অবলয়ন বিৰেয় হই-८**८८६** सा । अरहरून यांदकीय **कां**दी উন্নতি শিকাপ্রবাসীর উৎকর্ষের একার शहाप्रक, १६ कथा नर्समा खाँश्रीवटशह স্থাতপৰে রাখা উচিত। মধন এহেশীর शिरमत्र नरूच वित्रदक्त **अक्टिक्** व**रेटल्ट** 

তথন কেবল এক শুক্তমহাশার্থিকের পাঠনা প্রথানীর অপরিবর্তন বিবয়ে এত আগ্রহ কেন? এমেশীরেরা কি কর্ম বিবাকী মিউনিলিপাল টারা ও ইনক্ষ টারা প্রভৃতিতে অভ্যস্ত হিলেন ?

चामक्रितत विद्वहनात नित्रविधिय श्राणी व्यवज्ञास्य क्षित्रा काम क्षित्र দেশের সম্বিক সৌভাগা লাভে সপ্তাৰনা আছে। প্ৰথম, গুৰুটোু নিয विकानग्रक्षमि छेठारेका निका उराय द বায় হইতেছে, দেই টাকা নৰ্মাল বিদ্যা লয়ে দেওয়া হউক। তাহা হইলে তাহা আধিকতর জীয়দ্ধি হইবে। একণকা **অগেন্দা পড়া শুনার উৎকৃষ্ট বন্দো**ব হইতে পারিবে। নর্মান ছাত্রদিগের অ इसकारलङ्ग नीम। इष्टि कहिया पिट स्टेटर । **कारा स्टेटल माना विवद**स्र अट পারত তুপর শিকালাভ হইবে সবে मारे। विजीत, आंभवांमीकित्नत निर **হইতে কৰ্ম লাকাব্য লইয়া ও** গ্ৰণ্ডে নিজে পর্ম নাহাব্য দিয়া সভেল কুটে त्रीकि जञ्जारत आहम आहम अस्वर পাঠশালা অভিন্তিত কলন। আ মক্ষমৰানিবিধের মনের ভাৰ যত **অবপত আছি, ভাহাতে নি:সন্দিধ্বর** बिकटळ शाहि, आमर्याग्या यनि छै९ বিম্যালয় পান, কখন ক্ষম ক্ষম প শালার নিষিত অভ্যাগ বা অসুত क्रिट्रिय मा। काल नारेटल एक म बाद १ अक्रमार्कभागा वर्ष नश्काय वि নত্ৰ যে লোকে ইছার বিজাতিব **एड्रेट्ड : इंश्ट्ड अदर्श्याम्बर्श** कि व्यक्तिक राष्ट्र स्ट्रेटन, व्यावता चीकांत्र र ক্তি ভাষা অধিক স্ইবে। এবাংয়-নি यब्द्य प्रभा काम छोड़ा मस्थित स स्वेशित्यः। काशंत्र वया स्वेत्यः अ वि निक्क विकास क्षेत्रक अवस्थि निक निर्दे facren karmenten ein Golden भट्षंत्र वृष्य अनुकृषि स्टेटन मा।

**३३ ५ छन्द ५**१५६ 🕌 विक स्टब्स शोधना शानमा । व्यवसा क्षिकाका श्रीक्रक क्षिणित क्षा महाकृतात विविद्या स्विट्य महिन জীৰ লাভ কৰিলান। জীবারা উড়েবার জিক শীজিতের নিষিত নাধরিংশর नेक्ट्रे नाक्षक्षीर्थी व्हेडाटक्स । এएकाडा ন্দিক ইউলাভ হইবার নতাবনা আছে। **८व्ट जंड धमवाटमहा सामजिक्क्यान्ट एम।** क्य रेर्हाता उटलिंग्ड ७ महस्य ना रेटन ब्याय दनरे भक्तित अतिहत्तर्भार्यन নৰ্থ হন না। আমরাও ক্রিটাও ছক্তি-भीषिकतिरभव अकिनिधि स्टेबा स्टब्स-ীয় বনবানদিপকে অভুরোধ করিভেছি, াহারা এ সমরে মুক্ত<del>াহত হই</del>রা ভারত-ৰেঁর চিরপরিচিত দাত্নৰে নমুঞ্জ রিয়া ভুলেন। রার ধনপতি বিংহ राइर पटः थहर रहेता सिंह वसीरा-তে এতদৰ্ম অৰ্থ সংকাহ ক্ষৰিয়া কৃষ্ণি-त निकटें ब्लाइन क्रिइ<sub>नीय</sub> काह्यटक्रहे মিটী পোৎসাহিত হইরা**ছেন**া **শত**াৰ मिछि वे विकास पनि क्षांक्रकार्यः हम, होह পতি নিংহ হাছান্ত্রইছার মূল বলিয়া विक शूना ७ वटनाकानी व्हेटवन ष्र गरि। अष्टा भवर्गम्यकेत्र निक्टि মানিলের কিলিং বস্তার উপস্থিত ८७८६। चामहा स्वित्कहि, इर्क्टिकड রক্ত অবধি কলিকাতার বাবু রাজেন্ত্র দ্ব ও আজীমগঞ্জের বারু বলপডি **्र ७** 4िरशः अका<mark>फरः नाहानाम</mark> **তেত্**ৰ । কলিকাতা টাউনহালে দ্যারি মাদে যে কভা হয়, ভাহাতেও জন্ম মঞ্জিক পাঁচ হাজার টাকা দিয়া । ধ্ৰপতি সিংহও স্বতঃ পরতঃ নানা (छक्ते शहरकत्वत क्रिक देशकि-ৰে উপাৰি ছায়া স্থানিত কয় াছে, ভাষা ইহুঁছিলের অন্তরণ হয় । भागता पूर्व अधिकाहिनांत, वर्श-क्रिकेट, मानक बाक्कर्यकांबीक াহাছ্য় উপাধি পাইয়াহেন। অভ-

वन व्यामासिटनंत्र व्यष्ट्रताय करे, क मीन **উপাधि इस्फिक्तिया धर्यस्यके तात** बार्टकल सक्तिक रासाझ्य ७ शाह्र धनशक्ति निर्म ग्राह्त्रदेक ब्रामायास्त्र छेनावि सीता चनकृष्ठ करतम। छाहा स्रेटनर व्यामानिटचन शवर्गदमके त्यमन छट्नन छेर নাংদাক্ষা ও ইহাঁরা বেমন দাতা, ভাহার चंद्रक्षण स्य ।

**উপব**্ধারকালে আমাদিগের দেশীয় जिमी वास्मिरक विरमवद्भारत विष्टू वना व्यावनाक स्रेग। यह बह अनक छन-ভিত হইয়াছে, সুরশিধাবাদেই ভাষার স্তাপাত হইয়াছে। অভএর রাণী খুন मग्री ७ वरम् मध्यील०-निश्टश्त्र व विष्टा विटन्यक्रटण रखावनद्यानं कतिहा 🖨 नम রের মুখ সম্বিক সমুখ্যা করিয়া তুলা উচিত। তাঁহায়া অঞানর হইলে অনেকেই **डोइक्टिश्र चङ्ग्रन स्त्रिट्य मटक्ट्** नारे। कनिकालात बांदू न्यामान्त्रन मिक े अ सम्देश दिवासीस दगरनम १ उँद्वित माम*्द* करम मिनिहा शिन। "श्रीकं देव रक्टमंब् एक्ट्रमा वर्षमाहटवद्रण एका कर्क् क रक्टम वृहीरण ह नाव वर्ष কর্ম করিবে। তৃত্যুকালে কেবল এক धर्मरे गरुष्टत रहेटन, तक बाकी तक कुछि থ্ৰাভৃতি লুমুদায়ই পাড়িয়া থাকিবে, এ কথাটি শ্যাম বাবুর সদৃশ বাজিবা व्यन मट्या मट्या खात्र कटना

উলিখিত কমিটার ধন রক্ত কমি টীর শার্জাতুদারে বে দরকুলার প্রচার ক্রিয়াছেন, তাহা এই:---

" यश्चाः

উজ্বাস হতিক ও অন্থালয় **बाहुए इ.स.स.मार्थिक कमिडी देशत गर्-**क्रुक ३२ है स्वयानित है। डेनशालह क्षकाभा मणात्र मुख्यिकं कार्या विवहरतत **अक्षेष्ठ जा**र्यमात्र निक्टि **डेश्हा**क्ट क. ब्रिट्ड चारममं क्षित्रारहनं। देश्वरश्च-রীর এতিসিধি ও ভারতবর্তের গবর্ণর

(क्रमहर्व के नगरत नकानकित क्रांत्र क्ष विश्व विश्व विश्व । क्षेत्रिका विश्व विश्व नीं फिलिन्स मिथिक मोबाहरने वर्ष ও সৰজঃ ধকুৰভার উপরে নিউর কৃষ্টিত তিনি এই আশা क्षिग्रा**ट्**म रव हा**क्ष्य**ं नंतरात्रभव ७ क्योंनात्र ७ वार्यनीतिर्मन चटमनीविमिटशव अरे इःनमस्य नारासम्ब मार्च अधानत रहेरदम अवर डीम्डिस विभीन এই, ভারতব্রীয়দিলের দাতা বলিয়া বে চিরত্ব্যাতি আছে, যে সকল ব্যক্তি चन, रज ७ चाट्यरतत निमित्र करोड কট পাইডেছে, মুক্তহণ্ডে ভাহাদ্যি<mark>নক</mark>ে साम कतिहा तम्हें थाछि इका कतिरद्त ।

এই বিষয় আপনার গোচর করিয়া ক্ষিটি এই লাখা ক্ষিতেছেন, আপনি यक शाद्यम, होका मध्यक् कतिया कमि-णित गौराया कड़िट्वन" अवर कशिक करें चरमदत्र चानमादक अहे चहुदत्रीय कृति-জেছেন, য়ায় ধনপৎ নিংহ বাৰাচ্য কৰি वित्र भवाक्तरक स्य शख निविद्योदस्यः 💠 व्यक्षक कीशांदक व्य क्षाकुलक विकारिक्न, খাপনি ভাহার প্রতি চুক্তিপাঁও করি-(वन ।

किनिष्ठक स्वाथ कतिरख्याहन, আপনি উদারভাবে এই প্রার্থনার পরি প্রণে পরাত্র্থ হটবেন না, এবং ·<del>चार्चि गांशाङ्गादः या किছ</del> गार्गश ,করিবেন, ভাঁচার আক্লার বছকারে क्षां अहन क्षित्वन। "

> --:-:--সূত্ৰ পুস্তক।

১। সংস্কৃত বেণীসংহার নাটক। জীযুক্ত জগজোহন কর্কালভার ইহার কঠিন কঠিন পদ ও বাক্যগুলির চীকা क्षिया प्रविवाधिकां करते मूर्ति छ छ छ।-রিভ করিয়াছেন।

२। वानिविवासकश्चन । सवद्यीलात প্ৰশিদ্ধ সাৰ্ভ জীৰুক্ত অঞ্চনাথ বিদ্যারত্ব ভট্টাচার্যা জীযুক্ত বার প্রদন্ধকুনার ঠাকু- রের অনুমতি অর্নাবে ইনার সংকলন ।
কবিয়াছেন। মহাদি শাস্ত্রে বাবহার দর্শনের ( নকজনা করিবার ) যে বিধি
আছে, তাহা অবলয়ন করিয়া ইহা সংক
লৈত হইরাছে। ইহাতে মূল সংস্ত্র্বন ও ভাহার বাজলা অনুবাদ সমিবে ।
শিক হইরাছে। বিদ্যারত্ব ভট্টাহার্যা এই ।
অনুবাদ করিয়াছেন।

১। কাশীধতের বাজসা অনুবাদ।

শ্রিযুক্ত গোবিক্চক্র বন্দোপাধারে এই

অনুবাদ করিয়াছেন।

ष्ठाकाक मः वानभाका निविद्यां छन्।

১ কেটেপয় দিবস সেতীত হটল, শুদ্রাস্থ্য जाकामशास्त्रव अक विश्व व्यक्तिन हरेता বিশ্বাহের সভাতে এখানকার অনেক বিঞ महामा छेलविक भित्नमा गठा व्यावध स्ट्रेस आकानमार्टकत चन्नाः क र्ख्या व्यवस्थान । সেম মহাপর সমাজের বর্ণিক রিপেটে পাঠ कर्त्रत। कर्पाद क्यांकः विकासभाव मध्याप ऋरष्टकी दिख्यत विवाहत क्षत्रम स्ट्रेल व्यन्तर-ক্রোপ্ত করেকটি নিরণ পরিবর্ত্তিত ও বর্ণ্ডিত করা ह्यू अदर मर्कनमा उद्धारम अवासकान (शृष्टि प्रदेश) লডের বেড ক্লার্ক জীগুজ বাবু :কানীপ্রসত্র বোষ ও পাগ্লা ফাইকেব এটিব ডারুরে জীবৃক্ত বাবু রামপ্রসা সেন মহাব্য হয় উপাসনা সংক্রাভ कार्यक्रमान निर्वार्ध्य (डेश्राग्टर्यन्य) कार्य क्षां स्टब्स, ज्याद क्षांका कारलाका व्यवहरूद निक्क क्षिपुक श्रे देवनामध्य (श्रेष क्रियुक बाबू कुक्कुमाह त्यम पटहास्य ६ म मालाग्यक भएन सङ्घाका कांच्या विन्तानस्थत मास्त्र क्रियुक्त बाबु ध्वताच बङ्क (घोलिक मशानग्र प्रश्काती गाना **४८७३ १८४ म्हर्नामीड ३८**६म । **अस्यतः कटप्र**क्त्री সারক্ষাপুর্ব সমুপ্রেশ এদান কয়। ইইলে সভা क्षक इंग्र

का शक के देशक दू (यात गक्षात शह की बूक याद कार्यो क्षण प्रश्निक का का का गामन-मार का क्षण विषय का में में ये प्रश्निक का का का का बार का कि विषय का की भूतिक का कि बाद का कि कि वृक्ष कि स्वत । वस्तु का मिन विषय का का का का मिन का कि विषय का का का का का

৩। আৰ্থা গড়বারে অস্বশৃতঃ লিখি-মুক্তিয়ান, অক্সত্য জেল্থানায় করেক ক্লন ক্রেটি এক্ষাস্থাইটয়া এক জন ব্যক্তনশভাকে

थून के विद्या वास्पतिक खाशास्त्र विद्यारि-जार दो उद्गतन्त्राण वा इत्र वाहे। अक केव करमनीहे श्रांत्रकार्य करमाहित

৪। চাকা কালেভেন ছাত্রখন বাইবলের কটিন কঠিন স্থান ও ল বু নাবার জন্য প্রার্থনা করাতে ভথাকাব ক্ষেমারার জীবুক্ত লিবিংটোন নাহেব উথাতে এমত হয়েন, এবং বলেন বে আমি যাহ্য বলিব স্থায়ত কেন্ব ভর্ম উপস্থিক ক্ষিতে পারিবে না । ভল্মনায়ে তিনি প্রতিমিন চারি-টার পর চর্চে বাইয়া পাঁচটা পর্যন্ত ছাত্রদি-গাকে বাইবল বুঝাইয়া নিয়া বাকেম।

৫! এখানে চুরির অভাজ প্রায়ভাব হইয়:ছে। করেক দিন হইণ, বাবুর বাজারের অভ
গ্রহ্ পুরাতন হ'লে।লের গলি ছ এক জন ধনাট্য
মূদলমানের গৃহ হইতে পাচনত সাভে ছালার
টাকা অপুরুত হইরাতে।

ণ। অত্তর ও কবসিয়ন মক্ষর সরকারী সংক্রে জালসাও অনেক টাকা বৃধা ব্যান কর। মুপ্রাধে কব্যসুক্ত হুইরাছেন।

३। अकरन निरानि प्रमृत्यः स्हेदात काउन त्यसा गाहरण्डाः अभीनातः ज्ञा जानूकनादुत्रता श्रामिद्यतः श्राणः ज्ञानि व्यक्ति व्यक्ति वर्षः वृश्चि कडारण जानाः स्वतिक मृद्याः समानि विश्ववा कतिरुद्धः।

১०। अनुवंदन के अद्भावीय विश्वत्य प्रमुख्य विश्वत्य के स्थान प्रमुख्य का विश्वत्य के स्थान करिया कर

তমোলুকত সংবাদদাতা লিখিয়াছেন

২। এখানে একটা মাত্র রাজপ্প। ভা ্সংক্রার্থ ইণ্ট্রু প্রাস্থৃতি প্রায় ৪ বংসর ম প্র**কাত** ধইয়া রহিয়াছে। কিন্তু এপর্যাক্ত কার্ব इक्क स्टेश को। ध्वान किছू किंग शिरण शहे न स्टब्ब अलिए इस कि का ब्रांकिए के (बाप रह सा । क्षस्त्रहे कारात सहसारम कुन নিহিত হইয়া গিয়াতে। এই শব ডৰোত্তক হ व्यक्तिभूत भर्गाक विस्कृष । ध्रमाणि देश गर ধাৰিত তথে কি গাড় বৰ্ধে ছৰ্ডিক্ষকালে পৰ हेट ह स्मानद्य प्रकृत तथा मेत स्मार्थिया हो ক্ষাপথের মহানু শেনির সহং করিতে হয় : रुक्कारा के दिवा वीभी असी मन्दर प्राप्तन व हारत क्षां विश्वकृत कृतिहरू स्ट्राट आसा लकायरम्भ भवन्त्रके स्टब्स अहे मक्त्र वि द्वाक व्यवनक वृहेश उर्गरत्नावर्टन वर क्ट्रेशक्त क्या पाय मा ।

७ । ५५ हे बाई पंत्रवा काजीरवाकात प गाजी मीक्षक आरम (जारव मामाः मानव रेक्ट्रवाहिट्ड क्रीर मानिया सरवन समित

वर्षामात्त्र सीधीत निकारिक दाव হের লোকের উক্ত পুক্রিনীনাবছ হয় এ য় গ্ৰশ্র জেনরলের নিক্টে আরেছন করি– ছেন। উছিরা বলেন, এস্থানে কার্রা প্রস্তাহ যুদেবন করেন ঐ প • লোক পান কংবেন। পুৰুম্বিণী বন্ধ ब्रेटन क्ष्यिनम् क्रिके इंहेट्व । क्षामन्न क्षांट्सन ব্রিদিগের প্রার্থনায় জন্মবোদন করিতে পারি-মনা। অভিনগৰ পুক্রিৰীটা আঞ্চানিত दुशः फन्नर्राः शहनानाः भिद्राः विश्वषः व्यन নগ্নন করিবেন। এক খুল জল লইবার জন। নাক্ষামিত থাকেবে। আপাডডঃ পুকরিনীর एष्ट (कर्वन जमन कर्त्रा योज्ञ, विज्ञ ज्याकां विज লে অমৰের স্থান আরও অধিক হইবে। কিছু ৰ কষ্ট হইবে সভা, ফিব্ৰ যখন সাধারণ উপ-র লইয়া ক্থা তখন প্রন স্থান জেয় করিবার যে ৩। ৪ লক্ষ টাকা ব্যন্ন করা যায় না, এবং চ। **হটলেও পয়**ংপ্রণালীর বিল**য় পড়ে**।

माति नारक्रवत लाक्रिक करत्व अधिकान রবাধ জন্য টোনহালে এক **সভা হইভেছে**। মধা ভরসা কবি এডজেনীয় ও ইউরোপীয় উভয়ে ব্লুসংখ্যক ব্ইয়া সভার গমন वेटस्म ।

इश्लिममारमय अक स्मा भाजास्थातक बरलमः প্নিব'ব এক **হাজিক ভারতবর্ণীয় সভা**য় য়া অনুবোধ করিয়াছিলেন সৰ সিসিল বীড-। একখানি অভিনন্দন দিখার জন। তিনি চেষ্টা ইভেদেন । এডএব সভার এ বিষয়ে বাহায। : উটি 🕫 উহিচক ৰলা হৈছাৈছে সভা ভাৰা ন্তে গ্ৰেম না। •

ना ने न श्रमाना (भगाय जारनरक नर्वचाच । সপ্রতি সাবিল্যো নামক এক জন যুক্ত **इ. এक दाद्भिरु ७,२०,००० शका शतिहा**-ৰ। এক চন করাকী আমীর এক বাজিডে , • • • টাকা হারিলা আপনায় পুস্তকালয়, সুদালি বিকার করিতে বাধিত হুইয়াছেব : াপি ছুতে ক্ৰীড়ার কি আকৰ্ষণ, ধাহারা ইহা নে ভালহা দোভ ভাগে করিছৈ পারে মা। বলদেশের জেল ইনস্পেইর জেনরল ডাজ্যর এট প্রভাগেষন করিয়াছের।

সপ্রতি মান্তাতের এক ক্ষম চিকিংসক করে কেউটিয়া সর্প ঘ'রা কয়েকটা কুছুর কৈ মুব-क पर्णय क्यांस । श्रयत्व कामकृष्टिया साञ्र धनि ऋष क्षान्यां श करवा वातवाद मश्यम ice मर्टांड विष दाग्न । सर्वतन **पत्र**म्बेडस्क নেক্ষরিলে কোন অনিষ্ট হয় না। পরীক্ষক

কিন্ত কিছুভেই বিৰেন্ন সাংবাজিক ফল নিৰাৰিত क्तिएक नवर्ष इस वाहे। किसि वर्तन, तरकत नहिर्फ किन मा मिळिएक स्ट्रेशन बुक्त स्व मा । (व नकन चारत देश रह मा, छशात अवध (मछता स्या. त्य च्यादतामा, अवदश्य कद्दवत्र शतीका मदस् नर्भ बरमानत शकुष्ठ खेत्रद माहे।

क्ष्मि भिष्ठियाँ समहत्य आवन कतियारहरू है, वि, कछिअन मारहर कारनरकत व्यवत्र स्हेप्रा ভারতবর্ধে প্রভ্যাগমন করিতেকেন। কাউএল সাংখ্যের এ দেশভ্যাগ আমরা সাধারণ ছর্ডাগ্য বলিয়া ভানিভাম।

সর উইলিরম মুইয়ের উপবৃক্তভা লইয়া देश्लिममान ७ भिन्ननिष्ठरत्रत्र वर्षाः विवादः व्हे-তেছে: পিথনিরর সর উইলিরম মুইরের কোন लोच प्रत्येन ना, देश्लिनमाम बर्गम, हाविनिक বেতির সভ্য থাকিবার সমলে মুইর সাহেব यावणीय कार्याक्षात अरू साम 'महकातीत छेशटव विटलनः काम शरकारी कतिरलम नाम खाहार निटक्त रहेख । विद्यारश्त नमस्त्र वचन कांत्रजात 'মন্য অন্য লোচক কোন ত্ৰব্য হৰ্গ মধ্যে আনিতে পারেন নাই, মুইর সাহের আপনার প্রায় সমুচার जया व्यक्तिक्रक्रियन। विद्वारीक्ष्मित्र भरवान রাখা ভারার কাম ছিল, কিন্তু ডিমি ভারা এড मक्तमार करतन (व विद्वाधिकात व्योदक कीर আঞ্চাত্ত-হন। দ্বেবিনিউ কার্ব্যে সর উইলিয়ম गुरेटप्रव 📤 व व्यक्तीकांव कहा व्यवहात्र । विद्याह **छे**नन्द्रक छेंग्सत कास नकन श्रमश्रमीत सहस् ভাঁহার নিজের রিপোট হইতে প্রকাশিত হইবে।

বেশুন সোমাইটির গড অধিরেশন রিবলে সভ্যবিগের অন্নরোধে বারু কুবার স্থানী বুদলির? আপন্ধান্তৰ মুক্তান্তের বিষয়ে এক উপদেশ দেনঃ আময়া অভিশান 👣 বিক চ্ইলাম, বাবু मानविश्वी त खाशांक जन्ताव विकल ७ ७९-সৰা করিয়াছেব। এখত জনঞ্চি সুমার স্থানী বলিয়াছেন বদি বেশুন সোসাইটি কলিকাডাঃ नगारकत्र कामणे यम कांद्र। व्हेटन यहरम्भीत्र **डेव्हर्ड स्कार गरवामगत्र माद्रा चाए।** अरु करनव ल्लाह्य मकात्र अहे व्यन्तान महे(कर्षः । 'র্সিক্ডা ও বিজপের व्यक्तिक স্বাছে। রসিকভার স্বানন্দ হয়, বিজ্ঞানে মনে কট্ট প্রদান করে। কেবল লোককে হাসাইতে পারিলে বলি রসিকতা হইজ ভাষা হইলে ব্যবভীয় মাড়াল ও গুলিখোর রসি হ ষ্ইড। স্থান 🛖বঃক্তিং বিদেবে বিভাগত ভাল লাগে, কিছা বাঁহারা বিভাগ শ্বটোর প্রধান পরিষয় জ্ঞান করেন, ভারারা সাধা রবের নিকটে মান্তক পুন্য ক্রাড় বলিয়া পত্রি-भाषात्र, नीम 🗴 हेटमह बुस वावशंत स्टब्स, । शनिक हरेटम व्यव काटकेश मा कट्टम ।

## ५७ हे टेड्ड स्मृतवाद् ।

গত ফেব্ৰুৱারি মাসে উৎকলে ৪০,০০০ মুধু **हा डिल मानाञ्चान स्टेटल बक्षानि स्टेबाहर । बाल** भूदर शायाय एगान क्यार्ट **कुर्कविता**हं अस् অফ্লেডা বইয়াছে বে টাকুলি ৪৪ সেয় চাউট্ दिक्षी उर्देर उरह। दि मकल चारन केना श्रीवृत হয় সেইখানেই কষ্ট রহিরাছে।

পঞ্চাবের অমীবার প্রভাপ সিংক ডেপুট্র করি সৰব লিউদের ৰামে ধলপুর্ককে চাঁহা আখায়ের বে নালীৰ কৰিয়াছিলেন, অধানতন বিচায়ালয় আশীলে ভাষা অঞ্জান্ত করিয়াছেন।

सबलश्रुत कमार्थियाम जाखबर्डेहेसाच राज्य বোৰাই রেলওয়ের নানা আড্ভার বিশ্বর ভুল क्या रहेका द्रविदाहर । नच्यकि कृत्रशास ०० बळा जुना वय रहेशाटह । स्थान इटफक्कि पाणि कता अकाम स्टेझाटक मट्यार स्थारण प्रश्न স্থান হইতেছে। বোধাই রেলওরেডে বড ক্ষণি হয় এমত আর কুরাপি হয় না।

বালালেরি ধেরালড ববের, সম্প্রতি ভরেড এক ব্যক্তি বিচার সংক্রান্ত কমিসমরকে ৩০০০ मेज़ा छेरत्यां किएक हारिका आर्थमा करत, करि यनत्र छ। राज এकी मकस्थात छनीत्र सङ्ख्य बिष्णश्चि कट्टन । अ ४, व्हिट्स कोस्साहिएक म र्भव कत्रा हर्देशास्त्र ।

**উक्त भद्र बर्गन, मन्द्रकि अक्त सम् अवस्**र >,४•• श्रेको वहेन्न' २० धनिख **शामकासमस्** স্থিদভিগের বেডন বন্টন ফরিডে ফাইডেছিলে এমত দৰ্ময়ে কয়েক অন ইউরোপীয় ঐ টাক युर्वे कहियाए। हेर्। देशनिकविद्यांत्र कासः।

कुका नवीत विकटी करतक्रि कंत्रजात सर्वि अकाभिए इहेब्राटक। अ त्रक्त कारन *ख्र*नलट इकेटन कानुक्रवर्दन क्यूमा ब्रुक्षीनी हहेरन भावित्य ।

সংখ্যা জানিয়'ছে। আমীর সিয়া আলী ৰ' দৈন্য সংগ্ৰহণ হিল্পৰ চেট भारे : छट्टन । छिनि शिश्तामस भुतः श्राप्त स्ट्रे ধাৰ আৰু। অদ্যাপিও ভ্যাগ কানে আই, একং ছিরাটের লোকেরা জঁহার শব্দে আছে। আৰু प्रभ दश्यम ची कायनाशास्त्र मानमक्का बहुता ছেন। কাৰুলে আফজুন বা এড অভয়চার কৰি তেত্বে, বে শেক্ষ নগর ড,াগা করিয়া যাইতে **উन्ध**ेष **र्देशास्त्र**ः

ইংসিস্মান সংখ্যাল পাইগ্লেচ্ছন ফেইক্স্টে ক্লশীর সেমাপতি আৰণ করেন, যে জিইল কর্ (यके व्यापादाक विषय अक्षानीय कविषय मा ভঃক্ষণাং ভিনি বালাকে যাবতীয় ক্ষতা ও লক্ষান ষ্ট্তে ব্লিড ক্ৰিয়া তাঁহ'কৈ এক জন প্রধান ক্রনীয় কর্মচারির মধ্যে পরিগণিত করি য়াছেন। রূপীয়া বোখাবার বাহিংগ আপাততঃ व्यवस्त्र व्हेर्फ्टाइन मा, किन्न अस्त्रालय स्ट्युक দুশনাৰ এক দল দৈন্য সীমায় থ:কিবে। দির<sup>\*ট</sup> मा महेरल नवर्गम है ना नो हिर ७८३म माः

উক্ত পর বলেন, কসায়ার সর্ভারনিকে ব महिष्ठ भवर्गस्मर केव कि मध्या थे किए। दाहा विस्थ চনা করা হইতেছে। মাইডেব স্ফালের রাজা উপাধি বৃহত্ত কবিয়া উচাকে '' সিম ' উপাধি মাত্র দেওয়া হইরাছে। কিন্ত কথা হইভেছে লৰ্ফারণৰ বধাবিধি কাজ কবিবেন কি না ১

देख १अ पूर्व न स्टेट मश्वान भारेब्राह्म्स, টঙজুপেনলে। পুনাখা আক্রমণ করিতে অপ্রসর হইতেছেন। পাঁচ ময় তান সর্দার জীহার পক **भरतक्त क**दिया मार्थशाकाकी रेमना (श्ववन कवि प्राट्टन। (प्रवहाक जिल्नि भवर्ग्टमट केंद्र मिक्ट्रे শাহাব্য মা পাইয়া ডিকাডের সাহাব্য চাহিলা-**ाम** ।

**डिटबर्टेट**वर जञ्जातालगाटन चर्नाटक वनरण्डल करत्रको निनियत हाज वृश्विवृद्धि विकारत्रत्र विवास चारेन कर व वहेरव ? कतिशारहम । श्रेष्ठि मार्टन चार १२३ डोका अ व्यवः (क्षण्यः) स्ट्रेट्यः ।

হিন্দ্র জ্লের জনেকওলি ছাত্র প্রবেশিকা : পরীকা দেওয়াতে প্রধান নিক্ষক বাবু সংহ্রদচন্ত্র। बल्प्डाभाषात्रक ६० शका शुक्रकात संख्या रहेकारका अध्य (अधीत क्षत्राज्य निक्क वाब् ভোলানাথ পাল ছাত্রদিগের অন্য অরু পরি-श्राम करतन बारे।

আসরা অভিশন্ন আফাদিত হইলান, গবৰ্ণ-(बन्दे बांबू भारतीहरून महकारटक भक्षम स्थानीत অধ্যাপক নিযুক্ত ক্ৰিয়াহেন। (এটা বোগ্যজা ও সাধুতার ধবার্থ পুরস্কাব কইয়াছে।

ওয়াটগঙ্গে ভিন জন ইউরোপীয় নাবিক এক অন এতজেৰীয় ব'ণকেয় বাটীতে চুরি कतित्रा वृष्ट व्हेन्नारहः। चालिशुरत्रत्र माकिरके ইহাদিদের বিচার করিবেন :

## **३३ हे रेड्ड दु**भवात ।

क्रविक्षा व्यवधि हिरात्रन शराश्व हिनिबाक रहे-সাছে : শীল বুসায়ার পর্যক্ত হ**ইবে** : আমাদি-গের টেলিগ্রাফের ভার সর্বনা ছিম ক্যু, রূশীয় ভার অপেকায়ত উত্তমরূপে রক্ষিত হওয়াডে 🍂 টেলিখাকে সংবাদ প্রেরণে ভাতুশ রাহাজা-ক্লিয় আলক্ষা নাই।

ভাকেল খোজেল এড়ডি ছারে গীরতা

কবিবাৰ জন্য কলীয় সম্ৰাট আপন হাজ্যের বাব তীয় স্থানে চাঁদা করিবার আঞা দিয়াছেন। त्र<sup>भी</sup>य शवर्थस्थ व्यक्त व्यक्तियात्रिक शक्तिस्थि वहीवान कतियात यालाहिक क्टी शहिरकदहन । मूनअभाग । अभीवन्दिशत मर्थः अर्धन वर् শ্ৰীয় প্ৰণালী স্বায়ী ও ব্যক্তিবিশেবের জীবনের উপরে নির্ভর কৰে না। অভ্যাচার প্রায় সমাম। क्रिक्तिम शवर्गायके ऋगीत शवर्गायके व्यापना भड छान (आर्थ छान्। जामना चरमनी प्रमिशास দৰ্শন কবিতে বলিতেছি।

সোমবার রাজিতে বড়থাঞাবে এক জন ধনী বলিকের বোড়শবধীয় পুত্র বিব পান করে। মেডিকেল ফালেজের চিকিৎসালরে লইয়া বাইলে ডাজের ইওয়াট মাকেঞ্চি ও বাবজীর চিকিৎসক ভাষাকে রক্ষা কবিবার চেষ্ঠা পান, किन्छ नकलहे बुधा हरेल। इन्डमा निश्च अन्य कार्रिय बाह्याहिन व छाहार्ड २० करमह मृष्टु, इस । अष्ठ साह बहर्गाहत रूप्छ नमर्गन कता रहेतारह । स्त्रीरमाक भवत्व श्राप्त अ नकम योग। व्हेप्रा शांटक। व्यक्तव शृक्तिय (यम हेहाँव ভুক্ত জন্মসন্ধান করেন। আরু বাজারে বিব

আৰবা কুততভা সহকারে স্বীকার করি-তেছি ভারভব্বীর সভা মাক্নীল সাহেবের श्रकाविक भन्नीबादमत क्रिक्रेमाति धनानीत . বিবারে যে পত্র গ্রহ্ণকৈউকে লিখিয়াছেন ভাছার अक्वत अक्व नार्देशकि। जननत क्राप्त जानतः এ বিবয়ে হস্তকেশ করিব ৷ 🐍

নিদ কার্পেটর বোধাইবাসীনিগের অভিন-া নামের প্রভুগতরখান উপলক্ষে বলিয়াছেনু রবিও অনেক খৃষ্টীয়ানের সহিত উহার মততেৰ আছে তথাপি ভিনি খুষ্টীয়ান। নিসনরিগণ এদেশে অনেক কাজ করিতেছেন। ইংলঞ্ডীর লোকেরা ভারতবর্ধের বিবরে সম্পূর্ণ অভা। চটিয়া হইবে। মাবজিলিতের শাখা এখ পরিলেবে বলা হইরাছে " কলিকাতা ভারতব-र्वत जामनं नरह, देश रकरम्यात्र जामनं नत्। দশ বংগর-স্থা বংগর কেন - শাঁচ বংগর পূর্বে কলিকাডার বে অবস্থা ছিলু, অক্ষণে ভাষা সম্পূর্ণ গরিবর্ত হইয়াছে। এখানে ক্রছ উন্নতি হইতেহে, এই উন্নতি বোৰাইয়েও মৃত **হইতে**ছে। বিদ কার্তেপ্টির এবেনের সাধারণ মতের আকর চিনিতে শারেশ মাই। বেষত পারিদ' কুলের মুধ্পাত্র, ক্লিকাতা ভাতৃশ ভারতবর্ধের মত প্রকাশ করে। এ অবস্থার পরিবর্ত হইয়া সর্বজ भाषाद्रन यक क्षेत्रक एवं अप्रे आर्थनीय । सर्थन त्रक देश्य ७ मटर, कलिकाफाक कार्म देरेट्य ।

किंख देश्नारक्षत्र मरुप्रदानुत्र महात्र अवारम क्रिक्ष ना श्रदेश क प्रवृक्षा प्रभूत कहा वार्ट्ड ना ।

आधानी त्ररक्षेत्र मानु खर्बार आधानिक महामुख्य प्रमुद्धि कह किंग्डिहा हिटबन, का হইলে ভারতবিধের ভুলার কম লাভ চুইবে ডুলার এও চাব কি বন্ধ হইবে ়বা ব্যক্তির अधमक युद्धिमान एरेम्रा बद्धात कल कतिर्दम ভারতবর্ধীর পর্বদেউ ইংলভীয় গ্রহ্বনের थामाथता, देशमञीष्र शवर्गस्यके मारकक्षेत्रस्य प करतन, कुखबार भवर्थमञ्जे अम्मर्थ वरहात व कत्रिया छैपनार किएल शास्त्रव ना ।

কাৰুল হইতে সংবাদ আসিয়াছে আকৰ चें। क्ट्रेक महत्त्रह चेंद्रि महिन्छ मंत्रि व्हरियांत्र क्र शाह्याद्य । कहेंस्र महत्त्वम मद्भक्ति कांतूम रहे। ১৮ কোশ वृत हातिवात आदय जारखन च সৈন।বিগকে পরাজিত করিয়াছেন। তিনি স্ত কাবুলের দিকে আসিতেছেন। নিরার আসী <del>ফ্টল সহস্পের সহিত এক</del>ব্রিড হইবাব চে পাইতেছেন। ক্ষুত্র মধ্যমের মাডাকে আকর শ্বী আঁছার নিকটে প্রেরণ করিয়া প্রস্তাব করে ভাঁহাকে বাকের টিরছারী শাসনকর। ব হইবে। কিন্তু ভিনি এ প্রস্তাবে সম্মত হন মার্ এখনত নিয়ার আলী খাঁর সিংহানন লাচে মভাৰনা আছে।

यक्षणाईके बरमम, मिली व्यवधि शांकिशांव পূর্ব্যন্ত রেলওয়ে সম্পূর্ণ হইরাছে। সম্রাক্তি । থানি কল ঐ পর্যন্ত গিয়াছিল। অনতিবিদ মিরাট ও মুকুরি পর্বাত্ত বাস্পীর পক্ট চলিবে

जाबदा जरभक स्टेगांड, यह विशिव की বারাগভ ও বলেক্ট্রে শাব। রেলওয়ে দীত্র ব यात्र शास्त्र कतियादहरा। अहे नाथांत्रे स्वे ব্যালের সর্ববাধান ও উর্বাধ চারিটী জো বাৰিক্য পূর্ম বাজনা শ্লেক্ডরে কোম্পানির किनिया अधिया अहे माथा कतिता कोक स्है

আন্ত্ৰা অবলত হইয়া বলিডেটি লাভ বে यूत्र भीक्ष कान्यक्रदर्शन शक्तेत्र स्थानवतः स्ट्रेट ज मरवाम मिन्द्रा १ मन कम जिस्सा मान्ध्र १ यश्यक्र अदग्रम श्रीकृष्यम १

३.६ हे देवल मुक्लिसिंगत ।

১৮৫৯ ক্ষুত্ৰে আবিহাটিক বোনাইটার : सम अच्छ विद्यात्तः शक स्वतंत्र घवण धवर र भाग वर्ष ७३३ अन इर्डेग्राइन व नफात कछ। (व.स.व विवरंग व्यावक करणक व्यावक करमानी क्ता क्षेत्रारह । संस्था ज्ञानम् ज्ञानः । ३३,०। श्रीका जाह ७ ७,२२२ शका अही रहा। सनि केन अन अकान करिएएका। जार-रावित कुर्ण नाजिशास्त्र रेकिशन, विकीय रेन जाक्वति। केन्द्री अस्ट केन्द्र अस्ट पूक-स्मारका बूजाकत्वत कान महेन्नारका। नवर्ग हे अ विवास १००० हे को माश्या निएउएका। हत भूक्तक वालमा छ देश्याकीएक जञ्जाम । कर्कवा। वावश्याकीवनिएमय भएक जाक-स्य जाहेन महत्वस् विराम केनकाती स्टेटन।

উৎকলের বিচারপ্রণালীর উৎকর্বের জন্য রক্ষী উপবিভাগ করা হইরাছে। চাকার এই কাব হইতেছে।

মাজ্রাজ গ্রণ্থেটের দৈনিক সেকেটারি জব জেনরল মার্শাল দীয়'কাল উভ্যক্তণে বারণ কার্য করাডে ভাহাকে সম্পূর্ণ শেজন ওয়া হইয়াছে।

গঞ্চান প্ৰকৃতি স্থান হইতে এত চাউল আম-নী হইডেছে বে গবর্ণদেক্টের চাউল অংশকা আর সন্তা দাঁড়াইয়াছে। কর্ম প্রায় সকলেই ইতেছে। ক্ষিসনর মধ্যেরি প্রস্তাব করিয়া-ন, ১৫ দিন অন্তর প্রত্যেক দরিত্রকে চাউল ল্যা উচিত। এ জন্য টিকিট দেওয়া হইবে। হারা কবন আঞার সইতে আইসে নাই অথচ াখারের উপযুক্ত ভাহারা ক্রামের মণ্ডলের টক্তিকেট আনিলে সাহাব্য পাইবে । স্ত্রীলোক নিত্যদিগকে প্ৰভা কাটা ভুলা বাহা ৩ নারি-লের দড়ি পাকাইছে কেওয়া হইছেছে। আৰু প্ৰকৃতি বাঁহারা আত্যভিবান করিয়া क कतित्वम का कैंकोड़ा माहाबा भारतिक मा । নিস্নর বলেন, অবস্থা অনেক ভাল হইতেছে। ণ্ড আমরা এক্লপ সংবাদ পাইডেছিনা। মঃত্রে প্রভঃহ অধিক সংখ্যক লোক আসি-ংছে। বসত স্থানে স্থানে ব্**ইডেচে**।

সাপ্রতি বিচারপতি কেম্প ও মার্করের নিকটে নাগপুরের বিচার সংক্রান্ত কমিসনরের এক জার অপিল হয়। এক ব্যক্তির পুরের জার অপিল হয়। এক ব্যক্তির পুরের জার মারক ওকা পীড়ার কারণ। ইয়াতে মিথিলাকে বলর তুমি যদি আমার সন্তানের তি কু দুটি তথা মান কর তাহা হইলে আমি থানাকে হতা করিব। সভানটির মৃত্যু হও-তে এ বজি মিথিলাকে বদ করে। বিচার জাল কমিসনর এ ব্যক্তির কাশির আজ্ঞাল, কিয় বিচারপতি ক্ষেপ ও মার্করি বলি তেন, বখন অক্তার ও উপদর্শ্ব হতার কাশির বলি থন মারকরি বলি থন মারকরিব মিথিলার বাস উপদর্শ্ব হতার কাশির বলি থন মারকরিব মিথিলার বাস উপদর্শ্ব হতার বিচারপতি ক্ষেপ ও মার্করি বলি থন মারকরিব মিথিলার বাস উপদর্শ্ব হতার বাম বিদ্যাল স্থান প্রতির মার্কর বাম বিদ্যাল স্থান প্রতির মার্কর বাম বিদ্যাল স্থান স্থান স্থান স্থান স্থান বাম বিদ্যাল স্থান স্থান স্থান স্থান বাম বিদ্যাল স্থান স্থান

থে এক ব্যক্তি এইরপ সংস্কার নিবন্ধন হত হয়। এই সংস্ক'র শীক্ষ পৃথিবীকে ত্যাগ করি-তেহে না।

## ১৬ ই চৈত্ৰ গুজুৰার 🕫

পানর। বিশিষ্ঠ হইবান, কোচিনের রাজা নিয়ন করিয়াছেন আধানতে নীঃজাতীরেরা উচ্চপাতীরদিধের নিকটে দপ্তায়নান হইরা নালীশ করিতে পারিবে না। কোচিন ও জিবা পুর এতক্ষেশীর রাজ্য সমূহের আমর্শ। অন্তএব এ নিয়ন শীল রহিত হয় ইহা প্রার্থনীয়।

উত্তর পশ্চিমাঞ্লের পুলিবের ইনশ্টের स्मात्म नापश्नतिक तिरुगार्डे यरमम, वालिका-দিগকে বেশ্যা হুত্তি অবলয়ন কয়াইবার জন্য বিক্রম্ব ও চুরি করা বিমূল উবাধ্য়ণ নহে। আগরা বিভাগে ইহা সূর্যালা হয়, কিন্তু ভয়তপুর ও চোল পুরের পুলিব ইয়ার নিবারধার্থ সাহাদ্য করেন না। গোরালিরর ভরতপুর ও ভোলপুরে এ প্রথা অভিনর প্রচলিত আছে। কন্দীরের ড কথাই নাই। আমরা উত্তমরূপে অবগত চ্ইয়া বলি-ভেছি, **কান্টীরে অর্থ** ব্যব্ন করিলে যে সে পরি-বায়ের জীলোক পাওয়া বার। সভ্যকথা বকিতে কি ? সম্বৌধ অবাভাবিক দ্বিপু চরিভার্য वानकनिभरक कदिवात कमा श्रकानाकरण বেশ্যাবৎ রাখা হয় । আহারিগের পিঞামা-ভারা এই পালের সহায়তা করে। গবর্ণদেও वित्वं अञ्चलकान कंत्रिक कानिएक भारत्यन। क्षि अ अञ्चनकाम इत्या करिन। नकरनरे লাবেৰ পূৰ্কৰাক্ষায় জীতদাসী য়াখিবায় প্ৰধানী আছে, কিন্তু পুলিব কিছুই করিতে পারেন মা।

शवर्षण (क्षत्रका शिक्षण क्षत्र विकाशन विद्रा कर्मण (क्ष्मार्वित क्षण्य क्षत्र क्षां क्ष्मार्थित क्षत्र क्षिण क्ष्मार्थित क्षत्र क्षिण क्षत्र क्ष्मा क्षमा क्ष्मा क्षमा क्ष्मा क्षमा क्

উৎকলে চাউল গ্রন্থা বাইবার জনঃ গ্রন্থ নেও ১,১০,০০০ টাকা দিয়া সুইথানি বাস্পীয় আহাজ ক্রন্ত করিয়াহেন।

হার্বরাবাদের বিজ্ঞানকে গালী কেওয়া অন্তে-কেন অভাব আছে ৷ নিজান তার ভিত্ন ভুক্ত কান কর্ত্তেন এ কথা আবরা অনেকবার আবণ করি ৷ কিন্তু সম্মাতি ভিন্তি সর কর্ক ইউল ও নবাব লালা রচারকে মহাস্বারোহ ক্ষিয়া এই চিক্ত সর্বব

(मनतरमत् अफिनिहि एक्स अन्न क्रिक्राह्य ये छैननरक फिनि निर्म होत मान्न क्रिक्रा राज्य। जोनावसरमय स्थित निमास्त्र बहुवां निमा चार नाहे।

क्षित्रमत्र मरागानी ब्रह्मन, केश्करमत् अर्थ बात्रमंग बीजपान थात्र महेट्ड हार्ट्स मा । कर्य बात्रपात अप्री किल्पन्न क्षेत्रात्र । अहे-क्षम् आध् बात्रपात अव्यक्तित्र निर्देश हित्रकात्री यरमान कृतिक विनर्काह । क्ष्मीमात्रमंग वृत्तिरवन मी र कृतित केशकि । स बाद्यानिरभत्न कुर्क्स्य । ১१ देहत मनिवात ।

কলিকাভার পুলিবের ডেপুলি কমিসমর বে ভার রিবলি পুলিব প্রহরী, কনষ্টেরল ও ইন্দে উর্নিশের সন্থানগণের নিন্ধার্থ একটি এ পুলি বিদ্যালয় স্থাপিত করিয়াছেন। তিনি নিধে ব্যবে বাবতীয় প্রয়োজনীয় স্তব্য ও পুন্তক ব ভূতি করু করিয়াছেন। রাজধানী ও উপদশং পুলিব কর্মচারিনিগের পুত্রগণ সহতে বিদ্যাল করে যেজর রিবলির এই ইক্ষা। মেজর রিঘটি একার্য্য অভি প্রসংসমীয়। তিনি স্পর্টার্থ পুলিবের বর্ধন ডেপুটি ইনস্পেটর জেনরল বি লেম ভর্ধন ২৪ পরগণায় এই প্রকার একপ্রিদ লল্প স্থাপিত করেন। ইহাতে কাজকা হাই ভিলা কিন্ত অন্তপর্ক স্থাক সাহত্য এটা ভিলা ইয়া দেন।

ার ক্রিয়ার বাবু গলাবর বন্দেরাপাধ্যার ছর্জি দরিয়াদক্ষের বিশেষ সহ'রতা অভ্যাতে উহা রারবাহাছর উপাধি মেশুরা হইরাছে।

गण्यां कर्षण कालां गर्थां प्राप्त विकास स्थान कालां क

# ইউরোপীয় সমাচার।

नश्च १ हे माठ--- मकिन मात्राजनरः क्यां ग्रामिट्यतं शानर्यायं क्यांनयः क्यांनयः व (क्ट्रहः क्ट्रिक शूनियं थाना क्यांक्यः स्थेत्राट एक कृतियां क्यां स्थेतारः।

ল্ডুন ২০ এ বার্চ—হিন্দুছান, চীর জাপান স্যাক্তর পরিশোধক বিজ্ঞাপন দি িছেন নামে মহাজনদিগকে শতক্রা ২৫ টাকা । ব্যক্তিদিলের সঙ্গে, সাহার্দ্ধ বাধাই ভাহার এক গলেওয়া হট্বে। সাজে উত্তর। পাষনা জেলাব অস্তঃপাতী বাহ,

্ প্রশীয়ার ওয়ার্টনবর্গের সভিত ৭ক সঞি ক্র্যায়ে: ইয়াতে উভয় বাজে প্রশার বক্ষা ও মুদ্ধা শস্ক্ষা ক্রিয়েন :

ল্ভন ১০ই মাজ - স্পানে সাম্বিক জাইন হক্ত হইয়াছে

্বিলেও, কৃত্য ও কবিয়া ভুরত্বের বিষয়ে।
পাত্যের কান্যপ্রধানী বিব কবিয়াছেন। কানা
ভাব ধাবডীয় প্রদেশ একক্রীড়াই হইবে ও শন্য
ভাবোত্যার প্রধানত। ইউনাইটেড ষ্টেট্সের
বিদেশীয় সম্বন্ধ বিবেচনার্গ এক কমি নিযুক্ত
কবিয়াছেন।

মহাসভা দক্ষিণ বিভাগেব পুন: বন্দোবজের বিল বিধিবছ কবিয়া প্রদেশীয় সেনাপভিদিগকে বৈছিত ক্ষমত। দিয়াদেন । সভাপতি জনসন মিলেটাবি বিল অনুসাবে কাল কবিতে প্রস্তুত। কুইডেকেন ।

ইটাদৌশ্ল মহাসভার সূতন সভ গণ গবর্ণমে-ক্রীব পোষকভা করিবেন।

লাজন ১৬ ই যাগ্ড—ক্ষেত্রান দৌরাস্থা শেষ ইইরাছে। বিয়োহিগণ কতক গতে প্রভঃগণনন ক্ষিত্র দেশ ভ্যাগ করিভেছে।

শগুন ১৪ ই মার্চ—মেদ্রিকোডে একটা বুঁছ অনিবার্থ হইয়াছে: সাধারণতন্ত্রপ্রিয় নল বুঁওন্নিলাকা অধিকৃত কবিতেছেন।

সেও পেট্র ক পর্য উপলক্ষে ভবলিনে গোল- | ইবাগ হইবে সাপজা করা হইভেছে

# প্রেরিভ ।

মান্যবর খ্রীযুক্ত গোসপ্রকাশ সভাদক

# নহাশয় সমীপেয়ু।

১। আমী পরীপ্রাথের মধ্য নপ্রেক্ট হারা করেকটা প্রাথে জমণ কবিয়ালি, তাইবর বিকাশে স্থামে পুরাতন জর, প্রীহা এবং বস্তুব বুজু, তি মারাজ্যক ব্যাধিরই বিশেষ প্রাথল্য ভাক হইল। আমি ইহার প্রকৃত কারণ জন্ত-ভাক করিরা জালিতে প্যাবকাম, জপ্রতিদ্ধ তারা বাব ভিন্ন জার কিছুই ঘাদও দ্যাল্য বর্ণমেন্টের জামেশাসুসারে নিয়প্রেনীস্থ পু.লয় হারীরা সময়ে সময়ে জগল পরিকার কবি-বিরা ব্যক্তিম, তথাপি জভিলাবাস্থ্যপ্র ফল বিরা ব্যক্তিম, তথাপি জভিলাবাস্থ্যপ্র ফল ভিন্ন মান হিহাব কারণ কি? জিল্ডাস্য হইটো ভপাভা রোগের জাভিন্নর বন্দত্য প্রায়ন্ত্

মাত্র উত্তয়। পাষনা জেলাব অস্তঃপাতী বায়, ক'ৰীনাথপুর, ধোংগাকোলা, কাষারি কোপা পাংলা প্রভৃতি স্থান, এবং মনীয়া কেলাব অবীন গোরী নদীব উভর তীর্ত্ব স্থানগুলি দিলে ছই क्षक्रत मर्गम कतिहास क्षित्र मान मा व्यक्तिक উদ্যু খ্যু : অভএব উচ্চপন্ত শান্তিরক্ষ মহা-भग्निरशत निकृषे अदिन्द्य आर्थना, काश्वा কেবল গামার কর্মচারী দিখের উপধ চকুম দান ना कविद्रा चत्रः गरचात कांश्रमनश्रुक्तिक करहा দশন কবিয়া তৎপবিকারে মনে'বোগী ছটন। নতুৱা বিচাবাসনে বসিয়া '' অমুক স্থান পৰি কৃত ব্টয়াহে, অবশিষ্ঠ স্থানগুলিব শীল হইবে » এপ্রকার বিপোর্ট শুনিয়া ডুক্ট হইয়া वाक्टिन व्यक्तिरम छेश्टकाइ आहीत हिमरधूत्र ও ডক্তনা মদক্ষম ছঃখী প্রজাপুঞ্জের সমূহ কন্ত এবং उथी वर्ष दाय किस कान। कोन कन

দৰ্শিৰে না 1 । जाहा । मार्कम पश्चिकितात प्रश्निमात কথা মনে করিলে পরিকাপের আরু দেয় থাকে মা, বেচাবাবা নিয়ত ২।৩ বিদ্যালয়ে গমনাগমন कब्रिया (मर्टी) चामीरनव न्यां मुक्छ अकाद क्षे সহ্য করিয়া থাকে। অথচ বেতন পোনের টাকা মারে। উহোরা প্রথম পুরকাবরূপ অমৃত কল অবলোকন পূর্বাক অভিবিক্তা লাভ প্রভ্যাশায় আএহাভিশন্ন সহকারে কর্মেতে নিযুক্ত হয়েন পরে ভাহার অভ্যন্তর ভাগ পরিপুন্য দেখিয়া মিরাশা সাগরে নিম্ম হম, তথন চোবের ফীলের ন্যায় সহিত্তেও পার্রেননা, বলিতেও পারেন না। ইছার মধ্যে বিনি বৎসরে একবার পুরক্ষার প্রাপ্ত হরেন, তিনি ভাগ,বান্ পুগতন কথার প্রয়োজন नाहे। कुछन अक्षेत्र (शरमत विषय अहे नार्र्स्स পণ্ডিউদিগের মানলিক উন্নতি ল'ডেব নিমিত্ত कैशिशनव शुक्रकारम्य होकाम अथ। इहेरछ किह्न কৰ্ডন করিয়া অলমুলেন্দ্র একবার্নি সংবাদ পত্তি-কা প্ৰদত্ত' **হইত, সম্প্ৰতি** ভাগা দোৰে ভাহা श्हेर उठ विकास बहेर मन । कान् निवासकी **এরছিকারী ব্যক্তিকে বৃদ্ধিতে এ প্রকার দীর্ঘ** ফালাগত কথফিং গুড়োংশাদিকা লন্ডার উপর निर्मन रक्षायाङ कन्निया नयूटन निर्मात करिएनन আহবা ডাছা নিক্র করিয়া বলিতে পারি না। কিন্ত বৰা **হইভেছে পত্ৰিকাৰ মূল্য অৱ**প দে টাকাওলি থাকিবা যাইবে ভাগা পণ্ডিভগৰের थायः कि मा २ वयार्थ विरवहना कतिका परिस्त देश केशिएनबर सामा । यद्व हिंदा छोशदिव

পূর্বাক নিবেদন আপনি এ হওড়ার্র্য পথিছিল গের প্রতি কুপা দুক্তিশার্ত করিরা কর্তৃপত্ত এতংসমধ্যে দুই একটা হংখের কথা জানাইথে ৪ ঠা হৈছে স্থানিক কথা ১২৭

जबाब श्रृक्षक बिरवन्य मिन९---মহালয় : ১৬ ই মাধের সোমপ্রকাশ পরি কার জী: খন: স্বাক্ষরিত বে পত্রিকার্থ লিখিও আছে ভাছাতে ফুলে বেলগড়ে এছ ६ श्रीनि खारम कनाभव भा श्रीकारक फ्रांडांवय পদবাসী বংক্তিদিশের অভিশয় কট চটাডে এবং ডব্ৰেছ্য সম্পদ্ৰশালী মহাম্মারা কিছুম উপায় করিতেভেন না । ইহা পাঠ করিয়া অ यात शत नाहे हः विक इहेलाम, किन्त खामार ছঃথই সাঃ, আমরা ড উাহাবের সে ছঃ প্ৰতিকাৰ কৰিভে স**ক্ষম ন**ই। যা**হাতে** সেনে 'अकुष्टिश्च नाथम इञ्च, क्षारमञ्ज जोन्मर्था जमुच्चि व লোকের আছা বন্ধা হয়, বালকগণের স্থানি হ্য়, এবং সাধারণের জল কণ্ঠ দূব হয়, তব बहुद कार्वः मञ्लावन कहा भन्नभानी बहाबानिस প্ৰম গৌরুৱের বিষয় ১ এসকল সংকার্থ্যে পরা মুখ হুইলে তাহাদের অর্থের কি দার্থকতা হুইনে र क्ये भरताभकारत कात्रिक का रहा रम प थाकाग्र मा थांकाग्र वित्नन कि ? घाँ होता प সত্তে সধ্যাদীবিলাধনত্প হাখুম্য, ভাঁহারা ব (लत्र निक्टे कृपन दलिया युविक स्टब्स । कृर বেলগড়িরা প্রভৃতি পরীবানীবিলের বিকট এ প্রার্থনা করিভেটি যদ্যপি কোনস্থপ অপস (वार्थमा कविद्रा पूर्वनिर्गायाम्ब ज्ञास्त्री कार्यि বালার নিবাসিনী, পর্ম পর্যিউভিনিবী বা वर्षमञ्जी महिनारन छैं।शाजा व्यानमानिरमङ व्या প্রায় কার্শক আবেদন পত্রিকা প্রেরণ করে ভাষা ধইলে বোধ হয় অনায়ানে কুভননোর হইকে পারেন। রাণী বে**রূপ পরহঃধ্যা**ত ভাষাতে বে ভিনি জাঁষাদের এক কঠ সভু क्रान्त्र विवय आठ स्टेबा क्रस्ति शक्ति अमञ विरयप्रमा स्त्र मां, व्यवनारे खारात्र अपि कारतत विधान कतिर्देश काश्त त्र नह माहै।

নির্দান বজাখাত করিয়া সমূলে নিয় ল কবিলেন থিতীয়ত। সম্পাদক মহাধর। আপনা আমনা ভাছা নিক্য করিয়া বলিতে পারি না। পঞ্জিকা পাঠে অবলভ হইলান, গর্বমেন্ট বরে কিন্ত বর্থা হইভেছে পরিকান মূল্য অরপ দে নয় পঞ্চাবের মণস্থল নকল কুন্তুন্ত্রনীয় করিবা টাকাওলি থাকিয়া বাইবে ভাছা পণ্ডিভগ্রের আন্য ভন্তব্যাদেশে এক একটা কীভিত্ত ভালা প্রাপ্ত কি না দ বর্থা বিবেচনা করিয়া দেখিলে কবিনেন, এয়াশ মন্ত্রণা হইভেছে। এই উভ্
ইহা কাহাদেরই প্রাপ্ত । বেহেলুভিছা ভালাকের
প্রকারের অন্যরূপ মাত্র। পরিলেবে কুডাকলি বিবেচনা হয়,বে, বিভানে মহাত্বা মাইব সাহব্

# (माश्का

এই ভাগ :

२३ त्रद्रमान्तिः

# " मनकतां प्रकृतिहिताय नाधियः .सरखती मृतिमहती न हीयतां।"

वानिक मूनः १ व्रोका, खिल्या वार्षिक १० ) होका खिल्या वान्यानिक व्या व्योका । } सन २२१७। २७ व्य टिप्जा । २৮७५ । ४ वे व्यटका

Commercial and the same of the

भक्तरत मासनगरमञ्जूष्टिक अ गिका वावानिक १, ७ देवसनिक ७५

### বিজ্ঞাপন। 🕐

' কাৰ্যপ্ৰকাশ ৰজে নানা প্ৰকার ৰাজ্যা, সৰ্মাণার **অব্**লয় ও বিবিধ সং<del>কাম প্রয়</del>েড भारक् ७ व्हें(७८६ अदः अञ्चल वर नावसः कः। ইয়াছে ধে, গ্রন্থকার বেরূপ ইচ্ছা করেন ঠিক সই সমদের মধ্যেই পুস্তক মুক্তি**ত** কবিলা দেওলু, 🛚 াইতে পারিবে। **ছাপা য**ত <del>উভেদ'ও পরিকৃত</del> ইতে পারে ভবিষয়ে যদের ক্রাট করির না। ার অর্পণ কবিলে সমুগার প্রক্রে দেবিয়া তে পারিব, প্রস্থকারের কোন কর্মি মা, পরিপ্রস কার করিতে হইবে নাঃ বলে।বস্ত করিলে াশিও সংশোধন করিয়া ৮তে পারি, সংস্কৃত । ইংরাজিভাষা হইভে যে কোন গ্রন্থ অনুষাদ বিরা ছাপাইয়া দিতেও এছত আছি, ব্যুত্ত ধিক হইতে না। যিনি সংক্তে বাদলা বা নিতে কোন পুস্তক মুদ্রিত করিলে ইন্<u>চা</u> স্নে ডিনি কলিকাডা, সূজাগুর আমহাউদের कंद ७६।) वर छदरम काव्यकान राख ধুঠা সংখ্য বিদ্যালয়ে আফাৰ নিকট লোক ঠাইলে স্বিশেষ অৰগত ধইতে পারিবেনঃ भा रेड्ड ১२१७) दिसगरयास्य छर्कानकात्र ংখুক বিলালয়

বিকৌনসিলে জাপীল সম্বাস্কে যে কোন জ্ঞান নিয় আক্ষরিত সাহেবকে ভারাপ্র हिन्छ हेन्द्रा करश्न रीहाता फरवरक्क छीहात ছ প্ত লিপিয়া স্বাস্থ ডঃহাৰ নিকট পাঠা-। । संबंधियां योगियां जाता **अक ह (अ**यीप भूती-) (शाष्ट्रकावित देखीकि २ वर अवदव (वतार्व विक्रिक अर्थारमा नारहगान्त्र (क्यारिक বৈ নিকট পাঠাইলৈ জাঁহারা উচ্চ সাংহ্রের ाबात्र भाजित्रा मिर्क्स ।

क्रांतिमारेन अस् अयु विक्रित्र सार्थ्य इ सर निहि देका है हर्वत CAMPED III

নিউ এপ(পুরুরিস হল

भागता विमास स्ट्रेंट छैरकृष्टे छेदर मुक्त মুজন আনাইয়াছি এবং প্রীক্রামের ডিপেলুরি श्रृष्टिव द्वतिथात सन्। नश्रम पूर्वा वास्ताद्वत অতি কন দরে বিশ্বন্ধ করিছেছি। শ্রহণুল হইতে ইব্ধের কর্ম ও তাহাব বুলঃ অস্ত্রপ নোট, ছওী ব। বয়াজী ছিদ্ধি পাঠাইলে আমর। ঐবৰ অভি गद्दर गार्कावे;फ गाहि। अवस्थव मूना दाहाद्वा আনিজে চাংক্র, আনুরা ভাক্যোগে ভাঁহাছিলের নিকট ভালিকা পাঠাইৰ 😥 🔻

আর দি দম্ভ কোং। वस्यामात्र कीने मर ७२ यांने।

म्ब्रुशह्खाः •

কুলুকভট্টকত দীকা ও ৰাজালা অনুবাদ সহিত, সংকৃত কালেজের ক্ষুতি শাস্তাধ্যাপক ত্ৰীয়ক ভবতচন্দ্ৰ শিরোধনি কর্তৃক সংশোধিত। र्वनर्वे निया नश्कृष भूषकामस्य विक्रयाथ बाह्य। মূল্য ৬ হর টাকা।

**बिक्जनाथ** न्हांद्रशकानन !

भर्मिगायात्रवरक ब्लाइड कथा बाईएडएइ एव. আপ্লতবর্ষ হইতে জীল জীলতী দহ'রানীৰ আমানিগেৰ সরিকামী থিবর মালা ভত্তক গতুল-मध्य. विक् श्रृष्ट, दश्मी त्वश्रुव ऊवः इत्रश्रुव मासिन रा नमल ठिका करी अवर प्रजादगढ़ि रा उक আছে ও পরগণে মুক্রারালা কনাংপুর এড়ডি স্থানে বে মহত্রাণ বস্তু ও ঠিবা এড়ডি আছে ভাহা আমার অমুপস্থিতে ১৫০ আমতে বদি আনার জ্যেষ্ঠ জাতা বিশ্রন্ত কংখ্যে এবং বদি (कर फार्श चतिन स्टेड्स (म नाफिस, साम्ह्यूड श्रद अधारा हरेटर । পেত্রী

কয়েক মান মতীত হইল, কলিকাভাছ মি নবী সভা হুইতে যে বাইবের পত্নীকার পারি (छ।विदक्त अक रान्ताम अकामिक इस, बेहान ভাষাত্তে প্ৰতিযোগিতা দৰ্শাইতে চাংকে **ভা**ষ विशास प्रयुक्त कहा या**ईएसटा (व, स्टेस्ट ग**र्ने খা সাগামী ৬ ই ও ৭ ই যে কলিকভিঃ মিষ তলা ক্রিচ ইন্টিটিউসন্নামক বিদ্যালীয় इटेरकः २० अ अस्थान भग्ना सिम्न कां<del>क्</del>रिन्न वाकि क्छ्रंक भन्नेकाचीक्रिक्षत्र नाम क्सी तिविष्टे श्रेष्ट विशिष्ठ स्टेटर । श्रेष्टे कावी विश्वे विक अक सम हाता और कार्ट कार्टिश शहीश त्मन नारे करे गर्मा डाहाद के हा किया करनरक প্রধান শিক্ষকের স্থাক্ষরিত এক বালি সাচিত क्रिक्ड भागवन कड़िएडं इड्रॅटर, अवर नाम ख़बि ষ্টপী করিবাব পুর্বের্ন্ পরীকার কি॥- আর্না জন क्टिक स्ट्रेटन। ७ है तब खान्त्रकारमा केंद्रे ने हैंने मस्य भरीकाशी निगरक छैनक्छि १३८७ सञ् त्त्रांव कता वर्षिट्छ हा क्षांत्रक, क्षेत्रक, क्षेत्रक, क्षेत्रक, क्षेत्रक, कानी क्षमाम कहा बाहेर्ड : দ্রি চর্চ ইন্টিটিউসন্ । কলিকাডাছ নির্মিটী কলিকাডাছ নির্মিটী কলিকাডাছ নির্মিটী

ठेकर्र के हा १९ए छ शुक्तकातरह भद्र स्वींकं ब মংপ্রচারিত নিমুলিথিত পুত্তক**্লি বিকা** ≉हेर्ट्राइ---

প্ৰণীত এী সই ডিহাস ৰোম**ই**-উহাস ভূষৰদাৰ কাকরৰ নীডিসার (১ ম ভার ) নীতিসার (.২ মূ ভাগ ) শুচারিত i मुक्टवार ब्राक्रक

क्षेपात्रयोगान मण्डान

10.75

471

ব্যুক্তের পরিবর্শনার্থ ডিন জন ডেপুটা ইনম্পে-हेत नीख नियुक्त कहा स्ट्रेटन । खारणाटक मानिक বেষ্টৰ ৭৫, টাকা এবং পরিদর্শনার্য নিয়বিত শাৰের বার পাইবেন। কর্মাকাজ্যিকণ নিয় शासद्वकाद्वीत निकृष्टे य य कार्यक्रम भज क्षात्र कविद्युत्त ।

> **क्रिकानीकान्य मूर्याणीयात्रिः** পাঠশালা সমূহের ইন শেস টব

ৰোৱালিয়া। ১ মা এপ্রিন >>++ 77 !

### हेक्छेहेश्विद्यान ख्रिनश्रद्ध विकाशन।

नर्वामाधारणक वर्गा कर्मा साहेरकहा व শুদ্র স্থাইডের দিন রবিবারের ন্যার গাড়ী সক্ষ हिम्दि ।

বোড় অব এবেসী देशहे विश्वाम (वन क्ट्र केनिकांछा e है अध्यन 35491

### ইউইভিয়ান্রেলওয়ে বিজ্ঞাপন।

नर्जनाशात्रनाक कावताच कता वाहेरकट्ड (प. चक्र मृद्धित करा वित्यव वत्यावक श्हेश ১৮ ই এপ্রেল বুহুস্ভিবার কলিকাডা কিংবা माबकात क्षेत्रस व त्रिवेदम् विकिष्ठे व्यक्षा बाहेर्द, छाहा हात्रा २२ क अट्टन मामबान ছুই এছর রাজি পর্যন্ত প্রভ্যাগ্রন করিলে ं इनिद्य ।

CETS WE ALWAY इक्के जिल्लान (त्रम्हर्य क्रिकाला ६ हे अर्थन ו רפענ

बक्त नुद्रान तथाकरत्तर श्रथम थए म्बिड क बाडाविक स्टेल, कालियारन अहे शरपत कर ৰুদ্ধ থ প্ৰকাশিত হইবে, অতএব বাঁহারা প্ৰাছক জোৰীভূক্ত হইতে বাসনা করেন, ঔাহার৷ श्वाबाद निवृतिशिक काशिएम जनवा नामवाको কুত্বভালা বিদ্যালয়ে পত্ৰ লিবিয়া উহাতে বাগস্থান ও বাদীর নহর নির্দেশ করিয়া দিলে **পুস্তক** প্রেরণ করা বাইবে। থিকেনীর প্র'বকগণ ক্ষাপুদ্ধ ৰাজুণ হিলা অভিন বাৰ্বিক কিংবা · बाबराजिक बना ब्लंबन कतिएन अध्य मार्थ भूक कृ

ब्राजनारी, विनाजनुत्र 👁 त्रमनुत्र विवशनत | शास स्टेट्यन, देशत मानिक मूना 🕫 जारे जाना অবিম বার্থিক মুন্তঃ ৫ লাঁচ টাকা ও অবিম খানা निक बुना २५ इरे होको बाद बाना बादा। वीराता बारक (अनीकुक ना श्रेदन 'र्शशिकातक दाखि च्छ ॥√• मन जामाइ क्रम कतिरख हरेरद :

> ১২৭০ গাল 🕽 🗃 বানসেত্র বিদ্যারম্বর ষ্টোপল কুঁ ভিয়া ইনিকজ বস্তুর ৫ । ১ নং ভবন পুরানির্যাকর আধিস

नर्त्त मार्वावनरक काफ कहा बाहेरफरइ (य नन रात्नद २० अटबल खावित्य (वला ३३ घडाँक সময় মোকাম বৰ্ছমানের একজিকিউটিৰ ইঞ্চিনি होर न'दरदर्ग का कि:न स्नानोहोस्न @ माद्या.एव नरमत्र मध्य के बाकी अ शाहेशनि मामक था-'मह नम ১৮'७१ नीटनर ১ मा स्व **प्यव**धि नम ১৮ क्षा मार्गाद ७३ मार्ड गर्वेड्ड ३३ मार्गाद निविष्ठ माञ्चन जारारवह देखाता श्रक्ताना जिलाद्य दिनि कदा सहिट्य

श्राप्त निनाम श्राक्तीय व्यक्तिक निनाम जारकार श्रुटर्स ১٠٠ मण है।का जानानक कति **७ रहे(व, अदर बाहादिशत छाक व्यक्षांश हरे(व** ভ হাদিলের আমানতী টাকা ক্ষেত্রত দেওয়া বাইবে, এবং উচ্চ পণের নিলাম ভাকনীয়া ব্যক্তিৰ আমানতী টাকা ইজারার প্রথম কন্তীর পরিমাধে জামিনী টাকা আলার দিলে ফেবড দেওর। বাইবে। উপরিউজ বিষয়ের चनामा मरवान मिद्र चाचविक मारहरवर महीरन शास स्ट्रेर ।

> জীবুজ এক্ এম্ এবারণ সি, ই, अकीर अक्लिक्डिवेच देकिनियुर, দাষোদর ডিবিমান।

সোমপ্রকাশ। ২৬ এ চৈত্ৰ সোধবার। भवर्दमरक्षेत्र द्रायम्य श्रनानी । कृषि। श्रथम श्रेखाद।

श्वर्**टम्टले**ड हाक्य व्यन्तीह डेन्ट्ड (करन एर चंत्र खेतिष उ लारकत्र मोबाना मह, वर्षमीकिक व्यापक कराव নির্ভন করিডেছে। পর্বমেন্ট বেধানে क्षत्रिश कत्र व्यक्तिश कटत्रम, अवर द्ववीटन নিঃমিত খার খগেখা খবিক খরিয়া कत निर्दारिक वर्द अयोत लाटक वक्ष भार लागन नेटर्म । नव देनक টাঙ্গ দায়া ইহা সঞ্জান হইয়াছে। গ্ৰ-र्गम्बद्ध कार्या धाराणीरे नाबाहरणह वरे निया अइंडिंड मून, वक्या स्नान् ব্যক্তি অস্বীকার করিবেন ? বেছলে অন-चलत्र अस्तात स्थल गृशीक एत, त्महे-थारनरे कातारे वाविका एरेशा बाटक. বে বেশের ভূমাধিকারীরা যতদূর পারেন छविता कत धार्ग कटतन, त्नथानकात क्रगटकत्रा मञ्जूष ७ व्यापट स्त्रा। अहे सकत दिर्दछन। कत्रिहा (पश्चित आशामिश्चर এই শিদ্ধান্ত করিতে হর, ভারতবর্ষীয় প্ৰণ্মেণ্টের রাজস্ব সংক্ষান্ত রাজনীতি শাক্ষাৎসহত্যে লোকের বছতর অনিউ नाथन कतिराज्यकः। शदर्गरमञ्जत क्रांकश्व मध्यारम वर्षे काइक्की ध्रधान केनाम---**कृषि, अन्क, जावकाती, लदन, जाहित्कत,** कोष्ण वन, ७ लाकेरमञ्ज कन्न। विकेति-निर्माण करत्रत्र विषय अञ्चरण विरविष्ठिक হইতেছে না। গবর্ণমেন্টের ভূমি সংক্রাপ্ত बाबनीजि नर्साः एवं व्यवस्त्रनाव नहि। ৰক্ষেত্ৰে গ্ৰৰ্থমেণ্ট ক্ষীলার্ছিত্রের সহিত চিরছারী বন্দোবস্ত করিরাছেন, কিছ অন্য অন্য প্রদেশে মিয়াদি বন্দোরস্ক त्रविवादम् । जभीनात्रविवादम् कृषामिक व्यपान क्या हरेबाट्ड बट्डे, क्या शंदर्न-(मणे ১१১७ चरका ১১ चारेरामा (स्कू बारम व्यावेष्मदत कवितारहर, काहाता নিক্ষর ভিন্ন যাবতীর জুনির উপস্থত্তের অংশ পাইতে পারেন। প্রকৃত অধিকারী গৰণ্যেন্ট, ভাঁহায়া এই অধিকার সী মাৰছ कतिया समीरात्रविद्यात स्टब्ह जमर्गन क्त्रिप्राट्य । ८४ फ्रम् क्रियकारी बटका-वक्त रहेबाटक, त्मरेबाटमरे अभीवात्रविन নের কড়ক ভূখানিত্ব পরর্থ হইরাছে। यक प्रिय कैंक्सिस मेत्रकात्री ब्राक्य स्टिश्स, **७७ दिन् समीशही (काम महिटेक गेर्डि-**(रम । कें। हात्राः नेपहा कतिया ১৮১৯ **परस्त > पाइन पट्टनारन हिन्छानी** स्टब क्रमीक्षांति श्रेष्ठमीः विटक्त शाद्यम ।

r-18 व्यक्ति १३० व्यक्तित सर्वा **अर्थ.** 

भीमातीत घटनक धरिकारी इट्टन

হোৱা ভাষা নানা অংশে বিভৱত

রিয়া লইতে সমর্থ হইবেন। এ প্রণালীতে দেশর অনেক মজন ছইয়ালে, আমিরা कात कड़ि, किन्दु देश (मन मार्वास्ट्रा) পকারকারিণী হয় নাই।ভূমির সীর্কি क्लाक्षरभ कृतःकत शिर्कारमय डेलरव ভের কবিভেডে। লাভ কণওগলিন **খ**ন চিরস্থায়ীবকোবস্ত কবেন, তপন भित्र उन्निष्ठि माधन विषयः अभीनावनि-কে কোন প্ৰকাৰ প্ৰতিজ্ঞাৰত্ব কৰাইণা ন নাই। হেভুলে গুজাব সহিত মৌৰ্দী **ন্দোরস্ত নাই, দেখনে জ**ীৰাৰ যতদূর ালের করলন ! ১৮৫৯ অকেব ১০ আইন मकमिट्रार यूचिमात निनिय व्हेराट्र টে, কিন্তু অনেক বিষয়ে ভাহাৰা লাভ নি হয় নাই। কবর্দ্ধি সহসো ভালদি র ভ্রবজ্ঞান নান রহিংছে। প্রজাব ना পরিত্রমে ভূমির মুদ্দ, ऐংপাদিকা ক্তি ও উংপন্ন জব্যের মূল্য হক্তি কইলে র রুদ্ধি হইরা থাকে। বেইলওযে প্রভৃতি **লৈ ভূমির মু⊣্য র্দ্ধি চয় য**ার্থ, কিন্তু कांत्र कियो वः डिटइटक ७२ शामिकः জ্বির প্রায় রৃত্তি হর না। অপব, দেশের বিক্ষার উপবে উংপন্ন দ্রবার মুগা क्ट्रं कर्द बड़ने, किन्द्र व्यक्त अवन विदेश **चिरल शका**व (ठणांत्रे देशव ुटार्स-ाः **ठीहमान इ**।। सन्दीलाहदरा शासाद विक्षार्थ।व ८३:व उद्धिक करान गाउँ, पठ पटन छ। इंतिभारक उन अदि । **মতা দেও**াতে অনিউ ম<sup>্</sup>তেছে। হুক্সৰ এডিনি কেবল কৰ্ম্ম ক্ৰিয়া বি**কার্য্য সংশান ক**রেয়া**ণ জ্**নিনাছে, व्यक्ति स्टब्स्स वर्शनका त्रस्कि स्टब्स्टिक बदक कि हू कि हू मूत्र धन मर्थाष्ट्र ५ हिन-ছে। কিন্তু জনীনারের। কর হছি। রতে পারেন ব**িলা ভাছারা.এই মুল** বিনিয়োজিত করিয়া ভূমির উর্নাড

শাবন করিতে গাহনী হয় না। বোধ কর अक वास्ति विखव बाग्न कहिया वांग्री. ৰাগাৰ, পুকরিণী প্রভৃতি কবিয়া ভূমির উন্তি সাধন করিল, কিছু জ্মীবার তথ কণাথ কর রুদ্ধি করিলেন যদঃপি আপো ততঃ প্রজাদিগের সচিত চিবছায়ী ব্দেশবস্ত করা অভিযত না হয়, তথাপি अहे नियम कड़ा डेडिंड, स्व ऋस्त सन्हे-বার সাক্ষাংসমুক্ষে ভূমির উন্নতিবাধন না করি'বন, দেগানে কর রুদ্ধি করিছে পাবিৰেন না। এপ্ৰকাৰ নিষম না থাকাতে জমীদাবেরা অসম হইবা কেবল नरवत श्राष्टि पृ.के कविहा चारहन, श्राचा-বাও করর্দ্ধিৰ ভয়ে তত পরিশ্রম ও অর্থ नार कतिएउट्ड ना। आशासटाइत ८२ कि-উরি দেখিলে স্পাউ জানা যান, কর বৃদ্ধির नालीम एडरन यामरकडे जक शारत २० वरमहत्र माथिमा निया विकाशी बहना বস্ত প্রমাণ করিবাব চেন্টা পায়। আমরা উত্তনন্ত্ৰে অবগত হইয়া বলিতেছি, এর প करण काल माथिला विचन मनकमान उनश्चित्रं इत्र । व्याहेरनत स्मार्ट स्मारकव य करे यकां व स्ट्रेटक का हात मरम ह कि १ वक बाक्ति महत्य मध्य छैकि। बाव ববিয়া ইনাবত ও উদ্যান প্রভৃতি করিল, ভাষার প্র কর ইতি হইস, ভথ্ন কেবল ইট ও কাটের মুগ্য মাত্র থাকিল, সুত্রাং আপুৰকাও স্বাৰ্থকোৰ জন্ম নানা অস্থ डेभाग व्यवस्थित हरू।

উত্তর পশ্চিমার্গন, উৎকল, বোদাই
প্রভৃতি প্রদেশে মিয়ানি বন্দোবস্ত আছে।
সচরাচব ৩০ বংশর অন্তব বন্দোবস্ত
হয়। পাছে রাজস্ব রুদ্ধি হয়, এই ভয়ে
জনীবারেরা বন্দোবস্তের করেক বংশব
পূর্ববার্ধি ভূমি পতিত কবিং। বার্ধেন।
ইহাতে ক্রনি ও বানিজ্যের অভিনাম কতি
হয়, ভাহা বলা বাহ্না। বন্দোবস্ত হইবার সময়ে মিখ্যা কথা, মিখ্যা মান,
মিখ্যা হিনাব ও উৎকোচ প্রভৃতি দেওয়া

क्रेंग्रा पाटक। रुग्न एक त्यंचारन क्रावृ হওলা উচিত, দেখালে ক্ষিয়া দ্ৰা रविचारत एउडा डेनिड मह, रमधारम हो হয়। এটা শোচনীর অবস্থা। ইহা क्राक ७ कभीनात देख्यात्रहे याद्यत " नारे करु ७ वर्ष कहि इहा वनश्कारि রই লাভ ; অভএব গবর্ণসেটের রাম প্ৰণানী হয়তেই অসাধুজাৰ হৃতি হ एड:इ.ज. कथा **न्य हो** जिशान दना याहे পাবে। রায়ভওষারি বজেবিকা স্থ क्वारकता माकारमध्यक अवर्गामकेटन (मत्ता नाम्माटक अवर्ग्यम**्क वानम्** সমুহ এই বন্দোৰস্ত আছে। সে**ধা**নক क्रुवक्षिरशब्द इव्दक्षाव मीमा मा তাহাবা কথাফিং জাবন ধারণ ক अहे माज । ठ(व योशांता भागा **जूका** है। ना:न, व्यवन डेश्टकांट एम्स छोशांकिट वहेत्रका, प्रति<u>ज्ञाल अपर</u> कुष्टकत कर्ष সীনাখাকে না। এই অবাধুতা কো कहें। उट्टा इंटे क्या कि के एक एक व्या

ला.च ाक वारक खन्न कतिवात का लीत विवय व्यामक्वांव सामध्यका व्याप्तानिक बहेबाट्स । अकस्राता ১৮ सदक्त विरम्पट्डव कामण्या महिना इ এ বৌ অনেকেই **স্বীকার** করিছা**লে** भवर्षमध्य अभाग लाह्यतास वाटक कर्द्यका १ । ती वार्चा छ, छ। श कहिन ていれ ってり、 १८०२ 'अटब्लब १८ जा यन, र्राप्त का प्राप्त किया हिंदा (वाशा (भात स्थान का अव का विकास का अव का अव का अव का अव क পশ্চিমাঞ্চল 🕛 জন্ম ও বর্ষার প্রবা কভ খনিট 👉 ন করিয়াছে ও ক ८०% कार्था । वात्रवा । वार्थां 4代奇智3 そ(: অধীৰার শুক্ত निक्रिके सुरुव 🚁 🚉 र्थन। वर्तन । पूर महत्र कालान । त्यांत बहिशाबिटः नार्थ्याक वाद्यवर्थ इति कि ववत কি নিয়। জীমন এজাবই অংক লো হইবে। ইহাতে শিশুর লোকে ক্ষতিপ্র ও সাধারণে অভিনয় অবস্থান হন।
ভাষ্তে ১৮৫৫ অকেন ১০ ই জুন
প্রধানতম বিচারালয়ের পাঁচ জন বিচাল
রপতি সিদ্ধান্ত করেন, লাথেরাজ বাজে
অপ্ত চইলে প্রজার কর লোপ হইবে
আ কিন্তু ভাঁচারা অস্পর্করার বাজন্তী
প্রজার দেওলা কর্ত্তরা এতজ্বারা কর
ভার পের দ্বিদ্রের করেন সরকারী বাজন্তী
প্রজার দেওলা কর্ত্তরা এতজ্বারা কর
ভার পের দ্বিদ্রের কর্ত্তরাই পতিত হয়।
প্রস্তাতি বিচারলেয় পুনর্কার সিদ্ধান্ত করিয়াছেন, চিরজ্বারী বন্দোবস্ত অব্ধি বে প্রজা এক হারে কর দিতেছে,
ভাঁহার আর কর্ত্তি হইতে পাবিবে না।
এইটা যথার্থ সিদ্ধান্ত। কিন্তু এটা স্থিব-ভার করিয়া রাখা উচিত।

यामरा এडकन (र क्या कहिनाम, ভাহার উপদংহার এই, দাকলো বিবে-হলা করিলে ভূমিদংকার রাজ্যথ ৰালী প্রশংসনীয় নয়। কর ভার বাহল্য क्रां प्रतिष्ठ कर्म प्रति व वर्ष प्रति পুষররপ নির্ণয় নাই। অগাধুতার প্রভার **क्रेट उट्ट। व्यापना** वावशात विलिट्डिस, **फूबि मःकाद सा**रशीर जारेन এकद कतिया भवर्गप्रके कमीतात ও প্रकार প্ৰ**ম্পার সম্বন্ধ মন্দ্ৰ** উত্তপে নিৰ্দ্ধাৰণ করুন। कत्रवृद्धित विष्टतः अधान हमः विष्ठा शक्तित रेजब्रामित्कत्र स्य निकाय कहितार्छन. खाहा चार्याहरश्व या जूर्याहिक नहा। কিন্তু কর র্ডির ছলে প্রভারতো নিবম করিয়া বেওরা উচিত কর্মানার সাকাৎ **লয়জে ভূমির উন্নতি**র সাহাব্য না করিলে क्त हक्षि करिट्ड शारिट्वन ना। अहे **উপায় अवल**यन ना कतिरल छाशांमशतक इतिकार्या अञ्चलक कता गाहरत ना ख क्षकांत्र **पूर्व प्रमृ**स हहेर्द ना । मण्लेखित মুল্য ও ভাহার নহিত দাধাবন রাজয হৃ**দ্ধিরও বস্তাধনা নাই।** কর স্থির করিয়া विरात रक्षण रव कृषित भूगा तक्षि इहा

ও লাখারণে অভিশ্য অবস্থৃত হন। <sup>)</sup> একপু নয় রস্মেও বিস্তর টাংশ শাখারণ ভাষাতে ১৮৫৫ অকেব ১০ ই জুন খনাগারে আণিতে পারে।

> নিক্জনিগের বেডন ছবিব প্রস্থার। "আশাহি পরমং ছু,ধং নৈরাশ্যং পরমং জুবং।"

যে সমস্ত শিক্ষক বেতন রুদ্ধি ছইবে दलिया प्यामाज्य इहेबा कछे भारेटड ছিলেন, ভাঁষারা এই স্লোকার্দ্ম পাঠ করিয়া চিত্তকে নিৰ্ব্ধৃত কক্ষন। আমাদিঃপৰ এক क्रन পর্তপ্রক ব্লেন, ( পাঠকগণ প্রেবিত ছলে দর্শন করিবেন ) শিকা-বার্ষের ডিথেক্টর আটকিন্সন সাহের শিক্ষকদিখেব বেডন রুদ্ধির নিমিত ৫০ राकात ठाका छाहिशाहिटनन, बटक्ट हे তাহা অগ্রাহ্ন হইয়াছে। অগ্রাহ্ন হইবার বারণ কি ? প**রপ্রেরক ভাষা কহি**তে-(इन ना। (वाथ इत्र, छिट्रकेत्र चर्चाविधि काश ना कतारखरे क्रवनार्वा रहेरख পারেন নাই। তিনি সামান্যতঃ ৫০ হাজার है। का ना हाश्या य**न लिफ्क**मिरशंब শ্ৰেণী বিভাগপুৰ্বক যত লাগিৰে ভাষা धितशा आर्थना करिटडन, आर्थना पूर्व হইত সংশ্হ নাই। আমাদিধের বিল ক্ষণ বোধ হইতেছে, তাঁহার এক স্থালস্য (मा)व এই घढ़ेना घड़िशाह्य।

ত্বাব বক্তব্য এই, এ বৎসর যাহা
হইবাব হইয়া গিয়াছে, বিজ্ঞ ডিবেক্টর
বেন এ বিবয়ে উদাসীন না হন। উচ্চত্য
শিক্ষকদিগের শ্রেণীবিভাগ হইয়া বেতন
রুদ্ধির নিয়ম হইল, বিদ অধন্তন শিক্ষক
দিগের এইরূপ নিয়ম না হয়, কেবল বে
পক্ষপাত দোরে দুষিত হইতে হইবে
এরূপ নয়, এডুকেশন ডিপাটনেটের
বাঞ্চাল্লরপ উন্নতি লাভ সন্তাবনা নাই।
বে হেতুতে উর্জ্ঞান শিক্ষকদিগের শ্রেণী
বিভাগ আবশাক বলিয়া অবধারিড
হইয়াছে, অধ্বান শিক্ষকদিগের বিষয়েও

নেই হেতুর সম্পূর্ণ সম্ভা∢ আংটু मक्ष्यत्वत उद्घेष्ठ अध्यक्ष निक्रिक्ष উন্নতিরই এবাস্থ পরতন্ত্র, অনেকে গা দানপ্রণালীর নিভান্ত পক্ষপাতী হা (इन। देशांक किंहू कांच दरेट अध्य এक्था व्यामता करिएडिक मा। हेशटङ (य वाज वहेटङ्ख, भवर्गप्रकेरि যদি ভানে স্থানে বিদ্যালয় প্রতি ও বার্ষিক বেডন রুদ্ধিব নিয়ম কা ভাগ ভাগ শিক্ষা নিধোজিত কংগ্ৰ (मृष्टे व∙८व व्यक्तिक काव्य इ मन्त्र नाहै। वर्डमान माश्रय हान अ ष्यातन श्रुणि धर्यानी कि विक्रमः वावश्रा **डे**२माञ्मान कतिएक:इ। जानक ऋए শিক্ষাদিগের বেডনের অন্তর ও ব क्वार हेरार अरु डेमार्डन। यांद्र श ८मणे निरक विकासरात कात्र ना लहे (हन, जादे अत्मार्य निवादेव मञ्जा নাই। গবর্ণমেন্ট নিজে ভার গ্রাহণ কা रणि डेडमक्रां कार्श निर्देश कर वात्र चाल हारत्या बाह्याति है অধি ৮ বেতন দিতে পারে। ইলা বি नर्धन नाम निर्कारहर अवनी ध উপায় হয়। একণকার মত এত ইনটে ক্টর ও ডেপুটি ইন**স্পেক্ট**র রাখিবা अर्शकन इंग्रना, जोशंदाउँ श्रेखार्ग निमान्य बारवन यटबर्के व्यक्तिका व অতএৰ পৰ্বমেণীকে যে এডমৰ্থ অ নিমিভ অধিক বিত্ত হুইতে হয় না क्षां बना बहिना। अस्टन ८ रह ८ अ कथा दलिद्वन, अद्दर्भीद्यरा कि वि কাল বালকের ন্যায় প্রব্যেটের মু পেকী হইয়া বাকিবেন ? গ্ৰণ্মেন্ট विद्रकांत देशीयरभेत नर्वनिष्णिक व বেন ? তাহার উত্তরহানসূচে বক্তব্য भवर्गद्यकेटक चारता किंदू दिन जा अर्व क्रिएंड स्ट्रेट्र । पाष्ट्रिक देर व विषयात कार अंश्रा मण्यूर्व मण्यू बारे। मिरे विभिन्नरे जासमञ्ज्ञ वि कात मकरक व्यापकित्य स्थायः मृद्धिः शास्त्र इत्र । जन्मीरमकेरक व्यारता किस्त्र सिन क व्याद्य वस्त कतिरक स्टेरिय ।

### 取[\*25] 野部 1

भाषानिः शव हुदे शक्र श्रेवक श्रूहो। উখাৰল কৰিয়াছেন ৷ विदान क्क क्रम कहिएएड्स, मांश्म (छा. 🖛ন কৰা উটিত, আবাৰ এক জন কচি তেতেন, উচিত নচে। অন্য অন্য যুক্তি পরিত,ার ক্রিণা ঘারাবা নচবাচর মাংস (अध्यत व दश्रहामि अव महिल याहा?) মাংস ভোজন ববেনা, নাদ ভাষাদিগেব ভুলন। কৰা ভাত, মাংল ভোজন থে একান্ত আবেশ্যক, ভাচাই প্রতিপন্ন চইবে: रिन्छूरा महताएव मार्म खालन करवन ना. মাংসভুক ইউরোগীঃদিগের সহিত ইচাঁ बिर्नित जुनना इल्हा मृहर अक्रिक, मूनन मानिरिश्व मृहड्ड जुलमा हरा न!। व्यायका व्यायक व्यायक मृत्रवामानिकारक হিন্দু দিগের পার্বে কর্ম করিতে দেখি য়াছি: লুবনমানেবা বেরূপ উৎসাহ্দহ কাবে ও ঘত শীঘ্ৰ কাৰ্ব্য সম্পাদন করিতে शास्त्र, हिन्द्रुश ७७ शास्त्र मा। हेशरा भीख आय हरेश लए । श्यामात्र च्यार भाग मुनलभाविष्य क्षेत्र महिम ७ दल. थीयः क्षि अभूनास्ट व्यक्षिकः। व्यामना यजः দেশের নির প্রশেষ হিন্দু ও মুসলমা (बर्क्स) यहिलाम। आमिरिकार कः क्रम मः व्हाः। व्हार्ट, भारम लाजनहे वहे रिवनगराहा का ना मार्ग सकत्वावहाह ८ होन (म: व्यं क स्वादन अविक नग्न। विन्द्र भाग्रहारहता धरेन्थ मार्ग त्यावरमङ निर्विश कर्षत्रवार्यन, किन्नु देवश बार्य खकरवर विधि भित्रा शिहार्ट्स । माश्म অবিষ্ত্ৰ পুষ্ঠিকর, উহাতে মাসুষের অধিকতর প্রকৃতিও দেখিতে পাওয়াবার : इक्ष्रं व घु छ मार एमर मात्र शूकिकाशी व-বিয়া ইহা জনসমাতে অধিকতর আবরণীর

स्रेशिष्ट । याशात अठ छन, याशाट उत्त वीर्या न न्यारात तृति स्रेता मीर्यकाण नीर्य ७ द्रांच व्यक्ति विद्या क्रिया क्रिया क्रिया व्यक्ति विद्या विद्या

### পরী রাধে ইউরোদীর দিছের উপত্র ।

भाषा शामका शामका विकास দির উপদ্রবেদ নায় ইউবোণীয়দিগের কৃত একটা মৃতন প্ৰকাৰ উপুদ্ৰৰ উপ किछ को ाटह। इंडेटरां शीटहता आवहे স্পয়াধী হইচা প্লী্প্ৰাম মধ্যে ৫ বেশ কলে, এতবাুাক ভাছাদিখের সচিত প্রমানুদীলৈপের বিবাদ ও ভরিবন্ধন হত ক্লিঘটার সমাচার সচবারর আমো গোর আহতিয়াৰ প্রবিষ্ট ছইলা লাকে। रम मिन एस शारम अहेताथ अवही शहेन: हरेश विशादका चाक्रिक छाहाद विहास (भव हर ना: · এ के १ प्रदेश केंद्र 1 कर दिक्कि इहंदी, हे सञ्चादना । भिन भिन अरम्हरूष चेडर (वी) मन्या त्रस्ति हरे. ८ इट्ट, कार्काक, भाः भागे आहम कार (भाव मिरवय सार । शकारता देश्य তেখ ীৰ শাসন প্ৰামীর ওৰে পঞ্চী এ। मवानीविद्याद्व र गानिसायकान मार्क्षिक ७ मारमण्य वॉक्षेः करेडा ऐकिशटर । इड्टबानीटबरा धान मत्या कर्नवक वहरा বেক্ষাচাবে প্রয়ন্ত হইবে তথকাব आभवानिका छोटा. अधिवर्गास साहज स्य । काटक का:अहे विवास स्टेश डेटरे । इंडेटब्रालीविद्यात्वत मा दिव अधिक वन

मा: इ. जाहाता चालना सिति काल वि: शत शूमा खान करते, श्रुष्ठतां श्री मीतिविशत कुछ श्री क्वार का हा बिर क्वाष्ठ च्याहा हता । क्वारिशिवि ध्योध हते । हिडाहिड क्वारक क्विता क्वित्य हडावि घोना हते च्याष्ठाना कि १

केवार निवादन कर्राष्ठ व्यविश्व किन्न कावार डेलाव कि १ हेडेट्टालीर विमय क्रमार्थ शहर क्रम, क्रमार्थ क्रिट्टालीर शहर क्रमार्थ क्रमार्थ क्रमार्थ क्रमार्थ क्रमार्थ क्रमार्थ क्रिट्टालीर क्रमार्थ क्रमार्थ

অদ্য আমবা যে দংগ্র উপা নির্দেশ কৰিতেছি, আন্যাততঃ ভা रहे व्यवनहत (हारः रण्याः। वर्धन ( **३९८ता भीरतत स्वाम भन्नी आरम भन्न** व्यक्षता व्यक्त (वात क्रीयीर्थ क्रमन व ৰাৰ ইক্ষা কমিৰে, ভাগাকে নিক भूते रह भगाष्ट्राव **किटड ६३**८५। भूति ड टार्ट्स मञ्ज करिया किया 'डाबार' चित्राहादव विद्रयमार्श्द्रक यक সাধক পুলিম কম্বচালী গৈয়ে। জিতাক निट्बन। १ विच क्यामारी मुद्रक पारि বাংলাতে আম্বানীদিংগৰ সহিত বি ना इव अम्राय देहेंद्राभीशत्क हार् बरिट्ड शार्टित। यपि शोम आ विवास हत, ज्यान गमजिक्ताहानी श्र क्ष्राची यांच आश्रक्षीद्वर क्रमान वि ना लाटन प्रश्लीन इदेटन, व नित्म क গোডামির কশ্বচারীর পুদিৰ

भागक्रिक अनिटकेत निवातन १६८० मामह नाहै।

> हिल हिटल २क अ जावल वर्षीय (সম: (প্র?প !

সম্ভণ্ডি থেকর আলানের প্রস্তাবাসু লাবে লাউদ অব কমলা এক ব্যানী মিযুক্ত করিলাছন। ভারতবর্গীয় শীক (बङ्गाही, मिश्रटक উপনিবেশসমূহ র্ম্বার ভার দেওখা উচিত কি নাম্ভা बिटबहरा वरित्वत । हेडेटशरश्व प्यमा . অন্য দেশে আইনঅনুসারে লোবদিগকে रैमनिक वार्यः करिएड इप्र। किन्नु देग्बट দৈনিক ছওয়া না হওয়া স্বেচ্ছান্ত ধানিজাও সিশেষৰ অভূতপূৰ্বে জীয়দ্ধি इक्षाटक निम्न त्लापीत कारकवा देशीन ह ৰংগ্ৰ অপেকা উচ্চতেঅধিক উপাৰ্জন कर र । खि है न रमना नटन र रवा छ वर्ध स्वीधक नटर। प्राचीन देशीन ३८० दन्त्र ५ क. का करि ब्राहे की बन कर परिटंड हर। बहुआ नाहर ও বীবস্ত এদর্শন ববিলেও তাহাবা আর্ফ সরের পদ পাইতে পারে না। এতহির चारमहिका ७ चाल्यनिहाए जिला वाम कहिरल डेलार्व्हात्वत महस्र डेलाव रर। करे प्रकल कर्पाटन देवमा जागण, हुन्त्र रहा हरेएएर । हे: मरुभी दंड है। स्वाल मिटक भारतम ना (य लादक करे नत्त प्रविधा आधा करिया देवनिक कोवन पद. **मद्यम क**िर्दि । ५८० (४७२ ६) १९७१, ७१-হাতে ভবিকতে উন্তি আভের কোন আশানাই। ত্রিটিশ সাভাজা অভিশঃ बिख्ड इहेश्राष्ट्र । उन्तिराम हेश्यक ও ভারতবর্ষ এ সমূদায় রক্ষার ওপ্রোগী **बेडेट**डो नीय देशनिक शास्त्र छोत्र क्षेत्र। देतिहारण। यसि देउरहारण युद्ध देवेना मा, छादा रहेता देश्य द्वार स्थान कीत डेमनिर्देश हेडेटमानीय रेमन श्रृंगा कतिएक इस । वेश्वाकी । ातिका रेमा गेश्या ଓ टेमनिक अंत्र इक्ति कहियात ।

**अक्षादिक कन्न**्राभी नहरून। **धरे मक्**न কাৰণে চিম্বাশীল লোকেরা আন্সেদাগন কৰিতেছেন, ইঃয়োগে সম্মান ও উপনি-(४म इका इब्र. ०० टेनमा ८०१थांव छ কিন্ত্ৰে সংগৃহীত হইৰে ?

মেজর আফান ও ভাঁহার স্ক্রারিরা बर्टान, यनि भी क्षित्रहरू छेलनि,वर्ट्स প্ৰেবণ করা হয়, ভাষা হটলে আপপা বায়ে উত্তম देवन, भिलिट्ड शाद्य। क्रीयत क्या क ও ফরাশী ভূবক নৈন্ম অপেকা শী क्ट्रा **ड ट्रबर छर्**ग छेर्ट्स है। **हे**हारा পাদাত ও অখাবোহতা উভয় কার্যেই পটু। পূর্বতন দিপাহিদিগের দেখায়ব গনলের বে আপতি ছিল, তাহা শীক-'म्टगंत्र मा**हे। अक्टल टेम**गंगः **अट**हर নিস্মানুদারে ভাষাণা ধর্কতে গমন কৰে। বে জনের লোভ থাকিলে ভালারাকা নাড়া, নিউজিলাও, উত্তয়াশা অস্থ্যীপ, মালটা এভ্তি স্থানে আহলার পুর্বাক গমন কবিতে পারে। মেজর আছিন वारुष वरणम हेर्नरएउ भीकपिश्रटक वानरन कहा होहेट शास्त्र । छथोर खाहीता विविध्य ङ्काडित वश ७ केथ्यी কর্মন করিয়া ছদেশে গিলা গণপা বরে ভাষাতে লোকের মনে ব্রিটিশ প্রভাবের এতি অধিক হর ভয় ও ভত্তিক অভিবোক मञ्जादना पाटह। व अनालीटक व्याव এएपी डेशकार कहे हहेटर **अधिकमः श**ः **ब डटम्मनीव टेममा डेलमिटवटमा श्रास्टिल** এখানকার লোকে তাহা দগের অনিফট শ্লায় বিদ্রোধী হইতে পাথিৰে না এই সমস্ত দৈনাভারতবর্ধের বিশ্বস্তভার এতিত বল্প থাকিবে। পকায়রে এপ্র স্তাবেৰ ৰিঙ্গদ্ধেও অনেক্ৰিধ ভক্ করা **इरेग्ना.इ. नी**दकता राख्या शयाम अवस्त रहेटन ७ ए एटन ८०४म हेडेरवा भीटवन বগতি, ভৰায় জাতিবৈর নিবক্সন নৰ্কলা তাহাদিগের মহিত বিবাদ বিগল্প

इंडेटडा भीत छणान्यवामत कश्चम व्योशक्ति प्यतियात गडावना नाहे। निकेंसिनाट्य धरु बात भीत रेगमा ध्यायन कतिबात क्या रहेशाहित, क्षिष्ठ लार्ज शायत्रकेन তাহা বহিত বয়েন।

মেজর আভানের প্রাস্তাব ভারত-বৰ্ষেও ে অসু:মাদিত ইইবে এক্সপ বোধ र<sup>३</sup>८७८६ मा । अटलमीटॅंग्रहा बटलमे कारन সভাবত; অনিজু। এডেনও নিশাপুর निनाको पारः हो न क एम, होत्म अख्यान-भी। टेमन, भा शयन करहाटक मछा, क्षि व छात्र चादकवर्षत निक्षेष्ठ, এবং ইহাব অংশ বলিয়া পরিগণিত হ।। ইংলও এছতি হানে যাইতে হটলে আভি ঘটিত অনেক ৰাধাও स्। घटन ।

वार, इस्ताम कल्ल देशकतिव मक्र इत्रेश याका अकटसमीर्वास्टबन স্বভাবসিদ্ধ। কলিকাভার বিনি এক শস্ত টাকা পান, তিনি আলাহাৰাণে ২০০ हो कात्र मा हेटल होटकम मा। भी क्षि: धन्छ এ হভাব আছে। পূর্বে নিগর প্রভৃতি प्राप्त मिलाहिता शमन कविद्योद्दिल वटने, स्विष्ठ त्म विष्ठू सिरमत समा मास्त्र। থাক। হউক, সমুৰায়ে কয় রে**জিনেও মাত্র** ভিটিশ দৈনিকের বাল **শীক্**নিধের ছাত্রা হইতে পারে। হঙ্কও, মরিশস, নিউ. किताल, हेडमाना अनुहीन 🕫 निहा-किडेट्स विन भीक रेनम (शक्तिक इस, ভাগে হ*ীলে প*াঁচ সংশ্ৰ **ত্তিটাৰ বৈন্দার** বার বাঁচতে পারে, কিছু আজনেয় প্রস্তাবাসুসারে কাজ করা প্রেরকর কি না, ভাষাও একবার বিবেচনা করা बावभाकः। त्याम्हरूतं मात्राटकात्र दाव-তীয় স্থানে গৈন্য সংগ্রহ করিত। বিশ্ব (एक्ट्र द्रांस्ट्रश यहर देव सक कार्या **२३८७ क्युक्ट स्टेंटड क्यांत्रक वटा,** (महे व्यवधि माजारकाह क्**यका**ह होत. घणिटन । पानिकात त्रभागटनन निक्छ | स्टेटक चात्रस स्त । विद्याहरू सम्बन्

রেজিমেন্টের পর রেজিমেন্ট ইউরোপীর ইনন্য আগমন করে, তক্ষপ্নে এডক্ষেশী বেরা ভীত ও বিশ্বিত হন। বর্তমান প্রস্তাবের ভাংপর্যা পর্য কোচনা করিলে (बाथ क्ष्ट, कहे बला क्षेट्डट्क " कांग्रहा রাজ্য এড বৃদ্ধি করিয়াছি যে উপনিবেশ वका करत्र अभाउ देशना हेरतार व माहे। " ইহাতে ত্রিটাৰ জাতির সম্ভ্রত ও মহি-भार चारमक शामि हहेर्य। व्यथर ''व्यामराहे কোম্পানিব অস্তিত্বে মূলাবার " এই সংস্কার ক্ষাথবাতে সি গছীল বিদ্রোহী इवेदाहित, भौकप्रिश्व कि धई मश्कांद ছইবে না ? পাতিয়ানাৰ স্ত বাকা শীক ছিলেন। ডিমি ব্লিয়াছেন অধিক পবি-মাণে শীক দৈনা ববিলে ভালারাও বিপাহিদিধের দৃতীত্তের অমুসনণ করিবে। मठा कथा बला देविछ। भीरमिर्शय वहे ভবিষয়াণী ছিল যে এক খেডাজ সেনা পতির অধীনে ভাষারা দিলী অধিকার ক্ষরিৰে। কিন্তু পৰে দেই সেনাপতি ভাষা क्रिश्च व्यक्षीतम्ब इरेटवन । विट्यारङ्क সমায় তাহাবা এই ক্ষম্ এত আঞ্চ সহ कारत मिली आक्रमन विराह आहेता। যদি সর জন লংগেল দিলী এছণের পর भीकमिशतक मधा छात्र टवर्स ना शाठा है-তেন তাহা হইলে তাহাল নিঃবংশৰ বি-প্ৰোহী হইত।কয়েক সংজ্ঞানি উপনি-বেশে থাকিলে শীঃভাতি বিশ্বস্ত থা-कित, এ কথা নিতার অকিপিংকর। চিত্ত এক ছ অ.জ হইয়া উঠে। তাঁহার ভারতবৃদ্ধি:! বিদ্যোহোমুধ হইলে বেরপ দরা বিনণ সৌজন্য ও ঔদাধ্য এ সকল বিবেচনা কবে না। ১৮৫৭ অব্দের । ছিল, ওঁ,হার সম্প্রদায়ের লোকের সচরা-(इड़ा क्यांत्रन ना ?

## ⊌ ८ : महस्य <u>कर्त्रवाची</u>चे ।

বৃদ্ধদেশ আর একটা পণ্ডিতর্ভু হারা চইলেন। কলিকাতা সংস্ত কাণেকের ভূতপূর্ব অল#¦রশারাধ∙।পক (१ **म**5स्स তক্ৰগীশ মহাশয় দেহ ভ∷ণ কংয়া ছেন। আমেরা এই সমচেরে লিখিতেছি. কেবল যে অ:ম:দিগের নয়নবুগল অক্স-ফলে পূৰ্ণ চইতেছে একপ নয়, যঁহারা এ সম:চার পাঠ করিবেন, যঁচে বাএ সমাচ র প্রারণ করিবেন, সকলকেই দীর্ঘ-নিশাস পরিভাগে ও অঞ্জনোচন কলিত इट्रेर । आधिकालि ट्रेड्राँड **चूल**ा সংস্ভ চক্ষণাত্রে বুৎপদ্ন লোক মিলা ত.র। ইচঁরে অসম্বার শাল্রে মার্ক্সিচ বিদ্যা ও বিলক্ষণ বৰিত্ব শক্তি ছিল। কালিবাসা-দির নার ইহঁরে ক্ষুত কবিতা পাঠ করিলে শরীর রোমাঞ্চিত হয়। ইহঁ,র জুলাভারুক অ্পে লোক আমাদিপের নর্নগেচর হই-য়াছেন। " কাৰাশাস্ত্ৰ বিনোদেন কালো রক্ষতি ধীমতাং গ ইনি এই সোকার্ছের এক্ত উদঃ হরণ স্বল ছিলেন। একক্ষণও ইহঁর শাস্ত্রণকোচনায় বির্তিভিল্লা। টনি নিগতকাল ছাত্রিখিগকে ঋধায়নকা। বা উৎসাঃদ:ন কবিতেন। কেছ একটা ভাল বণিতা করিলে কিয়া ভাল রচনা করিলে ইহার আনন্দের প্রিনীমা থাকিতনা।

ইহার আরে বতকওলি অসাধারণ গুণ ছিব, সেগুলি স্ভিপথে উলিত চইলে বিদ্রোহ তাহা প্রমাণ করিয়া দিয়াছে। চর কেবুপ দেখিতে পাওয়া যার না। व्यवत, भीरकता विष्यारी इदेश शवर्गः दिनसात मध्य केंद्रात विल्यान क्ष মেত কি উপনিধেশভিত শীহদিগতে বিভাও ছিল। তিনি দীনবচনে ধর্মন ভলিমিত বধ কবিতে পাৰিবেন ? ইহা কংহার উপাসনা করেন নাই। হিন্দুধর্মে যে কথনই হইবে না তাহা কি এতদেশী ভাঁহার অভিসয় প্রজা ছিল। কপট বাব-হার ভাঁহার নিকটে কথন স্থান এণ্ডি হয় दाहै।

८ दर्भत चडीड हरेल. डि.न कारमस्बद অধ্যাপনা পদ পরিতার কার্যা কাষী-ধানে বাস করিয়াভিলেন ৷ এ অবস্থাতে ধ উছের অধ্যাপনার বিরাম ছিল না। এই দিন ৩০। ৩২ জন ছাত্র ভীছার নিকটো व्यथायम्बद्धकः। २०३ टेउक खनाके (वाश प्रया ) हे रेडरज **चेक कामीधा**रव তিনি মান্বলীলা সংবরণ করিয়াছেন।

জেলা হছিম,নের অত্পতি খানা রা নার খ,কণ শাকন,ড়া এ:ম ইহঁরে আ ভূমি । ইনি ১'২৭ শকের বৈশ मारमञ्जूर य निदाम छन्म आह्य करत्न भक्रमहे ब ইটার পুরপুরুবেরা সংকৃত শাব্র ব্যবসংশী ছিলেন। **তথা এक এक कम এक এक विवास अविवे** পণ্ডিত হইরা যান। ইনীর বৃদ্ধ প্রশি মহ মুনিরাম বিদ্যাবাগীশ স্মৃতি, ন ও অনকার শাস্ত্রে অভিশার পরি हित्तन।

উস্তু মুনিরামের সচোদর রাম তৰ্কৰ গীশ অসম্ভাৱ ও দৰ্শন শান্তে ও পণ্ডিত ছিলেন । তিনি সাহিতা নংমক অসংস্থাৰ একেয় টীকা কা সেই টীকাৰ সনা হিস্তৃত্ব ৪ড়াছ **গ্রেদেশে সমাদৃত হ**ইয়াছে। এলনা इप्त विमा। हेर्द्र रमत त्रिक विमा व व्यक्तिक निर्माण कड़िया थ'रवन । र গাঁশ মহাশ্যার প্রপিত্যেশের ভাত কান্ত ভকলিকার নানা শালের অভিসা পন্ন ছিলেন ৷ বিশেষতঃ এলে ৮ ত:হার সদৃশ লোক হৎকালে অ.ব ছিন। ই**३ । ए**न्द्र ३ हिड **अलब**. इ 'अ भारत्व व्यानक अध् हिल, विश्व कीत्र,मात्रतः खेदशाःख (य'≢ःदक হৰমা বলে ) এবং বন্যার উপদ্র দায় আছে নউ হইয়াছে। রাম ভট্ৰচাৰ্য তৰ্কৰ শ্ৰীশ মহাশ্যের ভি,নও সংভ্ত ব্যবসাধী ছিলেন

অপেরানে পিতৃনি ার হওগতে তাঁচার আধ্যানেৰ বাখেত জনিয়াছল। রমেন:-রারণ ভটু চ.হা তাদৃশ বিষান ছিলেন মা বটে, বিস্ত ভিনি অভিশয় দৰালু নিষ্ট क्षी तरश्यकाती ७ मञ्चक्र अवः काडिबिरजवा। मनिरमा षन ? ङ ছিলেন। স্বধানসংউত, কি ভিন্ন প্রানস্থ হ্উ ৯, জুট প্রহাবের পর বাটাতে অ.গিচের ভাত ে অভুক্ত জানিনেই অভিধি বেংবে यथार्थाक ख हार श्रमान कविराहर !

তর্কর জীশ মহাশবের ওলাক্ষণে এক প্ত ঘটনা হব। নহী মান ভট্টাচাঘ্য নামক ইছাসিগের এক জ্ঞাতিছিলেন। তহার শহিও ইহঁরে পিতরে শ্রুতা ছিল। তিনি জ্যোতি হিলায় বিলক্ষণ বুংহণ ম ডিলেন। **ভক্বাগীশ মহ,শ**ণের জ**ংকালে তি**,ন লয় স্থির করিয়া বিস্মাণপম ইটনা বলি-लाहिरलय, व्यामामिरशेष शारत विकीप कालिनाम कम क्रम क्रम क्रिया। उपयक्षि pa সীরাম শক্রতাপ রহ্য.গ পূর্বক তক্বা-লীশের ৫.তি খাংসলা ভার প্রকাশ ক্লিয়েল লালন পালন করিছে লাগিলেন। ঠাছার নিকটেই ভর্কার্গাশেব বিদার্ভ 🏚 সংগ্রিপ্তসার ব্যাক্রণের কিন্দণ্শ **্যথা**য়ৰ হা। ত'পনে কাহাৰাৰণে প্র-শীৰার অহলত রঘুলটী এননে সাত্রাম র্দ⊲স:গবের নিকটে ব্যক:ের মূল া হর। পরে মল্লু প্রস্থার অন্তর্ম যাতি গ্রামবাস। অংশেষ গুণ্ডাশি জন ব্লিনাল ভক্তুৰণের নিকট সমগ্র চাকা িডিটি কেবেক সর্গা এবং অমবকেংব 'ধ্যায়ন হর। তর্কবাগীশ মহ,শর রুদ্ধিমন্তা 👫 🖟 মিউট নিতা, দি গুংগ তর্মভূমণের অভি া প্রিপার হন। ডিনি ইডয়েড: নিম ণ হাইবার সময়ে তর্কা গ্রীপকে সমজি हार्ट्स क्षडेश घ.डेर्ड्य । श्रीवमस्य 🗘 य:हेटड अक अक असमा। मिटड १. <mark>ৰৈ;</mark>শীশ **খ্লে**,ক রচনা কবিয়া সমসাা

सर्थाहे कविडा वहमा कहा व्यञ्जात हय।

তক গীপ মহস্য ২০০ ে ংৎসর বাংজনকালে সংস্তকালে চেল অধ্যয়ন कविवाद यामरम कारलर्डत छमानीस्वय অব্যক্ষ উইলসম সাহেহের নিকট উপ-व्हिट्टन : मार्ट्डव **ड.ह:त मख**कम**र्या**न ভ হংকে বুজিন ন জানিছে পারিবা কৌ-জুম∶বিষ্ট হই । ⊯েক্রচনা কবিতে হলের। তর্শনেরীৰ মহাশ্য অভি অপেকাল মধে:ই১ শ্লেকে কালেছের অপরত ≀**अ**(एक न रङ्ख्य वर्गन) कविरुलन । ७:-इ ८७ मारहत मञ्ज े इहेता छै।इ एक वा-(दाव शृष्ट प्यथा नःश्री निष्याकिक कदि-লেন। তিনি বাংকেচেও বংসর সাজ অধান কবি গছেলন ৷ ইলার মধোই কাৰা খনকার ওকা্তিপড়ি গুলাম-শ ব্র পড়িতে অ'বস্তু কবেন। এমত সমটে। चनक दृत्र अथनान क नः च्याममा ही चित ক:শলইণাক শীৰ:মে গমন করিলেনা উইলসন সাচেব তক্ৰাগীশমহাশংকে ভাঁহার পদে এতিনিধিকপে নিযুক্ত করি-লেন ৷ ন পুৰাম লাজিৰ বাদী থাপ্তি হইচে তৎপদে তর্ক।জীশ মহ শ্যু স্থাইট-লেন। ভিনি উক্তপদ প ইলাও অংধা:যেন वित्र**रु हराम म**े≷। कारल**रकत् -ध**ल्दार প ঠনা যথাসমণে করিয়া প্রাতে ও লা-ত্তি নাম ও মাতি বেদায় অধিকরন মালা প্রভৃতি ৯০১০ ২৭ সর অধ্যবন করি गांकित्तम। ७२कारल मखिन:वंक्र्य द्रष्ट्-वश्टमंत हीका काटनटक हिरा ना। अहारा উইং সন সাহেবের অ দেশ নুসারে প্রথম রামধ্যোধিন্দ পবে নাপুরাম ভাচার রচনাস এর্ভ হন, শেষে হক গৌণ মহাশর ত:-ए:तर-भव करवन। ठर्क, श्रीम महाभा **शृ**द्धरेत्यम हाघदशाखदीग व्यक्तिकृतात সপ্তশশীদার ( যাহাতে ম ক্রীয় পুরাণান্ত ∤র্গত চঞার সাব সংগৃহতে হ≷ঃাছে ) **চাটুপুष्माञ्चल युक्तम मुख्यादलि बट्ट**न । করিতের। এইকপে অপাকালের টিকা করিবা উক্ত প্রস্থান সর্বত্র এচ-

লিত করিয়াছেন। দও চোর্যা**ক্ত কা**ব্যাল क्ष्म बायक क्षाप्तां चार इत अस् अस् বরে লুপ্ত প্রায় হই মছিল। ভর্কবারী শ্ মহাশা বিভারিত ও বিষদ বৃত্তি করিয়া সেধানি পুনজর বিভ করিয়াছেনা শকু-দ্ব শ উন্তাচ রক ও আবর্ষ বাদবের টাকা ক্রিয়াপটার ও পাঠাবে প্রেচবিশেষ সুবিধা কৰিণা দি গছেন। এই স্কিন বংকেধনে ফুতন গ্রেস্করিতে আনরে: ক রুণাছিলেন। কিন্তু দোন কাগণে ভাষা मण्डी हो नाहे । माजिवाहर दिख अधेर. ইলা নহাক'বা হইড, ইছাব চন্তৰ্গপৰ্যান্ত রচিত কইবাছে। বিভীয় নানার্থ সং-গ্রহ নামক অভিধান। ইহাতে অকীয়া,দি ফ্রেমকাবাদি শব্দ পর্যন্ত সংগুলীত চইন ছেন সংপ্রতি এক খান মূতন। অল-ঙ্কার এন্থ আরম্ভ করিযাছিলেন। উহার ভূই পরিকের মাত্র লিবিত ছইয়াতের ।

৬১ বংসর কিন্তু শ্রীর বিলক সবল ছিল। डिनि किस्टिश श्रेडी-রুতি ছিলেন, কিন্তু অব্যব সুগাইত ছিল। বৰ্ণ উচ্চল শাস, ললাট উন্নত, ও আকুতি লাবেণা পূর্ণ। কসতঃ ভাঁছার মুর্ত্তিটা অভি শ্ব সৌমাজিব, তক্ষনি অপরিচিত ব্যব্তিক হও অস্তঃকরণে স্মেহান্ত্র ব্যবের উদ্ব হইত। কপন ভঁচাঃ বসন বিরুস ও **অস্তঃ** করণ বিষয় দেখা যাব নাই। বারাণসীতে वानकारल के इ.व. এই मकल श्रद्ध वणी ভূত হইয়া হিক্সোনীৰ ছাতেরাৰ কঃলির এতি সভাবজাত ভূ:া প্রিভাগপূর্বক भ.ठ चीकात क्तिग्रा,**एटः** न ।

উচার একটা ছাত্র ভঁডার মৃত্যুর সমাচার আবদে ছা বত হট্যা বিলাপ ষ্টক নামে যে ছয়টা উংক্রট সংভ্ত কবিতা ও আর এক ছাত্র ব্যক্তার ভাষার যে আৰু করিয়াছেন, ভাষা এক্লে উদ্ভ इद्देल ।

বিল'প্ৰট্কম্ भीजर यमा मना भूपाविभाने हर (श्रीकेन्द्रर (इक्रमार गान्यर कविजावृष्ट मध्दरगोबारैगक्यावर शूद्रा । भारायम् । स्मायकास्य क्रियाम् वर्गाः प्राप्तः

र्षर(श्रमञ्चाः विविधितेयन प्रस्तः श्राहरणानिः मि ষুঠক। পুৰ,াৰলে শশংধ শিংনাধাৰ বসত। इर्रवाभटेखः (क्टेमः कथ्मनि • ऋक् एष्ट् ७३०। হারাক্ষানেবং বভ বিলপডঃ শোকবিধুবা⊸ লানীং যাভোগি কৃত্তগনিঃ ।নভূপইব। श्रीश्रीष्मा व नकर्छ प्रथम अहम् বিদ,লিয় ভ্রমনি বে মুধিতৈবরক। ষাতে ধৰে দিৰমণেতকচি দিবায়া-লক্ষাৰ বে বত পুৰা কমলক্ষায়াৰি 🛭 হায়ঃবিং জানবিহ বসন্ যসং স্থান সুবোধাৎ গ্ৰালক বিবিধানিক তৈ বৈ ক'ব স্থাদ*দল*ু °। কান্ধাতে ভয় সহচতে মুম্নীত বিংকী (বিশ্বাবসমূন বিশ্নিয়েছ জগতেও। হবৌ ভাৰবসজে গভৰতি ভৰতীয়ৰ মে শেষ্ণস ুৱা গতৈৰ বানী শশংব ইব কৌৰুণী শেষং ॥ মঃপ্রমণগত্সঃ ত পদমংরাঞ্প্দেশুগ্ডাউঃ <sub>।</sub>

सदराभ श्रीवृद महास. মনকু:খ নিংভর চিত্তের উল্লাপ কব সর্গ্রেরে কবিয়ারে প'ন : হার পদ অঞ্জন তভেবাসী হিজাগন দেবিয়াছে মিলিয়া সকলে, এই দেই গুণধ্ব ভাজি পেয় সুগাকর পশ্চিমেতে যান অস্থাচলে। ৰবে ভূমি মুক্তি আৰে ছিলে দেবকাশীবাদে डिन् (भाक निर्वाधिया मन्। विदर्भवेश करा काथा (नःत नःदेश्स्व জালাসৰে বল নাকেমৰে? র্সিক্তা বল আব আগ্রয় লইবে কার श्वाहरम जालित भाग, বিদ্যালয় আফি ভোগ প্রধনিশ হলো ভোগ

যেৰ বিল'পপুস্পট হরপনী ছোগুরুন কণাঞ্চলি

মুখ বিগলিত ধার ক.বিডা অমৃতবার

হাবাইলি অনুল; রতন। চাত্রি দিক শূল্য করে ভবধাম পরিহরে গেছে ওক অবর সদন বুল শুনি অগ্রার হ'ব কার অল্ডার কে বা ভোকে করিবে ধারণ? काद कार्यादार पुनि कारना करन दक्ष प्रमि कविद्व द्वि जिल्ला कि हु क्ला আদরে থাহার কর হ্যেছিলে স্থিতের बिद्यास्त्र क विद्या शहर ।

আজি সেই সংচর ও জিলেন কলেবর भूतः करतः (शरमन **गरम** । ভুমিও যাইবে শেষ পরিছবি এই দেশ ब्रांट्स (क्षामा क्रांत (रूम वस ?

ক্ষিত্র নিরোধাণ - স্বসিক্স চুড়ামনি कृषि एव भाग लिय स्टन

णातकी सूनरव शांत कून्ती ।सनारक यात्र भनी वथा (शहन चाराहरू। ক্ষরত উষাপিছে নোহপাল কাইছেয়ে (शर्म (हर प्रवर महान কৰিডা কুতু মহার লাখি দ্রু উপহার व्यवनारम मुक्तल हत्रद्रा ।

তমোলুক্ছ ৰ বাদদাতা লিখিয়া

वनकाश्रद्धन गरम गरमहे अक्षरम्य मिलना ने**न श्रवनार्**⊲र्श व्यरम्थास म्हेगा शास्क । वार्द्र नाहाय। नाटक नव नती नकत छेड़ व छटलयाका বস্তাৰ ক'র্যা ভীষণাকার খারণ করে। ননী বুলে দ্ওায়মান হইয়া ডাহার শোভা স্মুলন करिटन अञ्चल क्ष्मु छव इन्न एवन जर्मकी देव च्या-मन्द्र थाप. मानत्रपद्मा विकाशक यज्ञत्रामिरतद जात মনে হৰ্ঘ ৰহলে হইয়া বক্ষল ক্ষীত কৰিয়া সানন্দে নৃতঃ করিতে থাকে। এই কারণে প্রতি বংসৰ অংসংখ্য মৌকা মদীপর্ফে প্রবেশ কৰে। এবংসর বসক্তেব প্রারত্তই ০াঃ খানি নৌৰা এই নৰীতে মধ চইয়া জনেক আলোহীব প্রাণনাশ কবিয়াছে। উহ'দের মধ্যে একখানি নৌকাতে অন্তস্থ পুলব কর একজন জমাধার अक्ष्मन हालवाभी क्रश्राप्ट हें व लाग . २६० াকা জইয়া গেওখালির ওতন ইয়াবের নিকটে । বিশুর ব,মু ও বিলব হয়। এখানকায় প্রশান गरिएकाइन । अथान इरेएड कनि घाटांग शहा-খ্যাতের **স্থী**মার খানি নি√নিড#ো পরিচালি**ত** रहेरत अध्याप्तरभाष प्याप्तक लाक ए अहेन्ना *१९*६ ७ क्लि ६३८७ विभूक २३.७ १४८ म् इन्हे। कश्च चारकर्भन विषय धरे अभरे। इ. अर्थन जात्र नकन बराकन छाड़ा क दोता क बनानि युश्चित्र প্ৰতি বিশেষ ষম্বান ইইডেনে না।

২। গত ৰুবোর এখানে বিনার্ডি ২ইয়া

৩। এখানে দিন নিম বিয়োলি দাবা বিশেষ ইন্নতি হুইতেছে। ভাহাতে স∘ৌই আনিন্দিত মাড়েন কিন্তু ভাষ্টেপের বিষয় এই এপর্যান্ত এक्षी नहा ऋश्विक ६३ल मा। शुर्म अवसी **लुक्षकालग़ हिल, स्टाइन्ड विन्हें रहेन्न'रह।** রামরা ভরুসা করি ইংরাজীবিদ্যালয়ের হেড बाक्टीर ब्रिक्ट बार् क्यात्रवाथ व्यक्तांभावता बहानम् विनिष्टेक्टल यक्त्र न रहेग्रा ज्यामारम्ब केक होते अपकारन्य श्रुतन कहिया मिरनमा উছার উদ্যোগ নিক্ষল ধ্ইবার সভাবনা নাই। काबूब नक्टनहे छैं।शह विद्याध्याधिका छ एएमा

পকারিতা গুণের বনীভুক্ত ও আঁহার সমুপাদে (শ্র অনুগত ।

> বিবিধ সংবাদ। ১৯ এ চৈত্র দোমবার।

বাৰু কেশবচন্দ্ৰ সেন ল'হোৱে বিশেষ সম্মা প্রাপ্ত কইয়াছেন। উক্ত নগর পরিত্যাগ করিবা: পুর্মে লেণ্টনত গ্রহর সর ডনালড মাকলিয়া +: হাব সন্মানাধ এক ভোজ দেন। ঐ উপদৰে नगरत्व प्रात्मक स्विद्यानि च रेगनिक कर्पाठां वे আঃ ত হইরাছিলেন। এ সকল কার্য, শাসনকর্তি দিগেব পক্ষে অভি প্রসংসনীয়।

खात्रखंदर्व विवाद धनामी मदरक देशमद्रश আদর্শ হইতেছেন। সত্র্যতি সর রাউণ্ডেল পায মহাসভায় এক বিল অপণ করিয়া প্রভাব ক द्रारहत, राष्ट्रम जब माइटक क्षत्राम जानीत হিচামালত নাকবিয়া আপীল অৰণাৰ্থ এক श्रधानस्य विवाहातम् कहा कर्वतः। हेरीय এখানকার প্রধানতম বিচারালয়ের ন্যায় আপী জ্ববণ করিবেন। এক বিচারপন্তির হতে আংধি क अ रहेरत यकस्त्रा ज्ञान अक विठाइण वि इत्य विटाउँ भारत्म । द्वितिहास किस हिमक्त का नकन रिष्ठां बालाइ क्र टर्कर बोडा स्ट्रेट्स । ४० होकात बीटहत्र मकपमा এই विहासनया जाति। ata minimat beneg nomus mag, क्ष्युज्ञवन कविरत अहे सञ्जिता शांकरव वः।

रक्षात्रभीत भवर्गमिक मन्यानत पावर्ष हिक्दिन्स्ट्र काम। विश्वाहरू, खाँदांत्रा न ও উত্তাদের ছিলাৰ স্নাধিয়। প্রতি মালে তা ক্লিকাডাম্ব ঋতু পরীক্ষ সভার নিক্ প্রেরণ করিবেন।

मञ्चलि लारशास्त्र कर नेराज्य वामित्र । দ্বেশীয় ও ইউবোপীয় নথাকা একরে কোট क ब्रेब्राट्डन । भूगनमान 😮 देखेरता पैतन 🧸 त्यरम काश्य करत्य । श्चितिरशत शुक्षक स्त्री

বাবু ভূগেৰ মুখোপাধ্যাত হাৰু প্ৰসক্ষ সৰ্দ্ধানিকাৰী কলিকাভাব বিশ্ববিদ্যালয়েৰ ম नकात भटा श्रेताहरू। प्रदे सम्ब है পত্রে ৷ বাবু প্রারীচরণ সরকার এ সম্মার 🔞 इहेबात (यागा।

সর দি দল বীড়ন করেকটি প্রভন্ন উপনি পের হৃষ্টি করিয়াছেন। বাকরণকে চায়িন্সি, য भूदत चूने, काका ३ खिनते, अध्यवनि १८० छ धेर्द्ध होति । दारलबार हुनै, क्वेटक हो

এবং পুরীতে হুটি, উপবিভাগ হর্মাছে। বিচার मद्दश्च अर्थात वित्ता दिशवाय के दृहत्।

খাবু কানাইকাল দে আগে 1 এছশনে যে সকল এড: দ্ব<sup>ি</sup>য় ল'ন ছা ও উষণ প্রেবণ করেন फोइएड अस्मिनी युठ किसाइक १० केली शुर স্কু'র ও একবালি টোস, বেডাস লানিপুড়ায়িক দি भव का निहा है नई हम्म अञ्चलन कर है है छिए।

মূতন বংৰণ উপসংক্ষা ৰ লাগাডাল বয়েক क्षत्र कारताक रेठम माजास्थित विरम अक्षी क्षा<sup>58</sup>ष्ट्र (बना क रहरना क्षे हेललहरू कहनक षाद्दां अभावित्तमा अच्या अक है.त वह া তেছে। এপ্রকার সংযাক্তিক এবত। এবনীয় क्रिबंदहम्म अन्त्र क्रान्डिद९मव हेडा क रेराजन। वेहिर মৃত্যু আৰু বৈ সূত্ৰৰ বংগর উপলক্ষে কোন উপন वह सहि।

এমত জনজ⊅ডি ছঠিক বনিসনেব বিপোঁ : अक्कारन हरन: ७ क्षर। यह ३५१४। छी आजि . শুদ্র জন্মায়। এরেশ সংক্র'স্ত বিষয় স্বান পূর্বে ু**এন্তর্গুলু** স্থান গোচৰ কৰা জাবশ্যক।

আহোধ্যাকে উত্তৰ পশ্চিমাঞ্জেৰ অণীনয় <sup>টি</sup>করিবার প্রস্তাহ হইয়াছে। তথাকার বাবভীয় विश्वानम् आभवाद क्यान्डम् । वहावानस्य ज ্ৰীনস্হইৰে। নিয়মৰ হিছু ভ প্ৰণ লী বহিত কৰা **क्षांत्रभद्र कोतमात्र । एडमस्पत भ**टिनप्र ্ৰিস্তুত স্থান এবং উত্তৰপ কিলাঞ্চের এপটনট <mark>টুলৰ (হৈয় হয়ত এত কাল যে অযোগ্যাকে ঠ</mark> হাৰ মুক্তক লাদেশ মাত্র কবিলে অভিলবিক উর্নিড **ेश्वहेरद ना । प्यरमान**ास अक स्थ्य न्यक स्थापन **্লবর্ণরের প্ররেখন।** উত্তর পশ্চলাঞ্ল মন্ ু<mark>লারতবর্ধ ও অধোপাকে বিভাগ কর্যা চুই জন</mark> हैनकी में अवर्त्तत करी एक तर हे भरारम निष्

**व्यायतः हः विक रहेला**ण, भादु ज्यामाश्च शिदुन्न **শ্রিকৃতি করেক জন প্র**ান এক দ্বেশীর সভা, ্বীৰোজিক বিজ্ঞান সভা তথ্য ক্ৰিয়াছেন। ্রীমাভিক বিজ্ঞান সভা মংগ; ৬৩: সাক্ষাংস **্ৰে সামা**জিক নিব্ৰেশ প্ৰাৰ ২ ব্যাপন ত<sub>াল</sub> | কোৰায়ও দৃষ্ট হয় না ৷ সহণশিবী কথাটি অভি विद्य ६

**अक्षे इक् छोरनाक गाउँ एक्क्दान अक श:-** ; ব **চাকার পভিয়া** মৃতপায় হইর'ছে। জড়িশর। নো গাড়ি চালান এরপ চদানার কারণ, বি স্ত লিবের কিছু বলিতে নাধ্যও হয় না।

२- अ अरक्षम भवर्ग्य (क्षमद्रम कलिकार) ভ্যাগ করিবেন। সূত্র লেপ্টন ট পর স্থার-ब्लिलिट अपनेट उटक्रम ना।

### २० ७ टेम्ब्र मञ्जाबात ।

वम्रानीय भवन्या (रावनिष्ठ वाह्य धारा काका बहार कहियारहरू अन्य करनह भारहत। बार्कः अञ्चान का नृष्टे। ज साव के अ पूर्ण ये काश भाषिक पूर्वि अन्य कवियादिक এবং (य न प्रत कुमेर पून), अञ्चल मा (न अवाहक ক্ষেত্রণ দারী জারেন, সেই সকল ভূম ক্রেড় গণ ইক্ষা বাবলৈ ডগাগ করিছে পারেনঃ পার फ,क फुनिय कन, ,य होका (म दशा दहेशाहरू. আমোদ ২৪:ে। সুর্নিসাপাণ তেল'দশন'থ তাহাজন,ছু,মব হিনাবে এছণ করা হইবে। याँ होत्र कृषिक, श्रिक काँद्र देव की हो विश्व देव । खुनारेऽप्रत शुर्म काउवमन कविरुक स्टेटन । स-ंत्र<sup>भ</sup> शकु. कर करा :य वाम क्हेम्राइड, क्राक्षा (धन का नाम करा रहा : हा-क्द्रामर्गत कुर्वशत सम्म विश्वपार्धे रहेलाः अप्ति कता व्यादमाक, स्टब्स अरमध्य कर कारन छेश्डम इहेरक इहेरव। বালের ভূম এক কালে লইচা রাজারাতি বড় माञ्चष रुरुव'त ८६ हो। अहे कल।

ভেকেটে সহাতি হছ বর†হনিবারণ ও बद्धकान्व विश्वयः यावजीतः शक्त छ दिर्गाहे প্রকাশিত হইয়াছে। অক্তর্জ লি উটিবে মা। বছবিৰাছ নিবারণ সম্বন্ধে ছস্তাপণি করা প্রথমে ক্টের অভিপ্রেড নহে।

मर्ट्या क इंडाएम (य कर्ड्य असन भी वेक श्री आवरानिभिरमञ्ज्ञ म एउ लाक्षा करियाः पृष्टे सम्बद्ध वर करन, छोर्शनिगरक क्षरामस्य विहासनार्थ অর্পণ করা হইয়াছে। এখানে ভাহানিগের মুঞ । नक्षा । कृति व्यवन। हे विलयन '' हठा । बकुक कृष्टिया निश्राहित । भीशान्त क्रीए बक्क ছোড়া ছই পালা কথা আছে।

इंश्लिक्यान अप्टब्स्किय श्रीताक करनाव বৈষয়ে ৰলিয়াছেন ' ইহাণা সাবাবল্যে সঞ্জী। प्रश्क काथाय (य प्रकार भटन'क्य शक्क क्यांटक ভাষাতে প্ৰীলোকেব সভীতের বিষয়ে বে বৰ্ণনা আছে, তদপেকা চিত্ত আক্ষৰ্ণকারী প্ৰস্তা আৰু কুলন লোববানে ও সমশ বুঝা এ ক'জ বাবেছে । কুমান কার জীলে'কেবা আমিব প্রতি াক্ষন অস্থাক্ত, ভাষা ইয়াতে প্রকাশ পাই **্বিলকাত ব সূত্**ন বিশপ উপনীত হট্য়'ছেন। তেছে ' ৯ টণ লসমান ধীকাৰ করেন এদেৰে ষত হৃদ্ধী জীবোক আছেন এত আরু কোন प्रत्य (कथा यात्र ना । केंडे(वार्णीय खीरलाकांक-(शत मा'म् अरमस्यव खीरवाक मेशरक करिन अति লিখ কিছুই করেন না, ইউং । পীয় দিলেগ বিধ্যে । আন কবিতে হয় না। ইহাঁবা অভঃপুরে পাকেন किन देशोषिशदक कीएशामीत नाम कर्यात

करा रह छ देवी नित्य का का या रीमका माहै. a क्या क्या । अथानकार खेरगारकता अक्षरे পাশ করেন। সাধাণ্ডথ্য ভারত্ববর্ণীর স্ক্রীপণ ইউ ता भीत सीरता कामरण स अरणका स अवसी। एरव ভারতবীর দ্বীলোকেবা বিশাবতী না হওয়াডে ব'নীর ওড়ে সুধ হয় না। আমবা আহ্বানিড e्हेशम र् टेट्रा गेट्राया कामान्टिशक खीटलाटकव ন্তৰ শ্ৰীকাৰ কডিডেলে। মনক্রিক সাহেৰ काशात २ वीहारा अस तारम असःशुत्र अवा-পীর পারবর্ত্ত করিয়া কলীয় প্রশাসী প্রবৃত্তিত কবিতে চাৰেন উছোৱা ইণলিদমানেৰ প্ৰস্তাবটি भा**ठे क द्या (यन कि क**र मीए**न इ**न ।

উইলসন হোটেলের উইলসন স'লেব ভস্কা बराबक काम हारत्व करहात्र विका कह एक दिनि नाहेरवरान समा वर्रा कर्रा होता हार्मा विभिन्न ब'ली र कट'स । विज्ञातन छ किया र १००० होका কভিপুরণ ও যাব শীয় ব্যয় দিবার আঞা দিয়া-

বাজপুৰনাৰ ভীল ৩৪ মিনাঞাভীয়দিগেৰ নিয়ম আছে, এক ব্যক্তিকে ভাব এক জন চুৱিৰ मध्य वध कविद्या १६ द्वा छे ह्याधिकाती स्व ক্তিপুৰণ হৰুপ একটি মহিৰ অধ্বা ৫০৬ টাকা দিতে হয়। পঞায়ত ইহা নির্দ্ধারিত করেন, পঞা রভের ক্লবা ও আহারীয় দিতে হর। সম্রতি এ বিষয় এককালে স্থিয় কবিবার অন্য এত্যেক্ট कर्रम इंटब्रम्ड निकरि छीत्नता कार्यस्य কৰে। কিন্তু জিনি বলিয়াছেন ইয়াতে হস্তাৰ্পৰ क्रिट्रिन मा। श्रवहर्ग्टम्टिंग्ड अहे मछ।

२२ अ टेइ क् बूश्व'व ।

শেঠ আশ্কার সাংধ্য ভারতব্যস্তি পারদ,বানিদিয়ের উপকার করিয়াংছন বলিয়া পাবদেব রাজা উচ্চাকে তৃতীয় তেনের স্লার हिन्द्र श्रमाम कतियादहर ।

সম্প্রতি বর্ত্তমানের করিসনর বল্পনেশীয় গ্রাব-ৰ্ণমেন্টকে জিঞ্চানা কবেন বে সকল লোককে কোন স্থানের মিউ.মিনিপাল কমিসময় নিযুক্ত করু হয়, বাঁহাদিগের কেই দীঘকাল অপ্লুপস্থিতির পৰ প্ৰত্যাধ্যৰ কয়িলে পুৰস্থায় খিউনিসিপাল কাৰ্য্য কৰিছে পাৰেম কি ন**ৃ লেণ্টনন্ট গৰ** र्नत " शारत » अहे शिकाच कतिप्रारहत । किन्न विश्वाद्यम, कविवादक अमे मित्रम १६८व कमि ननर्शता वङ्गित माहिक्राल अक्कारन चाकिर्वन, ডঙদিন দেখানকার কার্য্য করিছে পারিবেন।

ऐश्**निग्नान अवन कृत्रिवारहम जिस्टा** ब्रेसि भागः উत्तर अधिकारकः, कांडेरलत मूनः कवि তেছে। এবংসর লোকের অপেকারুড অল क्ष्ट श्रेषः

वेष्ठीक ष्याद्य वेषान अञ्चलक ष्या हेमन छ। प्रमुद्ध व्हेप्राटः। है.ने अक्षम कारिन्य क रमधक क्रिलिंग।

दमानित्र महो। (इ.स. हासदर्भ । (स्ट्रेलिय) **াতে ভাঁ**বাদিনের হীরক, মুক্তা বম্ব প্রস্তৃত নে }বিরয়ার্থ ভ'রে। এক এক পাল্ড त्र है के उपकाय भट्टी । के प्रेटिंग के কের্মানের হীবক আছে। সর্মন্তন্ম প্রায় 🕫 টাকরে হীকে প্রকৃত হটরে। মুদর কর্মা त्र (राज्ञे भूका र शैत्रक लक्क करिया सार কে টিউ কা কৰ্ত ক্ৰিয়া ধান। ক' নিয়া अब फार∙क दाभा कविष्यास**हरू व**िनकर} ा भाग।

াজ্ঞাত ব ড্ৰেছ ও এজগৰ বোৰাইছেৰ ন.ায় নক, ফ.ক হঙ্গণেশীৰ বা**ংজ্ঞান সংহত-তে**ক-उपारिक स्थानको अकास कार्य**ाहर**ा ভাল বইভেচে না।

(वाधारे प्रवर्तत हे १० । य क ब्रियादक्त, मिक्क बाह्य बदान कडर मन व्यापन व ३१,४०० 'तुष्कं बक्र दुल'द इ'य १र'त्र'रह । हेर्स स्ट्रेड . • • , • • • • • পাউও এ:ধ্ৰু তুলা ২ইৰে ৷ (ब'त्रकोत कुल'**त ए**' व्यक्त क्रिके (शटल अक्राव रक्षा बा*ष्ट्र*व म<del>टप्प</del>र् नार्च । .स्ट*न्ट्*मज त्मोक्षांत्र( ∖বেশের ছভঃগে∖র উপরে নিভা কৰে, তা (१५७ वर्ग में) रक्ष्यंक्षेत्र कर्मना यहा साथ मर्ग । (व चाइट्राट स्थ्रधाम । समाधास जीवाकाल বা\_বংর পর্ভ কাতা হত কার্থেন।

र्व : इष्टब्ब्ल विवस्था व : दर्द्रबङ्ग : शक्ते वर्षे ति भाराङ नाइक क्रिक्रं य क्रमाकारतक (मधी કે જાર્યાત્ર **ન ફ**િન ટાંડર બાબ લ્પ્ય હમ**ેક**ા કે र्वत भूप विश्व । द्वाप के सबस्था नवर्की सक् लपुर्य व्यवस्थात्र मान्यस्था केरकः e था करवस । ब्यट्स स्मरक्रमांव **च रव**वानी ভাটনার দেল লাগন কংক্রেন। এমত थत हाउलेल कांच का**रे. करन फूटक**र , भारती के देश के किस्ता के अपने किस्ता के अपने किस्ता के किस्ता के किस्ता के किस्ता के किस्ता के किस्ता के कि

भगारत । त्या श अ अमाराम काम त्राम निर । क्ष'म्र এक लक्ष भिष, इर्रेड्रोट्ड । हैनि नक्षा রুবাহতীয় ধর্মনামুদ্দন কবিয়া বেড়াই-চেন । সংখ্রাত তারকপুশের মাকর সর্শন বৈধ্যে বাভয়তের ভারত। গোকেল গাঁহাকে । व क्विड जारेड्रा. कि ह पुलिय कविहालका को इङ्कट्ड दिन बाहै। श्रक्षांव भवर्गदब हे (बावः) । बहुत ए तुक्ति क्या कि हिर्मे हिल्ल

**२२ अ टे**हर बृक्ष्याः प्रवाह ।

विनामभूत्र भूमकी ३ ५৮ में स्थी यहा स्ट्रे-

ाट है। अवर्ति विदेश क्षेत्र, क्षेत्र, क्षेत्र, वाराष्ट्र विक् *५६८७८३* स् ।

আলমুল খার অভাচার ক'বুলের লোক .शत्र व्यवह इडेट्डइड । काभीटाव इट्टा मन्टर भागानिहात ७ व वक मर्त्रव काश्य कर प्रकृति ভানদ ভাটিয়া এক কিলা অপবাৰ তানান [ र दिन । कामीन (महे प्रियारन किनामा काना १८८म । अहे खुरु,१५१३ ए०'न कान्द्रशाहरूमा ন্ত্রেক জন্ম এব হয়, বিস্কৃতাংশ রখা ইইবাছে। शक्रिशक कालमात स्र'म्हा कामहिनाः ब्रदः कि म अकार्यतिम्हित्रहरू २० होन्। दिए-न्द्र सर्दर्भः आदङ्का रहमन स्रोटित कः 'डिम्स' -প্ৰিড সনাস্তৰ ইউয়াছে এবং শীল যুদ্ধ স্থাবাদ ৷ প্ৰি:শাৰ এক লান ব**ক্তা বলিটো**ন শাসনকর্ত্ত গড়'ৰনা । ভালিম খী আমালয়ৰ খ'ৱ প্ৰ মানীৰ হুইব'র আশে স্বরেন, কিন্তু উত্তয় ভাক-স্থাত আবহুল বছৰন ভাগতে সমত নৰেন।

ফেব্রুলবিমানে কলিবাভাব টাক্লানে ७०,२२.०५१ डीका, शाक्कारसव डेव्स्मारस ५०, ३२५ होता अवर (२ मार्वेस्त्र होतमारम ७ १०. ৪৩৬ টাকা মুদ্রিক হইয়াছে। এ মাসের শেষে क्ति क्षि समाराह्य ३० b3,25,47 e होदा क्यां किस । धुर्म कश्मान ३२,५७ ९३ ७५० शका बारक। मात्रि शहरददश सम्बद्ध राज्येक ब्रु: क्या अम्बद्धारक।

বিচালপতি কিলার নামা কার্যে, বিক্রম্ভ ছও-ৱাণ্ডে বিশ্বন, লেয়েৰ সহাসভাৰ সভে, যু প ত, ধ কণ্ডিটেন। আংখর। চুণ্ডার চুটস্ক কেছ কেছ টহা সিউ নকাম সাংখ্ৰো বাইণ চ'তে ল । ই এয়া নিবন্ধন ইইয়'ডে ব'ল্ডিডেইন। বিচা न उक्ति कार्य के कार्यान एक मार द्वार एवं अर ष्ट्रप्र कें।दा । क्वं 1 क प्रवर्ष ८ ट्रा एक कर्य १ वर्ष

শ'ল্যাম ও দেবিদি হ দলীৰ ছত্ত্ होलांच प्याप्तीय **दक्**क प्रांचिया के • . • • विक শক্ত দেন। মি**ছ এই এ**ই বুজি বিচোক্ত म्बद्ध वाद्या भराहरू नवाद्य क्षेश्रान्ता ५० --- अवा काहा कालेसाना स्वा अधार क्षीहारा अवर्थान वस विकास अवस्थिक भारत इस मार्नोन करवत्। शकादन खवान विकार भ, इ इंश स्वताहर करिया व क्रियाटका, अवस्ति व ग्रह विवृद्धन दाक्त्री क मन्द्रव शास कविष्ठाद्रक किष्मद्र विकासित्रायः । तेन स्टेट र नाव वा । **बहे हुई** काहिल । का गुनर्स (टगड़ आका भारेटक भारतम मे। ।

ন প্রতি নৈ। নাপুরের াজ। আপনার উপন-

प्रव द्विपनाः क ५०,००० आकार्याकाम सहा

भव मिनिज वैष्टमद्रक पार्किन्सियं क्षत्राम क्र बाव करा, मध्यकि स्थान**री महात्रण अग्रा**वि वीत्री छ এक मका स्त्र । अक क्रेल ब्रोसन, ब्रह्म न हे गर्वार मुप्तन महिरात खुखांकाकरी न्य ar नग डाला **मर्थे**काह कहिया दश्य, ऋहि वत्र न'च,क पूर्वभाव (१ श्रृती वाक्रिएके) । ্যাল্ডেন ১ ইংলেধ্যারও ছই জন সামান্য স্থানুত্র १०४.७ वहबादका विद्यद्वार सुर्केक व ाक पीराव (य प्रश्नीय खादाएक काखिया ' क्या यात्र या। जुडोच वन विद्रापक **इत्य**य थानारशाम कहा व्यावमाकः। (व्या वाहात्र हेः । এনি স্বাক্ষর করিবেন বলিয়া ক্ষা**ন্তন্দন বিব** रथा इहेन। अञ्चलिक्यानम् मून, कि? र ্যনি বা ৰীজনকৈ উছোৱ আপনাৰ আহা এছে

নিচারপতি শ্রেষ পদত্যাগ করিলৈ । शक्ति भारत्व अनामकमविष्ठात्रामस्य शास्त्रम् व त्र । अर्थक क्षत्र कि अहे हैं भगाएक कांद्र जे क्षम अष्टरम्बोन्न विध्यवन्ति निर्द्यार्शन ह ेर्ड । ∙ 8 अञ्चलकोत्र साम्रा ८४। ⊁डी जारहवड ४ कार धीकाञ्च कत्रा है कि है। कि ने हिंदत का - বর গ**েব যধাপ উপ**্তে⊁ ৮

সভাত মহানক বিভিন্ন গোঞ্চলি (अर्टा हे इन्ने स्थायन) क्रियादेन । श्राप्य লাক । ত**্যাতিক ভূমি কর্ণের বলোব ট** ଧାର୍ତ୍ତ । ଲିଲ୍ଲିକ'ମ ବର୍ଷ ବ୍ୟତିକ । विकत (र शता इहेटन, फुश्लूटन करन কুত তান ৭০ গ্ৰীক হাইৰে। মহিলা ম্বাস্থ न र जु कदिहरून ना **उँदाकिर**+व श्ख ६६८७ 対方・1 ひますいねに由 「森の路」 が急べく 「 当121 応 शिर्धायमात्र वामावल कारहास्य । क्रि LT.4-: 3124 **%(1)#1 क**रियादिहर, की वर्गा अन्द्रमा व्यक्तिकारचा क्रिक्ट किर्न न ५६७ :-१:४८त् इति का भन्न कर्मन कर्म सर्व ,यर कड़ाः) A स्वय (द्वास्थादनक विभिन्नः ्रक्त न्याती भाषत्रा **यात्र** सः। **भ**ण्ड वद ऋ · 民都地 电影的副觀 實 (東部2774),至715年多 क्षात्र करता भिला**हेरतम। भन्ने मान** फ চইলে ভাষা,ক বোৰ ল**প্তবে ও**মেদার ব इहेरवा भन भून, **स्वेटनई काइ**'ल छा। শহার্ক সাক্ষা ভারক বাজ (तिर्ह्मा कारण ानी ७ कशिकाका इ (का यो क्या है न कि मि 111646 6737 10 85

🎉 क्षेत्रखरंगीत (स्मट्स क्यांका व हे॰ मछ क्षिद्रेश्य केंद्रकेंद्रे (अर्थित रहेमन म देख का विश्व क्षेत्रका ५०० लाम्बे ०० होता वर्षात्रमा छन्दराव े लोड हो सोहेट्ड मोना (काण्णोति क'ट प्रमा अङ्ग क्षेत्र (काक करेगा भाग कर राष्ट्र प्रधान 🖟 👺 বিলোক পাইডেম। নির আনির ছটবোপীর <u>क्षि</u>श कार श्रास्त्र काल्या

তরেক্ষাস দইল গ্রেই আছো দেন হ। ेशा। श्रञ्जाबकः (छ'त्र सहर , किश्व क्रिक के स्ट **ব্যুব পাপ ক্ষিয়াছে "গঙ্গদিগ্যকে মুক্ত কল। ২**২ (व । अध्याष्ट अरु भक्त (ल तकः। विक्राः प्राप्त क ুই প্ৰকল্পা আহে ভাষা বন্ধ কাৰ্যাৰ কালা ৮ ও ्रका श्रेषास्य।

র:অধাংহতে এই পীড়া ইইতেতে যে ধাং काটিবার লোক ∙াই। বিশ্ব অংলচের্ব ব विश्व अविष्ट्रं विद्याति अस्टिम्ट हेव । सक्ट MCधन कहा इंड न:४ प्रदर्श स्त्र के अपन ভক্তম কৃষিণনবকে িগোট দিভে বলিয়: হেনাস্থ সিসিস বিচন আনৰ ছই স্**ভা**ণ भट्ड महत्त्व्याच करिस्टरन । काळ वर अ.ब्रह्मार्ट्ड শহে জ্বানিবেন ভাঁছার শাস্তে অ'র একটি বড় 明清皇 建复对花草 1

হাত নেপিয়র সম্রতি সম্রাংকর এক দ্ধিৰ্গালয় দশন ক'বয়া ডাচাৰ বংশাৰ পুৰুত্ব লোগে বিশেষ অসংভাষ Ada @ dan mie'mintelates (nies

**ক্লাডে ভিন্নি সাদ**ারবে। চিকাংসক দিলেব **এতি অধিক দুক্তি** রাখিতে বলেন । মাজ্রাজ अव्यक्तिके क्षेत्रिकारको हिन् भक्त अवीम करिया আৰু বিস্তুদ্ধন ইকিৎসংকৰা যে সৰল বিপোট #ব্রিন্তুৰি ভাষা কালেউরগ। সত, বলিয়া আক क्षिमा कवित्त आहे। इष्ट्रिय मा । इष्ट्रे कवियान কাৰ্য কলতে চিবিৎসক্ষা স্ত্ৰর ক্ষেত্র क्षेत्राद्वमा क्षात्रः अति काड व्याप्तित्व कृतः ह्यांचीत्र मध्य माथ । किश्व व्यापेश व कामिरशत **ৰুক্তি অবিধাস ক**িলে কাম ২৪ না

্রিষ্ট্রেলিন্মনে মনের সঞ্জি ত্রিড়তে নীল' রেট ( ধন্মালয় क्षेत्र कान कुष्म मनकमा हक् र रा रप्न नारे। हिन्नाट्डम १ क्षाक्रमाभ व हैटल्टा छटचे विदेश । केशपुरक <sup>र के</sup> भिरत स्थान स्थान स्थान। तस्य प्राह्मः व्यक्तात्र प्रह्मात्र प्रकृति। ८२वस द्राक्रय शबक्षीय <इंड मीलक्स्रभ्रदक महीग्रा ७ व्ह्यास्ट ज्ञानील-क्षेत्रकिरणर मधान करा काशव ३ वेटा नरहा

🐫 🖈 रेंड्ज 🖛 नवात । ্ৰ চাট্ৰেয়ে এক আনা ধনক আয় বৃদ্ধি হস্ত ক্ৰেন্ত্ৰাৰ প্ৰকাশ কৰিয়াহেম। क्षेप्रक किताहरू ।

فسامع فالمورمة المانطونية ورابا ا काशिक्षित्र विचारत वात्रहे नदा रहे हिए, (अर्पत्य कर्ष्ट्र क्लान स्थावन) नाई १

दिति, । कथ, याति दिन्तु भावतः विकास लभ हिट्याकः निव, अदश्यक्ष श्री अहे. हेयनम at जिक्क कायक याजियन फाशनपूरा ছোনসী নাড়ী এক বেশ্যার বাই,তে প্ৰাণ্ড \*,হটেটের । ক্রিব ও ডি.লে থিবা-∉ছরাত ভাহরা মার'মারী ৮,ব। ছিলেছে खाइटिए गुरु। रहा। माङ्ग्लाभ ए १६१४ करें। पुरा, मध्यभाव क तवार क्षत्र, स्टीनाटक अके हेर्र .কপৰ বৰে। মাতাল হংলা হঠাং ভ্ৰাম भव्यि इहेग शान उत्तर यो :15 देश अधार করা আলেদিকের উদ্ধেশ্য ডিসার পুটা কনর চ ভাগলপুথের সেনিয়ন ভল টাস্ন্নকে ধাতী দাকী ও যোৰতকৈ মুক্ত কংগৰ। কিছেবৰ শ্ यदमय भी भागकृत यार्भन च्या स्था दश, च्या द दर्धन জ নেৰ ভিন বংশ্ৰ কৰিয়ে। ে আগ হয়। ওপুন ভ্ৰম বিচাণালয় বলিয় ছেম ইঠাৎ এক চ্পিতে মৃত্যু হট্যভাৱে অভাএৰ উহ্যুকে ওকতৰ আৰাত ব্লাৰ'লুনা। স্মিথের এক বংগ্য কারাবাগ e আমার ভিন অংনর ২১ মার করিয়া বেরাদ स्टेग्राइम् ।

## **इंडेरङालीस मगा**ठाङा

शक्त २० अ भार्क--- युक्त ४९ च्या स्व दकार्य भ कर व नइ'इडा कहा इहेर्द विश्वा अ" काशके महित्र अभिन्ना, (बहुक्त क बाह्य हुन्ना: (य मिक इस डाइ) शका नेड इडेसारह ।

জান্দ্রীর মহাসভা জির ক্রিয়াছেন শাসন প্রধালীর এখন ডিন ধারা ৪.লি আরে'ছ, আলা

দ্বিশ বিভাগের পুনঃ বলে বিজু বিধির সূত্র সংবোধিত বিল সভাপটির অমত অনাং ক ,কা মহাসভা বিধিবস্থ কবিয়াছেল

ল্ভন ২১ এ মার্চ—১ ট্র জব 🕬 া চর্ছ

नदम २० এ माई- हैंगेनीय, महापता चूं न नारकात विवस्त्रहेत्राटकः

**श्याम क्याम्य क्याम्य क्रिक्राम एक प्रम्** वात रह, छ। एक कि न कशनी हु छत्र क्रिक्ट्स

रहेब्राट्ट । क्षेत्राक्त निरम दश्च विदन्त प्रिक्त विदिन ना। इत्तर्भाष्ट्रक त्य नवन क्षम सम स

ग्रह के नहा के किएक शाहरूक **शक्त वर्ष** মুক্তি : ছুই বংগ্ৰ বাস করিলে ও সাক্ষাৎস**হত্তে** ২০ সি.লঙ কর ছেলে অভিনিক্ত মণ্ড দিবার থমতা হইৰে। কাউলিতৈ ১৫ পাউণ্ড खेशार्श्वन कहिरल वड विवाद क्रम**ा, व्हेरक।** (मादिरात्र अधि(पात्रेषक कविग्रारङ्गः। समित श्रीकृत এব কমল সেনাদলে শানীবৈক দও উঠাইয়া नगाइन, ख्या भ मह सम भाकिक्ष्रेम विद्वास । की प्रविद्या करें महत्वय क्षात्र किया विश्व নৰ্পণ কাৰয়াছেন। পোপ তাঁহার নিজ ও ইটা-ीच्र देवन।क्तिक**्त भीच्र हाव्याच्याक म्ब्युर्ग्सनाटक** वस्य कः एक फारस्य क्षियु एस्स ।

ইই ই ওয়া ভাসোসিএননের এথম অধি-. ২૫ન ૨૨ેગાં : গશાં(ક !

# থেরিত।

মান্যবর জীযুক্ত নোমগ্রকশি সম্পাদক মহাশয় সমীপেরু।

পুলিধের অভগাগার।

न्द्रभव ! त्यान कृतियांत्र मध्यत्र कर्का खटा विराध द क्षांन स्थान (यायभाष्ट्रांच क्षांफ ब्रम्भ अक बृह्र (भगः स्टेप्रा प'८४। क्रेन्ट्रियमात्र सु:भाविक शकान्द शंकाद (नीं कित नमां ध्या क्या के वश्त्र सामक्री কয়েকজন বড়ু একত্রিত হইয়া ঐ খেলা দেলিভে কিয়াভিলাম । তথ্য আন্মাৰে স্ক্ল এড়ড ব.)পার সক্ষমি কবি, ভঞ্চে, পুলি (धर अञ्जाहाद्वर अर्थ (१४) अनाम । आयम् -मञ्ज प्रतिवित्रहरू व्यवसारम श्वममानिक होत विकास উপাস্ট হইয়া चारक, बकान वर्षा इक्रांमिरशब् বেলায়ও সেইরপ।সন দিন জানক্ষর উংস্থের প্ৰচট্ৰ দিবলৈ ছোৱতৰ নিধানক উপস্থিত इटेग्राहिन। ओ बिस एएटन, भट्यून मटक मटक्टे कर्का व काममधान मिश्रासम्मदान शाहन कहिएक কাংস্ত কৰিল। বেশমত পুন্ধি হ কৰ্মচালী ঐ সুহৎ (मना३ भा ख तक'र ।मः यस कार छ इत्यः हिटलन अवर कार्युम भिटाउँ र राग दिसे किस निवकत দক্ষিণভাবে স্থায়ত শ্বিং স্কুৰেন হিড সাধ্যে खर्लन हिट्नम, ट्रांकना कू पछ आहर म,ाग्न अक স্থাৰ ৰক্ত হুইয়া উত্তাৰে ধাণৰ ব্যৱস্থাৰ উচ্চানিদের শর+ক্ষেত্র জাত্তিত কর্কার প্রস্তি अक्षारक विवृध क्षेत्रा कार्यका । व्यथिए क्षित्र काम्मधाय ठाडून वामिव नकल बाटन शक्ती सिरुक करेंग अवर शुनिट्यूप विशिध-রুতে *ডেল*্র ও মুল.মনের বলিকেয়া ভাষার<sup>ক্ষ</sup> ক্লাউল,জ্জুক্মদের রিফরম্বিঞ্জ অর্পর করাই মতিতে ভরষের মঞ্চিকারও গামলার্জারনের সাধ্য

**(मारू** निष्म निष्म (हात्रभादिः ७ विश्वर एक्:सः) क्षकामात्र मधीमात स्थानक गाँउपदक्करत कुँका विद्वाद्यित, यमनुख्यम भूतिय अन्तीविध्या , ৩৯ডর পরাবাতে তাহা দলেব নিমা চল হইতে भारत्य रहेन अवर निभावत पूरा वे निर्मात **প্রহারণৰ ভারাদি**গের কাছারও হস্ত ধাবণ | काराज्ञ क्यांकर्षन उकाराज्ञ जै नाएक रुखा- । প্ৰপুৰ্মক একে একে বাজীয় বাজির কবিতে আবস্ত করিল এবং বাউর মধ্তিত আর কাব খালক ৰূম ও মুৰক যুৰতী প্ৰভৃতি ভগবান্ত-सम्बद्ध के अपे क्या कर्त्यक नाशिन। वर्शक्वीरण (ब मक्त बाडी (स्वादकारम च च चारम शमरमा-নুধ হই দাহরিখানে পুদক বর্ত,ৰ নিকট বিশায় ক.বি.ড তীত কুঠিত বা লক্ষিত হটল না প্র-হ্ইতে বাসীর মধ্যে গমন কাবতে,ছংগন, প্রহরি-লৰ ভাষাদিলের প্রতিবোধ ক্ষিত্র আলক্ষেত্র মধ্যেই কন্ত্রীর আনন্দ ভাণ্ডাব জরাস্ক কাবাদাব महून एड्या डिडिंग। कान फारन घर, घर, घर, মার, শব্দ হইছে লাগিল, কোথার বা চন্দ্রপাছ কাৰ চট্ চট্ ক্ৰি হইডে আর্জ হইল এবং (कान ज्ञान बहेटल " मनाम मनाम, बाहे, साहे, बुक्त कर, बुक्त कर्न, स्नाशहे, हाशहे व हेडारि আর্দ্রনাদ শুনিডে পাওয়া গেলঃ আমরা দেখি লাম কোন লিখা আপন মাতাকে হাধাইয়া ব্যা-**ভুল হ্**ইয়া **সাঞ্চনগ্ৰনে ভ্ৰমণ কবিডেছে এবং** কোন জননী আপন পুত্রকে না কেবিডে পাছি। की, निया आ क्रेंब्र क्हेंट एट हर, दकान आसी जातन এব্যারনীর মান ওলজ্ঞারক রজন, ছণ্ড পুলিব सहित्र ल्ट्रा , इत्रम बाद्रम कार्ट्रिएए अवर (कार्य 📰 শীয় হ দীর হুর্ম.তে দেখিয়া হ হাকাব শবে বিলাগ ৫ কার্মায় করিভেছে, কড জীপুল্ব স্থান করিয়ে বাদীর মধ্যে নিজ নিজ বাসায় ব।ই यात कर्म, य . १ व्यानिया प्रयान्ता इत्राव्यागितार निकृष्टे कार्र विकास कम्माविष्ठकरभवत हहेगा कव পুটে বিনতি করিভেছে, কিঙ কিছুতেই তাহাদি (गद्र भाषां व क्षत्र प्रमात मधात मधात एकेटए हि सा। याजीविद्यात कर्म्सन इस्त्रना मित्रा माकानिया नकरमहे माकान वक कविया अवस्पाद हाडी क्तिएक माधिम अवर व्यवत्र, श्रेत प्रश्रेक छ। १४ छ। 🛊 বিক্লেডা সকলেই পলায়নতংপর হইল, ক্তিত ক্রেডা ও বিক্লেডার মধ্যে সকলে দ্র্যাদি-ताद कहाल इस इहेटड तका भाहेटड भादिन শা। মানেকের জ নবেণিত নিষ্ঠান্ন ফাপনা হইতে

भीर्व भीर्व द्वात्रत छ अवर विभवागष्ट क लाकार्ख । अन भी स्टेस्क लाजिक अवर आस्त्रक त्वालात । शिवद्रा त्वांव स्टेस्क लाजन (वर्ष स्ट्रीक যায় রক্ষিত ধন ত। হার সকিবাব অকুপ ২ইল। এক দণ্ড পুর্দ্ধে বে স্থানে নানাপ্রকাব গীত বাদ্য ও আনক দৰি হইতেছিল সেই স্থ'ৰ হইতে ক্ষমব্যত হালাকার ও আর্ছিনাদ আতে হইতে লাগিল। নিজ ঠ কুর কটো এইরপ কবস্থ করিয়া পুলিব দ্ধের। ক্রমে প্রতিবাসিদিনের व्यक्तिमर्ग ध्वद्ररू इंडला कार्राय समृकी महद्र কুছ কবিয়া ভাৰ জাহাব বছ কবিল এবং কোন কোন ভদ্রগেকের বাসীর দ্বার ভগ্ন করিয়া অস্তঃ পুৰ পৰ্যান্ত প্ৰধেশ পূৰ্মক নানাপ্ৰকাৰ দৌৰামু कविष्ठ नाभित्र। अष्ठः भूष्व हिंगी नकाचीता कुनकाधिनी पिराव थाछि ।वनप्रवा.वेक वःवर्'र তে,ক মুছের কবাট ভার ক্রিছে জাবত করিল अन् व इ व इ नियुक्त मत्या च्यानामी च्याद এই ছল করিয়া ভাষা ভগ্গ ও বিদারণ করিতে লাগিল । অনেজর সকলে এক ক্রিড ছইয়া পুন র্কার নিজ ঠাবুর বাচীন মধ্যে প্রবেশ গ ৪ক পুর্দা-वर क्षोत्राच्या क.वटक लागिन । कर्राधावनशी गर्म गरम्य (गारकंद्र व्यक्ति भव्न भवित है दुव् घटश्त्र का १ एव कर्त्रहा छवटक वामान्यकार অভাচার করিল এবং পরিধারক ও পুরুষেরও ক্ষতিশয় অপমান কবিল, কিছু কুটো । পূৰ্ব-मानार्थ रहेएड मा भारत्या कव्याप्तर ५ ७ द নিজ জ্বাত্তঃপুর পর্বান্ত ভাক্তমর করেন নবং দেখানেও দৈশ বিদেশাগত বছতর নো:বর কুনত্তি পুলকন্তাৰ প্ৰতিজ্ঞাপনান ৩০ ৩. ১, ৮-हात कांत्र उन्हों स्वार कांच्या अहे जकत वर'-भाव मक्क्ष्मेम श्रूषिक हेडबु:चे हेहे..) कोवन'सूत्र हा त्व विविद्य ४क्षेत्र ६हेलाय । विखर प्रक्षास्त्र ५ পরু জা,নতে পারিল:ম যে যোষপাড়ার বর্তমান क्षा में बत्र हम्ब भारति नारम कलिका छ। त कार কোটেৰ এক দেওয়ানী ভিক্ৰীকাৰিৰ সহায় হা कर्रांशनहरूष भक्षण श्रुतिम अहेन्स्य ७१८० কৰ্ছব্য সাধন কৰিতেছেন। ঈশ্বৰকে ধুত কৰাই डाइक्टिशत केट स्मा, किस व्यवनारू के है। पर्यत्य ভাহারা নানা স্থানে এইরূপ দৌবাত্ম কলিল, আসামিকে প্রাপ্ত হইস না। অবশেধে সন্ধান কন,ায় কি ন্যায়সকত মুদ্ধাছে। এবিবন্ধে উ প্রাক্তালে আসামির নিম অন্সবের ছাতেন ক্ষাট ভালিরা ভা**রাকে দল্ল ভন্নরে**র ন্যান ধৃত করিয়া আননিল।

मक्ष्यतित्र श्रुलिय मुक्रमक्षियांच, देश प्याप्तरा शुक्राविविद्येक्षानि अवर व्यासक प्राप्त शुक्तिरवर नाना शकात (मोदायाध्य कि.चेत्राकि, कि इ. ८५-সামান্য কারণে এড ছুব পর্যাত্ত ওরু হর বর্গার आयता क्वम दर्शय माहे। छ।शहिरशत कार्यः

मञ्जूषम प्रश्चित थम आप व्यवस्त्रीसम्ब वर्षेत् प्रार्ट । এই পু नेय मरनक अमहरू विक्र आहे किन भरिष्ठत्र मा लहेद्रा काम :। ज्या क्रिके क्रिकेट क्रिकेट मा । जिस्मद माण शाण घाटजेत क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट বারু দর্গ প্রধান। ইনি অভি ক্রু বি বিনীত কথাবার্তা ভনিলে 📆 👣 কর আন मार्गक ७ छेनास शूनिय क्रिकी बनिया वाथ रत्र । भूटर्स केनि सुक्र निर्देश के विद्व ২০ টাক। বেডনে মুর্রিগিরি **কর্ম করিতের**, সরকার ব'হাছর ইকার বোগাড়ো র**র্থারা হ**র मछ होको (बङ्दबर धरे छेक्क्पन स्थान क्षिप्रा-(इन। (वनी राजू (राध **१३ १९३) व्या**क्ति **कार**नन, कथ'म कथान हरे अक ब'व देश<del>ीकी लक्ष</del> केठा-वन कविद्या हिरमन। देशद भन हरिक्यरहरू भन देन ম্পেটৰ বহু বাৰু, ইহাৰ ছুৰ্তিটা কিছু জীৰণ যতু বাবুর বড় রানভাবী, ইহার সহিত আরু, किंदिएड क्यांशांकिएशत्र मार्ट्स स्थान 🐠 করিব কি, মুখের ।দকে ভাল **করির। ভা**ক্ (छहे शादिलाय ना । यादा क्डेक, देखि अवीन्, कार्य, कतियारधन देश एक मीक शन पूर्वि, হংলে ভাল দেখায় না। তৃতীয় 🙉কেন हे म कार्काशाय (इंडक्स्ड्रेसिन व्यश्निः मार समानार, देविङ कामलाम, क्याल्यभाग भावत्व विक समाभारत्व यक त्यांत्र है दिने; অপ<sup>্</sup>টো একবার ছট্ বৎসর মে<del>য়ান আটির</del>াট (लग, किंग्र एक्टना है, रूप (क्र्र क्ट्यूक्रीक्री) महम काउँटिक भारतम सा छ। हो सहरता स्थापी সবকার কমাই বা পাবেল দে**ন ? ইং ছা** ডি उद्यक्त अक्ताक, इहेब्रा आवामिनक देनिया क्या भागरक श्रांत्रवात क्षेत्र**मारक की**शंद्री, स्वक् कार्थः कहित्रार्डन, चारेन चन्नुगुरुत रेहाद च कर कविटाउ भारतमा किर्च बारानिस्थत 🗫 🕏 ঐ সকল অভ্যাচার হইরাতে, ভাষারা, উল্লাড় माष्ट्र अधिमरिक्ष माम कविष्य मिलाया লন্য কাৰাঘাটের ভেপুটা মালিক্টেট 🔊 বুড়া ব श्रीहेशहास भारति विकार नीलीम कहिसार 🤏 याहेटल्ड । अध्रत्न चितिष्ठे समिद्रवन .(व व व वृत्य श्राप्तात्र विकाय केंद्रेयम स्थाप्तरकार सा भग्रक सामना खाहा **जनभङ**, करोदेरङ के करिय मा।

-10 -

কেন। ২৪ প্রগণার অক্তাপাতী লাক্স নিবাদী বাবু শতু চন্দ্ৰ চক্ৰবভীৰ কাশীবাধ ব

ছোৰপাড়ার ধবা ধবার্ত্তক আপন মডাব-मही लोकदिवाक एश्वस्त विवय दिवस TOTA I

क्ष दोनी किल किलाकिय कार रहन ক্ষামিরাসী পাষ্ট্রী সংশং ও গোপাল भार अमेक्क का एक उन्तेश व न कारी-নিৰ্মান মাৰি পি এই ডিল র' গভ ১১ই ফেবি ৫ কেন্দ শুখার উক্ত কালীকে শুলু ব বেশ-ছ **য়ে**বাগান হচতে গুড়ক বিশ 👣 ,ভিক আংশিকে কবিবাং ব भू तम हेना,•०° । रोश नार्य 🚅 🖓 💥 🎆 🏖 আনিয়া তথ্যত্ত ভাৰত **्रिक्टिश्टर**ण काम'बीकर प्रसार दशास २०३१० **হর্টেক্ট** আসামী গেপাল গোদ গোলন ውርያ 🐒 ጭ' ያ ጭር የ 🛚 🖈

िश्रह्मत (१८२) को रिप्टेने 🗫 हुन विकड़े दिना नष्ट रूभ-🚺 আলাশ্বংশিবে বিষয় এই প্ **ডিনি যে** যজিলকৈ বিশ্ব রানি-**्रिक्ट इन्ड इम**रकात ५० 'का 'विष्ठ । ो कतिष्ठारुक्रम, '' २,१४१ स्वतः বিনিষ্পাৰ্য বে'ল হই ফেব্ল হেপাট্র টয়ার প্রেখ্য : : : : 🗪 🛱 मामान, धारतल १४८ ( ४५८ स ক্ষা মাজ, এবং যদিও ইয়াতে ১চুদ্য **ইবাচে, ডখাপ পে** কৰা আৰু কী **व्यक्त वर्षाः । " ज्ञालकारः स्टोर्गः हैनंडमा क्रिक्न का, दिहा-ही** क्यान सम्रख **রাষ্ট্র ই**হাতে তেপুটি ল'চছ;ব **ন্ট্রা ও বিচার ক্**মতার প্রচয **নিজ্ঞিত দেহ সক্ৰে** গছ ভূতি লৈখাতে আধান উপত্তিত विक्रमाय क्रिकेट किया, एक ह यकता विक्र **क्षिक जामन हैं बैलिया** निष्का के करना अन **अभिने विका मुलि**क्षि विनया ८ ३ प्रधान करेएना क्षेत्र में देश काशरक अग'सामः नाडः, छ ३। দীয়ত্তা **বুক্তিতে প**ারিলায় না। পার হাসের না **উল্লেট ব্লিটাই** মক মাসী সঞ্চৰ ভ্টক **हिरांतरे या जिल्ला विका** क्षेत्र २ माल (कड़र **भिंदि को देवें के भेटन और**न्यानक करना (शेर) **টুবার কর্তুক স্পানিত চইল ০ ভানর** তলার '**প্রতীকা করিয়া** ব'গলাম।

**ক্ৰিটিড কৰ্মন গাহেৰ বচেন,** বিচাস-**নিয়ার কার্থ। এরত এইবাসা পুরার ভারা ।** 👰 আৰু আৰু কাষাহ্ৰ কৰ্তৃত যে গুড়াতৰ ভাৱ क्षिक्ष मा, क्ष्मा नम्बद्धा राज्य करा हैं कि कि कि विरोधित क्षा कर्षा कर्षा, त्य मन्त्री कर्षा क्रिक देशीय आखदिक देखा त्यक्रण जाद एवं र न्यू वे र र रियो ।

७:११:१ ६:उट ।य अष्ट्रिकी नेपालिक इंडेल, क्षारी অন্য ক'হারও হত্তে সমপিত হইলে ভিনি ফি প্রকংব সহিচাব প্রতীক্ষা করেন। যদি কেপুদী | নিরম্ভব সকলের উপাসনা করিছেছেন। বলির্ছে স'र्टर्देत द्वान कार्यो म अधकार्य ३७ व्हेर्डन াহ হুইলে গেহিলগুকে **ক্ষরাহতি দিলে ভিনি** া নাস্ত র থাকিটের পারিটেন ৪ **অথবা বে বিচা** বক এ৯প সিদ্বান্ত ক:বিজেন গাঁহাকে বংহা জান-ৰ গ্ৰন্ত ৰাতুল ৰ লয়া স্থিৰ কৰিছেন ও ভাছাকে নেশার কর্মির ক্রোগরে বিবেচন। করি**তে**ন ই राम्पादक बहानध्र । मर्खावन्तिक कि अबन ক.ম আইন নাই যাহাতে উক্ত হইয়াতে ( জাই ে; হ,ণ "৯৯ ৩০০) যে যাদ (কছ কোন পাপুৰী क भी । व्यवना अयो द्वार करवार वर्षात वर्षात्र स বেছ তাগ (वान श्रवार न्।।।,३० अभ्य क्षिया करवदः कादाङ करेय

डाह' न जुड़ा भी आ भाष्त्री तम वरत, फिल्म वहेरल লংহ'জ সাঞ্চকে ৩২°মাস্ক স**্জের ভী**বন ७ एका बद्बीय हो करत र छात्र व्यापानी-গলকে সংক্র অব্যক্তি দিবাৰ পুর্মে ডিনি १५३ म (क) १८२**५म। क**नि**(सम म) (स, अछ**-ह 🕆 (अन्य मञ्जूर्व शक्य व्यवसा इहेर्स

াঞ্জার বাবু কি লিপোট ক রয়াছেম, ভাছাৰ प्रतिरूज्य अभिराख कामा याच्च माहे कि हु स्थान-नरन रफ़ जाल रूग यहिराहर मा। याश क्ट्रेक ৭ বিষয় কাগামী বাবে কামর। সাধানবের গ'১ব ব বিব ।

ማሻ∖ ፕሮጀ (১৭ বলহার অন,\*চাদ্হিক よっつつ 祈代 २०दे∄। 87리카, 1

সহবের সামরা সহরে। কিঞাং সন্দিৰে राज करित नार जहात इकेश हि अदर मार्कनाण-(नद्र (त कंप्रदेश अधि विष्युष भूमा कर्त्रिया काराज्यक अध्यक्तिक ल अप्रमः । कतिहा चल्डाम **এবং देवर अन्तरिक** ट्रायातातात्वय हेपार्कन कविटायहरून। कि িলারট আল্ডান বেক্ষের কর্মচারি একজন ্বান্ত্র স্কর্মান স্পান্তভার কটয়া আমা সংগ্ৰান লাভী ভিছোলী কৰিবা**র জন**ং । ५४ ७ ३ १८) स्थ ५५ देवतीलय जालन करूरन अवस् काहार या इक्षद्रिके**ड विकालाय गार'य**। াব এর্ণ ক*িবাছেন* । এক্**ণে এছেশেব একক্ষ**ন ভিত্র পি বছ**্রে বিচ,'লয়্টা অপিতে হর্মারে**। उँका क .. वार्य, किंडू हे माहै। या किंडू विवय जारह ए 'र ;'ड३ प्रथमात वाजा विनी**र कविएउ**~ (इन । गाँग ८ इनि विका**क्षत्रत वाग्र निकीशार्य** 

নহে। ইনি মাড় পিড় দায়ে বিত্রত কিবা কর্ম্য **चार अ: छत्र न, 'य विम्र'नदृष्ट देश छत्र मिनिय** কি আপনিও এখিদ্যালয়ের বিষয় কিছু কিছু व्यवशेष व्याद्वा । श्रकत्न आदिन व्यक्तं अक्कान হিট্ড ব্যক্তি (ভিনি কঠোর পরিপ্রে বিদ্যালিকা কৰিয়া একৰে একৰণ বিষয় কৰী किट्छाइन ) मालान्द्रकत्र महिन्दे पुल्लि कविष्ठा याशाय अर्थे विमानार्यत हेम कि स्व ভবিষয়ে বিশেষ চেণ্টিভ আছেন। প্রামের অ-(महक अविवर्ध किइ किई गाइ'व, क्वि**एउ (इस** কৈন্ত ভাষ্টালগেৰ নিকট বিনীজভাৱে প্ৰাৰ্থনা এই यে ऊँ।हात्रा विराय विराय का किया विश्वा गराष्ट्रका नहरू । ए।ए।एईएम (ब्राट्सन करमन वानकरक वर्षक्र न विशेष इहेब्रा होना ब्रह्म थान किएड बहेर्ट मा। मण्डीसक मर्शमग्रः **अहे** स्थ-ায়ত পত্ৰট প্ৰাপনাৰ নিকটে পাঠাইগাম ইহাজে আমেৰ কা কুলের সম্পাদকের নালোলে**ব নাই** दिल्या पूर्विष्ठ कररा। भिष्य अकिरवन मा। ধৰি এই সামান্য বিদ্যালয়নীৰ বিশেষ উল্লেখ হইত ভাগ হট্যে আলুপুলিক বৰ্ণা কৰিয়া म्याष्ट्रस्थ निवादन कविष्टाम ।

সহয়ের দরি ইড ছানবাদী -वा अरुधन নিভান্ত হতভাগ্য

সম্পাদক মহাশয় ৷ কলিছে স্বৰ্ণা, ল বিল্যা नाप्तत प्राप्ताचा निष्मक, विक्रवन 🗐 क्र बाबू (प्रांभानहत्त्र वर्ष्ण्याभारतेषु दशन्युव (हर्नेश्व केल विन्तानस्त्र चरीनम् ११०१(यन् वाकाक्ष) भावेचानात्र भ. ७ : मरशब्दात्र व कर**७,८क व**र्द ৰ্ষেন্ট হইতে চারি চারি মাদেব বেডন পুরস্কার পাইয়াছেন : ইহাতে গোপাল বাবু ' ও প্রধান-ডম ইন স্পেইর উডে: ২০।৭ বৈশিষ্ট্রপ मान्रक्षा त्रकान इरेब्राइड अवर डीहावा (व. ≝ प्रविद्यास् एकत् रकोऽकात्र मा श्रवरम्बदः। ्थनरः। न,।:वेड:प्रा,ोधार अधार मीक्रक्रफ़, र ओ**बरेश व**र् ভগৰকাঁভোর অন্তর্গত এই কাবে র ব্যাস मध्य ज्वरशास्त्र आहिम कर्ष्यस्य 🗸 🔭 माहै। এঘণে উল্লিখিড পঠেশালার পাং সময়াশল্প निर्वाद श्रीष्ठ व्यामाद व क्रय, अहें ( व्हाई) भाष्टिनम् यस महरूर्टर च च केर्डर् म 🕞 कहिन्न केळ श्रधान विक्रक महानगरक मध्ये अने अवर् ভারাদের ভার্মণ বাহাতে অপেকারত সভ্ दिख ७ इ.निक्कि रह कियरह थिएन महना-(बाबी इंडेन, फारा रहेला छेरकृडेख्द शूबक्रीक)

ARTHO ANAZON MONANTAL CIT. কীর স্বর হাওড়ার হাটে এক ব্যক্তিরাসিয়া **अंदर्शनेत्रो कड़** कि अहिटक जाक्ष्य माहारह সাম্বান বাৰিয়ান<sup>ত</sup> এইয়াপ ২০০ বারু ব্যাহত स्टिन व्यवस्थातियन, ज्ञाच 🗷 अक्टिक्ट्या **স্পাদি বিজ্ঞান বিজ্ঞান করিবার বিভ** ব্যক্তিয়ক্ত হইলে উক্ত মহা পুরুষ, প্রবোপা-ইয়া এক ব্যবসায়ীর এক খলি টাকা ইয়া '**अवगरवरभ जगका गर**धा **शरवन क**तिन *(च*रक्र ভাষাদে ধরিছে পারিল না। কোথার এঞ-ক্ষ্যে ৰঞ্চৰা, কোখার বা আর্ডের করুণ খর!! २२ व हेन्द्र লি**বপু**য়

(बाबानाहरू,इकार्र म जातक महाजब । देनह्या विमार्थ क कार करन बार्यानका भन्नेकाम नामा नामा कार्या । को कुर्योद्धा ३ साम क्वानिय कारक

- अ नावाद्राक ७० ७ इंस्क्राकी ্ৰের পণ্ডিত্তকে ৩০ টাকা পারিতোষিক দিয়া। ইছি হইয়া ৭৫০ টাকা পর্যন্ত থাবার বেজন ছেন। এবং বাপলা কুল হইতে ছাত্ৰহুছি পরী কার৮ জন উত্তীর্ণ ও তথ্যব্য ১ জন ছাত্রহৃত্তি **भारतात्व संसम् स मित्री** । शिक्ष वस्याक्रस ৩০ টাকা পারিডোঘিক প্রাপ্ত হইয়াছেন। পূৰ্ব বংসরেও ইংরাজী ভূলেন ৫ কন পাস ২ও রাজে ও বাল্লা জুলের ৬.জন ছাত্রবৃত্তি পাও-ব্যুতে উক্তরণ পারিভোবিক প্রকৃত **হই**রাছিল। এইল্লপ পুৰস্কৃত শিক্ষকো যে সবিদেশ উৎসাহ সংকারে ও ও কর্ত্তব্য সম্পাহন করেন ইছা বলা ৰাছ্না। কিন্ত এক জন হেডমাষ্টায়েব ভাগে। ই বার পারিভোবিক লাভ ঘটভেছে না। হেড बाह्यात्र वान् शितिमध्यः हरहेग्यासात्र वि. अ. > यरगत माज कर्ष कतिहा तक माटन भएकाति कतिप्रारहेन । खीवुष्क योवू नटर्सकेत मसूबनात ওৎপদে মিযুক্ত হইপ্লাছেন। এক্সনে এই নবাপক शबू क्रूक्टर्स (एकमाडी तगरनत न्याव चीव कर्ष **यटचै।लीक रहिटल क्ष्रं:**अड विषय **क्ष**्र । जाड गण्ला वक बहाबरहत्र यसि विक्रक्षात्रह महाह साज-গণের জন্য আহপ বাংসার্ক পারিভোন্ডিকের বিশ্বাস কৰেন ক্ষত্ৰ অভিনাৎ বিদ্যালয়ের অংশকা কুঁড উন্নতি দৰ্শন্ দ্য়িতে পারেন। কিন্তু ঐ কার্ব্য व्यवनायाः वाक्रेस्ट्राहितः व्यथाकः वर्गमः साम अ विषय किथिए महतारवाची वहेरत ने কাৰ্ট্য অনারায়ে সম্পদ্ধ হইতের পায়ে। থাহার। विद्यानिकार अमुख्यम ग्रा श्राप्त कतिहाल रके व व किहान वेहानीन अनुमान कहिएछ-्रहरू यथा यात्र या। क्रीकार अक्टम अक्साकुर

रदेश बटनाटवाकी इंदेरन ऋट्यात लाका वार्ज श्रक्षक श्रेटक कथ विश्व शांटकी वांश रेकेंक, अकरन रव ठाड़ि अन मन्नानक खेकाव्यक्त অহরহঃ জু নারীর শুক্ত কাষম। করেন ভাঁবাদিগকে ধন,বাদ দিল্লা প্রস্তাবের উপসংহার করিলাম। डीश्रां अ विषर्त्र चर्यस्क्र चावर्ग चन्नभ स्ट्रेस्ड পারেন আহার সঞ্জধ নাই। জগদীবর সাহাদি-शक होएं जीवी कतिहा एए जब वह विष मन्त সাধিত হইতে পারে।

काम के बड़ यमसम ঐতিহাচরণ ভটাচার্য। >> 47 1

जन्दारक बहानवा जला जानबादक अक्री শুক্ত সংবাদ প্রেরণ করিতেছি। আসাদিগের আস্মীয় জীবুক্ত বাবু পঢ়াবীচরণ সরকার উক্তম শিক্ষদিগের প্রেণীর শেষ প্রেণীভূক্ত হইরাছেন আগামী ১ লা এখেল হইডে ডিনি ২০০ টাকা (व उन शाहेरवन। शक्ति वश्यव १० हेरका (वस्त्रन **হইবে। ইনি ভূজীয় খালালী গোণীভূজ হইলেন**। ৰে ভিন জন বালালী ঐরপ শ্রেণীভূক্ত হইলেন টাহারা সকলেই উপযুক্ত পাত্র। কিন্তু এ বিষয়ে र्जुनक्षिराञ्च अक्षेत्र थाय वृष्टे व्हेरक्टहः अहे ব্য উপলক্ষে আমায় আয় একটা ঘটনা স্মারণ হয়া, এক জুন ধনাচ্য ত্রাহ্মণ উচ্চার পৌলের दित्तक् छिणलाटक मनक् खाक्कव मिरशत मार्थः कुमीन अध्यक्तिगरक वस्थाना अवश्यास आक्रामिनारक ৰাচী বিভরণ করিয়াছিলেন, ইহাতে বেশেক ত্রাক্ষণরা অগত্তই হন। কিছুদিন পরে ঐ ধনাচ্য ব্রাক্ষা ভাষার কোন আন্মীয়ের বাটাতে আদ্য आह छेननरक अशक्का करतम, निम्हिक ব্রাহ্মণ সকল জলপান করিতে হণিলে সকল প্রাক্ষণের,পাতে হুচি কেওয়া হইলে এক জন ৰংশক্ষরাক্ষণ (বেপুর্মে বাটা পাইরাছিল) অধ্যক্ষ মহাশয়কে সংখ্যম করিয়া বলিকেন, মহাশয় ৷ আপনি এ কর্মে অধ্যক্ষ পাক্ষিতে এরূপ অবিচার: ডিনি, কি অবিচার ংহ্রাছে বালু জিজাসা করিলে, সেই বংশজ ভ্রাক্ষণ বলিলেন বে, মহামাঃ অধাক থাকিতে মহামান্য কুলীন বাকাণ বহা শয়দিপেৰ পাতে সূট, আৰু এই স্ব বংশল জাক্ষাণদিগের পাতেও স্থৃচি ৷ ইহাদিগের बार्या हिएए हाराष्ट्री रकेन करवन नार्षे, वक पावि हात स्टेबाट्ड '। जामाविटनत आकर्नुस्य निरमप्रत ग्रेस्टन कवि:ाह किथिएडडि । **कैश**हाता क्षथरम উচ্চতৰ ইউং ক্ষিতিকক্ষিকেক্ষিকের জেনী বিজ্ঞান क्विटनन, अफ क्विन्स्टिक न्यून क्विटनन मा,

ভালই করিয়াহিলেন হৈছে বালানীকে সেই জেনীক্ল কিঞ্চিৎ ইডর বিশেষ

(कथि(छहि । মহানয় ৷ আর শুনি निक्किरिशत (अनी विं (हम। (व विषय छेनाईक) সন্পাদক মহাপন্ন এড কথা আখাস দিয়াছিলেন, বে সাহেব বহালর '' বড় ব্যক্ত चारनन त्नांदन बंटन '' किंड सर्वून बंद्यान्नटड সাহেৰ মহাশয় বহু বিৰো বেডন রৃষ্ণির জন্য বে ৮০ ছিলেন ভাষ। **ৰজেটে বার**ি এक औडएक्ट्रे नंकन त्यंत्र (कम आयामिरगत त्रा**व्यमुक्टरे**के চকা: তেলা মাথার থেক অভ্যাস আছে। হা ভোমরা বে এড আশা স্থ বিকল হইল। ডোমরা এই 🕸 भग्न (काक शांख श्हेरन गर्नेक् এই সংবাদদাভার এডিও ভোষরা যে এত আৰা করি৷ ছিগের দোষ, কোমরা राम बाहे त्य '' काशव प्रदर्श की ৰালি \* কিন্তু ভোষাদিপেই এफू**ट्रमम (भटच**डे गण्लाम्<mark>स्</mark> গের এড আশা উদ্দী নতুবা ভোমরা একবে 🙀 रजान रहेरच मा । छांशांकी বেমন শুনিয়াছিলেন, বেইক্ द्भण मिथियाङ्गितन, जिनि উদ্দেশেই निश्चित्राहिल्यं কোন দে'ৰ নাই এবং ডিৰ্মি য়াছেন বলিয়া যে ভোষায়িকীয় इहेरबन कार्यान्द्रपत क তিনি অতি সমাপর ব্যক্তি अनी निष्ठांग मा स्वराहर इब्र (कांबोजियर क जनकर है जोड़े बाहा इंडेक, जानात स्वीक स्व WHICHE CHICAL A TOWN ভোমরা আপন আপন আক্রম বোপ কর, আর কাহার ক্রমে নিয়া

29 A 415 34-45 1

\*\*\*\*\* (- "! د الآناط و تعاد ا

্ৰেশ্বেষ্থাপ্ন टन इतिमानु के देना 121 ガラ つ अ.5 जेन ५°८७ म∤ म " \_ ] le|: 4i. mit . (\$14 & F: 1. 1. 1. 4. L. 2) ani 300 11-5.

**र , स्वा**नीकेशास्त्र, व ७० किन्ना भटा के निर्देशकार 3334,84

विक्रियाम्बर्कात्स्याः विच्याः काटन ग केनर के बिर्म इंडेएड जानिक के र 

क्षत कि कि एक दे कि कि कि वहा जा दिन स इबाय है जिल्लाबिक्ट अर्थी बहुत कि क्षेत्र कार्य कार्या है बढ़ था। ।। म मा

हिस्सा गाञ्च ,र अतः लिकः The state of PROPERTY. W 懊摇

্মুলায় প্ৰানী হ'ব কৈ তে 🎁 😘 साम 🙉 🔊 प्रभूव संद , निल्हाई देव, करन, ুৰিকাকে কেন পুৰঃট ব'ং। विष्ट्रेस केंद्र प्रत्न, निर्द्रद **बि**ट्रे विष्या भागा । सम्देश **'ऋषिम केरद कश्द महोरूदः** शिक्षांनी वर करा , राज धकः शिक्षकेक महास करूस हा . जन. 李智 獨立 李林 क्षांत्र उत्तर क ्धिकान अकात का धनाम वा

Νŧ

<sup>८58</sup>ष्ठ कार्

rat. । प्रम ऋस्टरमञ्जे का ४, कर्दन もんなん しょくちょうしょ Garenay. 🌉 মার বিদ্যাত্তর পরিচয় मिमारका कांश केंक्क (क मा परिवाह कर्र-क्षा प्रकृतिमा कार्बीत रा क्या शह काराक चार्कम अवद नवीर क कार करा बिलात प्रश्ना प्रविद्याद अवस्य भारते एक व्याप्त हरा । **एक कोक्स मन्द्रिक किंद्रिका विकास साम्बर्क का** क्षि**क्षण सामि श्रा**कानी त्यानामगरपट क्षिक्रिकाम । स्वद्भारके हे : कन धारा अकरता **िक्रिक्ट अन्तर्भ** त्याम इतेवारक, विक्र श्री क्ष का कर र के के के के के के के

্ৰণ্য স্থান কই এ প্ৰেৰ প্ৰিক ষ্টাটেছেন। रंश ५वन्यारे के कार्य त्य ग्रहाटा विवासिय च<sup>र</sup>ं. डॅ'₹'२ इंध्य <del>प्रश्नुनक्तम क</del>्रिम्'हे क,1क ্লয়য়াছেন, ভীহালা কিতৃলোকেৰ নিক্ লাঘ্য কলিয়ে, ব্যাত হইবাৰ নিমিত্ত এ৯০

त्यचकर ... तक वाद दिर.हमा क्रम म' ভক্ষা ভগাধ উভগোট এক ভাষের স্ট্র, উভাগ্য-तहे के न , , क्षेत्र क्षेत्र भारत छ भूत्र व्याद्वर । ্রহাবাও জাহ'ব দা । জীবিত ও বর্ধিত হয अक्र व कार, वांक प्रामिट्रिय माझ । अञ्चय, াবান বালকাই কি ভাষা,দগকে ( নালকা था(व.स.१४) का कतिका व्यापनात छेन्य धूर् क्षित्रम ? अक शीविश्तिमाख्य नामा श्रका ाल डेरन# म्हेश व का

क्रीर्श्वरहा, इन्हरूत । स्यूष लक्षमा अवधि টেনবেৰ জন্য শান্ত শান্ত জৰিৰ হয়ে। কৰা বি है हिंछ २ क्रांबर निष्य । स्थापि (स्थाप्टर प्रम्य 🗎 লোক ধৰি কেনিয় লি চত ধোৰ্ণী এক বাৰ দৰ্শন , কৰিবেন ৷ কে সংক্ষি প্ৰতিবাদ কাৰ্বাৰ/ হারা যেন এক অথবা আধি আনায় অধি ৮৯: প সেতেৰে পদাৰ্পৰ করিয়াছেন। আমাৰে ভঙাৰ চিড ংইন না

यक्स्दमकारखन न''त्रमा श श्रव्यात्त । खन (प्रदर्भ नहन्।) हर्ष कः पूर्व। १९ लाजिकर महरू। লেখক মহাশয় 'এক বার এই জোডার তাৰ স্বৰুত্ৰত কৰিয়া লেখিবন কেখি উচ্চাৰধৰে

একাৰ এইটাই প্ৰধান নাম গে বাসমূৰ বিসা ए.। कब्रिएड भक्ष इ.स. ६.। भए। काइ का व क्यों के हैं :- बाह विद्धां के ने एक है। कथा के किया स्वाद हुए अपक अभेद्र शिक्षकि कविद्यम स्रोत

> विद्यमारः जाकिरमय कार्यः कर्युक्षे स्माप £हे (ए हैंड्)ट्रांड कोश, (क्रांभ अदर (साह् व्यक्तांख शक्ता पात्र, इंश्व कम नव्र। अक**र्य नेपंद्रत** निको आर्थन <u>बहे रहा छिनि श्रक्तालई अक्र</u>ण মতি দেউন **দা**হাতে সকলেই দীয়া নিয়াৰিখ-ुस्र¦र्शः ≉सः

> > প্ৰতিবাদণী—

### মূল্য প্রাপ্তি ।

ক্ৰী যুক্ত বাব ধনপতি দিংহ বাহাছৰ ,মুননিমানীয় ১-५८ देवनाच हहेरक देहक . , 20 **৫শবরা ই: জুলের হেডমা** 4444 ১৯१७ हेहज इहेर्फ १८ জীবৃত্ত বাধু পিবচন্দ্ৰ দেখুই उर्प । ३२१8 रेक्टर से इंदिरा

a . a :हमहाप्रः सञ्ज्ञ पत्रक्षामभूत का**क्षमण्डा** ১२१ ई लेश्ब स्ट्रेस्ड खाविन क्रमबीवडान (शाय: क्षेत्रवाणि - 11

# ,নামপ্রকাশসংক্রাপ্ত করেকটা विद्यान निष्मा

र्वात्रव गुन्त ७ काक माञ्चन ना शाहरून स्प বৰ সে'মপ্ৰকাশ প্ৰেয়ৰ করা বাছ না।

ইল্'ব অগ্রিম মূল্য বার্নিক ১০ এবং মাধ্য বিচ্চাত টাকা, মকবানে ভা**ক্ষাক্তন সনে**গ ' বক ১৩, ঘাল্যাদিক ৭ এবং ক্রেমাদিক ৩৮০ ि पुराप्ति ह्या एक जिल्ला मृत्य व उत्ता योद्र ना चि, वर्गाक्ति, मिलक्र व, क्रि प दीन :कि<sup>छ</sup>े व जन (डेंब्र वॉक्टिड बॉक्टि ৽য়, <sup>বিচা</sup> শেই উপায় ধারা মূল্য বে'

याशवा श्रीव्यक्तिके निकार्टस्य, মূল্যে ও বসীদের টিকিট প্রেরণ না করেন বৰন বিনি-মক্ত্ৰ চইডে সোৰপ্ৰকাশে

मृत्रा भाष्ट्रीहरूवन, डाहा स्मन ह्याँ अङ्केषि स्वाद्रिक ক্ৰীয়ুক্ত ছাত্ৰকানাৰ বিদ্যাভূষ্যেৰ নামে পাঠাইং (हर्न ।

ব'ংহাদিগের মূল্য দিবার সময় অতীত হইঃ আসিবে, এক মাস পুর্বে জাড়াদিসকে চি লিখিয়া লানান বাইবে, কাল ভাটাত হইয় গেলেও একবার চিট্ট লেখা হইবে, ভাষার প এক নাসকাল প্রতীকা করিয়া কাগজে বন্ধ কর যাইৰে। শেষ ৰাৱের পত্র বেলারিও পারি

মাতলা রেল্ডয়েৰ দোনাপুৰ টেসনেং ছা দুৰে চিঠি আইলে আৰবা দীত্ৰ পাইব।

খাৰাবা মান্তৰ না দিয়া প্ৰাদি খেলৰ ক্ (बन. एं।क्रिक्त तारे श्रामि वह क्य यदि (व मा ।

(का मानुश्रकारन विकाशन निर्फ देख করিলে ভাঁৰাকে প্রথম ডিনবার এডিপংক্তি 🗸 भागा जाड़ाझ भर ७३० फाना, सिट्ड इवेटर नि व विकियान विकाशन मिनि है मह क्रिजिय ाश्य मुक्ति चंचत कामाया गरेरा । अपी

क्षक अंद्र अंद्र किल्लाएर विकास अर्थ, बोक्स विवाद्द्व : त्यामान्द द्वायक मिन् मान्द्रि त्वावगर्व वानिष्ठ अपि त्यामना आक्रमात्व वर्गानिष 43